RAS, PSI, REET, CET
JEN, कृषि-महिला पर्यवेक्षक
पटवार, I, II, III ग्रेड शिक्षक
कॉलेज व्याख्याता, कॉन्स्टेबल

भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था

राजस्थान परीक्षा-20 20®

SATISFACTION GUARANTEED 23 YEARS Disha

Fast Track of Success

RPSC, RSSB एवं अन्य परीक्षाओं (1992-सितम्बर, 2023) की
नये जिलों के अनुसार वर्तमान संदर्भ में व्याख्या

22वाँ
परिष्कृत एवं परिवर्धित संस्करण

डॉ. राजीव 'लेखक'

RBSE सार संग्रह (कक्षा 6-10) का व्याख्यात्मक रूप में समावेश

ज्ञान संग्रह सीरीज

TM No. 1383311

दिशा™

राजस्थान परीक्षा 20^{20}®

भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था

Fast Track of Success

1992-13 सितम्बर, 2023 तक की परीक्षाओं के प्रश्नों का समावेश

22वाँ संशोधित, परिष्कृत एवं परिवर्धित संस्करण

नये जिलों के अनुसार वर्तमान संदर्भ में व्याख्या

नवीनतम वन रिपोर्ट, पशुगणना, कृषि, परिवहन, ऊर्जा रिपोर्टों एवं
सभी सरकारी आँकड़ों का अध्यायवार अद्यतन (Up-to-date) समावेश

RBSE सार संग्रह (कक्षा 6-10) का व्याख्यात्मक समावेश

राजस्थान GK का 'ONE STOP SOLUTION' (परीक्षाओं में 93%+ कवरेज हूबहू)

सम्पादक

डॉ. राजीव 'लेखक'(P.R.)

PUBLISHER :
DISHA PRAKASHAN, JAIPUR
E-mail : disha.prakashan2014@gmail.com
website : www.dishaprakashan.com
Mobile No. 9414248346

मूल्य: 399/- ₹

ऊँ बृहस्पतयेतियदपर्थोऽ हद्युमद्विभाति क्रतुमज्जानेषु ।
यही द्रयच्छयसऽ ऋत प्रजाततदस्मासु द्रीवणं धेहिचित्रम ॥

ISBN No. : 978-81-946562-1-0

प्रतियोगियों से........

दिशा राजस्थान (भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था) परीक्षा 2020 पुस्तक का **22वाँ संशोधित, परिष्कृत एवं परिवर्धित संस्करण 32 नये प्रश्न-पत्रों को शामिल करते हुए आपके सम्मुख है।** इस संस्करण में **II Grade** - (30.07.2023 S- I & II), **Food Safety Officer** (27.06.2023), **Asst. Town Planner** (16.06.2023), **Assistant Engineer (Civil** -21.05.23), **EO & RO** (14.05.2023 S - I & II), **PTI** (Gr.-II-30.04.2023), **III Grade** (Sindhi-01.03.2023, Punjabi & Urdu-28.02.2023, Sanskrit -27.02.2023, English-27.02.2023, SST & Hindi -26.02.2023, Maths-Science-25.02.2023, L-I -25.2.2023), **II Grade (Sansk. Dept.** - 12.02.2023, S-I & II), **CET** (4/5/11.2.2023, S-I & II), **II Grade** (S-I & II -29.1.2023), **Protection Officer** (28.01.2023), **II Grade** (SST-21.12.2022), **I Grade (Sans.Edu.**- 15.11.2022), **I Grade (History**-18.10.2022), **I Grade (Geography**-16.10.2022) **परीक्षाओं के प्रश्नों को समाहित किया गया है।**

दिशा राजस्थान **(भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था)** परीक्षा 2020 कृति में **1992 से 13 सितम्बर, 2023 तक आयोजित RPSC, RSSB एवं अन्य विभागीय** परीक्षाओं के प्रश्नों को व्याख्या सहित **तथा RBSE हमारा राजस्थान (कक्षा 6-10) सार-संग्रह** दिया गया है। इस पुस्तक में विगत **32 वर्षों में आयोजित परीक्षाओं CET** (7/8.01. 2023), Librarian (II & III Gr.), ARO, REET, ग्राम विकास अधिकारी, House Keeper, Lab Assistent, बेसिक एवं वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक, RAS, Assistant Professor, AEN, JEN Degree & Diploma (Mech., Civil & Elet., Agri.), स्कूल एवं कॉलेज व्याख्याता, PSI (मोटर वाहन), HM, PTI (II & III Gr.), LDC (RPSC, RSSB, Highcourt), Asst. Jailer, Asst. & Agriculture Officer, PRO,Veterinary Officer, ACF & FRO, Asstt. Fire Officer & Fireman, पटवार, वनपाल-वनरक्षक, राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल (2005-2022), प्रवक्ता तकनीकी शिक्षा विभाग, व्याख्याता आयुर्वेद विभाग, योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी, मूल्यांकन अधिकारी, पटवार, जेल प्रहरी, कनिष्ठ लेखाकार, स्टेनोग्राफर, वनरक्षक, कृषि पर्यवेक्षक, शिक्षक भर्ती, महिला पर्यवेक्षक, कर सहायक, उद्योग निरीक्षक, उद्योग प्रसार अधिकारी, सूचना सहायक, संगणक, पशुधन सहायक, कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, संरक्षण अधिकारी, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, सांख्यिकी अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कनिष्ठ अनुदेशक, आर्थिक अन्वेषक, लवण निरीक्षक एवं हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) इत्यादि।) के **राजस्थान सम्बन्धी प्रश्नों का समावेश** कर उनकी **व्याख्या वर्तमान सन्दर्भ में Systematic Approach के आधार पर की गई है।** आशा ही नहीं बल्कि हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारा सुनियोजित प्रयास आपकी सफलता में मील का पत्थर साबित होगा। इसलिए सदैव ध्यान रखें कि-

" कोई भी उद्देश्य कठिन नहीं । सफल वही जो दिशाहीन नहीं ॥"

– संपादक

अनुक्रमणिका

राजस्थान का भूगोल

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

राजस्थान का सामान्य ज्ञान

राजस्थान का भूगोल
(Geography of Rajasthan)

1. राजस्थान : संभाग और जिले

❐ **किन वर्षों में संभागीय आयुक्त के पद को समाप्त और पुनर्स्थापित कर दिया गया था?** [RAS -2015]

(1) 1966 में समाप्त और 1973 में पुनर्स्थापित
(2) 1962 में समाप्त और 1987 में पुनर्स्थापित
(3) 1962 में समाप्त और 1971 में पुनर्स्थापित
(4) 1959 में समाप्त और 1987 में पुनर्स्थापित

Ans. (2)

व्याख्या *- राजस्थान में संभागीय व्यवस्था 1949 से प्रारम्भ (मुख्यमंत्री हीरालाल शास्त्री के कार्यकाल में) हुई, उस समय पाँच संभाग (जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर एवं बीकानेर) बनाये गये।*

• अप्रैल 1962 में मोहनलाल सुखाड़िया ने इस संभागीय व्यवस्था को समाप्त कर दिया जिसे 26 जनवरी 1987 को हरिदेव जोशी ने पुन: प्रारम्भ किया तथा जयपुर से अजमेर को अलग कर राजस्थान का छठा संभाग बनाया गया।

• 4 जून, 2005 को मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भरतपुर को 7वाँ संभाग बनाया। 07 मार्च, 2023 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रामलुभाया समिति (गठन 21 मार्च, 2022) की अंतरिम रिपोर्ट (2 अगस्त, 2023) के आधार पर 3 नये संभागों का गठन पर 4 अगस्त, 2023 को कैबिनेट की मुहर लगाई। संभागों के गठन की अधिसूचना 6 अगस्त, 2023 को जारी तथा 7 अगस्त, 2023 को प्रभावी हुई। अत: वर्तमान में संभागों की संख्या 10 हो गई है-• 8वाँ संभाग - बाँसवाड़ा (उदयपुर से बना) • 9वाँ संभाग-पाली (जोधपुर से बना) • 10वाँ संभाग-सीकर (बीकानेर+जयपुर से बना)
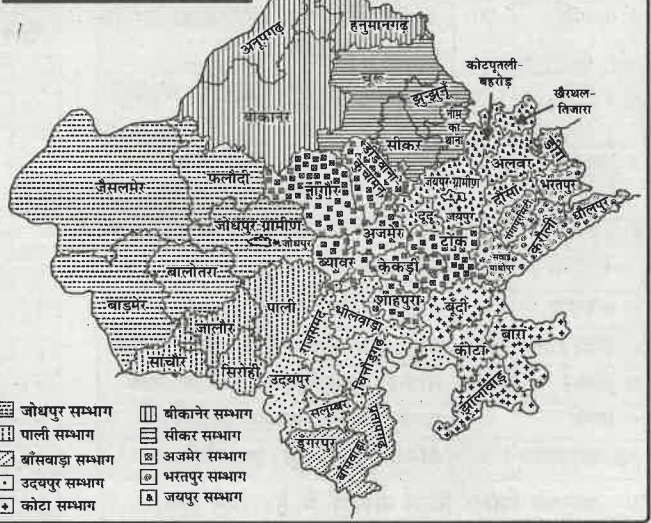
❐ **किस अवधि में राजस्थान में संभागीय व्यवस्था अस्तित्व में नहीं रही है?** [जेल प्रहरी 20-10-2018, Sft. -I]

(1) 1970-1990 ई.
(2) 1962-1987 ई.
(3) 1966-1987 ई.
(4) 1965-1989 ई.

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में संभागीय आयुक्त व्यवस्था को कब पुनर्जीवित किया गया?** [कॉलेज व्याख्या.(सारंगी)-30.5.19] [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]

(1) 1977
(2) 1985
(3) 1987
(4) 1997

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अजमेर राजस्थान का छठा संभाग कब बना-** [VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) 1987
(2) 1982
(3) 1977
(4) 1991

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का कौनसा संभाग राज्य में सर्वाधिक क्षेत्रफल घेरता है?**[स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]

(1) बीकानेर (2) उदयपुर
(3) जोधपुर (4) भरतपुर

Ans. (3)

व्याख्या *- वर्तमान में क्षेत्रफल की दृष्टि से **जोधपुर सबसे बड़ा** संभाग तथा **बाँसवाड़ा सबसे छोटा** संभाग है।*

अन्तर्वर्ती संभाग 'अजमेर संभाग' *है, जो 8 संभागों से सीमा बनाता है। ज्ञातव्य है कि बाँसवाड़ा संभाग केवल एक संभाग (उदयपुर) से सीमा बनाता है।*

जिलेवार सम्भाग (10) : एक दृष्टि में

संभाग	जिले	जिलों का नाम
1. जयपुर	7	जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़, दौसा, खैरथल-तिजारा, अलवर
2. अजमेर	7	अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, टोंक, नागौर, डीडवाना-कुचामन, शाहपुरा
3. जोधपुर	6	जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा
4. भरतपुर	6	भरतपुर, धौलपुर, करौली, गंगापुरसिटी, डीग, सवाईमाधोपुर
5. उदयपुर	5	उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, राजसमन्द, सलूम्बर
6. बीकानेर	4	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, अनूपगढ़
7. कोटा	4	कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़
8. सीकर	**4**	**सीकर, झुन्झुनूँ, चूरू, नीम का थाना**
9. पाली	**4**	**पाली, जालौर, सांचौर, सिरोही**
10. बाँसवाड़ा	**3**	**बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़**

❐ **अलवर जिला किस संभाग में है?** [जेल प्रहरी- 2017]
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]

(1) भरतपुर (2) बीकानेर (3) कोटा (4) जयपुर

Ans. (4) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सवाई माधोपुर किस संभाग में है?** [जेल प्रहरी -2017]

(1) भरतपुर (2) कोटा (3) अजमेर (4) जयपुर

Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राज्य में संभागों एवं जिलों की संख्या क्रमशः है?**
[छात्रावास अधीक्षक, 2008][राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-14.5.2022]

(1) 6 एवं 30 (2) 7 एवं 33
(3) 6 एवं 32 (4) 7 एवं 30

Ans. (2)*

व्याख्या *-परीक्षा काल के समय राजस्थान में 7 सम्भाग, 33 जिले थे। वर्तमान में 10 संभाग एवं 50 जिले हैं।*

1 नवम्बर, 1956 को पुनर्गठन के समय राजस्थान में जिलों की संख्या 26 थी।

क्रम	जिला	निर्माण की तिथि
27वाँ जिला	धौलपुर	15 अप्रेल, 1982
28वाँ जिला	बारां	10 अप्रेल, 1991
29वाँ जिला	दौसा	10 अप्रेल, 1991
30वाँ जिला	राजसमंद	10 अप्रेल, 1991
31वाँ जिला	हनुमानगढ़	12 जुलाई, 1994
32वाँ जिला	करौली	19 जुलाई, 1997
33वाँ जिला	प्रतापगढ़	26 जनवरी, 2008

(कार्यभार आरम्भ 1 अप्रेल, 08)

7 अगस्त, 2023 को नये 19 जिलों का उद्घाटन दिवस मनाया गया। नवगठित 19 जिले इस प्रकार है-

जिले का नाम	किस जिले से बना
(1) अनूपगढ़	गंगानगर, बीकानेर
(2) बालोतरा	बाड़मेर
(3) ब्यावर	अजमेर, पाली, राजसमन्द, भीलवाड़ा
(4) केकड़ी	अजमेर, टोंक
(5) डीग	भरतपुर
(6) डीडवाना-कुचामन	नागौर
(7) दूदू	जयपुर
(8) कोटपूतली-बहरोड़	जयपुर व अलवर
(9) जयपुर	जयपुर के स्थान पर
(10) जयपुर (ग्रामीण)	जयपुर के स्थान पर
(11) गंगापुरसिटी	सवाई माधोपुर
(12) जोधपुर	जोधपुर के स्थान पर
(13) जोधपुर (ग्रामीण)	जोधपुर के स्थान पर
(14) फलौदी सीमांत	जोधपुर, जैसलमेर
(15) खैरथल-तिजारा	अलवर
(16) नीम का थाना	सीकर, झुन्झुनूँ
(17) सलूंबर	उदयपुर
(18) सांचौर	जालौर
(19) शाहपुरा	भीलवाड़ा

❐ **गंगानगर से हनुमानगढ़ जिले का गठन कब हुआ था-** [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) 01.08.1994 (2) 18.04.1996
(3) 18.04.1995 (4) 12.07.1994

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का सत्ताईसवाँ जिला कौन-सा बनाया गया था?** (PTET Exam, 2009)
(1) हनुमानगढ़ (2) राजसमन्द (3) धौलपुर (4) टोंक
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से किस वर्ष बारां जिले को राजस्थान के पहले के कोटा जिले से अलग करके बनाया गया?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]
(1) 1995 (2) 1998 (3) 1991 (4) 1999
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से किस वर्ष प्रतापगढ़ को राजस्थान का 33वाँ जिला घोषित किया गया-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) 2010 में (2) 2008 में (3) 2006 में (4) 2011 में
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दौसा जिले का गठन कब हुआ?** [जेल प्रहरी-2017]
(1) 1991 (2) 1993 (3) 1990 (4) 1992
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **करौली जिले का गठन हुआ** [पटवार-24.10.2021 (S -II)]
(1) 07.09.1995 (2) 19.07.1997
(3) 17.09.1998 (4) इनमें से कोई नहीं
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **27वें जिले के रूप में गठित धौलपुर का क्षेत्र पूर्व में किस जिले/जिलों का भाग था?**
[जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -III]
(1) भरतपुर-सवाई माधोपुर (2) भरतपुर-दौसा
(3) भरतपुर केवल (4) करौली-भरतपुर
Ans. (3)

व्याख्या* *- राजस्थान के पूर्वीभाग में उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश राज्य की सीमाओं से सटा धौलपुर (प्राचीन नाम धवलगिरी) जिला वर्ष 1982 में भरतपुर जिले से अलग होकर अस्तित्व में आया था।

❒ **राजस्थान के नवगठित 33वें जिले प्रतापगढ़ का गठन किन-किन जिलों के क्षेत्रों को मिलाकर किया गया है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]
(1) डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बांसवाड़ा
(2) बाँसवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़
(3) चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा
(4) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर
Ans. (2)

व्याख्या*-*प्रतापगढ़ जिला उदयपुर के धरियावाद, चित्तौड़गढ़ से छोटी सादड़ी, अरनोद एवं प्रतापगढ़ तथा बाँसवाड़ा से पीपलखूँट को मिलाकर बनाया गया।

❒ **कौनसे जिला मुख्यालय की तहसील जिले के नाम से नहीं है?** [जेल प्रहरी-21-10-2018, S -II][संगणक- 5.5.2018]
(1) भीलवाड़ा (2) चित्तौड़गढ़ (3) बाड़मेर (4) राजसमंद
Ans. (4)

व्याख्या *- राजसमंद जिला मुख्यालय का नाम राजनगर है।*

❒ **डूंगला एवं कपासन किस जिले की तहसीले हैं?**
[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]
(1) बांसवाड़ा (2) प्रतापगढ़ (3) चित्तौड़गढ़ (4) उदयपुर
Ans. (3)

व्याख्या *- चित्तौड़गढ़ जिले की तहसीलें चित्तौड़गढ़, डूंगला, कपासन, भोपालसागर, निम्बाहेड़ा, बड़ी सादड़ी, रावतभाटा, गंगरार, रश्मि, भदेसर आदि हैं।*

❒ **बसवा, लालसोट,महुवा और सिकराय तहसीलें किस जिले के अंतर्गत आती है?** [पु. कॉन्स्टेबल-16.5.2022 (II)]
(1) सीकर (2) कोटा (3) अलवर (4) दौसा
Ans. (4)

व्याख्या *-पुनर्गठन के पश्चात् राजस्थान के नवीन जिले एवं उनकी तहसीलें - एक दृष्टि में*

जिला	*तहसील*
1. अनूपगढ़	*अनूपगढ़, रायसिंहनगर, श्रीविजयनगर, घड़साना, रावला, छत्तरगढ़, खाजूवाला*
2. श्रीगंगानगर	*श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, सूरतगढ़, सादुर्लशहर, पदमपुर, गजसिंहपुर*
3. बीकानेर	*बीकानेर, लूणकरनसर, नोखा, पूंगल, श्रीडूंगरगढ़, कोलायत, हदा बज्जू*
4. बालोतरा	*पचपदरा, कल्याणपुर, सिवाना, समदड़ी, बायतु, गिड़ा, सिणधरी*
5. बाड़मेर	*बाड़मेर, बाड़मेर ग्रामीण, बाटाडू, गड़रारोड़, रामसर, चौहटन, धनाउ, गुड़ामालानी, धोरीमन्ना, नोखडा, सेडवा, शिव*
6. डीडवाना-कुचामन	*डीडवाना, मौलासर, छोटी खाटू, लाडनूं, परबतसर, मकराना, नावां, कुचामनसिटी*
7. नागौर-	*नागौर, मूण्डवा, खींवसर, जायल, डेह, मेड़ता, रियांबड़ी, डेगाना, सांजू*

8. डीग	डीग, जनूथर, कुम्हेर, रारह, नगर, सीकरी, कामां, जुरहरा, पहाड़ी
9. भरतपुर	भरतपुर, बयाना, वैर, भुसावर, रूपवास, रूदावल, उच्चैन, नदबई
10. फलौदी	फलौदी, लोहावट, आऊ, देचू, सेतरावा, बाप, घंटियाली, बापिणी
11. जोधपुर	जोधपुर तहसील का नगर निगम जोधपुर के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग
12. जोधपुर (ग्रामीण)	तहसील जोधपुर का नगर निगम जोधपुर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग, कुडीभक्तासनी, लूणी, झंवर, बिलाडा, भोपालगढ़, पीपाडसिटी, ओसियाँ, तिवरी, बावड़ी, शेरगढ़, बालेसर, सेखला, चामू
13. गंगापुरसिटी	गंगापुरसिटी, तलावड़ा, वजीरपुर, बामनवास, बरनाला, टोडाभीम, नादोती
14. सवाई माधोपुर	सवाई माधोपुर, खण्डार, चौथ का बरवाड़ा, बौंली, मित्रपुरा, मलारनाडूंगर
15. करौली	करौली, मासलपुर, सपोटरा, मण्डरायल, हिण्डौन-सिटी, सूरौठ, श्रीमहावीरजी
16. दूदू	मौजमाबाद, दूदू, फागी
17. जयपुर	**जयपुर तहसील** का नगर निगम जयपुर (हेरीटेज) एवं नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग, **तहसील कालवाड़** का नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग, **तहसील आमेर** का नगर निगम जयपुर (हेरीटेज) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग, **तहसील सांगानेर** का नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग
18. जयपुर (ग्रामीण)	**तहसील जयपुर** का नगर निगम जयपुर (हेरीटेज एवं ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोडकर शेष समस्त भाग, **तहसील कालवाड़** का नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग, **तहसील सांगानेर** का नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग, **तहसील आमेर** का नगर निगम जयपुर (हेरीटेज) के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग, जालसू, बस्सी, तूंगा, चाकसू, कोटखावदा, जमवारामगढ़, आंधी, चौमू, फुलेरा मु.-साँभरलेक, माधोराजपुरा, रामपुरा डाबड़ी, किशनगढ़ रेनवाल, जोबनेर, शाहपुरा
19. कोटपुतली-बहरोड़	बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मांढण, नारायणपुर, कोटपूतली, विराटनगर, पावटा
20. अलवर	अलवर, गोविन्दगढ़, रैणी, लक्ष्मणगढ़, मालाखेड़ा, राजगढ़, टहला, रामगढ, नौगावा, थानागाजी, प्रतापगढ़, कठूमर
21. खैरथल-तिजारा	तिजारा, किशनगढ़बास, खैरथल, कोटकासिम, हरसोली, टपूकड़ा, मुंडावर
22. नीम का थाना	नीम का थाना, पाटन, श्रीमाधोपुर, उदयपुरवाटी, खेतड़ी
23. झुन्झुनूँ	झुन्झुनू, गुढ़ागौड़जी, नवलगढ़, बुहाना, चिड़ावा, मण्डावा, बिसाऊ, मलसीसर, सूरजगढ़, पिलानी
24. सीकर	फतेहपुर, रामगढ़ शेखावाटी, लक्ष्मणगढ़, नेछवा, सीकर, धोद, सीकर ग्रामीण, दातारामगढ़, खण्डेला, रींगस
25. ब्यावर	ब्यावर, टॉडगढ़, जैतारण, रायपुर, मसूदा, विजयनगर, बदनोर
26. अजमेर	अजमेर, पुष्कर, पीसांगन, नसीराबाद, किशनगढ़, रूपनगढ़, अराई
27. पाली	सोजत, मारवाड़ जंक्शन, सुमेरपुर, बाली, पाली, रोहट, देसूरी, रानी
28. केकड़ी	केकड़ी, सावर, भिनाय, सरवाड़, टांटोटी, टोडारायसिंह
29. टोंक	टोंक, देवली, नगरफोर्ट, दूनी, निवाई, पीपलू, उनियारा, अलीगढ़, मालपुरा
30. सलूम्बर	सराड़ा, सेमारी, लसाड़िया, सलूम्बर, झल्लारा
31. उदयपुर	गिर्वा, कुराबड़, बडगाँव, कोटड़ा, गोगुन्दा, सायरा, झाड़ोल, फलासिया, मावली, घासा, ऋषभदेव, वल्लभनगर, भीण्डर, कानोड़, खैरवाड़ा, नयागाँव
32. सांचौर	सांचौर, बागोड़ा, चितलवाना, रानीवाड़ा
33. जालोर	जालोर, आहोर, भाद्राजूण, सायला, भीनमाल, जसवन्तपुरा
34. शाहपुरा	शाहपुरा, जहाजपुर, काछोला, फूलियाकलां, बनेड़ा, कोटड़ी
35. भीलवाड़ा	माण्डलगढ़, बिजौलिया, भीलवाड़ा, सवाईपुर, रायपुर, सहाड़ा, आसीन्द, करेडा, हमीरगढ़, माण्डल, हुरड़ा, अन्टाली

इन जिलों की तहसीलों में परिवर्तन नहीं

जिला	तहसील	जिला	तहसील
36. बारां	7	37. सिरोही	5
38. प्रतापगढ़	7	39. बाँसवाड़ा	12
40. दौसा	15	41. हनुमानगढ़	8
42. चूरू	9	43. जैसलमेर	7
44. धौलपुर	7	45. राजसमंद	11
46. बूंदी	6	47. कोटा	6
48. चित्तौड़गढ़	12	49. डूँगरपुर	12
50. झालावाड़	12		

2. क्षेत्रफल : स्थिति, विस्तार

❑ **भारत में राजस्थान की भौगोलिक स्थिति है-**

[Asst. Agriculture Officer : 29.01.2013]

(1) उत्तर-पश्चिमी भाग (2) दक्षिण-पश्चिमी भाग
(3) उत्तर-पूर्वी भाग (4) दक्षिण-पूर्वी भाग

Ans. (1)

व्याख्या *- भारतीय मानचित्र पर राजस्थान की स्थिति उत्तर-पश्चिम दिशा (वायव्य कोण) हैं। राजस्थान अक्षांशीय दृष्टि से पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध तथा देशांतरीय दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।*
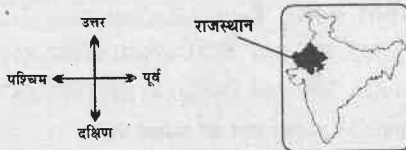
❑ **विश्व में, राजस्थान किस गोलार्द्ध में स्थित है?**

[JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]

(1) उत्तर-पश्चिमी गोलार्द्ध (2) उत्तर-पूर्वी गोलार्द्ध
(3) दक्षिण-पूर्वी गोलार्द्ध (4) दक्षिण-पश्चिम गोलार्द्ध

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान आकार में ...है।** [JEN Exam - 21.08.2016]

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]

[छात्रावास अधीक्षक परीक्षा, 2008]

(1) त्रिभुजाकार (Triangular)
(2) पतंग/समांतर असमचतुर्भुजाकार (Rhomboid)
(3) पंचभुजाकार (Pentagonal)
(4) षट्कोणीय (Hexagonal)

Ans. (2)

व्याख्या *- राजस्थान की स्थलाकृति विषमकोणीय चतुर्भुज (Rhombus) या पतंग के समान है। उल्लेखनीय है कि जयपुर रियासत के **ब्रिटिश हैल्थ ऑफिसर प्रो.टी.एच. हैण्डले** ने राजस्थान की स्थलाकृति के बारे में सर्वप्रथम बताया तथा जयपुर शासक रामसिंह II को जयपुर को 'गेरूआ रंग' रंगवाने की सलाह दी।*

❑ **राजस्थान के बारे में कौनसा कथन सत्य है-**

[JEN (Mechanical) Diploma - 20.05.2022]

(1) इसका आधार विषमकोण चतुर्भुज के समान है।
(2) इसका उत्तर से दक्षिण विस्तार 869 किमी. है।
(3) इसकी स्थलीय सीमा 6920 किमी. है।
(4) इसका क्षेत्रफल 3,42,329 वर्ग किमी. है।

Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान राज्य का कुल क्षेत्रफल है, लगभग**

[II Grade (English) 2011, बी.एस.टी.सी. -2008]

[R.A.S. Pre - 2003, पटवार- 2011]

[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.03.2019]

[JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) 2 लाख 24 हजार वर्ग किमी.
(2) 3 लाख 42 हजार वर्ग किमी.
(3) 4 लाख 24 हजार वर्ग किमी.
(4) 5 लाख 42 हजार वर्ग किमी.

Ans. (2)

व्याख्या*-राजस्थान का क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में स्थान-प्रथम (3,42,239 वर्ग किलोमीटर/1,32,140 वर्ग मील) है।*

❑ **कुल भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में राजस्थान का स्थान है?** [छात्रावास अधीक्षक परीक्षा, 2008]

(1) प्रथम (2) द्वितीय (3) तृतीय (4) चतुर्थ

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौन-सा राज्य सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला है?** [सूचना सहायक परीक्षा- 2011]

[S.I. Exam, 2002] [पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]

(1) मध्यप्रदेश (2) उत्तरप्रदेश (3) राजस्थान (4) महाराष्ट्र

Ans. (3)

व्याख्या *- भारत में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले राज्य -*

1. राजस्थान - 3,42,239 वर्ग किमी.
2. मध्यप्रदेश - 3,08,245 वर्ग किमी.
3. महाराष्ट्र - 3,07,713 वर्ग किमी.

❑ **क्षेत्रफल की दृष्टि से निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान के बाद सबसे बड़ा राज्य है-**

[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]

(1) उत्तर प्रदेश (2) मध्यप्रदेश (3) आन्ध्रप्रदेश (4) महाराष्ट्र

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान का क्षेत्रफल भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का है-** [JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]

[RPSC II Grade Teacher Exam-2011, 31.10.2018]

[RAS-28.08.2016] [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) 10.41% (2) 11.11% (3) 5.6% (4) 10%

Ans. (1)

व्याख्या - देश के क्षेत्रफल का प्रतिशत/भाग राज्य में - 10.41 प्रतिशत (1/10 भाग) है।

❒ **राजस्थान का क्षेत्रफल निम्नलिखित यूरोपीय देशों में से किनके क्षेत्रफल के लगभग बराबर है?**

[II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -19.02.2019]

1. नार्वे 2. बेल्जियम 3. स्विट्जरलैण्ड 4. पोलैण्ड

कूट: (1) 1, 2 और 4 (2) 1 और 3
(3) 2 और 4 (4) 1 और 4

Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान का क्षेत्रफल जर्मनी, नार्वे, पोलैण्ड एवं जापान के बराबर, ब्रिटेन से 2 गुना, श्रीलंका से 5 गुणा तथा इजरायल से 17 गुणा बड़ा है।

❒ **क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का सबसे बड़ा जिला है?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II), 2007(I)]
[बी.एस.टी.सी., 2008][राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) बाड़मेर (2) जैसलमेर (3) बीकानेर (4) भीलवाड़ा

Ans. (2)

व्याख्या - क्षेत्रफल के आधार पर राजस्थान का सबसे बड़ा तथा भारत का तीसरा [प्रथम- कच्छ (45,674 वर्ग किमी.), गुजरात, द्वितीय-लेह (45,110 वर्ग किमी.), लद्दाख] सबसे बड़ा जिला जैसलमेर है। जैसलमेर की नोख उप-तहसील को फलौदी जिले में शामिल किये जाने के उपरान्त जैसलमेर का क्षेत्रफल राजस्थान के क्षेत्रफल का लगभग 11 प्रतिशत रह गया।

❒ **प्रतापगढ़ जिले का क्षेत्रफल कितना है-**

[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -I]

(1) 4000 से 5000 वर्ग किमी. के मध्य
(2) 4500 से 5500 वर्ग किमी. के मध्य
(3) 5000 से 6000 वर्ग किमी के मध्य
(4) 5500 से 6500 वर्ग किमी. के मध्य

Ans. (1) *प्रतापगढ़ का क्षेत्रफल - 4449 वर्ग किमी.*

❒ **राजस्थान राज्य की स्थिति एवं विस्तार के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?**

[Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]

(1) राज्य का उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम विस्तार क्रमशः 869 किलोमीटर तथा 826 किलोमीटर है।
(2) राज्य की आकृति विषमकोण चतुर्भुज (rhombus) के समान है।
(3) राज्य की अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्राज्यीय सीमाओं की लम्बाई क्रमशः 1070 किमी. तथा 4850 किमी. है।
(4) राज्य का भौगोलिक क्षेत्र भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.41 प्रतिशत के बराबर है।

Ans. (1)

व्याख्या - राज्य का उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम विस्तार क्रमशः 826 किलोमीटर तथा 869 किलोमीटर है। राजस्थान की लम्बाई-चौड़ाई में 43 किमी. का अन्तर है। राजस्थान के उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व तक के विकर्ण की लम्बाई 850 किमी. है जबकि राजस्थान के दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व तक के विकर्ण की लम्बाई 784 किमी. है।

❒ **राजस्थान का उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम विस्तार क्रमशः है-**[II Grade (Sans. Deptt.) -17.2.2019]

(1) 852 और 878 किमी. (2) 915 और 842 किमी.
(3) 826 और 869 किमी. (4) 834 और 887 किमी.

Ans. (3) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम विस्तार में अन्तर है-**[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

[I Grade Teacher (GK) -11.10.2022]
[III Grade (SST) -26.02.2023]

(1) 41 किमी.(2) 42 किमी.(3) 40 किमी.(4) 43 किमी.

Ans. (4) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य की उत्तर से दक्षिण लंबाई कितने किलोमीटर है?**[JEN-06.12.2020][वनपाल-06.11.2022(I)]

[क. वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019, (प्रलेख) 22.9.2019]
[क.अनुदेशक (कोपा) 20.3.2019, (इलेक्ट्रीशियन) 24.3.2019]

(1) 826 (2) 869 (3) 896 (4) 862

Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के बारे में निम्नांकित कथनों में से कौनसा एक सही नहीं है?** [Headmaster Exam - 02.09.2018]

(1)उत्तर-दक्षिण की अपेक्षा पूर्व-पश्चिम विस्तार अधिक है।
(2) उत्तर-दक्षिण की अपेक्षा पूर्व-पश्चिम विस्तार कम है।
(3) इसकी कुल स्थल सीमा 6000 किमी. से कम है।
(4) इसका अक्षांशीय विस्तार 7^0 अक्षांश से अधिक नहीं है।

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की पूर्व से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण चौड़ाई दर्शाने वाली दोनों रेखाएँ किस जिले में एक दूसरे को काटती हैं?** [जेल प्रहरी - 28.10.2018]

(1) जयपुर (2) नागौर (3) अजमेर (4) पाली

Ans. (2)

व्याख्या –वर्तमान में सैटेलाइट से गगराना गाँव (मेड़ता तहसील, नागौर) मध्य गाँव घोषित किया गया है लेकिन राजस्थान लोक सेवा आयोग अभी भी लापोलाई (नागौर) को ही मानती है।
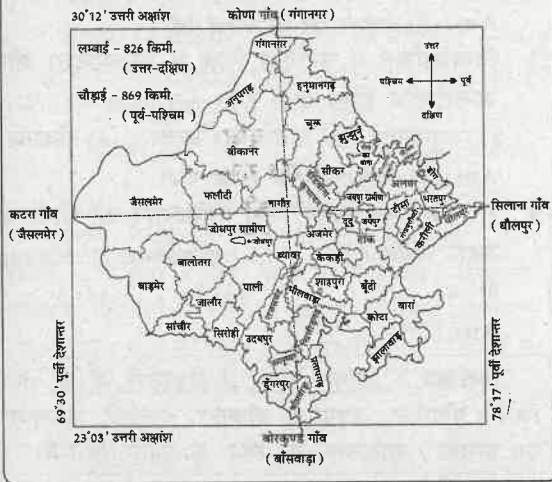
❑ **राजस्थान के निम्न जिलों को पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम से व्यवस्थित करें**–[RAS 28.08.2016]

1. बूँदी, 2. अजमेर, 3. उदयपुर, 4. नागौर

(1) 1, 3, 2, 4 (2) 1, 2, 4, 3
(3) 2, 1, 3, 4 (4) 1, 2, 3, 4

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **श्रीगंगानगर शहर श्रीगंगानगर जिला क्षेत्र के किस भाग में स्थित है**–[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]

(1) उत्तर (2) पूर्व (3) मध्य (4) दक्षिण

Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न जिलों को पूर्व से पश्चिम दिशा अनुसार सुव्यवस्थित कीजिए।** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा) -12.3.2021]

1. करौली 2. अजमेर 3. जोधपुर 4. सवाई माधोपुर

(1) 2,1,4,3 (2) 1,4,2,3 (3) 3,1,2,4 (4) 1,2,3,4

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न जिलों को पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम में व्यवस्थित करें**–[JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

1. बूँदी, 2. अजमेर, 3. पाली, 4. बाड़मेर

(1) 1, 2, 3, 4 (2) 2, 1, 3, 4
(3) 1, 2, 4, 3 (4) 1, 3, 2, 4

Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के जिलों को पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम में व्यवस्थित करें**-[वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]

1. जैसलमेर 2. पाली 3. अजमेर 4. धौलपुर

(1) 1,2,3,4 (2) 1,3,2,4 (3) 4,3,2,1 (4) 4,2,3,1

Ans. (3) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के जिलों को उत्तर से दक्षिण की ओर सही क्रम में व्यवस्थित करें** –[CET : 08.01.2023 (S-II)]

(i) श्रीगंगानगर (ii) जालौर(iii) जोधपुर(iv) बीकानेर

कूट-(1) (ii), (i), (iii), (iv) (2) (i), (ii), (iii), (iv)
(3) (i), (iv), (iii), (ii) (4) (ii), (iv), (iii), (i)

Ans. (3) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **रामदेवरा, जैसलमेर जिला मुख्यालय से किस दिशा में स्थित है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -III]

(1) उत्तर (2) दक्षिण (3) पश्चिम (4) पूर्व

Ans. (4)

व्याख्या : राजस्थान के पश्चिम में स्थित जैसलमेर जिला मुख्यालय से रामदेवरा पूर्व दिशा में स्थित है।

❑ **राजस्थान के नक्शे पर निम्न में से कौनसा सुदूर दक्षिण में स्थित है**–[कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)- 26.03.2019]

(1) मेड़ता सिटी(2) सोजत(3) मारवाड़ जंक्शन(4) राजसमन्द

Ans. (4)

व्याख्या-राजस्थान में मेड़ता सिटी (नागौर), सोजत (पाली), मारवाड़ जंक्शन (पाली) से सुदूर दक्षिण में सबसे कम अक्षांशीय स्थिति (24°46'-26°01') राजसमन्द की है।

❑ **निम्नलिखित में अधिकतम भौगोलिक दूरी वाला समूह कौनसा है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -II]

(1) जयपुर-जोधपुर (2) जयपुर – कोटा
(3) जयपुर-बीकानेर (4) जयपुर-उदयपुर

Ans. (4)

व्याख्या – जयपुर से कोटा 251 किमी., बीकानेर 334 किमी., जोधपुर 372 किमी. तथा उदयपुर 417 किमी. है।

❑ **राज्य की कुल स्थलीय सीमा की लम्बाई है ?**
[Motor Veh. SI 2002]
[क.वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019, (विष) 14.9.2019]

(1) 5091 किमी. (2) 5920 किमी.
(3) 5290 किमी. (4) 5090 किमी.

Ans. (2)

व्याख्या - • *राजस्थान की कुल स्थलीय सीमा 5,920 किलोमीटर है, जो 29 जिले मिलकर बनाते हैं।*

• *राजस्थान की अन्तर्राज्यीय सीमा 4,850 किलोमीटर है, जो 25 जिले (केवल अन्तर्राष्ट्रीय जिलों संख्या 4, केवल अन्तर्राज्यीय जिलों की संख्या 23) मिलकर बनाते हैं।*

❑ **राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा की लम्बाई है-** [Police Constable Exam-2007(III)][A. Jailor Exam, 2004] [JEN (Diploma) - 21.08.2016] [लवण निरीक्षक-22.12.2019] [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)][आर्थिक अन्वेषक-25.3.2018]

(1) 1070 कि. मी. (2) 970 कि. मी.
(3) 1170 कि. मी. (4) 870 कि. मी.

Ans. (1)

व्याख्या - पाकिस्तान से लगने वाली अन्तर्राष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ रेखा) की लम्बाई - 1070 किलोमीटर है। सर सिरिल रेडक्लिफ के नाम से इस सीमा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को किया गया।

❑ **राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित जिलों का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम है-** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022] [R.A.S. Pre 1998, Police Constable- 2013] [JEN (Civil) Degree 12.09.2021]

(1) गंगानगर, बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर
(2) जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर, गंगानगर
(3) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर
(4) बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर, बाड़मेर

Ans. (3)*

व्याख्या - परीक्षा काल के समय राजस्थान के चार जिले अन्तर्राष्ट्रीय सीमा (पाकिस्तान) पर क्रमशः गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर एवं बाड़मेर उत्तर से दक्षिण की ओर स्थित थे।

• *वर्तमान संदर्भ में राजस्थान के छः (6) जिले अन्तर्राष्ट्रीय सीमा (पाकिस्तान) पर क्रमशः गंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, फलौदी, जैसलमेर एवं बाड़मेर उत्तर से दक्षिण की ओर स्थित हैं।*

• *गंगानगर व बाड़मेर ऐसे 2 जिले हैं, जो अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय सीमाएँ बनाते हैं, अतः केवल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले जिलों की संख्या 4 (अनूपगढ़, बीकानेर फलौदी एवं जैसलमेर) है।*

❑ **राज्य के कौनसे जिले अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर दक्षिण से उत्तर की ओर स्थित हैं?** [CET - 5.2.2023 (S-I)]

(1) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर एवं बाड़मेर
(2) बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर एवं गंगानगर
(3) जालौर, जैसलमेर, बीकानेर एवं गंगानगर
(4) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर एवं जालौर

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नलिखित में से किस जिले में अन्तर्राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सीमा दोनों हैं?**[House Keeper -9.7.2022]

(1) हनुमानगढ़ (2) बाड़मेर (3) जालौर (4) बीकानेर

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के कितने जिले पाकिस्तान की सीमा के सहारे स्थित हैं?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]

(1) 4 (2) 6 (3) 7 (4) 5

Ans. (1)*

व्याख्या - वर्तमान संदर्भ में राजस्थान के छः (6) जिले (गंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, फलौदी, जैसलमेर एवं बाड़मेर) पाकिस्तान की सीमा के सहारे स्थित हैं।

❑ **रेडक्लिफ रेखा का राजस्थान में विस्तार है-** [प्रयोगशाला सहायक-03.02.2019]

(1) हिन्दुमलकोट (गंगानगर) से बाखासर (बाड़मेर) तक
(2) कोणागाँव (गंगानगर) से शाहगढ़ (जालौर) तक
(3) हिन्दुमलकोट (गंगानगर) से शाहगढ़ (जालौर) तक
(4) कोणागाँव (गंगानगर) से बाखासर (बाड़मेर) तक

Ans. (1)

व्याख्या - गंगानगर के हिन्दूमल कोट से लेकर बाड़मेर के भलगांव (बाखासर) तक फैली हुई। इस अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर राजस्थान के 6 जिले (गंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, फलौदी, जैसलमेर और बाड़मेर) तथा पाकिस्तान के 9 जिले (पंजाब प्रान्त के बहावलपुर, बहावलनगर, रहीमयारखान तथा सिंध प्रान्त के घोटकी, संघर, सुक्कुर, खैरपुर, उमरकोट, थारपारकर जिले) स्थित हैं।

❑ **कौनसा पाकिस्तान का जिला राजस्थान की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर नहीं है**[उद्योग प्रसार अधि.-22.8.2018]

(1) खैरपुर (2) मीरपुर (3) लायलपुर (4) बहावलपुर

Ans. (*) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के जिलों में किसकी सीमा पाकिस्तान से नहीं लगती है?**[Lab Assistent (Geography)-30.06.2022] [बी.एस.टी.सी. परीक्षा, 2008][III Grade (SST) -26.02.2023]

(1) श्रीगंगानगर (2) जोधपुर (3) जैसलमेर (4) बाड़मेर

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **इनमें से राजस्थान के किस जिले की सीमा पाकिस्तान से नहीं मिलती है?** [Police Constable Ex-2007(I)]
(1) बाड़मेर (2) बीकानेर (3) गंगानगर (4) हनुमानगढ़
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर चार जिले (जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर व गंगानगर) स्थित हैं, इनमें से सर्वाधिक लम्बी सीमा किस जिले की है?**
[वनरक्षक - 2013] [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]
(1) बाड़मेर (2) जैसलमेर (3) बीकानेर (4) गंगानगर
Ans. (2)

व्याख्या -जैसलमेर जिले के साथ सर्वाधिक (464 किमी.), बाड़मेर (228 किमी.), अनूपगढ़, बीकानेर, गंगानगर, फलौदी (सबसे कम लगभग 30 किमी. मालासर-रायचंदवाला गाँव की सीमा) अन्तर्राष्ट्रीय सीमा लगी हुई है।

❐ **राजस्थान का कौनसा जिला अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट नहीं है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) - 20.03.2019]
(1) हनुमानगढ़ (2) गंगानगर (3) बाड़मेर (4) बीकानेर
Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से राजस्थान का कौनसा शहर पाकिस्तानी सीमा के निकट है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2003]
(1) बीकानेर (2) जैसलमेर (3) गंगानगर (4) हनुमानगढ़
Ans. (3)*

व्याख्या - पाकिस्तानी सीमा के सर्वाधिक निकट अनूपगढ़ (परीक्षाकाल में गंगानगर) एवं दूर शहर बीकानेर।

❐ **निम्न में से कौनसा जिला मुख्यालय राजस्थान की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा से भौगोलिक रूप से सबसे दूर स्थित है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -III]
(1) गंगानगर (2) बीकानेर (3) जैसलमेर (4) बाड़मेर
Ans. (2)

व्याख्या : • अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा पर सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय - बीकानेर
• अन्तर्राष्ट्रीय रेखा से सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय - धौलपुर

❐ **राजस्थान राज्य के निम्नांकित में से कौनसे जिले की सीमा रेखा गुजरात राज्य के साथ सबसे कम लगती है?** [पटवार परीक्षा - 2008]
(1) बाँसवाड़ा (2) सिरोही (3) बाड़मेर (4) प्रतापगढ़
Ans. (3)

व्याख्या - बाड़मेर जिले की सीमा गुजरात राज्य के साथ सबसे कम (14 किमी.) लगती है।

❐ **राजस्थान राज्य की सर्वाधिक लम्बी सीमा किस राज्य के साथ है?**[P.S.I. -2011] [II Grade (Urdu) - 2011]
(1) उत्तरप्रदेश (2) पंजाब (3) हरियाणा (4) मध्य प्रदेश
Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान की सबसे लम्बी अंतर्राज्यीय सीमा मध्य प्रदेश के साथ (1600 किमी.) लगती है। राजस्थान की सर्वाधिक अंतर्राज्यीय सीमा वाला जिला झालावाड़ (520 किमी.) तथा न्यूनतम अंतर्राज्यीय सीमा वाला जिला बाड़मेर (14 किमी.) है। राजस्थान के मध्यप्रदेश के साथ लगने वाले 10 जिलों में सर्वाधिक सीमा झालावाड़ तथा न्यूनतम भीलवाड़ा (16 किमी.) से लगती है।

❐ **निम्न में से राजस्थान के किस जिले की सीमा मध्यप्रदेश से संयुक्त है?**[द्वितीय श्रेणी अध्यापक-26.4.2017]
(1) भरतपुर (2) डूँगरपुर (3) सिरोही (4) झालावाड़
Ans. (4) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जिस राज्य के साथ राजस्थान की सबसे छोटी अन्तरराज्यीय सीमा है, वह है?** [R.A.S. Pre Ex, 1999] [कारापाल परीक्षा, 2012]
(1) गुजरात (2) मध्यप्रदेश (3) हरियाणा (4) पंजाब
Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान की सबसे छोटी अंतर्राज्यीय सीमा (सर्वाधिक-गंगानगर एवं न्यूनतम - हनुमानगढ़) पंजाब के साथ (89 किमी.) लगती है।

❐ **राजस्थान के जिस जिले की सीमा अन्तर्राज्यीय व अन्तर्राष्ट्रीय दोनों है, वह है?** [A. Jailor Exam, 2004]
(1) जैसलमेर (2) गंगानगर (3) बीकानेर (4) झालावाड़
Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान का गंगानगर एवं बाड़मेर जिला अन्तर्राज्यीय व अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाते है। गंगानगर जिले की सीमा पाकिस्तान (अन्तरराष्ट्रीय) एवं पंजाब (अन्तर्राज्यीय) राज्य दोनों से मिलती है।

❐ **राजस्थान का वह जिला जिसकी सीमा गुजरात व पाकिस्तान से मिलती है?** [III Grade Teacher -2006]
(1) बाड़मेर (2) जालोर (3) जैसलमेर (4) सिरोही
Ans. (1)

व्याख्या - बाड़मेर (किरात कूप, शिवकूप एवं मेलोफ्थ - बाड़मेर के प्राचीन नाम) ऐसा जिला है जिसकी सीमा पाकिस्तान से (अन्तरराष्ट्रीय) एवं गुजरात से (अन्तर्राज्यीय) सीमा मिलती है।

❒ **निम्न में से राजस्थान के किन जिलों की सीमा रेखा गुजरात से मिलती है?** [II Grade Teacher -28.10.2018]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
(1) सिरोही (2) डूँगरपुर (3) प्रतापगढ़ (4) बाँसवाड़ा
(1) 1,2,3,4 (2) 1,2,3 (3) 1,2,4 (4) 1,4
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के जिस जिले से अधिकतम जिलों की सीमाएँ स्पर्श करती हैं, वह है-**
[I Grade Teacher Exam 17-07-2016]
(1) पाली (2) अजमेर (3) भीलवाड़ा (4) नागौर
Ans. (1)*

व्याख्या - परीक्षाकाल में पाली जिले के साथ अधिकतम 8 जिलों की सीमा लगती थी।
- *वर्तमान में जयपुर (ग्रामीण) के साथ अधिकतम 10 जिलों (टोंक, दौसा, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़, नीम का थाना, सीकर, डीडवाना-कुचामन, अजमेर, दूदू एवं जयपुर) की सीमाएँ लगती हैं। टोंक के साथ 8 तथा नागौर, ब्यावर, अजमेर, पाली, जोधपुर ग्रामीण के साथ 7-7 जिलों की सीमाएँ लगती हैं।*

❒ **राजस्थान व..की सीमा पर 'भवानीमण्डी' रेल्वे स्टेशन स्थित है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)-24.3.2019]
(1) पंजाब (2) मध्यप्रदेश (3) हरियाणा (4) उत्तरप्रदेश
Ans. (2) *झालावाड़ (राजस्थान) - मंदसौर (मध्यप्रदेश)*

❒ **राजस्थान के उन जिलों के नाम बताइये जिनकी सीमा भारत के किसी भी राज्य व अन्य देश से नहीं लगती है?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) जयपुर, भरतपुर, जैसलमेर, दौसा, नागौर, टोंक, बाँसवाड़ा , राजसमंद व अजमेर
(2) जोधपुर, पाली, दौसा, नागौर, टोंक, बूँदी, राजसमंद व अजमेर
(3) उदयपुर, जोधपुर, पाली, श्रीगंगानगर, नागौर, टोंक, बूँदी, बीकानेर व अजमेर
(4) सीकर, झुंझुनूँ, पाली, दौसा, डूँगरपुर, टोंक, बूँदी, राजसमंद व अजमेर
Ans. (2)

व्याख्या- परीक्षा काल में राजस्थान के अन्तर्वर्ती जिलों की संख्या 8 थी।
- *वर्तमान में राजस्थान के अन्तर्वती जिलों की संख्या 21 हो गई है, जो राज्य अथवा अन्य देश की सीमा नहीं बनाते है-नागौर, डीडवाना - कुचामन, सीकर, बालोतरा, जोधपुर, जोधपुर (ग्रामीण), ब्यावर, अजमेर, दूदू, जयपुर, जयपुर (ग्रामीण), जालौर, पाली, राजसमन्द, शाहपुरा, केकड़ी, टोंक, गंगापुरसिटी, दौसा, सलूम्बर, बूँदी है। अर्थात् बहिर्वर्ती जिलों की संख्या 29 है।*

❒ **निम्नलिखित में से वह कौनसा जिला है जो राजस्थान की किसी भी राज्य व अन्य देश के साथ सीमा रेखा नहीं बनाता?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) बाड़मेर (2) बीकानेर (3) जैसलमेर (4) जोधपुर
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के वे जिले जिनकी राजनीतिक सीमा भारत की किसी अन्तर्राज्यीय या अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से नहीं लगती-** [Librarian Garde-III - 13.11.2016]
(1) प्रतापगढ़, दौसा, टोंक, बाँसवाड़ा, राजसमन्द
(2) पाली, जयपुर, नागौर, धौलपुर, अजमेर
(3) बूँदी, दौसा, राजसमन्द, पाली, जोधपुर
(4) करौली, भीलवाड़ा, दौसा, नागौर, टोंक
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से किस जिले की सीमा रेखा किसी अन्य राज्य की सीमा रेखा को नहीं छूती है?**
[IInd Grade Spc. Edu. 2017][जेल प्रहरी-27-10-2018, S-I]
(1) डूँगरपुर (2) भीलवाड़ा (3) झुन्झुनूँ (4) बूँदी
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से किस राज्य की सीमा राजस्थान के साथ साझा नहीं है?** [पशुधन सहायक 04.6.2022]
[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-8.11.2020 (I)]
(1) पंजाब (2) उत्तरप्रदेश (3) हरियाणा (4) दिल्ली
Ans. (4)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा जिला अपनी सीमा पाकिस्तान के साथ साझा 'नहीं' करता है-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]
(1) कोटा (2) जयपुर (3) अजमेर (4) बाड़मेर
Ans. (*)

व्याख्या - विकल्पों में दिये गये कोटा, अजमेर और जयपुर की सीमाएँ पाकिस्तान के साथ साझा नहीं करती है।

❑ **राजस्थान का वह जिला जिसका भौगोलिक एवं सामाजिक वातावरण/पर्यावरण तथा राजनैतिक सीमा उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश से मिलती है, वह है-**
[E.O. Exam, 2007] [II Grade (Urdu) Exam. 2011]
[Head Master Exam - 02.09.2018]
(1) करौली (2) धौलपुर (3) भरतपुर (4) सवाईमाधोपुर
Ans. (2)

व्याख्या *- राज्य के चार जिलों हनुमानगढ़, डीग, धौलपुर एवं बाँसवाड़ा की अन्तर्राज्यीय सीमा दो-दो सीमावर्ती राज्यों से लगती है-*
- ***हनुमानगढ़*** *की पंजाब और हरियाणा से*
- ***डीग*** *की उत्तरप्रदेश और हरियाणा से*
- ***धौलपुर*** *की उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश से*
- ***बाँसवाड़ा*** *की मध्यप्रदेश और गुजरात से*

❑ **राजस्थान का सबसे पूर्वी जिला है?** [A. Jailor- 2004]
(1) भरतपुर (2) धौलपुर (3) अलवर (4) दौसा
Ans. (2)

व्याख्या *- राज्य की उत्तर से दक्षिण तक लम्बाई 826 किमी. तथा विस्तार* ***कोणा गाँव*** *(गंगानगर) से दक्षिण में* ***बोरकुंड गाँव*** *(कुशलगढ़, बाँसवाड़ा) तक है। पूर्व से पश्चिम तक चौड़ाई 869 किमी. तथा विस्तार पश्चिम में* ***कटरा गाँव*** *(सम, जैसलमेर) से पूर्व में* ***जगमोहनपुरा की ढाणी, सिलावट गाँव*** *(राजाखेड़ा, धौलपुर) तक है।*

❑ **मानचित्र में उन गाँवों की स्थिति को दर्शाया गया है जहाँ से राजस्थान का उत्तर-दक्षिण व पूर्व-पश्चिम विस्तार नापा जाता है। ये स्थितियाँ (i), (ii), (iii) और (iv) से अंकित की गई हैं। नीचे दी गई क्रमावली का सही अनुक्रम पहचानिए-** [Patwar Main 24.12.16]

(1) सिलाँन, कोणा, कटरा, बोरकुंड
(2) बोरकुंड, सिलाँन, कटरा, कोणा
(3) कटरा, कोणा, बोरकुंड, सिलाँन
(4) कोणा, कटरा, सिलाँन, बोरकुंड

Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नलिखित में से कौनसी तहसील राजस्थान के दक्षिणतम भाग में स्थित है-**
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
(1) कुशलगढ़ (2) घाटोल (3) बागीदोरा (4) गढ़ी
Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **बाराँ जिले की सीमा राजस्थान के कितने जिलों से लगती है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]
(1) 3 (2) 2 (3) 5 (4) 4
Ans. (2)

व्याख्या *- बाराँ जिले की सीमा कोटा एवं झालावाड़ जिलों से लगती है।*

❑ **सवाई माधोपुर जिले की सीमा राजस्थान के किस जिले से नहीं लगती है?** [जेल प्रहरी-28-10-2018, S -II]
(1) धौलपुर (2) दौसा (3) कोटा (4) टोंक
Ans. (1)

व्याख्या *-धौलपुर की सीमा लगती है-भरतपुर एवं करौली*

❑ **कर्क रेखा राजस्थान के किन जिलों से होकर गुजरती है?** [II Grade (English & Maths) Exam. 2011]
[JEN (Agri.) 10.09.2022][JEN (Diploma)- 21.08.2016]
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]
(1) बारां व झालावाड़ (2) बाड़मेर व चूरू
(3) बाँसवाड़ा व डूँगरपुर (4) बूँदी व भीलवाड़ा
Ans. (3)

व्याख्या *-* ***कर्क रेखा*** *राजस्थान के दक्षिणी सिरे* ***डूँगरपुर (चिकली गाँव) और बाँसवाड़ा*** *(कुशलगढ़) में से होकर गुजरती है। राजस्थान में कर्क रेखा के सर्वाधिक निकट स्थित शहर बाँसवाड़ा में कर्क रेखा की सर्वाधिक लम्बाई है।*

❑ **कर्क रेखा राज्य के किस जिले से होकर गुजरती है?** [Police Constable-2005][II Grade GK - 21.12.2022]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]
[JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]
[CET -4.2.2023 (S-I)][Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1)झालावाड़ (2) चित्तौड़गढ़ (3) बाँसवाड़ा (4) उदयपुर
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कर्क रेखा किस जिले से गुजरती है?**
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]
(1) उदयपुर (2) अलवर (3) डूँगरपुर (4) टोंक
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'कर्क रेखा' राजस्थान के किस भाग से गुजरती है? [कर सहायक परीक्षा-14.10.2018]

(1) उत्तर (2) दक्षिण (3) मध्य (4) पूर्वी

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के दक्षिण में होकर गुजरती है?** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015] [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020

(1) विषुवत रेखा (2) मकर रेखा

(3) कर्क रेखा (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के जिस जिले में सूर्य किरणों का तिरछापन सर्वाधिक होता है वह जिला है?** [III Grade - 2006]

(1)बाँसवाड़ा (2) जैसलमेर(3) श्रीगंगानगर (4) धौलपुर

Ans. (3)

व्याख्या - सूर्य की किरणें कर्क रेखा पर सीधी पड़ती हैं। इससे जिस जिले की दूरी अधिक होगी उस पर किरणें सर्वाधिक तिरछी होंगी। अतः सूर्य की किरणें बाँसवाड़ा जिले में सीधी एवं गंगानगर में तिरछी पड़ती है।

❒ **21 जून, को सूर्य राजस्थान के किस जिले में लम्बवत् चमकता है?** [A. Jailor, 2004] [JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022] [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) गंगानगर (2) अजमेर (3) बाँसवाड़ा (4) जोधपुर

Ans. (3)

व्याख्या - सर्वाधिक वर्षा वाला दूसरा जिला बाँसवाड़ा में सूर्य की सबसे सीधी किरणें पड़ती है।

❒ **किस जिले में सूर्य की किरणे सबसे पहले निकलती है-** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]

(1) भरतपुर (2) धौलपुर (3) कोटा (4) झालावाड़

Ans. (2)

व्याख्या - सर्वप्रथम सूर्योदय धौलपुर में होता है क्योंकि धौलपुर राजस्थान का सबसे पूर्वी जिला है और सबसे बाद में सूर्योदय जैसलमेर में होता है क्योंकि वह राजस्थान का सबसे पश्चिमी जिला है। राजस्थान में पूर्व से पश्चिम में सूर्योदय होने में 35 मिनट 8 सैकण्ड का अन्तर है।

❒ **राजस्थान का किस राज्य के साथ सीमा-विवाद चल रहा है-** [पटवार- 2011]

(1) मध्यप्रदेश (2) उत्तरप्रदेश (3) गुजरात (4) पंजाब

Ans. (3)

व्याख्या - उदयपुर संभाग के मांडवा क्षेत्र के झांझर तथा गुजरात के बीच 200 बीघा का विवाद राज्यों में पुनर्गठन के समय से है।

❒ **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म राजस्थान के अक्षांशीय-देशान्तरीय विस्तार को सही रूप से दर्शाता है?** [प्रयोगशाला सहायक परीक्षा 13.11.16]

	अक्षांशीय विस्तार	देशान्तरीय विस्तार
(1)	$23^0 3'$ से $30^0 12'$ उत्तर-	$70^0 46'$ से $77^0 17'$ पूर्व
(2)	$23^0 3'$ से $30^0 12'$ उत्तर-	$69^0 30'$ से $78^0 17'$ पूर्व
(3)	$23^0 3'$ से $30^0 11'$ उत्तर-	$69^0 31'$ से $78^0 17'$ पूर्व
(4)	$23^0 3'$ से $30^0 11'$ उत्तर-	$70^0 45'$ से $79^0 17'$ पूर्व

Ans. (2)

व्याख्या - विस्तार : राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार - 23°3' उ. अक्षांश से 30°12' उत्तरी अक्षांश तथा देशान्तरीय विस्तार - 69°30' पू. देशान्तर से 78°17' पूर्वी देशान्तर है।

❒ **कौनसा युग्म सही है?** [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16] [द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

राजस्थान की स्थिति	कुल भौगोलिक क्षेत्र वर्ग किलोमीटर में
(1) $23^0 3'$ - $30^0 12'$ N और $69^0 30'$ - $78^0 17'$ E	342239.74
(2) $20^0 30'$ - $30^0 13'$ N और $69^0 30'$ - $78^0 21'$ E	342245.69
(3) $23^0 25'$ - $30^0 12'$ N और $69^0 29'$ - $78^0 25'$ E	342241.33
(4) $23^0 28'$ - $30^0 14'$ N और $69^0 21'$ - $78^0 24'$ E	342243.67

Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य का अक्षांशीय विस्तार है?** [JEN - 21.08.2016] [A.Jailor-2004] [Lab Assistent (Science) -29.06.2022] [CET -4.2.2023 (S- II)] [II Grade Teacher -28.10.2018] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]

(1) $23^0 3'$ दक्षिण से 30^0 $12'$ दक्षिण

(2) 23^0 $3'$ उत्तर से 30^0 $12'$ उत्तर

(3) $23^0 3'$ उत्तर से 30^0 $12'$ दक्षिण

(4) $30^0 12'$ उत्तर से 23^0 $3'$ दक्षिण

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का देशान्तर विस्तार है-** [PTI -30.09.2018] [प्रयोगशाला सहायक-03.02.2019]

(1) $69^0 30'$ पूर्वी से $78^0 17'$ पूर्वी
(2) $69^0 30'$ पूर्वी से $78^0 17'$ पश्चिमी
(3) $69^0 30'$ पश्चिमी से $78^0 17'$ पूर्वी
(4) $69^0 30'$ पश्चिमी से $78^0 17'$ पश्चिमी

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान राज्य का पूर्व-पश्चिम व उत्तर-दक्षिण देशान्तरीय तथा अक्षांशीय विस्तार है :** [पटवार- 2008]

(1) 7^0 $09'$ तथा 7^0 $47'$ (2) 8^0 $47'$ तथा 7^0 $09'$
(3) 7^0 $47'$ तथा 8^0 $09'$ (4) 8^0 $09'$ तथा 8^0 $47'$

Ans. (2)

व्याख्या *- राजस्थान की कुल ग्लोबीय स्थिति 7°9' अक्षांशीय विस्तार (23°3' उत्तरी अक्षांश से 30°12' उत्तरी अक्षांश) तथा 8°47' देशान्तरीय विस्तार (69°30' पूर्वी देशांतर से 78°17' पूर्वी देशान्तर) है। ज्ञातव्य है कि राजस्थान की मध्यवर्ती अक्षांश रेखा 27° उत्तरी अक्षांश (जोधपुर शहर के निकट) तथा मध्यवर्ती देशान्तर रेखा 74° पूर्वी देशान्तर है।*

❐ **कौनसा जिला मुख्यालय शहर 70^0 पूर्व देशान्तर एवं 74^0 पूर्व देशान्तर के मध्य स्थित नहीं है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]

(1) डूँगरपुर (2) उदयपुर (3) जालौर (4) हनुमानगढ़

Ans. (4)

व्याख्या *-हनुमानगढ़ का उत्तरी अक्षांश 28°45'–30°06' एवं पूर्वी देशान्तर 73°50'–75°28'*

❐ **राजस्थान के किन दो जिला मुख्यालयों का अक्षांश मान समान है** [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]

(1) पाली-सवाईमाधोपुर (2) पाली-भीलवाड़ा
(3) उदयपुर-सिरोही (4) पाली-बाड़मेर

Ans. (4)

व्याख्या *- • पाली का उत्तरी अक्षांश 24°47'–26°20' एवं पूर्वी देशान्तर 72°48'–74°20'*
• बाड़मेर का उत्तरी अक्षांश 24°50'–26°32' एवं पूर्वी देशान्तर 70°05'–72°52'

❐ **कोटा की देशान्तरीय स्थिति है?** [जेल प्रहरी-2017]

(1) 73^0–75^0 देशान्तर पूर्व (2) 75^0–77^0 देशान्तर पूर्व
(3) 72^0–74^0 देशान्तर पूर्व (4) 70^0–72^0 देशान्तर पूर्व

Ans. (2)

व्याख्या *-कोटा का उत्तरी अक्षांश 24°26'–25°51' एवं पूर्वी देशान्तर 75°37'–77°29'*

❐ **सुमेलित कीजिए-**[बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]

जिला	अक्षांश/देशान्तर
(A) बाँसवाड़ा	(I) 30°12' उत्तर
(B) जैसलमेर	(II) 69°30' पूर्व
(C) धौलपुर	(III) 23°3' उत्तर
(D) गंगानगर	(IV) 78°17' पूर्व

कूट- (1) A-III, B- II, C- I, D- IV
(2) A- III, B-II, C-IV, D-I
(3) A-II, B-III, C-IV, D-I
(4) A-I, B-II, C-IV, D-III

Ans. (2)

व्याख्या *-• गंगानगर का उत्तरी अक्षांश 28°40'–30°12' एवं पूर्वी देशान्तर 71°50'–74°15'*
• बाँसवाड़ा का उत्तरी अक्षांश 23°03'–26°56' एवं पूर्वी देशान्तर 73°50'–74°47'
• जैसलमेर का उत्तरी अक्षांश 26°01'–28°02' एवं पूर्वी देशान्तर 69°30'–72°15'
• धौलपुर का उत्तरी अक्षांश 26°38'–26°58' एवं पूर्वी देशान्तर 77°13'–78°17'

❐ **$23\frac{1}{2}^0$ उत्तरी अक्षांश तथा 70^0 पूर्वी देशान्तर रेखाएँ राजस्थान के निम्नलिखित में से क्रमशः किन जिलों से होकर गुजरती हैं?**[Librarian Garde-III - 13.11.2016]

(1) बाँसवाड़ा व जैसलमेर (2) डूँगरपुर व नागौर
(3) बाँसवाड़ा व डूँगरपुर (4) डूँगरपुर व धौलपुर

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जिस जिले से 70^0 पूर्वी देशान्तर रेखा गुजरती है, वह है :** [JEN (Agri.) 10.09.2022] [R.A.S. -2010] [जेल प्रहरी 20-10-2018, Shift -I]

(1) जोधपुर (2) जैसलमेर (3) धौलपुर (4) नागौर

Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **यदि कलकत्ता में जो 83° पूर्वी देशांतर पर स्थित है, सूर्योदय का समय 6.00 A.M. है तो अजमेर में जो 74° पूर्वी देशांतर पर स्थित है, सूर्योदय का समय होगा-** [B.Ed. Exam-1992]

(1) 5.24 AM (2) 7.12 AM (3) 6.36 AM (4) 4.48 AM

Ans. (3)

व्याख्या - 83° पूर्वी देशांतर पर समय है- 6.00 AM
74° पूर्वी देशांतर पर समय होगा-
देशांतरों का अंतर = 83° – 74° = 9° देशांतर
4' (मिनट से) गुणा करने पर - 9° × 4' = 36' (मिनट) का अन्तर (क्योंकि सूर्य पहले कलकत्ता फिर अजमेर में दिखाई देगा) अजमेर (74°) में समय होगा = 6.00 + 36' = 6.36 AM

❑ **भारतीय मानक समय 6 : 15 सायं पर घाटोल, जो कि 23° 45' उ. अक्षांश व 74° 25' पू. देशान्तर पर स्थित है, में स्थानीय समय क्या होगा?** [पटवार-2008]
(1) 6 : 42 : 40 सायं (2) 6 : 24 : 42 सायं
(3) 5 : 42 : 40 सायं (4) 5 : 24 : 42 सायं
Ans. (3)

व्याख्या - 82½° (भारतीय मानक समय) पर समय - 6.15 सायं, तो 74°25' पूर्व देशांतर पर समय होगा?
देशांतरों का अन्तर 82½° – 74°25' = 8°5'
4' से गुणा करने पर - 8°5' x 4' = 32'20"
6.15 – 32'20" = 5.42.40 सायं

❑ **राजस्थान राज्य की सीमा को स्पर्श करने वाले भारतीय राज्यों की संख्या है?** [बी.एस.टी.सी. 2008] [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-2014] [पशुधन सहायक - 21.10.2018] [वनपाल-6.11.2022(S-I)] [क.वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
(1) 3 (2) 5 (3) 6 (4) 8
Ans. (2)

व्याख्या-राजस्थान की राज्य सीमा पर पाँच राज्य मध्यप्रदेश (1600 किमी.), हरियाणा (1262 किमी.), गुजरात (1022 किमी.), उत्तर प्रदेश (877 किमी.) एवं पंजाब (89 किमी.) स्थित है।

❑ **निम्नलिखित में से कौनसा जिला राजस्थान-मध्यप्रदेश सीमा पर स्थित नहीं है?** [III Grade Teacher 2009]
(1) बाँसवाड़ा (2) प्रतापगढ़
(3) उदयपुर (4) झालावाड़
Ans. (3) *व्याख्या - निम्नांकित सारणी में देखें।*

❑ **निम्न में से राजस्थान के कौनसे जिलों की सीमा मध्यप्रदेश से नहीं लगती है-** [Head Master -11.10.2021]
(1) झालावाड़, प्रतापगढ़ (2) भीलवाड़ा, बाँसवाड़ा
(3) करौली, कोटा (4) डूँगरपुर, भरतपुर
Ans. (4) *व्याख्या - निम्नांकित सारणी में देखें।*

❑ **राजस्थान में कौनसा जिला उत्तरप्रदेश राज्य की सीमा से लगा हुआ है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) धौलपुर (2) अलवर व दौसा
(3) भरतपुर (4) भरतपुर व धौलपुर दोनों
Ans. (4) *व्याख्या - निम्नांकित सारणी में देखें।*

❑ **निम्न में से जिस जिले की सीमा गुजरात से स्पर्श नहीं करती है, वह है-** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक-01.05.2017]
(1) प्रतापगढ़ (2) सिरोही (3) बाड़मेर (4) डूँगरपुर
Ans. (1) *व्याख्या - निम्नांकित सारणी में देखें।*

राजस्थान की सीमाओं पर स्थित जिले व उनकी संख्या

दिशा	राजस्थान के जिले	संख्या	पड़ौसी राज्य/देश (जिले)	संख्या
उत्तरी (89 किमी.)	गंगानगर, हनुमानगढ़	2	**पंजाब** (फॉजिल्का, मुक्तसर जिले)	2
उत्तर-पूर्वी सीमा (1262 किमी.)	हनुमानगढ़, झुंझुनूँ, **नीम का थाना कोटपूतली-बहरोड़, डीग**, चूरू, अलवर, **खैरथल-तिजारा**	8	**हरियाणा** (रेवाड़ी, मेवात (नया नाम-नूंह), भिवानी, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, महेन्द्रगढ़)	7
दक्षिणी-पूर्वी (1600 किमी.)	धौलपुर, करौली, बारां, चित्तौड़गढ़, सवाईमाधोपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बाँसवाड़ा	10	**मध्यप्रदेश** (झाबुआ, गुना; राजगढ़, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, मन्दसौर, रतलाम, **अगरमालवा**, नीमच)	10
पूर्वी (877 किमी.)	भरतपुर, धौलपुर, डीग	3	**उत्तरप्रदेश** (आगरा, मथुरा)	2
दक्षिणी-पश्चिमी (1022 किमी.)	बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, सिरोही, **सांचौर**, बाड़मेर	6	**गुजरात** (कच्छ, बनासकांठा, साबरकांठा, **अरावली, महीसागर** व दाहोद)	6
पश्चिम (1070 किमी.)	गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, **अनूपगढ़, फलौदी**	6	**पाकिस्तान (पंजाब प्रान्त** के बहावलपुर, बहावलनगर, रहीमयारखान तथा **सिंध प्रान्त** के घोटकी, संघर, सुक्कुर, खैरपुर, उमरकोट, थारपारकर जिले)	9

3. भौतिक स्वरूप

❐ **राजस्थान को प्रमुख भौतिक विभागों में कितनी बार बाँट सकते है?**

[EO & RO - 14.05.2023 (S - II)] [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) एक (2) चार (3) दो (4) छ:

Ans. (2)

व्याख्या *– राजस्थान के भौगोलिक प्रदेशों का निर्धारण सर्वप्रथम **प्रो. वी.सी. मिश्रा** ने **'राजस्थान का भूगोल'** नामक पुस्तक में किया। इन्होंने राजस्थान को **सात भौगोलिक प्रदेशों (1. पश्चिमी शुष्क प्रदेश, 2.अर्द्ध-शुष्क प्रदेश, 3. नहरी प्रदेश, 4. अरावली प्रदेश, 5. पूर्वी कृषि-औद्योगिक प्रदेश, 6.दक्षिणी - पूर्वी कृषि प्रदेश, 7. चम्बल बीहड़ प्रदेश)** में विभक्त किया। 1968 में जलवायु के आधार पर राजस्थान को भौतिक प्रदेशों में बाँटने का **दूसरा प्रयास एस.के. सेन** (3 भागों में) तथा 1971 में **तीसरी बार डॉ. रामलोचन सिंह** ने किया। डॉ. रामलोचन सिंह ने राजस्थान को दो भागों (राजस्थान व राजस्थान पठार) तथा चार उपभागों (मरुस्थल, राजस्थान बांगर, अरावली पठार व चम्बल बेसिन) एवं 12 लघु प्रदेशों में विभाजित किया। **डॉ. हरिमोहन सक्सेना** ने 'राजस्थान का प्रादेशिक भूगोल' (1994) में राजस्थान को धरातल, जलवायु और नदी बेसिन के आधार पर निम्नांकित **4 भागों में विभाजित** किया है–*

राजस्थान का भौतिक विभाजन (4) : एक दृष्टि में

	उत्तर-पश्चिम मरुस्थलीय प्रदेश	अरावली पर्वतीय प्रदेश	पूर्वी मैदान प्रदेश	दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश
समय	सबसे नवीन	सबसे प्राचीन	तीसरा प्राचीन	दूसरा प्राचीन
युग	प्लीस्टोसीन उत्तर	प्री-केम्ब्रियन	प्लीस्टोसीन प्रारम्भिक	क्रिटेशियस
क्षेत्रफल	61.11%	9.1%	23.3%	6.49%
जनसंख्या	40 प्रतिशत	10 प्रतिशत	39 प्रतिशत	11 प्रतिशत
अवशेष	टैथिस सागर	गौंडवानालैण्ड	टैथिस सागर	गौंडवानालैण्ड
भारत भौतिक प्रदेश हिस्सा	उत्तर भारत का विशाल मैदान	प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश	उत्तर भारत का विशाल मैदान	प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश
ढाल	उ. पूर्व से द. प.	पार्श्ववर्ती	पश्चिम से पूर्व	द. से उ. एवं उ. से पू.
जिले	20	21	18	7
औसत ऊँचाई	150-380 मी.	930 मीटर	200-500 मी.	450-600 मी.
वर्षा	10 सेमी.-40 सेमी.	40 सेमी.-60 सेमी.	60 सेमी-80 सेमी.	80 सेमी.-120 सेमी.
नदियाँ	घग्घर, लूनी	बनास	बनास, बाणगंगा, चम्बल, माही	चम्बल, पार्वती, आहू कालीसिन्ध, परवन
जलवायु	शुष्क व अर्द्धशुष्क	उपआर्द्र	आर्द्र	अतिआर्द्र
वन	काँटेदार झाड़ियाँ	उष्णकटिबन्धीय काँटेदार झाड़ियाँ	मिश्रित पतझड़	सघन (सदाबहार) वन
मिट्टी	रेतीली बलुई (एरिडी-एंटीसोल्स)	काली-भूरी पथरीली (इन्सेप्टीसोल्स)	जलोढ़-दोमट (अल्फीसोल्स)	काली-लाल कछारी (वर्टीसोल्स)
फसल	ग्वार, बाजरा, मोठ	मक्का, ज्वार	गेहूँ, जौ, चना, सरसों	मसाले, सोयाबीन, कपास
विशिष्टता	बालुका स्तूप	बहुतायत खनिज	बीहड़	लावा पठार

❒ **राजस्थान को वी. सी. मिश्रा ने कितने भौगोलिक प्रदेशों में बाँटा है।** [महिला पर्यवेक्षक(TSP) - 20.12.2015]

(1) दो (2) चार (3) पाँच (4) सात

Ans. (4)

***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भू-आकृति की दृष्टि से राजस्थान को कितने उपक्षेत्रों में बाँटा जा सकता है?** [EO & RO-14.5.2023 (I)]

(1) 14 (2) 13 (3) 12 (4) 11

Ans. (*)

***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का कौन-सा भौगोलिक अंचल प्राचीनतम है?**

[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-14/15.7.2018 (II)]

(1) घग्घर का मैदानी अंचल

(2) उत्तरी-पूर्वी मैदान अंचल

(3) अरावली पर्वतीय अंचल

(4) थार मरूस्थल अंचल

Ans. (3)

***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **झालावाड़ से बीकानेर की ओर सीधी रेखा में यात्रा करते हुए आप निम्न में से किस प्रकार के भौतिक स्वरूपों के क्रम का अवलोकन करेंगे?**

[खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) भोराट पठार, हाड़ौती पठार, मध्य अरावली

(2) मध्य माही मैदान, बनास बेसिन, बांगड़

(3) विन्ध्यन कगार, बनास बेसिन, भोराट पठार

(4) हाड़ौती पठार, बनास बेसिन, मध्य अरावली

Ans. (4) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **संरचनात्मक दृष्टि से राजस्थान के भौतिक स्वरूप भारत के निम्नलिखित में से किन उच्चावच प्रदेशों का हिस्सा है-** [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]

(1) उत्तरी वृहत मैदान, प्रायद्वीपीय पठार

(2) उत्तरी पर्वतीय प्रदेश, उत्तरीय वृहत मैदान

(3) तटीय मैदान, प्रायद्वीपीय पठार

(4) प्रायद्वीपीय पठार, उत्तरी पर्वतीय प्रदेश

Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के दक्षिण - पूर्वी पठारी भाग में औसत वार्षिक वर्षा होती है-** [II Grade (Sans.) -12.2.2023 (II)]

(1) 40 सेमी. से 70 सेमी. के मध्य

(2) 80 सेमी. से 120 सेमी. के मध्य

(3) 70 सेमी. से 80 सेमी. के मध्य

(4) 10 सेमी. से 20 सेमी. के मध्य

Ans. (2) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित कीजिए** -[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -I]

प्राकृतिक भाग	औसत वर्षा
अ. उत्तरी -पश्चिमी रेगिस्तान	12 से 15 सेमी.
ब. पूर्वी मैदान	40 से 80 सेमी.
स. मध्यवर्ती पहाड़ी प्रदेश	20 से 90 सेमी.
द. दक्षिण-पूर्वी पठार	75 सेमी.

कूट :	अ	ब	स	द		अ	ब	स	द
(1)	4	3	2	1	(2)	2	3	4	1
(3)	2	3	1	4	(4)	1	2	3	4

Ans. (4) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के धरातलीय स्वरूपों के सम्बन्ध में कौन-सा कथन गलत है?** [स्कूल व्याख्याता परीक्षा-2014]

[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]

[Librarian Garde-III- 13.11.2016]

(1) अरावली विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वत श्रेणी है।
(2) उत्तर-पूर्वी मैदान सिन्धु नदी द्वारा निर्मित मैदान का भाग है।
(3)प. बालुका मैदान टैथिस सागर का अवशेष रूप है।
(4) दक्षिण-पूर्वी पठार गौंडवाना लैण्ड का विस्तारित भाग है।

Ans. (2)

व्याख्या -उत्तर-पूर्वी मैदान को टैथिस सागर का अवशेष माना जाता है। इयोसीन काल एवं प्लीस्टोसीन युग में इस क्षेत्र में एक विशाल समुद्र (टैथिस सागर) था।

❑ **राजस्थान में कौन-से भौतिक विभाग अपने धरातलीय लक्षणों से सही सुमेलित हैं?** [पटवारी प्रारम्भिक -2016]

(1) **भौतिक विभाग** : दक्षिण-पूर्वी पठार → **शैल समूह**: आर्कियन-विन्ध्यन क्रम → **धरातलीय लक्षण** : गौंडवाना लैण्ड का विस्तारित भाग

(2) **भौतिक विभाग** : पश्चिमी बालुका मैदान→ **शैल समूह**: रायलो-क्रिटेशस क्रम→ **धरातलीय लक्षण** : टैथिस सागर का अवशेष रूप

(3) **भौतिक विभाग** : अरावली → **शैल समूह**: अरावली-दिल्ली क्रम → **धरातलीय लक्षण** : प्राचीनतम वलित पर्वत श्रेणी

(4) **भौतिक विभाग** : उत्तर-पूर्वी मैदान, → **शैल समूह**: दक्कन लावा-विन्ध्यन क्रम→ **धरातलीय लक्षण** : सिन्धु नदी निर्मित मैदान का भाग

कूट: (1) 2 और 3 (2) 1 और 4
(3) 1, 2, और 3 (4) 2, 3 और 4

Ans. (3)

व्याख्या : पूर्वी मैदानी भाग, मरुस्थल किसी समय टैथिस सागर तथा अरावली, हाड़ौती का पठार गौंडवाना लैण्ड का हिस्सा थे।

❑ **राजस्थान के भौतिक प्रदेशों का उत्तर से दक्षिण दिशा में अवस्थिति का सही क्रम है?** [REET (Level – II, S-II) –24.07.2022]

(1) विंध्यन श्रेणी → लूनी बेसिन → शेखावाटी प्रदेश →माही का मैदान
(2) लूनी बेसिन → विंध्यन श्रेणी → शेखावाटी प्रदेश →माही का मैदान
(3) शेखावाटी प्रदेश → विंध्यन श्रेणी → लूनी बेसिन → माही का मैदान
(4) घग्गर का मैदान → भोराट का पठार → शेखावाटी प्रदेश → लूनी बेसिन

Ans. (3)

***व्याख्या** - राजस्थान के भौतिक प्रदेशों का उत्तर से दक्षिण दिशा में क्रमशः घग्घर, शेखावाटी, नागौर उच्च भूमि, विंध्यन श्रेणी, लूनी बेसिन, बनास बेसिन, माही का मैदान आते हैं।*

❑ **राजस्थान के भौतिक स्वरूप के सम्बन्ध में कौन-सा/ कौन-से कथन सत्य हैं?** [ग्राम सेवक 18.12.16]

1. हाड़ौती पठार पश्चिमोत्तर में मुख्य सीमा भ्रंश द्वारा सीमांकित है।2. पश्चिमी रेतीले मैदान का 41.50 प्रतिशत क्षेत्र बालुकास्तूप मुक्त प्रदेश है। 3. संरचनात्मक दृष्टि से राजस्थान के भौतिक स्वरूप भारत के उत्तरी बृहत् मैदान और प्रायद्वीपीय पठार का हिस्सा है। 4. अरावली वर्तमान में अवशिष्ट पर्वतों के रूप में उपलब्ध है।

कूट: (1) 1, 2, 3 (2) 1, 3 (3) 2, 3, 4 (4) केवल 3

Ans. (3)

***व्याख्या** - महान सीमा भ्रंश हाड़ौती एवं अरावली के मध्य स्थित है। इसका विस्तार बूँदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर एवं चित्तौड़गढ़ में है। यह पठारी भाग उत्तर - पश्चिम में अरावली के महान सीमा भ्रंश द्वारा तथा दक्षिण पूर्व में मेवाड़ के मैदान द्वारा सीमांकित है।*

❑ **महान सीमा भ्रंश राजस्थान के किस जिले से नहीं गुजरता?** [ARO (Agronomy/Agriculture) -29.08.2022]

(1) कोटा (2) चित्तौड़गढ़
(3) सवाई माधोपुर (4) भीलवाड़ा

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के भौतिक प्रदेशों के सम्बन्धों में सही कथन चुनिए-** [Patwar Main 24.12.16]

1. राज्य के 61.11 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पश्चिमी रेतीले मैदान का विस्तार है।
2. राज्य के 9.60 प्रतिशत भू-क्षेत्र में अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार है।
3. राज्य के 23.03 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पूर्वी मैदान का विस्तार है।
4. राज्य के 6.37 प्रतिशत भू-क्षेत्र में दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश का विस्तार है।

कूट: (1) केवल 1(2) 1 और 3(3) 1, 2 और 3(4) 3 और 4

Ans. (1)

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न के विकल्पों में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ द्वारा गठित प्रोफेसर्स के पैनल ने विकल्प 1 (61.11) को ही सही माना है। अन्य विकल्पों के आंशिक प्रतिशत में विविधता होने के कारण उन्हें सही नहीं माना गया है। राज्य के 9 या 9.3 प्रतिशत भू-क्षेत्र में अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार है। राज्य के 23 या 23.30 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पूर्वी मैदान का विस्तार है। राज्य के 6.89 या 7.30 प्रतिशत भू-क्षेत्र में दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश का विस्तार है।

❒ **राजस्थान की प्री-केम्ब्रियन चट्टानों का आधारभूत वर्णन किया गया है-**[बे. कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) ए. एम. हेरोन (2) टी. एच. डी. ला. टोर्शे
(3) एम.एस.कृष्णन (4) ए. एल. कोलसन

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान के भू-तात्विक सर्वेक्षण की कड़ी में ए. एम. हेरोन, टी. एच. डी. ला. टोर्शे, एम.एस.कृष्णन, ए. एल. कोलसन, सी.ए. हैकेट, पी.के. घोष, डी.एन. वाडिया आदि का नाम उल्लेखनीय है। किन्तु राजस्थान की प्री-केम्ब्रियन चट्टानों का आधारभूत वर्णन ए. एम. हेरोन (1936, 1953) ने प्रस्तुत किया।

❒ **राजस्थान में थार मरुस्थल से प्रभावित क्षेत्रफल व जनसंख्या का प्रतिशत क्रमशः कितना है-**
[प्रयोगशाला सहा.-3.2.19] [R.A.S.1999]

(1) 50%, 50% (2) 61%, 40%
(3) 70%, 60% (4) 70%, 70%

Ans. (2)

व्याख्या - उत्तर-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश :
- *__निर्माण काल__ : टर्शटारी एवं प्लीस्टोसीन*
- *__विस्तार__ : कुल लम्बाई-640 किमी., चौड़ाई - 300 किमी., औसत ऊँचाई - 200-300 मीटर (समुद्र तल से)*

इसमें राजस्थान के क्षेत्रफल का लगभग __61.11 प्रतिशत__ भाग आता है जिसमें लगभग __40 प्रतिशत जनसंख्या__ निवास करती है। इस प्रदेश का __पश्चिमी भाग__ 'थार का रेगिस्तान' तथा पूर्वी भाग 'मारवाड़' कहलाता है।

❒ **राजस्थान का मरुस्थल किस नाम से जाना जाता है-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]

(1) गोबी (2) सहारा (3) कालाहारी (4) थार

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का लगभग कितने प्रतिशत भू-भाग मरूस्थलों से घिरा हुआ है-**[Librarian Gr.III- 13.11.2016]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
[JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
[A.A.O. - 31.5.2019] [R.A.S. Pre Ex., 2010]

(1) 41% (2) 21% (3) 61% (4) 81%

Ans. (3)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली शृंखला के पश्चिमी व उत्तर-पश्चिम में स्थित 12 जिलों में राज्य की कितने प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है-** [RAS Exam-1996, 99]

(1) 40% (2) 50% (3) 60% (4) 70%

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में कौनसा एक भौतिक विभाजन सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला है?**[पशुधन सहायक -21.10.2018]
[JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) पूर्वी मैदानी प्रदेश (2) उत्तर पश्चिमी मरूस्थली प्रदेश
(3) दक्षिण पूर्वी पठारी प्रदेश (4) अरावली पर्वतश्रेणी प्रदेश

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में मरुस्थल का विस्तार.....दिशा में हो रहा है।** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]

(1) पूर्व से पश्चिम (2) दक्षिण से उत्तर
(3) पश्चिम से पूर्व (4) उत्तर से दक्षिण

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **थार मरुस्थल का विस्तार किन राज्यों तक है?**
[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]

(1) राजस्थान (2) राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश
(3) राजस्थान,पंजाब (4) राजस्थान,पंजाब, गुजरात, हरियाणा

Ans. (4)

व्याख्या : थार मरुस्थल का विस्तार भारत में 85 प्रतिशत, पाकिस्तान में 15 प्रतिशत है। इसका विस्तार भारत में __राजस्थान__ (62%), हरियाणा, गुजरात, पंजाब में है। थार का मरुस्थल उत्तर-पश्चिम में 640 किलोमीटर लम्बा व 300 किलोमीटर चौड़ा रेतीला मरुस्थल है। इसका कुल क्षेत्रफल __1,75,000 वर्ग कि.मी.__ (डॉ. हरिमोहन सक्सेना की पुस्तक 'राजस्थान का भूगोल' में) है। यहाँ सर्वाधिक जैव विविधता पाई जाती है। अतः इस क्षेत्र को रूक्ष क्षेत्र कहते है। थार के रेगिस्तान में एकाएक वर्षा होने से बालुका-स्तूपों के मध्य निचली भूमि के गर्त जल से भर जाते है। ये मध्यवर्ती गर्त 'मरहो' कहलाते है। मरुस्थलीय क्षेत्र में जहाँ जल बेसिन पाये जाते हैं उसके चारों ओर हरियाली विकसित हो जाती है, जिसे नखलिस्तान (Oasis) कहते हैं।

❒ **पश्चिमी मरूस्थली क्षेत्र का क्षेत्रफल लगभग है-**
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]
(1) 242239 वर्ग किमी. (2) 75000 वर्ग किमी.
(3) 175000 वर्ग किमी. (4) 213688 वर्ग किमी.
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का परिगणित मरुस्थलीय क्षेत्र लगभग कितना है?**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]
(1) 2,79,250.67 किमी.^{2} (2) 1,79,250.67 किमी.^{2}
(3) 3,79,250.67 किमी.^{2} (4) 2,50,267.55 किमी.^{2}
Ans. (2)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान भूभाग के क्षेत्रफल का कितना भाग रेगिस्तान है?** [R.A.S. Pre Exam, 2003]
[CET - 5.2.2023 (S-I)] [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -II]
(1) लगभग एक-चौथाई (2) लगभग एक-तिहाई
(3) लगभग आधा (4) लगभग दो-तिहाई
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भारत में थार मरुस्थल का कितना प्रतिशत भाग राजस्थान में विद्यमान है?** [RAS Pre 28.08.2016]
(1) 90% (2)75% (3) 35% (4) 60%
Ans. (*) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भू-जलवायुविक प्रमाणों के आधार पर आज से लगभग कितने वर्ष पूर्व राजस्थान में मरुस्थल का अस्तित्व नहीं था?** [JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]
(1) 1,000 (2) 7,000 (3) 10,000 (4) 25,000
Ans. (2)

❒ **निम्न में से थार मरुस्थल के किस भाग की समुद्र तल से सबसे कम ऊँचाई है**-[Veterinary Off.-2.8.2020]
(1) उत्तरी भाग (2) दक्षिणी भाग
(3) उत्तरी-पूर्वी भाग (4) उत्तरी-पश्चिमी भाग
Ans. (2)

व्याख्या-इसकी समुद्रतल से सामान्य ऊँचाई 200 मीटर (दक्षिणी भाग में) और 300 मीटर (उत्तरी भाग में) है।

❒ **राजस्थान के कितने जिलों में थार रेगिस्तान फैला हुआ है?** [LDC -09.09.2018][वनरक्षक परीक्षा - 2013]
[CET -4.2.2023 (S- II)]
(1) 9 (2) 14 (3) 11 (4) 12
Ans. (4)*

व्याख्या - राष्ट्रीय कृषि आयोग ने राज्य के 12 जिलों को मरुस्थलीय जिले माना हैं। किन्तु वर्तमान नये जिलों के पुनर्गठन के पश्चात् मरुस्थलीय जिलों की अनुमानित संख्या 20 (गंगानगर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़, जैसलमेर, फलौदी, बालोतरा, बीकानेर, नागौर, ब्यावर जिले का उत्तर-पश्चिमी भाग, डीडवाना-कुचामन, सीकर, झुन्झुनूँ, नीम का थाना, चूरू, जालौर, सांचौर, पाली, बाड़मेर, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण) हो गयी है।

❒ **राजस्थान के मरुस्थल के विषय में इनमें से कौनसा कथन सही हैं?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]
(1) राजस्थान के रेगिस्तान में जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और जोधपुर जिले शामिल हैं।
(2) थार मरुस्थल या महान भारतीय मरुस्थल (ग्रेट इंडियन डेजर्ट) राजस्थान के कुल भूभाग का लगभग 50 प्रतिशत भू भाग घेरता है।
(3) राजस्थान का मरुस्थल, जो थार मरुस्थल का एक बड़ा भाग है, भारत का तीसरा सबसे बड़ा मरुस्थल है।
(4) राजस्थान का मरुस्थल ग्रीष्मकाल में बहुत गर्म हो जाता है और यहाँ तीव्र जलवायु का अनुभव होता है, जिसमें औसत वार्षिक वर्षा 10 सेमी. से कम होती है।
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गतिशील (Mobile) 'रेत के टीले' को राजस्थान की स्थानीय भाषा में ....कहते हैं-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]
(1) ढोर (2) रोहिड़ा (3) खेजड़ी (4) धरियन
Ans. (4)

व्याख्या - पश्चिमी राजस्थान में शुष्क मरुस्थल को बालू रेत के टीले/धोरे/धरियन के अधिक फैलाव के कारण थली (रेत ही रेत) कहा जाता है। वायु द्वारा लाई गई समस्त बालू का भार शीर्ष के छोर पर वायु की मन्द गति पड़ने के कारण छोड़ दिया जाता है तथा इसकी दोनों भुजाओं के बीच वायु की रगड़ से गर्त बन जाता है जिसे स्थानीय भाषा में ढांढ/ढांड [Dhand] कहते हैं।

❒ **थार मरुस्थल में 'ढांड' के नाम से कौनसा जाना जाता है?** [CET -4.2.2023 (S- II)]
(1) नखलिस्तान (2) चन्द्राकार बालुका स्तूप में गर्त
(3) उत्प्लुत बेसिन (4) मरुस्थल में प्लाया
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान स्थित थार का मरुस्थल किसका अवशेष माना जाता है? [वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) गौंडवाना लैण्ड का (2) अंगारालैण्ड का
(3) टैथिस सागर का (4) लूनी नदी का

Ans. (3)

व्याख्या - थार का रेगिस्तान एवं पूर्वी मैदानी भाग किसी समय टैथिस महासागर का भाग था। टैथिस सागर के अवशेष के रूप में राजस्थान में आज भी साँभर, डीडवाना, पचपदरा (बालोतरा) आदि खारे पानी की झीलें, प्लाया झीलें स्थित है। आकल गाँव (जैसलमेर) के जीवाश्मीय प्रमाण भी इसी ओर इंगित करते हैं।

❐ 'प्लाया' झीलें राजस्थान के किस भौगोलिक अंचल में मिलती हैं? [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) अरावली पर्वत (2) थार का मरूस्थल
(3) हाड़ौती का पठार (4) पूर्वी मैदान

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ गौंडवाड़ प्रदेश राजस्थान के किस बृहत् भू-आकृतिक विभाग का भाग है? [LDC Exam 23.10.16]

(1) पूर्वी मैदानी प्रदेश (2) पश्चिमी शुष्क प्रदेश
(3) हाड़ौती पठार (4) घग्घर प्रदेश

Ans. (2)

व्याख्या-पश्चिमी राजस्थान के अर्द्धशुष्क मैदान के उपखण्ड लूनी बेसिन को गौंडवाड़ा प्रदेश के रूप में जाना जाता है।

❐ निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता थार के मरुस्थल से संबंधित नहीं है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (I)]

(1) यहाँ शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क जलवायु है
(2) यहाँ रेतीली मिट्टी पाई जाती है
(3) यहाँ सदाबहार वन पाए जाते हैं
(4) यहाँ बालू के स्तूप पाए जाते हैं

Ans. (3)

व्याख्या - थार के मरुस्थल में काँटेदार झाड़ियाँ पाई जाती है। जबकि सघन (सदाबहार) वन दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश में पाये जाते हैं।

❐ अन्तरिक्ष मेहमानों की पंसदीदा जगह जहाँ एक दशक में नौ उल्कापिण्ड गिरे हैं [III Gr.Teacher-2006]

(1) ढूँढाड अंचल (2) वागड़ अंचल
(3) हाड़ौती अंचल (4) थार का रेगिस्तान अंचल

Ans. (4)

व्याख्या-पिछले एक दशक में सर्वाधिक उल्कापिण्ड थार के रेगिस्तान में गिरे है। पाकिस्तान में थार के मरूस्थल को 'चोलिस्तान' के नाम से जाना जाता है। थार का मरुस्थल विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला मरुस्थल है।

❐ बाप बोल्डर्स बेड राजस्थान के किस जिले में है? [ARO (Agronomy/Agriculture) -29.08.2022] [III Grade (SST) -26.02.2023]

(1)जैसलमेर (2)जोधपुर (3) बीकानेर (4) हनुमानगढ़

Ans. (2)*

व्याख्या-परमियन कार्बोनिफेरस-बाप बोल्डर बेड फलौदी जिले (पूर्व जोधपुर) के बाप गाँव के आस-पास गोलाश्म संस्तर तालचीर बोल्डर बेड के समकालीन माने जाते हैं।

❐ बाप बोल्डर्स युग से सम्बंधित है? [महिला पर्यवेक्षक- 29.11.2015]

(1)जुरासिक(2)साइलूरियन (3)कार्बोनिफेरस(4)डिवॉनियन

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ पश्चिमी राजस्थान के रेतीले मैदान का कितना प्रतिशत क्षेत्र बालुकास्तूप-मुक्त है? [Patwar Main 24.12.16] [JEN (Agri.) 10.09.2022]

(1) 41.5 (2) 61.11 (3) 18.6 (4) 14.7

Ans. (1)

व्याख्या - पश्चिमी रेतीले राजस्थान में बालुका स्तूप

स्तूपों का विस्तार	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)	मरूस्थली क्षेत्रफल का %
बालुका स्तूप मुक्त क्षेत्र	85,660	41.50
0%-20% प्रभावित क्षेत्र	24,856	11.50
20%-40% प्रभावित क्षेत्र	10,165	4.80
40%-60% प्रभावित क्षेत्र	34,322	14.70
60%-80% प्रभावित क्षेत्र	39,782	18.60
80%-100% प्रभावित क्षेत्र	18,903	8.90
कुल	2,13,688	100.00

❐ राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान के ______ क्षेत्र में बालुका स्तूप पाए जाते हैं? [पटवार - 2008]

(1) 60 % (2) 50% (3) 40% (4) 30%

Ans. (1)

व्याख्या : पश्चिमी रेतीले मरुस्थल का लगभग 59-60 प्रतिशत भाग बालुका स्तूपों से आच्छादित है।

❒ **राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसा एक बालुका स्तूप का प्रकार नहीं है-** [VDO-27.12.2021 (S-I)] [ARO-29.8.2022] [द्वितीय श्रेणी अध्यापक-1.5.2017]

(1) थली (2) बरखान (3) पैराबोलिक (4) सीफ

Ans. (1)

व्याख्या *–बालुकास्तूप युक्त मरुस्थली प्रदेश (Sandy Dunes Area) – बालुका स्तूप मुख्य रूप से मिट्टी के अपरदन और निक्षेपण का प्रतिफल है। इन्हें टीले/टीबे/धोरे (साहित्यिक भाषा में)/धरियन (जैसलमेर की स्थानीय भाषा में) आदि नामों से जाना जाता है। सर्वाधिक बालुका स्तूप जैसलमेर तथा सभी प्रकार के बालुका स्तूप जोधपुर ग्रामीण में पाये जाते हैं। बालुकास्तूप के प्रकार है –*

पवन की गति के अनुसार –
- *अनुदैर्ध्य/पवनानुवर्ती/रेखीय बालुकास्तूप*
- *बरखान (बरच्छान) या अर्द्धचन्द्राकार बालुका स्तूप*
- *अनुप्रस्थ बालुका स्तूप [Transverse Dunes]*

आकृति के अनुसार –
- *पेराबोलिक बालुका स्तूप*
- *सीप बालुका स्तूप*
- *तारा बालुकास्तूप (Star Sand Dunes)*

❒ **बालुका स्तूपों का प्रकार नहीं है-**[ARO-29.8.2022] [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) पेराबोलिक (2) बरखान (3) सीफ (4) इन्सेलबर्ग

Ans. (4) *इन्सेलबर्ग ग्रेनाइट निर्मित आबू पर्वत खंड है।*

❒ **राजस्थान के कौनसे क्षेत्रों में, तारा बालुका स्तूप पाये जाते हैं?** [I Grade Teacher (GK) -15.10.2022] [Librarian III Grade 11.09.2022]

(1) मोहनगढ़ क्षेत्र (जैसलमेर) एवं सूरतगढ़ क्षेत्र (गंगानगर)
(2) सरदारशहर क्षेत्र (चूरू) एवं शेखावाटी क्षेत्र (सीकर)
(3) सिवाना क्षेत्र एवं फलौदी क्षेत्र
(4) मोहनगढ़ क्षेत्र (जैसलमेर)एवं कोलायत क्षेत्र (बीकानेर)

Ans. (1)

व्याख्या *– तारा बालुकास्तूप (Star Sand Dunes) : हमादा के चारों ओर पाये जाने वाले बालुका स्तूप को तारानुमा बालुका स्तूप कहा जाता है। तारा बालुका स्तूप जैसलमेर के मोहनगढ़, पोकरण क्षेत्र तथा गंगानगर के सूरतगढ़ में मिलते हैं।*

❒ **राजस्थान के किस क्षेत्र में अनुप्रस्थ बालुका स्तूप मिलते हैं-** [Librarian Garde-II Exam - 02.08.2020]

(1) बीकानेर जिले में पुंगल (पूगल) के चारों ओर
(2) लूनी बेसिन के पश्चिमी भाग में
(3) जैसलमेर जिले के रामगढ़ क्षेत्र में
(4) अजमेर जिले के पुष्कर के चारों ओर

Ans. (1)

व्याख्या *– अनुप्रस्थ बालुका स्तूप [Transverse Dunes] : इनकी ऊँचाई 10 से 40 मीटर एवं स्तूपों के मध्य दूरी 500 से 1000 मीटर होती है। ये पवनों की दिशा के समकोण बनने वाले स्तूप होते है। ये बीकानेर, हनुमानगढ़ के रावतसर, गंगानगर के सूरतगढ़, चूरू, झुन्झुनूँ जिलों में मिलते हैं।*

❒ **अनुप्रस्थ बालुका टीले राजस्थान के किन जिलों में मिलते हैं?** [JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) बीकानेर–गंगानगर (2) जोधपुर–बाड़मेर
(3) जालौर–पाली (4) जोधपुर–नागौर

Ans. (1)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **थार के मरुस्थल में पाए जाने वाले अर्द्ध-चंद्राकार रेत के टीलों को क्या कहा जाता है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)] [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019] [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]

(1) बरखान (2) सम (3) रण (4) खड़ीन

Ans. (1)

व्याख्या *– बरखान (बरच्छान) या अर्द्धचन्द्राकार बालुका स्तूप (Barchans or Crescent Shaped Sand Dunes) – 20 सेमी. समवर्षा रेखा के पश्चिमी क्षेत्रों में, 10-20 मी. ऊँचाई एवं 100-200 मी. तक चौड़ाई तक फैले है। मरुस्थलीकरण में सर्वाधिक योगदान बरखान बालूका स्तूपों का होता है क्योंकि ये सर्वाधिक गतिशील होते हैं। भालेरी (चूरू), जैसलमेर, नीम का थाना, सूरतगढ़, लूणकरणसर, करणी माता- देशनोक (बीकानेर), बाड़मेर, बालोतरा, ओसियाँ व जोधपुर (ग्रामीण), डीडवाना-कुचामन में मिलते हैं। यह बालुका स्तूप मंद पवनामुखी ढाल व तीव्र पवनाविमुखी ढाल वाला होता है।*

❒ **बरच्छान/बरखान है:** [III Grade (L-I) -25.2.2023, 2009]

(1) रेत के टील (2) डेल्टा (3) पहाड़ियाँ (4) झीलें

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बरखान बालू का स्तूप प्रधानतः राजस्थान के कौनसे क्षेत्रों में पाये जाते हैं-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]
(1) 20 सेमी. समवर्षा रेखा के पश्चिमी क्षेत्रों में
(2) 20 से 35 सेमी. समवर्षा रेखा के मध्य क्षेत्रों में
(3) 35 से 50 सेमी. समवर्षा रेखा के मध्य क्षेत्रों में
(4) 50 सेमी. समवर्षा रेखा के पूर्वी क्षेत्रों में
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बरखान पश्चिमी राजस्थान के कौनसे क्षेत्रों में पाये जाते हैं?** [II Grade (S-II) -29.1.2023]
1. ओसियाँ-जोधपुर **2. भालेरी-चूरू**
3. देशनोक - बीकानेर **4. दांतारामगढ़-सीकर**
(1) 1, 2 एवं 4 (2) 1, 3 एवं 4
(3) 1, 2 एवं 3 (4) 2, 3 एवं 4
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'बरखान/बरकान' स्थलाकृति किस भौतिक विभाग से संबद्ध है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020] [CET - 5.2.2023 (S- II)]
(1) पर्वतीय प्रदेश (2) पठारी प्रदेश
(3) मैदानी प्रवेश (4) मरुस्थलीय प्रदेश
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सीफ है एक-** [PTI-2015][JEN (Civil) Dip. - 18.5.2022]
(1) अनुदैर्ध्य बालुका स्तूप (2) अनुप्रस्थ बालुका स्तूप
(3) पेराबोलिक बालुका स्तूप (4) स्क्रब कापीस बालुका
Ans. (1)

> ***व्याख्या : बरखान के निर्माण में जब पवन की दिशा में परिवर्तन होता है तो बरखान की भुजा आगे की ओर समानान्तर बढ़ जाती हैं जिसे सीफ कहा जाता है।***

❒ **कौनसे बालुका स्तूप, प्रचलित पवन की दिशा के समानान्तर विकसित होते हैं?**[CET : 07.01.2023 (S-II)]
(1) सीफ (2) पेराबोलिक (3) बरखान (4) अनुप्रस्थ
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के थार मरुस्थल में दृषद्वती नदी घाटी में किस प्रकार के बालु के स्तूप चिह्नित होते हैं?** [LDC Exam -12.08.2018]
(1) रेखीय या पवनानुवर्ती बालुका स्तूप
(2) तारा बालुका स्तूप
(3) पेराबोलिक बालुका स्तूप
(4) बरखान बालुका स्तूप
Ans. (1)

> ***व्याख्या : अनुदैर्ध्य/पवनानुवर्ती/रेखीय बालुका स्तूप [Longitudinal or Linear Dunes] : इनका विस्तार सर्वाधिक जैसलमेर के दक्षिण-पश्चिम भाग में पाया जाता है। जोधपुर (ग्रामीण) एवं बाड़मेर जिलों में भी इनका विस्तार है। इन रेखीय बालुका स्तूपों की ऊँचाई 10 मीटर से 60 मीटर तक पाई जाती है। पवनानुवर्ती स्तूप, पवनों की दिशा के समानान्तर बनने (सीफ) वाले स्तूप होते है।***

❒ **जैसलमेर में किस प्रकार के बालूका स्तूप पाए जाते हैं-** [अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]
(1) बरखान (2) परवलयिक (3) अनुदैर्ध्य (4) अनुप्रस्थ
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पश्चिमी राजस्थान में कौनसे प्रकार के अनुप्रस्थ बालुका स्तूप पाये जाते हैं?** [I Grade (GK) -11.10.2022]
(1) बरखान एवं सीफ
(2) बरखान एवं परवलयी
(3) बरखान एवं पवन विमुख रेखीय
(4) परवलयी एवं वनस्पति युक्त रेखीय
Ans. (2)

> ***व्याख्या : सीफ, पवन विमुख रेखीय आदि अनुदैर्ध्य तथा बरखान, परवलयी अनुप्रस्थ बालुका स्तूप हैं।***

❒ **थार मरुस्थल की स्थलाकृति किस प्रकार के बालुकास्तूपों से पटी पड़ी है?** [JEN - 21.08.2016]
(1) पवनानुवर्ती (2) अनुप्रस्थ (3) बरखान (4) पेरावोलिक
Ans. (4)

> ***व्याख्या-राजस्थान के विपरीत या हेयर पिन जैसा बालुका स्तूप को पेरावोलिक बालुका स्तूप कहते है। इस प्रकार के बालुका स्तूप बीकानेर (राजस्थान) में सर्वाधिक है। पेरावोलिक (पेराबोलिक) बालुका स्तूप का विस्तार सम्पूर्ण मरुस्थलीय क्षेत्र में है।***

❒ **थार मरुस्थल के संदर्भ में पेराबोलिक क्या है?** [ARO (Entomology)-30.08.2022]
(1) बालुका स्तूप (2) झील (3) खड़ीन (4) टांका
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थल में सबसे प्रमुख (अधिकांशतः) बालू के स्तूप है-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021]
(1) बरखान (2) पवनानुवर्ती (3) अनुप्रस्थ (4) पेराबोलिक
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से राजस्थान में कौन-सा क्षेत्र बालुका स्तूप मुक्त है?** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-01.05.2017]
(1) शेरगढ़- शिव (2) ओसियाँ - शेरगढ़
(3) बायतू - चोहटन (4) फलौदी - पोकरण
Ans. (4)

व्याख्या : बालुकास्तूप मुक्त प्रदेश (Sandy Dunes free Area) – *मरुस्थल के अधिकांश भाग में बालुका स्तूपों का अभाव है। इस क्षेत्र को बालुका स्तूप रहित प्रदेश कहा जाता है। यह प्रदेश जैसलमेर के चारों ओर लगभग 65 किलोमीटर क्षेत्र में, पोकरण तहसील के लगभग आधे भाग में और फलौदी जिले के दक्षिणी व पश्चिमी क्षेत्रों में विस्तृत है।*

❐ **सही कथन का चयन कीजिए**[II Grade-30.7.2023 (II)]
1. अनुप्रस्थ बालुका-स्तूप चूरू और झुन्झुनूँ जिलों में मिलते हैं।
2. अवरोधी बालुका-स्तूप पुष्कर क्षेत्र में मिलते हैं।
3. जोधपुर जिला बालुका-स्तूप मुक्त जिला है।
(1) 1, 2 और 3 (2) 2 और 3
(3) 1 और 2 (4) 1 और 3
Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में ड्यून मुक्त ट्रेक्ट पाया जाता है-**
[JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
(1) पाली-जालोर-बाड़मेर-जयपुर
(2) जोधपुर-नागौर-चुरू-सीकर
(3) हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर-झुन्झुनूँ-जयपुर
(4) बीकानेर-जैसलमेर-फलौदी-पोकरण
Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'लाठी सीरीज' क्या है?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]
[JEN (Agri.) 10.09.2022][राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (I)]
[III Grade (SST) -26.02.2023]
(1) भूमिगत जल पट्टी (2) वन संरक्षण कार्यक्रम
(3) सेवण घास पट्टी (4) उपर्युक्त सभी
Ans. (1)

व्याख्या - लाठी सीरीज क्षेत्र : *जैसलमेर से पोकरण व मोहनगढ़ तक पाकिस्तानी सीमा के सहारे-सहारे एक भूगर्भिय जल (जलभृत) की चौड़ी पट्टी (भौगोलिक बेल्ट), जिसे 'लाठी सीरीज क्षेत्र' कहा जाता है। यहाँ 'चाँदन नलकूप' पेयजल आपूर्ति के कारण 'थार का घड़ा' कहलाता है।*

❐ **'थार का घड़ा' किसे कहा जाता है-**
[EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) चाँदन नलकूप (2) मांडल नलकूप
(3) खारा नलकूप (4) ताजा नलकूप
Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जिस जिले में राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान (नेशनल वुड फॉसिल पार्क) स्थित है, वह है?** [RAS, 1999]
[JEN (Mechanical) Diploma- 20.5.2022] [ग्राम सेवक- 2008]
[संगणक-19.12.2021][महिला पर्यवेक्षक-06.01.2019]
[CET : 08.01.2023 (S-I)][वनपाल-6.11.2022(S-I)]
(1) बाड़मेर (2) जैसलमेर (3) चूरू (4) सीकर
Ans. (2)

व्याख्या-आकलगाँव : *जैसलमेर से 17 किमी. दूर जैसलमेर-बाड़मेर मार्ग पर स्थित इस क्षेत्र में काष्ठ जीवावशेष पार्क (Wood fossils park) बनाया गया है। यहाँ 21 हैक्टेयर क्षेत्रफल में 18 करोड़ वर्ष पूर्व के सागरीय जीवाश्म पाये गये हैं। आकल वुड फॉसिल पार्क का समय जुरासिक काल का है। यहाँ विश्व में प्राचीनतम लकड़ी के अवशेष मिले हैं।*

❐ **जैसलमेर स्थित आकल काष्ठ जीवाश्मों की आयु लगभग कितनी मानी गई है?**
[I Grade Geography-16.10.2022]
(1) 12 करोड़ वर्ष (2) 18 करोड़ वर्ष
(3) 38 लाख वर्ष (4) 6 करोड़ वर्ष
Ans. (2)***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **आकल (जैसलमेर) सम्बन्धित है?** [A. Jailor-2004]
(1) जस्ता खनन (2) राष्ट्रीय मरु उद्यान
(3) मैंगनीज खनन (4) काष्ठ जीवाश्म उद्यान
Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में आकल काष्ठ जीवाश्म उद्यान किस स्थान पर स्थित हैं?**[PSI - 15.09.2021][JEN- 21.8.2016]
(1) गड़ीसर (2) आकल (3) तनोट (4) लोद्रवा
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में थार मरुस्थल के भाग हैं-** [R.A.S.-27.10.2021]
1. गोड़वाड़ प्रदेश **2. शेखावाटी प्रदेश**
3. बनास का मैदान **4. घग्घर का मैदान**
(1) 1 और 2 (2) 2 और 3
(3) 1, 2 एवं 4 (4) 1, 3 और 4
Ans. (3)

व्याख्या -अर्द्धशुष्क मैदान (बांगर प्रदेश) का विभाजन -

(क) घग्घर क्षेत्र : *काली चिकनी मिट्टी से बने उपजाऊ प्रदेश का विस्तार गंगानगर, अनूपगढ़ तथा हनुमानगढ़ जिलों के सबसे उत्तरी भागों में है जहाँ प्राचीन काल से ही घग्घर नदी हिमालय से निकलकर इस प्रदेश में बहती है। घग्घर नदी के पाट को राजस्थान में 'नाली' कहा जाता है।*

(ख) नागौरी उच्च प्रदेश *(समुद्रतल से ऊँचाई 300 से 500 मीटर)* - *नागौरी उच्च प्रदेश नागौर, डीडवाना-कुचामन जिले में विस्तृत है। इसका अधिकांश भाग अन्तःप्रवाही है जिसके धरातल में कई गर्त पाए जाते हैं, जहाँ वर्षा का जल भर जाने से खारे पानी की मौसमी झीले बन जाती है जिससे नमक का उत्पादन किया जाता है। साँभर, डीडवाना आदि नमक झीले इसी प्रदेश में स्थित है। इस प्रदेश में सोडियम तत्त्व की अधिकता होने के कारण यह बंजर व रेतीला प्रदेश है। नागौर से अजमेर के मध्य फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्र 'कूबड़ पट्टी' पाई जाती है।*

(ग) शेखावाटी क्षेत्र (आंतरिक जल-प्रवाह का मैदान, समुद्रतल से ऊँचाई 450 मीटर) - *राजस्थान का उत्तर-पूर्वी भाग अन्तः प्रवाह क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। अरावली श्रेणी के दक्षिण-पूर्व में एक ओर उपजाऊ मैदान तथा दूसरी तरफ शेखावाटी क्षेत्र स्थित है। शेखावाटी भू-भाग की स्थलाकृति उबड़-खाबड़ बालू के टीलों द्वारा परिलक्षित होती है। यह सम्पूर्ण क्षेत्र अन्तः प्रवाही है जो चूरू, झुन्झुनूँ, सीकर, नीम का थाना, डीडवाना-कुचामन का उत्तरी भाग तथा उत्तरी नागौर का कुछ हिस्सों में फैला हुआ है। इस क्षेत्र में अधिकांशतः बरखान बालुका स्तूप पाये जाते हैं।*

(घ) लूनी बेसिन (गोडवाड़ा प्रदेश) : *पश्चिमी मरुस्थल के इस प्रदेश में लूनी व उसकी सहायक नदियाँ बहती है। पाली, सिरोही, जोधपुर, जोधपुर (ग्रामीण), सांचौर व जालोर आदि जिलों में विस्तृत इस क्षेत्र की सभी नदियाँ अंशकालीन है। लूनी बेसिन में सबसे अधिक विस्तृत मैदानी भाग समतल प्राचीन कांपीय मैदान का है जो सम्पूर्ण बेसिन का 47.51% भाग को घेरता है। लूनी नदी का पानी बालोतरा जिले तक पहाड़ी अपवाह तंत्र के कारण मीठा एवं तत्पश्चात् नमक युक्त चट्टानों, नमक के कणों युक्त एवं मरुस्थली प्रदेश के अपवाह तन्त्र के कारण खारा पाया जाता है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा अपने आंतरिक प्रवाह के लिए जाना जाता है-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]
[EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]

(1) मध्य अरावली का गिरिपाद क्षेत्र (2) विन्ध्य क्षेत्र
(3) हाड़ौती क्षेत्र (4) शेखावाटी क्षेत्र

Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'लूनी बेसिन' राजस्थान के किस विस्तृत भूआकृतिक क्षेत्र का एक भाग है?** [LDC Exam -09.09.2018]
[ARO-27.8.2022]

(1) पूर्वी मैदान (2) पश्चिमी मरुस्थल
(3) अरावली पहाड़ी प्रदेश (4) दक्षिण-पूर्वी पठार

Ans. (2) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गोडवाड़ प्रदेश को यह भी कहा जाता है-**
[II Grade GK - 24.12.2022, (संस्कृत शिक्षा) -17.02.2019]
[Librarian Gr.-II - 2.08.2020][Lab Assistent (Sci.) -29.6.2022]

(1) लूनी-जवाई बेसिन (2) घग्घर का मैदान
(3) चम्बल बेसिन (4) काली सिंध बेसिन

Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गोडवाड़ बेसिन राजस्थान के किस बृहत भू-आकृतिक विभाग का हिस्सा है?** [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) पूर्वी मैदान (2) थार/पश्चिमी मरुस्थल
(3) हाड़ौती पठार (4) उत्तरी अरावली

Ans. (2) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में लूनी-जवाई बेसिन को अन्य किस नाम से जाना जाता है?** [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
[JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]

(1) बांगर प्रदेश (2) गोडवाड़ प्रदेश
(3) शेखावाटी प्रदेश (4) मृत नदी प्रदेश

Ans. (2) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा राजस्थान के अर्द्धशुष्क मैदान भौतिक प्रदेश में सम्मिलित नहीं है?** [JEN (Agri.) 10.09.2022]

(1) गोड़वाड़ प्रदेश (2) शेखावाटी प्रदेश
(3) जोधपुर उच्च भूमियाँ (4) घग्घर मैदान

Ans. (3) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा भौतिक लक्षण 'राजस्थान बांगर' में सम्मिलित नहीं है?**[वनपाल-06.11.2022(S-I)]
[Librarian III Grade 11.09.2022]

(1) गोडवाड़ प्रदेश (2) आन्तरिक प्रवाह का मैदान
(3) नमकीन झीलें (4) छप्पन का मैदान

Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **नागौर उच्च भूमि की औसत ऊँचाई (मीटर में) निम्न में से कौनसी है?** [ARO (Horticulture) 27.8.2022]

(1) 200 से 400 मीटर (2) 300 से 500 मीटर
(3) 400 से 600 मीटर (4) 100 से 200 मीटर

Ans. (2) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **घग्घर का मैदान स्थित है-**[पटवार-24.10.2021 (S - II)]
[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]
(1) झुंझुनूं व सीकर जिलों में
(2) जालौर व सिरोही जिलों में
(3) गंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों में
(4) जैसलमेर व बाड़मेर जिलों में
Ans. (3) *वर्तमान में अनूपगढ़ जिला भी शामिल है।*

❒ **राजस्थान के किस अंचल को 'बांगड़ प्रदेश' भी कहा जाता है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
(1) हाड़ौती अंचल (2) शेखावाटी अंचल
(3) माही का मैदान (4) बनास बेसिन
Ans. (2)

व्याख्या - बागड़ राजस्थान में दो भू-क्षेत्रों का वाचक रहा है-

• ***वागड़ (वार्गट) प्रदेश***-*बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ व डूँगरपुर के पहाड़ी क्षेत्र को स्थानीय भाषा में वागड़ कहते हैं।*

• ***बांगड़ प्रदेश :*** *यह अरावली पर्वत व पश्चिम मरुस्थल के मध्य का भाग है जो मुख्यतः झुंझुनूँ, सीकर, नीम का थाना, पूर्वी चूरू, डीडवाना-कुचामन, नागौर व पाली जिले में विस्तृत है। नरहड़ (पिलानी), भादरा, नोहर (हनुमानगढ़) एवं कनाणा आदि भू-भाग जिसे जिनपाल संकलित खतरगच्छ पट्टावली में बागड़ नाम से बहुशः अभिहित किया गया है।*

स्रोत : संदर्भिका राजस्थान सुजस, पृष्ठ 568

❒ **कौनसा युग्म सुमेलित है-**[क. वैज्ञानिक सहायक-14.9.2019]
(1) बांगर-बूँदी (2) वागड़ - बाँसवाड़ा
(3) भाकर -सीकर (4) गिरवा - डूँगरपुर
Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के बांगड़ प्रदेश के जिलों में कौन-सा सम्मिलित नहीं है?**[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) 30.05.2019]
(1) सीकर (2) झुन्झूनुं
(3) चुरू (4) राजसमंद
Ans. (4) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में विश्व के प्राचीनतम पर्वत पाये जाते है जो गौंडवाना लैण्ड के भाग है, उनका नाम है?**
[जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]
(1) आबू पर्वत (2) विन्ध्याचल पर्वत
(3) नाग पहाड़ (4) अरावली पर्वत
Ans. (4)

व्याख्या :

प्रागैतिहासिक काल/कार्बोनिफेरस युग
↓ ↓ ↓
अंगारा लैण्ड ⟶ टैथिस सागर ⟵ गौंडवाना लैण्ड

- अंगारा लैण्ड ↓ राजस्थान में अवशेष नहीं
- टैथिस सागर ↓ 1. मरूस्थल प्रदेश 2. पूर्वी मैदानी प्रदेश
- गौंडवाना लैण्ड ↓ 1. अरावली पर्वतमाला 2. दक्षिणी-पूर्वी पठार या हाड़ौती का पठार
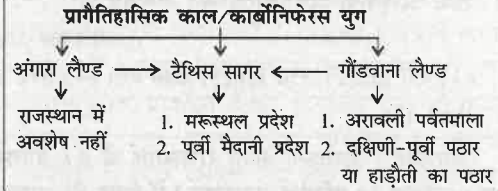
❒ **अरावली पर्वतमालाओं की सुदूर दक्षिणी जड़ जहाँ से प्रारम्भ होती है वह स्थान है?** [E.O. Exam, 2007]
(1) पालनपुर (2) आबू पर्वत
(3) अरबसागर तल (4) गोगुंदा
Ans. (3)

व्याख्या *- अरावली पर्वतमाला का उद्गम सुदूर दक्षिणतम क्षेत्र अरब सागर में स्थित लक्षद्वीप के 'मिनिकाय द्वीप' से माना जाता है। इसी कारण "अरब सागर को अरावली का पिता" कहा जाता है।*

❒ **जिस दिशा में अरावली श्रेणियों की चौड़ाई बढ़ती जाती है, वह है** [RPSC LDC. Exam, 2012]
[R.A.S.-1999][REET (Level – II, S-II) –23.07.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]
(1) उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम (2) पूर्व से पश्चिम
(3) दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व (4) पश्चिम से पूर्व
Ans. (1)

व्याख्या-*अरावली श्रेणी उत्तर-पूर्व में दिल्ली के समीप से दक्षिण-पश्चिम में पालनपुर (गुजरात) तक चौड़ाई लिए हुए विस्तृत है। दक्षिण-पश्चिम का भाग (गुजरात) अधिक चौड़ा एवं विस्तृत है जबकि उत्तर-पूर्वी भाग संकड़ा पाया जाता है।*

❒ **अरावली पर्वत का विस्तार है-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]
(1) मध्यप्रदेश के सिहोर से दिल्ली तक
(2) राजस्थान के उदयपुर से दिल्ली तक
(3) गुजरात के पालनपुर से दिल्ली तक
(4) उत्तर प्रदेश से आगरा से दिल्ली तक
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली पर्वतमाला दक्षिण-पश्चिम में राजस्थान के किस जिले से प्रारम्भ होकर उत्तर-पूर्व जाती है?**
[Police Constable Exam- 2013]
(1) जालौर (2) उदयपुर (3) प्रतापगढ़ (4) सिरोही
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में खेड़ब्रह्मा (गुजरात सीमा) से खेतड़ी तक अरावली पर्वतमाला की लम्बाई है?**
[ग्राम सेवक-2008]
(1)500 km(2) 550 km(3) 600 km (4) 692 km
Ans. (2)

***व्याख्या** - अरावली श्रेणी राजस्थान के 9.1 प्रतिशत भाग (लगभग 10 प्रतिशत जनसंख्या) में स्थित है। अरावली पर्वत श्रेणी विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वतीय शृंखला है। राज्य में अरावली पर्वतमाला खेतड़ी (नीम का थाना) से खेड़ब्रह्मा (सिरोही) तक फैली हुई हैं। इसकी कुल लम्बाई 692 किमी. में से 550 किमी. राजस्थान में स्थित है। जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त अरावली पर्वतमाला अनुमानित 21 जिलों (पूर्व में 13) में फैली है-सिरोही, उदयपुर, डूँगरपुर, बांसवाड़ा, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, ब्यावर, अजमेर, शाहपुरा, दौसा, दूदू, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, सीकर, नीमा का थाना, झुन्झुनूँ, कोटपूतली-बहरोड़।*

❐ **अरावली पर्वतमाला राज्य के कुल भू-भाग का है?**
[जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) 7.1% (2) 7.4% (3) 9.1% (4) 13.2%
Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'अरावली पर्वत श्रेणी' का विकास किस काल में होना माना जाता है?** [II Grade (Social Study). 2011]
(1) प्रीकैम्ब्रियन (2) मिसोजोइक
(3) पेलियोजोइक (4) सीनोजोइक
Ans. (1)

***व्याख्या**-भूगर्भिक दृष्टि से अरावली पर्वत श्रेणी मुख्यतः अरावली सुपर ग्रुप (नीस, शिस्ट व ग्रेनाइट) एवं दिल्ली सुपर ग्रुप (क्वार्टजाइट) की चट्टानों से बनी हुई हैं। इसका उद्भव एवं उत्पत्ति भूगर्भिक इतिहास के प्राचीन कल्प अर्थात् प्री. कैम्ब्रियन कल्प में हुई थी। इस समय भारतीय टेक्टोनिक प्लेट यूरेशियन प्लेट से अलग हो रही थी।*

❐ **अरावली किस प्लेट से अलग हुई?**[JEN - 10.09.2022]
(1) सोमाली प्लेट (2) सुंडा प्लेट
(3) यूरेशियन प्लेट (4) अरेबियन प्लेट
Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **वर्तमान में अरावली पर्वत विद्यमान हैं-**
[महिला पर्यवेक्षक-29.11.2015][JEN (Diploma) - 21.08.2016]
(1) वलित पर्वतों के रूप में(2) संगृहीत पर्वतों के रूप में
(3)अवशिष्ट पर्वतों के क्षेत्र में(4)ब्लॉकपर्वतों के रूप में
Ans. (3)

***व्याख्या** - अरावली पर्वतमाला -*
- *निर्माण प्रक्रिया के आधार पर वलित पर्वतमाला*
- *समयानुसार प्राचीनतम पर्वतमाला*
- *वर्तमान में यह अवशिष्ट पर्वतमाला*

❐ **विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वतमाला निम्नलिखित में से कौनसी है-**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (I)]
(1) नीलगिरि (2) अरावली (3) हिमालय (4) ऐल्प्स
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का कौनसा भौगोलिक अंचल सबसे अधिक ऊँचा है?**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.2018 (I)]
(1) अरावली पर्वत (2) थार का मरूस्थल
(3) हाड़ौती का पठार (4) पूर्वी मैदानी अंचल
Ans. (1) ***व्याख्या**-अरावली की औसत ऊँचाई-930 मी. है।*

❐ **अरावली पर्वत के सम्बन्ध में गलत तथ्य की पहचान करें-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]
(1) यह विश्व के प्राचीनतम पर्वतों में से एक है।
(2) इसकी कुल लम्बाई 820 किलोमीटर है।
(3) इसका अधिकांश विस्तार राजस्थान राज्य में है।
(4) इसकी सबसे ऊँची चोटी गुरुशिखर है।
Ans. (2) ***अरावली की कुल लम्बाई 692 किमी. है।***

❐ **राजस्थान का प्रमुख जल विभाजक है-**
[जेल प्रहरी 27-10-2018, S-II][महिला पर्यवेक्षक- 20.12.2015]
[कनिष्ठ अनुदेशक- 26.3.2019]
[पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (I)]
(1) अरावली की पहाड़ियाँ (2) बूँदी की पहाड़ियाँ
(3) अलवर की पहाड़ियाँ (4) मुकन्दरा की पहाड़ियाँ
Ans. (1)

***व्याख्या** - अरावली को राजस्थान की जलविभाजक रेखा कहा जाता है क्योंकि यह बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की नदियों को अलग करती है। अरावली थार के मरुस्थल को चम्बल घाटी से अलग करती है।*

❐ **कौनसी पर्वत श्रेणी राजस्थान राज्य को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में विभाजित करती है-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I), 14.07.2018 (I)]
(1) पश्चिमी घाट श्रेणी (2) अरावली श्रेणी
(3) विंध्याचल श्रेणी (4) पूर्वांचल श्रेणी
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में,.... दक्षिण-पश्चिम से उत्तर -पूर्व तक जलवायु विभाजक के रूप में कार्य करता हैं-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]

(1) राजा पहाड़ियाँ (2) खासी पहाड़ियाँ
(3) पश्चिमी घाट (4) अरावली

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के उस भौतिक स्वरूप का नाम क्या है जो थार के रेगिस्तान को चंबल की घाटी से अलग करता है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

(1) विंध्य पर्वत-श्रेणी (2) चंबल नदी
(3) मध्य प्रदेश सीमा (4) अरावली पर्वत-श्रेणी

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली पर्वतमाला के कौनसे भाग में सर्वाधिक अन्तराल विद्यमान है?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
[JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]

(1) उत्तरी-मध्यवर्ती (2) उत्तर-दक्षिणी
(3) पूर्वी-मध्यवर्ती (4) दक्षिणी-पश्चिमी

Ans. (1)

***व्याख्या** - अरावली पर्वत शृंखला का अधिकांश भाग उदयपुर जिले में स्थित तथा सर्वाधिक अन्तराल मध्यवर्ती भाग में है। यह डूँगरपुर और बाँसवाड़ा जिले में फैली हुई है और सिरोही (सबसे अधिक ऊँचाई) व पाली जिलों में इसका आकार ऊँचाई लिए हुए है तथा भीलवाड़ा, शाहपुरा, ब्यावर व अजमेर जिलों में इसकी आकृति नुकीलापन लिए हुए है।*

❒ **निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**
[RAS-28.08.2016]
[स्कूल व्याख्याता परीक्षा-03.01.2020]

1.अरावली मरूस्थल के पूर्वी विस्तार को रोकता है।
2. अरावली क्षेत्र खनिजों में समृद्ध है।
3. राजस्थान में वर्षा का वितरण प्रारूप अरावली से प्रभावित नहीं है।
4. राजस्थान की अनेक नदियों का उद्गम स्थल अरावली है।
नीचे दिये गये कूट की सहायता से सही उत्तर का चुनाव कीजिए-

(1) 1, 2, 3 सही है। (2) 1, 2, 4 सही है।
(3) 2, 3, 4 सही है। (4) 3, 4 सही है।

Ans. (2)

***व्याख्या**-अरावली पर्वत राजस्थान के लिए जीवनदायिनी सरिताओं यथा बनास, बेड़च, लूनी, खारी, कोठारी, सूकड़ी, साबरमती आदि की जन्मस्थली है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की दिशा के अनुकूल फैले होने के कारण जलभरी हवायें इनके समानान्तर प्रवाहित होकर हिमालय तक बेरोकटोक चली जाती हैं। अत: मानसूनी वर्षा नहीं होती है। अरावली में सर्वाधिक धात्विक खनिज पाये जाते हैं क्योंकि अरावली का निर्माण (युग-प्री. कैम्ब्रियन) धारवाड़ क्रम की चट्टानों से हुआ है।*

❒ **अरावली पर्वतमाला के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे तथ्य सत्य हैं?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(i) इसका निर्माण कैम्ब्रियन युग में हुआ था।
(ii) वर्तमान में यह अवशिष्ट पर्वत के रूप में है।
(iii) यह मुख्यत: आग्नेय चट्टानों से निर्मित है।
(iv) यह दक्षिण - पश्चिम से उत्तर - पूर्व दिशा में विस्तृत है।

कूट- (1) iii और iv (2) i, ii, iii और iv
(3) ii और iv (4) i और ii

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कथन (A) : अरावली के पूर्वी ढालों पर पश्चिमी ढालों की अपेक्षा वनस्पति अधिक सघन तथा ऊँचाई तक विद्यमान है।**
कारण (R) : अरावली के पूर्वी ढाल अधिक मानसूनी वर्षा प्राप्त करते हैं तथा पश्चिमी ढालों की अपेक्षा तीक्ष्ण ढालयुक्त व उच्चतर हैं।

कूट : [Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]

(1) (A) तथा (R) दोनों सही हैं किन्तु (R) (A) की आंशिक व्याख्या करता है।
(2) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R) (A) की पूर्ण व्याख्या करता है।
(3) (A) गलत है किन्तु (R) सही है।
(4) (A) सही है किन्तु (R) गलत है।

Ans. (2)

❒ **राजस्थान में अरावली का कौनसा भाग सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है**-[खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) उत्तर-पूर्वी (2) मध्य
(3) दक्षिणी (4) शेखावाटी पहाड़ियाँ

Ans. (3)

व्याख्या - दक्षिणी अरावली प्रदेश मुख्यत: आबू पर्वत खण्ड (सिरोही) में सर्वाधिक वर्षा होती है।

❒ **अरावली पर्वत की सबसे अधिक ऊँचाई किस जिले में है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
(1) सिरोही (2) अजमेर (3) अलवर (4) डूँगरपुर
Ans. (1)

व्याख्या : • अरावली की सर्वाधिक ऊँचाई- सिरोही
• अरावली की न्यूनतम ऊँचाई- जयपुर
• अरावली का सर्वाधिक विस्तार - उदयपुर
• अरावली का न्यूनतम विस्तार - अजमेर

❒ **निम्नांकित में से किस जिले में अरावली पर्वतमाला का क्षेत्र सबसे कम है?** [ARO (Entomology) 28.8.2022]
(1) बाँसवाड़ा (2) डूँगरपुर (3) राजसमन्द (4) अजमेर
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली प्रदेश का भाग नहीं?**
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]
(1) आबू खण्ड (2) अलवर खण्ड
(3) जयपुर खण्ड (4) विन्ध्यन खण्ड
Ans. (4)

व्याख्या -अरावली प्रदेश के तीन लघु भौतिक भाग-

(क) उत्तरी अरावली क्षेत्र (जयपुर से खेतड़ी, नीम का थाना तक) : इस पर्वत श्रृंखला में शेखावाटी एवं सीकर की तोरावाटी पहाड़ियाँ तथा जयपुर (नाहरगढ़, जयगढ़, मनोहरपुरा) और अलवर की पहाड़ियाँ (भानगढ़, सरिस्का, बिलाली, सिरावास) सम्मिलित है। इस प्रदेश के प्रमुख उच्च शिखरों में क्रमश: रघुनाथगढ़ (सीकर), खोह (जयपुर ग्रामीण),भैराच (अलवर), बरवाड़ा (जयपुर) है।

(ख) मध्य अरावली क्षेत्र (अजमेर से राजसमंद तक) : इसका विस्तार जयपुर के दक्षिण-पश्चिम भाग से दक्षिण में राजसमंद जिले की देवगढ़ तहसील तक है। इसमें निम्न पहाड़ियाँ सम्मिलित है-

• मध्य अरावली क्षेत्र (मेरवाड़ा पहाड़ियाँ) मुख्य रूप से अजमेर जिले में विस्तृत है।

• शेखावाटी निम्न पहाड़ियाँ - सांभर झील से झुन्झुनूँ में सिंधाना तक।

(ग) दक्षिणी अरावली क्षेत्र (राजसमंद से माउण्ट आबू, सिरोही तक) : दक्षिणी अरावली को दो भागों में बाँटा गया है- 1. आबू/आबूर्द पर्वत - विस्तार (अचलगढ़) सिरोही में, 2. मेवाड़ अरावली - विस्तार उदयपुर, राजसमंद

❒ **निम्न में से कौन-सी चोटी/श्रृंखला दक्षिण अरावली में अवस्थित है-** [Veterinary Officer - 02.08.2020]
(1) नाग पहाड़ (2) रघुनाथगढ़ (3) तारागढ़ (4)अचलगढ़
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी पर्वत चोटी उत्तरी अरावली प्रदेश से सम्बन्धित नहीं है?** [II Grade (SST) -21.12.2022]
(1) बैराठ (2) सिरावास (3) नागपहाड़ (4) बिलाली
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मध्य अरावली का निम्नतम उच्चावच क्षेत्र है-**
[Asst. Agri. Officer 2015]
(1)सांभरक्षेत्र(2)भोराट पठार(3)मारवाड़ क्षेत्र(4)आबू ब्लाक
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भानगढ़, बिलाली व सिरावास श्रेणियाँ स्थित हैं-**
[स्कूल व्याख्याता(Coach)-20.10.2022][ACF & FRO-18.2.2021]
(1) उत्तरी अरावली (2) मध्य अरावली
(3) दक्षिणी अरावली (4) पश्चिमी अरावली
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सूची-1 और सूची-2 को सुमेलित कर सही उत्तर का चयन करें**-[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]
(A) उत्तर-पूर्वी अरावली क्षेत्र (1) उदयपुर
(B) अरावली का मध्यवर्ती भाग (2) जयपुर
(C) भोराट क्षेत्र (3) अलवर
(D) दक्षिणी अरावली (4) सिरोही

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(1)	3	1	2	4	(2)	1	2	3	4
(3)	3	2	1	4	(4)	2	1	4	3

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-**
[I Grade Geography-16.10.2022]
1. दक्षिणी अरावली प्रदेश में सिरोही, उदयपुर और राजसमन्द जिले सम्मिलित हैं।
2. आबू पर्वत समुद्र तल से लगभग 1700 मीटर ऊँचा है।
3. आबू पर्वत की प्रमुख चोटियाँ सेर, अचलगढ़, ऋषिकेश एवं गुरुशिखर है।
(1) 1, 2 और 3 (2) केवल 3
(3) केवल 1 (4) 1 और 3
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा किला अरावली पर्वतमाला में स्थित नहीं है?** [Police Constable Exam-2006-07]
(1) कुम्भलगढ (2) चित्तौड़गढ़(3) नाहरगढ़ (4) गागरोन
Ans. (4)

व्याख्या *- गागरोन किला झालावाड़ में स्थित है। यह अरावली पर्वतमाला में स्थित नहीं, बल्कि विंध्याचल पर्वतमाला में स्थित है।*

❒ **राजस्थान का पूर्वी मैदानी भाग राजस्थान राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग प्रतिशत धारित करता है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) 61% (2) 23% (3) 09% (4) 33%
Ans. (2)

व्याख्या-पूर्वी मैदानी प्रदेश : *इस प्रदेश में राज्य का 23.30% भू-भाग आता है। जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त इस क्षेत्र में अनुमानित जिलों की संख्या 18 (अलवर, खैरथल-तिजारा, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाई -माधोपुर, गंगापुरसिटी, टोंक, केकड़ी, शाहपुरा, डूँगरपुर, दूदू, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, दौसा, जयपुर ग्रामीण, जयपुर) है। समतल होने के साथ जलोढ़ मिट्टी से निर्मित यह भाग विस्तृत रूप में गंगा के मैदान का ही प्रवाह है। यह मैदान दक्षिण में मेवाड़ का मैदान तथा उत्तर में मालपुरा-करौली का मैदान (ए.एम. हेरॉन ने 'तृतीय पेनिप्लेन' नाम दिया) कहलाता है। इनके उच्च भू-भाग टीलेनुमा हैं जिसके कारण इसे* ***पीडमान्ट मैदान*** *भी कहा जा सकता है। इस प्रदेश को मुख्यत: तीन भागों (बनास, चम्बल एवं माही बेसिन) में बाँटा जाता है।* **(स्रोत : RBSE, Class 6,पृष्ठ- 30)**

❒ **राजस्थान में 'मालपुरा-करौली का मैदान' किस नदी बेसिन का भाग है?** [LDC Exam - 16.09.2018] [CET -4.2.2023 (S-I)] [Headmaster - 02.09.2018]
(1) चम्बल (2) लूनी (3) बनास बेसिन(4) यमुना बेसिन
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा समतल उच्च मैदान हैरोन महोदय द्वारा 'तृतीय पेनिप्लेन' के रूप में पहचाना गया-** [पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
(1) मेवाड़ मैदान (2) छप्पन मैदान
(3) मालपुरा-करौली मैदान (4) बनास मैदान
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पूर्वी बेसिन मैदान का भाग नहीं है** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.2018 (II)] [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015] [ARO (Entomology)-30.08.2022]
(1) चम्बल बेसिन (2) जवाई बेसिन
(3) छप्पन बेसिन (4) बनास बेसिन
Ans. (2)

व्याख्या -पूर्वी बेसिन मैदान को मुख्यत: तीन भागों *में बाँटा जा सकता है -* ***(क) बनास बेसिन :*** *बनास व उसकी सहायक नदियों से निर्मित यह बेसिन मुख्यत: पश्चिमी चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, शाहपुरा, टोंक आदि जिलों में विस्तृत है।*

(ख) चम्बल बेसिन : *चम्बल बेसिन मुख्यत: कोटा, बूँदी और झालावाड़ जिलों में स्थित है।*

(ग) मध्य-माही बेसिन (छप्पन का मैदान) : *यह बेसिन बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ जिले के उत्तरी भाग व सलूम्बर में विस्तृत है।*

❒ **बनास बेसिन राजस्थान के किस भौगोलिक विभाजन का हिस्सा है?** [पशुधन सहायक 04.6.2022]
(1) पश्चिमी रेतीले मैदान (2) हाड़ौती पठार
(3) पूर्वी मैदान (4) अरावली पर्वतमाला और पहाड़ी क्षेत्र
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **प्रतापगढ़ किस क्षेत्र का भाग है?** [वनरक्षक - 2013]
(1) कांठल का मैदान (2) भोराट पठार
(3) गौंडवाना लैंड (4) छप्पन का मैदान
Ans. (1)

व्याख्या - कांठल : *माही नदी के कांठे (किनारे) पर स्थित प्रतापगढ़ का भू-भाग कांठल कहलाता है।*

❒ **राजस्थान का कौनसा भौतिक प्रदेश 'खाद्यान्न का कटोरा' भी कहा जाता है?**[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.8.18]
(1) अरावली पर्वत श्रेणी प्रदेश (2) पूर्वी मैदान प्रदेश
(3) बनास बेसिन (4) दक्षिण पूर्वी पठारी प्रदेश
Ans. (2)

व्याख्या *- पूर्वी मैदानी प्रदेश या उपजाऊपन (खाद्यान का कटोरा) अरावली पर्वतमाला के कारण है, क्योंकि यह रेगिस्तान के पूर्वी विस्तार को नियंत्रित करती है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा पठार अरावली पर्वत से सम्बद्ध नहीं है-** [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
(1) लासड़िया पठार (2) उड़िया पठार
(3) बघेलखण्ड पठार (4) भोराट पठार
Ans. (3)

व्याख्या : बघेलखण्ड का पठार मुख्यतः मध्यप्रदेश में स्थित है।

❐ **'बनास मैदान' के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए एवं दिए गए कूटों के आधार पर सही उत्तर का चयन कीजिए-** [Asst. Agri. Officer 2015]

1. यह मैदान कृषि के लिए अनुपयुक्त है।
2. इसकी औसत समुद्र तल से ऊँचाई 150-300 मी.
3. जलोढ़ मृदा का जमाव पाया जाता है।
4. इसका ढ़ाल पश्चिम की ओर है।

(1) 1, 2, 3 (2) 2, 3 (3) केवल 3 (4) 2, 3, 4

Ans. (2)

व्याख्या - बनास बेसिन का ढाल पूर्व की ओर है। जलोढ़ मृदा के जमाव के कारण कृषि के लिए उपयुक्त है।

❐ **दक्षिणी-पूर्वी पठार के दो भाग हैं?**
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) ऊपरमाल का पठार एवं भोराट का पठार
(2) विन्ध्यन का पठार एवं दक्खन का पठार
(3) पोतवार का पठार एवं दक्खन का पठार
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (2)

व्याख्या - दक्षिणी-पूर्वी पठारी प्रदेश / हाड़ौती / लावा पठार : इस क्षेत्र में राज्य का 6.49 प्रतिशत भाग आता है। नये जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त दक्षिणी-पूर्वी पठारी क्षेत्र के अन्तर्गत अनुमानित जिलों की संख्या 8 (कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, शाहपुरा, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा) है। यह पठारी प्रदेश दो भागों में बाँटा जा सकता है-

(क) विंध्य कगार भूमि - इसका विस्तार हाड़ौती (कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़), डांग (करौली, धौलपुर, सवाईमाधोपुर) क्षेत्र में है। यह भाग बलुआ पत्थर से निर्मित है।

(ख) दक्कन लावा पठार -इसका विस्तार मालव प्रदेश (प्रतापगढ़, चितौड़गढ़), ऊपरमाल (बिजौलिया -भीलवाड़ा, भैंसरोड़गढ़ -चितौड़गढ़) क्षेत्र में हैं। इस पठारी क्षेत्र में काली उपजाऊ मिट्टी पाई जाती है जिसका निर्माण ज्वालामुखी चट्टानों (दरारी उद्‌बेधन से जनित बेसाल्ट लावा) से हुआ है। बूँदी एवं सवाई माधोपुर की 'अराबाला पहाड़ियाँ' व कोटा की 'मुकुन्दवाड़ा की पहाड़ियाँ' (विन्ध्यन पर्वत श्रेणियों का विस्तार) इसी पठारीय भाग में है।

❐ **राजस्थान के किस क्षेत्र में विंध्य पठार विस्तार है?**
[VDO-27.12.2021 (S-II)]
[R.A.S. Pre Exam, 2003]

(1) उत्तर-पूर्व (2) दक्षिण-पूर्व
(3) दक्षिण (4) दक्षिण-पश्चिम

Ans. (2)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **विन्ध्यन कगार भूमि जिन नदियों के मध्य स्थित है, वह हैं-**[JEN (Agri.) 10.09.2022][II Gr.अध्यापक-26.04.2017]

(1) बाणगंगा व बनास (2) कालीसिंध व चंबल
(3) बेड़च व बनास (4) चंबल व बनास

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में विन्ध्यन कगार किस क्षेत्र में पाये जाते हैं ?**
[II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) कोटा -झालावाड़ क्षेत्र (2) धौलपुर-करौली क्षेत्र
(3) अलवर-भरतपुर क्षेत्र(4) अलवर-सवाई माधोपुर क्षेत्र

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में विंध्यन कगार क्षेत्र किस प्रकार की चट्टानों से निर्मित है?** [Jr. Accountant 04.10.16]
[सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]
[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) ग्रेनाइट (2) क्वार्ट्जाइट (3) बलुआ पत्थर(4) बेसाल्ट

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में किस भौतिक क्षेत्र में मुकन्दरा की पहाड़ियाँ स्थित हैं?** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
[AEN Exam : 16.05.2014][JEN Exam - 21.08.2016]
[PSI - 14.09.2021][जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -I]
[CET - 5.2.2023 (S-I)][कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) शेखावाटी प्रदेश (2) हाड़ौती पठार
(3) दक्षिणी अरावली (4) माही बेसिन

Ans. (2)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौन-सी पहाड़ियाँ राजस्थान में विंध्यन पर्वत श्रेणियों का विस्तार हैं-**[RAS-5.8.2018]

(1) मुकन्दरा पहाड़ियाँ (2) डोरा पर्वत
(3) अलवर पर्वत (4) गिरवा पर्वत

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की मुकुन्दरा पहाड़ियाँ हिस्सा है-**
[संगणक परीक्षा-19.12.2021]

(1) अरावली की पहाड़ियों का (2) मैदानों का
(3) सतपुड़ा की पहाड़ियों
(4) विन्ध्यन की पहाड़ियों का

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी स्थलाकृति अरावली शृंखला में अवस्थित नहीं हैं?** [JEN (Civil) Degree - 18.5.2022]
(1) भोराट पठार (2) मुकुन्दरा पहाड़ियाँ
(3) लसाड़िया पठार (4) गिरवा पहाड़ियाँ
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का कौन-सा जिला 'हाड़ौती का पठार' में सम्मिलित नहीं किया जाता है?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
(1) दौसा (2) कोटा (3) बारां (4) झालावाड़
Ans. (1)

व्याख्या : हाड़ौती पठार <u>दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान</u> के कोटा, बूँदी, बारां, बाँसवाड़ा, झालावाड़ आदि जिलों में है।
<u>हाड़ौती पठार के तीन गौण भाग</u> -
• *अर्द्धचन्द्राकार पहाड़ी - बूँदी हिल्स, मुकुन्दरा हिल्स (कोटा, झालावाड़)*
• *<u>शाहबाद उच्च भूमि</u> - बाराँ (घोड़े की नाल जैसी पहाड़ी पाई जाती है।)*
• ***<u>डग - गंगधर उच्च भूमि</u> - झालावाड़***

❒ **डग-गंगधर उच्च भूमियाँ अवस्थित है-**
[Librarian III Gr. 11.9.2022][JEN (Electric) Dip.-18.5.2022]
(1) उत्तरी अरावली प्रदेश(2) दक्षिणी अरावली प्रदेश
(3) हाड़ौती पठारी प्रदेश (4) नागौर उच्च भूमियाँ प्रदेश
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **घोड़े की नाल की आकृति वाली रामगढ़ पहाड़ी राजस्थान में कहाँ स्थित है?**
[I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]
(1) मुकन्दरा की पहाड़ियों में(2) शाहबाद उच्च भूमि में
(3) डग-गंगधार की पहाड़ियों में (4) गोडवाड़ प्रदेश में
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा दक्षिणी अरावली प्रदेश में अवस्थित नहीं है?** [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
(1) उड़िया पठार (2) शाहबाद उच्च भूमियाँ
(3) लसाड़िया पठार (4) भोराट पठार
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से हाड़ौती पठार पर अवस्थित जिला है-** [ARO (Horticulture) 29.8.2022]
(1) सिरोही (2) धौलपुर (3) टोंक (4) कोटा
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **झालावाड़ अवस्थित है-** [Veterinary Officer - 02.08.2020]
(1) भोराट पठार पर (2) मध्य माही मैदान में
(3) हाड़ौती पठार पर (4) चम्बल बेसिन में
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **हाड़ौती के पठार में राजस्थान का कौन-सा क्षेत्र सम्मिलित किया जाता है?**[RPSC LDC. Exam, 2012]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) दक्षिणी-पूर्वी (2) दक्षिणी
(3) दक्षिणी-पश्चिमी (4) उत्तरी-पूर्वी
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोटा और बूँदी का क्षेत्र राजस्थान में कहलाता है-**
[Agriculture Officer : 29.01.2013]
(1) जांगल (2) शेखावाटी (3) हाड़ौती (4) बागड़
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में स्थित भौगोलिक प्रदेश जाना जाता है-** [Stenographer Exam : 30.05. 2013]
(1) बांगड़ प्रदेश (2) माही बेसिन
(3) बनास बेसिन (4) हाड़ौती का पठार
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'डांगलैंड' किसका भाग हैं?**[Asstt. Agri. Off.- 31.5.2019]
(1)भोराट पठार(2)आबू पर्वत(3) करौली पठार(4) चित्तौड़गढ़
Ans. (3)

व्याख्या - करौली पठार की अनियमित पहाड़ियों को डांगलैंड कहा जाता है।

❒ **'छप्पन का मैदान' राजस्थान के किस भाग में स्थित है?** [II Grade (Social Study) Exam. 2011]
[I Grade Teacher Exam, 2012]
(1)उत्तरीभाग(2)पूर्वी भाग(3)दक्षिणी भाग(4)पश्चिमी भाग
Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान के दक्षिणी भाग में स्थित प्रतापगढ़ और बाँसवाड़ा के बीच के भाग में छप्पन ग्रामों का समूह स्थित होने के कारण इस भू-भाग को <u>छप्पन के मैदान</u> के नाम से जाना जाता है।

❒ **राजस्थान में 'छप्पन का मैदान' किस नदी के बेसिन में स्थित है?** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
[C.I.D., 2002][क.वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]
[PSI - 15.09.2021][कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]
[JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) बनास (2) चम्बल (3) माही (4) लूनी
Ans. (3)

व्याख्या-मध्य-माही बेसिन (छप्पन का मैदान) को वागड़ क्षेत्र भी कहते है। यह बेसिन माही नदी की सहायक नदियों से सिंचित है जो बाँसवाड़ा-डूँगरपुर, प्रतापगढ़ जिले के उत्तरी भाग व सलूम्बर (पूर्व उदयपुर के दक्षिणी-पूर्वी भाग) में विस्तृत है।

❒ **निम्न में से कौनसा 'वागड़' के नाम से भी जाना जाता है**-[योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021] [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) बनास का मैदान (2) हाड़ौती का पठार
(3) मध्य माही का मैदान (4) चम्बल बेसिन

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'छप्पन का मैदान' राजस्थान के निम्नांकित किन जिलों में विस्तृत है?** [Jr. Accountant 04.10.16] [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) परीक्षा -25.03.2018] [पटवार-24.10.2021 (S -I)][महिला पर्यवेक्षक - 29.11.2015] [CET -4.2.2023 (S- II)]

(1) कोटा-बाराँ (2) जालौर-पाली
(3) जैसलमेर - बाड़मेर (4) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **छप्पन बेसिन जिस जिले में है, वह है:**[RAS. 2010] [पटवार-23.10.2021 (Shift -II)]

(1) अलवर (2) बाँसवाड़ा (3) पाली (4) टोंक

Ans. (2)

व्याख्या - छप्पन का मैदान बाँसवाड़ा में है, तो छप्पन की पहाड़ियाँ 'नाकोड़ा' बालोतरा (पूर्व में बाड़मेर) जिले में है। इस मैदान ने माही नदी को गोलाई दी है तो छप्पन की पहाड़ियाँ भी गोल है। अधिक गहराई तक विच्छेदित होने के कारण छप्पन के विच्छेदित मैदान व आस-पास के पहाड़ी भू-भाग को 'वागड़' के नाम से पुकारा जाता है।

❒ **नाकोड़ा पर्वत को निम्न में से किस और नाम से भी जाना जाता है?** [ARO (Horticulture, Botany) 27.8.2022]

(1) छप्पन की पहाड़ियाँ (2) तोरावाटी की पहाड़ियाँ
(3) पश्चिमी अरावली पहाड़ियाँ (4) तारागढ़ की पहाड़ियाँ

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'छप्पन की पहाड़ी' अवस्थित है?** [AAO-28.05.2022]

(1) डूँगरपुर-बाँसवाड़ा (2) उदयपुर
(3) बाड़मेर (4) कोटा -झालावाड़

Ans. (3)* *वर्तमान में बालोतरा जिले में है।*

❒ **राजस्थान का कौन-सा भौगोलिक अंचल मालवा के पठार का विस्तार है?** [AEN Exam - 16.12.2018] [पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.2018(I)][उद्योग प्रसार अधिकारी-22.8.2018]

(1) हाड़ौती का पठार (2) चंबल का मैदान
(3) लूनी का मैदान (4) भोराट का पठार

Ans. (1)

व्याख्या : मालवा पठार, उत्तर मध्य भारत, पश्चिम में गुजरात के मैदान दक्षिण और पूर्व में विंध्य श्रेणी, उत्तर में मध्य भारत पठार और बुंदेलखंड उच्च भूमि से घिरा है। ज्वालामुखीय उत्पत्ति वाला यह पठार मध्यवर्ती मध्य प्रदेश और दक्षिण पूर्वी (हाड़ौती का पठार) राजस्थान का हिस्सा है। मालवा के पठार के उत्तरी भाग को 'हाड़ौती पठार' भी कहते है।

❒ **राजस्थान में किस क्षेत्र में मालवा पठार का विस्तार है-** [JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) दक्षिण-पूर्वी (2) पूर्वी (3) दक्षिण-पश्चिमी (4) उत्तर-पूर्वी

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राज्य में डेकन-ट्रेप के शैल समूह विद्यमान हैं ?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) डूँगरपुर-उदयपुर में (2) नागौर-जोधपुर में
(3) झालावाड़-कोटा में (4) चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा में

Ans. (3)

व्याख्या - डेकनट्रेप दक्षिण-पूर्व भाग में झालावाड़, कोटा एवं मेवाड़ के कुछ भागों तक फैले हैं। इन शैलों का रंग अधिकतर गहरा भूरा अथवा हरा होता है।

❒ **राजस्थान में 'बृहत सीमान्त भ्रंश' फैला है, के सहारे-** [RAS Pre Exam-26.10.2013]

(1) बूँदी - सवाईमाधोपुर की पहाड़ियाँ
(2) उदयपुर की पहाड़ियाँ
(3) अलवर की पहाड़ियाँ
(4) शेखावाटी - टोरावाटी की पहाड़ियाँ

Ans. (1)

व्याख्या- अरावली व विन्ध्यन पर्वतमाला का मिलन स्थल विशाल या बृहत सीमा भ्रंश कहलाता है। राज्य के दक्षिणी-पूर्वी भाग से विशाल सीमा- भ्रंश (The Great Boundary Fault) गुजरता है। यह भ्रंश चित्तौड़गढ़ के बेगूँ और उत्तरी कोटा में स्पष्टतः दृष्टिगत होता है तथा पुनः सवाईमाधोपुर और धौलपुर जिलों में इसे देखा जा सकता है।

❒ **वृहत/महान सीमा-भ्रंश राजस्थान के किस भाग में स्थित है?**[AEN - 16.12.2018][Asst. Agri. Officer - 2015] [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)][JEN (Mech.) Degree - 20.05.2022]
(1) उत्तर-पूर्वी (2) दक्षिण-पूर्वी
(3) उत्तर-पश्चिम (4) दक्षिण-पश्चिम
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **महान सीमा भ्रंश.....में से नहीं गुजरता है।** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]
(1) कोटा (2) उदयपुर (3) सवाई माधोपुर (4) धौलपुर
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मालानी आग्नेय शैल-समूह के कारण पनपा हैं?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) मकराना संगमरमर (2) कोटा स्टोन
(3) सीकर पाइराइट (4) जालौर ग्रेनाइट
Ans. (4)

***व्याख्या** - मालानी आग्नेय शैल समूह मुख्यतया जालौर एवं सिवाना (बालोतरा) में ग्रेनाइट तथा ज्वालामुखी रायोलाइट्स चट्टानों का निर्माण करते है। ये पहाड़ियाँ 'गुम्बदाकार या इन्सेलबर्ग' के रूप में पाई जाती है। इन शैलों के आधार पर जालोर, सांचौर में ग्रेनाइट उद्योग खूब पनपा हैं।*

❒ **जालौर-सिवाना की पहाड़ियाँ बनी है-** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]
(1) अरावली स्लेट (2) पेग्मेटाइट
(3) जालौर ग्रेनाइट तथा रायोलाइट (4) क्वार्टसाइट
Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जालौर ग्रेनाइट से निर्मित पहाड़ियाँ होती है-** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]
(1) गुम्बदाकार (2) चौकोर (3) रेखीय (4) कोई नहीं
Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नांकित में से कौनसी आग्नेय चट्टानें जालौर में पाई जाती है?**[CET -4.2.2023 (S- II)]
1. गेब्रो 2. ग्रेनाइट 3. रायोलाईट 4. बेसाल्ट
(1) 1 एवं 2 (2) 2 एवं 3
(3) 3 एवं 4 (4) 1 एवं 4
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मालाणी पहाड़ी स्थित है।** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) पाली-बाड़मेर (2) जालौर-पाली
(3) जालौर-बाड़मेर (4) पाली-जोधपुर
Ans. (3) ***वर्तमान में जालौर-बालोतरा जिले में।***

❒ **आबू पर्वत क्षेत्र मुख्यत: निर्मित है-** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]
(1) ग्रेनाइट से (2) बेसाल्ट से
(3) ऑब्सीडियन से (4) बिटुमिनस चट्टानों से
Ans. (1)

❒ **सेन्दड़ा स्टेशन के पास चट्टानें आकृति में पाई जाती है-** [महिला पर्यवेक्षक (Non-TSP) - 29.11.2015]
(1) भूसाकार (2) भेषाकार (3) सर्पाकार (4) कोई नहीं
Ans. (3)

***व्याख्या**-पाली जिले में स्थित सेन्दड़ा स्टेशन के पास सर्पाकार चट्टानों की आकृति में विविधता पाई जाती है।*

❒ **चम्बल बेसिन का विशिष्ट स्थलाकृतिक स्वरूप है-** [Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
(1) अरावली की पर्वतपदीय पहाड़ियाँ (2) आन्तरिक अपवाह
(3) चूनाप्रदेश स्थलाकृति (4) उत्खात स्थलाकृति
Ans. (4)

***व्याख्या**-पूर्वी मैदान के भाग चम्बल बेसिन (धौलपुर, सवाईमाधोपुर) को उत्खात स्थलाकृति (Badland topography) हेतु जाना जाता है। इसकी स्थलाकृतियों में मुख्यत: गार्ज, नदी कगार, जलप्रपात (चूलिया), शिप्रकाएँ, नीकपाइन्ट्स तथा बीहड़ भूमि आदि है।*

❒ **राजस्थान के किस प्रदेश में 'उत्खात-भूमि स्थलाकृति' पायी जाती है?** [ARO (Entomology)-30.08.2022] [Asst. Statistical Officer-08.07.2022] [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) लूनी बेसिन (2) चम्बल बेसिन
(3) शेखावाटी (4) बांगड़ प्रदेश
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **उत्खात स्थलाकृतिक पाई जाती है-** [Veterinary Officer - 02.08.2020]
(1) झालावाड़ और डूँगरपुर (2) गंगानगर और हनुमानगढ़
(3) घग्घर नदी बेसिन (4) धौलपुर तथा सवाई माधोपुर
Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बाँसवाड़ा व डूँगरपुर के मध्य के भू-भाग को किस नाम से जाना जाता है?** [Police Constable - 2013]
(1) कांठल (2) भाकर (3) गिरवा (4) मेवल
Ans. (4)

> *व्याख्या* -• *मेवल : डूँगरपुर-बाँसवाड़ा का मध्य भाग*
> • *वागड़ (व्याघ्रवाट) : डूँगरपुर-बाँसवाड़ा का प्राचीन नाम।*

❑ **कौनसा सही सुमेलित नहीं है?** [VDO Mains -09.07.2022]
(1) वागड़=डूँगरपुर-बाँसवाड़ा (2) मेवात=अलवर-भरतपुर
(3) भोमट = प्रतापगढ़-चित्तौड़गढ़
(4) हाड़ौती = कोटा-बूँदी - झालावाड़
Ans. (3)

> *व्याख्या -'भोमट' क्षेत्र में उदयपुर, सलूम्बर, डूँगरपुर, एवं पूर्वी सिरोही जिले का अरावली पर्वतीय क्षेत्र आता है।*

❑ **निम्नलिखित में से किन जिलों का क्षेत्र 'भोमट' कहलाता है?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]
(1) डूँगरपुर, उदयपुर और सिरोही
(2) अजमेर, बीकानेर और चूरू
(3) सीकर, चूरू और बाड़मेर
(4) बाड़मेर, जालौर और सीकर
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में, बागर और मरु ... के नाम है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]
(1) जल-निकासी-व्यवस्था (2) भौगोलिक क्षेत्र
(3) सांस्कृतिक क्षेत्र (4) जिलों
Ans. (2)

> *व्याख्या - राजस्थान में 'मरु' मरुस्थल, 'मेरू' उच्च पर्वतीय प्रदेश, 'मालं' पठारी भाग को तथा बागड़ प्रदेश अरावली पर्वत व पश्चिमी मरुस्थल के मध्य भाग को संदर्भित करता है।*

❑ **जुरासिक युग की चट्टानें राजस्थान के किन जिलों में पायी जाती हैं?**[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)-30.5.2019]
(1) जयपुर एवं टोंक (2) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर
(3) जैसलमेर-बाड़मेर (4) अजमेर - नागौर
Ans. (3)

> *व्याख्या - मध्यजीवी महाकल्प (Mesozoic)-*
> *जुरासिक युग - 1800 लाख वर्ष। जैसलमेर में जुरासिक काल के 'लाठी श्रेणी' शैल समूह है।*
> *महासमूह : बेंडेसर श्रेणी बौमाती श्रेणी बाड़मेर बेसिन जैसलमेर श्रेणी बेसिन दक्कन गंगानगर शेल्फ*

❑ **राजस्थान में सर्वाधिक भूकम्प सम्भावित क्षेत्र कौन-सा है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन) - 24.03.2019]
(1) नागौर-जोधपुर व पाली(2) भरतपुर-अलवर व झुन्झुनूं
(3)जयपुर-दौसा व करौली(4)गंगानगर-हनुमानगढ़ व चूरू
Ans. (2)

❑ **सुमेलित कीजिए-** [VDO Mains -09.07.2022]
(A) बरखान (1) आबू पर्वत खंड
(B) लाठी शृंखला (2) बालू का स्तूप
(C) इंसेलबर्ग (3) शुष्क झील
(D) प्लाया (4) भूगर्भिक जलपट्टी

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	2	4	3	1	(2)	4	2	1	3
(3)	3	4	1	2	(4)	2	4	1	3

Ans. (4)

❑ **सुमेलित कीजिए-** [Assistant Professor-22.9.2021]
A. मेवाड़ पर्वतीय क्षेत्र **1. मुकुन्दरा पहाड़ी**
B. हाड़ौती पठार **2. नाली**
C. शेखावाटी पठार **3. गिरवा**
D. घग्घर मैदान **4. अन्तः प्रवाहित अपवाह**

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	3	1	4	2
(3)	3	4	2	1	(4)	2	1	3	4

Ans. (2)

❑ **कौनसी राजस्थान के मरुस्थल की विशेषता है-** [Asst. Agri. Officer 2015
1. अतिशुष्क दशाएँ 2. तापमान का अतिरेक
3. न्यून औसत वार्षिक वर्षा
4. कम तथा छितरा हुआ वनस्पति आवरण
(1) 1, 2 और 4 (2) 1, 3 और 4
(3) 1, 2 और 3 (4) 1, 2, 3 और 4
Ans. (4)

❑ **कथनों पर विचार कर सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिए-** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]
1. लूनी बेसिन गोडवाड़ प्रदेश के नाम से भी जाना जाता है।
2. 'गिरवा' उदयपुर बेसिन की विशिष्ट आकृति है, जो मेवाड़ प्रदेश में है।
3. घग्घर का मैदान चूरू जिले में स्थित है।
(1) 1, 2 और 3 (2) 1 और 2
(3) 2 और 3 (4) 1 और 3
Ans. (2) **घग्घर का मैदान - हनुमानगढ़, अनूपगढ़, गंगानगर**

4. पर्वत-पठार

❒ राजस्थान में सबसे ऊँचा पर्वत शिखर किस जिले में है? [Police Constable Exam-2007(I)]

(1) जालौर (2) नागौर (3) सिरोही (4) चूरू

Ans. (3)

व्याख्या - दक्षिणी अरावली के सिरोही जिले में स्थित गुरु शिखर (माउंट आबू) राज्य का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर है जिसे जेम्स टॉड ने 'सन्तों का शिखर' कहा है। जिसकी ऊँचाई 1722 मीटर है।

❒ संतों का शिखर से सम्बन्धित है?

[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) गुरु शिखर (2) तारागढ़

(3) खोले के हनुमान (4) नाग पहाड़

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ अरावली पर्वत श्रृंखला की सबसे ऊँची 'गुरु शिखर' राजस्थान में .... के पास स्थित है।

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) बीकानेर (2) जोधपुर (3) पाली (4) माउंट आबू

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ अरावली पर्वत शिखर का ऊँचा शिखर कौनसा है?

[III Grade (L-I) -25.2.2023] [संगणक परीक्षा - 05.05.2018]

[Police Constable Exam-2007(II)]

(1) गुरुशिखर (2) सेर (3) रिगढ़ (4) जरगा

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'गुरु शिखर' निम्न में से किस पर्वत श्रृंखला का उच्चतम शिखर है? [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) शिवालिक (2) सतपुडा (3) नीलगिरी (4) अरावली

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ गुरुशिखर पर्वत चोटी अरावली के किस प्रदेश का भाग है? [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) उत्तरी (2) मध्य (3) पूर्वी (4) दक्षिणी

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ गलत युग्म की पहचान करें-

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]

(1) सिरोही -अचलगढ़ चोटी (2) अजमेर-तारागढ़ चोटी

(3) जयपुर - खौ चोटी (4) सीकर - गुरुशिखर चोटी

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ गुरुशिखर की ऊँचाई है?[जेल प्रहरी 28-10-18, Shift -III]

[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) 1200 मी. (2) 1760 मी. (3) 1550 मी. (4) 1727 मी.

Ans. (4)

व्याख्या - गुरु शिखर की ऊँचाई 1722 मी. है किन्तु चोटी के ऊपर दत्तात्रेय ऋषि का 5 मीटर ऊँचा मंदिर बना हुआ है जिसे जोड़ने के बाद गुरु शिखर की ऊँचाई 1727 मीटर हो जाती है।

❒ राजस्थान में गुरु शिखर चोटी (माउन्ट आबू) की ऊँचाई कितनी है? [II Grade (English & Urdu)-2011]

[RAS Pre. Exam-2009][राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) 1722 मी. (2) 1724 मी. (3) 1750 मी. (4) 1780 मी.

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के अरबुड़ा पर्वत के एक शिखर, गुरु शिखर का नामकरण किसके नाम पर किया गया है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) चन्द्र देव (2) ऋषि दुर्वासा (3) दत्तात्रेय (4) अनुसूया

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के किस जिले में जरगा पर्वत है-

[RPSC II Grade Teacher Exam-2011]

(1) सिरोही (2) उदयपुर (3) अलवर (4) जयपुर

Ans. (2)

व्याख्या - उदयपुर - राजसमंद में स्थित जरगा राज्य का चौथा सबसे ऊँचा पर्वत शिखर है। जिसकी ऊँचाई 1431 मीटर है।

❒ इनमें से अरावली का कौन-सा शिखर सर्वोच्च (सबसे ऊँचा) है- [Stenographer Exam : 30.05. 2013]

(1) अचलगढ़ (2) जरगा (3) रघुनाथगढ़ (4) तारागढ़

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिए-[II Grade GK (संस्कृतशिक्षा)-19.2.2019]

सूची - I (प्रदेश)	सूची- II (पर्वत चोटी)
(A) उत्तरी अरावली	(1) ऋषिकेश
(B) मध्य अरावली	(2) तारागढ़
(C) दक्षिण अरावली	(3) भानगढ़

कूट :	A	B	C		A	B	C
(1)	1	2	3	(2)	3	2	1
(3)	3	1	2	(4)	2	3	1

Ans. (2)

व्याख्या - दक्षिणी अरावली की चोटियाँ		
चोटी का नाम	जिला	ऊँचाई (मीटर में)
• **गुरु शिखर**	सिरोही	**1722**
• **सेर**	सिरोही	1597
• दिलवाड़ा	सिरोही	1442
• जरगा	उदयपुर-राजसमंद	1431
• अचलगढ़	सिरोही	1380
• आबू	सिरोही	1295
• कुंभलगढ़	राजसमंद	1224/1080
• धोनिया	उदयपुर	1183
• जयराज	सिरोही	1090
• ऋषिकेश	सिरोही	1017
• कमलनाथ	उदयपुर	1001
• सुंधा पर्वत	भीनमाल (जालौर)	991
• माकड़मगरा	उदयपुर	989
• सज्जनगढ़	उदयपुर	938
• सायरा	उदयपुर	900
• लीलागढ़	उदयपुर	874
• **डोरा पर्वत**	जसवंतपुरा (जालौर)	869
• **नागपानी**	उदयपुर	867
• गोगुन्दा	उदयपुर	840
• इसराना भाखर	जालौर	839
• रोजा भाखर	जालौर	730
• झारोला भाखर	जालौर	588
• कोटड़ा	उदयपुर	450
• ऋषभदेव	उदयपुर	400
मध्य अरावली की चोटियाँ		
• टॉडगढ़/गोरमजी	ब्यावर	933/934
• तारागढ़	अजमेर	873/870
• नाग पहाड़	अजमेर	795
उत्तरी अरावली की चोटियाँ		
• रघुनाथगढ़	सीकर	1055
• मालखेत	सीकर	1052
• लोहार्गल	नीम का थाना	1051
• भोजगढ़	नीम का थाना	997
• खो	जयपुर (ग्रामीण)	920
• भैंराच	अलवर	792
• बाबाई	जयपुर	792
• बरवाड़ा	जयपुर (ग्रामीण)	786
• बाबई	झुंझुनूँ	780
• बिलाली	अलवर	775
• मनोहरपुरा	जयपुर	747
• घोसी	झुन्झुनूँ	740
• बैराठ	कोटपूतली-बहरोड़	704
• सरिस्का	अलवर	667
• सिरावास	अलवर	651
• भानगढ़	अलवर	649
• जयगढ़	जयपुर	648
• नाहरगढ़	जयपुर	599
• बालागढ़	अलवर	597

❑ **अरावली की चोटियों का सही अवरोही क्रम कौनसा है?** [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022] [पटवार- 2011] [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]

(1) अचलगढ़ - जरगा - सेर - गुरुशिखर
(2) गुरु शिखर - सेर - जरगा - अचलगढ़
(3) गुरु शिखर - सेर - अचलगढ़ - जरगा
(4) जरगा - सेर - अचलगढ़ - गुरु शिखर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **मध्य अरावली क्षेत्र की सबसे ऊँची चोटी कौनसी है?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) जरगा (2) बैराठ (3) तारागढ़ (4) अचलगढ़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौनसी पर्वत चोटी उत्तरी अरावली में अवस्थित नहीं है-**[क. वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]

(1) सज्जनगढ़ (2) रघुनाथगढ़ (3) बिलाली (4) बरवाड़ा

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सुमेलित कीजिए-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]

पहाड़ियाँ	**पर्वतमाला**
(A) मालखेत	(1) मध्य अरावली
(B) नागपानी	(2) दक्षिणी अरावली
(C) बिलाली	(3) उत्तरी अरावली
(D) नाग पहाड़	

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	2	1	3	3	(2)	3	2	3	1
(3)	1	3	2	3	(4)	1	2	3	3

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा मध्य अरावली में अवस्थित है-** [Veterinary Officer - 02.08.2020]
(1) रघुनाथगढ़ (2) गुरुशिखर (3) नाग पहाड़ (4) खो
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली श्रेणी की दूसरी नम्बर की ऊँची चोटी का नाम है?** [CET -4.2.2023 (S-I)][R.A.S.-1995]
(1) कुम्भलगढ़ (2) नाग पहाड़
(3) सेर (4) अचलगढ़
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी चोटी दक्षिण अरावली शृंखला में अवस्थित नहीं है?** [House Keeper -9.7.2022]
(1) सेर (2) दिलवाड़ा (3) कमलनाथ (4) बिलाली
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'सेर' पर्वत चोटी की ऊँचाई क्या है?**
[प्रयोगशाला सहायक-03.02.2019]
[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
(1)1722 मी.(2) 1597 मी.(3) 1380 मी.(4) 1496 मी.
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सही सुमेलित नहीं है**-[प्रयोगशाला सहायक -03.02.2019]
(1) घग्घर-मृत नदी (2) भोराट-पठार
(3) नागपानी-अरावली दर्रा (4) सेर-अरावली चोटी
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली श्रेणी के दक्षिणी भाग में पर्वतीय चोटी है-** [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
(1) बाबाई (2) बैराठ (3) डोरा (4) रघुनाथगढ़
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली की सर्वोच्च पर्वत चोटी निम्नांकित में से कौनसी है?** [JEN Exam - 21.08.2016]
[III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]
(1) जरगा (2) सेर (3) रघुनाथगढ़ (4) तारागढ़
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से अरावली का सर्वोच्च शिखर कौनसा है-** [Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
(1) कुम्भलगढ़ (2) सज्जनगढ़ (3) अचलगढ़ (4) तारागढ़
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से अरावली का कौनसा शिखर सेर से नीचा किन्तु अचलगढ़ से ऊँचा है ?**
[Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) सायरा (2) रघुनाथगढ़ (3) जरगा (4) खौं
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली की निम्न पर्वत चोटियों को उनकी ऊँचाई के आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए-**
[Patwar Main 24.12.16]
(1) अचलगढ़-कुम्भलगढ़- रघुनाथगढ़- जरगा
(2) रघुनाथगढ़- कुम्भलगढ़- अचलगढ़ - जरगा
(3) जरगा- अचलगढ़ - कुम्भलगढ़- रघुनाथगढ़
(4) कुम्भलगढ़- जरगा- रघुनाथगढ़- अचलगढ़
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा क्रम पर्वत चोटियों एवं उनकी ऊँचाईयों के अवरोही क्रम के अनुसार सही है?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]
(1) बाबई, बैराठ, नाग पहाड़ और भैंराच
(2) नाग पहाड़, भैंराच, बाबई और बैराठ
(3) भैंराच, नाग पहाड़, बाबई और बैराठ
(4) बैराठ, नाग पहाड़, बाबई और भैंराच
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली की पर्वत चोटियों को उनकी ऊँचाई के अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए-**
[RAS-28.08.2016]
[प्रयोगशाला सहायक13.11.16]
[Librarian Gade-II Exam - 02.08.2020]
[JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
(1) सेर, जरगा, अचलगढ़, रघुनाथगढ़, तारागढ़
(2) जरगा, रघुनाथगढ़, तारागढ़, अचलगढ़, सेर
(3) अचलगढ़, रघुनाथगढ़, जरगा, तारागढ़, सेर
(4) तारागढ़, अचलगढ़, जरगा, सेर, रघुनाथगढ़
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पर्वत चोटी और जिला में असंगत छाँटिए-**
[JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) बीलाली - अलवर (2) बाबई - जयपुर
(3) कुम्भलगढ़-राजसमन्द (4) भोजगढ़ - सीकर
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की पर्वत चोटियों को ऊँचाई के बढ़ते क्रम में व्यवस्थित कीजिए-** [VDO-28.12.2021 (S-I)]
गुरुशिखर, अचलगढ़, कुम्भलगढ़, तारागढ़
(1) कुम्भलगढ़, तारागढ़, अचलगढ़, गुरुशिखर
(2) तारागढ़, कुम्भलगढ़, अचलगढ़, गुरुशिखर
(3) कुम्भलगढ़, अचलगढ़, तारागढ़, गुरुशिखर
(4) तारागढ़, अचलगढ़, कुम्भलगढ़, गुरुशिखर
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित पर्वतों की ऊँचाइयों को सही अवरोही क्रम चुनिए- [वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]
(1) सेर पीक, अचलगढ़, खोह, तारागढ़
(2) तारागढ़, खोह, अचलगढ़, सेर पीक
(3) खोह, अचलगढ़, सेर पीक, तारागढ़
(4) अचलगढ़, खोह, तारागढ़, सेर पीक
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित अरावली पर्वत शिखरें हैं। इन शिखरों की ऊँचाई के अनुसार घटते क्रम में क्रमबद्ध कीजिए- [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]
1. गुरुशिखर 2. अचलगढ़ 3. कुम्भलगढ़ 4. सेर 5. दिलवाड़ा
(1) 1, 4, 5, 2, 3 (2) 1, 2, 3, 4, 5
(3) 5, 4, 3, 2, 1 (4) 1, 4, 2, 3, 5
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न चोटियों को उनकी ऊँचाई के अनुसार सही आरोही क्रम में सजाएँ - [I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]
1. बैराठ 2. अचलगढ़ 3. कुम्भलगढ़ 4. सेर
(1) 1, 2, 3, 4 (2) 1, 3, 2, 4
(3) 3, 1, 2, 4 (4) 4, 3, 2, 1
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसा सुमेलित नहीं है? [I Grade Geography-16.10.2022]
(1) बिलाली पर्वत-अलवर (2) बरवाड़ा पर्वत-अजमेर
(3) डोरा पर्वत-जालौर (4) नागपानी पर्वत -उदयपुर
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिए - [RAS (Pre) Exam-26.10.2013]
(A) रघुनाथगढ़ (i) सिरोही
(B) सेर (ii) सीकर
(C) जरगा (iii) जयपुर
(D) जयगढ़ (iv) उदयपुर

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	1	4	3	(2)	1	3	2	4
(3)	3	2	4	1	(4)	4	3	1	2

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ पर्वतीय चोटी-जिला मिलान कीजिये- [PTI - 2015]
A. सेर 1. जयपुर
B. जयगढ़ 2. सिरोही
C. रघुनाथगढ़ 3. राजसमन्द
D. कुम्भलगढ़ 4. सीकर

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	1	3	2	4	(2)	4	2	3	1
(3)	2	1	4	3	(4)	3	2	1	4

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिए- [वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]
(चोटियाँ) (ऊँचाई)
(A) रघुनाथगढ़ (i) 840
(B) सेर (ii) 869
(C) डोरा पर्वत (iii) 1597
(D) गोगुंदा (iv) 1055

कूट :	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	3	4	1	2
(3)	2	1	3	4	(4)	4	2	1	3

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'रोजा भाखर' शिखर राजस्थान के निम्न में से किस जिले में स्थित है? [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) जालौर (2) कोटा (3) अलवर (4) जयपुर
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ पर्वत चोटियों को ऊँचाई के अनुसार अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए- [CET : 07.01.2023 (S-II)]
(1) सज्जनगढ़ - लीलागढ़ - रघुनाथगढ़ - जरगा
(2) जरगा - रघुनाथगढ़ - सज्जनगढ़ - लीलागढ़
(3) जरगा - लीलागढ़ - सज्जनगढ़ - रघुनाथगढ़
(4) रघुनाथगढ़ - जरगा - लीलागढ़ - सज्जनगढ़
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ पर्वत चोटियों को ऊँचाई के अनुसार आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए- [II Grade GK - 21.12.2022]
1. तारागढ़ 2. अचलगढ़ 3. कमलनाथ 4. रघुनाथगढ़
(1) 3, 1, 2, 4 (2) 1, 2, 3, 4
(3) 4, 2, 1, 3 (4) 1, 3, 4, 2
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ पर्वत चोटियों को ऊँचाई के अनुसार अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए- [II Grade GK - 24.12.2022]
1. कुम्भलगढ़ (राजसमंद) 2. जरगा
3. धोनियां डूंगर 4. कमलनाथ
(1) 2, 1, 3, 4 (2) 1, 2, 3, 4
(3) 2, 1, 4, 3 (4) 4, 2, 1, 3
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **अरावली पर्वतमाला की चोटियों को ऊँचाई के बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें-** [पटवार-23.10.2021 (S-I]

1. जरगा 2. सेर 3. दिलवाड़ा 4. गुरु शिखर

(1) 1, 4, 2, 3 (2) 1, 2, 3, 4
(3) 1, 3, 2, 4 (4) 3, 1, 2, 4

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नांकित चोटियों को ऊँचाई के आधार पर अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए-**[वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]

(1) खौ, नागपहाड़, टॉड़गढ़ व भैराच
(2) टॉडगढ़, खौ, नागपहाड़ व भैराच
(3) नागपहाड़, टॉडगढ़, भैराच व खौ
(4) टॉडगढ़, नागपहाड़, खौ व भैराच

Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कौनसा पर्वत जालौर पर्वतीय क्षेत्र में नहीं है ?**

[Food Safety Officer - 27.06.2023]

(1) रोजा भाकर (2) झालोरा पहाड़
(3) इसराना भाकर (4) गोगुन्दा

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **जिले व पर्वत को सुमेलित कीजिए** - [RAS-05.8.2018]

A. जालौर **1. बरवाड़ा**
B. जयपुर **2. झारोला**
C. अलवर **3. रघुनाथगढ़**
D. सीकर **4. भानगढ़**

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	1	4	3	(2)	1	2	3	4
(3)	4	3	2	1	(4)	3	2	1	4

Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौनसी मध्य अरावली की प्रमुख चोटी है जो अजमेर और जयपुर के बीच फैली हुई है ?**

[Asst. Town Planner- 16.06.2023]

(1) तारागढ़ (2) रघुनाथगढ़(3) दिलवाड़ा (4) अचलगढ़

Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान की पर्वत चोटियों के समूह को उनकी ऊँचाई के अनुसार अवरोही क्रम में चयनित कीजिए-**

[कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) सायरा, डोरा पर्वत, नाग पहाड़, बिलाली
(2) सायरा, नाग पहाड़, डोरा पर्वत, बिलाली
(3) बिलाली, डोरा पर्वत, नाग पहाड़, सायरा
(4) बिलाली, नाग पहाड़, डोरा पर्वत, सायरा

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **अरावली शृंखला में नाग पहाड़ कहाँ स्थित है?**

[जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) कुम्भलगढ़ के उत्तर में (2) सीकर के पश्चिम में
(3) पुष्कर के पश्चिम में (4) अजमेर के पश्चिम में

Ans. (4)

***व्याख्या** - अजमेर के पश्चिम में सर्पिलाकार पर्वत श्रेणियाँ नाग पहाड़ (795 मीटर) कहलाती है।*

❑ **नाग पहाड़ राजस्थान के .... जिले में स्थित है?**

[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

[I Grade Geography-16.10.2022]

(1) जयपुर (2) अलवर (3) अजमेर (4) भरतपुर

Ans. (3) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सुमेलित नहीं है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) जरगा - उदयपुर (2) कुम्भलगढ़-राजसमंद
(3) कामनाथ - सिरोही (4) रघुनाथगढ़ - सीकर

Ans. (3)

***व्याख्या** - कामनाथ/कमलनाथ - उदयपुर*

❑ **कौनसी पर्वतीय चोटी सिरोही जिले में अवस्थित नहीं है?** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]

(1) कमलनाथ (2) अचलगढ़ (3) देलवाड़ा (4) सेर

Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौन-सी पहाड़ियाँ मध्य अरावली श्रेणी में स्थित हैं?** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-01.05.2017]

(1) मेरवाड़ा पहाड़ियाँ (2) रोजा भाखर पहाड़ियाँ
(3) इसराना भाखर पहाड़ियाँ (4) गिर्वा पहाड़ियाँ

Ans. (1)

***व्याख्या** - मारवाड़ के मैदान को मेवाड़ के उच्च पठार से अलग करने वाली मध्य अरावली की पर्वत श्रेणी टॉडगढ़ के निकट मेरवाड़ा पहाड़ियाँ (अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, नागौर, डीडवाना-कुचामन, भीलवाड़ा, शाहपुरा का उत्तर-पूर्वी भाग) कहलाती है।*

❑ **'मेरवाड़ा पहाड़ियाँ' निम्नांकित भौतिक उप-इकाईयों में से किसका उपविभाजन है-** [PTI - 30.09.2018]

[योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.0.2021]

(1) अलवर पहाड़ियाँ (2) मध्य अरावली श्रेणी
(3) मेवाड़ चट्टानी प्रदेश (4) आबू पर्वत खण्ड

Ans. (2) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ कौनसा (पर्वतीय चोटी-ऊँचाई (मीटर) सुमेलित नहीं है? [Librarian III Grade 11.09.2022]

(1) जरगा - 1431 (2) अचलगढ़ - 1280
(3) सेर - 1597 (4) रघुनाथगढ़-1055

Ans. (2) *व्याख्या - अचलगढ़ - 1380 मीटर*

❐ सिरोही जिले में तीव्र ढाल युक्त ऊबड़खाबड़ पहाड़ियों को स्थानीय भाषा में कहते हैं[Police Constable-2013] [PTI (Grade-III)-25.9.2022][JEN (Diploma) - 21.08.2016] [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022] [कॉलेज व्याख्याता-2016]

(1) भाकर (2) भोराट (3) गिरवा (4) सांगलिया

Ans. (1)

व्याख्या - भाकर : सिरोही क्षेत्र में अरावली की तीव्र ढाल वाली ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों को स्थानीय भाषा में भाकर कहते हैं।

❐ कौनसी भू-आकृति सुमेलित नहीं है- [वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]

(1) बाप बोल्डर-फलौदी (2) भाकर-डूँगरपुर, बाँसवाड़ा
(3) गिरवा-उदयपुर (4) वृहद् सीमा भ्रंश-बूँदी, स.माधोपुर

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ आडावाला पर्वत किस जिले में स्थित है? [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III]

(1) भीलवाड़ा (2) झालावाड़ (3) कोटा (4) बूँदी

Ans. (4)

व्याख्या - बूँदी एवं सवाई माधोपुर की अरावली श्रेणियों को आडावाला पर्वत कहा जाता है।

❐ विन्ध्यन क्रम की आडावाला पहाड़ियाँ राजस्थान के किस/कौन से क्षेत्र में पायी जाती है?[AEN - 16.12.2018]

(1) कोटा - झालावाड़ (2) बूँदी - सवाई माधोपुर
(3) बाँसवाड़ा - डूँगरपुर (4) उदयपुर - चित्तौड़गढ़

Ans. (2)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ चारों ओर से पहाड़ियों से घिरे हुए उदयपुर बेसिन को स्थानीय भाषा में किस नाम से जाना जाता है? [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]

(1) भाकर (2) गिरवा (3) भोराट (4) वागड़

Ans. (2)

व्याख्या : उदयपुर क्षेत्र में तश्तरीनुमा आकृति वाले पहाड़ों की मेखला (श्रृंखला) को स्थानीय भाषा में गिरवा कहते हैं।

❐ गिरवा पहाड़ियाँ किस जिले में स्थित हैं? [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती परीक्षा- 26.03.2019]

(1) डूँगरपुर (2) सिरोही (3) उदयपुर (4) भीलवाड़ा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान का जिला, जिसमें एक नगर लगभग 1300 मीटर की ऊँचाई पर बसा है, है? [RPSC III Grade Teacher Exam-2004]

(1) सिरोही (2) जालोर (3) चित्तौड़गढ़ (4) डूँगरपुर

Ans. (1)

व्याख्या -सिरोही जिले में माउंट आबू नगर लगभग 1300 मीटर की ऊँचाई पर बसा है। ज्ञातव्य है कि प्रतापगढ़ राजस्थान का दूसरा सबसे ऊँचाई पर बसा शहर है।

❐ राजस्थान में हॉर्स शू प्रकार की पहाड़िया कहाँ है? [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]

(1) रामगढ़ गाँव में (2) अकलेरा गाँव में
(3) मनोहर थाना गाँव में (4) टपूकरा गाँव में

Ans. (1)

व्याख्या- रामगढ़ कस्बे (बारां) के निकट <u>घोड़े की नाल की आकृति</u> (Horse Shoe Shaped) के गोलाकार विशिष्ट पर्वत श्रेणी है।

❐ रामगढ़ की गोलाकार पहाड़ी निम्न में से कौनसे प्रदेश में अवस्थित है?[स्कूल व्याख्याता परीक्षा-09.01.2020]

(1) शेखावाटी प्रदेश (2) हाड़ौती का पठार
(3) छप्पन मैदान (4) घग्घर मैदान

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ तोरावाटी की पहाड़ियाँ किस क्षेत्र में विस्तृत है? [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]

(1) शेखावाटी (2) मध्य अरावली
(3) बूँदी की पहाड़ियाँ (4) अलवर की पहाड़ियाँ

Ans. (1)

व्याख्या -तोरावाटी की पहाड़ियाँ शेखावाटी के नीम का थाना का पश्चिमी भाग, झुंझुनूँ के दक्षिण भाग एवं सीकर जिले के पूर्वी भाग में स्थित है।

❐ समुद्र तल से घोसी पहाड़ी की अनुमानित ऊँचाई कितनी है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) 500 मी. (2) 400 मी. (3) 1000 मी. (4) 740 मी.

Ans. (4)

***व्याख्या** - राजस्थान - हरियाणा की सीमा पर झुन्झुनूँ के घुसरा गाँव में स्थित घोसी पहाड़ी की ऊँचाई 740 मीटर है। सुप्त ज्वालामुखी के मुहाना जैसी दिखने के कारण इसे 'आग्नेयगिरि' कहा जाता है।*

❒ **मुकन्दवाड़ा पहाड़ियाँ मुख्यतः किस जिले में फैली हैं?** [Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]
[JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) जयपुर (2) बाँसवाड़ा
(3) कोटा (4) अलवर

Ans. (3)

***व्याख्या - मुकुन्दवाड़ा की पहाड़ियाँ** : कोटा व झालरापाटन (झालावाड़) के बीच स्थित भू-भाग जिसका ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर है।*

❒ **मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ कौनसे जिलों में विस्तृत हैं?** [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) जोधपुर, नागौर (2) पाली, सिरोही
(3) झालावाड़, कोटा (4) अजमेर, जयपुर

Ans. (3) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **हर्ष पर्वत राजस्थान के किस जिले में स्थित है-** [Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]

(1) उदयपुर (2) नागौर (3) जयपुर (4) सीकर

Ans. (4)

***व्याख्या - हर्ष की पहाड़ियाँ** (ऊँचाई - 820 मीटर) : सीकर जिले में स्थित इन पहाड़ियों में हर्षनाथ का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। उल्लेखनीय है कि हर्षनाथ की पहाड़ियाँ अलवर जिले में तथा हर्ष माता का मंदिर आभानेरी (दौसा) में स्थित है।*

❒ **अरावली की निम्नलिखित में से कौन-सी चोटी की ऊँचाई 820 मीटर है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]

(1) बाबई (2) खो (3) रघुनाथगढ़ (4) हर्षनाथ

Ans. (4) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सही कथनों का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये-** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

1. 'लसाड़िया' पठार जयसमंद झील के पूर्व में स्थित है। 2. 'नाग पहाड़' मध्य अरावली का सर्वोच्च शिखर है। 3. 'छप्पन का मैदान' प्रतापगढ़ और चित्तौड़गढ़ जिलों के मध्य स्थित है। 4. शिवपुर घाट एवं बर अरावली के दर्रे हैं।

कूट : (1) 1, 2 और 3 सही है। (2) 2,3 और 4 सही है।
(3) 1 और 4 सही है। (4) 2 और 3 सही हैं।

Ans. (*)

***व्याख्या** - इसमें कथन 1, 4 सत्य है और कथन 3 भी आंशिक सत्य है।*

❒ **राजस्थान का सर्वोच्च पठार है-** [वनरक्षक -2013]
[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) मेसा (2) हाड़ौती (3) भोराट (4) उड़िया

Ans. (4)

***व्याख्या - उड़िया पठार** : राज्य का सबसे ऊँचा पठार, जो गुरु शिखर से नीचे स्थित है। यह 1360 मीटर ऊँचा (आबू पर्वत से 160 मीटर ऊँचा) है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौन-सा पठार माउन्ट आबू पर्वत स्थल से 8 किमी. दूर गुरु शिखर चोटी के नीचे स्थित है?** [उद्योग निरीक्षक परीक्षा -24.06.2018]
[मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]

(1) भोराट (2) मेसा (3) उड़िया पठार (4) दक्कन पठार

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कौनसे जिले में 'उड़िया पठार' स्थित है?** [पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018]
[II Grade GK - 22.12.2022] [कर सहायक परीक्षा-14.10.2018]

(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) सिरोही (4) प्रतापगढ़

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कुम्भलगढ़ और गोगुन्दा के बीच पठार स्थित हैं-** [PSI - 13.09.2021] [महिला पर्यवेक्षक- 29.11.2015]
[Lab Assistent (Science) -29.6.2022][II Grade (Sanskart)-2011]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग)-12.03.2021]
[III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) मालवा का पठार (2) भोराट का पठार
(3) पोतवार का पठार (4) विन्ध्यन का पठार

Ans. (2)

***व्याख्या - भोराट का पठार** : भोराट का पठार में गोगुन्दा, धारियाबाद, ईसवाल व कुम्भलगढ़ तहसील का क्षेत्र आता है। उदयपुर के उत्तर-पश्चिम में कुम्भलगढ़ और गोगुन्दा के बीच स्थित पठार स्थानीय भाषा में भोराट पठार के नाम से जाना जाता है। यह अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के जलप्रवाह के मध्य जल विभाजक का कार्य करता है।*

❒ 'भोराट का पठार' यहाँ अवस्थित है-
[JEN (Diploma)- 21.08.2016][पुलिस उपनिरीक्षक-07.10.2018]
[ARO -27/30.08.2022][REET Level II- 2015]
(1) उदयपुर के उत्तर-पश्चिम में कुम्भलगढ़ से गोगुन्दा तक
(2) पूर्वी दिल्ली से जयपुर तक
(3) आमेर से नाहरगढ़ तक
(4) जोधपुर से उत्तरी अजमेर तक
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'भोराट' कहा जाने वाला पठार किस जिले में स्थित है?
[Asst. Agriculture Officer : 29.01.2013]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) अलवर (2) बारां (3) जालोर (4) उदयपुर
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित नहीं है? [वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]
(1) कूबड़ पट्टी - अजमेर और नागौर
(2) छप्पन का मैदान - बांसवाड़ा और प्रतापगढ़
(3) भोराट का पठार - चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा
(4) ऊपरमाल का पठार - भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़
Ans. (3)

❒ जयसमन्द झील के पूर्व में पठार स्थित है?
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]
(1) ऊपरमाल का पठार (2) भोराट का पठार
(3) लासड़िया का पठार (4) मालवा का पठार
Ans. (3)

व्याख्या : लासड़िया का पठार : प्रतापगढ़ एवं सलूम्बर (पूर्व में उदयपुर) जिले में जयसमंद झील से आगे पूर्व की ओर विच्छेदित व कटाफटा पठार जो अनियमित धरातल वाला है। इस पठार की ऊँचाई 325 मीटर से 650 मीटर तक है।

❒ सुमेलित नहीं है? [CET : 07.01.2023 (S-1)]
(1) भोराट पठार-कुम्भलगढ़ से गोगुन्दा के मध्य
(2) भाकर-पूर्वी सिरोही (3) उड़िया पठार-माउण्ट आबू
(4) लसाड़िया पठार - राजसमन्द
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'लासड़िया का पठार' राजस्थान के किस जिले में स्थित हैं? [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-26.04.2017]
[वनरक्षक-12.12.2022(S-I)] [जेल प्रहरी- 27-10-2018, S-I]
[III Grade (English) -27.02.2023]
(1) जैसलमेर (2) उदयपुर (3) कोटा (4) गंगानगर
Ans. (2)* *वर्तमान में सलूम्बर जिले में स्थित है।*

❒ राजस्थान में ऊपरमाल के नाम से कौनसा क्षेत्र जाना जाता है- [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]
(1) अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा (2) कोटा, बूँदी, झालावाड़
(3) जोधपुर, जालौर, बाड़मेर (4) सिरोही, पाली, उदयपुर
Ans. (2)

व्याख्या -दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान के दक्कन लावा पठार क्षेत्र में भैंसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़) से लेकर बिजोलिया (भीलवाड़ा) तक का पठारी भाग ऊपरमाल कहलाता है। यह एक पथरीली भूमि है जिसमें कोटा, बूँदी पठारी भाग भी शामिल है।

❒ 'ऊपरमाल' है- [JEN Exam - 21.08.2016]
(1) भोराट का पठारी भाग (2) हाड़ौती पठार का भाग
(3) आबू का पठारी भाग (4) नागौर का पठारी भाग
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ भैंसरोड़गढ़ से बिजोलिया के मध्य स्थित पठार कहलाता है-
[वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]
[कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]
(1) ऊपरमाल (2) भेसा (3) उड़िया (4) भोराट
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ ऊपरमाल नामक पठारी प्रदेश में निम्न में से जो जिला शामिल नहीं है, वह है- [RAS Exam-1997]
(1) भीलवाड़ा (2)कोटा (3) चित्तौड़गढ़ (4) अजमेर-पाली
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'ऊपरमाल' क्या है?[Superintendent Garden - 28.07.2021]
(1) उदयपुर का भोराट पठार
(2) चित्तौड़गढ़ व भीलवाड़ा के मध्य स्थित पठार
(3) आबू का पठारी क्षेत्र (4) नागौरी उच्च भूमि
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ त्रिकूट एवं नाकोड़ा पहाड़ियाँ राजस्थान के क्रमशः कौनसे जिलों में अवस्थित है?
[स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]
(1) जैसलमेर एवं बाड़मेर (2) जैसलमेर एवं जालौर
(3) बाड़मेर एवं सिरोही (4) पाली एवं बाड़मेर
Ans. (1)

❒ मेसा पठार किस जिले में स्थित है-
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]
(1) उदयपुर (2) राजसमन्द (3) चित्तौड़गढ़ (4) सिरोही
Ans. (3)

व्याख्या – मेसा पठार : 620 मीटर ऊँचा पठारी भाग, जिस पर चित्तौड़गढ़ का किला स्थित है। पहाड़ियों पर स्थित अन्य किले निम्नांकित है-

पहाड़ी का नाम	किला
• त्रिकूट पहाड़ी	– जैसलमेर/सोनार किला
• कनकाचल/सुवर्णगिरी	– जालौर का किला
• चिड़ियाटूंक/पंचेटिया	– मेहरानगढ़ (जोधपुर)
• हेमकुट/गंधमादन	– कुम्भलगढ़ (राजसमंद)
• देवगिरी	– दौसा का किला
• कालीखोह	– आमेर (जयपुर)
• कोशवर्द्धन	– शेरगढ़ (बारां)
• बीठली	– तारागढ़ (अजमेर)
• नानी सिरड़ी	– सोजत किला (पाली)
• मानी/नैनी	– बयाना किला (भरतपुर)
• भामती	– शाहबाद किला (बारां)

❒ **'बर्र (बार) दर्रा' स्थित है-**

[School Lecturer (Sanskrit Edu.)-04.08.2020]

(1) दक्षिणी अरावली (2) उत्तरी अरावली
(3) मध्य अरावली (4) मालखेत की पहाड़ियाँ

Ans. (3)

व्याख्या – ब्यावर जिले (पूर्व में अजमेर) में मध्य अरावली श्रेणियों के पाँच दर्रे स्थित हैं – बर (पाली में भी स्थित), पखेरिया/ परवेरिया, शिवपुर घाट, देबारी (उदयपुर में भी स्थित) तथा सुरा घाट।

❒ **'बर्र (बार) दर्रा' राजस्थान के कौनसे जिले में अवस्थित है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]

(1) अजमेर (2) बूँदी (3) चित्तौड़गढ़ (4) उदयपुर

Ans. (1)* *व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सूरा घाट एवं शिवपुर घाट स्थित है-**

[कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) दक्षिणी अरावली में (2) उत्तरी अरावली में
(3) मध्य अरावली में (4) दक्षिणी-पूर्वी पठार में

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बर, परवेरिया, शिवपुर, देबारी और सुरा का सम्बन्ध है?** [ARO (Plant Pathlogy, Agronomy) 29.8.2022]

(1) पर्वत चोटी (2) दर्रा (3) घाटी (4) पठारीय क्षेत्र

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नांकित में से कौनसा दक्षिणी अरावली को पार करने का दर्रा नहीं है?** [पटवार परीक्षा - 2008]

(1) सोमेश्वर (2) हाथीगुड़ा (3) अरनीया (4) देसूरी

Ans. (3)

व्याख्या – • राजस्थान में सर्वाधिक दर्रे राजसमन्द जिले में हैं यथा – कामली घाट, गोरम घाट, जीरावल की नाल (पगल्या की नाल)।

• सिरोही में पीपली और बोरांग दर्रा स्थित है।

• उदयपुर में हाथी दर्रा, फुलवारी की नाल, केवड़ा की नाल, देबारी की नाल आदि स्थित है।

• सोमेश्वर और देसूरी की नाल पाली में स्थित हैं। उल्लेखनीय है कि देसूरी की नाल को झीलवाड़ा की नाल/पगल्या की नाल कहते हैं। झीलवाड़ा राजसमंद में है अतः परीक्षा में देसूरी की नाल पूछे जाने पर पाली सही उत्तर होगा। झीलवाड़ा की नाल पूछे जाने पर राजसमंद सही उत्तर होगा।

❒ **अरावली पर्वत शृंखला के मुख्य दर्रे हैं**-[पटवार- 2011]

(1) रोहतांग दर्रा (2) जेलप ला और नाथू ला दर्रे
(3) देसूरी व हाथी दर्रे (4) शिपकी ला दर्रा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'हाथी गुडा की नाल' दर्रा जोड़ता है?**

[JEN (Agri.) 10.09.2022]

(1) पाली और राजसमन्द (2) ब्यावर और पाली
(3) उदयपुर और राजसमन्द (4) सिरोही और उदयपुर

Ans. (3)*

व्याख्या – RPSC ने उत्तर कुंजी में 3 सही उत्तर माना है जबकि विकल्प 1 सही उत्तर है। हाथीगुड़ा की नाल कुम्भलगढ़ किले के पास राजसमंद में स्थित है। यह दर्रा पाली को राजसमन्द से जोड़ता है। ज्ञातव्य है कि उदयपुर का हाथी दर्रा पिंडवाड़ा (सिरोही) से उदयपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित है।

❒ **कौनसा राजस्थान के पठारों का पश्चिम से पूर्व सही क्रम है-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]

(1) हाड़ौती पठार, ऊपरमाल पठार, लसाड़िया पठार एवं भोराट पठार
(2) हाड़ौती पठार, लसाड़िया पठार, ऊपरमाल पठार एवं भोराट पठार
(3) भोराट पठार, ऊपरमाल पठार, लसाड़िया पठार एवं हाड़ौती पठार
(4) भोराट पठार, लसाड़िया पठार, ऊपरमाल पठार एवं हाड़ौती पठार

Ans. (4)

❑ उदयनाथ पर्वत राजस्थान के किस जिले में स्थित हैं? [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]
(1) जयपुर (2) अजमेर (3) अलवर (4) सीकर
Ans. (3)

व्याख्या *-अलवर जिले के थानागाजी तहसील के टोडी गाँव के पूर्वी ढाल के पास उदयनाथ की पहाड़ियाँ स्थित है। इन पहाड़ियों रूपारेल या बारा नदी का उद्गम होता है।*

❑ राजस्थान का एकमात्र स्थलीय उल्कापिंड प्रहार क्रेटर (एम.आई.सी.) स्थित है-[CET : 7.1.2023 (S-II)]
(1) रामगढ़, बारां (2) रामगढ़, अलवर
(3) रामगढ़, झुंझुनूं (4) रामगढ़, सीकर
Ans. (1)

व्याख्या *- 2021 में विश्व के क्रेटर को मान्यता देने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था अर्थ इंपैक्ट डाटाबेस सोसाइटी ऑफ कनाडा ने बारां के रामगढ क्रेटर को विश्व भू-विरासत के 200वें क्रेटर के रूप में मान्यता दी है। यह देश का तीसरा और राजस्थान का पहला क्रेटर है।*

❑ **सुमेलित कीजिये:**[PTI (Grade-II)-30.04.2023]

भौतिक आकृति	स्थान
A. जयगढ़	1. जयसमन्द झील के पूर्वी भाग
B. त्रिकूट पहाड़ी	2. सीकर
C. लसाड़िया का पठार	3. जयपुर
D. रघुनाथगढ़	4. जैसलमेर

कूट:	A	B	C	D
(1)	1	3	2	4
(2)	4	2	1	3
(3)	3	4	1	2
(4)	2	4	3	1

Ans. (3)

❑ **सुमेलित कीजिए-** [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

(A) डोरा पर्वत	(1) सीकर
(B) कमली घाट	(2) उदयपुर
(C) हर्ष की पहाड़ियाँ	(3) राजसमंद
(D) हाथी नाल	(4) जालौर

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	4	3	2	1
(2)	3	4	1	2
(3)	4	3	1	2
(4)	2	3	1	4

Ans. (3)

❑ **सुमेलित कीजिये:**[ARO (Horticultue) 29.8.2022]

A. बबाई	**1. अजमेर**
B. तारागढ़	**2. उदयपुर**
C. अचलगढ़	**3. जयपुर**
D. जरगा	**4. सिरोही**

कूट:	A	B	C	D
(1)	3	1	2	4
(2)	3	1	4	2
(3)	4	1	3	2
(4)	1	3	4	2

Ans. (*)

व्याख्या *- बबाई चोटी झुन्झुनूँ जिले में एवं बाबाई चोटी जयपुर जिले में स्थित है।*

❑ **सुमेलित कीजिए-** [II Grade GK Exam -31.10.2018]

क्षेत्र	स्थानीय नाम
(A) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा एवं प्रतापगढ़ क्षेत्र	(1) भोमट
(B) डूँगरपुर, पूर्वी सिरोही एवं उदयपुर जिलों का अरावली पर्वतीय क्षेत्र	(2) हाड़ौती
(C) आबू पर्वत खण्ड	(3) वागड़
(D) कोटा, बूँदी एवं बारां क्षेत्र	(4) अर्बुद

कूट :	A	B	C	D
(1)	4	3	2	1
(2)	3	1	4	2
(3)	3	2	1	4
(4)	4	1	2	3

Ans. (2)

❑ **भौतिक विभाग व जिला सुमेलित कीजिए-**
[Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]

A. भाकर	**1. बाँसवाड़ा**
B. गिरवा	**2. नागौर**
C. वागड़	**3. सिरोही**
D. बांगड़	**4. उदयपुर**

	A	B	C	D
(1)	1	3	4	2
(2)	4	3	2	1
(3)	3	4	2	1
(4)	3	4	1	2

Ans. (4)

क्या आप जानते हैं?

- *क्रासका एवं कांकनबाड़ी पठार (अलवर) - सरिस्का अभयारण्य अवस्थित है।*
- *मानदेसरा (चित्तौड़गढ़)-भैंसरोड़गढ़ अभयारण्य अवस्थित*

5. जलवायु

❑ **कौनसा राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाला आधारभूत तत्त्व है?**[पशुधन सहायक- 21.10.2018]

(1) समुद्र से दूरी (2) समुद्र तल से ऊँचाई

(3) तापमान (4) वनस्पति

Ans. (3)

व्याख्या – *राजस्थान की जलवायु उपोष्ण जलवायु कहलाती है। राजस्थान का 99% भाग उपोष्ण कटिबंध तथा 1% भाग उष्ण कटिबंध (कर्क रेखा के कारण डूँगरपुर, बाँसवाड़ा) में आता है।* ***राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक – • तापमान*** – *तापमान में अतिशयता (49°C) व विविधता पायी जाती है।*

• ***राजस्थान की अक्षांशीय स्थिति :*** *यहाँ की जलवायु उष्ण-आर्द्र है।*

• ***महासागरीय भागों से दूरी :*** *राजस्थान कच्छ की खाड़ी से लगभग 225 किमी. तथा अरब सागर से लगभग 400 किमी. दूर स्थित है। अतः यह प्रदेश सागरीय सम प्रभाव से वंचित रह जाता है।*

• ***समुद्रतल से ऊँचाई :*** *राजस्थान का अधिकांश धरातलीय भाग समुद्रतल से 300 मी. से भी कम ऊँचा है। अतः इतनी कम ऊँचाई होने के कारण राजस्थान में तापमान की एक समान विशेषताएँ पायी जाती है।*

• ***अरावली पर्वतमाला :*** *अरावली पर्वतमाला के कारण दक्षिण-पूर्व में अधिक आर्द्रता व उत्तर-पश्चिम में अधिक शुष्कता विद्यमान है।*

• ***मरुस्थल :*** *राजस्थान के पश्चिम में थार मरुस्थल स्थित है, जो गर्मियों में अत्यधिक गर्म व सर्दियों में अत्यधिक ठण्डा हो जाता है।*

❑ **शीत ऋतु में पश्चिमी राजस्थान में अधिक ठंड पड़ने का प्रमुख कारण क्या है?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]

(1) रेतीला धरातल होना (2) वन क्षेत्र का अधिक होना

(3) बर्फबारी होना (4) अधिक वर्षा होना

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कौनसे कारक राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करते हैं?** [I Grade Teacher (GK) -11.10.2022]

1. अक्षांशीय अवस्थिति 2. देशान्तरीय अवस्थिति

3. अरब सागर से दूरी 4. उच्चावच विशेषताएँ

(1) 1, 4 (2) 1, 2, 3 (3) 1, 3, 4 (4) 2, 3, 4

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान का अधिकांश उच्चावचीय भाग औसत समुद्र तल से ....से....मीटर ऊपर की श्रेणी में आता है?** [III Grade (English) -27.02.2023]

(1) 250-300 (2) 200-250

(3) 450-500 (4) 150-200

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान की जलवायु के बारे में निम्न कथनों में से सही कथन का चयन करें**-[वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]

1. पूर्व से पश्चिम की ओर एवं दक्षिण से उत्तर की ओर वर्षा की मात्रा घटती जाती है। 2. रेत की अधिकता के कारण दैनिक व वार्षिक तापान्तर अधिक पाया जाता है। 3. ग्रीष्म ऋतु में उच्च दैनिक तापमान 49°C तक पहुँच जाता है।

(1) 1, 2 सत्य (2) 1, 3 सत्य

(3) 2, 3 सत्य (4) सभी सत्य

Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **भारत में उपलब्ध निम्न परिस्थितियों में से राजस्थान में सर्वाधिक रूप से उपलब्ध है**- [RAS Exam-1996]

(1) वायु तापमान में अतिशयता

(2) निम्न सापेक्षिक आर्द्रता

(3) वर्षा में बहुत अधिक विषमता

(4) सूर्य धूप की दीर्घावधि

Ans. (3)

व्याख्या – वर्षा की अनिश्चितता, अनियमितता व असमानता– *यह राजस्थान में जलवायु की प्रमुख विशिष्टता है। यहाँ वर्षा होना निश्चित नहीं है। वर्षा राज्य में सर्वत्र समान नहीं होती। कहीं पर 100 से.मी. से अधिक वर्षा होती है, तो जैसलमेर जिले में 5 से.मी. से भी कम वर्षा होती है।*

❑ **राजस्थान की जलवायु दशाओं के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है**-

[Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]

(1) राजस्थान की जलवायु दशाएँ तापमान और वर्षा की चरम सीमाओं से युक्त हैं।

(2) राज्य की जलवायु उष्ण-शुष्क प्रकार की है।

(3) राज्य में वर्षा की मात्रा दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ती जाती है।

(4) राज्य की जलवायु उष्ण-आर्द्र प्रकार की है।

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कौनसा कारक राजस्थान की जलवायु को निर्धारित करने के लिए उत्तरदायी नहीं है?**[CET -4.2.2023 (II)]
(1) तापमान (2) समुद्र से दूरी
(3) प्रचलित पवनें (4) वर्षा का समान वितरण
Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सर्दियों में, भू-मध्य सागर में चक्रवातों के कारण, राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी भाग में वर्षा होती है, जिसे.....कहा जाता है-**[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
[जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -III]
[अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]
(1) माघा (2) वृष (3) मावट (4) रब्शा
Ans. (3)

व्याख्या -सर्दियों (दिसम्बर-जनवरी) में भूमध्यसागरीय चक्रवातों (पश्चिमी विक्षोभों) के कारण उत्तरी व पश्चिमी राजस्थान में वर्षा होती है, जिसे महावट/मावट कहा जाता है। यह वर्षा गंगानगर, अनूपगढ़ में गेहूँ, जौ, चना, सरसों, किन्नू, माल्टा आदि फसलों के लिए बहुत उत्तम (रबी फसल हेतु गोल्डन ड्रॉप) रहती है। उत्तरी भारत के पहाड़ी भागों में बर्फ के गिरने एवं ठण्डी हवाओं के चलने से उत्तरी राजस्थान में रात्रि में कई बार 'पाला' [Frost] पड़ (पानी जम जाता है) जाता है।

❑ **राजस्थान में शीतकाल में होने वाली वर्षा (मावठ) किन कारणों से होती है?** [A. Jailor Exam, 2004]
[RPSC III Grade Teacher Exam-2004, 2009]
[कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021] [II Grade (Eng.) 2011]
[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]
[II Grade GK - 22.12.2022] [Asst. Jailer-15.03.2016]
(1) दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी हवाओं के कारण
(2) पश्चिमी विक्षोभ के कारण
(3) पछुआ हवाओं के कारण
(4) हिमालय से टकराकर वापस लौटती मानसूनी हवाओं के कारण
Ans. (2)***व्याख्या*** : *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ चक्रवातों को ... कहते हैं-** [उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]
(1) लू (2) गरज बौछार (3) मावठ (4) ओलावृष्टि
Ans. (3)***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **'मावठ' क्या है?** [Police Constable Exam- 2013]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
[छात्रावास अधीक्षक-2008][JEN (यांत्रिकी) डिग्री-13.12.2020]
(1) राजस्थान के पहाड़ी क्षेत्रों में पैदा होने वाली वनस्पति
(2) राजस्थान में शीत ऋतु में होने वाली वर्षा
(3) सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पशुओं के लिये उगाया जाने वाला चारा
(4) रेगिस्तानी क्षेत्र में चलने वाली गर्म लू
Ans. (2) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में शीतकाल में वर्षा करने वाले विक्षोभों की उत्पत्ति होती है:** [RPSC LDC, 11 Jan 2014]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
(1) भूमध्य सागर एवं कैस्पियन सागर (2) अरब सागर
(3) लाल सागर (4) बाल्टिक सागर
Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में शीतकालीन वर्षा होती है-**
[वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]
[JEN (Diploma) - 21.08.2016]
[JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) लौटते मानसून से (2) दक्षिण-पश्चिम मानसून से
(3) उत्तर-पूर्व मानसून से(4) भूमध्यसागरीय चक्रवातों से
Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में 'मावठ' द्वारा होने वाली वर्षा किस फसल के लिए वरदान मानी जाती है-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
(1) गेहूँ (2) मक्का (3) चावल (4) बाजरा
Ans. (1)***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान की निम्न में से कौनसी फसल मावठ से लाभान्वित नहीं होती है?** [स्कूल व्याख्याता-06.01.2020]
(1) गेहूँ (2) चना (3) सरसों (4) कपास
Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नलिखित में से मावठ द्वारा लाभार्थी फसल कौनसी नहीं है?** [VDO Mains -9.7.2022]
[PTI (Grade-III)-25.9.2022]
(1) चना (2) गेहूँ (3) मूँगफली, मक्का (4) सरसों
Ans. (3)***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान की सर्दियों की वर्षा मुख्यतः होती है-**
[II Grade (Urdu) - 2011]
[E.O. Exam, 2007]
(1)उत्तरी-पूर्वी हवाओं से(2)दक्षिणी-पश्चिमीहवाओं से
(3) संवहनी धाराओं से (4) उत्तरी-पश्चिमी हवाओं से
Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभों से वर्षा किन महीनों में होती है?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) जुलाई और अगस्त (2) अप्रैल और मई
(3) सितम्बर और अक्टूबर (4) दिसम्बर और जनवरी

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वर्षा ऋतु में मानसून हवाओं की दिशा होती है-**
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]
[RAS Pre. Exam-2009]

(1) उत्तर से दक्षिण (2) उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम
(3) दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व (4) दक्षिण से उत्तर

Ans. (3)

व्याख्या - वर्षा ऋतु (मध्य जून से सितम्बर तक) *- राजस्थान में मानसून वर्षा दक्षिण-पश्चिमी मानसून से होती है। दक्षिण - पश्चिमी मानसून की दो शाखाएँ राजस्थान में प्रवेश करती हैं- (1) अरब सागरीय शाखा, (2) बंगाल की खाड़ी शाखा। इन दोनों शाखाओं में से सर्वप्रथम अरब सागरीय मानूसन से बाँसवाड़ा में वर्षा होती है। इसीलिए बाँसवाड़ा को **'मानसून का प्रवेशद्वार'** कहा जाता है। अरब सागरीय मानसून सर्वप्रथम बाँसवाड़ा में प्रवेश कर राजस्थान के दक्षिणी हिस्सों (डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर, सलूम्बर, सिरोही) में वर्षा करता है। अरबसागरीय मानसून से राजस्थान में लगभग 10% वर्षा होती है। दक्षिण-पश्चिमी मानूसन की बंगाल की खाड़ी शाखा से आने वाली मानसूनी हवाओं को **'पुरवैया'/'परवाई'** (राजस्थान में पूर्व से पश्चिम) कहते है। दक्षिण-पश्चिम से चलने वाली ये जल भरी हवाएँ, जो हिंद महासागर से आती हैं, इनके प्रवाह की दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर होती है, अतः उनको **'दक्षिणी-पश्चिमी मानसून'** नाम से पुकारते हैं। इससे राजस्थान में 90% वर्षा होती है। बंगाल की खाड़ी शाखा का सर्वप्रथम प्रवेश झालावाड़ (हाड़ौती पठार) से होता है।*

❒ **पुरवाई से तात्पर्य है-** [Assistant Agri. Officer -28.05.2022]

(1) हवा पूर्व से पश्चिम की ओर चल रही है।
(2) हवा पश्चिम से पूर्व की ओर चल रही है।
(3) हवा दक्षिण से पूर्व की ओर चल रही है।
(4) हवा उत्तर से पूर्व की ओर चल रही हैं।

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सामान्यतः राजस्थान में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की अवधि होती है-** [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
[III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) जून से अक्टूबर (2) जून से सितम्बर
(3) जुलाई से अक्टूबर (4) मई से अगस्त

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में होने वाली वर्षा के लिए उत्तरदायी ग्रीष्मकालीन मानसूनी पवनें किस महासागर से आती हैं?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]

(1) प्रशांत महासागर (2) हिन्द महासागर
(3) अटलांटिक महासागर (4) आर्कटिक महासागर

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा क्षेत्र मानसून की अरब सागर शाखा से अधिकतम वर्षा प्राप्त करता है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (2) पूर्वी क्षेत्र
(3) मध्य अरावली (4) दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में कम वर्षा का कारण अरावली पर्वतमाला की निम्न में से कौनसी स्थिति के कारण है?**
[Police Constable Exam-2007(II)]

(1) इसका मानसून के समानान्तर होना
(2) मानसून दिशा के विपरीत होना
(3) श्रृंखला में कटाव होना
(4) श्रृंखला का वनस्पति विहीन होना

Ans. (1)

व्याख्या *- राजस्थान के मध्यवर्ती भाग में अरावली पहाड़ियों की लम्बी श्रृंखला है जो दक्षिण-पश्चिम में सिरोही जिले से लेकर खेतड़ी तक फैली हुई है। अरावली पर्वत श्रृंखला राजस्थान की महान् जल व जलवायु विभाजक है। अरावली की कम ऊँची व वायु की दिशा के समानान्तर स्थिति होने से मानसूनी वर्षा का राजस्थान को आंशिक लाभ ही मिल पाता है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसे जिलों का समूह सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है-**
[योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]

(1) झालावाड़ तथा बाँसवाड़ा (2) उदयपुर तथा भीलवाड़ा
(3) बूँदी और कोटा (4) भरतपुर तथा करौली

Ans. (1)

व्याख्या : *अरब सागरीय मानसून से सर्वाधिक औसत वर्षा बाँसवाड़ा तथा बंगाल की खाड़ी मानसून से सर्वाधिक औसत वर्षा झालावाड़ में होती है।*

❒ **किस दिशा (Direction) में राजस्थान में वर्षा की मात्रा में वृद्धि होती है?** [E.O. Exam, 2007]

(1) दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व

(2) दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम

(3) उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व (4) दक्षिण से उत्तर

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान में मानसूनी वर्षा दक्षिणी-पूर्वी भाग से उत्तरी -पश्चिमी भाग की ओर वर्षा लगातार कम होती जाती है अर्थात् वर्षा की मात्रा वृद्धि की दिशा उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर है।

❒ **राजस्थान का वह जिला, जिसमें औसत वर्षा सबसे अधिक होती है, है ?** [III Grade Teacher-2004]

[CET : 08.01.2023 (S-II)] [जेल प्रहरी-27-10-2018, Shift -I]

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]

[II Grade (SST.) -13.02.2023]

(1) भरतपुर (2) बाँसवाड़ा (3) झालावाड़ (4) सिरोही

Ans. (3)

व्याख्या -सर्वाधिक वर्षा (लगभग 100 सेमी.) व सर्वाधिक आर्द्रता वाला जिला झालावाड़ है।

❒ **राज्य का आर्द्र जिला कहलाता है-**

[II Grade Teacher (S.St.) Exam 2011]

[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) उदयपुर (2) झालावाड़ (3) बाँसवाड़ा (4) चित्तौड़गढ़

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में सर्वाधिक वार्षिक वर्षा किस स्थान पर होती है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]

[ARO - 28.8.2022][राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) माउंट आबू (2) भोराट पठार (3) फलौदी (4) फतेहपुर

Ans. (1)

व्याख्या : सिरोही जिले में स्थित माउंट आबू अधिक वर्षा (औसत 150 सेमी.) होने के कारण सर्वाधिक आर्द्रता वाला एवं राजस्थान का न्यूनतम तापान्तर वाला स्थान है। वर्षा ऋतु में वर्षा होने वाले दिनों की सर्वाधिक संख्या माउण्ट आबू (48 दिन) में है।

❒ **निम्नलिखित में से किस क्षेत्र की जलवायु बहुत आर्द्र है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]

(1) बाड़मेर (2) जैसलमेर (3) सिरोही (4) बीकानेर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गर्मियों में माउन्ट आबू का तापमान, राजस्थान के अन्य स्थानों की तुलना में कम रहता है, क्योंकि-**

[Jr. Accountant Exam - 04.10.16]

(1) राजस्थान में माउन्ट आबू की समुद्र तट से दूरी सर्वाधिक है।

(2) माउन्ट आबू में मानसूनी हवाओं का प्रभाव अधिक रहता है।

(3) माउन्ट आबू उच्चतर ऊँचाई पर अवस्थित है।

(4) माउन्ट आबू पर वायुमण्डलीय दबाव कम है।

Ans. (3)

❒ **1000 मिलिबार की समदाब रेखा जुलाई माह में गुजरती है:** [द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

(1) सिरोही, उदयपुर, प्रतापगढ़ और झालावाड़ से

(2) सिरोही, चित्तौड़गढ़, कोटा और बाराँ से

(3) जालोर, पाली, अजमेर एवं करौली से

(4) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा एवं बाराँ से

Ans. (1)

व्याख्या -राजस्थान में जुलाई से सितम्बर माह तक सबसे अधिक आपेक्षित आर्द्रता होती है। राजस्थान के जुलाई माह में 1000 मिलिबार की समदाब रेखा सिरोही, उदयपुर, सलूम्बर, प्रतापगढ़ और झालावाड़ से तथा 999 मिलिबार रेखा जालौर, सांचौर, ब्यावर, केकड़ी, पाली, अजमेर व टोंक जिलों में से गुजरती है।

❒ **जुलाई माह की 999 मिलीबार की समदाब रेखा किन जिलों से गुजरती है?** [Asstt. Fire Officer -29.1.2022]

(1) बाड़मेर-नागौर-चूरू (2) जैसलमेर-बीकानेर-गंगानगर

(3) जालौर-पाली-अजमेर (4) सिरोही-उदयपुर-झालावाड़

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में न्यूनतम औसत वार्षिक वर्षा के जिले को मानचित्र में किस संख्या से अंकित किया गया है?** [RPSC III Grade Teacher Exam-2009]

(1) 4 (2) 3 (3) 1 (4) 2

Ans. (1)

व्याख्या - मानचित्र में प्रदर्शित अंक (4) न्यूनतम औसत वर्षा वाले जिले जैसलमेर को दर्शा रहा है।

❒ **राजस्थान में निम्नलिखित में से किस जिले में वार्षिक वर्षा में अधिकतम विषमता पायी जाती हैं?**
[प्रयोगशाला सहायक-03.02.2019] [R.A.S. Pre, 1994] [III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) बाड़मेर (2) जयपुर (3) जैसलमेर (4) बांसवाड़ा
Ans. (3)

व्याख्या - जलवायु में सर्वाधिक विषमता वाला जिला जैसलमेर (कम वर्षा) है।

❒ **राजस्थान के .....जिले में सबसे अधिक दैनिक तापान्तर पाया जाता है-** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
(1) श्रीगंगानगर (2) चूरु (3) जैसलमेर (4) जोधपुर
Ans. (3)

व्याख्या : राजस्थान का सर्वाधिक दैनिक तापांतर पश्चिमी क्षेत्र (जैसलमेर) में रहता है।

❒ **पश्चिम की तुलना में पूर्वी राजस्थान में जलवायु चरम सीमाएँ....है।** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) निम्नतर (2) उच्चतर (3) समान (4) अप्रत्याशित
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में न्यूनतम दैनिक तापान्तर कौन से महिनों में पाया जाता है?** [स्कूल व्याख्याता परीक्षा-03.01.2020]
(1) जनवरी एवं फरवरी (2) मई एवं जून
(3) जुलाई एवं अगस्त (4) अक्टूबर एवं नवम्बर
Ans. (3)

व्याख्या-राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु में दैनिक तापांतर अधिक एवं वर्षा ऋतु में दैनिक तापांतर न्यूनतम होता है।

❒ **राजस्थान में सम्भाव्य वाष्पीकरण - वाष्पोत्सर्जन की वार्षिक दर सर्वाधिक किस जिले में है?**
[II Grade GK -31.10.2018]
(1) गंगानगर (2) कोटा (3) डूंगरपुर (4) जैसलमेर
Ans. (4)

व्याख्या : राजस्थान में सम्भाव्य वाष्पीकरण - वाष्पोत्सर्जन की वार्षिक दर सर्वाधिक जैसलमेर में तथा सबसे कम बाँसवाड़ा जिले में है।

❒ **राजस्थान में जनवरी में न्यूनतम तापमान निम्नलिखित में से किस जिले में अंकित किया जाता है?**
[PTI (Grade-II)-30.04.2023]
(1) जैसलमेर (2) पाली (3) गंगानगर (4) भीलवाड़ा
Ans. (3)

❒ **निम्न में से 20वीं शताब्दी में सर्वाधिक तापमान ... ..में अंकित किया गया।** [III Grade (English) -27.02.2023]
(1) चूरू (2) धौलपुर (3) अलवर (4) फलौदी
Ans. (3)

व्याख्या - 20वीं सदी में राजस्थान में सर्वाधिक तापमान रिकॉर्ड किए गए स्थान क्रमशः गंगानगर (50.6°C, 14 जून, 1934 को), अलवर (50.6°C, 10 मई, 1956 को) एवं धौलपुर (50°C, 3 जून, 1995 को) है।

❒ **राजस्थान में सबसे अधिक गर्मी किस महीने में होती है?** [पटवार परीक्षा - 2011]
(1) अप्रैल (2) जून (3) मई (4) जुलाई
Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु मार्च के आरम्भ से जून तक रहती है। कर्क रेखा जो राज्य के दक्षिण से होकर गुजरती है, पर 21 मार्च को प्रकाश की अवधि की वृद्धि और प्रकाश की किरणों का कोण सीधा बनने लगता है जिसके फलस्वरूप राज्य में मार्च से जून तक तापमान उत्तरोत्तर बढ़ता जाता है। जून के महीने में तो उच्चतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से 48 डिग्री सेल्सियस तक हो जाता है। इस ऋतु में वायुदाब के परिणामस्वरूप तेज हवाएँ या आँधियाँ चलती है।

❒ **राजस्थान में जून माह में न्यूनतम वायुदाब जिस जिले में सम्भावित है, वह है:** [R.A.S. Pre Ex., 2010] [JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
(1) बूँदी (2) बारां (3) जैसलमेर (4) राजसमन्द
Ans. (3)

व्याख्या : सूर्य 21 जून को कर्क रेखा उत्तरी अक्षांश पर लम्बवत् चमकने लगता है। इस दिन सबसे लम्बा दिन और सबसे छोटी रात होती है। कर्क रेखा पर स्थित क्षेत्रों में 21 जून को दोपहर में परछाई नहीं बनती है इसलिए इसे '<u>नो शैडो जोन</u>' कहते हैं। अतः तापमान की अधिकता के कारण जैसलमेर में वायुदाब न्यूनतम हो जाता है। 21 जून के बाद सूर्य दक्षिणायन होना प्रारम्भ हो जाता है।

❒ **राजस्थान में शुष्कतम जिला कौनसा है-**
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर (3) बाड़मेर (4) बीकानेर
Ans. (2)

व्याख्या-राजस्थान का सबसे शुष्क जिला जैसलमेर है तथा सबसे शुष्क स्थान फलौदी जिला है।

❒ **राजस्थान में वार्षिक वर्षा का औसत है ?**

[स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022] [वनरक्षक परीक्षा - 2011]

(1) 48 से 52 सेमी. (2) 63 से 67 सेमी.
(3) 57 से 58 सेमी. (4) 58 से 62 सेमी.

Ans. (3)

व्याख्या- राजस्थान में वार्षिक वर्षा का औसत 57.7 सेमी. / 58 सेमी. है।

❒ **राजस्थान में औसत वर्षा होती है-**[A.A.O : 29.01.2013]

(1) 89.5 सेमी. (2) 57.51 सेमी.
(3) 117.6 सेमी. (4) 45.3 सेमी.

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान को दो भागों में बांटने वाली समवर्षा रेखा है?** [अन्वेषक - 27.12.2020][Police Constable- 1998]
[III Grade (Sanskrit) -27.2.2023]
[जेल प्रहरी- 21-10-2018, S-I]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]
[हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग)-22.12.2019]

(1) 25 सेमी. की (2) 50 सेमी. की
(3) 100 सेमी. की (4) 150 सेमी. की

Ans. (2)

व्याख्या-प्रादेशिक दृष्टि से अरावली के पश्चिम भाग में स्थित जिलों में वार्षिक वर्षा का औसत 50 सेमी. से कम है, जबकि पूर्वी जिलों में 50 सेमी.से 100 सेमी. के मध्य है।

❒ **राजस्थान में समवर्षा रेखाओं का मान किस दिशा की ओर कम होता जाता है-**

[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]

(1) दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पश्चिम की ओर
(2) दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर
(3) दक्षिण से उत्तर की ओर
(4) पूर्व से पश्चिम की ओर

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पश्चिमी रेतीले मैदान की पूर्वी सीमा निर्धारित होती है-** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]
[वनरक्षक-11.12.2022(S-I)][द्वितीय श्रेणी अध्यापक-01.05.2017]

(1) 30 सेमी. वर्षा रेखा से (2) 50 सेमी. वर्षा रेखा से
(3) 60 सेमी. वर्षा रेखा से (4) 20 सेमी. वर्षा रेखा से

Ans. (2)

व्याख्या -पश्चिमी राजस्थान में 'पश्चिमी रेतीला मैदान' की पूर्वी सीमा 50 सेमी. समवर्षा रेखा बनाती है। राजस्थान के रेतीले शुष्क मैदान तथा अर्द्ध-शुष्क संक्रमणकालीन मैदानों को 25 सेमी. समवर्षा रेखा अलग करती हैं।

❒ **राजस्थान के रेतीले शुष्क मैदान तथा अर्द्ध-शुष्क संक्रमणकालीन मैदानों को कौनसी समवर्षा रेखा अलग करती हैं?** [VDO Mains -09.07.2022]
[सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]

(1) 10 सेमी. (2) 50 सेमी. (3) 75 सेमी. (4) 25 सेमी.

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कौनसे जिले 50 सेमी. सम वर्षा रेखा के पश्चिम में अवस्थित हैं।**[Assist.Professor-22.9.2021]

1. दौसा 2. चूरू 3. हनुमानगढ़ 4. भीलवाड़ा

(1) 1, 2 और 3 (2) 1, 3 और 4
(3) 2 और 4 (4) 2 और 3

Ans. (4)

❒ **राजस्थान में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना वर्ष ..... में की गई-**

[सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]

(1) 2013 (2) 2016 (3) 2018 (4) 2019

Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना 04 सितम्बर, 2019 को की गई।

❒ **ग्रीष्म ऋतु (जून-जुलाई) में सर्वाधिक आँधियाँ निम्न में से किस जिले में चलती है?** [पटवार- 2011]
[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.9.2020][VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) बीकानेर (2) बाड़मेर (3) जैसलमेर (4) गंगानगर

Ans. (4)

व्याख्या - राज्य के विभिन्न स्थानों पर एक वर्ष में आँधियों की संख्याओं का औसत श्रीगंगानगर (27 दिन) में सर्वाधिक है।

❒ **'लू' शब्द से क्या तात्पर्य है?** [वनरक्षक परीक्षा - 2011]
[CET - 11.2.2023 (S-II)][JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(1) थार मरुस्थल में चलने वाली हवाएँ
(2) धूलभरी एवं शुष्क हवाएँ/स्थानीय गर्म हवा
(3) जल राशियों से युक्त हवाएँ
(4) समगति से बहने वाली हवाएँ

Ans. (2)

व्याख्या - *ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली **गर्म व शुष्क हवाओं** को **'लू'** के नाम से जाना जाता है। मई-जून महीनों में सूर्य की प्रखर किरणों से तप्त राज्य के भू-भाग के वायुमण्डल में कहीं-कहीं संवाहनिक धाराओं की उत्पत्ति हो जाती है। परिणामतः वायु भंवर उत्पन्न हो जाते हैं। लघु क्षेत्र पर इन्हें **'भमूल्या'** कहते हैं।*

❒ **गर्मियों के समय भारत के महान मरूस्थल से चलने वाली गर्म हवा क्या कहलाती है-**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]

(1) लू (2) खेजड़ी (3) सुखोवेय (4) कारबुरान

Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में मई-जून महीनों में उत्पन्न होने वाली धूलभरी आँधियों के लिए उत्तरदायी है-**
1. कुछ स्थानों पर संवहनीय धाराओं की उत्पत्ति।
2. अरावली पहाड़ियाँ दक्षिण-पश्चिम हवाओं के समांतर है। 3. अति तीव्रगामी पूर्वी हवाओं की उत्पत्ति

[RAS-05.08.2018]

(1) 1 एवं 3(2) 1, 2 एवं 3(3) 1 एव 2(4) केवल 1

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में धूलभरी आँधियाँ (Dust Storms) चलने के लिए आवश्यक दशा कौनसी है?**

[स्कूल व्याख्याता परीक्षा-09.01.2020]

(1) उच्च वार्षिक तापान्तर
(2) शीत ऋतु में उच्च वायुदाब
(3) संवहनीय क्रियाएँ
(4) तिब्बत के पठार पर निम्न वायुदाब दशाएँ

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्यतः 1 जुलाई से पूर्व आ जाता है?**

[II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) गंगानगर (2) बीकानेर (3) पाली (4) हनुमानगढ़

Ans. (3)

❒ **निम्नलिखित में से राजस्थान के जिलों का कौनसा समूह दक्षिण-पश्चिम मानसून से औसत वर्षा की मात्रा के अनुसार आरोही क्रम में सही ढंग से व्यवस्थित है-** [II Grade - 30.07.2023 (S-I)]

(1) जयपुर, हनुमानगढ़, बून्दी, बाँसवाड़ा
(2) हनुमानगढ़, जयपुर, बून्दी, बाँसवाड़ा
(3) बून्दी, हनुमानगढ़, जयपुर, बाँसवाड़ा
(4) बाँसवाड़ा, बून्दी, जयपुर, हनुमानगढ़

Ans. (2)

व्याख्या- *जिलेवार औसत वार्षिक वर्षा : एक दृष्टि में*

जिला	औसत वर्षा	जिला	औसत वर्षा
1. बाँसवाड़ा	95.03	2. बारां	87.38
3. सवाई माधोपुर	87.34	4. प्रतापगढ़	84.49
5. झालावाड़	84.43	6. चित्तौड़गढ़	84.15
7. बूँदी	77.34	8. धौलपुर	74.45
9. कोटा	73.24	10. डूँगरपुर	72.89
11. भीलवाड़ा	68.32	12. करौली	67.07
13. टोंक	66.83	14. भरतपुर	66.39
15. अलवर	65.73	16. उदयपुर	64.50
17. अजमेर	60.18	18. सिरोही	59.12
19. राजसमंद	56.78	20. जयपुर	56.38.
21. दौसा	56.10	22. सीकर	44.03
23. पाली	42.44	24. झुन्झुनूँ	40.51
25. जालौर	37.00	26. चुरू	35.47
27. जोधपुर	31.37	28. नागौर	31.17
29. हनुमानगढ़	27.35	30. बाड़मेर	26.57
31. बीकानेर	24.30	32. गंगानगर	22.64
33. जैसलमेर	18.55		

Source : Agriculture Statistics 2020-21

❒ **औसत वार्षिक वर्षा के संदर्भ में निम्न में से कौनसा अवरोही क्रम में सुव्यवस्थित है?**

[Protection Officer - 28.01.2023]

(1) भरतपुर, गंगानगर, जयपुर, जोधपुर
(2) उदयपुर, बीकानेर, पाली, जैसलमेर
(3) भरतपुर, जोधपुर, जयपुर, गंगानगर
(4) उदयपुर, पाली, बीकानेर, जैसलमेर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा जिला न्यूनतम औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है ?**[Food Safety Officer - 27.06.2023]

(1) उदयपुर (2) दौसा (3) नागौर (4) चित्तौड़गढ़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मानसून शब्द किस भाषा के शब्द से बना है?**

[RPSC II Grade Teacher Exam-2010]

(1) फारसी (2) जर्मन (3) अरबी (4) अंग्रेजी

Ans. (3)

व्याख्या - *मानसून शब्द अरबी भाषा के **'मौसिम'** शब्द से बना है जिसका अर्थ होता है मौसम।*

❒ राजस्थान के कौनसे जिलों में अधिकतम वर्षा दिनों की संख्या पायी जाती है?[कॉलेज व्याख्याता-30.5.2019]

(1) टोंक, सवाई-माधोपुर एवं करौली
(2) झालावाड़, कोटा एवं बारां
(3) सिरोही, उदयपुर एवं राजसमन्द
(4) जयपुर, दौसा एवं भरतपुर

Ans. (2)

व्याख्या - *जिला स्तर पर वर्षा होने वाले दिनों की सर्वाधिक संख्या झालावाड़ में 40 दिन, बाँसवाड़ा में 38 दिन तथा सबसे कम जैसलमेर में 5 दिन है। वर्षा के दिनों की संख्या भी दक्षिण व दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर कम होती जाती है।*

❒ मानसून पवनें ग्रीष्म ऋतु में बहती हैं? [RPSC II Grade Teacher Exam-2010]

(1) पूर्व से पश्चिम (2) दक्षिण से पश्चिम
(3) समुद्र से स्थल (4) स्थल से समुद्र

Ans. (3)

व्याख्या - **मानसूनी पवनें :** *मानसूनी पवनें मौसम के अनुसार चलती हैं। ये 6 महीने समुद्र से स्थल की ओर तथा 6 महीने स्थल से समुद्र की ओर चलती हैं। इनका क्षेत्र व्यापारिक पवनों का प्रदेश है। यहाँ महाद्वीपों और महासागरों की विशेष स्थिति में वायुदाब की ऐसी अवस्थाएँ उत्पन्न हो जाती हैं, जिससे व्यापारिक पवनों का रूप भंग हो जाता है और उनका स्थान मानसूनी पवनें ले लेती हैं। ग्रीष्म में ये पवनें समुद्र से स्थल की ओर चलती हैं जिन्हें 'ग्रीष्मकालीन मानसून' कहते हैं। शीत ऋतु में ये पवनें स्थल से समुद्र की ओर चलती हैं, जिन्हें 'शीतकालीन मानसून' कहते हैं।*

❒ निम्नांकित में से कौन राजस्थान में सामान्य वार्षिक वर्षा तथा वार्षिक वर्षा में परिवर्तिता के वितरण के मध्य सम्बन्ध की प्रकृति को सही रूप में अभिव्यक्त करता है? [पटवार परीक्षा - 2008]

(1) ये असम्बन्धित है।
(2) ये प्रतिलोम रूप में सह सम्बन्धित है।
(3) ये धनात्मक रूप में सह सम्बन्धित है।
(4) यह सुनिश्चित करने हेतु कोई सूचना नहीं है।

Ans. (2)

व्याख्या-*राजस्थान में सामान्य वर्षा एवं वार्षिक वर्षा में परिवर्तन प्रतिलोम रूप से सह सम्बन्धित है।*

❒ राजस्थान राज्य में न्यूनतम ग्रीष्म कालीन तापमान आलेखित किया जाने वाला भाग है-[PTI-23.02.2015]

(1) दक्षिणी भाग (2) दक्षिण पश्चिमी भाग
(3) दक्षिण पूर्वी भाग (4) उत्तर पूर्वी भाग

Ans. (2)

व्याख्या - *ग्रीष्म ऋतु में राजस्थान के दक्षिण पश्चिमी भाग में समुद्र के समकारी प्रभाव के कारण तापमान उत्तरी भाग की अपेक्षा नीचे रहता है।*

❒ किस साल में बाड़मेर के कवास स्थान पर भीषण बाढ़ आयी थी? [RAS Pre. Exam-2009]

(1) 2005 (2) 2006 (3) 2007 (4) 2008

Ans. (2)

व्याख्या - **कवास :** *वर्ष 2006 में सर्वाधिक बाढ़ग्रस्त जिले बाड़मेर के कवास क्षेत्र में बाढ के पानी की निकासी न होने के कारण सर्वाधिक प्रभावित है। इसका कारण भूमि में मौजूद जिप्सम की परत है। जिप्सम में पोरोसिटी अर्थात् छिद्र न होने के कारण पानी इसमें से नहीं गुजर सकता है।*

❒ राजस्थान में लौटते मानसून की ऋतु है-
[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]
[पुलिस उपनिरीक्षक-07.10.2018]

(1) जुलाई से अगस्त (2) जनवरी से फरवरी
(3) अक्टूबर से दिसम्बर (4) मार्च से जून

Ans. (3)

व्याख्या - *राजस्थान में मानसून का प्रत्यावर्तन काल अक्टूबर से मध्य नवम्बर तक रहता है।*

❒ पश्चिमी राजस्थान में अल्प वर्षा के लिए निम्न में से कौनसा एक कारण नहीं है? [JEN - 21.08.2016]

(1) अरावली की अवस्थिति
(2) वृष्टि छाया प्रदेश में अवस्थिति
(3) मानसून आगमन के समय में अति-उष्णता
(4) ग्रीष्मकाल के दौरान उच्च वायुदाब

Ans. (4)

व्याख्या - *पश्चिमी राजस्थान में मानसूनी वर्षा कम होने के कारण - वनस्पति रहित आवरण, नग्न चट्टानों एवं अत्यधिक गर्म व शुष्क हवाओं के कारण संघनन की बजाय वाष्पीकरण हो जाता है जिससे सापेक्षिक आर्द्रता 90 प्रतिशत से घटकर 50 प्रतिशत ही रह जाती है। सुदूर पश्चिम में सर्वाधिक वर्षा की परिवर्तनशीलता पाई जाती है।*

❐ **राजस्थान का न्यूनतम वर्षा वाला क्षेत्र है-**
[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]
(1) उत्तरी-पूर्वी (2) दक्षिणी-पूर्वी (3) पश्चिमी (4) दक्षिणी
Ans. (3) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **राजस्थान के किस भाग में सर्वाधिक वर्षा की परिवर्तिता पाई जाती है-** (IInd Grade Spc. Edu. 2017)
[Veterinary Officer - 02.08.2020]
(1) सुदूर पश्चिमी भाग (2) उत्तर-पूर्वी भाग
(3) दक्षिणी भाग (4) उत्तरी भाग
Ans. (1) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **राजस्थान की जलवायु के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सत्य है?** [ग्राम सेवक, 18.12.2016]
1. राजस्थान की जलवायु दशाएँ तापमान एवं वर्षा की अतिशयता प्रकट करती हैं। **2.** गत दस वर्षों में पश्चिमी मरुप्रदेश में वर्षा की मात्रा घटी है, जबकि मेवाड़ क्षेत्र में बढ़ी है। **3.** पश्चिमी राजस्थान में न्यून वर्षा का मूल कारण अति-उष्ण स्थलखण्ड पर दक्षिण-पूर्वी आर्द्रतावाही पवनों का आकस्मिक प्रवेश है। **4.** जलवायु की दृष्टि से राजस्थान का अधिकतर भाग उपोष्ण कटिबन्ध में स्थित है।
कूट: (1) 2, 3 (2) 1, 2, 3 (3) 1, 2, 4 (4) 1, 2
Ans. (*)

व्याख्या -राजस्थान की जलवायु दशाएँ तापमान एवं वर्षा की अतिशयता प्रकट करती हैं। जलवायु की दृष्टि से राजस्थान का अधिकतर भाग उपोष्ण कटिबन्ध में स्थित है। केवल डूँगरपुर एवं बाँसवाड़ा जिले का कुछ भाग ही उष्णकटिबन्ध में स्थित है।

❐ **राजस्थान के मरुस्थल में ग्रीष्मकाल में तापमान में आकस्मिक गिरावट होती है जिसका कारण है-**
[मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
(1) वायुमण्डल में उच्च शुष्कता, स्वच्छ आसमान, रेतीली मिट्टी एवं वनस्पति की कमी।
(2) उच्च वायुमण्डलीय दाब, नग्न चट्टानों की उपस्थिति एवं रेत के टीले का पाया जाना।
(3) झीलों की उपस्थिति, बिखरे अधिवास एवं तीव्र वायु की गति।
(4) निम्न सापेक्षिक आर्द्रता, दिन में अधिक तापमान एवं तेज वायु की गति।
Ans. (1)

व्याख्या -वातावरण की शुष्कता, स्वच्छ आकाश, मिट्टी की बलुई प्रकृति और वनस्पति की कमी के कारण मरुस्थलीय भागों में रात्रि में तापमान अचानक गिर जाता है। राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र में दैनिक तापान्तर सर्वाधिक पाया जाता है। ग्रीष्म ऋतु में उत्तरी-पश्चिम क्षेत्र में कम वायुदाब का क्षेत्र होता है।

❐ **ग्रीष्म ऋतु में कम वायुदाब का क्षेत्र होता है-**
[मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
(1) पूर्वी क्षेत्र में (2) उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में
(3) दक्षिण क्षेत्र में (4) उ. पश्चिम क्षेत्र में
Ans. (4) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **कौन-सा/से कथन सही है/हैं?** [RAS -19.11.2013]
(i) राजस्थान में वर्षा दक्षिण और दक्षिण-पूर्व से उत्तर और उत्तर-पश्चिम में घटती जाती है।
(ii) मानसून की अरब सागरीय शाखा राजस्थान में वर्षा का प्रमुख स्रोत है।
(iii) पश्चिमी राजस्थान केवल शीत काल में वर्षा प्राप्त करता है।
(iv) राजस्थान का 50 प्रतिशत भाग शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क जलवायु का है।
(1) (i) और (ii) (2) (i), (ii) और (iii)
(3) (i), (ii) और (iv) (4) (iii) और (iv)
Ans. (*)

व्याख्या -विकल्प 1 व 3 सही हैं। पश्चिमी राजस्थान में शीत एवं ग्रीष्म काल दोनों ऋतुओं में अल्प वर्षा होती है।

❐ **निम्नलिखित में से किस कारण से राजस्थान के दक्षिणी-भाग में वर्षा ऋतु में 100 सेमी. से अधिक वर्षा होती है-** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) बंगाल की खाड़ी की मानसून की शाखा में अधिक नमी होती है।
(2) अरावली पर कम ऊँचाई और कम वनस्पति।
(3) अरावली का विस्तार अरब सागर की मानसून की शाखा के समानान्तर है।
(4) अधिक ऊँचाई और सघन वानस्पतिक आवरण
Ans. (*) ***विकल्प 1 और 4 सही है।***

❐ **भारतीय मौसम विभाग की वैधशाला राजस्थान में कहाँ स्थित है-** [JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
(1) माउण्ट आबू (2) जयपुर (3) कोटा (4) जोधपुर
Ans. (2)

❒ सामान्यतया राजस्थान को कितने जलवायु क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है? [II Grade (SS) 2011]
[EO & RO - 14.05.2023 (S - II)][Asst. Town Planner- 16.06.2023]

(1) पाँच (2) चार (3) छः (4) तीन

Ans. (1)

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान के जलवायु प्रदेश (5)

जलवायु प्रदेश	तापक्रम सेन्टीग्रेट	वर्षा सेमी. वार्षिक	वनस्पति	मृदा	प्रतिनिधि नगर	विस्तार
शुष्क (Dry) मरुस्थलीय	ग्रीष्म 40^0 -45^0 शीत 0^0-10^0	10-20	मरुद्भिद	एन्टीसोल	जैसलमेर	उत्तरी बाड़मेर, जैसलमेर, फलौदी, अनूपगढ़, पश्चिमी बीकानेर।
अर्द्ध-शुष्क (Semi-dry)	ग्रीष्म 36^0-42^0 शीत 10^0-17^0	20-40	स्टैपी	एरिडीसोल (बलुई-रेतीली)	जोधपुर	उत्तरी गंगानगर, हनुमानगढ़, पूर्वी बीकानेर, बाड़मेर (उत्तरी भाग को छोड़कर), झुन्झुनूँ, सीकर, नीम का थाना, नागौर, सांचौर, जालोर, जोधपुर, जोधपुर (ग्रामीण), पाली, बालोतरा, चूरू, डीडवाना-कुचामन
उप-आर्द्र (Sub-humid)	ग्रीष्म 28^0-36^0 शीत 12^0-18^0	40-60	मिश्रित पतझड़	अल्फीसोल (जलोढ़)	जयपुर	अलवर, जयपुर, जयपुर (ग्रामीण), दूदू, डीग, दौसा, टोंक, अजमेर, केकड़ी, ब्यावर, भीलवाड़ा, शाहपुरा, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा एवं पाली का पूर्वी भाग।
आर्द्र (Humid)	ग्रीष्म 30^0-34^0 शीत 14^0-17^0	60-80	पतझड़	इनसेप्टीसोल (लाल-काली)	स.माधोपुर	धौलपुर, सवाईमाधोपुर, करौली, गंगापुरसिटी बूँदी, राजसमन्द, सिरोही, शाहपुरा, उदयपुर, सलूम्बर, डीग, भरतपुर व चित्तौड़गढ़
अति आर्द्र (High Humid)	ग्रीष्म 30^0-34^0 शीत 12^0-18^0	80 से अधिक	सवाना तुल्य	वर्टीसोल (मध्यम काली)	झालावाड़	डूँगरपुर, झालावाड़, बारां, बाँसवाड़ा, एवं उदयपुर, सलूम्बर, प्रतापगढ़, कोटा, माउन्ट आबू के आस-पास का भाग

❒ जलवायु प्रदेश-जिले को सुमेलित कीजिए-
[II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

(A) शुष्क (1) अलवर
(B) अर्द्ध-शुष्क (2) झालावाड़
(C) उप-आर्द्र (3) जैसलमेर
(D) अतिआर्द्र (4) चूरू

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	4	3	2	1	(2)	3	4	1	2
(3)	1	2	4	3	(4)	2	1	3	4

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के किस जिले में शुष्क प्रकार की जलवायु पायी जाती है? [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) सवाई माधोपुर (2) राजसमंद
(3) सिरोही (4) बीकानेर

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में कौनसी जलवायु नहीं पाई जाती है?
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) शुष्क (2) अर्द्ध शुष्क (3) आर्द्र (4) ध्रुवीय

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न को सुमेलित कीजिये:
[REET (Level – II, S-II) –23.07.2022]

जिला	जलवायु प्रदेश
A. जैसलमेर	1. अति-आर्द्र
B. जयपुर	2. आर्द्र
C. सवाई माधोपुर	3. उप-आर्द्र
D. झालावाड़	4. शुष्क

कूट:

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	3	2	1	4	(2)	4	3	1	2
(3)	4	2	3	1	(4)	4	3	2	1

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **उत्तर-पूर्वी राजस्थान की जलवायु है-**
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]
(1) अर्द्ध शुष्क (2) आर्द्र (3) उप-आर्द्र (4) अति आर्द्र
Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **एरिडीसोल्स राजस्थान के... जलवायु क्षेत्रों में मिलती है।** [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) आर्द्र (2) अर्द्ध -शुष्क (3) शुष्क (4) उप-आर्द्र
Ans. (2) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सुमेलित कीजिए** [ग्राम सेवक परीक्षा - 18.12.2016]

मिट्टी के प्रकार	जलवायु प्रदेश
(a) एरिडीसोल्स	(1) शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क
(b) इनसेप्टीसोल्स	(2) अर्द्ध-शुष्क एवं आर्द्र
(c) अल्फीसोल्स	(3) उप-आर्द्र एवं आर्द्र
(d) वर्टीसोल्स	(4) आर्द्र एवं अति-आर्द्र

कूट	a	b	c	d		a	b	c	d
(1)	1	3	4	2	(2)	1	2	3	4
(2)	1	3	2	4	(4)	4	1	2	3

Ans. (2) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मृदा प्रकार एवं क्षेत्र के युग्मों में कौनसा एक सुमेलित नहीं है?** [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) एरिडीसोल्स-अर्द्ध शुष्क
(2) अल्फीसोल्स-आर्द्र
(3) इन्सेप्टीसोल्स-अर्द्ध आर्द्र/उप आर्द्र
(4) वर्टीसोल्स-शुष्क
Ans. (4) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अर्द्ध-शुष्क जलवायु वाला जिला है-**[जेलप्रहरी 28.10.18]
(1) झालावाड़ (2) प्रतापगढ़ (3) जयपुर (4) जोधपुर
Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का वह जिला, जहाँ उष्णकटिबंधीय स्टेपी, अर्द्धशुष्क, उष्ण जलवायु पायी जाती है, वह है-**
[III Grade (SST) -26.02.2023]
(1) झुन्झुनूँ (2) बाराँ (3) सिरोही (4) जोधपुर
Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किन जिलों में उप- आर्द्र जलवायु पायी जाती है?** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021]
[वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]
(1) जयपुर, अजमेर, अलवर, टोंक
(2) उदयपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़
(3) कोटा, बारां, बूँदी, झालावाड़
(4) गंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, चूरू
Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जयपुर, दौसा तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की जलवायु पाई जाती है?**[Asstt. Fire Officer -29.1.2022]
(1) आर्द्र (2) उप-आर्द्र
(3) ऊष्ण-आर्द्र (4) अर्द्ध-शुष्क
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **झालावाड़ और बाँसवाड़ा जिले किस जलवायु खण्ड में सम्मिलित हैं-** [Head Master -11.10.2021]
(1) आर्द्र प्रदेश (2) अर्द्ध शुष्क प्रदेश
(3) अति-आर्द्र प्रदेश (4) उप-आर्द्र प्रदेश
Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अति आर्द्र जलवायु प्रदेश के अंतर्गत कौनसे जिले आते हैं ?** [वनरक्षक परीक्षा - 2011]
(1) झालावाड़, बाँसवाड़ा (2) बूँदी, सिरोही
(3) जयपुर, सीकर (4) भरतपुर, धौलपुर
Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अति आर्द्र जलवायु प्रदेश में कौनसा जिला स्थित नहीं है?** [CET - 5.2.2023 (S-I)]
(1) सिरोही (2) उत्तरी चित्तौड़गढ़ (3) बाँसवाड़ा(4) बारां
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का कौनसा जिला अति आर्द्र जलवायु प्रदेश का भाग है?** [CET - 5.2.2023 (S-I)]
(1) अजमेर (2) कोटा (3) जयपुर (4) बीकानेर
Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का कौनसा क्षेत्र अर्द्धशुष्क अथवा स्टेपी जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आता है-** [PSI - 13.09.2021]
(1) उदयपुर, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा
(2) जालौर, पाली, जोधपुर, नागौर, सीकर, झुन्झुनूँ
(3) प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, बारां
(4) गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू
Ans. (2)*

> ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प 2 एवं 4 सही है परन्तु उत्तर कुंजी में 2 सही माना है।*

❐ **30 वर्ष से अधिक समयावधि की औसत वायुमण्डलीय दशाओं को कहते हैं-**[क.अनुदेशक (फिटर)- 23.03.2019]
(1) मौसम (2) जलवायु (3) ऋतु (4) चक्रवात
Ans. (2)

व्याख्या - किसी भू-भाग पर लम्बी अवधि (30 वर्ष से अधिक) के दौरान विभिन्न समयों में विविध मौसमों की औसत अवस्था उस भू-भाग की जलवायु कहलाती है। मौसम जलवायु की क्षणिक अवस्था है। कुछ समय, मिनट, घण्टे, या 4-5 दिन के सम्मिलित रूप को मौसम कहते हैं तथा कुछ माह के सम्मिलित रूप को ऋतु कहते हैं।

❒ **निम्न शहरों का औसत मासिक तापमान का वितरण बहुरेख आलेख (i), (ii), (iii) एवं (iv) से दर्शाया गया है:** [RAS Pre Exam-26.10.2013]

(A) गंगानगर (B) जयपुर (C) कोटा (D) माउन्ट आबू
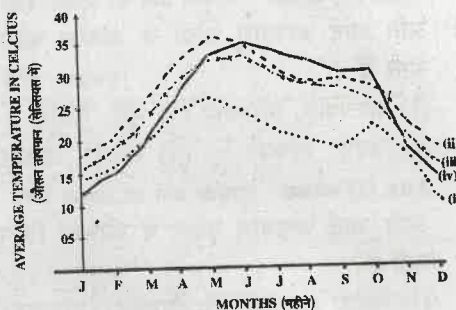
निम्न कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए-

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)	(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)	(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

Ans. (4)

❒ **वर्षा को जलवायु प्रदेशों के वर्गीकरण का आधार माना है?** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) कोपेन (2) केन्ड्रयू (3) ट्रिवार्थी (4) थॉर्नवेट

Ans. (4)

व्याख्या : भारतीय मौसम विभाग ने वर्षा, तापमान और आर्द्रता को जलवायु वर्गीकरण का आधार माना है। डॉ. कोपेन ने अपने वर्गीकरण का आधार वनस्पति को माना, थॉर्नवेट ने वर्षा की प्रभावशीलता एवं तापीय दक्षता को माना तथा प्रो. ट्रिवार्थी ने कोपेन के वर्गीकरण का विस्तार करते हुए प्राकृतिक आधार पर वनस्पति को अपने जलवायु प्रदेशों के वर्गीकरण का आधार माना है।

❒ **कोपेन ने जलवायु प्रदेश के वर्गीकरण का आधार माना है?** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]

(1) वनस्पति (2) वर्षा
(3) तापमान (4) वायुदाब

Ans. (1)

व्याख्या -जर्मन निवासी डॉ. ब्लादिमीर कोपेन ने राजस्थान की जलवायु को (1918में) चार भागों में बाँटा जिसे 1936 में मान्यता मिली -

1. BWhw (उष्ण कटिबन्धीय शुष्क)- जैसलमेर, बीकानेर, फलौदी, गंगानगर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़ और पश्चिमी चूरू जिले का कुछ भाग। प्रतिनिधि नगर-बीकानेर

2.BShw (उष्ण कटिबन्धीय अर्द्ध-शुष्क/स्टैपी जलवायु)- अरावली के पश्चिम का क्षेत्र (जालौर, सांचौर, बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, नागौर, डीडवाना-कुचामन, चूरू, सीकर, नीम का थाना, पाली, उत्तरी अजमेर, झुन्झुनूँ), प्रतिनिधि नगर-नागौर

3.Cwg (उपोष्ण कटिबन्धीय आर्द्र जलवायु) -पूर्वी और मध्य राजस्थान का अरावली से पूर्व का भाग। अलवर, भरतपुर, दौसा, करौली, कोटा, बूँदी, सवाईमाधोपुर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली- बहरोड़, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, डीग, धौलपुर, गंगापुरसिटी, ब्यावर, केकड़ी, अजमेर, राजसमंद, भीलवाड़ा, शाहपुरा, टोंक, बूँदी । वनस्पति-धोकड़ा वन सर्वाधिक (सबसे बड़ा जलवायु प्रदेश), प्रतिनिधि नगर - टोंक

4. Aw (उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र जलवायु)- डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, सलूम्बर, बारां, प्रतापगढ़, कोटा, चित्तौड़गढ़, माउण्ट आबू (सिरोही) तथा झालावाड़। सबसे छोटा जलवायु प्रदेश। वनस्पति - सवाना तुल्य, प्रतिनिधि नगर-बाँसवाड़ा
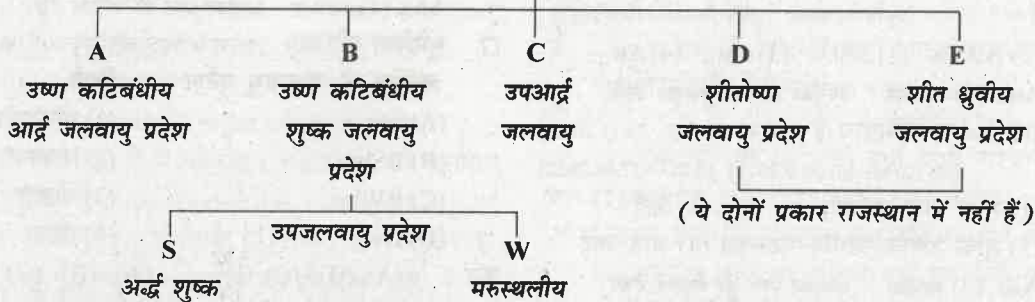
❑. **कौनसी जलवायु राजस्थान में नहीं पायी जाती है?** [I Grade (GK) -15.10.2022][II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) BWhw (2) BSKw (3) Cwg (4) Aw

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के उक्त मानचित्र में कोपेन के जलवायु प्रदेश को (i), (ii) , (iii) और (iv) से अंकित सही अनुक्रम पहचानिए-** [Patwar Main 24.12.16]
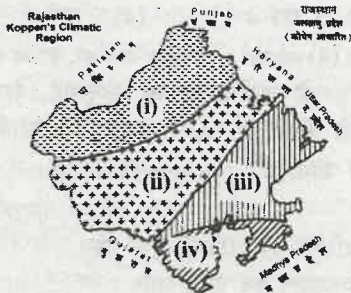
(1) Cwg, BWhw, BShw, Aw
(2) Aw, Cwg, BShw, BWhw
(3) BWhw, BShw, Cwg, Aw
(4) BShw, BWhw, Aw, Cwg

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कोपेन द्वारा प्रस्तुत जलवायु प्रदेशों में से राजस्थान में कौन-सा सुमेलित नहीं है?** [पटवारी प्रारम्भिक-2016]

(1) Aw - दक्षिणी राजस्थान (2) Cwg - उत्तरी राजस्थान
(3) BWhw-शुष्क मरुस्थल(4)BShw-अर्द्धशुष्क मरुस्थल

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौन-सा राजस्थान में BShw प्रकार की जलवायु को कोपेन वर्गीकरण के अनुसार दर्शाता है?** [उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]

(1)अरावली का उत्तरी भाग(2)अरावली का दक्षिणीभाग
(3) अरावली के पूर्व का भाग
(4) अरावली के पश्चिम का भाग

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान के किन जिलों में 'स्टेपी जलवायु' पायी जाती है?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) जैसलमेर और बीकानेर(2) गंगानगर और हनुमानगढ़
(3) बाड़मेर, जालौर, जोधपुर (4) जयपुर, दौसा, टोंक

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, जालौर, सीकर, नागौर और झुन्झुनूं, निम्न में से किस जलवायु प्रदेश में शामिल हैं?** [CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) BWhw (2) BShw (3) Bwkw (4) Bskw

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सही सुमेलित नहीं है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]

(1) Aw - सीकर, चूरू
(2) BShw - बाड़मेर, जालौर
(3) BWhw - जैसलमेर, पश्चिमी बीकानेर
(4) Cwg - अरावली के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कोपेन के अनुसार किन जिलों में BShw प्रकार की जलवायु पाई जाती है?** [Head Master - 02.09.2018]

(1) बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, सीकर
(2) भीलवाड़ा, नागौर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़
(3) झालावाड़, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, बारां
(4) जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार बाड़मेर एवं झुन्झुनूँ जिले किस जलवायु प्रदेश में समाहित हैं-** [कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) BWhw (2) BShw (3) Cwg (4) Aw

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **BWhw से अभिप्राय है-**[महिला पर्यवेक्षक- 29.11.2015]
[PTI (Grade-III)-25.9.2022] [ARO -27.08.2022]

(1) शुष्क शीत जलवायु (2) आर्द्र
(3) शुष्क उष्णकटिबंधीय-मरुस्थल (4) अति आर्द्र

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोपेन के अनुसार, राजस्थान में कौनसा जलवायु प्रकार उष्ण कटिबंधीय शुष्क (मरुस्थलीय) जलवायु को दर्शाता है?** [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
[द्वितीय श्रेणी अध्यापक-26.04.2017][जेल प्रहरी-27-10-2018, S -III]

(1) Aw (2) Cwg (3) BShw (4) BWhw

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा BShw प्रकार की जलवायु दर्शाता है-**[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.03.2018]

(1) जालौर (2) गंगानगर (3) बीकानेर (4) डूँगरपुर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बीकानेर शहर किस प्रकार की जलवायु प्रदेश का प्रतिनिधि शहर है-** [जेल प्रहरी 21-10-2018, Shift -II]

(1) Cwg प्रदेश (2) BShw प्रदेश
(3) Aw प्रदेश (4) BWhw प्रदेश

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान का जिला जो पूर्णतः BWhw जलवायु प्रकार की श्रेणी में आता है, वह है-**
[III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) बाड़मेर (2) जोधपुर (3) बीकानेर (4) जैसलमेर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा (जलवायु प्रकार-जिला) सुमेलित नहीं है?** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) BWhw- गंगानगर (2) BShw- जयपुर
(3) Cwg - अलवर (4) AW- कोटा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोपेन वर्गीकरण के अनुसार जैसलमेर व बीकानेर के पश्चिमी भागों में निम्नलिखित में से किस प्रकार की जलवायु है?**
[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन) परीक्षा- 24.03.2019]

(1) BWhw (2) Cwg (3) Aw (4) BShw

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित कीजिए-** [वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]

कोपेन के जलवायु प्रदेश	**जिले**
(A) Aw	(1) बाँसवाड़ा
(B) BShw	(2) गंगानगर
(C) BWhw	(3) धौलपुर
(D) Cwg	(4) सीकर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	1	4	3	2	(2)	2	1	3	4
(3)	1	4	2	3	(4)	4	2	3	1

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार कौनसे सही सुमेलित है?** [Assistant Agri. Officer -28.05.2022]

1. Aw - झालावाड़ **2. Cwg - बाँसवाड़ा**
3. BShw - अलवर **4. BWhw - बीकानेर**

(1) 2 एवं 3 (2) 1, 3 एवं 4
(3) 2, 3 एवं 4 (4) 1 एवं 4

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान के कौनसे भागों में 'Aw' प्रकार का जलवायु प्रदेश पाया जाता हैं?** [Superintendent Garden - 28.07.2021]
[पशुधन सहायक 04.6.2022]

(1) दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी भाग
(2) मध्यवर्ती एवं उत्तरी भाग
(3) उत्तरी एवं उत्तरी-पूर्वी भाग
(4) पश्चिमी एवं दक्षिणी-पश्चिमी भाग

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोपेन जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान के कौनसे जिले 'Aw' प्रकार की जलवायु में सम्मिलित है?** [I Grade Geography-16.10.2022]
[कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]
[ARO - 29.8.2022][प्रयोगशाला सहायक-03.02.2019]

(1) उदयपुर-सिरोही-जालौर-राजसमन्द
(2) जयपुर-अलवर-दौसा-भरतपुर
(3) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर-झालावाड़-प्रतापगढ़
(4) कोटा-बूँदी-झालावाड़-सवाई माधोपुर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कोपेन के राजस्थान के जलवायु प्रदेशों के अनुसार 'AW' जलवायु पाई जाती है -**
[I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]
(1) जयपुर जिले में (2) भरतपुर जिले में
(3) नागौर जिले में (4) डूँगरपुर जिले में
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा Cwg प्रकार की जलवायु दर्शाता है-**[School Lecturer (Sanskrit Edu.)-04.08.2020]
(1) भरतपुर (2) बाँसवाड़ा (3) सीकर (4) हनुमानगढ़
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के चूरू जिले में कोपेन वर्गीकरण के अनुसार किस प्रकार की जलवायु स्थित है?**
[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) - 23.03.2019]
(1) Aw (2) BShw (3) Cwg (4) Amw
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, डूँगरपुर और बाँसवाड़ा जिलों में किस प्रकार की जलवायु पाई जाती है?** [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
[CET : 08.01.2023 (S-I)][जेल प्रहरी-21-10-2018, S-I]
(1) BWhw (2) BShw (3) Cwg (4) Aw
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से किस जिले में 'Aw' प्रकार की जलवायु नहीं पायी जाती है?** [स्कूल व्याख्याता परीक्षा-06.01.2020]
(1) बाँसवाड़ा (2) झालावाड़ (3) डूँगरपुर (4) बूँदी
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कोपेन वर्गीकरण का निम्नलिखित में से कौनसा कोड झालावाड़ जिले की जलवायु को निरूपित करता है?** [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) Cwg (2) Aw (3) BShw (4) BWhw
Ans. (2)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर में किस प्रकार की जलवायु मिलती है-** [II Grade (Sans. Deptt.) -17.02.2019]
[वनपाल-06.11.2022(S-I)][ARO (Entomology)-30.08.2022]
(1) BWhw (2) BShw (3) Cwg (4) Aw
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कोपेन के अनुसार जलवायु प्रदेश एवं जिला सुमेल नहीं है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) Aw - बाँसवाड़ा (2) BWhw - बाड़मेर
(3) BShw - पाली (4) Cwg - टोंक
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **Cwg प्रदेश के अन्तर्गत आने वाला राजस्थान का भूभाग कौनसा है?**[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -I]
[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]
(1) अरावली पर्वत के उत्तरी तथा उत्तरी पश्चिमी भाग
(2) अरावली पर्वत के पश्चिमी भाग केवल
(3) इस प्रकार में राजस्थान का कोई भू-भाग नहीं है
(4) अरावली पर्वत के दक्षिणी पूर्वी एवं पूर्वी भाग
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से कौनसे सही सुमेलित हैं-** [R.A.S. - 27.10.2021]
1. Cwg - भरतपुर **2. BWhw - बाड़मेर**
3. BShw - गंगानगर **4. Aw - डूँगरपुर**
(1) 1, 3 व 4 (2) 2, 3 व 4 (3) 2 व 3 (4) 1 व 4
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **किस जलवायु प्रदेश में सवाना तुल्य वनस्पति पाई जाती है-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021]
(1) Aw (2) BShw (3) BWhw (4) Cwg
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में जलवायु प्रदेशों कौनसा सबसे कम वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है?** [CET -4.2.2023 (I)]
(1) BShw (2) Cwg (3) BWhw (4) Aw
Ans. (3)

❐ **मेवात एवं डाँग क्षेत्र कोपेन के किस जलवायु प्रदेश में सम्मिलित हैं?** [II Grade - 30.07.2023 (S- II)]
(1) Aw (2) BShw (3) BWhw (4) Cwg
Ans. (4)

❐ **कोपेन वर्गीकरण के हिसाब से राजस्थान का सर्वाधिक क्षेत्र किस प्रकार के जलवायु प्रदेश के अंतर्गत आता है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -I]
(1) Aw (2) BWhw (3) Cwg (4) BShw
Ans. (3)

व्याख्या *- चूँकि कोपेन के वर्गीकरण का आधार 'वनस्पति' है अत: राजस्थान में सबसे ज्यादा पाया जाने वाला वाला धोकड़ा वृक्ष (लगभग 58%) 'Cwg' क्षेत्र पाया जाता है।* ***अत: यह सबसे बड़ा जलवायु प्रदेश होगा।*** *(सबसे बड़ा भौतिक प्रदेश बड़ा नहीं होगा जो कई पुस्तकों में दिया है गलत है।)*

❒ थॉर्नवेट के अनुसार, DA'w जलवायु प्रदेश के अंतर्गत निम्न में से कौनसे जिले आते हैं?
[ARO (Agri. Che., Agronomy) 27.8.2022]
(1) सिरोही, पाली, अजमेर (2) गंगानगर, जयपुर
(3) बीकानेर, चूरू (4) जोधपुर, कोटा
Ans. (1) *व्याख्या निम्नलिखित सारणी में देखें।*

❒ थॉर्नवेट जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान का अधिकांश भाग जिस जलवायु प्रदेश में पाया जाता है, वह है- [PTI Exam -30.09.2018]
(1) EA'd (2) CA'w (3) DA'w (4) DB'w
Ans. (3) *व्याख्या निम्नलिखित सारणी में देखें।*

❒ EA'd जलवायु पाई जाती है।महिला पर्यवेक्षक-29.11.2015]
(1) बाड़मेर - जैसलमेर (2) अलवर-भरतपुर
(3) टोंक-जयपुर (4) कोटा-बूँदी
Ans. (1) *व्याख्या निम्नलिखित सारणी में देखें।*

❒ सुमेलित नहीं है?[बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]
(1) EA'd जलवायु प्रदेश - पूर्वी राजस्थान
(2) DB'w जलवायु प्रदेश-उत्तरी राजस्थान
(3) DA'w जलवायु प्रदेश-मध्य राजस्थान
(4) CA'w जलवायु प्रदेश - दक्षिण-पूर्वी राजस्थान
Ans. (1) *व्याख्या निम्नलिखित सारणी में देखें।*

❒ थॉर्नवेट के वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से कौन-सी उष्णकटिबन्धीय मरूस्थलीय (जैसलमेर) जलवायु को दर्शाता है? [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]
[CET - 5.2.2023 (S-I)] [Librarian III Grade 11.09.2022]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) DB'W (2) EA'd (3) DA'w (4) CA'w
Ans. (2) *व्याख्या निम्नलिखित सारणी में देखें।*

❒ थॉर्नवेट वर्गीकरण के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा बाँसवाड़ा व डूंगरपुर की जलवायु को दर्शाता है-[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) -25.03.2018]
(1) EA'd (2) CA'w (3) DB'W (4) DA'w
Ans. (2) *व्याख्या निम्नलिखित सारणी में देखें।*

❒ DA'w जलवायु पाई जाती है।महिला पर्यवेक्षक-29.11.2015]
(1) मेवाड़ (2) बांसवाड़ा, डूंगरपुर
(3) बूँदी, सवाई माधोपुर (4) भरतपुर
Ans. (3) *व्याख्या निम्नलिखित सारणी में देखें।*

थॉर्नवेट के अनुसार राजस्थान का वर्गीकरण : एक दृष्टि में

जलवायु प्रदेश	क्षेत्र एवं प्रतिनिधि नगर	विशेषताएँ
(CA'w) उष्ण कटिबंधीय आर्द्र	दक्षिणी उदयपुर, सलूम्बर, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, झालावाड़, बाराँ, कोटा, प्रतापगढ़, **प्रतिनिधि नगर-डूँगरपुर**	शीत ऋतु प्रायः सूखी रहती है। **वनस्पति** - सवाना एवं मानसूनी प्रकार की है।
(DA'w) उष्ण कटिबंधीय उपआर्द्र (सबसे बड़ा जलवायु प्रदेश)	सिरोही, जालौर, अजमेर, पाली बूँदी, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर अलवर, भीलवाड़ा, सीकर, टोंक, करौली, दक्षिणी झुन्झुनूँ, दौसा बालोतरा, सांचौर, जोधपुर ग्रामीण, जोधपुर, शाहपुरा, ब्यावर, केकड़ी, डीडवाना-कुचामन, नीम का थाना, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, डीग, गंगापुरसिटी, **प्रतिनिधि नगर-अजमेर**	ग्रीष्मकालीन तापमान ऊँचे रहते हैं एवं वर्षा कम होती है। **वनस्पति** - अर्द्ध मरुस्थलीय प्रकार की।
(DB'w) मध्यतापीय अर्द्ध शुष्क मिश्रित	गंगानगर, अनूपगढ़, चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़, झुन्झुनूँ, **प्रतिनिधि नगर-बीकानेर**	ग्रीष्म ऋतु लम्बी, शीत ऋतु छोटी होती है। **वनस्पति**-कँटीली झाड़ियाँ एवं अर्द्धशुष्क प्रकार की।
(EA'd) उष्ण शुष्क अथवा उष्ण कटिबन्धीय मरुस्थलीय प्रदेश	दक्षिण-पश्चिमी बीकानेर, फलौदी, उत्तर-पश्चिमी बाड़मेर, जैसलमेर **प्रतिनिधि नगर-जैसलमेर**	अत्यंत गर्म और शुष्क जलवायु पाई जाती है। **वनस्पति** - अत्यधिक न्यून व मरुस्थलीय।

6. मृदा एवं मृदा संरक्षण

❒ **नई प्रणाली के तहत, राजस्थान की अधिकांश मिट्टी. ... क्रम से संबंधित है-**[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-8.11.20 (I)]

(1) 5 (2) 10 (3) 2 (4) 9

Ans. (1)

व्याख्या : राजस्थान की मिट्टियों का नई वैज्ञानिक पद्धति से वर्गीकरण-

1. एरिडीसोल्स [Aridisols] *- एरिडीसोल्स (बालू मिट्टी का क्षेत्र) राजस्थान की अर्द्धशुष्क जलवायु में पाई जाने वाली मृदाएँ है। यह मिट्टी राज्य के चूरू, सीकर, नीम का थाना, झुंझुनूँ, नागौर, डीडवाना- कुचामन, जोध पुर ग्रामीण, जोधपुर, फलौदी, पाली और जालोर जिलों के कुछ क्षेत्रों में ये विस्तृत हैं। इसका उपमृदाकण ऑरथिड है जिसके अन्तर्गत केम्बोऑरथिड्स, केल्सीऑरथिड्स, सेलोरथिड्स और पेलिऑरथिड्स राजस्थान में पाये जाते हैं।*

2. अल्फीसोल्स [Alfisols]*-अल्फीसोल्स (जलोढ़ मिट्टी का क्षेत्र) उपआर्द्र एवं आर्द्र क्षेत्रों में पाई जाती है। राज्य के जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अलवर, खैरथल-तिजारा, दौसा, भरतपुर, डीग, टोंक, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी, भीलवाड़ा, शाहपुरा, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा, राजसमन्द, उदयपुर, सलूम्बर, डूँगरपुर, बूँदी, कोटा, बारां, झालावाड़ जिलों में पाया जाता है।*

3. इनसेप्टीसोल्स [Inceptisols]*- शुष्क जलवायु में कभी भी नहीं पाई जाने वाली इनसेप्टीसोल्स (पथरीली मिट्टी का क्षेत्र) मृदा अर्द्धशुष्क से लेकर आर्द्र जलवायु में कहीं भी पाई जा सकती हैं। इस प्रकार की मृदाएँ राज्य में सिरोही, पाली, ब्यावर, राजसमन्द, उदयपुर, भीलवाड़ा, सलूम्बर, शाहपुरा और चित्तौड़गढ़ जिले में विस्तृत हैं।*

4. वर्टीसोल्स [Vertisols]*- वर्टीसोल्स (काली मिट्टी का क्षेत्र) मिट्टी में अत्यधिक क्ले उपस्थित होती है। आर्द्र एवं अति आर्द्र क्षेत्रों में पायी जाती है। ये मृदाएँ राज्य के दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र हाड़ौती के झालावाड़, बारां, कोटा तथा बूँदी जिलों के अधिकतर क्षेत्रों में विस्तृत हैं।*

5. एन्टिसोल्स (Entisols) *- एन्टिसोल (रेगिस्तानी मिट्टी का क्षेत्र) ही एक ऐसा मृदा वर्ग है जिसके अन्तर्गत भिन्न-भिन्न प्रकार की जलवायु में स्थित मृदाओं का समावेश होता है। पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में इस समूह की मृदाएँ पायी जाती है। इनका रंग प्रायः हल्का पीला-भूरा होता है। इसके दो उपमृदाकण हैं- सामेन्ट्स और फ्लूवेन्ट्स।*

❒ **वर्टीसोल मृदा मुख्य रूप से पाई जाती है?**
[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
[Asstt. Fire Officer -29.1.2022][कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]

(1) झालावाड़, कोटा, बूँदी, बारां जिलों में
(2) चूरू, सीकर, झुन्झुनूँ, नागौर जिलों में
(3) सिरोही पाली, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ जिलों में
(4) जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर जिलों में

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वर्टीसोल्स मिट्टी राजस्थान के किन जिलों में नहीं पाई जाती-** [JEN (Diploma)- 21.8.2016]

(1) झालावाड़, बारां (2) कोटा, भरतपुर
(3) बूँदी, बाँसवाड़ा (4) धौलपुर, करौली

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस जिलों में 'वर्टीसोल्स' मृदा नहीं पाई जाती है?** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) कोटा-बूँदी (2) बाराँ-कोटा
(3) बीकानेर-चूरू (4) बाँसवाड़ा-झालावाड़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के निम्न में से किस जिलों में 'इन्सेप्टीसोल्स मृदा' पाई जाती है?** [CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) कोटा, बूँदी और बाराँ
(2) जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर
(3) जयपुर, दौसा और अलवर
(4) पाली, भीलवाड़ा और सिरोही

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वर्टीसोल मिट्टी राजस्थान के किस भाग में मिलती है?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) उत्तर-पश्चिमी भाग (2) दक्षिणी-पश्चिमी भाग
(3) दक्षिण-पूर्वी भाग (4) पूर्वी भाग

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस प्रदेश में वर्टी मृदा मिलती है-**
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) हाड़ौती का पठार (2) घग्घर का मैदान
(3) लूनी बेसिन (4) शेखावाटी

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **हाड़ौती प्रदेश की मृदा का प्रधान प्रकार है-**
[संगणक परीक्षा-19.12.2021]

(1) वर्टीसॉल (2) अल्फीसॉल
(3) एण्टीसॉल (4) इनसेप्टीसॉल

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस प्रदेश में एन्टिसोल समूह की मृदा मिलती है?**[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा-26.12.2020] [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020] [RAS 14 June, 2012] [अन्वेषक - 27.12.2020][Lab Assistent (Science) -29.6.2022] [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) पूर्वी (2) पश्चिमी (3) दक्षिणी-पूर्वी (4) दक्षिणी

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के सिरोही और पाली जिलों में कौनसे प्रकार की प्रधान मृदा मिलती है-**[Librarian - 2.8.2020]

(1) एरिडीसोल्स (2) अल्फीसोल्स
(3) इनसेप्टीसोल्स (4) वर्टीसोल्स

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न मृदाओं में से कौनसा प्रकार पश्चिमी राजस्थान में विशिष्टतः पाया जाता है-**[अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020]

(1)एरिडीसॉल्स(2) अल्फीसॉल्स(3)एन्टीसॉल्स(4)वर्टीसॉल्स

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में किस जिले में केल्सीओरथिड पायी जाती है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)परीक्षा- 26.03.2019]

(1) उदयपुर (2) सीकर (3) जयपुर (4) सिरोही

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे*

❒ **मृदा में नवीन वर्गीकरण में राजस्थान में 'अल्फीसोल्स' मृदा पायी जाती है-** [VDO Mains-9.7.2022] [CET : 07.01.2023 (S-II)][JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]

(1) जयपुर, अलवर, दौसा और कोटा में
(2) चूरू, झुन्झुनूँ और सीकर में
(3) जैसलमेर और बाड़मेर (4) प्रतापगढ़ और सिरोही

Ans. (1)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के सर्वाधिक क्षेत्र पर निम्न में से कौनसी मृदा पायी जाती है?** [JEN Exam - 21.08.2016] [प्रयोगशाला सहायक - 3.2.19][Librarian Gar.-III-13.11.16]

(1) एरिडीसोल्स एवं एण्टिसोल्स
(2) एरिडीसोल्स एवं अल्फीसोल्स
(3) इनसेप्टिसोल्स (4) वर्टीसोल्स एवं अल्फीसोल्स

Ans. (1)

व्याख्या : राजस्थान के दो-तिहाई भाग में बलुई मिट्टी अर्थात् एरिडीसोल्स एवं एण्टिसोल्स पाई जाती है।

❒ **हाड़ौती पठार की मिट्टी है?** [R.A.S. Pre, 1998] [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -I]

(1) कछारी (जलौढ़)(2) लाल(3) भूरी(4)मध्यम काली

Ans. (4)

व्याख्या - मध्यम काली मिट्टी काले रंग की होती है। इस मिट्टी के कणों की बनावट घनी एवं बारीक होती है। इसमें अधिक समय तक पानी ठहर सकता है। यह गीली होने पर फूल जाती है और सूखने पर सिकुड़ जाती है जिसके कारण इसमें दरारें पड़ जाती है। यह मिट्टी बहुत उत्पादक है। इसमें विशेषतः कपास व धान की खेती की जाती है। यह राज्य के दक्षिणी-पूर्वी भाग हाड़ौती (कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़) में ही मिलती है।

❒ **राजस्थान में मध्यम काली मिट्टी का विस्तार किस प्रदेश में हैं-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]

(1) अरावली (2) हाड़ौती
(3)अर्द्ध-शुष्क मरुस्थल (4) पूर्वी मैदान

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोटा, बूँदी, झालावाड़ में कौनसी मृदा पायी जाती है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]

(1) लाल एवं पीली मृदा (2) मरुस्थली मृदा
(3) लाल एवं काली मिश्रित मृदा (4) मध्यम काली मृदा

Ans. (4) *व्याख्या :- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में इनमें से कौन-सी मृदा की प्रधानता है?** [Stenographer Exam : 30.05. 2013]

(1) लाल मृदा (2) भूरी रेतीली मृदा
(3) मध्यम काली मृदा (4) लाल एवं पीली मृदा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कौनसे भाग में काली मृदा पायी जाती है?** [Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) उत्तरी-पूर्वी भाग (2) मध्यवर्ती क्षेत्र
(3) दक्षिणी अरावली क्षेत्र (4) दक्षिणी-पूर्वी भाग

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किन जिलों में मध्यम काली मिट्टी पाई जाती है?** [Librarian III Grade 11.09.2022]

(1) कोटा-बूँदी-झालावाड़(2) उदयपुर-डूँगरपुर-बाँसवाड़ा
(3) टोंक-अजमेर-पाली (4) चूरू-झुन्झुनूँ-सीकर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी मृदा, राजस्थान में कपास फसलों के उत्पादन हेतु सर्वाधिक उपयुक्त है?**[Lab Assistent -30.06.2022]

(1) मिश्रित लाल एवं पीली मृदा (2) भूरी जलोढ़ मृदा
(3) मध्यम काली मृदा (4) लाल लोमी मृदा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **जिसका उपयोग मिट्टी की लवणता एवं क्षारीयता की समस्या का दीर्घकालीन हल है, वह है?**

[R.A.S.-1998][क. वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]

(1) रॉक-फॉस्फेट (2) जिप्सम

(3) खाद (4) घीया पत्थर

Ans. (2)

व्याख्या *- राज्य का पश्चिमी भाग लवणीय समस्या से अधिक ग्रसित है। यहाँ सोडियम कार्बोनेट, सोडियम क्लोराइड आदि लवण मिट्टी की ऊपरी सतह पर परत के रूप में इकट्ठे हो जाते हैं। ऐसी मिट्टी को* ***ऊसर, नमकीन या रेह*** *मिट्टी भी कहते हैं। क्षारीयता की समस्या ऊँचाई की अधिकता के कारण उत्पन्न होती है। मिट्टी में खारापन एवं क्षारीयता की समस्या के समाधान हेतु जिप्सम का उपयोग किया जाता है।*

❑ **वह खनिज जो मिट्टी की क्षारीयता का उपचार करने में तथा स्वास्थ्य व निर्माण उद्योग क्षेत्र में काम आता है, वह अधिकांशतः पाया जाता है?**

[E.O. Exam, 2007]

(1) बीकानेर (2) सीकर (3) नागौर (4) झुंझुनूँ

Ans. (3)*

व्याख्या *- जिप्सम खनिज जो मिट्टी की क्षारीयता का उपचार करने में तथा स्वास्थ्य व निर्माण उद्योग क्षेत्र में काम आता है, वह अधिकांशतः नागौर जिले में पाया जाता है।*

❑ **मिट्टी में खारापन एवं क्षारीयता की समस्या का समाधान है?**

[RAS-1995]

[Police Constable-2006-07]

(1) शुष्क - कृषि विधि

(2) वृक्षारोपण

(3) खेती में जिप्सम का उपयोग

(4) समोच्च रेखाओं के अनुसार कृषि

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में भूरी मिट्टी का प्रसार क्षेत्र है ?**

[R.A.S.- 1994][जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]

(1) बनास नदी का प्रवाह क्षेत्र

(2) राजस्थान का दक्षिणी भाग

(3) हाड़ौती पठार

(4) अरावली के दोनों तरफ के भाग

Ans. (1)

व्याख्या*-यह मिट्टी टोंक, केकड़ी, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी, बूँदी, भीलवाड़ा, शाहपुरा, उदयपुर, सलूम्बर एवं चित्तौड़गढ़ जिलों में पायी जाती है। विशेषतः यह मिट्टी अरावली पर्वतमाला के पूर्वी भाग में बनास व उसकी सहायक नदियों के क्षेत्र में पायी जाती है। इस मिट्टी में नाइट्रोजन और फॉस्फोरस लवणों का अभाव होता है। इन लवणों की पूर्ति करने पर यह मिट्टी अच्छी उपज देती है।*

❑ **राजस्थान में भूरी मृदा पाई जाती है-**

[JEN (Civil) Degree 12.09.2021]

(1) जैसलमेर (2) भरतपुर (3) बूँदी (4) बाड़मेर

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नलिखित में से किस जिले में भूरी मृदाएँ मिलती हैं-**

[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) - 20.03.2019]

(1) बाड़मेर (2) नागौर (3) जालौर (4) सवाई माधोपुर

Ans. (4) ***व्याख्या*** *: उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के नागौर, पाली, अजमेर और जयपुर जिलों में मुख्य रूप से कौनसी मिट्टी पाई जाती है?**

[LDC Exam - 16.09.2018]

(1) लाललोम(2) सिरोजेम्स(3) भूरी मिट्टी(4) रेतीली मिट्टी

Ans. (2)

व्याख्या *- सीरोजम मिट्टी में मिट्टी का रंग पीला भूरा होता है। इसमें नाइट्रोजन और कार्बनिक तत्त्वों का अभाव होने के कारण उर्वरा शक्ति की कमी होती है। यह मिट्टी पाली, ब्यावर, अजमेर, नागौर, डीडवाना-कुचामन, दूदू, जयपुर ग्रामीण व जयपुर जिलों में पायी जाती है जो ज्यादातर अरावली के पश्चिम में स्थित है। रेत के छोटे टीलों वाले भाग में पायी जाने के कारण सीरोजम मिट्टी को* ***'धूसर मरुस्थलीय मिट्टी'*** *भी कहते हैं।*

❑ **कथन (A) - राजस्थान में पाई जाने वाली सीरोजम मिट्टी की उर्वरा शक्ति अपेक्षाकृत कम होती है।**
कारण(R)-सीरोजम मिट्टी में नाइट्रोजन तथा कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है।[Patwar-24.12.16]

कूट :(1) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

(3) (A) और (R) दोनों सही हैं, तथा (R) (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (3)***व्याख्या*** *: उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सीरोजम मृदा जिस जिले में मिलती है, वह है-**
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) झालावाड़ (2) बारां (3) बाड़मेर (4) जयपुर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जिलों के जिस युग्म में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है, वह है?**[JEN Degree (TSP) - 16.10.2016] [वनरक्षक- 2013]
(1) कोटा, बारां, झालावाड़
(2) भरतपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर
(3) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पाली
(4) सिरोही, उदयपुर, पाली
Ans. (2)

व्याख्या - दुमट या जलोढ़ मिट्टी [Alluvial soil]: *यह नदियों द्वारा लायी गई बारीक बहुत अधिक उपजाऊ मिट्टी होती है। इस मिट्टी में चूना, पोटाश, लौह कणों तथा कैल्सियम तत्त्वों की अधिकता होती है।/ इसमें जल संचयन क्षमता सर्वाधिक होती है यह मिट्टी जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दौसा, भरतपुर, डीग, अलवर, खैरथल-तिजारा, धौलपुर, कोटा, टोंक, केकड़ी, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी आदि जिलों में पायी जाती है।*

❐ **राजस्थान में, निम्न में से कौनसा मृदा का सर्वाधिक उपजाऊ प्रकार माना जाता है-**
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) बालू मृदा (2) पीली मृदा
(3) लाल एवं पीली मिश्रित मृदा (4) जलोढ़ मृदा
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है?**
[Assistant Engineer-Civil -21.05.23]
(1) कोटा (2) बूँदी (3) बारां (4) दौसा
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **नये मूल की जलोढ़ मृदा नहीं पाया जाती है।**
[JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
(1) भरतपुर (2) कोटा (3) जयपुर (4) अलवर
Ans. (2)

व्याख्या *- पीली भूरी, दुमट रेतीली व रेतीली दुमट गठन की गहरी अर्द्ध शुष्क क्षेत्र की मृदाएँ नई जलोढ़ मृदा वर्ग की सदस्य हैं। इसका विस्तार भरतपुर, डीग जिले में तथा अलवर, खैरथल-तिजारा एवं जयपुर जिले के कुछ क्षेत्रों में मिलता है।*

❐ **राजस्थान के किन जिलों में 'लाल लोम' (Red Loam) मृदा पाई जाती हैं?** कॉलेज व्याख्याता - 2016]
[पशुधन सहायक- 21.10.2018] [LDC Exam -09.09.2018]
[JEN (Agri.) 10.09.2022]
(1) उदयपुर-कोटा (2) भीलवाड़ा-अजमेर
(3) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर (4) जयपुर-दौसा
Ans. (3)

व्याख्या : लाल दुमट मिट्टी [Red Loamy soil]: *लाल रंग युक्त इस मिट्टी के कण बारीक होने के कारण ही इसे लाल दुमट मिट्टी/लैटेराइट मिट्टी कहा जाता है। इस मिट्टी में लौह ऑक्साइड के कणों की अधिकता तथा फॉस्फोरस, नाइट्रोजन और कैल्सियम लवणों की कमी पायी जाती है। यह मिट्टी दक्षिणी राजस्थान के डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर, सलूम्बर और चित्तौड़गढ़ जिलों के कुछ भागों में पायी जाती है।*

❐ **लाल-चिकनी बलुई मिट्टी (लाल-लोमी) राजस्थान के कौनसे जिलों में पायी जाती है?**[AEN - 16.12.18]
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021]
[Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) कोटा - चित्तौड़गढ़ (2) बाराँ - झालावाड़
(3) उदयपुर - डूँगरपुर (4) अजमेर - पाली
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **लैटेराइट प्रकार की मिट्टी.... में पाई जाती है।**
[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) चूरू (2) जोधपुर (3) करौली (4) डूँगरपुर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **डूँगरपुर तथा बाँसवाड़ा के अधिकांश भाग में है-**
[Veterinary Officer - 02.08.2020]
[II Grade (SST.) -13.02.2023]
(1) रेवरिना मृदा (2) लाल दोमट(लोम) मृदा
(3) ग्रे ब्राउन जलोढ़ मृदा (4) जिप्सीफेरस मृदा
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किस भूभाग में 'लाल दोमट' मिट्टी की बहुतायत है-**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-7.11.2020 (I)]
(1) पूर्वी मैदान (2) दक्षिणी राजस्थान
(3) पश्चिमी राजस्थान (4) हाड़ौती का पठार
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किस जिले में लाल मिट्टी मिलती है-**
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
[पशुधन सहायक 04.6.2022]
(1) जोधपुर (2) बाँसवाड़ा (3) सिरोही (4) कोटा
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की मिट्टी के सम्बन्ध में सही उत्तर चुनिए-** [पटवारी प्रारम्भिक परीक्षा-2016]
[Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]
1. थार मरुस्थल में ग्रेनाइट और बलुआ पत्थर शैलों से बलुई मिट्टी का निर्माण हुआ।
2. दक्षिणी भाग में ग्रेनाइट, नीस और क्वार्ट्जाइट शैलों से लाल लोमी मिट्टी का निर्माण हुआ है।
3. दक्षिण-पूर्वी भाग में बेसाल्ट लावा के क्षरण से काली मिट्टी का निर्माण हुआ है।
4. दक्षिणी भाग में फॉस्फेटिक शैलों के क्षरण से मिश्रित लाल मिट्टी का निर्माण हुआ है।
(1) 1, 3 और 4 (2) 2, 3 और 4
(3) 1, 2 और 3 (4) 3 और 4
Ans. (3) *दक्षिणी भाग में लाल दुमट मिट्टी पाई जाती है।*

❒ **राजस्थान के कितने भू-भाग पर रेतीली और बलुई दोमट मिट्टी का प्रसार है?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1)एक-तिहाई (2)दो-तिहाई(3)चार-तिहाई (4) कोई नहीं
Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान के दो-तिहाई भाग की मिट्टी अधिकांशतः रेतीली और बलुई दोमट है जो कम उपजाऊ तथा कम जलग्राही शक्ति वाली होती है।

❒ **कौनसी मृदा को ऊसर, कल्लर, रेह, अल्कलाईन आदि के रूप में भी जाना जाता है?**[संगणक- 5.5.2018]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]
(1) भूरी मिट्टी (2) लाल मिट्टी
(3) लवणीय मिट्टी (4) जलोढ़ मिट्टी
Ans. (3)

व्याख्या -लवणीय मिट्टी [Alkaline Soil]: यह मिट्टी बाड़मेर, बालोतरा, सांचौर, जालोर, गंगानगर, अनूपगढ़, डीग, भरतपुर व कोटा जिलों के अधिक सिंचाई वाले भागों में पायी जाती है। क्षारीय लवणों की अधिकता की वजह से इस अनुपजाऊ मिट्टी में केवल चरागाह, झाड़ियाँ व बरसाती पेड़-पौधें ही उगते हैं।

❒ **निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**
(क) लाल रेतीली मिट्टी कृषि के लिए ठीक होती है लेकिन पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।
(ख) लाल रेतीली मिट्टी राजस्थान के कोटा, बूँदी व झालावाड़ जिले के कुछ भाग में पाई जाती है।
(ग) लाल रेतीली मिट्टी के लिए जिन क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाएँ हैं, वे क्षेत्र कृषि की दृष्टि से उन्नत है। [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]
(1) केवल क सही है। (2) केवल ख सही है।
(3) क एवं ग सही है। (4) क एवं ख सही है।
Ans. (3)

व्याख्या - लाल-बलुई मिट्टी [Red Desertic soil] जालोर, सांचौर, डीडवाना-कुचामन, नागौर, जोधपुर ग्रामीण, जोधपुर, फलौदी, पाली, चूरू, बाड़मेर, बालोतरा, नीम का थाना और झुन्झुनूँ जिलों के कुछ भागों में पायी जाती है।

❒ **भूरी रेतीली कछारी मिट्टी के संबंध में कौनसा कथन असत्य है-** [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -I]
(1) यह मिट्टी राजस्थान के अलवर, भरतपुर के उत्तरी भाग और गंगानगर जिले के मध्य भाग में पाई जाती है।
(2) इस मिट्टी में चावल व गन्ने की खेती की जाती है।
(3) इस मिट्टी का रंग लाल व भूरा होता है।
(4) इस मिट्टी में चूना, फॉस्फोरस व ह्यूमस की कमी होती है।
Ans. (2)

व्याख्या - भूरी रेतीली कछारी मृदा का रंग सामान्यतया कुछ ललाई व भूरापन लिए हुए है। इसमें चूना, फॉस्फोरस व ह्यूमस की कमी पायी जाती है। इस मृदा का विस्तार राज्य के अनूपगढ़ (पूर्व में गंगानगर जिले के मध्य भाग), खैरथल-तिजारा (पूर्व में अलवर) और डीग (पूर्व में भरतपुर) में पाया जाता है। इस उपजाऊ मिट्टी में राज्य की व्यावसायिक व खाद्यान्न फसलें उगाई जाती हैं जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण गंगानगर और अनूपगढ़ जिले में बड़े पैमाने पर कपास व गेहूँ की खेती का होना है।

❒ **राजस्थान के किस जिलों के समूह में मुख्यतः कच्छारी मृदा पाई जाती है?** [CET : 7.1.2023 (S-1)]
(1) बीकानेर-जैसलमेर (2) कोटा-बूँदी
(3) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर (4) भरतपुर-धौलपुर
Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में नाइट्रेट की उपस्थिति के कारण कौनसी मृदा उर्वरक है-**
[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) लाल-रेतीली (2) भूरी-रेतीली
(3) लाल-पीली (4) लाल-लोमी
Ans. (2)

व्याख्या - रेत के छोटे-छोटे टीलों वाले भाग में पायी जाने के कारण भूरी रेतीली मिट्टी को ग्रे-पेन्टेड/धूसर मरुस्थलीय मिट्टी भी कहते हैं। इसमें फॉस्फेट तत्त्वों की अधिकता होती है। इस मिट्टी की उर्वरता नाइट्रेट की उपस्थिति के कारण और बढ़ जाती है।

❐ **निम्नलिखित में से कौन-सा मृदाओं के द्वितीयक पोषण तत्त्वों का उदाहरण नहीं है?**
[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]
(1) बोरोन (2) पोटाश (3) मैंगनीज (4) कॉपर
Ans. (2)

व्याख्या - • मृदा के मुख्य पोषण तत्त्व - जैविक कार्बन, फॉस्फोरस, पोटाश।
• मृदा के द्वितीयक व सूक्ष्म पोषक तत्त्व - सल्फर, जस्ता, ताँबा, लोहा, मैंगनीज, बोरोन।

❐ **कौनसा मृदा का मुख्य घटक नहीं है?**
[CET - 11.2.2023 (S-II)]
(1) खनिज (2) ह्यूमस (3) लवण (4) जल
Ans. (3)

व्याख्या - मृदा के घटक खनिज कण, ह्यूमस (जैविक खाद), जल तथा वायु होते हैं।

❐ **पहाड़ी मृदा राजस्थान में पायी जाती है-**
[JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) कोटा व सिरोही में (2) उदयपुर व सिरोही में
(3) सिरोही व अजमेर में (4) उदयपुर व कोटा में
Ans. (4)

व्याख्या - पहाड़ी क्षेत्र की मृदाएँ उथली, कंकड़ों वाली, मोटी रेतीली तथा लाल भूरी व धूसर भूरी होती है। यह राजस्थान के दक्षिणी भू-भाग में अरावली पर्वत श्रेणी पर उदयपुर, सलूम्बर, कोटा जिलों में मिलती है।

❐ **उदयपुर तथा कोटा जिलों में अधिकांशतः है -**
[Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) कैल्सी ब्राउन मृदा (2) नवीन भूरी मृदा
(3) पर्वतीय मृदा (4) लाल दुमट
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किन जिलों में लाल व पीली मृदा पाई जाती है?** [बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]
(1) सिरोही-अजमेर-टोंक-जयपुर
(2) सवाई माधोपुर-कोटा-बूँदी-भीलवाड़ा
(3) अजमेर-सिरोही-डूँगरपुर-बांसवाड़ा
(4) सवाई माधोपुर-सिरोही-भीलवाड़ा-अजमेर
Ans. (4)

व्याख्या- लाल व पीली मिट्टी सवाईमाधोपुर एवं भीलवाड़ा के पश्चिमी भाग, अजमेर, ब्यावर, पाली, उदयपुर, सलूम्बर, राजसमन्द और सिरोही जिलों में मिलती है। इसमें कैल्सियम कार्बोनेट व ह्यूमस की नगण्यता एवं नाइट्रोजन तथा जैविक कारकों की अल्पता होती है। इन मृदाओं का लाल व पीला, भूरा रंग लौह ऑक्साइड के जलयोजन की उच्च मात्रा के कारण है।

❐ **निम्नलिखित में से कौन-सा (मिट्टी-जिले) सुमेलित नहीं है?** [JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
(1) मध्यम काली-बूंदी, बारां
(2) लाल लोमी-डूँगरपुर, उदयपुर
(3) लाल और पीली-झालावाड़, कोटा
(4) भूरी रेतीली कछारी-भरतपुर, अलवर
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**
[जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -III]
1. लाल मिट्टी में लोहा अधिक मात्रा में पाया जाता हैं इस कारण इसका रंग लाल होता है। 2. लाल व पीली मिट्टी में फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है। 3. उमेरण, बहरोड़, थानागाजी, कठूमर, बानसूर तथा मुण्डावर तहसीलों में दुमट मिट्टी पाई जाती है।
(1) केवल 1 एवं 2 सही है। (2) केवल 2 सही है।
(3) केवल 1 एवं 3 सही है। (4) कोई नहीं
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**
[जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -III]
1. लाल व पीली मिट्टी में उपजाऊ तत्त्वों की कमी होती है।
2. लाल व पीली मिट्टी भीलवाड़ा, सिरोही, अजमेर, सवाई माधोपुर एवं उदयपुर जिलों में पाई जाती है।
3. लाल व पीली मिट्टी में गेहूँ व चावल की खेती की जाती है।
(1) केवल 1 एवं 3 सही है। (2) केवल 2 सही है।
(3) केवल 1 एवं 2 सही है। (4) केवल 1 सही है।
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वह जिला युग्म जहाँ लाल व पीली मृदा पाई जाती है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) अलवर - भरतपुर (2) बारां - कोटा
(3) पाली - जोधपुर (4) अजमेर - भीलवाड़ा
Ans. (4)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **लाल व पीली मिट्टी वाला जिलों का युग्म है?**
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
(1) भरतपुर - धौलपुर (2) झालावाड़-बारां
(3) श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ (4) सवाईमाधोपुर-राजसमन्द
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वह जिला युग्म जहाँ लाल व पीली मृदा पाई जाती है?** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) अजमेर-सिरोही (2) अलवर-भरतपुर
(3) पाली-जोधपुर (4) कोटा-बूंदी
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **लाल -पीली मिट्टी राजस्थान के किस जिले में पायी जाती है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) कोटा (2) सवाई माधोपुर (3) बूँदी (4) बारां
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **ग्रेनाइट, नाइस व शिष्ट चट्टानों के विखंडन से कौनसी मृदा का निर्माण होता है?**
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) काली (2) लाल-पीली (3) दोमट (4) रेतीली
Ans. (2)

❒ **निम्न में से किस प्रकार की मिट्टी में स्वयं जुताई का गुण पाया जाता है-**[राज.पु. कॉन्स्टेबल-8.11.2020 (II)]
(1) काली (2) जलोढ़ (3) शुष्क (4) लेटेराइट
Ans. (1)

व्याख्या - काली मिट्टी [Regar Soil] <u>हाड़ौती क्षेत्र</u> में पाई जाती है। इस मिट्टी के कणों की बनावट घनी एवं बारीक होती है। इसमें अधिक समय तक पानी ठहर सकता है। यह गीली होने पर फूल जाती है और सूखने पर सिकुड़ जाती है जिसके कारण इसमें दरारें पड़ जाती है। यह मिट्टी बहुत उत्पादक है। इसी गुण के कारण काली मिट्टी को <u>स्वत: जुताई वाली मिट्टी</u> कहा जाता है। काली मिट्टी में गंधक व लोहे की मात्रा अधिक होती है। इस वर्ग की मृदाएँ <u>झालावाड़, कोटा, बूँदी, बाराँ, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी, बाँसवाड़ा, सलूम्बर</u> तथा उदयपुर जिलों में मिलती है।

❒ **कौनसी मृदा 'स्वजोत' के लिए जानी जाती है?**
[III Grade (English) -27.02.2023]
(1) लाल-रेतीली (2) भूरी-रेतीली(3) काली (4) कछारी
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस क्षेत्र में बहुतायत में काली मिट्टी पाई जाती है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1)हाड़ौती क्षेत्र(2) थार क्षेत्र(3) पूर्वी मैदान(4)जयपुर क्षेत्र
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **काली मृदा पाई जाती है-**[JEN (विद्युत)डिग्री-29.11.20]
[Asst. Town Planner- 16.06.2023]
(1)बारां, झालावाड़, कोटा(2) जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर
(3) टोंक, धौलपुर, अलवर (4) बीकानेर, उदयपुर, सिरोही
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मृदा का प्रकार जो कि राजस्थान में प्रमुखतया झालावाड़, बारां, कोटा जिलों में पाया जाता है-**
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]
[III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) भूरी रेतीली मृदा (2) काली रेगुर मृदा
(3) लाल मृदा (4) लवणीय रेतीली मृदा
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की मरुस्थलीय बालू का प्रमुख स्रोत निम्न में से क्या है?**[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहा.(अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]
(1) प्राचीन नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी
(2) सतपुड़ा पर्वत के कण
(3) चम्बल नदी द्वारा लाई गई मिट्टी
(4) बनास नदी द्वारा लाई गई मिट्टी
Ans. (1)

❒ **मिश्रित लाल व काली मृदा कौनसे जिलों में पायी जाती है-** [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
(1) पाली - सिरोही (2) डूँगरपुर-बाँसवाड़ा
(3) अजमेर - नागौर (4) धौलपुर - करौली
Ans. (2)

व्याख्या : मिश्रित लाल एवं काली मृदा - लाल मृदा मालवा पठार की काली मृदा का ही विस्तार है। यह बलुई मटियार अथवा बलुई दोमट के रूप में मिलती है। इसमें साधारणतया फॉस्फेट, नाइट्रोजन, कैल्शियम और कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है। यह मृदा कपास, मक्का फसलों के लिए उपयोगी है। यह मृदा शाहपुरा, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा एवं पूर्वी उदयपुर आदि जिलों में मिलती है।

❒ कथन : राजस्थान के पूर्वी मैदान में दुमट और बंजर मिट्टी पाई जाती है।
कारण : दुमट मिट्टी संगठित एवं बारीक छिद्रों वाली होती है। [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III]
(1) कथन सही है और कारण भी सही है।
(2) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
(3) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
(4) कथन गलत है और कारण भी गलत है।
Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान के पूर्वी मैदान में भूरी रेतीली कछारी एवं मध्यम काली मिट्टी पाई जाती है।

❒ कथन:राजस्थान में मिट्टी के कटाव की समस्या है।
कारण : राजस्थान में चम्बल, बनास, घग्घर व बाणगंगा आदि नदियाँ मिट्टी के कटाव का प्रमुख कारण है। [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III]
(1) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
(2) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
(3) कथन सही है और कारण भी सही है।
(4) कथन गलत है और कारण भी गलत है।
Ans. (3)

❒ निम्न कथनों पर विचार कीजिए-
1. भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर तहसील में भूरी एवं पीली मिट्टी पाई जाती है।
2. भीलवाड़ा जिले की आसींद तहसील में भूरी मिट्टी पाई जाती है।
3. भीलवाड़ा जिले की शाहपुरा तहसील में पहाड़ी मिट्टी पाई जाती है। [जेल प्रहरी 28-10-2018, Shift -II]
(1) केवल 2 एवं 3 सही है। (2) केवल 2 सही है।
(3) केवल 1 सही है। (4) केवल 1 और 2 सही है।
Ans. (4)*

व्याख्या - भीलवाड़ा में मिश्रित लाल, पीली एवं भूरी मिट्टी पाई जाती है। वर्तमान में जहाजपुर एवं शाहपुरा तहसील शाहपुरा जिले में स्थित है।

❒ निम्न में से कौन-सी pH परास क्षारीय मृदा की सूचक है- [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.03.2018]
(1) 2.3 से 3.6 (2) 7
(3) 4.2 से 4.8 (4) 7 से ऊपर
Ans. (4)

व्याख्या - सामान्य मृदा का pH मान परिसर 6.5 से 7.5 होता है। जिस मृदा का pH मान 7 से कम होता है उसे अम्लीय (चूने की मात्रा कम) तथा जिस मृदा का pH मान 7 से अधिक होता है उसे क्षारीय/लवणीय मृदा कहते है।

❒ राजस्थान के नागौर, पाली, बाड़मेर एवं जैसलमेर जिलों में मुख्यतः कौनसी मृदा पाई जाती है-
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]
[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
(1) बलुई मृदा (2) काली मृदा (3) लाल मृदा (4) पीली मृदा
Ans. (1)

व्याख्या-बलुई मृदा शुष्क व रन्ध्रमय होने के कारण पवनों द्वारा स्थानान्तरित होती रहती है। इसमें क्षारीय तत्त्वों की अधिकता होती है। राजस्थान के पश्चिमी भाग जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, बीकानेर, नागौर, डीडवाना-कुचामन पाली, ब्यावर में यह मृदा मुख्य रूप से मिलती है।

❒ निम्न में से किस प्रकार की मृदाएँ लिथोसोल्स भी कहलाती हैं? [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.3.2018]
(1) दोमट मृदाएँ (2) मरुस्थलीय मृदाएँ
(3) पर्वतीय मृदाएँ (4) लाल मृदाएँ
Ans. (3)

व्याख्या - पर्वतीय/पहाड़ी मृदा को अपरिपक्व मिट्टी तथा लिथोसोल्स भी कहते हैं।

❒ निम्न कथनों पर विचार कीजिए[जेलप्रहरी 27.10.18 -I]
1. केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) जोधपुर में स्थित है।
2. राजस्थान में मिट्टी परीक्षण की सुविधा नहीं है।
3. राजस्थान में मिट्टी के कटाव की समस्या है।
(1) केवल 2 सही है। (2) केवल 1 एवं 2 सही है।
(3) केवल 2 सही है। (4) केवल 1 एवं 3 सही है।
Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान में मिट्टी परीक्षण की सुविधा है।

❒ राजस्थान की 'कुबड़पट्टी' (फ्ल्यूरोसिस ग्रस्त पट्टी) कहाँ है ? [कर सहायक परीक्षा-14.10.2018]
[R.A.S. Pre Exam 2007] [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
[JEN (Mech.) Diploma-2016][Librarian Garde-II- 2.8.2020]
(1) भरतपुर-अलवर (2) कोटा-बूँदी
(3) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर (4) नागौर-अजमेर
Ans. (4)

व्याख्या - *नागौर, डीडवाना-कुचामन एवं अजमेर जिले की बांका/होन्च/कुबड़ पट्टी के लोग फ्लोराइड एवं खारा पानी पीने के कारण* ***फ्लोरोसिस*** *रोग की चपेट में है। फ्लोरोसिस रोग से लोग बांके (कमर झुकी) रहने लगे हैं, इससे यह इलाका कुबड़पट्टी कहलाने लगा है। ज्ञातव्य है कि जायल श्रेणी फ्लोराइड युक्त जल के लिए प्रसिद्ध है।*

❒ **निम्न में से राजस्थान के किस जिले में 'बांका पट्टी' पेटी फैली हुई है?**[द्वितीय श्रेणी अध्यापक-01.5.2017]
(1) भीलवाड़ा (2) नागौर (3) चुरू (4) सीकर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की बांका-पट्टी किस समस्या से ग्रसित है?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]
(1) चूना-पत्थर की (2) सूखा और अकाल की
(3) फ्लोराइड की (4) वायु प्रदूषण की
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'सेम' (स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग) किस स्थिति से संबंधित है?** [RAS-2007][कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.2022]
(1) रेत/बालू के टीलो का निर्माण
(2) पारिस्थितिकी में परिवर्तन
(3) मिट्टी/मृदा का अपरदन/कटाव
(4) वनीय कटाव
Ans. (2)

व्याख्या -धरातलीय भाग पर जल प्लावन (जल भराव) से दलदलीय स्थितियाँ उत्पन्न हो जाती है, यह परिवर्तन सेम की समस्या कहलाता है। इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना में सेम की समस्या का प्रमुख कारण नहर तल के नीचे की चट्टानों का कठोर होना है जिससे पानी नीचे की बजाय किनारों की ओर फैलता है। जल रिसाव से दलदली भूमि का निर्माण हुआ। इस भूमि में केशिका कर्षण क्रिया से भूमिगत लवण धरातल पर जमा हुआ। राजस्थान में श्रीगंगानगर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़ जिले सेम समस्या से भीषणतम प्रभावित है। ***हनुमानगढ़ के पीलीबंगा तहसील के गाँव बड़ोपल 'सेम' समस्या से प्रभावित क्षेत्र है।*** *चम्बल सिंचित क्षेत्र में सेम समस्या को दूर करने के लिए कनाडा के सहयोग से 1992-93 में राजाड परियोजना चलायी गयी।*

❒ **राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसे जिले पारिस्थितिकीय समस्या 'सेम' (जलभराव) से भीषणतम प्रभावित है-**[JEN (विद्युत) डिप्लोमा-29.11.2020] [कृषि अधिकारी-19.1.2021][Lab Assistent -30.06.2022] [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
(1) बाँसवाड़ा - डूँगरपुर (2) जालौर - सिरोही
(3) श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ (4) भरतपुर-धौलपुर
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बड़ोपल गाँव जिसके लिए प्रायः जाना जाता है, वह है?** [E.O. Exam, 2007]
(1) जिप्सम का उत्पादन (2) कपास उत्पादन
(3) भूगर्भीय जल का ऊपर आकर एकत्रित होना या 'सेम'
(4) पशु मेला
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में मृदा उर्वरता में अवनयन का प्रमुख क्या काण है?** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) गहन कृषि (2) जल-भराव
(3) पवन अपरदन (4) नाली अपरदन
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित नहीं है?** [Lab Assistant Exam - 13.11.2016]
(1) उदयपुर-चित्तौड़गढ़-लाल काली मिट्टी
(2) अलवर-जयपुर - दोमट मिट्टी
(3) श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ - भूरी बलुई मिट्टी
(4) कोटा- झालावाड़ - काली मिट्टी
Ans. (3) *गंगानगर-हनुमानगढ़ : रेतीली बालू मिट्टी*

❒ **पश्चिमी राजस्थान की मिट्टी अम्लीय और क्षारीय तत्त्वों से संसिक्त कैसे हो जाती है?**
[प्रयोगशाला सहायक 13.11.16] [R.A.S. Pre, 2007]
(1) जल के प्रवाह (Flow of Water) से
(2) मिट्टी की निचली सतह से ऊपर की ओर कोशिकाओं द्वारा जल रिसाव (Capillary action of water through cells) से
(3) मिट्टी के अपक्षालन (leaching) से
(4) मिट्टी के ऊपरी सतह से नीचे की ओर जल रिसाव (water percolation) से
Ans. (2)

व्याख्या - कम वर्षा, कम आर्द्रता, अपलक्षन, उच्च तापक्रम, उच्च वाष्पीकरण एवं वाष्पोत्सर्जन इत्यादि जलवायुवीय कारक ही इन प्रदेशों में लवणीय व क्षारीय भूमि हेतु उत्तरदायी है। मिट्टी में लवणीयता की समस्या कम करने हेतु जिप्सम का प्रयोग किया जाता है।

❑ **राजस्थान के निम्न बेसिनों में से कहाँ अधिकतम बीहड़ भूमि पायी जाती है?**[द्वितीय श्रेणी अध्यापक-26.4.2017]
[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.03.2019]
[RAS (Pre) - 14 June, 2012][III Grade (SST) -26.02.2023]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) चम्बल (2) मध्य माही (3) ऊपरी बनास (4) लूनी

Ans. (1)

व्याख्या *- चम्बल बेसिन में बीहड़ मिलते है। चम्बल नदी के द्वारा मिट्टी के भारी कटाव के कारण प्रवाह क्षेत्र में बन गई गहरी घाटियाँ व टीले। 5 से 30 मीटर गहरे खड्डों को स्थानीय भाषा में खादर कहते है। राज्य में बीहड़ भूमि का सर्वाधिक विस्तार सवाई माधोपुर एवं करौली जिलों में है। अवनालिका अपरदन/मिट्टी अपरदन (कन्दरा समस्या) के कारण पतली-पतली नालियाँ गहरी नालियों में बदल जाती है जिससे गहरी घाटी व खड्डे (बीहड़ भूमि) बन जाते हैं। चम्बल नदी के विशाल बीहड़ या उत्खनात स्थलाकृति इस प्रकार के अपरदन के उदाहरण है। अवनालिका अपरदन से हाड़ौती पठार के क्षेत्र कोटा, करौली, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, बूँदी, भरतपुर और जयपुर जिलें ग्रस्त है।*

❑ **राजस्थान में कौनसा क्षेत्र सतही जल द्वारा मृदा-अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित है**[Asst.Prof.-22.9.2021]

(1) गोडवाड़ प्रदेश (2) शेखावाटी प्रदेश
(3) चम्बल प्रदेश (4) मारवाड़ प्रदेश

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में उत्खात भूमि स्थलाकृति दिखाई देती है-** [कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]

(1) कोटा और बूँदी (2) जैसलमेर और बाड़मेर
(3) गंगानगर और हनुमानगढ़
(4) सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में अवनालिका अपरदन (Gully Erosion)/मिट्टी अपरदन की समस्या मुख्यतः होती है?**
[LDC -19.08.2018][मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]

(1) उदयपुर (2) सिरोही
(3) अलवर (4) हाड़ौती पठार क्षेत्र कोटा

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **अधिक अवनालिका अपरदन वाले जिले हैं-**
[Head Master -11.10.2021]

(1) अलवर, भरतपुर, दौसा और जयपुर
(2) धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर और कोटा
(3) अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक और बूँदी
(4) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **चम्बल बेसिन की खण्ड भूमि को कहा जाता है-**
[III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) अवनलिकायें (2) सेम (3) चादर धुलन(4) भूमिसर्पण

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौनसी पर्यावरणीय समस्या 'रेंगती मृत्यु' कहलाती है?**[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
[CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) मृदा अपरदन (2) निर्वनीकरण
(3) जनसंख्या वृद्धि (4) जल प्रदूषण

Ans. (1)

व्याख्या *- प्राकृतिक तथा मानव शक्तियों द्वारा किसी प्रदेश के मिट्टी आवरण को नष्ट करने की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहते हैं। मृदा अपरदन से उपजाऊ मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रतिवर्ष कम होती जाती है। इसलिए मृदा अपरदन को **'कृषि का क्षय रोग'** अथवा **'रेंगती हुई मृत्यु'** भी कहा जाता है। मृदा अपरदन का मुख्य कारण हवा व जल है। राज्य का सर्वाधिक भू-भाग वायु अपरदन से ग्रस्त है।*

❑ **राज्य में भूमि अवनयन के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्र प्रभावित है-** [ARO (Entomology) 28.8.2022]

(1) जल अपरदनसे (2) वायु अपरदन से
(3) लवणता से (4) जलमग्नता से

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **मरुस्थलीय क्षेत्र में मिट्टी के अपरदन को रोकने के लिये क्या किया जाना चाहिये?**
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) फसलों के हेर-फेर को अपनाना
(2) वृक्षों की पट्टी लगाना (3) खेतों में मेड़बन्दी करना
(4) चरागाहों को विकसित करना

Ans. (2)

❑ **मृदा संरक्षण की प्रमुख विधि कौनसी नहीं है?**
[वनपाल-06.11.2022(S-I)]

(1) फसल चक्रीकरण (2) रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग
(3) पट्टीदार कृषि (4) पशुचारण पर नियंत्रण

Ans. (2)

❐ **मृदा अपरदन का निम्नलिखित में से कौनसा एक कारण नहीं है**–[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) अतिचारण (ओवरग्रेजींग) (2) बाढ़ (फ्लड्स)
(3) भूस्खलन (लैंड स्लाइड्स) (4) वन-रोपण (फॉरेस्टेशन)
Ans. (4)

❐ **मृदा-जिले सुमेलित कीजिये:**[Librarian III Gr. 11.9.2022]

A. लाल रेतीली	1. पाली, सिरोही, सीकर, झुन्झुनूँ
B. पीली, भूरी रेतीली	2. नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर
C. लवणीय	3. नागौर, पाली
D. भूरी रेतीली	4. नागौर, जोधपुर, पाली, जालौर, चूरू और झुन्झुनूँ

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	4	3	2	1
(3)	4	3	1	2	(4)	3	4	1	2

Ans. (3)

❐ **निम्नलिखित में से कौनसे जिले में सर्वाधिक बेकार (Waste Land) भूमि है**- [R.A.S.-1999] [RAS-2003]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
(1) जोधपुर (2) चुरू (3) उदयपुर (4) जैसलमेर
Ans. (4)

***व्याख्या** - राजस्थान में सर्वाधिक बेकार भूमि क्रमशः जैसलमेर (68.34%), राजसमंद (48.91%), बीकानेर (39.15%) तथा उदयपुर (36.31%) है।*

❐ **जिप्सीफेरस मृदा पाई जाती है**-[H. Master -11.10.2021]
[CET : 8.1.2023 (S-II)][वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]
[योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]
[III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) श्रीगंगानगर (2) भरतपुर (3) कोटा (4) बीकानेर
Ans. (4) ***व्याख्या :** निम्नांकित सारणी में देखें।*

❐ **कृषि विभाग, राजस्थान के मृदा वर्गीकरण के अनुसार 'रेवेरिता' (रेवरिना) मृदा पायी जाती है**-
[खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]
(1) गंगानगर (2) बीकानेर (3) उदयपुर (4) जालौर
Ans. (1) ***व्याख्या :** निम्नांकित सारणी में देखें।*

❐ **पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है?**[सहा. सांख्यिकी अधिकारी-27.05.2019]
(1) पीली-भूरी
(2) धूसर -भूरी (ग्रे-ब्राउन) जलोढ़
(3) लाल दोमट
(4) गहरी मध्यम काली
Ans. (2) ***व्याख्या :** निम्नांकित सारणी में देखें।*

राजस्थान के कृषि विभाग का मृदा वर्गीकरण एवं जिले*

मृदा	जिले
1. साई रोजेक्स (Sie Rozems)	गंगानगर
2. **रेवेरिता (Reverita)**	गंगानगर
3. मरुस्थली मृदा (Desert Soils)	गंगानगर, चूरू, झुँझुनूँ, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, बाड़मेर, जोधपुर एवं सीकर
4. **जिप्सीफेरस (Gypsiferrous)**	बीकानेर
5. **धूसर भूरी** जलोढ़ मृदा (Gray-Brown Alluvial Soils)	जालोर, पाली, नागौर, अजमेर एवं सिरोही
6. नान केल्सिल ब्राउन मृदा (Non Calcil Brown Soils)	जयपुर, सीकर, झुँझुनूँ, नागौर, अजमेर एवं अलवर
7. नवीन जलोढ़ मृदा (Alluvial Soils of Recent Origin)	अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर एवं जयपुर
8. पीली-भूरी मृदा (Yellowish Brown Soils)	जयपुर, टोंक, स.माधोपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर
9. नवीन भूरी मृदा (Brown Soils of Recent Origin)	भीलवाड़ा एवं अजमेर
10. पर्वतीय मृदा (Hilly Soils)	उदयपुर एवं कोटा
11. **लाल-लोम (Red Loam)**	डूँगरपुर एवं बाँसवाड़ा
12. काली गहरी मध्यम मृदा (Deep Medium Black Soils)	कोटा, बूँदी, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, भरतपुर, झालावाड़
13. केल्सी ब्राउन मरुस्थली मृदा (Desert Soils Calcie Brown)	जैसलमेर एवं बीकानेर
14. मरुस्थल एवं बालूका स्तूप (Desert and Dunes)	जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर एवं बीकानेर

* कृषि विभाग द्वारा मृदा वर्गीकरण के संशोधित जिलेवार सारणी जारी नहीं की गई है। अत: सारणी को यथावत रखा गया है।

7. अपवाह तंत्र : नदियाँ

❒ राजस्थान में नदी प्रवाह कितने रूप में पाया जाता है-[II Grade (Sanskart)-2011][Agri. Officer : 29.01.2013]
(1) 2 (2) 3 (3) 4 (4) 5
Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान की नदियों को प्रकृति, दिशा व प्रवाह प्रणाली के आधार पर तीन भागों में बाँट सकते हैं-

1. बंगाल की खाड़ी नदी तंत्र (24%) - अरावली पर्वत से पूर्वी भाग में बहने वाली बनास, कालीसिंध, पार्वती आदि नदियाँ चम्बल में प्रवाहित होकर यमुना नदी में मिल जाती है तथा यमुना नदी, गंगा नदी में एवं अन्त में गंगा नदी का जल बंगाल की खाड़ी में मिल जाता है। अतः इन नदियों को बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र कहते हैं। लम्बी दूरी, मंद गति, सर्वाधिक नदियाँ, डेल्टा निर्माण इसकी विशेषताएँ है।

2. अरब सागरीय नदी तंत्र (16%)- अरावली पर्वत से पश्चिमी भाग में बहकर अपना जल अरब सागर में ले जाने वाली माही, लूनी, साबरमती, पश्चिमी बनास एवं इनकी सहायक नदियों को अरब सागर का अपवाह तंत्र कहते हैं। कम दूरी, तीव्रगामी गति, ज्वारनदमुख (एश्चुरी) का निर्माण इसकी विशेषताएँ हैं। इसे दो भागों में बाँटा जाता है -1. कच्छ की खाड़ी में गिरने वाली (लूनी, पश्चिमी बनास), 2. खंभात की खाड़ी में गिरने वाली (साबरमती, माही)

3. आन्तरिक प्रवाह नदी तंत्र (60%)- अन्तःप्रवाहित नदियाँ वे नदियाँ है जिनका जल समुद्र तक नहीं पहुँच पाता जो अपने प्रवाह क्षेत्र में ही विलुप्त हो जाती है। जैसे-घग्घर, कांतली, लिक, कांकणी (काकनी), मंथा, रूपनगढ़, साबी, रूपारेल, मेंढ़ा, खांडेल इत्यादि। यह राजस्थान का सबसे बड़ा अपवाह तंत्र है।

(स्रोत : RBSE, Class 6,पृष्ठ- 35)

❒ राजस्थान की निम्न नदियों में से अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ हैं। [ARO (Agronomy) 29.8.2022]
1. माही 2. चम्बल 3. साबरमती 4. लूनी
(1) 1 और 2 (2) 1, 2, 3 (3) 1, 2, 4 (4) 1, 3, 4
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसी नदी अरब सागर में गिरती है-
[ARO (Agri. Che., Agronomy) 27.8.2022]
(1) चम्बल (2) बनास (3) लूनी (4) गंभीरी
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित में से कौनसी नदी अरब सागर में गिरती है- [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) चंबल (2) बनास (3) बाणगंगा (4) माही
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित में से कौनसी राजस्थान की नदी बंगाल की खाड़ी के अपवाहतंत्र का भाग नहीं है-
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]
(1) चम्बल (2) माही (3) बनास (4) खारी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ अन्तःप्रवाही नदी है? [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
(1) पश्चिमी बनास (2) काँतली (3) गम्भीरी (4) खारी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित नदियों में से कौनसी अन्तःप्रवाही नदी नहीं है? [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) लिक (2) मेंढा (3) वाकल (4) खाण्डेल
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौन-सी नदी राजस्थान के आन्तरिक अपवाह तंत्र से संबंधित नहीं है? [JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
(1) कान्तली (2) काकनी (3) मेढ़ा (4) डाई
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न में से कौनसी आन्तरिक अपवाह नदी है?
[वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) मीठड़ी (2) साबी (3) मासी (4) सूकड़ी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न में से कौनसी राजस्थान की एक नदी अन्तःप्रवाह प्रणाली के अन्तर्गत नहीं है? [LDC -16.09.2018]
[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) जाखम (2) कांतली (3) काकनी (4) घग्घर
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के अन्तःप्रवाही अपवाह तंत्र में कौनसी नदी सम्मिलित नहीं है?
[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.03.2019]
(1) पश्चिमी बनास (2) रूपारेल (3) साबी (4) काकनी
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ अन्तःप्रवाहित नदी नहीं है? [कॉलेज व्याख्याता-2016]
[II Grade GK - 22.12.2022]
(1) साबी (2) काँतली (3) काकनी (4) खारी
Ans. (4) *खारी बनास की सहायक नदी है।*

❒ **निम्न में से कौनसी नदियाँ अरब सागरीय नदी तंत्र का भाग नहीं है?** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]

1. बनास नदी **2. साबरमती नदी**
3. पश्चिमी बनास नदी **4. कांकणी नदी**
5. माही नदी

कूट-(1) 1, 3 एवं 4 (2) 1, 2 और 4
(3) 2, 3 और 5 (4) 1 और 4

Ans. (4)

व्याख्या *- कांकणी आंतरिक प्रवाह की नदी है। अरब सागरीय तंत्र के भाग कच्छ की खाड़ी में पश्चिमी बनास, लूणी तथा खम्भात की खाड़ी में साबरमती, माही गिरती है। बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली प्रमुख नदियाँ बनास, चम्बल, पार्वती, कालीसिंध आदि।*

❒ **चन्द्रभागा एवं कोठारी नदी किस अपवाह तंत्र का भाग है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -III]

(1) खंभात की खाड़ी अपवाह तंत्र
(2) आन्तरिक अपवाह तंत्र
(3) कच्छ की खाड़ी अपवाह तंत्र
(4) बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र

Ans. (4)

व्याख्या *- कोठारी एवं चन्द्रभागा बंगाल की खाड़ी के अपवाह तंत्र का भाग है।* ***कोठारी नदी राजसमन्द जिले में*** *स्थित दिवेर नामक स्थान से निकलकर भीलवाड़ा जिले के बाद शाहपुरा जिले की कोटड़ी तहसील के नंदरायपुर में बनास नदी में मिलती है।*

❒ **नदी जिसका जल बंगाल की खाड़ी में पहुँचता है, वह है-** [II Grade (Science) Exam. 2011]

(1) माही (2) सोम (3) चम्बल (4) साबरमती

Ans. (3)

व्याख्या *- चम्बल नदी का जल अंततः बंगाल की खाड़ी में पहुँचता है। जबकि माही, (सोम, माही की सहायक नदी है) साबरमती का जल खम्भात की खाड़ी में गिरता है।*

❒ **खारी नदी जिस अपवाह तंत्र का अंग है, वह है :** [R.A.S. Pre Ex., 2010]

(1) अरब सागरीय (2) आन्तरिक अपवाह
(3) अनिश्चित अपवाह (4) बंगाल की खाड़ी

Ans. (*)

व्याख्या *- राजस्थान में खारी नाम से दो नदियाँ हैं जिसमें एक अरब सागरीय (इसका उद्गम स्थल सिरोही जिले के शेरगाँव की पहाड़ियाँ है। यह सिरोही, जालोर में बहकर जालोर के सायला गाँव में यह लूनी की सहायक नदी जवाई नदी में मिल जाती है) तथा*

दूसरी 'खारी' बंगाल की खाड़ी (यह राजसमंद में बिजराज/ बिजराल ग्राम की पहाड़ियों से निकलकर भीलवाड़ा (हुरड़ा) में बहकर शाहपुरा-केकड़ी की सीमा बनाते हुए राजमहल (टोंक) में बहकर देवली के निकट बनास में मिल जाती है) अपवाह तंत्र का अंग है।

❒ **बिजराल की पहाड़ियों से निकलने वाली खारी नदी निम्नलिखित में से किस अपवाह तंत्र का भाग है?** [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]

(1) बंगाल की खाड़ी (2) अरब सागरीय
(3) अनिश्चित अपवाह (4) आन्तरिक अपवाह

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **खारी नदी का उद्गम राजसमन्द जिले के उत्तर में स्थित.....गाँव की पहाड़ियों से होता है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन) परीक्षा- 24.03.2019]

(1) अरना (2) बागोता (3) बासाणी (4) बिजराल

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **खारी नामक नदी किस नदी तंत्र का भाग है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]

(1) बनास केवल (2) लूनी एवं बनास दोनों की
(3) चम्बल केवल (4) लूनी केवल

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जिस नदी का जल अरब सागर में प्रवाहित नहीं होता, वह है?** [A. Jailor Exam, 2004]

(1) खारी (2) सूकड़ी (3) साबरमती (4) जवाई

Ans. (1)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **आसींद, विजयनगर एवं हुरड़ा स्थलों के निकटतम नदी कौनसी है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II]

(1) कोठारी (2) खारी (3) बेड़च (4) बनास

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा (उत्पत्ति स्थान-नदी) सही सुमेलित नहीं है?** [House Keeper -9.7.2022]

(1) जानापाव पहाड़ियाँ-चंबल (2) नाग पहाड़ - लूनी
(3) गोगुन्दा पहाड़ियाँ-बेड़च (4) बिजराल पहाड़ियाँ-बनास

Ans. (4) ***बिजराल पहाड़ियाँ - खारी नदी***

❑ **पूर्व में जब घग्घर नदी बाढ़ के उफान में होती थी, तो कहाँ तक पहुंच जाती थी?** [R.A.S. , 2007]

(1) तलवाड़ा (2)हनुमानगढ़(3)अनुपगढ़(4) फोर्ट अब्बास

Ans. (4)

व्याख्या - घग्घर नदी -इस नदी को नट नदी, मृत नदी, सोतर नदी, सरस्वती नदी और द्वैषवती नदी के नामों से जाना जाता है। इसका उद्गम हिमाचल प्रदेश की शिवालिक पहाड़ी (कालका माता के मंदिर के पास) से होता है। राजस्थान में प्रवेश उत्तर दिशा से टिब्बी तहसील के तलवाड़ा गाँव (हनुमानगढ़) नामक स्थान पर होता है तथा राजस्थान में बहाव क्षेत्र नाली कहलाता है। इसका अन्तिम स्थान फोर्ट अब्बास (बहावलपुर, पाकिस्तान) है। बहावलपुर (पाकिस्तान में) बहाव क्षेत्र 'हकरा' कहलाता है। यह आन्तरिक प्रवाह की दृष्टि से सबसे लम्बी नदी है। इस नदी के मुहाने पर कालीबंगा सभ्यता विकसित है। ज्ञातव्य है कि हनुमानगढ़ स्थित तलवाड़ा झील घग्घर नदी पर निर्मित है।

घग्घर बेसिन मुख्यत: 3 जिलों (गंगानगर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़) में फैला हुआ है।

❑ **'मृत नदी' की उपमा निम्न में से किस नदी को दी गई है?** [कर सहायक-14.10.2018] [संगणक- 05.05.2018] [Asstt. Agriculture Officer- 31.05.2019]

(1) कातली (2) काकानी (3) साबी (4) घग्घर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ **राजस्थान में से कौनसी नदी उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है?** [Librarian III Grade 11.09.2022] [VDO Mains -09.07.2022]

(1) चंबल (2) माही (3) घग्घर (4) कान्तली

Ans. (3) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ **घग्घर का 'दोआब मैदान' जो राजस्थान के हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर जिलों में पाया जाता है, वह निम्नलिखित किन दो नदियों के निक्षेपण से बना है?** [LDC-19.08.2018]

(1) बनास और बाणगंगा (2) घग्घर और व्यास
(3) जवाई और सुकड़ी (4) घग्घर और सतलज

Ans. (4) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ **राजस्थान में बाढ़ का प्रकोप मुख्यतया 'घग्घर नदी की घाटी' में किस-किस क्षेत्रों में देखा जाता है?**
1. सूरतगढ़ 2. बोरपाल 3. मानेकथर 4. खण्डेला [ARO (Entomology)-30.08.2022]

(1) 2, 3 और 4 (2) 1, 2 और 3
(3) 1, 3 और 4 (4) 1, 2, 3 और 4

Ans. (2) ***खण्डेला सीकर में स्थित है।***

❑ **जिस नदी का जल किसी खुले महासागर में नहीं पहुँचता, वह है ?** [A. Jailor Exam, 2004]

(1) साबरमती (2) माजम (3) कांतली (4) सोम

Ans. (3)

व्याख्या-कांतली -राज्य में पूर्ण बहाव की दृष्टि से आन्तरिक प्रवाह की सबसे लम्बी नदी। सीकर जिले की खण्डेला की पहाड़ियों से निकलकर नीम का थाना जिले की उदयपुरवाटी तहसील के दक्षिण-पश्चिम में झुंझुनूँ जिले को दो भागों में बाँटती हुई चूरू की सीमा में विलीन हो जाती है। इसका प्रवाह क्षेत्र तोरावाटी कहलाता है।

❑ **निम्नलिखित में से कौनसी नदी तोरावाटी बेसिन में प्रवाहित होती है?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]

(1) काकनी (2) कान्तली (3) बाणगंगा (4) गंभीरी

Ans. (2) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ **मरुस्थल में भुझ झील का निर्माण किस नदी पर किया गया है ?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) घग्घर (2) कांटली (3) काकनेय (4) बनास

Ans. (3)

व्याख्या - काकनेय/काकनी व मसूरदी नाम से प्रसिद्ध इस नदी का उद्गम जैसलमेर का कोठ्यारी गाँव है। यह आन्तरिक प्रवाह की सबसे छोटी नदी है। यह नदी जैसलमेर के रूपसी गाँव में प्रसिद्ध भुझ (बुझ) झील का निर्माण करती है। इसका विलुप्ती स्थल मीठा खाड़ी है।

❑ **राजस्थान की निम्नलिखित में से कौनसी नदी सतह के थोड़े से बहाव के बाद रेत में गायब हो जाती है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) बनास (2) काली (3) लूनी (4) काकनी

Ans. (4) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ **राजस्थान की किस नदी को मसूरदी नदी भी कहा जाता है?** [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.03.2018]

(1) काकनी (2) काँतली (3) मेन्धा (4) जाखम

Ans. (1) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ **निम्न नदी एवं उद्गम स्थल में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]

(1) बनास-खमनौर पहाड़ी (2) बाणगंगा - बैराठ पहाड़ी
(3) कांतली-खंडेला पहाड़ी(4) काकनी-कुम्भलगढ़ पहाड़ी

Ans. (4) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **कौनसी नदी राजस्थान के पूर्वी मैदान में प्रवाहित नहीं होती है**-[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) मोरेल (2) बाणगंगा (3) काकनी (4) ढूंढ

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **रूपारेल नदी का उद्गम होता है-**

[III Grade (Hindi) -26.02.2023]

(1) उदयनाथ (2) रघुनाथगढ़ (3) कुम्भलगढ़ (4) राजोरगढ़

Ans. (1)

व्याख्या – ***रूपारेल नदी*** *का उद्गम स्थल उदयनाथ की पहाड़ी (थानागाजी) अलवर है। इस नदी को* ***लसवारी नदी*** *तथा स्थानीय भाषा में* ***वराह नदी*** *कहते है। यह नदी सीकरी (डीग जिले) में विलुप्त हो जाती है।*

❒ **इनमें से कौन-सी राजस्थान की अन्तः प्रवाही नदी नहीं है?** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019] [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-26.04.2017] [स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022][VDO Mains -09.07.2022]

(1) कांतली (2) काकनी (3) सागी (4) घग्घर

Ans. (3)

व्याख्या : अरब सागर की ओर बहने वाली सागी नदी का उद्गम स्थल जालोर जिले की जसवंतपुरा की पहाड़ियाँ है। यह जालोर, सांचौर से बहकर बाड़मेर में गाँधव गाँव के निकट लूनी नदी में मिल जाती है।

❒ **किस नदी का उद्गम सेवर पहाड़ी से है-**

[मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]

(1) साबी (2) काकनी (3) मोरेल (4) सोम

Ans. (1)

व्याख्या-साबी नदी जयपुर ग्रामीण की सेवर पहाड़ियों से निकलकर कोटपूतली-बहरोड़ जिले में बहने के बाद हरियाणा के पटौदी के उत्तर में विलीन हो जाती है। यह नदी मुगल काल में वर्षा ऋतु में 'विनाश लीला' हेतु प्रसिद्ध थी।

❒ **कौनसी नदी अरावली के पश्चिमी ढालों से निकल कर, सिरोही के कुछ क्षेत्रों से बहते हुए कच्छ की खाड़ी में लीन हो जाती है?**[II Grade - 30.07.2023 (II)]

(1) माही (2) पश्चिमी बनास (3) साबरमती (4) मोरेन

Ans. (2)

व्याख्या : पश्चिमी बनास *नदी सिरोही जिले के 'नया सानवारा' गाँव के निकट अरावली की पहाड़ियों से निकलकर सिरोही में बहती हुई यह गुजरात के बनास काँठा जिले में प्रवेश करती है व फिर लिटिल रन (कच्छ की रन) में विलुप्त हो जाती है।*

❒ **लूनी नदी मुख्यतः बहती है ?** [S.I. Exam, 2002]

(1) राजस्थान (2) गुजरात (3) पंजाब (4) हरियाणा

Ans. (1)

व्याख्या - <u>लूनी नदी</u>-राजस्थान में बहने वाली पश्चिमी राजस्थान की सबसे लम्बी अरब सागरीय अपवाह तंत्र की यह नदी अजमेर में आनासागर झील के समीप स्थित <u>नाग पहाड़ी</u> से निकलती है। इसके उद्गम स्थल पर इसको <u>सागरमती/सरगावती कहते हैं। गोविन्दगढ़ (अजमेर) में 'सरस्वती' नामक धारा से मिलने के बाद इसको लूनी के नाम से जाना जाता है</u>। पुष्कर के निकट <u>साक्री</u>, सांचौर में <u>रेल/नाड़ा</u> भी कहते हैं। <u>इसका जल बालोतरा तक मीठा व बाद में खारा</u> है। इसे <u>मीठी-खारी नदी</u>, <u>मरुस्थल की गंगा</u> आदि नामों से जाना जाता है। लूनी नदी का उत्तरी क्षेत्र बालू रेत की अधिकता एवं फैलाव के कारण थली (रेत ही रेत) कहलाता है। कालीदास ने इस नदी को "<u>अन्तः सलिला</u>" कहा है। इसका प्रवाह क्षेत्र गोड़वाड़ प्रदेश कहलाता है। लूनी नदी की सहायक नदियाँ क्रमशः - लीलड़ी *(सबसे पहले मिलने वाली),* ***<u>जोजड़ी</u>, <u>गुहिया</u>, <u>बाण्डी</u>,*** *सूकड़ी, मीठड़ी,* ***<u>जवाई</u>,*** *खारी एवं* ***सागी*** *(सबसे अंत में मिलने वाली)* ***।अजमेर, ब्यावर, डेगाना (नागौर), बिलाड़ा (जोधपुर ग्रामीण), बालोतरा, बाड़मेर तथा सांचौर (7 जिलों) में बहती हुई यह नदी <u>कच्छ के रन</u> में गिर जाती है।***

❒ **आधी खारी-आधी मीठी कौनसी नदी कहलाती है?**

[जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) चम्बल (2) लूनी (3) बनास (4) बाणगंगा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **लूनी नदी का जल उद्गम से लेकर किस स्थान तक मीठा रहता है और उसके बाद खारा हो जाता है-**

[JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) समदड़ी (2) बालोतरा (3) सिवाना (4) सांचोर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित में से राजस्थान की कौनसी नदी बंगाल की खाड़ी अपवाह-तंत्र की नदियों में शामिल नहीं है- [JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
(1) चंबल (2) लूनी (3) बनास (4) बाणगंगा
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ डेगाना, बिलाड़ा, पाली तथा जालौर भाग हैं- [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) माही बेसिन के (2) चम्बल बेसिन के
(3) लूनी बेसिन के (4) साबरमती बेसिन
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ लूनी का उत्तरी क्षेत्र कहलाता है- [HM- 02.09.2018]
(1) थली (2) धरियन (3) रोही (4) मेजा
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ लीलड़ी, मीठड़ी, बांडी, सूकड़ी किसकी सहायक नदियां है? [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) बेड़च (2) लूनी (3) बनास (4) घग्घर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न में से कौनसा एक युग्म (मुख्य नदी- सहायक नदी) सही सुमेलित नहीं है? [II Grade GK - 22.12.2022]
(1) लूनी-सागी (2) बनास - गुहिया
(3) चम्बल-बनास (4) यमुना - गम्भीरी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ यदि हम लूनी नदी के किनारे इसके उद्गम से अंत तक यात्रा करते हैं, तो हम इसकी सहायक नदियों को किस क्रम में पायेंगे- [VDO-27.12.2021 (S-I)]
1. जवाई 2. बाण्डी 3. सूकड़ी 4. गुहिया
कूट: (1) 3, 2, 1, 4 (2) 4, 2, 3, 1
(3) 1, 2, 3, 4 (4) 4, 3, 2, 1
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित में से अरब सागरीय अपवाह तंत्र का उदाहरण है? [REET (Level – II, S-II) –24.07.2022]
(1) मेनाल, कोठारी, बेडच (2) जोजड़ी, बेडच, मेनाल
(3) कोठारी, सोम, रूपारेल (4) जोजड़ी, बांडी, जवाई
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न में से जवाई नदी किस नदी की सहायक नदी है- [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा –13.12.2020] [Asst. Town Planner- 16.06.2023]
(1) माही (2) लूनी (3) बनास (4) सूकड़ी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ लूनी की सहायक नदी नहीं है? [महिला पर्यवेक्षक - 29.11.2015]
(1) जोजरी (2) सूकड़ी (3) गुहिया (4) मेंन्डा
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ लूनी नदी के प्रदूषण का प्रमुख स्रोत क्या है? [द्वितीय श्रेणी अध्यापक-1.5.2017][जेल प्रहरी 20-10-2018, S. -II] [कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]
(1) रंगाई-छपाई उद्योग (2) ग्वार-गम उद्योग
(3) इन्जीनियरिंग उद्योग (4) हैन्डी क्राफ्ट उद्योग
Ans. (1)

व्याख्या : पाली के रंगाई-छपाई उद्योगों एवं वस्त्र उद्योग के कारण लूनी की सहायक नदी बाण्डी नदी प्रदूषित हो रही है। बाण्डी नदी को 'केमिकल रिवर' कहते हैं।

❒ पाली के वस्त्रोद्योग के कारण कौनसी नदी प्रदूषित हो रही है? [ARO (Entomology)-30.08.2022]
(1) सुकड़ी (2) लीलड़ी (3) जवाई (4) इनमें से कोई नहीं
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ लूनी नदी की निम्न सहायक नदियों में अरावली पर्वतमाला से नहीं निकलने वाली नदी है? [III Grade Teacher-2006][CET - 5.2.2023 (S- II)]
(1) बांडी (2) जोजरी (3) लीलड़ी (4) जवाई
Ans. (2)

व्याख्या* - जोजड़ी (जोजरी) *का उद्गम स्थल नागौर जिले की पोंडलू गाँव की पहाड़ियाँ है। यह नागौर, जोधपुर ग्रामीण में बहती है। यह लूनी नदी की एकमात्र सहायक नदी है जो उसमें दायीं ओर से मिलती है तथा जिसका उद्गम अरावली की पहाड़ियाँ नहीं है। लूनी की अन्य सभी सहायक नदियाँ अरावली से निकलती है।

❒ तिलवाड़ा में लूनी नदी से ...नदी मिलती है- [कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन) सीधी भर्ती- 24.03.2019]
(1) मिठड़ी (2) जवाई (3) सूकड़ी (4) माही
Ans. (3)

व्याख्या* - सूकड़ी *का उद्गम स्थल पाली जिला है। यह पाली, जालोर, बालोतरा जिले में बहती है। यह बालोतरा के समदड़ी गाँव में लूनी नदी में मिल जाती है। जालोर के बाँकली ग्राम में इस पर बाँकली बाँध बनाया गया है।

❒ बाँकली बाँध किस नदी पर स्थित है- [पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)][अन्वेषक- 27.12.2020]
(1) लूणी (2) काली सिंध (3) साहिबी (4) सूकड़ी
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ नदी जिसका उद्गम मध्यप्रदेश से होता है और जो अपना जल खम्भात की खाड़ी में उड़ेलती है, वह है? [RAS (Pre) Exam. 14 June, 2012, 1994]
(1) लूनी (2) माही (3) जवाई (4) पार्वती
Ans. (2)

व्याख्या - माही नदी - माही को आदिवासियों की गंगा/बागड़ की गंगा/काँठल की गंगा/दक्षिणी राजस्थान की स्वर्ण रेखा आदि नामों से जाना जाता है। मध्य प्रदेश के धार जिले की अमरोरू पहाड़ी के सरदारपुरा के निकट मेंहद झील से निकलकर राजस्थान में बाँसवाड़ा जिले के खांदु गाँव के निकट प्रवेश करती है। बाँसवाड़ा, डूँगरपुर की सीमाओं को अलग करती हुई यह नदी कर्क रेखा को दो बार पार करती है। माही नदी के प्रवाह क्षेत्र को छप्पन का मैदान कहते है। माही नदी उल्टे यू (∩) आकार में बहती हुई खम्भात की खाड़ी (अरब सागर) में गिर जाती है। इस नदी पर बोरखेड़ा गाँव (बाँसवाड़ा) में माही बजाज सागर बाँध एवं कागदी गाँव (बाँसवाड़ा) में कागदी पिकअप बाँध बनाया गया है। 'सुजलाम - सुफलाम क्रांति' का सम्बन्ध माही नदी से है।

❐ माही नदी का उद्गम......में है। [III Grade (Urdu) -28.02.2023]
(1) महेसाणा, गुजरात (2) बाँसवाड़ा, राजस्थान
(3) डूँगरपुर, राजस्थान (4) धार, मध्यप्रदेश
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ किस नदी को बागड़ व कांठल की गंगा कहा जाता है? [Police Constable Exam- 2013]
(1) चम्बल (2) माही (3) सोख (4) जाखम
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ माही नदी का किनारा कहलाता है- [VDO-27.12.2021 (S-II)]
(1) थली (2) कांठल (3) देवल (4) छप्पन
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ जो नदी राजस्थान में दक्षिण से प्रवेश करके पश्चिम में प्रवाहित होकर पुनः दक्षिण की ओर मुड़ जाती है, वह है ? [A. Jailor Exam, 2004]
(1) लूनी (2) माही (3) चम्बल (4) काली सिन्ध
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्न में से कौनसा राजस्थान के दक्षिणतम भाग में अवस्थित है? [सहायक सांख्यिकी अधिकारी-27.05.2019]
(1) लूनी बेसिन (2) माही बेसिन
(3) बनास बेसिन (4) दक्षिणी अरावली
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में कर्क रेखा को दो बार पार करने वाली कौनसी नदी है? [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II]
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
[II Grade (Hindi) Exam. 2011]
(1) सोम (2) माही (3) जाखम (4) बांडी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में माही नदी निम्न में से किन जिलों की सीमा बनाती है-[JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) प्रतापगढ़-डूँगरपुर (2) डूँगरपुर-बाँसवाड़ा
(3) डूँगरपुर-उदयपुर (4) बाँसवाड़ा-प्रतापगढ़
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सुमेलित नहीं है-[कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]
(1) बेड़च - गोगुन्दा की पहाड़ियाँ
(2) गम्भीरी नदी- जावद पहाड़ियाँ
(3) बाणगंगा नदी - बैराठ पहाड़ियाँ
(4) माही नदी - खमनौर की पहाड़ियाँ
Ans. (4) *माही नदी का उद्गम-मेंहद झील (अमरोरू पहाड़ी)*

❐ सोम एक सहायक नदी है-[II Grade Teacher -28.10.18]
(1) साबरमती (2) माही (3) बनास (4) लूनी
Ans. (2)

व्याख्या- अनास, इरु, सोम, चाप, एराव, भादर, ईराऊ, जाखम, हरण और मोरान माही की प्रमुख सहायक नदियाँ है। केवल हरण, अनास और चाप माही नदी के बाएँ किनारे पर मिलती है, शेष सभी दाएँ किनारे पर मिलती हैं। माही की सहायक इरु नदी इसमें माही बाँध के पहले ही मिल जाती है। शेष सहायक नदियाँ माही बाँध के पश्चात इसमें आकर मिलती है।

❐ राजस्थान में भादर, ईराऊ, हरण और मोरान किस नदी की सहायक नदियाँ हैं- [JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]
(1) साबरमती (2) माही (3) बनास (4) लूनी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ अनास, इरु तथा चाप किस नदी की सहायक नदियाँ है? [JEN (Agri.) 10.09.2022]
(1) चम्बल (2) बनास (3) माही (4) काली सिंध
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ माही नदी के बायें किनारे की सहायक नदी है? [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]
(1) इरू (2) जाखम (3) अनास (4) चाप
Ans. (3, 4)* *व्याख्या :* उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **अनास, एराव व सोम जिस नदी की सहायक नदियाँ हैं, वह है:** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
(1) माही (2) बनास (3) साबरमती (4) काली सिंध
Ans. (1) *व्याख्या :* उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ 'सोम' नदी निकलती है- [Asst. Agri. Officer 29.1.2013]
(1) माउन्ट आबू (2) अजमेर (3) बीछामेड़ा (4) पचमेड़ा
Ans. (3)

व्याख्या* - *सोम नदी : यह नदी उदयपुर जिले के बीछामेड़ा नामक स्थान से निकलकर सलूम्बर होती हुई बेणेश्वर (डूँगरपुर) के समीप माही नदी में मिल जाती है। इस नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ गोमती व जाखम है।

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा (नदी-उत्पत्ति स्थान) सुमेलित नहीं है?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]
(1) सोम - बाबलवाड़ा पहाड़ियाँ
(2) जाखम - छोटी सादड़ी
(3) बनास - खमनौर पहाड़ियाँ
(4) सागी - जसवंतपुरा पहाड़ियाँ
Ans. (1) *व्याख्या :* उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **कौनसी नदी बंगाल की खाड़ी के अपवाह तंत्र में सम्मिलित नहीं है?** [पशुधन सहायक - 21.10.2018]
(1) पार्वती (2) परवन
(3) सीप (4) अनास
Ans. (4)

व्याख्या* *-अरब सागरीय अपवाह तंत्र की प्रमुख नदी माही की सहायक नदी अनास का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश में आम्बेर गाँव के निकट विंध्याचल की पहाड़ियाँ है। यह राजस्थान में बाँसवाड़ा के मेलेडिखेड़ा गाँव के पास प्रवेश करती है व डूँगरपुर में गलियाकोट के निकट माही में मिल जाती है। अनास नदी की सहायक नदी हरण है।

❒ **कौनसा युग्म सही है?** [R.A.S. Pre, 1995, 2008] [JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) कोठारी-लूनी (2) सुकड़ी-बनास
(3) जाखम-माही (4) बाणगंगा-चम्बल
Ans. (3)

व्याख्या*-*प्रतापगढ़ की छोटी सादड़ी में भँवर माता के मंदिर की पहाड़ी से निकलकर प्रतापगढ़ की धरियावाद तहसील तथा सलूम्बर में बहती हुई जाखम नदी बेणेश्वर (डूँगरपुर) से थोड़ा पहले लोरावल बिलूरा गाँवों के पास सोम नदी में मिल जाती है तथा सोम नदी माही की सहायक नदी है।

❒ **जाखम एक सहायक नदी है-** [स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]
(1) लूनी (2) बनास (3) माही (4) साबरमती
Ans. (3) *व्याख्या :* उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **निम्नांकित में से कौनसी नदी अरब सागर की तरफ बहती है?** [II Grade T. (Science) Ex., 2010]
(1) चंबल (2) बनास (3) बेड़च (4) साबरमती
Ans. (4)

व्याख्या* - *साबरमती नदी उदयपुर जिले की झाड़ोल तहसील में स्थित पादरला गाँव की अरावली श्रृंखलाओं से निकलती है। यह नदी राजस्थान (लगभग 45 किमी.) से गुजरात की ओर बहती हुई अंततः खम्भात की खाड़ी में गिर जाती है। साबरमती की सहायक नदियाँ सेई, बाकल, हथमति, मेश्वा, वेतरक और माजम हैं जो सभी डूँगरपुर तथा उदयपुर से निकलती है।

❒ **हथमति, मेश्वा, माजम, वेतरक नदियाँ किस नदी का भाग है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III] [JEN Civil Diploma Exam, 21-08-2016]
(1) साबरमती (2) माही (3) पश्चिम बनास (4) काली सिंध
Ans. (1) *व्याख्या :* उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **तथ्यों के आधार पर नदी को पहचानिए-** [II Grade (S-II) -29.1.2023]
1. यह कोटड़ा (उदयपुर) से उद्गमित होती है।
2. हथमति, मेश्वा तथा वेतरक इसकी सहायक नदियाँ हैं।
3. यह नदी राजस्थान में लगभग केवल 45 किमी प्रवाहित होती है।
(1) माही (2) पश्चिमी बनास (3) साबरमती (4) जाखम
Ans. (3) *व्याख्या :* उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **बाकल तथा सेई धारा के मिलने से जो नदी बनती है, वो है -** [Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) माही नदी (2) साबरमती नदी
(3) पार्वती नदी (4) बनास नदी
Ans. (2) *व्याख्या :* उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **चम्बल नदी का प्राचीन नाम है ?**
[RPSC III Grade Teacher Exam-2004]
(1) खारी (2) लूनी (3) चर्मण्वती (4) पार्वती
Ans. (3)

व्याख्या - **चम्बल नदी** - इस नदी को **चर्मण्वती नदी, राजस्थान की कामधेनु, बारहमासी नदी, नित्यवाही नदी, घड़ियालों की शरण स्थली** आदि नामों से जाना जाता हैं। *चम्बल नदी* ***मध्यप्रदेश*** *में इन्दौर जिले की* ***जनापांव पहाड़ी (मऊ) से निकलकर चौरासीगढ़ (मध्यप्रदेश) के समीप राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के चित्तौरिया गाँव*** *में प्रवेश करती है और भैंसरोड़गढ़ से पाँच किमी. दूर* ***चूलिया नामक प्रसिद्ध जलप्रपात (चित्तौड़गढ़)*** *बनाती है। राजस्थान में* ***6 जिलों-चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर में बहकर*** *यह नदी उत्तरप्रदेश के मुरादगंज (ईटावा) के समीप* ***यमुना नदी*** *में मिल जाती है।*

चम्बल नदी एकमात्र नदी *है जो* ***अन्तर्राज्यीय जल सीमा*** *बनाती है।* ***चम्बल नदी 'उत्खात भूमि' (Badland) के लिए कुख्यात है।*** *विश्व की एकमात्र नदी जिसके 100 किलोमीटर के दायरे में तीन बाँध बनाये गये है और तीनों पर ही जल विद्युत उत्पादन किया जाता है।* ***सर्वाधिक जल की आपूर्ति करने वाली चम्बल नदी के द्वारा अवनालिका अपरदन सबसे अधिक होता है।*** *इसकी प्रवाह प्रणाली वृक्षाकार हैं। यह राज्य की* ***बहाव क्षेत्र की दृष्टि से सबसे लम्बी नदी है।*** *राज्य में* ***सतही जल की मात्रा सर्वाधिक*** *है। केन्द्र सरकार के* ***नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तीसरे चरण में चम्बल नदी को शामिल*** *किया गया है। चम्बल नदी में* ***'गांगेय सूंस'*** *स्तनपायी जीव तथा* ***घड़ियालों की अधिकता*** *है। चम्बल की कुल लम्बाई 1051 किमी. है परन्तु राजस्थान का भूगोल (डॉ. हरिमोहन सक्सेना) में चम्बल की लम्बाई 965 किमी. बताई गई है।*

सहायक नदियाँ *-दायीं ओर से मिलने वाली नदियाँ* ***छोटी काली सिंध*** *(राजस्थान में प्रवेश से पहले सीमा पर चम्बल में मिलने वाली), आलनिया, आहू, परवन, काली सिंध, पार्वती, सीप, कुनु तथा बायीं तरफ से* ***गुंजाली*** *(राजस्थान में प्रवेश के बाद सबसे पहले मिलती है), बामनी, कुराल, मेज, चाकण, बनास है।*

❒ **चम्बल नदी निम्नलिखित किस राज्य समूह से होकर प्रवाहित होती है?** [CET - 11.2.2023 (S-I)]
(1) मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली
(2) मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा
(3) मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात
(4) मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में निम्न में से कौनसी नदी सदावाहिनी है?** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
(1) कान्तली (2) बाणगंगा (3) घग्घर (4) चम्बल
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसी नदी राजस्थान को सर्वाधिक जल की आपूर्ति करती है?** [R.A.S. Pre Exam, 2003]
(1) चम्बल (2) बनास (3) माही (4) साबरमती
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौन-सी नदी 'उत्खात भूमि' (Badland) के लिए कुख्यात है-**[REET, 11 Feb. 2018]
[ARO-29.8.2022][कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)- 26.03.2019]
(1) चम्बल (2) कृष्णा (3) गोदावरी (4) तुंगभद्रा
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी 'कामधेनु नदी' कहलाती है-**
[प्रयोगशाला सहा.-3.2.2019][Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
(1) बनास (2) चम्बल (3) कोठारी (4) बाणगंगा
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **चम्बल नदी का उद्गम कहाँ से है-**
[JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) नाग पहाड़ (2) कुम्भलगढ़
(3) जनापांव पहाड़ियों (4) अलवर पहाड़ियाँ
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **चम्बल नदी राजस्थान में निम्न में से किन जिलों की सीमा बनाती है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) कोटा - बारां (2) बारां - झालावाड़
(3) कोटा - सवाई माधोपुर (4) सवाई माधोपुर - टोंक
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **चम्बल नदी किस जिले से नहीं गुजरती है?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013, Raj. Police 2014]

(1) चित्तौड़गढ़ (2) झालावाड़ (3) कोटा (4) धौलपुर

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **चम्बल नदी हेतु सही नहीं है**-[राज.पुलिस-13.5.2022 (I)]

(1) यह यमुना की प्रमुख सहायक नदी है, जो लगभग 960 किमी. लम्बी है।

(2) मध्य भारत में स्थित, नदी में ग्रेटर गंगा ड्रेनेज सिस्टम का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा शामिल है।

(3) यह राजस्थान राज्य से होकर बहने वाली नदियों में से सबसे बड़ी है।

(4) चम्बल दुबारा यमुना के साथ इसके संगम तक का कुल क्षेत्र हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान में स्थित है।

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **किस स्थान से चम्बल नदी राजस्थान राज्य में प्रवेश करती हैं**- [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) भैंसरोड़गढ़(2) चित्तौड़गढ़ (3) कुम्भलगढ़(4)चौरासीगढ़

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में जल द्वारा अपरदन सबसे अधिक किस नदी से होता है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)- 26.03.2019]

(1) माही (2) लूणी (3) चम्बल (4) बनास

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **किस नदी पर ईस्ट-वेस्ट कोरिडोर के अधीन 'हैंगिंग ब्रिज' बनाया जाना प्रस्तावित हैं**-[II Gr.(Maths)-2011]

(1) बनास (2) चम्बल (3) कालीसिन्ध (4) लूणी

Ans. (2)

व्याख्या* - *कोटा में चम्बल नदी पर राजस्थान का पहला एवं देश का चौथा हैंगिंग ब्रिज बनाया गया है। इसका निर्माण गेमन इण्डिया व हुंडई कम्पनी द्वारा किया गया है। इस ब्रिज से राष्ट्रीय राजमार्ग 27 गुजरता है। यह हैंगिंग ब्रिज ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर का भाग है। ज्ञातव्य है कि राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा हैंगिंग ब्रिज माही नदी पर चिखली (डूँगरपुर)-आनन्दपुरी (बाँसवाड़ा) सड़क पर संगमेश्वर में बनाया जा रहा है।

❑ **वापणी (बामणी) किस नदी की सहायक नदी है?** [PTI (Grade-III)-25.9.2022]

(1) काली सिंध (2) चम्बल (3) बनास (4) पार्वती

Ans. (2)

व्याख्या - *चम्बल की सहायक नदी बामनी/वापणी (ब्राह्मणी) नदी हरिपुरा (चित्तौड़गढ़) की पहाड़ियों से निकलकर भैंसरोड़गढ़ के निकट चम्बल में मिलती है।*

❑ **कौनसा सुमेलित नहीं है?**[I Grade Geography-16.10.2022]

(1) काली सिन्ध नदी-झालावाड़ एवं बारां

(2) ब्राह्मणी नदी - टोंक एवं भीलवाड़ा

(3) मेज नदी - भीलवाड़ा एवं बूँदी

(4) कोठारी नदी - उदयपुर एवं भीलवाड़ा

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **पार्वती किसकी सहायक नदी है?** [वनरक्षक- 2013]

(1) घग्घर (2) चम्बल (3) काकनेय (4) बनास

Ans. (2)

व्याख्या - पार्वती नदी मध्यप्रदेश की विंध्याचल पहाड़ियों से निकलकर बारां में करयाहाट के निकट प्रवेश करती है। बाराँ व कोटा में बहकर सवाईमाधोपुर व कोटा की सीमा पर पालीया गाँव के निकट चम्बल में मिल जाती है।

❑ **निम्नलिखित में से कौनसी नदी उदयपुर जिले में प्रवाहित नहीं होती है?** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) साबरमती (2) पार्वती (3) सोम (4) जाखम

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नलिखित में से कौनसी नदी नागौर जिले की नहीं है?**[कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती- 26.03.2019]

(1) लूनी (2) मेन्था (3) जोजड़ी (4) आलनिया

Ans. (4)

व्याख्या-आलनिया : यह कोटा में मुकुन्दवाड़ा की पहाड़ियों से निकलकर नोटाना गाँव में चम्बल में मिल जाती है।

❑ **परवन, निवाज और आहू सहायक नदियाँ है-** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) काली सिन्ध (2) बेड़च (3) कोठारी (4) माही

Ans. (1)

व्याख्या - कालीसिंध नदी : यह नदी मध्यप्रदेश के देवास के निकट बागली गाँव से निकलती है और राजस्थान में कोटा एवं झालावाड़ जिलों में बहती हुई नोनेरा (कोटा) नामक स्थान पर चम्बल नदी में मिल जाती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ परवन, आहू व निमाज है।

❑ **चम्बल की सहायक नदी है?**[स्कूल व्याख्याता-20.10.2022]

(1) जवाई (2) माही (3) काली सिन्ध (4) जाखम

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की किस नदी को स्थानीय भाषा में 'वन की आशा' कहा जाता है-** [Librarian III Gr. 11.09.2022] [क. वैज्ञानिक सहा. 14.9.2019][पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (I)] [III Grade (Hindi) -26.02.2023][II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) माही (2) बनास (3) सोम (4) मेन्धा

Ans. (2)

व्याख्या *-बनास नदी - इसे* ***<u>वर्णासा नदी, वशिष्ठी नदी व वन की आशा</u>*** *आदि नामों से जाना जाता है। बनास नदी राजसमन्द जिले में* ***<u>खमनौर की पहाड़ियों</u> (वेरों का मठ) से निकलकर*** *उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, शाहपुरा, केकड़ी, टोंक और सवाई माधोपुर (8 जिलों) से बहती हुई रामेश्वर घाट के निकट* ***चम्बल नदी*** *में मिल जाती है। यह राजस्थान में पूर्ण बहाव की दृष्टि से सबसे लम्बी नदी है। बनास नदी का* ***<u>जलग्रहण क्षेत्र सबसे बड़ा</u> (46,570 वर्ग किलोमीटर)*** *है।*

<u>बनास की सहायक नदियाँ</u> *: दायीं तरफ से मिलने वाली नदियाँ* ***बेड़च*** *(सहायक नदियाँ -गोलवा, ओराई, गुजरी, वाग्ली, वागन), गंभीरी व मेनाल तथा बायीं तरफ से मिलने वाली नदियाँ* ***कोठारी, खारी, डाई, मांशी, बांडी, मोरेल, ढूंढ, सोहादरा, ढील व कालीसिल है।***

❒ **बनास नदी का उद्गम है-** [III Grade (L-I) -25.2.2023] [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) करौली पहाड़ियाँ (2) बैराठ पहाड़ियाँ
(3) नाग पहाड़ (4) खमनौर पहाड़ियाँ

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बनास नदी जिस जिला समूह से नहीं गुजरती है, वह है?** [E.O. Exam, 2007]

(1) उदयपुर - भीलवाड़ा - चित्तौड़गढ़ - टोंक
(2) उदयपुर - बूँदी - भीलवाड़ा - अजमेर
(3) राजसमन्द - उदयपुर - भीलवाड़ा - टोंक
(4) उदयपुर - चित्तौड़गढ़ - टोंक - सवाईमाधोपुर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य में ही पूर्णतः बहने वाली सबसे लम्बी नदी का नाम है?** [R.A.S. Pre Exam, 1992] [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) चम्बल (2) लूनी (3) बनास (4) माही

Ans. (3)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में सर्वाधिक विस्तृत जल ग्रहण क्षेत्र वाली नदी है-** [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]

(1) लूनी (2) बनास (3) साबरमती (4) माही

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित विशेषताएँ किस नदी की हैं-**
- इसका उद्गम कुम्भलगढ़ किले के निकट अरावली पहाड़ियों से है। यह नदी मेवाड़ के मैदान के मध्य से गुजरती है। बेड़च, कोठारी व मोरेल इसकी सहायक नदियाँ हैं। [R.A.S. Pre Exam, 27.10.2021]

(1) बनास (2) लूनी (3) चम्बल (4) माही

Ans. (1)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बेड़च, मोरेल, कोठारी और खारी निम्नलिखित में से किस नदी की सहायक नदियाँ हैं?** [जेल प्रहरी-2017] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) घग्घर (2) बनास (3) लूनी (4) व्यास

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसी नदी बनास से दाएं किनारे पर नहीं मिलती है-** [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]

(1) बेड़च (2) गोलवा (3) सोडरा (4) बाजायिन

Ans. (3)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में चंबल नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी कौनसी है-** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (II)] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]

(1) द्रषद्वती (2) लूनी (3) साबरमती (4) बनास

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में राजसमन्द जिले में कुम्भलगढ़ के निकट खमनौर की पहाड़ियों से निकलने वाली नदी का नाम है?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008]

(1) लूनी (2) बाणगंगा (3) बनास (4) माही

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **बनास बेसिन का मुख्य क्षेत्र किस जिले में है?** [AEN 16.05.2014]

(1) भीलवाड़ा (2) अजमेर (3) टोंक (4) सवाई माधोपुर

Ans. (1)*

व्याख्या : *बनास बेसिन मुख्यतः राज्य के 13 जिलों में फैला हुआ है, जो है- भीलवाड़ा, शाहपुरा, केकड़ी, टोंक, बूँदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, जयपुर ग्रामीण, करौली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, और उदयपुर।*

❐ **निम्नलिखित नदियों में से कौन अध्यारोपित नदी का उदाहरण है?** [CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) घग्घर (2) माही (3) बनास (4) जाखम

Ans. (3)

व्याख्या *- जब एक नरम चट्टान के ऊपर से बहने वाली नदी कठोर बेसल चट्टानों तक पहुँचती है लेकिन प्रारंभिक ढलान का अनुसरण करना जारी रखती है तब ऐसा लगता है कि इसका कठोर चट्टानी तल से कोई सम्बन्ध नहीं है, इस प्रकार की जल निकासी को अध्यारोपित अपवाह कहा जाता है। दामोदर, सुवर्णरेखा, चंबल, बनास, और रीवा के पठार पर बहने वाली नदियाँ अध्यारोपित अपवाह के उदाहरण्ण है।*

❐ **बीसलपुर बाँध किस नदी पर स्थित है?**
[JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020 [कॉलेज व्याख्याता-2016]

(1) काली सिंध (2) बनास (3) जाखम (4) लूनी

Ans. (2)

व्याख्या- *टोंक जिले में बनास नदी पर स्थित बीसलपुर बाँध राजस्थान की सबसे बड़ी पेयजल परियोजना है। बनास नदी पर बने अन्य बाँध - बाघेरी का नाका (राजसमन्द), नदसमंद (राजसमन्द), मातृकुण्डिया/मेवाड़ का हरिद्वार (चित्तौड़गढ़), ईसरदा बाँध (सवाईमाधोपुर)।*

❐ **आहड़ नदी का नाम उदयसागर के बाद हो जाता है?** [RPSC III Grade Teacher Exam-2004]

(1) माही (2) जाखम (3) सोम (4) बेड़च

Ans. (4)

व्याख्या *- बेड़च नदी - बेड़च नदी उदयसागर झील में गिरने से पूर्व आयड़ नदी कहलाती है। इसका उद्गम उदयपुर के उत्तर में स्थित गोगुंदा की पहाड़ियों से होता है। यह नदी चित्तौड़गढ़ के आगे पूर्वी मैदान में प्रवाहित होकर भीलवाड़ा जिले की माण्डलगढ़ तहसील में बीगोद के निकट बनास नदी में मिल जाती है। इसके किनारे पर आहड़ सभ्यता विकसित हुई है।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा कथन बेड़च नदी के संबंध में सही नहीं है?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]

(1) यह गोगुन्दा पहाड़ियों से उद्गमित होती है।
(2) यह गंगा नदी बेसिन के अंतर्गत आती है।
(3) गम्भीरी और ओराई इसकी सहायक नदियाँ हैं।
(4) यह गुलाबपुरा (भीलवाड़ा) के निकट बनास में मिलती है।

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **बेड़च नदी कहाँ से निकलती है?** [जेल प्रहरी -2017]
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]
[Veterinary Officer - 2.8.2020]

(1) गोगुन्दा की पहाड़ियों (2) उत्तर मेवाड़ की पहाड़ियों
(3) नाग पहाड़ियों (4) खमनौर की पहाड़ियों

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'डाई नदी' का सम्बन्ध राजस्थान के किस जिले से है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]

(1) उदयपुर (2) कोटा (3) अजमेर (4) दौसा

Ans. (3)

व्याख्या - डाई नदी : यह अजमेर जिले की नसीराबाद तहसील में अरावली की पहाड़ियों (किशनगढ़ पहाड़ी) से निकलकर अजमेर, केकड़ी में बहकर राजमहल (टोंक) के पास बनास में मिल जाती है।

❐ **कोठारी नदी का उद्गम स्रोत है-**
[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]

(1) बिजराल पहाड़ी से (2) दिवेर पहाड़ी से
(3) गोगुन्दा पहाड़ी से (4) पडरार पहाड़ी से

Ans. (2)

व्याख्या *- कोठारी नदी राजसमन्द जिले में स्थित दिवेर नामक स्थान से निकलकर भीलवाड़ा जिले में बनास नदी में मिलती है।*

❐ **भीलवाड़ा जिले की..... नदी पर बागौर स्थित है-**
[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन) परीक्षा- 24.03.2019]

(1) लूणी (2) कोठारी (3) बनास (4) चम्बल

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न शहरों में से कौनसा जवाई नदी के किनारे स्थित है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) पाली (2) जालौर (3) झालावाड़ (4) चित्तौड़गढ़

Ans. (1)

व्याख्या - *पाली-बांडी नदी, सुमेरपुर (पाली) - जवाई नदी, चित्तौड़गढ-बेड़च नदी, झालावाड़-कालीसिंध नदी एवं जालौर-सुकड़ी नदी किनारे स्थित है।*

❒ **निम्न में से कौनसी नदी अजमेर जिले में प्रवाहित नहीं होती है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) खारी (2) डाई (3) मानसी (4) बनास

Ans. (3)*

व्याख्या - ***मानसी नदी भीलवाड़ा जिले के करेरा गाँव के पास से निकलकर अजमेर जिले की सीमा पर खारी नदी में मिल जाती है। ज्ञातव्य है कि मांशी नदी अजमेर व टोंक में बहती हुई बनास में मिल जाती है।***

❒ **अरवारी नदी का उद्गम ... में हैं-**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) सवाईमाधोपुर (2) थानागाजी के पास सकरा बाँध (3) पाली जिले (4) हेमवास बांध

Ans. (2)

व्याख्या - *राजस्थान के अलवर जिले में सरिस्का की पहाड़ियों के बीच थानागाजी के पास सकरा बाँध में अरवारी नदी का उद्‌गम होता है, इसका उत्तरी जलग्रहण क्षेत्र कंकड़ की ढाणी के आसपास है। नदी के दो प्राकृतिक जल स्रोत हैं, जिनमें से एक भैरुदेव सार्वजनिक वन्यजीव अभयारण्य से ग्राम भवता कालियाल (भूरियावास) के पास और दूसरा स्रोत अंमका और जोधुला के पास से निकलता है। एक तीसरी धारा है जो दूसरी धारा के काफी पास बहती है लेकिन थोड़ी दूरी पर ही वह भूमिगत हो जाती है. बाकी बची दो धाराएँ अजबगढ़-प्रतापगढ़ के पास पलसाना के पहाड़ नामक स्थान पर मिलती हैं, जहां प्रवाहित नदी को अरवारी के नाम से जाना जाता है। अंतत: उटंगन नदी (गंभीर नदी) के रूप में प्रयागराज के पास यमुना में विलीन हो जाती है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौन, उटंगन नदी भी कहलाती हैं-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) गंभीर (2) काली सिंध
(3) लूनी (4) रूपारेल नदी

Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न नदियों में से राजस्थान में कौन-सी 'रुन्डित सरिता' कहलाती है?** [Fireman -29.1.2022]

[द्वितीय श्रेणी अध्यापक-01.05.2017]

[JEN (Mech.) Diploma- 20.05.2022]

(1) वाकल (2) खारी (3) बाणगंगा (4) कोठारी

Ans. (3)

व्याख्या - ***बाणगंगा- इसको रुण्डित नदी (Beheaded River), अर्जुन की गंगा व ताला नदी*** *(रामगढ़ बाँध में गिरने से पहले ताला गाँव के पास से बहने के कारण) कहते है। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में स्थित* ***बैराठ पहाड़ियों*** *से निकलकर जयपुर ग्रामीण (जमवा रामगढ़ बाँध), दौसा (माधोसागर बाँध)होते हुए यह नदी* ***भरतपुर (सर्वाधिक बाणगंगा बेसिन 2746 वर्ग किमी.)*** *में बहती हुई आगरा के निकट फतेहाबाद में यमुना नदी में मिल जाती है। वर्तमान में यह भरतपुर में विलुप्त हो जाती है। लेकिन ज्यादा वर्षा होने पर यह राजस्थान की दूसरी नदी है जो अपना जल सीधा यमुना में डालती है। इसके किनारे बैराठ सभ्यता विकसित है।*

❒ **राजस्थान की कौनसी नदी अर्जुन की गंगा कहलाती है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]

(1) बाणगंगा (2) माही (3) लूनी (4) चंबल

Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की निम्नलिखित में से कौन-सी नदी यमुना में मिलती है-**[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) - 23.3.2019]

(1) लूनी (2) माही (3) बाणगंगा (4) साबरमती

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सही सुमेलित नहीं है?** [REET (L– II, S-I) –24.7.2022]

(1) लूनी-जोजड़ी (2) बनास-मेनाल
(3) माही-बाणगंगा (4) चम्बल-पार्वती

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसी नदी जयपुर जिले में होकर प्रवाहित होती है?**[Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) सोम (2) जोजड़ी (3) बाणगंगा (4) कालीसिंध

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा (नदी-उत्पत्ति स्थान) सुमेलित नहीं है?** [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]

(1) सोम-बीछामेड़ा (2) जाखम-छोटी सादड़ी
(3) बाणगंगा-सेवर पहाड़ियाँ(4) रूपारेल-उदयनाथ पहाड़ियाँ

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में बाणगंगा नदी बेसिन का सर्वाधिक प्रतिशत भाग स्थित है-**[III Grade (English) -27.02.2023]

(1) भरतपुर (2) दौसा (3) अलवर (4) जयपुर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी नदी राजस्थान से होकर नहीं बहती है?** [पशुधन सहायक 04.6.2022]

(1) रूपारेल (2) माही (3) ताप्ती (4) लूनी

Ans. (3)

व्याख्या *– ताप्ती नदी का उद्‌गम स्थल मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में मुल्ताई नामक स्थान है।*

❒ **ऋग्वेद में उल्लिखित नदी है?** [बी.एस.टी.सी., 2008]
(1) सरस्वती (2) लूणी (3) कांटली (4) काकनी
Ans. (1)

व्याख्या *- राजस्थान की दो नदियों का वर्णन ऋग्वेद में मिलता है।*

1. सरस्वती नदी *- यह पश्चिमी राजस्थान में बहती थी। जिसका अवशेष घग्घर नदी है।*

2. द्वैषवती/चौतांग/द्रव्यवती नदी *- इसका उद्‌गम नाहगढ़ की पहाड़ियों में आथुनी कुंड से तथा समापन ढूँढ नदी में होता है। जयपुर की 'लाइफ लाइन' कहलाने वाली यह नदी जयपुर में बहती थी, जिसका अवशेष अमानीशाह का नाला (प्रदूषित जल के कारण) है। गुजरात की साबरमती नदी की तर्ज पर पर्यटन स्थल के रूप में जयपुर स्थित द्रव्यवती नदी (अमानीशाह नाला) का सौन्दर्यीकरण टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड द्वारा किया गया है।*

❒ **राजस्थान के निम्न जिलों में से किसमें, 'द्रव्यवती नदी' जल प्रदूषण से सम्बन्धित समस्याओं का सामना कर रही है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) करौली (2) अलवर (3) भरतपुर (4) जयपुर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **द्रव्यवती नदी पुनर्जीवन परियोजना के विषय के सम्बन्ध में कौनसा कथन सही है?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]
(1) इसका शुभारंभ राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे द्वारा अजमेर में किया गया है।
(2) इसका उद्देश्य शहर के घटते भूजल को पुनर्जीवित करना है।
(3) इसे 2017 में पूर्ण किया गया था।
(4) योजना के अनुसार इसके उद्देश्य की पूर्ति हुई है।
Ans. (2)

❒ **निम्नलिखित में से राजस्थान के कौनसे जिलों में नदी नहीं है?** [II Grade (English) 2011] [R.A.S. 1998] [ARO-29.8.2022][पटवार-2011] [Police Constable-2013] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019] [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.03.2018]
(1) बाड़मेर व जालौर (2) बीकानेर व चूरू
(3) जैसलमेर व जोधपुर (4) श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़
Ans. (2)

व्याख्या *- <u>बीकानेर, फलौदी एवं चूरू</u> राजस्थान के एकमात्र जिले हैं जहाँ कोई नदी नहीं है।*

❒ **शेखावाटी प्रदेश के कौनसे जिले में कोई भी नदी नहीं पाई जाती है-** [संगणक परीक्षा - 05.05.2018]
(1) चूरू (2) सीकर (3) नागौर का उत्तरी भाग (4) झुन्झुनूँ
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बीकानेर में प्रवाहित होने वाली नदी कौनसी है?**
[CET -4.2.2023 (S-I)][राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]
(1) घग्घर (2) कंकाती (3) खारी (4) कोई नहीं
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जब पुष्कर की पहाड़ियों में भारी वर्षा होती है तो बाढ़ कहाँ आती है?** [RAS Pre. Exam-2009]
(1) अजमेर (2) सवाई माधोपुर (3) बालोतरा (4) सोजत
Ans. (3)

व्याख्या *-राजस्थान के दो शहर बालोतरा व हनुमानगढ़ जंक्शन नदी के पेटे के नीचे अवस्थित है अत: लूनी नदी में अधिक जल होने पर 'बालोतरा' में व घग्घर नदी में अधिक जल होने पर 'हनुमानगढ़ जंक्शन' में बाढ़ आती है।*

❒ **राजस्थान के कौनसे कस्बे का धरातल स्तर उसके पास की नदी के पेटे के स्तर से भी नीचे है?**
[II Grade (Social Study) Exam. 2011]
[R.A.S. Pre Exam, 2007]
(1) पाली (2) हनुमानगढ़ जंक्शन (3) टोंक (4) बालोतरा
Ans. (4)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **माण्डलगढ़ के निकट त्रिवेणी पर कौनसी तीन नदियाँ मिलती हैं?** [II Grade (Maths) Exam. 2011]
[वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]
(1) बेड़च, गम्भीरी, कोठारी (2) बेड़च, बनास, मेनाल
(3) बनास, गम्भीरी, लूणी (4) खारी, कोठारी, मेनाल
Ans. (2)

व्याख्या ***- <u>नदियों के त्रिवेणी संगम स्थल</u>***
(i) ***बनास-मेनाल-बेड़च, मेनाल (माण्डलगढ़, भीलवाड़ा)***
(ii) ***माही-जाखम-सोम, <u>बेणेश्वर</u> (डूँगरपुर)***
(iii) ***बनास-चम्बल-सीप, रामेश्वर घाट (सवाईमाधोपुर)***
(iv) ***बनास-डाई-खारी, राजमहल (टोंक)***
(v) ***बाँड़ी-मास-बनास, देवधाम जोधपुरिया (टोंक)***

❒ **निम्नलिखित में से वह जिला जहाँ तीन नदियों का संगम होता है?** [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) बाँसवाड़ा (2) उदयपुर (3) सिरोही (4) डूँगरपुर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बीगोद, जिला भीलवाड़ा में किन तीन नदियों का संगम स्थित है?** [I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]
(1) बेड़च - मेनाल - खारी (2) बनास - बेड़च - मेनाल
(3) बनास - मेनाल - डाई (4) बनास - डाई - खारी
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित कीजिए-**[कनिष्ठ अनुदेशक-10.9.2022][पटवारी-2016]

सूची-I (त्रिवेणी संगम)	सूची-II (नदियाँ)
A. बीगोद	1. बनास, बेड़च, मेनाल
B. राजमहल	2. बनास, डाई, खारी
C. रामेश्वर घाट	3. बनास, चम्बल, सीप
D. बेणेश्वर	4. सोम, माही, जाखम

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	1	4	3	2	(2)	2	4	3	1
(3)	1	2	3	4	(4)	1	3	2	4

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'बेणेश्वर' तीन नदियों के संगम पर अवस्थित है। निम्न में से कौनसी नदी इसके अंतर्गत नहीं है।** [अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]
(1) बनास (2) माही (3) सोम (4) जाखम
Ans. (1)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बेणेश्वर, माही नदी व ......का संगम है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]
(1) अनास (2) एराउ (3) सोम (4) साबरमती
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बनास, चम्बल और सीप नदियाँ किस जिले में, राजस्थान के त्रिवेणी संगम का निर्माण करती है?** [ARO (Horticulture, Botany) 27.8.2022]
(1) भीलवाड़ा (2) डूँगरपुर (3) टोंक (4) सवाई माधोपुर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मानसी वाकल नदी का उद्गम स्थल है**[पटवार 2011]
(1) फुलवारी की नाल अभयारण्य
(2) मध्यप्रदेश की विंध्याचल पहाड़ी
(3) गोगुंदा की पहाड़ियाँ
(4) अरावली पर्वत श्रृंखला
Ans. (1)

व्याख्या *- __नदियों के निकट स्थित अभयारण्य__*
- *फुलवारी की नाल अभयारण्य, मानसी वाकल नदी का उद्गम।*
- *बस्सी अभयारण्य (चित्तौड़गढ़),ओरई व बामनी का उद्गम।*
- *राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य, चम्बल नदी।*
- *जवाहर सागर अभयारण्य, चम्बल नदी।*
- *शेरगढ़ अभयारण्य (बारां), परवन नदी।*
- *भैंसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़),चम्बल व बामनी का संगम।*

❒ **भीमलत जलप्रपात अवस्थित है?**[क.अनुदेशक-10.9.2022]
(1) मेनाल नदी (2) माँगली नदी
(3) बेड़च नदी (4) चंबल नदी
Ans. (2)

व्याख्या*-राजस्थान के प्रसिद्ध जलप्रपात : एक दृष्टि में*
- *भीमलत जलप्रपात : माँगली नदी (बूँदी)*
- *चूलिया जलप्रपात : चम्बल नदी (भैंसरोड़गढ़, चित्तौड़गढ़)*
- *मेनाल जलप्रपात : मेनाल नदी (भीलवाड़ा)*
- *भील बेरी जलप्रपातः बांडी नदी के उद्गम स्थल के पास फुलाद और जोजावर के बीच (पाली) 182 फीट ऊँचा।*
- *अरणा-झरना जल प्रपात - जोधपुर ग्रामीण*
- *बेरी गंगा झरना - मंडोर, जोधपुर*
- *दमोह जल प्रपात - बाड़ी, धौलपुर*
- *दिर जल प्रपात - कुकुंद नदी, दिर (भरतपुर)*

❒ **राजस्थान में चूलिया जल प्रपात किस नदी पर है?** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018][P.Constable-2007(II)] [III Grade Teacher-2009][जेल प्रहरी 27-10-2018, S -II] [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (Non-TSP) - 29.11.2015]
(1) माही (2) लूनी (3) चंबल (4) सोम
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य के किस प्रशासनिक संभाग का अपवाह तंत्र अरब सागर व बंगाल की खाड़ी में मिलने वाली नदियों का अंश है?**[पटवार परीक्षा - 2008]
(1) अजमेर (2) जोधपुर (3) कोटा (4) उदयपुर
Ans. (4)

व्याख्या *- उदयपुर संभाग की कुछ नदियाँ बनास, आयड़, गंभीरी आदि का पानी बंगाल की खाड़ी में तथा पश्चिमी बनास, माही, जाखम, सोम आदि नदियों का पानी अरब सागर में जाता है।*

❐ राजस्थान के किस सम्भाग में सर्वाधिक मात्रा में नदियाँ पाई जाती है ? [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) जयपुर (2) कोटा (3) उदयपुर (4) अजमेर
Ans. (2)

व्याख्या - कोटा सम्भाग (चम्बल, पार्वती, कालीसिंध, आहू, परवन एवं अंधरी) में सर्वाधिक नदियाँ है।

❐ 'कांठल की गंगा' और 'कामधेनु' के नाम से प्रसिद्ध नदियों के लिए सही सुमेलित युग्म कौन-सा है? [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]
(1) बनास और काली सिंध (2) लूणी और परवन
(3) जोजरी और बाण गंगा (4) माही और चम्बल
Ans. (4)

व्याख्या - माही नदी को कांठल एवं बागड़ की गंगा तथा चम्बल को कामधेनु एवं चर्मण्वती नदी कहा जाता है।

❐ अपवाह क्षेत्र के विस्तार की दृष्टि से राजस्थान के नदी तंत्र का सही आरोही क्रम है-[Patwar - 24.12.16]
(1) चम्बल - लूनी - माही - बनास
(2) माही - बनास - लूनी - चम्बल
(3) बनास - माही - लूनी - चम्बल
(4) लूनी - माही- चम्बल - बनास
Ans. (*)

व्याख्या- राजस्थान की नदियों का अपवाह क्षेत्र : अवरोही क्रम

नदी क्रम	अपवाह क्षेत्र (वर्ग कि.मी.)
• बनास	45,833.00
• लूनी	34,866.40
• चम्बल	18,446.05
• माही	16,551.18

❐ नदी, जिसका अपवाह क्षेत्र सर्वाधिक है- [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]
(1) जवाई(2) साबरमती (3) सुकड़ी तथा खारी(4) बनास
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ अपवाह क्षेत्र की दृष्टि से राजस्थान की नदी प्रणालियों का सही अवरोही क्रम है- [द्वितीय श्रेणी शिक्षक -2014] [Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]
(1) बनास, चम्बल, माही, लूनी
(2) बनास, चम्बल, लूनी, माही
(3) चम्बल, लूनी, बनास, माही
(4) चम्बल, लूनी, माही, बनास
Ans. (*) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में सबसे विस्तृत अपवाह क्षेत्र है- [AEN 16.05.2014] [III Grade Teacher -2009]
(1) चम्बल अपवाह क्षेत्र (2) लूनी अपवाह क्षेत्र
(3) आन्तरिक जल प्रवाह क्षेत्र(4) बनास अपवाह क्षेत्र
Ans. (*) *विकल्प 3 और 4 सही है।*

❐ राजस्थान राज्य में भू-क्षेत्र की लम्बाई की दृष्टि से नदियों का सही आरोही क्रम है- [JEN - 21.08.2016]
(1) कान्तली-चम्बल-लूनी-बनास
(2) चम्बल-लूनी-बनास-कान्तली
(3) लूनी-बनास-कान्तली-चम्बल
(4) बनास-कान्तली-चम्बल-लूनी
Ans. (1)

व्याख्या-राज्य की प्रमुख नदियों की लम्बाई

नदी	लम्बाई
• बनास नदी	512 किमी.
• लूनी नदी	495 (राज्य में 330 किमी.)
• चम्बल नदी	1051 (राज्य में 322 किमी.)
• माही नदी	576 (राज्य में 171 किमी.)
• साबरमती नदी	416 (राज्य में 45 किमी.)
• बाणगंगा नदी	380 किमी.
• कालीसिंध नदी	278 (राज्य में 145 किमी.)
• काँतली नदी	100 किमी.

स्रोत: WAPCOS रिपोर्ट, सिंचाई प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान (IMTI), कोटा।

❐ नदियों की लंबाई के संबंध में निम्न में से कौनसा तथ्य गलत है? [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]
(1) लूनी (495 किमी.) (2) चंबल (1051 किमी.)
(3) बनास (512 किमी.) (4) माही (467 किमी.)
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ चम्बल घाटी में चम्बल सहित पूर्व से पश्चिम दिशा में निम्नलिखित चार नदियों का क्रम होगा: [RPSC III Grade Teacher Exam-2006]
अ-चम्बल, ब-बनास, स-पार्वती, द-कालीसिन्ध
(1) ब, अ, द, स (2) अ, स, ब, द
(3) द, ब, स, अ (4) स, द, अ, ब
Ans. (4)

व्याख्या-पूर्व से पश्चिम दिशा में बहने का क्रम-पार्वती (धौलपुर), कालीसिन्ध, चम्बल, बनास (राजसमंद) है।

❐ **राजस्थान के दक्षिण दिशा से प्रवेश करने वाला नदी युग्म है?** [RPSC III Grade Teacher Exam-2006]
[जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -II]
(1) चम्बल - बनास (2) माही - चम्बल
(3) काली सिन्ध - लूनी (4) पार्वती - कान्तली
Ans. (2)

व्याख्या - बनास, कांतली एवं लूनी नदियों का उद्गम राजस्थान के क्रमशः राजसमन्द, सीकर और अजमेर जिलों से होता है। जबकि माही एवं चम्बल का उद्गम मध्यप्रदेश (राजस्थान के द.पू. स्थित राज्य) से होता है।

❐ **नदियों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कर सही उत्तर का चयन कीजिए** [जेलप्रहरी.20-10-2018-III]
1. एरिनपुरा (सिरोही) जवाई नदी के बायें किनारे स्थित है।
2. चन्द्रावती (सिरोही) एक प्राचीन नगर है जो पश्चिमी सूकड़ी नदी के बायें किनारे स्थित था।
3. आबू रोड (सिरोही) पश्चिमी बनास के बायें किनारे स्थित है।
4.शिवगंज (सिरोही) जवाई नदी के बायें किनारे स्थित है।
(1) 2, 3 एवं 4 (2) 1, 2 एवं 4
(3) 1, 3 एवं 4 (4) 1, 2 एवं 3
Ans. (3)

व्याख्या-राजस्थान में नदियों के किनारे स्थित नगर	
चन्द्रावती (झालावाड़)	*चन्द्रभागा नदी के बाएँ किनारे*
एरिनपुरा (सिरोही)	*जवाई नदी के बाएँ किनारे*
आबू रोड (सिरोही)	*पश्चिमी बनास के बाएँ किनारे*
शिवगंज (सिरोही)	*जवाई नदी के बाएँ किनारे*
कोटा	*चम्बल नदी के किनारे*
पीपलखूंट (प्रतापगढ़)	*माही नदी के किनारे*
देव सोमनाथ (डूँगरपुर)	*सोम नदी के किनारे*
गलियाकोट (डूँगरपुर)	*माही नदी के किनारे*
हनुमानगढ़	*घग्घर नदी के बाएँ किनारे*
सूरतगढ़	*घग्घर नदी के किनारे*
बालोतरा	*लूनी नदी के दाएँ किनारे*
तिलवाड़ा (बालोतरा)	*लूनी नदी के किनारे*
कैलादेवी (करौली)	*कालीसिल नदी के निकट*
आसीन्द (भीलवाड़ा)	*खारी नदी के बाएँ किनारे*

❐ **कोटा किस नदी के किनारे है-** [पु. कॉन्स्टेबल-6.11.2020]
(1) चंबल (2) जवाइ
(3) लूनी (4) साबरमती नदी
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **तीर्थ स्थल 'गलियाकोट' किस नदी के किनारे स्थित है?** [JEN (Mech - 20.05.2022, (Agri.) 10.09.2022]
(1) परवन (2) माही (3) साबरमती (4) सोम
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सही कथन है-** [जेल प्रहरी-21-10-2018]
1. चम्बल नदी राजस्थान की वर्षा कालीन नदी है।
2. घग्घर नदी कालिका के पास हिमालय पर्वत से निकलती है।
3. काकनी नदी जैसलमेर नगर से 22 किमी. दूर दक्षिण में स्थित कोटरी (कोठारी) गाँव की पहाड़ियों से निकलती है।
4. बाणगंगा नदी जयपुर जिले (वर्तमान में कोटपूतली-बहरोड़) की बैराठ की पहाड़ियों से निकलती है।
(1) 2, 3, 4 (2) 1, 2, 3 (3) 1, 3, 4 (4) 1, 2, 4
Ans. (1) *चम्बल राजस्थान की एकमात्र नित्यवाही नदी है।*

❐ **'कुराल नदी' का सम्बन्ध निम्न में से राजस्थान के किस जिले से हैं?** [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) बूँदी (2) बाराँ (3) सीकर (4) डूँगरपुर
Ans. (1)

व्याख्या - कुराल : ऊपरमाल के पठार से निकलकर बूँदी के पूर्व में बहती हुई चम्बल में मिल जाती है।

❐ **निम्न में से कौनसी नदी बारां जिले में प्रवाहित नहीं होती है?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]
(1) कुराल (2) कुनु (3) पार्वती (4) परवन
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सही सुमेलित नहीं है?**
[कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)- 26.3.2019]
(1) बनास -दूंढ (2) माही -जोजड़ी
(3) लूनी -बाण्डी (4) साबरमती -माजम
Ans. (2) *व्याख्या : जोजड़ी लूनी की सहायक नदी है।*

❐ **राजस्थान राज्य में किस नदी का अपवाह क्षेत्र न्यूनतम है?** [RAS-31.10.2015]
(1) वाकल (2) पश्चिमी बनास
(3) साबरमती (4) माही
Ans. (1) *उपर्युक्त विकल्पों में वाकल का अपवाह क्षेत्र न्यूनतम है।*

❒ कौनसी नदी राजस्थान में सबसे बड़ा बेसिन क्षेत्र बनाती है? [I Grade -15.10.2022][II Grade - 24.12.2022]
(1) चम्बल (2) लूनी (3) बनास (4) माही
Ans. (2)

व्याख्या :

नदी बेसिन	राजस्थान में क्षेत्रफल	प्रतिशत
• लूनी	69302.10 किमी.^{2}	20.25
• बनास	47060.27 किमी.^{2}	13.75
• चम्बल	31242.50 किमी.^{2}	9.13
• माही	16610.63 किमी.^{2}	4.85

स्रोत : राजस्थान का भूगोल, हरिमोहन सक्सैना, पृ. 84

❒ जल उपलब्धता के आधार पर कौनसा नदी बेसिन राजस्थान में द्वितीय स्थान पर है?[CET : 8.1.2023 (I)]
(1) बनास (2) माही (3) लूनी (4) साबरमती
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न में से कौनसी नदियों का उद्गम राजस्थान में नहीं हुआ है? [I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]
1. चम्बल 2. पश्चिमी बनास 3. माही 4. साबरमती
(1) 1, 2, 3(2) 1, 3, 4 (3) 1 और 3 (4) 1, 2, 4
Ans. (3)

व्याख्या : गम्भीरी, पार्वती, कालीसिंध, परवन, चम्बल और माही नदियों का उद्गम स्थल-मध्यप्रदेश है।

❒ निम्नलिखित नदी समूहों में से किस समूह का उद्गम स्थल राजस्थान में नहीं है?
[I Grade Geography-16.10.2022]
(1) साबरमती –प. बनास–जवाई–खारी
(2) सोम–मानसी–वाकल–जाखम
(3) गम्भीरी–पार्वती–कालीसिंध–परवन
(4) बनास–बेड़च–खारी–चन्द्रभागा
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सही कथन है- [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]
1. लूनी नदी राजस्थान के मध्यवर्ती पहाड़ क्षेत्र में प्रवाहित होती है। 2. बेड़च नदी राजस्थान के पूर्वी मैदान में प्रवाहित होती है। 3. चम्बल नदी राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी पठारी क्षेत्र में प्रवाहित होती है।
(1) केवल 2 सही है। (2) केवल 2 और 3 सही है।
(3) केवल 1 सही है। (4) केवल 1 व 2 सही है।
Ans. (2)

व्याख्या – लूणी/लूनी नदी का प्रवाह क्षेत्र गौड़वाड़ प्रदेश (अर्द्धशुष्क मैदान का उपखण्ड) है।

❒ अपवाह बेसिनों का उत्तर से दक्षिण सही क्रम है-
[Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]
(1) साबी–बाणगंगा–बेड़च–सोम
(2) बाणगंगा–साबी–बेड़च–सोम
(3) साबी–बेड़च–सोम–पश्चिमी बनास
(4) बनास –पश्चिमी बनास–सोम–बेड़च
Ans. (1)

❒ नदी-उद्गम स्थल सुमेलित कीजिए-[II Gra T.-2017]

(A) साबी	(i) सेवर पहाड़ियाँ
(B) काकनी	(ii) बैराठ पहाड़ियाँ
(C) बाणगंगा	(iii) खण्डेला पहाड़ियाँ
(D) कांतली	(iv) कोटड़ी गाँव

कूट :	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	1	4	2	3
(3)	3	2	4	1	(4)	3	2	4	1

Ans. (2)

व्याख्या : नदियों के उद्गम स्थल -
- *साबी - सेवर पहाड़ियाँ (जयपुर ग्रामीण)*
- *काकनी - कोटड़ी गाँव (जैसलमेर)*
- *बाणगंगा- बैराठ पहाड़ियाँ (कोटपूतली-बहरोड़)*
- *कांतली- खण्डेला पहाड़ियाँ (सीकर)*

❒ नदी-उद्गम स्थल में कौनसा एक सुमेलित नहीं है-
[Assistant Professor-22.9.2021]
(1) साबी–सेवर पहाड़ियाँ
(2) कान्तली–खण्डेला पहाड़ियाँ
(3) बाणगंगा –खमनौर पहाड़ियाँ
(4) सोम – बीछामेड़ा
Ans. (3)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिए- [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021]

(A) साबी	(1) गोगुन्दा की पहाड़ियाँ
(B) बेड़च	(2) सेवर की पहाड़ियाँ
(C) कांतली	(3) दिवेर
(D) कोठारी	(4) खण्डेला की पहाड़ियाँ

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	2	4	1	3	(2)	3	4	1	2
(3)	2	1	4	3	(4)	4	1	2	3

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ नदी-उद्गम स्थल सुमेलित कीजिए-

[कृषि पर्यवेक्षक-03.03.2019]

(A) लूनी नदी (1) गोगुंदा पहाड़ियाँ
(B) बेड़च नदी (2) विध्यांचल पहाड़ियाँ
(C) सोम नदी (3) नाग पहाड़ियाँ
(D) माही नदी (4) बीछामेड़ा पहाड़ियाँ

कूट: A B C D A B C D
(1) 4 3 2 1 (2) 3 1 4 2
(3) 1 3 4 2 (4) 3 2 1 4

Ans. (2)

व्याख्या : नदियों के उद्गम स्थल
- *लूनी नदी - नाग पहाड़ियाँ (अजमेर)*
- *बेड़च नदी - गोगुंदा पहाड़ियाँ (उदयपुर)*
- *सोम नदी - बीछामेड़ा पहाड़ियाँ (उदयपुर)*
- *माही नदी - विध्यांचल पहाड़ियाँ (मध्यप्रदेश)*

❒ कौनसा (उद्गम स्थल-नदी) सुमेलित नहीं है?

[Assistant Agri. Officer -28.05.2022]

(1) दिवेर-कोठारी (2) खमनौर - लूनी
(3) बिजराल - खारी (4) बीछामेड़ा-सोम

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिए- [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]

(A) खमनौर पहाड़ियाँ (1) बेड़च नदी
(B) गोगुन्दा पहाड़ियाँ (2) जाखम नदी
(C) बैराठ पहाड़ियाँ (3) बनास नदी
(D) छोटी सादड़ी (4) बाणगंगा नदी

कूट : (A) (B) (C) (D) (A) (B) (C) (D)
(1) 3 1 4 2 (2) 2 3 1 4
(3) 4 2 3 1 (4) 1 4 2 3

Ans. (1))

❒ सुमेलित कीजिये: [PTI (Grade-II)-30.04.2023]

A. घग्घर नदी 1. खमनौर की पहाड़ियाँ
B. माही नदी 2. जानापाव की पहाड़ियाँ
C. चम्बल नदी 3. मेहन्द झील
D. बनास नदी 4. शिवालिक की पहाड़ियाँ

कूट: A B C D A B C D
(1) 1 2 3 4 (2) 4 1 2 3
(3) 2 4 1 3 (4) 4 3 2 1

Ans. (4)

❒ सही कथनों का चयन कीजिए-

[II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

1. लूनी नदी क्रम का अधिकांश अपवाह क्षेत्र राजस्थान में है।
2. खारी नदी बनास नदी की सहायक नदी है।
3. बनास नदी खमनौर की पहाड़ियों से निकलती है।

(1) 1 और 3 सही हैं। (2) 1, 2 और 3 सही हैं।
(3) 1 और 2 सही हैं। (4) 2 और 3 सही हैं।

Ans. (2)

❒ सही सुमेलित नहीं है? [प्रयोगशाला सहायक-3.2.2019]

(1) अलवर-साबी, रुपारेल (2) उदयपुर-बनास, बेड़च
(3) करौली-जगर, गम्भीरी (4) डूँगरपुर-बाणगंगा, मोरेल

Ans. (4)

व्याख्या - • बाणगंगा - जयपुर ग्रामीण

• मोरेल - जयपुर ग्रामीण जिले के बस्सी तहसील के चैनपुरा गाँव की पहाड़ियों से निकलकर दौसा से बहती हुई सवाईमाधोपुर में खंडार गाँव के निकट बनास में मिल जाती है। मोरेल नदी पर पीलूखेड़ा (सवाईमाधोपुर) के निकट मोरेल बाँध बनाया गया है। ढूँढ इसकी सहायक नदी है जो जयपुर से निकलती है।

❒ नदी-सहायक नदी को सुमेलित कीजिये- [PTI-2015]

[Veterinary Officer - 02.08.2020]

A. चम्बल 1. सोम, जाखम
B. बनास 2. सुकड़ी, जवाई
C. लूनी 3. खारी, बेड़च
D. माही 4. पार्वती

कूट: A B C D कूट: A B C D
(1) 4 3 2 1 (2) 3 2 1 4
(3) 2 4 3 1 (4) 1 3 2 4

Ans. (1)

व्याख्या : सहायक नदियाँ : • चम्बल : गुंजाली, आलनिया, परवन, बनास, काली सिंध, पार्वती, बामनी, कुराल, मेज एवं छोटी काली सिंध

• बनास : कोठारी, खारी, बेड़च, गम्भीरी, मानसी, ढूँढ तथा मोरेल।

• लूनी- सूकड़ी, मीठड़ी, बाण्डी, खारी, जवाई, लीलड़ी, गुहिया, सागी एवं जोजड़ी।

• माही : इरु, सोम, अनास, चाप, एराव, एरन ।

• साबरमती : वाकल, हथमति, मेश्वा, वेतरक, माजम।

• कालीसिन्ध : परवन, आहू व नीमाज ।

❐ नदी एवं सहायक नदी में कौनसा सुमेलित नहीं है? [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]

(1) चंबल - बनास (2) बनास-बेड़च
(3) लूणी - सूकड़ी (4) काली सिंध - कोठारी

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वाकल, मेश्वा और हथमति सहायक नदियाँ हैं- [JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) माही (2) बनास (3) साबरमती (4) चम्बल

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ कौनसा युग्म सही नहीं है? [Librarian III Gr.-19.09.2020]

(1) बनास - कोठारी (2) माही - साबरमती
(3) चम्बल - पार्वती (4) लूनी - सूकड़ी

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सुमेलित कीजिए- [सहायक सांख्यिकी अधिकारी-27.05.2019]

(A) चंबल (1) बांडी
(B) लूनी (2) मान्सी
(C) माही (3) बामनी
(D) बनास (4) अनास

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	2	4	(2)	4	3	2	1
(3)	1	4	2	3	(4)	3	1	4	2

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ बनास की सहायक नदी नहीं है? [III Gr.Teacher-2009]

(1) बेड़च (2) कोठारी (3) मोरेल (4) बाण गंगा

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ नदियाँ-सहायक नदी में कौनसा सुमेलित नहीं है? [I Grade Teacher (GK) -11.10.2022]

(1) लूनी - पार्वती (2) कालीसिन्ध-आहू
(3) बनास - कोठारी (4) चम्बल - मेज

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सुमेलित कीजिए- [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]

मुख्य नदी	सहायक नदियाँ
(A) चम्बल	(1) खारी, बांडी
(B) माही	(2) सिवान, परवन
(C) साबरमती	(3) अनास, चाप
(D) बनास	(4) वाकल, हथमति

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	2	3	4	1	(2)	1	2	3	4
(3)	4	3	2	1	(4)	3	4	1	2

Ans. (1)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्न में से बेमेल युग्म (नदी एवं उसकी सहायक नदी) को पहचानिए- [I Grade Geography-16.10.2022]

(1) बनास-मेनाल (2) पार्वती-मोरेन
(3) लूनी - सागी (4) साबरमती -वाकल

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसी नदी चंबल नदी की सहायक नदी नहीं है? [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) काली सिंध (2) बनास (3) पार्वती (4) लूनी

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सुमेलित नहीं है? [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-26.04.2017]

नदी	सहायक	नदी	सहायक
(1) माही	- जाखम	(2) लूनी	- सूकड़ी
(3) बनास	- मेज	(4) चंबल	- पार्वती

Ans. (3) *मेज चम्बल की सहायक नदी है।*

❐ नदी-सहायक नदी का कौन-सा युग्म सही नहीं है? [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-01.05.2017] [Librarian Garde-II Exam - 02.08.2020]

(1) कालीसिंध - निवांज (2) बनास - सागी
(3) माही - चाप (4) साबरमती - वाकल

Ans. (2) *सागी लूनी नदी की सहायक नदी है।*

❐ सहायक नदी सुमेलित नहीं है- [II Grade T. -31.10.2018]

(1) गम्भीरी नदी- मेश्वा (2) माही नदी- जाखम
(3) काली सिंध नदी-परवन (4) साबरमती नदी - माजम

Ans. (1) ***व्याख्या****-मेश्वा साबरमती की सहायक नदी है।*

❐ नदी - सहायक नदी में कौनसा सुमेलित नहीं है- [कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) बनास - कोठारी (2) लूनी - सागी
(3) काली सिन्ध - आहू (4) माही -वाकल

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *वाकल, साबरमती की सहायक नदी है।*

❐ निम्नलिखित में से कौनसा (नदी - सम्बन्धित जिला) सुमेलित नहीं है? [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) दाई-अजमेर (2) बाणगंगा-जयपुर
(3) काकणी-जैसलमेर (4) वात्रक-बाँसवाड़ा

Ans. (4)

व्याख्या *- वात्रक (वेतरक) नदी डूँगरपुर के समीप पहाड़ियों में जन्म लेती है और मेघरज तालुका में गुजरात में प्रवेश करती है। यह धोलका के समीप साबरमती नदी में विलय हो जाती है।*

8. झीलें

❒ **राजस्थान की सबसे बड़ी कृत्रिम (मानव निर्मित) झील निम्न में से कौनसी है-** [REET, 11 Feb. 2018]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल--2007(II), 07.11.2020 (I)]
(1) पिछोला (2) जयसमंद (3) फतेहसागर (4) राजसमंद
Ans. (2)

व्याख्या-जयसमंद झील : *भारत की दूसरी सबसे बड़ी कृत्रिम झील (प्रथम -गोविन्द वल्लभ पंथ सागर झील/ रिहन्द बाँध - छत्तीसगढ़ व उत्तरप्रदेश) तथा राज्य में मीठे पानी की सबसे बड़ी इस झील का निर्माण 1685-91 ई. में महाराणा जयसिंह ने करवाया।*

❒ **राजस्थान में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है-**
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021][REET L-II, 26.9.2021]
(1) जयसमन्द (2) राजसमन्द (3) कायलाना (4) सिलीसेड़
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **ढेबर झील के नाम से भी जानी जाती है-**
[Veterinary Officer - 2.8.2020] [मूल्यांकन अधिकारी-23.8.2020]
(1) डीडवाना (2) पिछोला (3) जयसमंद (4) कोलायत
Ans. (3)

व्याख्या *- सलूम्बर (पूर्व में उदयपुर) स्थित गोमती नदी पर बाँध बनाकर निर्मित की गई इस झील में गोमती, झावरी, रूपारेल और बागर नदियों का जल ढेबर दर्रे से होकर आता था इसलिए इसको 'ढेबर झील' भी कहते हैं। जयसमंद झील में आइसलैंड रिसोर्ट नामक होटल बनाया गया है। इस झील के पानी के बीच छोटे-बड़े सात पहाड़ी टापू हैं। सबसे बड़े पहाड़ी टापू को 'बाबा का भागड़ा' व सबसे छोटे टापू को 'प्यारी' कहते हैं।*

❒ **किस नदी का जल जयसमंद झील द्वारा उपयोग में लाया जाता है-**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1) गोमती (2) बनास (3) चंबल (4) सोम
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वह झील जिसमें एक टापू पर आइसलैंड रिसोर्ट नामक होटल बनाया गया है?** [Motor Veh. SI, 2002]
(1) डीडवाना (2) सांभर (3) जयसमंद (4) राजसमंद
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **हाल ही में सुर्खियों में रहा बाबा मगरा द्वीप किस झील में स्थित है?** [III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) उदयसागर (2) फतेहसागर (3) पिछौला (4) जयसमन्द
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में प्लाया झील है-**
[II Grade Teacher-2011][महिला पर्यवेक्षक - 20.12.2015]
(1) कोटा (2) जैसलमेर (3) उदयपुर (4) भरतपुर
Ans. (2)

व्याख्या *-जैसलमेर में वर्षा ऋतु में रेगिस्तान के छोटे खड्डों में बनी झील रन/टाट/ढ़ाढ़ एवं बड़े खड्डों (बालुकास्तूप मुक्त क्षेत्र) में बनी झील 'प्लाया' कहलाती है। प्लाया के सूखने पर निर्मित मैदान को 'बालसन' कहते हैं।*

❒ **राजस्थान में प्लाया झीलों की रचना कहाँ हुई है-**
[JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) लूनी बेसिन (2) घग्घर बेसिन
(3) बालुकास्तूप मुक्त क्षेत्र (4) आन्तरिक प्रवाह बेसिनों
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की किस प्रसिद्ध झील पर 'नटनी का चबूतरा' निर्मित है?** [Police Constable Exam- 2013]
(1) जयसमंद (2) पिछोला (3) नक्की झील (4) सांभर
Ans. (2)

व्याख्या *- पिछोला झील का निर्माण चौदहवीं शताब्दी में महाराजा लाखा के शासनकाल में एक बनजारे (छीतरमल) ने अपने बैल की स्मृति में करवाया। महाराजा उदयसिंह ने जब उदयपुर नगर बसाया तब इस झील की पाल को पक्का बनवाया। इसमें सीसारमा व बुझड़ा नदी आकर गिरती है। पिछोला झील में बीजोरी नामक स्थान पर नटनी (गलकी) की स्मृति में बना नटनी का चबूतरा प्रसिद्ध है।*

❒ **पिछोला झील का निर्माण किस शासक के काल में हुआ?** [REET (Level – II, S-II) –24.07.2022]
(1) बप्पा रावल (2) महाराणा लाखा
(3) साँगा (4) राव चूण्डा
Ans. (2)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी झीलें सिंचाई के काम में ली जाती हैं?** [पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018]
(1) पिछोला और आनासागर (2) कोलायत और पुष्कर
(3) जयसमन्द और राजसमन्द (4) पचपदरा और सिलिसेढ़
Ans. (3)

व्याख्या *- राजसमन्द एवं जयसमन्द झीलें सिंचाई हेतु काम में ली जाती है। सलूम्बर (पूर्व में उदयपुर) में स्थित जयसमन्द झील से 1950 में सिंचाई के लिए दो नहरें (श्यामपुरा एवं भाट नहर) बनाई गई।*

❒ **राजस्थान की किस झील से श्यामपुरा और भाट नहरें निकलती हैं?** [ARO (Horticulture) 29.8.2022] [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) राजसमन्द(2) उदयसागर(3) जयसमन्द(4) सिलिसेढ़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी झील जगमंदिर व जगनिवास के लिए प्रसिद्ध है-** [प्री. बी. एड.2007] [कृषि पर्यवेक्षक-03.03.2019]

(1) फतेहसागर(2) पिछोला (3) आनासागर(4) जयसमंद

Ans. (2)

व्याख्या-पिछोला झील में जगमंदिर (महाराणा करणसिंह ने 1620 में शुरू व जगतसिंह प्रथम ने 1651 में पूर्ण किया) व जगनिवास (जगतसिंह द्वितीय द्वारा 1746 में) नामक दो जलमहल है जिनमें आजकल होटल लैक पैलेस संचालित है।

❒ **किस महाराणा ने पिछोला झील में जगनिवास नामक महल बनवाए थे?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]

(1) महाराणा अमरसिंह प्रथम(2) महाराणा कर्णसिंह द्वितीय
(3) महाराणा जगतसिंह द्वितीय(4) महाराणा राजसिंह प्रथम

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की पवित्र झील है-** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) सिलीसेढ (2)फतेहसागर (3)बालसमंद (4) पुष्कर

Ans. (4)

व्याख्या - पुष्कर झील : इस झील को सर्वप्रथम पुष्करणा ब्राह्मणों द्वारा खोदी जाने के कारण इसका नाम पुष्कर झील पड़ा। यह राज्य की मीठे पानी की प्राकृतिक झील है। यह झील ज्वालामुखी से निर्मित है अतः कालाडेरा झील कहलाती है (भारत की दूसरी कालाडेरा झील लोनार, महाराष्ट्र में है) इसे ***हिन्दुओं का पाँचवा तीर्थ/ तीर्थराज/ तीर्थों का मामा/सबसे पवित्र*** *व सर्वाधिक प्रदूषित झील आदि नामों से जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि पुष्कर झील पर ही मेनका ने विश्वामित्र की तपस्या भंग की थी तथा कालिदास ने अभिज्ञान शाकुंतलम एवं वेदव्यास ने महाभारत की रचना भी यहीं पर की थी। अर्द्ध-चन्द्राकार में फैली इस झील में 52 घाट बने हुए है। 1911 में महारानी मेरी जब पुष्कर देखने आयी तो उसने यहाँ महिलाओं के लिए अलग घाट का निर्माण करवाया। इसी स्थान पर* ***महात्मा गाँधी की अस्थियाँ प्रवाहित*** *की गयी थी तभी से इसे* ***'गाँधी घाट'*** *कहते है। पुष्कर झील को स्वच्छ रखने हेतु 1997-98 में कनाडा के सहयोग से सफाई की गई। यहाँ पर कार्तिक पूर्णिमा (नवम्बर) में सबसे रंगीन मेला लगता है।*

❒ **पुष्कर झील कितने घाटों से घिरी है-** [VDO-28.12.2021 (S-II)]

(1) 42 (2) 46 (3) 58 (4) 52

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इंग्लैण्ड की महारानी मेरी की दिसम्बर 1911 की भारत यात्रा के स्मरणार्थ "क्वीन मेरी जनाना घाट" का निर्माण किया गया?** [पटवार परीक्षा- 2008]

(1)नक्की झील,माउन्ट आबू(2)आना सागर झील, अजमेर
(3) पुष्कर झील, पुष्कर (4) पिछौला झील, उदयपुर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पुष्कर झील को स्वच्छ रखने की योजना में सहयोग दे रहा है?** [R.A.S. Pre Exam.(cancelled) 1999]

(1) जापान (2) फ्रांस (3) बैल्जियम (4) कनाडा

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजसमंद झील का निर्माण महाराणा राजसिंह ने कब करवाया था?** [II Grade (Social Study) - 2011]

(1) 1680 A.D. (2) 1692 A.D.
(3) 1031 A.D. (4) 1648 A.D.

Ans. (1)

व्याख्या-महाराणा राजसिंह द्वारा राजसमंद झील का निर्माण 1662-1676 ई. के मध्य करवाया गया, अतः RPSC ने विकल्पों में निकटस्थ विकल्प 1680 ई. को सही माना है। नौचौकी के नाम से प्रसिद्ध इस झील में गोमती नदी आकर गिरती है। इस पर मेवाड़ का इतिहास संस्कृत भाषा (राजप्रशस्ति पर) में लिखा हुआ है। यह विश्व की सबसे बड़ी प्रशस्ति है। इस झील की नौ चौकी पाल की ताकों में 25 काले पत्थर की बड़ी-बड़ी शिलाओं पर उत्कीर्ण है। नव चौकी पाल में 9 ग्रहों के अनुरूप 9 के अंक का अद्भुत प्रयोग हुआ है। इसकी लम्बाई 999 फीट, चौड़ाई 99 फीट व प्रत्येक सीढ़ी 9 इंच ऊँची व चौड़ी है। यह नव चौकी राजस्थान के पुरातत्त्व विभाग द्वारा संरक्षित है।

❒ **वह झील जिसके तट पर संगमरमर के 25 शिलालेख स्थित है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) जयसंमद (2) राजसमंद (3) फतेहसागर (4) पिछोला

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'नौ चौकी' बाँध स्थित है?** [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) भीलवाड़ा (2) चित्तौड़गढ़ (3) राजसमन्द (4) उदयपुर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **महिला बाग का जालरा स्थित है**[JEN (Agri.) 10.9.2022]
(1) आना सागर झील, अजमेर (2) पिछोला झील, उदयपुर (3)गुलाबसागर झील, जोधपुर(4)बालसंमद झील,जोधपुर
Ans. (3)

❒ **उदयसागर झील में जल प्रवाहित करने वाली नदी कौनसी है?** [Asstt. Fire Officer -29.1.2022]
(1) पार्वती (2) कोठारी (3) आयड़ (4) गोमती
Ans. (3)

व्याख्या - उदयसागर झील का निर्माण उदयपुर के संस्थापक महाराणा उदयसिंह ने 1559 से 1565 के मध्य करवाया। बेड़च नदी उदयसागर झील में गिरने से पूर्व आयड़ नदी कहलाती है।

❒ **राजस्थान की कौनसी झील में प्राप्त नीलहरित शैवाल से N_2 युक्त खाद प्राप्त होती है?** [II Grade (Social Study) Exam. 2011]
(1)पचपदरा (2)साँभर (3)सरदार समंद (4)मोती झील
Ans. (4)

व्याख्या-रूपारेल नदी के जल को रोककर इसका निर्माण करवाया। इसे "भरतपुर की लाइफ लाईन" कहते है।

❒ **गैब सागर झील किस जिले में स्थित है-** [वनपाल-6.11.2022(S-II)][II Grade (Maths) Exam. 2011]
(1) उदयपुर (2) बाँसवाड़ा (3) प्रतापगढ़ (4) डूँगरपुर
Ans. (4)

व्याख्या - डूँगरपुर में स्थित महारावल गोपीनाथ द्वारा बनवायी गई, गैब सागर/एडवड सागर बाँध प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। गैब सागर के भीतर बना बादल महल तथा इसकी पाल पर महारावल पुंजराज द्वारा निर्मित गोवर्धननाथ का विशाल मन्दिर है जिसके प्रांगण में बने 52 छोटे-छोटे मन्दिर स्वत: ही ध्यानाकर्षण करते है।

❒ **सिलीसेढ़ झील स्थित है।** [II Grade Teacher-2010]
(1) चित्तौड़ (2) उदयपुर (3) राजसमंद (4) अलवर
Ans. (4)

व्याख्या - सिलीसेढ़ झील : दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर अलवर से 16 किलोमीटर दूर स्थित इस झील को 'राजस्थान का नंदनकानन' कहा जाता है। इस झील को वर्तमान में होटल लेक पैलेस में तब्दील कर दिया गया है।

❒ **फॉयसागर झील कहाँ स्थित है?**[पटवार परीक्षा-2011]
(1) उदयपुर (2) भरतपुर (3) अलवर (4) अजमेर
Ans. (4) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

व्याख्या -फॉयसागर झील का निर्माण इंजीनियर फॉय के निर्देशन में हुआ। यह झील अकाल राहत परियोजना के अंतर्गत अजमेर नगर परिषद् द्वारा निर्मित की गई। इस झील में बाण्डी नदी का जल एकत्रित होता है।

❒ **किस झील का निर्माण 1891-92 के दौरान अकाल राहत कार्यो के तहत करवाया गया?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]
(1) राजसमंद (2) फतेहसागर (3) फॉयसागर (4) नक्की
Ans. (3) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **कोलायत झील स्थित है-** [II Grade (English) -2011] [III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) बीकानेर (2) बाड़मेर (3) जैसलमेर (4) जोधपुर
Ans. (1)

व्याख्या -कोलायत प्राकृतिक झील है जहाँ कपिल मुनि (सांख्य दर्शन के प्रणेता) का मेला प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा को भरता है। इसे "शुष्क मरूस्थल का सुन्दर उद्यान" के नाम से भी जाना जाता है। कोलायत मीठे पानी की झील है।

❒ **कौनसी लवणीय झील नहीं है?**[II Grade-26.04.2017] [LDC 23.10.16][जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]
(1) डीडवाना (2) कोलायत (3) पचपद्रा (4) कावोद
Ans. (2) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **पिछोला झील को वर्तमान में किस झील से जोड़ा गया है?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) राजसमंद(2) जयसमंद(3)फतेहसागर(4)उपर्युक्त सभी
Ans. (3)

व्याख्या - फतेहसागर झील की आधारशिला ड्यूक ऑफ कनॉट द्वारा रखी गयी तथा इसका निर्माण महाराजा जयसिंह द्वारा करवाया गया। देवाली गाँव में स्थित होने के कारण इसे 'देवाली तालाब' भी कहा जाता था। अतिवृष्टि से बाँध क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद महाराणा फतेहसिंह ने इसका पुनर्निर्माण करवाकर नया नाम अपने ही नाम पर रख दिया। पिछोला झील और फतेहसागर को जोड़ने वाली तंग झील को 'सरूप सागर' कहा जाता है।

❒ **आनासागर झील का निर्माण किसने करवाया -** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (I)] [वनरक्षक - 2013] [वनपाल-06.11.2022(S-I)]
(1) पृथ्वीराज(2)आनाजी चौहान(3) राजसिंह(4) जयसिंह
Ans. (2)

व्याख्या - आनासागर झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पितामह अर्णोराज (आनाजी) ने 1135 ई. के आसपास अजमेर की दो पहाड़ियों नागपहाड़ व तारागढ़ के मध्य करवाया गया। जिसका निर्माण तुर्कों की सेना के संहार के बाद खून से रंगी धरती को साफ करने के लिए अर्णोराज ने चन्द्रा नदी के जल को रोककर करवाया। आनासागर झील में लूनी की सहायक नदी बाँडी का पानी भी आता है, जिसका उद्गम स्थल हेमावास (पाली) है। मुगल सम्राट शाहजहाँ ने झील के किनारे संगमरमर की 5 बारहदरी का निर्माण करवाया।

❐ **अजमेर की आनासागर झील में किस नदी का पानी आता है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]

(1) बाँडी (2) बेड़च (3) साबी (4) कांकनी

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **आनासागर स्थित है-** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]

(1)अजमेर (2) बीकानेर (3) उदयपुर (4) जयपुर

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सिरोही में स्थित राजस्थान की सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित झील जहाँ टॉड रॉक व नन रॉक स्थित है -** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) नक्की झील (2) पंचभद्रा झील
(3) लूणकरणसर झील (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (1)

व्याख्या-नक्की झील : माउण्ट आबू में लगभग 1 किमी. क्षेत्र में स्थित मीठे पानी की प्रसिद्ध विवर्तनिका झील। यह राजस्थान की सबसे ऊँची झील है। एक किवदंती के अनुसार इसका निर्माण देवताओं ने अपने नाखूनों से खोदकर किया था।

टॉडरॉक व ननरॉक : नक्की झील के पश्चिम तट के ऊपर स्थित पर्वत पर एक ऐसा विशाल शिलाखण्ड है, जिसकी आकृति मेढ़क जैसी है, इसलिए इसे टॉडरॉक कहा जाता है। इसी शिलाखण्ड के पास एक घूँघट निकाले स्त्री की आकृति की चट्टान है जिसे ननरॉक कहा जाता है।

❐ **नक्की झील कहाँ स्थित है?** [ARO- 29.8.2022]
[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III]
[JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) उदयपुर (2) देलवाड़ा (3) कोलायत (4) माउंट आबू

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **बाई तालाब झील कहाँ स्थित है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 21.10.18]

(1) डूँगरपुर (2) झालावाड़ (3) बाँसवाड़ा (4) प्रतापगढ़

Ans. (3)

व्याख्या : बाँसवाड़ा में तेजपुर गाँव के पास स्थित बाई तालाब (आनन्द सागर) महारावल जगमाल की ईडरवाली राणी लाछ कुँवरी (लास बाई) ने बनवाया था।

❐ **आनंद सागर झील कहाँ स्थित है-**[जेल प्रहरी-20.10.18]

(1) डूंगरपुर (2) बाँसवाड़ा (3) झालावाड़ा (4) प्रतापगढ़

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की निम्न झीलों में से कौनसी झील 'राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम' (NLCP) के अन्तर्गत नहीं आती हैं-** [RAS Exam - 05.08.2018]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]

(1) फतेह सागर झील (2) नक्की झील
(3) स्वरूप सागर झील (4) आना सागर झील

Ans. (3)

व्याख्या - राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जून, 2001 से संचालित की जा रही है। इसके तहत राज्य की 6 झीलों यथा-फतेहसागर, पिछोला, मानसागर, आनासागर, पुष्कर एवं नक्की झील को सम्मिलित किया गया है।

❐ **राजस्थान की निम्नलिखित झीलों में से कौनसी राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत नहीं आती है?** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]
[JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]

(1) आना सागर(2) पिछोला (3) फतेह सागर(4) कोलायत

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की निम्नलिखित झीलों में से कौनसी झील 'राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम' (एन.एल. सी.पी.) के अन्तर्गत नहीं आती है?**
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) मानसागर (2) आनासागर (3) पुष्कर (4) बजाज सागर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान की निम्नलिखित में से कौनसी झील शामिल नही है?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) फतेह सागर(2) नक्की(3) आना सागर(4) राजसमंद

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **नवलखाँ सागर किस जिले में स्थित है-**

[ACF & FRO - 18.02.2021][जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]
[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]
[कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) जोधपुर (2) उदयपुर (3) बूँदी (4) जयपुर

Ans. (3)

व्याख्या : बूँदी जिले में स्थित झीलें -

*• **जैतसागर झील :** जैता मीणा द्वारा निर्मित झील। इसमें स्थित महल का निर्माण राव राजा विष्णु सिंह ने करवाया।*

*• **कनकसागर झील :** इसका दूसरा नाम 'दुगारी झील' है।*

*• **नवलसागर झील :** बूँदी राजमहल के नीचे कटोरे के आकार की झील। उल्लेखनीय है कि नवलखाँ दुर्ग झालावाड़, नवलखाँ बावड़ी डूँगरपुर, नवलखाँ दरवाजा रणथम्भौर, नवलखाँ मंदिर पाली में स्थित है।*

❐ **इनमें से कौन-सी झील मीठे पानी से सम्बन्धित है?**

[II Grade (Science) Exam. 2011]

(1) डीडवाना (2)कायलाना (3) पंचपदरा (4)लूणकरणसर

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान में स्थित मीठे पानी की झीलें - नदसमन्द, राजसमंद झील (राजसमंद), जयसमंद/ढेबर (सलूम्बर), फतेहसागर, उदयसागर, पिछोला झील (उदयपुर), आनासागर, फॉयसागर, पुष्कर झील (अजमेर), जैतसागर (बूँदी), कोलायत झील (बीकानेर), सिलीसेढ़ झील (अलवर), भोपालसागर झील (चित्तौड़गढ़), नक्की झील (सिरोही), बालसमंद, कायलाना झील (जोधपुर), बुड्ढा जोहड़ झील (रायसिंह नगर, अनूपगढ़)

❐ **लवणीय गर्त नहीं हैं?** [Police Constable Exam- 2013]
[Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

(1) डीडवाना (2) कायलाना (3) सुजानगढ़ (4) तालछापर

Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से कौनसी एक मीठे पानी की झील नहीं है-** [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) पिछोला (2) पुष्कर (3) आना सागर (4) तालछापर

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसी नमकीन (खारे) पानी की झील नहीं है?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) कावोद (2) डीडवाना (3) रेवासा (4) जैतसागर

Ans. (4)***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसी राजस्थान की खारे पानी की प्रमुख झील नहीं है?**[EO & RO - 14.05.2023 (II)]

(1) ढेबर (2) डीडवाना (3) पचपद्रा (4) लूणकरणसर

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **पचपदरा में किस वस्तु का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाता है?** [Police Constable Exam-2007(III)]

(1) नमक (2) सिल्क
(3) लकड़ी के खिलौने (4) मिट्टी के बर्तन

Ans. (1)

व्याख्या - लूनी बेसिन के बालोतरा (पूर्व में बाड़मेर) में स्थित भारत एवं राज्य की सबसे खारी पचपदरा झील से उत्तम किस्म के नमक का उत्पादन किया जाता है। इस झील में खारवाल जाति के लोग परम्परागत तरीके से (मोरली झाड़ी से) नमक बनाने का काम करते हैं। यहाँ के नमक में 98 प्रतिशत तक सोडियम क्लोराइड की मात्रा होती है।

❐ **'खारवाल' जनजाति कौनसी झील से नमक उत्पादन करती है?** [III Grade (English) -27.02.2023]

(1) लूणकरसर (2) पचपदरा (3) डीडवाना (4) डेगाना

Ans. (2) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **पचपद्रा झील-** [ARO (Agri. Che., Agronomy) 27.8.2022]

(1) खारे पानी की है (2) मीठे पानी की है
(3) मिश्रित पानी की है (4) विशेष पानी की है

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **पचपदरा झील के नमक में सोडियम क्लोराइड का अनुमानित स्तर कितना है-**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]

(1) 80% (2) 70% (3) 98% (4) 85%

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित झीलों में से कौन-सी झील मीठे पानी की झील नहीं है?** [संगणक परीक्षा - 05.05.2018]

(1) कोलायत (2) छापरताल (3) पचपदरा (4) जवाई

Ans. (3) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से प्रमुख खारे पानी की झील लूनी बेसिन में स्थित हैं-** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) - 20.03.2019]

(1) नक्की (2) सिलीसेड़ (3) तलवाड़ा (4) पचपदरा

Ans. (4) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **किशोर सागर झील (तालाब) कहाँ स्थित है-**

[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
[JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]

(1) बूँदी (2) किशनगढ़ (3) उदयपुर (4) कोटा

Ans. (4)

व्याख्या - किशोर सागर (छतर विलास) तालाब, आलनिया, सूरसागर, सावनभादो बाँध कोटा में स्थित है।

❐ **साँभर झील का अधिकांश भाग किस जिले में स्थित है ?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) जयपुर (2) चूरू (3) नागौर (4) सीकर

Ans. (1)

व्याख्या - जयपुर (ग्रामीण) जिले की फुलेरा तहसील में स्थित यह राजस्थान की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील है। यह राजस्थान की सबसे बड़ी एवं भारत की दूसरी (प्रथम-चिल्का झील, उड़ीसा) सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर लगभग 32 किलोमीटर लम्बी तथा 3 से 12 किलोमीटर चौड़ी है। इस झील में 5 नदियाँ-मेढ़ा/मेंथा (सर्वाधिक नमक बहाकर लाने वाली), खारी, रूपनगढ़, बाण्डी की नाला व खाण्डेल नदियों का पानी बहकर आता है।

❐ **नदियाँ जो अपना जल साँभर झील में गिराती है- 1. साबी, 2. चाप, 3. रुपनगढ़, 4. मेढ़ा** [Head Master -11.10.2021]

(1) 1 और 2 (2) 3 और 4(3) 2 और 3(4) 1 और 4

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से कौनसी नदी साँभर झील में गिरती है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021] [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) मेंढा (2) कान्तली (3) बांडी (4) मानसी

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की खारे पानी की सबसे बड़ी झील है-** [Agriculture Officer : 29.01.2013]

(1) डीडवाना (2) पचपदरा (3) सांभर (4) लूणकरणसर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से कौनसी झील में रूपनगढ़, मेन्ढा और खांडेल नदियाँ अपना पानी प्रवाहित करती हैं?** [JEN (Agri.) 10.9.2022] [Asstt. Agri. Officer- 31.5.2019]

(1) फलौदी (2) सांभर (3) पचपदरा (4) डीडवाना

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **साँभर झील में गिरने वाली नदी है-** [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]

(1) मेंढ़ा (2) कांतली (3) खण्डेल (4) रूपनगढ़

Ans. (1, 3, 4)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **साँभर झील आन्तरिक अपवाह क्षेत्र की नदी कौन-सी है-** [JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) कान्तली (2) बांडी (3) मेंढ़ा (4) मानसी

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की साँभर झील को 5 नदियों से पानी मिलता है। निम्न में से कौनसी नदी इन 5 नदियों में से एक है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-I)]

(1) बनास (2) कालीसिंध (3) समोड़ (4) जवाई

Ans. (3)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **साँभर झील में नहीं गिरने वाली नदी है-** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-26.04.2017]

(1) मेंढ़ा (2) कांतली (3) खाण्डेल (4) रूपनगढ़

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सांभर झील में निम्नलिखित में से किस नदी द्वारा प्रतिवर्ष सर्वाधिक लवण की मात्रा लाकर जमा की जाती है?** [Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]

(1) खारी (2) रूपनगढ़ (3) मेंढ़ा (4) खण्डेल

Ans. (3)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा कथन सत्य है?** [बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक-18.6.2022]

कथन (A)- साँभर राजस्थान की सबसे बड़ी खारे पानी की झील है।

कथन (R) -साँभर झील 74° से 75° पूर्वी देशांतरों में स्थित है।

कूट-(1) A और R दोनों सत्य हैं (2) केवल A सत्य है (3) केवल R सत्य है (4) A और R दोनों सत्य नहीं हैं

Ans. (1)

❐ **राजस्थान की किस झील को रामसर आर्द्रभूमि की सूची में सम्मिलित किया गया है?** [RAS - 28.8.2016] [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)][JEN (Mech.) - 16.10.2016]

(1) साँभर (2) राजसमंद (3) आनासागर (4) जयसमंद

Ans. (1)

व्याख्या : *साँभर झील पर 'म्यूजियम सॉल्ट' की स्थापना (23 मार्च, 1990) की गई जिसे पर्यटन के क्षेत्र में 'रामसर साइट' के नाम से पुकारा जाता है।*

❐ **भारत के कुल नमक उत्पादन का साँभर झील में कितना उत्पादन होता है-** [RAS Exam - 1992] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]

(1) 8.7% (2) 19.2% (3) 31.3% (4) 41.7%

Ans. (1)

व्याख्या-यह देश की सर्वाधिक नमक उत्पादक (8.70 प्रतिशत) झील है। इस झील से नमक उत्पादन का कार्य भारत सरकार की देख-रेख में हिन्दुस्तान साल्ट्स कम्पनी लिमिटेड की सहायक कम्पनी 'साँभर साल्ट्स लिमिटेड' करती है।

❐ **राजस्थान में सबसे अधिक नमक उत्पादित होता है?**
[वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) साम्भर झील (2) पंचभद्रा (3)लूणकरणसर(4) फलौदी
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की वह झील कौनसी है, जहाँ सर्दियों में राजहंस (फ्लेमिंगोज) पक्षी बड़ी संख्या में आते हैं?**
[वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) साँभर (2) राजसमंद (3) आनासागर (4) जयसमंद
Ans. (1)

व्याख्या - साँभर झील में उत्तरी एशिया से हजारों की संख्या में फ्लेमिंगोज आते है। 11 नवम्बर, 2019 में 'एवियन बोटुलिज्म' बीमारी से हजारों पक्षियों की मौत हो गई थी। यहाँ एल्गी/शैवाल व बेक्टिरिया की विशेष प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

❐ **वर्ष 2019 में राजस्थान की निम्न में से कौनसी झील, बड़ी तादाद में पक्षियों की मृत्यु को लेकर समाचारों में रही हैं-** [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]
[JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
(1) आनासागर (2) नक्की (3) साँभर (4) मानसागर
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की खारे पानी की झील किस महासागर का अवशेष मानी जाती है?**[जेल प्रहरी-29-10-2018, S-I]
(1) प्रशान्त (2) टैथिस (3) हिन्द (4) अरब सागर
Ans. (2)

व्याख्या - खारे पानी की झीलें मुख्यत: टैथिस सागर के अवशेष का परिणाम है इसका एक उदाहरण साम्भर झील के रूप में है। रेगिस्तान में खारे पानी की झीलों को प्लाया तथा तटीय इलाकों में खारे पानी की झीलों को कयाल/लैगून कहते हैं ।

❐ **कौनसी झील खारे पानी की है?**
[RPSC III Grade Teacher Exam-2009]
(1) आना सागर झील (2) पिछोला झील
(3) डीडवाना झील (4) राजसमंद झील
Ans. (3)

व्याख्या -डीडवाना-कुचामन जिले (पूर्व में नागौर) के पास स्थित इस झील का नमक खाने के अयोग्य होने के कारण (नमक में सर्वाधिक फ्लोराइड) इससे सोडियम प्राप्त किया जाता है। डीडवाना झील को खल्दा झील/प्लाया झील भी कहते हैं।

❐ **सुमेलित नहीं है-** [Research Assistant Exam - 2017]
(1) पचपदरा झील -नागौर (2) ढेबर झील -उदयपुर
(3) गैबसागर झील-डूंगरपुर(4) तालाबशाही झील-धौलपुर
Ans. (1)*

व्याख्या : परीक्षाकाल में विकल्प 1 सही था परन्तु वर्तमान में पचपदरा झील बालोतरा (पूर्व में बाड़मेर) तथा ढेबर झील सलूम्बर जिले (पूर्व में उदयपुर) में स्थित है।

❐ **झील-जिला सुमेलित नहीं है**[III Grade (San.) -27.2.2023]
[मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
(1) दिआब्लाब - बांसवाड़ा(2) बालसमन्द - जोधपुर
(3) दूध-तलाई - उदयपुर (4) तालाब-ए-शाही - बूंदी
Ans. (4) *तालाबशाही धौलपुर व बारां दोनों में स्थित है।*

❐ **बांकली झील निम्न में से किस जिले में अवस्थित है-** [Librarian Garde-II Exam - 02.08.2020]
(1) बीकानेर (2) बाड़मेर (3) पाली (4) जोधपुर
Ans. (3) *व्याख्या - खिवंडी बांकली -पाली, बांकली - जालौर*

❐ **कौनसा कथन असत्य है-**[जेलप्रहरी 27-10-18, Shift -III]
(1) जोधपुर जिले में मेनाल और पाडाझर महादेव नामक दो प्राकृतिक झरने है।
(2) नीम का थाना में पीथमपुरी नामक स्थान पर केवल एक ही झील है।
(3) पिछोला झील में दो टापू है। एक टापू पर जगमंदिर और दूसरे पर जगनिवास नामक महलों का निर्माण किया गया है।
(4) मेजा बाँध भीलवाड़ा जिले के माण्डल तहसील में स्थित है।
Ans. (1) *व्याख्या - मेनाल जलप्रपात भीलवाड़ा में स्थित है।*

❐ **निम्न में से राजस्थान के किस जिले में 'तालछापर' झील अवस्थित है-** [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]
(1) चूरू (2) उदयपुर (3) भरतपुर (4) अलवर
Ans. (1)

व्याख्या - तालछापर झील चूरू में स्थित खारे पानी की झील है।

❐ **सही सुमेलित नहीं है**-[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.9.2020]

(1) नक्की - सिरोही (2) गड्सीसर - जैसलमेर

(3) उम्मेदसागर - जोधपुर (4) तलवाड़ा - गंगानगर

Ans. (4)*

व्याख्या - *उम्मेदसागर शाहपुरा और जोधपुर दोनों में स्थित है, जबकि तलवाड़ा झील हनुमानगढ़ में स्थित है।*

❐ **राजस्थान में जोधपुर से 8 किमी. पश्चिम में स्थित कायलाना झील का निर्माण किसने कराया था**-

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) भीम सिंह (2) तख्त सिंह (3) अर्णोराज (4) प्रतापसिंह

Ans. (4)

व्याख्या - ***कायलाना झील :*** *जोधपुर के पश्चिम दिशा में इस झील का निर्माण सर प्रताप ने करवाया था।*

❐ **सुमेलित कीजिए**- [II Grade Teacher -28.10,2018]

(A) जलमहल झील (1) अलवर

(B) पांडूपोल जलप्रपात (2) उदयपुर

(C) लूणकरणसर झील (3) जयपुर

(D) फतेह सागर झील (4) बीकानेर

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	3	1	4	2	(2)	1	3	4	2
(3)	1	3	2	4	(4)	3	4	1	2

Ans. (1)

व्याख्या - • ***जलमहल :*** *जयपुर में आमेर की घाटी के नीचे* ***'कनक वृन्दावन'*** *एवं* ***'फूलों की घाटी'*** *के पास स्थित मानसागर झील* ***'जयसिंहपुरा खोर'*** *गाँव के ऊपर दो पहाड़ियों के बीच तंग घाटी को बाँधकर किया था।*

• ***पाण्डुपोल :*** *सरिस्का के दक्षिण-पूर्व में स्थित इस स्थल पर पाण्डवों ने अज्ञातवास के 1 वर्ष व्यतीत किए।*

• ***लूणकरणसर झील***-*बीकानेर से उत्तर-पूर्व में 80 किमी. दूर स्थित इस झील में नमक का नगण्य अंश विद्यमान है।*

• ***फतेहसागर झील*** - *उदयपुर के देवाली गाँव में स्थित होने के कारण इसे 'देवाली तालाब' भी कहा जाता था। इस झील की आधारशिला ड्यूक ऑफ कनॉट द्वारा रखी गयी।*

❐ **महाराणा फतेहसिंह ने 1889 में ....के दौरे के उपलक्ष्य में देवली झील पर कनॉट बाँध का निर्माण कराया था**- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]

(1) रानी विक्टोरिया (2) रॉबर्ट बॉर्डन

(3) राजकुमारी लुईस मार्गरेट (4) ड्यूक ऑफ कनॉट

Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जल महल स्थित है**-[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (I)]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]

(1) मानसागर (2) रामगढ़ (3) तालकटोरा (4) मावठा झील

Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सुमेलित कीजिए**- [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(A) उम्मेद सागर **(1) सिरोही**

(B) नक्की झील **(2) उदयपुर**

(C) पिछोला झील **(3) धौलपुर**

(D) तालाबशाही झील **(4) भीलवाड़ा**

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	4	1	2	3
(3)	2	1	3	4	(4)	2	1	4	3

Ans. (2)

❐ **सुमेलित कीजिए** - [Food Safety Officer - 27.06.2023]

(A) नवलखाँ झील **(1) धौलपुर**

(B) तालछापर झील **(2) बूँदी**

(C) तालाबशाही झील **(3) बाड़मेर**

(D) पचपदरा झील **(4) चूरू**

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	2	4	1	3	(2)	2	4	1	3
(3)	2	3	4	1	(4)	4	1	3	2

Ans. (1)

❐ **सुमेलित कीजिए**- [Head Master -11.10.2021]

A. नवलखाँ **1. डूँगरपुर**

B. तालाबशाही **2. बीकानेर**

C. कोलायत **3. बूँदी**

D. गैब सागर **4. धौलपुर**

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	3	4	1	(2)	3	4	2	1
(3)	3	4	1	2	(4)	4	2	1	3

Ans. (2)

उदयपुर में झीलों को जोड़ने वाले सेतु

- *गोवर्धन सागर - पिछोला*
- *पिछोला - दूध तलाई, अमरकुण्ड*
- *पिछोला - कुम्हारिया तालाब*
- *कुम्हारिया तालाब - रंग सागर*
- *अमरकुण्ड - रंग सागर*
- *रंग सागर - स्वरूप सागर*
- *स्वरूप सागर - फतह सागर*

(स्रोत : RBSE, Class 6,पृष्ठ- 40)

9. बाँध

❐ **निम्नांकित को सुमेल कीजिए?** [R.A.S. Pre 1994]

(a) जवाहर सागर बाँध (i) चित्तौड़गढ़
(b) राणा प्रताप सागर बाँध (ii) कोटा
(c) उम्मेद सागर बाँध (iii) बाँसवाड़ा
(d) बजाज सागर बाँध (iv) भीलवाड़ा

कूट	a	b	c	d	कूट	a	b	c	d
(1)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)	(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(4)	(iii)	(iii)	(i)	(i)

Ans. (2)

व्याख्या -चम्बल नदी पर चार बाँधों का निर्माण किया गया है-• गाँधीसागर बाँध (जिला मन्दसौर, मध्यप्रदेश, रामपुरा भानूपुरा पठारों के बीच) तथा

• कोटा बैराज बाँध कोटा [प्रथम चरण में निर्मित इस बाँध का सर्वाधिक केचमेन्ट एरिया (जलग्रहण क्षेत्र सर्वाधिक, सर्वाधिक प्रदूषित) है।]

• राणाप्रताप सागर बाँध (राजस्थान का एकमात्र आइकोनिक बाँध) चित्तौड़गढ़ (द्वितीय चरण)

• जवाहर सागर बाँध, कोटा (तृतीय चरण में)।

❐ **गाँधी सागर और राणा प्रताप सागर बाँध निम्न में से किस नदी पर अवस्थित हैं?** [P.S.I. Exam, 2011] [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) माही (2) चम्बल (3) बनास (4) साबरमती

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **गाँधी सागर बाँध किस नदी पर बनाया गया है?** [Police Constable Exam-2007(III)] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]

(1) चम्बल (2)पश्चिम बनास (3)माही (4) बाण गंगा

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चम्बल नदी पर गाँधी सागर बाँध स्थित है?** [E.O. Exam, 2007]

(1) कोटा (2) चित्तौड़गढ़ (3) बूँदी (4) इनमें से नहीं

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चम्बल नदी पर निर्मित कौनसा बाँध राजस्थान राज्य में स्थित नहीं है?** [JEN (Diploma) - 21.08.2016]

(1) गाँधी सागर (2) राणा प्रताप सागर
(3) जवाहर सागर (4) कोटा बैराज

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चम्बल घाटी परियोजना पर निम्न में से मध्यप्रदेश में स्थित बाँध है-** [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(1)जवाहरसागर(2)कोटा बैराज(3) गाँधीसागर(4) राणाप्रताप

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राणा प्रताप सागर बाँध किस जिले में स्थित है-** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]

(1) राजसमंद (2) कोटा (3) चित्तौड़गढ़ (4) टोंक

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **किस स्थल पर चम्बल नदी सर्वाधिक प्रदूषित हुई है-** [JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) गाँधी सागर बाँध (2) राणा प्रताप सागर बाँध
(3) जवाहर सागर बाँध (4) कोटा बैराज

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मुहाने से उद्गम की ओर चम्बल नदी पर स्थित बाँधों का सही क्रम है-** [RPSC LDC 11 Jan 2014]

(1) गाँधी सागर - राणा प्रताप सागर - जवाहर सागर
(2) जवाहर सागर - राणा प्रताप सागर - गाँधी सागर
(3) गाँधी सागर - जवाहर सागर - राणा प्रताप सागर
(4) राणा प्रताप सागर - गाँधी सागर - जवाहर सागर

Ans. (2)

व्याख्या - चम्बल नदी का मुहाने से उद्गम की ओर बाँधों का क्रम क्रमश: कोटा बैराज, जवाहर सागर (कोटा बाँध), राणा प्रताप सागर, गाँधी सागर (म.प्र.) है।

❐ **चम्बल नदी पर निर्मित बाँधों को नदी-प्रवाह की दिशा में सही क्रम में पहचानिए** [JEN De. - 16.10.2016]

(1) राणा प्रताप सागर-गाँधी सागर-जवाहर सागर-कोटा बैराज
(2) राणा प्रताप सागर- जवाहर सागर- गाँधी सागर, कोटा बैराज
(3) गाँधीसागर-राणाप्रताप सागर-जवाहरसागर-कोटा बैराज
(4) राणा प्रताप सागर-गाँधी सागर-कोटा बैराज-जवाहर सागर

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चम्बल नदी पर बने हुए निम्नलिखित बाँधों में से कौनसे राजस्थान में स्थित हैं-** [PSI - 15.09.2021]

1. कोटा बैराज 2. गाँधी सागर बाँध
3. जवाहर सागर बाँध 4. राणा प्रताप सागर बाँध

(1) केवल 1, 2 और 4 (2) केवल 1 और 4
(3) 1, 2, 3 और 4 (4) केवल 1, 3 और 4

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चूलिया जल प्रपात के नीचे की ओर राजस्थान में कौनसा बाँध बना है?** [आर्थिक अन्वेषक -25.3.2018] [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]

(1) जवाहर सागर बाँध (2) गांधी सागर बाँध
(3) राणा प्रताप सागर बाँध (4) नांगल बाँध

Ans. (3)

***व्याख्या** - चूलिया जल प्रपात के नीचे की ओर चित्तौड़गढ़ में राणा प्रताप सागर बाँध बना हुआ है।*

❐ **मेजा बाँध कहाँ है?** [Police Constable Exam- 2013] [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) भीलवाड़ा (2) बाँसवाड़ा (3) अजमेर (4) उदयपुर

Ans. (1)

***व्याख्या** - कोठारी नदी पर 1972 में निर्मित यह बाँध भीलवाड़ा में स्थित है। मेजा बाँध की पाल पर मेजा पार्क भी विकसित किया गया है।*

❐ **मेजा बाँध कौनसी नदी पर निर्मित किया गया?** [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती परीक्षा- 26.03.2019] [Lab Assistent (Science) -28.06.2022] [III Grade (L-I) -25.2.2023] [II Grade GK - 21.12.2022] [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]

(1)बनास नदी(2)कोठारी नदी(3)पार्वती नदी(4)मेज नदी

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **बनास नदी पर कौन-सा बाँध है?** [Constable- 2013]

(1) रामगढ़ (2) मेजा (3) बीसलपुर (4) जवाई बाँध

Ans. (3)

***व्याख्या** -राजमहल (देवली, टोंक) में (बनास, खारी, डाई त्रिवेणी संगम पर स्थित है) बीसलपुर बाँध राजस्थान का एकमात्र कंक्रीट से बना बाँध (निर्माण 1987-1999) है। राजस्थान की यह सबसे बड़ी पेयजल परियोजना है।*

❐ **बीसलपुर बाँध का निर्माण किस वर्ष में पूर्ण हुआ?** [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) 1989 (2) 1992 (3) 1996 (4) 1999

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **माधोसागर बाँध स्थित है,** [R.A.S. (cancelled) 1999]

(1) दौसा (2) जयपुर (3) अलवर (4) भरतपुर

Ans. (1)

***व्याख्या** - माधोसागर बाँध दौसा जिले में स्थित है। कालखोह सागर दौसा जिले का सबसे बड़ा बाँध है।*

❐ **पाँचना बाँध कहाँ स्थित है?** [P. C. Exam-2007(III)] [Police Constable Exam- 2013][जेल प्रहरी-21.10.2018, S-III]

(1) दौसा (2) सवाई माधोपुर (3) करौली (4) अलवर

Ans. (3)

***व्याख्या** - करौली के समीप पाँच छोटी-छोटी नदियों (भद्रावती, माची, अटा, बरखेड़ा तथा भैंसावट) के संगम पर निर्मित मिट्टी का बाँध।*

❐ **नदी और बाँध का कौन-सा युग्म सही नहीं है?** [सहायक सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा -27.05.2019]

(1) कोठारी - मेजा (2) रावी-व्यास- नोहर
(3) बनास - बीसलपुर (4) मोरेल - पाँचना

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'तख्त सागर' नामक जलाशय राजस्थान के किस जिले में स्थित है?** [कर सहायक - 14.10.2018]

(1) जोधपुर (2) जयपुर (3) जालौर (4) झुन्झुनूं

Ans. (1)

***व्याख्या :** पिचियाक बाँध या जसवंत सागर, तख्त सागर, फतेहसागर, रानीसर, पदमसर बाँध जोधपुर जिले में स्थित हैं।*

❐ **राजस्थान के किस जिले में 'जवाई बाँध' स्थित है ?** [III Gr.Teacher-2004,पटवार-2011][वनपाल-06.11.2022(S-I)]

(1) जयपुर (2) पाली (3) जोधपुर (4) कोटा

Ans. (2)

***व्याख्या** - पाली जिले में स्थित प. राजस्थान का सबसे बड़ा बाँध । इसकी नींव 13 मई, 1946 को जोधपुर के महाराजा उम्मेदसिंह द्वारा रखी गयी । रियासत काल में इसका निर्माण इंजीनियर एडगर व फर्ग्यूसन की देखरेख में पूर्ण हुआ । इसको 'मारवाड़ का अमृतसरोवर' कहा जाता है। यह बाँध जोधपुर व पाली का प्रमुख पेयजल स्रोत तथा जालौर व पाली जिले का प्रमुख सिंचाई स्रोत है।*

❐ **जवाई बाँध से सिंचित जिले हैं-** [संगणक-19.12.2021]

(1) सिरोही और पाली (2) पाली और जालौर
(3) सिरोही और जालौर (4) पाली और बाड़मेर

Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सही सुमेलित नहीं हैं?**[JEN (Electric) Diploma- 18.5.2022]

(1) पांचना - करौली (2) मेजा - भीलवाड़ा
(3) जवाई - जालौर (4) चाकन - बूँदी

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **बाँसवाड़ा स्थित बजाज सागर बाँध किस नदी पर स्थित है ?**[वनरक्षक-11.12.2022(S-II)][पटवार परीक्षा - 2011]
(1) माही (2) चम्बल (3) लूनी (4) मानसी
Ans. (1)

व्याख्या - यह बाँसवाड़ा में माही नदी पर स्थित राज्य का सबसे लम्बा (3109 मीटर) बाँध है।

❑ **माही-बजाज सागर बाँध निम्न में से किस जिले में स्थित है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.03.2019]
(1) भीलवाड़ा (2) बाँसवाड़ा (3) कोटा (4) जालौर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **गढ़सीसर सरोवर कहाँ स्थित है?** [जेल प्रहरी-2017]
[II Grade (Maths) 2011] [जेल प्रहरी 20-10-2018, S -I]
(1) माउण्ट आबू (2)उदयपुर (3) जैसलमेर (4) बीकानेर
Ans. (3)

व्याख्या - जैसलमेर का गढ़सीसर (गढ़ीसर) सरोवर प्रवासी कुरजां पक्षियों का आश्रय स्थल है। इसका निर्माण रावल गड़सीसिंह ने 1340 में करवाया था। इस सरोवर के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थित विशाल द्वार टीलां नामक वैश्या ने 1909 में निर्मित करवाया। इसके किनारे जैसलमेर लोक सांस्कृतिक संग्रहालय है।

❑ **कौनसा एक सुमेलित नहीं है-** [RAS -31.10.2015]
[Assistant Professor-22.9.2021]
(1) बन्ध बरेठा –भरतपुर (2) गलता – जयपुर
(3) तालाबशाही – धौलपुर (4) गढ़ीसर – जोधपुर
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **साँकड़ा बाँध किस जिले में स्थित है?**[वनरक्षक- 2013]
(1) जोधपुर (2) टोंक (3) जयपुर (4) अलवर
Ans. (4)

व्याख्या - साँकड़ा एवं मनसासागर बाँध (तरूण भारत संघ के सहयोग से क्रमशः भांवता व गढ़बसई गाँव में निर्मित) अलवर जिले में स्थित है।

❑ **बाँध-संबंधित जिलों में सुमेलित है?**[वनरक्षक - 2013]
(a) कानोता i. सवाईमाधोपुर
(b) बंध बारेठा ii. भरतपुर
(c) ईसरदा iii. जयपुर
(d) काला खोह iv. दौसा
(1) a-iv, b-ii, c-iii, d-i (2) a- iii, b-ii, c-i, d- iv
(3) a-iv, b-i, c-ii, d-iii (4) a-ii, b-iii, c-i, d-iv
Ans. (2)

व्याख्या -• कानोता बाँध :जयपुर ग्रामीण के निकट स्थित राजस्थान का सर्वाधिक मछली उत्पादक बाँध।
• बंध बारेठा बाँध - भरतपुर का सबसे बड़ा बाँध इसका निर्माण कुकुन्द नदी पर 1897 में रामसिंह के समय करवाया गया। इस बाँध की बनावट 'एक जहाज' जैसी हैं।
• ईसरदा बाँध (काफर डेम) : टोंक-सवाईमाधोपुर में स्थित बनास नदी पर निर्मित पेयजल उपलब्ध कराने हेतु।
• काला खोह बाँध दौसा जिले में स्थित है।

❑ **ईसरदा बाँध किस जिले में है?** [पटवार परीक्षा - 2011]
(1) झालावाड़(2) चित्तौड़गढ़(3) सवाई माधोपुर(4) करौली
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **नारायण सागर बाँध स्थित है ?** [वनरक्षक- 2013]
(1) सीकर (2) अजमेर (3) कोटा (4) उदयपुर
Ans. (2)

व्याख्या - नारायण सागर बाँध - यह बाँध खारी नदी पर है इसे "अजमेर जिले का समुद्र" कहते है।

❑ **छापी बाँध स्थित है-** [महिला पर्यवेक्षक-20.12.2015]
(1) बारां (2) कोटा (3) झालावाड़ (4) टोंक
Ans. (3)

व्याख्या : भीमसागर, छापी, गागरीन, पीपलाद और चौली बाँध झालावाड़ जिले में स्थित है।

❑ **जैत सागर तालाब कहाँ स्थित हैं?**[वनपाल-06.11.2022(I)]
[JEN (यांत्रिकी)डिग्री-13.12.20][क.अनुदेशक(फिटर)-23.3.19]
(1) उदयपुर (2) बूँदी (3) अजमेर (4) माउंट आबू
Ans. (2)

व्याख्या- जैत सागर, नवलसागर, जिगजैग बाँध (लाखेरी), हिण्डोली तालाब बूँदी में स्थित है।

❑ **कौनसा बाँध कोट बाँध भी कहलाता हैं-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]
(1) मोरल (2) घोसुंडा (3) खांडिप (4) सरजू सागर
Ans. (4)

*व्याख्या – सरजू सागर बाँध जिसे **कोट बाँध** के नाम से भी जाना जाता है, शाकंभरी पहाड़ियों के पार एक बाँध है। यह **नीम का थाना** (पूर्व में झुंझुनूँ) में उदयपुरवाटी शहर से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। उल्लेखनीय है कि **कोटड़ी बाँध** (कांटली नदी पर) **खण्डेला (सीकर)** में निर्माणाधीन है।*

❑ **भीम सागर स्थित है-**[JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) श्री गंगानगर (2) अलवर (3) कोटा (4) झालावाड़
Ans. (4)

व्याख्या - झालावाड़ में भीमसागर, छापी, गागरीन, पीपलाद और चौली बाँध स्थित है।

❑ एशिया में चिनाई वाला सबसे ऊँचा बाँध है- [वनरक्षक- 2013]

(1) रामगढ़ (2) मेजा (3) जाखम (4) जवाई

Ans. (3)

व्याख्या - प्रतापगढ़ में अनूपपुरा गाँव के पास स्थित यह राज्य का सबसे ऊँचा (81 मीटर) बाँध है।

❑ जाखम बाँध राजस्थान के किस जिले में स्थित है- [पशुधन सहायक 04.6.2022]

(1) राजसमंद (2) झुन्झुनूँ (3) प्रतापगढ़ (4) दौसा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ नवनेरा बाँध किस तहसील में स्थित है- [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

(1) सांगोद (2) बीगोद (3) दिगोद (4) पिपलोंद

Ans. (3)

व्याख्या - कोटा जिले की दिगोद तहसील के अब्रा गाँव में कालीसिन्ध नदी पर स्थित है।

❑ नौनेरा (नवनेरा) बाँध का निर्माण कार्य किस नदी पर चल रहा है- [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]

(1) चम्बल (2) माही (3) कालीसिंध (4) बनास

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ सुमेलित कीजिए : [P.S.I. Exam, 2011]

A. शाही कुण्ड	1. झुन्झुनूँ
B. गैप सागर	2. करौली
C. रामेलाव तालाब	3. डूंगरपुर
D. पन्नाशाह तालाब	4. सोजत
	5. अलवर

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	3	4	1	(2)	2	1	5	3
(3)	1	2	5	4	(4)	1	3	4	5

Ans. (1)

व्याख्या -पन्नाशाह तालाब नीम का थाना जिले (पूर्व में झुन्झुनूँ) के खेतड़ी, रामेलाव तालाब सोजत (पाली), गैपसागर डूँगरपुर एवं शाही कुण्ड करौली में स्थित है।

❑ पन्ना मीना कुण्ड स्थित है-[वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]

(1) उदयपुर (2) नाथद्वारा (3) जयपुर (4) जैसलमेर

Ans. (3)

❑ सही सुमेलित नहीं है? [VDO Mains -09.07.2022]

(1) घोसुण्डा बाँध-चित्तौड़गढ़ (2) हिंगोनिया बाँध-जयपुर

(3) मोरा सागर बाँध-टोंक (4) पाँचना बाँध-करौली

Ans. (3) *मोरा सागर बाँध - सवाई माधोपुर*

❑ बाँध व जिलों को सुमेलित कीजिए-[LDC 23.10.16]

(a) गागरीन	(1) बून्दी
(b) गरदड़ा	(2) सिरोही
(c) मोरा सागर	(3) सवाई माधोपुर
(d) ओराटैक	(4) झालावाड़

कूट	a	b	c	d	कूट	a	b	c	d
(1)	1	2	3	4	(2)	2	3	1	4
(2)	3	1	4	1	(4)	4	1	3	2

Ans. (4)

❑ सुमेलित कीजिए - [VDO-27.12.2021 (S-II)]

(a) तालाब-ए-शाही	(1) पाली
(b) गैब सागर	(2) बांसवाड़ा
(c) कडाणा	(3) धौलपुर
(d) हेमावास	(4) डूंगरपुर

कूट	a	b	c	d	कूट	a	b	c	d
(1)	3	4	2	1	(2)	1	2	3	4
(2)	2	3	1	4	(4)	3	2	4	1

Ans. (1)

❑ अमर सागर बाँध ....स्थित है? [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) जोधपुर (2) जैसलमेर (3) जयपुर (4) उदयपुर

Ans. (2)

❑ मदार बाँध ....नदी पर बनाया गया था। [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) साबरमती (2) बेड़च (3) सोम (4) माही

Ans. (2)

क्या आप जानते हैं?

- *राजस्थान की जीवन रेखा - इंदिरा गाँधी नहर*
- *राजसमंद की जीवन रेखा - नदसमन्द बाँध*
- *भरतपुर की जीवन रेखा - मोती झील*
- *जयपुर की जीवन रेखा - द्रव्यवती नदी*
- *गंगानगर की जीवन रेखा - गंगनहर*
- *जोधपुर की जीवन रेखा - राजीव गाँधी लिफ्ट नहर*
- *बीकानेर की जीवन रेखा - लूणकरणसर लिफ्ट नहर*
- *ब्यावर की जीवन रेखा - नारायण सागर बाँध*

10. जल संरक्षण तकनीकें

❑ **जैसलमेर में पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा विकसित मौलिक पारम्परिक वर्षा जल संचयन पद्धति का नाम है-** [द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014] [पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018] [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) बावड़ी (2) खड़ीन (3) कुण्ड (4) उकेरी

Ans. (2)

व्याख्या *-जैसलमेर जिले में खड़ीन (मूलत: जैसलमेर के कृषक ब्राह्मण पालीवालों द्वारा विकसित वर्षा के पानी को एकत्रित करने के लिए अपनाया जाने वाला तरीका) सिंचाई का अच्छा साधन है। जैसलमेर के उत्तर में स्थित बड़ी संख्या में प्लाया झीलों, जिन्हें खड़ीन कहा जाता है, से नमक का उत्पादन होता है।*

❑ **निम्न में से कौनसी परम्परागत जल संरक्षण की विधि नहीं है?** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) नाड़ी (2) खड़ीन (3) तालाब (4) टांका

Ans. (3)

व्याख्या *- परम्परागत जल संरक्षण की विधियाँ -*

*• **नाड़ी** - नाड़ी एक प्रकार का पोखर होता है, जिसमें वर्षा जल संचित होता है।*

*• **खड़ीन** -कृषि भूमि के ढाल के विपरीत दिशा में मिट्टी का बाँध बनाकर पानी का संग्रहण किया जाता है।*

*• **टांका** - इनका निर्माण खेतों, घरों, गढ़ों तथा किलों में वर्षा जल के संग्रहण हेतु किया जाता रहा है।*

• जोहड़, • टोबा, • बावड़ी, • झालरा, • कुई या बेरी, • नेहटा (नेष्टा), • पालर पाणी • मदार

❑ **कौनसी राजस्थान में जल संरक्षण की परम्परागत विधि नहीं है-**[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020] [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]

(1) नाली (2) नाड़ी (3) टोबा (4) जोहड़

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **'टांका' और 'खड़ीन' प्रकार है-** [अन्वेषक-27.12.2020] [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]

(1) आदिवासी युद्धकौशल (2) आदिवासी बोलियाँ (3) कृषि पद्धतियाँ (4) परम्परागत जल संरक्षण संरचनाएँ

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **शेखावाटी क्षेत्र में स्थानीय भाषा में कुएँ को क्या कहते है?** [जेल प्रहरी-2017] [Police Constable-2005]

(1) जोहड़ (2) बावड़ी (3) बेरा (4) खूं

Ans. (1)

व्याख्या *- शेखावाटी क्षेत्र में कच्चे व पक्के कुओं का निर्माण जल प्राप्ति हेतु किया जाता है जिसे 'जोहड़' या 'नाड़ा' के नाम से जाना जाता है।*

❑ **शेखावाटी के अन्त:प्रवाही क्षेत्र में निर्मित कच्चे जल स्रोत को किस नाम से जाना जाता है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती परीक्षा- 26.03.2019]

(1) कुआँ (2) तालाब (3) कुण्ड (4) नाड़ा

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के शुष्क व अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में 'पालर-पानी' शब्द किसके लिए प्रयुक्त होता है?** [REET (Level – II, S-I) –24.07.2022]

(1)नदी जल(2) भूमिगत जल(3) नहरी जल(4) वर्षा जल

Ans. (4)

व्याख्या *- वर्षा के समय बारिश के रूप में जो जल सीधा भूमि पर आता है उसे पालर पानी कहते हैं।*

❑ **'लेवा तालाब' नामक वर्षाजल संग्रहण संरचना किस जिले में स्थित है?** [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) कोटा (2) बारां (3) बूँदी (4) भीलवाड़ा

Ans. (2)

❑ **वर्षाजल संग्रहण करने वाला रानीसर टाँका कहाँ स्थित है?** [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) बाड़मेर (4) बीकानेर

Ans. (2)

❑ **राजस्थान में जल संरक्षण के लिए 'अमृतम् जलम्' ..... का अभियान है-** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]

(1) राजस्थान पत्रिका (2) राजस्थान संदेश
(3) जय राजस्थान (4) दैनिक भास्कर

Ans. (1)

<u>क्या आप जानते हैं?</u>

वर्तमान में 'रूफ टॉप जल संचयन' एवं 'वाटर हार्वेस्टिंग' तकनीकें बहुत प्रचलित हैं। 'रूफ टॉप जल संचयन' विधि में घर की छत पर गिरे वर्षा के जल को घर के नीचे बने कुएँ में एकत्र किया जाता है। वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक द्वारा वर्षा के व्यर्थ बहने वाले जल को भूमिगत किया जाता है। **(स्रोत : RBSE, Class 6,पृष्ठ- 41)**

11. सिंचाई परियोजनाएँ

❒ **राजस्थान की नवीनतम जल नीति किस वर्ष अपनाई गई -** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]

(1) 2012 (2) 2014 (3) 2015 (4) 2010

Ans. (4)

***व्याख्या** - राजस्थान की नवीनतम जल नीति को मंत्रीमण्डल ने 17 फरवरी, 2010 को मंजूरी प्रदान की।*

❒ **राजस्थान के 13 नदी बेसिनों में कुल सतही जल की सम्भाव्यता कितनी है?** [Librarian Gar. III - 13.11.16]

(1) 08.42 मिलियन एकड़ फुट
(2) 11.29 मिलियन एकड़ फुट
(3) 15.86 मिलियन एकड़ फुट
(4) 14.51 मिलियन एकड़ फुट

Ans. (3)

***व्याख्या** - राजस्थान में लगभग 2,23,25,051 हैक्टेयर क्षेत्र खेती युक्त है, परंतु राज्य के आंतरिक जल स्रोत की सतही क्षमता अनुमानतः 15.86 एम.ए.एफ. (राष्ट्रीय क्षमता का 1.16 प्रतिशत) है।*

❒ **भारत के कुल सतही जल संसाधनों में राजस्थान का कितना प्रतिशत भाग है-** [JEN Degree (TSP)- 16.10.16] [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) 1.70 (2) 2.86 (3) 1.16 (4) 1 से कम

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में सर्वाधिक सिंचाई की जाती है-** [JEN (Mech.) Dipl., 2016] [Police Constable -2007(II)] [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019] [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021] [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) कुओं व नलकूपों द्वारा (2) तालाबों द्वारा
(3) उपर्युक्त में से कोई नहीं (4) नहरों द्वारा

Ans. (1)

***व्याख्या** - राज्य के कुल सिंचित क्षेत्र का लगभग 68.72% भाग कुओं एवं नलकूपों (जयपुर सर्वाधिक) द्वारा, लगभग 30% भाग नहरों (गंगानगर सर्वाधिक) एवं 1% भाग तालाबों (भीलवाड़ा सर्वाधिक) द्वारा सिंचित है।*

❒ **राजस्थान में सिंचाई का मुख्य स्रोत क्या है?** [वनपाल-06.11.2022(S-I)][JEN (Diploma) - 21.08.2016]

(1) नहर (2) तालाब (3) नलकूप (4) कुआँ

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कुएँ एवं नलकूपों से सिंचाई करने की दृष्टि से सबसे प्रमुख जिला हैं-** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) जयपुर (2) भरतपुर (3) अलवर (4) धौलपुर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में नहरों द्वारा सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत कितना है-** [JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) 26.49 (2) 24.36 (3) 28.85 (4) 29.75

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में नहर सिंचाई में किस जिले का प्रथम स्थान है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) राजसमंद (2) श्रीगंगानगर (3) उदयपुर (4) भीलवाड़ा

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इन्दिरा गाँधी नहर का निर्माण कार्य वर्ष 1958 से प्रारम्भ हुआ और इसका उद्गम है ?** [R.A.S., 2007] [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]

(1) सतलुज नदी पर भाखड़ा बाँध से
(2) रिहन्द नदी पर रिहन्द घाटी योजना से
(3) महानदी पर हीराकुण्ड योजना से
(4) सतलुज-व्यास नदी पर हरिके बाँध से

Ans. (4)

***व्याख्या** - 31 मार्च, 1958 को शुरू इस परियोजना को सबसे पहले 'राजस्थान नहर' के नाम से जाना जाता था। जिसे 2 नवम्बर 1984 में नाम परिवर्तित करके इन्दिरा गाँधी नहर कर दिया गया। हरिके बैराज (सतलज व व्यास नदियों के संगम पर स्थित पंजाब के फिरोजपुर जिले में) से निकाली गई इस नहर को बाड़मेर की गडरा रोड तक प्रस्तावित किया गया है।*

❒ **इन्दिरा गाँधी नहर किस नदी से निकाली गई है?** [Highcourt LDC-13.3.2022)][महिला पर्यवेक्षक- 20.12.2015] [PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022][सूचना सहायक- 2011]

(1) व्यास (2) सतलज (3) झेलम (4) रावी

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इंदिरा गाँधी नहर परियोजना की आधारशिला रखी गई?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) 31 मार्च, 1956 को (2) 31 मार्च, 1958 को
(3) 2 अक्टूबर, 1958 को (4) 2 अक्टूबर, 1956 को

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इंदिरा गाँधी नहर परियोजना के संदर्भ में कौनसा कथन सही नहीं है-** [वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]
(1) इंदिरा गाँधी नहर परियोजना भारत की सबसे बड़ी नहर परियोजना है।
(2) इसमें 204 किमी. लम्बी फीडर नहर है।
(3) यह पोंग बाँध से प्रारम्भ होती है जो सतलज और व्यास नदी के संगम पर स्थित है।
(4) इसमें सात लिफ्ट नहरें हैं जिससे विभिन्न जिलों में पानी दिया जाता है।
Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से पश्चिमी राजस्थान में सिंचाई हेतु किस नहर परियोजना का विकास किया गया है?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (I)]
(1) इंदिरा गाँधी नहर परियोजना
(2) चंबल नहर परियोजना
(3) सोम कमला अंबा नहर परियोजना
(4) गुड़गाँव नहर परियोजना
Ans. (1) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जिलों के किस समूह में इंदिरा गाँधी नहर का पानी केवल पीने के उद्देश्य के लिए उपयोग में लाया जाता है/जाएगा?**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.2018 (II)]
(1) झुंझुनूँ, सीकर, नागौर और बाड़मेर
(2) जयपुर, जोधपुर, पाली, सिरोही
(3) जैसलमेर, जोधपुर, पाली, चुरू
(4) चुरू, सिरोही, पाली, बीकानेर
Ans. (1)

> ***व्याख्या**–इंदिरा गाँधी नहर परियोजना से उत्तरी-पश्चिमी राजस्थान के **10 जिले लाभान्वित हो रहे हैं, जिनमें से 6 जिलों** (हनुमानगढ़, गंगानगर, चूरू, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर) को सिंचाई एवं पेयजल सुविधा तथा 4 जिलों (नागौर, बाड़मेर, सीकर, झुन्झुनूँ) को **पेयजल** सुविधा है। नवीन जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त अनुमानतः सिंचाई एवं पेयजल सुविधा हेतु फलौदी, जोधपुर ग्रामीण, एवं अनूपगढ़ जिलों को तथा पेयजल हेतु नीम का थाना एवं डीडवाना-कुचामन को शामिल किया जायेगा।*

❒ **किस स्थान पर इंदिरा गाँधी नहर परियोजना से पेयजल नहीं पहुँचाया जाता है**–[CET : 07.01.2023 (1)]
[JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) बीकानेर (2) जोधपुर (3) पाली (4) बाड़मेर
Ans. (3) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना, राजस्थान के किस क्षेत्र को, सिंचाई और पीने का पानी प्रदान करती है?** [RPSC Head Master Exam. 15 May, 2012]
(1)पूर्वी क्षेत्र (2)पश्चिमी क्षेत्र(3)दक्षिणीक्षेत्र(4)उत्तरी क्षेत्र
Ans. (2) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना से किन जिलों को सिंचाई सुविधा प्राप्त हो रही है**[RPSC Jr. Acct.-1994]
(1) बीकानेर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर
(2) बीकानेर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, कोटा
(3) सीकर, झुंझुनूँ, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर
(4) बीकानेर, चूरू, जयपुर, सीकर, अजमेर, दौसा
Ans. (1) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से राजस्थान का कौनसा क्षेत्र इंदिरा गाँधी नहर से लाभान्वित होगा?** [R.A.S., 2003]
(1) उत्तर-पश्चिम (2) दक्षिण
(3) दक्षिण-पश्चिम (4) सम्पूर्ण राजस्थान
Ans. (1) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कथन (A) राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थली जिलों में आजकल भरपूर खाद्यान्न फसलें उत्पन्न होती है। कारण (B) इंदिरा गाँधी नहर ने जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में सिंचाई सुविधाएँ प्रदान कर दी है- सही विकल्प का चयन कीजिए**-[RAS -1992, 1995]
(1) कथन सही और कारण भी सही है
(2) कथन गलत है और कारण भी गलत है
(3) कथन सही है परन्तु कारण गलत है
(4) कथन गलत है परन्तु कारण सही है।
Ans. (1) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इन्दिरा गाँधी नहर के पूर्ण होने पर राजस्थान के कितने क्षेत्र को सिंचाई का लाभ प्राप्त हो सकेगा?**
[प्रयोगशाला सहायक 13.11.16][JEN (Mech.) Dip., 2016]
(1) 17.41 लाख हैक्टेयर (2) 11.63 लाख हैक्टेयर
(3) 15.17 लाख हैक्टेयर (4) 19.65 लाख हैक्टेयर
Ans. (4)

> ***व्याख्या : वर्ष 2005 में राज्य सरकार ने कुल प्रस्तावित सिंचित क्षेत्र 19.63 लाख हैक्टेयर को पानी की उपलब्धता में कमी के परिप्रेक्ष्य में 16.17 लाख हैक्टेयर सिंचित क्षेत्र को मंजूरी प्रदान की है।***

❒ इंदिरा गाँधी नहर का अन्तिम छोर है?[ग्राम सेवक, 2008]
[JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(1) गडरारोड(2) लूणकरणसर(3) मोहनगढ़ (4) जैसलमेर

Ans. (3)

व्याख्या-IGNP की कुल लम्बाई 649 किमी. है। इसके प्रथम चरण के अंतर्गत हरिके बाँध से मसीतावाली गाँव (हनुमानगढ़) तक 204 किलोमीटर लम्बी राजस्थान फीडर का निर्माण किया गया तथा 189 किलोमीटर लम्बी मुख्य नहर का मसीतावाली गाँव से छतरगढ़ के निकट पूंगल हैड तक निर्माण किया गया है। द्वितीय चरण के अंतर्गत राजस्थान मुख्य नहर पूंगल हैड से जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ गाँव तक 256 किलोमीटर लम्बी बनाने का प्रस्ताव किया गया था। इसलिए 'मोहनगढ़' कस्बे को IGNP का 'Zero Point' कहते हैं। इंदिरा गाँधी मुख्य नहर की लम्बाई 445 किमी. है।

❒ इंदिरा गाँधी फीडर (राजस्थान फीडर) की लम्बाई ..... है? [Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) 204 किमी. (2) 445 किमी.
(3) 649 किमी. (4) 826 किमी.

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में इंदिरा गाँधी नहर का प्रवेश बिन्दु कौन-सा जिला है?[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-14.7.2018 (II)]

(1) जोधपुर (2) श्रीगंगानगर (3) हनुमानगढ़ (4) चुरू

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ इंदिरा गाँधी मुख्य नहर की लंबाई क्या है?
[AEN Exam - 16.12.2018]

(1) 445 किमी. (2) 204 किमी.
(3) 649 किमी. (4) 328 किमी.

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ इंदिरा गाँधी नहर परियोजना की कुल लम्बाई लगभग कितनी है? [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) 150 किमी. (2) 350 किमी.
(3) 650 किमी. (4) 850 किमी.

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसा एक कथन सही नहीं है?[RAS 14 June, 2012]

(1) कुएँ एवं नलकूप राजस्थान में सिंचाई के प्रमुख साधन हैं

(2) गंग नहर का निर्माण कार्य 1927 में पूर्ण हुआ था

(3) इंदिरा गाँधी नहर के जल का उपयोग केवल सिंचाई के लिए होता है

(4) 'खड़ीन' शुष्क राजस्थान में जल संरक्षण की परम्परागत विधि है

Ans. (3)

व्याख्या - यह राजस्थान की ही नहीं बल्कि भारत की एक विशाल बहुउद्देशीय (पेयजल, सिंचाई) परियोजना है। इसे राजस्थान की मरुगंगा व जीवन रेखा कहा जाता है। इसका प्रारूप बीकानेर रियासत के मुख्य सिंचाई अभियंता राय बहादुर कंवरसेन गुप्ता ने तैयार (1948,पुस्तक- बीकानेर राज्य के लिए पानी की आवश्यकता) किया था। इसका शिलान्यास (31 मार्च, 1958) तत्कालीन गृहमंत्री गोविन्द वल्लभ पंत ने किया था। इसका उद्घाटन 11 अक्टूबर, 1961 को उपराष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन ने किया।

❒ इंदिरा गाँधी नहर परियोजना का विचार किसके दिमाग की उपज है? [LDC Exam -09.09.2018]

(1) मोहनलाल सुखाड़िया (2) जवाहर लाल नेहरू
(3) जयनारायण व्यास (4) कंवर सेन

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कंवर सेन द्वारा राजस्थान नहर की शुरुआत की गई, वर्ष- [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) 1958 (2) 1948 (3) 1938 (4) 1968

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ किसे राजस्थान की 'मरुगंगा' के नाम से जाना जाता है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]
[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) बाणगंगा (2) इंदिरा गांधी नहर (3) गंगनहर (4) माही

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ इंदिरा गाँधी नहर परियोजना का जनक किसे माना जाता है? [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) महाराजा गंगासिंह (2) जवाहरलाल नेहरू
(3) गोविन्द वल्लभ पंत (4) कंवरसेन

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ इंदिरा गाँधी नहर विभाग (राजस्थान सरकार) के अनुसार, लिफ्ट नहरों की कुल लंबाई कितनी है (जुलाई, 2022 तक)?
[I Grade Geography-16.10.2022]

(1) 1020.24 किमी. (2) 1495.45 किमी.
(3) 2090.00 किमी. (4) 2515.90 किमी.

Ans. (4)

❐ **इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना में 'लिफ्ट नहरों की संख्या है?** [CET : 08.01.2023 (S-II)][R.A.S.- 1995]

(1) 8 (2) 7 (3) 6 (4) 5

Ans. (2)

व्याख्या- इंदिरा गाँधी नहर की लिफ्ट नहरें - कुल 7

1. ***चौधरी कुम्भाराम (नौहर सौहवा)-*** *सहायक नहरों सहित सबसे लम्बी लिफ्ट नहर है, अन्यथा कँवर सेन लिफ्ट सबसे बड़ी है। लाभान्वित जिले : हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, झुंझुनूँ*
2. ***कँवरसेन (लूणकरणसर) -*** *सबसे लम्बी लिफ्ट नहर लाभान्वित जिले : अनूपगढ़ (पूर्व में गंगानगर), बीकानेर*
3. ***पन्नालाल बारूपाल (गजनेर)-*** *लाभान्वित : बीकानेर, नागौर*
4. ***वीर तेजाजी (बांगड़सर) -*** *सबसे छोटी लिफ्ट नहर। लाभान्वित जिला : बीकानेर*
5. ***डॉ. करणी सिंह (कोलायत)-*** *लाभान्वित जिला : बीकानेर, फलौदी (पूर्व जोधपुर)*
6. ***गुरु जम्भेश्वर (फलौदी) -*** *लाभान्वित जिले : बीकानेर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर*
7. ***जयनारायण (पोकरण)-*** *लाभान्वित जिले : जोधपुर, फलौदी, जैसलमेर*
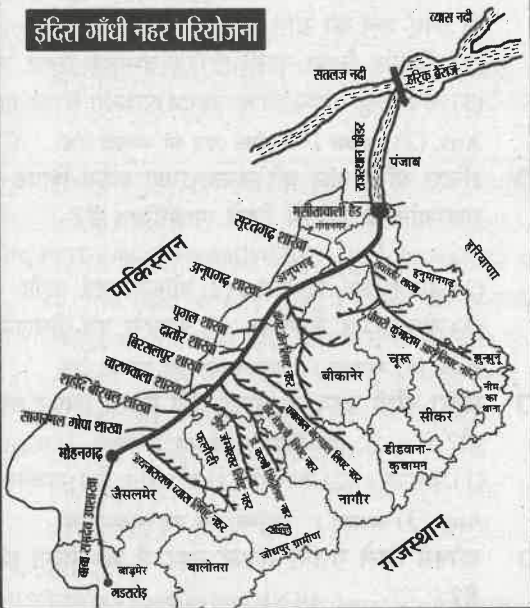
इन्दिरा गाँधी नहर की शाखाओं का उत्तर से दक्षिण की ओर क्रम क्रमशः सूरतगढ़, अनूपगढ़, पूगलगढ़, दातोर, बिरसलपुर, चारणवाला, शहीद बीरबल, सागरमल गोपा शाखा है।

❐ **इन्दिरा गाँधी नहर की शाखाओं का उत्तर से दक्षिण के सही क्रम है-** [JEN (Mech.) Degree. - 16.10.2016]

(1) अनूपगढ़-पूगलगढ़-चारणवाला-बिरसलपुर
(2) पूगलगढ़-चारणवाला -अनूपगढ़-बिरसलपुर
(3) अनूपगढ़-पूगलगढ़-बिरसलपुर-चारणवाला
(4) अनूपगढ़-बिरसलपुर-पूगलगढ़-चारणवाला

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में इंदिरा गाँधी नहर परियोजना की लिफ्ट नहरों की स्थिति (i), (ii), (iii) एवं (iv) से प्रदर्शित की गयी है। मानचित्र के नीचे दिये गये क्रम में इन्हें पहचानिये तथा उत्तर दीजिये-** [RAS-31.10.2015]
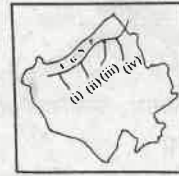
(1) जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर, डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, कुँवरसेन लिफ्ट नहर, चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर।
(2) जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर, कुँवरसेन लिफ्ट नहर, डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर
(3) डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर, जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर, कुँवरसेन लिफ्ट नहर
(4) डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर, चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर, कुँवरसेन लिफ्ट नहर।

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा (लिफ्ट नहर - लाभान्वित जिले) सुमेलित नहीं है?**[CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) कुंवरसेन - गंगानगर, बीकानेर
(2) कुम्भाराम आर्य - जैसलमेर, बाड़मेर
(3) डॉ. करणी - बीकानेर, जोधपुर
(4) जय नारायण व्यास - जैसलमेर, जोधपुर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चौधरी कुम्भा राम नहर द्वारा लाभान्वित हैं?**
[Head Master Exam - 02.09.2018] [RAS-28.08.2016]

(1) हनुमानगढ़ - झुंझुनूँ (2) भीलवाड़ा - टोंक
(3) बीकानेर - जोधपुर (4) बाड़मेर - जैसलमेर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के उक्त मानचित्र में इंदिरा गाँधी नहर की लिफ्ट परियोजनाओं की स्थिति को (i) (ii) (iii) और (iv) से अंकित किया गया है। नीचे दी गई क्रमावली से इनका सही अनुक्रम पहचानिए-**
[पटवार मुख्य परीक्षा - 24.12.2016]

(1) चौधरी कुम्भाराम, पन्नालाल-बारूपाल, करणीसिंह, जयनारायण व्यास
(2) पन्नालाल - बारूपाल, करणीसिंह, चौधरी कुम्भाराम, जयनारायण व्यास
(3) जयनारायण व्यास, पन्नालाल - बारूपाल, चौधरी कुम्भाराम, करणीसिंह
(4) करणीसिंह, जयनारायण व्यास, चौधरी कुम्भाराम, पन्नालाल -बारूपाल

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सुमेलित कीजिए-** [Librarian Garde-III - 13.11.2016]
[ग्राम सेवक 18.12.16]

सूची-I (लिफ्ट नहर)	**सूची-II (लाभान्वित जिले)**
(a) जय नारायण व्यास	(i) बीकानेर, नागौर
(b) चौधरी कुम्भाराम	(ii) जोधपुर, बीकानेर
(c) पन्ना लाल बारूपाल	(iii) जोधपुर, जैसलमेर
(d) डॉ. करणीसिंह	(iv) हनुमानगढ़, चूरू

कूट	a	b	c	d	**कूट**	a	b	c	d
(1)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)	(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)	(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कँवर सेन लिफ्ट नहर.... शहर को पीने का पानी उपलब्ध करा रही है-** [पशुधन सहायक 04.6.2022]
(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) जैसलमेर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **लिफ्ट नहर-लाभान्वित जिलों में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**[Lab Assistent (Sci.)-29.06.2022]
(1) पन्नालाल बारूपाल - बीकानेर, नागौर
(2) वीर तेजाजी - बीकानेर
(3) बरकतुल्ला खाँ - जैसलमेर, बाड़मेर
(4) डॉ. करणी सिंह - हनुमानगढ़

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **गजनेर लिफ्ट नहर का नया नाम है-**
[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
(1) कँवरसेन लिफ्ट नहर (2) गुरु जम्भेश्वर लिफ्ट नहर
(3) पन्नालालबारूपाल लिफ्ट नहर (4) पोकरण लिफ्ट नहर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **इंदिरा गाँधी नहर की चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट से राजस्थान के कौनसे जिले लाभान्वित है?**
[JEN Exam - 21.08.2016]
(1) हनुमानगढ़ एवं चूरू (2) गंगानगर एवं बीकानेर
(3) सीकर एवं झुन्झुनूं (4) जोधपुर एवं नागौर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौन हनुमानगढ़ व चुरू जिलों के लिए जल का स्रोत है?** [प्रयोगशाला सहायक-3.2.2019]
(1) कँवरसेन लिफ्ट नहर (2) गुरु जम्भेश्वर लिफ्ट नहर
(3) चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर (4) पोकरण लिफ्ट नहर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **इन्दिरा गाँधी नहर की जयनारायण व्यास लिफ्ट से राजस्थान के कौनसे जिले लाभान्वित हैं?**
[JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]
(1) जोधपुर एवं बीकानेर (2) बीकानेर एवं नागौर
(3) जोधपुर एवं जैसलमेर (4) बीकानेर एवं जैसलमेर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **इंदिरा गाँधी नहर पर बनाई गयी पहली लिफ्ट नहर थी?** [क. वैज्ञानिक सहायक (जैविक)- 15.9.2019]
(1) पोकरण (2) फलौदी (3) कँवरसेन (4) गजनेर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसे जिले गजनेर लिफ्ट नहर से लाभांवित होते हैं?** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]
[Motor Veh. SI, 2002] [RPSC III Grade Teacher -2004]
(1) बीकानेर व नागौर (2) बीकानेर व हनुमानगढ़
(3) नागौर व सीकर (4) सीकर व बीकानेर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित कीजिए-** [RPSC Head Master May, 2012] [RAS -26.10.2013] [Head Master Exam, 2011]

A. कंवरसेन लिफ्ट नहर — 1. नागौर को
B. गंधेली-साहवा लिफ्ट परियोजना — 2. जोधपुर को
C. राजीव गाँधी लिफ्ट नहर — 3. चूरू को
D. गजनेर लिफ्ट परियोजना — 4. बीकानेर को

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	4	3	2	(2)	2	1	4	3
(3)	4	3	2	1	(4)	3	2	1	4

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित नहीं है**-[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]

(1) कोलायत नहर -जोधपुर, बीकानेर
(2) गजनेर नहर -बीकानेर, नागौर
(3) फलौदी नहर -जैसलमेर,बीकानेर
(4) बांगड़सर नहर -बीकानेर, जैसलमेर

Ans. (4)*बांगड़सर लिफ्ट नहर का लाभान्वित जिला बीकानेर है।*

❒ **'पन्नालाल बारूपाल कैनाल' के जल का स्रोत है-** [RPSC LDC, 11 Jan 2014]

(1) जवाई बाँध (2) फिचियाक बाँध
(3) हरिके बैराज (बाँध) (4) राणा प्रताप बाँध

Ans. (3)

व्याख्या- हरिके बैराज *(सतलज व व्यास नदियों के संगम पर स्थित) पन्नालाल बारूपाल कैनाल का जल स्रोत है।*

❒ **इंदिरा गाँधी नहर परियोजना के अनुसार, कौनसे कथन गलत है-** [VDO Mains -09.07.2022]

1. इस परियोजना को पहले राजस्थान नहर के रूप में जाना जाता था और 1982 में इसका नाम बदलकर इंदिरा गाँधी लिफ्ट नहर परियोजना करदिया गया।
2. इंदिरा गाँधी नहर परियोजना में 9 लिफ्ट नहरें हैं।
3. नहर की कल्पना सार्दुल सिंह ने की थी।
4. नहर हरियाणा से नहीं गुजरती है।

(1) केवल 1 और 2 (2) केवल 1, 2 और 3
(3) केवल 2, 3 और 4 (4) 1, 2, 3 और 4

Ans. (4)

❒ **चम्बल घाटी परियोजना पर निम्न दो बाँध राजस्थान में है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]

(1) गाँधी सागर एवं राणा प्रताप सागर
(2) जवाहर सागर एवं गाँधी सागर
(3) जवाहर सागर एवं राणा प्रताप सागर
(4) कोटा बैराज एवं गाँधी सागर

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की इस संयुक्त परियोजना में राजस्थान का हिस्सा 50 प्रतिशत है। इन बाँधों का विवरण निम्नानुसार है-
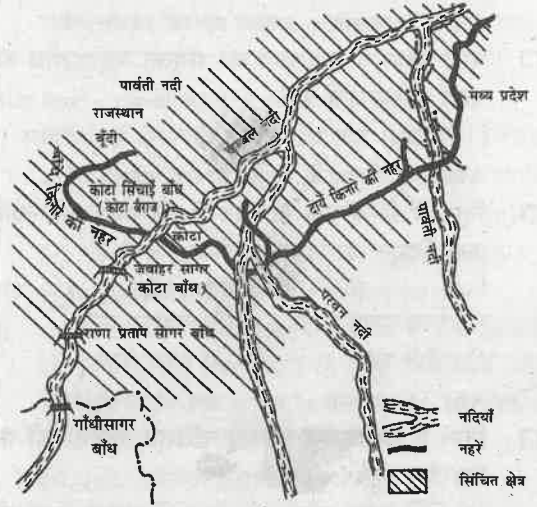
[i] गाँधी सागर बाँध *(विद्युत क्षमता 115 मेगावाट) : यह बाँध राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की सीमा के पास चौरासीगढ़ दुर्ग के समीप रामपुरा भानूपुरा पठारों के बीच स्थित है। इसकी ऊँचाई 62.17 मीटर (204 फीट) है।*

[ii] कोटा सिंचाई बाँध : *इसे कोटा बैराज बाँध भी कहते है। यह चम्बल नदी का एकमात्र बाँध है जिससे सिंचाई होती है। इसका सभी बाँधों में सर्वाधिक केचमेंट एरिया है।*

[iii] राणा प्रताप सागर बाँध *(विद्युत क्षमता 172 मेगावाट) : इस बाँध का निर्माण चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा नामक स्थान के निकट चूलिया झरने पर किया गया है। इसके ऊपर कनाडा के सहयोग से राजस्थान में प्रथम व देश का दूसरा परमाणु विद्युत गृह बनाया गया है। इस बाँध की भराव क्षमता सर्वाधिक है।*

[iv] जवाहर सागर बाँध व विद्युत गृह *(विद्युत क्षमता 99 मेगावाट) : कोटा बाँध के उपनाम से प्रसिद्ध यह एक पिकअप बाँध है जिसमें गाँधी सागर व राणा प्रताप सागर बाँध का पानी आता है।*

❒ **राणा प्रताप सागर सिंचाई परियोजना किस नदी पर स्थित है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) बनास (2) चंबल (3) माही (4) बाणगंगा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'चंबल घाटी विकास योजना' एक संयुक्त बहुउद्देश्यीय परियोजना है, जिसके पानी और बिजली में... बराबर के हिस्सेदार है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)] [CET -4.2.2023 (S- II)]

(1) राजस्थान और गुजरात (2) राजस्थान और मध्यप्रदेश
(3) राजस्थान और उत्तरप्रदेश (4) राजस्थान और पंजाब

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मध्य प्रदेश व राजस्थान की संयुक्त बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है-** [LDC Exam -19.08.2018]

(1) भाखड़ा नांगल(2) माही (3) व्यास (4) चम्बल

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से चम्बल प्रोजेक्ट में किसमें सबसे ज्यादा जल विद्युत का उत्पादन किया जाता है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) राणा प्रताप सागर (2) जवाहर सागर
(3) गाँधी सागर (4) कोटा बैराज

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा बाँध जलविद्युत उत्पाद नहीं कर रहा है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) गाँधी सागर बाँध (2) माही-बजाज सागर बाँध
(3) कोटा बैराज (4) जवाहर सागर बाँध

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कोटा बैराज का निर्माण किस उद्देश्य से किया गया है?** [RPSC LDC - 17.02.2012]

(1) विद्युत उत्पादन (2) विद्युत उत्पादन एवं सिंचाई
(3) सिंचाई (4) उद्योगों को जल आपूर्ति हेतु

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गाँधी सागर बाँध की ऊँचाई कितनी है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019] [CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) 62 मीटर (2) 63 मीटर (3) 92 मीटर(4) 93 मीटर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कौनसे जिले नर्मदा नहर परियोजना के अन्तर्गत शामिल किये गये हैं?** [Lab Assistent (Science) -29.06.2022] [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर)- 23.03.2019] [कारापाल, 2012][पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III-19.9.2020] [Fireman -29.1.2022] [II Grade (Social Study) 2011]

(1) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा (2) कोटा, झालावाड़
(3) जालौर, बाड़मेर (4) प्रतापगढ़, उदयपुर

Ans. (3)

व्याख्या - नर्मदा नहर परियोजना गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र तथा राजस्थान की संयुक्त परियोजना है।

इस परियोजना के अंतर्गत नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बाँध बनाया गया है जिससे राजस्थान के सांचौर (पूर्व में जालोर) जिले के 76 गाँवों, बाड़मेर जिले की गुढ़ामलानी तहसील के गाँवों को सिंचाई का लाभ मिल रहा है। नर्मदा जल विवाद प्राधिकरण द्वारा नर्मदा जल में राजस्थान का हिस्सा 0.50 MAF निर्धारित किया गया था। राजस्थान में नर्मदा नहर की लम्बाई 74 किमी. है। यह पहली परियोजना है जिसमें सिंचाई केवल स्प्रिंकलर (फव्वारा) सिंचाई पद्धति से ही करने का प्रावधान है। ड्रिप सिंचाई प्रणाली इजरायल की देन है।

❒ **राजस्थान को नर्मदा नदी का कितना हिस्सा प्राप्त होता है-** [JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) 1.90 MAF (2) 8.60 MAF
(3) 9.10 MAF (4) 0.50 MAF

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वह कौनसी परियोजना है जिसमें सिंचाई केवल स्प्रिंकलर (फव्वारा) सिंचाई पद्धति से ही करने का प्रावधान है?** [पटवार-2011][प्रयोगशाला सहायक-13.11.16] [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021][RAS -05.08.2018] [CET : 08.01.2023 (S-II)][कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)30.05.2019] [LDC - 23.10.16][राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)] [CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) नर्मदा नहर परियोजना (2)इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना
(3) गंगनहर परियोजना (4) माही बजाज सागर परियोजना

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्न में से कौनसी परियोजना मध्यप्रदेश, गुजरात एवं राजस्थान राज्यों के मध्य का एक संयुक्त उपक्रम है- [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1)चम्बल नहर परियोजना(2) माही बजाज सागर परियोजना
(3) नर्मदा नहर परियोजना (4) इंदिरा गाँधी नहर परियोजना
Ans. (3)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ ड्रिप सिंचाई प्रणाली/माइक्रो सिंचाई प्रणाली (Micro Irrigations System) में पाइप लाइनों द्वारा सीधे ही पौधों की जड़ों में पानी पहुँचाया जाता है। यह प्रणाली सर्वप्रथम किस देश में विकसित की गयी थी? [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) मिश्र (2) थाईलैण्ड (3) इजरायल (4) जापान
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में नर्मदा नहर की लम्बाई..... किमी. है? [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) 64 (2) 74 (3) 84 (4) 94
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ माही बजाज सागर परियोजना संयुक्त उपक्रम है?
[ग्राम सेवक, 2008] [III Grade Teacher-2004]
[ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
(1) मध्यप्रदेश व राजस्थान (2) गुजरात एवं राजस्थान
(3) उत्तरप्रदेश व राजस्थान (4) पंजाब व राजस्थान
Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान व गुजरात की इस संयुक्त परियोजना में राजस्थान का हिस्सा 45 प्रतिशत है। इससे बनने वाली विद्युत 100 प्रतिशत राजस्थान को प्राप्त होती है। इसमें माही नदी पर बाँसवाड़ा के निकट बोरखेड़ा गाँव में माही बजाज सागर बाँध (पक्का बाँध) तथा गुजरात में कड़ाणा बाँध बनाया गया है। इस परियोजना से सर्वाधिक लाभ बाँसवाड़ा जिले को प्राप्त होता है।

❐ माही परियोजना से लाभान्वित होने वाला जिला है- [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) कोटा (2) बूँदी (3) बाँसवाड़ा (4) झालावाड़
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ किस जल विद्युत परियोजना में राजस्थान सरकार ने पड़ौसी राज्यों के साथ सहभागिता नहीं है- [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) भाखड़ा नांगल (2) माही (3) चम्बल (4) बनास
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ माही बजाज सागर परियोजना राजस्थान व गुजरात की संयुक्त परियोजना है, जिसमें राजस्थान का प्रतिशत है- [RAS Exam-2003]
(1) 45% (2) 30% (3) 55% (4) 60%
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ माही-बजाज सागर परियोजना का मुख्य बाँध किस स्थल पर निर्मित है- [JEN Diploma (TSP) - 16.10.2016]
(1) खांदू (2) बोरखेड़ा (3) घाटोल (4) कडाणा
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्नलिखित में राजस्थान की कौनसी विद्युत परियोजना राज्य के स्वयं की पूर्ण स्वामित्व वाली परियोजना है? [LDC Exam -09.09.2018]
(1) चम्बल (2) व्यास (3) माही (4) सतपुड़ा
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ माही नदी के पानी का उपयोग बिजली और सिंचाई के विकास हेतु किए जाने के लिए राजस्थान और गुजरात की संयुक्त बहुद्देश्यीय उद्यम परियोजना कौनसी है? [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]
(1) जवाहर सागर बाँध परियोजना
(2) सोम कमला अम्बा सिंचाई परियोजना
(3) माही बजाज सागर परियोजना
(4) जाखम माही परियोजना
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ 'कागदी पिकअप' किससे जलग्रहण करता है- [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) गाँधी सागर बाँध (2) माही-बजाज सागर बाँध
(3) जाखम बाँध (4) जवाई बाँध
Ans. (2)

व्याख्या-कागदी पिकअप बाँध, बाँसवाड़ा - जहाँ पर माही बजाज सागर बाँध बना है, वहाँ से नहरें नहीं निकाली जा सकती क्योंकि आस-पास की जमीन ऊबड़-खाबड़ है। यहाँ सिर्फ विद्युत उत्पादन हो सकता है। नहरों के लिए इससे आगे नीचे एक बाँध कागदी पिकअप बनाया गया है।

❐ निम्न में से कौनसा जिला 'माही हाई लेवल कैनाल शुद्ध पेयजल प्रोजेक्ट' से प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित नहीं है? [सूचना सहायक परीक्षा-12.05.2018]
(1) राजसमन्द (2) चित्तौड़गढ़
(3) उदयपुर (4) डूंगरपुर
Ans. (4)

व्याख्या-राजस्थान बजट 2018-2019 में रीजन वाटर ग्रिड बनाकर, राज्य में पेयजल की उपलब्धता एवं आपूर्ति का दूरगामी समाधान करने के लिए राजसमंद, चित्तौड़गढ़ एवं उदयपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल के लिए 450 करोड़ की लागत से माही हाई लेवल कैनाल टू जयसमंद ड्रिंकिंग वाटर प्रोजेक्ट।

❒ **बीसलपुर परियोजना का सम्बन्ध किस नदी से है?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008]

(1) चम्बल (2) बनास (3) व्यास (4) जाखम

Ans. (2)

व्याख्या-टोंक जिले के राजमहल में बीसलपुर गाँव के पास बनास नदी पर बाँध बनाकर इस परियोजना का निर्माण किया गया। बीसलपुर परियोजना से जयपुर, जयपुर ग्रामीण, ब्यावर, अजमेर एवं टोंक में जलापूर्ति होती है।

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा जिला बीसलपुर परियोजना से सीधे लाभ प्राप्त नहीं कर रहा है-** [अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]

(1) टोंक (2) सवाई माधोपुर (3) अजमेर (4) जयपुर

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बीसलपुर सिंचाई परियोजना किस जिले में स्थित है ?** [Stenographer Exam : 30.05. 2013]

(1) जयपुर (2) टोंक (3) अजमेर (4) भीलवाड़ा

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के रेखा मानचित्र पर 1, 2, 3 और 4 चार सिंचाई परियोजना की स्थिति को प्रदर्शित करते हैं, कौनसा सही नहीं दर्शाया गया है?**[RAS-19.11.2013]

(1) माही-बजाज सागर (2) चम्बल

(3) बीसलपुर (4) सिद्धमुख

Ans. (3)

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न में दिये गये मानचित्र में बीसलपुर को नागौर जिले में दर्शाया गया है जबकि बीसलपुर टोंक जिले में स्थित हैं।

❒ **बीसलपुर बाँध में पानी की आवक बढ़ाने हेतु, कौनसी परियोजना तैयार की गई है-**[II Gr. -31.10.2018]

(1) परवन सिंचाई परियोजना (2) ब्रह्माणी-बनास परियोजना

(3) माही-बनास परियोजना (4) गदरड़ा बाँध परियोजना

Ans. (2)

*व्याख्या -बीसलपुर परियोजना के लिए नाबार्ड के **ग्रामीण आधार ढाँचा विकास कोष (RIDF - Rural Infrastructure Development Fund)** से आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है।राजस्थान बजट 2018-19 में बीसलपुर बाँध में पानी की आवक बढ़ाने के लिए ब्राह्मणी - बनास परियोजना की घोषणा की गई। चित्तौड़गढ़ से बहकर **चंबल में जाने वाली ब्राह्मणी को बनास से जोड़ेंगे।** जिससे इसका पानी बनास के माध्यम से बीसलपुर बाँध में पहुंचेगा।*

❒ **बीसलपुर बाँध में पानी की आवक बढ़ाने हेतु निम्नलिखित में से कौनसी परियोजना तैयार की गई है-** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) सेई (2) ओरई (3) ब्राह्मणी-बनास (4) माही-बनास

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भाखड़ा बहुद्देशीय परियोजना किसका संयुक्त उपक्रम है?** [प्री. बी. एड. परीक्षा, 2007]

[पशुधन सहायक 04.6.2022] [उद्योग निरीक्षक-24.06.2018]

(1) राजस्थान, गुजरात व मध्यप्रदेश

(2) राजस्थान, पंजाब व हरियाणा

(3) राजस्थान, उत्तर प्रदेश व हरियाणा

(4) राजस्थान, पंजाब व मध्यप्रदेश

Ans. (2)

*व्याख्या - राजस्थान को भाखड़ा नाँगल परियोजना से पंजाब सरकार व राजस्थान के मध्य 1959 में हुए भाखड़ा नाँगल समझौते के तहत 15.22 प्रतिशत हिस्सा (विद्युत व जल दोनों में) प्राप्त होता है। इससे राजस्थान को 227.32 मेगावाट विद्युत एवं 2.3 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होती है। इस परियोजना से राज्य में **सर्वाधिक सिंचाई हनुमानगढ़ जिले में** होती है तथा चूरू, गंगानगर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़, सीकर, झुंझुनूँ व बीकानेर जिलों को विद्युत प्राप्त होती है। भाखड़ा नाँगल परियोजना में सतलज नदी पर भाखड़ा एवं नाँगल स्थानों पर दो बाँध बनाये गये हैं। भाखड़ा बाँध के पीछे बिलासपुर (हिमाचल) में बने विशाल जलाशय का नाम गोविन्द सागर है जो पंजाब, हरियाणा व राजस्थान की पेयजल व सिंचाई तथा दिल्ली व चंडीगढ़ की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करता है।*

❐ **भाखड़ा-नाँगल परियोजना में नाँगल बाँध कौनसी नदी पर बनाया गया है?**[Police Constable- 2013]

(1) भागीरथी (2) चिनाब (3) पार्वती (4) सतलज

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **भाखड़ा-नाँगल परियोजना में राजस्थान की कितनी हिस्सेदारी है?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)] [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) 13.5% (2) 15.2% (3) 16.3% (4) 17.8%

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **भाखड़ा नहर परियोजना के बारे में कौन-सा कथन सत्य है?** [बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]

(1) यह पंजाब-हरियाणा और राजस्थान की संयुक्त परियोजना है।

(2) इससे हनुमानगढ़ को सिंचाई सुविधा प्राप्त होती है।

(3) राजस्थान का हिस्सा 17.22% है।

(4) यह 2.3 लाख हैक्टेयर कृषिगत भूमि को सिंचित करती है।

कूट-(1) 1, 2 और 3 (2) 2 और 3
(3) 1, 2 और 4 (4) 2, 3 और 4

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के जिस जिले में भाखड़ा-नाँगल बाँध से सबसे अधिक सिंचाई होती है, वह है?** [R.A.S. Pre Exam, 1999]

(1) गंगानगर (2) हनुमानगढ़ (3) चूरू (4) बीकानेर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न जोड़ों में से कौन-सा एक सही मेल नहीं खा रहा है?** [RPSC Head Master Exam. 15 May, 2012]

(1) भीमसागर परियोजना - झालावाड़

(2) परवन लिफ्ट परियोजना - बाराँ

(3) सावन-भादों परियोजना - कोटा

(4) चौली सिंचाई परियोजना - बून्दी

Ans. (4) ***चौली सिंचाई परियोजना - झालावाड़***

❐ **सुमेलित नहीं है?** [Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]

(1) इन्दिरा लिफ्ट परियोजना- सवाईमाधोपुर

(2) जाखम परियोजना- प्रतापगढ़

(3) भीमसागर परियोजना-बाराँ (4) सावन भादो- कोटा

Ans. (3)

व्याख्या - भीमसागर बाँध झालावाड़ से 24 किमी दूर है। यह उजाड़ नदी पर बनाया गया है।

❐ **सुमेलित नहीं है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]

(1) कालीसिंध परियोजना-उदयपुर

(2) जाखम परियोजना-प्रतापगढ़

(3) जवाई परियोजना-पाली

(4) कोठारी परियोजना-भीलवाड़ा

Ans. (1) ***व्याख्या-कालीसिंध परियोजना - झालावाड़***

❐ **'सोम-कमला-अम्बा' सिंचाई परियोजना निम्न में से किस जिले में है?** [JEN Degree (TSP) - 16.10.2016] [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020] [R.A.S.-1998] [Police - 2013][RPSC LDC, 11 Jan 2014] [PSI - 14.09.2021][प्रयोगशाला सहायक-3.2.2019] [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015] [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019] [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]

(1) डूँगरपुर (2) बाँसवाड़ा (3) उदयपुर (4) चित्तौड़

Ans. (1)

व्याख्या - <u>डूँगरपुर</u> जिले की आसपुर तहसील तथा <u>सलूम्बर (पूर्व में उदयपुर)</u> जिले के गाँवों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए डूँगरपुर के कमला अम्बा गाँव के पास सोम नदी पर बाँध का निर्माण किया गया।

❐ **निम्न में से कौनसी राजस्थान के डूँगरपुर जिले की सिंचाई परियोजना है-** [PSI - 13.09.2021]

(1) पाँचना(2) सोम, कमला, अम्बा(3) जवाई(4) सिद्धमुख

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **गंग नहर, जो सबसे पुरानी नहरों में से है, का निर्माण गंगासिंहजी ने करवाया:**[R.A.S. Pre Ex., 2010] [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]

(1) 1930 में (2)1927 में (3) 1944 में (4) 1932 में

Ans. (2)

व्याख्या - यह राजस्थान की <u>प्रथम नहर सिंचाई परियोजना</u> है, जिसका निर्माण (<u>नींव</u> - 5 सितम्बर, 1921 गंगासिंह द्वारा, <u>उद्घाटन</u> - 26 अक्टूबर, 1927, वायसराय लॉर्ड इरविन द्वारा) बीकानेर के महाराजा गंगासिंह द्वारा <u>सतलज नदी</u> से पंजाब के फिरोजपुर के निकट हुसैनीवाला से पानी निकालकर किया गया। श्रीगंगानगर के संखा गाँव से यह राजस्थान में प्रवेश करती है। शिवपुर, श्रीगंगानगर, जोरावरपुर, पदमपुर, स्वरूप शहर से होती हुई अनूपगढ़ जिले तक जाती है। इस नहर का पेटा सीमेंट से बनाया गया है।

❒ **विश्व की सबसे पुरानी व विकसित नहर व्यवस्था भारत में कौनसी है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2007] [पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]

(1) गंग नहर (2) इंदिरा गाँधी नहर परियोजना
(3) सिकरी नहर (4) कृष्णा-गोदावरी नहर व्यवस्था

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गंगनहर की निर्माण अवधि है-**[जेल प्रहरी-21-10-2018]

(1) 1921-22(2) 1927-32(3) 1921-27 (4) 1932-37

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गंग नहर कौनसी नदी से निकाली गई है?** [जेल प्रहरी -27-10-2018][II Grade (SST)-2011]

(1) गंगा (2) व्यास (3) सतलज (4) साबी

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'राजस्थान का धान्यागार' कहा जाने वाला क्षेत्र सिंचाई के लिए पानी कहाँ से लेता है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती परीक्षा- 26.03.2019]

(1) गंगनहर(2) यमुनानहर(3) गुड़गाँव नहर(4)भाकड़ा नहर

Ans. (1)

व्याख्या : राजस्थान का धान्यागार गंगानगर क्षेत्र सिंचाई हेतु गंग नहर एवं इंदिरा गाँधी नहर से पानी लेता है।

❒ **मानसी वाकल परियोजना का उद्देश्य किस नगर को पेयजल उपलब्ध कराना है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017] [JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]

(1) जोधपुर (2) उदयपुर (3) कोटा (4) झालावाड़

Ans. (2)

व्याख्या - मानसी वाकल परियोजना से उदयपुर को 24 मिलियन लीटर (70%) पेयजल व शेष 30% हिन्दुस्तान जिंक को मिलेगा। अरावली की पहाड़ियों में यह दूसरी सुरंग है जिससे उदयपुर शहर को जलापूर्ति की जाएगी। इससे पहले 1973 में देवास परियोजना में 2.1 किमी. लम्बी सुरंग बनाई गई थी।

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा (सिंचाई परियोजना - जिला) सुमेलित नहीं है?** [CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) पांचना - करौली (2) मानसी वाकल - डूँगरपुर
(3) ओराई -चित्तौड़गढ़ (4) गुढ़ा - बूँदी

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित नहीं है?** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

(1) सोम-कमला-अम्बा -डूँगरपुर
(2) सोम कागदर-राजसमन्द (3) सावन भादो - कोटा
(4) नोहर-सिद्धमुख परियोजना-हनुमानगढ़ और चुरू

Ans. (2)

व्याख्या *- सोम-कागदर परियोजना उदयपुर के ऋषभदेव क्षेत्र में स्थित है।*

❒ **सोम-कागदर सिंचाई परियोजना किस जिले में स्थित है?**[वनरक्षक-13.12.2022(I)][JEN (Mechanical)- 20.05.2022]

(1) डूँगरपुर (2) बाँसवाड़ा (3) उदयपुर (4) चित्तौड़गढ़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सेई परियोजना का निर्माण उदयपुर जिले की किस तहसील में कराया गया?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) सराड़ा (2) गिरवा (3) कोटड़ा (4) झाड़ोल

Ans. (3)

व्याख्या - जवाई बाँध में पानी की आवक बढ़ाने हेतु सेई बाँध बनाकर सुरंग के माध्यम से इसका पानी जवाई बाँध में डाला गया है।

❒ **'सेई परियोजना' का सम्बन्ध निम्न में से किस बाँध से है?**[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)][उद्योग निरीक्षक-24.06.2018] [Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) गाँधी सागर बाँध (2) जवाहर सागर बाँध
(3) हरिके बाँध (4) जवाई बाँध

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की परवन बृहद सिंचाई परियोजना किस जिले में स्थित है-** [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021] [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) धौलपुर (2) झालावाड़ (3) चित्तौड़गढ़ (4) कोटा

Ans. (2)

व्याख्या - 'परवन' वृहद बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना ग्राम अकावद कलाँ खानपुर, जिला झालावाड़ के निकट परवन नदी पर निर्माणधीन है। परियोजना के अन्तर्गत 1,821 गाँवों में पेयजल उपलब्ध करवाने के साथ-साथ **झालावाड़, बारां एवं कोटा** जिले के 637 गाँवों की 2,01,400 हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। परियोजना को 2023 में पूर्ण किया जाना है।

❒ **किन्हें परवन बृहद् परियोजना से सिंचाई सुविधा मिलेगी?** [CET : 08.01.2023 (S-I)][R.A.S.- 27.10.2021]

(1) बूँदी, कोटा और बारां जिलों के 535 गाँवों को
(2) झालावाड़, बारां और कोटा जिलों के 637 गाँवों को
(3) झालावाड़, बूँदी और कोटा जिलों के 637 गाँवों को
(4) प्रतापगढ़, झालावाड़, कोटा जिलों के 535 गाँवों को

Ans. (2)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सुमेलित नहीं है? [CET : 07.01.2023 (S-1)]
(1) सावन भादो – कोटा (2) परवन लिफ्ट – जयपुर
(3) सोम कमला अम्बा–डूँगरपुर (4) सोम कागदर–उदयपुर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सिद्धमुख-नोहर सिंचाई परियोजना को....नदियों का अतिरिक्त पानी प्राप्त होता है-** [उद्योग निरीक्षक-24.06.2018]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत)-26.12.2020][Protection Off. - 28.1.2023]
(1) रावी–व्यास (2) रावी–सतलज
(3) सतलज–व्यास (4) रावी–घग्घर
Ans. (1)

***व्याख्या* – *राजीव गाँधी सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना*- राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले की नोहर व भादरा तथा चूरू जिले की राजगढ़ व तारानगर तहसीलों एवं गंगानगर के कुछ हिस्से में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से यूरोपीय आर्थिक समुदाय की वित्तीय सहायता से इस परियोजना (पूर्व नाम 'सिद्धमुख परियोजना') का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य रावी-व्यास नदियों के उस अतिरिक्त हिस्से के पानी, जो 1981 ई. में पंजाब, हरियाणा व राजस्थान के मध्य समझौते के अंतर्गत निर्धारित किया गया था, का सदुपयोग करना है।*

❐ **कौनसा जिला सिद्धमुख परियोजना से सिंचाई जल प्राप्त नहीं करता है?** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) हनुमानगढ़ (2) श्रीगंगानगर (3) बीकानेर (4) चूरू
Ans. (3)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा (लिफ्ट नहर परियोजना – पेयजल उपलब्धता क्षेत्र) सुमेलित नहीं है?**
[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]
(1) कँवर सेन–बीकानेर, गंगानगर
(2) गँधेली साहवा – चुरू
(3) गजनेर/पन्नालाल बारुपाल–बीकानेर, नागौर
(4) राजीव गाँधी – जैसलमेर
Ans. (4)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सुमेलित नहीं है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा)-12.03.2021]
(1) गंग नहर – गंगानगर, बीकानेर
(2) व्यास परियोजना – राजस्थान, पंजाब, हरियाणा
(3) सिद्धमुख परियोजना – पंजाब, हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश
(4) माही–बजाज सागर परियोजना – राजस्थान, गुजरात
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से कौनसे जिले सिद्धमुख सिंचाई परियोजना से सिंचित होते हैं?** [Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]
(1) बीकानेर एवं गंगानगर (2) हनुमानगढ़ और चूरू
(3) बीकानेर और नागौर (4) जोधपुर और नागौर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **गुड़गाँव नहर परियोजना द्वारा लाभान्वित राजस्थान का जिला है ?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
(1) जालोर (2) अलवर (3) भरतपुर (4) सीकर
Ans. (3)

व्याख्या *- यमुना नदी से ओखला (दिल्ली) के पास से निकाली गई गुड़गाँव नहर से भरतपुर, डीग जिले लाभान्वित है।*

❐ **पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान की संयुक्त सिंचाई परियोजना नहीं है?** [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
(1) भाखड़ा-नांगल परियोजना (2) व्यास परियोजना
(3) गुड़गाँव नहर परियोजना (4) सिद्धमुख परियोजना
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'जाखम' बहुउद्देशीय परियोजना राजस्थान के कौनसे जिले में स्थित है?** [पुलिस उपनिरीक्षक -07.10.2018]
[वनपाल-06.11.2022(S-I)]
[JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) टोंक (2) बांसवाड़ा (3) भरतपुर (4) प्रतापगढ़
Ans. (4)

***व्याख्या- जाखम परियोजना* - *जाखम बाँध का शिलान्यास 14 मई, 1968 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहन लाल सुखाड़िया द्वारा किया गया था। प्रतापगढ़ जिले के अनूपपुर गाँव के पास 253 मी. लम्बे व 81 मी. ऊँचे जाखम बाँध का निर्माण माही नदी की सहायक जाखम नदी पर किया गया है। इस परियोजना से प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर एवं उदयपुर में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है।*

❐ **जाखम सिंचाई परियोजना राजस्थान के किन जिलों को सिंचाई सुविधा प्रदान करती है?**
[वनपाल-06.11.2022(S-I)]
(1) अजमेर, ब्यावर, किशनगढ़(2) डूंगरपुर, उदयपुर, सिरोही
(3) उदयपुर,चित्तौड़गढ़,प्रतापगढ़(4)भीलवाड़ा,बाँसवाड़ा, बूँदी
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ जाखम बाँध का शिलान्यास निम्न में से किनके द्वारा किया गया- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) मोहन लाल सुखाड़िया (2) बरकतुल्लाह खान
(3) हरिदेव जोशी (4) जगन्नाथ पहाड़िया
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नांकित में से प्रतापगढ़ जिले में कौनसी बहुउद्देशीय परियोजना स्थित है- [पशुधन सहायक - 21.10.2018]
(1) जवाई परियोजना (2) जाखम परियोजना
(3) माही बजाज सागर परियोजना (4) बीसलपुर परियोजना
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ जर्मनी द्वारा पोषित 'आपणी योजना' राजस्थान के कौनसे जिलों में चल रही है? [E.O. Exam, 2007]
(1) अलवर-भरतपुर (2) चूरू-हनुमानगढ़
(3) बाड़मेर-नागौर (4) सिरोही-बूँदी
Ans. (2)

व्याख्या-जर्मनी की आर्थिक सहायता से झुँझुनूँ, चूरू व हनुमानगढ़ जिलों में आपणी परियोजना संचालित है।

❒ राजस्थान में किस वर्ष में एकीकृत जलग्रहण विकास कार्यक्रम आरम्भ हुआ? [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
(1) 1974 (2) 1977 (3) 1989 (4) 1999
Ans. (3)

व्याख्या - केन्द्र प्रवर्तित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों जैसे-जल, जंगल, जमीन, जनमानस, जानवर का स्थायी एवं सतत विकास सुनिश्चित करना, कृषि योग्य भूमि से उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाना है। यह कार्यक्रम 31 मार्च, 2013 से समाप्त कर दिया गया।

❒ राजस्थान में हाइड्रोलॉजी एण्ड वॉटर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट अवस्थित है- [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]
[RAS (Pre) Ex. 14 June, 2012]
(1) कोटा (2) गंगानगर (3) बीकानेर (4) जोधपुर
Ans. (3)

व्याख्या - बीकानेर में जल विज्ञान एवं जलप्रबंधन संस्थान (हाइड्रोलॉजी एण्ड वाटर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) की स्थापना की गई है।

❒ भूजल प्रबंधन के लिए, हेली-बोर्न सर्वेक्षण तकनीक का प्रारंभ राजस्थान के किस जिले में किया गया है? [CET : 08.01.2023 (S-I)]
(1) भरतपुर (2) जोधपुर (3) कोटा (4) जयपुर
Ans. (2) *5 अक्टूबर, 2021 से जोधपुर में प्रारम्भ*

❒ निम्न में से किस नदी से धौलपुर लिफ्ट सिंचाई परियोजना को पानी मिलेगा? [PTI Exam-30.09.2018]
(1) बनास (2) पार्बती (3) चम्बल (4) बाणगंगा
Ans. (3)

व्याख्या - धौलपुर लिफ्ट परियोजना के तहत धौलपुर ग्रामीण व राजाखेड़ा तहसील क्षेत्र में सिंचाई के लिए चंबल में सागरपाडा के समीप से पानी लिया जायेगा।

❒ 'गरड़दा वृहद पेयजल परियोजना' राजस्थान के निम्न में से किस जिले से सम्बन्धित है? [LDC Exam -09.09.2018]
(1) बूँदी (2) बाराँ (3) कोटा (4) झालावाड़
Ans. (1)

व्याख्या - गरड़दा, गुढ़ा बूँदी जिले की मध्यम सिंचाई परियोजनाएँ हैं। 182 करोड़ 86 लाख की लागत से बूँदी जिले के गरड़दा वृहद परियोजना से जिले के 111 गाँव एवं 91 ढाणियों के 2.90 लाख लोग लाभान्वित।

❒ निम्नलिखित में से कौनसी सिंचाई परियोजना राजस्थान, पंजाब व हरियाणा राज्यों की संयुक्त परियोजना है? [JEN Exam - 21.08.2016]
(1) इंदिरा गाँधी नहर (2) माही बजाज सागर
(3) व्यास परियोजना (4) नर्मदा नहर
Ans. (3)

व्याख्या - व्यास परियोजना सतलज, रावी व व्यास नदियों के जल का उपयोग करने हेतु **पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संयुक्त परियोजना है।** इसमें व्यास नदी पर हिमाचल प्रदेश में निम्नलिखित दो बाँध बनाये गये हैं-
(1) पंडोह बाँध-पंडोह (हिमाचल प्रदेश) स्थान पर।
(2) पोंग बाँध - काँगड़ा जिले के पोंग स्थान पर (हिमाचल प्रदेश) निर्मित। राजस्थान को रावी, व्यास नदियों के जल में अपने हिस्से का सर्वाधिक जल इसी बाँध से प्राप्त होता है। **पोंग बाँध का मुख्य उद्देश्य इंदिरा गाँधी नहर परियोजना को शीत काल में जल की आपूर्ति बनाये रखना है।**

❒ भीम सागर और छापी सिंचाई परियोजनाएं किस जिले में स्थित है? [जल प्रहरी 28-10-2018, Shift -III]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
(1) झालावाड़ (2) कोटा (3) टोंक (4) सवाई माधोपुर
Ans. (1)

व्याख्या – भीमसागर, चोली और छापी सिंचाई परियोजना – झालावाड़।

❐ **असंगत युग्म को छाँटिए**–[प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
[JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]

नदी घाटी परियोजना	सहयोगी राज्य
(1) भाखड़ा नांगल	पंजाब, हरियाणा, राजस्थान
(2) चम्बल	मध्यप्रदेश, राजस्थान
(3) व्यास	पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश
(4) माही बजाज सागर	गुजरात, राजस्थान

Ans. (3)

व्याख्या – • चम्बल परियोजना – राजस्थान, मध्यप्रदेश
• नर्मदा परियोजना –राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र
• माही बजाज सागर परियोजना – राजस्थान, गुजरात
• व्यास परियोजना – राजस्थान, पंजाब, हरियाणा

❐ **'ईसरदा बाँध परियोजना' किन जिलों में निर्मित की गई है?** [CET : 07.01.2023 (S-1)]
[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) कोटा और बाराँ (2) डूँगरपुर और बाँसवाड़ा
(3) टोंक और सवाई माधोपुर (4) झालावाड़ और बाराँ

Ans. (3)

व्याख्या – ईसरदा सिंचाई परियोजना –
स्थित : टोंक व सवाई माधोपुर की सीमा पर सवाई माधोपुर जिले के ईसरदा गाँव में। सिंचाई : सवाई माधोपुर।

❐ **राजस्थान के बजट 2018-19 में बूँदी झालीनी का बराना नामक पेयजल परियोजना के लिए कितनी राशि आवंटित की गई है?**[जेल प्रहरी 20-10-18,Shift-I]

(1)107करोड़(2) 108 करोड़(3)110 करोड़(4) 105 करोड़

Ans. (2)

व्याख्या –108.29 करोड़ की लागत से बूँदी जिले में झालीजी का बराना वृहद परियोजना से केशवरायपाटन क्षेत्र के 72 गांवों के 1 लाख लोग होंगे लाभान्वित।

❐ **राजस्थान के किस जिले में 'अनास बाँध' परियोजना का निर्माण किया जाएगा?** [LDC-19.08.2018]

(1) टोंक (2) भीलवाड़ा (3) डूँगरपुर (4) बाँसवाड़ा

Ans. (4)

व्याख्या –बाँसवाड़ा में अनास नदी पर 'अनास बाँध' का निर्माण कराया जायेगा।

❐ **राजस्थान में सिंचाई प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान, कोटा की स्थापना कब की गई?**
[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]

(1) 1985 (2) 1982 (3) 1984 (4) 1983

Ans. (3)

व्याख्या – इसकी स्थापना संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेन्सी के सहयोग से राजस्थान सरकार द्वारा माह अगस्त, 1984 में की गई। इसका मुख्य उद्देश्य सिंचाई एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों, अधिकारियों तथा कृषक वर्ग को समुचित जल उपयोग व कृषि ज्ञान हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना है।

❐ **11 जनवरी, 2019 को रेणुका जी बहुउद्देशीय बाँध परियोजना हेतु समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले राज्यों का उपयुक्त समूह हैं–**
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तरप्रदेश
(2) हरियाणा, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड
(3) राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश
(4) उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, बिहार

Ans. (2)

व्याख्या – हिमाचल प्रदेश में गिरि नदी पर रेणुकाजी परियोजना स्थित है। 11 जनवरी, 2019 को इस बहुउद्देशीय परियोजना के लिए 5 राज्यों (उत्तरप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश) सहित केन्द्र शासित प्रदेश दिल्ली ने हस्ताक्षर किये।

❐ **झालावाड़ जिले में कौनसी परियोजना का निर्माण नहीं किया गया है?** [क. अनुदेशक (इलेक्ट्री.)- 24.3.2019]

(1) भीम सागर (2) सावन-भादो परियोजना
(3) छापी परियोजना (4) हरिशचन्द्र सागर

Ans. (2)

व्याख्या – सावन-भादो कोटा की सांगोद तहसील में स्थित सिंचाई परियोजना है।

❐ **बिलास सिंचाई परियोजना का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है**– [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) - 20.03.2019]

(1) सवाई माधोपुर (2) अलवर (3) कोटा (4) उदयपुर

Ans. (*)

व्याख्या – बाराँ जिले की किशनगढ़ तहसील के कनवास में निर्मित बिलास बाँध परियोजना।

❒ बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं को 'आधुनिक भारत का मंदिर' किसने कहा- [RAS -1999, 1995]
(1) पंडित जवाहर लाल नेहरू (2) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(3) इंदिरा गाँधी (4) महात्मा गाँधी
Ans. (1)

व्याख्या - भाखड़ा परियोजना को जवाहरलाल नेहरू ने 'पुनरुत्थित भारत का नवीन मंदिर' तथा चमत्कारी विराट वस्तु' की संज्ञा दी थी।

❒ किस जिले का वाटर शेड 'नीरांचल परियोजना' के अंतर्गत आता है? [VDO-28.12.2021 (S-I)]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]
(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) कोटा (4) झालावाड़
Ans. (2)

व्याख्या - भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (भू-संसाधन विभाग) द्वारा विश्व बैंक पोषित नीरांचल परियोजना का मुख्य उद्देश्य पी.एम.के.एस.वाई. (वाटरशेड कम्पोनेन्ट) के परिणामों में परियोजनान्तर्गत विभिन्न बिन्दुओं जैसे तकनीकी, वैज्ञानिक, कैपेसिटी बिल्डिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर समर्थन प्रदान कर सुधार लाना है। यह परियोजना राजस्थान (जोधपुर एवं उदयपुर जिले को चयनित) सहित 9 राज्यों हेतु प्रस्तावित की गई है।

❒ 'भीखाभाई सागवाड़ा नहर' से राजस्थान का सर्वाधिक लाभान्वित जिला है-
[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
(1) गंगानगर (2) डूँगरपुर (3) अलवर (4) पाली
Ans. (2)

व्याख्या-भीखाभाई सागवाड़ा नहर का निर्माण माही नदी पर 'माही साइफन' का निर्माण करके किया गया है। इस नहर से डूँगरपुर जिले के सागवाड़ा क्षेत्र में सिंचाई की जाती है।

❒ भीखा-भाई सागवाड़ा नहर राजस्थान में किस नदी पर बनाई गई है- [Assistant Professor-22.9.2021]
(1) यमुना (2) बनास (3) घग्घर (4) माही
Ans. (4)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिए-[JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]

(A) भाखड़ा-नांगल	**(1) व्यास-सतलज लिंक**
(B) चम्बल	**(2) जय नारायण व्यास**
(C) व्यास	**(3) बिस्ट दोआब**
(D) इन्दिरा गाँधी	**(4) दीगोद**

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	2	1	4	(2)	4	3	1	2
(3)	2	3	1	4	(4)	3	4	1	2

Ans. (4)

❒ बेथली लघु सिंचाई परियोजना अवस्थित है-
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
(1) कोटा (2) झालावाड़ (3) बारां (4) चित्तौड़गढ़
Ans. (3)

व्याख्या - बेथली, खिरिया एवं अहमदी बारां जिले की लघु सिंचाई परियोजनाएँ हैं।

❒ पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP) के संबंध में कौनसे कथन सही है- [VDO-28.12.2021 (S-II)]
1. यह परियोजना पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए बनायी गयी है।
2. इसमें 26 विभिन्न बड़ी एवं मध्यम परियोजनाओं के माध्यम से 2.8 लाख हैक्टेयर भूमि की सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।
3. नवनेरा बैराज इस परियोजना का अभिन्न हिस्सा है।
4. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया है।
(1) 2, 3 (2) 1, 2, 3, 4 (3) 1, 2, 3 (4) 1, 3
Ans. (3)

व्याख्या -पूर्वी नहर परियोजना (ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट)- इस परियोजना के निर्माण के लिए 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना निगम' के गठन का आदेश 17 जून, 2022 को जारी किये गये। राज्य सरकार प्रदेश की इस नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश के 13 जिले ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट से लाभान्वित होंगे। इन जिलों में मनुष्य व जानवरों के लिए 2051 तक पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इसमें 26 विभिन्न बड़ी एवं मध्यम परियोजनाओं के माध्यम से 2.8 लाख हैक्टेयर भूमि की सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। अन्तर बेसिन स्थानान्तरण परियोजना के अन्तर्गत इस परियोजना से 5 नदियाँ चम्बल, कुन्नू नदी, कालीसिंध, पार्वती व कुल नदी आपस में जुड़ जायेंगी। इस परियोजना के तहत 6 बैराज व 1 बाँध बनाया जाना प्रस्तावित है। यह प्रोजेक्ट करीब 38 हजार करोड़ रुपये का है। राजस्थान सरकार ने इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखा है।

2020 में अटल भू-जल योजना किसकी वित्तीय सहायता से आरम्भ की गई है?

[Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

[JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

(1) विश्व बैंक (2) एशियन विकास बैंक
(3) जापान (4) यू.एस.ए.

Ans. (1)

*व्याख्या - अटल भू-जल योजना : अटल भू-जल योजना **भारत सरकार एवं विश्व बैंक** के सहयोग से (50:50 प्रतिशत) देश के सात राज्यों क्रमशः हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश एंव मध्यप्रदेश राज्यों में भू-जल के गिरते स्तर को रोकने, भू-जल के बेहतर प्रबन्धन हेतु **1 अप्रेल 2020 से लागू** की गई है। यह योजना पांच वर्षों 2020-21 से वर्ष 2024-25 तक के लिये है। इस योजना की अनुमानित लागत 6,000 करोड़ रुपये है जिसमें से 3,000 करोड़ रुपये विश्व बैंक का हिस्सा एवं 3000 करोड़ रुपये भारत सरकार का हिस्सा है। इस योजना के अन्तर्गत राजस्थान राज्य के 17 जिलों की 38 पंचायत समिति के 1,144 ग्राम पंचायतों को चिह्नित किया गया है।*

वर्ष.... तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पीने योग्य पानी की आपूर्ति प्रदान करने हेतु 'जल जीवन मिशन' क्रियान्वित किया जा रहा है।

[III Grade (L-I) -25.2.2023]

[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) 2025 (2) 2024 (3) 2027 (4) 2030

Ans. (2)

व्याख्या-जल जीवन मिशन *- प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2019 को 'जल जीवन मिशन' की घोषणा की। इसके तहत वर्ष 2024 तक 100 से अधिक आबादी वाले गाँवों में **घर-घर नल कनेक्शन से 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन** शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की योजना है। इसमें केन्द्र एवं राज्य की भागीदारी 50 : 50 है।*

राजस्थान में जल जीवन मिशन में केन्द्र एवं राज्य की भागीदारी क्रमशः है- [CET (Graduation)- 2023]

(1) 60 : 40 (2) 40 : 60
(3) 70 : 30 (4) 50 : 50

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना प्रारम्भ हुई-

[JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

[JEN (Civil) Degree 12.09.2021]

(1) 27 जनवरी, 2015 में (2) 27 जनवरी, 2016 से
(3) 27 फरवरी, 2016 में (4) 30 मार्च, 2016 से

Ans. (2)

व्याख्या - जल स्वावलंबन अभियान की शुरुआत 27 जनवरी 2016 को झालावाड़ जिले में गर्दनखेड़ी गाँव से की गई।

निम्नलिखित में से गतिविधियों में से कौनसी मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान (शहरी) का भाग है?

[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]

1. रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग
2. बावड़ियों का जीर्णोद्धार
3. शहरी क्षेत्रों में वृक्षारोपण
4. लोगों को परकोलेशन पिट के निर्माण के लिए प्रेरित करना।

(1) केवल 1, 2 (2) केवल 1, 4
(3) केवल 1, 2 व 4 (4) उपर्युक्त सभी

Ans. (4)

राजस्थान में 'पुष्टिकर' का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से हैं- [अन्वेषक सीधी भर्ती - 27.12.2020]

(1) विद्युत (2) स्वास्थ्य (3) जल (4) खनिज

Ans. (3)

राजस्थान में 'जीवन धारा योजना' का संबंध है-

[VDO Mains -09.07.2022]

[PSI - 13.09.2021]

[R.A.S. -1998; Police Const. 2005]

(1) गरीबों हेतु बीमा से
(2) एस.सी. और एस.टी. हेतु सिंचाई कुओं के निर्माण से
(3) नगरीय क्षेत्रों हेतु पीने के पानी से
(4) एस.सी. और एस.टी. हेतु स्वास्थ्य सुविधा से

Ans. (2)

व्याख्या - जीवनधारा योजना : यह गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले लघु व सीमान्त कृषकों को कुओं के निर्माण व लघु सिंचाई कार्यों हेतु शत-प्रतिशत अनुदान की योजना है जो वर्ष 1996-97 से स्वतंत्र रूप से क्रियान्वित की जा रही है। पूर्व में यह जवाहर रोजगार योजना की उपयोजना के रूप में चलाई जा रही थी।

पीपलाद (पिप्पलाद) पेयजल परियोजना का सम्बन्ध है- [CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) अजमेर (2) झालावाड़ (3) जोधपुर (4) पाली

Ans. (2)

❒ जिला एवं परियोजना के संदर्भ में निम्न में से कौनसे कथन सही हैं?[REET (L – II, S-II) –23.07.2022]
1. चित्तौड़गढ़ - राणा प्रताप सागर बाँध
2. अजमेर - बीसलपुर परियोजना
3. उदयपुर - मानसी वाकल परियोजना
4. प्रतापगढ़ - जाखम परियोजना
(1) 1, 3, 4 (2) 1, 2, 3 (3) 2, 3, 4 (4) 1, 2, 4
Ans. (1)

❒ राजस्थान में मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के संदर्भ में कौनसा कथन सही है-[Assistant Professor-22.9.2021]
(1) लहासी, झालावाड़ जिले में एवं अंधेरी बारां जिले में है।
(2) हथियादेह, भवानी मंडी में एवं पीपलाद, बारां जिले में है।
(3) गागरिन, झालावाड़ जिले में एवं मनोहर थाने सवाई माधोपुर जिले में है।
(4) तकली, कोटा जिले में एवं गरड़दा, बूँदी जिले में है।
Ans. (4)

❒ राजस्थान के किस जिले में 'पीपलखूँट हाई लेवल कैनाल' द्वारा सिंचाई की सुविधा प्रदान की जाएगी? [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]
(1) टोंक (2) बाड़मेर (3) प्रतापगढ़ (4) भीलवाड़ा
Ans. (3)

❒ कौनसा (सिंचाई परियोजना-जिला) सुमेलित नहीं है? [VDO Mains -09.07.2022]
(1) बिलास-बाराँ (2) चौली-डूँगरपुर
(3) पांचना - करौली (4) गरड़दा-बूँदी
Ans. (2) *व्याख्या-चौली सिंचाई परियोजना - झालावाड़*

❒ सिंचाई परियोजना-लाभांवित जिला में से सुमेलित नहीं है- [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) जवाई - पाली (2) सिद्धमुख - चुरू
(3) बिलास - बाराँ (4) बाँकली –बीकानेर
Ans. (4) *व्याख्या-बाँकली सिंचाई परियोजना - जालौर*

❒ सुमेलित कीजिए - [पटवारी प्रारम्भिक परीक्षा-2016]
सूची-I (सिंचाई परियोजना) सूची-II (जिला)
A. गागरिन 1. बूँदी
B. तकली 2. बाराँ
C. ल्हासी 3. कोटा
D. चाकन 4. झालावाड़

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	3	4	1	2
(3)	3	4	2	1	(4)	1	4	2	3

Ans. (1)

व्याख्या-(i) *तकली : ग्राम धानक्या (रामगंज मंडी) कोटा*
(ii) *पिप्पलाद : सूलिया चौकी (अकलेरा, झालावाड़)*
(iii) *ल्हासी : खजुरिया ग्राम (छीपाबड़ौद, बाराँ)*
(vi) *गागरिन : कालापीपल (पिड़ावा, झालावाड़)*
(v) *गरदड़ा : बूँदी जिले के पोलासपुरा गाँव*

❒ सुमेलित कीजिए - [RAS-14 June, 2012, 31.10.2015]
A. गागरिन 1. कोटा
B. पिप्पलाद 2. बूँदी
C. गरदड़ा 3. झालावाड़
D. तकली 4. बाराँ

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	3	3	2	1	(2)	1	4	2	3
(3)	1	2	3	4	(4)	4	3	2	1

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिये: [Librarian III Grade 11.09.2022]
A. तकली 1. झालावाड़
B. पिप्पलाद 2. कोटा
C. ल्हासी 3. बारां
D. सुकली 4. सिरोही

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	1	3	4	(2)	4	3	1	2
(3)	1	2	3	4	(4)	3	4	1	2

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिए - [पटवार मुख्य परीक्षा - 24.12.2016]
(सिंचाई परियोजना) (सम्बद्ध राज्य)
A. चम्बल 1. राजस्थान, मध्यप्रदेश
B. माही-बजाज सागर 2. राजस्थान, पंजाब, हरियाणा
C. व्यास 3. राजस्थान, गुजरात
D. सरदार सरोवर 4. राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	4	3	2	(2)	3	1	4	2
(3)	4	2	1	3	(4)	1	3	2	4

Ans. (4)

❐ सुमेलित नहीं है?[वनपाल-06.11.2022(S-II)][RAS-2010]
(1) माही बजाज सागर परियोजना -गुजरात एवं राजस्थान
(2) चम्बल परियोजना - राजस्थान एवं मध्यप्रदेश
(3) व्यास परियोजना - राजस्थान, पंजाब एवं हरियाणा
(4) इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना -राजस्थान एवं पंजाब
Ans. (4)

व्याख्या : *इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना राजस्थान की नहर परियोजना है।*

❐ सुमेलित कीजिए- [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)] [RAS-5.8.2018]

(मुख्य सिंचाई परियोजना)	(सिंचाई सुविधाओं से लाभान्वित जिले)
A. सिद्धमुख परियोजना	1. जालौर एवं बाड़मेर
B. नर्मदा परियोजना	2. जालौर, पाली एवं जोधपुर
C. जवाई परियोजना	3. उदयपुर व प्रतापगढ़
D. जाखम परियोजना	4. हनुमानगढ़ एवं चूरू

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	1	2	3	(2)	1	4	2	3
(3)	4	1	3	2	(4)	1	2	3	4

Ans. (1)

व्याख्या-*नर्मदा परियोजना में जालौर के स्थान पर वर्तमान में सांचौर जिला लाभान्वित है।*

❐ सुमेलित कीजिये: [RAS Pre Exam-19.11.2013]
(a) चम्बल परियोजना 1. केवल राजस्थान
(b) माही-बजाज सागर 2. राजस्थान व मध्य प्रदेश
(c) ब्यास परियोजना 3. राजस्थान व गुजरात
(d) सिद्धमुख परियोजना 4. पंजाब, हरियाणा व राजस्थान
5. पंजाब व राजस्थान

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	3	4	4	(2)	2	3	4	1
(3)	4	3	2	5	(4)	3	2	4	1

Ans. (1)

❐ सुमेलित कीजिए - [JEN (Civil) Degree 12.09.2021]

सूची-I (परियोजना)	सूची-II (जिला)
A. बांकली बाँध	1. प्रतापगढ़
B. सोम-कमला-अम्बा	2. सवाईमाधोपुर
C. मोरेल बाँध	3. जालौर
D. जाखम बाँध	4. डूँगरपुर

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	4	3	2	(2)	3	4	2	1
(3)	3	2	1	4	(4)	4	1	2	3

Ans. (2)

❐ **केन्द्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट 2011 के अनुसार राजस्थान में सुरक्षित जल भंडार वाले विकास खण्डों की संख्या है-** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-26.04.2017]
(1) 25 (2) 30 (3) 35 (4) 40
Ans. (1) ***व्याख्या***-*वर्तमान संदर्भ हेतु निम्नांकित सारणी में देखें।*

❐ **राजस्थान में निम्न में से कौनसी एक भूजल ब्लॉक की श्रेणी नहीं है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) सुरक्षित (2) अर्धक्रांतिक
(3) अति संदोहित (4) न्यून संदोहित
Ans. (4) ***व्याख्या***-*निम्नांकित सारणी में देखें।*

राज्य में भूजल दोहन परिदृश्य: एक दृष्टि में

विवरण	विशेषता	2020	2022*
ब्लॉक (5)		(कुल 295 में से)	(कुल 302 में से)
अतिदोहित (Over-Exploited)	दोहन पुनर्भरण से अधिक	203	219
विषम (Critical)	दोहन पुनर्भरण का 90 प्रतिशत से 100 प्रतिशत	23	22
अर्द्ध विषम (Semi Critical)	दोहन पुनर्भरण का 70 प्रतिशत से 90 प्रतिशत	29	20
सुरक्षित (Safe)	दोहन पुनर्भरण का 70 प्रतिशत से कम	**37**	**38**
लवणीय (Salime)	तारानगर (चूरू), खाजूवाला (अनूपगढ़) व रावतसर (हनुमानगढ़)	3	3

Source : *प्रगति प्रतिवेदन, भू-जल संसाधन, जोधपुर (2022-23)

12. वन एवं वनस्पति

❒ राजस्थान की किस देशी रियासत ने सर्वप्रथम वन संरक्षण की योजना लागू की[JEN (यांत्रिकी)-13.12.2020]

(1) मारवाड़ (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) कोटा

Ans. (3)

व्याख्या *– राजस्थान में स्वतंत्रता पूर्व 1910 में जोधपुर रियासत में वन संरक्षण की योजना बनाई गयी तथा 1935 में अलवर रियासत में वन अधिनियम बनाया गया।*

❒ वन विभाग, राजस्थान की स्थापना कब हुई?

[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]

(1) 1982 (2) 1965 (3) 1979 (4) 1950

Ans. (4)

व्याख्या *– राजस्थान एकीकरण के चौथे चरण- 30 मार्च 1949 में सत्य नारायण समिति की सिफारिश पर उच्च न्यायालय (जोधपुर), कृषि विभाग (भरतपुर), खनिज विभाग (उदयपुर), शिक्षा विभाग (बीकानेर), वन विभाग (कोटा) को बनाया।*

❒ राजस्थान में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना किस वर्ष हुई?

[ARO (Horticultue) 29.8.2022]

(1) 2010 (2) 2018 (3) 2019 (4) 2020

Ans. (3)

व्याख्या *– राजस्थान सरकार ने सितम्बर 1983 में पर्यावरण विभाग की स्थापना की है। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण के कठिन कार्य को संबोधित करने के लिए 2019 में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना की गई।*

❒ राजस्थान सरकार द्वारा पहली वन नीति का अनुमोदन कब किया गया? [III Grade (L-I) -25.2.2023]

[RAS - 28.08.2016][राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
[II Grade (SS)- 2011](Head Master Exam - 02.09.2018)
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
[खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019][House Keeper -9.7.2022]

(1) फरवरी, 2010 (2) मार्च, 2011
(3) अगस्त, 2010 (4) सितम्बर, 2011

Ans. (1)

व्याख्या *– राजस्थान 18 फरवरी, 2010 को वन एवं पर्यावरण नीति घोषित करने वाला देश का पहला राज्य है।*

❒ राजस्थान सरकार ने किस वर्ष 'राजस्थान राज्य पर्यावरण नीति (राजस्थान स्टेट एनवायरन्मेंट पॉलिसी)' बनाई? [Assistant Agri. Officer -28.05.2022]
[Food Safety Officer - 27.06.2023] [कृषि अधिकारी -19.1.2021]
[वनरक्षक-13.12.2022(II)] [CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) 2012 (2) 2008 (3) 2001 (4) 2010

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान सरकार ने कौनसे वर्ष में राजस्थान जैविक विविधता नियमों को बनाया तथा राजस्थान राज्य जैव-विविधता बोर्ड की स्थापना की?[RAS-28.8.2016]
[AEN - 16.12.2018][Librarian Garde-II - 02.08.2020]
[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-13.05.2022 (I), 15.05.2022 (I)]

(1) 2014 (2) 2012 (3) 2010 (4) 2008

Ans. (3)

व्याख्या *– राजस्थान जैविक विविधता नियम (राजस्थान बॉयोलोजीकल डायवर्सिटी रूल्स) 2010 के तहत राजस्थान राज्य जैव-विविधता बोर्ड की स्थापना 14.09.2010 को की गई।*

❒ वन नीति के अनुसार कितना प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित होना चाहिए?[LDC Exam -19.08.2018]

(1) 20% (2) 15% (3) 25% (4) 33%

Ans. (4)

व्याख्या *– 1952 में घोषित राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार देश में कम से कम 33 प्रतिशत भू-भाग पर वन आच्छादित होना चाहिए। राज्य की प्रथम वन नीति (18 फरवरी, 2010) के अनुसार राज्य के सम्पूर्ण भू-भाग के 20% भाग को वृक्षाच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया।*

❒ किस अधिनियम के द्वारा वनों के बारे में राज्यों की स्वायतत्ता समाप्त हो गई?[जेल प्रहरी-27-10-2018, S-II]

(1) वन (संरक्षण) अधिनियम 1980
(2) जैव चिकित्सा अपशिष्ट नियम 1988
(3) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986
(4) प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम 1980

Ans. (1)

व्याख्या *– वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अनुसार ''हालांकि किसी भी कानून के किसी राज्य में लागू होने के समय कुछ भी निहित होते हुए भी, कोई राज्य सरकार या अन्य प्राधिकारी, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी भी आदेश का निर्देशन नहीं करेगा।''*

❐ **राजस्थान में 50 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र किस श्रेणी में सम्मिलित है?**

[RPSC कनिष्ठ लेखाकार-2.08.2015]
[Librarian Garde-II Exam - 02.08.2020]

(1) आरक्षित (2) सुरक्षित (3) अवर्गीकृत (4) खुला वन

Ans. (2)

व्याख्या-प्रशासनिक दृष्टि से राजस्थान वन अधिनियम 1953 के अनुसार वनों का वर्गीकरण तीन भागों में किया जाता है।

1. आरक्षित वन (Reserved Forest) : *इस प्रकार के वन राज्य के वनों के 37.05% (क्षेत्रफल 12176.28) भाग में पाये जाते हैं। लकड़ी काटना व पशु चराना इन वनों में अपराध माना जाता है। राज्य में सर्वाधिक आरक्षित वन क्रमशः उदयपुर, चित्तौड़गढ़, अलवर जिले में हैं।*

2. सुरक्षित/संरक्षित वन (Protected Forest): *ये वन राज्य के लगभग 56.55% (क्षेत्रफल 18588.39) भाग में फैले हुये हैं। यहाँ पशु चराने तथा लकड़ी काटने में कुछ शिथिलता बरती जाती है। राज्य में सर्वाधिक सुरक्षित वन क्रमशः बारां, करौली जिले में हैं।*

3. अवर्गीकृत वन (Unclassified Forest) : *ये वन राज्य के वन क्षेत्र के 6.40% (क्षेत्रफल 2105.03) भाग में फैले हुये हैं। इन वनों में लकड़ी काटने व पशु चराने पर सरकारी प्रतिबन्ध नहीं होता है। राज्य में सर्वाधिक अवर्गीकृत वन क्रमशः बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर में हैं।*

(स्रोत:प्रशासनिक प्रतिवेदन, वन विभाग राज.-2022-23)

❐ **राजस्थान में सुरक्षित/रक्षित वनों का प्रतिशत है-**

[JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) 54.33 (2) 56.49 (3) 52.43 (4) 37.05

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से किस जिले में अधिकतम आरक्षित वन क्षेत्र है?** [CET : 07.01.2023 (S-II)]

[Assistant Agri. Officer -28.05.2022]

(1) उदयपुर (2) चित्तौड़गढ़(3) अलवर (4) सवाईमाधोपुर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में अधिकतम प्रशासनिक वन क्षेत्र निम्न श्रेणियों में से किससे संबंधित है-**

[JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]

(1) अवर्गीकृत (2) आरक्षित (3) संरक्षित (4) वर्जित

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसी श्रेणी प्रशासनिक दृष्टि से राजस्थान के वनों की श्रेणी नहीं है?** [III Grade (L-I) -25.2.2023]

[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) सुरक्षित वन (2) आरक्षित वन
(3) वर्गीकृत वन (4) अवर्गीकृत वन

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में किस प्रकार के प्रशासनिक वन क्षेत्र सर्वाधिक पाये जाते हैं?** [LDC Exam -09.09.2018]

[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
[III Grade (SST) -26.02.2023][IInd Grade Spc. Edu. 2017]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]

(1) आरक्षित वन (2) अवर्गीकृत वन
(3) वर्जित वन (4) सुरक्षित वन

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान वन विभाग के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2021 के अनुसार वह जिला जहाँ वास्तविक रक्षित वन-क्षेत्र अधिकतम प्रतिवेदित है, वह है-**

[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]

(1) करौली (2) उदयपुर
(3) बाँसवाड़ा (4) झालावाड़

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **वैधानिक स्थिति (31 मार्च, 2011) के आधार पर राजस्थान के वनों के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों का परीक्षण कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-** [ग्राम सेवक- 18.12.16]

1. राजस्थान के कुल वन क्षेत्र में आरक्षित एवं संरक्षित वनों का क्षेत्र क्रमशः 55.84 व 37.94 प्रतिशत है।
2. राज्य में सबसे अधिक आरक्षित वन उदयपुर व चित्तौड़गढ़ जिलों में पाए जाते हैं।
3. राज्य में सबसे अधिक संरक्षित वन बाराँ व करौली जिलों में पाए जाते हैं।
4. राज्य में सबसे अधिक अवर्गीकृत वन बीकानेर व गंगानगर जिलों में पाए जाते हैं।

कूट: (1) केवल 1, (2) 1, 2 और 4
(3) 1 2 और 3 (4) 2, 3 और 4

Ans. (4)

व्याख्या-राजस्थान वन रिपोर्ट 2022-23 के अनुसार राज्य के कुल वन क्षेत्र में आरक्षित एवं संरक्षित वनों का क्षेत्र क्रमशः 37.05 व 56.55 प्रतिशत है।

❒ **क्षेत्रफल के <u>अवरोही क्रम</u> में राजस्थान में वन प्रकार की कौनसी क्रमावली सही है?**
[प्रयोगशाला सहायक सहायक - 13.11.2016]
(1) शुष्क पर्णपाती-मिश्रित पर्णपाती-उष्णकटिबन्धीय कांटेदार- उपोष्ण-कटिबन्धीय सदाहरित
(2) मिश्रित पर्णपाती- शुष्क पर्णपाती- उष्णकटिबन्धीय कांटेदार- उपोष्ण कटिबन्धीय सदाहरित
(3) उपोष्ण कटिबन्धीय सदाहरित-मिश्रित पर्णपाती- शुष्क पर्णपाती- उष्ण कटिबन्धीय कांटेदार
(4) उष्णकटिबन्धीय कांटेदार -उपोष्ण कटिबन्धीय सदाहरित-मिश्रित पर्णपाती- शुष्क पर्णपाती
Ans. (1)

व्याख्या *- राजस्थान में वन प्रकार का अवरोही क्रम -*
• शुष्क पर्णपाती (58.11%), •मिश्रित पर्णपाती (28.38%), • शुष्क सागवान (6.86), • उष्णकटिबन्धीय कांटेदार (6.26%), • उपोष्ण कटिबन्धीय सदाहरित (0.39%)

❒ **वह जिला, जहाँ उष्णकटिबन्धीय शुष्क पर्णपाती वन पाये जाते है, वह है-** [RAS Pre-26.10.2013]
(1) बीकानेर (2) सिरोही (3) नागौर (4) श्रीगंगानगर
Ans. (2)

व्याख्या- उष्ण-कटिबंधीय शुष्क पतझड़ वन *- ये मानसूनी वन राजस्थान में सर्वाधिक क्षेत्रफल में फैले हुए हैं। सिरोही, <u>अलवर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, उदयपुर, सलूम्बर, बाँसवाड़ा,</u> राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, शाहपुरा, सवाईमाधोपुर, कोटा, बाराँ, टोंक, करौली, अजमेर, व्यावर, केकड़ी, जयपुर <u>(ग्रामीण)</u>, झालावाड़, डूँगरपुर, बूँदी जिलों पाये जाते है। इन वनों में सागवान, बरगद, तेंदू, सालर, महुआ, गूलर, धौक, ढाक, साल सीताफल, बाँस, आँवला, नीम, शीशम, आदि वृक्ष पाये जाते हैं। इन वनों की अधिकांश लकड़ियाँ मजबूत होती हैं तथा इनके पेड़ ग्रीष्मकाल में अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं।*

❒ **निम्न में से किस जिले में उष्ण कटिबंधीय शुष्क पतझड़ वाले वन नहीं पाए जाते हैं-**
[Head Master -11.10.2021]
(1) अलवर (2) बांसवाड़ा (3) बूँदी (4) जालौर
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के निम्नलिखित में से कौनसे जिलों में उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ी वन पाये जाते हैं?**
[II Grade GK - 21.12.2022]
(1) सीकर, झुन्झुनूं, जालौर (2) जैसलमेर, बाड़मेर, पाली
(3) उदयपुर, बाँसवाड़ा, कोटा (4) बीकानेर, नागौर, चूरू
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नांकित में से कौनसे वन राजस्थान में सर्वाधिक क्षेत्रफल में फैले हुए हैं?** [LDC Exam - 16.09.2018]
[JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]
(1) उष्ण-कटिबन्धीय पतझड़ (2) मिश्रित पतझड़
(3) उपोष्ण-कटिबंधीय सदाबहार (4) शुष्क सागवान
Ans. (1) ***व्याख्या*** *: उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस प्रकार के वन राजस्थान राज्य के अधिकतम क्षेत्रफल को आच्छादित करते हैं?**
[राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]
(1) सूखे सागौन वाले वन (2) एनोगीसस पेंडुला वन
(3) मिश्रित पर्णपाती वन (4) बोसवेलिया वन
Ans. (2)*

व्याख्या *- उत्तर कुंजी में विकल्प 2 सही माना है लेकिन विकल्प 3 सही होगा। राजस्थान में वनों का विभाजन चैम्पियन एण्ड सेठ के वन वर्गीकरण (1968) के अनुसार दो प्रकार (शुष्क उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन तथा उष्णकटिबंधीय कंटीले वन) किया जा सकता है, जिनका 20 वन प्रभागों में विभाजन किया गया है। इनका <u>सर्वाधिक वनावरण</u> क्रमशः <u>उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन</u> (38.78%), एनोगेसस पेण्डूला/धौंकड़ा वन (14.78), शुष्क पर्णपाती झाड़ी वन (38.78%), अति शुष्क सागवान वन (4.92%) है। (स्रोत:भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2021)*

❒ **नीचे दिये गये कूट का उपयोग कहते हुए सही उत्तर का चयन कीजिये-** [RAS Pre Exam-26.10.2013]
(A) शुष्क सागवान के वन राजस्थान के दक्षिणी भाग में संकेन्द्रित हैं।
(B) सागवान के वन 75 से 110 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं।
(C) माउन्ट आबू में उप-उष्णकटिबन्धीय सदाबहार वन पाये जाते है।
(D) पश्चिमी राजस्थान के वन मिश्रित पतझड़ वाले वन हैं।
(1) (A) व (B) सही हैं। (2) (B) व (C) सही हैं।
(3) (C) व (D) सही हैं। (4) (A),(B), (C) सही हैं।
Ans. (4)

व्याख्या-मिश्रित पतझड़ वन [Mixed Deciduous Forest] पूर्वी राजस्थान में पाये जाते हैं। जिन प्रदेशों में वर्षा 50 से 85 सेमी. के मध्य होती है, वहाँ अधिकांशतः ऐसे वन पाये जाते हैं। इन्हें 'शुष्क मानसूनी खुले वन' भी कहा जा सकता है। ये वन उदयपुर, सलूम्बर, कोटा, राजसमंद, बूँदी, चित्तौड़गढ़ और सिरोही के कुछ भागों में पाये जाते हैं। यहाँ सामान्य रूप से धोंक, बरगद, गूलर, साल, बांस, आम, जामुन, बबूल, खैर आदि के वृक्ष प्रमुख है। धोंक वृक्ष की अधिकता के कारण इन्हें धौंकड़ा वन भी कहा जाता है। राज्य में ईंधन की लकड़ी व कोयला बनाने में सर्वाधिक उपयोग धौंकड़ा वृक्ष का होता है। इसका वानस्पतिक नाम "एनोजिस/एनोगेसस पण्डूला" है।

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है?** [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

1. मिश्रित पतझड़ वन 250 सेमी. से 300 सेमी. से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में उगते हैं।

2. राजस्थान में वन क्षेत्र का 25% से अधिक भाग मिश्रित पतझड़ वनों के अन्तर्गत आता है।

3. धोंक, साल, बांस, खेर आदि पेड़ राजस्थान में मिश्रित पतझड़ वनों में पाये जाते हैं।

(1) 1 और 2 (2) केवल 3
(3) केवल 2 (4) 2 और 3

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **किन जिलों में मिश्रित पतझड़ बन पाये जाते हैं?** [Fireman Exam -29.1.2022][II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) उदयपुर, कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़, सिरोही
(2) प्रतापगढ़, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, नागौर
(3) अजमेर, पाली, सिरोही, चूरू
(4) अलवर, भरतपुर, धौलपुर, जालौर

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **धौंकड़ा है।** [II Grade (Science) Exam. 2011]

(1) मिट्टी (2) अनाज (3) खनिज (4) वृक्ष

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'अर्जुन' का वृक्ष प्रमुख रूप से....जिले में मिलता है।** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) जालौर (2) जैसलमेर (3) झालावाड़ (4) जयपुर

Ans. (3)

व्याख्या - अर्जुन का वृक्ष सामान्यतः राजस्थान में भवानी मण्डी (झालावाड़) में बहुतायत में पाया जाता है।

❐ **राजस्थान के किस जिले में उष्णकटिबन्धीय शुष्क कंटीले वन पाए जाते हैं**-[JEN (यांत्रिकी/विद्युत-26.12.2020]

(1) अजमेर (2) जयपुर (3) जैसलमेर (4) धौलपुर

Ans. (3)

व्याख्या : उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन -उष्ण कटिबन्धीय काँटेदार झाड़ी वाले वन प्रमुखतया जैसलमेर, जोधपुर (ग्रामीण), बीकानेर, सीकर, नीम का थाना, ब्यावर, केकड़ी, डीडवाना-कुचामन, सांचौर, फलौदी, अजमेर, जयपुर (ग्रामीण), नागौर, जालोर, चूरू, झुन्झुनूँ आदि जिलों में है। शुष्क या मरुस्थलीय वनों की मुख्य वनस्पति खेजड़ी, बबूल, थूहर, केर, कीकर, बेर, फोग, रोहिड़ा व अन्य कंटीली झाड़ियाँ तथा सेवण, धामन, मुरात, अंजन, करड़, सिरकानियाँ आदि घास है।

❐ **खेजड़ी वनस्पति प्रजाति (वृक्ष) ..... वनों में पाई जाती है।** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]

(1) उपोष्ण पर्वतीय (2) उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़
(3) उष्णकटिबंधीय कंटीले (4) उष्णकटिबंधीय सदाबहार

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किस क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय कंटीले वन मिलते हैं?** [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) सिरोही (2) बाँसवाड़ा (3) चुरू (4) कोटा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'सेवण' व 'लवण' घास राजस्थान के किस जलवायु प्रदेश में उगती है**- [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]

(1) अर्धशुष्क (2) उप-आर्द्र (3) आर्द्र (4) शुष्क

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसी घास राजस्थान के पश्चिमी जिलों में नहीं पाई जाती है**- [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) लाणा (2) सेवण (3) धामण (4) करड़

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा कथन असत्य है?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) शुष्क सागवान वन राजस्थान के दक्षिणी भागों में पाये जाते हैं।
(2) मिश्रित पतझड़ वन उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और सिरोही जिलों में मिलते हैं।
(3) उपोष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन आबू पर्वतीय क्षेत्र में पाये जाते हैं।
(4) उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन अधिकांश पूर्वी राजस्थान में मिलते हैं।

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में 'शुष्क सागवान वन' कहाँ पाये जाते हैं?** [II Grade (SST) -2011][PTI (Grade-II)-30.04.2023]

(1) पश्चिमी राजस्थान में (2) आबू पर्वतीय क्षेत्र में
(3) डूँगरपुर व बाँसवाड़ा में (4) अलवर व भरतपुर में

Ans. (3)

> ***व्याख्या - शुष्क सागवान वन 75 से 110 से.मी. वर्षा वाले भागों में पाये जाते है। इन वनों को मानसूनी या चौड़ी पत्ती वाले वन भी कहते है। दक्षिणी भाग विशेषकर बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़ व कोटा जिलों में पाये जाने वाले ये वन, कुल वन क्षेत्र के 6.86 प्रतिशत भाग में फैले हुये हैं। इमारती लकड़ी के लिए प्रसिद्ध सागवान के वन बाँसवाड़ा जिले में सर्वाधिक पाए जाते हैं।***

❐ **राजस्थान में निम्नलिखित में से किस प्रकार के वन 75 से 110 सेमी. औसत वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं-** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -19.02.2019] [Veterinary Officer - 2.8.2020][JEN (Civil) - 18.5.2022] [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) उष्णकटिबन्धीय कंटीले वन तथा झाड़ियाँ
(2) मिश्रित पतझड़ वन (3) शुष्क वन
(4) शुष्क सागवान वन

Ans. (4) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **राजस्थान के प्रदेश में शुष्क सागवान के वन पाये जाते है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III] [R.A.S. Pre Exam, 2003]

(1) मध्य (2) उत्तरी पूर्वी (3) पूर्वी (4) दक्षिणी

Ans. (4) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **इमारती लकड़ी के लिए प्रसिद्ध सागवान के वन किस जिले में सर्वाधिक पाए जाते हैं?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)] [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)][कृषि अधिकारी-19.1.2021] [JEN Diploma (TSP)- 16.10.2016] [अन्वेषकपरीक्षा-27.12.2020] [पशुधन सहायक-21.10.2018]

(1) दौसा (2) बाँसवाड़ा (3) पाली (4) झुन्झुनूँ

Ans. (2) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **शुष्क सागवान वन राजस्थान के किन जिलों में मिलते हैं?** [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022] [S.I. Exam, 1998][R.A.S. Pre Exam, 1995] [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -III] [Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]

(1) बाँसवाड़ा-उदयपुर (2) बीकानेर-गंगानगर
(3) चुरू-झुन्झुनूं (4) जालौर-सिरोही

Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **राजस्थान के जिलों में निम्नलिखित समूहों में से कौन सा मुख्यतः शुष्क सागवान वनों से आच्छादित है?** [II Grade GK - 24.12.2022]

(1) टोंक, चित्तौड़गढ़,अलवर(2) जयपुर,अलवर, जोधपुर
(3) दौसा,सवाईमाधोपुर,धौलपुर(4) झालावाड़,बाँसवाड़ा, कोटा

Ans. (4) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **राजस्थान के दक्षिणी भाग में 250 से 450 मी. की ऊँचाई पर सर्वाधिक संख्या में पाए जाने वाले वृक्ष हैं-** [LDC Exam-12.08.2018]

(1) सागवान (2) पलाश (3) धौंकड़ा (4) सालर

Ans. (1) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **निम्नलिखित जिला समूह में से किसमें सालर या साल (बोसवालिया सेराता) के वन पाये जाते हैं-** [Librarian III Grade 11.9.2022][Assistant Professor-22.9.2021]

(1) सवाई माधोपुर, बूँदी, धौलपुर, करौली
(2) टोंक, जयपुर, दौसा, सीकर
(3) कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़
(4) अलवर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सिरोही

Ans. (4)

> ***व्याख्या - • सालर वन : ये वन 450 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले पहाड़ी इलाकों में मिलते हैं। ये वन राजसमन्द, चित्तौड़गढ़, पाली, अलवर, खैरथल-तिजारा, सिरोही, उदयपुर, ब्यावर, केकड़ी, अजमेर, जोधपुर (ग्रामीण) व जयपुर (ग्रामीण) जिलों में अधिक पाये जाते हैं। इन वनों के प्रमुख वृक्ष सालर, धौंक, कठिरा व धावड़ है। सालर वृक्ष गोंद का अच्छा स्रोत है। इसकी लकड़ी का प्रयोग सामान की पैकिंग के लिए किया जाता है।***

❐ **निम्नांकित में से कौन-सा पेड़ गोंद का अच्छा स्रोत है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019] [CET -4.2.2023 (S- II)]

(1) सागवान (2) सालर (3) तेन्दू (4) गुरजन

Ans. (2) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **निम्न में से सालार वन किस जिले में नहीं पाए जाते हैं-** [कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) अलवर (2) सिरोही (3) कोटा (4) उदयपुर

Ans. (3) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **सही सुमेलित नहीं है?** [PTI Exam - 30.09.2018]
(1) सालर-बाड़मेर (2) सदाबहार वन- माउन्ट आबू
(3) शुष्क मरुद्भिद-जैसलमेर (4) मिश्रित पतझड़-कोटा
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'सालार' के वन वितरित हैं-**
[Librarian Garde-II Exam - 02.08.2020]
(1) भरतपुर, दौसा, सीकर और नागौर जिलों में
(2) टोंक, सवाई माधोपुर और धौलपुर जिलों में
(3) कोटा, बूँदी, झालावाड़ और बाराँ जिलों में
(4) अलवर, उदयपुर, सिरोही और अजमेर जिलों में
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अरावली पहाड़ियों में सालर वृक्ष किस ऊँचाई पर मिलते हैं?** [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) परीक्षा- 23.03.2019]
(1) 750 मीटर से अधिक (2) 450 मीटर से अधिक
(3) 750 मीटर से कम (4) 450 मीटर से कम
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी पश्चिमी राजस्थान में पाई जाने वाली एक घास नहीं है?** [III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) सेवण (2) धामण (3) कराड़ (4) सालर
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **माउंट आबू के आसपास, जहाँ वर्षा 150 से.मी. से अधिक है, वन पाए जानते हैं?** [JEN Exam - 21.08.2016]
[ARO-29.8.2022] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
[Asst. Town Planner- 16.06.2023]
[EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) उष्ण-कटिबन्धीय सदाबहार
(2) उपोष्ण-कटिबन्धीय सदाबहार
(3) अर्द्ध- शुष्क पतझड़
(4) उष्ण-कटिबन्धीय कंटीली
Ans. (2)

व्याख्या - सदाबहार वन : *ये वन, कुल वनक्षेत्र के मात्र 0.39% प्रतिशत भाग में ही पाये जाते हैं। इन उपोष्ण - कटिबन्धीय सदाबहार सघन वनों का विस्तार मुख्यत: सिरोही के आबू पर्वतीय क्षेत्र में अधिक पाया जाता है।*

❒ **निम्न में से किस जिले में, उप-उष्ण पर्वतीय वन पाए जाते हैं-** [ARO - 27.8.2022] [R.A.S.- 27.10.2021]
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]
(1) सिरोही (2) उदयपुर (3) बांसवाड़ा (4) झालावाड़
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कौनसे जिलों में 'खस' घास उत्पादित होती है?** [RAS -2009, 14 .6.2012][क.अनुदेशक-10.9.2022]
[CET : 07.01.2023 (S-1)][JEN (विद्युत) डिप्लोमा-29.11.2020]
(1) कोटा, बूँदी और झालावाड़
(2) धौलपुर, करौली और अलवर
(3) अजमेर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़
(4) सवाई माधोपुर, भरतपुर और टोंक
Ans. (4)

व्याख्या- *खस की घास की जड़ों से सुगन्धित तेल निकाला जाता है जो इत्र और शर्बत बनाने के काम आता है। यह घास मुख्यत: भरतपुर, डीग, टोंक व सवाईमाधोपुर जिलों में उत्पन्न होती है। इस घास के तनों से टाटियाँ (पर्दे) बनाया जाता है। कमरों को खुशबूदार एवं ठण्डा करने के लिए इस घास का उपयोग किया जाता है।*

❒ **कमरों को खुशबूदार एवं ठण्डा करने के लिए किस घास का उपयोग किया जाता है?**
[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]
(1) सेवण (2) धामण (3) खस (4) अंजन
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित उत्पादों में से कौनसा, परदे बनाने में काम आता है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) आँवला (2) खस (3) तेन्दू (4) झाबुई
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में खैर वनीय क्षेत्र पाए जाते हैं-**
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021]
(1) बीकानेर-बाड़मेर (2) कोटा-सवाईमाधोपुर
(3) जालौर-सिरोही (4) अजमेर-भीलवाड़ा
Ans. (2)

व्याख्या *- खैर वन राजस्थान के दक्षिणी पठारी भाग यथा-झालावाड़, कोटा, बाराँ, चित्तौड़गढ़ व सवाईमाधोपुर जिलों में फैले हुए हैं।*

❒ **मुख्यत: दक्षिणी राजस्थान में पाए जाने वाले किस वृक्ष की पत्तियों का उपयोग 'बीड़ियाँ' बनाने में किया जाता है-** [LDC Exam - 16.09.2018]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल- 2013, 15.07.2018 (II)]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]
[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.03.2019]
(1) सागवान (2) धोकड़ा (3) सालर (4) तेंदू
Ans. (4)

व्याख्या - तेंदू (वागड़ क्षेत्र में इन्हें 'टीमरू', 'वागड़ का चीकू' कहा जाता है) की पत्तियाँ : तेंदू वृक्ष की पत्तियों से बीड़ी बनायी जाती है। उदयपुर, सलूम्बर, बारां, डूँगरपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ व बाँसवाड़ा में यह वृक्ष मिलता है। तेंदू की पत्तियों का आधा भाग हमारे राज्य के प्रमुख बीड़ी उद्योगों में उपभोग कर लिया जाता है।

❐ **राजस्थान में कौन से जिले में तेंदू पत्ती का उत्पादन नहीं होता है?** [ARO (Horticulture, Botany) 27.8.2022]

(1) उदयपुर (2) सिरोही
(3) बारां (4) झालावाड़

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसे वृक्ष से 'चारकोल' बनाया जाता है?** [LDC Exam - 16.09.2018]

(1) बबूल (2) पीपल (3) धौंकड़ा (4) पलाश

Ans. (1)

व्याख्या- बबूल (फैबेसी परिवार का वृक्ष) के वृक्ष से 'चारकोल' बनाया जाता है। इसे आमतौर पर गम अरबी के पेड़ के रूप में जाना जाता है। यह एक दृढ़ लकड़ी का पेड़ होता है, जिसका घनत्व लगभग 1170 किग्रा/घन मीटर होता है।

❐ **'सेवण घास' किस जिले में विस्तृत रूप से होती है?** [R.A.S. Pre Exam, 1995]

(1) बाड़मेर (2) जोधपुर (3) जैसलमेर (4) सीकर

Ans. (3)

व्याख्या - अल्प वर्षा में उगने वाली पौष्टिक सेवण घास (रेगिस्तानी घासों का राजा) जैसलमेर के उत्तर-पश्चिमी भाग में 60 मीटर चौड़ी पट्टी में फैली हुई है। यह घास मरुस्थलीकरण पर प्राकृतिक रूप से रोक लगाती है।

❐ **'सेवण' क्या है ?** [C.I.D. Exam, 2002]

(1) झालावाड़ में मीठे पानी की झील
(2) कम वर्षा में उगने वाली घास
(3) एक दुर्लभ वन्य जीव
(4) मरुस्थलीय मिट्टी का प्रकार

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा जोड़ा गलत है?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]

(1) घग्घर-नाली (2) सेवण घास-अलवर
(3) संगमरमर-नागौर (4) मलवा बाढ़-बाड़मेर

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का कौनसा वृक्ष 'जंगल की ज्वाला' (Flame of the forest) के नाम से जाना जाता है?**

[VDO-27.12.2021 (S-I)][RAS Pre. Exam-2009]

(1) खेजड़ी (2) नीम (3) पलास (4) पारस पीपल

Ans. (3)

व्याख्या - पलास (ढाक) वृक्ष को 'जंगल की ज्वाला' के नाम से जाना जाता है। इसे देहाती भाषा में खाखरा कहा जाता है। इसके पेड़ से गोंद, दोने-पतल बनाने के बड़े पत्ते, बिना काँटोवाली नर्म जलाऊ घरेलू लकड़ियाँ, जड़ से रंगाई-पुताई करने की कुचियाँ इसी के नरम रेशे से प्राप्त होती है। फाल्गुन माह में इसमें फूल आते हैं। जिनको पानी में गलाने से कुदरती केसरिया रंग प्राप्त होता है। जो होली पर खेलने के काम आता है। पलाश मुख्यतया अलवर, अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, सांचौर, सलूम्बर, खैरथल-तिजारा, सिरोही, उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, पाली, जालोर, टोंक आदि जिलों में पाया जाता है।

❐ **राजस्थान में पलाश में वन कौन में जिलों में पाये जाते हैं?** [कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.2022]

(1) अलवर, अजमेर, उदयपुर, राजसमंद
(2) कोटा, बूँदी, बारां, सवाई माधोपुर
(3) नागौर, जालौर, भरतपुर, बारां
(4) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, झालावाड़

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से कौनसे जिलों का युग्म राजस्थान में 'कत्था' (अकेसिया-कटेचु) का मुख्य उत्पादक है?**

[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)][कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़ (2) भरतपुर एवं अलवर
(3) बांसवाड़ा एवं बारां (4) सीकर एवं हनुमानगढ़

Ans. (1)

व्याख्या - खैर वृक्ष के तने की छाल से कत्था बनाया जाता है। राज्य में कत्थे को हांडी प्रणाली से तैयार किया जाता है। कत्थे का उत्पादन उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, बूँदी, भरतपुर, डीग और जयपुर (ग्रामीण) जिलों में किया जाता है।

❐ **'कत्था' किस वृक्ष से निकाला जाता है?**

[CET : 08.01.2023 (S-[LDC Exam -12.08.2018]
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) सागवान (2) खैर (3) सालर (4) खेजड़ी

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न जिलों में से कौनसा कत्थे का मुख्य उत्पादक नहीं है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) बीकानेर (2) भरतपुर (3) बूँदी (4) झालावाड़
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में निम्नांकित में से कौन-सी मुख्य वन उपज नहीं मानी जाती है?** [पटवार परीक्षा - 2008]
(1) इमारती या गोला लकड़ी (2) ईंधन लकड़ी
(3) तेंदू पत्ता (4) बांस
Ans. (3)

***व्याख्या** - __मुख्य उपजें__- इमारती लकड़ी, ईंधन की लकड़ी। **गौण उपजें**-घास, तेंदू पत्ता, महुआ, आँवला आदि।*

❐ **राजस्थान में घास के मैदान या चारागाहों को कहा जाता है-** [पटवार परीक्षा - 2011]
(1) बीड़ (2) पेडोक्स
(3) 1 व 2 दोनों (4) कोई नहीं
Ans. (1)

***व्याख्या**- बीकानेर, जोधपुर (ग्रामीण), फलौदी, सीकर, झुन्झुनूँ, नीम का थाना व चूरू जिलों में स्थानीय घास के मैदान एवं चारागाहों को **बीड़ या ओरण** कहा जाता है।*

❐ **'बीड़' निम्न जिलों में पाए जाते हैं-** [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]
(1) कोटा, बूँदी, सिरोही (2) जयपुर, अलवर, टोंक
(3) सीकर, जोधपुर,बीकानेर (4) भीलवाड़ा, अजमेर, पाली
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में 'बीड़'.... स्थानीय नाम है?** [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) चारागाह का (2) कंटीले वन का
(3) तिलहन का (4) खाद्यान्न का
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **आदिवासियों के 'हरे सोने' के नाम से जाना जाने वाला वृक्ष है-** [प्रयोगशाला सहायक परीक्षा-03.02.2019]
(1) सालर (2) धोकड़ा (3) बाँस (4) गूलर
Ans. (3)

***व्याख्या - बाँस : 'आदिवासियों का हरा सोना'** कहलाने वाले इस पेड़ का उपयोग कागज, टोकरियाँ, चारपाई, लाठी आदि बनाने में किया जाता है। यह वृक्ष मुख्यतः बाँसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सलूम्बर, कोटा तथा सिरोही जिलों में मिलता है।*

❐ **बाँस मुख्यतः कहाँ पाया जाता है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती परीक्षा- 26.03.2019]
(1) उदयपुर (2) अजमेर (3) प्रतापगढ़ (4) बारां
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का निम्न में से कौनसा वृक्ष गोंद का स्रोत नहीं है-** [योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]
(1) बबूल (2) बाँस (3) नीम (4) पीपल
Ans. (2)

***व्याख्या**- पीपल, नीम, खेजड़ी, बबूल, ढाक आदि वृक्षों के चिपचिपे रस से गोंद प्राप्त किया जाता है। **चौहटन क्षेत्र (बाड़मेर)** गोंद उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध है।*

❐ **निम्न प्रकार की वनस्पतियों में से कौनसी राजस्थान में प्राप्य नहीं है ?** [R.A.S. Pre Exam, 1995]
(1) उष्ण कटिबन्धीय शुष्क (2)उष्ण कटिबन्धीय कंटीली
(3) उष्ण कटिबन्धीय मरुस्थलीय
(4) उष्ण कटिबन्धीय तर पतझड़ी
Ans. (4)

***व्याख्या**-राजस्थान में कोणधारी वन, अल्पाइन वन, सदाबहार वन, उष्ण कटिबंधीय तर वनस्पति नहीं पायी जाती।*

❐ **राजस्थान में निम्न में से किस प्रकार की वनस्पति नहीं पायी जाती है?** [Librarian Garde-III - 13.11.2016]
(1) उष्णकटिबन्धीय सदाहरित (2) उष्णकटिबन्धीय कंटीली
(3) उपोष्ण कटिबन्धीय सदाहरित
(4) शुष्क एवं अर्द्धशुष्क पर्णपाती
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अमृतादेवी मृग वन स्थित है:**[III Grade Teacher -2009]
(1) कायलाना झील (2) मथानिया
(3) खेजड़ली (4) माउण्ट आबू
Ans. (3)

***व्याख्या** - विश्नोई सम्प्रदाय, जो वनों की रक्षा के लिए जाना जाता है, की __अमृतादेवी ने 1730 ई. में जोधपुर जिले के खेजड़ली गाँव__ में वृक्षों की रक्षार्थ अपने प्राणों की आहूति दी थी। विश्नोई सम्प्रदाय द्वारा दिया गया यह बलिदान 'साका-खडाना' कहलाता है। उल्लेखनीय है कि यहाँ प्रतिवर्ष विश्व का एकमात्र वृक्षमेला इनके शहीद दिवस (__भाद्रपद शुक्ला दशमी__) पर मनाया जाता है। प्रतिवर्ष 12 सितम्बर को 'खेजड़ली दिवस' मनाया जाता है। प्रथम खेजड़ली दिवस 12 सितम्बर, 1978 को मनाया गया था।*

❐ **सन् 1730 में राजस्थान के जोधपुर जिले में 'खेजड़ली आन्दोलन' किसके लिए हुआ था?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]
(1) जल संरक्षण के लिए (2) वन संरक्षण के लिए
(3) नदी संरक्षण के लिए (4) मृदा संरक्षण के लिए
Ans. (2)***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अमृता देवी की स्मृति से खेजड़ली शहीद मेला कब लगता है?** [JEN (Agri.) 10.09.2022]
(1) भाद्रपद शुक्ल अष्टमी (2) कार्तिक शुक्ल दशमी
(3) आषाढ़ शुक्ल दशमी (4) भाद्रपद शुक्ल दशमी
Ans. (4)***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **वृक्षों के संरक्षण से संबंधित मेला कौनसा है?**
[जेल प्रहरी परीक्षा 29-10-2018, Shift -I]
(1) ऋषभ देव जी का मेला (2) शाहवा का मेला
(3) भृर्तहरि का मेला (4) खेजड़ली का मेला
Ans. (4)***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के कौनसे समुदाय के लिए वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण उनके धार्मिक अनुष्ठान का भाग बन गया है?** [REET (Level – I, S-I) –23.07.2022]
(1) गुर्जर (2) सहरिया (3) विश्नोई (4) मीणा
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में प्रतिवर्ष 12 सितम्बर को किस स्थान पर वृक्ष महोत्सव मनाया जाता है?** [LDC -12.08.2018]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) खेजड़ी ग्राम–जोधपुर (2) कोलायत – बीकानेर
(3) मंडौर–जोधपुर (4) कैलादेवी – करौली
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अमृता देवी, उनकी तीन पुत्रियों एवं अन्य सैंकड़ों लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपना जीवन खोया। वर्ष 1730 में किस रियासत के राजा ने पेड़ों को काटने का आदेश दिया-**[JEN (Civil) De.12.9.2021]
(1) सीकर (2) जोधपुर (3) उदयपुर (4) चित्तौड़गढ़
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अमृतादेवी पुरस्कार किस क्षेत्र से संबंधित है?**
[Police Constable-2007(III)] [ग्राम सेवक-2008]
(1) वन्यजीव संरक्षण (2) वन संरक्षण
(3) नारी सशक्तीकरण (4) महिला शिक्षा
Ans. (*)

व्याख्या *- वन एवं वन्यजीव संरक्षण हेतु पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा स्थापित राज्य का सबसे प्रतिष्ठापूर्ण वानिकी पुरस्कार अमृतादेवी स्मृति पुरस्कार है। 1994 से दिया जाने वाला यह पुरस्कार वृक्षों को बचाने के लिए प्राण देने वाली शहीद अमृतादेवी की स्मृति में दिया जाता है।*

❐ **संगठन, जिसे वन विकास एवं वन्य जीव सुरक्षा की श्रेणी में वर्ष 2015 का अमृता देवी विश्नोई पुरस्कार प्रदान किया गया है-** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
(1) जलधारा विकास संस्थान, भीलवाड़ा
(2) वन विकास संस्थान, प्रतापगढ़
(3) ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति, सूरजगढ़
(4) आदिवासी वन विकास संस्थान, माउंट आबू
Ans. (1)

व्याख्या- *अमृता देवी विश्नोई वानिकी पुरस्कार 2015 के तहत 50-50 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र दिये जाते हैं। प्रथम अमृतादेवी विश्नोई पुरस्कार पाली के गंगाराम विश्नोई को दिया गया।*

❐ **अरावली वनरोपण परियोजना आरम्भ की गई-**
[अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020][LDC-19.08.2018]
(1) 1995-96 (2) 2007(3) 1992-93 (4) 2001-02
Ans. (3)

व्याख्या -अरावली वृक्षारोपण परियोजना [Aravalli Afforestation scheme] : 1 अप्रैल, 1992 से शुरू की गई यह परियोजना अरावली पर्वत श्रृंखला में वनों के पुनर्वास पर आधारित है। जापान के ओ.ई.सी.एफ. (Overseas Economic Co-operation Fund) के सहयोग से शुरू की गई इस परियोजना में राजस्थान के 10 जिलों (अलवर, जयपुर, सीकर, नागौर, पाली, झुन्झुनूँ, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा व सिरोही) में पर्वतीय वनों के पुनर्वास का कार्य किया गया था। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना मार्च, 2002 को पूर्ण हो गई।

❐ **अरावली वनीकरण परियोजना के अन्तर्गत निम्न में से कौनसा जिला नहीं आता है?**[VDO Mains -9.7.2022]
(1) सीकर (2) पाली (3) नागौर (4) अजमेर
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौन सी वनस्पति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में उपयोगी है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) ब्राह्मी (2) अर्जुन (3) ग्वारपाठा (4) अश्वगंधा
Ans. (4)

व्याख्या - विदानिया कुल के अश्वगंधा पौधे का प्रयोग आयुर्वेदिक उपचार हेतु किया जाता है। इसमें एण्टी ट्यूमर एवं एण्टी बायोटिक गुण पाया जाता है।

❒ **'राजस्थान वानिकी एवं जैवविविधता परियोजना' किसके द्वारा प्रायोजित है?** [वनपाल-06.11.2022(S-II)] [ARO - 29.8.2022][JEN (Civil) Diploma-06.12.2020] [पटवार- 2011] [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) एशियन डवलपमेंट बैंक (2) वर्ल्ड बैंक
(3) वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन
(4) जापानीज इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी

Ans. (4)

व्याख्या* - *राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना : *यह परियोजना जापान की आर्थिक सहायता से अप्रेल, 2003 से लागू की गई है। इसका प्रथम चरण जुलाई 2008 में पूर्ण हुआ।*

• ***राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना द्वितीय चरण :*** *राजस्थान राज्य के दस मरुस्थलीय जिले (सीकर, झुंझुनूँ, जालौर, बाड़मेर, जोधपुर, पाली, नागौर, जैसलमेर, बीकानेर) तथा पाँच गैर मरुस्थलीय जिले (बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, भीलवाड़ा, सिरोही, जयपुर) तथा सात वन्य जीव संरक्षित क्षेत्रों (कुम्भलगढ़ वन्य जीव अभयारण्य, फुलवाड़ी की नाल वन्य जीव अभयारण्य, जयसमंद वन्य जीव अभयारण्य, सीतामाता वन्य जीव अभयारण्य, बस्सी वन्य जीव अभयारण्य, कैलादेवी वन्य जीव अभयारण्य, रावली टॉडगढ़ वन्य जीव अभयारण्य) के आसपास 2 किलोमीटर की परिधि के क्षेत्र में स्थित कुल 650 गाँवों में 2011–12 से जापान-इन्टरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी (JICA) द्वारा वित्त पोषित राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना का द्वितीय चरण प्रारम्भ किया जा चुका है। इस परियोजना के अन्तर्गत वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण तथा भू-जल संरक्षण कार्यों के अतिरिक्त गरीबी उन्मूलन एवं आजीविका संवर्धन के कार्य भी किये जायेंगे। इस परियोजना का ऋण JICA द्वारा वर्ष 2011–12 से 2018–19 तक आठ वर्ष की अवधि के लिये था, जिसे 2023-24 तक बढ़ा दिया गया है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा 'राजस्थान वानिकी एवं जैव-विविधता परियोजना' का उद्देश्य नहीं है?** [कॉलेज व्याख्याता-2016][JEN (Mech.) Degree - 2016]

(1) वृक्षारोपण (2) जैव-विविधता संरक्षण
(3) बाढ़ नियंत्रण (4) जल संरक्षण

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इनमें से कौन-सी परियोजना जापान इन्टरनेशनल कोर्पोरेशन एजेन्सी के सहयोग से चलायी जा रही है?** [Stenographer Exam : 30.05. 2013]

(1) मरूस्थलीकरण
(2) राजस्थान वानिकी एवं जैवविविधता परियोजना
(3) राष्ट्रीय उद्योनों का विकास (4) हरित राजस्थान

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'जायका' राजस्थान में किस क्षेत्र में कार्य करती है?** [ARO (Plant Pathlogy, Agronomy) 29.8.2022]

(1) मरुक्षेत्र खाद्य प्रसंस्करण
(2) जलक्षेत्र आजीविका सुधार
(3) गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोत
(4) सत्कार एवं पर्यटन क्षेत्र

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना वानिकी प्रोजेक्ट Overseass economic co-operation fund का संयुक्त साहस है - निम्नलिखित में से कौनसे दो राष्ट्र के बीच यह समझौता हुआ था-** [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) भारत और कनाडा (2) भारत और चीन
(3) भारत और जापान (4) भारत और बांग्लादेश

Ans. (3)

❒ **'हरित राजस्थान' योजना आरंभ की गई थी-** [RPSC II Grade Teacher Exam-2011]

(1) 2007(2) 2009–10(3) 2004 –05(4) 2002–03

Ans. (2)

व्याख्या* - *हरित राजस्थान योजना : *राज्य में हरित राजस्थान की शुरुआत 18 जून, 2009 से की गई है। शहरी, ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय व निजी भूमि पर बड़े स्तर पर वृक्षारोपण का काम किया गया। शहरों में इस योजना को समस्त शहरी निकायों के द्वारा संचालित किया गया। इसके तहत वर्ष 2022-23 में 42 करोड़ की लागत से 5 करोड़ पौधे तैयार किये जाएंगे।*

❒ **राज्य में 'हरित राजस्थान योजना' क्रियान्वित की जा रही है, इसका उद्देश्य है-** [AEN Exam : 16.05.2014] [CET - 11.2.2023 (S-I)][पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) खाद्य फसलों की उत्पादकता को बढ़ाना
(2) वन क्षेत्र को बढ़ाना (3) कृषि क्षेत्र को बढ़ाना
(4) सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाना

Ans. (2)***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **रखत, कांकड़, डांग और रुद ये सभी +**
[RPSC III Grade Teacher Exam-2009]

(1) वनों के संरक्षण से सम्बन्धित हैं।
(2) त्योहारों के नाम है।
(3)प्राचीन शिलालेखों के नाम हैं।(4)स्त्रियों के गहने हैं।

Ans. (1)

व्याख्या *- रखत (बिना जुता हुआ खेत), कांकड़ (खेतों की परिसीमा जिसमें व्यापक पेड़ लगे हों), डांग और रुद ये सभी वनों के संरक्षण से सम्बन्धित है।*

❒ **राजस्थान में 'राजीव गाँधी पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार' प्रदान किये जाते है-** [JEN (Agri.) 10.09.2022]
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2014]

(1) राजीव गाँधी के जन्म दिन-20 अगस्त को
(2) विश्व पर्यावरण दिवस-5 जून को
(3) ओजोन परत संरक्षण दिवस-16 सितम्बर को
(4) पृथ्वी दिवस-22 अप्रैल, को

Ans. (2)

व्याख्या *-राजीव गाँधी पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार (प्रारम्भ - वर्ष 2012 से, प्रदान - 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर)*

- ***संस्था वर्ग में-5 लाख रुपए, रजत कमल ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र।***
- ***व्यक्ति वर्ग में -2 लाख रुपए, रजत कमल ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र।***

❒ **विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है-**
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]
[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) परीक्षा -25.03.2018]

(1) 5 मई (2) 5 जून (3) 22 मार्च (4) 22 अप्रैल

Ans. (2)

व्याख्या- *• विश्व पर्यावरण दिवस - 5 जून*

- *विश्व पृथ्वी दिवस - 22 अप्रैल*
- *विश्व जल दिवस - 22 मार्च*
- *विश्व जैवविविधता दिवस - 22 मई*
- *विश्व मौसम विज्ञान दिवस - 23 मार्च*
- *ओजोन दिवस - 16 सितम्बर*

❒ **ओजोन दिवस मनाया जाता है-**
[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]
[अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]

(1) 5 जून को (2) 16 अक्टूबर को
(3) 16 सितम्बर को (4) 11 जुलाई को

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **विश्व जैवविविधता दिवस .....को मनाया जाता है।**
[Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) 22 मार्च (2) 22 मई (3) 22 अप्रैल (4) 13 अगस्त

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का प्रथम पारिस्थितिकी मित्र संभाग कौनसा है-** [अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]

(1) उदयपुर (2) माउण्ट आबू (3) बाँसवाड़ा (4) डूँगरपुर

Ans. (2)

❒ **कौनसी नीति परिस्थितिकी संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा देती है-** [क.वैज्ञानिक सहा.(सीरम) 15.9.2019]

(1) जैविक पर्यटन नीति (2) इको-टूरिज्म नीति
(3) संरक्षणात्मक पर्यटन नीति (4) सुरक्षित पर्यटन नीति

Ans. (2)

व्याख्या - इको ट्यूरिज्म पॉलिसी : *राज्य में आरक्षित वन क्षेत्रों के बाहर वन क्षेत्रों में पारिस्थितिकीय पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु वन विभाग द्वारा 'इको ट्यूरिज्म पॉलिसी' 4 फरवरी, 2010 को अनुमोदित (गजट नोटिफिकेशन जारी : 22 फरवरी, 2010) की गई हैं इस पॉलिसी के क्रियान्वयन हेतु 'राजस्थान इको ट्यूरिज्म विकास सोसायटी' का गठन किया गया है। इसके तहत निम्न इको-ट्यूरिज्म साइट्स को खोला गया है- • मेनाल एवं हमीरगढ़ (भीलवाड़ा), • बस्सी एवं सीतामाता (चित्तौड़गढ़), • नाहरगढ़ (जयपुर), • पंचकुण्ड (अजमेर), • सुण्डामाता (जालौर), • गुढ़ा विश्नोई (जोधपुर ग्रामीण), • मुकन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान (कोटा), • भैसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़)*

❒ **वनोत्पाद-पेड़ सुमेलित कीजिए -** [AEN -16.12.2018]
[क. वैज्ञानिक सहायक(प्रलेख) 22.9.2019]

(A) इमारती लकड़ी (1) खैर
(B) कोयला (2) सागवान
(C) कत्था (3) तेन्दू
(D) बीड़ी (4) धौंकड़ा

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	2	4	1	3
(3)	2	4	3	1	(4)	1	3	4	2

Ans. (2)

व्याख्या - • *इमारती लकड़ी : राजस्थान के वनों से प्रतिवर्ष 25 लाख घनफुट इमारती लकड़ी प्राप्त होती है जिनका उपयोग रेल के डिब्बे बनाने, जहाज तथा फर्नीचर आदि के निर्माण में किया जाता है। इन कार्यों हेतु सागवान, सालर, धौंकड़ा तथा बबूल के वृक्ष अधिक उपयोगी है।*

• *धौंकड़ा - राज्य में ईंधन की लकड़ी व कोयला बनाने में सर्वाधिक उपयोग धौंकड़ा का होता है।*

• *कत्था : खैर वृक्ष के तने की छाल से कत्था बनाया जाता है। राज्य में कत्थे को हांडी प्रणाली से तैयार किया जाता है।*

• *तेंदू (वागड़ क्षेत्र में इन्हें 'टीमरू' कहा जाता है) की पत्तियाँ : तेंदू वृक्ष की पत्तियों से बीड़ी बनायी जाती है। तेंदू की पत्तियों का आधा भाग हमारे राज्य के प्रमुख बीड़ी उद्योगों में उपभोग कर लिया जाता है।*

❒ **सुमेलित कीजिए-** [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(A) सालर वन — (1) बाँसवाड़ा
(B) ढाक वन — (2) सिरोही
(C) सदाबहार वन — (3) चित्तौड़गढ़
(D) शुष्क सागवान वन — (4) अलवर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	4	3	2	1
(2)	3	2	1	4
(3)	2	3	1	4
(4)	1	4	2	3

Ans. (1)

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा वनोत्पाद राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्र में शराब बनाने में काम लिया जाता है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) बाँस (2) महुआ (3) सेब (4) आम

Ans. (2)

व्याख्या - महुआ (वानस्पतिक नाम - मधुका लोंगिफोलिया) के फूल पीने, बीज तेल निकालने व इसके फलों का प्रयोग देसी शराब (मोकड़) बनाने में होता हैं इसलिए इसे 'आदिवासियों का कल्पवृक्ष' कहा जाता है। यह उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ आदि जिलों में पाया जाता है।

❒ **राजस्थान में ऑक्सी-जोन पार्क कहाँ विकसित किया जा रहा है?** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]

(1) उदयपुर (2) जोधपुर
(3) जयपुर (4) कोटा

Ans. (4)

व्याख्या - कोटा में 100 करोड़ की लागत से ऑक्सी-जोन पार्क बनाया जा रहा है।

❒ **'काँग्रेस घास' क्या है-**[JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]

(1) एक खरपतवार (2) एक फल
(3) एक उपयोगी घास (4) एक परियोजना

Ans. (1)

व्याख्या - काँग्रेस घास (गाजर घास/स्टोफेरर्स) : अमेरिका से आयातित इस घास से जयपुर जिला सर्वाधिक प्रभावित है। इस घास को चर्म रोग एवं अस्थमा का वाहक माना जाता है।
(स्रोत:दिशा राजस्थान कल, आज और कल, पृष्ठ 4.62)

❒ **JFM का पूरा नाम क्या है-**
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]

(1) संयुक्त वन प्रबन्धन (Joint Forest Management)
(2) कनिष्ठ वन प्रबंधन(Junior Forest Management)
(3) ज्यूरी वन प्रबंधन (Jury Forest Management)
(4) जयपुर वन प्रबंधन(Jaipur Forest Management)

Ans. (1)

व्याख्या -संयुक्त वन प्रबन्धन (Joint Forest Management-JFM) : भारत में यह कार्यक्रम राष्ट्रीय वन नीति 1988 पर आधारित है। वनों की सुरक्षा एवं प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की सक्रिय सहभागिता लेने हेतु 'साझा वन प्रबंध' (JFM) का क्रियान्वयन राजस्थान में 15 मार्च, 1991 से प्रारंभ कर दिया गया था। अब अधिकांश क्षेत्रों में वन विकास एवं सुरक्षा कार्य, प्रदेश भर में 'वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों (Village Forest Protection and Management Committees - VFPMC) के सक्रिय सहयोग से सम्पादित किये जा रहे हैं।

❒ **राजस्थान में संयुक्त वन प्रबंधन कब प्रारंभ हुआ?**
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) 1990 में (2) 1993 में (3) 1992 में (4) 1991 में

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान सरकार ने...में वनस्पति उद्यान स्थापित करने की घोषणा की है?**
[Lab Assistent (Science) -29.6.2022]

1. जयपुर, 2. जोधपुर, 3. कोटा

(1) केवल 1 व 3 (2) केवल 2 व 3
(3) केवल 3 (4) सभी 1, 2 व 3

Ans. (4)

❐ **कौनसा राजस्थान का सर्वाधिक आर्द्र क्षेत्र और सर्वाधिक वनीय क्षेत्र है?** [पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]
(1) दौसा (2) करौली (3) भरतपुर (4) वागड़
Ans. (4)

❐ **कौनसा कथन असत्य है?**[REET (L – II, S-I) –24.07.2022]
(1) जवाहरसागर अभयारण्य कोटा,बूँदी,चित्तौड़गढ़ में है।
(2) केसर बाग वन्यजीव अभयारण्य, धौलपुर में है।
(3) अर्द्ध उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों को मानसून वन भी कहते हैं?
(4) 'राजस्थान का कल्पवृक्ष' रोहिड़ा है।
Ans. (4) *राजस्थान का कल्पवृक्ष 'खेजड़ी' है।*

❐ **राजस्थान में वनों की कमी का मुख्य कारण है?** [R.A.S. Pre Exam, 1992]
(1) जलवायु परिवर्तन
(2) इमारती लकड़ी के लिए वनों की कटाई
(3) जलाने की लकड़ी के लिए वनों की कटाई
(4) पशुचारण
Ans. (1)

***व्याख्या** - राजस्थान में वन संपदा को प्रभावित करने वाला सबसे प्रमुख कारक जलवायु है। वन विकास के अंतर्गत तापमान एवं वर्षा का वितरण अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। पश्चिमी राजस्थान में वर्षा की न्यूनता एवं तापमान की अधिकता के कारण उस क्षेत्र की वनस्पति विरल, कंटीली एवं मरुद्भिद प्रकार की है। दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में वनों की सघनता सर्वाधिक पायी जाती है।*

❐ **निम्नलिखित में से किस शहर में 'विश्व वानिकी उद्यान' स्थित है?** [CET - 11.2.2023 (S-II)]
(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) उदयपुर (4) प्रतापगढ़
Ans. (1)

***व्याख्या** - विश्व वानिकी उद्यान जयपुर के झालाना डूँगरी में स्थित है।*

❐ **2021 में राजस्थान के कौनसे जिले में सर्वाधिक क्षेत्र में सघन वन पाये जाते हैं?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]
(1) उदयपुर (2) सिरोही (3) अलवर (4) प्रतापगढ़
Ans. (3)

***व्याख्या** - राजस्थान में अत्यधिक सघन वन अलवर (सर्वाधिक), जयपुर (ग्रामीण), जैसलमेर, हनुमानगढ़, बूँदी व बीकानेर आदि जिलों में पाये जाते हैं।*

❐ **सन् 2019 की भारतीय वन रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वर्ष में राजस्थान में वन क्षेत्रफल में कितना परिवर्तन हुआ है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डि.-26.12.2020]
(1) –57.51 वर्ग किमी. (2) +57.51 वर्ग किमी.
(3) –16.79 वर्ग किमी. (4) +16.79 वर्ग किमी.
Ans. (2)

***व्याख्या** - वर्ष 2017 से 2019 तक वनावरण में 57.51 वर्ग किमी. की वृद्धि हुई है।*

❐ **वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2022-23 के अनुसार, उन जिलों के समूह का चयन कीजिए जहाँ 2021 के आकलन के अनुसार वनावरण उनके भौगोलिक क्षेत्र के 10% से अधिक हो ।** [Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) सीकर, जालौर, झालावाड़ (2) राजसमन्द, करौली, धौलपुर
(3) बाँसवाड़ा, भरतपुर, दौसा (4) पाली, भीलवाड़ा, अजमेर
Ans. (2)

❐ **वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2022 के अनुसार, निम्नलिखित में से किन जिलों के समूह में 2019-2021 के बीच अधिकतम दर (% में) से वन का विनाश हुआ?** [Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) सिरोही तथा जालौर (2) करौली तथा भरतपुर
(3) सिरोही तथा भरतपुर (4) जालौर तथा करौली
Ans. (4)

❐ **आई.एस.एफ.आर. (ISFR) 2021 के अनुसार राजस्थान में वन का कुल कार्बन स्टॉक है-** [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]
(1) 110.77 मिलियन टन (2) 82.77 मिलियन टन
(3) 91.58 मिलियन टन (4) 141.58 मिलियन टन
Ans. (1)

***व्याख्या** - राजस्थान में कार्बन स्टॉक 110.77 मिलियन है जो देश के कुल कार्बन स्टॉक का 1.54 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि ई-कचरा प्रबन्धन नीति का अनावरण 5 जून, 2023 को किया गया है।*

❐ **वर्ष 2017-18 में राजस्थान का वानिकी के अन्तर्गत क्षेत्रफल, राज्य के कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल का .... प्रतिशत था-**[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग)-12.03.2021]
(1) 4.88 (2) 6.95 (3) 8.04 (4) 5.78
Ans. (3)*व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।*

❑ **वन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी "स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट" के अनुसार राजस्थान का कुल वन क्षेत्र है-** [पटवार परीक्षा - 2008] [PSI -07.10.2018] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019] [II Grade (English)- 2011]

(1) 10.23% (2) 9.57% (3) 9.18% (4) 8.34%

Ans. (2) ***व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन-से दो जिले सर्वाधिक वन क्षेत्र रखते हैं?** [पटवारी प्रारम्भिक-2016] [ARO-29.8.2022] [RAS-19.11.2013][R.A.S. Pre, 1999] [RAS -2009][JEN (Civil) Degree 12.09.2021] [संगणक-19.12.2021] [PTI Exam - 2015]

(1) उदयपुर और बारां (2) डूँगरपुर और बाँसवाड़ा
(3) सिरोही और उदयपुर (4) बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़

Ans. (1) ***व्याख्या : नवीनतम वन रिपोर्ट की अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **राजस्थान का सर्वाधिक वन क्षेत्र वाला जिला कौन सा है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल -2005, 2014] [पटवारी प्रारम्भिक-2016] [AEN Exam : 16.05.2014] [JEN Degree - 16.10.2016][JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020] [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)][पशुधन सहायक 4.6.2022] [Lab Assistent (Home Sci.) -30.6.2022 ,(Science) -29.6.2022] [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

(1) कोटा (2) सवाईमाधोपुर (3) डूँगरपुर (4) उदयपुर

Ans. (4) ***व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से कौनसा न्यूनतम प्रतिशत वन क्षेत्र वाला है?** [पटवार परीक्षा - 2011] [Veterinary Officer - 02.08.2020] [LDC Exam - 16.09.2018] [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)] [क. वैज्ञानिक सहायक -21.9.2019]

(1) जैसलमेर (2) बाराँ (3) चूरू (4) नागौर

Ans. (3) ***व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **वन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रशासनिक प्रतिवेदन 2021-22 के अनुसार राज्य में वह जिला, जहाँ वनों का प्रतिशत क्षेत्र न्यूनतम (संबंधित जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का प्रतिशत) है-** [RAS.- 27.10.2021][III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) चुरू (2) नागौर (3) जैसलमेर (4) जोधपुर

Ans. (4) ***व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट 2021 के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक वन क्षेत्रफल वाले तीन जिले हैं-** [संगणक-19.12.2021][कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.2022]

(1) उदयपुर, अलवर तथा प्रतापगढ़
(2) उदयपुर, बारां तथा अलवर
(3) उदयपुर, बारां तथा चित्तौड़गढ़
(4) अलवर, बारां तथा प्रतापगढ़

Ans. (1) ***व्याख्या : अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **वन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रशासनिक प्रतिवेदन 2021-22 के अनुसार राज्य में वह जिला, जहाँ वनों का प्रतिशत क्षेत्र द्वितीय सर्वाधिक (संबंधित जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का प्रतिशत) है, वह है-** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) उदयपुर (2) प्रतापगढ़ (3) करौली (4) बारां

Ans. (2) ***व्याख्या : अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **निम्नलिखित में से कौनसा जिलों का समूह राजस्थान में सर्वाधिक कुल वन क्षेत्र घेरता है?** [II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बारां एवं करौली
(2) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ एवं टोंक
(3) बूँदी, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर एवं झालावाड़
(4) अलवर, सिरोही, जोधपुर एवं जयपुर

Ans. (1) ***व्याख्या : अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **वन विभाग, राजस्थान के 'प्रशासनिक प्रतिवेदन 2021-22' (2021 के आकलन) के अनुसार निम्नलिखित में से किन जिलों के समूह में वनावरण का प्रतिशत सर्वाधिक है-** [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

(1) उदयपुर तथा प्रतापगढ़ (2) बाँसवाड़ा तथा डूँगरपुर
(3) डूँगरपुर तथा कोटा (4) प्रतापगढ़ तथा करौली

Ans. (1) ***व्याख्या : अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❑ **राजस्थान में जिलों का समूह जिसमें राज्य के कुल वन क्षेत्र का लगभग आधा आवरण पाया जाता है-** [Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) उदयपुर, दौसा, बारां, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, टोंक, कोटा
(2) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, पाली, अजमेर, बूँदी, सिरोही, कोटा
(3) उदयपुर, बारां, अलवर, चित्तौड़गढ़, कोटा, जालौर, बूँदी
(4) चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, उदयपुर, बारां, अलवर, सिरोही, बूँदी

Ans. (4) ***व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❒ **भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2017 के अनुसार राजस्थान में वनों के अन्तर्गत सर्वाधिक व न्यूनतम क्षेत्र निम्न युग्म में से किसमें अंकित किया गया?**

[ACF & FRO - 18.02.2021] [AEN - 16.12.2018]

(1) उदयपुर - चूरू (2) बाँसवाड़ा - जैसलमेर
(3) बाराँ - बाड़मेर (4) चित्तौड़गढ़-बीकानेर

Ans. (1) ***व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❒ **स्टेट ऑफ फोरेस्ट रिपोर्ट 2017 के अनुसार राजस्थान राज्य के पंजीकृत वन क्षेत्र का निम्न में से कौन-सा प्रतिशत अंश आरक्षित श्रेणी के अन्तर्गत आता है?**

[प्रयोगशाला सहायक-3.2.2019][पशुधन सहायक- 21.10.2018]

(1) 38.11 (2) 55.64 (3) 6.25 (4) 4.84

Ans. (1) ***व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

❒ **राजस्थान में कुल वन क्षेत्र है-**[Stenographer : 30.5. 2013]

[II Grade - 30.07.2023 (S- II)] [वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]

(1) 32864 वर्ग किमी. (2) 32,701 वर्ग किमी.
(3) 30,640 वर्ग किमी. (4) 36,255 वर्ग किमी.

Ans. (1) ***व्याख्या :अग्रलिखित सारणी का अवलोकन करें।***

Exam Reminder

राजस्थान वन विभाग रिपोर्ट 2022-23

- राजस्थान में **कुल अभिलेखित वन क्षेत्र** : 32869.69 वर्ग किमी.
- राज्य के **कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष अभिलेखित वन भूमि** : **9.60 प्रतिशत**
- राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्रफल का वन क्षेत्र : 7.42 प्रतिशत
- प्रति व्यक्ति औसत वनावरण व वृक्षावरण क्षेत्र : 0.037 हैक्टेयर
- राजस्थान का **कुल वनावरण व वृक्षावरण** : 25387.96 वर्ग किमी.
- राजस्थान का कुल वनावरण : 16654.96 वर्ग किमी.
- राजस्थान का कुल वृक्षावरण : 8733 वर्ग किमी.
- अभिलेखित वन क्षेत्र की दृष्टि से राजस्थान का देश में स्थान : 15 वाँ

सर्वाधिक एवं न्यूनतम वन क्षेत्र एवं वनावरण भूमि वाले जिले : एक दृष्टि में

सर्वाधिक वन क्षेत्र एवं वनावरण भूमि वाले जिले		*न्यूनतम वन क्षेत्र एवं वनावरण भूमि वाले जिले*	
जिला	*वन भूमि (वर्ग किमी.)*	*जिला*	*वन भूमि (वर्ग किमी.)*
1. उदयपुर	*4161.92*	*1. चूरू*	*73.73*
2. बारां	*2253.42*	*2. हनुमानगढ़*	*239.46*
3. करौली	*1810.73*	*3. नागौर*	*242.40*
4. चित्तौड़गढ़	*1788.63*	*4. जोधपुर*	*246.67*
5. अलवर	*1784.66*	*5. दौसा*	*284.59*

राजस्थान में वनावरण : एक दृष्टि में

सर्वाधिक वनावरण वाले जिले			*न्यूनतम वनावरण वाले जिले*		
जिला	*जिले के भौगोलिक क्षेत्रफल का %*	*कुल वन (वर्ग किमी.)*	*जिला*	*जिले के भौगोलिक क्षेत्रफल का %*	*कुल वन (वर्ग किमी.)*
1. उदयपुर	*23.49%*	*2753.39*	*1. जोधपुर*	*0.48%*	*109.25*
2. प्रतापगढ़	*23.24%*	*1033.77*	*2. चूरू*	*0.56%*	*77.69*
3. सिरोही	*17.49%*	*898.42*	*3. जैसलमेर*	*0.84%*	*322.39*
4.अलवर	*14.27%*	*1195.91*	*4. बीकानेर*	*0.92%*	*279.71*

स्रोत : वनविभाग, राज., वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23

13. वन्यजीव अभयारण्य

❐ **राजस्थान में वन्य जीव अभयारण्य कितने हैं?**

[II Grade Teacher-2011][उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018] [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) 26 (2) 27 (3) 31 (4) 33

Ans. (2)

***व्याख्या**-वन विभाग, राजस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 के अनुसार राज्य में 3 राष्ट्रीय उद्यान, 26 वन्य जीव अभयारण्य (आर्थिक समीक्षा, राज. में 27), 4 टाइगर रिजर्व (वर्तमान में 6), 7 मृग वन, 19 कंजर्वेशन रिजर्व (वर्तमान में 27), 5 जन्तुआलय, 2 रामसर स्थल (घनापक्षी विहार, सांभर झील) व 33 आखेट निषिद्ध क्षेत्र हैं।*

❐ **हाल ही में राजस्थान के किस वन्यजीव अभयारण्य को राज्य का चौथा बाघ संरक्षित क्षेत्र अनुमोदित किया गया है-** [कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021] [PTI (Gr.-III)-25.9.2022][JEN (Civil) Degree - 18.5.2022]

(1) टॉडगढ़-रावली (2) रामगढ़ विषधारी

(3) बस्सी (4) तालछापर

Ans. (2)

***व्याख्या**- राजस्थान में टाइगर रिजर्व : एक दृष्टि में*

*1. **रणथम्भौर** (सवाईमाधोपुर,करौली, बूँदी, टोंक)- क्षेत्रफल : 1411.29 वर्गकिमी। यह उद्यान 'बाघों का घर' कहलाता है। घोषणा-28.12.2007, बफर नोटिफिकेशन-06.07.2012*

*2. **सरिस्का** (अलवर एवं जयपुर) -क्षेत्रफल : 1213.34 वर्गकिमी। घोषणा-28.12.2007, बफर नोटिफिकेशन-6.7.2012*

*3. **मुकन्दरा हिल्स** (कोटा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, बूँदी) - क्षेत्रफल : 759.99 वर्गकिमी। घोषणा-9.4.2013, बफर नोटिफिकेशन-9.4.2013*

*4. **रामगढ़ विषधारी** (बूँदी, कोटा, भीलवाड़ा)-क्षेत्रफल : 1501.89 वर्गकिमी., 16 मई, 2022, राज्य का चौथा एवं देश का 52वाँ टाइगर रिजर्व।*

*5. **धौलपुर-सरमथुरा-करौली** - क्षेत्रफल : 1075 वर्गकिमी। 22 अगस्त, 2023 को पाँचवे टाइगर रिजर्व के रूप में धौलपुर-करौली बाघ अभयारण्य को मंजूरी।*

*6. **कुम्भलगढ़** (राजसमन्द) - प्रस्तावित क्षेत्रफल : 2800 वर्गकिमी। 22 अगस्त, 2023 को छठे टाइगर रिजर्व के रूप में कुम्भलगढ़ बाघ अभयारण्य को सैद्धांतिक मंजूरी।*

❐ **निम्न में से राजस्थान में कौन से टाइगर रिजर्व हैं?**
1. सरिस्का 2. रामगढ़ विषधारी 3. रणथम्भौर4. मुकुन्दरा

[I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]

(1) 1, 2, 3 एवं 4 (2) 1, 2 एवं 3

(3) 2, 3 एवं 4 (4) 1, 3 एवं 4

Ans. (1)

❐ **किस वन्यजीव अभयारण्य को भारत के 52वें टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया गया था?**

[स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]

(1) रामगढ़ विषधारी, राजस्थान

(2) मुकुन्दरा हिल्स, राजस्थान

(3) श्रीविल्लीपुथुर-मेगामलाई, तमिलनाडु

(4) गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, छत्तीसगढ़

Ans. (1) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा कोटा में स्थित टाइगर रिजर्व के लिए प्रसिद्ध है?** [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) नाहरगढ़ जैविक उद्यान (2) मचिया सफारी पार्क

(3) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (4) मुकुंदरा रिजर्व पार्क

Ans. (4) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व राज्य के किन चार जिलों में फैला होगा?** [II Grade Teacher -28.10.2018]

(1) कोटा, बूँदी, बारां, टोंक

(2) कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़, झालावाड़

(3) कोटा, बारां, झालावाड़, सवाई माधोपुर

(4) कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़

Ans. (2) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यान है-**[II Grade T. -28.10.2018]

1. मुकुन्दरा हिल्स 2. रणथम्भौर

3. केवलादेव घना 4. नेशनल चम्बल सेन्चुरी

कूट (1) 2, 3 तथा 4 सही है (2) 1, 2 तथा 3 सही हैं

(3) 1, 2 तथा 4 सही हैं (4) 1, 2, 3 तथा 4 सही हैं

Ans. (2)

***व्याख्या**- राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यान -*

1. रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान (सवाईमाधोपुर) - क्षेत्रफल 282.03 वर्ग किमी., स्थापना : 1 नवम्बर, 1980

2. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर) - क्षेत्रफल 28.73 वर्ग किमी., स्थापना : 27 अगस्त, 1981

3. मुकुन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान (कोटा-चित्तौड़गढ़) - क्षेत्रफल 199.55 वर्ग किमी., स्थापना : 9 जनवरी, 2012

❐ **राजस्थान का कौनसा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्रफल में सबसे बड़ा है-** [Veterinary Officer - 02.08.2020]
(1) सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान (2) रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान
(3) राष्ट्रीय मरु उद्यान (4)मुकुन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान (नेशनल पार्क) कौनसा है?** [Police Constable Exam-2007(I)]
[अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]
[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1)रणथम्भौर(2)मरुउद्यान जैसलमेर(3)सरिस्का(4)नाहरगढ़
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से किस वर्ष में दर्राह वन्यजीव अभयारण्य को राष्ट्रीय उद्यान (मुकुंदरा हिल्स (दर्राह) राष्ट्रीय उद्यान) घोषित किया गया -**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) 2013 (2) 2004 (3) 2006 (4) 2010
Ans. (*) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मुकन्दरा हिल्स नेशनल पार्क को राजस्थान सरकार ने तीसरा राष्ट्रीय उद्यान कब घोषित किया?**
[LDCExam -12.08.2018]
(1) 10 अप्रैल, 2013 (2) 26 जनवरी, 2013
(3) 14 फरवरी, 2012 (4) 9 जनवरी, 2012
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'इण्डिया इको डेवलपमेंट कार्यक्रम' कौनसे राष्ट्रीय उद्यान/वन्यजीव अभयारण्य में क्रियान्वित किया गया?** [पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018]
(1) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (2) रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान
(3) कुम्भलगढ़ वन्य जीव अभयारण्य
(4) सरिस्का वन्य जीव अभयारण्य
Ans. (2)

व्याख्या -1 नवम्बर, 1980 को रणथम्भौर अभयारण्य (1955) को राजस्थान का पहला राष्ट्रीय उद्यान घोषित *किया गया। यहाँ 2 अलग-अलग पर्वत शृंखलाएँ विंध्याचल व अरावली पर्वतमालाएँ तथा दो बड़ी नदियाँ चम्बल और बनास मिलती है । रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान **'बाघों का घर'** कहलाता है। यह उद्यान 1973-74 में बाघ परियोजना में शामिल किया गया। इसमें चलाई गई इंडिया इको डेवलपमेंट परियोजना (जैफ) विश्व बैंक के सहयोग से क्रियान्वित की गई है।*

❐ **किस वर्ष में रणथम्भौर को राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था?**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.5.2022 (II)]
(1) 1960 (2) 1970 (3) 1980 (4) 1990
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के किस जिले में स्थित हैं?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]
(1) सवाई माधोपुर (2) कोटा (3) जैसलमेर (4) चित्तौड़गढ़
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'घना पक्षी-विहार' पक्षियों का स्वर्ग माना जाता है। यहाँ का मुख्य आकर्षण है-**
[II Grade (Social Study) -2011]
(1) कुरजां (2) गोडावण (3) साईबेरियन क्रेन (4) कोयल
Ans. (3)

व्याख्या - केवलादेव (घना) राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर : पर्यटन परिपथ 'स्वर्ण-त्रिकोण' *एवं गम्भीर व बाणगंगा नदियों के संगम पर स्थित भारत का सबसे बड़ा पक्षी अभयारण्य विश्व में **'पक्षियों का स्वर्ग'** कहलाता है। यहाँ भगवान शिव (कैलाश) का प्राचीन मंदिर होने के कारण इसका नाम केवलादेव है। यहाँ शीतकाल में हजारों प्रवासी पक्षी (साइबेरियन सारस) आते हैं। डॉ. सलीम अली के प्रयासों से इसे पक्षी अभयारण्य का दर्जा दिया गया। राजस्थान का यह सबसे छोटा (क्षेत्रफल 28.73 वर्गकिमी.) राष्ट्रीय उद्यान है।*

❐ **राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसा राष्ट्रीय उद्यान अपने पक्षी जीवों के लिए प्रसिद्ध है?**
[CET - 11.2.2023 (S-I)]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]
(1) रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान (2) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
(3) दर्रा राष्ट्रीय उद्यान (4) सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान
Ans. (2)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान का नामकरण...के नाम पर किया गया है-**[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-8.11.2020 (II)]
(1) विष्णु मंदिर (2) शिव मंदिर
(3) श्रीराम मंदिर (4) ब्रह्मा मंदिर
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नांकित में से जो गम्भीरी एवं बाणगंगा नदियों के संगम पर स्थित है, वह है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (2) रामसागर अभयारण्य
(3) रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान (4) वन विहार अभयारण्य
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में राष्ट्रीय पक्षी अभयारण्य है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -I]
(1) भरतपुर (2) अलवर (3) जयपुर (4) सवाईमाधोपुर
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'साइबेरियन सारस' के लिये प्रसिद्ध पक्षी विहार-** [Asst. Agriculture Officer : 29.01.2013]
(1) खींचन (2) केवलादेव घना (3) चित्तौड़ (4) रणथम्भोर
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'साइबेरियन सारस' किस ऋतु में घना पक्षी राष्ट्रीय उद्यान में आते हैं?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
(1) ग्रीष्म (2) शीत (3) वर्षा (4) सभी ऋतुओं में
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान स्थित है-** [सूचना सहायक- 2011] [Stenographer Exam : 30.05. 2013]
(1) सवाई माधोपुर (2) भरतपुर (3) अलवर (4) जैसलमेर
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का वह जिला जो विश्व का अद्वितीय पक्षी अभयारण्य है एवं जल पक्षियों का स्वर्ग है?** [R.A.S. Pre Exam, 1998]
(1) अलवर (2) भरतपुर (3) उदयपुर (4) जोधपुर
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसे राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य को विश्व प्राकृतिक धरोहर के नाम से जाना जाता है?** [R.A.S. Pre, 1992] [III Grade (English) -27.02.2023] [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान, सवाईमाधोपुर
(2) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, घना (भरतपुर)
(3) राष्ट्रीय मरु उद्यान, जैसलमेर
(4) तालछापर अभयारण्य, चूरू
Ans. (2)

व्याख्या-जैव विविधता की सुरक्षा के लिए यूनेस्को ने 1985 में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को विश्व प्राकृतिक धरोहर घोषित किया। यहाँ ऑस्ट्रियन कंपनी सारोस्की की आर्थिक मदद से डॉ. सलीम अली इंटरप्रेटेशन सेंटर बनाया गया है।

❒ **राजस्थान में विधि द्वारा संरक्षित तथा विश्व धरोहर में शामिल अद्वितीय पक्षी संरक्षण स्थल है-** [JEN Exam - 21.08.2016]
(1) रणथम्भौर (2) केवलादेव घना (3) दर्रा (4) मरुराष्ट्रीय उद्यान
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में पक्षी प्रजातियों की सर्वाधिक विविधता कहाँ पायी जाती है?** [पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
(1) केवलादेव-भरतपुर (2) रणथम्भौर-सवाई माधोपुर
(3) मरुद्यान-जैसलमेर (4) सरिस्का-अलवर
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर को किस वर्ष में यूनेस्को ने विश्व प्राकृतिक धरोहर घोषित किया-** [PTI (Grade-II)-30.04.2023]
(1) 1980 (2) 1981 (3) 1982 (4) 1985
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]
(1) मुकन्दरा हिल्स - माउण्टआबू
(2) रणथम्भौर - करौली
(3) सरिस्का-सवाईमाधोपुर (4) केवलादेव-भरतपुर
Ans. (4)

व्याख्या-मुकन्दरा हिल्स-कोटा, सरिस्का-अलवर, रणथम्भौर-सवाईमाधोपुर में स्थित है।

❒ **'भरतपुर बर्ड पैराडाइज' पुस्तक के लेखक कौन है?** [Librarian III Grade 11.09.2022]
(1) डॉ. के. एल. राठौड़ (2) एम. डी. चतुर्वेदी
(3) मार्टिन इवांस (4) कैलाश सांखला
Ans. (3)

❒ **राजस्थान में दर्रा अभयारण्य कहाँ है?** [Police Constable Exam- 2013]
(1) झालावाड़ (2) सवाई माधोपुर (3) कोटा (4) अलवर
Ans. (3)

व्याख्या -दर्रा अभयारण्य (मुकन्दरा हिल्स) गागरोणी (हीरामन) तोते हेतु प्रसिद्ध है। यह कोटा में स्थित है।

❒ **राज्य में सबसे अधिक गागरोणी तोते किस अभयारण्य में मिलते हैं?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) रणथम्भौर (2) मुकन्दरा हिल्स (3) केवलादेव (4) सरिस्का
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'राष्ट्रीय मरु उद्यान, जैसलमेर' की स्थापना कब हुई?** [II Grade (Social Study) Exam. 2011] [जैल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -I]
(1) 1990 में (2) 1991 में (3) 1981 में (4) 1982 में
Ans. (3)

व्याख्या - *राष्ट्रीय मरु उद्यान : 3162 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले इस अभयारण्य की स्थापना 8 मई, 1981 को की गई। जैसलमेर (1900 वर्ग किमी) एवं बाड़मेर (1262 वर्ग किमी) में स्थित राष्ट्रीय मरु उद्यान में जीवावशेष पार्क (आकलवुड फोसिल पार्क) स्थित है। राजस्थान में सबसे बड़े इस अभयारण्य में दुर्लभ राज्य पक्षी गोडावण पाया जाता है।*

❒ **राष्ट्रीय मरू उद्यान किन जिलों में फैला हुआ है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II] [CET - 5.2.2023 (S- II)] [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) जैसलमेर-बाड़मेर (2) जैसलमेर-बीकानेर
(3) जोधपुर-जैसलमेर (4) जोधपुर-बाड़मेर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राष्ट्रीय मरु उद्यान को किस नाम से भी कहा जाता है?** [जेल प्रहरी 20-10-2018, S. -III] [कॉलेज व्याख्याता-2016]

(1) वनस्पति पार्क (2) वन्य-जीव उद्यान
(3) घास-क्षेत्र पार्क (4) जीवाश्म उद्यान

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा, 3162 किमी.^{2} के क्षेत्र में फैला हुआ और थार मरुस्थल के पारिस्थितिकी तंत्र और इसके विविध जीवों का उत्कृष्ट उदाहरण है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) भरतपुर का केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
(2) जैसलमेर का मरुभूमि राष्ट्रीय उद्यान
(3) सवाई माधोपुर का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान
(4) अलवर का सरिस्का टाइगर रिजर्व

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **शेरगढ़ वन्य जीव क्षेत्र निम्नलिखित में से किस जिले में स्थित है?** [प्रयोगशाला सहायक-03.02.2019] [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019] [CET : 7.1.2023 (S-1)][JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]

(1) बाराँ (2) उदयपुर (3) जयपुर (4) बीकानेर

Ans. (1)

व्याख्या : शेरगढ़ अभयारण्य बाराँ में स्थित है। इसकी स्थापना 1983 में हुई। साँपों का संरक्षण स्थल। परवन नदी का विचरण।

❒ **वन्यजीव अभयारण्य एवं जिलों में कौनसा सही सुमेलित नहीं है?** [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) शेरगढ़-सिरोही (2) ताल छापर-चुरू
(3) रामसागर - धौलपुर (4) सज्जनगढ़-उदयपुर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौन-सा अभयारण्य राजस्थान के धौलपुर जिले में स्थित नहीं है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]

(1) राम सागर (2) केसर बाग (3) वन विहार (4) शेरगढ़

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सही सुमेलित है?** [R.A.S. Pre Exam.(cancelled) 1999]

(1) वन्यजीव विहार-सरिस्का(2) केवलादेव -जैसलमेर
(3) राष्ट्रीय मरु उद्यान-भरतपुर(4)टाइगर रिजर्व-जयसमन्द

Ans. (1)

व्याख्या - राष्ट्रीय मरु उद्यान जैसलमेर-बाड़मेर में, केवलादेव उद्यान भरतपुर में, टाइगर रिज़र्व सवाई माधोपुर, कोटा, बूँदी और अलवर में स्थित है।

❒ **रामसागर वन्यजीव अभयारण्य स्थित है-** [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021][कनिष्ठ लेखाकार-2.8.2015] [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

(1) धौलपुर (2) बाँसवाड़ा (3) चित्तौड़गढ़ (4) बारां

Ans. (1)

व्याख्या- धौलपुर में रामसागर, केसरबाग एवं वनविहार वन्यजीव अभयारण्य स्थित है।

❒ **निम्नलिखित जोड़ों में से कौन-सा सुमेलित नहीं है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]

(1) सज्जनगढ़-उदयपुर (2) रणथम्भौर-सवाईमाधोपुर
(3) सरिस्का -अलवर (4) रामसागर - कोटा

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'केसरबाग वन्यजीव अभयारण्य' स्थित है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019] [III Grade (English) -27.2.2023] [Assistant Agri. Off.-28.5.2022]

(1) अलवर (2) धौलपुर (3) अजमेर (4) दौसा

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वन-विहार अभयारण्य है-** [संगणक परीक्षा - 05.05.2018]

(1) धौलपुर (2) कोटा (3) सवाई माधोपुर (4) भरतपुर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा (वन्यजीव अभयारण्य -जिलों) सुमेलित नहीं है?** [CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) सोरसन - बारां (2) वन विहार - धौलपुर
(3) बन्ध बारेठा - भरतपुर (4) केसर बाग -उदयपुर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **किस शहर में राज्य का प्रथम बर्ड पार्क स्थापित किया गया है?**[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) नागौर (2) प्रतापगढ़ (3) अलवर (4) उदयपुर
Ans. (4)

***व्याख्या** -राजस्थान के मुख्यमंत्री ने 12 मई, 2022 को उदयपुर के गुलाबबाग में प्रदेश के पहले पक्षी उद्यान (Bird Park) का लोकार्पण किया। ज्ञातव्य है कि उदयपुर स्थित मेनार गाँव आर्द्रभूमि एवं पक्षी गाँव के रूप में प्रसिद्ध है।*

❑ **पक्षी गाँव के नाम से प्रसिद्ध मेनार गाँव राजस्थान के किस जिले में स्थित है ?**[Protection Officer - 28.01.2023]
(1) उदयपुर (2) जोधपुर (8) भरतपुर (4) झालावाड़
Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **तालछापर कृष्णमृग अभयारण्य किस जिले में स्थित है?** [II Grade (Science)-2011] [कर सहायक-14.10.2018]
[LDC-2012, Police Constable- 2013][Asst. Jailer-15.3.2016]
(1) सीकर (2) झुन्झुनूँ (3) दौसा (4) चूरू
Ans. (4)

***व्याख्या** - चूरू जिले में स्थित तालछापर कृष्ण मृग अभयारण्य : काले हिरणों के लिए प्रसिद्ध। वर्षा ऋतु में इस अभयारण्य में 'मोचिया साइप्रस रोटन्डस' नामक नर्म घास उत्पन्न होती है। राजस्थान बजट 2021-22 की अनुपालना में वन्यजीव प्रबंधन एवं रेगिस्तान पारितंत्र प्रशिक्षण संस्थान तालछापर में स्थापित किया गया है।*

❑ **तालछापर अभयारण्य .... के लिए प्रसिद्ध है।**
[CET - 11.2.2023 (S-I)] [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) बाघ (2) मोर (3) भालू (4) कृष्ण मृग
Ans. (4) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कौनसा वन्यजीव अभयारण्य काले हिरण और कुरजाँ के लिए प्रसिद्ध है?** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]
[P. C. Exam-2007(III), Police Constable- 2014]
[वनरक्षक-11.12.2022(S-I), 13.12.2022(S-II)]
(1) सज्जनगढ़ (2) गजनेर (3) सरिस्का (4) तालछापर
Ans. (4) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **'वन्यजीव प्रबन्धन एवं रेगिस्तान पारितंत्र प्रशिक्षण केन्द्र' स्थापित किया गया है?**[ARO (Ent.) 28.8.2022]
(1) जोड़बीड़ (बीकानेर) (2) सम (जैसलमेर)
(3) तालछापर (चूरू) (4) बिलाड़ा (जोधपुर)
Ans. (3)***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **तालछापर और परिहारा रन क्षेत्र हैं**-[पटवार - 2011]
(1) घग्घर क्षेत्र में (2) शेखावाटी क्षेत्र में
(3) गोडवाड़ बेसिन में (4) नागौर क्षेत्र में
Ans. (2)

❑ **राजस्थान का एकमात्र अभयारण्य जहाँ उड़न गिलहरियाँ देखी जा सकती हैं** -[ग्राम सेवक- 2008]
[पटवार - 2011] [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
[कृषि पर्यवेक्षक- 03.03.2019][Police Constable .-2006-07]
[वनपाल-06.11.2022(S-I)] [Veterinary Officer - 02.08.2020]
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) रामगढ़ विषधारी अभयारण्य (2) नाहरगढ़ अभयारण्य
(3) सीतामाता अभयारण्य (4) वन विहार अभयारण्य
Ans. (3)

***व्याख्या** - सीतामाता अभयारण्य चित्तौड़गढ़-प्रतापगढ़ जिले में स्थित सीतामाता अभयारण्य उड़ने वाली गिलहरियों एवं चौसिंगा (घंटेल) के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ सागवान वन (सर्वाधिक) पाये जाते हैं। इसमें जाखम, करमोई, सीतामाता, टांकिया और नालेश्वर नामक 5 नदियों का संगम होता है।*

❑ **राजस्थान में सीतामाता अभयारण्य किस जिले में स्थित है?** [वनरक्षक-11.12.2022(II)][ग्राम सेवक- 2008]
(1) राजसमन्द (2) उदयपुर (3) चित्तौड़गढ़ (4) सिरोही
Ans. (3) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कुरजाँ है?** [बी.एस.टी.सी. परीक्षा, 2008]
(1) एक पक्षी(2) एक वाद्य यंत्र (3)चित्रशैली(4) आभूषण
Ans. (1)

***व्याख्या** - **कुरजाँ (डोमाइजल क्रेन)** : यह प्रवासी पक्षी फलौदी जिले में खींचन गाँव तथा तालछापर, लूनी, गुढ़ा विश्नोई आदि क्षेत्रों में आते हैं। कुरजाँ पक्षी को मारवाड़ में **'संदेश वाहक पक्षी'** माना जाता है।*

❑ **राजस्थान का खीचन गाँव जाना जाता है-**
[III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) कुरजां (2) चरस (3) साइबेरियन सारस (4) तिलोर
Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कुरजाँ पक्षी (डेमोसिल क्रेन) कहाँ बहुत बड़ी संख्या में पहुँचते हैं?**[II Grade GK (संस्कृत) -17.02.2019]
(1) सांभर झील (2) खींचन (3) उदयपुर (4) अजमेर
Ans. (2) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कुरजाँ पक्षी विहार स्थित है**-[II Grade (Maths)-2011]

(1) खींचन (2) ओसियाँ (3) पुष्कर (4) नागौर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **घड़ियालों की प्रजाति को संरक्षित करने के लिए कौनसा अभयारण्य है?** [II Gr. (Social Study) 2011] [CET - 11.2.2023 (S-II)][जेल प्रहरी 28-10-2018, Shift -III]

(1) जयसमंद अभयारण्य (2) बन्ध वारेठा अभयारण्य

(3)राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य(4)जवाहर सागर वन्य विहार

Ans. (3)

व्याख्या - राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य (कोटा, बूँदी, करौली, सवाईमाधोपुर, धौलपुर) घड़ियालों एवं स्तनपायी डॉल्फिन हेतु प्रसिद्ध है।

❒ **जवाहर सागर वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के मुख्यत: कौनसे जिले में अवस्थित है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) चित्तौड़गढ़ (2) बारां (3) सवाई माधोपुर (4) झालावाड़

Ans. (1)

व्याख्या - जवाहर सागर अभयारण्य (कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़) मगरमच्छ के लिए प्रसिद्ध है। यह उत्तरी भारत का प्रथम सर्प उद्यान है (दूसरा सर्प उद्यान व विष एकत्रित करने की प्रयोगशाला भरतपुर में है।)

❒ **पीवणा किस जीव की प्रजाति है?** [Police Constable Exam-2007]

(1) अजगर (2) मगरमच्छ (3) घड़ियाल (4) साँप

Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान के पश्चिम भाग में पीवणा नामक विषैला सर्प पाया जाता है।

❒ **बान्सदरा पहाड़ी कौनसे अभयारण्य में स्थित है-** [पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]

(1) बन्द बारेठा अभयारण्य (2) शेरगढ़ अभयारण्य

(3) सज्जनगढ़ अभयारण्य (4) माउंट आबू अभयारण्य

Ans. (3)

व्याख्या - उदयपुर स्थित बांसदरा पहाड़ी राजस्थान के सबसे छोटे अभयारण्य सज्जनगढ़ में स्थित है।

❒ **गमधर का जैव विविधता पार्क राज्य के किस जिले में स्थित है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) चूरू (2) करौली (3) सीकर (4) उदयपुर

Ans. (4)

व्याख्या-*राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड के सहयोग से उदयपुर के गमधर क्षेत्र में वर्ष 2016 में जैव विविधता पार्क का निर्माण किया गया। यह चन्दन के वृक्ष का संरक्षण क्षेत्र है।*

❒ **रेत का तीतर नाम से कौनसा पक्षी प्रसिद्ध है, यह किस अभयारण्य में पाया जाता है-** [II Gr.Tea.-2010]

(1) हीरामन, सौंकलिया (2) बटबड़, गजनेर

(3) हरातोता, सरिस्का (4) हिन्दू लोचन, अजमेर

Ans. (2)

व्याख्या - बीकानेर में स्थित गजनेर अभयारण्य बटबड पक्षी/'रेत का तीतर' (इम्पीरियल सेन्डगाउज) तथा जंगली सूअरों के लिए प्रसिद्ध ।

❒ **'कनक सागर' है-** [Research Assistant Exam 2017] [कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.2022]

(1) बाघ संरक्षित क्षेत्र (2) काष्ठ जीवावशेष पार्क

(3) पक्षी अभयारण्य (4) कृष्ण मृग पार्क

Ans. (3)

व्याख्या-***आखेट निषिद्ध क्षेत्र*** ***प्रमुख वन्य जीव***

- **कनक सागर** (बूँदी) - **जल पक्षी** (पक्षी अभयारण्य)
- महलां (जयपुर ग्रामीण) - जल पक्षी
- संवत्सर-कोटसर (बीकानेर)- स्तनधारी जीव
- सोरसन (बारां) - गोडावण
- उज्जला (जैसलमेर) - चिंकारा
- सौंखलिया (भिनाय, केकड़ी) - गोडावण

❒ **मानसी, वाकल और सोम नदियाँ किस वन्य जीव अभयारण्य से गुजरती है?** [III Grade Teacher-2009] [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]

(1) कुम्भलगढ़ (2) फुलवारी की नाल

(3) माउण्ट आबू (4) सज्जनगढ़

Ans. (2)

व्याख्या : नदियों के निकट स्थित अभयारण्य

- ***राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य, चम्बल नदी***
- ***जवाहर सागर अभयारण्य, चम्बल नदी***
- ***शेरगढ़ अभयारण्य (बारां), परवन नदी***
- ***बस्सी अभयारण्य (चित्तौड़गढ़),ओरई-बामनी उद्गम***
- ***भैंसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़), चम्बल-बामनी का संगम।***
- ***फुलवारी की नाल (उदयपुर), मांसी-वाकल नदी का उद्गम स्थल।***

❒ वन्य जीव अभयारण्य एवं संबंधित नदी को सुमेलित कीजिए- [JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]

(a) बस्सी 1. चम्बल
(b) भैंसरोड़गढ़ 2. चम्बल और बामनी
(c) जवाहर सागर 3. परवन
(d) शेरगढ़ 4. ओरई और बामनी

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	4	2	1	3	(2)	4	1	2	3
(3)	2	1	4	3	(4)	2	1	3	4

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'फुलवारी की नाल' स्थित है-[प्रयोगशाला सहा.-3.2.19] [Stenographer Exam : 30.05. 2013]

(1) उदयपुर (2) राजसमंद (3) कोटा (4) बूंदी

Ans. (1)

व्याख्या : फुलवारी की नाल (उदयपुर) की स्थापना-1983 में हुई। इसमें देश का प्रथम 'ह्यूमन एनाटॉमी पार्क' स्थित है।

❒ निम्नलिखित में से कौनसा (संरक्षित क्षेत्र-जिला) सुमेलित नहीं है- [JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) फुलवारी की नाल-राजसमंद (2) केसर बाग-धौलपुर
(3) बस्सी-चित्तौड़गढ (4) शेरगढ़ - बाराँ

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान का वह अभयारण्य जो हरे कबूतरों के लिए प्रसिद्ध है- [पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018] [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015] [RPSC III Grade Teacher Exam-2004] [हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग)-22.12.2019]

(1) सरिस्का (2) केवलादेव (3) रणथम्भौर (4) तालछापर

Ans. (1)

व्याख्या - सरिस्का अभयारण्य की स्थापना 1955 में की गई। हरे कबूतरों के लिए प्रसिद्ध (हरे कबूतर/हारिल अजमेर में भी पाये जाते है) यह अभयारण्य 1978-79 को बाघ परियोजना के अंतर्गत शामिल किया गया है।

❒ अलवर जिले का स्थान जो प्रोजेक्ट टाइगर योजना में सम्मिलित किया गया है- [Agriculture Officer : 29.1.13] [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)] [Stenographer : 30.05. 2013]

(1) सिलीसेढ़ (2) सरिस्का
(3) राजमहल (4) पाण्डुपोल

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सरिस्का वन्य जीव अभयारण्य में कौन-सी परियोजना कार्यान्वित की गई है? [R.A.S. Pre - 2010] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]

(1) हाथी परियोजना (2) घड़ियाल परियोजना
(3) शेर परियोजना (4) बाघ परियोजना

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित में से कौनसा स्थल यूनेस्को की विश्व विरासत स्थलों की सूची में सम्मिलित नहीं है:- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (2) सरिस्का अभयारण्य
(3) मानस अभयारण्य (4) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

Ans. (2)

व्याख्या-यूनेस्को की विश्व प्राकृतिक धरोहर की सूची में राजस्थान का एकमात्र केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान ही है।

❒ कौनसा वन्यजीव अभयारण्य करौली जिले में स्थित है- [पशुधन सहायक 04.6.2022] [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]

(1) केवलादेव (2) कैलादेवी (3) वन सिंह (4) केसरबाग

Ans. (2)

व्याख्या- करौली-सवाईमाधोपुर स्थित कैलादेवी अभयारण्य का क्षेत्रफल 676.82 किमी. है। इसकी स्थापना 1983 ई. में की गई थी। यह धौंक वन का क्षेत्र है।

❒ वन्यजीव अभयारण्य एवं जिला में सुमेलित नहीं हैं- [वनपाल-06.11.2022(S-I)]

(1) वन विहार-धौलपुर (2) फुलवारी की नाल-उदयपुर
(3) कैलादेवी - भरतपुर (4) शेरगढ़ - बाराँ

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसा युग्म गलत है? [AEN Exam - 16.12.2018]

(1) रामगढ़ विषधारी-बूँदी (2) केसरबाग -धौलपुर
(3) बस्सी-जयपुर (4) सवाई मानसिंह-सवाई माधोपुर

Ans. (3) *बस्सी संरक्षित क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में स्थित है।*

❒ बस्सी वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के किस जिले में स्थित है?[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.03.2018]

(1) टोंक (2) जयपुर (3) चित्तौड़गढ़ (4) जालौर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सज्जनगढ़ बायोलॉजीकल पार्क राजस्थान के कौन से जिले में अवस्थित है? [AEN Exam - 16.12.2018] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]

(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) अजमेर (4) जोधपुर

Ans. (2)

व्याख्या –*राज्य के जैविक उद्यान* (*Biological Park*)–
1. सज्जनगढ़ जैविक उद्यान, उदयपुर (लोकार्पण: 12 अप्रैल, 2015)
2. माचिया जैविक उद्यान, जोधपुर (लोकार्पण : जनवरी, 2016)
3. नाहरगढ़ जैविक उद्यान, जयपुर (लोकार्पण : 4 जून, 2016)
4. अभेड़ा जैविक उद्यान, कोटा
5. मरुधरा बायोलॉजिकल पार्क, बीकानेर

❑ **राजस्थान में नाहरगढ़ जैविक उद्यान का उद्घाटन वर्ष.... में किया गया था।** [कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]
(1) 2014 (2) 2015 (3) 2016 (4) 2017
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में पहला बायोलॉजिकल पार्क कहाँ स्थापित किया गया है?** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]
(1) माछिया (जोधपुर) (2) नाहरगढ़ (जयपुर)
(3) सज्जनगढ़ (उदयपुर) (4) अभेदा (कोटा)
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के जैविक उद्यान कहाँ स्थापित किये गए है-** [JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) नाहरगढ़,सज्जनगढ़, माचिया (2) शेरगढ़,नाहरगढ़, आकल
(3) आकल, सज्जनगढ़, मरुधरा
(4) वन विहार, आकल, माचिया
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **किशन बाग एक नवनिर्मित रेगिस्तान पार्क .... में स्थित है-** [ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) बाड़मेर (4) जैसलमेर
Ans. (1)

व्याख्या – ***जयपुर के विद्याधर नगर मे स्थित स्वर्ण जयंती गार्डन के समीप किशनबाग गाँव में नाहरगढ़ तलहटी में 64.30 हैक्टर क्षेत्रफल में किशनबाग वानिकी परियोजना (रेगिस्तान पार्क) विकसित की गयी है।***

❑ **जयपुर का प्रथम डेजर्ट पार्क है** [VDO-28.12.2021 (II)]
(1) किशनबाग (2) हरिबाग (3) रामबाग (4) लक्ष्मण बाग
Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में किन वन्यजीव पारिस्थितिक स्थलों पर वर्तमान में जैव विविधता एवं जीन पूल संरक्षण का कार्य प्रगति पर है?** [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
(1) बूँदी, तालछपर, फुलवारी-की-नाल, बन्धबरेठा
(2) नाहरगढ़, सज्जनगढ़, सरिस्का, माउण्ट आबू
(3) सीतामाता, कुंभलगढ़, कैलादेवी, केवलादेव घना
(4) केवलादेव घना, जयसमन्द झील, मुकन्दर्रा पहाड़ी, रणथम्भौर
Ans. (2)

व्याख्या – ***जैव विविधता एवं जीनपूल संरक्षण के उद्देश्य से चालू वर्ष में निम्न स्थानों पर जैव विविधता एवं संरक्षण का कार्य प्रगति पर है-***
(अ) जैविक उद्यान-1. नाहरगढ़ जैविक उद्यान, जयपुर, 2. सज्जनगढ़ जैविक उद्यान, उदयपुर
(ब) पारी पर्यटन स्थल (इको-ट्यूरिज्म साइट)- 1. बाघ परियोजना, सरिस्का, 2. माउन्ट आबू
(स) जैव विविधता क्लोजर - बूँदी

❑ **रामसर सम्मेलन (ईरान) द्वारा चिह्नित राजस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के वन्यजीव आर्द्रभूमि पारिस्थितिक स्थलों के नाम बताइए-** [Highcourt LDC Exam - 2015] [Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]
(1) फुलवारी की नाल, भैंसरोड़गढ़
(2) सरिस्का, चम्बल अभयारण्य
(3) सांभर झील, केवलादेव घना
(4) जयसमन्द झील, जवाहर सागर
Ans. (3)

व्याख्या –***'आर्द्रभूमि कन्वेंशन' रामसर (ईरान) में वर्ष 1971 में हस्ताक्षरित किया गया, यह एक अन्तर्सरकारी ट्रीटी है जो आर्द्रभूमि और उसके संसाधनों का उपयुक्त प्रयोग तथा संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और राष्ट्रीय कार्यवाही के लिए फ्रेमवर्क उपलब्ध कराता है। रामसर कन्वेंशन सूची में राजस्थान के दो सूचीबद्ध स्थल निम्न है-***
(1) केवला देव राष्ट्रीय पार्क - 01.10.1981 में
(2) साम्भर झील (राजस्थान) - 23.03.1990 में

❑ **कौनसा राष्ट्रीय उद्यान रामसर साईट में शामिल किया गया है?** [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]
(1) मुकंदरा हिल्स उद्यान (2) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
(3) रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान (4) मरू राष्ट्रीय उद्यान
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कौन-सा कार्य वन्य जीव एवं जैव-विविधता संरक्षण में बाधक है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (I)]
(1) वनोन्मूलन करना (2) वनरोपण करना
(3) अभयारण्यों की स्थापना करना
(4) राष्ट्रीय उद्यानों की स्थापना करना
Ans. (1)

> ***व्याख्या** - राजस्थान में बढ़ती जनसंख्या के दबाव, नगरीकरण की वृद्धि, ईंधन के लिए लकड़ी प्राप्त करने एवं औद्योगिकीकरण के कारण वनोन्मूलन जैव-विविधता संरक्षक में सबसे बाधक है।*

❒ **कौनसा युग्म बेमेल है-** [पटवार-23.10.2021 (Shift -II)]
(1) सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान - अलवर
(2) केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान - करौली
(3) राष्ट्रीय मरु उद्यान - जैसलमेर
(4) रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान - सवाई माधोपुर
Ans. (2) ***व्याख्या** - केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान-भरतपुर*

❒ **निम्न में से कौनसा (वन्यजीव अभयारण्य- जिला/जिले) सही सुमेलित नहीं है-**[VDO-27.12.2021 (S-II)]
(1) बस्सी-चित्तौड़गढ़ (2) बन्ध बारेठा-अलवर
(3) फुलवारी की नाल-उदयपुर
(4) टॉडगढ़ रावली-पाली, अजमेर और राजसमन्द
Ans. (2)*

> ***व्याख्या** -परीक्षाकाल में विकल्प 2 सुमेलित नहीं था। बन्ध बारेठा-भरतपुर स्थित है। वर्तमान में टॉडगढ़ रावली - पाली, ब्यावर (पूर्व अजमेर) और राजसमन्द में स्थित है।*

❒ **जमुवारामगढ़ अभयारण्य राजस्थान के किस जिले में स्थित हैं-**[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]
(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) झालावाड़ (4) हनुमानगढ़
Ans. (2)

> ***व्याख्या** - जयपुर (ग्रामीण) में स्थित, जमुवारामगढ़ में मुख्यतः धौंक के वन पाए जाते है।*

❒ **जमुवा रामगढ़ वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]
(1) राजस्थान (2) असम (3) बिहार (4) पंजाब
Ans. (1)***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वन्यजीव अभयारण्य - जिला में से कौन सा युग्म गलत है-** [JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
(1) जमुवा रामगढ़-झालावाड़ (2) सरिस्का - अलवर
(3) केसरबाग - धौलपुर (4) सज्जनगढ़-उदयपुर
Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भारत में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम किस वर्ष में लागू किया गया था?** [जेल प्रहरी 21-10-2018, Shift -II] [PSI (मोटर वाहन) - 12.2.2022][कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) - 26.3.2019]
(1) 1962 ई.(2) 1970 ई. (3) 1982 ई. (4) 1972 ई.
Ans. (4)

> ***व्याख्या** - वन्य जीवों के संरक्षण की दृष्टि से वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 भारत के समस्त राज्यों में लागू किया गया है। वर्ष 1976 में किये गये 42वें संविधान संशोधन के उपरान्त **वन तथा वन्य प्राणी विषय समवर्ती सूची** में आने से केन्द्र व राज्य सरकारें इसके संरक्षण हेतु कदम उठा रही है।*

❒ **राजस्थान में भालूओं का पहला संरक्षित क्षेत्र कौनसा है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019] [III Grade (English) -27.02.2023][वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]
(1) सुन्धामाता संरक्षित क्षेत्र (2) शाकम्भरी संरक्षित क्षेत्र
(3) गोथेलान संरक्षित क्षेत्र (4) रोटू संरक्षित क्षेत्र
Ans. (1)

> ***व्याख्या** - सिरोही जिले के माउन्ट आबू संरक्षित क्षेत्र के 326 वर्ग किलोमीटर तथा जालौर जिले के सुंधामाता कंजरवेशन रिजर्व के 117.49 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को मिलाकर घोषित (20 जुलाई, 2010) प्रदेश का पहला तथा देश का चौथा भालू अभयारण्य।*

❒ **सुन्धामाता कन्जर्वेशन रिजर्व स्थित हैं-** [ACF & FRO - 18.02.2021] [House Keeper -9.7.2022]
(1) सिरोही, जालौर (2) जालौर, जोधपुर
(3) बाड़मेर, जालौर (4) सीकर, झुंझुनूँ
Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वन विभाग राजस्थान ने गोडावण के अंडे सेने की कृत्रिम विधि (artificial hatching) हेतु जिस संस्था से करार किया है-** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]
(1) वाइल्ड लाइफ इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डिया, देहरादून
(2) बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, मुम्बई
(3) बर्ड कन्जर्वेशन सोसायटी, नई दिल्ली
(4) वर्ल्डवाइट फंड फॉर नेचर, स्विट्जरलैण्ड
Ans. (1)

❒ **रामगढ़ विषधारी वन्यजीव अभयारण्य कौन-से जिले में स्थित है?**[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.03.2018]
(1) उदयपुर (2) कोटा (3) बूँदी (4) सिरोही
Ans. (3)

> ***व्याख्या** - रामगढ़ विषधारी अभयारण्य (बूँदी) की स्थापना 1982 में बाघों का स्वतंत्र विचरण के लिए की गई। 16 मई, 2022 को चौथे टाइगर रिजर्व के रूप में बूँदी रामगढ़ विषधारी सेंचुरी को मंजूरी मिली है।*

❐ रामगढ़ विषधारी अभयारण्य को किस स्वरूप में अधिसूचित किया गया?[Lab Assistent (Sci.) -29.06.2022]

(1) जैविक उद्यान (2) राष्ट्रीय उद्यान

(3) बाघ संरक्षित (4) यूनेस्को एम.ए.बी.

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मई, 2022 में, रामगढ़ विषधारी अभयारण्य को एक टाइगर रिजर्व में परिवर्तित कर दिया गया है। यह अभयारण्य राजस्थान के किस जिले में स्थित है?**

[I Grade Teacher (GK) -15.10.2022]

(1) सवाई माधोपुर (2) करौली (3) बूँदी (4) कोटा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **टॉडगढ़ रावली वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के किस क्षेत्र में स्थित है-** [JEN (Agri.) 10.9.2022]

[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)-24.3.2019]

(1) अजमेर-जयपुर-सीकर (2) अजमेर-जयपुर-पाली

(3) अजमेर-पाली-राजसमन्द (4) अजमेर-उदयपुर-सिरोही

Ans. (3)

व्याख्या - टॉडगढ़ रावली की स्थापना 1983 में पाली, ब्यावर (पूर्व अजमेर) और राजसमन्द में की गई।

❐ **टॉडगढ़ रावली वन्यजीव अभयारण्य.... जिले में स्थित नहीं है।** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]

(1) अजमेर (2) राजसमंद (3) टोंक (4) पाली

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित वन्यजीव अभयारण्यों को उनकी सही अवस्थितियों से मिलाइए-** [LDC Exam -09.09.2018]

(A) रामगढ़ अभयारण्य (1) धौलपुर

(B) जवाहर सागर अभयारण्य (2) चुरू

(C) वन विहार अभयारण्य (3) बूँदी

(D) ताल छाप्पर अभयारण्य (4) अलवर

(E) सरिस्का अभयारण्य (5) कोटा

कूट:	A	B	C	D	E
(1)	5	4	1	3	2
(2)	1	2	4	5	3
(3)	3	5	1	2	4
(4)	1	2	3	4	5

Ans. (3)

व्याख्या -• रामगढ़ विषधारी अभयारण्य - बूँदी
- *जवाहर सागर अभयारण्य - कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़*
- *वन विहार अभयारण्य - धौलपुर*
- *ताल छाप्पर अभयारण्य - चूरू*
- *सरिस्का अभयारण्य - अलवर*

❐ **राजस्थान के मानचित्र में वन्यजीव अभयारण्यों की स्थित (i), (ii), (iii) एवं (iv) से प्रदर्शित की गई है। मानचित्र के नीचे दिये गये क्रम से इन्हें पहचानिये तथा उत्तर दीजिये।** [RAS Pre Exam-26.10.2013]
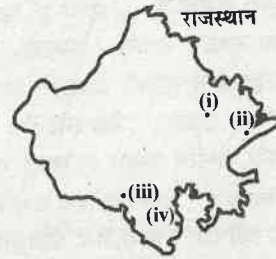
(1) बन्धबारेठा, नाहरगढ़, सीतामाता, फूलवाड़ी की नाल

(2) सीतामाता, फूलवाड़ी की नाल, बन्धबारेठा, नाहरगढ़

(3) नाहरगढ़, बन्धबारेठा, फूलवाड़ी की नाल, सीतामाता

(4) नाहरगढ़, सीतामाता, बन्धबारेठा, फूलवाड़ी की नाल

Ans. (3)

व्याख्या-☞ नाहरगढ़ अभयारण्य-जयपुर, वर्ष-1980

☞ बंध बारेठा अभयारण्य (परिन्दों का घर)-भरतपुर, वर्ष -1985, जरखों के लिए प्रसिद्ध

☞ फुलवारी की नाल अभयारण्य-उदयपुर, वर्ष-1983, मांसी-वाकल नदी का उद्गम स्थल

☞ सीतामाता अभयारण्य-चित्तौड़गढ़, वर्ष -1979, उड़न गिलहरियों के लिए प्रसिद्ध

❐ **सुमेलित कीजिए** [Patwar Main 24.12.16]

A. बन्ध बारेठा **1. जयपुर**

B. सीतामाता **2. उदयपुर**

C. नाहरगढ़ **3. भरतपुर**

D. फूलवाड़ी की नाल **4. चित्तौड़गढ़**

कूट:	A	B	C	D
(1)	2	1	3	4
(2)	4	2	1	3
(3)	3	4	1	2
(4)	1	3	4	2

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **बन्ध बारेठा वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के किस जिले में अवस्थित है-**[JEN Diploma (TSP) - 16.10.2016]

(1) भरतपुर (2) धौलपुर

(3) अलवर (4) करौली

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सुमेलित कीजिए-** [पटवार-24.10.2021 (Shift - II)]

A. मरु राष्ट्रीय उद्यान **1. उदयपुर**
B. तालछापर **2. भरतपुर**
C. फूलवाड़ी की नाल **3. जैसलमेर**
D. बन्ध बारेठा **4. चुरू**

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	3	1	4	(2)	3	2	4	1
(3)	3	4	1	2	(4)	4	3	2	1

Ans. (3)

❑ **सुमेलित कीजिये:**[REET (Level – II, S-II) –24.07.2022]

A. राष्ट्रीय मरु उद्यान **1. तेंदुआ**
B. टॉडगढ़ रावली **2. रीछ**
C. सीता माता **3. गोडावण**
D. माउन्ट आबू **4. उड़न गिलहरी**

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	3	1	4	2	(2)	1	3	2	4
(3)	4	1	3	2	(4)	2	4	1	3

Ans. (1)

❑ **सुमेलित कीजिए-** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)30.05.2019]

(A) तालछापर अभयारण्य (1) मगरमच्छ
(B) राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य (2) साइबेरियन क्रेन
(C) सरिस्का वन्य जीव अभयारण्य (3) कृष्ण मृग
(D) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (4) बाघ

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	4	2	(2)	2	4	1	3
(3)	4	2	3	1	(4)	1	2	4	3

Ans. (1)

❑ **सुमेलित कीजिए** – [JEN Degree (TSP) - 16.10.2016]

सूची-I (अभयारण्य)	**सूची-II (विशेषताएँ)**
A. केवलादेव	**1. साँपों की शरण-स्थली**
B. सरिस्का	**2. मानसी-बाकल नदियों का प्रवाह क्षेत्र**
C. फुलवारी की नाल	**3. रीसस बन्दर एवं लंगूर**
D. शेरगढ़	**4. रामसर आर्द्रभूमि**

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	1	2	(2)	4	3	2	1
(3)	3	4	2	1	(4)	3	4	1	2

Ans. (2)

❑ **सुमेलित कीजिए-** [JEN (विद्युत) डिप्लोमा –29.11.2020]

(A) सीतामाता **(1) अलवर**
(B) सरिस्का **(2) भरतपुर**
(C) कैलादेवी **(3) प्रतापगढ़**
(D) केवलादेव **(4) करौली**

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	4	2	(2)	4	1	3	2
(3)	4	3	2	1	(4)	1	4	2	3

Ans. (1)

❑ **कौन राजस्थान में गिद्ध संरक्षण के लिए अनुसंधान कार्य कर रहा है?** [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) दाऊ लाल बोहरा (2) भावना तँवर
(3) सुमेर सिंह भाटी (4) अनिल चौपड़ा

Ans. (1)

व्याख्या *– बीकानेर के दाऊलाल बोहरा इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के सदस्य हैं और गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत हैं।*

❑ **हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने किस लुप्तप्रायः जाति को बचाने हेतु 'प्रोजेक्ट टाइगर' की तर्ज पर कार्य योजना प्रारम्भ करने का सुझाव दिया है?**

[III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) हिम तेंदुआ (2) कश्मीरी लाल हिरण
(3) ग्रेट इण्डियन बस्टर्ड (4) एक सींगवाला गैंडा

Ans. (3)

❑ **निम्न में से कौनसा राष्ट्रीय पार्क/वन्यजीव अभयारण्य सबसे बड़ा है-** [पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]

(1) कैलादेवी अभयारण्य (2) कुम्भलगढ़ अभयारण्य
(3) सरिस्का अभयारण्य (4) फूलवारी की नाल अभयारण्य

Ans. (1)

व्याख्या *–• क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़े अभयारण्य –*

1. राष्ट्रीय मरु उद्यान (3162 वर्ग किमी.)
2. कैलादेवी अभयारण्य (676.82 वर्ग किमी.)
3. कुम्भलगढ़ अभयारण्य (610.53 वर्ग किमी.)
4. राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल (564 वर्ग किमी.)

• *क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटे अभयारण्य*

1. सज्जनगढ़, उदयपुर (5.19 वर्ग किमी.)
2. तालछापर, चूरू (7.19 वर्ग किमी.)
3. केसरबाग, धौलपुर (14.76 वर्ग किमी.

स्रोत : प्रशासनिक प्रतिवेदन-2022-23, वन विभाग

❐ 'कैप्टिव एनीमल स्पोन्सरशिप स्कीम' का उद्देश्य है-
[CET : 07.01.2023 (S-II)]
(1) गौऊशाला में गायों को आमजन, संस्था आदि को गोद देना।
(2) जैविक उद्यानों के वन्यजीव को आमजन, संस्था आदि को गोद देना।
(3) अभयारण्य के वन्यजीव को आमजन, संस्था आदि को गोद देना।
(4) पक्षीशाला के पक्षियों को आमजन, संस्था आदि को गोद देना।
Ans. (2)

❐ राजस्थान सरकार ने हाल ही में तेंदुए के संरक्षण के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। निम्न में से कौन तेंदुआ पायलट प्रोजेक्टों में शामिल नहीं है?
[वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]
(1) जयसमंद अभयारण्य (उदयपुर)
(2) कुंभलगढ़ अभयारण्य - रावली टॉडगढ़ अभयारण्य
(3) झालाना आमागढ़ संरक्षण रिजर्व (जयपुर)
(4) मनसा माता संरक्षण रिजर्व (झुन्झुनूँ)
Ans. (4)

व्याख्या - 2017-18 में बजट भाषण में प्रोजेक्ट लेपर्ड की घोषणा की थी। इसके अनुसार आठ लेपर्ड अभयारण्यों की घोषणा थी- उदयपुर में जयसमंद, बारां में शेरगढ़, चित्तौड़गढ़ में बस्सी, कुम्भलगढ़ अभयारण्य-रावली टॉडगढ़ अभयारण्य (अरावली पहाड़ियों का फैलाव अजमेर से उदयपुर तक फैला हुआ है), माउंट आबू, सुंधामाता संरक्षण रिजर्व (सिरोही-जालौर), जयपुर के झालाना एवं आमागढ़ (22 मई, 2022 से लेपर्ड सफारी प्रारम्भ)।

❐ हाल ही में आमागढ़ रिजर्व खबरों में था, यह प्रसिद्ध है-
[वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]
(1) टाइगर सफारी के लिए (2) पक्षियों के लिए
(3) हाथी सफारी के लिए (4) लेपर्ड सफारी के लिए
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ जयपुर के किस क्षेत्र में 'तेंदुआ सफारी पार्क' स्थित है।
[पशुधन सहायक4.6.2022]
[Asst. Statistical Off.-8.7.2022]
(1) कूकस (2) मोहनपुरा (3) झोटवाड़ा (4) झालाना
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ आमागढ़ लैपर्ड सफारी का आरम्भ किया गया है?
[II Grade GK - 22.12.2022] [Lab Assist.(Science) -28.6.2022]
[II Grade (S-I) -29.1.2023]
(1) अजमेर (2) बूँदी (3) सवाई माधोपुर (4) जयपुर
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान के किस जिले में, राज्य की दूसरी लैपर्ड सफारी शुरू की गई?
[CET - 5.2.2023 (S- II)]
(1) सवाई माधोपुर (2) जयपुर (3) सीकर (4) अलवर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान सरकार ने हाल ही में तेंदुए के संरक्षण के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। कौन तेंदुआ पायलट प्रोजेक्टों में शामिल नहीं है?
[वनरक्षक-12.12.2022(I)]
(1) जयसमंद अभयारण्य (उदयपुर)
(2) कुंभलगढ़ अभयारण्य - रावली टॉडगढ़ अभयारण्य (अरावली पहाड़ियों का फैलाव अजमेर से उदयपुर तक फैला हुआ है)
(3) झालाना आमागढ़ संरक्षण रिजर्व (जयपुर)
(4) मनसा माता संरक्षण रिजर्व (झुन्झुनूँ)
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ तेन्दुआ पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया गया -
[CET - 5.2.2023 (S- II)]
(1) बीकानेर जन्तुआलय (2) जैसलमेर नागफनी बगीचे
(3) कोटा जन्तुआलय (4) जयपुर जन्तुआलय
Ans. (4)

❐ निम्न कथनों पर विचार कीजिए-
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]
(क) तालछापर अभयारण्य एक काली मृदा का क्षेत्र है।
(ख) राज्य में गांगेय मैदान में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान भरतपुर में स्थित है। इस उद्यान का सम्पूर्ण क्षेत्र मैदानी है।
(ग) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर 'विश्व धरोहर' से गौरवान्वित है।
उपर्युक्त कथनों में से-
(1) केवल ख एवं ग सही है। (2) केवल ख सही है।
(3) केवल क एवं ख सही है। (4) केवल क सही है।
Ans. (1)

व्याख्या -तालछापर अभयारण्य लाल बलुई मिट्टी का क्षेत्र है।

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा अभयारण्य 'जंगली मुर्गे' के लिए प्रसिद्ध है-** [अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]
(1) कनकसागर(2)माउण्ट आबू(3) सीतामाता (4) तालछापर
Ans. (2)

***व्याख्या** - सिरोही स्थित माउण्ट आबू अभयारण्य (स्थापना 2008) जंगली मुर्गे एवं आबू एन्सिस डिकिल्पटेरा नामक पादप हेतु प्रसिद्ध है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने माउण्ट आबू को इको सेंसेटिव जोन (जून, 2009) घोषित किया है।*

❒ **संकटग्रस्त पादपों के नाम सूचीबद्ध किये जाते हैं-** [RAS Exam - 2007] [पटवार परीक्षा - 2011]
(1) नीले आँकड़ों की पुस्तिका(2)हरे आँकड़ों की पुस्तिका
(3)लाल आँकड़ों की पुस्तिका(4)पीले आँकड़ों की पुस्तिका
Ans. (3)

***व्याख्या** -1948 में स्थापित इन्टरनेशनल यूनियन फॉर द कंजरवेशन ऑफ नेचर एण्ड नेचुरल रिसोर्सेस (IUCN) पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित अर्न्तराष्ट्रीय संगठन है जिसका मुख्यालय मोर्गस (स्विट्जरलैण्ड) में है। यह संस्थान रैड डाटा बुक (Red Data Book) का प्रकाशन करता है। लाल आँकड़ों की पुस्तक (Red Data Book) वह पुस्तक है जिसमें सभी संकटापन्न स्पीशीज़ का रिकॉर्ड रखा जाता है। पौधों, जन्तुओं और अन्य स्पीशीज़ के लिए अलग-अलग रेड डाटा पुस्तकें हैं।*

❒ **भारत सरकार द्वारा किस सम्भावित स्थान को 'चीता पुनर्वास योजना' के लिए चुना गया है?** [RPSC LDC - 11.01.2014]
(1) नाहरगढ़ (जयपुर) (2) शेरगढ़ (बाराँ)
(3) शाहगढ़ (जैसलमेर) (4) रामगढ़ (जयपुर)
Ans. (3)

***व्याख्या** -पूर्व में चीता के प्रमुख वास स्थलों को दोबारा पुनर्जीवित कर कृत्रिम चीता आवास स्थल बनाने के लिए भारत सरकार ने इस योजना में राजस्थान में शाहगढ़ (जैसलमेर) को शामिल किया गया है।*

❒ **सुमेलित कीजिए-** [JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]

(A) रामगढ़ विषधारी	(1) चुरू
(B) जवाहर सागर	(2) धौलपुर
(C) ताल छापर	(3) बूँदी
(D) वन विहार	(4) कोटा

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	4	2	1	(2)	1	2	3	4
(3)	3	4	1	2	(4)	4	3	2	1

Ans. (3)

❒ **राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से किसमें 'बज्जू' रिजर्व एरिया स्थित है-**[JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) भरतपुर (2) बीकानेर (3) बाराँ (4) बाड़मेर
Ans. (2)

***व्याख्या** - आखेट निषिद्ध क्षेत्र बज्जू बीकानेर (चिंकारा प्रमुख वन्यजीव) में स्थित है। ज्ञातव्य है कि सबसे बड़ा आखेट निषिद्ध क्षेत्र संवत्सर कोटसर बीकानेर में स्थित है।*

❒ **राजस्थान के कौनसे जिले में सर्वाधिक 'शिकार निषिद्ध क्षेत्र' है?** [III Grade (Urdu) -28.02.2023]
(1) जोधपुर (2) बीकानेर (3) अजमेर (4) अलवर
Ans. (1)

***व्याख्या** - जोधपुर में लोहावट, डोली, साथीन, फिटकासनी, गुढ़ा-विश्नोई क्षेत्र शिकार निषिद्ध है।*

❒ **सुमेलित कीजिए -** [RAS-28.08.2016]

वन्यजीव संरक्षित क्षेत्र	जिला
A. जोड़बीड़ गडेवाल	1. झुंझुनूँ
B. गुढ़ा विश्नोई	2. नागौर
C. गोगेलाव	3. जोधपुर
D. बीड़	4. बीकानेर

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	1	3	4	2
(3)	4	3	2	1	(4)	4	3	1	2

Ans. (3) **व्याख्या** -*अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ **राजस्थान वन विभाग द्वारा हाल ही में घोषित तीन नए वन्य जीव संरक्षण रिज़र्व हैं** [Food Safety Offi - 27.06.2023]
(1) सोरसन(बारां), जोड़बीर (बीकानेर) एवं हमीरगढ़ (भीलवाड़ा)
(2) सोरसन (बारां), खींचन (जोधपुर) एवं हमीरगढ़ (भीलवाड़ा)
(3) गजनेर(बीकानेर), खींचन(जोधपुर) एवं हमीरगढ़ (भीलवाड़ा)
(4) शेरगढ़ (बारां), खींचन (जोधपुर) एवं हमीरगढ़ (भीलवाड़ा)
Ans. (2) **व्याख्या** - *अग्रलिखित सारणी में देखें।*

राजस्थान के कन्जर्वेशन रिजर्व (27) : एक दृष्टि में		
संरक्षित क्षेत्र का नाम एवं जिला	संरक्षित क्षेत्र का नाम एवं जिला	संरक्षित क्षेत्र का नाम एवं जिला
1. बीसलपुर (2008), टोंक	2. जोड़बीड़ गाढ़वाला (2008), बीकानेर	3. सुन्धा माता (2008), जालोर, सिरोही
4. गुढ़ा विश्नोईयान (2011), जोधपुर ग्रामीण*	5. शाकम्भरी (2012), सीकर, नीम का थाना*	6. **गोगेलाव** (2012), नागौर
7. बीड़ झुन्झुनूँ (2012), झुन्झुनूँ	8. **रोटू** (2012), नागौर	9. उम्मेदगंज पक्षी विहार (2012), कोटा
10. जवाई बांध, लेपर्ड (2013), पाली	11. बांसियाल-खेतड़ी (2017),नीम का थाना*	12. बांसियाल-खेतड़ी बागोर(2018),नीम का थाना*
13. जवाई बाँध लेपर्ड-II (2018), पाली	14. मनसा माता (2019), नीम का थाना*	15. **शाहबाद (सबसे बड़ा)** (2021), बारां
16. **रणखार** (25 अप्रैल 2022), सांचौर*	17. शाहबाद तलहटी (2022), बारां	18. बीड़ घास फूलिया खुर्द (2022), भीलवाड़ा
19. बाघदड़ा क्रोकोडाइल(2022), उदयपुर	20. वाडाखेड़ा बीड़ (2022), सिरोही	21. झालाना-आमागढ़ (2023), जयपुर
22. रामगढ़ कुंजी सुनवास (2023), बारां	23. अरवर गाँव (2023), अजमेर	24. सोरसन (2023), बारां
25. हमीरगढ़ (2023), भीलवाड़ा	26. खींचन (2023), फलौदी*	27. बांझ आमली (2023), बारां
		*जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त वर्तमान स्थिति

❐ **गोगेलाव संरक्षित क्षेत्र किस जिले में स्थित है-** [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) पाली (2) चूरू (3) नागौर (4) जालौर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'रोटू' राजस्थान किसका आरक्षित वन क्षेत्र है-** [Assistant Professor-22.9.2021][उद्योग निरीक्षक-24.06.2018]

(1) बीकानेर (2) चित्तौड़गढ़ (3) चूरू (4) नागौर

Ans. (4)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सुमेलित कीजिए-**[JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]

वन्यजीव संरक्षित क्षेत्र	**जिला**
(A) सुन्धा माता	(1) झुन्झुनूँ
(B) गुढ़ा विश्नोईयान	(2) नागौर
(C) गोगेलाव	(3) जोधपुर
(D) बीड़	(4) जालोर-सिरोही

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**	**कूट:**	**A**	**B**	**C**	**D**
(1)	4	3	1	2	(2)	4	3	2	1
(3)	1	2	4	3	(4)	1	4	3	2

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **वन्य जीव संरक्षित क्षेत्र-जिला में असंगत को छाँटिए-** [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(1) बीड -झुन्झुनूँ (2) गोगेलाव -पाली
(3) जोड़बीड गडेवाल-बीकानेर (4) गुढ़ा विश्नोई-जोधपुर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा (संरक्षित क्षेत्र-जिला) सही सुमेलित नहीं है-** [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]

(1) सुन्धामाता-जालौर-सिरोही (2) गोगेलाव-नागौर
(3) रोटू-नागौर (4) गुढ़ा विश्नोई-जयपुर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा (संरक्षित क्षेत्र - जिला) सुमेलित नहीं है?** [Librarian III Grade 11.09.2022]

(1) उम्मेदगंज पक्षी विहार-कोटा (2) रोटू - झुन्झुनूँ
(3)शाकम्भरी-सीकर,झुन्झुनूँ(4) गुढ़ा विश्नोइयान-जोधपुर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा संरक्षित क्षेत्र झुन्झुनूँ जिले में स्थित नहीं है?** [संगणक परीक्षा-19.12.2021] [CET : 08.01.2023 (S-II)][Librarian III Grade 11.09.2022]

(1) गोगेलाव (2) बीड (3) शाकम्भरी (4) मनसा माता

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अप्रैल, 2022 में राजस्थान का 16वां कंजर्वेशन रिजर्व कौनसा बना है?** [Librarian III Grade 11.09.2022] [वनपाल-06.11.2022(S-II)]

(1) शाकम्भरी, सीकर (2) रोटू, नागौर
(3) रणखार, जालौर (4) मनसा माता, झुन्झुनूँ

Ans. (3)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'उम्मेदगंज संरक्षित क्षेत्र' राजस्थान के किस जिले में स्थित है?** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) उदयपुर (2) राजसमंद (3) चित्तौड़गढ़ (4) कोटा

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नांकित में से किस दिनांक को रणखार संरक्षण आरक्षित क्षेत्र को राजस्थान सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया?** [PTI (Grade-II)-30.04.2023]

(1) 22 जुलाई, 2022 (2) 25 अप्रैल, 2022
(3) 25 अक्टूबर, 2022 (4) 22 मार्च, 2021

Ans. (2)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ जिला तथा राजस्थान के वन विभाग द्वारा जारी शुभंकर के त्रुटिपूर्ण युग्म को पहचानिए-
[कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
(1) अजमेर : खरमोर पक्षी (2) भरतपुर : सारस क्रेन
(3) दौसा : मगर (4) जालोर : भालू
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- दौसा जिले का शुभंकर खरगोश है।*

❒ शुभंकर सुमेलित नहीं है? [RAS Exam-05.08.2018]
(1) भीलवाड़ा - मोर (2) चूरू - कृष्ण मृग
(3) सवाई माधोपुर - शेर (4) जैसलमेर - गोडावण
Ans. (3) ***व्याख्या****-सवाईमाधोपुर जिले का शुभंकर बाघ है।*

❒ निम्न में से राजस्थान के कौन-से जिले का प्रतीक 'मोर' है? [LDC Exam-12.08.2018]
(1) अजमेर (2) हनुमानगढ़ (3) दौसा (4) भीलवाड़ा
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ कृष्ण मृग शुभंकर है- [Veterinary Officer - 02.08.2020]
(1) बाड़मेर जिले का (2) चूरू जिले का
(3) कोटा जिले का (4) जैसलमेर जिले का
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ राजस्थान सरकार के वन विभाग द्वारा जारी जिलों हेतु निर्धारित वन्य जीव शुभंकर के गलत युग्म को पहचानिए- [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
[III Grade (English) -27.02.2023]
(1) अलवर - बाघ (2) भीलवाड़ा - मोर
(3) भरतपुर - सारस (क्रेन) (4) जालोर-भालू
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ पशु शुभंकर -जिला सुमेलित नहीं है-
[वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]
(1) काला तीतर-झुन्झुनूँ
(2) डेमोइसेल क्रेन (कुरजाँ)-जोधपुर
(3) चीतल हिरण - जयपुर
(4) कबर बिज्जू - बाँसवाड़ा
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ किस वन्यजीव को दौसा जिले का शुभंकर घोषित किया गया है? [III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) खरगोश (2) पनचीरा (3) जांघिल (4) किलकिला
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ कुरजां.....का जिला शुभंकर है-
[III Grade (SST) -26.02.2023]
(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) जालौर (4) झालावाड़
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ निम्नलिखित में से कौनसा वन्य जीव जालौर जिले का शुभंकर है? [III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) भारतीय भेड़िया (2) बिज्जू (3) भालू/रीछ (4) कुरजां
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ निम्नांकित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है?
[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]
(1) जयपुर-चीतल (2) पाली-तेंदुआ
(3) सवाई माधोपुर- बाघ (4) कोटा - घड़ियाल
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

जिलेवार वन्यजीव शुभंकर घोषित : एक दृष्टि में

जिला		शुभंकर	जिला		शुभंकर	जिला		शुभंकर
अजमेर	:	खरमोर	अलवर	:	**सांभर**	बाँसवाड़ा	:	जल पीपी
बारां	:	मगर	बाड़मेर	:	लौंकी/मरू लोमड़ी	**भीलवाड़ा**	:	**मोर**
बीकानेर	:	भट्ट तीतर	बूंदी	:	सुर्खाव	चित्तौड़गढ़	:	चौसिंगा
चूरू	:	**कृष्ण मृग**	**दौसा**	:	**खरगोश**	धौलपुर	:	पचीरा (इण्डियन स्कीमर)
डूंगरपुर	:	जांघिल	हनुमानगढ़	:	छोटा किलकिला	जैसलमेर	:	गोडावण
जालौर	:	भालू	झालावाड़	:	गागरोनी तोता	झुंझुनूं	:	काला तीतर
जोधपुर	:	कुरजाँ	करौली	:	घड़ियाल	कोटा	:	उदबिलाव
नागौर	:	राजहंस	पाली	:	तेंदुआ	प्रतापगढ़	:	उड़न गिलहरी
राजसमंद	:	भेड़िया	सवाई माधोपुर	:	बाघ	श्रीगंगानगर	:	चिंकारा
सीकर	:	शाहीन	सिरोही	:	जंगली मुर्गी	टोंक	:	हंस
उदयपुर	:	कब्र बिज्जू	जयपुर	:	चीतल	भरतपुर	:	सारस

नवगठित जिलों के शुंभकर अभी घोषित नहीं किये गये।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था
(Economy of Rajasthan)

14. कृषि : खाद्यान्न, वाणिज्य फसलें

❒ **राजस्थान में कृषि गणना कब की जाती है-** [अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]

(1)प्रति 10 वर्ष(2)प्रति 5 वर्ष(3)प्रति 3 वर्ष(4)नियमित नहीं

Ans. (2)

***व्याख्या** - कृषि गणना हर 5 वर्ष में कृषि व सहकारिता विभाग करता है। गणना की संदर्भ अवधि जुलाई-जून है।*

❒ **राजस्थान की जनसंख्या का कितना प्रतिशत अपनी आजीविका के लिये कृषि और सहायक गतिविधियों पर निर्भर करता है-** [LDC 23.10.16]

(1) 52% (2) 62% (3) 72% (4) 68%

Ans. (2)

***व्याख्या** - राज्य की लगभग 62 प्रतिशत जनसंख्या का जीविकोपार्जन का साधन कृषि है।*

❒ **राजस्थान में 'मानसून का जुआ' किसे कहा जाता है-** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) उद्योगों (2) कृषि (3) व्यापार (4) कोई नहीं

Ans. (2)

***व्याख्या** - पश्चिमी राजस्थान में इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना को छोड़कर सभी क्षेत्रों में कृषि मानसून पर निर्भर है। इसीलिए सम्पूर्ण देश एवं राजस्थान की कृषि को **''मानसून का जुआ''** कहा जाता है। कुल कृषि का 65 प्रतिशत भाग खरीफ फसल के अंतर्गत आता है जो मुख्यतः वर्षा पर निर्भर है ।*

❒ **राजस्थान में .... सीजन की फसल होती है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]

(1) 3 (2) 4 (3) 5 (4) 6

Ans. (1)

***व्याख्या**-राजस्थान में कृषि वर्ष (1 जुलाई से 30 जून) को तीन सत्रों अर्थात रबी, खरीफ, जायद में विभाजित किया गया है।*

❒ **निम्न में कौनसी खरीफ की फसलें हैं-**[AEN : 16.5.2014]

(1) चावल (2) गेहूँ (3) बाजरा (4) चना

(1) 1 व 4 (2) 2 व 3 (3) 1 व 3 (4) 1, 2, 3

Ans. (3)

***व्याख्या**-•**रबी (उनालू) :** चना, गेहूँ, सरसों, मसूर, जौ, जीरा, अलसी, तारामीरा, राई प्रमुख रबी फसलें है।*

*• **खरीफ (सावणु/चौमासा) :** ग्रीष्मकालीन फसलें जो सामान्यतः जून में बोयी और अक्टूबर में काटी जाती है, खरीफ के अंतर्गत आती है। ज्वार, बाजरा, ग्वार, मूँग, मोठ, मक्का, मूँगफली, कपास, तिल, सोयाबीन, अरण्डी प्रमुख खरीफ फसलें है।*

❒ **मोठ-ग्वार-बाजरा किस प्रकार की फसलें हैं?** [I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]

(1) खरीफ (2) रबी (3) जायेद (4) नकद

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में कौनसी तिलहन की फसल रबी के मौसम में बोई जाती है?** [VDO Mains -09.07.2022] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]

(1) सरसों (2) मूँगफली (3) सोयाबीन (4) तिल

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में निम्न में से कौनसी रबी की फसल नहीं है?** [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) गेहूँ (2) चना (3) जौ (4) बाजरा

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **रबी की फसल का उदाहरण है?** [REET (Level – I, S-I) –23.07.2022]

(1) मक्का (2) सोयाबीन (3) मूँगफली (4) अलसी

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी एक खरीफ की फसल नहीं है?** [वनपाल–06.11.2022(S-I)]

(1) गेहूँ (2) चावल (3) ज्वार (4) मक्का

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'रबी' की फसल है?** [III Grade (English) -27.02.2023]

(1) जूट (2) गेहूँ (3) बाजरा (4) मूँगफली

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी फसलों का समूह नकद फसलों की श्रेणी में आता है?** [RPSC LDC, 11 Jan 2014]

(1) कपास, गन्ना, रतनजोत(2) कपास, रतनजोत, ज्वार

(3) कपास, तिलहन, गेहूँ (4) मक्का, ज्वार, बाजरा

Ans. (1)

व्याख्या - वे फसलें जो स्वयं के उपभोग के लिए काम में नहीं लेकर बाजार में बेचकर लाभ उठाने के उद्देश्य से उगाई जाती है नकदी फसलें कहलाती हैं। कपास, गन्ना व रतनजोत इसी श्रेणी की फसलें हैं।

❑ **निम्नलिखित में से राजस्थान में जायद की फसल की अवधि कौनसी है?** [II Grade GK - 22.12.2022] [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

(1) जनवरी से अप्रैल (2) मार्च से जून
(3) सितम्बर से दिसम्बर (4) अगस्त से नवम्बर

Ans. (2)

व्याख्या - जायद फसल - पानी की उपलब्धता वाले राज्य के कुछ क्षेत्रों में एक तीसरी फसल भी मार्च से जून के मध्य ली जाती है, जिसे 'जायद' कहते हैं। इसमें तरबूज, खरबूजा, ककड़ी व तरकारियाँ पैदा की जाती है।

❑ **निम्नलिखित में से कौनसी फसल, राजस्थान में ज़ायद के मौसम में उत्पादित नहीं की जाती है?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) तरबूज (2) खरबूजा (3) ककड़ी (4) सोयाबीन

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में 'वालरा' कृषि का एक प्रकार है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)] [कॉलेज व्याख्याता-2016][कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)- 26.3.2019] [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020 [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) स्थानांतरित कृषि (2) शुष्क कृषि
(3) आर्द्र एवं शुष्क कृषि (4) पर्वतीय कृषि

Ans. (1)

*व्याख्या - **<u>झूमिंग कृषि</u> [Shifting Farming] : पहाड़ी व वन क्षेत्रों में वन एवं पेड़-पौधों को जलाकर जमीन को साफ करना तथा उस पर 2-3 वर्ष खेती करने के पश्चात् उसे छोड़कर किसी अन्य स्थान पर इसी तरह कृषि कार्य करना। आदिवासी क्षेत्रों (<u>डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर, सलूम्बर आदि</u>) में इस कृषि को <u>'वालरा'</u> कहते है।** भीलों द्वारा पहाड़ी ढालों पर की जाने वाली खेती **चिमाता** तथा मैदानी भागों पर वृक्षों को जलाकर की जाने वाली खेती **दाजिया (झूमटी)** कहलाती है।*

❑ **राजस्थान में वनों को काटकर व जलाकर की जाने वाली कृषि कहलाती है?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) कछाबू (2) पाल (3) वालरा (4) गमेती

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **'स्थानान्तरित कृषि' को राजस्थान में किस नाम से जाना जाता है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)] [RPSC LDC - 11.01.2014] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]

(1) झूमिंग (2) वालरा (3) कुमारी (4) चेना

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **दक्षिणी राजस्थान में 'स्लैश तथा बर्न' कृषि को जिस नाम से जाना जाता है, वह है-** [PTI -30.9.2018]

(1) ब्रिंगा (2) वालरा (3) झूमिंग (4) देप्पा

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में कौनसे जिले 'वालरा' कृषि पद्धति से संबंधित है-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021] [PTI (Grade-II)-30.04.2023][Police Constable -2006-07]

(1) उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर (2) सीकर, झुन्झुनूँ, नागौर
(3) डूँगरपुर, भरतपुर, धौलपुर(4)डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **दजिया और चिमाता राजस्थान की किस जनजाति से सहसम्बन्धित है-** [VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) मीना (2) भील (3) गरासिया (4) सहरिया

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के किस भाग में वालरा कृषि की जाती है? सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनिए-** [Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) उत्तरी (2) दक्षिणी (3) पूर्वी (4) पश्चिमी

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में भील जनजाति द्वारा मैदानी भागों में की जाने वाली कृषि कहलाती है-** [II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) चिमाता (2) दजिया (3) दापा (4) कछावू

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **भील जनजाति द्वारा पहाड़ी ढालों पर की जाने वाली स्थानान्तरित कृषि कहलाती है-** [III Grade (SST) -26.02.2023][सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]

(1) दजिया (2) चिमाता (3) दिप्पा (4) दहिया

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **भील और गरासिया स्थानीय जनजातियाँ हैं जो मध्य माही-छप्पन बेसिन में स्थानांतरित खेती का व्यवसाय करती हैं, उन्हें.....के रूप में जाना जाता है-** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) हाड़ौती (2) वागड़ (3) वालरा (4) झामरी

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में शुष्क खेती उन भागों में की जाती है, जहाँ- [Agriculture Officer : 29.01.2013]

(1) वर्षा 50 सेमी से कम हो (प्रतिवर्ष)
(2) झूमिंग प्रणाली प्रचलित हो
(3) वर्षा 100 सेमी. होती हो (प्रतिवर्ष)
(4) वर्षा 100 सेमी. से अधिक हो (प्रतिवर्ष)

Ans. (1)

***व्याख्या-** शुष्क या बारीनी कृषि [Dry Farming] में वर्षा की अल्पता (50 सेमी से कम) के कारण वर्षा जल का सुनियोजित संरक्षण व उपयोग कर कम पानी व शीघ्र पकने वाली फसलों की कृषि की जाती है। राजस्थान पश्चिमी भाग में शुष्क खेती प्रचलित है।*

❒ राजस्थान के किस भाग में शुष्क खेती प्रचलित है? [Fireman Exam -29.1.2022]

(1) पूर्वी भाग में (2) दक्षिणी भाग में
(3) दक्षिण-पूर्वी भाग में (4) पश्चिमी भाग में

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में जीरा के प्रमुख उत्पादक जिले हैं- [REET L-II, 26.09.2021]

(1) बारां, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ (2) अलवर, जयपुर, नागौर
(3) गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर (4) जालोर, जोधपुर, बाड़मेर

Ans. (4)

❒ किन फसलों के उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है? [REET (Level – II, S-II) –23.07.2022]

(1) सरसों, चना, मोठ (2) ईसबगोल, जीरा, ज्वार
(3) चना, मूँग, उड़द (4) मूँग, मक्का, बाजरा

Ans. (1)

***व्याख्या** - बाजरा, राई, सरसों, कुल दलहन (चना, मोठ), ग्वार आदि के उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है।* (स्रोत : आर्थिक समीक्षा 2021-22, पृष्ठ- 23)

❒ राजस्थान भारत में निम्न में से कौनसी फसल का सर्वाधिक उत्पादक राज्य है-[REET L-II, 26.09.2021]

(1) मक्का (2) मूँगफली (3) सरसों (4) कपास

Ans. (3)

***व्याख्या** - वर्तमान में सरसों उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है। इस फसल के प्रमुख उत्पादक जिले गंगानगर, भरतपुर, अलवर, खैरथल- तिजारा, डीग, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, सवाईमाधोपुर, टोंक, बारां, जयपुर (ग्रामीण), नागौर, कोटा आदि है। इस फसल की पैदावार में सर्वाधिक बढ़ोतरी हुई है।*

❒ राजस्थान में राई-सरसों के सबसे बड़े उत्पादक हैं- [LDC -19.8.2018] [JEN Degree (TSP) - 16.10.2016] [CET : 07.01.2023 (S-II)] [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020] [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

(1) कोटा, जयपुर, धौलपुर (2) अजमेर, पाली, दौसा
(3) टोंक, बूँदी, जालौर (4) अलवर, भरतपुर, श्रीगंगानगर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ इनमें से किस जिले में चावल का उत्पादन होता है? [RPSC LDC. Exam, 2012]

(1) भीलवाड़ा (2) टोंक (3) बूँदी (4) धौलपुर

Ans. (3)

***व्याख्या**-राजस्थान में प्रमुख चावल उत्पादित जिले बूँदी, हनुमानगढ़, कोटा, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, सलूम्बर, बारां है।*

❒ राजस्थान के अधिकतम सोयाबीन उत्पादक जिले हैं? [III Grade (SST) -26.02.2023] [Head Master -11.10.2021][LDC., 2012] [JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]

(1) जयपुर, अजमेर, नागौर (2) कोटा, बूँदी, बारां
(3) जोधपुर, पाली, सिरोही (4) अलवर, भरतपुर, दौसा

Ans. (2)

***व्याख्या** - यह फसल मुख्यतः हाड़ौती क्षेत्र यथा - झालावाड़, बारां, प्रतापगढ़, कोटा, बूँदी आदि जिलों में बोयी जाती है। सोयाबीन के उत्पादन व क्षेत्रफल दोनों ही दृष्टि से देश में मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के बाद राजस्थान का तीसरा स्थान है।*

❒ राजस्थान में सोयाबीन उत्पादक प्रमुख क्षेत्र है - [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) अर्द्धशुष्क (2) हाड़ौती पठार
(3) माही बेसिन (4) पूर्वी मैदान

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में सन्तरा उत्पादन के लिये छोटा नागपुर के नाम से जाने वाला जिला कौन-सा है? [PSI - 15.09.2021] [जेल प्रहरी- 2017] [PTI (Gr.-III)-25.9.2022][Police Constable- 2013] [पटवार- 2011]

(1) कोटा (2) झालावाड (3) चित्तौड़गढ़ (4) उदयपुर

Ans. (2)

***व्याख्या** - सन्तरा उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान में झालावाड़ का प्रथम स्थान है।*

❐ **राजस्थान का कौनसी खाद्यान्न फसल के उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान है?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008] [II Grade (Social Study) 2011][R.A.S. Pre 2003]

(1) मक्का (2) जौ (3) ज्वार (4) बाजरा

Ans. (4)

व्याख्या *- राजस्थान बाजरे का देश में* ***सबसे बड़ा उत्पादक*** *(1/5 कृषित क्षेत्रफल) है। राजस्थान का सर्वाधिक बाजरा उत्पादक जिला अलवर है।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा राज्य बाजरा के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है-**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I), 08.11.2020 (II)]

(1) मध्यप्रदेश (2) आंध्रप्रदेश (3) गुजरात (4) राजस्थान

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2015-16 में राजस्थान का सर्वाधिक बाजरा उत्पादक जिला कौनसा था?** [LDC Exam - 16.09.2018]/ [पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018]

(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) अलवर (4) नागौर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **हाल ही की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान भारत में बाजरा फसल के उत्पादन में किस स्थान पर है?**

[Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) पहला (2) दूसरा (3) तीसरा (4) सातवाँ

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किस शहर में कृषि विश्वविद्यालय है?** [R.A.S-2003] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]

(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) टोंक

Ans. (3)

व्याख्या-स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में स्थित है।

❐ **'बजेड़ा' किसे कहते हैं?** [Police Constable- 2013]

(1) धान की फसल (2) एक विशिष्ट प्रकार का गोटा

(3) पान का खेत (4) विवाह की एक रस्म

Ans. (3)

व्याख्या - करौली-गंगापुरसिटी-सवाईमाधोपुर क्षेत्र में पान की खेती में घास-फूस के छपरे बनाए जाते हैं, जिन्हें 'बजेड़ा/भजेड़ा' कहते हैं।

❐ **किस फसल की खेती हेतु 15 से 24 डिग्री से. तापमान एवं 100 से 200 सेमी. वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है?** [RPSC A/c-1992]

(1) कपास (2) गन्ना (3) चना (4) बाजरा

Ans. (2)

व्याख्या - गन्ना के लिए 100 से 200 सेमी. वर्षा तथा 15 डिग्री से 25 डिग्री से. तापमान की आवश्यकता होती है। कच्छारी, दोमट तथा लावा मिट्टी पर पैदा होने वाली इस फसल में हरी खाद, गोबर व कम्पोस्ट खाद का प्रयोग किया जाता है।

❐ **राजस्थान का कौनसा जिला अधिकतम मात्रा में 'ईसबगोल' पैदा करता है?** [RAS Pre. Exam-2009]

(1) झालावाड़ (2) जालोर (3) सिरोही (4) बूँदी

Ans. (2)

व्याख्या- राजस्थान के पश्चिमी भाग जालोर, बाड़मेर, नागौर, पाली, जोधपुर, सांचौर, फलौदी, बालोतरा, डीडवाना-कुचामन आदि जिलों में इसकी खेती की जाती है। स्थानीय भाषा में ईसबगोल को 'घोड़ा जीरा' कहा जाता है।

❐ **राजस्थान के ईसबगोल उत्पादक जिले हैं?**

[I Grade Teacher (GK) -11.10.2022]

(1) उदयपुर, राजसमन्द और चित्तौड़गढ़

(2) जालोर, सिरोही और झालावाड़

(3) कोटा, बूंदी और झालावाड़

(4) सवाई माधोपुर, टोंक और करौली

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **ज्वार उत्पादक जिले हैं-**[स्कूल व्याख्याता -20.10.2022]

(1) गंगानगर-हनुमानगढ़ (2) अजमेर-नागौर

(3) डूँगरपुर-बाँसवाड़ा (4) बाड़मेर-जैसलमेर

Ans. (2)

व्याख्या - ज्वार *- शुष्क कटिबंधीय प्रदेश की इस उपज को* ***सोरगम तथा गरीब की रोटी*** *भी कहा जाता है। इस फसल के लिए कम से कम 50 सेमी. वर्षा तथा 21 डिग्री से 27 डिग्री से. तापमान की आवश्यकता होती है। राज्य की अधिकांशतः ज्वार मध्य एवं पूर्वी भागों यथा - अजमेर, पाली, चित्तौड़गढ़, नागौर, बूँदी, कोटा, सवाईमाधोपुर, बारां, करौली, झालावाड़, टोंक, अलवर, ब्यावर, केकड़ी, गंगापुरसिटी, डीडवाना-कुचामन एवं खैरथल-तिजारा आदि जिलों में होती है।*

❐ **राजस्थान के जिस स्थान पर सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र का लोकार्पण हुआ है, वह है-**

[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) चित्तौड़गढ़ (2) राजसमंद (3) बाँसवाड़ा (4) डूँगरपुर

Ans. (1)

व्याख्या - चित्तौड़गढ़ में 'बालानगर किस्म' के सीताफल तैयार करने हेतु सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र खोलने की घोषणा की गई है।

❒ **राजस्थान में कृषि भूमि के स्वामित्व सम्बन्धी जानकारी हेतु कौनसी ऐप विकसित की गई है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) किसान ऐप (2) भूमि ऐप (3) पटवारी ऐप (4) धरा ऐप

Ans. (4)

व्याख्या-राजस्थान में धरा ऐप जमाबन्दी एवं गिरदावरी की सत्यापित व सामान्य नकल प्राप्त करने हेतु विकसित की गई है।

❒ **'बीकानेरी नरमा एवं मालवी'....की किस्में हैं-** [JEN (यांत्रिकी)-13.12.2020][Lab Assistent (Sci.) -28.6.2022] [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

(1) गेहूँ (2) कपास (3) मक्का (4) मूंगफली

Ans. (2)

व्याख्या - कपास की उन्नत किस्मों में बीकानेरी नरमा, गंगानगर अगेती, मालवी, वराह लक्ष्मी, वीरनार प्रमुख हैं।

❒ **राजस्थान के किस जिले में सर्वाधिक गेहूँ पैदा होता है ?** [R.A.S-2003][PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022]

(1) उदयपुर (2) जैसलमेर (3) गंगानगर (4) जोधपुर

Ans. (3)

व्याख्या - यह शीतोष्ण जलवायु का पौधा है। गेहूँ मुख्य रूप से राजस्थान के हनुमानगढ़ (वर्तमान में प्रथम), गंगानगर, अलवर, जयपुर ग्रामीण, कोटा, अनूपगढ़, खैरथल-तिजारा आदि जिलों में उगाया जाता है। राजस्थान में गेहूँ की प्रमुख किस्में मैक्सिकन सोना, कल्याण सोना, शरबती सोना, 'ट्रीटीकम वलगेपर' तथा कोहीनूर है।

❒ **निम्न में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]

(1) मेंहदी-सोजत (2) लहसुन - बारां
(3) ईसबगोल-जालोर (4) किन्नू-बूँदी

Ans. (4)

व्याख्या : किन्नू, माल्टा, मौसमी का उत्पादन गंगानगर, अनूपगढ़ जिलों में होता है।

❒ **राजस्थान के किन जिलों में 'किन्नू' का अधिकतम उत्पादन होता है?** [कृषि पर्यवेक्षक- 3.3.2019]

(1) जयपुर व अजमेर (2) गंगानगर व हनुमानगढ़
(3) दौसा व सवाई माधोपुर (4) डूँगरपुर व बांसवाड़ा

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का अन्न भण्डार/खाद्य की टोकरी कहलाने वाला जिला है?** [RPSC LDC Exam-1999] [S.I. Exam, 1998] [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

(1) जयपुर (2) कोटा (3) भरतपुर (4) गंगानगर

Ans. (4)

❒ **होहोबा क्या है?** [Police Constable Exam-2007(II)]

(1) पौधा (2) रोग (3) कपास की किस्म (4) यूरोपीय व्यंजन

Ans. (1)

व्याख्या - जोजोबा/होहोबा - इसका वैज्ञानिक नाम Simmondesia Chinensis है। 'पीले सोने/डेजर्ट गोल्ड' के नाम से प्रसिद्ध इस इजरायली झाड़ी की खेती इजराइल की सहायता से एजोर्प (Association of the Rajasthan Zozoba Plantation & Research Project) द्वारा राजस्थान के शुष्क प्रदेशों में की जा रही है।

❒ **इजराइल की सहायता से राजस्थान के शुष्क प्रदेशों में जिस फसल को बोया गया, वह है?** [RAS-1995]

(1) सूर्यमुखी (2) सोयाबीन (3) बाजरा (4) होहोबा

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस खुशबूदार उपज के लिए नागौर प्रसिद्ध है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]

(1) जीरा (2) मैथी (3) लहसुन (4) धनिया

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान में नागौर, डीडवाना-कुचामन की मैथी व पोदीना, बूँदी का बासमती चावल विशेष प्रसिद्ध है।

❒ **राजस्थान का वह जिला जो अब ईसबगोल, जीरा व टमाटर की उपज के लिए प्रसिद्ध है?** [R.A.S. Pre Exam, 1998]

(1) गंगानगर (2) बूँदी (3) जालौर (4) कोटा

Ans. (3)

व्याख्या-राजस्थान के जालौर, सांचौर व सिरोही जिले ईसबगोल, जीरा व टमाटर की खेती के लिए जाने जाते हैं।

❒ **बायो डीजल के लिए किस पौधे की खेती की जा रही है?** [Police Constable-2007(III)][LDC - 11.01.2014]

(1) जट्रोफा (रतनजोत) (2) सोनामुखी
(3) ग्वारपाठा (4) सफेद मूसली

Ans. (1)

व्याख्या - रतनजोत : सॉफ्टवेयर क्षेत्र की नामी कंपनी आई के एफ टैक्नोलॉजी ने उदयपुर में कालरावास में रतनजोत से बायोडीजल रिफाइनरी प्लांट स्थापित किया है। यह राज्य का पहला कॉमर्शियल बायोडीजल प्लांट है। इसके साथ झामरकोटड़ा में राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लि. ने रतनजोत के बीजों से बायोडीजल प्लांट लगाया है। ज्ञातव्य है कि रतनजोत का पौधा राजस्थान के कई जिलों (राजसमंद, डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सलूम्बर आदि) में पाया जाता है।

❒ **खरीफ उत्पादन में प्रमुख स्थान किस फसल का है?**
[ग्राम सेवक परीक्षा, 2008]
(1) चावल (2) गेहूँ (3) मोठ (4) बाजरा
Ans. (1)

व्याख्या - चावल की खेती पौधरोपण विधि तथा दाने बिखेर कर दोनों प्रकार से की जाती है। राजस्थान में प्रमुख चावल उत्पादित जिले हनुमानगढ़, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, कोटा, बूँदी, बारां तथा सलूम्बर है।

❒ **राज्य में प्रमुख चावल उत्पादक जिले हैं**
[Motor Veh. SI, 2002]
(1) श्रीगंगानगर, जयपुर, अजमेर
(2) कोटा, बारां, बूँदी, बाँसवाड़ा
(3) हनुमानगढ़, नागौर, जोधपुर
(4) गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'बासमती' किस्म है-** [Police Constable Ex- 2001]
(1)गेहूँ की (2)चावल की(3) सरसों-चावल(4)गेहूँ-चावल
Ans. (2)

व्याख्या - चावल की प्रमुख किस्में चम्बल, रतना, परमल, बासमती, माही-सुगन्ध, जया है।

❒ **'चम्बल' और 'माही सुगंधा' किस फसल की उन्नत किस्में हैं?** [VDO Mains -09.07.2022]
[वनपाल-06.11.2022(S-II)][Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) चना (2) सरसों (3) चावल (4) गन्ना
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में कपास का सर्वाधिक उत्पादन होता है**-[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]
[Police Constable Exam- 2013]
(1) अजमेर (2) कोटा (3) गंगापुर (4) श्रीगंगानगर
Ans. (4)

व्याख्या - कपास का सर्वाधिक मात्रा में उत्पादन क्रमशः हनुमानगढ़ (30%), गंगानगर, अनूपगढ़, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी जिले में होता है।

❒ **राजस्थान में दो प्रमुख कपास उत्पादक जिले हैं-**
[Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]
(1) अलवर एवं भरतपुर (2) कोटा एवं बारां
(3) जयपुर एवं दौसा (4) गंगानगर एवं हनुमानगढ़
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा जिला राज्य के कुल उत्पादन का 30% कपास का उत्पादन करता है?**
[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) हनुमानगढ़ (2) बूँदी (3) टोंक (4) पाली
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में अमेरिकन कपास का उत्पादन किस जिले में होता है?** [RPSC III Grade Tea Ex-2004]
[Stenographer Exam : 30.05. 2013]
(1) गंगानगर (2) हनुमानगढ़ (3) जोधपुर (4) बीकानेर
Ans. (1)

*व्याख्या-राजस्थान में तीन प्रकार की कपास बोयी जाती है-**देशी कपास** (उदयपुर, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ तथा बाँसवाड़ा), **अमरीकी कपास** -बीकानेरी नरमा, गंगानगर अगेती (**गंगानगर**, हनुमानगढ़, बाँसवाड़ा, अनूपगढ़), **मालवी कपास** (कोटा, बूँदी, टोंक, बाँसवाड़ा, झालावाड़) आदि।*

❒ **राजस्थान में अमेरिकन कपास का उत्पादन किन जिलों में होता है?** [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
[JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]
(1) कोटा, बूँदी, बाराँ
(2) झालावाड़, अजमेर, सिरोही
(3) राजसमन्द, उदयपुर, चित्तौड़गढ़
(4) हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बाँसवाड़ा
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गंगानगर-अगेती....की फसल है?**[वनपाल-6.11.2022(I)]
(1) गेहूँ (2) कपास (3) किन्नु (4) चावल
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी फसल 'सफेद सोना' के नाम से जानी जाती है।** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]
(1) सोयाबीन (2) तम्बाकू (3) कपास (4) गेहूँ
Ans. (3)

❐ राजस्थान में मिश्रित लाल और काली मिट्टी में सामान्यतः कौन-सी फसलें उगाई जाती हैं- [JEN Diploma (TSP) - 16.10.2016][पटवार - 2011]
(1) चावल, गन्ना (2) मूँगफरी, सरसों
(3) कपास, मक्का (4) गेहूँ, चना
Ans. (3)

व्याख्या - कपास फसल हेतु 50 से 100 सेमी. वर्षा तथा 20 डिग्री से 40 डिग्री से. तापमान एवं इस फसल के लिए काली तथा आर्द्रतापूर्ण मिट्टी उपयुक्त रहती है।

❐ 20^0 से 30^0 C तापमान व 90 दिन पाला रहित कौनसी फसल की अच्छी गुणवत्ता के उत्पादन के लिए आवश्यक है? [III Grade (Urdu) -28.02.2023]
(1) गेहूँ (2) सरसों (3) चना (4) कपास
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ कपास की कृषि के लिए 'काली मिट्टी' आदर्श मानी जाती है: [RPSC LDC - 11.01.2014]
(1) ये अधिक आर्द्रता ग्राही होती है।
(2) ये काले रंग की होती है।
(3) ये लावा से बनी होती है।
(4) ये पठारी भागों में पायी जाती है।
Ans. (1)

व्याख्या - कपास की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। काली मिट्टी आर्द्रताग्राही होने के कारण आदर्श मानी जाती है।

❐ राजस्थान की प्रमुख नकदी फसल है?[ग्रामसेवक, 2008]
(1) गैहूँ (2) बाजरा (3) कपास (4) चावल
Ans. (3)

व्याख्या - नकदी फसल कपास को ग्रामीण भाषा में 'बणीयां' कहा जाता है।

❐ राज्य में प्रमुख चना उत्पादक जिले हैं? [Jr. A/c-1994]
(1)श्रीगंगानगर,जयपुर,अजमेर(2)बीकानेर, हनुमानगढ़, चूरू
(3) हनुमानगढ़,नागौर,जोधपुर(4)गंगानगर,हनुमानगढ़, नागौर
Ans. (2)

व्याख्या-इसका उत्पादन हनुमानगढ व चूरू (सर्वाधिक), बीकानेर, जैसलमेर, गंगानगर, अलवर, कोटा, जयपुर ग्रामीण, सवाईमाधोपुर, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, खैरथल- तिजारा आदि जिलों में होता है। राजस्थान का चना उत्पादन में तीसरा स्थान पर है।

❐ राजस्थान का कौनसा जिला चने का सबसे बड़ा उत्पादक है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)] [PTI (Grade-III)-25.9.2022]
(1) हनुमानगढ़ (2) जयपुर (3) उदयपुर (4) झालावाड़
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ चना उत्पादन में राजस्थान का भारत में स्थान है- [Stenographer Exam : 30.05. 2013]
(1) प्रथम (2) द्वितीय (3) तृतीय (4) चतुर्थ
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सर्वाधिक तेल किसके बीजों में पाया जाता है? [II Grade (Social Study) Exam. 2011]
(1) मूँगफली (2) सरसों (3) सोयाबीन (4) अरण्डी
Ans. (4)

व्याख्या - अरण्डी का तेल जलाने, साबुन व दवाईयाँ बनाने के काम में आता है।

❐ राजस्थान में दमश्क गुलाब (चैती गुलाब) की खेती निम्न में से कहाँ होती है? [P. Cont.-2006-07]
(1) पुष्कर (2) खमनौर (3) ब्यावर (4) देवगढ़
Ans. (2)

व्याख्या - चैती गुलाब की खेती राजस्थान में खमनौर (राजसमंद) व नाथद्वारा में की जाती है। हाल ही में पुष्कर में फूल मंडी विकसित की जा रही है।

❐ औषधीय महत्त्व की सोनामुखी पत्तियों का निर्यात किस जिले से होता है? [Police Constable-2006-07]
(1) उदयपुर (2) जोधपुर (3) हनुमानगढ़ (4) अजमेर
Ans. (2)

व्याख्या - सोनामुखी की पत्तियों का सर्वाधिक उत्पादन जोधपुर में होता है।

❐ राजस्थान में भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए कौनसी फसल उगाई जाती है? [R.A.S. Pre (cancelled) 1999]
(1) गेहूँ (2) चावल (3) उड़द (4) गन्ना
Ans. (3)

व्याख्या - भूमि की उर्वरता को बढ़ाने के लिए उड़द की फसल उगाई जाती है।

❐ ......जिले में तम्बाकू की खेती प्रमुख रूप से की जाती है? [III Grade (Urdu) -28.02.2023]
(1) अलवर (2) धौलपुर (3) पाली (4) सिरोही
Ans. (1)

❒ **राजस्थान में अफीम का उत्पादन में से किन जिलों में होता है?**[II Grade-2010][Librarian Gr-III - 13.11.2016]
[II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]
(1) सिरोही, जालौर, बाड़मेर (2) सिरोही, भीलवाड़ा, उदयपुर
(3) झालावाड़,कोटा, चित्तौड़गढ़ (4)अलवर, भरतपुर, कोटा
Ans. (3)

व्याख्या *- राजस्थान के कोटा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ आदि जिलों में अफीम की खेती की जाती है। यह एक मादक पदार्थ है जिसका उत्पादन अफीम के पौधे के फल से निकलने वाले दूध से होता है।*

❒ **राजस्थान में निम्नलिखित में से किस जिले में अफीम का सर्वाधिक उत्पादन होता है-**
[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]
(1) गंगानगर (2) हनुमानगढ़ (3) चित्तौड़गढ़ (4) चूरू
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में मक्का की खेती के प्रमुख जिले हैं -**
[CET : 08.01.2023 (S-I)]
[कृषि पर्यवेक्षक- 18.9.2021] [पटवार- 2011]
(1) उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़
(2) अलवर, भरतपुर, दौसा
(3) बारां, कोटा, बूँदी (4) झुंझुनूँ, अजमेर, टोंक
Ans. (1)

व्याख्या *- मक्का राजस्थान के <u>दक्षिण-दक्षिणी पूर्वी क्षेत्रों</u> में राजसमंद, उदयपुर, भीलवाड़ा, बाँसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर तथा शाहपुरा आदि जिलों में उत्पादित होती है। मक्का की प्रमुख किस्में <u>माही कंचन</u> (कृषि अनुसंधान केन्द्र बाँसवाड़ा द्वारा विकसित), नवजोत, माही धवल, विजय आदि है।*

❒ **राजस्थान में माही कंचन, माही धवल और मेघा किस्में हैं-** [CET -4.2.2023 (S- II)] [स्कूल व्याख्याता परीक्षा-2014]
[JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]
(1) मक्का (2) चना (3) गेहूँ (4) चावल
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कृषि अनुसंधान केन्द्र, बाँसवाड़ा विकसित संकर किस्म माही कंचन किस फसल से संबंधित है-**
[JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
(1) मक्का (2) ज्वार (3) गेहूँ (4) चावल
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौन-सा असत्य है?**[बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]
(1) यांत्रिक कृषि गंगानगर जिले में प्रचलित है।
(2) आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदान सोयाबीन की खेती के लिए उपयुक्त हैं।
(3) माही -कंचन राजस्थान में चावल की उच्च उत्पादकता देने वाली किस्म है।
(4) सूरतगढ़ कृषि फार्म की स्थापना रूस की सहायता से की गई है।
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मक्का राजस्थान के मुख्यत: कौन से भाग से उत्पादित किया जाता है-** [CET : 07.01.2023 (S-1)]
[Assistant Professor-22.9.2021]
(1) उत्तरी क्षेत्र (2) उत्तरी - पश्चिमी क्षेत्र
(3) दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र (4) दक्षिण-दक्षिण पूर्वी क्षेत्र
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस क्षेत्र में सर्वाधिक मक्का उत्पादन होता है?** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
(1) मेवाड़ (2) मारवाड़ (3) गोडवार (4) ढूंढाड़
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस संभाग में सर्वाधिक मक्का का उत्पादन होता है?** [III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) कोटा (2) बीकानेर (3) जोधपुर (4) उदयपुर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बाँसवाड़ा तथा कोटा के अतिरिक्त किस अन्य शहर में टसर विकास कार्यक्रम चल रहा है ?**
[R.A.S. Pre Exam, 2003]
(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) जोधपुर (4) अजमेर
Ans. (2)

व्याख्या - टसर योजना : *कृत्रिम रेशम पालन की यह योजना <u>उदयपुर, कोटा व बाँसवाड़ा</u> जिलों में लागू की गई है। इस योजना में अर्जुन पौधे को चार-पाँच वर्ष में विकसित कर उस पर कीट पाले जाते हैं।*

❒ **'टसर' कृत्रिम रेशम का विकास राजस्थान में निम्न जगह किया जा रहा है-** [Assistant Professor-22.9.2021]
(1) कोटा एवं चित्तौड़गढ़ (2) उदयपुर एवं नाथद्वारा
(3) कोटा, उदयपुर एवं बाँसवाड़ा जिले
(4) चित्तौड़गढ़, उदयपुर एवं बाँसवाड़ा जिले
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान का राजकोट बीकानेर के लूणकरणसर स्थान को कहा जाता है, इसका कारण है- [Police Constable Exam- 1992]
(1) यहाँ सर्वाधिक मूँगफली उत्पादित होती है।
(2) यहाँ सर्वाधिक अरहर होती है।
(3) यहाँ सर्वाधिक सोयाबीन होती है।
(4) यहाँ सर्वाधिक पानी ईंजन बनाये जाते हैं।
Ans. (1)

व्याख्या - लूणकरणसर (बीकानेर) मूँगफली उत्पादन के कारण 'राजस्थान का राजकोट' कहलाता है। गुजरात के बाद राजस्थान का देश में दूसरा स्थान है।

❒ राजस्थान में मूँगफली की प्रमुख मंडी कहाँ स्थित है? [Assistant Professor-22.9.2021] [III Grade (SST) -26.02.2023]
(1) बीकानेर (2) भीलवाड़ा (3) उदयपुर (4) अलर्वर
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ मूँगफली के उत्पादन में राजस्थान का भारत में कौनसा स्थान है? [CET : 07.01.2023 (S-1)] [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]
(1) चतुर्थ (2) प्रथम (3) तृतीय (4) द्वितीय
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसी तिलहनी फसल दालों के समान मृदा में नाइट्रोजन स्तर को बढ़ाती है? [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) मूँगफली (2) सरसों (3) तिल (4) अरण्डी
Ans. (1)

❒ राज्य में सर्वाधिक मसाले किस जिले में उत्पादित होते हैं? [पटवार परीक्षा - 2011]
(1) गंगानगर (2) बाराँ
(3) डूँगरपुर (4) बाँसवाड़ा
Ans. (2)

व्याख्या - सम्प्रति कुल सर्वाधिक मसाले क्रमशः झालावाड़, कोटा, बाराँ में उत्पादित होते है।

❒ राजस्थान में मसालों के समग्र उत्पादन में कौन-से जिले अग्रणी है- [JEN (Mech.) Diploma 2016]
(1) कोटा, झालावाड़ (2) बाड़मेर, नागौर
(3) उदयपुर, सवाई माधोपुर (4) जयपुर, जोधपुर
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सुमेलित कीजिए-[II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.2.2019]

फसल	उच्च उपज किस्म
(A) गेहूँ	(1) माही कंचन
(B) जौ	(2) आरएचबी-30
(C) बाजरा	(3) आरडी-2035
(D) मक्का	(4) राज.-3077

कूट :	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	3	4	1	2
(3)	1	2	4	3	(4)	2	1	3	4

Ans. (1)

व्याख्या - • गेहूँ : सोना कल्याण, सोनालिका, मैक्सिकन, कोहीनूर, लाल बहादुर, मंगला, गंगासुनहरी, राज. 3077 • जौ : ज्योति, राजकिरण, आरडी-2035
• मक्का : माही कंचन, माही धवल, मोती कम्पोजिट।
• बाजरा - आरएचबी-30, आरएजे.-171, पूसा कम्पोजिट 383

❒ निम्नलिखित में से राजस्थान में उगाई जाने वाली धान की किस्म नहीं है-[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) रतना (2) बाला (3) ज्योति (4) गोविन्द
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न जिलों में से कौन-सा एक राजस्थान में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक है? [प्रयोगशाला सहायक-3.2.2019]
(1) जोधपुर (2) गंगानगर (3) बूँदी (4) सिरोही
Ans. (2)

व्याख्या - गन्ना के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता की दृष्टि से अग्रणी जिले - गंगानगर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, अनूपगढ़

❒ शस्य-किस्में सुमेलित करें- [Head Master- 02.09.2018]

(a) मक्का	(1) दोहद येला
(b) चावल	(2) माही धवल
(c) सरसों	(3) वरदान
(d) चना	(4) डागर

कूट	a	b	c	d	कूट	a	b	c	d
(1)	1	3	2	4	(2)	2	4	3	1
(3)	3	2	4	1	(4)	4	1	2	3

Ans. (2)

व्याख्या - • चावल : माही सुगन्धा, बासमती, कावेरी, चम्बल, परमल।
• राई व सरसों : पूसा कल्याणी, वरुणा, दुर्गामणि।
• चना : पूसा 2085 (काबूली), दोहद येलो

❒ 'दोहद येलो' किस फसल की उन्नत किस्म है?

[CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) गन्ना (2) चना (3) गेहूँ (4) मूँगफली

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दुर्गापुर केसर एक प्रसिद्ध किस्म है-**

[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) धनिये की (2) जीरे की

(3) तरबूज की (4) खजूर की

Ans. (3)

व्याख्या* - *दुर्गापुर केसर : इस किस्म का विकास उदयपुर विश्वविद्यालय के सब्जी अनुसंधान केन्द्र दुर्गापुरा जयपुर, राजस्थान द्वारा किया गया है। तरबूज की अन्य किस्में : शुगर बेबी, आशायी यामातो, न्यू हेम्पशायर मिडगट, पूसा बेदाना, अर्का ज्योति, अर्का मानिक, डब्लु - 011

❒ **राजस्थान में कितने कृषि विज्ञान केन्द्र हैं?**

[III Grade (English) -27.02.2023]

(1) 28 (2) 34 (3) 42 (4) 45

Ans. (4)

व्याख्या–*भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार राजस्थान में कृषि विज्ञान केन्द्र 47 है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा एक राजस्थान का अलसी उत्पादक प्रदेश है ?** [II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) माही बेसन (2) हाड़ौती प्रदेश

(3) शेखावाटी प्रदेश (4) घग्घर का मैदान

Ans. (2)

❒ **राजस्थान में अलसी उत्पादक प्रमुख जिले हैं-**

[II Grade - 30.07.2023 (S- II)]

(1) अजमेर, पाली, नागौर और सीकर

(2) चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, डूँगरपुर और बाँसवाड़ा

(3) भीलवाड़ा, टोंक, सवाई माधोपुर और करौली

(4) बारां, कोटा, बूँदी और झालावाड़

Ans. (4)

❒ **सुमेलित कीजिए -** [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(फसल)	**(प्रमुख उत्पादक)**
(A) गेहूँ	**(1) अलवर**
(B) बाजरा	**(2) भीलवाड़ा**
(C) चावल	**(3) गंगानगर**
(D) मक्का	**(4) बूँदी**

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	2	4	(2)	3	1	4	2
(3)	1	3	4	2	(4)	3	4	1	2

Ans. (2)

❒ **भारत की प्रथम जैतून रिफायनरी स्थित है?**

[CET : 07.01.2023 (S-1)][कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.2022]

(1) लूणकरणसर (2) सरदारशहर (3) मण्डोर (4) देशनोक

Ans. (1)

व्याख्या - *देश की प्रथम जैतून तेल रिफानरी राजस्थान में 3 अक्टूबर, 2014 को बीकानेर के लूणकरणसर में स्थापित की गई। इस रिफाइनरी से उत्पादित जैतून का तेल 'राज जैतून तेल' ब्राण्ड नाम से चिह्नित किया गया।*

❒ **निम्न में से किसे राजस्थान का पहला जैविक कृषि जिला घोषित किया गया है?** [PTI - 30.09.2018]

(1) बाँसवाड़ा (2) पाली (3) डूँगरपुर (4) उदयपुर

Ans. (3)

व्याख्या –*कृषि विभाग ने जैविक उर्वरकों के इस्तेमाल को बढ़ावा देते हुए **डूँगरपुर को पूर्ण जैविक खेती वाला जिला बनाने का लक्ष्य** तय किया है। ज्ञातव्य है कि प्रथम जैविक गाँव जयपुर के निकट दादिया है।*

❒ **राजस्थान जमींदारी और बिस्वेदारी उन्मूलन अधिनियम किस वर्ष में पारित किया गया -**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) 1951 (2) 1955 (3) 1953 (4) 1959

Ans. (4)

व्याख्या - *राजस्थान जमींदारी तथा बिस्वेदारी उन्मूलन अधिनियम, 1959 को 1 नवम्बर, 1959 से प्रवृत्त किया गया। इस अधिनियम की धारा 55 के अनुसार जिस काश्तकार द्वारा सरकारी जमीन में किसी अधिकार के अनुसरण में खेती की जाती थी, उसे खातेदारी अधिकार प्रदान किये गये।*

❒ **सरकार ने राजस्थान जागीर उन्मूलन अधिनियम किस वर्ष पारित किया था-**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) 1952 में (2) 1925 में (3) 1962 में (4) 1972 में

Ans. (1)

व्याख्या - *राजस्थान जागीर उन्मूलन अधिनियम 1952 की राष्ट्रपति से अनुमति 13 फरवरी, 1953 को प्राप्त हुई। यह अधिनियम जागीर भूमियों के पुनर्ग्रहन तथा भूमि सुधारों के अन्य उपायों के लिए उपबन्ध करने हेतु बनाया गया।*

❒ राजस्थान काश्तकारी अधिनियम किस वर्ष लागू हुआ था? [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
(1) 1959 (2) 1952 (3) 1949 (4) 1955
Ans. (4)

व्याख्या – राजस्थान काश्तकारी अधिनियम दिनांक 15 अक्टूबर 1955 से लागू हुआ । इसका विस्तार संपूर्ण राजस्थान राज्य में है। आबू, अजमेर और सुनेल क्षेत्र के लिए यह 15 जून 1958 से लागू हुआ।

❒ **राजस्थान राज्य बीज निगम लिमिटेड (RSSCL) की स्थापना राष्ट्रीय बीज परियोजना के तहत में की गई थी-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]
(1) 1978 (2) 1987 (3) 2019 (4) 2001
Ans. (1)

व्याख्या –राजस्थान राज्य बीज निगम लिमिटेड (RSSCL) की स्थापना 1978 में अधिसूचित किस्मों के बीजों का उत्पादन, भण्डारण एवं संरक्षण हेतु की गई।

❒ **वर्ष 2019-20 में, राजस्थान की कितनी ग्राम पंचायतों में 'शून्य बजट प्राकृतिक कृषि योजना' शुरू करना प्रस्तावित है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) 30 (2) 36 (3) 40 (4) 45
Ans. (2)

व्याख्या – जीरो बजट प्राकृतिक कृषि में मूल रूप से पारंपरिक तरीके, कम सिंचाई एवं प्राकृतिक खाद का प्रयोग किया जाता है तथा केमिकल्स खरीदने हेतु बजट की जरूरत नहीं पड़ती। राजस्थान में इस योजना का प्रारम्भ बाँसवाड़ा, टोंक एवं सिरोही जिलों की 36 ग्राम पंचायतों के 20 हजार किसानों को शामिल करते हुए किया जाएगा। इसके चार स्तम्भ है –जीवामृत, बीजामृत, आच्छादन, वाष्प।

❒ **2019-20 के बजट घोषणा की पालना में निम्न में से किन जिलों में शून्य बजट प्राकृतिक फार्मिंग की एक पायलट योजना प्रारंभ की जा रही है?** [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
(1) टोंक, भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़
(2) टोंक, बाँसवाड़ा तथा सिरोही
(3) टोंक, सवाई माधोपुर तथा धौलपुर
(4) टोंक, सवाई माधोपुर तथा कोटा
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा 'शून्य बजट प्राकृतिक खेती' के चार स्तम्भों में नहीं है?** [वनपाल-06.11.2022(S-I)]
(1) जीवामृत (2) बीजामृत (3) आच्छादन (4) शुरूआत
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का शुभारंभ....को हुआ था-**[अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020][LDC- 16.9.2018]
(1) 1 जुलाई, 2015 (2) 1 जुलाई, 2013
(3) 1 जून, 2012 (4) 1 मई, 2011
Ans. (1)

*व्याख्या–प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पी.एम.के. एस.वाई.) – प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत वर्तमान में संचालित योजनाओं का समावेश किया गया है जैसे- त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (ए.आई.बी.पी.), समन्वित जलग्रहण प्रबन्ध कार्यक्रम (आई.डबल्यू.एम.पी.) तथा ऑन फॉर्म जल प्रबन्ध (ओ.एफ. डब्ल्यू.एम.) आदि। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पूरे राज्य में 1 जुलाई 2015 से क्रियान्वित की जा रही है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का **वित्त पोषण पैटर्न केन्द्रीयांश एवं राज्यांश के बीच अनुपात क्रमशः 60:40** हैं।*

❒ **राजस्थान में, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पी. एम.के.एस.वाई.) का केन्द्र एवं राज्य के बीच वित्त पोषण अनुपात है-** [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020] [PSI - 14.09.2021][Superintendent Garden - 28.07.2021] [VDO-27.12.2021 (S-I)][JEN (Elect.) Dip.- 18.05.2022]
(1) 60:40 (2) 75:25 (3) 50:50 (4) 70:30
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **समन्वित जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम का नाम परिवर्तित करके...कर दिया गया है-**[LDC -12.8.2018]
(1) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
(2) राज्य कृषि सिंचाई योजना
(3) राजस्थान कृषि सिंचाई योजना
(4) मुख्यमंत्री कृषि सिंचाई योजना
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **नेशनल बाँस मिशन के अंतर्गत कौनसा जिला शामिल नहीं हैं?** [RAS Exam - 2015]
(1) करौली (2) भीलवाड़ा (3) जालौर (4) बाँसवाड़ा
Ans. (3)

व्याख्या : राष्ट्रीय कृषि-वानिकी एवं बम्बू मिशन (एन.ए.बी.एम.) – इस मिशन के अन्तर्गत बाँस की खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य के करौली, सवाई माधोपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, सिरोही, बाराँ, झालावाड़, भीलवाड़ा, राजसमंद एवं प्रतापगढ़ जिलों को सम्मिलित किया गया है।

❒ **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत राजस्थान को केन्द्रीय सहायता के रूप में भारत सरकार का प्रतिशत योगदान बताइये-** [LDC Exam - 23.10.16]

(1) 60% (2) 75% (3) 80% (4) शत प्रतिशत

Ans. (1)

व्याख्या– *2007-08 में प्रारम्भ राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का वित्त पोषण पैटर्न केन्द्रीयांश एवं राज्यांश के बीच अनुपात क्रमशः 60:40 हैं।*

❒ **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY) वर्ष .... में आरम्भ की गई थी।** [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) 2011 (2) 2001 (3) 2005 (4) 2007

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा उप-मिशन सम्मिलित किया गया है?** [पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा-07.10.2018]

(1) पशुपालन (2) स्वास्थ्य प्रबन्धन

(3) सहकारी खेती (4) मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन

Ans. (4)

व्याख्या – ***राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन (एन.एम.एस.ए.)*** *– भारत सरकार द्वारा पूर्व में संचालित चार योजनाओं– राष्ट्रीय सूक्ष्म सिंचाई मिशन, राष्ट्रीय जैविक खेती परियोजना, राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता प्रबन्ध परियोजना तथा वर्षा आधारित क्षेत्र विकास कार्यक्रम का समावेश कर एक नया कार्यक्रम राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन, वर्ष 2014-15 से क्रियान्वित किया जा रहा है। वर्ष 2015-16 में इसके वित्त पोषण हेतु* ***केन्द्रीयांश एवं राज्यांश का अनुपात 60:40*** *है। राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन के अन्तर्गत तीन सब-मिशन सम्मिलित किए गए हैं –*

- *वर्षा आधारित क्षेत्र विकास (आर.ए.डी.)*
- *जलवायु परिवर्तन तथा टिकाऊ खेती*
- *मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड*

❒ **राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन के अन्तर्गत कौनसा सब-मिशन सम्मिलित नहीं है**[अन्वेषकपरीक्षा - 27.12.2020]

(1) वर्षा आधारित क्षेत्र विकास

(2) जलवायु परिवर्तन तथा टिकाऊ खेती

(3) मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड

(4) आपदा प्रबन्धन

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में गेहूँ एवं दलहन पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन प्रारम्भ किया गया था-**

[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) वर्ष 2006-07 में (2) वर्ष 2007-08 में

(3) वर्ष 2009-10 में (4) वर्ष 2015-16 में

Ans. (2)

व्याख्या – राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन फसल विकास स्कीम केन्द्र प्रवर्तित योजना के रूप में अगस्त, 2007 से लागू किया गया। भारत सरकार ने वर्ष 2015-16 में वित्त पोषण पैटर्न में परिवर्तन कर केन्द्रीयांश एवं राज्यांश का अनुपात 60 : 40 कर दिया है। इसका लक्ष्य सतत आधार पर राज्य में गेहूँ, दहलनों, मोटे अनाज (मक्का एवं जौ) एवं पौष्टिक अनाज (बाजरा एवं ज्वार) फसलों की उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ाना है।

❒ **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के वित्त पोषण में वर्ष 2015-16 से राजस्थान सरकार का हिस्सा है-**

[LDC-19.08.2018] [अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020]

(1) 40% (2) 60% (3) 75% (4) 25%

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कितने जिलों में राष्ट्रीय बागवानी मिशन क्रियान्वित किया जा रहा है-**

[प्रयोगशाला सहायक-3.2.2019][अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020]

(1) 32 (2) 28 (3) 24 (4) 16

Ans. (3)

व्याख्या : ***राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एन.एच.एम.)*** *– राज्य के चयनित 24 जिले क्रमशः जयपुर, अजमेर, अलवर, चित्तौड़गढ़, कोटा, बाराँ, झालावाड़, जोधपुर, पाली, जालौर, बाड़मेर, नागौर, बाँसवाड़ा, टोंक, करौली, सवाई माधोपुर, उदयपुर, डूँगरपुर, भीलवाड़ा, बूँदी, झुंझुनूँ, सिरोही, जैसलमेर एवं गंगानगर में विभिन्न उद्यानिकी फसलों यथा– फल, मसाला एवं फूलों के क्षेत्रफल, उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि की गई है।*

❒ **APMC अधिनियम राजस्थान में किस उद्देश्य से लागू किया गया?** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) निर्यात को सुविधा देने के लिए

(2) आयात को सुविधा देने के लिए

(3) कृषि उत्पादों के विपणन को सुविधा देने के लिए

(4) कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए

Ans. (3)

व्याख्या – राज्य में कृषि उत्पादों के विपणन को सुविधा देने के लिए राजस्थान कृषि उपज विपणन समिति (AMPC) अधिनियम द्वारा निजी ई मार्केट द्वारा राज्य की सभी मण्डियों को संचालित किया जायेगा।

❐ **मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना, राजस्थान में 2018-19 के अन्तर्गत निम्न में लागू की गयी है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) कोटा, भीलवाड़ा एवं उदयपुर जिले
(2) राज्य के दस कृषि जलवायु क्षेत्र
(3) अलवर, भरतपुर एवं गंगानगर जिले
(4) मध्यवर्ती अरावली पर्वतीय प्रदेश

Ans. (2)

व्याख्या *–मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना का प्रमुख उद्देश्य कृषकों द्वारा स्वयं के खेतों में अच्छी किस्म के गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, सोयाबीन, मूंग, मोठ, मूंगफली एवं उड़द की 10 वर्ष तक की पुरानी किस्मों के बीज निर्माण को बढ़ाना है। प्रारम्भ में इसका क्रियान्वयन बीज राज्य के तीन कृषि जलवायुविक खण्डों यथा- कोटा, भीलवाड़ा तथा उदयपुर में किया गया। वर्ष 2018-19 से योजना राज्य के समस्त* ***10 कृषि*** *जलवायुविक खण्डों में क्रियान्वित की जा रही है।*

❐ **राजस्थान में कृषि उपज मण्डी अधिनियम कब पारित किया गया-** [जेल प्रहरी 20-10-2018, Shift -I]

(1) 1962 ई. (2) 1960 ई. (3) 1963 ई. (4) 1961 ई.

Ans. (4)

व्याख्या – राजस्थान कृषि उपज मण्डी अधिनियम 1961 में पारित किया गया तथा इसमें संशोधन विधेयक 2015 में पारित किया गया।

❐ **निम्न में से क्या राजस्थान की हरित क्रांति से संबंधित नहीं है?** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग घटना
(2) सहकारी ऋण सुविधाओं का बढ़ना
(3) सकल कृषि क्षेत्र को बढ़ना
(4) HYV बीजों का उपयोग बढ़ना

Ans. (1)

व्याख्या – 'हरित क्रान्ति' नाम 1958 में एक अमेरिकी विलियम गैड (William Gadd) द्वारा दिया गया था इसका जन्मदाता नार्मन ई. बोरलॉग को माना जाता है। *भारत में कृषि में क्रान्ति की शुरुआत वास्तव में 1960 में नार्मन ई. बोरलॉग द्वारा मेक्सिको में प्रयोग में लायी गयी गेहूँ की उन्नत प्रजाति के बीज के साथ होती है। इन्होंने गेहूँ की प्रसिद्ध प्रजाति* ***लर्मा रोजो (Lerma Rojo 64A)*** *तथा* ***सोनारा 64*** *विकसित किया जिसके कारण ही भारत में हरित क्रान्ति आयी। हरित क्रान्ति की शुरुआत भारत में 1966 में खरीफ फसल से हुयी।*

❐ **राजस्थान में उत्पादन क्षमता के आधार पर भूमि के प्रकार हकत-बहत का अर्थ है-**[पटवार-23.10.2021-II)]

(1) सिंचाई एवं कृषि के लिए उपयुक्त भूमि
(2) गाँव के समीप चक भूमि (संलग्न)
(3) सम्पूर्ण वर्ष खेत को बिना खेती के छोड़ना
(4) नहर द्वारा सिंचाई भूमि

Ans. (1)

❐ **'खसरा' सम्बन्धित है:** [RPSC III Grade -2009]

(1) भूमि का क्षेत्र (2) राजकीय कर
(3) सार्वजनिक भवन (4) धार्मिक कर

Ans. (1)

व्याख्या : किसानों से जुड़ा एक कानूनी दस्तावेज होता है जिसमें किसी गाँव के जमीन के किसी टुकड़े और उस पर उगाई जा रही फसलों का ब्यौरा लिखा होता है। इसका इस्तेमाल खसरा नाम के दस्तावेज के साथ किया जाता है, जिसमें पूरे गाँव का नक्शा एवं सारी जमीन का ब्यौरा होता है।

❐ **'स्वस्थ धरा खेत हरा' नारा है**[VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना (2) कृषि विकास योजना
(3) कृषि सिंचाई योजना (4) कृषि-वानिकी मिशन

Ans. (1)

❐ **बेर की किस्म नहीं है?**[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) गोमा कीर्ति (2) थार सेविका
(3) थार भूभराज (4) गोमा ऐश्वर्य

Ans. (4) ***व्याख्या : गोमा ऐश्वर्य - आँवला की किस्म***

❐ **राजस्थान में 2022 में प्रस्तुत प्रथम कृषि बजट को कितने मिशन में बाँटा गया है?**[II Grade - 24.12.2022]

(1) 11 (2) 9 (3) 7 (4) 13

Ans. (1)

व्याख्या *– राजस्थान का प्रथम कृषि बजट 23 फरवरी, 2022 को तथा द्वितीय कृषि बजट 10 फरवरी, 2023 को प्रस्तुत किया गया। बजट 2023-24 में* ***12वाँ मिशन 'राजस्थान युवा कृषक कौशल एवं क्षमता संवर्द्धन मिशन'*** *प्रारम्भ किया जायेगा।*

❐ **राजस्थान में किसानों हेतु कृषि में आसानी के लिए 'कृषक कल्याण कोष' का गठन... किया गया है-** [VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) 16 अगस्त, 2017 को (2) 16 दिसम्बर, 2019 को
(3) 16 अगस्त, 2018 को (4) 26 जनवरी, 2019 को

Ans. (2)

❒ **2015-16 में राजस्थान में भू-जोतों का औसत आकार था?** [PSI - 15.09.2021][उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018] [कॉलेज व्याख्याता -30.5.2019][Asst. Statistical Offi.-8.7.2022]

(1) 10.07 हैक्टेयर (2) 5.07 हैक्टेयर
(3) 2.73 हैक्टेयर (4) 3.07 हैक्टेयर

Ans. (3)

***व्याख्या** –कृषि गणना 2015-16 के अनुसार राज्य में भूमि जोतों का औसत आकार 2.73 हैक्टेयर रहा जो वर्ष 2010-11 में 3.07 हैक्टेयर था जो भूमि जोतों के औसत आकार में 11.07 प्रतिशत की कमी दर्शाता है।*

❒ **राजस्थान में वर्ष 2015-16 में कुल जोतों का क्षेत्रफल था-** [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

(1) 76.55 लाख हैक्टेयर (2) 208.73 लाख हैक्टेयर
(3) 211.4 लाख हैक्टेयर (4) 68.8 लाख हैक्टेयर

Ans. (2)

***व्याख्या** –राजस्थान में वर्ष 2015-16 में कुल जोतों का क्षेत्रफल 208.73 लाख हैक्टेयर हो गया है अर्थात् जोतों के कुल क्षेत्रफल में 1.24 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है।*

❒ **कृषि गणना 2015-16 के अनुसार, राजस्थान में कुल प्रचालित भूमि जोतों की संख्या (लाख में) थी-** [संगणक परीक्षा-19.12.2021]

(1) 76.55 (2) 65.84 (3) 68.88 (4) 78.81

Ans. (1)

***व्याख्या** –कृषि गणना 2015-16 के अनुसार कुल प्रचालित भूमि जोतों की संख्या 76.55 लाख (11.14% की वृद्धि) तथा कुल महिला प्रचालित भूमि जोतों की संख्या 7.75 लाख (41.94% की वृद्धि) है।*

❒ **राजस्थान राज्य में कृषि गणना, 2015-16 के अनुसार कुल महिला प्रचालित भूमि जोतों की संख्या (लाख में) है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 7.75 (2) 16.55 (3) 18.88 (4) 10.50

Ans. (1)***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य में कृषि गणना 2015-16 के अनुसार कुल पुरुष प्रचालित जोतों की संख्या है-** [VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) 7.75 लाख (2) 196.6 लाख
(3) 68.66 लाख (4) 6.86 लाख

Ans. (3)

❒ **आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार, वर्ष 2021-22 में राजस्थान में खाद्यान्नों के कुल उत्पादन का प्रारंभिक पूर्वानुमान है-**[Asst. Statistical Officer-8.7.2022]

(1) 279.45 लाख टन (2) 259.09 लाख टन
(3) 225.20 लाख टन (4) 210.09 लाख टन

Ans. (3) ***वर्ष 2022-23 में 253.99 लाख टन***

❒ **राजस्थान में भूमि उपयोग (2018-19) के संदर्भ में कौनसा सुमेलित नहीं है-** [VDO-28.12.2021 (S-II)]

(1) चालू पड़त भूमि क्षेत्र - 5.22%
(2) वन क्षेत्र - 8.05%
(3) अकृषि क्षेत्र - 8.10%
(4) शुद्ध बोया गया क्षेत्र - 51.85%

Ans. (3)

***व्याख्या** - भू-उपयोग सांख्यिकी 2020-21 रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोगी भूमि 5.86% है।*

❒ **भू-उपयोग सांख्यिकी 2017-18 के अनुसार, राजस्थान में वानिकी क्षेत्र निम्न है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 6.28% (2) 7.82% (3) 8.04% (4) 8.35%

Ans. (3)

***व्याख्या** –भू-उपयोग सांख्यिकी 2020-21 रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में वानिकी क्षेत्र 8.08% (27.72 लाख हैक्टेयर) है।*

❒ **राजस्थान में कृषि की कुछ प्रमुख विशेषताओं के संदर्भ में कौनसे सही हैं-**[JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

1. खाद्यान्न फसलों की प्रधानता
2. मानसून तटस्थ कृषि
3. शुष्क कृषि पर उच्च निर्भरता
4. स्थानांतरण कृषि की मौजूदगी

कूट: (1) केवल 1 और 3 (2) केवल 3 और 4
(3) केवल 2, 3 और 4 (4) केवल 1, 3 और 4

Ans. (4)

❒ **किसानों को रियायती दर पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए ...को राजस्थान में लॉन्च/शुरू किया गया था-**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]

(1) किसान कलेवा योजना (2) सभी के लिए चावल
(3) किसान खाद्य योजना (4) मीन इन व्हील

Ans. (1)

व्याख्या – ***किसान कलेवा योजना :*** *विशिष्ट श्रेणी अ तथा ब श्रेणी की कृषि उपज मंडी समितियों में अपनी कृषि उपज को विक्रय हेतु लाने वाले कृषक व उसके सहयोगी को मंडीयार्ड में रियायती दर (5 रु. थाली) पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की योजना जो 20 जनवरी, 2014 से लागू की गई है।*

❒ **वर्ष 2021 में, राजस्थान सरकार द्वारा किसी दुर्घटना की स्थिति में किसानों को आर्थिक मदद हेतु कौनसी योजना शुरू की गयी है**–[Asst. Testing Offi. - 27.7.2021]

(1) राजस्थान मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना
(2) राजस्थान मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना
(3) राजस्थान मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना
(4) राजस्थान मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना

Ans. (4)

व्याख्या *– बजट 2021-22 में घोषित 'राजीव गाँधी कृषक साथी सहायता योजना' कृषि विपणन सहित कृषि कार्य के दौरान* ***दुर्घटना की स्थिति*** *में कृषक, खेतीहर मजदूर और हमालों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। बजट 2022-23* ***मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना*** *की राशि को 2 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 हजार करोड़ रुपये करने की घोषणा की है। इस योजना के अन्तर्गत कृषि व इससे संबंधित सभी क्षेत्रों की योजनाओं को अधिक प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए* ***Mission (11) Mode*** *पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है।*

❒ **'राजीव गाँधी कृषक साथी सहायता योजना' प्रदान करती है?** [Lab Assistent (Science) -28.06.2022] [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]

(1) बिजली गिरने तथा अँधड़ से फसल को हानि होने पर वित्तीय सहायता
(2) कृषि कार्यों से सम्बन्धित उपकरणों की खरीद हेतु वित्तीय सहायता
(3) कृषि कार्यों के दौरान एक्सीडेंट होने पर वित्तीय सहायता
(4) बागवानी एवं जैविक कृषि के लिए वित्तीय सहायता

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्धा परियोजना वर्ष 2012-13 में प्रारम्भ की गई। इस परियोजना में मुख्यतः जोर दिया गया है:** [RAS Pre Exam-19.11.2013]

(1) सिंचित जल के कुशल उपयोग पर
(2) यन्त्रीकरण पर
(3) जैविक खेती पर
(4) उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर

Ans. (1)

व्याख्या- *विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित* ***राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्धात्मक परियोजना*** *(जुलाई, 2012 से अप्रेल, 2019 तक) का क्रियान्वयन राज्य के 10 कृषि-जलवायुवीय खण्डों के 20 क्लस्टर्स में होगा। इन क्लस्टर्स में से जलग्रहण, भू-जल परिस्थितियों के रूप में क्लस्टर्स चयनित किए जाएंगे।*

❒ **राजस्थान में प्रथम योजना काल से अब तक फसलों के प्रतिरूप में क्या परिवर्तन (आंकड़े पूर्णांक में) घटित हुए हैं?** [द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

(i) अनाज की फसलों का क्षेत्रफल 42% से बढ़कर 56% हो गया है। (ii) दालों का क्षेत्रफल 21% से घटकर 18% रह गया है। (iii) तिलहनों का क्षेत्रफल 6% से बढ़कर 21% हो गया है। (iv) कपास, गन्ना, ग्वार, चारा फसलों, फल, सब्जी एवं मसालों का क्षेत्रफल 19% से बढ़कर 20% हो गया है।

(1) (i), (ii) एवं (iii)
(2) (i), (iii) एवं (iv)
(3) (ii) एवं (iv)
(4) (ii) एवं (iii)

Ans. (4)

व्याख्या *– राज्य में फसलीय क्रम में प्रथम योजना काल से अनाज फसलों के क्षेत्रफल में कुछ कमी आई है। यह कमी मुख्यतः मोटे अनाजों में हुई। जबकि गेहूँ, चावल के क्षेत्रफल में निरंतर वृद्धि हुई है।*

❒ **राजस्थान में प्रथम योजना काल से अब तक कृषि फसलों के क्षेत्रफल में घटित निम्न में से कौनसा परिवर्तन असत्य है?** [Librarian Garde-III - 13.11.2016]

(1) खाद्यान्नों के अन्तर्गत क्षेत्रफल लगभग 14 प्रतिशत बढ़ गया है।
(2) दालों के अन्तर्गत क्षेत्रफल लगभग 3 प्रतिशत घट गया है।
(3) तिलहन के अन्तर्गत क्षेत्रफल लगभग 15 प्रतिशत बढ़ गया है।
(4) गन्ना, ग्वार, चारा, फल, सब्जी, मसालों आदि के अन्तर्गत क्षेत्रफल में लगभग कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

Ans. (1)

व्याख्या *– प्रारम्भ में 1951-52 में खाद्यान्न फसलों के अन्तर्गत कुल कृषि क्षेत्र का लगभग 77 प्रतिशत क्षेत्र था, जो अब घटकर 63.9% ही रह गया।*

❒ **भारत को 15 कृषि पारिस्थितिकी क्षेत्रों में बाँटा गया है, इनमें से राजस्थान का अधिकांश भाग किस क्षेत्र में है?** [Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]

(1) 09 (2) 13 (3) 14 (4) 15

Ans. (3)

व्याख्या *- भारत के 15 कृषि जलवायु प्रदेशों में दो कृषि जलवायविक प्रदेश अरावली - मालवा पठारी प्रदेश (8वाँ) व पश्चिमी राजस्थान प्रदेश (14वाँ) राज्य राजस्थान के अन्तर्गत आते हैं। कृषि विभाग द्वारा* ***कृषि पद्धति, जल की उपलब्धता, फसल प्रारूप, कृषि विकास के आधार पर*** *राजस्थान को* ***शस्य/कृषि जलवायु क्षेत्र (Agro Climate Zone)*** *से* ***10 प्रखंडों में बाँटा*** *गया है।*

❒ **कौनसा असत्य है?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) शुष्क खेती पश्चिमी राजस्थान में प्रचलित है।

(2) राजस्थान में झूमिंग खेती को वालरा कहते हैं।

(3) राजस्थान में आर्द्र खेती दक्षिण-पूर्वी भाग में की जाती है।

(4) राजस्थान को 14 कृषि जलवायु प्रदेशों में बाँटा गया है।

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **ICAR द्वारा राजस्थान कितने कृषि जलवायु प्रदेश में विभाजित किया जाता है?** [पशुधन सहायक 04.6.2022]
[JEN (Civil) Degree 12.9.2021]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022, 14.05.2022]
[वनपाल-06.11.2022(S-I),13.12.2022(S-II)]

(1) 08 (2) 10 (3) 12 (4) 14

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बीकानेर-जैसलमेर और चुरू राजस्थान के किस कृषि-जलवायु प्रदेश/खण्ड में सम्मिलित है-** [VDO-28.12.2021 (S-II)]

(1) अन्तः प्रवाह शुष्क खण्ड

(2) पश्चिमी शुष्क मैदान

(3) अति शुष्क आंशिक सिंचित

(4) उत्तरी-पश्चिमी सिंचित मैदान

Ans. (3)***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ **कृषि जलवायु प्रदेश एवं जिले में कौनसा जोड़ा सही सुमेलित है-** [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]

(1) II A - चूरू (2) III A - दौसा

(3) IV A - करौली (4) I A - गंगानगर

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा फसली-प्रारूप, राजस्थान के दक्षिणी -पूर्वी आर्द्र मैदानी कृषि - जलवायु प्रदेश में पाया जाता है-** [JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]

(1) कपास-सरसों-बाजरा (2) ज्वार-मक्का-बाजरा

(3) कपास-मक्का-मूंगफली (4) चावल-गेहूँ-सोयाबीन

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ **सीकर, झुन्झुनूं एवं नागौर जिले राजस्थान की कौनसी कृषि जलवायु पेटी के अन्तर्गत आते हैं-** [ACF & FRO Exam - 18.02.2021]

(1) शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र

(2) अन्तःस्थलीय अपवाह के अन्तर्वर्ती मैदानी क्षेत्र

(3) अर्द्धशुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र

(4) बाढ़-सम्भाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ **जयपुर, दौसा और अजमेर राजस्थान के किस कृषि -जलवायु प्रदेश में सम्मिलित है?** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान (2) अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदान

(3) अर्द्ध आर्द्र दक्षिणी मैदान (4) आर्द्र दक्षिणी मैदान

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ **राजस्थान के कौनसे जिले 'आर्द्र दक्षिणी-पूर्वी मैदान' कृषि - जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आते हैं?** [II Grade Teacher -31.10.2018]

(1) डूँगरपुर तथा बाँसवाड़ा

(2) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा तथा प्रतापगढ़

(3) राजसमन्द, भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़

(4) कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ **राजस्थान का कौनसा जिला 'आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदान' के कृषि-जलवायु प्रदेश में शामिल नहीं है?** [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]

(1) बूँदी (2) कोटा

(3) उदयपुर (4) बाराँ

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❒ **सिरोही, पाली तथा जालौर जिले, राजस्थान के किस कृषि जलवायु खण्ड के अन्तर्गत आते हैं?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) I-A (2) II-A (3) II-B (4) III-B

Ans. (3)***व्याख्या*** *- अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ सोयाबीन की खेती राजस्थान के किस कृषि जलवायु खण्ड में प्रमुखता से की जाती है? [पटवार- 2008] [JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]
(1) बाढ़-सम्भाव्य पूर्वी मैदान (2) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान
(3) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान (4) सिंचित उत्तर-पश्चिमी मैदान
Ans. (3) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ भीलवाड़ा, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जिले राजस्थान के किस कृषि-जलवायु प्रदेश में सम्मिलित किये जाते हैं- [Librarian Gr.-II- 2.8.2020][JEN (Agri.) 10.9.2022]
(1) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान (2) आर्द्र दक्षिणी-पूर्वी प्रदेश
(3) आर्द्र दक्षिणी मैदान (4) बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान
Ans. (1) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ निम्न में से कौनसे कृषि जलवायु प्रदेश में बाजरा बोया जाता है? [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) आर्द्र दक्षिणी-पूर्वी मैदान (2) आर्द्र दक्षिणी मैदान
(3) उपार्द्र दक्षिणी मैदान (4) अर्द्ध-शुष्क पूर्वी मैदान
Ans. (4) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ निम्न में से राजस्थान के किस कृषि - जलवायु क्षेत्र में 'किन्नू' की पैदावार की जाती है? [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) I बी (2) II बी (3) III बी (4) IV बी
Ans. (1) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ राजस्थान का बीकानेर जिला कौनसे कृषि - जलवायु प्रदेश में आता है- [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
(1) I-A, शुष्क पश्चिमी मैदान
(2) I-B, सिंचित उत्तर-पश्चिमी मैदान
(3) I-C, उच्च शुष्क एवं सीमित सिंचित मैदान
(4) II-A, अंत: प्रवाह शुष्क मैदान
Ans. (3) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ राजस्थान का कौनसा कृषि-जलवायु प्रदेश सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है- [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.19]
(1) I - A तथा I - B (2) III - A तथा III - B
(3) II -A तथा II - B (4) IV - B तथा V
Ans. (4) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ निम्नलिखित में से कौनसा जिला अति शुष्क आंशिक सिंचित कृषि जलवायु प्रदेश में सम्मिलित किया जाता है- [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
(1) पाली (2) सीकर (3) नागौर (4) बीकानेर
Ans. (4) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ भरतपुर संभाग में कौनसा कृषि -जलवायु प्रदेश स्थित है? [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) III-B (2) IV-A (3) I-B (4) IV-B
Ans. (1) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ राजस्थान का दो-तिहाई से अधिक चावल उत्पादक क्षेत्र किस कृषि-जलवायु खण्ड के अन्तर्गत आता है- [JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) आर्द्र दक्षिणी मैदान (2) सिंचित उत्तरी-पश्चिमी मैदान
(3) शुष्कपश्चिमी मैदान (4) बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदान
Ans. (1) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ राजस्थान में कृषि जलवायु प्रदेश III - B/ बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान में कौन-सा जिला सम्मिलित नहीं किया जाता है? [पशुधन सहायक -21.10.2018]
(1) भरतपुर (2) धौलपुर (3) टोंक (4) करौली
Ans. (3) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ राजस्थान का मुख्य गन्ना एवं कपास उत्पादक कृषि -जलवायु खण्ड है- [JEN Degree (TSP) - 16.10.2016]
(1) आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र
(2) सिंचित मैदानी उत्तरी-पश्चिमी क्षेत्र
(3) शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र
(4) बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र
Ans. (2) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ राजस्थान में सबसे बड़ा कृषि जलवायु प्रदेश है- [VDO-27.12.2021 (II)][Lab Assistent (Geo.)-30.6.2022] [Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016] [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022] [CET : 07.01.2023 (S-1)][पटवार- 2011, Pre. -2016] [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) -25.03.2018]
(1) IA- शुष्क पश्चिमी मैदान
(2) IC- अति शुष्क आंशिक सिंचित क्षेत्र
(3) IIA- आंतरिक जल निकासी शुष्क क्षेत्र
(4) IV A - उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान
Ans. (2) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ राजस्थान में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा कृषि-जलवायु खण्ड है ?[JEN (Diploma) - 21.08.2016] [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020] [वनरक्षक- 2013] [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022,(Science) -28.06.2022]
(1) आर्द्र दक्षिणी मैदानी (2) अर्द्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी
(3) बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदानी (4) आर्द्र दक्षिणी पूर्वी मैदानी
Ans. (1) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

राजस्थान के कृषि जलवायु क्षेत्र (10) : एक दृष्टि में		
जोन	जलवायुविक क्षेत्र	विशेषताएँ
IA	**शुष्क मैदानी पश्चिमी**(Arid Western Plain) **जिले**-बाड़मेर, बालोतरा, फलौदी, जोधपुर का कुछ हिस्सा	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 4.74 • **तापमान** (Min.-Max.) : 8-40 • **वर्षा** : 200-370 • **फसल : खरीफ** - बाजरा, मोठ, तिल, **रबी** - गेहूँ, सरसों, जीरा • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र** - रामपुरा • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : मण्डोर, जोधपुर
IB	**सिंचित मैदानी उत्तरी पश्चिमी** (Irrigated North-Western Plain) **जिले**-श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, अनूपगढ़	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 2.10 • **तापमान** (Min.-Max.) : 4.7-42 • **वर्षा** : 100-350 • **फसल : खरीफ** - कपास, ग्वार, **रबी** - गेहूँ, सरसों, चना, **फल**- **किन्नू** • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-श्रीकरणपुर व हनुमानगढ़ • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : गंगानगर
IC **सबसे बड़ा**	**अति शुष्क आंशिक सिंचित क्षेत्र** (Hyper Arid Partial Irrigated Zone) **जिले**-बीकानेर, जैसलमेर, चूरू, फलौदी का कुछ हिस्सा	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 7.70 • **तापमान** (Min.-Max.) : 3-48 • **वर्षा** : 100-350 • **फसल : खरीफ** - बाजरा, मोठ, ग्वार, **रबी** - गेहूँ, सरसों, चना • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र** -लूणकरणसर • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : बीछवाल, बीकानेर
IIA	**अन्तःस्थलीय जलोत्सरण के अन्तर्वती मैदानी** (Transitional Plain inland drainage) **जिले**-नागौर, सीकर, झुन्झुनूं, डीडवाना- कुचामन, नीम का थाना एवं चूरू का कुछ भाग	• **क्षेत्रफल** (मि.है.): 3.69 • **तापमान** (Min.-Max.) : 5.3-39.7 • **वर्षा** : 300-500 • **फसल : खरीफ** - बाजरा, ग्वार, दालें, **रबी** - सरसों, चना • **मिट्टी** - रेतीली दोमट, अवसादों में गहराई वाली लाल मिट्टी • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-आबूसर, झुन्झुनूं • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : फतेहपुर, सीकर
IIB	**लूनी नदी का अन्तर्वती मैदानी** (Tranisitional Plain of Luni Basin) **जिले**- जालौर, पाली, सांचौर, ब्यावर, जोधपुर ग्रामीण, जोधपुर व सिरोही का कुछ भाग	• **क्षेत्रफल** (मि.है.): 3.00 • **तापमान** (Min.-Max.) : 4.9-38 • **वर्षा** : 300-500 • **फसल : खरीफ** - मोठ, ग्वार, तिल **रबी** - सरसों, गेहूँ • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-सुमेरपुर, पाली • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : केशवाणा, जालौर
IIIA	**अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदानी** (Semi Arid Eastern Plain) **जिले**- जयपुर, अजमेर, दौसा, टोंक, दूदू, जयपुर ग्रामीण, केकड़ी, कोटपूतली--बहरोड़ का कुछ भाग	• **क्षेत्रफल** (मि.है.): 2.97 • **तापमान** (Min.-Max.) : 8.3-40.6 • **वर्षा** : 500-700 • **फसल : खरीफ** - बाजरा, ग्वार, ज्वार **रबी** - सरसों, गेहूँ, चना • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-तबीजी, अजमेर • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : दुर्गापुरा, जयपुर
IIIB	**बाढ़ संभाव्य पूर्वी मैदानी** (Flood Prone Eastern Plain) **जिले**-सवाई माधोपुर करौली, भरतपुर, धौलपुर, अलवर, डीग, गंगापुरसिटी, खैरथल-तिजारा एवं कोटपूतली-बहरोड़ का कुछ भाग	• **क्षेत्रफल** (मि.है.): 2.77 • **तापमान** (Min.-Max.) : 8.2-40 • **वर्षा** : 500-700 • **फसल : खरीफ** - बाजरा, ग्वार, मूँगफली **रबी** - सरसों, गेहूँ, जौ, चना • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-मलिकपुर, भरतपुर• **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : नौगाँव, अलवर
IVA	**उप आर्द्र दक्षिणी मैदानी** (Sub-Humid Southern Plain) **जिले**-सिरोही,शाहपुरा, भीलवाड़ा, उदयपुर,चित्तौड़गढ़,राजसमन्द	• **क्षेत्रफल** (मि.है.): 3.36 • **तापमान** (Min.-Max.) : 8.1-38.6 • **वर्षा** : 500-900 • **फसल : खरीफ** - मक्का, दालें, ज्वार **रबी** - गेहूँ, जौ • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-चित्तौड़गढ़ • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : उदयपुर
IVB **सबसे छोटा**	**आर्द्र दक्षिणी मैदानी** (Humid Southern Plain) **जिले**- डूँगरपुर, उदयपुर, बाँसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर	• **क्षेत्रफल** (मि.है.): 1.72 • **तापमान** (Min.-Max.) : 7.2-39 • **वर्षा** : 500-1100 • **फसल : खरीफ** - मक्का, **धान** (चावल), ज्वार, उड़द दाल **रबी** - गेहूँ, चना • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-कार्यरत नहीं • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : कार्यरत नहीं
V	**आर्द्र दक्षिणी पूर्वी मैदानी** (Humid South-Eastern Plain) **जिले**- कोटा, झालावाड़, बूँदी, बाराँ	• **क्षेत्रफल** (मि.है.): 2.70 • **तापमान** (Min.-Max.): 10.6-42.6 • **वर्षा**: 650-1000 • **फसल : खरीफ** - ज्वार, **सोयाबीन** **रबी** - गेहूँ, सरसों • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-छत्रपुरा, बूँदी • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : उम्मेदगंज, कोटा

15. पशुधन : डेयरी, मत्स्य

❒ राज्य मन्त्रिमण्डल ने पशुधन विकास नीति की घोषणा की- [पटवार परीक्षा - 2011]
(1) 17 फरवरी, 2010 (2) 26 जनवरी, 2010
(3) 15 अगस्त, 2010 (4) 1 अप्रैल, 2010
Ans. (1)

व्याख्या - 17 फरवरी 2010 को राजस्थान में प्रथम बार पशुधन विकास नीति लागू की गई।

❒ भारत में दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का कौनसा स्थान है? [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) दूसरा (2) चौथा (3) पहला (4) तीसरा
Ans. (1)

व्याख्या- भारत में दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का वर्तमान में प्रथम (15.05%) स्थान तथा माँस उत्पादन में बारहवाँ, अण्डा उत्पादन में 13वाँ स्थान है।

❒ निम्नलिखित पशु उत्पादों में से कौनसा एक राजस्थान का मुख्य पशु उत्पाद है? [LDC Exam -12.08.2018]
(1) मीट (मांस) (2) अण्डा (3) चमड़ा (4) दूध
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के 2018-19 के बजट में निम्न में से किस स्थान पर ऊँटनी के दूध के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए मिनी प्लांट स्थापित करने की घोषणा की गई है?[PSI -07.10.2018][उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
(1) बीकानेर (2) जयपुर (3) बाड़मेर (4) जैसलमेर
Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान के 2018-19 के बजट में जयपुर में ऊँटनी के दूध के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए मिनी प्लांट स्थापित करने की घोषणा की गई है। ऊँटों के संरक्षण के लिए जयपुर शहर में ऊँट संरक्षण केन्द्र भी स्थापित किया जाएगा।

❒ ऊँटों के संरक्षण के लिए किस शहर में ऊँट संरक्षण केन्द्र स्थापित किया जाएगा? [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II]
(1) अलवर (2) जयपुर (3) सीकर (4) झुन्झुनूं
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में ऊँट की कौनसी नस्ल तेज दौड़ने में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है-[JEN Degree (TSP)- 16.10.2016]
(1) बीकानेरी (2) कच्छी (3) जैसलमेरी (4) अलवरी
Ans. (3)

व्याख्या-जैसलमेर, जोधपुर, जालोर, सांचौर आदि जिलों में पायी जाने वाली 'जैसलमेरी' नस्ल मुख्य रूप से सवारी हेतु उपयोगी है। **जैसलमेर के <u>नाचना</u> का ऊँट सर्वश्रेष्ठ ऊँट माना जाता है। यह ऊँट की सबसे अच्छी नस्ल हैं जो कि तेज दौड़ने के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं।** *ऊँट की अन्य नस्लें-गुरहा, काछी, गोमठ (सवारी हेतु), कच्छी, केसपाल अलवरी।*

❒ 'नाचना' ... की एक नस्ल है?[वनपाल-6.11.2022(S-I)]
(1) गाय (2) भेड़ (3) ऊँट (4) बकरी
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में कौनसी नस्ल ऊँट से संबंधित है [कॉलेज व्याख्याता-2016]
(1) पूगल (2) बारबरी (3) गुरहा (4) मेवाती
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ गोमठ और मेवाड़ी किसकी नस्लें हैं- [Head Master -11.10.2021]
(1) भैंस (2) बकरी (3) ऊँट (4) भेड़
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ गिरबाण ऊँट की सजावट में किस भाग में प्रयुक्त है? [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) पैर में (2) गले में (3) पीठ पर (4) नाक में
Ans. (4)

व्याख्या - विधानसभा ने राजस्थान ऊँट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) विधेयक 2015 पारित कर दिया। इसके तहत अब ऊँट को नाक में नकेल कसने पर भी जेल होगी।

❒ सर्रा (तिबरसा) रोग संबंधित है- [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]
(1) भैंस से (2) सूअर से (3) बकरी से (4) ऊंट से
Ans. (4)

व्याख्या - सर्रा रोग प्रोटोजोआ ट्रिपैनोसोमा के कारण पालतू पशुओं में होता है। ऊँट में बीमारी का कोर्स 3 साल का होने के कारण इसे तिबरसा भी कहा जाता है।

❒ राजस्थान राज्य का कौन-सा एक जिला डेयरी दुग्ध संकलन में प्रथम क्रम पर है? [LDC -19.08.2018]
(1) अलवर (2) भरतपुर (3) जयपुर (4) बीकानेर
Ans. (3) *सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन जयपुर (ग्रामीण)*

❒ **राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय कहाँ स्थित है?** [पशुधन सहायक- 21.10.2018]
(1) उदयपुर (2) बीकानेर (3) जयपुर (4) कोटा
Ans. (2)

***व्याख्या* - राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय *(राजुवास (RAJUVAS) - Rajasthan University of Veterinary & Animal Science)*, बीकानेर :** *तकनीकी अधिकारियों की गुणवत्तापूर्ण सुविधा एवं क्षेत्र में नये अनुसंधानों को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु राजस्थान राज्य में 13 मई, 2010 को 'पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय' की स्थापना बीकानेर में की गई। यह राज्य का एकमात्र वेटरनरी विश्वविद्यालय है। प्रो. ए. के. गहलोत को इसका प्रथम कुलपति नियुक्त किया गया था। बीकानेर वेटरनरी विश्वविद्यालय में पशुधन चारा संसाधन एवं तकनीकी केन्द्र और पशुजैव विविधता संरक्षण केन्द्र स्थापित हैं।*

❒ **डेयरी एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय - राजस्थान का एकमात्र महाविद्यालय स्थित है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]
(1) जोधपुर में (2)जयपुर में (3) कोटा में (4) उदयपुर
Ans. (4)

***व्याख्या*-*महाराणा प्रताप कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय उदयपुर में 1 नवम्बर, 1999 में दक्षिणी व दक्षिणी पूर्वी राजस्थान में कृषि शिक्षा व विश्वविद्यालय, उदयपुर अनुसंधान को अधिक प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने हेतु स्थापित। इसके अधीन निम्नांकित कृषि महाविद्यालय हैं-*

1. राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर। 2. कृषि प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उदयपुर। 3. गृह विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर। 4. डेयरी व खाद्य विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर। 5. उद्यानिकी व वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़। 6. वेटरनरी एंड एनिमल सांइस कॉलेज, नवानियाँ, बल्लभनगर, उदयपुर। 7. मत्स्य महाविद्यालय, उदयपुर।

ज्ञातव्य है कि राजस्थान में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 1962 में उदयपुर में की गई, जिसे 1987 में बीकानेर स्थानान्तरित किया गया था।

❒ **केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड स्थित है-** [II Grade T.- 1.5.2017]
(1) जोधपुर (2) जयपुर (3) अविकानगर (4) दिल्ली
Ans. (1)

व्याख्या* - *केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड जोधपुर में 1987 में स्थापित किया गया।

❒ **राजस्थान में भेड़-ऊन शिक्षण संस्थान कहाँ है?** [Police Constable Exam- 2013]
(1) बीकानेर (2) जोधपुर (3) बाड़मेर (4) जयपुर
Ans. (4)

❒ **पशु जनगणना-2019 के अनुसार, निम्नलिखित में से किसकी जनसंख्या सबसे अधिक है-**
[Assistant Agri. Officer -28.05.2022]
[R.A.S., 1992][JEN(Mech.)Diploma- 2016]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
[JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) बकरी (2) भैंस (3) भेड़ (4) ऊँट
Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान का सर्वाधिक पशुधन (घटते हुए क्रम में) - बकरी > गौवंश > भैंस > भेड़ > ऊँट।

❒ **पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार के नस्ल सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत ली गई, झखराना, सिरोही एवं मारवाड़ी नस्ले, सम्बन्धित हैं-**[RAS Pre-26.10.2013]
(1) गायों से (2) ऊँटों से (3) बकरियों से (4) भेंड़ों से
Ans. (3)

व्याख्या*- *बकरियों की प्रमुख नस्ल* - *जखराना (सर्वाधिक दूध), जमनापुरी, बरबरी (सर्वाधिक सुन्दर एवं सर्वाधिक प्रजनन क्षमता), मारवाड़ी (सबसे पुरानी), शेखावाटी (बिना सींग वाली), सिरोही, झड़वारी, लोही (मांस हेतु प्रसिद्ध) है। ज्ञातव्य है कि वरुण (परबतसर, डीडवाना-कुचामन जिला) गाँव की बकरी विशेष प्रसिद्ध है।

❒ **निम्नलिखित में से कौन-सी बकरी की नस्ल है-**
[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]
[ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
(1) मालवी (2) मेवाड़ी (3) पूगल (4) जखराना
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी गोवंश नस्ल नहीं है?**[PTI (Grade-II)-30.04.2023]
(1) गिर (2) जमनापुरी (3) मेवाती (4) थारपारकर
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बरबरी एक प्रजाति है-**[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.9.2020]
(1) गाय (2) बकरी (3) घोड़ा (4) भैंस
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में भेड़ों की कितनी नस्लें पाई जाती है?
[Agriculture Officer : 29.01.2013]
(1) पाँच (2) छः (3) सात (4) आठ
Ans. (4)*

व्याख्या – **भेड़ की प्रमुख नस्ले –**

(i) **चोकला** : *यह नस्ल चूरू, सीकर, नीम का थाना, झुन्झुनूँ, जयपुर (ग्रामीण), दूदू आदि जिलों में बहुतायत से पायी जाती है। इसे छापर या शेखावाटी भी कहते हैं। इस नस्ल की ऊन उत्तम होने के कारण इसे 'भारतीय मेरीनो' कहा जाता है।*

(ii) **जैसलमेरी** : *यह नस्ल जैसलमेर, फलौदी का दक्षिणी तथा जोधपुर (ग्रामीण) का पश्चिमी भाग में पायी जाती है। इस नस्ल की भेड़े सर्वाधिक ऊन (4 किग्रा. प्रति वर्ष प्रति भेड़) उत्पादित करती है। इस नस्ल की ऊन गलीचे के लिए उपयुक्त है।*

(iii) **मारवाड़ी** : *यह नस्ल जैसलमेर, जोधपुर (ग्रामीण), फलौदी, नागौर, डीडवाना-कुचामन, झुन्झुनूँ, सीकर, जालोर, सांचौर आदि जिलों में पायी जाती है। इस नस्ल की भेड़ें लम्बी दूरी तय करने व अधिक समय तक निरोगी रहने के लिए प्रसिद्ध है।*

(iv) **नाली** : *मुख्य रूप से गंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, जैसलमेर व चूरू जिलों में पायी जाने वाली इस नस्ल की ऊन लम्बे रेशे वाली तथा कालीन बनाने योग्य होती है।*

(v) **पूगल** : *बीकानेर जिले के पूगल नामक स्थान पर उत्पन्न हुई यह नस्ल मुख्यतः बीकानेर व जैसलमेर जिलों में पायी जाती है। इसकी ऊन गलीचे के लिए उपयुक्त है।*

(vi) **मगरा** : *बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर, नागौर आदि जिलों में पायी जाने वाली इस नस्ल की ऊन सर्वाधिक लम्बी होती है जो कालीन बनाने के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसे बीकानेरी चोकला व चकरी भी कहते हैं।*

(vii) **सोनाड़ी (चनोथर)** : *उदयपुर, डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, शाहपुरा, कोटा, झालावाड़ आदि जिलों में पायी जाने वाली इस नस्ल की भेड़ों की मुख्य विशेषता लम्बे कान व लम्बी पूँछ है।*

(viii) **मालपुरी** : *'देशी नस्ल' नाम से प्रसिद्ध यह नस्ल मुख्यतः टोंक, जयपुर (ग्रामीण), अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी जिलों में पायी जाती है।*

(ix) **खेरी** : *यह नस्ल सर्वाधिक जोधपुर, नागौर, डीडवाना - कुचामन और पाली में पाई जाती है। यह सफेद ऊन के लिए प्रसिद्ध है।*

(x) **बागड़ी** : *मुख्यतः अलवर, खैरथल-तिजारा जिले में पायी जाने वाली इस नस्ल की भेड़ें लगभग 75 प्रतिशत काली मुँह व शेष सफेद मुँह वाली होती है। इस नस्ल से प्राप्त ऊन का रेशा बहुत छोटा होता है।*

❐ **कौनसी भेड़ की नस्ल 'चकरी' के नाम से जानी जाती है-** [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) मगरा (2) नाली (3) सोनाड़ी (4) चोकला
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **भेड़ों की 'खेरी' नस्ल पाई जाती है-**
[व्याख्याता आयुर्वेद-13.11.2021][JEN (Civil) Deg. - 18.5.2022]
(1) जोधपुर, पाली और नागौर जिलों में
(2) अलवर, भरतपुर और दौसा जिलों में
(3) कोटा, बारां और बूँदी जिलों में
(4) जैसलमेर, बीकानेर और गंगानगर जिलों में
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **नस्ल-पशु में सुमेलित नहीं है-**[VDO-27.12.2021 (S-I)]
(1) सांचौरी-गाय (2) मेहसाना-भैंस
(3) सोनाड़ी-भेड़ (4) खेरी-बकरी
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **भेड़ की सोनाड़ी प्रजाति अधिकांशतः राजस्थान के किन जिलों में पाई जाती है-** [PSI - 14.09.2021]
[JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
(1) जैसलमेर,भरतपुर,बाड़मेर(2) उदयपुर, डूँगरपुर, भीलवाड़ा
(3) जयपुर, जोधपुर, टोंक(4) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चोकला नस्ल है-** [II Grade GK - 21.12.2022]
(1) ऊँट (2) भेड़ (3) बकरी (4) गौवंश
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **नाली नस्ल है-**[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]
(1) घोड़े की (2) भेड़ की(3) ऊँट की (4) गौवंश की
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सोनाड़ी, मगरा, पूगल किस पशु के प्रकार हैं?**
[LDC., 2012] [JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
(1) बकरी (2) भेड़ (3) गाय-बैल (4) ऊँट
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसी भेड़ की नस्ल राजस्थान में नहीं है?** [I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]
(1) मगरा (2) मारवाड़ी (3) मालपुरा (4) मालवी
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस नस्ल की भेड़ शेखावाटी क्षेत्र में पायी जाती है जो अच्छी किस्म की ऊन के लिए प्रसिद्ध है?**
[RPSC Eng.-1998][जेल प्रहरी29-10-2018, Shift -I]
[Stenographer Exam : 30.05. 2013]
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
(1) चनोथर (2) चोकला (3) रामपुरी (4) जाफरावादी
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसी भेड़ की प्रजाति भारतीय मेरिनो के नाम से जानी जाती है?** [पशुधन सहायक-21.10.2018]
[JEN (यांत्रिकी) डिग्री-13.12.2020]
[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा)- 20.3.2019, (वेल्डर)- 26.3.2019]
[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]
(1) मगरा (2) चोकला (3) सोनाड़ी (4) पुंगल
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भेड़ की वह नस्ल जो मुख्यतः नागौर जिले की सीमावर्ती क्षेत्र में पाई जाती है-**[जेल प्रहरी.28-10-2018]
(1) मारवाड़ी (2) मालपुरा (3) चौकला (4) नाली
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी नस्ल भेड़ की है?**[II Grade GK - 22.12.2022]
(1) जमनापारी (2) मालवी (3) गिर (4) पूगल
Ans. (4)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी भेड़ अधिक ऊन उत्पादन के लिए विख्यात है-**[वनरक्षक- 2013][अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]
(1) चोखला (2) पूगल (3) मालपुरी (4) जैसलमेरी
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पशुनस्ल - पशु में से कौनसा एक सही सुमेलित नहीं है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
(1) नाली - भेड़ (2) नागौरी - गाय
(3) शेखावाटी - बकरी (4) मालपुरी - भैंस
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'मालपुरी' .... की एक नस्ल है?**
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) गाय (2) भेड़ (3) बकरी (4) भैंस
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी भेड़ काले मुँह गुण वाली होती है?**
[Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) मगरा (2) सोनाड़ी (3) नाली (4) मारवाड़ी
Ans. (*) *व्याख्या : बागड़ी भेड़ सही उत्तर है।*

❒ **निम्न में से किस केस में 'अविका कवच बीमा योजना' प्रभावी है?** [LDC-12.08.2018]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]
[JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
(1) भेड़ की अप्राकृतिक मृत्यु (2) आग से घरेलू नुकसान
(3)वाहन को एक्सीडेंट क्षति (4)गेहूँ की फसल को नुकसान
Ans. (1)

*व्याख्या:अविका कवच बीमा योजना - राज्य में भेड़पालकों के कल्याण के लिए 'अविका कवच बीमा योजना' कार्यान्वित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि **भेड़पालन को सुदृढ़ करने के लिए वर्ष 2004-05 में अविका कवच, अविकापालन जीवनरक्षक योजना तथा अविरक्षक योजना प्रारंभ की गई थी।***

❒ **राजस्थान में कौनसी भेड़ की नस्ल नहीं है?**
[सहायक सांख्यिकी अधिकारी-27.05.2019]
[कॉलेज व्याख्याता-2016] [AEN Exam : 16.05.2014]
(1) मालवी (2) नाली (3) मालपुरी (4) सोनारी
Ans. (1)

व्याख्या-मालवी, मेवाती, हरियाणवी, नागौरी, राठी, थारपारकर, सांचोर (कांकरेज) आदि गाय की नस्ल है।

❒ **निम्नांकित में से कौनसा युग्म सही रूप से सुमेलित नहीं है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) भेड़-बागड़ी, मारवाड़ी
(2) बकरी-जमनापुरी, जारवाली
(3) ऊँट-गोमत, बीकानेरी
(4) गाय -हरियाणवी, मुर्रा
Ans. (4) *व्याख्या-मुर्रा भैंस की नस्ल है।*

❒ **राजस्थान के उक्त मानचित्र में पशुओं की प्रसिद्ध नस्लों के क्षेत्रीय वितरण को (i), (ii), (iii) और (iv) से अंकित किया गया हैं दी गई क्रमावली से इनका सही अनुक्रम पहचानिए-** [Patwar Main 24.12.16]
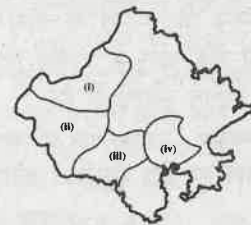
(1) राठी, थारपारकर, कांकरेज, गिर
(2) कांकरेज, गिर, थारपारकर, राठी
(3) थारपारकर, राठी, गिर, कांकरेज
(4) थारपारकर, कांकरेज, गिर, राठी
Ans. (1)

व्याख्या - (i)राठी -बीकानेर (उत्तरी-पश्चिमी राजस्थान) : यह गाय की सर्वश्रेष्ठ नस्ल है।

(ii) गिर- अजमेर (दक्षिण पूर्व मध्यवर्ती राजस्थान) : गुजरात के सौराष्ट्र प्रदेश में स्थित गिर वन की इस द्विप्रयोजनीय नस्ल को राजस्थान में 'रैंडा' तथा अजमेर में 'अजमेरा' कहते हैं।

(iii) थारपारकर- बाड़मेर (पश्चिमी राजस्थान) : इसे मालाणी व थारी भी कहा जाता है।

(iv) सांचौर (कांकरेज) - सांचौर, जालौर (दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान): इस नस्ल के बैल तेज दौड़ने व बोझा ढोने के लिए प्रसिद्ध है।

❐ **गुजरात के 'गिर' प्रकार की गाय नस्ल को राजस्थान में कहा जाता है?** [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) नागौरी (2) थारपारकर (3) रैण्डा (4) राठी

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **दुग्ध उत्पादन हेतु गाय की प्रसिद्ध किस्म है?** [Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) गिर और राठी (2) राठी और नागौरी
(3) मेवाती और मालवी (4) मालवी और थारपारकर

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित गाय की नस्लों में से किसका मूल स्थान राजस्थान में माना जाता है?** [III Grade (Sindhi) -01.03.2023]

(1) थारपारकर (2) राठी (3) मालवी (4) गिर

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा कथन राजस्थान में गिर गौ वंश के बारे में असत्य है-** [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]

(1) इसे अजमेर में पाला जाता है।
(2) इसे रेन्डिया के नाम से भी जाना जाता है।
(3) बैल को दौड़-खेल में उपयोग लिया जाता है।
(4) इसका उद्‌भव सौराष्ट्र से है।

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **गौवंश-जिला व क्षेत्र सुमेलित कीजिए-**[PTI- 2015] [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)] [द्वितीय श्रेणी शिक्षक-2014]

A. राठी	**1. बाड़मेर** (पश्चिमी राजस्थान)
B. थारपारकर	**2. बीकानेर**(उत्तरी पश्चिमी राजस्थान)
C. गिर	**3. जालौर**(दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान)
D. कांकरेज	**4. अजमेर**(दक्षिण पूर्व मध्यवर्ती राजस्थान)

कूट:	A	B	C	D
(1)	2	4	3	1
(2)	3	4	1	2
(3)	1	2	3	4
(4)	2	1	4	3

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा गौवंश नस्ल 'अजमेरा' के नाम से भी जाना जाता है-** [Veterinary Officer - 02.08.2020]

(1) राठी (2) कांकरेज (3) गिर (4) थारपारकर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कांकरेज महत्त्वपूर्ण नस्ल है-** [AEN Exam : 16.05.2014] [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) परीक्षा -25.03.2018]

(1) गोधन की (2) भैंस की (3) बकरी की (4) भेड़ की

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में पायी जाने वाली गाय की सर्वश्रेष्ठ नस्ल का नाम बताओ जो लाल सिंधि व साहीवाल गायों की नस्लों का मिश्रण है ?** [वनरक्षक परीक्षा- 2013]

(1) राठी (2) गौर (3) मेवाती (4) मुर्राह

Ans. (1)

व्याख्या - यह गाय की सर्वश्रेष्ठ नस्ल है, जो लालसिंधि और साहीवाल के मिश्रण से उत्पन्न हुई है। यह नस्ल जैसलमेर के उत्तरी-पूर्वी भाग, बीकानेर के पश्चिमी भाग एवं अनूपगढ़ में पायी जाती है।

❐ **राठी प्रजाति कौनसी दो गायों की शंकर प्रजाति है-**[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन) सीधी भर्ती - 24.03.2019]

(1) सिन्धि व मालवी (2) सिन्धि व साहीवाल
(3) साहिवाल व मालवी (4) मालवी व नागौरी

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में पाई जाने वाली गायों की नस्लों में निम्न से कौन नहीं है-** [Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]

(1) थारपारकर (2) कांकरेज (3) चोकला (4) रथ

Ans. (3) *व्याख्या - चोकला भेड़ की नस्ल है।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसी गौवंश की नस्ल नहीं है?** [II Grade Teacher -28.10.2018]

(1) मालवी (2) राठी (3) कांकरेज (4) बागड़ी

Ans. (4) *व्याख्या - बागड़ी भेड़ की नस्ल है।*

❐ **निम्न में से गाय की कौन-सी प्रजाति जालौर, सिरोही, पाली व बाड़मेर जिलों में पाई जाती है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]

(1) राठी (2) मेवाती (3) थारपारकर (4) कांकरेज

Ans. (4)

व्याख्या - *सांचौर (कांकरेज) नस्ल पाली, सांचौर, जालौर, उदयपुर, बाड़मेर, बालोतरा, सिरोही आदि जिलों में पायी जाती है। इस नस्ल के बैल तेज दौड़ने व बोझा ढोने के लिए प्रसिद्ध है।*

❒ **कांकरेज नस्ल अधिकांशतः जिस जिले में पाई जाती है, वह है-** [स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]
(1) बांसवाड़ा (2) बाड़मेर (3) अजमेर (4) भीलवाड़ा
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **थारपारकर प्रजाति कहाँ पाई जाती है** [कारापाल 2012]
[R.A.S. Pre Exam, 2007]
(1) जनजाति क्षेत्र (2) हाड़ौती क्षेत्र
(3) तोरावाती क्षेत्र (4) राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र
Ans. (4)

व्याख्या- ***थारपारकर*** *को* ***मालाणी*** *व थारी कहा जाता है। गाय की यह नस्ल पश्चिमी शुष्क क्षेत्र बाड़मेर, पूर्वी जैसलमेर, फलौदी व पश्चिमी जोधपुर (ग्रामीण) में पायी जाती है। इस नस्ल की गायें अधिक दुधारू और बैल परिश्रमी होते हैं।*

❒ **दुग्ध-उत्पादन हेतु गाय की प्रसिद्ध नस्लें हैं?**
[R.A.S. - 1998]
[JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]
(1) थारपारकर एवं राठी (2) राठी एवं नागौरी
(3) मालवी एवं थारपारकर (4) मेवाती एवं मालवी
Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बाड़मेर का 'मालाणी' क्षेत्र किस गौवंश का उत्पत्ति क्षेत्र है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)][II Grade (SST)2011]
(1) मालवी (2) थारपारकर (3) मेवाती (4) कॉकरेज
Ans. (2) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **थारपारकर नस्ल की गायें राजस्थान के निम्नांकित में से किन जिलों में मिलती हैं?**
[JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]
(1) बाड़मेर एवं जैसलमेर (2) गंगानगर एवं हनुमानगढ़
(3) जालौर एवं सिरोही (4) अजमेर एवं भीलवाड़ा
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **थारपारकर नस्ल है?** [PSI - 14.09.2021]
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]
(1) भैंस (2) गाय (3) भेड़ (4) बकरी
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से राजस्थान के कौनसे क्षेत्र में थारपारकर नस्ल पाई जाती है?** [LDC -09.09.2018]
वनरक्षक-11.12.2022(S-I)][व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]
(1) पश्चिमी शुष्क क्षेत्र (2) शेखावाटी क्षेत्र
(3) पूर्वी क्षेत्र (4) दक्षिण-पूर्व क्षेत्र
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौन-सी गाय की नस्ल भारवाहक के लिये जानी जाती है-** [कृषि पर्यवेक्षक - 03.03.2019]
(1) राठी (2) साहीवाल (3) गिर (4) नागौरी
Ans. (4)

व्याख्या - ***नागौरी नस्ल की उत्पत्ति नागौर जिले के सोहालक गाँव में हुई। इस नस्ल की गायें कम दूध देने वाली तथा बैल भार ढोने व हल जोतने के लिए सर्वोत्तम है।***

❒ **जाफराबादी नस्ल सम्बन्धित है-** [ग्राम सेवक-2008]
(1) गाय (2) भैंस (3) भेड़ (4) बकरी
Ans. (2)

व्याख्या- जाफरावादी : *राजस्थान के दक्षिणी भाग में पायी जाने वाली यह नस्ल अधिक दूध (20-22 लीटर प्रतिदिन) देती है। उल्लेखनीय है कि यह नस्ल सर्वश्रेष्ठ ताकतवर मादा जानवर का पुरस्कार जीत चुकी है।*

❒ **कौन-सी भैंस की नस्ल नहीं है?** [वनरक्षक - 2013]
(1) गिर (2) नागपुरी (3) मुर्रा (4) भदावरी
Ans. (1)

व्याख्या - • ***गिर :*** *गाय की यह नस्ल दूध व बोझा ढोने हेतु प्रसिद्ध है। अतः इसे द्वि प्रयोजनीय नस्ल कहते है।*
• ***मुर्राह :*** *भैंस की इस सर्वश्रेष्ठ नस्ल के दूध में वसा की मात्रा अधिक (7-8 प्रतिशत) होती है। यह मुख्यतः जयपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, भरतपुर, डीग, चित्तौड़गढ़ आदि जिलों में पायी जाती है। खुड़ी (खुण्डी) भैंस के नाम से जानी जाने वाली यह नस्ल प्रतिदिन 20-25 लीटर दूध देती है। इसका प्रजनन केन्द्र कुम्हेर (भरतपुर) में है।*
• ***भदावरी नस्ल :*** *इस नस्ल की भैंसों से* ***सर्वाधिक*** *मात्रा में वसा प्राप्त होती है।*
• ***भैसों की अन्य नस्लें :*** *भूरा, जमना, नागपुरी, सूरती, पण्डरपुरी, रावी तथा मेहसाना।*

❒ **भैंस की कौन-सी प्रजाति दुग्ध उत्पादन के लिए सर्वश्रेष्ठ है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) परीक्षा- 20.03.2019]
(1) मेहसाना (2) सूरती (3) मुर्राह (4) हरियाणी
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी गौवंश की नस्ल नहीं है?** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]

(1) मालवी (2) राठी (3) कांकरेज (4) मुर्राह

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'मालानी' नस्ल किसकी है?** [II G. T. (Science)2010]

(1) गाय (2) ऊँट (3) घोड़ा (4) भैंस

Ans. (3)

व्याख्या - मालानी अश्व वंश *- इस घोड़े में सुन्दरता व सुडौल शरीर काठियावाड़ी नस्ल से तथा तेज गति सिंधी नस्ल से आई है। राजस्थान में मुख्य रूप से मालानी नस्ल के घोड़े पाये जाते हैं। घोड़ों में सर्वश्रेष्ठ मानी जाने वाली यह नस्ल मुख्य रूप से बालोतरा जिले की सिवाना तहसील, जोधपुर (ग्रामीण), सांचौर एवं जालौर जिलों में पायी जाती है।*

❒ **मेवात नस्ल की गौवंश, भैंस व बकरी राजस्थान के किन जिलों में पाए जाते हैं-** [JEN Diploma (TSP) - 16.10.2016]

(1) बूँदी, कोटा, बाराँ (2) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ (3) अलवर, भरतपुर, धौलपुर (4) अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा

Ans. (3)

❒ **पशु व नस्ल गलत युग्म है-** [AEN Exam - 16.12.2018]

(1) भेड़ - मगरा (2) भैंस - ओंगोल
(3) बकरी - सिरोही (4) ऊँट - मारवाड़ी

Ans. (2)

व्याख्या *- ओंगोल आंध्रप्रदेश में पायी जाने वाली गाय की नस्ल है।*

❒ **पशु-नस्ल में से कौनसा सुमेलित नहीं है-** [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(1) गाय-राठी (2) भैंस-मुर्रा (3) भेड़-मगरा (4) ऊँट-जखराना

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *जखराना बकरी की नस्ल है।*

❒ **पशु एवं नस्ल में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) ऊँट-नाचना (2) भेड़-खेरी
(3) भैंस-मेहसाना (4) बकरी-नाली

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- नाली भेड़ की नस्ल है।*

❒ **सही सुमेलित नहीं है-** [VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) चनोथर-भेड़ (2) कांकरेज-गौवंश
(3) लोही -भैंस (4) बरबरी - बकरी

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- लोही बकरी की नस्ल है।*

❒ **कौनसी प्रजाति भेड़ की नहीं हैं**[उद्योग निरीक्षक-24.6.2018]

(1) मेगरा (2) मालपुरी (3) बागड़ी (4) नाचना

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- नाचना ऊँट की नस्ल है।*

❒ **कौन-सी भैंस की नस्ल नहीं है?**[कृषि पर्यवेक्षक- 3.3.2019]

(1) मुर्रा (2) नीली रावी (3) सूरती (4) राठी

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- राठी गाय की नस्ल है।*

❒ **कौनसी भेड़ की नस्ल नहीं है?**[वनरक्षक-11.12.2022(I)]

(1) राठी (2) चोखला (3) नाली (4) पुगल

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा सुमेलित नहीं है?**[वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]

(1) मुर्रा-भैंस (2) सोनारी-भेड़
(3) गोमठ-गाय (4) नाचना -ऊँट

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- गोमठ ऊँट की नस्ल है।*

❒ **कड़कनाथ एक किस्म है-** [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) साँड की (2) बकरे की (3) भैंसे की (4) मुर्गे की

Ans. (4)

व्याख्या - मुर्गे की नस्लें *- बरसा, टेनी, असील, कड़कनाथ। ज्ञातव्य है कि कुक्कुट विकास हेतु* ***कड़कनाथ योजना बाँसवाड़ा*** *जिले में संचालित है।*

❒ **कौनसा कथन सही नहीं है ?**[II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) रथ प्रदेश में गौवंश प्रमुख पशुधन है ।
(2) मध्य राजस्थान मालवी पशुधन प्रदेश में सम्मिलित है।
(3) सिरोही, जालौर और पाली जिले काँकरेज पशुधन प्रदेश के भाग हैं।
(4) नागौर पशुधन प्रदेश बैलों के लिए प्रसिद्ध है।

Ans. (2)

❒ **खेरी तथा लोही नस्लें हैं-**[II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) क्रमशः भेड़ तथा ऊँट (2) क्रमशः ऊँट तथा भेड़ (3) क्रमशः बकरी तथा भेड़ (4) क्रमशः भेड़ तथा बकरी

Ans. (4)

❒ **सुमेलित कीजिए-** [II Grade - 30.07.2023 (S- II)]

(A) भेड़	**(1) सूरती नस्ल**
(B) गौवंश	**(2) नाली नस्ल**
(C) भैंस	**(3) बरबरी नस्ल**
(D) बकरी	**(4) सांचौरी नस्ल**

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	4	2	(2)	2	4	3	1
(3)	2	4	1	3	(4)	4	3	1	2

Ans. (3)

❑ **सही कथन चुनिए-** [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]
1. लोही बकरी की एक नस्ल है।
2. गुढा भैंस की एक नस्ल है।
3. जैसलमेरी ऊँट की एक नस्ल है।
(1) 1 और 2 सही है (2) 1 और 3 सही है
(3) 1, 2 और 3 सही है (4) 2 और 3 सही है
Ans. (2)

❑ **सुमेलित कीजिए-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]

(A) गाय	(1) लोही, बरबरी, जमुनापरी
(B) भैंस	(2) राठी, गिर, थारपारकर
(C) भेड़	(3) मुर्रा, सूरती, मेहसाना
(D) बकरी	(4) नाली, पूगल, मगरा

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	4	1	2	(2)	1	2	3	4
(3)	2	3	4	1	(4)	4	1	2	3

Ans. (3)

❑ **पशुधन-नस्ल सुमेलित कीजिए** [Veterinary Off. - 2.8.20]

(A) भेड़	(1) मुर्रा
(B) गौवंश	(2) नाचना
(C) ऊँट	(3) राठी
(D) भैंस	(4) नाली

कूट :	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	4	3	1	2
(3)	3	4	2	1	(4)	2	3	4	1

Ans. (1)

❑ **राजस्थान में कुक्कुटपालन प्रशिक्षण संस्थान कहाँ स्थित हैं?** [RPSC कनिष्ठ लेखाकार परीक्षा-2 अगस्त,2015]
(1) अलवर (2) अजमेर (3) कोटा (4) टोंक
Ans. (2)

***व्याख्या** - कुक्कुटपालन प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर में 1988 में स्थापित की गई।*

❑ **मवेशी की खरीद के रुपए देते समय निश्चित किए हुए मूल्य में से की जाने वाली छूट क्या कहलाती है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) धावळी (2) घाटी (3) धारीजणी (4) धावळ
Ans. (3)

***व्याख्या** - मवेशी की खरीद के रुपए देते समय निश्चित किए हुए मूल्य में से की जाने वाली छूट धारीजणी कहलाती है।*

❑ **ऑपरेशन फ्लड के सूत्रधार हैं?** [II Grade Teacher-2010]
(1) डॉ. रंधावा (2) डॉ. आर.एल. सिंह
(3) डॉ. वर्गीज कुरियन (4) डॉ. एस.बी. चौधरी
Ans. (3)

***व्याख्या** - **डॉ. वर्गीज कुरियन** - देश में 'श्वेत क्रांति' लाने वाले डॉ. वर्गीज कुरियन (90) का 9 सितम्बर 2012 को निधन हो गया। डॉ. कुरियन की अगुवाई में 'ऑपरेशन फ्लड' के बलबूते भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना। उन्होंने ब्रांड 'अमूल' को जन्म दिया था।*

❑ **'ऑपरेशन फ्लड' किससे संबंधित है?** [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) आपदा प्रबंधन (2) नदी जल संवर्धन
(3) वनीकरण (4) दुग्ध उत्पादन
Ans. (4)***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में भेड़ प्रजनन सुधार कार्यक्रम के संदर्भ में कौनसा कथन सही है** [Assistant Professor-22.9.2021]
(1) 'चयनित प्रजनन' के अन्तर्गत मारवाड़ी, जैसलमेरी एवं मगरा भेड़ नस्ल का चयन किया गया है।
(2) 'चयनित प्रजनन' के अन्तर्गत नाली एवं चोकला भेड़ नस्ल का चयन किया गया है।
(3) 'चयनित प्रजनन' के अन्तर्गत जैसलमेरी एवं सोनाड़ी भेड़ नस्ल का चयन किया गया है।
(4) 'क्रॉस-प्रजनन' के अन्तर्गत मगरा एवं मालपुरा भेड़ नस्ल का चयन किया गया है।
Ans. (1)

❑ **मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना 2023 के बारे में कथन सही नहीं है?** [II Grade - 30.07.2023 (S- II)]
(1) इस योजना से 20 लाख से अधिक पशुपालकों को लाभ होने की अपेक्षा है।
(2) राज्य के वर्ष 2023-24 के लिए बजट में इस योजना में व्यय करने के लिए 750 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।
(3) इस योजना के तहत प्रत्येक पशु के बीमा की सीमा अधिकतम 40000 रुपये है।
(4) एक पशुपालक जिसकी वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक है, उसे इस योजना के तहत प्रत्येक पशु के लिए अधिकतम 500 रुपये प्रति वर्ष प्रीमियम देना होगा।
Ans. (4)

❒ राजस्थान की सबसे पुरानी डेयरी 'पद्म' कहाँ है? [II Grade (Social Study) Exam. 2011]
(1) भरतपुर (2) जोधपुर (3) अजमेर (4) अलवर
Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान की सबसे पुरानी डेयरी 'पद्मा' (1975 में स्थापित) अजमेर में है।

❒ राजस्थान में पशुधन के लिए निःशुल्क दवा योजना कब प्रारंभ हुई ? [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
(1) 2012 में (2) 2008 में (3) 2015 में (4) 2006 में
Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान सरकार ने पशुधन विकास हेतु 15 अगस्त, 2012 से पशु स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मुख्यमंत्री पशुधन निःशुल्क दवा वितरण योजना प्रारंभ की है।

❒ पशुपालकों के लिए राजस्थान में 'देवनारायण नगर एकीकृत आवासीय योजना' कहाँ विकसित की जा रही है? [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
(1) सिरोही (2) टोंक (3) कोटा (4) झालावाड़
Ans. (3)

व्याख्या - पशुपालकों हेतु देवनारायण नगर एकीकृत आवासीय योजना की आधारशिला मुख्यमंत्री द्वारा 17 अगस्त, 2020 को रखी गई जिसमें नगर विकास न्यास कोटा द्वारा प्रथम चरण में 738 आवासों का निर्माण कर 501 आवासों का आवंटन किया गया है।

❒ भारत में राजस्थान जिसके उत्पादन में प्रथम स्थान पर है- [R.A.S., 2003] [Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
(1) ऊन (2) रेशम (3) दूध (4) अण्डे
Ans. (1)

व्याख्या -राजस्थान में सम्पूर्ण राष्ट्र की 45.91% (प्रथम स्थान) ऊन उत्पादित होती है, जो देश में सर्वाधिक है। जोधपुर जिला राज्य का सर्वाधिक ऊन उत्पादक जिला है।

❒ 2019 के अनुसार भारत में ऊन उत्पादन में राजस्थान का कौनसा स्थान है? [पशुधन सहायक 04.6.2022]
(1) प्रथम (2) दूसरा (3) तीसरा (4) चौथा
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ भेड़ एवं बकरी की गर्भावधि कितने दिन है? [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]
(1) 280 दिन (2) 365 दिन (3) 151 दिन (4) 114 दिन
Ans. (3)

व्याख्या - भेड़ व बकरी की गर्भावधि 151 दिन, गाय की गर्भावधि 280 दिन, भैंस की गर्भावधि 310 दिन, ऊँटनी की 400 दिन, खरगोश की गर्भावधि 28-30 दिन है।

❒ रामसर (अजमेर) में स्थित 'बकरी विकास एवं चारा उत्पादन परियोजना' हेतु वित्तीय सहयोग किस देश से प्राप्त हुआ है?[Asstt. Agri. Officer- 31.5.2019]
(1) फ्रांस (2) स्वीडन (3) डेनमार्क (4) स्विट्जरलैण्ड
Ans. (4)

*व्याख्या -**बकरी विकास एवं चारा उत्पादन परियोजना** - बकरी विकास परियोजना का मुख्य उद्देश्य सिरोही नस्ल की बकरियों का विकास कर ग्रामीण पिछड़े वर्गों की आय में वृद्धि करना है। स्विट्जरलैण्ड सरकार के वित्तीय सहयोग से राज्य में 1981-82 में प्रारंभ की गई इस योजना में अजमेर जिले के रामसर गाँव में एक बकरी प्रजनन फार्म स्थापित किया गया है। जिसमें **स्विट्जरलैण्ड के एल्पाइन व टोगनबर्ग नस्लों के बकरों से सिरोही नस्ल की बकरियों का क्रॉस प्रजनन** करवाकर बकरी नस्ल सुधार कार्य किया जाता है। वर्ष 1992-93 से स्विस सरकार की आर्थिक सहायता समाप्त हो गई हैं अतः यह परियोजना राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही है।*

❒ राजस्थान राज्य के पशुपालन विभाग द्वारा गौवंश प्रजनन हेतु 'गोपाल' कार्यक्रम राज्य के दस दक्षिण-पूर्वी जिलों में किस वर्ष से आरम्भ हुआ- [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]
(1) 1991-92 (2) 1990-91 (3) 1989-90 (4) 1987-88
Ans. (2)

❒ 19वीं पशुधन गणना के अनुसार, राजस्थान में पूरे देश का लगभग.... प्रतिशत पशुधन है।
[CET-11.2.2023 (S-I)][राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]
(1) 12.23 (2) 11.27 (3) 13.34 (4) 14.65
Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान में भारत का लगभग 11.27% पशुधन पाया जाता है। (स्रोत : RBSE, Class 6, पृष्ठ- 44)

❒ 20वीं पशुधन जनगणना के अनुसार, राजस्थान में कुक्कुट जनसंख्या कितनी है ?[Food Safety Officer - 27.06.2023]
(4) 193.46 लाख (2) 106.26 लाख
(3) 146.23 लाख (4) 133.46 लाख
Ans. (3)

❒ **राजस्थान की 20वीं पशुधन गणना के अनुसार, किस जिले में पशुधन की संख्या सबसे अधिक थीं?** [राज० पुलिस कॉन्स्टेबल-2.7.2022][वनरक्षक-11.12.2022(S-II)] [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)][JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]

(1) पाली (2) बूँदी (3) बाड़मेर (4) दौसा

Ans. (3) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ **राज्य के किस जिले में बकरियों की संख्या सर्वाधिक है?** [PTI (Grade-III)-25.9.2022]

(1) जोधपुर (2) नागौर (3) जैसलमेर(4) बाड़मेर

Ans. (4) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ **पशुधन गणना 2019 के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक भैंसों की संख्या वाला जिला है?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)] [Lab Assistent (Geo.)-30.06.2022]

(1) अलवर (2) जयपुर (3) भरतपुर (4) धौलपुर

Ans. (2) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ **19वीं पशुधन गणना (2012) से 20वीं पशुधन गणना (2019) में राजस्थान में पशुधन की कुल संख्या में परिवर्तन है –** [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) 1.66% की वृद्धि (2) 1.66% की कमी

(3) 4.2% की वृद्धि (4) 2.66% की कमी

Ans. (2)* *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ **20वीं पशुधन गणना के अनुसार, सर्वाधिक भेड़ें पाई जाती है?** [I Grade Teacher (GK) -15.10.2022]

(1) अलवर (2) बाड़मेर (3) बीकानेर (4) गंगानगर

Ans. (2) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ **पशुधन जनगणना 2019 के अनुसार राजस्थान में पशुओं की संख्या कितनी है।** [मूल्यांकनअधिकारी-23.8.2020] [I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]

(1) 337.35 लाख (2) 568.01 लाख

(3) 425.52 लाख (4) 626.71 लाख

Ans. (2) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ **राजस्थान का पशुधन की दृष्टि से देश में स्थान है?** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]

(1) प्रथम (2) द्वितीय (3) तृतीय (4) चतुर्थ

Ans. (2) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ **पशुगणना-2019 में राजस्थान में देश के कुल पशुधन का भाग था** [सहा. सांख्यिकी अधि.-27.5.2019] [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.3.2021]

(1) 7.23% (2) 12.47% (3) 10.58% (4) 14.00%

Ans. (3) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

20वीं पशुधन गणना की रिपोर्ट : एक दृष्टि में

पशु	वर्ष 2019 संख्या (लाख में)	बढ़ी या घटी	भारत में स्थान	कुल पशुधन का प्रतिशत	राज्य में सर्वाधिक	राज्य में न्यूनतम
☞ गौवंश	139.12	+4.41	छठा	24.54	बीकानेर	धौलपुर
☞ ऊँट	2.13	–34.69	पहला	0.37	जैसलमेर	प्रतापगढ़
☞ भैंस	136.93	+5.53	दूसरा	24.11	जयपुर	जैसलमेर
☞ गधा	0.23	–71.31	पहला	0.04	बाड़मेर	टोंक
☞ खच्चर	0.01	–60.33	नवाँ	0.002	अलवर	टोंक
☞ घोड़ा व टट्टू	0.34	–10.85	तीसरा	0.06	बीकानेर	डूँगरपुर
☞ बकरी	208.40	–3.81	पहला	36.69	बाड़मेर	धौलपुर
☞ भेड़	79.04	–12.95	चौथा	13.92	बाड़मेर	बाँसवाड़ा
☞ सूअर	1.55	–34.87	17वाँ	0.27	जयपुर	डूँगरपुर
☞ कुल पशुधन	**568.01**	**–1.61**	**द्वितीय**	**100.00**	**बाड़मेर, जोधपुर**	**धौलपुर**

• **भारत** की 20वीं पशु गणना रिपोर्ट के अनुसार कुल **पशुधन में 1.61% (अंतरिम रिपोर्ट में 1.66%)** की कमी आई। वर्तमान में प्रदेश में प्रति हजार जनसंख्या पर पशुओं की संख्या **829** तथा **पशु घनत्व 166** प्रति वर्ग किमी. है। **20वीं पशु गणना रिपोर्ट-2019** के अनुसार **देश के कुल पशुधन का 10.58 प्रतिशत पशुधन राजस्थान में उपलब्ध है।** 20वीं पशुगणना 2019 के आँकड़ों के अनुसार पशु संसाधन की दृष्टि से **राजस्थान का देश में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरा स्थान है।**

स्रोत : पशुपालन निदेशालय, प्रगति प्रतिवेदन 2021–22 पृ. 1

16. खान एवं खनिज

❑ **भारत के किस राज्य को 'खनिजों का संग्रहालय' (Museum of Minerals) कहा जाता है?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) पंजाब (2) हरियाणा (3) राजस्थान (4) गुजरात

Ans. (3)

व्याख्या : *राजस्थान में पाये जाने वाले खनिजों का बाहुल्य एवं विविधता के कारण राजस्थान को 'खनिज पदार्थों का अजायबघर' कहा जाता है।*

❑ **वे खनिज जिनमें राजस्थान का देश में एकाधिपत्य है-**

[प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]

[JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]

(1) तामड़ा, वोलेस्टोनाइट, ग्रेनाइट, संगमरमर

(2) जास्पर, तामड़ा, फेल्सपार, जिप्सम

(3) जास्पर, तामड़ा, पन्ना, वोलेस्टोनाइट

(4) जास्पर, तामड़ा, संगमरमर, सीसा-जस्ता

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान को देश में एकाधिकार -

खनिज	प्रतिशत	खनिज	प्रतिशत
वोलेस्टोनाइट	100%	जास्पर	100%
गारनेट (जेम)	100%	जिप्सम/सेलेनाइट	100%
टंगस्टन	99%	केल्साइट	98%
फ्लोराइट	96%	जस्ता कन्सन्ट्रेट	90%
संगमरमर	90%	एस्बेस्टस	89%
घीया पत्थर	87%	सोपस्टोन	87%
सीसा कन्सन्ट्रेट	80%	रॉक फॉस्फेट	75%

❑ **राजस्थान में पाया जाने वाला कौनसा खनिज, भारत में इस खनिज के उत्पादन में पूरे 100% का योगदान करता है-**

[वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I), 15.05.2022 (II)]

(1) वोलस्टोनाइट (2) जिप्सम (3) एस्बेस्टॉस (4) रॉक फॉस्फेट

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान, भारत में ... का सबसे बड़ा उत्पादक है-**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]

(1) कच्चा लोहा (2) अभ्रक

(3) प्राकृतिक गैस (4) सीसा और जस्ता

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से किन खनिजों में राजस्थान भारत में एकल उत्पादनकर्ता है?** [LDC Exam -12.08.2018]

[Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

[राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

(1) अभ्रक, वोलेस्टोनाइट तथा जिंक अयस्क

(2) अभ्रक, जिप्सम तथा यूरेनियम

(3) जिप्सम, वोलेस्टोनाइट तथा यूरेनियम

(4) सीसा एवं जिंक अयस्क, सेलेनाइट तथा वोलेस्टोनाइट

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौन-से खनिजों का राजस्थान लगभग अकेला उत्पादक राज्य हैं?** [RAS -05.08.2018]

1. सीसा एवं जस्ता अयस्क **2. ताम्र अयस्क**

3. वोलेस्टोनाइट **3. सेलेनाइट**

(1) 1 एवं 3 (2) 1, 2 एवं 4

(3) 1, 2 एवं 3 (4) 1, 3 एवं 4

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान का खनिज उत्पादन में योगदान के सम्बन्ध में कौन-सा कथन असत्य है-**

[प्रयोगशाला सहायक परीक्षा - 13.11.16]

(1) राजस्थान भारत का शत-प्रतिशत वोलेस्टोनाइट उत्पन्न करता है।

(2) राजस्थान भारत 96 प्रतिशत फ्लोराइट उत्पन्न करता है।

(3) राजस्थान भारत का 75 प्रतिशत रॉक फॉस्फेट उत्पन्न करता है।

(4) राजस्थान भारत का 90 प्रतिशत जास्पर उत्पन्न करता है।

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कौन-सा/से तथ्य सही है/हैं?** [RAS -19.11.2013]

(a) राजस्थान का खनिज आधार बहुत समृद्ध है और देश के औद्योगिक खनिज उत्पादन का यह करीब 22 प्रतिशत है।

(b) राजस्थान की GDP में केवल खनन का योगदान लगभग 5 प्रतिशत है।

(c) पश्चिमी राजस्थान में लिग्नाइट के पर्याप्त भंडार है।

(1) (a) और (b) सही है। (2) (a) और (c) सही है।

(3) (b) और (c) सही है। (4) उपर्युक्त सभी सही है।

Ans. (4)

❒ **राजस्थान उत्पादन में अपना एकाधिकार रखता है:**
[RPSC Head Master Exam. 15 May, 2012]
[JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) वोलेस्टोनाइट (2) अभ्रक (3) मैंगनीज (4) फेल्सपार
Ans. (1)

व्याख्या - वोलेस्टोनाइट का उत्पादन बेल का भगरा (सिरोही), उदयपुर के खोरताला (कोटड़ी तहसील), कुरा (सायरा तहसील), अजमेर जिले के पीसांगन, ब्यावर जिले के गोला, अलीपुरा, कोटड़ा क्षेत्र में सौ प्रतिशत होता है।

❒ **गोला-अलीपुरा .....का प्रसिद्ध भण्डारण क्षेत्र है।**
[III Grade (Urdu) -28.02.2023]
(1) क्वार्ट्ज (2) सिलिका-रेत (3) डोलोमाइट (4) वोलेस्टोनाइट
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित कीजिये:** [RPSC Head Master. 15 May, 2012]

(खनिज)	(राजस्थान में मुख्य उत्पादन क्षेत्र)
A. फेल्सपार	1. सीकर
B. फ्लोराइट	2. पाली
C. कैल्साइट	3. अजमेर
D. वोलेस्टोनाइट	4. बाड़मेर
	5. डूँगरपुर

कूट :	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	3	5	1	2	(2)	4	3	2	1
(3)	2	4	3	5	(4)	5	2	4	3

Ans. (1)

व्याख्या - फेल्सपार ब्यावर एवं अजमेर जिले में, फ्लोराइट डूँगरपुर जिले में, कैल्साइट सीकर एवं नीम का थाना जिले का रायपुर क्षेत्र में, वोलेस्टोनाइट ब्यावर, सिरोही एवं पाली जिले में उत्पादित होता है।

❒ **राजस्थान में हीलियम गैस कहाँ मिली है-**
[III[rd] Grade Teacher Exam. 2012]
(1) घोटारू (जैसलमेर) (2) कोलायत (बीकानेर)
(3) अलवर (4) अजमेर
Ans. (1)

व्याख्या - पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस : जैसलमेर जिले के मनिहारी टिब्बा, तनोट, घोटारू व डांडेवाला क्षेत्र में प्राकृतिक गैस। बीकानेर के बाघेवाला में हैवीक्रूड ऑयल के भण्डार तथा बाड़मेर जिले के गुढ़ामलानी क्षेत्र में गुढ़ा, बालोतरा जिले के कोसलू, बायतू, मंगला क्षेत्र में खनिज तेल।

❒ **राजस्थान के किस जिले में प्राकृतिक गैस के बड़े भण्डार खोजे गये हैं ?** [R.A.S. Pre Exam, 2003]
[R.A.S. Pre Exam, 1994]
(1) जैसलमेर (2) धौलपुर (3) बाँसवाड़ा (4) बीकानेर
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मनिहारी टीब्बा....का प्रमुख खनन क्षेत्र है-**
[III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) प्राकृतिक गैस (2) पेट्रोलियम
(3) लिग्नाइट (4) चूना पत्थर
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बायतू, कांसल एवं कपूरड़ी क्षेत्र किसके उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं?** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]
(1) पवन ऊर्जा (2) भू-तापीय ऊर्जा
(3) तेल एवं गैस (4) जल-विद्युत
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा पेट्रोलियम उत्पादन स्थल बाड़मेर जिले में स्थित नहीं है?** [III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) मंगला (2) घोटारू (3) भाग्यम (4) ऐश्वर्या
Ans. (2)* *घोटारू-जैसलमेर, मंगल एवं ऐश्वर्या-बालोतरा*

❒ **राजस्थान में स्टील ग्रेड चूना पाया जाता है:**
[RPSC Head Master Exam. 15 May, 2012]
(1) चित्तौडगढ़ जिले में (2) सवाई माधोपुर जिले में
(3) अलवर जिले में (4) जैसलमेर-नागौर जिले में
Ans. (4)

व्याख्या - लाइम स्टोन/चूना पत्थर : जैसलमेर जिले के सोनू क्षेत्र, उदयपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़, सिरोही व नागौर जिलों में लाइमस्टोन अधिकता में पाया जाता है।

❒ **इस्पात संयंत्रों को इस्पात ग्रेड के चूना पत्थर की आपूर्ति राज्य में कहाँ से होती है?** [जेल प्रहरी - 2017]
(1) सोनू (2) गोटन (3) जामसर (4) बिलाड़ा
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में जिप्सम का उत्पादन सर्वाधिक होता है?** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
(1) अजमेर (2) बाड़मेर
(3) जैसलमेर (4) उदयपुर
Ans. (3)

व्याख्या - नागौर में भदवासी गोठ मंगलोद खान, बीकानेर में जामसर व लूणकरणसर तथा जैसलमेर के मोहनगढ़ क्षेत्र में जिप्सम/हरसौंठ का उत्पादन होता है।

❐ बाड़मेर-सांचौर बेसिन प्रसिद्ध है-[III[rd] Grade T. - 2012]
(1) पेट्रोलियम हेतु (2) खनिज पदार्थ हेतु
(3) बायो गैस हेतु (4) जिप्सम हेतु
Ans. (1)

व्याख्या -बाड़मेर-सांचौर बेसिन में खोजे गए तेल क्षेत्र निम्नांकित है: • मंगला-1 : ब्रिटिश कम्पनी केयर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड ने बायतू (बालोतरा)-कवास (बाड़मेर) ब्लॉक के जोगसरिया (नागणां गाँव) में खोदे गये कुएँ में अथाह तेल भण्डार काफी कम गहराई में प्राप्त किये। यह देश का सबसे बड़ा तेल भण्डार हो सकता है। नागणां गाँव में खोदा गया यह कुआँ 10 फरवरी, 2004 को देश को समर्पित कर इसका नाम 'मंगला-1' रख दिया।
- **सरस्वती तेल क्षेत्र (कोसलू, बालोतरा)**
- **रागेश्वरी तेल क्षेत्र (अडेल, बालोतरा)**
- **कामेश्वरी तेल क्षेत्र (अडेल, बालोतरा)**
- **ऐश्वर्या तेल क्षेत्र (बायतू, बालोतरा)**

❐ राजस्थान में मंगला तेल क्षेत्र की खोज निम्नलिखित में से किस वर्ष में की गई थी?
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]
(1) 2003 (2) 2004 (3) 2005 (4) 2006
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में निम्न में से कौनसा कच्चे तेल का उत्पादन क्षेत्र नहीं है?[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]
(1) कामेश्वरी (2) मंगला (3) गुगलवा (4) सरस्वती
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ मंगला-भाग्यम, शक्ति एवं ऐश्वर्या [RAS Pre.2009]
[Librarian III Grade 11.9.2022]
[महिला पर्यवेक्षक- 20.12.2015]
(1) अनुसूचित जाति की बालिकाओं के उत्थान के लिए तीन योजनाएँ है।
(2) बाड़मेर-सांचौर बेसिन में खोजे गए तेल क्षेत्र है।
(3) तीन निजी क्षेत्र में स्थापित विश्वविद्यालय है।
(4) रामगढ़ पावर प्लांट को आपूर्ति करने के लिए, जैसलमेर बेसिन से प्राकृतिक गैस का उत्पादन करना है।
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्न में से कौनसा राजस्थान के तेल -क्षेत्र का नाम नहीं है- [ACF & FRO - 18.2.2021] [RAS- 5.8.2018]
(1) ऐश्वर्या (2) सरस्वती (3) लक्ष्मी (4) रागेश्वरी
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वर्तमान में राजस्थान के किस जिले में पेट्रोलियम के भण्डार मिले हैं? [RPSC III Grade Teac. Ex-2004]
(1) जालोर (2) बाड़मेर (3) जोधपुर (4) नागौर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ 'मंगला' एवं 'भाग्यम' तेल क्षेत्र किस जिले में है?
[छात्रावास अधीक्षक परीक्षा, 2008]
[अन्वेषक - 27.12.2020][वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]
(1) जैसलमेर (2) जालोर (3) बाड़मेर (4) श्रीगंगानगर
Ans. (3)* *मंगला तेल क्षेत्र वर्तमान में बालोतरा जिले में।*

❐ मंगला और शाहगढ़ निम्न में से किस खनिज के खनन क्षेत्र हैं? [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) लिग्नाइट कोयला(2) स्वर्ण(3) तेल और गैस(4) यूरेनियम
Ans. (3)

व्याख्या -मंगला (बालोतरा) में तेल, शाहगढ़ (जैसलमेर) में प्राकृतिक गैस भण्डार है।

❐ भाग्यम तेल कुआँ किस जिले में स्थित है?
[III[rd] Grade Teacher Exam. 2012]
(1) जयपुर (2) बाड़मेर (3) जोधपुर (4) कोटा
Ans. (2)

व्याख्या - विजया और भाग्यम : बाड़मेर के बोंथिया के पास एनवी-1 कुएँ की खुदाई में तेल भंडार खोजे गए जिसे विजया और भाग्यम नाम 4 अप्रैल, 2005 को दिया गया।

❐ राजस्थान में पेट्रोलियम उत्पादन क्षेत्र कितने जिलों में फैला हुआ है- [VDO-28.12.2021 (S-II)]
(1) 14 (2) 16 (3) 9 (4) 12
Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान के मुख्यत: चार पेट्रोलियम संभाव्य क्षेत्र (बेसिन) 14 जिलों के 150000 वर्ग किमी. क्षेत्र में है :
(i) राजस्थान शेल्फ बेसिन (जैसलमेर बेसिन) - जैसलमेर
(ii) बाड़मेर-सांचौर बेसिन (BS (1-5)-CBM-2005)- बाड़मेर एवं सांचौर (पूर्व जालौर) जिले
(iii) बीकानेर-नागौर बेसिन (RJ-ONN-90/5 3967)- बीकानेर, नागौर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चूरू जिले (नवीन जिलों के गठन उपरान्त सम्भावित शामिल जिले - अनूपगढ़, डीडवाना-कुचामन)
(iv) विन्ध्य बेसिन (VN-ONN-2003/1)- कोटा, बारां, बून्दी, झालावाड़ तथा भीलवाड़ा व चित्तौड़गढ़ जिलों का कुछ हिस्सा

❐ कौनसे जिले पेट्रोलियम उत्पादन करने वाले बीकानेर-नागौर बेसिन में शामिल हैं [PSI - 15.09.2021]
(1) बीकानेर, नागौर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू
(2) बाड़मेर, बीकानेर, नागौर, जालौर और जैसलमेर
(3) कोटा, बारां, बूँदी, बीकानेर और नागौर
(4) जैसलमेर, बीकानेर, नागौर, बूँदी और जालौर
Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्नलिखित में से कौनसे राजस्थान में पेट्रोलिफेरस बेसिन है? [I Grade Teacher (GK) -11.10.2022]
1. बाड़मेर-सांचौर बेसिन 2. जैसलमेर बेसिन
3. बीकानेर-नागौर बेसिन 4. विन्ध्यन बेसिन
(1) 1, 2 और 3 (2) 1, 3 एवं 4
(3) 2, 3 और 4 (4) 1, 2, 3 और 4
Ans. (4) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ कौन-सा पेट्रोलियम उत्पादन स्थल बाड़मेर में स्थित नहीं है-[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती- 20.03.2019]
(1) मंगला (2) भाग्यम (3) तनोट (4) ऐश्वर्या
Ans. (3)*

व्याख्या : जैसलमेर स्थित तनोट में प्राकृतिक गैस के भण्डार है। वर्तमान में मंगला-ऐश्वर्या बालोतरा जिले में हैं।

❐ निम्नलिखित में से कौनसी पाइपलाइन केवल गैस का परिवहन करती है- [PSI - 14.09.2021]
(1)नाहरकटिया-नूनमति-बरौनी(2)सलाया - कोयली-मथुरा
(3) हजीरा -बिजयपुर-जगदीशपुर(4) मुम्बई-अंकलेश्वर
Ans. (3)

❐ राज्य में किस जिले में सादेवाला कुएं में खनिज तेल मिलने का पता चला है? [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) जोधपुर (2) बीकानेर (3) जैसलमेर (4) बाड़मेर
Ans. (3)

व्याख्या -ऑयल इंडिया लि. द्वारा बाघेवाला एवं सादेवाला क्षेत्र (जैसलमेर) में वर्ष 1991 में भारी तेल के विपुल भंडार की खोज की गई।

❐ बाड़मेर -सांचौर बेसिन में कौनसा पेट्रोलियम उत्पादन केन्द्र स्थित नहीं है? [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]
(1) शक्ति (2) कामेश्वरी (3) तुकराम (4) सादेवाला
Ans. (4) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ B.P.R.L का पेट्रोलियम खनन क्षेत्र है- [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]
(1) सादेवाला (2) भाग्यम(3) चीनेवाला (4) डांडेवाला
Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ बीकानेर-नागौर बेसिन में ऑयल इण्डिया लिमिटेड द्वारा खोजे गये तेल क्षेत्र को निम्न में से कौनसा नाम दिया गया है? [LDC 23.10.16]
(1) पूनम (2) मंगला (3) सीता (4) सुमित्रा
Ans. (1)

व्याख्या-बीकानेर-नागौर बेसिन में ऑयल इण्डिया लिमिटेड द्वारा 2011-12 में खोजे गये तेल क्षेत्र को पूनम -I नाम दिया गया है।

❐ राजस्थान के बाड़मेर-सांचौर द्रोणी में तेल की खोज और वाणिज्यिक उत्पादन से कौन-सी कम्पनी सम्बद्ध है? [II Grade (Science) Exam. 2011]
[Police Constable Exam-2007(II), (III)]
(1) रिलायन्स एनर्जी वेन्चर्स (2) ओयल इण्डिया लिमिटेड
(3) केयर्न एनर्जी (4) ब्रिटिश पेट्रोलियम
Ans. (3)

व्याख्या - स्कॉटलैण्ड की केयर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड (ब्रिटिश कम्पनी) द्वारा राजस्थान में तेल खोज सम्बन्धित कार्य किये जा रहे हैं।

❐ केयर्न (CAIRN) एनर्जी का मुख्यालय है : [R.A.S. Pre Ex., 2010]
(1) स्कॉटलैंड (ग्रेट ब्रिटेन)(2) दक्षिण कोरिया
(3) ब्राजील (4) संयुक्त राज्य अमरीका
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ "केयर्न एनर्जी" कम्पनी किस उद्योग से सम्बंधित है? [कारापाल परीक्षा, 2012]
(1) नमक (2) यातायात (3) रत्न आभूषण (4) तेल
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्नांकित में से किस स्थान पर राजस्थान पेट्रोजोन स्थापित किया जाएगा। [CET - 5.2.2023 (S- II)]
[II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]
(1) गुढामालानी (2) पचपदरा (3) कांकाणी (4) बोरानाडा
Ans. (2)

व्याख्या - पचपदरा (बालोतरा) में **पेट्रोलियम, केमिकल्स एण्ड पेट्रोकेमिकल्स इन्वेस्टमेंट रीजन (PCPIR)** की स्थापना की जाएगी। इसे **'राजस्थान पेट्रो जोन'** के नाम से जाना जाएगा। इसे रीको के सहयोग से 25 हजार करोड़ रुपये से विकसित किया जाएगा।

❒ **राजस्थान, देश के कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। देश में राज्य का कुल कच्चे तेल का उत्पादन कितना है?** [VDO- 2021]
[I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]

(1) 20% से अधिक (2) 30% से अधिक
(3) 10% से कम (4) 15% से कम

Ans. (1)

व्याख्या *– राजस्थान भारत में कच्चे तेल का महत्त्वपूर्ण उत्पादक है। भारत के कच्चे तेल के कुल उत्पादन (30 एम.एम.टी.पी.ए.) में राज्य का योगदान लगभग 20 प्रतिशत (6 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष) है और यह बॉम्बे हाई, जो कि लगभग 40 प्रतिशत का योगदान देता है, के बाद **दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक** है।*

स्रोत : आर्थिक समीक्षा 2022-23 (राजस्थान), पृ. 90

❒ **आर्थिक समीक्षा 2021- 22 के अनुसार भारत में कच्चे तेल के उत्पादन में राजस्थान का स्थान है?**
[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) प्रथम (2) द्वितीय (3) तृतीय (4) चतुर्थ

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **एच.पी.सी.एल. राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के रिफाइनरी-सह-पैट्रोकैमिकल संकुल का शिलान्यास कब, कहाँ और किसके द्वारा किया गया?**
[RPSC LDC, 11 Jan 2014]

(1) 22 सितम्बर, 2013 को लीलाला, जिला बाड़मेर में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के द्वारा।
(2) 22 सितम्बर, 2013 को पचपदरा, जिला बाड़मेर में श्रीमती सोनिया गाँधी के द्वारा।
(3) 20 सितम्बर, 2013 को पचपदरा, जिला बाड़मेर में श्रीमती सोनिया गाँधी के द्वारा।
(4) 22 सितम्बर, 2013 को पचपदरा, जिला बाड़मेर में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के द्वारा।

Ans. (2)

व्याख्या -बालोतरा जिले (पूर्व बाड़मेर) के पचपदरा के पास साजियावाली गाँव में 22 सितम्बर 2013 को राजस्थान की रिफाइनरी का श्रीमती सोनिया गाँधी के द्वारा शिलान्यास किया गया। यह रिफाइनरी नवगठित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRRL) द्वारा स्थापित की जायेगी।

❒ **एच.पी.सी.एल. राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एच. आर.आर.एल.) को वर्ष.....में निगमित किया गया था।** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16:05.2022 (II)]

(1) 2012 (2) 2013 (3) 2014 (4) 2015

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान सरकार ने पेट्रोलियम शोधक संयंत्र स्थापित करने हेतु किस सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी से अनुबन्ध किया है?** (IInd Grade Spc. Edu. 2017)

(1) ONGC (तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग)
(2) IOCL (इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.)
(3) HPCL (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि.)
(4) BPCL (भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि.)

Ans. (3)

व्याख्या *– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिनांक 16 जनवरी, 2018 को पचपदरा, बालोतरा में 9 मिलियन मिट्रिक टन वार्षिक क्षमता की राजस्थान रिफाइनरी परियोजना के कार्य का शुभारम्भ किया गया है। **देश में अपने तरह की पहली ऐसी परियोजना है, जिसमें पेट्रो-केमिकल कॉम्पलेक्स** भी सम्मिलित है। परियोजना की लागत राशि 43,129 करोड़ रुपये है। यह परियोजना एक संयुक्त उपक्रम (**एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लि.' नाम से संयुक्त उद्यम कम्पनी**) है, जिसमें **एच.पी.सी.एल. (HPCL) का अंश 74 प्रतिशत** और **राज्य सरकार का अंश 26 प्रतिशत** है। **यह देश की पहली आधुनिक बीएस-6 मानक की रिफाइनरी (इको फ्रेन्डली) होगी** और **पचपदरा के सांभरा व साजियाली रूपजी कंठवाली में** तैयार होगी।*

❒ **पचपदरा में प्रस्तावित ऑयल रिफाइनरी किसका संयुक्त उपक्रम है?** [RAS-05.08.2018]

(1) ONGCL एवं भारत सरकार
(2) OIL एवं राजस्थान सरकार
(3) HPCL एवं भारत सरकार
(4) HPCL और राजस्थान सरकार

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **एच.पी.सी.एल. राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एच.पी. सी.एल.) एवं राजस्थान सरकार के मध्य कितनी इक्विटी भागीदारी का संयुक्त उद्यम है?**
[CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) क्रमशः 72% एवं 28%
(2) क्रमशः 68% एवं 32%
(3) क्रमशः 56% एवं 44%
(4) क्रमशः 74% एवं 26%

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **एचपीसीएल, राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड कहाँ स्थित है?** [AEN Exam : 16.05.2014]
[Industry Inspector Exam 24.06.2018]
[CET : 08.01.2023 (S-I)][उद्योग निरीक्षक-24.06.2018]
(1) बूँदी (2) बाड़मेर (3) जोधपुर (4) जालौर
Ans. (2)* ***व्याख्या :*** *वर्तमान में बालोतरा जिले में हैं।*

❒ **'राजस्थान में सरस्वती परियोजना' प्रारम्भ करने वाली एजेन्सी है**-[II Gra. (SSt) 2011] [I Grade T.- 2010]
(1) राजस्थान स्टेट माइन्स व मिनरल्स
(2) वेदान्ता समूह
(3) ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कंपनी
(4) खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान
Ans. (3)

***व्याख्या**-सरस्वती परियोजना के तहत ओएनजीसी, जैसलमेर में मीठे भूमिगत जल स्रोत खोजने के लिए कुएँ खोदेगी।*

❒ **14 एन.ई.एल.पी. ब्लॉक्स, 1 जे. वी. ब्लॉक्स, 2 नोमिनेशन ब्लॉक्स एवं 4 सी.बी.एम. ब्लॉक्स सम्बन्धित है :** [R.A.S. Pre Ex., 2010]
(1) जिप्सम पट्टी से (2) स्वर्ण पट्टी से
(3) पेट्रोलियम अन्वेषण से (4) लिग्नाइट पट्टी से
Ans. (3)

***व्याख्या** - राजस्थान में पेट्रोलियम अन्वेषण के 21 (14 एन.ई.एल.पी. ब्लॉक्स, 1 जे.वी.ब्लॉक्स, 2 नोमिनेशन ब्लॉक्स, 4 सी.बी.एम. ब्लॉक्स) ब्लॉक्स है।*

❒ **राजस्थान का कौनसा शहर पीले पत्थर (यलो स्टोन) के व्यवसाय के लिए प्रसिद्ध है**[RAS., 2003]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1) कोटा (2) जैसलमेर
(3) अजमेर (4) चित्तौड़गढ़
Ans. (2)

***व्याख्या** - किसी भी क्षेत्र में उत्पादित इमारती पत्थरों के रंगों से आप उस क्षेत्र के राजमहलों, मूर्तियों, खिलौनों का अन्दाज लगा सकते हैं। जोधपुर का गुलाबी पत्थर, अलवर, दौसा, धौलपुर का लाल पत्थर, **जैसलमेर का पीला पत्थर**, डूँगरपुर-उदयपुर का काला पत्थर तथा घीया-पत्थर महत्त्वपूर्ण है।*

❒ **किस जिले का लाल पत्थर प्रसिद्ध है?**[BSTC -2008]
(1) करौली (2) भरतपुर(3) अलवर (4) सीकर
Ans. (1)

***व्याख्या** - दिल्ली में स्थित राष्ट्रपति भवन में धौलपुर का लाल पत्थर जबकि संसद भवन में **करौली का लाल पत्थर** लगा हुआ है।*

❒ **राज्य में तामड़ा (गारनेट) का सर्वाधिक खनन किस जिले में होता है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
[वनरक्षक - 2013][कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
(1) पाली (2) टोंक (3) करौली (4) दौसा
Ans. (2)

***व्याख्या** - गहरे लाल और गुलाबी रंग का होने के कारण तामड़ा/गारनेट को रक्तमणि भी कहा जाता है । वास्तव में यह लोहा-एल्यूमिनियम एवं पारदर्शी पदार्थों का मिश्रण होता है। राजस्थान का एकाधिकार वाला यह खनिज **राजमहल (टोंक), सरवाड़ (केकड़ी)** जिलों में सदियों से प्राप्त हो रहा है। टोंक जिले के गोनेरी, सरोई, कुशलपुर, जनकपुरा में मिलता है।*

❒ **राजमहल (टोंक) खान संबंधित है-**
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) सोना (2) पन्ना (3) चाँदी (4) तामड़ा
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सरवाड़ एवं राजमहल खनन क्षेत्र इसके लिए प्रसिद्ध हैं-**
[II Grade (SST) -21.12.2022]
(1) एमरल्ड (2) कैल्साइट (3) गारनेट (4) मैग्नेसाइट
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सही सुमेलित नहीं है?** [Head Master -15 May, 2012]
(1) जावर-जस्ता व सीसा अयस्क (2) बाँसवाड़ा-मैंगनीज
(3) नागौर - जिप्सम (4) बून्दी - गारनेट
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जनकपुरा, कुशलपुर और सरवाड़ खानें जिस खनिज के उत्पादन के लिये जानी जाती हैं, वह है-**
[CET : 08:01.2023 (S-II)][RAS-28.08.2016]
(1) बेराइट्स (2) पाइराइट (3) तामड़ा/गारनेट (4) पन्ना
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दशकों से राजस्थान तामड़ा उत्पादन में अग्रणी रहा है। इसकी खानें प्रमुखतः स्थित हैं-**
[ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
(1) टोंक व जोधपुर में (2) जयपुर व अलवर में
(3) जयपुर व दौसा में (4) टोंक व अजमेर में
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **खनिज-उत्पादक क्षेत्र में सुमेलित नहीं है-** [संगणक परीक्षा-19.12.2021]

(1) लौह –नाथ की पाल (2) गार्नेट – सलादीपुरा
(3) जिप्सम – जामसर (4) मैंगनीज – कालाखूंटा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *सलादीपुरा (सीकर) – पाइराइट*

❒ **जिप्सम एवं लिग्नाइट के प्रचुर भण्डार वाले जिलों का क्रमशः सही सुमेलित युग्म कौनसा है?** [पुलिस कॉन्स्टेबल-2014]

(1) डूँगरपुर और भीलवाड़ा (2) बीकानेर और पाली
(3) बीकानेर और बाड़मेर (4) बाड़मेर और नागौर

Ans. (3)

व्याख्या – *• जिप्सम उत्पादक : नागौर, बीकानेर, जैसलमेर।*
• लिग्नाइट उत्पादक : बाड़मेर, बालोतरा, बीकानेर, नागौर।

❒ **राज्य में किस स्थान पर काला संगमरमर निकाला जाता है ?** [RPSC Eng. Exam-1998, S.I. Exam, 1998]

(1) भैंसलाना (जयपुर) (2) बेणेश्वर (डूँगरपुर)
(3) फलौदी (जोधपुर) (4) देबारी (उदयपुर)

Ans. (1)

व्याख्या –संगमरमर : *संगमरमर का उत्पादन राजसमन्द में सर्वाधिक होता है। राजसमन्द, बाँसवाड़ा (त्रिपुरासुन्दरी) एवं अजमेर का संगमरमर डोलोमाइटिक प्रकार का होने से सफेदी कम होती है। ज्यों-ज्यों पत्थर में से अशुद्धियाँ कम होती है, रंग सफेद होता जाता है और चमक भी बढ़ जाती है। डीडवाना-कुचामन (पूर्व में नागौर जिला) जिले के मकराना (संगमरमर शहर) क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ किस्म का संगमरमर मिलता है। ताजमहल इसी संगमरमर से बना है।*

- *सफेद (कैल्सिटिक) : सेरवा पेरवा (सिरोही), राजसमंद एवं मकराना (डीडवाना-कुचामन)*
- *हरा (सरपेंटाइन) : उदयपुर, डूँगरपुर*
- *लाल : धौलपुर • काला : भैंसलाना (जयपुर)*
- *बादामी : जोधपुर • पीला : जैसलमेर*
- *गुलाबी : सलूम्बर में केवड़ा-बावरमाल*
- *नीला : देसुरी (पाली) • स्लेटी : मोरवड़ (राजसमंद)*
- *पिस्ता : आंधी-झिरी बेल्ट, जयपुर ग्रामीण*
- *सतरंगी : खांदरा (पाली) से प्राप्त होता है।*

❒ **मकराना में मिलने वाले विश्व प्रसिद्ध संगमरमर की किस्म क्या है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]

(1)केल्साइट(2) डोलोमाइट(3) सिलिसियम(4) मार्बोनाइट

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **विश्व प्रसिद्ध 'ताजमहल' के निर्माण में प्रयुक्त संगमरमर का खनन राजस्थान के किस जिले से किया गया था?**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]

(1) राजसमंद (2) उदयपुर (3) नागौर (4) बाँसवाड़ा

Ans. (3)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में निम्न में से कौनसा 'संगमरमर शहर' के रूप में प्रसिद्ध है-** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]

(1) नचना (2) बीदासर (3) खेतड़ी (4) मकराना

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गुलाबी संगमरमर का खनन क्षेत्र ...... है।** [III Grade (Sindhi) -01.03.2023]

(1) कुमारी (2) बाबरमल (3) केसरीयाजी (4) डूंगरपुर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा खनिज पत्थर राज्य में सर्वाधिक विक्रय मूल्य अर्जित करता है ?** [R.A.S. Pre Exam, 1992]

(1) चुनाई का पत्थर (2) चूने का पत्थर
(3) बालू पत्थर (4) संगमरमर

Ans. (4)

व्याख्या : *उपर्युक्त खनिजों में संगमरमर राजस्थान में सर्वाधिक विक्रय मूल्य अर्जित करता है।*

❒ **राजस्थान कालकाजी और कावला में किस खनिज के भण्डार है-** [अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]

(1)चूना पत्थर(2)मार्बल(3) ग्रेनाइट(4) क्ले(चिकनी मिट्टी)

Ans. (3)

व्याख्या – *जालौर जिले के कालकाजी, बुटी कावला, खांबी, कोला की घाटी, काला घाटी तथा सांचौर जिले के रानीवाड़ा में ग्रेनाइट के भण्डार हैं।*

❒ **निम्न में से राजस्थान का "ग्रेनाइट सिटी" के रूप में किसे जाना जाता है?** [H. M. 15 May, 2012] [III Grade (English) -27.02.2023] [PSI - 15.09.2021]

(1) सिरोही (2) उदयपुर (3) जालोर (4) जोधुपर

Ans. (3)

व्याख्या – ग्रेनाइट : *विश्व में यह सबसे महंगा पत्थर जो मुख्यतः छप्पन की पहाड़ी, सिवाणा (बालोतरा) से प्राप्त होता है। जालोर को ग्रेनाइट सिटी कहा जाता है।*

- *काला ग्रेनाइट : कालाडेरा (जयपुर ग्रामीण)*
- *पीला ग्रेनाइट : पिथला (जैसलमेर)*
- *हरा ग्रेनाइट : डूँगरपुर*
- *गुलाबी ग्रेनाइट: सिवाणा (बालोतरा)*

❐ **हाल ही में राजस्थान में यूरेनियम के बड़े भण्डार पाये गये हैं**[वनरक्षक-11.12.2022(II)][VDO-28.12.2021 (II)]
(1) आनन्दपुर भुकिया (बांसवाड़ा) (2) सलादीपुर (सीकर)
(3) आमेट (उदयपुर) (4) रोहिल (सीकर)
Ans. (4)

***व्याख्या** – राजस्थान के सीकर जिले के खंडेला उपखण्ड के गाँव रोहिल और सुहागपुरा इलाके में यूरेनियम के भण्डार मिले हैं।*

❐ **रोहिल खाने किस खनिज से संबंधित है?**
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
[III Grade (English) -27.02.2023]
(1) थोरियम (2) यूरेनियम (3) बेरिलियम (4) अभ्रक
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में 'झामर कोटड़ा' क्षेत्र निम्नलिखित में से किस खनिज से सम्बन्धित है?**[JEN- 21.08.2016]
[वनपाल-06.11.2022(S-II)] [PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022]
[RAS-14.6.2012][HM- 2.9.2018][JEN-26.12.2020]
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) सीसा-जस्ता (2) मैंगनीज (3) रॉक फास्फेट (4) चाँदी
Ans. (3)

***व्याख्या**- राजस्थान में रॉक फॉस्फेट की प्रमुख खानें निम्नलिखित है- उदयपुर के झामरकोटड़ा, दक्कन, कोटरा, नीमचमाता, बीसासम, बेलागढ़, भींडर तथा जैसलमेर के बिरमानिया, लाठी शैल समूह, जयपुर ग्रामीण के अचरोल, बाँसवाड़ा में इसका रासायनिक खाद बनाने के लिए होता है।*

❐ **झामर कोटड़ा रॉक फॉस्फेट खदानें कहाँ स्थित हैं-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) जैसलमेर (4) बीकानेर
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **रॉक फॉस्फेट की खान कहाँ पर स्थित हैं?**
[Protection Officer - 28.01.2023][राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-2014]
(1) दरीबा (2) आगूचा (3) नाथों की पाल (4) झामर कोटड़ा
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का कौनसा जिला रॉक-फॉस्फेट खनिज का उत्पादक नहीं है?** [Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
(1) उदयपुर (2) जैसलमेर (3) पाली (4) जयपुर
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **रॉक फॉस्फेट पाया जाता है ?**[III Gr. Teacher-2004]
(1) बाँसवाड़ा, जैसलमेर, उदयपुर (2) बाँसवाड़ा, उदयपुर
(3) जैसलमेर व उदयपुर (4) बाँसवाड़ा व जैसलमेर
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सुमेलित नहीं है?** [CET- 08.01.2023 (S-I)]
(1) डोलोमाइट-बाजला-काबरा
(2) फ्लोराइट-मांडो-की-पाल (3) रॉक फॉस्फेट-बरोडिया
(4) सीसा और जस्ता - रामपुरा-अगुचा
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में बेरिलियम उत्पादक दो प्रमुख जिले हैं**-[वनरक्षक-13.12.2022(S-I)][RAS (Pre)-14 June, 2012]
(1) उदयपुर और जयपुर (2) अलवर और झुन्झुनूँ
(3) नागौर और पाली (4) सिरोही और डूँगरपुर
Ans. (1)

***व्याख्या**- आमेट से बिरल (उदयपुर), गुजरवाडा-बांदेर-सिन्दरी (जयपुर ग्रामीण) में बेरिलियम पाया जाता है। बेरिलियम का उपयोग परमाणु शक्ति के रूप में होता है*

❐ **नाथरा-की-पाल तथा मोरीजा - बानोला क्षेत्र में खानें हैं**-[RAS-2009][खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]
[उद्योग निरीक्षक-24.06.2018] [पशुधन सहायक - 21.10.2018]
[JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) कोयले (2) ताँबे (3) लौह अयस्क (4) मैंगनीज
Ans. (3)

***व्याख्या**- लौहा : सर्वाधिक लौहा जयपुर में, जबकि सर्वाधिक कच्चा लौहा कानपुरा (जयपुर ग्रामीण) से निकाला जाता है। जयपुर ग्रामीण के मोरिजा बानोला, झुंझुनूँ के डाबला-सिंघाना, दौसा के नीमला-राइसेला व लालसोट तथा शाहपुरा के पुर बनेड़ा क्षेत्र, उदयपुर के नाथरा की पाल (वर्तमान में सलूम्बर जिला) एवं थुर हुण्डेर ।*

❐ **लौह अयस्क खनन क्षेत्र-जिला में सही सुमेलित नहीं है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]

(1) बागोली, सराय-पचलंगी	झुन्झुनूं
(2) नीमला -राइसेला	नागौर
(3) चौमू-सामोद	जयपुर
(4) लोहारपुरा	बूंदी

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'लालसोंट', 'राइसेला' एवं 'बोमानी' स्थान किस खनिज से संबंधित है-**
(1) मैंगनीज (2) टंगस्टन (3) ताँबा (4) लौह-अयस्क
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में मोरीजा - नीमला लौह अयस्क भण्डार किस जिले में स्थित है-** [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]
(1) अजमेर (2) जयपुर (3) दौसा (4) अलवर
Ans. (2, 3)* ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **डाबला-सिंघाना क्षेत्र किस अयस्क के लिए प्रसिद्ध है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -III]
(1) लौह अयस्क (2) बेरिलियम अयस्क
(3) सीसा अयस्क (4) मैंगनीज अयस्क
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **'नाथरा की पाल' खान किस जिले में अवस्थित है?** [LDC Exam -09.09.2018]
(1) अजमेर (2) उदयपुर
(3) सिरोही (4) बाड़मेर
Ans. (2)* ***व्याख्या :*** *वर्तमान में सलूम्बर जिले में स्थित है।*

❑ **राज्य में लोहे के औजारों के निर्माण में कौन-सा जिला प्रसिद्ध है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]
(1) झुन्झुनूं (2) राजसमंद (3) जयपुर (4) नागौर
Ans. (4)

व्याख्या - नागौर (धातु नगर) जिला लोहे के औजारों के लिए तथा गजसिंहपुर (गंगानगर) व झोटवाड़ा (जयपुर) कृषिगत औजारों के लिए प्रसिद्ध है।

❑ **राजस्थान में ताँबे के विशाल भण्डार स्थित है?** [R.A.S. Pre Exam.(cancelled) 1999, 2003] [Police Constable Exam-2007(II)]
(1) डीडवाना (2) बीकानेर (3) उदयपुर (4) खेतड़ी
Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान में ताँबा नीम का थाना (ताँबा जिला) के खेतड़ी-सिंघाना क्षेत्र, कोलिहान व चाँदमारी, सीकर में बन्नो वालों की ढ़ाणी, अलवर जिले के खो-दरीबा व भगोनी क्षेत्र, सिरोही जिले के आबूरोड़ क्षेत्र, गोलिया, पिपेला, भीलवाड़ा जिले के पुर-दरीबा, शाहपुरा जिले के बनेड़ा क्षेत्र, केकड़ी जिले का सावर क्षेत्र एवं ब्यावर जिले का हनुतिया क्षेत्र में पाया जाता है। ताँबा उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का देश में दूसरा स्थान (32% उत्पादन) है। राजस्थान का देश के ताँबा संसाधनों में हिस्सा 54% है।

❑ **निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में ताँबा उत्पादक क्षेत्र नहीं है?** [Asstt. Fire Officer -29.1.2022]
(1) गुजरवाड़ा (2) खेतड़ी (3) सिंघाना (4) खो-दरीबा
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के किस शहर को 'ताम्र नगरी' कहते हैं-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]
(1) बूँदी (2) खेतड़ी (3) बाड़मेर (4) टोंक
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में गोलिया व हनुतिया में भण्डार है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]
(1) ताँबे के (2) चाँदी के (3) टंगस्टन के (4) मैंगनीज के
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **खो-दरीबा क्षेत्र ..... के लिए प्रसिद्ध है-** [उद्योग निरीक्षक-24.06.2018] [Head Master 15 May, 2012] [PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022]
(1) ताँबे की खानों (2) लोहा अयस्क खानों
(3) चूने के पत्थर की प्रचुरता (4) कोयले की खानों
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **2021 के अनुसार भारत में ताँबे के उत्पादन में राजस्थान का कौनसा स्थान है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-I)]
(1) पहला (2) तीसरा (3) दूसरा (4) पाँचवा
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **खनिज - निक्षेप क्षेत्र में कौनसा सुमेलित नहीं है-** [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
(1) ताम्र - अकावाली (झुन्झुनूँ)
(2) लौह अयस्क - पुर-बनेड़ा पेटी (शाहपुरा)
(3) सीसा एवं जस्ता - हनुतिया (अजमेर)
(4) मैंगनीज - सिवानिया-खेरिया (बाँसवाड़ा)
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **देश के कुल तांबे के संसाधनों में राजस्थान का हिस्सा कितने प्रतिशत है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]
(1) 45% (2) 54% (3) 36% (4) 59%
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **खेतड़ी-सिंघाना किस खनिज/धातु का उत्पादक है-** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) कोयला (2) ताँबा (3) अभ्रक (4) जिप्सम
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में निम्नलिखित में से किस जिले में सर्वाधिक (मिलियन टन) ताँबे के भण्डार है-** [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]
(1) अलवर (2) चित्तौड़गढ़ (3) पाली (4) झुन्झुनूं
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *वर्तमान में नीम का थाना जिले में है।*

❒ **चाँदमारी ताम्र परियोजना राजस्थान के किस जिले में कार्यरत है?** [Jr. Accountant 04.10.16]

(1) दौसा (2) झुंझुनूँ (3) चित्तौड़गढ़ (4) पाली

Ans. (2) ***व्याख्या : वर्तमान में नीम का थाना जिले में है।***

❒ **अकवाली निक्षेप .... के लिए प्रसिद्ध हैं।** [III Grade (SST) -26.02.2023]

(1) लोहा (2) ताँबा (3) संगमरमर (4) फेल्सपार

Ans. (2)

❒ **राज्य में किस स्थान पर 31 हजार टन की क्षमता का ताँबा गलाने का संयंत्र लगाया गया है ?** [Motor Veh. SI, 2002]

(1) रामपुरा (2) खेतड़ी (3) रींगस (4) सांगानेर

Ans. (2)

व्याख्या*-*ताँबा शोधन हेतु खेतड़ी (वर्तमान में नीम का थाना जिला) में खेतड़ी-ताँबा स्मेल्टर संयंत्र की स्थापना (9 नवम्बर, 1967 को खेतड़ी कॉपर कॉम्पलेक्स नाम से) की गई। इसे 5 फरवरी, 1975 को राष्ट्र को समर्पित किया गया। जहाँ प्रतिवर्ष 31 हजार टन ताँबा शोधन किया जाता है।

❒ **हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड उद्योग को कच्चा माल कहाँ से उपलब्ध होता है?** [RPSC LDC - 17.02.2012]

(1) खेतड़ी से (2) सीकर से (3) जयपुर से (4) जावर से

Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **राजस्थान के झुञ्झुनूँ जिले में 'खेतड़ी कॉपर कॉम्पलेक्स' भारत सरकार द्वारा किस वर्ष में स्थापित हुआ था-** [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

(1) 1967 (2) 1968 (3) 1969 (4) 1970

Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **कौन-सा खनिज सिंघाना के मदान-कुदान क्षेत्र में निकलता है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर)- 23.03.2019]

(1) लौह (2) ताँबा (3) मैग्नीशियम (4) एल्यूमीनियम

Ans. (2)

व्याख्या - वर्तमान में खेतड़ी (वर्तमान में नीम का थाना जिला) में दो खानों माधव कुधन (मदान-कुदान) और कोलीहान से ताँबे का खनन किया जा रहा है।

❒ **राजस्थान में विभिन्न श्रेणियों का ताँबा पाया जाता है। राजस्थान की निम्नांकित जगहों में से किस जगह समस्त श्रेणियों का ताँबा सर्वाधिक मात्रा में पाया जाता है?** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) आंजनी (उदयपुर)

(2) मदान-कुदान (झुन्झुनूँ)

(3) बेडावल-की-पाल (उदयपुर)

(4) हनोतिया (अजमेर)

Ans. (2) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **बीकानेर रियासत में दुलमेरा किस खनिज के लिए प्रसिद्ध था-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]

(1) पत्थर (2) अभ्रक (3) कोयला (4) ताँबा

Ans. (1)

❒ **एशिया का श्रेष्ठ जस्ता एवं सीसा अयस्क भण्डार उपलब्ध है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]

(1) राजसमन्द जिले के राजपुर दरीबा में

(2) उदयपुर जिले के देलवाड़ा में

(3) भीलवाड़ा जिले के रामपुर आंगुचा में

(4) उदयपुर जिले के झामर कोटड़ा में

Ans. (3)

व्याख्या - सीसा-जस्ता (Pb-Zn) उत्पादक क्षेत्र :

- ***उदयपुर जिले के जावर, मोचिया-मगरा, बरोई मगरा, बलारिया क्षेत्र। उदयपुर के देबारी गाँव में भारत सरकार का 'हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड' का कारखाना है। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी जिंक खनन करने वाली कम्पनी है।***
- ***चन्देरिया (चित्तौड़गढ़) में ब्रिटेन की सहायता से 'सुपर जिंक स्मेल्टर' संयंत्र स्थापित किया गया है जिसका एशिया में प्रथम स्थान है।***
- ***राजसमंद जिले के राजपुरा-दरीबा, सिन्देसर कला (सर्वाधिक उत्पादन क्षमता वाली खान)***
- ***सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा,***
- ***भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा, रामपुरा- आंगुचा (विश्व की सबसे बड़ी सीसे व जस्ते सिंगल ओपन कास्ट खान) एवं शाहपुरा जिले के पुन-बनेड़ा।***

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में स्थित महत्त्वपूर्ण सीसा-जस्ता-चाँदी के भंडार में से एक है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) रामपुरा-आंगुचा और पुर-बनेड़ा

(2) मोरिजा-नीमला

(3) लालसोट (दौसा)

(4) छोटी-सर, बड़ी-सर (उदयपुर)

Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **कथन A :** राजस्थान का दूसरा जस्ता शोधन संयंत्र अब चन्देरिया (चित्तौड़गढ़) में स्थापित किया जा रहा है-
कारण R : चित्तौड़गढ़ जिले में जस्ता अयस्क भण्डार प्रचूर मात्रा में उपलब्ध है- [RAS Exam - 1991]
(1) कथन सही और कारण भी सही है
(2) कथन गलत है, परन्तु कारण सही है
(3) कथन सही है, परन्तु कारण गलत है
(4) कथन गलत है, और कारण भी गलत है
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **भीलवाड़ा जिले के आंगुचा-गुलाबपुरा क्षेत्र से कौनसा खनिज प्राप्त होता है?** [RPSC LDC. Exam, 2012] [Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
(1) जस्ता (2) अभ्रक (3) ताँबा (4) केल्साइट
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **आंगुचा - गुलाबपुरा खनन क्षेत्र में खनिजों के किस जोड़े के लिए प्रसिद्ध है?** [उद्योग निरीक्षक-24.06.2018]
(1) Zn - Pb (2) Mg - Mn (3) Fe - Ni (4) Ag - Au
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सीसा-जस्ता प्रद्रावक अवस्थित है-** [योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]
(1) अजमेर (2) डीडवाना (3) कोटा (4) चंदेरिया
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चन्देरिया सीसा-जस्ता प्रद्रावक किस जिले में स्थित है?** [जेल प्रहरी - 2017][RPSC LDC. Exam, 2012] [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]
(1) उदयपुर (2) चित्तौड़गढ़ (3) भीलवाड़ा (4) अजमेर
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कहाँ देश का सबसे अधिक और बड़ा सीसा - जस्ता का एकल जमा है-** [ग्राम सेवक, 2008] [क.वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]
(1) पलाना (2) खेतड़ी (3) खो-दरीबा (4) जावर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड का जिंक स्मेल्टर, उदयपुर में कहाँ स्थित है-** [LDC Exam - 16.09.2018]
(1) खेतड़ी (2) नीमराना (3) देबारी (4) निम्बाहेड़ा
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जावर खान किस जिले में है?** [I Grade Teacher, 2012] [III Grade Teacher-2004]
(1) उदयपुर (2) सवाई माधोपुर (3) चित्तौड़गढ़ (4) राजसमन्द
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **गुढ़ा-किशोरीदास और चौथ का बरवाड़ा जिस खनन के लिए प्रसिद्ध हैं, वह है-** [JEN (Diploma) - 21.8.2016] [Police Constable - 2013]
(1) सीसा एवं जस्ता (2) ताँबा (3) लौह-अयस्क (4) मैंगनीज
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में सीसा एवं जस्ता की रामपुरा-आंगुचा की खानें, जिस जिले में स्थित हैं, वह है-** [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021] [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) भीलवाड़ा (2) उदयपुर (3) प्रतापगढ़ (4) झुन्झुनूँ
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसे स्थान जिंक खदानों से सम्बन्धित हैं-**
1. मोचिया 2. डींगोर 3. बलारिया 4. डाडिया 5. जावर माला [JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
(1) 2, 3 और 4 (2) 1, 3 और 5
(3) 1, 2 और 3 (4) 3, 4 और 5
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **चन्देरिया....संयंत्र चित्तौड़गढ़ में स्थित है।** [III Grade (SST) -26.02.2023]
(1) एस्बेस्टस (2) जस्ता (3) ताँबा (4) इस्पात
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में सीसा-जस्ता के सबसे बड़े निक्षेप कहाँ स्थित है?** [III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) सिंदेसर-कलां (2) मौखमपुरा पूर्व
(3) राजपुरा-दरीबा (4) दरीबा पूर्व
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सीसा-जस्ता गलाई संयंत्र कहाँ स्थापित किया गया है ?** [Motor Veh. SI, 2002][पुलिस कॉन्स्टेबल-14.7.2018]
(1) भैंसलाना (जयपुर) (2) बेणेश्वर (डूँगरपुर)
(3) कोटा (4) देबारी (उदयपुर)
Ans. (4)

व्याख्या - उदयपुर के देबारी गाँव में जिंक स्मेल्टर (सीसा एवं जस्ता गलाई संयंत्र) स्थापित किया गया है।

❐ **निम्न खनिजों में किसके लिए राजस्थान को देश में एकाधिकार प्राप्त है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2003] [A. Jailor Exam, 2004]
(1) सीसा-जस्ता (2) अभ्रक (3) मैंगनीज (4) ताँबा
Ans. (1)

व्याख्या - सीसा-जस्ता का उत्पादन राजस्थान में 80-90 प्रतिशत होता है।

❒ **सुमेलित कीजिये -** [RAS Pre Exam-26.10.2013]
[पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018]

सीसा-जस्ता क्षेत्र	जिला
(A) देबारी	(i) सवाई माधोपुर
(B) राजपुरा - दरीबा	(ii) भीलवाड़ा
(C) रामपुरा - आंगुचा	(iii) राजसमन्द
(D) चौथ का बरवाड़ा	(iv) उदयपुर

कूट: A B C D   A B C D
(1) 3 4 2 1   (2) 4 3 2 1
(3) 4 3 1 2   (4) 1 2 3 4

Ans. (2)

***व्याख्या- सीसा-जस्ता क्षेत्र :** उदयपुर के देबारी गाँव में, सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा, राजसमंद जिले के राजपुरा-दरीबा, भीलवाड़ा जिले के रामपुरा-आंगुचा।*

❒ **निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा जिला मैंगनीज खनिज के लिए प्रसिद्ध है?** [E.O.- 2007]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
(1) जोधपुर (2) बाँसवाड़ा (3) बीकानेर (4) झालावाड़

Ans. (2)

***व्याख्या :** मैंगनीज का बाँसवाड़ा जिले के लीलवानी नराड़िया, सिवोनिया, सागवा, काँसला, कालाखूँटा व तलवाड़ा (सर्वाधिक उत्पादन) क्षेत्रों में पाया जाता है। इसके अलावा कुछ मैंगनीज नगेडिया (राजसमंद) तथा छोटी-सर, बड़ी-सर (उदयपुर) में भी पाया जाता है।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में लीलवानी खान स्थित है?** [महिला पर्यवेक्षक-06.01.2019]
(1) जयपुर (2) बाँसवाड़ा (3) डूँगरपुर (4) उदयपुर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में इस धात्विक खनिज के भंडार मुख्य रूप से बाँसवाड़ा जिले में पाए जाते हैं, जहाँ यह गुरिया से रथिमुरी तक 22 किमी. की दूरी तक फैली हुई पट्टी तक संकुचित है। इसके छोटे निक्षेप, गाँव नेगड़िया (राजसमंद), छोटी-सर, बड़ी-सर (उदयपुर) के पास भी स्थित हैं। धात्विक खनिज की पहचान करें।** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-13.05.2022 (I)]
(1) टंगस्टन (2) मैंगनीज (3) सोना (4) लोहा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बाँसवाड़ा जिले के सिवोनिया, कालाखूँटा, घाटिया क्षेत्र.....खनिज के भण्डारों के लिये जाने जाते हैं-** [III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) टंगस्टन (2) चाँदी (3) सीसा-जस्ता (4) मैंगनीज

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया व माइंस एवं जियोलॉजी विभाग के खनिज खोज कार्य की आरंभिक रिपोर्ट के अनुसार राज्य के बाँसवाड़ा व राजसमंद में....के विशाल भण्डार मिले हैं।** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) पोटाश (2) मैंगनीज (3) ताँबा (4) जिप्सम

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में पन्ने की खानें कहाँ स्थित हैं ?** [Police Constable Exam-2006-07]
(1) अजमेर जिले में (2) उदयपुर जिले में
(3) उपर्युक्त दोनों जिलों में (4) उक्त में में कहीं नहीं

Ans. (3)

***व्याख्या** - यह उदयपुर जिले के गोगुंदा, अंटालिया व टिक्की क्षेत्र, अजमेर जिले के बूबानी-राजगढ़, राजसमंद के कालागुमान आदि जिलों में पाया जाता है। पन्ना की एक संकड़ी पट्टी उत्तर में देवगढ़ से दक्षिण में कांकरोली तक फैली हुई है। यह हरे रंग का कीमती पत्थर होता है। इसलिए इसे हरी अग्नि भी कहते है। सर्वप्रथम इसका पता (1943 ई.) कालागुमान क्षेत्र में लगा। विश्व में पन्ने की अन्तर्राष्ट्रीय सबसे बड़ी मण्डी जयपुर में स्थित है। ब्रिटेन की माइन्स मैनेजमेन्ट लिमिटेड कम्पनी द्वारा बुबानी व मुहामी (अजमेर) से गांव गुढ़ा (राजसमंद) तक 221 किमी. लम्बी फाइनग्रेड पन्ने की खोजी गयी विशाल पट्टी को 'ग्रीन फायर बैल्ट' नाम दिया गया है।*

❒ **राजस्थान में निम्न में से कौनसा पन्ना खनन क्षेत्र नहीं हैं?** [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]
(1) टिक्की (2) गोगुन्दा (3) कालागुमान (4) सरवर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कालागुमान और टिक्की क्षेत्र ....उत्पादन हेतु जाने जाते हैं।** [CET : 07.01.2023 (S-II)]
(1) गार्नेट के (2) पन्ना के
(3) कैल्साइट के (4) घीया पत्थर के

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ विश्व में पन्ने की सबसे बड़ी मंडी है-[II Gr.T., 2010]
(1) अलवर (2) जयपुर (3) झालावाड़ (4) भीलवाड़ा
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजगढ़ (अजमेर) एवं देवगढ़ (उदयपुर) किसके निक्षेपों हेतु जाने जाते हैं?[I Grade Teacher-17.10.2022]
(1) पन्ना (2) गार्नेट/तामड़ा (3) हीरा (4) पुखराज
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में स्वर्ण अयस्क के भण्डार मुख्यत:..... जिले में अनुमानित किये गये हैं?
[R.A.S. Pre Exam, 1998]
[III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) उदयपुर (2) कोटा (3) झालावाड़ (4) बाँसवाड़ा
Ans. (4)

व्याख्या - सोने की खोज का कार्य : आनन्दपुर-भुकिया, तिमारन माता - बाँसवाड़ा । धानी बासड़ी-दौसा।

❑ सोने की भुकिया-जगपुरा-दिलवारा पेटी स्थित है-
[I Grade Teacher (GK) -11.10.2022]
(1) प्रतापगढ़ (2) बाँसवाड़ा (3) जालौर (4) झालावाड़
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ भुकिया - जगपुरा - देलवारा पट्टा जाना जाता है-
[Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) टंगस्टन के भंडार के लिए(2) सोने के भंडार के लिए
(3) क्वार्ट्ज के भंडार के लिए
(4) मैंगनीज के भंडार के लिए
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ अभिनव भू-भौतिक गवेषणाओं ने राजस्थान के किस खनन क्षेत्र में स्वर्ण भण्डारों की उपस्थिति को प्रमाणित किया है-[JEN (Mech.) Deg. (TSP)- 16.10.2016]
(1) आनन्दपुर भुकिया (2) जावर
(3) गुलाबपुरा-आगूचा (4) चौथ का बरवाड़ा
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ आनन्दपुर भुकिया और तिमारन माता प्रसिद्ध है-
[वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]
(1) यूरेनियम निक्षेपों हेतु (2)सीसा-जस्ता के निक्षेपों हेतु
(3) स्वर्ण निक्षेपों हेतु (4) एस्बेस्टस के निक्षेपों हेतु
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में विस्तृत रूप से प्राप्य अज्वलित ईंधन खनिज है ? [R.A.S. Pre Exam, 1995]
(1) लोहा (2) ताँबा (3) जस्ता (4) अभ्रक
Ans. (4)

व्याख्या - अभ्रक खनिज राजस्थान के भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, उदयपुर, शाहपुरा (नाथ की नेरी) आदि जिलों में पाया जाता है। अज्वलित खनिजों में सबसे अधिक क्षेत्र में पाया जाने वाला यह खनिज विद्युत साज-सामान निर्माण में काम आता है।

❑ राजस्थान का कौनसा जिला अभ्रक के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है? [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]
(1) दौसा (2) चित्तौड़गढ़ (3) भीलवाड़ा (4) बूँदी
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ सुमेलित नहीं है? [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]
(1) ताँबा-सिंघाना (2) अभ्रक-जामसर
(3) सीसा एवं जस्ता-राजपुरा-दरीबा (4) टंगस्टन-डेगाना
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में पाया जाने वाला अधात्विक खनिज है- [II Grade (SST)-2011] [जेल प्रहरी-27-10-2018(I)]
(1) टंगस्टन (2) फेल्सपार (3) अभ्रक (4) मैंगनीज
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ किस खनिज के उत्पादन में राजस्थान का भारत में पहला स्थान है? [प्रयोगशाला सहायक परीक्षा-03.02.2019]
(1) फेल्सपार (2) लिग्नाइट (3) ताँबा (4) लोहा
Ans. (1)

व्याख्या : फेल्सपार (मून स्टोन) : अजमेर (बांदर सिंदरी, तारागढ़), ब्यावर (मसूदा), अलवर, भीलवाड़ा, पाली आदि जिलों में पाया जाने वाला यह अधात्विक खनिज काँच, मिट्टी के बर्तन आदि बनाने वाले उद्योगों में प्रयुक्त होता है। देश में फेल्सपार के सर्वाधिक भण्डार (66 प्रतिशत) राजस्थान (अजमेर में सर्वाधिक) में पाये जाते हैं।

❑ राजस्थान में देश का .....प्रतिशत फेल्सपार भण्डार है- [LDC Exam -09.09.2018]
(1) 100 (2) 50 (3) 33 (4) 66
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में निम्न में से कौनसा जिला 'फेल्सपार' अधिकतम उत्पादन करता है? (I Gr.T., 17-07-2016)
[CET : 7.1.2023 (S-II)][पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.9.2020]
(1) पाली (2) अजमेर (3) जयपुर (4) सीकर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा अर्द्ध-दुर्लभ/दुर्लभ पत्थर राजस्थान में प्रचुरतम मात्रा में पाया जाता है?** [R.A.S. Pre, 2003]
(1) नीलम (2)मानिक(3) फीरोज़ा (4) सुलेमानी पत्थर
Ans. (4)

व्याख्या - सुलेमानी पत्थर : इसे अकीक, गोमेद या एगेट भी कहा जाता है । यह झालावाड़, कोटा, चित्तौड़गढ़ एवं बाँसवाड़ा जिलों में पाया जाता है ।

❐ **राज्य में बेण्टोनाइट का एकमात्र उत्पादक जिला कौनसा है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]
(1) नागौर (2) जैसलमेर (3) बीकानेर (4) बाड़मेर
Ans. (4)

व्याख्या - बेन्टोनाइट [Bentonite]: बाड़मेर, बीकानेर तथा सवाईमाधोपुर जिलों में पाया जाने वाला यह खनिज सौन्दर्य प्रसाधनों के निर्माण में प्रयुक्त किया जाता है।

❐ **राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसे जिलों में बेन्टोनाइट के महत्त्वपूर्ण भण्डार है-**
[AEN Exam : 16.05.2014]
(1) कोटा, झालावाड़, बारां (2) अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा
(3)बाड़मेर, बीकानेर, सवाईमाधोपुर(4)जयपुर, सीकर, झुन्झुनूँ
Ans. (3) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **राजस्थान में देश का करीब 90 प्रतिशत एस्बेस्टॉस उत्पादित किया जाता है। यह जिन जिलों में उत्पादित किया जाता है, वे है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]
(1) भीलवाड़ा, नागौर, सिरोही एवं जयपुर
(2) उदयपुर, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा एवं अजमेर
(3) टोंक, भीलवाड़ा, नागौर एवं बाँसवाड़ा
(4) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सिरोही एवं टोंक
Ans. (2)

व्याख्या - एस्बेस्टॉस : राजस्थान के उदयपुर के ऋषभदेव (खेरवाड़ा) (सर्वाधिक), डूँगरपुर, राजसमंद, अजमेर व भीलवाड़ा जिलों में पाया जाने वाला यह खनिज सीमेण्ट, छत की चदरों, पाइप आदि बनाने के काम आता है। राजस्थान में एम्फीबॉल किस्म का एस्बेस्टस मिलता है।

❐ **किस खनिज से सीमेंट चादरें, टाइलें, फिल्टर्स, बॉइलर्स तथा अन्य ताप निरोधक वस्तुओं का निर्माण किया जाता है-** [PSI - 14.09.2021]
(1) फेल्सपार(2) डोलोमाइट(3) एस्बेस्टॉस(4) बोलेस्टोनाइट
Ans. (3) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **कौनसा सही सुमेलित हैं-** [R.A.S.- 27.10.2021]
(1) मांडो-की-पाल-फेल्सपार(2) तलवाड़ा-सीसा एवं जस्ता
(3) खेरवाड़ा - एस्बेस्टस (4) ऋषभदेव - अभ्रक
Ans. (3) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **गोठ-मांगलोद जो जिप्सम भंडार एवं खदानों के लिये सुप्रसिद्ध है, स्थित है?**[III Grade Teacher-2009]
(1) नागौर (2) बीकानेर (3) बाड़मेर (4) हनुमानगढ़
Ans. (1)

व्याख्या - जिप्सम/हरसौंठ/सेलेनाइट/खड़िया : नागौर में भदवासी, गोठ मांगलोद खान, बीकानेर (सर्वाधिक उत्पादन) में जामसर, कानोई, हरकासर, भहारू, सियासर, कोलायत, पूंगल व लूणकरणसर तथा जैसलमेर के मोहनगढ़ क्षेत्र, चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर, बाड़मेर, पाली क्षेत्र में मिलता है। राजस्थान में जिप्सम की सबसे बड़ी खान बिसरासर (हनुमानगढ़) में स्थित है।

❐ **पाली, जोधपुर पट्टे पर -फलसुंड, मांगलोद क्षेत्र निम्नलिखित में से किस खनिज के खनन के लिए प्रसिद्ध हैं?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) ग्रेफाइट (2) हीरा (3) जिप्सम (4) पेट्रोलियम
Ans. (3) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **कौनसा जिला वर्तमान में जिप्सम का अधिकतम उत्पादन करता है?**[JEN - 21.08.2016][CET - 5.2.2023]
(1) बीकानेर (2) जैसलमेर (3) हनुमानगढ़ (4) नागौर
Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **इनमें से कौन-सा राजस्थान का प्रमुख जिप्सम उत्पादक क्षेत्र है-** [Stenographer Exam : 30.05. 2013]
(1)बीकानेर,गंगानगर,हनुमानगढ़(2)जोधपुर,बीकानेर, बाड़मेर
(3) चूरू, झुन्झुनूं, सीकर (4) जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर
Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **'गोठ- मांगलोद' क्षेत्र का सम्बन्ध किस खनिज से है?** [RAS-31.10.2015]
(1) मैंगनीज (2) जिप्सम (3) रॉक-फॉस्फेट (4) टंगस्टन
Ans. (2) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **निम्न में से कौनसा केन्द्र जिप्सम का बाड़मेर स्थित उत्पादक केन्द्र नहीं है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) कुरला (2) श्योकर (3) खूटानी (4) पीर की ढाणी
Ans. (3)

व्याख्या – खूटानी पाली जिले में जिप्सम उत्पादक केन्द्र है।

❒ **राजस्थान में पाये जाने वाले खनिज जैसे जिप्सम, रॉक-फास्फेट ओर पाइरॉइट किस निर्माण में आवश्यक है?** [RAS Pre Exam-26.10.2013]

(1) रासायनिक उर्वरक(2) सीमेण्ट (3) दवाईयाँ (4) चीनी

Ans. (1)

व्याख्या- जिप्सम खनिज उर्वरक (क्षारीय भूमि के उपचार हेतु) उद्योग के अलावा प्लास्टर, सीमेण्ट उद्योग में भी प्रयुक्त होता है।

❒ **कौनसा खनिज उर्वरकों के उत्पादन में काम में लिया जाता है?** [RPSC LDC, 11 Jan 2014]

(1)मुल्तानी मिट्टी(2)घीया पत्थर(3)जिप्सम(4) डोलामाइट

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में निम्न में से किस किस्म का कोयला पाया जाता है?**[Pol.Constable-2006-07][RAS-30.10.2015] [CET - 11.2.2023 (S-II)]

(1) बिटुमिनस (2) एन्थ्रेसाइट(3) लिग्नाइट(4) उपर्युक्त सभी

Ans. (3)

व्याख्या -लिग्नाइट (भूरा कोयला) : राजस्थान में सर्वाधिक कोयला कपूरड़ी (बाड़मेर) में जबकि सर्वश्रेष्ठ कोयला पलाना (बीकानेर) में मिलता है।

❒ **बीकानेर के पलाना में.... के निक्षेप हैं-**

[महिला पर्यवेक्षक-06.01.2019][EO & RO - 14.5.2023 (I)] [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)- 26.03.2019]

(1) लिग्नाइट (2) यूरेनियम (3) ग्रेफाइट (4) लिथियम

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के प्रमुख महत्त्वपूर्ण लिग्नाइट संसाधन स्थित है-** [RAS Exam - 1991]

(1) पलाना,आंगूचा व मेड़ता (2)पलाना, कपुरड़ी व सोनू

(3) कपूरड़ी, मेड़ता व सोनू(4) कपूरड़ी, मेड़ता व पलाना

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में लिग्नाइट कोयला उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र स्थित हैं-** [Patwar Main 24.12.16] [Librarian Garde-III - 13.11.2016]

(1)पलाना,सोनू और कपूरड़ी(2)मेड़ता, पलाना और सोनू

(3) कपूरड़ी, मेड़ता और बरसिंगसर में

(4) बरसिंगसर, आगूचा और मेड़ता में

Ans. (3)

व्याख्या-यह खनिज बाड़मेर जिले के कपूरड़ी, जालिपा, गिरल, बालोतरा के भादेसर, कोसलू होडू (50 करोड़ टन), बीकानेर जिले के पलाना, बरसिंगसर, गुढ़ा, बिथनोक क्षेत्र तथा नागौर जिले में पाया जाता है।

❒ **'कपूरड़ी' खनन क्षेत्र राजस्थान के किस जिले में स्थित है?** [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) जोधपुर (2) बीकानेर (3) बाड़मेर (4) नागौर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बीकानेर जिले में कौनसा लिग्नाइट खनन क्षेत्र स्थित नहीं है?** [III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) पलाना (2) बरसिंगसर (3) बोथिया (4) बिथनोक

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बाड़मेर जिले में अच्छी किस्म के लिग्नाइट के निक्षेप कहाँ मिले है?** [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) पलाना (2) बरसिंहसर (3) कपूरड़ी (4) मेड़ता

Ans. (3)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जहाँ लिग्नाइट पर आधारित तापविद्युत गृहों का अस्तित्व होगा, वे स्थान है?** [R.A.S. Pre Ex, 1995]

(1) कपूरड़ी, जालीपा एवं बरसिंगसर

(2) पोकरण, कपूरड़ी एवं जालीपा

(3) पलाना, अलवर एवं बरसिंगसर

(4) रामगढ़, बरसिंगसर एवं सूरतगढ़

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान में कपूरड़ी व जालिपा, बरसिंगसर, सूरतगढ़, धौलपुर आदि में लिग्नाइट कोयला आधारित बिजलीघर स्थापित किये गये है

❒ **नागौर जिले में डेगाना (भाकरी) निम्न उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है?** [S.I. Exam, 1998, SLET, 97] [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III] [VDO Mains -09.07.2022]

(1) चूना-पत्थर के लिए (2) संगमरमर के लिए

(3) टंगस्टन के लिए (4) अभ्रक के लिए

Ans. (3)

व्याख्या - टंगस्टन नागौर जिले के डेगाना और सिरोही जिले के वाल्दा क्षेत्रों में पाया जाता है। नागौर जिले के डेगाना के पास रावल की पहाड़ी से वुल्फैम निकाला जाता है जिससे टंगस्टन बनता है। यह सामरिक महत्त्व का खनिज है। इसका उपयोग बिजली के बल्वों, चीजों को काटने व सुरक्षा सामग्री के निर्माण में किया जाता है।

❐ **इनमें से कौनसा राजस्थान का टंगस्टन उत्पादक क्षेत्र है?** [Stenographer Exam : 30.05. 2013] [CET : 08.01.2023 (S-II)][कर सहायक परीक्षा-14.10.2018] [S.I. Exam, 2002] [E.O. Exam, 2007]

(1) राजमहल (2) गोगुन्दा (3) डेगाना (4) जावर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **वाल्दा (सिरोही)......के लिए प्रमुख भण्डारण क्षेत्र है।** [III Grade (SST) -26.02.2023]

(1) लोहा (2) चाँदी (3) टंगस्टन (4) ताँबा

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में 'टंगस्टन' धातु की खानें निम्न जिलों में हैं ?** [RPSC III Grade Teacher Exam-2004] [पशुधन सहायक 04.6.2022]

(1) उदयपुर व भीलवाड़ा (2) नागौर व सिरोही
(3) जयपुर व दौसा (4) चूरू व नागौर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **युग्म सुमेलित नहीं हैं?** [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]

(1) ताँबा - खेतड़ी-सिंघाना
(2) लौह अयस्क - मोरीजा-बनोल
(3) सीसा और जस्ता - जावर-मगरा
(4) टंगस्टन - पलाना-मंगला

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **खनिज -खनन क्षेत्र के गलत युग्म की पहचान कीजिए-**[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) लोहा : अयस्क-नाथरा की पाल
(2) ताँबा : खेतड़ी-सिंघाना
(3) जस्ता एवं सीसा : जावर
(4) टंगस्टन : झामर -कोटड़ा

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **टंगस्टन के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-** [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -I]

1. यह सामरिक महत्त्व का खनिज है।
2. इसका विदोहन कृषि मंत्रालय के नियंत्रण में किया जाता है।
3. नागौर जिले के डेगाना नामक स्थान पर टंगस्टन की खानें है।
4. टंगस्टन विकास निगम द्वारा जयपुर में एक प्रयोगशाला की स्थापना की गई है।
नीचे दिये गये कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए-

(1) 1, 2 और 3 (2) 1, 2 और 4
(3) 1, 3 और 4 (4) 2, 3 और 4

Ans. (3)

व्याख्या-वर्तमान में टंगस्टन का विदोहन नहीं हो रहा है।

❐ **सन् 2016-17 के उत्पादन के अनुसार राजस्थान में प्रमुख धात्विक खनिज कौन-कौन से है?** [AEN Exam - 16.12.2018]

1. सीसा एवं जस्ता 2. ताँबा अयस्क
3. लौह अयस्क 4. बॉक्साइड

(1) 1, 2, 3 एवं 4 (2) 1, 3 एवं 4
(3) 1, 2 एवं 4 (4) 1, 2 एवं 3

Ans. (4)

व्याख्या - धात्विक खनिज - इन खनिजों के मुख्य दो प्रकार होते हैं -
[i] लौह धातु खनिज (लोहा, टंगस्टन आदि)।
[ii] अलौह धातु खनिज (ताँबा, चाँदी, सीसा-जस्ता...)।

❐ **हाल ही में सरकार द्वारा 'उत्तम एप' को निम्न में से किस उद्देश्य के लिए लाँच किया गया है-** [संगणक परीक्षा - 05.05.2018]

(1) महिला व बाल स्वास्थ्य रखरखाव
(2) कोयले की गुणवत्ता जाँच
(3) पेंशन मामले (4) मिट्टी गुणवत्ता जाँच

Ans. (2)

व्याख्या - केन्द्रीय रेल और कोयला मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कोयले की गुणवत्ता की निगरानी के लिए 5 अप्रैल, 2018 को उत्तम एप लाँच किया। उत्तम का अर्थ है- पारदर्शिता लाने के लिए खनन द्वारा प्राप्त कोयले का तीसरा पक्ष के द्वारा मूल्यांकन (Unlocking Transparency by Third Party Assessment of Mined Coal-UTTAM) कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने उत्तम एप को विकसित किया है।

❐ **सीमेन्ट के उत्पादन में प्रयुक्त सबसे महत्त्वपूर्ण कच्चा माल क्या है?** [LDC Exam - 16.09.2018]

(1) चूने का पत्थर (2) जिप्सम
(3) दोनों 1 और 2 (4) इनमें से कोई नहीं

Ans. (1)

❐ **हाल ही में राजस्थान के किन जिलों में पोटाश के बड़े भण्डार मिले हैं?** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]
[II Grade GK -28.10.2018]
(1) कोटा, बारां (2) जयपुर, राजसमन्द
(3) जयपुर, सीकर (4) गंगानगर, बीकानेर, नागौर
Ans. (4)

व्याख्या : *प्रदेश के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर और नागौर जिलों में पोटाश के अकूत भंडार मिले है। अब तक* ***करीब 2480 मिलियन टन भण्डारों की खोज*** *की जा चुकी है। यह खोज राज्य में क्रूड ऑयल के बाद दूसरी बड़ी खोज मानी जा रही है। खनन होने पर राजस्थान देश में इसका* ***एकमात्र उत्पादक राज्य*** *होगा।*

❐ **भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने राज्य के किन दो जिलों में स्वर्ण भण्डार होने का अनुमान हाल ही में व्यक्त किया है?** [II Grade GK -28.10.2018]
(1) उदयपुर तथा बाँसवाड़ा (2) बाँसवाड़ा तथा डूँगरपुर
(3) भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़ (4) चित्तौड़गढ़ तथा सिरोही
Ans. (1)

व्याख्या *- प्रदेश में उदयपुर एवं बाँसवाड़ा जिले के घाटोल इलाके के भूकिया डगोचा सहित अन्य इलाकों में सोने के भंडार का पता चला है। जयपुर व टोंक के घाटी व कारेला क्षेत्र में भी सोना रिपोर्ट हुआ है।*

❐ **निम्न में से कौन-सा युग्म गलत है?**
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]
(1) पेट्रोल-भाग्य शक्ति (बाड़मेर)
(2) कोयला - पलाना (बीकानेर)
(3) पेट्रोल - घोटारू (जैसलमेर)
(4) कोयला - बरसिंगसर (बाड़मेर)
Ans. (4)

व्याख्या : लिग्नाइट कोयला उत्पादक क्षेत्र बरसिंगसर बीकानेर में स्थित है।

❐ **सबला-लोहारिया खनन क्षेत्र निम्नलिखित में से किस जिले में स्थित है?**[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.3.19]
(1) भीलवाड़ा (2) दौसा (3) बाड़मेर (4) डूँगरपुर
Ans. (4)

व्याख्या - डूँगरपुर स्थित सबला क्षेत्र में स्लेटीयुक्त श्वेत आडंगा संगमरमर का उत्पादन होता है।

❐ **निम्नलिखित में से किस प्रकार का कोयला गुणवत्ता में श्रेष्ठ माना जाता है?**
[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]
(1) लिग्नाइट (2) पीट (3) बिटुमिनस (4) एन्थ्रासाइट
Ans. (4)

व्याख्या - कोयला की गुणवत्ता (कार्बन की मात्रा) के आधार पर श्रेष्ठता क्रम -
I. एन्थ्रासाइट (80-90%) II. बिटुमिनस (75-80%)
III. लिग्नाइट (35-50%) IV. पीट (15-35%)

❐ **राजस्थान में गिरल खदान किस प्रकार के कोयले के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]
(1) एन्थ्रेसाइट (2) लिग्नाइट
(3) बिटुमिनस (4) सबबिटुमिनस
Ans. (2)

❐ **खान और भूविज्ञान निदेशालय कहाँ स्थित हैं-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) बीकानेर (4) जैसलमेर
Ans. (2)

❐ **राजस्थान भारत में ... का प्रमुख उत्पादक नहीं है-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1) सोना (2) चाँदी (3) जिप्सम (4) केल्साइट
Ans. (1)

❐ **राजस्थान में हीरे की खान कहाँ स्थित है-**
[JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]
(1) केसरपुरा (2) जगपुरा (3) कालागुमान (4) राजमहल
Ans. (1)

व्याख्या - प्रतापगढ़ जिले के केसरपुरा में हीरे की खान स्थित है।

❐ **निम्न में से कौनसे काल की चट्टानों में सीसा तथा जस्ता मिलता है-**[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा)- 20.3.19]
(1) आर्कियन व प्रोटेरोजोइक (2) प्रोटेरोजोइक व मेसोजोइक
(3) सिनोजोइक व प्रोटेरोजोइक (4) केम्ब्रियन व कार्बोनिफेरस
Ans. (1)

❐ **आर्थिक समीक्षा 2017-18 के अनुसार, राजस्थान राज्य में कितने खनिजों का खनन हो रहा है?**
[AEN Exam - 16.12.2018]
(1) 81 (2) 57 (3) 37 (4) 101
Ans. (2)

व्याख्या – सीमेंट मुख्यतः कैल्शियम के सिलिकेट और एलुमिनेट यौगिकों का मिश्रण होता है, जो कैल्शियम ऑक्साइड, सिलिका, एल्यूमीनियम ऑक्साइड और लौह ऑक्साइड से निर्मित होते हैं। सीमेंट बनाने कि लिये चूना पत्थर और मृत्तिका (क्ले) के मिश्रण को एक भट्टी में उच्च तापमान पर जलाया जाता है और तत्पश्चात इस प्रक्रिया के फलस्वरूप बने खंगर (क्लिंकर) को जिप्सम के साथ मिलाकर महीन पीसा जाता है और इस प्रकार जो अंतिम उत्पाद प्राप्त होता है उसे साधारण पोर्टलैंड सीमेंट कहा जाता है।

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है-**

[Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) राजस्थान के राजसमन्द एवं अजमेर जिलों में पन्ना निक्षेप पाये जाते हैं।

(2) राजस्थान भारत में जिप्सम का लगभग/ अकेला उत्पादक राज्य है।

(3) राजस्थान में कार्बोनिफेरस युगीन लिग्नाइट कोयले के सर्वाधिक निक्षेप पाये जाते हैं।

(4) अजमेर राजस्थान में फेल्सपार का अग्रणी उत्पादक है।

Ans. (3)

*व्याख्या – राजस्थान में तृतीय महाकल्प (Eocene Age) का लिग्नाइट कोयला है। यह **टर्शियरी कालीन** निम्न श्रेणी का लिग्नाइट कोयला माना जाता है।*

❒ **सही कथन हैं-** [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -III]

1. उदयपुर जिले का कालागुमान नामक स्थान सीसा एवं जस्ता के लिए प्रसिद्ध है।

2. सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा नामक स्थान पर सीसा एवं जस्ता पाया जाता है।

3. नागौर जिले का मकराना नामक स्थान श्रेष्ठ संगमरमर की खानों और संगमरमर उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।

(1) केवल 1 सही है। (2) केवल 1 और 2 सही है।
(3) केवल 2 और 3 सही है। (4) केवल 2 सही है।

Ans. (3)

व्याख्या – राजसमन्द जिले का कालागुमान नामक स्थान पन्ने के लिए प्रसिद्ध है। वर्तमान में मकराना, डीडवाना-कुचामन जिले में स्थित हैं।

❒ **राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**

1. झामरकोटड़ा में रॉकफॉस्फेट का खनन किया जाता है।

2. बीकानेर में जिप्सम एवं सेलेनाइट का खनन किया जाता है।

3. बाड़मेर में लाइम स्टोन का खनन किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से -

[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]

(1) केवल 1 एवं 2 सही है। (2) केवल 2 सही है।
(3) केवल 1 सही है। (4) केवल 1 एवं 3 सही है।

Ans. (1)

व्याख्या – जैसलमेर एवं नागौर में लाइम स्टोन का खनन किया जाता है।

❒ **गलत युग्म को पहचानिए-**

[Headmaster - 02.09.2018]
[RAS-28.08.2016]

खनिज		खान
(1) यूरेनियम	–	कुराड़िया
(2) तामड़ा	–	राजमहल
(3) गुलाबी संगमरमर	–	बाबरमल
(4) जिप्सम	–	पलाना

Ans. (4)

व्याख्या-पलाना (बीकानेर) में लिग्नाइट उत्पादित होता है।

❒ **निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**

[जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II]

1. जयपुर का मोरीजा नामक स्थल लोहे की खान के लिए प्रसिद्ध है।

2. झुंझुनूँ जिले के काली पहाड़ नामक स्थान पर लोहे की खानें है।

3. उदयपुर जिले में नाथरा पाल की खानें जस्ता के लिए प्रसिद्ध है।

उपर्युक्त कथनों में से-

(1) केवल 1 और 3 सही है (2) केवल 2 सही है
(3) केवल 1 सही है (4) केवल 1 एवं 2 सही है

Ans. (4)

व्याख्या –सलूम्बर जिले में नाथरा पाल की खानें लौह अयस्क के लिए प्रसिद्ध है।

व्याख्या - राजस्थान में विभिन्न प्रकार के 81 खनिजों के भण्डार है, इनमें से 58 खनिजों का वर्तमान में खनन किया जा रहा है। (स्रोत - आर्थिक समीक्षा 2022-23)

❐ **राजस्थान का एकमात्र जिला जहाँ पाइराइट भण्डार है-** [Asst.Prof.-22.9.2021]
[JEN Diploma (TSP)-16.10.2016]
(1) भीलवाड़ा (2) राजसमन्द (3) दौसा (4) सीकर
Ans. (4)

***व्याख्या - पाइराइट [Pyrites]:** मुख्यत: सीकर जिले के सलादीपुरा से प्राप्त होने वाला यह खनिज उर्वरक उद्योग के अलावा अम्ल उद्योगों में भी काम आता है।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा (खनिज-उत्पादक क्षेत्र) सुमेलित नहीं है?** [VDO Mains -09.07.2022]
(1) गार्नेट/तामड़ा-राजमहल (2) पन्ना-कालागुमान
(3) पाइराइट-सरवाड़ (4) घीया पत्थर -ऋषभदेव
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से कौनसा (खनिज-खनन क्षेत्र) सही सुमेलित नहीं है?** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]
(1) गारनेट-राजमहल (2) पन्ना-राजगढ़
(3) घीया पत्थर-ऋषभदेव (4) रॉक फॉस्फेट- सलादीपुरा
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **ताँबा निक्षेपण- जिला में सुमेलित नहीं है-**
[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]
(1) सिंघाना - झुंझनूँ (2) बिदासर - चूरू
(3) रेलमगरा - उदयपुर (4) राजपुरा-दरिबा - राजसमन्द
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- रेलमगरा राजसमन्द में स्थित है।*

❐ **राजस्थान में निम्न में से कौनसा उर्वरक खनिज है-** [JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]
(1) जिप्सम (2) रॉक-फॉस्फेट
(3) पाइराइट (4) उपर्युक्त सभी
Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान के उर्वरक खनिज जिप्सम, रॉक-फॉस्फेट, पाइराइट, पोटाश आदि हैं।

❐ **फेल्सपार खनिज कौनसी चट्टानों में मिलता है-** [पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
(1) नीस (2) पैग्मेटाइट
(3) फॉस्फेट (4) ग्रेनाइट
Ans. (2)

❐ **सुमेलित कीजिए-** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]
(A) कॉपर (1) झामर कोटड़ा
(B) जिप्सम (2) राजपुरा-देबारी
(C) सीसा और जस्ता (3) खो-दरीबा
(D) रॉक फॉस्फेट (4) जामसर

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	1	2	4	3	(2)	3	4	1	2
(3)	3	4	2	1	(4)	4	1	3	2

Ans. (3)

❐ **खनिज - खनन क्षेत्र को सुमेलित कीजिए-** [स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]
(A) ताम्र **(1) राजपुरा-दरीबा**
(B) सीसा एवं जस्ता **(2) मोरिजा-नीमला**
(C) लौह अयस्क **(3) छोटी सार-बड़ी सार**
(D) मैंगनीज **(4) खो-दरीबा**

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	1	3	2	(2)	4	1	2	3
(3)	1	4	2	3	(4)	4	2	1	3

Ans. (2)

❐ **गलत युग्म है?** [स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]

डोलोमाइट निक्षेप	जिला
(1) बाजला-काबरा	- अजमेर
(2) मांडल	- भीलवाड़ा
(3) करौली-कसोली	- राजसमंद
(4) इंडो की ढाणी	- कोटा

Ans. (4) ***इंडो की ढाणी- जोधपुर ग्रामीण***

❐ **निम्न में से कौनसे कथन सत्य हैं?** [RAS-05.08.2018]
1. संगमरमर विकास एवं संरक्षण नियमावली-2002
2. राजस्थान खनिज नीति - 2015
3. जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट नियमावली- 2016
4. राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली (संशोधित मई-2016 तक)
(1) केवल 1, 3 एवं 4 (2) केवल 1, 2 एवं 3
(3) केवल 1 एवं 4 (4) ये सभी
Ans. (4)

❐ **राजस्थान में वरमीक्यूलाइट कहाँ पाया जाता है?** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) कोटा (2) भीलवाड़ा (3) अजमेर (4) जैसलमेर
Ans. (3)

❒ **बिलारा चूना पत्थर क्षेत्र.... में स्थित नहीं है?**
[III Grade (SST) -26.02.2023]

(1) नागौर (2) बीकानेर
(3) श्रीगंगानगर (4) जोधपुर

Ans. (3)

❒ **परेवार बालुका पत्थर .... में स्थित है।**
[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) हनुमानगढ़ (2) चूरू
(3) जैसलमेर (4) बारां

Ans. (3)

❒ **कौन सा सुमेलित नहीं है**-[Headmaster - 02.09.2018]

खनिज-खनन क्षेत्र	खनिज-खनन क्षेत्र
(1) जिप्सम - जामसर	(2) मैंगनीज - लीलवानी
(3) तामड़ा - राजमहल	(4) फेल्सपार - डेगाना

Ans. (4)

***व्याख्या** – डेगाना टंगस्टन का खनन क्षेत्र तथा फेल्सपार का खनन क्षेत्र अजमेर है।*

❒ **कौनसा जोड़ा गलत है?** [संरक्षण अधिकारी-29.05.2019]
[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) सीसा-जस्ता-राजपुरा दरीबा
(2) लौह-अयस्क-डाबला क्षेत्र
(3) ताँबा - लीलवानी
(4) रॉक फॉस्फेट-झामर कोटड़ा

Ans. (3) ***लीलवानी (बाँसवाड़ा)- मैंगनीज***

❒ **खनिज व खान गलत युगम है**[स्कूल व्याख्याता-3.1.2020]

(1) चूना पत्थर - कनोई
(2) मैग्नेसाइट - सेन्ड्रा
(3) पन्ना - काला गुमान
(4) बेंटोनाइट - राजगढ़

Ans. (4)

***व्याख्या :** राजगढ़ (अजमेर) में पन्ना मिलता है तथा बेंटोनाइट, बाड़मेर की शिव तहसील में पाया जाता है।*

❒ **राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम लि. का विलय राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लि. में कब हुआ?** [LDC Exam -09.09.2018]

(1) 20 जनवरी 1990 (2) 26 दिसम्बर 1995
(3) 1 मार्च, 2000 (4) 19 फरवरी 2003

Ans. (4)

***व्याख्या – राजस्थान राज्य खान एवं खनिज विकास निगम लिमिटेड** – यह निगम मुख्यतः जिप्सम, रॉक फास्फेट, लाइम स्टोन आदि के खनन व विपणन का कार्य करता है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम की स्थापना कम्पनी अधिनियम 1956 के तहत 27 सितम्बर 1979 को की गई, 20 फरवरी 2003 को इसका विलय राजस्थान राज्य खान एवं खनिज विकास निगम लिमिटेड में कर दिया*

❒ **राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड (आर. एस.एम.एम.एल.) के स्ट्रेटेजिक बिजनेस यूनिट एवं प्रॉफिट सेंटर लिग्नाइट की स्थापना की गई है**-
[III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) उदयपुर (2) बीकानेर
(3) जोधपुर (4) जयपुर

Ans. (4)

***व्याख्या -राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड [RSMML : Rajasthan State Mines & Mineral Ltd.]:** सर्वप्रथम 1947 में 'बीकानेर जिप्सम लि.' स्थापित किया गया। तत्पश्चात् 1974 में इसके स्थान पर राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड की स्थापना कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत एक सार्वजनिक उपक्रम के रूप में की गई, जो मुख्य रूप से राज्य में औद्योगिक खनिजों के खनन एवं विपणन के कार्य से जुड़ा है।*

इस कम्पनी का मुख्य उद्देश्य किफायती तकनीकों का उपयोग करते हुए खनिज सम्पदा का दोहन करना और क्षेत्र में खनिज आधारित परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। कम्पनी के द्वारा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ हल्के सिलिका लाइम स्टोन आपूर्ति का दीर्घकालिक अनुबंध किया गया है। यह अधात्विक खनिजों यथा- रॉकफॉस्फेट, स्टीलग्रेड लाइमस्टोन, जिप्सम और ग्रीन मार्बल के खनन व विपणन का कार्य करता है। इसका पंजीकृत कार्यालय जयपुर में तथा मुख्यालय उदयपुर में है। कम्पनी की मुख्य गतिविधियों को चार भागों में बाँटा गया है –

1. स्ट्रेटजिक बिजनेस यूनिट एवं प्रोफिट सेन्टर - रॉक फॉस्फेट, झामरकोटड़ा (उदयपुर)

2. स्ट्रेटजिक बिजनेस यूनिट एवं प्रोफिट सेन्टर - जिप्सम (बीकानेर)

3. स्ट्रेटजिक बिजनेस यूनिट एवं प्रोफिट सेन्टर - लाइमस्टोन (जोधपुर)

4. स्ट्रेटजिक बिजनेस यूनिट एवं प्रोफिट सेन्टर - लिग्नाइट (जयपुर)

स्रोत : आर्थिक समीक्षा - 2022-23

❐ सुमेलित नहीं है? [I Grade Geography-16.10.2022]

खनिज	खनन क्षेत्र
(1) सीसा-जस्ता	मोचिया मगरा
(2) मैंगनीज	लीलवानी
(3) सोना	आनन्दपुर - भूकिया
(4) लोहा	कोलिहान और मानधन

Ans. (4) ***कोलिहान और मानधन - ताँबा***

❐ **खनन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 के अनुसार, निम्नलिखित में से देश के किस MCDR खनिज के उत्पादन में राजस्थान का हिस्सा 100 प्रतिशत है?**
[Asst. Town Planner- 16.06.2023]

(1) क्रोमाइट (2) हीरा (3) सेलेनाइट (4) फ्लोराइट

Ans. (3)

❐ **सही सुमेलित नहीं है?** [CET - 11.2.2023 (S-I)]

लौह-अयस्क खनन क्षेत्र		जिला
(1) चौमू-सामोद	-	जयपुर
(2) सराय - पचलंगी	-	झुन्झुनूं
(3) नीमला	-	दौसा
(4) लोहरपुरा	-	अजमेर

Ans. (4)

❐ **सुमेलित कीजिए-** [AEN Exam : 16.05.2014]

खनिज	क्षेत्र
(A) जिप्सम	(1) झामर-कोटडा
(B) ताँबा	(2) रामपुरा-आंगुचा
(C) रॉक फॉस्फेट	(3) खो-दरीबा
(D) सीसा एवं जस्ता	(4) जामसर

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	1	2	(2)	3	2	4	1
(3)	2	3	4	1	(4)	1	4	2	3

Ans. (1)

व्याख्या- • उदयपुर का झामर-कोटडा : रॉक फॉस्फेट
• शाहपुरा का रामपुरा-आंगुचा : सीसा एवं जस्ता
• अलवर का खो-दरीबा - ताँबा
• बीकानेर का जामसर - जिप्सम (सेलेनाइट)

❐ **सुमेलित कीजिए-** [School Lect.r (Sans. Edu.)-04.08.2020]

(a) ग्रेनाइट	(1) देवपुरा (उदयपुर)
(b) चूना पत्थर	(2) सोनू (जैसलमेर)
(c) घीया पत्थर	(3) अजीतगढ़ (सीकर)
(d) रॉक फॉस्फेट	(4) माटोन (उदयपुर)

कूट	a	b	c	d		a	b	c	d
(1)	1	4	3	2	(2)	3	2	1	4
(2)	2	3	1	4	(4)	4	1	3	2

Ans. (2)

❐ **'माण्डों की पाल' किसके उत्पादन के लिए विख्यात है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]
[Fireman Exam -29.1.2022]

(1) डोलोमाइट (2) बेराइट (3) फ्लोराइट (4) ग्रेफाइट

Ans. (3)

व्याख्या : डूँगरपुर स्थित माण्डों की पाल में सर्वाधिक फ्लोराइट उत्पादन होता है।

❐ **कोयला/गैस खानें-जिला सुमेलित करो** [RAS-2015]

A. केसरदेसर	1. जैसलमेर
B. कपूरड़ी	2. नागौर
C. मातासुख	3. बीकानेर
D. तनोट	4. बाड़मेर

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	1	4	2	3
(3)	3	4	2	1	(4)	3	2	4	1

Ans. (3)

व्याख्या- • कोयला क्षेत्र - बाड़मेर का कपूरड़ी, जालिपा, नागौर का मातासुख, बीकानेर का केसर-देसर, पलाना, गुरहा, बिथनोक, भड़वानिया, चान्नेरी, नापासर, मुन्ध, हाड़ला, बरसिंगसर क्षेत्र
• प्राकृतिक गैस के क्षेत्र - जैसलमेर के तनोट, डांडेवाला, घोटारू,सादेवाला, मनहर टिब्बा।

❐ **सुमेलित कीजिए-** [I Grade Teacher, 17-07-2016]

A. लूणकरणसर	1. बेरिलियम
B. जावर	2. जिप्सम
C. डेगाना	3. सीसा व जस्ता
D. चम्पा-गुढा	4. टंगस्टन

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	2	1	3	(2)	3	4	2	1
(3)	2	3	4	1	(4)	1	2	3	4

Ans. (3)

व्याख्या- • उदयपुर का जावर : सीसा एवं जस्ता
• राजसमन्द का चम्पा-गुढा : बेरिलियम
• नागौर का डेगाना- टंगस्टन
• बीकानेर का लूणकरणसर - जिप्सम

❒ गलत युग्म है? [JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) चाँदी-रामपुरा आगूचा (2) ताँबा - सलूम्बर
(3) टंगस्टन-डेगाना (4) जिप्सम-केसरदेसर
Ans. (4) *व्याख्या : केसर देसर (बीकानेर) कोयला क्षेत्र है।*

❒ सुमेल कीजिए? [S.I. Exam, 1998]

(a) सीसा एवं जस्ता	(i) बीकानेर
(b) लिग्नाइट कोयला	(ii) भीलवाड़ा
(c) अभ्रक	(iii) नागौर
(d) जिप्सम	(iv) उदयपुर

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)	(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)	(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

Ans. (1)

व्याख्या - सीसा-जस्ता उदयपुर जिले में, लिग्नाइट कोयला बीकानेर जिले में, अभ्रक भीलवाड़ा जिले में एवं जिप्सम नागौर जिले में उत्पादित होता है।

❒ **निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित कीजिये:**
[RAS Pre Exam-19.11.2013]
[Patwar Main 24.12.16]
[Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]

सूची-I	सूची-II
(a) राजपुरा-दरीबा	1. ताँबा
(b) नाथरा-की-पाल	2. सीसा एवं जस्ता
(c) खो-दरीबा	3. बेरिलियम
(d) बांदर-सींदरी	4. लौह अयस्क

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	2	4	3	(2)	2	4	1	3
(3)	3	4	2	1	(4)	2	3	4	1

Ans. (2)

व्याख्या-• अलवर का खो-दरीबा - ताँबा
• सलूम्बर की नाथरा की पाल - लौह अयस्क
• राजसमंद का राजपुरा दरीबा - सीसा एवं जस्ता
• जयपुर ग्रामीण का बांदर-सींदरी - बेरिलियम

❒ **सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए**
[पटवारी प्रारम्भिक परीक्षा-2016]

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
A. सीसा एवं जस्ता	**1. लीलवानी**
B. टंगस्टन	**2. कोल्हन**
C. मैंगनीज	**3. गुढ़ा किशोरीदास**
D. ताँबा	**4. वाल्दा**

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	3	4	1	2	(2)	3	2	4	1
(3)	4	1	3	2	(4)	4	2	3	1

Ans. (1)

व्याख्या- • बाँसवाड़ा का लीलवानी : मैंगनीज
• नीम का थाना के कोल्हन : ताँबा
• सिरोही का वाल्दा क्षेत्र : टंगस्टन
• अलवर का गुढ़ा किशोरीदास : सीसा एवं जस्ता

❒ **सुमेलित कीजिए -** [ग्राम सेवक 18.12.16]

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
(a) पन्ना	(1) टिक्की, गढ़बोर
(b) तामड़ा	(2) राजमहल, बागेश्वर
(c) मैंगनीज	(3) लीलावानी, कालाखूंटा
(d) ताँबा	(4) कोल्हन, भगोनी

कूट	a	b	c	d		a	b	c	d
(1)	1	2	3	4	(2)	1	3	2	4
(3)	3	4	2	1	(4)	3	2	1	4

Ans. (1)

❒ **सुमेलित कीजिए -** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(A) रॉक फॉस्फेट	**(1) धरियावाद तथा खमेरा**
(B) टंगस्टन	**(2) झामर कोटड़ा तथा फतेहगढ़**
(C) मैंगनीज	**(3) लीलवानी**
(D) डोलोमाइट	**(4) डेगाना**

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	4	3	1	(2)	2	4	1	3
(3)	4	2	3	1	(4)	4	1	3	2

Ans. (1)

❒ **सुमेलित कीजिए-** स्कूल व्याख्याता परीक्षा-09.01.2020]

खनिज	राजस्थान में खनन क्षेत्र
(A) पाइराइट	**(1) सलादीपुर (सीकर)**
(B) टंगस्टन	**(2) डेगाना (नागौर)**
(C) ताँबा	**(3) बिलाड़ा (जोधपुर)**
(D) लाइमस्टोन/ चूना पत्थर	**(4) खेतड़ी-सिंघाना**

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	1	2	4	3
(3)	4	3	2	1	(4)	1	3	2	4

Ans. (2)

❐ सुमेलित कीजिए- [Head Master -11.10.2021]

A. नाथ-की-नेरी 1. अभ्रक
B. सीसारमा 2. फेल्सपार
C. गूजरवाड़ा 3. मैंगनीज
D. लीलवानी 4. रॉक फॉस्फेट

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	2	4	3	(2)	1	4	3	2
(3)	2	1	4	3	(4)	1	4	2	3

Ans. (4)

❐ सुमेलित कीजिए- [PSI - 13.09.2021]

A. टंगस्टन 1. लीलवानी
B. मैंगनीज 2. डेगाना
C. ताँबा 3. जावर माला
D. सीसा-जस्ता 4. खेतड़ी सिंघाना

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	1	4	3	(2)	1	2	3	4
(3)	3	4	2	1	(4)	4	3	1	2

Ans. (1)

❐ सुमेलित कीजिए- [वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]

खनिज	खान
(A) पाइराइट	(1) कालागुमान
(B) रॉक फॉस्फेट	(2) बिरमानिया
(C) गारनेट (तामड़ा)	(3) सलादीपुर
(D) एमरॉल्ड पन्ना	(4) राजमहल

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	2	1	4	3
(3)	3	2	4	1	(4)	4	3	2	1

Ans. (3)

❐ सुमेलित कीजिए- [Assistant Agri. Officer -28.05.2022]

खनिज	क्षेत्र
(A) लौह अयस्क	(1) डेगाना भाकरी
(B) ताँबा	(2) चौथ का बरवाड़ा
(C) सीसा एवं जस्ता	(3) खो-दरीबा
(D) टंगस्टन	(4) डाबला सिंघाना

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	2	1	4	3
(3)	3	2	1	4	(4)	4	3	2	1

Ans. (4)

❐ सुमेलित कीजिए -[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) 30.05.2019]

खनिज	निक्षेप क्षेत्र
(A) ताँबा	(1) मोरिजा निक्षेप
(B) लौह अयस्क	(2) गरारिया से रतिमाऊरी
(C) सीसा एवं जस्ता	(3) मदान-कूदान निक्षेप
(D) मैंगनीज	(4) झावर निक्षेप

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	1	2	3	4	(2)	3	1	4	2
(3)	4	2	3	1	(4)	1	2	4	3

Ans. (2)

❐ सुमेलित कीजिये- [बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]

(A) डेगाना (I) टंगस्टन
(B) मांडो-की-पाल (II) फ्लोर्सपार
(C) झामर कोटड़ा (III) रॉक-फास्फेट
(D) गोठ-मांगलोद (IV) जिप्सम

कूट-(1) A-IV, B- II, C- III, D- I
(2) A- II, B-I, C-III, D-IV
(3) A-I, B-II, C-IV, D-III
(4) A-I, B-II, C-III, D-IV

Ans. (4)

❐ सुमेलित कीजिए- [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]

जिला	ताँबा भण्डार क्षेत्र
(A) अलवर	(1) पादर की पाल
(B) डूँगरपुर	(2) मदन कुदान
(C) झुंझुनूँ	(3) भगोनी
(D) सीकर	(4) बालेश्वर

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	2	4	(2)	4	1	2	3
(3)	3	2	1	4	(4)	2	1	4	3

Ans. (1)

❐ सुमेलित कीजिये:[REET (Level – II, S-II) –24.07.2022]

खनिज	उपभोग
A. सीसा जस्ता	1. विद्युत तार
B. ताँबा	2. उर्वरक
C. जिप्सम	3. सिरेमिक
D. वोलेस्टोनाइट	4. बैटरी अम्ल

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	3	4	1	(2)	3	2	1	4
(3)	1	2	3	4	(4)	4	1	2	3

Ans. (4)

17. उद्योग

❑ **राजस्थान में कितने जिला उद्योग केन्द्र कार्यरत हैं?** [RAS-28.08.2016]

(1) 29 (2) 31 (3) 33 (4) 36

Ans. (4)

व्याख्या *–वर्तमान में उद्यमियों को आदान तथा अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु **36 जिला उद्योग केन्द्र** एवं **8 उप केन्द्र कार्यरत** हैं। जिला उद्योग केन्द्र कुटीर, ग्रामीण, अति लघु व लघु उद्योगों से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण सेवायें देता है।*

❑ **निम्नलिखित में से राजस्थान में कौन-कौन से महत्त्वपूर्ण खनिज आधारित उद्योग हैं**[RAS-05.08.2018]

(1) जस्ता गलन उद्योग (2) सीमेन्ट उद्योग
(3) इलेक्ट्रॉनिक उद्योग (4) संगमरमर उद्योग
(1) 1 एवं 2 (2) 1, 3 एवं 4
(3) 1, 2 एवं 4 (4) 1, 2, 3 एवं 4

Ans. (3)

व्याख्या : राजस्थान में खनिज आधारित उद्योग - सीमेन्ट, जस्ता, संगमरमर, ग्रेनाइट, इमारती पत्थर, मिट्टी के बर्तन, मूर्ति उद्योग।

❑ **कौनसा कृषि-आधारित उद्योग नहीं है?**[LDC -9.9.2018]

(1) खाद्य तेल(2) खाण्डसारी (3) पापड़-भुजिया(4) सीमेंट

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **प्राकृतिक संसाधनों की प्रकृति एवं उपलब्धता के आधार पर वर्तमान में राजस्थान के औद्योगिक विकास में निम्न में से किस निवेश-आधारित उद्योगों का समूह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है?** [R.A.S. 1994][कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) पशुधन आधारित (2) खनिज आधारित
(3) कृषिगत पदार्थ आधारित (4) तिलहन आधारित

Ans. (2)

व्याख्या - राज्य में सर्वाधिक विकास की संभावनाएँ खनिज आधारित उद्योगों की है।

❑ **राजस्थान थोक मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष है:** [RAS-28.08.2016, 05.08.2018] [LDC Exam -12.08.2018]

(1) 2011-12(2) 2004-05(3) 1999-2000(4) 1986-87

Ans. (3)

व्याख्या *–राज्य का सामान्य थोक मूल्य सूचकांक (WPI) का आधार वर्ष 1999-2000=100 है।*

❑ **राजस्थान में WPI के लिए आधार वर्ष किस वर्ष को लिया जाता है?** [सूचना सहायक परीक्षा-12.05.2018]

(1) 1999-2000 (2) 1995-1996
(3) 2004-2005 (4) 2008-2009

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में राज्य शुद्ध घरेलू उत्पाद का वर्तमान में आधार वर्ष है**-[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.3.18]

(1) 2011-12 (2) 2012-13
(3) 2010-11 (4) 2013-14

Ans. (1)

❑ **कौनसा शहर राजस्थान का 'मैनचेस्टर' कहा जा सकता है?** [RAS Pre. -2009, E.O. Exam, 2007] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)] [REET (Level – I, S-I) –23.07.2022]

(1) कोटा (2) पाली (3) ब्यावर (4) भीलवाड़ा

Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान में भीलवाड़ा जिला (14 मिलें) सूती वस्त्र उद्योग का प्रमुख केन्द्र है, अतः इसे 'राजस्थान का मैनचेस्टर' (टैक्सटाइल सिटी) भी कहा जाता है। इस जिले का नाम भीलवाड़ा यहाँ स्थित सुप्रसिद्ध टकसाल 'भीलाड़ी' के कारण पड़ा।

❑ **राजस्थान में वस्त्र उद्योग के लिए मशहूर नगर है?** [S.I. Exam, 1998]

(1) भीलवाड़ा (2) जयपुर (3) कोटा (4) उदयपुर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **भीलवाड़ा को राजस्थान के .... के रूप में जाना जाता है**- [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]

(1) ज्यूरिख (2) मैनचेस्टर (3) ऑक्सफोर्ड (4) डेट्रॉइट

Ans. (2)

❑ **राजस्थान की टैक्सटाइल सिटी है?**[LDC - 23.10.16] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]

(1) कोटा (2) गंगानगर (3) भीलवाड़ा (4) जयपुर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **युग्म (जोड़ा) बेमेल है?**[छात्रावास अधीक्षक, 2008]

(1) गुलाबी नगरी-जयपुर (2) झील नगरी-उदयपुर
(3) वस्त्र नगरी-कोटा (4) सूर्य नगरी-जोधपुर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सूती वस्त्र उद्योग की मेवाड़ टेक्सटाइल्स मिल्स की स्थापना कब की गई? [जेल प्रहरी परीक्षा-2017] [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) 1906 में (2) 1925 में (3) 1938 में (4) 1889 में

Ans. (3)

व्याख्या : सूती वस्त्र उद्योग के लिए 1938 में भीलवाड़ा में सूती मेवाड़ टेक्सटाइल्स मिल्स की स्थापना की गई।

❒ मेवाड़ टेक्सटाइल मिल अवस्थित है- [Food Safety Officer - 27.06.2023]

(1) ब्यावर (2) भीलवाड़ा (3) बाँसवाड़ा (4) पाली

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'वस्त्र निर्यातक नगर' का दर्जा किस शहर को दिया गया है? [II Grade (Social Study) Exam. 2011]

(1) भीलवाड़ा (2) ब्यावर (3) कोटा (4) जोधपुर

Ans. (1)

व्याख्या : फरवरी 2009 में केन्द्र सरकार ने भीलवाड़ा को 'वस्त्र निर्यातक नगर' का दर्जा दिया।

❒ राजस्थान का सबसे प्राचीन संगठित उद्योग है? [S.I. Exam, 1998] [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]

(1) सीमेन्ट उद्योग (2) चीनी उद्योग

(3) सूती वस्त्र उद्योग (4) वनस्पति घी उद्योग

Ans. (3)

व्याख्या - सूती वस्त्र उद्योग राजस्थान का सबसे प्राचीन संगठित वृहत् उद्योग है। राजस्थान में सूती वस्त्र उद्योगों के लिए अधिकांश कच्चा माल हनुमानगढ़, अनूपगढ़, गंगानगर जिले में उत्पादित होता है।

❒ सूती वस्त्र उद्योग के लिए अधिकांश कच्चा माल राजस्थान के निम्न जिलों से प्राप्त होता है? [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008][वन रक्षक परीक्षा, 2013]

(1) गंगानगर एवं हनुमानगढ़ (2) भीलवाड़ा व अजमेर

(3) कोटा एवं झालावाड़ (4) टोंक व बूँदी

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान की पहली कपड़ा मिल- कृष्णा मिल, ब्यावर की स्थापना निम्नलिखित में से किस वर्ष में की गई थी- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)] [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)][I Grade Teacher Exam, 2012]

(1) 1906 में (2) 1925 में (3) 1938 में (4) 1889 में

Ans. (4)

व्याख्या - दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड - यह राजस्थान की प्रथम सूती मिल है। जिसकी स्थापना कर्नल डिक्सन एवं सशस्त्र क्रांति का भामाशाह दामोदर दास राठी (इनके पिता खींवराज राठी प्रमुख सहयोगी) ने 17 जून 1889 ई. में निजी क्षेत्र में ब्यावर में स्थापित की गई। इसमें 'सर्वाधिक कार्यशील कर्घे' लगे हुये हैं। ब्यावर में ही 9 अगस्त, 1906 को दूसरी सूती मिल एडवर्ड मिल्स लि. एवं 1925 में महालक्ष्मी लिमिटेड नामक तीसरी मिल स्थापित की गई।

❒ राजस्थान का प्रथम वस्त्र उद्योग स्थापित हुआ था- [PTI (Grade-III)-25.9.2022] [REET, 11 Feb. 2018] [PTI (Grade-II)-30.04.2023]

(1) गंगानगर (2) भीलवाड़ा (3) उदयपुर (4) ब्यावर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में स्थापित पहली सूती वस्त्र मिल का नाम है- [CET - 11.2.2023 (S-II)]

(1) कृष्णा मिल (2) एडवर्ड मिल

(3) महालक्ष्मी मिल (4) सार्दुल मिल

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान की पहली सूती कपड़ा मिल 'द कृष्णा मिल्स लिमिटेड' थी, इसकी स्थापना की गई थी- [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) शाहपुरा (2) किशनगढ़ (3) भीलवाड़ा (4) ब्यावर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र नहीं है? [Stenographer-30.5. 2013]

(1) टोंक (2) भीलवाड़ा (3) किशनगढ़ (4) ब्यावर

Ans. (1)

व्याख्या-दी कृष्णा मिल्स लि., एडवर्ड मिल्स लि., श्री महालक्ष्मी मिल्स लि. ब्यावर में तथा मेवाड़ टेक्सटाइल्स मिल्स भीलवाड़ा में आजादी से पूर्व स्थापित की गई। 1947 के पश्चात किशनगढ़ में आदित्य मिल्स की स्थापना की गई।

❒ महाराजा श्री उम्मेद मिल्स लि. किस वर्ष स्थापित की गई थी? [LDC Exam -12.08.2018]

(1) 1942 (2) 2001 (3) 1991 (4) 1971

Ans. (1)

व्याख्या -सूती वस्त्र उद्योग की महाराजा उम्मेद सिंह मिल्स लि. (सबसे बड़ी मील, स्थापना-1942) पाली में स्थित है।

❒ **महाराजा श्री उम्मेद मिल्स राजस्थान में कहाँ स्थित है?** [CET -4.2.2023 (S-I)]

(1) जोधपुर (2) पाली (3) जयपुर (4) जैसलमेर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **रीको ने चार एग्रो-फूड पार्क विकसित किए हैं ताकि-** [RAS (Pre) Exam. 14 June, 2012]

(1) कृषिगत वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके

(2) कृषि में विनियोग संवर्धन का कार्य करे

(3) कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने

(4) खाद्य भंडारण की सुविधाओं में वृद्धि करे

Ans. (3)

व्याख्या - राज्य के एग्रो- फूड पार्क- रीको द्वारा स्थापित यह पार्क किसानों को अपनी उपजों का बेहतर मूल्य दिलवाने एवं कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

- ***प्रथम एग्रोफूड पार्क रणपुर/रानपुर (कोटा) - क्षेत्रफल में सबसे छोटा***
- ***दूसरा बोरानाडा (जोधपुर)***
- ***तीसरा उद्योग विहार (गंगानगर)***
- ***चौथा मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र (MAT), अलवर***
- ***पाँचवा (प्रस्तावित) झालावाड़ (निजी क्षेत्र)***

❒ **रीको ने राजस्थान में कितने एग्रो फूड पार्क विकसित किये हैं?** [CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) 6 (2) 4 (3) 2 (4) 10

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **रीको ने कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिये चार कृषि खाद्य पार्क विकसित किये है, ये है-** [AEN : 16.05.2014] [संरक्षण अधिकारी -29.05.2019] [CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा

(2) कोटा, बोरानाडा (जोधपुर), गंगानगर और अलवर

(3) जयपुर, कोटा, अलवर, जोधपुर

(4) जोधपुर, बीकानेर, अलवर, उदयपुर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा एक रीको (RIICO) का कृषि खाद्य फार्म केन्द्र है ?** [Food Safety Officer - 27.06.2023]

(1) रीको, भरतपुर (2) उद्योगविहार, जैसलमेर

(3) एम आइ ए, कोटा (4) बोरानाडा, जोधपुर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य औद्योगिक और निवेश निगम (रीको) ने कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिए चार कृषि खाद्य उद्यान विकसित किये हैं। निम्नलिखित में से कौनसा उनमें से एक नहीं हैं-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-I)] [ACF & FRO Exam - 18.02.2021]

(1) कोटा (2) श्रीगंगानगर (3) अलवर (4) जयपुर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में स्थापित रीको (RIICO-राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड) पार्कों में से कौनसा क्षेत्रफल में सबसे छोटा है ?** [Asst. Town Planner- 16.06.2023]

(1) कोटा के पास रणपुर

(2) जोधपुर के पास बोरानाड़ा

(3) उद्योग विहार, श्रीगंगानगर

(4) मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र, अलवर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के पहले मेगा फूड पार्क का उद्घाटन किस जिले में किया गया?** [LDC Exam -12.08.2018]

(1) अलवर (2) अजमेर (3) उदयपुर (4) जयपुर

Ans. (2)

व्याख्या *– अजमेर में किशनगढ़ के निकट रूपनगढ़ में **प्रदेश का पहला मेगा फूड पार्क** 29 मार्च, 2018 को शुरु किया गया। इस प्रोजेक्ट को ग्रीनटेक मेगा फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तहत तैयार किया गया है। बजट 2020-21 में घोषित **द्वितीय** मेगा फूड पार्क का मथानिया (जोधपुर) में तथा **तृतीय** मेगा फूड पार्क का पलाना (बीकानेर) में निर्माण किया जा रहा है।*

❒ **मेगा फूड पार्क का निर्माण कार्य चल रहा है-** [III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) पाली में(2) जालौर में(3) बीकानेर में (4) जोधपुर में

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से ग्रीनटेक मेगा फूड पार्क ने अपनी इकाई स्थापित की है-** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) रूपनगढ़, अजमेर में (2) झोटवाड़ा, जयपुर में

(3) टोंक में (4) गंगानगर में

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मार्च, 2018 में स्थापित राजस्थान के पहले मेगा फूड पार्क के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही को चिह्नित करें-**
1. इसका उद्घाटन केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने किया था।
2. इसे स्मार्ट मेगा फूड पार्क के नाम से जाना जाता है। 3. यह रूपनगढ़, अजमेर में स्थित है।
[वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]
(1) 1 और 2 सही (2) केवल 2 सही
(3) 1 और 3 सही (4) केवल 3 सही
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौन-सा सही है?** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)-30.05.2019]
1. रीको कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिये कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर और जयपुर में चार एग्रो फूड पार्क विकसित कर चुका है।
2. अन्य फूड पार्क ग्रीनटैक मेगा फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा अजमेर में किशनगढ़ के पास विकसित किया जा रहा है।
(1) केवल 1 (2) केवल 2
(3) दोनों 1 और 2 (4) ना तो 1 और ना ही 2
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *जयपुर में एग्रोफूड पार्क नहीं है।*

❒ **राज्य का दूसरा स्पाइस पार्क स्थापित किया जा रहा है** [III^rd Grade Teacher Exam. 2012]
(1) जयपुर (2) अजमेर (3) जोधपुर (4) कोटा
Ans. (4)

***व्याख्या**-राज्य का पहला स्पाइस पार्क, रामपुरा बाढ़ियाँ/भाटियान गाँव (जोधपुर ग्रामीण) स्थापित (7 अप्रैल, 2012) तथा राज्य का दूसरा स्पाइस पार्क रामगंज मण्डी (कोटा) में स्थापित (22 फरवरी, 2019) किया गया है।*

❒ **राजस्थान का पहला 'स्पाइस-पार्क' कहाँ स्थापित किया जाएगा?** [छात्रावास अधीक्षक, 2008]
[III Grade (SST) -26.02.2023]· [कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]
(1) कोटा (2) जोधपुर (3) जालोर (4) नागौर
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **हिन्दुस्तान मशीन टूल्स द्वारा घड़ी संयोजन इकाई स्थापित की गई है?** [S.I. Exam, 1998]
[LDC. Ex. 2012, जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
[Stenographer Exam : 30.05. 2013]
(1) सूरतगढ़ (2) गंगानगर (3) अजमेर (4) भिवाड़ी
Ans. (3)

***व्याख्या** - __हिन्दुस्तान मशीन टूल्स निगम__, **अजमेर :** चेकोस्लोवाकिया की मदद से 1967 में अजमेर में स्थापित HMT की इस वॉच असेम्बली इकाई को वर्तमान में बंद कर दिया गया है।*

❒ **राज्य की वह कम्पनी जिसकी स्थापना चेकोस्लोवाकिया के सहयोग से की गई?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1)हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड(2)इन्स्ट्रूमेन्टेशन लिमिटेड,कोटा
(3) हिन्दुस्तान मशीन टूल्स,अजमेर
(4) हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में काँच उद्योग स्थापित हुआ है?** [PTI Exam - 2015] [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) धौलपुर (2) डूँगरपुर (3) सिरोही (4) चित्तौड़गढ़
Ans. (1)

***व्याख्या** -हाईटैक प्रिसिजन ग्लास फैक्ट्री, धौलपुर में है।*

❒ **हाइटेक प्रिसीजन ग्लास फैक्ट्री स्थित है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) भरतपुर (2) धौलपुर (3) जयपुर (4) अलवर
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **रमकड़ा उद्योग प्रसिद्ध है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) गलियाकोट का (2) बेगूँ (3) माण्डल (4) जेठाना का
Ans. (1)

***व्याख्या :** डूँगरपुर का गलियाकोट रमकड़ा उद्योग हेतु प्रसिद्ध है।*

❒ **इनमें से हाथ से कागज निर्माण का कार्य कहाँ किया जाता है?** [RPSC LDC. Exam, 2012]
[III Grade (Urdu) -28.02.2023]
(1) बाड़मेर (2) बालोतरा (3) सांगानेर (4) कैथून
Ans. (3)

***व्याख्या** - राजस्थान में हाथ से कागज बनाने के लिए घोसूण्डा (चितौड़गढ़) व __सांगानेर__ (जयपुर) प्रसिद्ध है।*

❒ **सांगानेर (जयपुर) विशेष रूप से प्रसिद्ध है?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008]
(1) हस्तनिर्मित कागज (2) खिलौने
(3) हस्तनिर्मित औजार (4) ऊनी गलीचे
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **भारत सरकार का उपक्रम इन्स्ट्रूमेन्टेशन लिमिटेड कहाँ स्थित है?** [RPSC LDC. Exam, 2012]

(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) कोटा (4) अजमेर

Ans. (3)

व्याख्या - इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड : कोटा जिले में मशीन व यंत्र निर्माण हेतु 1965 में स्थापित। इसकी सहायक इकाई राजस्थान इलेक्ट्रोनिक एंड इंस्ट्रूमेंट्स लि., कनकपुरा (जयपुर ग्रामीण) में टेलीविजन सेट्स निर्माण हेतु 1982-83 में स्थापित की गयी।

❑ **हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड उद्योग को कच्चा माल कहाँ से उपलब्ध होता है?** [RPSC LDC. Exam, 2012]

(1) खेतड़ी क्षेत्र (2) सीकर क्षेत्र

(3) जयपुर क्षेत्र (4) जावर क्षेत्र

Ans. (1)

व्याख्या -हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड : यह नवम्बर, 1967 में यू.एस.ए. की वेस्टर्न नैप इंजीनियरिंग कम्पनी की सहायता से खेतड़ी (नीम का थाना) में स्थापित किया गया है।

❑ **राजस्थान के किस जिले में इन्द्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र स्थित है-** [LDC -12.08.2018] [R.A.S.(cancelled) 1999]

(1) झालावाड़ (2) चित्तौड़गढ़ (3) बूँदी (4) कोटा

Ans. (4)

व्याख्या - इन्द्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान के कोटा जिले में स्थित है। कोटा में इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में ऑटोमोबाइल पार्क स्थापित किया जा रहा है।

❑ **राज्य में सरसों तेल उद्योग का प्रमुख केन्द्र है-** [Police Constable Exam-2007(II)]

(1) बाँसवाड़ा (2) अलवर (3) जयपुर (4) भरतपुर

Ans. (4)

व्याख्या - राज्य के भरतपुर, जयपुर, कोटा, गंगानगर, पाली, सवाईमाधोपुर, गंगापुर सिटी, टोंक (निवाई) आदि जिलों में तेल-घाणी उद्योग केन्द्रित है। भरतपुर में इंजिन मार्का छाप तेल, जयपुर में वीर बालक प्रसिद्ध मार्का तेल उत्पादक कारखानें है।

❑ **राजस्थान के किस औद्योगिक क्षेत्र में, दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिए विशिष्टतया नामांकित क्षेत्र है?** [Jr. Accountant 04.10.16]

(1) रीको औद्योगिक क्षेत्र, भिवाड़ी

(2) घीलोट औद्योगिक क्षेत्र, अलवर

(3) रीको औद्योगिक क्षेत्र, प्रहलादपुरा

(4) रतन औद्योगिक क्षेत्र, किशनगढ़

Ans. (2)

व्याख्या-रीको व कोरिया ट्रेड इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (कोटरा) के मध्य 11 मार्च, 2013 को निष्पादित एमओयू के तहत घीलोट (वर्तमान में कोटपूतली-बहरोड़) औद्योगिक क्षेत्र में कोरियन इन्वेस्टमेंट जोन विकसित किया जा रहा है।

❑ **राजस्थान में कौनसी संस्थान शीत भण्डार गृह और मण्डी यार्ड बनाने से सबद्ध है?** [LDC - 23.10.16]

(1) नाबार्ड (2) राज्य सहकारी बैंक

(3) कृषि विपणन बोर्ड (4) क्रय-विक्रय समितियाँ

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड (RSAMB) - यह बोर्ड प्रदेश में कृषि उत्पादों के विपणन हेतु मण्डियाँ स्थापित करने एवं उनका संचालन करने तथा मण्डी सड़कों के निर्माण के उद्देश्य से 1974 में गठित किया गया। मुख्यालय: कृषि भवन, भगवान दास रोड, जयपुर।

❑ **भारत में निजी क्षेत्र की एक सबसे बड़ी उर्वरक उत्पादक कम्पनी 'चंबल फर्टीलाइजर्स एण्ड केमिकल्स' किस जिले में स्थित है** [III Gr.T.-2004]
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]

(1) कोटा (2) रावतभाटा (3) शिवदासपुर (4) गढ़ेपान

Ans. (4)

व्याख्या - चम्बल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड - गढ़ेपान गाँव में गैस पर आधारित निजी क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा खाद का कारखाना है।

❑ **राजस्थान राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स को स्थापित किया गया है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]

(1) चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन में

(2) कोटा जिले के गड़ेपान में

(3) हनुमानगढ़ जिले के रावतसर में

(4) भीलवाड़ा जिले के हुरड़ा में

Ans. (1)

व्याख्या - राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड -कपासन गाँव (चित्तौडगढ़) में स्थापित किया गया।

❒ **राजस्थान में श्रीराम फर्टीलाइजर एवं केमिकल्स उद्योग कहाँ स्थापित है?** [AEN Exam - 16.12.2018] [स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]

(1) बूँदी (2) भिवाड़ी (3) जयपुर (4) कोटा

Ans. (4)

व्याख्या *- श्रीराम फर्टीलाइजर एवं केमिकल्स उद्योग, कोटा जिले में स्थापित है।*

❒ **'राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स' उद्योग कहाँ स्थित है?** [RAS -19.11.2013] [Head Master -11.10.2021] [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) लूणकरणसर (2) सांभर (3) पचपदरा (4) डीडवाना

Ans. (4)

व्याख्या*- सोडियम सल्फेट (1964) व सोडियम सल्फाइड (1966) बनाने के कारखाने डीडवाना में **राजस्थान स्टेट केमिकल्स वर्क्स** के नाम से स्थापित है।*

❒ **राजस्थान का पहला डी.ए.पी. खाद प्रोजेक्ट कहाँ स्थापित होना प्रस्तावित है?** [छात्रावास अधीक्षक-2008]

(1)झामर-कोटड़ा(2) देबारी(3)रामपुरा-आगूचा(4) कपासन

Ans. (4)

व्याख्या *- **राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड** - कपासन गाँव (चित्तौडगढ़) में डाई अमोनियम फॉस्फेट (डी.ए.पी.) खाद का कारखाना है।*

❒ **राजस्थान में 'निर्यात-संवर्धन औद्योगिक उद्यान' किसकी सहायता से स्थापित किया?** [R.A.S.-1995]

(1) जापान (2) विश्व बैंक

(3) भारत सरकार (4) अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण

Ans. (3)

व्याख्या *- भारत सरकार की सहायता से राज्य का **तीसरा निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क नीमराना** (कोटपूतली-बहरोड़) में स्थापित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पहला निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क **सीतापुरा** (जयपुर) तथा दूसरा **बोरानाडा** (जोधपुर) में स्थापित किया गया है।*

❒ **सूचना प्रौद्योगिकी पार्क कहाँ है?** [II Grade Teacher (Science) 2010]

(1) उदयपुर (2) जोधपुर (3) जयपुर (4) अलवर

Ans. (3)

❒ **राजस्थान में सफेद सीमेन्ट का उत्पादन होता है?** [R.A.S. Pre Exam, 1995,99, SI,98]

(1) ब्यावर (2) गोटन (3) निम्बाहेड़ा (4) चित्तौड़गढ़

Ans. (2)

व्याख्या *- **राजस्थान में सफेद सीमेण्ट के तीन कारखानें** - प्रथम **गोटन** (नागौर) में जे. के. व्हाइट सीमेन्ट, दूसरा **खारिया खंगार** (राजस्थान का सबसे बड़ा सफेद सीमेन्ट का कारखाना), भोपालगढ़ (जोधपुर ग्रामीण) में अल्ट्रा टेक सीमेन्ट (बिड़ला व्हाइट सीमेन्ट की डिवीजन) एवं तीसरा **मांगरोल** (चित्तौड़गढ़) में जे. के. व्हाइट सीमेन्ट, स्थित है।*

❒ **निम्नलिखित (सीमेण्ट उद्योग - स्थान) में से कौनसा सुमेलित नहीं है?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]

(1) जे.के. सीमेन्ट-निम्बाहेड़ा (2) मंगलम सीमेन्ट-मोडक

(3) श्री सीमेन्ट-ब्यावर (4) बिड़ला व्हाइट सीमेन्ट-गोटन

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **नागौर जिले में स्थित 'गोटन' स्थान किस उद्योग के लिए प्रसिद्ध है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (I)]

(1) शक्कर उद्योग (2) सीमेंट उद्योग

(3) काँच उद्योग (4) धातु उद्योग

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में सफेद सीमेंट बनाने का पहला कारखाना 1984 में कहाँ स्थापित किया गया था?** [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) केकड़ी (अजमेर) (2) ब्यावर (अजमेर)

(3) रींगस (जयपुर) (4) गोटन (नागौर)

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **उद्योग-स्थिति में कौनसा सुमेलित नहीं है-** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) हाई टेक ग्लास-धौलपुर (2) सफेद सीमेण्ट-निम्बाहेड़ा

(3) टायर-ट्यूब-अलवर (4) पॉलिमर-शाहपुरा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **श्रम ब्यूरो, शिमला, सितंबर-2020 से राजस्थान के किन केन्द्रों के लिए औद्योगिक श्रमिकों हेतु उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष -2016) जारी करता है?** [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) अलवर, भीलवाड़ा, जयपुर

(2) अजमेर, जयपुर, भीलवाड़ा

(3) जयपुर, जोधपुर, बीकानेर

(4) अलवर, अजमेर, जयपुर

Ans. (1)

व्याख्या -वर्तमान में औद्योगिक श्रमिकों के लिए सामान्य उपभोक्ता सूचकांक बनाने के लिए तीन जिले जयपुर, भीलवाड़ा एवं अलवर (सितम्बर, 2020 से अजमेर के स्थान पर) सम्मिलित किये गये है।

❐ **राजस्थान में टायर एवं ट्यूब बनाने का सबसे बड़ा कारखाना स्थित है?** [R.A.S. Pre Exam, 1998]

(1) केलवा (2) कांकरोली (3) करौली (4) कोटपूतली

Ans. (2)

व्याख्या - कांकरोली : इस कस्बे में राजसमंद झील की पाल पर द्वारकाधीश का भव्य मंदिर (वल्लभ सम्प्रदाय का प्रमुख केन्द्र) है। यहाँ राणा मोकल द्वारा निर्मित चारभुजा मंदिर (इसके पास 9 चौकी नामक प्रसिद्ध तालाब, रोकड़िया हनुमानजी, लक्ष्मण झूला) व टायर-ट्यूब (जे.के.) बनाने का सबसे बड़ा कारखाना भी स्थित है।

❐ **राजस्थान में सर्वप्रथम 1964 में वनस्पति घी उद्योग कहाँ स्थापित किया गया ?** [RPSC Jr. A/c-1994]

[II Grade (English) Exam. 2011]

(1) जयपुर (2) भीलवाड़ा (3) बारां (4) उदयपुर

Ans. (2)

*व्याख्या - वनस्पति घी का सबसे पहला कारखाना राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में स्थापित (1964) किया गया। यह उद्योग जयपुर (**विश्वकर्मा का महाराजा व झोटवाड़ा का आमेर छाप वनस्पति**), उदयपुर, गंगानगर, अलवर, टोंक (निवाई की केसर छाप वनस्पति), चित्तौड़गढ़, सवाईमाधोपुर आदि स्थानों पर स्थापित है।*

❐ **राज्य में कहाँ आयोडाइज्ड नमक के कारखाने लगाये गये हैं?** [RPSC TRA Exam-1994]

(1) डीडवाना, कछोवा (2) पचपदरा, डीडवाना

(3) सांभर, आमेर (4) लूणकरणसर, पंचपद्रा

Ans. (2)

व्याख्या - डीडवाना (डीडवाना-कुचामन जिला) - यहाँ सार्वजनिक क्षेत्र के 'सोडियम सल्फेट संयंत्र' व 'राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स लिमिटेड' नामक दो कारखाने स्थित है।

*• **पचपदरा (बालोतरा जिला)**- यहाँ उत्पादित नमक समुद्री नमक से मिलता जुलता है। यहाँ का नमक सबसे अच्छा है।*

❐ **'राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स' की तीन इकाइयाँ कहाँ स्थित है?** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)-30.05.2019]

(1) लूणकरणसर (2) डीडवाना (3) सांभर लेक (4) फलौदी

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में शक्कर उद्योग के केन्द्रों का सही समुच्चय है?** [R.A.S. Pre Exam, 1999]

(1) कोटा-टोंक-भीलवाड़ा

(2) उदयपुर-टोंक-भीलवाड़ा

(3) केशोरायपाटन-श्रीगंगानगर-बीकानेर

(4) श्रीगंगानगर-भोपालसागर-केशोरायपाटन

Ans. (4)

*व्याख्या - • **राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड (RSGSM)** - 'बीकानेर औद्योगिक निगम लिमिटेड' के नाम से निजी क्षेत्र में इसकी स्थापना 1945 में (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तक राजस्थान का भूगोल, डॉ. हरिमोहन सक्सेना के अनुसार 1937) की गई। यहाँ चीनी बनाने का कार्य 1946 में शुरू हुआ। यह राजस्थान की दूसरी चीनी मिल हैं।*

*1 जुलाई, 1956 को राजस्थान सरकार द्वारा इसे अधिग्रहीत करने पर यह सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई बन गई। 14 मई, 1993 को इसका नाम **राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स** कर दिया गया। वर्ष 2016 में इसको गंगानगर शहर से स्थानान्तरित कर कमीनपुरा गाँव में स्थापित किया गया। इस मिल में चुकन्दर से भी चीनी बनाने का कार्य 1968 में प्रारम्भ किया गया, जो अब बन्द है। यहाँ देशी शराब का निर्माण भी होता है।*

*• **श्री केशोरायपाटन शुगर मिल्स लिमिटेड** - यह राजस्थान की तीसरी चीनी मिल है। इसकी स्थापना 1965 ई. में केशोरायपाटन बूंदी में सहकारी क्षेत्र में की गई है। वर्तमान में यह मिल बन्द है।*

*• **दी मेवाड़ शुगर मिल्स लिमिटेड**-यह राजस्थान की प्रथम चीनी मिल है। इसकी स्थापना भोपाल सागर (चित्तौड़गढ़) में 5 अप्रैल 1932 ई.में निजी क्षेत्र में की गई है।*

❐ **मेवाड़ शुगर मिल अवस्थित है-**

[खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) भोपाल सागर में (2) श्री गंगानगर में

(3) उदयपुर में (4) केशोरायपाटन में

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में प्रथम चीनी उत्पादन मिल स्थापित की गई-** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015] [Stenographer- 30.05. 2013] [LDC-2012]

(1) केशोरायपाटन(2) श्रीगंगानगर(3) कोटा(4) भोपाल सागर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सहकारी तन्त्र में संचालित शक्कर का कारखाना स्थित है ?** [R.A.S. Pre Exam, 1993, 94,99, SLET,99]

(1)उदयपुर(2)श्रीगंगानगर(3)भोपालसागर(4) केशोरायपाटन

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न औद्योगिक उपक्रमों में से कौनसा भारत सरकार का उपक्रम नहीं है-** [PSI - 13.09.2021]

(1) इंस्ट्रुमेंटेशन लिमिटेड, कोटा
(2) सांभर साल्ट्स लिमिटेड, सांभर
(3) मॉडर्न बेकरीज इंडिया लिमिटेड, जयपुर
(4) श्रीगंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड, श्रीगंगानगर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल हैं-** [CET - 5.2.2023 (S-I)]

(1) निजी क्षेत्र की कम्पनी
(2) सहकारी क्षेत्र की कम्पनी
(3) सरकारी उपक्रम
(4) सरकार व निजी क्षेत्र का संयुक्त उपक्रम

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड ने चुकंदर से चीनी बनाना कब से प्रारम्भ किया था-**[PSI - 14.09.2021]

(1) 1968 (2) 1967 (3) 1963 (4) 1969

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड को शुरू में वर्ष 1945 में निजी क्षेत्र में ......के रूप में संस्थापित किया गया था।** [Asst. Town Planner- 16.06.2023]

(1) मेवाड़ शुगर मिल्स लिमिटेड, चित्तौड़गढ़
(2) महाराजा श्री उम्मेद मिल्स लिमिटेड, पाली
(3) केशोरायपाटन सहकारी चीनी कारखाना, बूँदी
(4) बीकानेर औद्योगिक निगम लिमिटेड, बीकानेर

Ans. (4)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से राजस्थान का कौन-सा जिला चीनी मिल संयंत्र के कारण वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा है?** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018] [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]

(1) बीकानेर (2) भरतपुर (3) धौलपुर (4) श्रीगंगानगर

Ans. (4)

व्याख्या : *राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड के संयंत्रों के कारण गंगानगर वायु प्रदूषण की समस्या से प्रभावित है।*

❑ **राजस्थान में अभ्रक ईंट उद्योग केन्द्रित है?** [III Grade Teacher-2006][महिला पर्यवेक्षक - 20.12.2015]

(1) बाँसवाड़ा(2)भीलवाड़ा (3)हनुमानगढ़(4) श्रीगंगानगर

Ans. (2)

व्याख्या- *ईंट उद्योग में भीलवाड़ा सर्वाधिक विकसित जिला है। राज्य के इस जिले में अभ्रक की ईंटें बनाई जाती है। भीलवाड़ा में तापरोधी ईंट उद्योग विकसित किया गया है।*

❑ **पावरलूम उद्योग में प्रथम 'कम्प्यूटर एडेड डिजाइन सेट' स्थापित किया गया है?** [R.A.S.-1999]

(1) पाली में (2) भीलवाड़ा में
(3) जोधपुर में (4) बालोतरा में

Ans. (2)

व्याख्या - *भारत सरकार के सहयोग से पावरलूम उद्योग हेतु भीलवाड़ा में प्रथम बार 'कम्प्यूटर एडेड डिजाइन सेट' स्थापित किया गया।*

❑ **निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान सरकार का उद्योग नहीं है?** [R.A.S. Pre Exam.(cancelled) 1999]

(1) दि गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड
(2) राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स, डीडवाना
(3) स्टेट वूलन मिल्स, बीकानेर
(4) मॉर्डन फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

Ans. (4)

व्याख्या - ***मॉडर्न बेकरीज इण्डिया लि.*** *: 1965 में जयपुर में स्थापित वर्तमान में यह औद्योगिक इकाई (14 ब्रेड इकाईयाँ) हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड कम्पनी को बेच दी गई है।*

❑ **वर्ष 1953 में एशिया का सबसे बड़ा सीमेंट कारखाना कहाँ स्थापित किया गया था?**[क. अनुदेशक-10.9.2022]

(1) जयपुर (2) सवाई माधोपुर (3) जोधपुर (4) बीकानेर

Ans. (2)

व्याख्या-दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा सीमेंट कारखाना 'जयपुर उद्योग लिमिटेड' (1953 से 1959) बावरा, सवाई माधोपुर में स्थापित किया गया था, जो 1986 से बंद है।

❒ **राजस्थान में सर्वप्रथम सीमेन्ट फैक्ट्री खोली गई-**

[II Grade (English)-2011][जेल प्रहरी-28.10.2018, S-III]
[CET : 07.01.2023 (S-1)][II Grade GK - 24.12.2022]
[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
[I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]

(1) चित्तौड़गढ़ (2) लाखेरी (3) मोड़क (4) निम्बाहेड़ा

Ans. (2)

व्याख्या - ऐसोसिएट सीमेन्ट कम्पनी (A.C.C.) - इसकी स्थापना लाखेरी गाँव (बूँदी) में क्लीक निक्सन कम्पनी द्वारा 1915 में साहू जैन समूह द्वारा स्थापित की गई। यहाँ 1917 में उत्पादन प्रारम्भ हुआ। यह राजस्थान में प्रथम सीमेन्ट का कारखाना है। वर्तमान में अडाणी समूह द्वारा संचालित है।

❒ **ए.सी.सी. लिमिटेड की एक सीमेन्ट इकाई है-**

[II Grade (SST.) -13.02.2023]

(1) गोटन (2) लाखेरी (3) सिरोही (4) चित्तौड़गढ़

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में किस शहर में सीमेन्ट का उत्पादन सर्वाधिक होता है-** [R.A.S. Pre Exam, 2003]

[RPSC II Grade Teacher Exam-2011]

(1) चित्तौड़गढ़ (2) जयपुर (3) भरतपुर (4) दौसा

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान का सीमेन्ट उत्पादन में देश में प्रथम स्थान है। राज्य में सर्वाधिक सीमेन्ट उत्पादक जिला चित्तौड़गढ़ हैं, जबकि वर्तमान में जैसलमेर में सर्वाधिक सीमेन्ट उत्पादन की संभावनाएँ है। यहाँ ***खींया खींवसर, तुलसीराम की ढाणी तथा परेवार की ढाणी*** *में 6 वृहत् आकार के सीमेण्ट कारखानें स्थापित किये जा रहे हैं।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में, जियो-लॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया 2021 के नवीनतम सर्वेक्षण में, सीमेंट ग्रेड लाइमस्टोन के विशाल भण्डार मिले हैं?**

[CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) चित्तौड़गढ़ (2) जैसलमेर (3) झालावाड़ (4) पाली

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा एक राजस्थान में सीमेंट उद्योग का केन्द्र नहीं है?** [कनिष्ठ लेखाकार-2.8.2015]

(1) गोटन (2) मोडक (3) ब्यावर (4) गुलाबपुरा

Ans. (4)

व्याख्या-राजस्थान में सीमेन्ट कारखाने लाखेरी (बूँदी), निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़), मोड़क (कोटा), ब्यावर, गोटन (नागौर), सिरोही, उदयपुर, पाली आदि स्थानों पर स्थापित किए गए हैं। जबकि गुलाबपुरा (शाहपुरा) में राजस्थान सहकारी कताई (सूती वस्त्र) मिल है।

❒ **राजस्थान में सीमेन्ट उत्पादन में प्रमुख जिले हैं :**

[द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

(1) बून्दी, चित्तौड़गढ़, कोटा, सिरोही एवं उदयपुर
(2) चित्तौड़गढ़, उदयपुर, प्रतापगढ़ एवं बाँसवाड़ा
(3) सिरोही, कोटा, डूँगरपुर एवं बाँसवाड़ा
(4) कोटा, बून्दी, टोंक एवं भीलवाड़ा

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जे.के. पुरम जो कि जे. के. लक्ष्मी सीमेंट विनिर्माण इकाई के रूप में जाना जाता है,.... जिले में हैं।**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]

(1) पाली (2) टोंक (3) सीकर (4) सिरोही

Ans. (4)

व्याख्या- राजस्थान में सर्वाधिक सीमेन्ट उत्पन्न करने वाली सीमेन्ट कंम्पनी 'श्रीसीमेन्ट' है। इसके प्रमुख कारखाने - श्रीसीमेन्ट ब्यावर (क्षमता-36 लाख टन प्रतिवर्ष, ऊर्जा संरक्षण हेतु 'गोल्डन पीकॉक अवार्ड' से सम्मानित), रास (पाली), खुशखेड़ा (खैरथल-तिजारा), सूरतगढ़ (गंगानगर), जोबनेर (जयपुर ग्रामीण)।

- ***अल्ट्राटेक कम्पनी का बिरला व्हाइट सीमेन्ट उद्योग-खारिया खंगार (भोपालगढ़) जोधपुर***
- ***जयपुर उद्योग लिमिटेड*** *- इसकी स्थापना बावरा गाँव में की गई है। यह राजस्थान का दूसरा व एशिया का सबसे बड़ा सीमेन्ट का कारखाना है।*
- ***जे.के. व्हाइट सीमेन्ट का कारखाना-गोटन (नागौर)***
- ***जे.के. लक्ष्मी सीमेन्ट*** *- सिरोही*
- ***स्टा प्रोडक्टस बनास*** *- सिरोही*
- ***जे.के. सीमेन्ट का कारखाना*** *- इसकी स्थापना 1974 में निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) में की गई। यह राजस्थान में सर्वाधिक सीमेन्ट उत्पादन करने वाला कारखाना ।*

❒ **बिड़ला सीमेन्ट वर्क्स अवस्थित है**[II Grade -28.10.2018]

(1) चित्तौड़गढ़ (2) कोटा (3) बूँदी (4) निम्बाहेड़ा

Ans. (1)

व्याख्या : चित्तौड़गढ़ (राज्य की सीमेन्ट नगरी) में बिड़ला सीमेन्ट वर्क्स लिमिटेड, आदित्य सीमेन्ट लिमिटेड, जे.के. सीमेन्ट (निम्बाहेड़ा), लाफार्ज इण्डिया लिमिटेड (भावलिया, निम्बाहेडा), अल्ट्राटेक सीमेन्ट (शम्भुपुरा) अवस्थित है।

❒ **निम्नलिखित में से कौनसी सीमेण्ट फैक्ट्री चित्तौड़गढ़ जिले में अवस्थित नहीं है?** [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) बिड़ला सीमेण्ट वर्क्स लि. (2) जे.के. सीमेण्ट लि.
(3) आदित्य सीमेण्ट वर्क्स (4) हिन्दुस्तान सीमेण्ट लि.

Ans. (4)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसे सुमेलित है-** [I Grade Geography-16.10.2022]

सीमेण्ट इकाई	स्थान
1. ए.सी.सी. लिमिटेड	खारिया
2. अम्बुजा सीमेन्ट	राबड़ियावास
3. जे.के. सीमेन्ट	निम्बाहेड़ा
4. श्रीराम सीमेन्ट	ब्यावर

(1) 1, 3 और 4 (2) 2 और 3
(3) 1 तथा 3 (4) 2, 3 और 4

Ans. (2)

व्याख्या : ए.सी.सी. लिमिटेड - लाखेरी (बूँदी), श्रीराम सीमेन्ट - कोटा (सबसे कम उत्पादन क्षमता वाला कारखाना) में अवस्थित है।

❒ **राजस्थान में सीमेंट उद्योग के स्थानीयकरण का प्रमुख कारक कौनसा है?** [II Grade GK -31.10.2018]

(1) बाजार (2) कच्चे माल की उपलब्धता
(3) शक्ति संसाधनों की उपलब्धता
(4) प्रशिक्षित श्रमिक

Ans. (2)

व्याख्या - कच्ची सामग्री का उद्योग के स्थानीयकरण में महत्त्व : *वे उद्योग जो भारी व कम मूल्य की कच्ची सामग्री पर आधारित हैं उन्हें भी कच्ची सामग्री के स्रोत के निकट ही स्थापित करना श्रेयस्कर होता है जैसे मिट्टी से ईंट बनाना, सीमेंट उद्योग, लकड़ी का चिराई उद्योग आदि।*

❒ **राजस्थान ऊन मिल कहाँ स्थापित है?** [II Grade (Hindi) Exam. 2011]

(1) चूरू (2) बाड़मेर (3) बीकानेर (4) जोधपुर

Ans. (3)

व्याख्या-स्टेट वूलन मिल्स (सरकारी) बीकानेर में है।

❒ **उद्योग - स्थान में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) स्टेट वूलन मिल-चूरू (2) पानी के मीटर - जयपुर
(3) सीमेंट - मोड़क (4) सूती वस्त्र - ब्यावर

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का कौनसा शहर भारत में सबसे बड़े ऊन के बाजार के रूप में जाना जाता है?** [CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) बाड़मेर (2) जोधपुर (3) जैसलमेर (4) बीकानेर

Ans. (4)

❒ **जयपुर जिले में मानपुर-माचेड़ी को विकसित किया गया है?** [R.A.S. Pre Exam, 1998]

(1) सॉफ्टवेयर कॉम्प्लेक्स के रूप में
(2) चमड़ा कॉम्प्लेक्स के रूप में
(3) हार्डवेयर कॉम्प्लेक्स के रूप में
(4) हैण्डीक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स के रूप में

Ans. (2)

व्याख्या-रीको की सहायता से जयपुर जिले के मानपुर-माचेड़ी में चमड़ा कॉम्प्लेक्स स्थापित किया गया है।

❒ **'खेसला उद्योग' के लिए प्रसिद्ध लेटा ग्राम किस जिले में स्थित है?** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) जोधपुर में (2) बाड़मेर में
(3) जालौर में (4) बीकानेर में

Ans. (3)

व्याख्या - जालौर का लेटा ग्राम खेसला उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।

❒ **राजस्थान में केन्द्रीय सरकार द्वारा परिचालित कारखाना है-** [RAS Exam- 1993]

(1) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर
(2) साल्ट वर्क्स, डीडवाना
(3) गंगानगर शुगर मिल्स
(4) अरावल स्वचालित वाहन लि., अलवर

Ans. (1)

व्याख्या - हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, देबारी (उदयपुर) : *राज्य में जस्ते के खनन एवं परिशोधन हेतु 10 जनवरी, 1966 में प्रारम्भ किये गये इस उपक्रम के अंतर्गत रामपुरा-आंगूचा खनन परिसर, भीलवाड़ा और चन्देरिया सीसा जस्ता सिमेलटर (प्रद्रावक), चित्तौड़गढ़ आते हैं।*

❐ **राज्य में बीड़ी उद्योग के प्रमुख केन्द्र हैं ?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) राजगढ़, घोसुण्डा, झिरी (2) बनेड़ा, ब्यावर, टोंक
(3) तिजारा, थानागाजी, सेवर(4) माण्डलगढ़, बेगूँ, बस्सी

Ans. (2)

***व्याख्या** - राजस्थान में बीड़ी उद्योग के लिए तेंदू की पत्तियाँ पर्याप्त मात्रा में उत्पादित होती है। बीड़ी उद्योग के लिए राजस्थान के जोधपुर, अजमेर, टोंक, ब्यावर, चित्तौड़गढ़, कोटा, शाहपुरा (बनेड़ा) आदि प्रसिद्ध है।*

❐ **सही सुमेलित नहीं है** [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]

(1) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड - देबारी
(2) राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्स्ट्रूमेन्टेशन लिमिटेड- जयपुर
(3) मोदी अल्केलाइन एवं केमिकल लिमिटेड-भरतपुर
(4) ओरिबन्टल पॉवर केबिल लिमिटेड- कोटा

Ans. (3)

***व्याख्या**- मोदी अल्केलाइन एवं केमिकल लिमिटेड- अलवर में स्थित है।*

❐ **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको) ने एक जापानी कम्पनी से नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में जापानी इकाईयाँ स्थापित करने के लिए MOU हस्ताक्षरित किया है। वह जापानी कंपनी है :** [R.A.S. Pre Ex., 2010]

(1) जैट्रो (2) हैट्रो (3) होण्डा सिआल (4) मित्सुबीसी

Ans. (1)

***व्याख्या** - औद्योगिक विकास में वृद्धि हेतु निगम द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जापानी संस्था, जैट्रो के साथ हस्ताक्षरित किया गया है जिसके तहत जैट्रो के सहयोग द्वारा राजस्थान के कोटपुतली-बहरोड़ जिले (पूर्व में अलवर) में जापानी जोन नीमराना औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न जापानी इकाईयाँ स्थापित की गयी।*

❐ **राजस्थान में औद्योगिक विकास हेतु जापानी जोन कहाँ विकसित किया गया है?**[क.अनुदेशक-10.9.2022]

(1) जयपुर (2) कोटा (3) अलवर (4) अजमेर

Ans. (3)* ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **विकास केन्द्रों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य है-** [SI Exam- 1995]

(1) समाज के निर्धन एवं कमजोर वर्गों का उत्थान
(2) पिछड़े क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धि द्वारा औद्योगिक इकाईयाँ आकर्षित करना।
(3) निर्धनों में से निर्धनतम को रोजगार उपलब्ध कराना।
(4) सीमान्त कृषकों एवं भूमिहीन मजदूरों को सहायता पहुँचाना।

Ans. (2)

***व्याख्या** - विकास केन्द्रों का मुख्य उद्देश्य पिछड़े क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धि द्वारा औद्योगिक इकाईयों को आकर्षित करना है।*

❐ **जो सही नहीं है, उसे निकाल दीजिए :** [RAS Pre. Exam-2009]

(1) रूडा ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने हेतु कार्य कर रहा है।
(2) ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेन्ट प्रमोशन, लघु उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए एक एजेन्सी है।
(3) रीको राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने वाली एक शीर्ष संस्था है।
(4) राजस्थान लघु उद्योग निगम, लघु उद्योग एवं हस्तशिल्प उद्योगों के प्रोत्साहन हेतु कार्यरत है।

Ans. (2)

***व्याख्या** - ब्यूरो ऑफ इनवेस्टमेंट प्रमोशन (बी. आई.पी.) - राज्य में दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक कॉरिडोर परियोजना हेतु बी.आई.पी. नोडल एजेन्सी है।*

❐ **सुमेलित कीजिए ?** [III[rd] Grade Teacher Exam. 2012]

औद्योगिक बस्ती	नगर क्षेत्र
(i) साँभर साल्ट्स लि.	A. जयपुर
(ii) राजस्थान ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लि.	B. जयपुर
(iii) सेमकोर ग्लास इण्डस्ट्री	C. कोटा
(iv) दी हाई टेक्निकल प्रीसिजन ग्लास वर्क्स	D. धौलपुर

(1) i - A, ii - B, iii - C, iv - D
(2) i - D, ii - A, iii - B, iv - C
(3) i - D, ii - B, iii - C, iv - A
(4) i - D, ii - C, iii - B, iv - A

Ans. (1)

व्याख्या- • ***साँभर साल्ट्स लिमिटेड*** *: साँभर, जयपुर ग्रामीण में स्थापित (1964) केन्द्र सरकार के इस उपक्रम में 60 प्रतिशत हिन्दुस्तान साल्ट्स व 40 प्रतिशत अंश राजस्थान सरकार का है।*

• ***राजस्थान ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लि., जयपुर*** *: केन्द्र सरकार व रीको के सहयोग से 1978 में इसकी स्थापना जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में की गयी।*

• ***सेमकोर ग्लास इण्डस्ट्रीज, कोटा*** *- यहाँ सेमसंग टीवी की पिक्चर ट्यूब का निर्माण किया जाता है।*

• ***दी हाई टेक्निकल प्रीसिजन ग्लास वर्क्स, धौलपुर*** *- यह 'दी गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड' की सहायक कम्पनी है। जिसमें शराब की बोतलों का निर्माण किया जाता है। यह सार्वजनिक क्षेत्र की मिल है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा उपक्रम राजस्थान सरकार का नहीं है?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) दी हाई-टेक प्रीसिजन ग्लास लिमिटेड-धौलपुर
(2) राजस्थान स्टेट केमिकल लिमिटेड - डीडवाना
(3) सांभर सांल्ट्स लिमिटेड
(4) गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में कुल स्वीकृत स्पेशल आर्थिक क्षेत्र (सेज) कितने हैं?** [RPSC LDC. Exam, 2012]

(1) 8 (2) 7 (3) 6 (4) 5

Ans. (3)

व्याख्या ***-निर्यातों को बढ़ावा देने हेतु आयात-निर्यात नीति 1997-2002 नीति के तहत 13 मार्च, 2003 को राज्य की विशेष आर्थिक क्षेत्र नीति जारी की गई, जिसके तहत क्रियाशील विशेष आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zone-SEZ) - • जेम्स एवं ज्वैलरी - सीतापुरा (जयपुर) में दो सेज रत्न एवं आभूषण उद्योग पर आधारित हैं। • महेन्द्रा वर्ल्डसिटी जयपुर में 2 सेज आईटी एवं इंजीनियरिंग तथा एक अन्य सेज हस्त शिल्प आधारित सेज है।***

नोट : बोरानाड़ा,जोधपुर हस्तशिल्प (Handicarft) सेज को हाल ही में सेज का दर्जा समाप्त कर सामान्य औद्योगिक क्षेत्र का दर्जा दे दिया। अतः अब राज्य में क्रियाशील 5 सेज रह गये हैं।

❒ **जयपुर में स्थित आई. टी. पार्क किस नाम से जाना जाता है?** **[II Grade (Sanskart) Exam. 2011]**

(1) महेन्द्रा वर्ल्ड सिटी (2) इन्फोसिस वर्ल्ड सिटी
(3) वेदान्त वर्ल्ड सिटी (4) विप्रो वर्ल्ड सिटी

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **महिन्द्रा कम्पनी द्वारा स्थापित सेज है?** [CET -4.2.2023 (S-I)][III^rd Grade Teacher-2012]

(1) बीकानेर (2) जोधपुर (3) जयपुर (4) जैसलमेर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स (SEZ) की स्थापना भारत सरकार की किस नीति के अन्तर्गत की गई है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III]

(1) कृषि नीति 1997-2002
(2) औद्योगिक नीति 1997-2002
(3) विदेश नीति 1997 -2002
(4) आयात-निर्यात नीति 1997-2002

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सिलीकन सिटी, प्रथम सेजों (SEZ) में से एक जो भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से स्वीकृत हो चुकी हैं, स्थित है?** [छात्रावास अधीक्षक-2008]

(1) जयपुर - अजमेर रोड पर (2) बोरानाड़ा (जोधपुर) में
(3) खुशखेड़ा(भिवाड़ी) में (4) देलवाड़ा (माउन्ट आबू) में

Ans. (3)

व्याख्या - • ***अधिसूचित सेजः सोमानी वर्स्टेड लिमिटेड***
• ***स्थान- खुशखेड़ा, भिवाड़ी (खैरथल-तिजारा जिला)***
• ***सेज का प्रकार- इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर/ आईटीईएस***

❒ **निम्नांकित में से, राजस्थान में कौनसा अधिसूचित 'विशेष आर्थिक क्षेत्र' बीकानेर से संबंधित है?** [RPSC कनिष्ठ लेखाकार परीक्षा-2 अगस्त,2015]

(1) आर.एन.बी. इन्फ्रास्ट्रक्चर (2) महिंद्रा वर्ल्ड सिटी
(3) जेनपेक्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर (4) सोमानी वर्स्टेड

Ans. (1)

व्याख्या ***- बीकानेर के पूगल रोड पर आर.एन.बी. इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. (टेक्सटाइल सेज) स्थित है।***

❒ **''राजस्थान से निर्यात होने वाली शीर्ष पाँच वस्तुओं का हिस्सा राज्य से वर्ष 2019-20 में होने वाले कुल निर्यातों में 50 प्रतिशत से अधिक है।'' इन पाँच शीर्ष निर्यात मदों में निम्नलिखित में से कौनसी मद शामिल नहीं है?** [Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) इंजीनियरिंग वस्तुयें (2) कपड़ा
(3) रत्न और आभूषण (4) मार्बल एवं ग्रेनाइट

Ans. (4)

व्याख्या - *वर्तमान में सर्वाधिक निर्यात वाली वस्तुएँ-* *1. अभियांत्रिकी वस्तुएँ (16.62%), 2. कपड़ा (12.85%), 3. धातु (11.44%), 4. हस्तकला (10.88%), 5. रासायनिक एवं सम्बद्ध (9.72%), 6. रत्न एवं आभूषण (6.22%)*
(स्रोत: राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2022-23)

❒ राजस्थान से होने वाले निर्यातों में प्रमुख स्थान है? [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008]

(1) हैंडीक्राफ्टस (2) जैम एवं ज्वैलरी
(3) संगमरमर (4) चमड़े का सामान

Ans. (2)* *व्याख्या वर्तमान संदर्भ में देखें।*

❒ सुमेलित कीजिये: [RPSC LDC, 11 Jan 2014]

(A) अशोका लीलैण्ड (1) अलवर
(B) नेशनल बॉल बियरिंग (2) कोटा
(C) सेमकोर ग्लास लिमिटेड (3) जयपुर
(D) हिन्दुस्तान रेडियेटर्स (4) जोधपुर

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	1	4	3	(2)	3	4	2	1
(3)	4	2	1	3	(4)	1	3	2	4

Ans. (4)

व्याख्या - *अशोका लीलैण्ड का कारखाना - अलवर, नेशनल बॉल बियरिंग - जयपुर, सेमकोर ग्लास लि.- कोटा, हिन्दुस्तान रेडियेटर्स- जोधपुर में स्थित है।*

❒ अशोका लीलेंड फैक्ट्री राजस्थान में कहाँ स्थित है- [CET - 11.2.2023 (S-II)]

(1) जोधपुर (2) कोटा (3) जयपुर (4) अलवर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ लघु अवधि ऋण की अवधि है- **[RAS - 2000]**

(1) अधिकतम 15 माह (2) 2 से 5 वर्ष
(3) 1 से 3 वर्ष (4) 1 से 2 माह

Ans. (1)

व्याख्या - *लघु अवधि ऋण की अवधि अधिकतम 15 माह होती है।*

❒ राजस्थान सरकार के किस विभाग में सार्वजनिक निजी सहभागिता परियोजनाओं में राज्य सरकार के प्रयासों के साथ समन्वय के लिए नोडल एजेन्सी के रूप में 'सार्वजनिक निजी सहभागिता सेल' का गठन किया गया है? [उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]

(1) आयोजना विभाग (2) उद्योग विभाग
(3) वित्त विभाग (4) वाणिज्य विभाग

Ans. (1)

व्याख्या - *वर्ष 2007-08 में आयोजना विभाग के अन्तर्गत पी.पी.पी. प्रकोष्ठ का सृजन किया गया, जो कि सार्वजनिक-निजी सहभागिता परियोजनाओं में राज्य सरकार के प्रयासों के साथ समन्वय के लिए नोडल एजेन्सी है। यह राज्य में विभिन्न विभागों की पी.पी.पी. से सम्बन्धित श्रेष्ठ नवाचार, दिशा-निर्देश, योजनाओं आदि सहित समस्त सूचनाओं के संग्राहक केन्द्र के रूप में कार्य करता है।*

❒ सुमेलित कीजिये : [RAS Pre Exam-19.11.2013]

सूची-I (उद्योग) सूची-II (स्थान)

(a) हिन्दुस्तान मशीन टूल्स 1. गढ़ेपान
(b) सफेद सीमेन्ट 2. जयपुर
(c) उर्वरक 3. अजमेर
(d) विद्युत मीटर 4. गोटन

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	4	3	1	(2)	3	1	2	4
(3)	1	3	4	2	(4)	3	4	1	2

Ans. (4)

व्याख्या - • *सफेद सीमेण्ट के दो कारखाने गोटन (नागौर) में स्थित है।* • *बिजली के मीटर बनाने का उद्योग जयपुर में जयपुर मैटल्स के नाम से स्थापित किया गया है।* • *कोटा जिले के गढ़ेपान (चम्बल फर्टिलाइजर्स एण्ड कैमिकल इन्डस्ट्रीज) नामक स्थान पर गैस आधारित यूरिया बनाने का कारखाना है।* • *हिन्दुस्तान मशीन टूल्स निगम, अजमेर : चेकोस्लोवाकिया की मदद से 1967 में अजमेर में स्थापित HMT की इस वॉच असेम्बल इकाई को वर्तमान में बंद कर दिया गया है।*

❒ राजस्थान के किस जिले में टपूकड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित है? [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा-06.01.2019]

(1) जयपुर (2) दौसा (3) अजमेर (4) अलवर

Ans. (4)

व्याख्या -*टपूकड़ा, खैरथल-तिजारा जिला (पूर्व मे अलवर)* - *फरवरी, 2014 में मुख्यमंत्री ने इस स्थान पर होंडा कार्स इंडिया के प्लांट का उद्घाटन किया व यहाँ निर्मित पहली कार की लांचिंग की। टपूकड़ा दिल्ली-मुम्बई इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा है। जापानी मोटर कम्पनी होण्डा द्वारा स्थापित यह भारत का पहला कार उत्पादन प्लांट है जिसका अधिकतर हिस्सा ग्रीनरी अर्थात् ग्रीन प्लांट को समर्पित है।*

❐ निम्न में से राजस्थान के किस जिला औद्योगिक केन्द्र में 31 मार्च, 2017 को सर्वाधिक बड़े पैमाने के उद्योग कार्यरत थे? [LDC Exam - 16.09.2018]
(1) भीलवाड़ा(2) भिवाड़ी(3) उदयपुर(4) जयपुर (शहरी)
Ans. (2)

व्याख्या - आधुनिक मैनचेस्टर भिवाड़ी, खैरथल-तिजारा जिले (पूर्व में अलवर) में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने अपनी अधिकांश औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित कर रखी है। रीको ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड के सहयोग से ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर ग्रेटर भिवाड़ी योजना प्रारंभ की है। ज्ञातव्य है कि भिवाड़ी में उत्तरी भारत का सबसे बड़ा पॉवर स्टेशन बनाया जाएगा। भिवाड़ी में नोटों की स्याही बनाने का कारखाना भी स्थापित है।

❐ राजस्थान में नोटों की स्याही बनाने वाला कारखाना स्थित है- [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
(1) भिवाड़ी (2) टपूकड़ा (3) तिजारा (4) अजमेर
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र किस जिले में है? [RPSC LDC Exam, 2012]
(1) भरतपुर (2) अलवर (3) जयपुर (4) धौलपुर
Ans. (2)* *व्याख्या : वर्तमान में खैरथल-तिजारा जिला।*

❐ राजस्थान के किस उद्योग में सोडियम सल्फाइड का उपयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है? [LDC Exam -19.08.2018]
(1) जूट उद्योग (2) चमड़ा उद्योग
(3) चीनी उद्योग (4) सूती वस्त्र उद्योग
Ans. (2)

व्याख्या - चूने की क्रिया में तीव्रता लाने के लिये चूने का लगभग दशमांश सोडियम सल्फाइड भी कुंडों में घोलते हैं। इसके जलविश्लेषण से सोडियम हाइड्रोसल्फाइड बनता है, जो केशशिथिलीकरण की गति को तीव्र कर देता है। इसके उचित प्रयोग से बाल विलेय या विघटित होकर आसानी से निकल जाते है।

❐ कौनसा सुमेलित नहीं है? [Asst. Jailer-15.03.2016]
(1) वस्त्र - भीलवाड़ा (2) उर्वरक - मोड़क
(3) सीमेन्ट - निम्बाहेडा (4) सोडियम सल्फेट - डीडवाना
Ans. (2)

व्याख्या - मंगलम् सीमेन्ट कारखाना - मोड़क (कोटा)

❐ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए कोड से कीजिये- (IInd Grade Spc. Edu. 2017)
(1) राजस्थान में प्रथम सीमेंट प्लांट लाखेरी में स्थापित किया गया।
(2) सोजत में टायर फैक्ट्री स्थित है।
(3) बीकानेर में स्टेट वूलन मिल स्थित है।
(4) राजस्थान में कोटा सूती वस्त्र उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।
(1) 1, 2 और 3 सही है। (2) 3 और 4 सही है।
(3) 1 और 3 सही है। (4) 2, 3 और 4 सही है।
Ans. (3)

व्याख्या - टायर फैक्ट्री कांकरोली (राजसमन्द) तथा भीलवाड़ा राजस्थान का प्रमुख सूती वस्त्र केन्द्र है।

❐ मारवाड़ राज्य में किन स्थानों पर नमक तैयार किया जाता है? [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -I]
(1) पचपदरा, फलौदी, लूणकरणसर
(2) डीडवाना, पचपदरा, फलौदी, लूनी
(3) कानोद, फलौदी, पचपदरा
(4) कचर-रेवासर, फलौदी, डीडवाना, लूनी
Ans. (2)

व्याख्या -मारवाड़ राज्य में पचपदरा (बालोतरा), डीडवाना (डीडवाना-कुचामन), फलौदी, लूणी स्थानों पर नमक तैयार किया जाता था।

❐ किस स्थान से उत्पादित नमक 'कोसिया' के नाम से जाना जाता है-[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]
(1) पचपदरा (2) फलौदी (3) सांभर (4) डीडवाना
Ans. (1)

*व्याख्या - साँभर झील (जयपुर ग्रामीण) से तैयार किये जाने वाले नमक को **'साँभरी'** कहा जाता था और पचपदरा (बालोतरा) में तैयार किये जाने वाले नमक को **'कोसिया'** कहा जाता है। डीडवाना का नमक **'डीडू'** के नाम से प्रसिद्ध था। **उल्लेखनीय है कि पचपदरा झील में खारवाल जाति के लोग परम्परागत तरीके से (मोरली झाड़ी से) नमक** बनाने का काम करते हैं।*

❐ 'कोसिया' क्या था-[JEN Degree (TSP) - 16.10.2016]
(1) पचपदरा का नमक (2) राजस्व कर का नाम
(3) दूरी नापने की इकाई (4) आभूषण का नाम
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **खारा औद्योगिक क्षेत्र किस जिले में स्थित है?** [जेल प्रहरी परीक्षा 29-10-2018, Shift -I]

(1) जोधपुर (2) बीकानेर (3) जयपुर (4) अलवर

Ans. (2)

❐ **राजस्थान के बृहद उद्योगों की संवृद्धि में सबसे महत्त्वपूर्ण बाधा है-** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) उद्यमिता का अभाव (2) परिवहन सुविधाओं का अभाव
(3) पूँजी अभाव (4) विद्युत आपूर्ति की कमी एवं अनिश्चितता

Ans. (4)

व्याख्या *-औद्योगिक विकास के लिए राज्य में बिजली आपूर्ति की कमी, यातायात आदि आधारभूत सुविधाओं का अभाव है। इससे औद्योगिक उत्पादन, विपणन एवं व्यापार में कई बाधाएँ आती है।*

❐ **राजसीको राजस्थान में आयातकों व निर्यातकों को सूखे बंदरगाह (इनलैंड कन्टेनर डिपो) के माध्यम से निर्यात इंफ्रास्ट्रक्चर सेवायें प्रदान करता है। ये सूखे बंदरगाह स्थित है-** [Research Assistant Exam 2017]

(1) जयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, भिवाड़ी
(2) जयपुर, जोधपुर, अलवर, उदयपुर
(3) जयपुर, उदयपुर, अजमेर, अलवर
(4) जयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, अजमेर

Ans. (1)

व्याख्या *- राजसीको द्वारा संचालित सूखे बंदरगाह (ICD) मानसरोवर औद्योगिक क्षेत्र (जयपुर) - 1989, बासनी (जोधपुर) - 1995, भिवाड़ी (खैरथल-तिजारा) - 2 फरवरी, 1999, भीलवाड़ा - 7 दिसम्बर, 2000, बीकानेर, पचपदरा (बालोतरा) व करौली में प्रस्तावित।*

❐ **राजस्थान में जेट्रोफा आधारित बायो-डीजल पायलट प्लांट अवस्थित है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) झामरकोटड़ा, उदयपुर (2) कोलायत, बीकानेर
(3) बिट्ठलदेव, बाँसवाड़ा (4) बेरी, अजमेर

Ans. (1)

❐ **राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड अपने प्रशिक्षण केन्द्रों में ग्रामीण व शहरी युवाओं को प्रशिक्षण देता है। ये केन्द्र स्थित है।** [Research Assistant Exam 2017]

(1) अजमेर, जयपुर और सिरोही में
(2) जयपुर, उदयपुर और बीकानेर में
(3) जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में
(4) जयपुर, टोंक और उदयपुर में

Ans. (1)

व्याख्या *- राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के पास उद्यमियों को राज्य सरकार की सहायता से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु 3 प्रशिक्षण केन्द्र कार्यरत है- (1) पुष्कर, अजमेर, (2) 'संकुल' मानसरोवर, जयपुर, (3) माउन्ट आबू (सिरोही)*

❐ **औद्योगिक सम्भावनाओं के आधार पर राजस्थान के निम्नलिखित में से कौनसे जिले 'A' श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं?** [द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

(1) बाँसवाड़ा, नागौर, टोंक, सीकर
(2) उदयपुर, अलवर, कोटा, भीलवाड़ा
(3) जयपुर, भरतपुर, टोंक, जोधपुर
(4) नागौर, कोटा, बाँसवाड़ा, सीकर

Ans. (2)

व्याख्या *-राज्य में जिलों का औद्योगिक संभावनाओं के आधार पर किया गया वर्गीकरण - **1. श्रेणी 'विशिष्ट' :** विशिष्ट श्रेणी में केवल जयपुर जिला है। **2. श्रेणी 'ए' :** इसमें अलवर, दौसा, जोधपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, बारां, कोटा, अजमेर, पाली जिले हैं। **3. श्रेणी 'बी' :** बाँसवाड़ा, नागौर, टोंक, सीकर, झुन्झुनूँ, भरतपुर, बीकानेर, करौली, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, गंगानगर, सवाई माधोपुर जिले इसमें सम्मिलित है। **4. श्रेणी 'सी' :** इस श्रेणी में चूरू, झालावाड़, बूँदी, सिरोही, डूँगरपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर, धौलपुर जिले हैं।*

❐ **रीको ने अलवर जिले के किन औद्योगिक क्षेत्र में जापानी जोन स्थापित नहीं किए हैं-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) नीमराना औद्योगिक क्षेत्र (2) घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र
(3) थानागाजी औद्यागिक क्षेत्र (4) नीमराना तथा घिलोठ

Ans. (3)

व्याख्या *-रीको द्वारा कोटपूतली-बहरोड़ जिले (पूर्व में अलवर) के नीमराना औद्योगिक क्षेत्र में जापानी क्षेत्र स्थापित किया गया है। बहुर्राष्ट्रीय जापानी कम्पनियाँ यथा- निसीन, मित्सुई, डाइकिन एवं डाइनिची कलर आदि संचालित है। एक अन्य जापानी जोन 534 एकड़ भूमि पर कोटपूतली-बहरोड़ (पूर्व में अलवर) जिले के घिलोट (घिलोठ) औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया गया है।*

❐ **राजस्थान में 'मुख्यमंत्री पर्यटन उद्योग संबंल योजना' कब प्रारंभ की गई?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) 2018 (2) 2019 (3) 2020 (4) 2021

Ans. (4)

❒ लघु उपक्रम के लिए प्लान्ट और मशीनरी में निवेश की सीमा क्या (रुपये में) है? [LDC -12.08.2018]
(1) 25 लाख से 5 करोड़ (2) 2 लाख से 1 करोड़
(3) 5 लाख से 2 करोड़ (4) 10 लाख से 2 करोड़
Ans. (1)

व्याख्या : यह सीमा माइक्रो, स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज डवलेपमेंट एक्ट 2006 के तहत थी। आत्मनिर्भर भारत पैकेज (13 मई, 2020) के तहत विनिर्माण और सेवाक्षेत्र के बीच का भेद समाप्त कर सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम (MSEM) के नये (1 जुलाई, 2020 से) प्रावधान :

श्रेणी	नया निवेश	नया टर्न ओवर
सूक्ष्म	1 करोड़ तक	5 करोड़ तक
लघु	1 करोड़ से अधिक व 10 करोड़ तक	5 करोड़ से अधिक व 50 करोड़ तक
मध्यम	10 करोड़ से अधिक व 50 करोड़ तक	50 करोड़ से अधिक व 250 करोड़ तक

❒ राजस्थान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम नीति, 2022 के अनुसार कितने नये औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने का प्रावधान किया गया था?
[CET - 11.2.2023 (S-II)]
(1) 147 (2) 150 (3) 144 (4) 138
Ans. (1)

❒ रीको ने अपनी स्थापना से लेकर 31 मार्च, 2017 तक कितने औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किये हैं?
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]
[AEN Exam - 16.12.2018]
(1) 340 (2) 370 (3) 400 (4) 430
Ans. (1)*

व्याख्या : राज्य में रीको द्वारा दिसम्बर, 2022 तक 390 औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये जा चुके हैं। रीको द्वारा आगामी वर्ष में 147 नये औद्योगिक क्षेत्र खोले जा रहे हैं।

❒ प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के 'एक जिला एक उत्पाद' के सन्दर्भ में निम्नांकित जिला - उत्पाद में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है?
[II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]
(1) अलवर - प्याज (2) अजमेर - गुलाब
(3) डूँगरपुर - आम (4) जयपुर - नींबू
Ans. (4) *व्याख्या : जयपुर - टमाटर*

❒ राजस्थान सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के अन्तर्गत दुग्ध का सम्बन्ध किस जिले से है? [Assist. Proff.- 2021]
(1) जयपुर (2) बीकानेर (3) धौलपुर (4) अलवर
Ans. (3)

व्याख्या - आर्थिक समीक्षा 2022-23 के अनुसार राजस्थान 'एक जिला एक उत्पाद योजना' सूची में उपर्युक्त ज़िलों की उत्पाद वस्तुएँ निम्नांकित हैं-
- *जयपुर - ब्लू पॉटरी तथा ज्वेलरी एण्ड जैम्स*
- *बीकानेर - सिरेमिक*
- *धौलपुर - दुग्ध उत्पाद (मिल्क पाउडर -स्कीम्ड)*
- *अलवर - ऑटोमोबाईल पार्ट्स*

❒ एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) कार्यक्रम के तहत जयपुर से निम्नलिखित में से किस उत्पाद को चिह्नित किया गया है? [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) रत्न और आभूषण (2) चाँदी के बर्तन
(3) ब्लू पॉटरी (4) डाबू प्रिन्ट
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान की प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा की गई थी? [LDC 23.10.16][जेल प्रहरी-21-10-2018, S -I]
(1) 1978 (2) 1956 (3) 1991 (4) 1948
Ans. (1)

व्याख्या -• प्रथम औद्योगिक नीति -24 जून, 1978
- *द्वितीय औद्योगिक नीति - दिसम्बर, 1990*
- *तृतीय औद्योगिक नीति - 15 जून, 1994*
- *चतुर्थ औद्योगिक नीति - 4 जून, 1998*
- *पांचवी औद्योगिक नीति - जून, 2010*
- *छठी औद्योगिक नीति - 8 अगस्त, 2015*
- *सातवीं औद्योगिक नीति - 19 दिसम्बर, 2019*

❒ राजस्थान राज्य की चौथी औद्योगिक नीति किस वर्ष बनी? [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.05.2022 (I)]
(1) 1994 (2) 1998 (3) 1980 (4) 2019
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 'खादी प्लाज़ा' का निर्माण कहाँ किया जाएगा?
[CET : 08.01.2023 (S-I)]
(1) जोधपुर (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) उदयपुर
Ans. (2)

❐ **कौनसा उद्योग 8 प्रमुख उद्योगों सूचकांक (आई.एस. आई.) का संगठन क्षेत्र नहीं है?** [II Grade- 24.12.2022]
(1) प्राकृतिक गैस (2) सूती वस्त्र (टेक्सटाइल)
(3) बिजली (4) उर्वरक
Ans. (2)

> ***व्याख्या - अन्य क्षेत्र - इस्पात, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पाद, कोयला, सीमेन्ट।***

❐ **कौनसा (औद्योगिक पार्क-स्थान) सही सुमेलित नहीं है?** [VDO Mains -09.07.2022]
(1) चमड़ा पार्क-अचरोल (2) जापानी पार्क-नीमराना
(3) स्टोन पार्क-धौलपुर (4) होजरी पार्क-चोपंकी
Ans. (1) ***चमड़ा पार्क - मानपुर मचेड़ी में स्थित है।***

❐ **सिरैमिक इलेक्ट्रिकल रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेंटर कहाँ स्थित हैं?** [III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) बीकानेर (2) चुरू (3) जोधपुर (4) जयपुर
Ans. (1)

❐ **राजस्थान के किस जिले में हैवेल्स इंडिया की फैक्ट्री स्थित है?** [CET -4.2.2023 (S- II)]
(1) अलवर (2) अजमेर (3) कोटा (4) जयपुर
Ans. (1)

❐ **राजस्थान में फुटवीयर डिजाइन एण्ड डेवलपमेन्ट इन्स्टिट्यूट कहाँ पर स्थापित किया गया है?** [CET - 11.2.2023 (S-I)]
(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) बूँदी (4) कोटा
Ans. (2)

❐ **राजस्थान स्पिनिंग एण्ड विविंग मिल कहाँ स्थापित की गई है?** [CET - 5.2.2023 (S- II)]
(1) अजमेर (2) ब्यावर (3) भीलवाड़ा (4) भिवाड़ी
Ans. (3)

❐ **लोको तथा कैरिज वर्क शॉप अवस्थित है-** [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]
(1) भरतपुर (2) अलवर (3) कोटा (4) अजमेर
Ans. (4)

❐ **निम्न में से कौनसा औद्योगिक क्षेत्र जोधपुर में स्थित नहीं है?** [CET - 5.2.2023 (S-I)]
(1) पाल शिल्प ग्राम (2) बोरानाड़ा-II (3) नापासर (4) मंडोर
Ans. (3) **नापासर- बीकानेर में स्थित है।**

❐ **राजस्थान में पारले बिस्किट फैक्ट्री कहाँ स्थित है-** [CET -4.2.2023 (S- II)]
(1) भीलवाड़ा (2) भरतपुर (3) नीमराना (4) जयपुर
Ans. (3)

❐ **कौनसा पुरस्कार राजस्थान में एम.एस.एम.ई. नीति, 2022 के अन्तर्गत सर्वोत्तम कार्य करने वाले उपक्रमों हेतु प्रस्तावित नहीं है?** [CET - 11.2.2023 (S-I)]
(1) महिला उद्यमी
(2) अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति के उद्यमी
(3) असाधारण प्रक्रिया/उत्पाद का नवाचार
(4) उत्पाद गुणवत्ता सुधार
Ans. (4)

❐ **दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक कोरीडोर प्रॉजेक्ट के प्रथम चरण में विकसित किया जा रहा है-** [व्याख्याता - 2014]
(i) खुशखेड़ा-भिवाड़ी (ii) नीमराना
(iii) बहरोड़ (iv) कूकस
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं ?
(1) (i) एवं (ii) (2) (ii) एवं (iii)
(3) (i), (ii) व (iii) (4) (ii), (iii) व (iv)
Ans. (1)

> ***व्याख्या*** - *दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक कोरिडोर के प्रदेश में 5 चरण विकसित किए जाने हैं। **पहला** खुशखेड़ा-भिवाड़ी-नीमराणा इन्वेस्टमेंट रीजन, **दूसरा** जोधपुर-पाली-मारवाड़, **तीसरा** अजमेर-किशनगढ़, **चौथा** राजसमंद-भीलवाड़ा और **पाँचवाँ** जयपुर-दौसा है। जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र को **12 अक्टूबर, 2020 को विशेष निवेश क्षेत्र के रूप में अधिसूचित** किया गया है।*

❐ **एम.एस.एम.ई. के लिए नए उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल के संबंध में कौनसा सही है-**[स्कूल व्याख्याता-21.10.2022]
1. इसका शुभारंभ जुलाई, 2021 में किया गया।
2. यह पूर्ण रूप से ऑनलाइन व कागज रहित है।
3. वर्तमान में यह ऑफलाइन है, लेकिन आने वाले वर्षों में इसे ऑनलाइन, डिजीटल और कागज रहित बनाया जाएगा।
4. यह स्वघोषणा पर आधारित है।
(1) 1, 2 और 4 सही हैं। (2) 3 और 4 सही हैं।
(3) 1, 3 और 4 सही हैं। (4) 2 और 4 सही हैं।
Ans. (4)

❐ **सुमेलित नहीं है?** [I Grade Teacher (GK) -15.10.2022]
(1) सोडियम सल्फेट-डीडवाना (2) ग्लास(काँच)-धौलपुर
(3) उर्वरक-गढ़ेपान (4) वॉटर मीटर - भिवाड़ी
Ans. (4) ***वॉटर मीटर उद्योग-जयपुर (कैप्सटन मीटर कम्पनी)***

❒ निम्न को सुमेलित कीजिए- [RAS (Pre) Ex. 14 June, 2012]

(a) स्टोन पार्क — 1. नीमराना, अलवर
(b) बायो-टैक्नोलॉजी पार्क — 2. जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर
(c) सूचना-तकनीक पार्क — 3. सीतापुरा, जयपुर
(d) जापानीज पार्क — 4. धौलपुर व करौली

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	2	3	4	1
(3)	3	2	1	4	(4)	1	4	3	2

Ans. (1)

व्याख्या - स्टोन पार्क धौलपुर व करौली में, बायो-टैक्नोलॉजी पार्क सीतापुरा (जयपुर) में , सूचना-तकनीक पार्क जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर में एवं जापानी पार्क नीमराना, अलवर (वर्तमान में कोटपूतली-बहरोड़ जिला) में स्थित है।

❒ उद्योग-केन्द्र को सुमेलित करें- [HM - 02.09.2018)

(a) वस्त्र — (1) भरतपुर
(b) सीमेंट — (2) गढ़ेपान
(c) रसायन — (3) विजयनगर
(d) इंजीनियरिंग — (4) मोड़क

कूट	a	b	c	d	कूट	a	b	c	d
(1)	3	4	2	1	(2)	3	2	4	1
(3)	3	4	1	2	(4)	4	3	2	1

Ans. (1)

व्याख्या - कोटा स्थित गढ़ेपान में चम्बल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, कोटा स्थित मोड़क में मंगलम् सीमेन्ट, ब्यावर स्थित विजयनगर में विजय कोटन मिल्स, भरतपुर में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित है।

❒ सुमेलित कीजिये: [Librarian III Grade 11.09.2022]

A. चीनी उद्योग — 1. कांकरोली
B. सीमेण्ट उद्योग — 2. भोपाल सागर
C. उर्वरक उद्योग — 3. गढ़ेपन
D. टायर एवं ट्यूब उद्योग — 4. मोडक

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	1	3	4	(2)	2	4	3	1
(3)	1	2	3	4	(4)	1	3	2	4

Ans. (2)

❒ सुमेलित कीजिए - [CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स — (i) डीडवाना
(2) हाईटेक ग्लास फैक्टरी — (ii) धौलपुर
(3) मेवाड़ शुगर मिल — (iii) भूपालसागर
(4) जे.के. सीमेण्ट वर्क्स — (iv) निम्बाहेड़ा

(1) 1 - (ii), 2 - (i), 3 - (iii), 4 - (iv)
(2) 1 - (iv), 2 - (iii), 3 - (ii), 4 - (i)
(3) 1 - (i), 2 - (ii), 3 - (iii), 4 - (iv)
(4) 1 - (iv), 2 - (ii), 3 - (i), 4 - (iii)

Ans. (3)

❒ निम्न को सुमेलित कीजिए- [I Grade Teacher (GK) -15.10.2022]

(A) लेयलेण्ड ट्रक फैक्ट्री — (1) टोंक
(B) इन्सट्रूमेन्टेशन लिमिटेड — (2) अलवर
(C) स्टेट टेनरीज लिमिटेड — (3) कोटा
(D) राजस्थान एक्सप्लोसिव्स एण्ड केमिकल्स लि. — (4) धौलपुर

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	3	4	1	(2)	3	2	1	4
(3)	1	2	3	4	(4)	2	3	1	4

Ans. (4)

❒ सुमेलित कीजिए- [वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]

(A) ऊन मण्डी — (1) किशनगढ़
(B) संगमरमर मंडी — (2) बीकानेर
(C) राजस्थान का कानपुर — (3) भीलवाड़ा
(D) गारमेंट सिटी — (4) कोटा

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	2	1	4	3	(2)	1	2	3	4
(3)	4	3	2	1	(4)	2	1	3	4

Ans. (1)

❒ सुमेलित कीजिए- [R.A.S.- 27.10.2021]

A. उदयपुर — 1. सफेद सीमेन्ट उद्योग
B. नागौर — 2. रसायन उद्योग
C. भीलवाड़ा — 3. वस्त्र उद्योग
D. कोटा — 4. सीसा एवं जस्ता उद्योग

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	3	1	2	4	(2)	4	2	1	3
(3)	1	2	4	3	(4)	4	1	3	2

Ans. (4)

18. आर्थिक संगठन

❑ **निम्न में से कौनसी संस्था राजस्थान के औद्योगिक विकास को गति देने वाली शीर्ष संस्था है?**
[R.A.S. Pre Exam, 1992][CET - 11.2.2023 (S-II)]
(1) राजस्थान वित्त निगम (2) रीको
(3) राजसीको (4) नाबार्ड
Ans. (2)

व्याख्या *- रीको की स्थापना 28 मार्च, 1969 को राजस्थान राज्य उद्योग एवं खनिज विकास लिमिटेड के रूप में की गई थी। जनवरी, 1980 में इसे पुनर्गठित कर वर्तमान 'रीको' नाम दिया गया। औद्योगिक विकास की यह शीर्षस्थ संस्था है जिसका मुख्यालय जयपुर में है। रीको का मुख्य उद्देश्य राजस्थान में तीव्र औद्योगिक विकास हेतु सुदृढ़ आधारभूत संरचना (लघु विकास केन्द्रों, सेज, निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क की स्थापना) का निर्माण करना है जिसके अंतर्गत वह मध्यम व बड़े पैमाने के उद्योगों को दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध करवाता है।*

❑ **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (RIICO) की स्थापना कब हुई?**
[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) परीक्षा -25.03.2018]
(1) 1990 (2) 1985 (3) 1980 (4) 1975
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) गठित किया गया था**[संगणक परीक्षा-19.12.2021]
(1) 1967 में (2) 1969 में
(3) 1961 में (4) 1971 में
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में सेज के विकास के लिए निम्न में से कौनसी एक केन्द्रीय/प्रमुख एजेन्सी है-**
[ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
(1) RIICO (2) RFC (3) IDBI (4) SIDBI
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौनसा संगठन राजस्थान में औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और उद्योगों को वित्तीय सहायता देने का कार्य कर रहा है?** [R.A.S. -2007]
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) 30.5.2019]
[PTI (Grade-III)-25.9.2022] [ग्राम सेवक-2008]
(1) राजस्थान वित्त निगम
(2) राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड
(3) राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोग निगम
(4) निवेश संबर्द्धन ब्यूरो
Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड [Rajasthan state industrial development & investment corporation limited [RIICO] *- औद्योगिक विकास हेतु औद्योगिक इकाईयाँ व संस्थाओं के लिए योजना बनाने प्रवर्तन करने व संचालन करने में रीको की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। रीको की सहायता से राजस्थान में सबसे अधिक औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित किया गया है।*

❑ **निर्यातक बनने के आकांक्षी लोगों के लिए प्रारंभ किया गया 'मिशन निर्यातक बनो' प्रवर्तित किया गया है-**
[R.A.S.- 27.10.2021]
(1) उद्योग विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा
(2) उद्योग विभाग, राजस्थान सरकार एवं रीको द्वारा
(3) राजस्थानी फाउण्डेशन एवं रीको (RIICO) द्वारा
(4) रीको (RIICO) द्वारा
Ans. (2)

व्याख्या*-राज्य के निर्यात क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए **29 जुलाई, 2021** को राजस्थान में **उद्योग विभाग व रीको द्वारा 'मिशन निर्यातक बनो'** मिशन शुरू किया गया। इस मिशन के अन्तर्गत 22 हजार निर्यातक बनाने का लक्ष्य है। राजस्थान निर्यात संवर्द्धन परिषद (8 नवम्बर, 2019 को स्थापित) द्वारा इसका दूसरा चरण 5 दिसम्बर, 2022 से समस्त राजस्थान में प्रारम्भ किया गया।*

❑ **राजस्थान में 'मिशन-निर्यातक बनो' .... को आरम्भ किया गया।** [III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) 29 जुलाई, 2021 (2) 27 जुलाई, 2021
(3) 25 जुलाई, 2021 (4) 23 जुलाई, 2021
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौनसी संस्था हस्तशिल्पियों से सीधे उनके द्वारा उत्पादित हस्तशिल्प वस्तुओं को खरीदती है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)][LDC -09.09.2018]
[R.A.S. Pre Exam, 1998]
(1) RIICO (2) RFC (3) RAJSICO (4) RBI
Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान लघु उद्योग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RAJSICO) - 3 जून, 1961 को भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत स्थापित की गई।

*इस संस्था का प्रमुख **उद्देश्य लघु उद्योगों व छोटे कारीगरों को पर्याप्त सहायता व प्रोत्साहन देना है।** यह राज्य में लघु औद्योगिक व हस्तशिल्प इकाइयों को वित्तीय सहायता व कच्चा माल उपलब्ध करवाती है तथा विपणन व प्रशिक्षण की समुचित सुविधाएँ उपलब्ध करवाती है।*

*यह संस्थान लघु उद्योगों के विकास के लिए कारीगरों को कच्चे माल की उचित कीमत, उचित प्रशिक्षण व निर्मित उत्पाद का उचित मूल्य उपलब्ध करवाता है। इसी कार्य के लिए इस संस्थान ने **'अन्तर्राष्ट्रीय व्यापारिक जोन'** स्थापित किया है।*

❐ **लघु उद्योगों की सहायता के लिए राजस्थान लघु उद्योग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RAJSICO) की स्थापना वर्ष ...... में हुई थी**–[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018] [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) 1975 (2) 1965 (3) 1961 (4) 1955

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **रिडकोर (RIDCOR) है?** [RAS Pre. Exam-2009]

(1) रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेन्ट कम्पनी ऑफ राजस्थान

(2) रेल इन्फोरमेशन डाउनलोड कारपोरेशन ऑफ राजस्थान

(3) राजस्थान इन्डोर डेकोरेशन कारपोरेशन ऑफ रेल्वेज

(4) रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेन्ट कारपोरेशन ऑफ राजस्थान

Ans. (1)

व्याख्या-रिडकोर (RIDCOR-Road Infrastructure Development Company of Rajasthan) : अक्टूबर, 2004 में स्थापित। राजस्थान सरकार व इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग व फाइनेंशियल सर्विसेज (ILFS) की 50 : 50 की भागीदारी से गठित संयुक्त उपक्रम ।

❐ **'रिडकोर' एक संयुक्त उद्यम के रूप में 50 : 50 के अनुपात में राजस्थान सरकार तथा .... द्वारा स्थापित किया गया।** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) आई.एल. व एफ.एस. (2) एन.एच.ए.

(3) आर.एस.आर.टी.सी. (4) आर.एस.ए.एम.बी.

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **RIDCOR (रिडकोर)....में स्थापित किया गया था।** [III Grade (SST) -26.02.2023]

(1) नवम्बर, 2004 (2) अक्टूबर, 2004

(3) नवम्बर, 2011 (4) अक्टूबर, 2011

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के प्रमुख नगरों के आधारभूत विकास के लिए जो अभिकरण अपना दायित्व निर्वहन कर रहा है वह है?** [RPSC III Grade Teacher Exam-2006]

(1) राजस्थान अरबन इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेन्स डवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन

(2) राजस्थान हेल्थ सिस्टम डवलपमेन्ट प्रोजेक्ट

(3) राजस्थान अरबन इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेन्ट प्रोजेक्ट

(4) राजस्थान अरबन रूरल हेल्थ मिशन

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान शहरी आधारभूत ढाँचा विकास परियोजना [RUIDP- Rajasthan Urban Infrastructure Development Project] : *एशियन विकास बैंक [ADB] की सहायता से नगरीय विकास की यह महत्त्वाकांक्षी परियोजना राज्य के 6 शहरों- जयपुर, ज़ोधपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर एवं उदयपुर में 18 जनवरी, 2000 से चलाई जा रही है।*

इसका मूल उद्देश्य राज्य के शहरी क्षेत्रों का समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास कर परिवहन एवं जल प्रदाय योजनाओं की क्षमताओं में अभिवृद्धि करना है।

भारत सरकार इस राशि का 70 प्रतिशत भाग 9 प्रतिशत परिवर्तनीय वार्षिक ब्याज दर से एवं 30 प्रतिशत भाग अनुदान राशि के रूप में राज्य सरकार को उपलब्ध करवाती है। ऋण वापसी की अवधि 25 वर्ष है।

❐ **अखिल भारतीय खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की स्थापना की गई थी?** [R.A.S. Pre Exam, 1994]

(1) प्रथम योजना में (2) तृतीय योजना में

(3) द्वितीय योजना में (4) चतुर्थ योजना में

Ans. (1)

व्याख्या *- अप्रैल, 1955 में स्थापित यह संस्थान राज्य के **ग्रामीण क्षेत्रों में खादी उद्योग की स्थापना के लिए ऋण व सहायता उपलब्ध** करवाती है तथा राज्य में खादी व ग्रामोद्योग क्षेत्र के विकास द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान करना तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है।*

❒ **राजस्थान में उद्यम प्रोत्साहन संस्थान की स्थापना की गई है?** [R.A.S. Pre Exam, 1998]
(1) औद्योगिक उत्पादों के विपणन में सहायता हेतु
(2) रुग्ण औद्योगिक इकाइयों को वित्त प्रदान करने हेतु
(3) नए उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन करने हेतु
(4) नए साहसियों को प्रशिक्षण देने हेतु
Ans. (4)

***व्याख्या** - अक्टूबर, 1995 में स्थापित इस संस्थान का प्रमुख कार्य नए साहसियों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु औद्योगिक शिविरों के आयोजन, नवीन उत्पादों के प्रचार-प्रसार हेतु औद्योगिक व हस्तशिल्प प्रदर्शनियों व मेलों का आयोजन करने तथा उनसे संबंधित साहित्य आदि का प्रकाशन कर लघु उद्यमियों, शिल्पकारों व दस्तकारों का समग्र उत्थान करना है।*

❒ **राजस्थान वित्त निगम (RFC) की स्थापना कब हुई?** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
[कर सहायक परीक्षा-14.10.2018]
[ग्राम सेवक- 2008][कनिष्ठ अनुदेशक-10.9.2022]
[पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]
(1) 1995 (2) 1955 (3) 1950 (4) 1991
Ans. (2)

***व्याख्या** -17 जनवरी, 1955 को राजस्थान राज्य वित्त निगम अधिनियम, 1951 के अंतर्गत स्थापित इस संगठन का प्रधान कार्यालय जयपुर में स्थित है। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य राज्य में तीव्र औद्योगिक विकास हेतु लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाना है। राजस्थान वित्त निगम 2 हजार से 20 करोड़ रुपये तक के ऋण 10 से 14% ब्याज दर पर स्वीकृत करता है। इसका मुख्यालय उद्योग भवन, जयपुर में स्थित है।*

❒ **भारत सरकार ने राज्य वित्त निगम एक्ट कब पास किया-** [AEN Exam - 16.12.2018]
(1) 1955 (2) 1956 (3) 1951 (4) 1952
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य वित्त निगम का प्रमुख उद्देश्य है-** [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -I]
(1) राज्य में उद्योगों को आर्थिक सहायता प्रदान करना।
(2) सार्वजनिक क्षेत्र में उद्योगों के लिए भूमि आवंटित करना।
(3) उद्योगों के लिए भूमि आवंटित करना।
(4) उपर्युक्त सभी
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना लागू की गई है-** [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -I]
(1) भारत सरकार द्वारा (2) राजसीको द्वारा
(3) R.F.C. द्वारा (4) अंतर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण द्वारा
Ans. (3)

***व्याख्या** - नये उद्योग स्थापित करने हेतु राजस्थान वित्त निगम (आर.एफ.सी.) द्वारा 2013 में युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना लागू की गई। 9 सितम्बर, 2015 को संशोधित योजना में ऋण सीमा को 90 लाख से बढ़ाकर 5 करोड़ तक किया गया।*

❒ **'सेम्फेक्स' योजना लागू की गई है?** [R.A.S.-1999]
(1) राजसीको द्वारा (2) आर. एफ. सी. द्वारा
(3) रीको द्वारा (4) आर. एस. एम. डी. सी. द्वारा
Ans. (2)

***व्याख्या** - सेम्फेक्स योजना : निगम की इस योजनांतर्गत भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु भारतीय औद्योगिक विकास बैंक व भारत सरकार के पुनर्वास निदेशालय द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत स्वरोजगार स्थापित कराने हेतु प्रयास (15 लाख रुपये उद्योग हेतु) किये गये हैं।*

❒ **राजस्थान में 'राज्य मूल्यांकन संगठन' किस वर्ष स्थापित किया गया था-** [पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (I)]
(1) 1950 में (2) 1960 में (3) 1954 में (4) 1958 में
Ans. (2)

व्याख्या – *योजना प्रक्रिया में मूल्यांकन की विशिष्ट भूमिका को ध्यान में रखते हुए राज्य में **अप्रैल, 1960** में मूल्यांकन संगठन की स्थापना की गई। यद्यपि संगठन का कार्य पंचायती राज तथा सामुदायिक विकास योजनाओं के आंकलन से प्रारम्भ हुआ था, किन्तु शनैः-शनैः इसकी उपयोगिता को मद्देनजर रखते हुए संगठन के कार्य क्षेत्र का विस्तार होने से प्रायः विकास के प्रत्येक सेक्टर पर अध्ययन किये जाने लगे हैं।*

❒ **RUDA (ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण-रूडा) किस वर्ष में स्थापित किया गया-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II), 08.11.2020 (II)]
(1) 1995 में (2) 1985 में (3) 1991 में (4) 1993 में
Ans. (1)

व्याख्या - • रूडा की स्थापना 1995 में ग्रामीण क्षेत्रों में गैर कृषि आजीविका के साधनों का विकास करने हेतु की गई। रूडा लघु उद्यमों के क्लस्टर के विकास द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका के साधन विकसित करने के लिए कार्य करती है। ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण (रूडा) द्वारा ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने, ग्रामीण दस्तकारों के जीवन स्तर में सुधार करने, उन्हें बाजार एवं आधुनिक तकनीकी उपलब्ध कराने हेतु सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान् में यह अभिकरण ऊन, चर्म एवं लघु खनिज (स्टोन-सिरेमिक-पॉटरी) उद्योग में कार्यरत दस्तकारों के विकास हेतु कार्य कर रहा है। वर्तमान में यह ऊनी उत्पाद, चर्म उद्योग, लघु खनिज उद्योग, खादी, हाथकरघा और हस्तशिल्प के उपक्षेत्रों में ही लघु उद्यमों को विकसित करने का कार्य कर रही है।

❒ **रूडसेट संस्थान के प्रारम्भ करने का उद्देश्य है?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]

(1) ग्रामीण विकास के लिए बैंकों द्वारा ऋणों का विस्तार करना
(2) ग्रामीण क्षेत्रों में सीमेन्ट की सड़कों का निर्माण करना
(3) बेरोजगार ग्रामीण युवकों को स्वयं का उद्यम लगाने के लिए दक्षता एवं उद्यमिता प्रशिक्षण देना
(4) सेवा क्षेत्र का विस्तार कर ग्रामीण क्षेत्रों में अवसर उत्पन्न करना

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **ग्रामीण गैर-कृषि विकास प्राधिकरण (रूडा) का क्या कार्य है?** [CET -4.2.2023 (S- II)]

(1) कृषि का विकास (2) गैर-कृषि क्षेत्र का विकास
(3) शिक्षा संस्थाओं का विकास
(4) गावों में बिजली उपलब्ध कराना

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान फाउन्डेशन की स्थापना 30.3.2001 को की गई। इसका उद्देश्य-** [AEN Exam : 16.05.2014]

(1) भारतीयों को राजस्थान के सामाजिक आर्थिक विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित करना था।
(2) अनिवासी राजस्थानियों को अपनी मातृभूमि के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिये प्रेरित करना था।
(3) विदेशी संस्थागत निवेशकों को राजस्थान के विकास में योगदान देने के लिये प्रेरित करना था।
(4) राज्य में विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग बढ़ाना था

Ans. (2)

व्याख्या *-राजस्थान फाउन्डेशन-प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश के विकास में भागीदारी बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजस्थान सोसायटी एक्ट 1958 के अधीन पंजीकृत कर 30 मार्च, 2001 को इस संस्थान की स्थापना की गयी।*

❒ **राजस्थान फाउण्डेशन की स्थापना कब हुई?** [CET - 5.2.2023 (S-I)]

(1) 2001 (2) 2000 (3) 2002 (4) 2003

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कृषि एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की सभी प्रकार की साख आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली एकमात्र संस्था है?** [R.A.S. Pre Exam, 1994]

(1) आर.बी.आई. (2)नाबार्ड(3) ए.आर.डी.सी. (4) नाफेड

Ans. (2)

व्याख्या *- कृषि एवं ग्रामीण विकास क्रियाओं की सभी प्रकार की साख आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु 1982 में मुम्बई में नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक) का गठन किया गया।*

❒ **राजस्थान में सतत् विकास लक्ष्यों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निम्न में से किस विभाग को नोडल विभाग घोषित किया गया है-** [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) मुख्यमंत्री कार्यालय (2) उद्योग निदेशालय
(3) आयोजना विभाग (4) मानव संसाधन विकास विभाग

Ans. (3)

व्याख्या *- राज्य में सतत् विकास गोल्स के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजना विभाग को नोडल विभाग घोषित किया गया है। मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय क्रियान्वयन एवं मोनिटरिंग समिति संस्थापित है।*

❒ **निम्नांकित में से कौनसा नागर समाज संगठन, कोविड महामारी के दौरान प्रवासी श्रमिकों को सेवाएँ, समर्थन और सुरक्षा प्रदान करने के लिए चर्चा में आया-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) आजीविका ब्यूरो (2) पत्थर मजदूर खान यूनियन
(3) रोजगार ब्यूरो (4) अर्थ

Ans. (1)

❒ **राजस्थान राज्य हस्तकरघा विकास निगम किस वर्ष में संविधित हुआ था?** [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) 1984 (2) 1983 (3) 1985 (4) 1986

Ans. (1)

व्याख्या – *राजस्थान राज्य हस्तकरघा विकास निगम लि. की स्थापना 3 मार्च 1984 को हुई। ज्ञातव्य है कि* ***जून, 2023 को मुख्यमंत्री ने जोधपुर में 'हस्तशिल्प एवं हथकरघा निदेशालय'*** *खोले जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।*

❒ **राजस्थान में निवेश प्रस्तावों को सुविधानजनक बनाने हेतु निम्नलिखित में से कौन उत्तरदायी है?** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) निवेश संवर्द्धन ब्यूरो

(2) एम.एस.एम. ई. निवेश सुविधा केन्द्र

(3) मुख्यमंत्री निवेश बोर्ड

(4) निवेश और लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग

Ans. (1)

व्याख्या – *द्वितीय उद्योग नीति के तहत स्थापित, 1991 में अपनी स्थापना के समय से ही निवेश संवर्द्धन ब्यूरो (बी.आई.पी.) 10 करोड़ रुपये से अधिकता वाले निवेश प्रस्तावों के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य सर्वाधिकार प्राप्त समिति के लिए नोडल एजेन्सी है।* *स्रोत : आर्थिक समीक्षा, राजस्थान 2022-23*

❒ **राजस्थान सरकार ने उद्योग विभाग का नया नाम बदलकर रख दिया है-**[VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) उद्योग और सहकारिता विभाग

(2) उद्योग और तकनीकी विभाग

(3) वाणिज्य विभाग

(4) उद्योग एवं वाणिज्य विभाग

Ans. (4) ***27 मार्च, 2021 से नया नाम***

❒ **राजस्थान के सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो का कौनसा कार्य नहीं है?** [CET -4.2.2023 (S- II)]

(1) राजस्थान में निजी उपक्रमों को दिशा-निर्देश देना।

(2) सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कार्यों की निगरानी करना।

(3) राज्य के विभिन्न उपक्रमों की कार्यप्रणाली में समन्वय करना।.

(4) राज्य के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए सूचना एकत्र करने हेतु समाशोधन गृह सम्बन्धी सेवा करना।

Ans. (1)

व्याख्या – ***<u>सार्वजनिक उपक्रमों का ब्यूरो</u> [Bureau of public enterprises] -मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सितम्बर, 1984 में स्थापित यह संगठन राजस्थान के सार्वजनिक उपक्रमों की समीक्षा व मूल्यांकन करने, इनके प्रबंध, तकनीकी, कर्मचारी संबंधी नीतियों, प्रशिक्षण आदि से संबंधित उपयोगी सुझाव प्रदान करता है।***

<u>ब्यूरो के प्रमुख कार्य</u>- सभी सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यों की समीक्षा कर उनका मूल्यांकन करना। सार्वजनिक उपक्रमों के प्रबन्धन एवं तकनीक में सुधार के उपाय सुझाना। विभिन्न उपक्रमों में कर्मचारियों संबंधी नीतियों में समरूपता लाना। कर्मचारियों के प्रशिक्षण, स्टाफ, भवन निर्माण आदि सुविधाओं की व्यवस्था करना। सार्वजनिक उपक्रमों के बारे में सूचनाएँ एकत्र कर उन्हें प्रसारित करना।

❒ **1978 में 'राजकोन' की स्थापना का उद्देश्य, उपलब्ध कराना है?** [R.A.S. Pre Exam, 1999]

(1) लघु उद्यमियों को विपणन, प्रबन्धकीय एवं तकनीकी मदद

(2) भारी निर्माण कार्यों के लिए सरकार को मदद

(3) कपड़ा मिलों को कच्चा माल

(4) सरकारी प्रतिष्ठानों को कानूनी मदद

Ans. (1)

व्याख्या – ***<u>राजस्थान कन्सल्टेन्सी ऑर्गेनाइजेशन लि. [RAJCON]</u> - 1978 में स्थापित यह संस्थान राज्य में छोटे व मंझले परियोजना प्रवर्तकों को समग्र रूप से तकनीकी विपणन, प्रबंधकीय, विकासात्मक व वित्तीय परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है।***

❒ **हाल ही में निम्न में से कौनसा बोर्ड गठित करने का प्रस्ताव राजस्थान सरकार द्वारा नहीं किया गया है?** [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) राजस्थान चर्म शिल्पकला विकास बोर्ड

(2) राजस्थान राज्य रजक कल्याण बोर्ड

(3) राजस्थान राज्य महात्मा ज्योतिबा फूले बोर्ड

(4) राजस्थान राज्य सहकारी बोर्ड

Ans. (4)

❒ **मारवाड़ क्षेत्रीय जनजाति विकास बोर्ड का मुख्यालय स्थापित किया जाना प्रस्तावित है-** [PSI - 14.09.2021]

(1) जोधपुर (2) पाली (3) बाड़मेर (4) उदयपुर

Ans. (1)

19. सहकारिता

❐ सहकारी साख समितियों का ढाँचा है? [R.A.S. Pre Exam, 1994]

(1) एक-स्तरीय (2) द्वि-स्तरीय
(3) त्रि-स्तरीय (4) चतुर्थ-स्तरीय

Ans. (3)

व्याख्या - त्रिस्तरीय व्यवस्था

(i) राजस्थान राज्य सहकारी बैंक लि. जयपुर (APEX BANK) : सहकारिता के क्षेत्र में यह राज्य का शीर्ष बैंक है। इसका गठन भारतीय साख सर्वे समिति की सिफारिशों पर 14 अक्टूबर, 1953 को किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में अल्पकालीन (5 से 15 माह) सहकारी साख के योजनाबद्ध विस्तार तथा ग्रामीण स्तर पर सहकारी क्षेत्र में बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।

(ii) केन्द्रीय सहकारी बैंक : इसे जिला सहकारी बैंक भी कहते है। राजस्थान की शहरी जनता की बैंकिंग आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 1995 में स्थापित की गई यह बैंक उपभोक्ता वस्तुओं के क्रय, मकान निर्माण, कृषि व संबद्ध कार्यों आदि सुविधाओं के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध करवाती है। इन बैंकों द्वारा 3 से 5 वर्ष की अवधि के मध्यमकालीन ऋण दिये जाते है।

(iii) प्राथमिक साख समितियाँ : इसे ग्राम सेवा सहकारी समिति भी कहा जाता है। ये समितियाँ सदस्य कृषकों को अल्पकालीन फसली सहकारी ऋण नकद तथा कृषि आदानों यथा-रासायनिक खाद, उन्नत बीज एवं कीटनाशक दवाओं के रूप में उपलब्ध कराती हैं।

❐ राजस्थान के प्रत्येक जिले के सहकारी बैंक का नाम है? [R.A.S. Pre Exam, 1994]

(1) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (2) प्राथमिक सहकारी बैंक
(3) राज्य सहकारी बैंक (4) केन्द्रीय सहकारी बैंक

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में राज्य सहकारी बैंक का मुख्यालय स्थित है- [REET L-II, 26.09.2021]

(1) जोधपुर (2) जयपुर (3) अजमेर (4) कोटा

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में प्रथम सहकारी समिति 1905 में स्थापित की गई : [R.A.S. Pre Ex., 2010]

(1) अजमेर के भिनाय में (2) नागौर के जावला में
(3) भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में (4) जयपुर के बस्सी में

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान में सहकारिता का उदय 1904 में अजमेर से हुआ तथा भरतपुर व डीग में कृषि बैंकों की स्थापना भी इसी वर्ष हुई। अक्टूबर, 1905 में केकड़ी जिले (पूर्व में अजमेर) के भिनाय में राज्य की प्रथम सहकारी समिति की स्थापना की गई।

❐ सहकारी शिक्षा एवं प्रबन्ध के लिए संस्था स्थापित की गई है? [R.A.S. Pre Exam, 1999]

(1) उदयपुर (2) बीकानेर (3) कोटा (4) जयपुर

Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान सहकारी शिक्षा और प्रबन्ध संस्थान [RICEM]: राज्य में सहकारिता के शिक्षण व प्रशिक्षण के लिए राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंधन संस्थान (राइसैम) की स्थापना (1 अप्रेल, 1994) झालानाडूँगरी (जयपुर) में की गई।

❐ 'राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ' की स्थापना की गई? [R.A.S. Pre Exam, 1999]

(1) 1970 में (2) 1976 में (3) 1980 में (4) 1984 में

Ans. (2)

व्याख्या - 1976 में स्थापित इस संगठन का मुख्यालय उदयपुर में स्थित है। यह संगठन जनजातीय लोगों के आर्थिक विकास के लिए विशेष कार्य करता है। उन्हें आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने के साथ-साथ साहूकारों के ऋण शोषण से बचाता है। यह जनजाति उपयोजना क्षेत्र एवं सहरिया क्षेत्र के 7 जिलों की 21 तहसीलों व 25 पंचायत समितियों में कार्यरत है।

❐ हाल ही में 'बैंक ऑफ राजस्थान' का किस बैंक में विलय हुआ है? [II Grade (Social Study) Ex. 2011]

(1) एच.डी.एफ.सी. (2) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
(3) आई.सी.आई.सी.आई
(4) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

Ans. (3)

व्याख्या - बैंक ऑफ राजस्थान (BOR) : 13 अगस्त, 2010 से बैंक ऑफ राजस्थान की सभी शाखाएँ ICICI बैंक की हो गई है। ICICI बैंक का यह तीसरा विलय है। उल्लेखनीय है कि बैंक ऑफ राजस्थान की स्थापना 8 मई, 1943 को उदयपुर में हुई थी।

❒ **कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए संस्थागत वित्त की व्यवस्था की समीक्षा के लिए शिवरमण की अध्यक्षता में बनी समिति का प्रतिवेदन जाना जाता है ?** [R.A.S. Pre Ex., 2007]

(1) कोफ्रिस्मार्ट रिपोर्ट से (2) क्रेफिकार्ड रिपोर्ट से
(3) एग्रीरुड रिपोर्ट से (4) रुडकोप रिपोर्ट से

Ans. (2)

***व्याख्या** - अखिल भारतीय साख सर्वेक्षण समिति (1951–53) के प्रतिवेदन के पश्चात् भारत सरकार द्वारा दूसरी महत्त्वपूर्ण समिति श्री शिवरमण की अध्यक्षता में गठित की गई जिसकी रिपोर्ट क्रैफिकार्ड रिपोर्ट कहलाती है। 1981 की सिफारिशों के आधार पर ग्राम सेवा सहकारी समितियों को बहुउद्देश्यीय ऋण आवश्यकताएँ एक ही स्थान पर पूरी करने हेतु क्रैफिकार्ड योजना वर्ष 1984 में लागू की गई।*

❒ **ग्राम सेवा सहकारी समिति द्वारा एक ही स्थान पर सभी प्रकार के ऋणों को उपलब्ध करवाने वाली योजना है-** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) एकलव्य योजना (2) क्रैफिकार्ड योजना
(3) माडा योजना (4) भीनमाल योजना

Ans. (2) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भूमि विकास बैंक किसानों को ऋण उपलब्ध करवाता है-** [RAS Exam- 2000]

(1) कम अवधि के लिए (2) मध्यम अवधि के लिए
(3) दीर्घ अवधि के लिए (4)केवल भूमि सुधार के लिए

Ans. (3)

***व्याख्या** - राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक की स्थापना 26 मार्च, 1957 को जयपुर में की गई। यह बैंक लघु सिंचाई कार्य, भूमि सुधार, बागवानी, पशुपालन, डेयरी, कृषि यंत्र खरीदने इत्यादि हेतु दीर्घकालीन अवधि (5 से 15 वर्ष) के ऋण उपलब्ध करवाती है।*

❒ **राजस्थान राज्य भूमि विकास बैंक का प्रधान कार्यालय है ?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) जयपुर (2) श्रीगंगानगर (3) अजमेर (4) कोटा

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य डेयरी विकास निगम की स्थापना किस वर्ष की गई थी-** [कृषि पर्यवेक्षक-03.03.2019]
[II Grade (Sans. Deptt.) -17.02.2019]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]

(1) 1970 (2) 1975 (3) 1980 (4) 1985

Ans. (2)

***व्याख्या- राजस्थान राज्य सहकारी डेयरी फैडरेशन (RCDF)** - इसकी स्थापना 1975 में राज्य डेयरी विकास निगम लिमिटेड के नाम से की गई, इसका नाम 1977 ई. में राजस्थान सहकारी डेयरी फैडरेशन कर दिया गया। मुख्यालय जयपुर में स्थित है। इसका उद्देश्य दुग्ध उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान करना एवं दुग्ध व दुग्ध उत्पादों के वितरण में सामंजस्य स्थापित करना है।*

❒ **राजस्थान में डेयरी विकास हेतु 'राजस्थान सहकारी डेयरी संघ' (RCDF) की स्थापना कब की गई?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]

(1) 2002 (2) 1988 (3) 1952 (4) 1977

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन का प्रमुख उद्देश्य है?** [RPSC Jr. A/c-1994]

(1) पशु नस्ल संवर्द्धन
(2) कृत्रिम दुग्ध उत्पादन
(3) दुग्ध उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान करना एवं दुग्ध व दुग्ध उत्पादों के वितरण में सामंजस्य स्थापित करना
(4) पशुपालकों को लघु अवधि ऋण उपलब्ध करवाना

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (RCDF) का मुख्यालय कहाँ है?** [II Grade (Sans. Deptt.) -19.02.2019]

(1) जैसलमेर (2) बीकानेर (3) जयपुर (4) अजमेर

Ans. (3) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में राजपूताना महिला नागरिक सहकारी बैंक ने जिस शहर एवं तिथि से कार्य प्रारम्भ किया वह है?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]

(1) जयपुर : 30 अगस्त 1995
(2) उदयपुर : 28 जून 1993
(3) कोटा : 1 अप्रेल 1990
(4) जोधपुर : 15 अगस्त 2000

Ans. (1)

***व्याख्या** - राजपूताना महिला नागरिक सहकारी बैंक स्थापना जयपुर में 30 अगस्त 1995 में हुई।*

❒ **सहकारी शीत भण्डार वाले दो जिले हैं**[RAS- 1996]

(1) अजमेर-जोधपुर (2) जयपुर-अलवर

(3) कोटा-भरतपुर (4) व्यावर-भीलवाड़ा

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ [RAJFED]- यह कृषकों को उन्नत कृषि आदानों की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में प्रयासरत प्राथमिक क्रय-विक्रय (विपणन) सहकारी समितियों की शीर्ष संस्था है। इसका गठन 26 नवम्बर, 1957 को जयपुर में किया गया। इसका मुख्य कार्य क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के माध्यम से राज्य के किसानों को खाद, कीटनाशक दवाईयाँ, बीज, विभिन्न कृषि यंत्र उपलब्ध करवाने, कृषि उत्पादन की खरीद व बिक्री की समुचित व्यवस्था करवाना है। इसके अधीन अग्रलिखित इकाईयाँ कार्यरत है- पशु आहार संयंत्र, झोंटवाड़ा (जयपुर में 1971 में स्थापित), कीटनाशक दवाईयों का उत्पादन, झोंटवाड़ा (जयपुर में 1969–70 में स्थापित), सहकारी शीत भण्डार जयपुर व अलवर आदि।

❒ **राजफैड के सन्दर्भ में कुछ कथन नीचे दिये जा रहे है। सही कथन को चुनिये :** [RAS Pre -26.10.2013

कथन- A : राजफैड राज्य में कृषकों को उन्नत बीज, उर्वरक तथा कीटनाशक दवाईयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध करवाता है।

कथन- B : राजफैड राज्य में कृषकों को उनकी फसलों के उचित मूल्य दिलवाने को सुनिश्चित करता है।

कथन- C : राजफैड राज्य में कृषि के सर्वोच्च विकास बैंक के रूप में कार्य करता है।

(1)उपर्युक्त सभी कथन सही है। (2) A और B सही है

(3) A और C सही है (4) केवल A सही है

Ans. (2) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **राजस्थान में क्रय-विक्रय सहकारी समितियों की शीर्ष संस्था कौनसी है ?** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) राजस्थान राज्य सहकारी बैंक

(2) राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक

(3) राजस्थान राज्य सहकारी आवासन-संघ

(4) राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ

Ans. (4) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **राजस्थान राज्य सहकारी विपणन संघ (राजफैड) का मुख्य कार्य है-** [AEN Exam : 16.05.2014]

(1) किसानों को उचित कीमत पर अधिक उपज देने वाली किस्मों के बीजों, उर्वरकों और कीटनाशकों को उपलब्ध करवाना।

(2) किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

(3) भूमि के बदले किसानों को अल्पकालीन, मध्यकालीन व दीर्घकालीन ऋण प्रदान करना।

(4) भूमि को अनुदान और ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाना।

Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **निम्नलिखित में से वह कौनसी एजेंसी है, जिसके साथ राजस्थान राज्य सहकारी बैंक द्वारा 'सहकार जीवन बीमा सुरक्षा योजना' के अन्तर्गत बीमे के लिए समझौता किया गया है?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (I)]

(1) एल.आई.सी. इंडिया (2) एस.बी.आई.लाइफ इंश्योरेंस

(3) आई.सी.आई.सी.आई लोम्बार्ड (4) एच.डी.एफ.सी.बीमा

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान राज्य सहकारी बैंक द्वारा 'सहकार जीवन बीमा सुरक्षा योजना' के अन्तर्गत बीमे के लिए एस.बी.आई.लाइफ इंश्योरेंस से समझौता किया गया है। सहकारी बैंकों से ऋण लेने वाले किसान के परिवार को और अधिक सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए अब 79 वर्ष आयु तक जीवन बीमा किया जाएगा। इस योजना के तहत 8.81 रुपये प्रति हजार प्रति वर्ष की दर से न्यूनतम एक हजार से लेकर अधिकतम 10 लाख रुपये का जीवन बीमा किया जाएगा।

❒ **राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम के कार्य (कार्यों) में सम्मिलित है-**

[AEN Exam - 16.12.2018]

(1) अल्पसंख्यक समुदाय के बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए रियायती ब्याज दरों पर शैक्षणिक एवं व्यावसायिक ऋण प्रदान करना।

(2) अल्पसंख्यक समुदाय की बेरोजगार महिलाओं को स्वरोजगार के लिए रियायती ब्याज दरों पर शैक्षणिक एवं व्यावसायिक ऋण प्रदान करना।

(3) 1 और 2 दोनों

(4) अल्पसंख्यक समुदाय के परिवारों को रियायती ब्याज दरों पर आवासीय ऋण प्रदान करना।

Ans. (3)

व्याख्या – राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लि.-राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में अल्पसंख्यक वर्ग के आर्थिक उत्थान के लिए योजनाओं के संचालन हेतु 29 मई, 2000 को इस निगम का गठन किया गया।

❒ **जिला उपभोक्ता न्यायालय कितने रुपये तक की राशि के मामले सुन सकते है?**

[जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -III]

(1) 10 लाख (2) 50 लाख (3) 30 लाख (4) 20 लाख

Ans. (4)*

व्याख्या – *नए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम ने 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को प्रतिस्थापित किया है। उल्लेखनीय है कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 को 9 अगस्त 2019 को राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित किया गया है।* ***उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 पूरे देश में 20 जुलाई, 2020 से लागू हुआ।*** *जिला आयोग के निर्णय की अपील राज्य आयोग में करने की समयावधि को 30 दिन से बढ़ाकर 45 दिन नए अधिनियम में किया गया है। केन्द्र सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण (जिला आयोग, राज्य आयोग और राष्ट्रीय आयोग के अधिकार क्षेत्र) नियम, 2021 की अधिसूचना दिनांक 30 दिसम्बर, 2021 के अनुसार उपभोक्ता शिकायतों को देखने के लिए संशोधित अधिकार क्षेत्र इस प्रकार होंगे-*

(1) जिला आयोग – 50 लाख रुपये तक
(2) राज्य आयोग – 50 लाख से 2 करोड़ रुपये तक
(3) राष्ट्रीय आयोग – 2 करोड़ रुपये से अधिक

❒ **जिला उपभोक्ता फोरम में कितने सदस्य होते है?**

[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III]

(1) 3 (2) 5 (3) 9 (4) 10

Ans. (1)

व्याख्या – जिला फोरम का स्वरूप : प्रत्येक जनपद में राज्य सरकार द्वारा जिला जज की योग्यता रखने वाले व्यक्ति की अध्यक्षता में जिला फोरम का गठन किया जायेगा जिनमें अन्य दो सदस्य होगें जिनमें एक महिला सदस्य का होना अनिवार्य होगा। प्रत्येक सदस्य की नियुक्ति अध्यक्ष सहित पाँच वर्ष की अवधि के लिए की जायेगी।

❒ **राजस्थान फसली ऋण माफी योजना 2018 के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?**

[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) अगर कृषक के विरुद्ध माफी योग्य राशि से अधिक राशि बकाया है, तो 30 जून, 2018 तक जमा करानी होगी।

(2) लघु एवं सीमान्त कृषकों की ओर बकाया अल्पकालीन फसली ऋण में से 50,000 रुपये तक के कर्ज की एक बार माफी का प्रावधान है।

(3) योजना में सहकारी बैंकों के लघु एवं सीमान्त कृषकों की ओर दिनांक 30.09.2017 को अवधिवार ऋण पर समस्त शास्तियाँ एवं ब्याज माफ किए जाने का प्रावधान है।

(4) योजना सभी प्रकार के बैंकों द्वारा प्रदत्त अल्पकालीन फसली ऋण पर प्रभावी होगी।

Ans. (4)

❒ **सही कथन है-** [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]

(क) राजस्थान में डेयरी विकास कार्यक्रम अर्थशास्त्र के सिद्धान्त पर आधारित है। (ख) डेयरी विकास कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य दूध का उत्पादन बढ़ाना है। (ग) राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन उद्योग की शीर्षस्थ संस्था है।

(1) केवल क एवं ख सही है। (2) केवल क सही है।
(3) केवल ख सही है। (4) केवल ख एवं ग सही है।

Ans. (4)

व्याख्या – ***वर्तमान में राजस्थान में डेयरी विकास कार्यक्रम*** *सहकारिता के आधार पर* ***गुजरात की आनन्द सहकारी डेयरी संघ की पद्धति (अमूल पद्धति) पर क्रियान्वित किया जा रहा है।***

❒ **राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफैड) का गठन कब किया गया?**[जेल प्रहरी 21-10-18, Sft -II]

(1) 27 मार्च, 1966 (2) 27 मार्च, 1967
(3) 27 मार्च, 1969 (4) 27 मार्च, 1968

Ans. (2)

व्याख्या – राज्य में राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफैड) *आम उपभोक्ताओं को निर्माताओं से सीधी वस्तुएँ खरीदकर गुणवत्तापूर्ण व आवश्यक उपभोक्ता सामग्री उचित कीमतों पर उपलब्ध कराने में प्रयासरत जिला स्तरीय सहकारी उपभोक्ता भंडारों की जयपुर स्थित शीर्ष संस्था है, जो* ***27 मार्च, 1967 को स्थापित की गई ।***

❒ **राजस्थान के किस जिले में सर्वप्रथम महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति प्रारम्भ की गई?**

[II Grade GK - 24.12.2022]

(1) जैसलमेर (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) अजमेर

Ans. (3)

20. जनसंख्या

❐ **जनगणना-2011 कौनसा जनगणना सर्वेक्षण था-**
[स्कूल व्याख्याता परीक्षा-03.01.2020]
(1) 13वाँ (2) 14वाँ (3) 15वाँ (4) 16वाँ
Ans. (3)

***व्याख्या** - जनगणना-2011 क्रमानुसार 15वीं तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरान्त 7वीं गणना है।*

❐ **2011 के आँकड़ों के अनुसार राज्य की जनसंख्या कितनी है-** [III[rd] Grade Teacher Exam. 2012]
[RPSC LDC -2012][राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
(1) 6.86 करोड़ (2) 5 करोड़
(3) 105 करोड़ (4) 102.02 करोड़
Ans. (1)

***व्याख्या** - राज्य जनगणना निदेशालय की ओर से 25 मई, 2013 को जारी 2011 की जनगणना के अन्तिम आँकड़ों के अनुसार प्रदेश की जनसंख्या एक दशक में 5,65,07,188 से बढ़कर 6,85,48,437 हो गई है।*

❐ **देश की कुल जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का 2011 में कौनसा क्रम है?** [CET -4.2.2023 (S- II)]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]
[RPSC II Grade Teacher Exam-2011]
(1) 24वाँ क्रम (2) 27वाँ क्रम
(3) 12वाँ क्रम (4) 8वाँ क्रम
Ans. (4)

***व्याख्या** -2011 की जनसंख्या गणना के अनुसार देश में राजस्थान का आठवाँ (5.67%) स्थान है। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद राजस्थान का स्थान सातवाँ हो गया है।*

❐ **राजस्थान में 2011 में भारत की कितनी प्रतिशत जनसंख्या थी?** [CET - 11.2.2023 (S-II)]
(1) 5.55% (2) 5.66%
(3) 6.55% (4) 10.41%
Ans. (2) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर कितनी है?**[CET :7.1.2023 (II)] [वनरक्षक- 2013]
(1) 21.3% (2) 20.4%
(3) 24.44% (4) 31.02%
Ans. (1)

***व्याख्या** - जनगणना 2011 के अन्तिम आँकड़ों (Final Figures) के अनुसार राजस्थान की दशकीय वृद्धि दर 21.3 प्रतिशत रही। इस प्रकार पिछले दशक (1991–2001) में 28.41% की तुलना में इस बार दशकीय वृद्धि दर 7.10% (28.41%से घटकर 21.3%) कम हुई है। 1971-1981 में दशकीय वृद्धि दर सर्वाधिक (32.97 प्रतिशत) रही।*

❐ **राजस्थान में किस जनगणना वर्ष में सर्वाधिक जनसंख्या दशकीय वृद्धि दर अंकित की गई थी?**
[कॉलेज व्याख्याता-2016]
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, S -I]
[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)–21.10.2022]
(1) 1981 (2) 1991 (3) 2001 (4) 2011
Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नांकित में से कौनसे दशक में राजस्थान में जनसंख्या वृद्धि दर उच्चतम रही?**
[CET - 5.2.2023 (S-I)]
(1) 1911–21 (2) 2001–11
(3) 1971–81 (4) 1991–2001
Ans. (3) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किस जिले में वर्ष 2001-2011 के दौरान सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर पाई गई?**
[स्कूल व्याख्याता (Coach)–20.10.2022]
[Head Master-15.5.2012]
[Assistant Agri. Officer -28.05.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]
[II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]
(1) जैसलमेर (2) बाड़मेर
(3) जयपुर (4) जोधपुर
Ans. (2)

***व्याख्या** - राज्य के समस्त जिलों में इस दशक में दशकीय वृद्धि दर में कमी आई है। बाड़मेर की सर्वाधिक (32.5%) तथा गंगानगर की सबसे कम (10.0%) दशकीय वृद्धि रही। • दशकीय वृद्धि दर में सर्वाधिक कमी क्रमशः गंगानगर में 17.59% (27.59% से घटकर 10.00%) तथा जैसलमेर में 15.72% (47.52% से घटकर 31.8%) हुई।*

• दशकीय वृद्धि दर में न्यूनतम कमी क्रमशः जालौर में 0.60% (26.8% से घटकर 26.39%) तथा डूँगरपुर में 1.26% (26.65% से घटकर 25.39%) हुई।

❒ **2011 की जनगणना के अनुसार, निम्न में से राजस्थान के किस जिले की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर न्यूनतम रही?** [ARO-29.8.2022][REET, 11.2.2018] [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021] [PSI - 15.09.2021]

(1) गंगानगर (2) बूँदी (3) बाराँ (4) सीकर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **2001 से 2011 अवधि के दौरान गंगानगर जिले की जनसंख्या वृद्धि दर है?**[REET (L – II, S-II) –23.07.2022]

(1) 10.0% (2) 16.9% (3) 32.5% (4) 21.3%

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कौनसे जिलों में उच्चतम एवं निम्नतम दशाब्दी जनसंख्या वृद्धि दर सन् 2001-2011 के मध्य अंकित की गई**-[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]

(1) जोधपुर – पाली (2) बांसवाड़ा – बूँदी
(3) बाड़मेर – गंगानगर (4) जयपुर – चित्तौड़गढ़

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वर्ष 2011 की जनगणनानुसार राजस्थान में जिलों की संख्या, जहाँ जनसंख्या 2001-11 के दशक में प्रतिशत दशकीय वृद्धि, राज्य की औसत प्रतिशत दशकीय वृद्धि से अधिक रही, है-** [III Grade (English) -27.02.2023]

(1) 14 (2) 15 (3) 16 (4) 17

Ans. (3)

व्याख्या-राजस्थान (जनगणना 2011) में 16 जिले ऐसे हैं जिनकी दशकीय वृद्धि दर राजस्थान की वृद्धि दर से अधिक है तथा 25 जिले ऐसे हैं जिनकी वृद्धि दर राष्ट्रीय वृद्धि दर से अधिक है।

❒ **जनगणना 2011 के अनुसार, 2001 से 2011 तक सर्वाधिक शहरी दशकीय परिवर्तन दर (%) राजस्थान के निम्नलिखित किस जिले में पायी गयी?** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) जैसलमेर (2) अलवर (3) जयपुर (4) कोटा

Ans. (2)

व्याख्या-राजस्थान में सर्वाधिक ग्रामीण दशकीय वृद्धि दर वाला जिला जैसलमेर (34.5%) तथा सर्वाधिक शहरी दशकीय वृद्धि दर वाला जिला अलवर (50.5%) है।

❒ **2001-11 के दशक के दौरान राजस्थान का सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला है**-[Headmaster 15 May, 2012] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]

(1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) बाड़मेर (4) जयपुर

Ans. (4)

व्याख्या - सर्वाधिक जनसंख्या (2011) वाले पाँच जिले क्रमशः - 1. जयपुर - 66.26 लाख 2.जोधपुर - 36.87 लाख 3.अलवर - 36.74 लाख 4.नागौर - 33.07 लाख 5.उदयपुर - 30.68 लाख

❒ **जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के सर्वाधिक कुल जनसंख्या वाले जिलों को अवरोही क्रम में जमाएँ**-[HM-2.9.2018] [RAS-28.8.16][ARO -27.8.2022] [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर
(2) जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर
(3) जयपुर, जोधपुर, अलवर, नागौर
(4) जयपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के जिलों का जनसंख्या आकार (कुल जनसंख्या) की दृष्टि से अवरोही क्रम है:** [PTI Exam - 2015]

(1) जोधपुर, अलवर, नागौर, उदयपुर
(2) उदयपुर, जोधपुर, अलवर, नागौर
(3) जोधपुर, उदयपुर, नागौर, अलवर
(4) उदयपुर, नागौर, अलवर, जोधपुर

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के विभिन्न जिलों में जनसंख्या वितरण के बढ़ते क्रम के संबंध में दिए गए सही विकल्प की पहचान करें।** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) बीकानेर < अजमेर< जोधपुर < जयपुर
(2) अजमेर < जोधपुर< बीकानेर < जयपुर
(3) अजमेर < बीकानेर < जोधपुर < जयपुर
(4) जयपुर < जोधपुर < अजमेर < बीकानेर

Ans. (1)

व्याख्या - विकल्पों के आधार पर जनसंख्या बढ़ते क्रम में : बीकानेर (23.63 लाख), अजमेर (25.83 लाख), जोधपुर (36.87 लाख), जयपुर (66.26 लाख)

❒ **जनसंख्या की दृष्टि से राज्य का सबसे बड़ा संभाग कौनसा है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) जोधपुर (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) भरतपुर

Ans. (2)

❒ राजस्थान में न्यूनतम जनसंख्या वाले जिलों का सही बढ़ता क्रम है- [VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) सिरोही > प्रतापगढ़ > जैसलमेर
(2) जैसलमेर > सिरोही > प्रतापगढ़
(3) जैसलमेर > प्रतापगढ़ > सिरोही
(4) प्रतापगढ़ > सिरोही > जैसलमेर

Ans. (1)

व्याख्या-न्यूनतम जनसंख्या (2011) वाले पाँच जिले क्रमशः
1. जैसलमेर-6.69 लाख 2. प्रतापगढ़ - 8.67 लाख
3. सिरोही -10.36 लाख 4. बूँदी - 11.10 लाख
5. राजसमन्द-11.56 लाख

❒ **2011 की जनगणनानुसार राजस्थान में न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला है-**[II Grade GK - 21.12.2022]

(1) जैसलमेर (2) बाड़मेर (3) करौली (4) राजसमंद

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **एक महिला के जीवनकाल में पैदा हुए या हो सकने वाले बच्चों की संख्या, अगर वह महिला जनसंख्या में उम्र विशिष्ट उर्वरता की प्रचलित दर के अधीन होता है, कहलाती है-** (संगणक परीक्षा 05.05.2018)

(1) जन्म दर (2) कुल उर्वरता दर
(3) प्रजनन दर (4) मातृत्व प्रजनन दर

Ans. (2)

❒ **2011 की जनगणना के अनुसार निम्न में से कौन से कथन राजस्थान में लिंगानुपात (1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) के बारे में सही हैं?**
[वनरक्षक-13.12.2022(S-I)] [RAS-28.08.2016]

(1) 2011 में राजस्थान में लिंगानुपात राष्ट्रीय औसत से कम था।
(2) 2011 में राजस्थान के सभी जिलों में लिंगानुपात 1000 से कम था।
(3) 2011 में राजस्थान के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में (पाली जिले के अलावा) लिंगानुपात 1000 से कम था।
(4) 2011 में राजस्थान के सभी जिलों के शहरी क्षेत्रों में (धौलपुर जिले के अलावा) लिंगानुपात 1000 से कम था।

(1) 1, 2, 3 तथा 4 सही हैं। (2) 1, 2 तथा 3 सही हैं।
(3) 1 और 2 सही हैं। (4) केवल 1 सही है।

Ans. (2)

***व्याख्या** - जनगणना 2011 की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार भारत का लिंगानुपात 943 और राजस्थान का लिंगानुपात 928 है एवं राज्य में कोई भी जिला ऐसा नहीं रहा जिसमें लिंगानुपात 1000 या इससे अधिक हो। जबकि जनगणना 2001 में ऐसे दो जिले डूँगरपुर (1022) व राजसमंद (1000) थे।*

❒ **जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में लिंगानुपात-** [CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) राष्ट्रीय औसत से 6 बिन्दु कम है।
(2) राष्ट्रीय औसत से 15 बिन्दु कम है।
(3) राष्ट्रीय औसत से 11 बिन्दु कम है।
(4) राष्ट्रीय औसत से 6 बिन्दु अधिक है।

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का लिंग अनुपात .... है-** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
[II Grade Teacher Exam-2011][RPSC LDC., 2012]

(1) 928 (2) 789 (3) 829 (4) इसमें कोई नहीं

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की जनगणना-2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से गलत कथन की पहचान करें-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]

(1) जनसंख्या वृद्धि दर 21.31 प्रतिशत है।
(2) लिंगानुपात - 1000 महिलाएँ प्रति हजार पुरुष है।
(3) कुल साक्षरता - 66.11 प्रतिशत है।
(4) राज्य की सर्वाधिक जनसंख्या जयपुर जिले में रहती है।

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नांकित में से कौनसे जिले में 2011 की जनगणना के अनुसार एस.टी. का न्यूनतम लिंगानुपात मिलता है?** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) करौली (2) जैसलमेर (3) हनुमानगढ़ (4) बीकानेर

Ans. (1)

***व्याख्या** - एस.सी एवं एस.टी. का न्यूनतम लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः धौलपुर एवं करौली हैं।*

❒ **राजस्थान में सर्वाधिक लिंगानुपात किस जिले में है?** [Police Const.-2007] [I Gr. Teacher (GK)-15.10.2022]
[IIIrd Grade Teacher 2012, [II Grade (SS) 2011]

(1) कोटा (2) बीकानेर (3) डूँगरपुर (4) जोधपुर

Ans. (3)

व्याख्या - सर्वाधिक लिंगानुपात (2011) वाले 5 जिले
(1) डूँगरपुर - 994 (2) राजसमन्द-990
(3) पाली-987 (4) प्रतापगढ़ - 983
(5) बाँसवाड़ा- 980

❒ **2011 की जनगणना के अनुसार, अधिकतम लिंगानुपात वाले जिलों का समूह हैं** [I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]
(1) डूँगरपुर, करौली तथा भरतपुर
(2) डूँगरपुर, पाली तथा प्रतापगढ़
(3) पाली, गंगानगर तथा सवाईमाधोपुर
(4) प्रतापगढ़, बाड़मेर तथा करौली
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में 2011 में सर्वाधिक लिंगानुपात था?** [II Grade (SST) -21.12.2022]
(1) अलवर (2) चूरू (3) दौसा (4) गंगानगर
Ans. (2)

व्याख्या -उपर्युक्त जिलों का लिंगानुपात (2011)
(1) चूरू - 902 (2) अलवर-865
(3) दौसा -865 (4) गंगानगर - 854

❒ **राजस्थान में सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला है** [III[rd] Grade Teacher Exam. 2012]
(1) जयपुर (2) कोटा (3) अजमेर (4) धौलपुर
Ans. (4)

व्याख्या - न्यूनतम लिंगानुपात (2011) वाले 5 जिले क्रमशः है -(1) धौलपुर - 846 (2) जैसलमेर -852
(3) करौली - 861 (4) भरतपुर - 880
(5) गंगानगर - 887

❒ **निम्नांकित युग्म जिलों में से कौनसा युग्म राजस्थान में सर्वाधिक लिंगानुपात एवं सबसे कम लिंगानुपात की दृष्टि से जनगणना 2011 के आधारनुसार सही है-** [ARO (Horticultue, Botany) 27.8.2022]
(1) डूँगरपुर - धौलपुर (2) जयपुर - धौलपुर
(3) डूँगरपुर - कोटा (4) जोधपुर - बाड़मेर
Ans. (1)

❒ **जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान में 0-6 आयु वर्ग का लिंगानुपात है** – [III[rd] Grade Teacher - 2012]
[राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (II)]
[स्कूल व्याख्याता -21.10.2022] [CET : 08.01.2023 (S-II)]
(1) 833 (2) 888 (3) 800 (4) 927
Ans. (2)

व्याख्या - जनगणना 2011 की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में 0–6 आयु वर्ग का लिंगानुपात 888 है। जनगणना 2001 के अनुसार यह 909 था। अत: इसमें इस दशक में तीव्र कमी (21) आई है। यह अनुपात 1981 से लगातार गिरा है। 1981 में यह अनुपात 954 था।

❒ **जनगणना 2001 के अनुसार राजस्थान में 0–6 वर्ष समूह में कुल जनसंख्या का प्रतिशत एवं लिंगानुपात है?** [RPSC III Grade Teacher Exam-2006]
(1) 17.3 905 (2) 18.8 909
(3) 19.8 908 (4) 19.2 910
Ans. (2)

व्याख्या : जनगणना 2011 के अनुसार 0-6 आयु वर्ग का लिंगानुपात 888 तथा कुल जनसंख्या का % 15.5 है।

❒ **निम्न में से कौनसा कथन राजस्थान में लिंगानुपात के बारे में जनगणना 2011 के अनुसार सही नहीं है?** [II Grade (S-I) -29.1.2023]
(1) ग्रामीण लिंगानुपात 933 था।
(2) नगरीय लिंगानुपात 914 था।
(3) बाल लिंगानुपात (0–6 आयु समूह) 898 था।
(4) बाल लिंगानुपात (0–6 आयु समूह) बाँसवाड़ा में सर्वाधिक था।
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की जनगणना 2011 के अनुसार निम्न में से कौनसा एक जिला 0-6 आयु वर्ग में सर्वाधिक लिंगानुपात रखता है-** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
[जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -II]
[ARO (Entomology)-30.8.2022][RAS Pre-26.10.2013]
(1) बाँसवाड़ा (2) प्रतापगढ़ (3) उदयपुर (4) भीलवाड़ा
Ans. (1)

व्याख्या - 0-6 आयु वर्ग में सर्वाधिक लिंगानुपात (2011) वाले 5 जिले क्रमशः

जिला		लिंगानुपात
1. बाँसवाड़ा	-	934
2. प्रतापगढ़	-	933
3. भीलवाड़ा	-	928
4. उदयपुर	-	924
5. डूँगरपुर	-	922

❐ **राजस्थान में 0-6 वर्ष आयु वर्ग में न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला है** [वनरक्षक परीक्षा - 2013]
[बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]
[वनरक्षक-12.12.2022(S-I)][PTI (Grade-III)-25.9.2022]

(1) जयपुर (2) कोटा (3) झुंझुनूँ (4) सीकर

Ans. (3)

व्याख्या *- 0-6 आयु वर्ग में न्यूनतम लिंगानुपात (2011) वाले 5 जिले क्रमशः*

जिला		लिंगानुपात
1. झुंझुनूँ	-	837
2. सीकर	-	848
3. करौली	-	852
4. गंगानगर	-	854
5. धौलपुर	-	857

❐ **निम्नलिखित में से किस जिले में 2011 में न्यूनतम बाल लिंगानुपात (0 से 6 वर्ष) अंकित किया गया?**
[स्कूल व्याख्याता परीक्षा-03.01.2020]

(1) करौली (2) जैसलमेर (3) बाँसवाड़ा (4) टोंक

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के कौनसे जिलों में बाल (0-6 वर्ष) लिंगानुपात 820 महिला प्रति 1000 पुरुष से कम पाया गया है**
[AEN -16.12.2018]

(1) करौली एवं गंगानगर (2) करौली एवं सीकर
(3) झुन्झुनूँ एवं करौली (4) झुन्झुनूँ एवं सीकर

Ans. (4)

❐ **वर्ष 2011 की जनगणना में 0-6 आयु वर्ग में सर्वाधिक एवं न्यूनतम लिंगानुपात वाले ज़िलों का समूह हैं?** [I Grade Geography-16.10.2022]

(1) बाँसवाड़ा - धौलपुर (2) प्रतापगढ़-करौली
(3) उदयपुर-श्रीगंगानगर (4) बाँसवाड़ा-झुन्झुनूँ

Ans. (4)

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार, ग्रामीण राजस्थान में बच्चों (0-6 वर्ष आयु वर्ग) का लिंगानुपात है-**
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021][PTI (Gr.-II)-30.4.2023]

(1) 882 (2) 874 (3) 892 (4) 903

Ans. (3)

व्याख्या *- 0-6 आयु वर्ग में ग्रामीण लिंगानुपात 892 एवं शहरी शिशु लिंगानुपात 874 है।*

❐ **2001 की तुलना में, 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के नगरीय क्षेत्रों में लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर कितनी महिलाओं से बढ़ा है-**
[VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) 18 (2) 24 (3) 21 (4) 12

Ans. (2)

व्याख्या *- नगरीय लिंगानुपात का अन्तर 24 (2001 में 890 तथा 2011 में 914) तथा ग्रामीण लिंगानुपात का अन्तर 3 (2001 में 930 और 2011 में 933) रहा।*

❐ **भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में लिंगानुपात कितना था (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या)?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) 888 (2) 914 (3) 928 (4) 921

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्र में लिंगानुपात था-** [LDC Exam - 16.09.2018]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग)-12.3.2021]

(1) 928 (2) 914 (3) 933 (4) 890

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में ग्रामीण और नगरीय लिंगानुपात है-**[I Grade Teacher-11.10.2022]

	ग्रामीण	नगरीय		ग्रामीण	नगरीय
(1)	930	890	(2)	914	924
(3)	951	901	(4)	933	914

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार किस जिले में सर्वाधिक ग्रामीण लिंगानुपात है?** [II Grade (S-II) -29.1.2023]
[कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]
[Assistant Professor-22.9.2021][Librarian Gr.-II- 2.8.2020]

(1) झुन्झुनूँ (2) जालौर (3) पाली (4) राजसमन्द

Ans. (3)

व्याख्या *- सर्वाधिक ग्रामीण लिंगानुपात-पाली (1003), सर्वाधिक शहरी लिंगानुपात-टोंक (985)*

❐ **वर्ष 2011 की जनगणनानुसार राजस्थान में वह जिला जहाँ शहरी जनसंख्या लिंगानुपात राज्य में सर्वाधिक रहा है, वह है-** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) उदयपुर (2) बाँसवाड़ा (3) अजमेर (4) टोंक

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में अधिकतम शहरी एवं ग्रामीण लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः है;**
[I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]
(1) पाली और धौलपुर (2) टोंक और पाली
(3) पाली और जैसलमेर (4) टोंक और जैसलमेर
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किस जिले में न्यूनतम ग्रामीण लिंगानुपात था?**
[CET : 07.01.2023 (S-1), 08.01.2023 (S-I)]
(1) जैसलमेर (2) पाली (3) टोंक (4) धौलपुर
Ans. (4)

व्याख्या *- न्यूनतम ग्रामीण लिंगानुपात-धौलपुर (841), न्यूनतम शहरी लिंगानुपात-जैसलमेर (807)*

❑ **जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसे वाक्य सही हैं-** [ACF & FRO - 18.02.2021]
1. राजस्थान की 24.9% जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में रहती है।
2. राजस्थान के शहरी क्षेत्रों का लिंगानुपात 914 है।
3. राजस्थान में अधिकतम बाल लिंगानुपात बाँसवाड़ा जिले में पाया जाता हैं
4. राजस्थान में सन् 2001 से 2011 के बीच जनसंख्या घनत्व में 35 व्यक्ति/वर्ग किलोमीटर बढ़ोतरी हुई।
(1) 1, 2, 4 (2) 1, 3, 4 (3) 2, 3, 4 (4) 1, 2, 3, 4
Ans. (4)

❑ **राजस्थान में वर्ष 1901 से 2011 के बीच किस जनगणना वर्ष में न्यूनतम लिंगानुपात रहा?**
[Headmaster Exam - 02.09.2018]
(1) 1901 (2) 1921 (3) 1991 (4) 2011
Ans. (2)

व्याख्या : *वर्ष 1901 के बाद पहली बार 1000 पुरुषों पर 928 स्त्रियाँ है जबकि 2001 की जनगणना में लिंगानुपात 921 था। 2011 में यह बढ़कर 928 हो गया। 1921 में राज्य का लिंगानुपात अब तक का सबसे कम मात्र 896 था।*

❑ **राजस्थान में 2011 में राज्य के औसत लिंगानुपात से कम लिंगानुपात रखने वाले कितने जिले हैं (राज्य का औसत लिंगानुपात 928 है।)**
[महिला पर्यवेक्षक-06.01.2019] [PTI -30.09.2018]
(1) 12 (2) 13 (3) 18 (4) 15
Ans. (4)

व्याख्या *- 2011 की जनगणनानुसार राजस्थान के 15 जिलों में लिंगानुपात राज्य के औसत 928 से कम है जबकि अन्य 18 जिलों में औसत से अधिक है।*

❑ **जनगणना 2001 एवं 2011 के मध्य, राजस्थान के किन जिलों में लिंगानुपात में कमी आई है?**
[II Grade Teacher -31.10.2018]
(1) राजसमन्द एवं चूरू (2) अजमेर एवं धौलपुर
(3) अजमेर एवं झालावाड़ (4) धौलपुर एवं झालावाड़
Ans. (1)

व्याख्या *- राज्य के वे जिले जिनमें लिंगानुपात वर्ष 2001 की तुलना में कम हुआ है-*

जिला	वर्ष 2001	वर्ष 2011	कमी
डूँगरपुर	1022	994	28
उदयपुर	971	958	13
जालौर	964	952	12
राजसमंद	1000	990	10
चूरू	948	940	8
सीकर	951	947	4
सिरोही	943	940	3

❑ **वर्ष 2011 में राजस्थान में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत था-** (संगणक परीक्षा 05.05.2018)
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.05.2022 (I), 14.07.2018 (II)]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]
(1) 75.1 (2) 64.4 (3) 81.9 (4) 70.2
Ans. (1)

व्याख्या *- वर्ष 2011 में राजस्थान की ग्रामीण जनसंख्या – 51,500,352 (75.1%)*

❑ **2011 की जनसंख्या के अनुसार, राज्य की कुल जनसंख्या में शहरी व ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत क्रमशः कितना है?** [I Grade Teacher (GK) -15.10.2022]
(1) 24.9% - 75.1% (2) 29.4% - 71.5%
(3) 42.9% - 51.7% (4) 29.2% - 70.1%
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राज्य में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला है-**
[II Grade (Social Study) Exam. 2011]
[II Grade (English) Exam. 2011]
(1) जयपुर (2) भरतपुर (3) अजमेर (4) अलवर
Ans. (1)

व्याख्या -सर्वाधिक जन घनत्व (2011) वाले जिले-

1. जयपुर	*- 595*	*2. भरतपुर*	*- 503*
3. दौस	*- 476*	*4. अलवर*	*- 438*
5. धौलपुर	*- 398*	*6. बाँसवाड़ा*	*- 397*
7. कोटा	*- 374*	*8. डूँगरपुर*	*- 368*

❑ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के निम्न में से किस जिले का जनसंख्या घनत्व द्वितीय स्थान पर था-** [योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021] [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) दौसा (2) अलवर (3) भरतपुर (4) कोटा

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **2011 की जनगणना के अनुसार जिलेवार घनत्व का सही अवरोही क्रम है-** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) अलवर, धौलपुर, बाँसवाड़ा, कोटा

(2) कोटा, बाँसवाड़ा, धौलपुर, अलवर

(3) बाँसवाड़ा, कोटा, अलवर, धौलपुर

(4) अलवर, धौलपुर, कोटा, बाँसवाड़ा

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान जनसंख्या घनत्व 2011 के अनुसार अवरोही क्रम में जिलेवार सही अनुक्रम बताइये-** [ARO -27.8.2022] [RAS Pre Exam-26.10.2013]

(1) कोटा, अजमेर, गंगानगर और चूरू

(2) जयपुर, भरतपुर, दौसा और अलवर

(3) जयपुर, अजमेर, अलवर और दौसा

(4) अलवर, दौसा, अजमेर और चूरू

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सुमेलित कीजिए** - [द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

सूची-I (जिला)	सूची- II (जनसंख्या घनत्व 2011)
(a) जोधपुर	(i) 503
(b) कोटा	(ii) 305
(c) अजमेर	(iii) 374
(d) भरतपुर	(iv) 161

कूट	a	b	c	d		a	b	c	d
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)	(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित जिलों के समूह में से सही जनसंख्या घनत्व का अवरोही क्रम कौनसा है?** (IInd Grade Spc. Edu. 2017)

(1) दौसा, भरतपुर, उदयपुर, कोटा

(2) भरतपुर, कोटा, दौसा, उदयपुर

(3) कोटा, भरतपुर, उदयपुर, दौसा

(4) भरतपुर, दौसा, कोटा, उदयपुर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के कौनसे जिले में जनसंख्या का सबसे कम घनत्व पाया जाता है?** [RAS Pre. Exam-2009] [वनपाल-06.11.2022(S-I)][II Grade GK - 22.12.2022]

(1) बीकानेर (2) जोधपुर (3) बाड़मेर (4) जैसलमेर

Ans. (4)

व्याख्या -न्यूनतम जन घनत्व (2011) वाले 5 जिले क्रमशः

1. जैसलमेर	*- 17*	*2. बीकानेर*	*- 78*
3. बाड़मेर	*- 92*	*4. चूरू*	*-147*
5. जोधपुर	*- 161*		

❑ **निम्न में से कौनसे जिले में जनसंख्या घनत्व सबसे कम पाया जाता है?** [ARO (Entomology)-30.08.2022]

(1) पाली (2) चूरू (3) बीकानेर (4) जालौर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के कौनसे जिलों में जनसंख्या घनत्व 100 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से कम पाया जाता है (जनसंख्या 2011 के अनुसार)?**[CET : 7.1.2023 (S-1)] [RAS -19.11.2013][स्कूल व्याख्याता-06.01.2020] [II Grade - 30.07.2023 (S- II)]

(1) जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर

(2) जैसलमेर, पाली और बाड़मेर

(3) जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर

(4) जैसलमेर, पाली और जोधपुर

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नांकित कौनसे जिले में द्वितीय न्यूनतम जनसंख्या घनत्व है-** [CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) जैसलमेर (2) बाड़मेर (3) बीकानेर (4) चूरू

Ans. (3)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से जनसंख्या के न्यूनतम घनत्व (2011) वाला जिला है-** [LDC 23.10.16]

(1) बीकानेर (2) बाड़मेर (3) जोधपुर (4) चूरू

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के निम्नांकित जिलों के समूहों में से किसमें 2011 में जनसंख्या घनत्व न्यूनतम अंकित किया गया?** [संगणक परीक्षा-19.12.2021] [PTI Exam - 30.09.2018]

(1) जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर (2) जैसलमेर, जोधपुर, नागौर (3) बीकानेर, चुरु, बाड़मेर (4) बाड़मेर, पाली, जालौर

Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से किसका जनसंख्या घनत्व न्यूनतम है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) श्रीगंगानगर (2) पाली (3) चुरू (4) जालौर

Ans. (3) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **कौनसा कथन सही नहीं है-** [P.S.I. Exam, 2011]

(1) राजस्थान में जनसंख्या घनत्व 2001 में 165 से बढ़कर 2011 में 201 हो गया।

(2) राजस्थान में जनसंख्या घनत्व 1911-1921 के दशक में 32 से घटकर 30 रह गया।

(3) 2001-2011 में जनसंख्या में अधिकतम घनत्व के लिए जयपुर जिले का उल्लेख है।

(4) 2001–2011 में जनसंख्या घनत्व में न्यूनतम वृद्धि बीकानेर जिले में है।

Ans. (4)

व्याख्या - 2001-11 में न्यूनतम जनसंख्या घनत्व में वृद्धि जैसलमेर (4) जिले की रही।

❒ **कौनसे जिले में मानव बसावट/संरचना ('ह्यूमन सेटलमेंट') का घनत्व अधिकतम है ?** [RAS-2007]

(1) अजमेर (2) बाड़मेर (3) श्रीगंगानगर (4) सिरोही

Ans. (1)

व्याख्या -
- ***अजमेर का जनसंख्या घनत्व - 305***
- ***सिरोही का जनसंख्या घनत्व - 202***
- ***गंगानगर का जनसंख्या घनत्व - 179***
- ***बाड़मेर का जनसंख्या घनत्व - 92***

❒ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का औसत जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग किलोमीटर क्या है?** [III[rd] Grade Ex. 2012] [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017] [जेल प्रहरी29-10-2018, S-I] [III Grade (English) -27.02.2023]

(1) 200 (2) 185 (3) 175 (4) 165

Ans. (1)

व्याख्या - जनगणना 2001 के अनुसार राजस्थान में जनसंख्या घनत्व 165 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तथा जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान में जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

❒ **2001 की जनगणना की तुलना में जनगणना 2011 में राजस्थान से संबंधित निम्न में से गलत विकल्प चुनिए-** [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) लिंगानुपात में वृद्धि हुई है ।

(2) बाल लिंगानुपात घटा है।

(3) जनसंख्या घनत्व में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

(4) जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है।

Ans. (3) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **राजस्थान के किस जिले में सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या है?** [II Grade (S.St.) 2011, E.O. Exam, 2007]

(1) अजमेर (2) जैसलमेर (3) टोंक (4) सवाई माधोपुर

Ans. (1)*

व्याख्या-25 अगस्त, 2015 को जारी धार्मिक जनगणना 2011 के आँकड़ों में सर्वाधिक मुस्लिम वाला जिला जैसलमेर (25.10%) है, जबकि अजमेर में 12.16% ही है।

❒ **2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में हिन्दुओं और मुसलमानों के बाद सबसे बड़ा समुदाय कौनसा है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

(1) सिख (2) जैन (3) ईसाई (4) बौद्ध

Ans. (1)

व्याख्या - 2011 की धार्मिक जनगणना के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक हिन्दू (88.49%), मुस्लिम (9.07%), सिख (1.27%), जैन (0.91%) तथा ईसाई (0.14%) है।

❒ **2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के संबंध में कौनसा सही सुमेलित है?** [कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) हिन्दू–73.93% (2) मुसलमान–20.07%
(3) ईसाई–5.27% (4) सिख–1.27%

Ans. (4) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **सबसे कम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001-2011) वाला जिला युग्म है?** [Vet.Officer - 02.08.2020]

(1) झुंझुनूँ, जालौर, डूँगरपुर (2) जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर (3) पाली, झुंझुनूँ, गंगानगर (4) गंगानगर, कोटा, नागौर

Ans. (3)

व्याख्या - जनगणना 2011 के अनुसार न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाले 5 जिले क्रमशः- 1. गंगानगर - 10.0%, 2. झुंझुनूँ - 11.7%, 3. पाली-11.9%, 4. बूँदी-15.4%, 5. चित्तौड़गढ़ - 16.1%

❑ **2001-2011 के दशक के दौरान राजस्थान में न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिलों का सही युग्म है-** [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) झुन्झुनूँ, पाली (2) पाली, गंगानगर
(3) गंगानगर, झुन्झुनूँ (4) गंगानगर, बूँदी

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **2001 से 2011 दशक में सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर प्रतिशत वाले तीन जिलों का सही अवरोही क्रम है-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021]

(1) जैसलमेर,बाड़मेर,जोधपुर (2) बाड़मेर,जैसलमेर,जोधपुर
(3) जोधपुर,जैसलमेर,बाड़मेर (4) बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर

Ans. (2)

व्याख्या - जनगणना 2011 के अनुसार सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर (प्रतिशत में) वाले 5 जिले क्रमशः- 1. बाड़मेर (32.5), 2. जैसलमेर (31.8), 3. जोधपुर (27.7), 4. जयपुर (26.2), 5. बाँसवाड़ा (26.5)

❑ **जनगणना 2011 के अनुसार क्रमशः भारत एवं राजस्थान की नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत क्या है?** [RAS-05.08.2018]

(1) 24.87% एवं 31.15% (2) 34.15% एवं 24.87%
(3) 21.87% एवं 31.15% (4) 31.15% एवं 24.87%

Ans. (4)

व्याख्या - 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की नगरीय जनसंख्या 37.71 करोड़ (31.2%) तथा राजस्थान की नगरीय जनसंख्या 1,70,48,085 (24.9%) है।

❑ **2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत है-** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016] [कनिष्ठ लेखाकार-2.8.2015] [जल प्रहरी 20-10-2018, S-II]

(1) 25.5 (2) 24.0 (3) 24.9 (4) 25.7

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **2011 में राजस्थान के कौनसे जिलों में 50 प्रतिशत से अधिक नगरीय जनसंख्या है?** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) अजमेर और उदयपुर (2) जोधपुर और अजमेर
(3) कोटा और जयपुर (4) जयपुर और बीकानेर

Ans. (3)

व्याख्या - सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या-1. कोटा (60.30%) 2. जयपुर (52.40%) 3. अजमेर (40.08%)

❑ **वर्ष 2011 की जनगणनानुसार राजस्थान में वह जिला, जहाँ शहरी जनसंख्या राज्य में सर्वाधिक रही है-** [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) कोटा (4) अजमेर

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के कितने जिलों में शहरी जनसंख्या का प्रतिशत 50 से अधिक था-**[योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]

(1) 04 (2) 02 (3) 05 (4) 03

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **2011 में राजस्थान में कौनसे जिलों में उनकी कुल जनसंख्या में सर्वाधिक प्रतिशत ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या है?**[संरक्षण अधिकारी-29.5.2019][ARO-29.8.2022]

(1) बाड़मेर - अजमेर (2) सिरोही - जोधपुर
(3) प्रतापगढ़ - जयपुर (4) डूँगरपुर - कोटा

Ans. (4)

व्याख्या-सर्वाधिक प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या डूँगरपुर (93.6%) और सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या कोटा (60.30%) में है।

❑ **कौनसे जिले में 2011 की जनगणना के अनुसार न्यूनतम नगरीय जनसंख्या मिलती है?** [III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) जालौर (2) बाड़मेर (3) बाँसवाड़ा (4) राजसमन्द

Ans. (3)

व्याख्या - न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वाले जिले क्रमशः डूँगरपुर (6.39%), बाड़मेर (6.98%), बाँसवाड़ा (7.10%) है।

❑ **2011 की जनगणना के अनुसार निम्न में से किस जिले में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत न्यूनतम है-** [कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) दौसा (2) करौली (3) जैसलमेर (4) राजसमन्द

Ans. (1)

व्याख्या-नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत न्यूनतम - दौसा (12.35), जैसलमेर (13.29), करौली (14.96), राजसमन्द (15.89)।

❒ **राज्य में अधिकतम कुल, ग्रामीण एवं नगरीय दशकीय जनसंख्या वृद्धि के सन्दर्भ में राजस्थान के जिलों का सही क्रम क्या है? (जनगणना 2011 के अनुसार)** [Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) जैसलमेर, बाड़मेर एवं बारां
(2) जैसलमेर, अलवर एवं बाड़मेर
(3) बाड़मेर, बारां एवं अलवर
(4) जैसलमेर, बाड़मेर एवं अलवर

Ans. (4)

व्याख्या *- सर्वाधिक ग्रामीण वृद्धि दर वाले जिले क्रमशः जैसलमेर, बाड़मेर, बाँसवाड़ा तथा सर्वाधिक नगरीय वृद्धि दर वाले जिले क्रमशः अलवर, दौसा, बारां है।*

❒ **जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के कौन से जिले क्रमशः न्यूनतम ग्रामीण एवं शहरी दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर दर्शाते हैं-**[ACF & FRO-18.2.2021]

(1) गंगानगर एवं झुंझुनूँ (2) कोटा एवं डूँगरपुर
(3) डूँगरपुर एवं कोटा (4) झुंझुनूँ एवं सीकर

Ans. (2)

व्याख्या *- न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर -*
ग्रामीण - कोटा (6.1%), शहरी -डूँगरपुर (9.8%)

❒ **राजस्थान में 2001-2011 में ग्रामीण जनसंख्या की दशकीय परिवर्तन का प्रतिशत है-** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) 19.0 (2) 18.8 (3) 21.3 (4) 19.1

Ans. (1)

व्याख्या *- ग्रामीण जनसंख्या की दशकीय परिवर्तन का प्रतिशत 19.0% तथा शहरी जनसंख्या की दशकीय परिवर्तन का प्रतिशत 29.0% है।*

❒ **राजस्थान में 2001 से 2011 में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या का दशकीय परिवर्तन प्रतिशत है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

	ग्रामीण	नगरीय		ग्रामीण	नगरीय
(1)	19.0	29.0	(2)	18.8	27.4
(3)	19.01	30.8	(4)	20.8	21.8

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की पहली जातीय जनगणना प्रस्तावित है-** [RPSC II Grade Teacher Exam-2011]

(1) 31 दिसम्बर, 2011 (2) 01 नवम्बर, 2011
(3) 15 अक्टूबर, 2011 (4) जनवरी, 2012

Ans. (2)

व्याख्या-सामान्य जनगणना के साथ नहीं बल्कि वर्ष 2011 में जातीय गणना कराने का निर्णय लिया गया। इससे पूर्व देश में जाति आधारित जनगणना वर्ष 1931 में कराई गई थी।

❒ **निम्न में से एक सही नहीं है: (सही आँकड़े जनगणना 2011 से सम्बन्धित है)** [P.S.I. Exam, 2011]

(1) आयुवर्ग 0-6 के बीच प्रतिशत जनसंख्या भारत के मुकाबले राजस्थान में ज्यादा है
(2) साक्षरता दर भारत के मुकाबले राजस्थान में कम है।
(3) भारत के मुकाबले राजस्थान में लिंगानुपात कम है
(4) भारत के मुकाबले राजस्थान में जनसंख्या घनत्व ज्यादा है।

Ans. (4)

व्याख्या *- भारत का जनसंख्या घनत्व-382, राजस्थान का जनसंख्या घनत्व - 200 अर्थात् भारत के मुकाबले राजस्थान में जनसंख्या घनत्व कम है।*

❒ **राज्य के किस भाग में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है?** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) पूर्वी मैदानी भाग (2) दक्षिण पूर्वी पठारी भाग
(3) उत्तर पश्चिमी मरुस्थलीय भाग
(4) मध्यवर्ती अरावली पर्वतीय प्रदेश

Ans. (1)

व्याख्या -अधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिले: *इसमें राजस्थान का उत्तरी-पूर्वी भाग जिसमें जयपुर (595 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर), भरतपुर (503 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर), दौसा (476 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.) तथा अलवर (438 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.) जिले आते हैं।*

❒ **भारत सरकार एवं राजस्थान द्वारा 25 मई, 2013 को प्रस्तुत जनगणना आँकड़ों के अनुसार राजस्थान में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों की सम्मिलित जनसंख्या है-** [RAS Pre-26.10.2013]

(1) 31.3% (2) 34.2% (3) 30.7% (4) 28.5%

Ans. (1)

व्याख्या- राज्य में कुल जनसंख्या का 17.8 प्रतिशत (जनसंख्या 1,22,21,593) भाग अनुसूचित जाति (SC) का है। 2011 में राज्य में अनुसूचित जनजाति का अनुपात 13.5 प्रतिशत (जनसंख्या 92,38,534) रहा है।

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.05.2022 (I)]

(1) अनुसूचित जनजाति जनसंख्या-कुल जनसंख्या का 13.5 प्रतिशत है।
(2) कुल घरेलू उद्योग के श्रमिक-कुल श्रमिकों के प्रतिशत का 16.5 प्रतिशत है।
(3) कुल कृषि मजदूर-कुल श्रमिकों के प्रतिशत का 45.6 प्रतिशत है।
(4) कुल कृषक-कुल श्रमिकों के प्रतिशत का 2.4 प्रतिशत है।

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या लगभग .... है।**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) 92.38 लाख (2) 88.54 लाख
(3) 90.12 लाख (4) 89.28 लाख

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 में राजस्थान की कुल जनसंख्या में जनजाति जनसंख्या का प्रतिशत है?** [Asst. Jailer -15.03.2016]

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.05.2022 (I)]
[CET : 07.01.2023 (S-1)][स्कूल व्याख्याता परीक्षा-09.01.2020]
[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]

(1) 13.8 (2) 16.9
(3) 13.7 (4) 13.5

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में अनुसूचित जनजाति का ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में प्रतिशत क्या है?** (Head Master Exam - 02.09.2018)

	ग्रामीण	नगरीय
(1)	16.9	3.2
(2)	15.5	2.9
(3)	13.5	4.6
(4)	17.6	5.2

Ans. (1)

व्याख्या- 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में अनुसूचित जनजाति का ग्रामीण (16.9%) एवं नगरीय (3.2%) जनसंख्या प्रतिशत है।

❐ **सुमेलित कीजिए -** [ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]

सूची-I (राजस्थान की कुल जनसंख्या में जनजातियों का प्रतिशत 2011)	सूची- II (प्रमुख आवास-क्षेत्र)
(a) 20 प्रतिशत से कम	(1) बाराँ, बूँदी, करौली
(b) 20 से 25 प्रतिशत	(2) चित्तौड़गढ़, राजसमन्द, झालावाड़
(c) 26 से 50 प्रतिशत	(3) उदयपुर, सिरोही, दौसा
(d) 51 से 80 प्रतिशत	(4) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़

कूट	a	b	c	d		a	b	c	d
(1)	1	4	2	3	(2)	2	4	1	3
(3)	2	1	3	4	(4)	1	2	3	4

Ans. (*)

व्याख्या : राजस्थान की कुल जनसंख्या में जनजातियों का प्रतिशत 2011 -

- *20% से कम-बीकानेर एवं नागौर (0.3), झालावाड़ (12.9), चित्तौड़गढ़ (13.1), राजसमन्द (13.9)*
- *20 से 25 प्रतिशत - बूँदी (20.6), करौली (22.3), बाराँ (22.6)*
- *26 से 50 प्रतिशत - दौसा (26.5), सिरोही (28.2), उदयपुर (49.7),*
- *51 से 80 प्रतिशत - बाँसवाड़ा (76.4), डूँगरपुर (70.8), प्रतापगढ़ (63.4)*

❐ **अनुसूचित जनजाति के प्रतिशत (2011) के अनुसार जिलों का सही अवरोही क्रम है**[संरक्षण अधि.-29.5.19]

(1) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर, प्रतापगढ़
(2) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर
(3) बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, उदयपुर, डूँगरपुर
(4) डूँगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का द्वितीय स्थान पर सर्वाधिक प्रतिशत है-** [RAS- 27.10.2021]

(1) बाँसवाड़ा (2) प्रतापगढ़ (3) डूँगरपुर (4) दौसा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **उन जिलों के समूह का चयन कीजिए जहाँ 2011 की जनगणना के अनुसार, कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत 60% से अधिक था-** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर तथा उदयपुर
(2) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर तथा प्रतापगढ़
(3) डूँगरपुर, उदयपुर तथा प्रतापगढ़
(4) डूँगरपुर, उदयपुर तथा दौसा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार, किन जिलों में अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत उनकी कुल जनसंख्या में अधिकतम और न्यूनतम है-** [Head Master -11.10.2021]

(1) बाँसवाड़ा - चूरू और गंगानगर
(2) बाँसवाड़ा- बीकानेर और नागौर
(3) प्रतापगढ़ - सीकर और जोधपुर
(4) उदयपुर - भरतपुर और झुन्झुनूँ

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जनगणना 2011 के अनुसार, निम्न में से राजस्थान के कौनसे जिले में अधिकतम जनजाति जनसंख्या है-**[पटवार-23.10.2021 (Shift -I]][कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]

(1) बीकानेर (2) उदयपुर (3) जयपुर (4) कोई नहीं

Ans. (2)

व्याख्या : 2011 की जनगणना के अनुसार जनजाति संख्या उदयपुर में 15,25,289, जयपुर में 5,27,966 तथा बीकानेर में 7,779 है।

❒ **जनजाति वर्ग की आबादी के अनुसार राजस्थान का भारत में कौन-सा स्थल है?**[VDO Mains -09.07.2022] [Agriculture Officer Exam 29.01.2013]

(1) तीसरा (2) चौथा (3) पाँचवा (4) छठा

Ans. (2)

व्याख्या : 2011 की जनगणना के अनुसार जनजाति वर्ग की आबादी के अनुसार भारत में राजस्थान का चौथा (प्रथम-मध्यप्रदेश, द्वितीय-महाराष्ट्र, तृतीय-उड़ीसा) स्थान है।

❒ **किस जिले में सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या है?** [II Grade (English) Exam. 2011] [पटवार - 2008]

(1) बाँसवाड़ा (2) भीलवाड़ा (3) सिरोही (4) श्रीगंगानगर

Ans. (4)

व्याख्या - विकल्पों के आधार पर गंगानगर सही उत्तर है किन्तु जनगणना 2011 के अनुसार सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या जयपुर (1003302) जिले में है। अनुसूचित जाति का सर्वाधिक प्रतिशत क्रमशः गंगानगर (36.6%, जनसंख्या-720412), हनुमानगढ़ (27.8%), करौली (24.3%), चूरू (22.1%) है।

❒ **अनुसूचित जाति की जनसंख्या (2011) के प्रतिशत अनुसार राजस्थान के जिलों का अवरोही क्रम है?** [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]

(1) हनुमानगढ़, गंगानगर, चूरू, करौली
(2) करौली, चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर
(3) गंगानगर, करौली, हनुमानगढ़, चूरू
(4) गंगानगर, हनुमानगढ़, करौली, चूरू

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किस जिले में अनुसूचित जाति का प्रतिशत सर्वाधिक था-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]

(1) करौली (2) हनुमानगढ़ (3) बीकानेर (4) गंगानगर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वर्ष 2011 में निम्न में से कौनसे दो जिले उनकी कुल जनसंख्या में सबसे कम अनुसूचित जनजाति प्रतिशत रखते हैं?** [RAS-28.08.2016] [CET : 07.01.2023 (S-II)][RAS-05.08.2018]

(1) भरतपुर और धौलपुर (2) बीकानेर और नागौर
(3) गंगानगर और हनुमानगढ़ (4) चुरू और सीकर

Ans. (2)

व्याख्या - न्यूनतम अनुसूचित जनजाति प्रतिशत वाला जिला बीकानेर (0.3%) एवं नागौर (0.3%) है।

❒ **2001 से 2011 के मध्य निम्न में से किस जिले में अनुसूचित जनजाति की दशकीय जनसंख्या वृद्धिदर अधिकतम अंकित की गई है।**[स्कूल व्याख्याता-9.1.2020] [कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]

(1) बाँसवाड़ा (2) नागौर
(3) जैसलमेर (4) बाड़मेर

Ans. (2)

व्याख्या - 2001 से 2011 के मध्य निम्न में से किस जिले में अनुसूचित जनजाति की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर अधिकतम नागौर में 60.4 प्रतिशत अंकित की गई है।

❐ **जनसंख्या आकार में राज्य का दूसरा सबसे बड़ा जिला :** [पटवार परीक्षा - 2008]

(1) अलवर (2) भरतपुर (3) जोधपुर (4) उदयपुर

Ans. (3)

***व्याख्या** - सर्वाधिक जनसंख्या (2011) वाले पाँच जिले क्रमशः*

1. जयपुर - 66.26 लाख 2. जोधपुर- 36.87 लाख

3. अलवर - 36.74 लाख 4. नागौर - 33.07 लाख

5. उदयपुर - 30.68 लाख

❐ **निम्नलिखित में से 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की जनसंख्या से सम्बन्धित सही है/हैं?** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.02.2019]

1. बच्चों का लिंगानुपात - 888

2. महिला साक्षरता का प्रतिशत - 52.1

3. अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत - 16.9

4. नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत-25.1

(1) 1 और 2 सही (2) 2 और 4 सही

(3) 1, 2 और 3 सही (4) 2, 3 और 4 सही

Ans. (1)

***व्याख्या** - • अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत - 13.5 • नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत-24.9*

❐ **विश्व जनसंख्या दिवस 2015 की निम्न में से कौनसी एक विषय-वस्तु है?** [RAS Pre, 2015]

(1) यौवनोन्मुख गर्भावस्था पर ध्यान

(2) प्रजननीय स्वास्थ्य सेवाओं की सार्वभौमिक पहुँच

(3) आपातकाल में असुरक्षित (कमजोर) जनसंख्या

(4) जनसंख्या की प्रवृत्ति एवं सम्बन्धित मामलों पर चिन्तन का समय

Ans. (3)

***व्याख्या** - विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2023 की विषय-वस्तु 'एक ऐसी दुनिया की कल्पना करना जहाँ 8 अरब लोगों का भविष्य आशाओं और संभावनाओं से भरपूर हो' है।*

❐ **आदिवासी जनसंख्या में राजस्थान में सर्वाधिक भाग है?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008]

(1) मीणा (2) भील (3) गरासिया (4) सहरिया

Ans. (1)

***व्याख्या** -राजस्थान की जनजातियों में सर्वाधिक संख्या क्रमशः मीणा, भील, गरासिया, सहरिया जनजाति की है।*

❐ **राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार कौनसी जनजाति जनसंख्या के आधार पर द्वितीय है?** [LDC-12.08.2018]

(1) भील (2) सहरिया

(3) गरासिया (4) मीणा

Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार, 90% से अधिक राजस्थान की कुल जनजातीय जनसंख्या में शामिल हैं-** [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]

(1) मीणा तथा गरासिया (2) मीणा तथा भील

(3) भील तथा सहरिया (4) मीणा तथा सहरिया

Ans. (2) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार कौनसा जिला द्वितीय सर्वाधिक सहरिया जनसंख्या वाला है?** [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) बारां (2) झालावाड़ (3) कोटा (4) बूंदी

Ans. (3)

***व्याख्या** - बारां पहला एवं कोटा दूसरा सर्वाधिक सहरिया जनसंख्या वाला जिला है।*

❐ **राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार पुरुष कार्य-सहभागिता दर है-**(Head Master Exam-02.09.2018)

(1) 55% से 58% के बीच (2)58% से 61% के बीच

(3) 47% से 50% के बीच (4)50% से 53% के बीच

Ans. (4)

***व्याख्या** - राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार-*

- *पुरुष कार्य-सहभागिता दर - 51.5%*
- *स्त्रियों कार्य-सहभागिता दर - 35.1%*
- *कुल कार्य-सहभागिता (कर्मी) दर - 43.6%*

❐ **जनगणना 2011 के अनुसार, भारत एवं राजस्थान में कुल श्रमिकों में सीमांत श्रमिकों का प्रतिशत क्रमशः निम्न है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 24.8% एवं 29.5% (2) 29.5% एवं 33.7%

(3) 12.4% एवं 11.2% (4) 28.6% एवं 33.8%

Ans. (1)

❐ **कौनसा सही सुमेलित है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022]
(1) सबसे अधिक जनसंख्या वाला जिला- उदयपुर
(2) सबसे कम जनसंख्या वाला जिला - जयपुर
(3) सबसे कम साक्षरता वाला जिला - जालौर
(4) सबसे अधिक साक्षरता वाला जिला - जयपुर
Ans. (3)

व्याख्या *- सबसे अधिक जनसंख्या वाला जिला जयपुर, सबसे कम जनसंख्या वाला जिला जैसलमेर, सबसे अधिक साक्षरता वाला जिला कोटा है।*

❐ **जनगणना 2001 के अनुसार राजस्थान में कार्यशील जनसंख्या दर (Work Participation Rate) है?**
[RPSC III Grade Teacher Exam-2006]
(1) 39.1 (2) 42.1 (3) 44.0 (4) 48.6
Ans. (2)

व्याख्या *- जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान में कार्यशील जनसंख्या की दर 43.60 है एवं भारत में कार्यशील जनसंख्या (15-64 वर्ष) 39.8% है।*

❐ **जनगणना-2011 अनुसार, भारत एवं राजस्थान में कार्य सहभागिता दर, क्रमशः रही-**[RAS-27.10.2021]
(1) 43.6% एवं 41.8% (2) 39.8% एवं 43.6%
(3) 42.4% एवं 41.8% (4) 39.8% एवं 36.4%
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **एक दिये हुए भौगोलिक क्षेत्र में एक वर्ष में, प्रति 1000 जीवित जन्मित शिशुओं में से एक वर्ष या इससे कम आयु में मर गए शिशुओं की संख्या को कहते है-** (संगणक परीक्षा 05.05.2018)
(1) जन्म दर (2) मातृ मृत्यु दर
(3) शिशु मृत्यु दर (4) मृत्यु दर
Ans. (3)

व्याख्या *- शिशु मृत्यु दर प्रति 1000 जीवित जन्में शिशुओं मे से एक वर्ष या इससे कम उम्र में मर गये शिशुओं की संख्या है।*

❐ **आर्थिक समीक्षा 2017-18 के अनुसार शिशु मृत्युदर (IMR), प्रति हजार जीवित जन्म, 2016 में कितनी रही है-** (संगणक परीक्षा 05.05.2018)
(1) 41 (2) 34 (3) 30 (4) 20
Ans. (1)

व्याख्या *- शिशु मृत्यु दर (प्रति हजार जीवित जन्मों पर)- 2020(एस.आर.एस-2017) राजस्थान में 32 तथा भारत में 28 है।*

❐ **राजस्थान में 2013-17 में जन्म पर पुरुष जीवन प्रत्याशा थी-** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) 66.8 वर्ष(2) 66.3 वर्ष (3) 70.9 वर्ष (4) 68.5 वर्ष
Ans. (2)

व्याख्या *-नवीनतम SRS 2016-20 रिपोर्ट में राजस्थान की जीवन प्रत्याशा दर 69.4 वर्ष एवं भारत की 70 वर्ष है।*

❐ **जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में एक लाख और उससे अधिक जनसंख्या वाले कितने शहर और नगर थे ?** [Protection Officer - 28.01.2023]
[I Grade Geography-16.10.2022]
(1) 22 (2) 26 (3) 30 (4) 32
Ans. (3)

व्याख्या *- राजस्थान में एक लाख से अधिक आबादी वाले 30 शहर तथा पाँच लाख से अधिक आबादी वाले 5 शहर तथा 10 लाख से अधिक आबादी वाले 3 शहर (जयपुर, जोधपुर, कोटा) है।*

❐ **सुमेलित कीजिए-** [वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]
(A) राजसमन्द (1) 994
(B) डूँगरपुर (2) 983
(C) पाली (3) 987
(D) प्रतापगढ़ (4) 990

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	4	1	3	2	(2)	3	2	1	4
(3)	1	4	3	2	(4)	2	1	4	3

Ans. (1)

❐ **सुमेलित कीजिए (राजस्थान जनगणना 2011)-**
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]
(A) दशकीय वृद्धि (1) 200
(B) लिंग अनुपात (प्रति 1000 पुरुष) (2) 66.11%
(C) साक्षरता (3) 928
(D) घनत्व/कि.मी.^{2} (4) 21.31%

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	4	3	2	1	(2)	3	2	1	4
(3)	1	4	3	2	(4)	2	1	4	3

Ans. (1)

21. शिक्षा/साक्षरता

❐ **राजस्थान में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता दर कितनी है-**[Veterinary Officer - 02.08.2020] [III^rd Grade Ex. 2012][Jr. Accountant 04.10.16] [जेल प्रहरी -27-10-2018, S-II][स्कूल व्याख्याता-06.01.2020] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I), 14.05.2022] [स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022] [II Grade (SST& English) 2011][I Grade Teacher- 2012]

(1) 65.06% (2) 66.11% (3) 75.01% (4) 80.80%

Ans. (2)

***व्याख्या** - राजस्थान की कुल साक्षरता दर में 1951 की तुलना में 2011में (60 साल में)8 गुना से अधिक वृद्धि (66.11%) हुई है। 1951 में कुल साक्षरता 8.50%, पुरुष साक्षरता 13.88% तथा स्त्री साक्षरता 2.66% थी। 2001-2011के दशक में पिछले दशक की तुलना में स्त्री साक्षरता व पुरुष साक्षरता में अंतर कम हुआ है। राजस्थान में जनगणना 2011 के अनुसार पुरुषों की साक्षरता दर 79.2 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 52.1 प्रतिशत है।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान राज्य में पुरुष साक्षरता दर..... प्रतिशत थी, जबकि महिला साक्षरता 52.12 प्रतिशत थी।**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022] [III^rd Grade Teacher Exam. 2012]

(1) 79.19 (2) 55.15 (3) 29.11 (4) 11.12

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में 2011 में महिला साक्षरता दर कितनी रही-** [RPSC II Grade Teacher Exam-2011] [PTI (Grade-III)-25.9.2022] [वनरक्षक परीक्षा - 2013] [स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]

(1) 52.1% (2) 33% (3) 28% (4) 40 %

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में पुरुष एवं महिला साक्षरता के बीच अंतर लगभग था-**

[II Grade (SST.) -13.02.2023]

(1) 23.4% (2) 24.5% (3) 22% (4) 27%

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में ग्रामीण और शहरी आबादी की साक्षरता दर क्रमशः है-**

[PTI -30.9.2018][सहायक सांख्यिकी अधिकारी-27.5.2019] [JEN (Agri.) 10.09.2022]

(1) 61.44 व 79.68 (2) 62.43 व 78.78
(3) 63.46 व 77.72 (4) 65.45 व 76.72

Ans. (1)

***व्याख्या** - ग्रामीण-नगरीय साक्षरता दर 2011*

	राजस्थान	भारत
ग्रामीण	61.4	67.8
शहरी	79.7	84.1

❐ **वर्ष 2011 में राजस्थान में सर्वोच्च महिला साक्षरता किस जिले में अंकित की गई?** [ग्राम सेवक, 2008] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)] [LDC. Exam, 2012] [Asst. Jailer -15.03.2016] [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)][II Grade (Hindi) 2011] [I Grade Teacher (GK) -11.10.2022] [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) परीक्षा -25.03.2018]

(1) झुन्झुनूँ (2) जयपुर (3) कोटा (4) अजमेर

Ans. (3)

***व्याख्या** - सर्वाधिक महिला साक्षरता (2011) वाले जिले क्रमशः*

1. कोटा - 65.9   2. जयपुर - 64.0
3. झुँझुनूँ - 61.0   4. गंगानगर - 59.7
5. सीकर - 58.2   6. अलवर - 56.3

❐ **जनगणना -2011 के अनुसार, राजस्थान में कौनसे जिलों का युग्म, महिला साक्षरता दर में प्रथम एवं द्वितीय स्थान रखता है?**[PTI (Grade-II)-30.04.2023]

	स्थान-I	स्थान-II
(1)	कोटा	- जयपुर
(2)	जयपुर	- अलवर
(3)	कोटा	- अजमेर
(4)	कोटा	- अलवर

Ans. (1) ***व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के किस जिले में महिला साक्षरता की दर न्यूनतम है?**

[ARO-29.8.2022][HM-15.5 2012] [III Grade (Urdu) -28.02.2023][III Grade Teacher-2009] [II Grade (S-I) -29.1.2023][PSI - 14.09.2021] [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

(1) बाड़मेर (2) बाँसवाड़ा (3) सिरोही (4) जालौर

Ans. (4)

व्याख्या - न्यूनतम महिला साक्षरता (2011) वाले 5 जिले क्रमशः

1. जालौर	- 38.5	2. सिरोही	- 39.7
3. जैसलमेर	- 39.7	4. बाड़मेर	- 40.6
5. प्रतापगढ़	- 42.4		

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार निम्न में से कौनसे जिलों के समूह में सबसे कम महिला साक्षरता अंकित है-** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) कोटा, धौलपुर, जयपुर
(2) जालौर, बीकानेर, प्रतापगढ़
(3) जालौर, सिरोही, जैसलमेर
(4) बाड़मेर, बाराँ, जालौर

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किन जिलों के समूह में सबसे कम महिला साक्षरता दर अंकित किया गया?** [PSI -07.10.2018]

(1) जैसलमेर, सिरोही, जालोर, चित्तौड़गढ़
(2) जैसलमेर, सिरोही, बाँसवाड़ा, जालोर
(3) जैसलमेर, सिरोही, जालोर, बाड़मेर
(4) जैसलमेर, सिरोही, बाड़मेर, सवाई-माधोपुर

Ans. (*) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सबसे अधिक और सबसे कम महिला साक्षरता प्रतिशत, जनगणना 2011 के अनुसार, निम्न में से किन जिलों के युग्म में पायी जाती है?**[Food Safety Offi- - 27.06.2023]

[II Grade GK - 24.12.2022]

(1) जयपुर - अलवर (2) कोटा - जालौर
(3) कोटा - जैसलमेर (4) जयपुर - सिरोही

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर राजस्थान के सम्बन्ध में कौन सा कथन सही नहीं है?**

[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]

(1) सर्वाधिक महिला साक्षरता जयपुर में है।
(2) न्यूनतम महिला साक्षरता जालोर में है।
(3) महिला साक्षरता में सर्वाधिक वृद्धि डूँगरपुर में हुई।
(4) न्यूनतम पुरुष साक्षरता प्रतापगढ़ में है।

Ans. (1) ***सर्वाधिक महिला साक्षरता कोटा में है।***

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक शहरी साक्षरता दर थी-** [HM-11.10.2021]

(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) अजमेर (4) प्रतापगढ़

Ans. (2)

व्याख्या *- सर्वाधिक शहरी साक्षरता दर-उदयपुर (87.5%), सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता दर-झुन्झुनूँ (73.4%)*

❐ **राजस्थान का महिला साक्षरता की दृष्टि से भारत में कौनसा स्थान है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) 17वाँ (2) 19वाँ (3) 28वाँ (4) 21वाँ

Ans. (3)

व्याख्या *- महिला साक्षरता- 2011*
भारत *- 64.6%* ***राजस्थान*** *- 52.1%*
नोट : *बिहार (51.1%) के बाद राजस्थान का देश में नीचे से दूसरा स्थान है।*

❐ **निम्न में से किस राज्य में स्त्री साक्षरता की दर (जनसंख्या 2011) देश में सबसे कम है?**

(Head Master Exam - 02.09.2018)

(1) राजस्थान (2) बिहार (3) उत्तर प्रदेश (4) नागालैंड

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राज्य में पुरुष साक्षरता सर्वाधिक संख्या में जिस जिले में है, वह है?** [RPSC III Grade Teacher-2004]

(1) झुंझुनूँ (2) उदयपुर (3) कोटा (4) जयपुर

Ans. (1)

व्याख्या *- सर्वाधिक पुरुष साक्षरता (2011) वाले 5 जिले क्रमशः 1. झुँझुनूँ - 86.9*
2. कोटा - 86.3 3. जयपुर - 86.1
4. सीकर -85.1 5. भरतपुर - 84.1

❐ **2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के किन जिलों में न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर रही-**

[योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]
[वनरक्षक परीक्षा - 2013]

(1) चित्तौड़गढ़ तथा बीकानेर
(2) प्रतापगढ़ तथा बाँसवाड़ा
(3) बाँसवाड़ा तथा जालौर
(4) जैसलमेर तथा बूँदी

Ans. (2)

व्याख्या *-न्यूनतम पुरुष साक्षरता (2011) वाले 5 जिले -*
1. प्रतापगढ़ -69.5 2. बाँसवाड़ा -69.5
3. सिरोही -70.0 4. जालौर -70.7
5. बाड़मेर -70.9

❒ जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में साक्षरता दर सर्वाधिक पाई गई है। जिलों को ज्यादा से कम साक्षरता दर के सही क्रम में चिह्नित कीजिए- [LDC-19.08.2018]
[I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]
(1) सीकर, जयपुर, झुंझुनूँ, अलवर, कोटा
(2) जयपुर, कोटा, अलवर, सीकर, झुंझुनूँ
(3) अलवर, झुंझुनूँ, सीकर, जयपुर कोटा
(4) कोटा, जयपुर, झुंझुनूँ, सीकर, अलवर
Ans. (4)

व्याख्या - सर्वाधिक साक्षरता (2011) वाले 5 जिले क्रमश: 1. कोटा - 76.6, 2. जयपुर - 75.5, 3. झुंझुनूँ - 74.1, 4. सीकर - 71.9, 5. अलवर - 70.7

❒ 2011 की जनगणना के अनुसार निम्न में से सर्वाधिक साक्षरता वाला जिला है? [ARO-30.08.2022]
(1) जालौर (2) करौली (3) गंगानगर (4) अलवर
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के कौनसे जिलों में 75% से अधिक साक्षरता है-
[II Grade - 30.07.2023 (S- II)]
(1) जयपुर, झुन्झुनूँ (2) कोटा, जयपुर
(3) कोटा, सीकर (4) जयपुर, अलवर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में न्यूनतम साक्षरता दर किस जिले में है?
[III[rd] Gra. Teacher 2012] [II Gra. (English) 2011]
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]
(1) जालौर में (2) सवाईमाधोपुर (3) कोटा (4) टोंक
Ans. (1)

व्याख्या - न्यूनतम साक्षरता (2011) वाले 5 जिले क्रमश: 1. जालौर -54.9, 2. सिरोही -55.3, 3. प्रतापगढ़ -56.0, 4. बाँसवाड़ा - 56.3, 5. बाड़मेर - 56.5

❒ सन् 2001 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के जिस जिले की साक्षरता न्यूनतम है, वह है?
[छात्रा. अधीक्षक परीक्षा, 2008]
(1) बाँसवाड़ा (2) डूँगरपुर (3) जालौर (4) जैसलमेर
Ans. (1) *व्याख्या वर्तमान संदर्भ में उपर्युक्त प्रश्न में देखें।*

❒ 2011 की जनगणना के अनुसार कौनसा एक युग्म सही सुमेलित नहीं है? [III Grade (SST) -26.02.2023]
(1) अधिकतम जनसंख्या-जयपुर
(2) सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व - जयपुर
(3) न्यूनतम साक्षरता दर-बाड़मेर
(4) न्यूनतम लिंगानुपात-धौलपुर
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में ग्रामीण महिला साक्षरता दर है- [II Grade Teacher -28.10.2018]
(1) 49.6% (2) 52.1% (3) 45.8% (4) 41.3%
Ans. (3) *महिला साक्षरता : ग्रामीण-45.8%, शहरी-70.7%*

❒ 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में महिला साक्षरता दर थी-
[II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]
(1) 70.73% (2) 79.61% (3) 72.52% (4) 67.91%
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ वर्ष 2011 की जनगणना के अन्तिम आंकड़ों से राजस्थान की साक्षरता से सम्बन्धित तथ्यों का अध्ययन कीजिए तथा सही उत्तर कूट से चुनिए-
1. राज्य की साक्षरता दर में गत दस वर्षों में 5.69 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
2. पुरुषों में यह वृद्धि 8.25 तथा महिलाओं में 3.50 प्रतिशत है।
3. जालौर जिले में न्यूनतम, जबकि झुन्झुनूं जिले में अधिकतम साक्षरता अंकित की गई है।
4. राज्य की कुल साक्षरता 66.1 प्रतिशत अंकित की गई। [I Grade Geography-16.10.2022]
(1) 1 और 4 (2) 1, 3 और 4
(3) 3 तथा 4 (4) केवल 4
Ans. (1)

❒ 2011 जनगणना के अनुसार कौनसे जिले में एस.टी. महिला साक्षरता न्यूनतम है?
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) बाड़मेर (2) जालौर (3) सिरोही (4) पाली
Ans. (3)

❒ जनगणना 2011 के अनुसार, एक व्यक्ति जिसकी आयु 7 वर्ष या अधिक है तथा वह किसी भाषा के समझने के साथ पढ़ व लिख सकता है, वह कहलाता है- [III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) साक्षर (2) निरक्षर (3) स्नातक (4) विज्ञ
Ans. (1)

❑ **अदम्य चेतना ट्रस्ट, हैवल्स इण्डिया लि., हिन्दुस्तान जिंक लि. तथा डी. एस. सी. एल. कोटा (श्रीराम ग्रुप) आदि ट्रस्ट/कार्पोरेट संबंधित है?**[RAS -2009]

(1) हस्तशिल्प एवं औद्योगिक वस्तुओं के उत्पादन से
(2) मिड-डे-मील (मध्याह्न भोजन) योजना से
(3) राजस्थान में संरचना विकास से
(4) राजस्थान में विशेष आर्थिक क्षेत्र से

Ans. (2)

***व्याख्या* - *मिड-डे-मील कार्यक्रम के तहत अधिक जनसहयोग प्राप्त करने हेतु मिड-डे-मील ट्रस्ट का गठन किया गया है। कई औद्योगिक घरानों एवं धर्मार्थ संस्थानों द्वारा रसोईघर का निर्माण एवं अन्य सुविधाओं के लिए सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इनमें* अक्षय पात्र फाउण्डेशन, नन्दी फाउण्डेशन, हेवल्स इंडिया लि., इस्कॉन व सांवलिया जी मंदिर ट्रस्ट प्रमुख है।**

❑ **अक्षयपात्र फाउंडेशन किस कार्य से जुड़ा है?**
[Police Constable Exam-2007(III)]

(1) स्कूल में मिड-डे-मील (2) शिशु पोषाहार
(3) पीतल के पात्र निर्माण (4) कृषि

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में 'उत्सव भोज योजना' संबंधित है -**
[CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) इंदिरा रसोई योजना (2) रैन बसेरा में भोजन
(3) सामुदायिक विवाह योजना(4) मिड-डे मील योजना

Ans. (4)

❑ **सत्येन मैत्रेय पुरस्कार संबंधित है?** [जेल प्रहरी -2017]

(1)कृषिजागरण(2) परिवारनियोजन(3) साक्षरता(4) चिकित्सा

Ans. (3)

***व्याख्या*-*भारत सरकार साक्षरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देश के सर्वश्रेष्ठ तीन जिलों को* **सत्येन मैत्रेय राष्ट्रीय पुरस्कार** *से सम्मानित करती है। सत्येन मैत्रेय पुरस्कार अब तक कुल 12 बार दिया गया है।*

• ***संपूर्ण साक्षरता अभियान कार्यक्रम:*** *1977 में पाली एवं सीकर, 1998 में उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़, 1999 में जालौर तथा 2001 में जैसलमेर जिले को।*

• ***उत्तर साक्षरता कार्यक्रम :*** *2001 में दौसा, 2002 में बीकानेर तथा 2006 में हनुमानगढ़ जिले को।*

• ***सतत शिक्षा कार्यक्रम :*** *वर्ष 2004 में अजमेर, 2007 में चित्तौड़गढ़ एवं 2008 में उदयपुर जिले को।*

❑ **ऐसा विश्वविद्यालय जिसका कार्यक्षेत्र उसके शहर की सीमाओं में सीमित है ?** [S.I. Exam, 2002]

(1) राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
(2) जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
(3) महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, अजमेर
(4) कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

Ans. (2)

व्याख्या-1962 में जोधपुर में स्थापित जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र उसके शहर की सीमाओं में सीमित है।

❑ **राजस्थान में दूरस्थ शिक्षा के लिए उत्तरदायी विश्वविद्यालय कहाँ है?**[Police Constable-2007(II)]

(1) जोधपुर (2) कोटा (3) बीकानेर (4) जयपुर

Ans. (2)

व्याख्या* - *वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय :* *1987 में इसकी स्थापना कोटा में कोटा खुला विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी। 30 अगस्त, 2002 को इसका नाम परिवर्तित किया गया। यह विश्वविद्यालय पूर्ण रूप से दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था द्वारा औपचारिक उपाधियाँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यरत है।

❑ **देश के पाँच मिलिट्री स्कूलों में से दो राजस्थान में हैं। यह निम्नलिखित में से किन स्थानों पर है?**
[Police Constable Exam-2007(III)]
[School Lecturer (Sanskrit Edu.)-04.08.2020]

(1) अजमेर-धौलपुर (2) अजमेर-चित्तौड़गढ़
(3) कोटा-अजमेर (4) चित्तौड़गढ़-माउंटआबू

Ans. (1)

व्याख्या* - *राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, अजमेर (राजस्थान) की स्थापना 1930 में तथा राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, धौलपुर (राजस्थान) की स्थापना 1962 में हुई थी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में* <u>दो मिलिट्री स्कूल</u> एवं <u>तीन सैनिक स्कूल</u> हैं। पहला सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ में *7 अगस्त, 1961 से संचालित (स्थापना 24 जून, 1961 को बिग्रेडियर संकटा मैनन द्वारा) है। राज्य का* दूसरा (देश में 27वाँ) सैनिक स्कूल डोरासर गाँव, <u>झुंझुनूं</u> *(स्थापना 13 दिसम्बर, 2012,संचालन-अप्रैल, 2018) में स्थित है।* तीसरा सैनिक स्कूल *की स्थापना* <u>अलवर</u> *में मालाखेड़ा तहसील के हल्दीना गाँव में की जा रही है।

❒ **किस वर्ष से सैनिक स्कूल झुंझुनूँ ने कार्य करना आरंभ कर दिया?** [स्कूल व्याख्याता-09.01.2020]
(1) 2016 (2) 2017 (3) 2018 (4) 2015
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में शीघ्र ही तीसरे सैनिक स्कूल की स्थापना किस जिले में की जा रही है** प्रवक्ता (तकनीकी)-12.3.2021]
(1) अजमेर (2) अलवर (3) कोटा (4) सिरोही
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **8 अप्रैल, 2022 को, राजस्थान के किस जिले के सैनिक विद्यालय में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड प्रोग्रामिंग सेन्टर' का उद्घाटन किया गया?** [I Grade Teacher (GK) -11.10.2022]
(1) चितौड़ (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) झुन्झुनूं
Ans. (4)

❒ **'द इकोनॉमिक बुलेटिन' किस विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका है?** [Librarian III Grade 11.09.2022]
(1) स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
(2) महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय
(3) राजस्थान विश्वविद्यालय
(4) राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय
Ans. (3)

❒ **शार्दुल खेल विद्यालय कहाँ स्थित है?** [P. C. Exam.-2007(III)]
(1) अजमेर (2) नसीराबाद (3) बीकानेर (4) दौसा
Ans. (3)

व्याख्या *- • राजस्थान का प्रथम खेल विद्यालय - बीकानेर*
• राजस्थान का द्वितीय खेल विद्यालय - जोधपुर

❒ **राजस्थान का केन्द्रीय विश्वविद्यालय किस जिले में स्थित है-** [जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III] [III[rd] Grade Teacher Exam. 2012] [P.S.I. Exam, 2011]
(1) जोधपुर (2) जयपुर (3) अजमेर (4) सवाईमाधोपुर
Ans. (3)

व्याख्या *- विश्वस्तरीय केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के भवन की आधारशिला 26 अप्रैल, 2011 को श्री कपिल सिब्बल एवं श्री अशोक गहलोत ने अजमेर में रखी।*

❒ **राजस्थान आई.एल.डी. कौशल विश्वविद्यालय अवस्थित है**-[स्कूल व्याख्याता-9.1.2020] [RAS-5.8.2018]
(1) बाँसवाड़ा (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) उदयपुर
Ans. (2)

व्याख्या-जयपुर में दो स्किल डवलपमेंट युनिवर्सिटी *खोली गई हैं- 1. राजस्थान आईएलडी कौशल युनिवर्सिटी,* ***जामडोली,*** *2. निजी क्षेत्र में पीपीपी मोड़ पर भारतीय स्किल डवलपमेंट युनिवर्सिटी* ***महिन्द्रा सेज*** *में स्विट्जरलैण्ड के जोशी फाउण्डेशन के द्वारा।*

❒ **भारत में प्रथम 'स्किल विश्वविद्यालय' निम्न में से किस राज्य में शुरू किया गया?** [LDC-12.08.2018]
(1) राजस्थान (2) हरियाणा (3) पंजाब (4) उत्तर प्रदेश
Ans. (1) ***व्याख्या*** *: उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस विश्वविद्यालय का नाम पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया है?** [Police Constable Exam- 2013]
(1) राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर
(2) राष्ट्रीय आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर
(3) केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर
(4) राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर
Ans. (2)

व्याख्या-राष्ट्रीय आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर का नाम 13 अप्रैल 2011 में सर्वपल्ली राधाकृष्णन कर दिया गया है।

❒ **जयपुर के 'महाराजा स्कूल' की स्थापना किस वर्ष में हुई?** [II Grade GK - 22.12.2022]
(1) 1888 ई. (2) 1873 ई. (3) 1900 ई. (4) 1844 ई.
Ans. (4)

व्याख्या -स्थापना-जयपुर के माणकचौक में सवाईरामसिंह द्वितीय तथा पंडित शियोदिन ने मिलकर की।

❒ **राजस्थान के किस शहर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के लिए चिह्नित किया गया है?** [I Grade Teacher - 2012][Police Constable-2007(III)]
(1) जयपुर (2) भरतपुर
(3) जोधपुर (4) उदयपुर
Ans. (3)

व्याख्या-देश का दूसरा एम्स मेडिकल कॉलेज जोधपुर में शुरू - अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का देश में दूसरा मेडिकल कॉलेज 17 सितम्बर 2012 से जोधपुर में शुरू हो गया है। ज्ञातव्य है कि जोधपुर में एम्स का शिलान्यास 31 जनवरी, 2004 को किया गया था।

❒ **विश्व में प्रथम होम्योपैथिक विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी?** [E.O. Exam, 2007]

(1) राजस्थान में (2) कर्नाटक में
(3) महाराष्ट्र में (4) पश्चिम बंगाल में

Ans. (1)

***व्याख्या* - देश की पहली होम्योपैथी यूनिवर्सिटी, जयपुर में स्थापित होगी। इसकी स्थापना राजस्थान प्राइवेट यूनिवर्सिटी एक्ट, 2005 के तहत् डॉ. मदन प्रताप खूँटेटा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और रिसर्च सेन्टर सोसायटी द्वारा की जाएगी।**

❒ **निम्नलिखित में से सबसे नवीन विश्वविद्यालय कौनसा है-** [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]

(1) मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
(2) जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
(3) महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
(4) राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

Ans. (3)

***व्याख्या* -• महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर (स्थापना 1987)। •राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर : (स्थापना- 8 जनवरी, 1947) • जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर : (स्थापना -1962) • मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर : (स्थापना - 1962)**

❒ **राजस्थान में पुलिस यूनिवर्सिटी खोलने की घोषणा किस जिले में की गयी है?** [Police Constable- 2013]

(1) कोटा (2) उदयपुर (3) जोधपुर (4) जयपुर

Ans. (3)

***व्याख्या* - नवगठित विश्वविद्यालय**

विश्वविद्यालय	स्थान
• हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं संचार	जयपुर
• मत्स्य विश्वविद्यालय	अलवर
• बृज विश्वविद्यालय	भरतपुर
• बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय	जयपुर
• पुलिस और सुरक्षा विश्वविद्यालय	जोधपुर
• राजीव गाँधी जनजाति विश्वविद्यालय	उदयपुर
• क्रीड़ा विश्वविद्यालय	झुंझुनूँ

❒ **हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय कहाँ स्थित है?** [CET : 07.01.2023 (S-II)]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) बाँसवाड़ा में (2) उदयपुर में
(3) जयपुर में (4) अलवर में

Ans. (3) ***व्याख्या* - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।**

❒ **राजस्थान सरकार 'बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय' की स्थापना करेगी-**[कॉन्स्टेबल-16.5.2022 (II)]
[CET - 11.2.2023 (S-II)][Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) कामां, भरतपुर (2) जामडोली, जयपुर
(3) जोधपुर (4) बारां

Ans. (2) ***व्याख्या* - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।**

❒ **संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों की समझ बढ़ाने हेतु किस विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये-** [II Grade - 30.07.2023 (S-I)]

(1) हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय
(2) राजस्थान विश्वविद्यालय
(3) जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय
(4) मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय

Ans. (1)

❒ **राजस्थान राज्य में दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षण एवं शोध हेतु स्थापित किये जाने वाले विश्वविद्यालय का नाम क्या है?** [PTI (Grade-II)-30.04.2023]

(1) मोहन लाल सुखाड़िया दिव्यांग विश्वविद्यालय
(2) बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय
(3) लाल बहादुर शास्त्री दिरव्यांग विश्वविद्यालय
(4) राजीव गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय

Ans. (2)

❒ **राजस्थान विश्वविद्यालय का पुराना नाम निम्नलिखित में से कौनसा था-** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) जयपुर विश्वविद्यालय (2) मारवाड़ विश्वविद्यालय
(3) राजपूताना विश्वविद्यालय (4) मराठा विश्वविद्यालय

Ans. (3)

❒ **आयुर्वेद-विश्वविद्यालय है:**[RPSC III G T. Exam-2009]

(1) कोटा में (2) उदयपुर में (3) जोधपुर (4) बीकानेर

Ans. (3)

***व्याख्या* - डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राज. आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर - 24 जुलाई, 2002 में करवाड़, जोधपुर में स्थापित। देश का दूसरा आयुर्वेद विश्वविद्यालय (प्रथम आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर, गुजरात में) है।**

❒ **राजस्थान में शारीरिक शिक्षा व खेल विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा-** [PTI Exam - 23.02.2015] [RPSC LDC, 11 Jan 2014]

(1) सीकर (2) झुन्झुनूँ (3) जयपुर (4) अजमेर

Ans. (2)

***व्याख्या** - राजस्थान खेल विश्वविद्यालय, झुंझुनूँ की स्थापना जून, 2013 में की गई।*

❒ **पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय अवस्थित है-** [PTI Exam - 23.02.2015]

(1) सीकर (2) भरतपुर (3) जयपुर (4) जोधपुर

Ans. (1)

***व्याख्या** - **पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर** - स्थापना : 24 अगस्त, 2012 में शेखावाटी विश्वविद्यालय के नाम से। 4 जुलाई, 2014 को इसका नाम परिवर्तित कर वर्तमान नाम रखा।*

❒ **जवाहर नवोदय विद्यालय, जोजावर किस जिले में स्थित है-** [जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -III]

(1) पाली (2) सिरोही
(3) हनुमानगढ़ (4) भीलवाड़ा

Ans. (1)

***व्याख्या** - **नवोदय विद्यालयः** कोठारी आयोग की अनुशंसानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 के तहत् देश में प्रत्येक जिले में एक मॉडल स्कूल (जवाहर नवोदय विद्यालय) स्थापित करने की योजना तैयार की गई। नवोदय विद्यालय पूरी तरह आवासीय सहशैक्षिक संस्थाएँ हैं, जहाँ उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा दी जाती है।*

❒ **माणिक्य लाल वर्मा गवर्मेन्ट टेक्सटाइल एण्ड इंजीनियरिंग कॉलेज राजस्थान के किस शहर में स्थित हैं-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) दौसा (2) भीलवाड़ा (3) चूरू (4) पाली

Ans. (2)

***व्याख्या** -टेक्सटाइल एंड इंजीनियरिंग कॉलेज भारत के भीलवाड़ा, राजस्थान में माणिक्य लाल वर्मा टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट सोसायटी द्वारा प्रबंधित राजस्थान सरकार का एक स्वायत्त इंजीनियरिंग संस्थान है।*

❒ **राजस्थान के किन दो जिलों में आई.ए.एस.ई. स्थित है -** [School Lecturer (Sanskrit Edu.)-04.08.2020]

(1) अजमेर, जयपुर (2) जयपुर, उदयपुर
(3) अजमेर, जोधपुर (4) अजमेर, बीकानेर

Ans. (4)

***व्याख्या** - राजस्थान में दो उच्च अध्ययन शिक्षण संस्थान (आई.ए.एस.ई.) हैं-(1) राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षण संस्थान, बीकानेर (2) राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षण संस्थान, अजमेर*

❒ **राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा महाविद्यालयों में गुणात्मक विकास एवं सांस्थानिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा में फरवरी, 2019 में घोषित योजना रेस (RACE) है-** [Public Relation Officer 22.10.2019] [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) राजस्थान एसिसटेन्स टू कॉलेज एज्यूकेशन
(2) राजस्थान एसिसटेन्स टू कॉलेज एक्सीलेन्स
(3) रिसोर्स एसिसटेन्स टू कॉलेज एज्यूकेशन
(4) रिसोर्स एसिसटेन्स टू कॉलेज एक्सीलेन्स (उत्कृष्ट कॉलेजों के लिए संसाधन सहायता)

Ans. (4)

❒ **शिक्षा संत के रूप में प्रसिद्ध स्वामी केशवानन्द का जन्म कहाँ हुआ था?**[JEN (Mech.) Degree - 20.05.2022]

(1) मंगलूणा गाँव (2) रामपुरा बेरी
(3) बाणासूर गाँव (4) हरनावा गाँव

Ans. (1)

***व्याख्या** -स्वामी केशवानन्द जी (बचपन का नाम-बीरमा) का जन्म सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ तहसील के अन्तर्गत मंगलूणा गाँव में ढाका परिवार में हुआ।*

❒ **महाविद्यालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी करवाने हेतु आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान द्वारा हाल ही में प्रारम्भ की गई योजना है-** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) प्रतियोगिता सम्बल (2) प्रतियोगिता दर्पण
(3) प्रतियोगिता कोचिंग (4) प्रतियोगिता दक्षता

Ans. (4)

❒ **लोक जुम्बिश कार्यक्रम में किस विदेशी राष्ट्र का सहयोग है?** [S.I. Exam, 1998]

(1) फ्रांस (2) डेनमार्क
(3) स्वीडन (4) इटली

Ans. (3)

***व्याख्या* - लोक जुम्बिश (जन आंदोलन) परियोजना : जून, 1992 में स्वीडन की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी-सीडा के सहयोग से सभी के लिए शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गयी। परमाणु परीक्षणों के कारण सीडा का सहयोग बंद हो जाने के कारण कुछ समय इसे ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग एवं भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से चलाया गया। अंतत: 30 जून, 2004 को इसे सर्वशिक्षा अभियान में शामिल कर लिया गया।**

❒ **राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की स्थापना सन् 1957 के दिसम्बर माह में किस शहर में हुई?**

[Head Master 15 May, 2012] [कारापाल परीक्षा, 2012]

(1) अजमेर (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) जोधपुर

Ans. (2)

व्याख्या *- माध्यमिक शिक्षा आयोग अथवा मुदालियर आयोग 1952-53 की अनुशंषानुसार माध्यमिक शिक्षा अधिनियम, 1957 के तहत् राज्य सरकार द्वारा 01 अगस्त, 1957 को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की स्थापना राजधानी जयपुर में एक नियमित निकाय के रूप में की गई। पी. सत्यनारायण राव समिति की सिफारिश पर इसे वर्ष 1961 में अजमेर में स्थानान्तरित कर दिया गया।*

❒ **निम्नांकित में से किस समिति की अनुशंसा के आधार पर एस.आइ.ई.आर.टी. उदयपुर की स्थापना की गयी थी-** [स्कूल व्याख्याता परीक्षा-03.01.2020]

(1) वर्मा समिति (2) यशपाल समिति

(3) मेहरोत्रा (4) पालीवाल समिति

Ans. (3)

***व्याख्या* -राजस्थान में राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (State Institute of Educational Research and Training) उदयपुर में 11 नवम्बर, 1978 को मेहरोत्रा समिति की सिफारिश पर स्थापित की गई, जो शिक्षा के क्षेत्र में दिन प्रतिदिन ख्याति प्राप्त करती जा रही है, जिस प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण (NCERT) कार्य करती है।**

❒ **समग्र शिक्षा अभियान के लक्ष्य है-**

[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) स्कूल शिक्षा में सामाजिक और लैंगिक अंतराल को पाटना

(2) शिक्षा में व्यावसायिकता को बढ़ावा देना

(3) शिक्षा में गुणवत्ता प्रावधान (4) ये सभी

Ans. (4)

व्याख्या *- 1 जुलाई 2018 से समग्र शिक्षा अभियान प्रारम्भ किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डल समिति ने* ***'सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा' हेतु 1 अप्रैल, 2018-31 मार्च, 2020*** *के लिए नई एकीकृत शिक्षा योजना बनाने के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।* ***सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (रमसा) व शिक्षक शिक्षा का एकीकरण कर समग्र शिक्षा अभियान (समसा)*** *चलाया जा रहा है।* ***राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद*** *समसा योजना के क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग के लिए जिम्मेदार होगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य* ***स्कूल शिक्षा में सामाजिक और लैंगिक अंतराल को पाटना, शिक्षा में व्यावसायिकता को बढ़ावा देना, शिक्षा में गुणवत्ता प्रावधान कर उसे रोजगारोन्मुख बनाना।***

❒ **राज्य बजट भाषण 2021-22 में डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में राजस्थान इन्स्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड लर्निंग की स्थापना कहाँ रहने की घोषणा की गई-**

[VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) जोधपुर (2) अजमेर (3) कोटा (4) जयपुर

Ans. (4)

❒ **'राजीव गाँधी फिनटेक डिजिटल इन्स्टीट्यूट' की स्थापना कहाँ पर की जाएगी?** [R.A.S.- 27.10.2021]

[बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]

(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) कोटा (4) उदयपुर

Ans. (2)

***व्याख्या* -जोधपुर में राजीव गाँधी फिनटेक डिजिटल इन्स्टीट्यूट संस्थान 'स्टेट ऑफ आर्ट' के रूप में विकसित किया जा रहा है।**

❒ **राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा स्माईल कार्यक्रम की पहल की गई-**

[Assistant Professor-22.9.2021]

(1) ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को नि:शुल्क पुस्तकें प्रदान करने हेतु

(2) ग्रामीण और नगरीय दोनों क्षेत्रों में निर्धन बच्चों को भोजन और आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करने हेतु

(3) लॉकडाउन अवधि के दौरान विद्यार्थियों को घर से सीखने की सुविधा प्रदान करने हेतु

(4) लॉकडाउन अवधि के दौरान निर्धन बच्चों को भोजन और आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करने हेतु

Ans. (3)

व्याख्या – *इसका शाब्दिक आशय सोशल मीडिया के संयोजन से विद्यार्थियों में अधिगम सक्रियता को बनाए रखना है। राजस्थान स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने हेतु SMILE (Social Media Interface for Learning Engagement) कार्यक्रम की शुरुआत 13 अप्रैल, 2020 को की गई।* राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्टूडेंट्स को घर पर ही डिजिटल माध्यम से स्टडी मेटेरियल पहुंचाने के लिए 02 नवम्बर, 2020 में स्माईल प्रोग्राम 2.0 (Rajasthan SMILE Program 2.0) शुरू किया गया था। स्माइल 3.0 कार्यक्रम शैक्षिक सत्र 2021-22 का आरंभ दिनांक **21 जून, 2021** से किया गया है। स्माइल 3.0 कार्यक्रम शैक्षिक सत्र 2021-22 शिक्षा विभाग राजस्थान का **कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम** है।

❑ **राजस्थान देश का पहला राज्य है जहाँ राजकीय विद्यालयों में 'नो बेग डे' लागू किया गया है। इसके लिए निर्धारित दिन है-** [II Grade (S-I) -29.1.2023]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) मंगलवार (2) गुरुवार (3) शुक्रवार (4) शनिवार
Ans. (4)

व्याख्या – *बजट 2020-21 से राजस्थान की सभी स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को 'नो बेग डे' घोषित किया गया है।*

❑ **राजस्थान में 'बस्ता मुक्त दिवस (नो बैग डे)' पहल निम्नलिखित में से किस क्षेत्र/योजना से संबंधित है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]
(1) शिक्षा (2) स्वास्थ्य
(3) सार्वजनिक वितरण प्रणाली
(4) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा)
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के किस मेडिकल कॉलेज में पिडियाट्रिक्स एण्ड निओनेटोलॉजी संस्थान की स्थापना की जाएगी?** [CET -4.2.2023 (S- II)]
(1) एस.एन. मेडिकल कॉलेज, जोधपुर
(2) एस.एम.एस., मेडिकल कॉलेज, जयपुर
(3) जे.के. लोन हॉस्पीटल, कोटा
(4) जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज, जयपुर
Ans. (4)

❑ **16 नवम्बर 2022 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय की आधारशिला कहाँ रखी?** [CET -4.2.2023 (S- II)]
(1) अलवर (2) जोधपुर (3) बगरू (4) किशनगढ़
Ans. (3)

❑ **कौनसा कार्यक्रम राजस्थान के सरकारी स्कूलों में माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को उनके केरियर लक्ष्यों को पूरा करने के लिये उपयुक्त विषय संकायों का चयन करने में मदद करने के लिए शुरू किया जा रहा है?** [II Grade-30.07.2023 (I)]
(1) डायल फ्यूचर (2) मुस्कान कार्यक्रम (स्माइल प्रोग्राम)
(3) आपका अगला कदम (4) स्मार्ट शाला
Ans. (1)

❑ **महात्मा गाँधी की 150 वीं जयन्ती वर्ष में उनके 'न्यासिता के सिद्धान्त' से प्रेरित होकर राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में कौनसा अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है-**[प्रवक्ता (तकनीकी) -12.03.2021]
(1) उत्साह (2) उमंग (3) आनंदम (4) उल्लास
Ans. (3)

व्याख्या – *सत्र 2020-21 से नवीन विषय 'आनंदम' अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया गया हैं जो सामुदायिक सेवा एवं नागरिकों के समग्र विकास हेतु गाँधीवादी दृष्टिकोण से प्रेरित है।*

❑ **शिक्षा के अधिकार कानून के तहत स्कूलों में समाज के दुर्बल वर्गों की निःशुल्क शिक्षा हेतु कितने प्रतिशत स्थानों के आरक्षण की व्यवस्था की गई है?**
[RPSC PTI III Grade Exam. 16 May, 2012]
(1) 15% (2) 20% (3) 25% (4) 30%
Ans. (3)

व्याख्या - *देश की सर्वोच्च न्यायालय ने 12 अप्रैल, 2012 को अपने एक ऐतिहासिक फैसले में शिक्षा के अधिकार कानून को सही ठहराया है। इस निर्णय के बाद देश के सभी स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षण निर्धन परिवार के बच्चों को देना होगा।*

❑ **'शिक्षा का अधिकार' कानून कब से लागू किया गया?** [पटवार परीक्षा - 2011]
(1) 31 मार्च, 2010 से (2) 1 अप्रैल, 2010 से
(3) 8 अप्रैल, 2010 से (4) 15 अप्रैल, 2010 से
Ans. (2)

व्याख्या - *मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 1 अप्रैल, 2010 से पूरे देश में शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम- 2009 को लागू किया था।*

22. निर्धनता-बेरोजगारी

❐ **किसके द्वारा गरीबी को सर्वोत्तम तरीके से परिभाषित किया जा सकता है?** [R.A.S. Pre Exam, 1995]

(1) कृषि की उत्पादकता (2) बेरोजगारी
(3) पौषणिक आवश्यकताएँ (4) आय में असमानता

Ans. (3)

व्याख्या *- निर्धनता वह स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपनी न्यूनतम बुनियादी आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पाता है। निर्धनता को मापने के दो आधार निर्धारित किए गए है 1. न्यूनतम कैलोरी उपभोग 2. प्रति व्यक्ति प्रतिमाह व्यय। निर्धनता की अवधारणा एक निरपेक्ष अवधारणा है। छठवीं योजना में निर्धारित निर्धनता की परिभाषा के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी तथा शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी प्रति दिन प्रति व्यक्ति उपभोग का स्तर प्राप्त करने योग्य धनराशि निर्धनता रेखा है। इस रेखा से नीचे व्यय करने वाले व्यक्ति निर्धन कहलाते हैं।*

❐ **सी. रंगराजन विशेषज्ञ दल की रिपोर्ट, 2014 के अनुसार वर्ष 2011-12 में राजस्थान की कुल जनसंख्या में लगभग कितने व्यक्ति निर्धन आँके गए ?** [ग्राम सेवक 18.12.16]

(1) 2.35 करोड़ (2) 90 लाख
(3) 1.12 करोड़ (4)1.51 करोड़

Ans. (4)

व्याख्या *- सी. रंगराजन विशेषज्ञ दल की रिपोर्ट, 2014 के अनुसार वर्ष 2011-12 में राजस्थान की कुल जनसंख्या में लगभग 151.5 लाख (शहरी - 39.5 एवं ग्रामीण - 112.0 लाख) व्यक्ति निर्धन आँके गए।*

❐ **सुरेश तेन्दुलकर विधि के अनुसार राजस्थान के लिए परिकलित अनुपातों से प्राप्त कौन-से निष्कर्ष सही हैं?** [ग्राम सेवक 18.12.16]

1. राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात 2009-10 से 2011-12 के बीच 10.3 प्रतिशत बढ़ा है।
2. राज्य के शहरी क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात 2009-10 से 2011-12 के बीच 9.2 प्रतिशत घटा है।
3. राज्य में दोनों वर्षो 2009-10 व 2011-12 में निर्धनता अनुपात भारत की तुलना में घटे हैं।
4. 2011-12 में निर्धनता अनुपात राजस्थान में 14.7 प्रतिशत तथा भारत में 21.9 प्रतिशत आँका गया।

कूट: (1) 2, 3 और 4 (2) 1 और 3
(3) 1 और 4 (4) 1, 2 और 3

Ans. (1)

व्याख्या *- राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात 2009-10 से 2011-12 के बीच 10.3 प्रतिशत घटा है।*

❐ **तेंदुलकर अनुमान (2009) के अनुसार 2004-05 में भारतीय जनसंख्या का लगभग कितना प्रतिशत गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यतीत कर रहा है?**

[Head Master Exam - 02.09.2018]
[IInd Grade Spc. Edu. 2017]

(1) 20.18% (2) 25.20% (3) 30.1% (4) 37.2%

Ans. (4)

व्याख्या *- तेंदुलकर अनुमान (2009) के अनुसार 2004-05 में भारतीय जनसंख्या का लगभग 37.2 प्रतिशत (ग्रामीण - 41.8 एवं शहरी-25.7) गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यतीत कर रहा है तथा 2011-12 में घटकर 21.9% (ग्रामीण 25.7% + शहरी 13.7%)*

❐ **योजना आयोग ने हाल ही में गरीबी अनुमानों को वर्ष 2011–12 के लिये अद्यतन किया है। इन अनुमानों के अनुसार राजस्थान में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन व्यतीत करने वाली जनसंख्या का प्रतिशत है:** [RAS Pre Exam-19.11.2013]

(1) 25% (2) 20% (3) 15% (4) 22%

Ans. (3)

व्याख्या- *2011-12 में कुल जनसंख्या में निर्धनता रेखा से नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (निर्धनता अनुपात) एवं निर्धनों की कुल संख्या*

	निर्धनता अनुपात (प्रतिशत)	निर्धनों की कुल संख्या (लाख)
राजस्थान	14.71	102.92
भारत	21.92	2697.83

❐ **निम्न में से कौन गरीबी के आकलन से संबंधित नहीं है-** (IInd Grade Spc. Edu. 2017)

(1) जे. के. मेहता (2) वी. एम. डांडेकर
(3) डी. टी. लकड़ावाला (4) बी. एस. मिन्हास

Ans. (1)

व्याख्या- भारत में सर्वप्रथम (1956-57) गरीबी का अध्ययन श्री बी.एस. मिन्हास ने किया। गरीबी के मापन हेतु गठित कार्यदल -अशोक मेहता (गठन-1962), डॉ. वाई. के. अलघ समिति (गठन-1977, रिपोर्ट -1979), डी.टी. लकड़ावाला टास्क समूह (गठन- 1989, रिपोर्ट -1993), बी.एम. दाण्डेकर (1993), सुरेश डी. तेंदुलकर समिति, (गठन-2005, रिपोर्ट -2009), डॉ. सी. रंगराजन समिति, (गठन-2012, रिपोर्ट -2014)।

❒ **निम्न में से कौनसी समिति गरीबी से संबंधित नहीं है?** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]
(1) रंगराजन समिति (2) लकड़ावाला समिति
(3) तेन्दुलकर समिति(4) आर.स्वामीनाथन समिति
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसी समिति भारत में निर्धनता के अनुमानों से सम्बधित रही है?** [RAS Pre-26.10.2013]
(1) विजय केलकर समिति (2) सुरेश तेन्दुलकर समिति
(3) एस.पी. गुप्ता समिति (4) लकड़ावाला समिति
Ans. (*) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **लकड़ावाला फार्मूला सम्बन्धित है**-[संगणक- 5.5.2018]
(1) साक्षरता दर (2) स्वास्थ्य व पोषण
(3) मानव विकास प्रतिवेदन (4) गरीबी रेखा
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में रोजगार सृजन हेतु पिछली तीन वार्षिक योजनाओं में बल दिया गया है-** [LDC- 16.09.2018]
(1) प्राथमिक क्षेत्र पर (2) कौशल विकास पर
(3) IT क्षेत्र पर (4) सडकों के निर्माण पर
Ans. (2)

❒ **वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल 3 करोड़ श्रम-शक्ति (Labour Force) में कितने बेरोजगार व्यक्ति आँके गए है?** [ग्राम सेवक, 18.12.2016]
(1) 38 लाख (2) 20 लाख (3) 33 लाख (4) 30 लाख
Ans. (3)

❒ **ग्रामीण+शहरी क्षेत्रों के लिए पीएलएफएस रिपोर्ट 2020-21 के अनुसार सभी आयु समूह के लिए प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार राजस्थान राज्य की बेरोजगारी दर UR (प्रतिशत में) क्या थी?**
[Asst. Town Planner- 16.06.2023]
(1) 6.2% (2) 4.8% (3) 9.1% (4) 2.4%
Ans. (2)

❒ **संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली क्रियान्वित है?** [R.A.S. Pre Exam, 1998]
(1) राजस्थान के सभी जिलों में
(2) जनजातीय, मरुस्थलीय एवं सूखाग्रस्त क्षेत्रों में
(3) केवल मरुस्थलीय जिलों में
(4) इनमें से कोई नहीं
Ans. (2)

व्याख्या -पीडीएस को मजबूत और सुव्यवस्थित करने के साथ-साथ दूरदराज के, पहाड़ी, रिमोट और पहुंचने योग्य क्षेत्रों में अपनी पहुँच में सुधार लाने के लिए जून, 1992 में संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (आरपीडीएस) लॉन्च की गई थी। इसमें 1775 ब्लॉक शामिल थे, जिसमें सूखे प्रोन एरिया प्रोग्राम (डीपीएपी), एकीकृत जनजातीय विकास परियोजनाओं (आईटीडीपी), रेगिस्तान विकास कार्यक्रम (डीडीपी) और कुछ नामित जिले क्षेत्रों (डीएचए) जैसे विशेष विशिष्ट फोकस के लिए राज्य सरकारों के परामर्श से पहचाने गए क्षेत्र विशिष्ट कार्यक्रम, पीडीएस आधारभूत संरचना में सुधार के संबंध में।

❒ **राष्ट्रीय सैम्पल सर्वेक्षण संगठन (NSSO) के वर्ष 2011-12 के 68 वें दौर के अनुसार राजस्थान में बेरोजगारी दरों के सम्बन्ध मे निम्न में कौन-सा/कौन से तथ्य सही है/हैं?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]
1. ग्रामीण क्षेत्रों में कुल श्रम-शक्ति के 0.9 प्रतिशत पुरुष बेरोजगार हैं। 2. शहरी क्षेत्रों में कुल श्रम-शक्ति के 3.2% पुरुष बेरोजगार हैं। 3. सम्पूर्ण राज्य में कुल श्रम-शक्ति के 3.1 प्रशित व्यक्ति बेरोजगार हैं। 4. शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की दरें बहुत ऊँची हैं।
कूट: (1) 1, 3 और 4 (2) 1 और 2
(3) केवल 4 (4) 2 और 3
Ans. (2)

❒ **तेंदुलकर के अनुमानों के अनुसार 2011-12 में राजस्थान में गरीबी से नीचे जनसंख्या का प्रतिशत था-** [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) परीक्षा -25.03.2018]
(1) 22.1 (2) 8.3 (3) 16.1 (4) 4.3
Ans. (*)

व्याख्या - राजस्थान में 2011-12 में 14.7% (ग्रामीण- 16.1% तथा शहरी - 9.2%)

23. सूखा-अकाल-बंजर भूमि

❒ राजस्थान में किस वर्ष में सूखा प्रभावित जिलों की संख्या सर्वाधिक थी- [ग्राम सेवक 18.12.16]
[Librarian Garde-II Exam - 02.08.2020]
[Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 2009-11 (2) 2000-01 (3) 1987-88 (4) 2002-03

Ans. (4)

व्याख्या -राजस्थान में अकाल/अभाव की स्थिति से हुई क्षति

कृषि वर्ष	प्रभावित जिलों की संख्या	प्रभावित ग्रामों की संख्या	प्रभावित जनसंख्या (लाखों में)	भू-राजस्व* निलंबित रु. (लाख)
1981-82	25	23246	200.12	H 646.15
1991-92	30	30041	289.00	325.87
2001-02	18	7964	69.70	45.84
2002-03	**H 32**	H 40990	H 447.80	429.26
2003-04	3	649	5.82	8.80
2004-05	31	19814	227.65	167.77
2009-10	27	33464	**429.13**	459.04
2015-16	19	14487	194.87	171.55@
2016-17	**13**	5656	90.38	62.00@
2017-18	16	6838	106.50	89.38@
2018-19	9	5555	72.50	14.85@
2019-20	21	14331	150.72	
2020-21	6	2062	21.62	
2021-22	10	6122	74.28	

@ संभावित, * वित्तीय वर्ष के समंक स्रोत : राजस्व मण्डल रिपोर्ट (2021-22)

❒ राजस्थान में 2020-21 में कितने जिले अकाल से प्रभावित हुए? [VDO Mains -09.07.2022]

(1) 9 (2) 21 (3) 10 (4) 6

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 2021-22 में राजस्थान के कितने जिले अकाल से प्रभावित हुए? [CET - 11.2.2023 (S-II)]

(1) 9 (2) 10 (3) 11 (4) 12

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ वर्ष 2002-2003 में राजस्थान में कितने जिले सूखे से प्रभावित थे? [JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
[Food Safety Officer - 27.06.2023]

(1) 30 (2) 31 (3) 32 (4) 33

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित वर्षों में से किस वर्ष के अकाल में राजस्थान की सर्वाधिक जनसंख्या प्रभावित हुई है? [Assistant Agri. Officer -28.05.2022]

(1) 2009-10 (2) 2004-05
(3) 2013-14 (4) 1991-92

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ वर्ष 2016-17 में राजस्थान के कितने जिले अकाल से प्रभावित थे? [AEN Exam - 16.12.2018]

(1) 25 (2) 13 (3) 07 (4) 05

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ भयंकर अकाल जो राजस्थानी लोगों में ''छप्पनियाँ का काल'' से ज़ाना जाता हैं घटित हुआ : [JEN (Agri.) 10.09.2022][R.A.S. Pre Ex., 2010]

(1) 1899-1900 AD (2) 1905-1906 AD
(3) 1956-1958 AD (4) 1888-1889 AD

Ans. (1)*

व्याख्या -	राजस्थान में पड़ने वाले अकाल
• चालीसा अकाल	वर्ष 1783 में पड़ा अकाल
• पंचकाल	राज्य में 1812-13 में पड़ा अकाल
• छपन्नया अकाल	राज्य में वि.सं.-1956 में (सन् 1899 में) पड़ा अकाल
• सहसा-भदुसा अकाल	वि.सं.- 1899-1900 (सन् 1842-43) में पड़ा अकाल
• मेक्रो-ड्रॉउट अकाल	वर्ष 2002-03 में पड़ा अकाल जिसे वृहत अकाल भी कहते हैं।
• त्रिकाल	1987-88 व 2002-03 का अकाल

❒ विक्रम संवत 1956 के अकाल (छप्पनियाँ अकाल) के मुख्य लक्षण थे- [II Grade T. (Science) Ex., 2010]

(1) पीने के पानी की अनुप्लब्धता
(2) पशुओं के चारे की अनुप्लब्धता
(3) मनुष्यों के भोजन सामग्री की अनुप्लब्धता
(4) 1, 2 व 3 सभी

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ त्रिकाल का संबंध है-[JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) अनिश्चित वर्षा (2) चारा, भोजन व जल की कमी
(3) भूमिगत जल, वनस्पति व फसल की कमी
(4) अत्यधिक ताप

Ans. (2)

व्याख्या -• *अन्न अकाल-कृषि उपज का न होना*
- *जल अकाल-जल का अभाव*
- *तृणकाल-घास व चारे का अभाव*
- *त्रिकाल-अन्न, जल, चारे का अभाव*

❒ **राजस्थान के लिए कहावत अकाल से संबंधित है 'तीजो कुरियो, आठवों काल'। इसमें 'कुरियो' का क्या अर्थ है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]
(1) पूर्ण अकाल (2) अर्द्ध अकाल (3) त्रिकाल (4) पंचकाल
Ans. (2)

व्याख्या *– राजस्थान को सूखा व अकाल का स्थायी निवास माना जाता है, जिसके सम्बन्ध में एक कहावत प्रसिद्ध है – "तीजो कुरियो, आठवों अकाल" अर्थात् प्रत्येक तीसरे वर्ष कुरिया (छोटा/अर्द्ध अकाल) एवं प्रत्येक आठवें साल भयंकर अकाल पड़ता है। अकाल के सम्बन्ध में दोहा प्रसिद्ध है –"पग पूंगल, धड़ कोटड़े, बाहु बाड़मेर, जाये लादे जोधपुर, ठावों जैसलमेर।" अर्थात् अकाल के पैर पूंगल (बीकानेर) में, धड़ कोटड़ा (मारवाड़) में, भुजाएँ बाड़मेर में तथा तलाश करने पर यह जोधपुर में भी मिल जाता है। जैसलमेर में तो इसका ठाव (ठिकाना) है।*

❒ **अकाल के लिए प्रसिद्ध दोहे के 'पग पूंगल' के नाम से राजस्थान के कौनसे जिले की ओर संकेत किया गया है?** [CET - 11.2.2023 (S-II)]
(1) जोधपुर (2) नागौर (3) गंगानगर (4) बीकानेर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में बहुधा सूखा एवं अकाल पड़ने का मुख्य कारण है?**[RAS - 1994,98][CET -4.2.2023 (II)]
(1) अरावली का दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर प्रसार
(2) अनियमित, अपर्याप्त एवं अनिश्चित वर्षा
(3) मिट्टी एवं वनों का अवक्रमण
(4) विवेकहीन एवं अवैज्ञानिक ढंग से पानी का उपयोग
Ans. (2)

व्याख्या *- अकाल व सूखा की निरंतरता के लिए प्रमुख उत्तरदायी प्राकृतिक कारणों में जलवायु की विषमता, वर्षा की न्यूनता, अनियमितता एवं अनिश्चितता तथा भौगोलिक बनावट (61 प्रतिशत भाग में मरुस्थल) मुख्य घटक हैं। ऊपर से तापमान की अधिकता व वनस्पति की कमी के कारण इस क्षेत्र में अकाल व सूखा मेजबान की तरह रहने लगा है।*

❒ **राजस्थान में मरुस्थलीकरण का मूल कारण क्या है?** [JEN Exam - 21.08.2016]
(1) सूखे की बारम्बारता (2) मिट्टी आवरण क्षप
(3) वनस्पति आवरण क्षप (4) गहराता भूजल स्तर
Ans. (1)

व्याख्या *-सर्वे में पाया है कि 44.42% वायु से, 11.20% जल से, 6.25 प्रतिशत वनस्पति विनाश से व 1% लवणीकरण की प्रक्रिया से मरूस्थलीकरण में वृद्धि हो रही हैं इसके मुख्य कारण निम्नलिखित हैं-*
- *जलवायु की कठोरता -उच्च तापमान, न्यून वर्षा*
- *वनस्पति का अभाव एवं वनोन्मूलन*
- *जनसंख्या की वृद्धि*
- *अनियंत्रित पशुचारण*
- *संसाधनों का अत्यधिक शोषण*
- *भू-जल स्तर में गिरावट*
- *निरन्तर सूखा पड़ना*
- *भू-क्षरण*
- *वायु अपरदन में वृद्धि*
- *जहाँ सिंचाई का विस्तार है वहाँ लवणता, जल संचयन, जल रिसाव की समस्या।*

❒ **निम्न में से कौनसा राजस्थान में मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है-** [JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020] [पशुधन सहायक 04.6.2022] [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]
(1) अतिचारण (2) जनसंख्या आधिक्य
(3) जैविक कृषि (4) अति जुताई
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में मरुस्थलीकरण का सर्वप्रमुख कारण है-** [Superintendent Garden - 28.07.2021]
(1) बड़े पैमाने पर खनन कार्य
(2) वाष्पोत्सर्जन की उच्च दर
(3) अरावली पर्वतों की उच्च ऊँचाईयाँ
(4) अनियन्त्रित पशुचारण
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में मरुस्थलीकरण का मूल कारण क्या है-** [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
(1) भूमिगत जल की लवणता
(2) अनियंत्रित खनन
(3) वर्षा की न्यूनता (4) जलवायु परिवर्तन
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से कौन-सा एक मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?** [उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]
(1) कठोर मौसमी परिस्थितियाँ (2) बढ़ती आबादी
(3) वनोन्मूलन (4) अम्लीय भूमि का प्रयोग करना/अतिवृष्टि
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्न में से कौन-सा राजस्थान में मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक -26.04.2017]
[RAS (Pre), 2012]
[कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)परीक्षा- 26.03.2019]
(1) अतिचारण (2) वनोन्मूलन
(3) जनसंख्या दबाव (4) शहरीकरण
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसे कारक राजस्थान में मरुस्थलीकरण के लिये उत्तरदायी हैं?** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)-30.05.2019]
1. वनों की कटाई 2. अति पशुचारण
3. बूँद-बूँद सिंचाई 4. मृदा अपरदन
कूट: (1) 1 और 2 (2) 1, 2 और 3
(3) 1, 2 और 4 (4) 1, 3 और 4
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का मरुस्थल विश्व के इन्हीं अक्षांशों में स्थित अन्य मरुस्थलों से सर्वथा भिन्न है। यहाँ मरुस्थलीकरण प्रक्रिया के सम्बन्ध में क्या अवधारणा सटीक है?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]
(1) यह हृदयस्थल से प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(2) यह अतिचारण, अतिहलन, निर्वनीकरण तथा मृदा व जल के अनुचित प्रबन्धन के कारण प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(3) यह शुष्क क्षेत्रों से प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(4) यह सूखे के कारण प्रारम्भ होती है।
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा प्रक्रम राजस्थान में रेगिस्तानीकरण का प्रमुख कारण है?** [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
[पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018]
(1) जल अपरदन (2) वायु अपरदन
(3) लवणीकरण (4) वनस्पति अवनयन
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मरुस्थलीकरण का मानवजनित कारक नहीं है-**
[कृषि अधिकारी (कृषि विभाग)-19.1.2021]
(1) अतिचारण (2) भूमि उपयोग में परिवर्तन
(3) अल्प वर्षा (4) नगरीकरण
Ans. (3)

❐ **निम्न में से कौन-सा राजस्थान में मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?** [Librarian Garde-II - 02.08.2020]
(1) वर्षा की कम मात्रा विशेषकर पश्चिमी राजस्थान में
(2) बालुका स्तूपों का स्थिरीकरण
(3) अतिचारण
(4) भूमि उपयोग पैटर्न में परिवर्तन
Ans. (2)

❐ **राजस्थान में आपदा प्रबंध अधिनियम, 2005 कब से लागू किया गया?** [वन रक्षक परीक्षा - 2013]
(1) 1 अगस्त, 2006 से (2) 15 अगस्त, 2006 से
(3) 1 अगस्त, 2007 से (4) 15 अगस्त, 2007 से
Ans. (3)

व्याख्या *– राज्य में अकाल से निपटने के लिए* ***'आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग'*** *की स्थापना की गई है। 31 अक्टूबर, 2003 से* ***'सहायता विभाग'*** *का नाम बदलकर* ***'आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग'*** *कर दिया गया है। राज्य में 1 अगस्त, 2007 से आपदा प्रबन्धन अधिनियम, 2005 लागू कर दिया गया है।*

❐ **राजस्थान में 'सूखे' से निपटने हेतु नोडल विभाग है-** [ARO (Entomology) 28.8.2022]
(1) जल विभाग (2) आपदा प्रबन्धन एवं राहत विभाग
(3) ऊर्जा विभाग (4) आयोजना विभाग
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में 'बंजर भूमि विकास कार्यक्रम' क्रियान्वित होता है-** [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) वन विभाग द्वारा (2) कृषि विभाग द्वारा
(3) सिंचाई विभाग
(4) ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा
Ans. (4)

❐ **मरु विकास बोर्ड की स्थापना किस वर्ष में हुई-** [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
(1) 1967 (2) 1968 (3) 1969 (4) 1966
Ans. (4)

❐ **कौनसा सम्मेलन मरुस्थलीकरण की रोकथाम के लिए कार्य करता है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) UNICEF (2) UNCCD(3)UNESO (4)UNWF
Ans. (2)

व्याख्या - संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्गत तीन रियो समझौतों में से एक है। यह एकमात्र अन्तर्राष्ट्रीय समझौता है जो पर्यावरण एवं विकास के मुद्दों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है। प्रत्येक वर्ष 17 जून को 'विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस' मनाया जाता है।

❒ **राजस्थान में 2005-06 में 'मगरा क्षेत्रीय विकास योजना' शुरू की गई। यह निम्न जिलों के रहने वाले लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्तर में सुधार से सम्बन्धित थी** [RPSC LDC, 11 Jan 2014] [AEN : 16.05.2014]

(1) अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कोटा और पाली
(2) अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पाली और राजसमन्द
(3) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सिरोही और आबू
(4) चित्तौड़गढ़, पाली, उदयपुर, राजसमन्द और सिरोही

Ans. (2)

व्याख्या - मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम (2005-06 से प्रारम्भ) - राज्य के पाँच जिलों (मगरा क्षेत्र) अजमेर, भीलवाड़ा, पाली, चित्तौड़गढ़ व राजसमंद में कार्यरत यह शत-प्रतिशत राज्य वित्त पोषित योजना है।

❒ **'मगरा क्षेत्र विकास कार्यक्रम' राजस्थान में कब प्रारम्भ किया गया था?** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) 2001-02 (2) 2004-05 (3) 2005-06 (4) 2010-11

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में सूखा सम्भाव्य क्षेत्र कार्यक्रम किस वर्ष से प्रारम्भ किया गया था?** [ग्राम सेवक, 2008] [ARO-29.8.2022][कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा)- 20.03.2019] [LDC -12.8.2018, 2012][Stenographer : 30.5. 2013] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]

(1) 1974-75 (2) 1979-80 (3) 1984-85 (4) 1989-90

Ans. (1)

व्याख्या-1974-75 में शुरू हुये इस कार्यक्रम में केन्द्र व राज्य की वित्तीय भागीदारी 50:50 प्रतिशत सुनिश्चित (अप्रैल, 1999 से 75:25) की गई। यह कार्यक्रम राज्य के 11 जिलों (करौली, उदयपुर, बाँसवाड़ा, भरतपुर, झालावाड़, डूँगरपुर, सवाईमाधोपुर, कोटा, टोंक, बारां तथा अजमेर) के 32 खण्डों में चलाया जा रहा था। यह कार्यक्रम वर्तमान में समाप्त कर दिया गया है।

❒ **राजस्थान में 'सूखा संभावित क्षेत्र' कार्यक्रम कितने जिलों में चलाया जा रहा है-** [II Grade (English) 2011]

(1) 9 (2) 11 (3) 13 (4) 15

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में संचालित सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डी.पी.ए.पी.) की वित्तीय व्यवस्था के लिए केन्द्र एवं राज्य का हिस्सा कितना रखा गया है?** [CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) 60 : 40 (2) 50 : 50 (3) 90 : 10 (4) 75 : 25

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम का सम्बन्ध किस गतिविधि से नहीं है?** [CET -4.2.2023 (S-I)]

(1) मिट्टी व नमी का संरक्षण करना (2) वृक्षारोपण
(3) जल-संसाधनों का विकास (4) गरीबी निवारण

Ans. (4)

❒ **राजस्थान में मरु विकास कार्यक्रम किस सन् में प्रारम्भ हुआ?** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019] [सहायक सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा -27.05.2019] [RAS -2009] [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020] [Assist. Agri. Officer -28.05.2022][VDO Mains -09.07.2022] [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022] [CET -4.2.2023 (S-I)][II Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) 1960-61 (2) 1977-78 (3) 1982-83 (4) 1994-95

Ans. (2)

व्याख्या - राष्ट्रीय कृषि आयोग की सिफारिश पर 1977-78 में शुरू किये गये इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मरुस्थल के विस्तार को रोकना था। यह कार्यक्रम वर्तमान में समाप्त कर दिया गया है।

❒ **मरु विकास कार्यक्रम में 1 अप्रैल, 1999 से केन्द्र और राज्य के बीच वित्तीय सहयोग का अनुपात था-** [JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022] [Veterinary Officer - 02.08.2020] [LDC -12.08.2018] [RAS 14 June, 2012] [JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]

(1) 75 : 25 (2) 70 : 30 (3) 60 : 40 (4) 50 : 50

Ans. (1)

व्याख्या -1 अप्रैल, 1999 से यह कार्यक्रम केन्द्र व राज्य 75 : 25 के अनुपात में चलाया जा रहा था। राज्य के 16 जिलों (जयपुर, सीकर, झुन्झुनूँ, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर, अजमेर, पाली, नागौर, जालौर, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर व चूरू) के 85 खण्डों में चल रहा था। यह कार्यक्रम वर्तमान में समाप्त कर दिया गया है।

❒ **किसके द्वारा कमांड एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम (सीएडीपी) प्रारंभ किया गया था-**

[JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(1) राजस्थान सरकार एवं विश्व बैंक
(2) राजस्थान सरकार एवं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया
(3) भारत सरकार एवं विश्व बैंक (4) राजस्थान सरकार

Ans. (3)

व्याख्या -कमाण्ड क्षेत्र विकास कार्यक्रम [Command area development programme] : विश्व बैंक व भारत सरकार की देखरेख में पाँचवीं पंचवर्षीय योजना में शुरू किये गये इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संभाव्य सिंचाई सुविधा व उपलब्ध सिंचाई क्षमता के बीच के अंतर को कम करना है। माही व चम्बल कमाण्ड क्षेत्र विकास कार्यक्रम राज्य के प्रमुख कमाण्ड क्षेत्र विकास कार्यक्रम है।

❒ **कॉम्बेटिंग डेजर्टिफिकेशन परियोजना (मरुस्थलीकरण संघर्ष परियोजना-C.D.P.) को किस वर्ष चालू किया गया-**[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) 2001 (2) 2000 (3) 1998 (4) 1999

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान में मरु प्रसार को रोकने हेतु कॉम्बेटिंग डेजर्टिफिकेशन परियोजना को दिसम्बर, 1999 में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने स्वीकृति प्रदान की थी, जिसे 2001 में चालू किया गया।

❒ **सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम का सम्बन्ध राज्य के किन जिलों से है?**[PSI - 13.9.2021][LDC, 2014, 2012]

(1) सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर
(2) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर
(3) गंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, जैसलमेर
(4) सिरोही, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, झालावाड़

Ans. (2)

व्याख्या - सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम [Border area development programme] : 1993–94 से केन्द्र की 100 प्रतिशत सहायता के अंतर्गत शुरू किये गये इस कार्यक्रम में आधारभूत संरचना (सड़क निर्माण, विद्युतीकरण, पेयजल आदि) के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वर्तमान में यह कार्यक्रम बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर तथा गंगानगर जिले में चलाया जा रहा है।

❒ **राजस्थान के कितने जिले सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत आते हैं?** [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) चार (2) पाँच (3) छः (4) सात

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सूखे का प्रकार जब किसी क्षेत्र में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत से 75% कम होती है-**

[Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

(1) मौसमी सूखा (2) जलीय सूखा
(3) कृषिगत सूखा (4) सामाजिक-आर्थिक सूखा

Ans. (1)

❒ **डांग-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम निम्न जिलों से सम्बन्धित है?**[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

[R.A.S. Pre 1995] [Police Constable- 2013]

(1) कोटा, बूँदी, सवाई माधोपुर, धौलपुर
(2) जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालौर
(3) उदयपुर, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़
(4) नागौर, चूरू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर

Ans. (1)

व्याख्या - डांग-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम -1994–95 में राज्य के 8 जिले (भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, कोटा, बूँदी, बारां तथा झालावाड़) की 26 प्रखण्डों में यह कार्यक्रम शुरू (2004-05 से पुनः प्रारम्भ) किया गया है। इसके लिए डांग प्रादेशिक विकास बोर्ड का गठन किया गया है जो डकैत प्रभावित क्षेत्रों में आर्थिक व सामाजिक विकास करता है।

❒ **निम्न में से किस जिला युग्म से डांग क्षेत्र विकास कार्यक्रम संबंधित है?** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक-01.05.2017]

[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]

(1) उदयपुर, डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा
(2) करौली, सवाई माधोपुर, धौलपुर, बारां
(3) जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालौर
(4) जयपुर, अलवर, दौसा, टोंक

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कितने जिलों में डांग क्षेत्र विकास कार्यक्रम लागू किया जा रहा है?** [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) 6 (2) 12 (3) 10 (4) 8

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'मेवात क्षेत्र विकास कार्यक्रम' कितने जिलों में विस्तृत है?** [II Grade GK -31.10.2018]

(1) तीन (2) चार (3) दो (4) पाँच

Ans. (3)

व्याख्या - मेवात प्रादेशिक विकास योजना [Mewat regional development project] - यह योजना 1987 में अलवर की 8 और भरतपुर जिले (वर्तमान में डीग) की 3 पंचायत समितियों में मेव जाति के लोगों की आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए प्रारम्भ की गई। यह कार्यक्रम शत-प्रतिशत राज्य सरकार के सहयोग से संचालित है।

सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम एवं डांग क्षेत्र विकास कार्यक्रम का वर्णन इसी अध्याय के पूर्व प्रश्नों की व्याख्या में किया जा चुका है।

❐ **मेवात क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत किन जिलों को शामिल किया गया है?** [LDC - 16.09.2018]

(1) अलवर और टोंक (2) झालावाड़ और पाली
(3) अलवर और भरतपुर (4) अलवर और धौलपुर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **देश के 142 डेजर्ट ब्लॉक में से राजस्थान में कितने डेजर्ट ब्लॉक हैं-** [RPSC II Grade Teac. Ex-2011]

(1) 90 (2) 40 (3) 100 (4) 85

Ans. (4) *राजस्थान में 85 डेजर्ट ब्लॉक है।*

❐ **राज्य व राष्ट्रीय लैण्ड यूज बोर्ड तथा राष्ट्रीय लैण्ड रिसोर्सेज कन्जर्वेशन व डवलपमेंट कमीशन जिन समस्याओं से मुख्यतः जुड़े हुए हैं उनका संबंध है-** [RAS Exam-1993]

(1) अन्तर्राज्यीय जल विवादों से
(2) बंजर भूमि के उचित उपयोग से
(3) खेती योग्य भूमि की पहचान व उसके विकास से
(4) भूमि व मिट्टी के क्षरण व अपकर्षण से

Ans. (2)

व्याख्या -राज्य व राष्ट्रीय लैण्ड यूज बोर्ड तथा राष्ट्रीय लैण्ड रिसोर्सेज कन्जर्वेशन व डवलपमेंट कमीशन बंजर भूमि के उचित उपयोग सम्बन्धी समस्याओं का निदान करता है।

❐ **राजस्थान में बंजर भूमि विकास के सम्बन्ध में निम्न कथनों का परीक्षण कीजिए तथा नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-** [ग्राम सेवक- 18.12.2016]

1. राज्य में वर्तमान (2013-14) में भू-उपयोग हेतु कुल प्रतिवेदित क्षेत्र में लगभग 19 प्रतिशत भूमि बंजर भूमि है।

2. राज्य में गत 30 वर्षों में पुरानी पड़त भूमि में लगभग 18 प्रतिशत की कमी आई है।

3. राज्य में बंजर भूमि विकास कार्यक्रम को क्रियान्वित करने का उत्तरदायित्व राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड का है।

4. राज्य में एकीकृत बंजर भूमि विकास योजना स्वीडिश अन्तर्राष्ट्रीय विकास एजेन्सी (SIDA) के सहयोग से वर्तमान में 10 जिलों में चल रही है।

कूट-(1) 1 व 2 (2) 2 व 4 (3) 1 व 3 (4) 1, 2 व 4

Ans. (1)

व्याख्या -1989-90 से राज्य में एकीकृत बंजर भूमि विकास योजना केन्द्र द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है, जो 1992-93 से वर्तमान में 10 जिलों में व्यर्थ भूमि विकास कार्यक्रम द्वारा संचालित किया जा रहा है।

❐ **राजस्थान में मरुस्थलीकरण के प्रसार को रोकने के लिए किस नहर के निकट 'हरित पट्टिका' का विकास किया गया है?**[क. अनुदेशक (वेल्डर)-26.3.2019]

(1) इंदिरा गाँधी नहर (2) गंग नहर
(3) चम्बल नहर (4) भरतपुर नहर

Ans. (1)

❐ **मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा किस कार्यक्रम की शुरुआत की गई ?** [II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) प्रोजेक्ट ग्रीन (2) प्रोजेक्ट ट्री
(3) प्रोजेक्ट बोल्ड (4) प्रोजेक्ट रेन

Ans. (3)

❐ **निम्न में से कौन-से विकास कार्यक्रम राजस्थान में जनजाति अर्थव्यवस्था के सुधार से प्रत्यक्षतः सम्बन्धित नहीं हैं?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]

1. संशोधित क्षेत्र-विकास उपागम तथा कलस्टर योजना
2. राजस्थान आजीविका मिशन (RMOL)
3. मेवात, डांग तथा मगरा क्षेत्र विकास कार्यक्रम
4. स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY)

कूट :(1)1 और 2 (2) 2, 3 और 4(3) 1, 2 और 3 (4) 1

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान में बेरोजगारी निवारणार्थ राजस्थान आजीविका मिशन (RMOL) प्रारम्भ किया गया तथा ग्रामीण गरीबों के स्वरोजगार हेतु स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY) प्रारम्भ की गई। मेवात, डांग तथा मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम है।

❑ **संशोधित/परिवर्तित क्षेत्र विकास कार्यक्रम किस वर्ष से शुरू हुआ?** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)-30.5.2019] [Librarian III Gr. 11.9.2022] [व. कम्प्यूटर अनुदेशक -19.6.2022] [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) 1978-79 (2) 1980-81 (3) 1985-86 (4) 1974-75

Ans. (1)

***व्याख्या* -संशोधित क्षेत्र विकास उपागमन [Modified area development approach - MADA] : 1978-79 में** प्रारंभ किये गये इस कार्यक्रम के अंतर्गत 13 जिलों (सिरोही, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, झालावाड़, टोंक, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, जयपुर, पाली व अलवर) के 36036 गाँवों की जनजाति शैक्षणिक विकास, हथकरघा, दरी, बुनाई, लकड़ी के काम व लघु सिंचाई कार्यक्रम से लाभान्वित हो रहे हैं।

❑ **राजस्थान का वर्तमान में कौन-सी प्राकृतिक आपदा से सम्बन्ध नहीं है?**[क. अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.3.2019]

(1) भूकम्प (2) बाढ़ (3) सूखा (4) सुनामी

Ans. (4)

व्याख्या - *चक्रवात, बाढ़, भूकम्प एवं सूखा प्राकृतिक आपदाएं हैं जबकि सुनामी एक जापानी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है- ''पोताश्रय तरंगें'' क्योंकि सुनामी आने पर पोताश्रय नष्ट हो जाते हैं। भूकंप, ज्वालामुखी उद्गार, या जल के नीचे भूस्खलन के कारण महासागरीय जल अत्यधिक विस्थापित होता है। इसके परिणामस्वरूप 15 मीटर तक की ऊँचाई वाली विशाल ज्वारीय तरंगें उठ सकती हैं, जिसे सुनामी कहते हैं।*

❑ **सहरिया विकास कार्यक्रम किस वर्ष में शुरू हुआ?** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) 1997-98 (2) 1985-86 (3) 1993-94 (4) 1989-90

Ans. (*)

***व्याख्या* - सहरिया जनजाति विकास कार्यक्रम [Sahariya Tribal Development Programme] : 1977-78** में प्रारंभ किये गये इस कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि, पशुपालन, वानिकी, कुटीर उद्योग, शिक्षा, ग्रामीण पेयजल आदि सुविधाएँ उपलब्ध करवायी जाती है। वर्तमान में यह कार्यक्रम बारां जिले के शाहबाद व किशनगंज पंचायत समितियों में चलाया जा रहा है।

❑ **सहरिया विकास कार्यक्रम...में लागू किया गया था।** [III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) शाहबाद व किशनगंज (2) शाहबाद व अटरू

(3) छबड़ा व किशनगंज (4) छबड़ा व अटरू

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **अकाल की सर्वाधिक तीव्रता....जिले में होती है।** [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) जैसलमेर (2) पाली (3) जालौर (4) बाड़मेर

Ans. (2)

व्याख्या - *वर्ष 2022 में पाली जिले को सूखे के कारण अभाव ग्रस्त घोषित किया गया तथा 15 अन्य जिलों को बाढ़ के कारण अभावग्रस्त घोषित किया गया।*

❑ **दीर्घकालीन अकालग्रस्त क्षेत्र के अन्तर्गत राजस्थान के निम्नांकित जिलों के समूह में कौनसा सही है?** [ARO (Horticultue, Botany) 27.8.2022]

(1) हनुमानगढ़,बीकानेर, करौली (2) श्रीगंगानगर,पाली, चूरू

(3) नागौर, जयपुर, बाड़मेर (4) जोधपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा

Ans. (4)

❑ **किसी भी क्षेत्र को न्यूनतम सूखा ग्रस्त क्षेत्र घोषित करने के लिए कितनी वार्षिक, वर्षा की मात्रा होनी चाहिए?** [ARO (Horticultue, Botany) 27.8.2022]

(1) 70 से 100 सेमी. (2) 40 से 50 सेमी.

(3) 60 सेमी. 80 सेमी. (4) 30 से 40 सेमी.

Ans. (1)

❑ **राजस्थान सरकार ने 'राज्य में उपजाऊ भूमि के मरुस्थलीकरण को रोककर और उलट कर' मिट्टी को बचाने के लिए किसके साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं ?**[Asst. Town Planner- 16.06.2023]

(1) पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन (2) ईशा फाउंडेशन

(3) श्री लाइफ ग्लोबल फाउंडेशन (4) रिलायंस फाउंडेशन

Ans. (2)

***व्याख्या* - ईशा फाउण्डेशन के साथ एमओयू** - *राजस्थान में उपजाऊ मिट्टी के मरूस्थलीकरण को रोककर और उलट कर मिट्टी को बचाने की पहल के लिये ईशा फाउंडेशन के साथ कृषि विभाग (राजस्थान) समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाला राजस्थान दूसरा (प्रथम गुजरात) राज्य है।*

❑ **राजस्थान के मरु क्षेत्र हेतु जल पुनर्गठन परियोजना का वित्त पोषण किस एजेन्सी ने किया है?**[CET-5.2.2023]

(1) विश्व बैंक (2) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बैंक

(3) न्यू डवलपमेंट बैंक (4) एशियन डवलपमेंट बैंक

Ans. (3)

24. ऊर्जा संसाधन

❑ **दिसम्बर, 2017 तक राजस्थान राज्य में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी थी?** [संगणक - 5.5.2018]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]
(1) 19536.77 मेगावॉट (2) 15556.66 मेगावॉट
(3) 16413.44 मेगावॉट (4) 22417.11 मेगावॉट
Ans. (1)

व्याख्या : *दिसम्बर 2021 तक 23,321.40 मेगावॉट थी, जो 30 नवम्बर, 2022 तक अधिष्ठापित क्षमता बढ़कर **23,487.46** मेगावॉट हो गई है। वर्तमान में राज्य के कुल ऊर्जा उत्पादन में क्रमशः तापीय ऊर्जा (लगभग 62%), पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, बायोमास का योगदान है।*
(स्रोत : आर्थिक समीक्षा 2022-23)

❑ **राजस्थान में ऊर्जा की धारित शक्ति में ताप ऊर्जा का लगभग अनुपात कितना है?** [कॉलेज व्याख्याता -16]
(1) 90% (2) 60% (3) 33% (4) 80%
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **दिसम्बर, 2020 तक, राजस्थान की स्थापित विद्युत क्षमता है-** [VDO-27.12.2021 (S-II)]
[Superintendent Garden - 28.07.2021]
(1) 20613 MW (2) 21148 MW
(3) 21836 MW (4) 19764 MW
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में दिसम्बर, 2021 तक ऊर्जा की अधिष्ठापित क्षमता क्या थी?** [CET - 11.2.2023 (I)]
[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
[II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]
(1) 21836 मेगावॉट (2) 19712 मेगावॉट
(3) 23321 मेगावॉट (4) 24810 मेगावॉट
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में ऊर्जा का प्रमुख स्रोत क्या है?** [LDC Exam -19.08.2018]
(1) वायु ऊर्जा (2) तापीय शक्ति
(3) जल विद्युत (4) अणु ऊर्जा
Ans. (2)

व्याख्या *- राजस्थान में ऊर्जा का प्रमुख स्रोत तापीय शक्ति (कोयला, गैस, नेष्था, तेल, तरल ईंधन आदि) है।*

❑ **राजस्थान को निम्न में से किस स्रोत से सर्वाधिक ऊर्जा प्राप्त होती है?** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]
(1) सौर ऊर्जा (2) तापीय (3) जल विद्युत (4) पवन
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना ने बिजली उत्पादन शुरू कर दिया है-** [P.S.I. Ex., 2011]
(1) जैसलमेर जिले के हमीरा में
(2) नागौर जिले के खींवसर में
(3) बाड़मेर जिले के आलमसर में
(4) चूरू जिले के कानरवास में
Ans. (2)

व्याख्या *-नागौर जिले के खींवसर में रिलायंस इण्डस्ट्रीज के निवेश की 5 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना के पहले चरण में स्थापित 1.67 मेगावॉट क्षमता से बिजली का उत्पादन शुरू (31 मार्च, 2011) हो गया है।*

❑ **ऊर्जा संकट राजस्थान की मुख्य समस्या है। कौनसा ऊर्जा-स्रोत ग्रामीण-राजस्थान में अधिक सहायक होगा -** [R.A.S. Pre. Exam 1998]
(1) पवन ऊर्जा (2) सौर ऊर्जा
(3) विद्युत ऊर्जा (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं
Ans. (2)

व्याख्या *- ग्रामीण राजस्थान में ऊर्जा संकट की समस्या को दूर करने में सबसे अधिक सहायक स्त्रोत बायो गैस है जबकि दूसरा स्थान सौर ऊर्जा का है।*

❑ **"ऊर्जा संकट राजस्थान की प्रमुख समस्या है।" निम्नांकित में से कौनसा ऊर्जा स्रोत ग्रामीण राजस्थान में अधिक सहायक है-** [R.A.S. Pre. Exam-2000]
(1) पवन ऊर्जा (2) बायो-गैस
(3) सौर ऊर्जा (4) तापीय ऊर्जा
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में मथानिया स्थान (जोधपुर जिला) पर स्थित ऊर्जा परियोजना का आधार है?** [ग्राम सेवक-2008]
[R.A.S. Pre Exam, 1999]
(1) सौर ऊर्जा (2) पवन ऊर्जा
(3) गैसीय ऊर्जा (4) अणु ऊर्जा
Ans. (1)

व्याख्या -जोधपुर ग्रामीण के मथानिया संयंत्र में विद्युत उत्पादन के लिए अधिकांश मात्रा में नेप्था की होने से इसे मिश्रित ईंधन परियोजना नाम दिया गया है। इस सौर मिश्रित चक्रीय परियोजना में 35 मेगावाट सौर ऊर्जा से, 70 मेगावॉट प्राकृतिक गैस से एवं 35 मेगावाट विद्युत उत्पादन गैस टरबाइन से निकलने वाली भाप से किया जायेगा।

❒ **मथानिया सौर ऊर्जा परियोजना स्थित है:**
[RPSC Head Master Exam. 15 May, 2012]
(1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) नागौर (4) बीकानेर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इनमें से सौर ऊर्जा सयंत्र कहाँ स्थापित किया गया है?** [RPSC LDC. Exam, 2012]
(1) चूरू (2) माउन्ट आबू (3) पुष्कर (4) मथानिया
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **धौलपुर पॉवर प्रोजेक्ट आधारित है:**
[RPSC Head Master Exam. 15 May, 2012]
[RAS (Pre) Exam. 14 June, 2012]
(1)लिग्नाइट पर(2) गैस पर (3)नैप्था पर(4) डीज़ल पर
Ans. (2)

व्याख्या - धौलपुर पॉवर प्रोजेक्ट परियोजना चम्बल नदी के किनारे धौलपुर में स्थापित की गई है। यह राजस्थान की दूसरी गैस आधारित परियोजना है। राज्य सरकार ने 19 अप्रैल, 2010 द्वारा धौलपुर गैस थर्मल परियोजना में 110 मेगावाट क्षमता की तीन और इकाइयों की स्थापना के लिए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है जिनमें से 2 गैस आधारित तथा 1 भाप आधारित होगी।

❒ **राजस्थान में गैस आधारित थर्मल पॉवर स्टेशन कहाँ पर स्थित है?** [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]
(1) धौलपुर (2) सीकर (3) भीलवाड़ा (4) नागौर
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में प्रथम सौर पार्क (सोलर पार्क) की स्थापना कहाँ की जाएगी?** [RAS (Pre) , 2012]
[संरक्षण अधिकारी परीक्षा-29.05.2019]
(1) बालोतरा (2) भड़ला (3) पोखरन (4) शेरगढ़
Ans. (2)

व्याख्या : राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में प्रथम सौलर पार्क भड़ला (बाप, फलौदी जिला) में विकसित किया गया है। इस पार्क के प्रथम चरण का शिलान्यास 21 अगस्त, 2013 को किया गया। भड़ला, जोधपुर में 2,245 मेगावाट क्षमता का सोलर पार्क चार चरणों (फेज) में विकसित किया गया है :

*• **भड़ला सोलर पार्क फेज-प्रथम** (65 मेगावाट) का विकास **राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड,** जो कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम की सहयोगी कम्पनी है, के द्वारा किया गया है।*

*• **भड़ला सोलर पार्क फेज-द्वितीय (680 मेगावाट)** का विकास राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड जो कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम की सहयोगी कम्पनी है, के द्वारा किया गया है।*

*• **भड़ला सोलर पार्क फेज-तृतीय** (1,000 मेगावाट) आई.एल. एण्ड एफ.एस. एनर्जी डवलपमेंट कम्पनी एवं राज्य सरकार की संयुक्त उपक्रम कम्पनी (जेवीसी) मैसर्स सौर्य ऊर्जा कम्पनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड (सुराज) द्वारा विकसित किया गया है।*

*• **भड़ला सोलर पार्क फेज-चतुर्थ** (500 मेगावाट) मैसर्स अडानी रिन्युएबल एनर्जी पार्क राजस्थान लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है जो कि मैसर्स **अडानी रिन्युएबल एनर्जी पार्क लिमिटेड** व राज्य सरकार की संयुक्त उपक्रम कम्पनी है।*

❒ **भड़ला चरण-IV (500 MW) का ऐसा सौर पार्क है जो राजस्थान सरकार और ... समूह के बीच संयुक्त उद्यम में विकसित किया गया है-**
[राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]
(1) रिलायंस (2) अडानी (3) टाटा(4) आईएल एंड एफएस
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान सौर पार्क विकास कंपनी लि. द्वारा कौनसा सौर पार्क विकसित किया है**-[VDO-28.12.2021 (S-I)]
[मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
(1) भड़ला फेज-II (680 मेगावाट)
(2) भड़ला फेज-III (1000 मेगावाट)
(3) भड़ला फेज-IV (500 मेगावाट)
(4) फलोदी -पोखरण (750 मेगावाट)
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भड़ला सोलर पार्क अवस्थित है-**
[वनरक्षक-11.12.2022(S-I)] [कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]
[III Grade (Hindi) -26.02.2023]
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) बाड़मेर (4) जालौर
Ans. (2)* *व्याख्या : वर्तमान में फलौदी जिले में है।*

❒ **राजस्थान के कौनसे जिले में भारत का सबसे बड़ा सोलर पार्क स्थापित किया गया है?**
[I Grade Teacher (GK) -15.10.2022] [REET –24.07.2022]
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर (3) बाड़मेर (4) बीकानेर
Ans. (1)* *व्याख्या : वर्तमान में फलौदी जिले में है।*

❒ **राजस्थान सरकार द्वारा पहली बार सौर ऊर्जा नीति घोषित की गई-** [RAS (Pre) Exam. 14 June, 2012]

(1) 2011 (2) 2010 (3) 2009 (4) 2008

Ans. (1)

व्याख्या - *राजस्थान सरकार द्वारा पहली बार सौर ऊर्जा नीति 13 अप्रैल 2011 घोषित की गई, तत्पश्चात 8 अक्टूबर, 2014 को राजस्थान सौर ऊर्जा नीति जारी की गई। वर्तमान में 19 दिसम्बर, 2019 को सौर ऊर्जा नीति तथा पवन एवं हाईब्रिड ऊर्जा नीति - 2019 घोषित की गई है।*

❒ **राजस्थान सौर ऊर्जा नीति कब जारी की गई?** [संरक्षण अधिकारी परीक्षा-29.05.2019]

(1) 8 अक्टूबर, 2013 (2) 8 अक्टूबर, 2014
(3) 8 अक्टूबर, 2015 (4) 8 अक्टूबर, 2016

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसे वर्ष में राजस्थान सौर ऊर्जा नीति घोषित की गई है-** [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) 2015 (2) 2017 (3) 2019 (4) 2018

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान सरकार द्वारा ''राजस्थान पवन एवं हाईब्रिड ऊर्जा नीति' किस वर्ष में घोषित की गई-**
[Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]

(1) 2015 (2) 2017 (3) 2018 (4) 2019

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की पवन ऊर्जा नीति निम्न में से किस वर्ष में तैयार की गई थी-** [कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) 2002 (2) 1987 (3) 2012 (4) 2019

Ans. (3) *18 जुलाई, 2012 को पवन ऊर्जा नीति जारी की गई थी।*

❒ **2015 जून तक, भारतीय राज्यों में सौर ऊर्जा उत्पादन में राजस्थान का कौनसा स्थान है-** [LDC- 23.10.16]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) चौथा (2) सातवाँ (3) पहला (4) छठवाँ

Ans. (3)

व्याख्या : *31 अगस्त, 2021 से पुनः सौर ऊर्जा उत्पादन में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान हो गया है।*

❒ **निम्न में से कौनसी संस्था राजस्थान में गैर-पारम्परिक ऊर्जा के उत्पादन को प्रोत्साहित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है?** [LDC 23.10.16]
[RAS (Pre) 2012] [RAS-28.08.2016]

(1) रूडा (RUDA)
(2) राजस्थान नवीनीकृत (Renewable) ऊर्जा निगम
(3) राजस्थान गैर-पारम्परिक ऊर्जा निगम
(4) राजस्थान गैर-पारम्परिक ऊर्जा निर्माण निगम

Ans. (2)

व्याख्या - *राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम [Rajasthan Renewable Energy Corporation : RREC] -यह सार्वजनिक निगम राज्य में गैर-परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के विकास एवं विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थापित करने हेतु राजस्थान ऊर्जा विकास एजेंसी (REDA : 21 जनवरी, 1985 में स्थापित की गई यह संस्था गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों का विकास करती है) एवं राजस्थान स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लि. (RSPCL) का एकीकरण कर 9 अगस्त, 2002 को स्थापित किया गया। यह राज्य में पवन, सौर, बायोगैस एवं बायोमास से विद्युत उत्पादन हेतु प्रयासरत है।*

❒ **अगस्त, 2002 में पूर्ववर्ती राजस्थान ऊर्जा विकास अभिकरण (REDA) और राजस्थान राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (RSPCL) का विलय कर निम्नलिखित में से कौनसा विभाग बनाया गया?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]

(1) राजस्थान ऊर्जा निगम लिमिटेड
(2) राजस्थान अक्षय ऊर्जा विकास निगम
(3) राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड
(4) राजस्थान क्षेत्रीय ऊर्जा विकास निगम

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस वर्ष राजस्थान ऊर्जा विकास अभिकरण (REDA) की स्थापना हुई ?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
[वनपाल-06.11.2022(S-II)]
[कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) 1985 (2) 1988 (3) 1984 (4) 1989

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में गैर-परम्परागत स्रोतों से ऊर्जा के उत्पादन हेतु भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की नोडल एजेन्सी कौनसी है?** [LDC Exam - 16.09.2018]

(1) राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लि.
(2) राजस्थान राज्य विद्युत बोर्ड
(3) राजस्थान अक्षय ऊर्जा फाउंडेशन
(4) जयपुर विद्युत वितरण निगम लि.

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के बारे में तथ्य सही नहीं है-** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) यह ऊर्जा क्रय-विक्रय व्यवसाय के लिए बनाया गया।

(2) इसे कम्पनीज एक्ट, 2013 के अन्तर्गत समामेलित किया गया।

(3) मंत्रिमण्डल निर्णय के पश्चात् यह 2015 में गठित की गई।

(4) यह वितरण निगमों, प्रसारण निगम एवं उत्पादन निगम की सूत्रधारी कम्पनी है।

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आर.आर. ई. सी. एल.) का गठन, किन दो संस्थाओं का विलय करके किया गया-**[संगणक परीक्षा-19.12.2021]

(1) राजस्थान विद्युत मंडल एवं धारणीय ऊर्जा निगम लिमिटेड

(2) राजस्थान गैर पारम्परिक ऊर्जा लिमिटेड एवं धारणीय ऊर्जा निगम लिमिटेड

(3) राजस्थान ऊर्जा विकास एजेन्सी एवं राजस्थान विद्युत वितरण निगम

(4) राजस्थान राज्य ऊर्जा निगम लिमिटेड एवं राजस्थान ऊर्जा विकास एजेन्सी

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सौर ऊर्जा एण्टरप्राइज क्षेत्र निम्न में से किन जिलों में है?** [Police Constable Exam- 2013] [R.A.S. Pre Exam - 1999]

(1) जोधपुर-बाड़मेर-जैसलमेर (2) नागौर-जोधपुर-पाली

(3) जैसलमेर-नागौर-बाड़मेर (4) जोधपुर-जालौर-बाड़मेर

Ans. (1)

व्याख्या -जोधपुर, बाड़मेर व जैसलमेर के क्षेत्र में सौर-ऊर्जा के विकास की विपुल सम्भावनाओं को देखते हुए इसे SEEZ [Solar Energy Enterprise Zone (सौर-ऊर्जा-उपक्रम क्षेत्र)] की संज्ञा दी गयी है। नये जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त फलौदी, बालोतरा, जोधपुर ग्रामीण को भी सौर-ऊर्जा-उपक्रम क्षेत्र में शामिल किया जा सकता है।

❒ **राजस्थान में गैस आधारित विद्युत परियोजना कहाँ स्थित है?** [Stenographer Exam : 30.05. 2013] [CET - 11.2.2023 (S-II)]

(1) छबड़ा (2) पलाना (3) अन्ता (4) सूरतगढ़

Ans. (3)

व्याख्या - अंता गैस (बारां) - राजस्थान में स्थापित केंद्र सरकार की प्रथम गैस विद्युत परियोजना। नेशनल हाइड्रोपॉवर कोर्पोरेशन द्वारा संचालित। राज्य में अंश-19.81%, कुल क्षमता-419.33 MW

❒ **प्राकृतिक गैस पर आधारित 'शक्ति परियोजना' स्थित है?** [RPSC II Grade Teacher Exam-2011]

(1) भिवाड़ी (2) उदयपुर (3) बीकानेर (4) रामगढ़

Ans. (4)

व्याख्या - रामगढ़ गैस तापीय परियोजना : जैसलमेर जिले के रामगढ़ क्षेत्र में प्राकृतिक गैस पर आधारित इस परियोजना की उत्पादन क्षमता 273.5 मेगावाट है। यह राज्य द्वारा संचालित राज्य की प्रथम गैस आधारित विद्युत परियोजना है।

❒ **रामगढ़ गैस विद्युत केन्द्र (गैस पॉवर स्टेशन) राजस्थान के किस जिले में स्थित है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) जैसलमेर (2) बारां (3) कोटा (4) पाली

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में परमाणु केन्द्र कहाँ स्थित है**[RAS 2003] [II Grade Teacher Exam -2011][संगणक - 05.05.2018] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-2007, 06.11.2020 (II)]

(1) रावतभाटा (2) सूरतगढ़ (3) उदयपुर (4) भीलवाड़ा

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान परमाणु ऊर्जा शक्ति गृह, रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) : नाभिकीय ऊर्जा निगम (Nuclear Power Corporation) द्वारा संचालित इस बिजली घर को कनाडा के सहयोग से 1965 में स्थापित किया गया तथा 16 दिसम्बर, 1973 में उत्पादन शुरू हुआ। यह देश का दूसरा (तारापुर के बाद) तथा राजस्थान का पहला परमाणु ऊर्जा स्टेशन है। दाबित भारी पानी किस्म के रिएक्टर की श्रृंखला में भी यह देश का प्रथम बिजलीघर है। इसकी वर्तमान सृजित क्षमता 1180 मेगावाट (राज्य का अंश 412.74 मेगावाट) है। रावतभाटा 6 इकाइयों के साथ देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादित करने वाला दूसरा सबसे बड़ा केन्द्र है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान का दूसरा परमाणु बिजली घर बाँसवाड़ा जिले के नापला गाँव में स्थापित किया जा रहा है। इकाई 7 व 8 (2 × 700 MW) का कार्य निर्माणाधीन है।

❒ रावतभाटा परमाणु शक्ति गृह स्थित है? [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015] [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) कोटा (2) चित्तौड़गढ़ (3) झालावाड़ (4) बून्दी

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **1973 में रावतभाटा में राजस्थान अणु शक्ति परियोजना की स्थापना किस देश के सहयोग से हुई?** [RPSC LDC, 11.1. 2014]

(1) संयुक्त राज्य अमेरिका (2) यू.एस.एस.आर.
(3) फ्रान्स (4) कनाडा

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना किस वर्ष में परिचालित हुई थी-**[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]

(1) 1965 (2) 1973 (3) 1960 (4) 1962

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान परमाणु विद्युत शक्ति गृह किसके द्वारा संचालित है-** [Police Constable Exam- 1996]

(1) नाभिकीय ऊर्जा निगम (2) राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम
(3) राष्ट्रीय जल विद्युत निगम (4) भारतीय ऊर्जा निगम

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का द्वितीय परमाणु ऊर्जा संयंत्र प्रस्तावित है-** [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]

(1) जोधपुर (2) बीकानेर (3) बाँसवाड़ा (4) अलवर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड की कितनी कम्पनी है?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) 4 (2) 1 (3) 2 (4) 3

Ans. (2)

***व्याख्या** - राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लि., जयपुर को विद्युत के प्रसारण का कार्य सौंपा गया है। यह राज्य में विद्युत ग्रिड स्टेशनों, विद्युत लाइनों एवं प्रसारण तंत्र के संधारण व संचालन का कार्य करता है। यह विद्युत उत्पादन निगम, केन्द्रीय साझेदारी परियोजनाओं व अन्य परियोजनाओं से विद्युत क्रय कर तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों को उपलब्ध कराता है।*

❒ **राज्य विद्युत उत्पादन, प्रसार एवं वितरण की कितनी निगमों का मुख्यालय जयपुर में है?** [जेल प्रहरी-2017]

(1) एक (2) पाँच (3) दो (4) तीन

Ans. (4)

***व्याख्या** - राज्य विद्युत उत्पादन, प्रसार एवं वितरण की 3 निगमों का मुख्यालय जयपुर में है-*
- *राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि. [RVUN]*
- *राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लि. [RVPN]*
- *जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. [JVVNL]*

❒ **राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड का गठन कब किया गया?** [जेल प्रहरी 28-10-2018, S-III]

(1) 19 जुलाई, 2000 (2) 19 जुलाई, 2003
(3) 19 जुलाई, 2001 (4) 19 जुलाई, 2002

Ans. (1)

***व्याख्या** - राजस्थान विद्युत क्षेत्र सुधार अधिनियम, 1999 के तहत् राज्य सरकार ने 19 जुलाई, 2000 को अधिसूचना द्वारा **Rajasthan Power Sector Reforms Transfer Scheme, 2000** जारी कर राजस्थान राज्य विद्युत मंडल का विभाजन कर पाँच कम्पनियों (जयपुर-3, अजमेर-1, जोधपुर-1) को हस्तांतरित कर दिया गया।*

❒ **राजस्थान सरकार ने किस वर्ष में राजस्थान राज्य विद्युत बोर्ड को पाँच सरकारी कम्पनियों में बाँट दिया था?** [CET - 5.2.2023 (S-I)]

(1) 2012 (2) 2007 (3) 1995 (4) 2000

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि. का मुख्य कार्य क्या है?** [LDC Exam -12.08.2018]

(1) सरकारी क्षेत्र में शक्ति परियोजनाओं का विकास करना।
(2) सरकारी स्वामित्व के बिजली घरों का क्रियान्वयन व संधारण करना।
(3) न 1 और नही ही 2 (4) 1 और 2 दोनों ही

Ans. (4)

❒ **राणा प्रताप सागर पन विद्युत गृह स्थापित है ?** [R.A.S. Pre Exam, 2007]

(1) कोटा (2) उदयपुर (3) रावतभाटा (4) बीकानेर

Ans. (3)

***व्याख्या** - राणा प्रताप सागर पन विद्युत गृह रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) में स्थित है।*

❒ **बरसिंगसर ताप परियोजना स्थित है?** [LDC- 2012]

(1) बीकानेर (2) जैसलमेर (3) जोधपुर (4) नागौर

Ans. (1)

***व्याख्या** - नैवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन का बरसिंहसर थर्मल पॉवर, बीकानेर में है। इसकी क्षमता 2 इकाई × 125MW = 250 मेगावाट है।*

❒ **सन् 2014 में नाल्को ने राजस्थान में अपना दूसरा पर्वन ऊर्जा संयंत्र कहाँ स्थापित किया है?**
[RPSC कनिष्ठ लेखाकार परीक्षा-2 अगस्त,2015]
(1) धूरसर (2) भाडला (3) लुदरवा (4) मथानिया
Ans. (3)

***व्याख्या**-29 जनवरी, 2014 को नेशनल एल्यूमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने राजस्थान के जैसलमेर जिले के लुदरवा में 47.6 मेगावाट क्षमता के अपने दूसरे पवन बिजली संयंत्र को प्रारंभ किया।*

❒ **माही जल विद्युत परियोजना किस जिले में स्थित है?**
[RPSC LDC. Exam, 2012]
(1) डूँगरपुर (2) बाँसवाड़ा (3) राजसमंद (4) प्रतापगढ़
Ans. (2)

***व्याख्या** - **माही जल विद्युत परियोजना :** यह राजस्थान व गुजरात की सम्मिलित परियोजना है। बाँसवाड़ा के माही बजाज सागर बाँध पर स्थापित 2 विद्युत गृहों से राज्य को 140 मेगावाट विद्युत आवंटित करने का प्रावधान किया गया।*

❒ **निम्नलिखित में राजस्थान की कौन-सी परियोजना राज्य के साझे स्वामित्व में है?** [LDC -19.08.2018]
(1) माही परियोजना (2) सतपुड़ा परियोजना
(3) छबड़ा परियोजना (4) सूरतगढ़ परियोजना
Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पॉवर पैक परियोजना संबंधित है?** [R.A.S., 2007]
(1) दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण
(2) स्वचालित मशीनों से सामान की पैकिंग करना
(3) सीमेन्ट उत्पादन की बन्द प्रक्रिया
(4) पैकिंग सामान को ऊर्जा के द्वारा तैयार करना
Ans. (1)

***व्याख्या** - **पॉवर पैक योजना** के अंतर्गत उन ग्रामीण क्षेत्रों के दूरदराज इलाकों को जहाँ भविष्य में 4-5 साल तक विद्युतीकरण की कोई योजना न हो, वहाँ सौर ऊर्जा से विद्युत कनेक्शन दिये जाते हैं और पूरे ग्राम को सौर ऊर्जा से विद्युतीकृत किया जाता है।*

❒ **कुटीर ज्योति योजना का सम्बन्ध है?** [ग्रामसेवक, 2008]
(1) ग्रामीण विद्युत कनैक्शन (2) ग्रामीण कुटीर उद्योग
(3) ग्रामीण शिक्षा (4) वृद्धाश्रम योजना
Ans. (1)

***व्याख्या** - 1988-89 में प्रारंभ इस योजना में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़े परिवारों को एक प्रकाश बिंदु का घरेलू कनेक्शन प्रदान किया जाता है।*

❒ **कवई में, सुपर थर्मल बिजलीघर प्रोजेक्ट प्लांट लगाये जाने का राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है, यह किस जिले में स्थित है?**
[RPSC III Grade Teacher Exam-2009]
(1) कोटा (2) बारां (3) धोलपुर (4) झालावाड़
Ans. (2)

***व्याख्या** - अडानी कम्पनी समूह को राज्य सरकार ने कवई (बारां) में प्रस्तावित सुपर थर्मल पॉवर प्लांट लगाने की परियोजना सौंपी है।*

❒ **वह गाँव जहाँ अडानी पॉवर राजस्थान लिमिटेड इकाई स्थापित है-** [School Lect.(Sans. Edu.)-4.8.2020]
(1) थुम्बली (बाड़मेर) (2) माही (बाँसवाड़ा)
(3) कवई (बाराँ) (4) अन्ता (बाराँ)
Ans. (3)

❒ **राजस्थान का पहला 'गिरल लिग्नाइट थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट' स्थित है जिला-**[RPSC III Gra.Teacher-2006]
[Superintendent Garden- 28.07.2021][CET : 8.1.2023 (S-I)]
(1) समदड़ी (बाड़मेर) (2) रामसर (अजमेर)
(3) थुम्बली गाँव (बाड़मेर)(4) सिवाणा (जालौर)
Ans. (3)

***व्याख्या** - **गिरल विद्युत परियोजना, गिरल, तहसील शिव, थुम्बली गाँव (बाड़मेर) :** राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा KLF जर्मनी के आर्थिक सहयोग से **गिरल में राज्य का पहला गैसीकरण तकनीक पर आधारित** 250 मेगावाट का विद्युत गृह स्थापित किया गया है*

❒ **कौनसा (स्थान-ऊर्जा का स्रोत) सही सुमेलित नहीं है?**
[VDO Mains -09.07.2022]
(1) जैसलमेर-पवन ऊर्जा (2) रावतभाटा-परमाणु ऊर्जा
(3) गौरीर-सौर ऊर्जा (4) गिरल - भूतापीय ऊर्जा
Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गिरल परियोजना सम्बन्धित है:** [III Grade -2009]
(1)जल विद्युत(2)ताप विद्युत(3)अणु शक्ति(4)पवन ऊर्जा
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा राजस्थान का पहला सुपर तापीय पॉवर प्लांट है?** [LDC Exam -09.09.2018]
[बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]
(1) सूरतगढ़ (2) कोटा (3) छबड़ा (4) धौलपुर
Ans. (1)

व्याख्या- • ***राजस्थान में 6 सुपर थर्मल*** *(ऐसा प्लांट जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 1000 मेगावॉट या उससे अधिक हो) पॉवर प्लांट हैं-*

1. सूरतगढ़ (ठुकराणा गाँव, गंगानगर) - यह राज्य की पहली सुपर थर्मल पॉवर परियोजना है। यह *राजस्थान का आधुनिक विकास का तीर्थ भी कहलाता है। इसकी पहली इकाई ने अपना वाणिज्यिक संचालन (ऑपरेशन) 1 फरवरी, 1999 में आरंभ किया।*

2. कोटा (स्थापना - 2004) : बिटुमिन कोयले पर आधारित राजस्थान का एकमात्र परियोजना।

3. कवई, बारां (स्थापना - 2013)
4. भादरेस, बाड़मेर (स्थापना - 2013)
5. छबड़ा, बारां (स्थापना - 2014)
6. कालीसिंध, झालावाड़ (स्थापना - 2015)

• ***राजस्थान में 4 सुपर क्रिटीकल*** *(ऐसा प्लांट जिसकी एक इकाई की विद्युत उत्पादन क्षमता 500 मेगावॉट या उससे अधिक हो) थर्मल पॉवर प्लांट है -*

1. कवई, बारां (स्थापना - 2013)
2. कालीसिंध, झालावाड़ (स्थापना - 2014)
3. छबड़ा, बारां (स्थापना - 2017)
4. सूरतगढ़, गंगानगर (स्थापना - 2020)

❒ **किस वर्ष में सूरतगढ़ तापीय विद्युत केन्द्र (थर्मल पॉवर स्टेशन) की पहली इकाई ने अपना वाणिज्यिक संचालन (ऑपरेशन) आरंभ किया था?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
(1) फरवरी, 1999 (2) मार्च, 2000
(3) जनवरी, 2001 (4) फरवरी, 2002
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युत गृह स्थित हैं-**[वनपाल-06.11.2022(S-I)][RAS-26.10.2013]
(1) माही डेम व जवाहर सागर डेम पर
(2) रावतभाटा व राणा प्रताप सागर डेम पर
(3) छबड़ा व सूरतगढ़ में (4) छबड़ा व रावतभाटा में
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित पहला थर्मल पॉवर प्लांट कौनसा है?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]
(1) छबड़ा पॉवर प्लांट (2) सूरतगढ़ पॉवर प्लांट
(3) रामगढ़ पॉवर प्लांट (4) कालिंदी पॉवर प्लांट
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में कोयला आधारित प्रथम विद्युत उत्पादक तापीय विद्युत संयंत्र.....है-** [CET -4.2.2023 (S-I)]
[III Grade (English) -27.02.2023]
(1) रामगढ़ गैस तापीय विद्युत केन्द्र
(2) सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत केन्द्र
(3) कोटा सुपर ताप विद्युत केन्द्र
(4) छबड़ा सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से राजस्थान में किस थर्मल पॉवर स्टेशन की अधिस्थापित क्षमता सर्वाधिक है-**
[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.03.2018]
[पशुधन सहायक 04.6.2022][ACF & FRO - 18.02.2021]
(1) सूरतगढ़ (2) कोटा (3) छबड़ा (4) कालीसिंध
Ans. (1)

व्याख्या : सूरतगढ़ (ठुकराणा गाँव, गंगानगर) - सुपर थर्मल पॉवर परियोजना के अन्तर्गत इसमें 1500 मेगावॉट की कुल 6 इकाईयाँ (6 × 250 MW) स्थापित की गई है तथा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर परियोजना के अन्तर्गत इकाई 7 व 8 (660-600 मेगावॉट की) कार्यरत हैं। अतः सूरतगढ़ तापीय ऊर्जा परियोजना की कुल उत्पादन क्षमता 2820 मेगावाट है।

❒ **निम्न में से किस ताप विद्युत परियोजना की प्रतिस्थापित विद्युत क्षमता सर्वाधिक है?** [RAS-05.08.2018]
(1) सूरतगढ़ (2) छबड़ा (3) कालीसिंध (4) कोटा
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौन-सा विद्युत केन्द्र (पॉवर स्टेशन) राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के स्वामित्व और संचालन के अधीन नहीं है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]
(1) छाबड़ा (2) गिरल (3) धौलपुर (4) आंगुचा
Ans. (4)

व्याख्या : राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के स्वामित्व और संचालन के अधीन विद्युत केन्द्र (पॉवर स्टेशन)-

1. गिरल थर्मल पॉवर स्टेशन-थुम्बली गाँव (बाड़मेर)
2. धौलपुर गैस कम्बाइंड- (धौलपुर)
3. छबड़ा संयंत्र (बारां)

❐ **अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत है-** [B.Ed. Exam - 1996]

(1) पवन, सौर, भूतापीय ऊर्जा
(2) पेट्रोलियम, कोयला, सौरऊर्जा
(3) पेट्रोलियम, कोयला, भूतापीय ऊर्जा
(4) पवन, पेट्रोलियम, सौर ऊर्जा

Ans. (1)

व्याख्या - अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोत-

1. सौर ऊर्जा -सूर्य की ऊर्जा (धूप) से उत्पन्न ऊर्जा।
2. पवन ऊर्जा -तेज चलने वाली हवा से उत्पन्न ऊर्जा।
3. बायोगैस [Biogas] - जानवरों के मल-मूत्र से वायुरहित अवस्था में अपघटन से प्राप्त ऊर्जा।
4. बायोमास [Biomas] - कचरा, सरसों की भूसी एवं चावल की भूसी से प्राप्त ऊर्जा।
5. ज्वारीय तरंग ऊर्जा [Tidal Energy] - समुद्री ज्वारभाटे एवं तरंगों से उत्पन्न ऊर्जा।
6. भू-तापीय ऊर्जा [Geo-Thermal Energy] -पृथ्वी से निकलने वाले गर्म स्त्रोतों की ऊष्मा से उत्पन्न ऊर्जा।
7. शैवाल ऊर्जा, 8. हाइड्रोजन ऊर्जा

परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत-

1. तापीय विद्युत ऊर्जा (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस)
2. आण्विक ऊर्जा 3. जल विद्युत ऊर्जा

❐ **ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्रोत है** [RPSC LDC, 11.1. 2014]

(i) सौर ऊर्जा (ii) प्राकृतिक गैस
(iii) पवन ऊर्जा (iv) बायोमास ऊर्जा
(v) बायो गैस (vi) जल विद्युत शक्ति

कूट: (1) (i), (iii), (iv), (v) (2) (i), (iv), (v), (vi)
(3) (i), (ii), (iv), (v) (4) (i), (vi), (v), (ii)

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा ऊर्जा का गैर परम्परागत स्रोत नहीं है?** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) पवन ऊर्जा (2) जैवभर ऊर्जा
(3) ज्वारीय ऊर्जा (4) जलविद्युतशक्ति

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **'उदय' योजना का उद्देश्य है-** [कॉलेज व्याख्याता-2016]

(1) विद्युत वितरण कम्पनियों को वित्तीय स्थिरता देना।
(2) सौर ऊर्जा का विकास
(3) पवन ऊर्जा का विकास
(4) बायो ईंधन का विकास

Ans. (1)

व्याख्या : 'उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेन्स योजना' (उदय) *- विद्युत वितरण कम्पनियों (DISCOMs - Distribution Companies) की वित्तीय स्थिति में सुधार कर उनमें पुनरुत्थान के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा यह योजना - उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना -* ***उदय (UDAY-****Ujwal Discom Assurance Yojna) चलाई जा रही है। सभी साझेदारों की जिम्मेदारियों के अनुबन्ध के साथ भारत सरकार, राज्य सरकार तथा प्रत्येक राजस्थान डिस्कॉम के साथ त्रिकोणीय समझौते ज्ञापन पर दिनांक 27 जनवरी, 2016 को हस्ताक्षर किये गये है।*

❐ **नीचे दो कथन दिये जा रहे है- एक कथन (A) है तथा दूसरा उसका कारण (R) है। आप इन कथनों का परीक्षण करके सही उत्तर को चुनिये।**

कथन : ग्रामीण राजस्थान में बायो-गैस ऊर्जा का उत्तम स्रोत है। [RAS Pre Exam-26.10.2013]

कारण : राजस्थान में बहुत अधिक संख्या में घरेलू मवेशी है।

(1) (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R) यहाँ पर (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(2) (A) तथा (R) दोनों सही है किन्तु (R) यहाँ पर (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(3) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(4) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

Ans. (1)

व्याख्या- ग्रामीण राजस्थान में ऊर्जा संकट की समस्या को दूर करने में सबसे अधिक सहायक स्त्रोत बायो गैस है

❐ **बड़ाबाग (जैसलमेर) तथा देवगढ़ (चित्तौड़गढ़) में है,** [Food Safety Officer - 27.06.2023]

(1) पवन ऊर्जा परियोजना (2) बायोगैस ऊर्जा परियोजना
(3) सौर ऊर्जा परियोजना (4) पवन एवं सौर ऊर्जा परियोजना

Ans. (1)

व्याख्या : *बड़ाबाग (जैसलमेर) राजस्थान में* ***निजी क्षेत्र*** *(मै. कालानी इन्डस्ट्रीज, इंदौर) की* ***पहली पवन ऊर्जा परियोजना*** *है।*

❒ निम्नलिखित में राजस्थान के कौनसे नगर नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 'सोलर सिटी' के रूप में चयनित किए गये? [AEN Exam - 16.12.2018]
(1) जयपुर,जोधपुर,जैसलमेर (2) जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
(3) जयपुर, जोधपुर, उदयपुर (4) जयपुर, जोधपुर, अजमेर
Ans. (4)

व्याख्या-राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, अजमेर नगर नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 'सोलर सिटी' के रूप में चयनित किए गये है। सोलर सिटी कार्यक्रम (लांच फरवरी, 2008) नगर में ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति की वृद्धि के लिए मास्टर प्लान तैयार करने में नगर निगमों व नगर पालिकाओं की सहायता करता है।

❒ राजस्थान का निम्नलिखित में से कौनसा नगर भारत सरकार के 'सोलर सिटी विकास कार्यक्रम' का हिस्सा नहीं है- [ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
(1) अजमेर (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) उदयपुर
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में प्रथम पवन ऊर्जा संयंत्र कहाँ स्थापित किया गया। – [III[rd] Grade Teacher- 2012]
(1) जयपुर (2) प्रतापगढ़ (3) जोधपुर (4) जैसलमेर
Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान में पवन ऊर्जा संयंत्र :
- <u>प्रथम</u> (अमरसागर, जैसलमेर) स्थापना - 05-04-2000
- <u>द्वितीय</u> (देवगढ़, प्रतापगढ़) स्थापना - 22-08-2000
- तृतीय (<u>बीठड़ी, फलौदी</u>) स्थापना - 15-04-2001
- चतुर्थ (सोढा बाँधन, जैसलमेर) स्थापना-28-06-2004
- पंचम (आकल, जैसलमेर) स्थापना - 29-03-2006
- षष्ठ (पोहरा, जैसलमेर) स्थापना - 28-03-2010

❒ देवगढ़ पवन ऊर्जा परियोजना..... में अवस्थित है-
[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
[I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]
(1) जैसलमेर (2) हनुमानगढ़ (3) प्रतापगढ़ (4) बारां
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित में से राजस्थान की प्रथम पवन ऊर्जा परियोजना कौनसी है? [VDO Mains -09.07.2022]
(1) देवगढ़ पवन ऊर्जा परियोजना
(2) बीथढ़ी पवन ऊर्जा परियोजना
(3) फलोदी पवन ऊर्जा परियोजना
(4) अमरसागर पवन ऊर्जा परियोजना
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'अमर सागर पवन ऊर्जा परियोजना' जिस जिले में स्थित है, वह है- [III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) जोधपुर (2) बीकानेर (3) बाड़मेर (4) जैसलमेर
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के निम्न में से किस जिले में द्वितीय वायु ऊर्जा प्लान्ट स्थापित किया गया-
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) जैसलमेर (2) बाड़मेर (3) जालौर (4) प्रतापगढ़
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'बीठड़ी पवन ऊर्जा परियोजना' राजस्थान के किस जिले में स्थापित की गई? [CET : 07.01.2023 (S-1)]
(1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) बीकानेर (4) चित्तौड़गढ़
Ans. (2)* *व्याख्या : बीठड़ी वर्तमान में फलौदी जिले में है।*

❒ राजस्थान में निम्न में से किन स्थानों को 'विंड एनर्जी फार्म प्रोजेक्ट' के अंतर्गत, पवन ऊर्जा के मार्गदर्शन/संसर्ग हेतु चुना गया है?
[वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]
(1) बाड़मेर, ब्यावर, जोधपुर (2) रामगढ़, नागौर, चुरू
(3) जैसलमेर,देवगढ़, फलौदी(4)फलौदी, मा. आबू, पाली
Ans. (3)

❒ सुमेलित कीजिए- [ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
(A) भड़ला सोलर पार्क (1) खींवसर, नागौर
(B) अवशिष्ट ऊर्जा परियोजना (2) देवगढ़, प्रतापगढ़
(C) पवन ऊर्जा परियोजना (3) बालोतरा
(D) सौर ऊर्जा परियोजना (4) फलौदी

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	4	2	1	(2)	4	3	2	1
(3)	4	3	1	2	(4)	1	2	3	4

Ans. (2)

❒ नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के द्वारा अनुमोदित राजस्थान की एक मेगा सोलर पॉवर परियोजना अवस्थित है-[खाद्य सुरक्षा अधि.-25.11.2019]
(1) बीथड़ी (2) देवगढ़ (3) बालोतरा (4) फतेहगढ़
Ans. (4)

व्याख्या - *फतेहगढ़ (जैसलमेर) फेज-1बी (1500 मेगावाट) मैसर्स अडानी रिन्युएबल एनर्जी पार्क राजस्थान लिमिटेड, द्वारा विकसित किया जा रहा है।*

❒ **नई जैव ईंधन नीति क्रियान्वयन में राजस्थान कौनसे स्थान पर आता है?** [कॉलेज व्याख्याता(सारंगी)-30.5.19]

(1) प्रथम (2) द्वितीय (3) सातवें (4) बाईसवें

Ans. (1)

व्याख्या *- राजस्थान राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति- 2018 लागू करने में देश में प्रथम राज्य बना है। राजस्थान जैव ईंधन नियम 2019 (State Biofuel Policy), 9 अगस्त, 2019 से लागू किये गये हैं।*

❒ **हाल ही में राजस्थान के किस स्थान पर भारत सरकार की गोबर-धन योजना के तहत एच.पी.सी.एल. ने गोबर से संपीड़ित बायोगैस परियोजना की शुरुआत की है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]

(1) सांचौर, जालौर (2) हिण्डोली, बूँदी
(3) खेंपुरा, उदयपुर (4) मथानिया, जोधपुर

Ans. (1) जिलों के पुनर्गठन के बाद सांचौर जिला।

❒ **प्रधानमंत्री-कुसुम योजना के तहत भारत में पहला सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है-**

[स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022] [VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) पिनान, अलवर में (2) भालोजी, जयपुर में
(3) बालेसर, जोधपुर में (4) देवलिया, जोधपुर में

Ans. (2)

व्याख्या : *पीएम कुसुम योजना का क्रियान्वयन: भारत सरकार द्वारा किसानों के लिए* ***सोलर पम्प*** *और ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित करने के लिए ''किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महा अभियान (कुसुम)'' योजना स्वीकृत की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित घटकों के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए है -* ***• कुसुम घटक-ए -☞ भालोजी गाँव, कोटपूतली-बहरोड़ जिला (पूर्व में जयपुर जिला)*** *-यहाँ राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम की ओर से कुसुम योजना-ए के तहत देश के पहले सौर ऊर्जा संयंत्र से ऊर्जा उत्पादन* ***1 अप्रैल, 2021 से शुरू*** *हो गया है।* ***• कुसुम घटक-बी :*** *ऑफ ग्रिड कृषि पम्प-सेट आवेदकों को सोलर पम्प-सेट उपलब्ध कराने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा 25,000 का लक्ष्य दिया गया है।* ***• कुसुम घटक-सी :*** *7.5 एचपी तक की क्षमता वाले कृषि पम्प-सेटों को सौर ऊर्जाकृत करने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा 12,500 का लक्ष्य दिया गया है।*

❒ **'किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महा अभियान (कुसुम)' स्वीकृत किया गया है-**

[Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) किसानों को नि:शुल्क बिजली उपलब्ध कराने हेतु
(2) किसानों को 24 घंटे बिजली पूर्ति सुनिश्चित हेतु
(3) 1 और 2 दोनों
(4) किसानों के लिए सौर पंप और ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित करने के लिए

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **प्रधानमंत्री कुसुम योजना सम्बन्धित है?**

[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) सौर ऊर्जा आधारित ई-रिक्शा से
(2) सौर ऊर्जा आधारित पम्प से
(3) सौर ऊर्जा आधारित यातायात से
(4) सौर ऊर्जा आधारित भोजन पकाने से

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस कम्पनी ने भारत का पहला 390 एम.डब्ल्यू का पवन सौर हाइब्रिड पॉवर प्लान्ट जैसलमेर में शुरू किया है?** [I Grade Teacher (GK) -15.10.2022]

(1) रिलायंस पॉवर लिमिटेड
(2) सुजलॉन एनर्जी
(3) टाटा पॉवर क. लि.
(4) 'ए.एच.ई.जे.ओ.एल.' अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की सहायक कम्पनी

Ans. (4)

❒ **28 मई, 2022 को अडानी हाइब्रिड एनर्जी की सहायक कंपनी ने किस स्थान पर भारत का पहला पवन सौर हाइब्रिड प्लांट स्थापित किया?**

[वनरक्षक-11.12.2022(S-II)] [CET : 07.01.2023 (S-1)]
[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]

(1) रायपुर (2) जैसलमेर (3) दिल्ली (4) हैदराबाद

Ans. (2)

❒ **राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम ने राजस्थान में 10,000 मेगावॉट क्षमता का मेगा अक्षय ऊर्जा पार्क विकसित करने के लिए निम्नलिखित में से किस संगठन के साथ समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू) पर हस्ताक्षर किए हैं?** [I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]

(1) पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
(2) टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन
(3) टाटा हाइड्रो इलेक्ट्रिक पॉवर कंपनी
(4) अडानी थर्मल पावर लिमिटेड

Ans. (2)

❒ माही बाँसवाड़ा राजस्थान एटोमिक पॉवर प्रोजेक्ट इकाईयां 1 से 4 का पहला कंकरीट भराव किस वर्ष में अपेक्षित है? [I Grade Teacher (GK) -15.10.2022]
(1) 2023 (2) 2024 (3) 2025 (4) 2026
Ans. (2)

❒ निम्नलिखित में से कौनसा (सौर ऊर्जा प्लान्ट-स्थान (जिला) सुमेलित नहीं है? [JEN (Agri.) 10.09.2022]
(1) गोरीर प्लान्ट - झुझुनूँ (2) नोख प्लान्ट - जोधपुर
(3) अगोरिया प्लान्ट-बाड़मेर (4) खीमसर प्लान्ट-नागौर
Ans. (2)

> ***व्याख्या :*** *नोख प्लान्ट-फलौदी जिले (राजस्थान का दूसरा बड़ा सौलर प्लान्ट) में स्थित है।*

❒ 'ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर' राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों से गुजरेगा- [R.A.S.- 27.1/0.2021]
(1) अजमेर,चित्तौड़गढ़, बीकानेर (2) जोधपुर, जयपुर, अलवर
(3) उदयपुर,भीलवाड़ा,जयपुर (4) कोटा,अजमेर,जोधपुर
Ans. (1)

> ***व्याख्या :*** *अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए पहली बार पश्चिमी राजस्थान (जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर) में सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन को मिलाने के लिए एक ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर विकसित किया जा रहा है। ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर **हनुमानगढ़, बीकानेर, अजमेर, चित्तौड़गढ़, नागौर, जोधपुर** जिलों से होकर गुजरेगा। जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त नवीन शामिल जिलों के डाटा अभी जारी नहीं हुए हैं।*

❒ 'ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर' राजस्थान के किन जिलों से गुजरेगा- [वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]
(1) जयपुर टोंक, कोटा (2) अलवर, भरतपुर, जयपुर
(3) बीकानेर, नागौर, जोधपुर (4) कोटा, बारां, झालावाड़
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ वी.एस. लिग्नाइट ताप ऊर्जा स्टेशन बीकानेर में... पर स्थित है- [III Grade (English) -27.02.2023]
(1) बीथनोक (2) बरसिंहसर (3) गुरहा (4) पलाना
Ans. (3)

❒ अक्टूबर, 2022 में कोल इंडिया एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के बीच.....में एक सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) पूगल, बीकानेर (2) फलौदी, जोधपुर
(3) नौख, जैसलमेर (4) सीतापुरा, जयपुर
Ans. (1)

❒ निम्नलिखित में से कौनसा जिला जैव ईंधन प्राधिकरण के अनुसार जेट्रोफा के रोपण के लिए उपयुक्त नहीं था? [Asst. Town Planner- 16.06.2023]
(1) चित्तौड़गढ (2) बारां (3) सिरोही (4) जैसलमेर
Ans. (4)

❒ सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (पॉवर सेक्टर मार्च 2022 पर कार्यकारी सारांश) की रिपोर्ट के अनुसार, थर्मल श्रेणी (गैर-नवीकरणीय) में राजस्थान में निम्न में से किस ऊर्जा उत्पादन की स्थापित क्षमता सबसे कम है? [Asst. Town Planner- 16.06.2023]
(1) कोयला (2) गैस (3) लिग्नाइट (5) जल
Ans. (2)

❒ किस PSU ने हाल ही में राजस्थान में 1 GW सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए राजस्थान सरकार से सम्पर्क किया है? [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]
(1) एचपीसीएल (2) ओएनजीसी (3) आईओसी (4) एनटीपीसी
Ans. (2)

❒ सुमेलित कीजिए- [Assistant Agri. Officer -28.05.2022]
(A) प्राकृतिक गैस — (1) बड़ा बाग
(B) पवन ऊर्जा — (2) भेरू खेड़ा
(C) सौर ऊर्जा — (3) रामगढ़
(D) परमाणु (आणविक) ऊर्जा — (4) रावतभाटा

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	2	3	1	4	(2)	1	2	3	4
(3)	3	2	1	4	(4)	1	3	2	4

Ans. (3)

क्या आप जानते हैं?

- ***मुख्यमंत्री नि:शुल्क कृषि बिजली योजना*** *- मई, 2023 से किसानों को 2000 यूनिट तक नि:शुल्क बिजली देने का प्रावधान।*
- ***मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना*** *- 17 जुलाई, 2021 से आरम्भ इस योजना में अब 2000 यूनिट प्रति माह से अधिक उपभोग करने वाले किसानों को 1000 रुपये प्रतिमाह का अनुदान दिया जायेगा।*
- ***मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना (घरेलु अनुदान)*** *- 100 यूनिट प्रतिमाह के उपभोग पर नि:शुल्क, 100 से 200 यूनिट तक के उपभोग पर 100 यूनिट नि:शुल्क एवं अगली 100 यूनिट तक केवल टैरिफ राशि का भुगतान। 10 अगस्त, 2023 से राज्य में सभी घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं के लिए फ्यूल सरचार्ज समाप्त करने की घोषणा की गई।*

25. परिवहन : सड़क, वायु, रेल

❒ **31 मार्च, 2020 को राजस्थान में सड़कों की कुल लंबाई थी-** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) 2,69,028.16 किमी. (2) 2,53,749.12 किमी.
(3) 2,60,280.13 किमी. (4) 2,81,235.11 किमी.

Ans. (1)

व्याख्या *–31 मार्च, 2022 तक सड़कों की लम्बाई 2,78,813.23 किमी. थी। राज्य में वर्ष 31 मार्च, 2022 में सड़कों की घनत्व प्रति 100 वर्ग किमी. पर 81.47 किमी. थी जबकि राष्ट्रीय औसत घनत्व 165.23 किमी. है।*

स्रोत : आर्थिक समीक्षा 2022-23

❒ **मार्च, 2020 के अन्त में, राजस्थान राज्य में सड़कों का घनत्व था-** [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) 85.40 किमी. प्रति 100 वर्ग किमी.
(2) 78.61 किमी. प्रति 100 वर्ग किमी.
(3) 80.47 किमी. प्रति 100 वर्ग किमी.
(4) 90.53 किमी. प्रति 100 वर्ग किमी.

Ans. (2) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या वर्तमान संदर्भ में देखें।*

❒ **31 मार्च, 2017 तक राजस्थान राज्य में सड़क की कुल लम्बाई कितनी थी?** (संगणक परीक्षा 05.05.2018)
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]

(1) 226853.86 किमी. (2) 246567.67 किमी.
(3) 256795.22 किमी. (4) 276453.34 किमी.

Ans. (1) *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या वर्तमान संदर्भ में देखें।*

❒ **आर्थिक सर्वेक्षण (इकोनॉमिक रिव्यू) (2020-21) के अनुसार, 31 मार्च, 2020 तक राजस्थान में राज्य राजमार्ग कुल लम्बाई है लगभग –**
[JEN (Civil) Degree 12.09.2021]

(1) 15621.25 किमी. (2) 17520.30 किमी.
(3) 18200 किमी. (4) 16500 किमी.

Ans. (1)

व्याख्या*-आर्थिक समीक्षा 2022-23 के अनुसार राजस्थान में राज्य उच्च मार्गों (SH) की कुल लम्बाई 17237.59 किमी. है।*

❒ **31 मार्च, 2017 को राजस्थान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग के अन्तर्गत कुल सड़कों की लम्बाई है-**
[AEN -16.12.2018]

(1) 7512 किमी. (2) 8202 किमी.
(3) 10608 किमी. (4) 14578 किमी.

Ans. (2)

व्याख्या *: 31 मार्च, 2022 तक राष्ट्रीय राजमार्गों की संख्या 48 है। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 में राष्ट्रीय राजमार्ग सूची में 52 क्रमांक तक दिये गये हैं। इनमें 4 राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-25, NH-58, NH-162, NH-552) को विस्तार के रूप में पुनः लिखा गया है। राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लम्बाई 10618.09 किमी. है।*

❒ **राजस्थान भू-क्षेत्र में लम्बाई की दृष्टि से राज्य से गुजरने वाले निम्नलिखित राष्ट्रीय राजमार्गों का सही आरोही क्रम है-** [Patwar Main 24.12.16]

(1) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 89–114–3–79
(2) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 79–114–3–89
(3) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 89–114–79–3
(4) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 3–114–79–89

Ans. (4)

व्याख्या *- वर्तमान में राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों का आरोही (छोटे से बड़ा) क्रम-*

- *NH-919 5 किमी. (अलवर)*
- *NH-148B 5 किमी. (जयपुर)*
- *NH - 168A 11.80 किमी. (जालौर)*

वर्तमान में राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों का अवरोही (बड़े से छोटा) क्रम-

- *NH - 52 – 793.55 किमी.* • *NH-11 –763.60 किमी.*
- *NH-62 – 726.57 किमी.*
- *NH-48 GQ. – 709.91 किमी.*

❒ **राजस्थान भू-क्षेत्र में सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग है-** [JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]
[पशुधन सहायक 04.6.2022]
[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) NH-71B (2) NH-79A
(3) NH-11C (4) NH-3

Ans. (1)

व्याख्या *– NH - 71B (New No. : 919) (सबसे छोटा)*

- *अलवर जिला – रेवाड़ी-धारूहेड़ा-पलवल*
- *राज्य में कुल लम्बाई (किमी.) - 5 किमी.*

❒ **राजस्थान का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग निम्न में से किस स्थान को नहीं जोड़ता है?**
[कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती परीक्षा- 26.03.2019]
(1) रेवाड़ी (2) अलवर (3) धारुहेड़ा (4) मानेसर
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC) की स्थापना कब हुई**[जेल प्रहरी-2017][सूचना सहायक-12.5.2018]
[III Grade (Punj.) -28.02.2023] [JEN (Civil) Dip.-06.12.2020]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) 1964 में (2) 1970 में (3) 1968 में (4) 1966 में
Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम : 1 अक्टूबर, 1964 *को वैधानिक निकाय के रूप में स्थापित यह निगम राजस्थान में पथ परिवहन के विकास व सुविधाजनक पथ परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कार्यरत है।*

❒ **राजस्थान के परिवहन विभाग का आदर्श वाक्य क्या है-** [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
(1) चरैवेति सुरक्षति (2) चरैवेति चरैवेति
(3) चलन्ति शीघ्रम (4) चरैवेति शीघ्रम
Ans. (2)

❒ **राजस्थान में 'ग्रामीण गौरव पथ योजना' का शुभारम्भ किस वर्ष में हुआ था-**[JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]
(1) 2014-15 (2) 2015-16 (3) 2018-19 (4) 2019-20
Ans. (1)

❒ **राजस्थान में किस वर्ष राज्य सड़क नीति की घोषणा की गई-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) 1949 में (2) 1994 में (3) 1998 में (4) 2001 में
Ans. (2)

व्याख्या-*राजस्थान में प्रथम सड़क विकास नीति दिसंबर 1994 में तथा द्वितीय सड़क नीति सितम्बर, 2013 में लागू की गई थी। राजस्थान सड़क नीति घोषित करने वाला देश का प्रथम राज्य है।*

❒ **निम्न में से किन स्टेशनों के बीच दोहरे - स्टैक वाली मालगाड़ी का पहली बार परीक्षण संचालन किया गया-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]
(1) रेवाड़ी (हरियाणा) - फिरोजपुर, पंजाब
(2) रेवाड़ी (हरियाणा) - मदार (राजस्थान) सेक्शन
(3) फिरोजपुर, पंजाब - मदार (राजस्थान) सेक्शन
(4) रेवाड़ी (हरियाणा) - भोपाल मध्यप्रदेश
Ans. (2)

❒ **राष्ट्रीय राजमार्ग -44 राजस्थान के किस जिले से निकलता है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
[Constable-2007(III)][JEN (Electric) Deg. - 18.5.2022]
(1) दौसा (2) धौलपुर (3) करौली (4) सवाई माधोपुर
Ans. (2)

व्याख्या - NH- 44 *का मार्ग : श्रीनगर (जम्मूकश्मीर) कन्याकुमारी (तमिलनाडु) तक। वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 भारत का दूसरा सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग (कुल लम्बाई-3717.64 किमी., राजस्थान में लम्बाई-27 किमी., धौलपुर) है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा राष्ट्रीय राजमार्ग राजस्थान से होकर गुजरता है-**[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-8.11.20 (II)]
(1) NH 2 (2) NH 3 (3) NH 4 (4) NH 5
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जयपुर से आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग-11 का नया नम्बर क्या है?** [पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018]
(1) NH 12 (2) NH 18 (3) NH 21 (4) NH 76
Ans. (3)

व्याख्या - NH-11 (New No. : 21) *का मार्ग : आगरा-भरतपुर-दौसा-जयपुर।*

❒ **राजस्थान राज्य में किस राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) की लंबाई सर्वाधिक है-**[राज पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]
[कनिष्ठ लेखाकार-2 अगस्त, 2015][प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
(1) NH 8 (2) NH 15 (3) NH 14 (4) NH 3A
Ans. (2)

व्याख्या *- पूर्व में राजस्थान का सर्वाधिक लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 था। किन्तु वर्तमान में NH 52 [संगरूर (पंजाब) से अंकोला (कर्नाटक) तक] सर्वाधिक लम्बा (793.55 किमी.) राष्ट्रीय राजमार्ग है।*

❒ **राजस्थान में कौनसा राष्ट्रीय राजमार्ग सर्वाधिक व्यस्त है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]
(1) NH 8 (2) NH 15 (3) NH 14 (4) NH 3A
Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान का सबसे व्यस्ततम राजमार्ग *- राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 (New No.- 48, 58) (दिल्ली-अलवर -जयपुर -अजमेर - भीलवाड़ा- राजसमंद- उदयपुर - चित्तौड़गढ़- डूँगरपुर- अहमदाबाद-मुम्बई) है।*

❒ **राष्ट्रीय मार्ग 48, 58 का संबंध पूर्व के किस राष्ट्रीय मार्ग से है?** [जेल प्रहरी - 27.10.2018]

(1) NH - 8 (2) NH - 3 (3) NH - 11 (4) NH - 15

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दिल्ली-जयपुर-चित्तौड़गढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग का नया नम्बर क्या है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.3.19]

(1) NH-62 (2) NH -82 (3) NH-48 (4) NH - 68

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा शहर राष्ट्रीय राजमार्ग 8 (NH 8) पर अवस्थित नहीं है?** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) जयपुर (2) अजमेर (3) ब्यावर (4) पाली

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राष्ट्रीय मार्ग (NH) संख्या 79, 89 एवं 8 जहाँ मिलते हैं, वह स्थान है?** [E.O. Exam, 2007]

(1) जयपुर (2) भीलवाड़ा (3) अजमेर (4) नागौर

Ans. (3)

व्याख्या *- सर्वाधिक राजमार्गों की संख्या वाला जिला पूर्व में अजमेर (6) था, मार्च 2023 तक सर्वाधिक राजमार्गों की संख्या वाला जिला-जयपुर (9) तथा बाड़मेर (7) है।*

❒ **राजस्थान का वह राष्ट्रीय राजमार्ग जो एक ही जिले में सीमित है-** [पटवारी प्रारम्भिक परीक्षा-2016]

(1) 11A (2) 79A (3) 76B (4) 3A

Ans. (2)

व्याख्या-मार्च, 2023 तक राजस्थान के 25 राष्ट्रीय राजमार्ग (311, 911, 911A, 921, 23, 25, 125, 325, 925, 925A, 148, 148C, 148D, 248, 448, 752, 954, 156, 158, 458, 758, 162, 162A, 968, 70) हैं जो एक ही जिले में प्रारम्भ होकर उसी जिले में समाप्त हो जाते हैं।

❒ **निम्नलिखित राष्ट्रीय राजमार्गो में से कौनसा एक राजस्थान में अजमेर को बीकानेर से जोड़ता है?** [प्रयोगशाला सहायक-03.02.2019]

(1) NH 89 (2) NH 79 (3) NH 59 (4) NH 69

Ans. (1)

व्याख्या *- NH - 89 (New No. : 58)*

• जिले - सीकर, नागौर, अजमेर, राजसमंद, उदयपुर

❒ **राष्ट्रीय राजमार्ग 76 का नवीन नम्बर क्या है?** [जेल प्रहरी - 28.10.2018]

(1) NH 27 (2) NH 48 (3) NH 26 (4) NH 36

Ans. (1)

व्याख्या *- NH - 76 (New No. : 27), मार्ग - सिरोही - उदयपुर -चित्तौड़गढ़ - भीलवाड़ा- कोटा - बूँदी - बाराँ*

❒ **सिरोही-उदयपुर-चित्तौड़-कोटा-बारां राष्ट्रीय राजमार्ग का नया नम्बर क्या है?**[कनिष्ठ अनुदेशक- 23.03.2019]

(1) N.H.-21 (2) N.H.-27 (3) N.H.-62 (4) N.H.-76

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारत की प्रथम आकस्मिक लैन्डिंग सुविधा (हवाई-पट्टी) का उद्घाटन हाल ही में राजस्थान के किस जिले में हुआ-** [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]

(1) बीकानेर (2) उदयपुर (3) बाड़मेर (4) जयपुर

Ans. (3)

❒ **राजस्थान का राष्ट्रीय राजमार्ग जो स्वर्णिम चतुर्भुज योजना तथा पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर दोनों का हिस्सा है-** [Librarian Garde-III - 13.11.2016][JEN- 21.8.2016]

(1) N.H.-79 (2) N.H.-15 (3) N.H.-8 (4) N.H.-76

Ans. (4)

व्याख्या :• राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना-प्रथम (स्वर्णिम चतुर्भुज योजना -एन. एच. 48 GQ.) : *यह परियोजना भारत के चार महानगरों दिल्ली, कोलकाता, चैन्नई एवं मुम्बई को 4/6 लेन में चौड़ाईकरण से जोड़ती है। यह परियोजना राजस्थान के 9 जिलों कोटपूतली-बहरोड़, (पूर्व अलवर)-जयपुर-दूदू-अजमेर-ब्यावर-भीलवाड़ा-चित्तौड़गढ़-उदयपुर-डूँगरपुर से होकर निकलती है।*

• राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना-द्वितीय भाग प्रथम (पूर्व-पश्चिम गलियारा -एन. एच. 27 EW) : *यह परियोजना सिलचर (आसाम) से पोरबन्दर (गुजरात) को जोड़ने के लिए है। यह परियोजना राजस्थान के सात जिलों सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बूँदी, कोटा, बारां में से होकर निकलती है।*

• राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना-द्वितीय भाग (उत्तर-दक्षिणी गलियारा -एन. एच. 44) : *यह परियोजना कश्मीर से कन्याकुमारी को जोड़ने के लिए है। यह परियोजना राजस्थान के धौलपुर में से होकर निकलती है।*

❒ **कौनसा नगर पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर से जुड़ा नहीं है- (एन एच डी पी-II)** [स्कूल व्याख्याता-03.01.2020]

(1) कोटा (2) उदयपुर (3) जयपुर (4) चित्तौड़गढ़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **पूर्व-पश्चिम गलियारा किस जिले से होकर नहीं गुजरता है?** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]
[CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) सिरोही (2) भीलवाड़ा (3) कोटा (4) झालावाड़

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **उत्तर-दक्षिण गलियारा राजस्थान के किस जिले से गुजरता है?** [III Grade (Urdu) -28.02.2023]
[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]

(1) जयपुर (2) दौसा (3) धौलपुर (4) सवाईमाधोपुर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **स्वर्णिम चतुर्भुज योजना सम्बन्धित है-**
[JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]

(1) पर्यटन विभाग से (2) खनन विकास से
(3) राष्ट्रीय राजमार्ग विकास से (4) ऊर्जा विकास से

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसा सही नहीं है :** [पटवार परीक्षा - 2008]

(1) आंगनबाड़ी कार्यक्रम समन्वित बाल विकास सेवा योजना का हिस्सा है।
(2) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पंचवर्षीय योजनाओं का हिस्सा है।
(3) इन्दिरा आवास योजना भारत निर्माण के अन्तर्गत है।
(4) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन राजस्थान में भी कार्यरत है।

Ans. (2)

व्याख्या - प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY): देश के समस्त गाँवों को सड़कों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री द्वारा 25 दिसम्बर, 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पी.एम.जी.एस.वाई.) शुरू की गई है।

❐ **किस जिले में स्थित 'मियां का बाड़ा' रेलवे स्टेशन का नाम महेश नगर हॉल्ट कर दिया गया है?**
[वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]

(1) बाड़मेर (2) बीकानेर (3) जोधपुर (4) जयपुर

Ans. (1)

व्याख्या-बालोतरा जिले (पूर्व में बाड़मेर) में मियां का बाड़ा रेलवे स्टेशन का नाम महेश नगर हॉल्ट कर दिया गया है।

❐ **'सुपर नेशनल हाईवे' योजना में सम्मिलित राजस्थान के सड़क मार्ग का नाम है-** [JEN Exam - 21.08.2016]

(1) महाराणा प्रताप मार्ग (2) महाराजा अग्रसेन मार्ग
(3) एक्सप्रेस वे (4) मेगा हाई वे

Ans. (3)

व्याख्या - सुपर नेशनल हाई वे योजना में सम्मिलित राजस्थान के सड़क मार्ग का नाम एक्सप्रेस वे है।

❐ **राजस्थान की पहली रेल बस सेवा कहाँ प्रारम्भ की गई?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]
[RPSC III Grade Teacher Exam-2004]

(1) नागौर-बीकानेर (2) बान्दीकुई- दौसा
(3) जयपुर-उदयपुर (4) मेड़ता रोड से मेड़ता सिटी

Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान की पहली रेल-बस सेवा मेड़ता रोड से मेड़ता सिटी, नागौर में प्रारम्भ की गई।

❐ **राजस्थान राज्य सड़क मार्ग परिवहन निगम की बसों द्वारा यात्रा करते समय राजस्थान में वरिष्ठ नागरिकों के लिए न्यूनतम आयु क्या है, ताकि वे किराये में तीस प्रतिशत छूट प्राप्त करने में सक्षम हो सकें?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]

(1) 58 वर्ष और अधिक (2) 60 वर्ष और अधिक
(3) 62 वर्ष और अधिक (4) 65 वर्ष और अधिक

Ans. (2)

व्याख्या-राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की सभी बसों (साधारण, ग्रामीण बस सेवा, एक्सप्रेस, सेमी डीलक्स, डीलक्स, एसी, वोल्वो) में वरिष्ठ नागरिकों को किराये में 30 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वरिष्ठ नागरिकों को पहले साधारण और एक्सप्रेस बस में ही यह छूट मिलती थी।

❐ **राजस्थान में किस शहर में इलेक्ट्रिक बसें चलाने की घोषणा की गई है?** [जेल प्रहरी 20-10-2018, Shift -II]

(1) उदयपुर (2) बीकानेर (3) जयपुर (4) जोधपुर

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान में जयपुर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने हेतु इलेक्ट्रिक बसें चलाने की घोषणा की गई है।

❐ **राज्य सड़क सुरक्षा संस्थान राजस्थान के किस शहर में स्थापित किया जायेगा?** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(Head Master Exam - 02.09.2018)

(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) टोंक (4) भीलवाड़ा

Ans. (1)

व्याख्या - जयपुर जिले में राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा ट्रेनिंग सेन्टर खोलने की घोषणा बजट 2018-19 में की गई है।

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा राष्ट्रीय राजमार्ग जयपुर, टोंक, बूँदी, कोटा एवं झालावाड़ से होकर गुजरता है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) - 1574.09.2019]

(1) NH-12 (2) NH-14 (3) NH-15 (4) NH-65

Ans. (1)

व्याख्या - राजमार्ग संख्या 12 (नया नं. 52) . लम्बाई : 706.60 किमी.। यह राजमार्ग चूरू, सीकर, जयपुर, टोंक, बूँदी, कोटा, झालावाड़ में से गुजरता है।

❒ **राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर स्थित नगर है-** [JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) जयपुर - अजमेर - उदयपुर

(2) जयपुर - बूँदी - झालावाड़

(3) जयपुर - सीकर- बीकानेर

(4) जयपुर - नागौर - जोधपुर

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में 'मुख्यमंत्री सड़क योजना' किस वर्ष में लागू की गई?** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक)- 15.9.19]

(1) 2002 (2) 2005 (3) 2007 (4) 2010

Ans. (2)

व्याख्या - मुख्यमंत्री सड़क योजना 7 अक्टूबर, 2005 को शुरु की गई। इस योजना में राज्य में प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थलों को जोड़ने हेतु 1000 किमी. सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है।

❒ **यदि किसी वाहन का रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ-01-C-9909 है, तो वह वाहन किस जिले में पंजीबद्ध होगा?** [Police Constable Exam-2007(III)]

(1) अलवर (2) अजमेर (3) बूँदी (4) बाँसवाड़ा

Ans. (2)

व्याख्या -• अजमेर की जिला वाहन संख्या - RJ01
- *अलवर की जिला वाहन संख्या - RJ02*
- *बाँसवाड़ा की जिला वाहन संख्या - RJ03*
- *बूँदी की जिला वाहन संख्या - RJ08*

❒ **'राजस्थान रोड विजन-2025' के अन्तर्गत निम्न में से सड़क विकास का कौन-सा कार्यक्रम सम्मिलित है?** [JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]

(1) सिंचित कमाण्ड क्षेत्रों में सड़क निर्माण

(2) पर्यटक व धार्मिक स्थलों को सड़कों से जोड़ना

(3) विश्व बैंक एवं नाबार्ड द्वारा निर्मित सड़कें

(4) सीमा सड़क सुरक्षा संगठन द्वारा निर्मित सड़कें

Ans. (2)

*व्याख्या -राजस्थान रोड विजन, 2025 के प्रमुख प्रावधान इस प्रकार है- • ग्रामीण सम्पर्क सड़कों व सड़क तंत्र के रख-रखाव को सर्वाधिक प्राथमिकता। • एक्सप्रेस वे के लिए **सात मार्ग** व राष्ट्रीय राजमार्ग तंत्र के विस्तार हेतु **15 मार्ग** तथा **17 शहरों के लिए रिंग रोड** चिह्नित किए गए हैं। साथ ही **धार्मिक महत्त्व के 100 स्थानों तथा पर्यटन,** खनन और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए 1000 किमी. नए सड़क सम्पर्क विकसित करना जरूरी माना गया है। सभी राज्य राजमार्गों को कम से कम दो लेन का बनाना प्रस्तावित है।*

❒ **राज्य/राजस्थान सरकार की सड़क तंत्र के विकास के लिए दीर्घकालीन योजना.... है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]

(1) राज. रोडविजन-2020 (2) राज. रोडविजय-2022

(3) राज. रोडविजन-2025 (4) राज. रोडविजय-2027

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के सम्बन्ध में भारत में राजस्थान का कौनसा स्थान है?** [स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]

(1) पहला (2) दूसरा (3) तीसरा (4) चौथा

Ans. (3)

व्याख्या-वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्गों की सर्वाधिक लम्बाई वाले राज्य क्रमशः-महाराष्ट्र (17757 किमी.), उत्तरप्रदेश (11737 किमी.), राजस्थान, मध्यप्रदेश है।

❒ **संस्थान जिसके साथ राजस्थान सरकार ने सड़क सुरक्षा की एक नवीन पद्धति को लागू करने के लिए गठजोड़ किया है-** [PSI - 13.09.2021]

(1) एम.एन.आई.टी., जयपुर (2) आई.आई.टी., मुम्बई

(3) आई.आई.टी., दिल्ली (4) आई.आई.टी., मद्रास

Ans. (4)

❒ **राजस्थान राज्य सड़क विकास कोष अधिनियम कब लागू हुआ?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]

(1) 2007 (2) 1999 (3) 2000 (4) 2004

Ans. (4)

❐ **कौनसा राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारत की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा के संबंध में सही है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) इसका उद्घाटन 9 अक्टूबर, 2021 को हुआ था।

(2) इसका उद्घाटन राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हुआ था।

(3) इसका निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 925A पर गंधव भास्कर खंड पर किया गया है।

(4) इसका निर्माण अजमेर राजस्थान में किया गया है, जिसका उपयोग भारतीय वायुसेना के विमानों द्वारा आपात स्थिति में लैंडिंग के लिए किया जाता है।

Ans. (3)

❐ **'भारतमाला परियोजना' का संबंध किस क्षेत्र से हैं?** [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) समुद्री सुरक्षा (2) आदिवासी विकास
(3) महिला सशक्तिकरण (4) परिवहन

Ans. (4)

व्याख्या - *भारतमाला परियोजना की शुरुआत 31 जुलाई, 2015 को हुई। इसके अन्तर्गत पूरे देश में सड़क सम्पर्क में सुधार कर त्वरित आवाजाही में वृद्धि करना है। भारत माला परियोजना के तहत 3 एक्सप्रेस -वे भी निर्मित किये जा रहे हैं-*

1. दिल्ली -मुम्बई ग्रीनफिल्ड एक्सप्रेस वे *- राजस्थान (लम्बाई-373.63 किमी.) सहित 5 राज्यों से गुजरेगा। 12 फरवरी, 2023 को प्रधानमंत्री ने प्रथम चरण **सोहना (हरियाणा) - दौसा** खण्ड (247 किमी.) का उद्घाटन किया। परियोजना के जून, 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है।*

2. अमृतसर - जामनगर एक्सप्रेस वे *- इसके तहत संगरिया (हनुमानगढ़)-सांचौर-संतालपुर एक्सप्रेस निर्माणाधीन है।*

3. हनुमानगढ़-किशनगढ़- अजमेर व्यावसायिक गलियारा

❐ **हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे की आधारशिला रखी है, जिसका 247 किलोमीटर खंड राजस्थान में होगा, वह खंड किस स्थान पर स्थित है?** [Asst. Town Planner- 16.06.2023]

(1) दिल्ली-सीकर-जयपुर (2) दिल्ली-दौसा-लालसोट
(3) दिल्ली-अलवर-विराटनगर (4) दिल्ली-सीकर-अजमेर

Ans. (2) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❐ **राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री ने झण्डी दिखाकर रवाना किया, जो निम्नलिखित में से किन स्टेशन के बीच चलती है?** [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) उदयपुर-अहमदाबाद (2) कोटा-मुम्बई सीएसएमटी
(3) जयपुर-चंडीगढ़ (4) अजमेर-दिल्ली कैंट

Ans. (4)

व्याख्या -• *राज्य की पहली वन्दे भारत : अजमेर - दिल्ली*
• *राजस्थान की दूसरी वन्दे भारत : जोधपुर - साबरमती*

❐ **राजस्थान ई-व्हीकल पॉलिसी 2022 में अपने प्रारंभ से कितने समय तक अस्तित्व में रहेगी?** [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]

(1) 3 वर्ष (2) 5 वर्ष (3) 7 वर्ष (4) 10 वर्ष

Ans. (2)

व्याख्या -राजस्थान इलेक्ट्रिकल व्हीकल नीति 2022 (REVP) - राज्य में इलैक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग को प्रोत्साहित किए जाने हेतु इस नीति की अधिसूचना 31 अगस्त, 2022 को जारी की गई। मुख्यमंत्री द्वारा बजट 2019-20 में ई-व्हीकल नीति लाने की घोषणा की गई थी। इस नीति के अंत तक पंजीकृत होने वाले श्रेणीवार नए वाहनों में से 15% दुपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों, 30% तिपहिया इलैक्ट्रिक वाहनों तथा 5% चौपहिया इलैक्ट्रिक वाहनों के पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है। 1 सितम्बर, 2022 से 5 वर्ष के लिए यह नीति निम्नांकित उद्देश्यों के साथ प्रारम्भ की गई-1. रिप्स 2019 के तहत् उचित प्रोत्साहन देकर राज्य में इलैक्ट्रिक वाहनों और बैट्रियों के निर्माण को बढ़ावा देना। 2. व्यक्तिगत गतिशीलता और सार्वजनिक परिवहन दोनों क्षेत्रों में ईवी को अपनाने का समर्थन करना।

❐ **राजस्थान विद्युत वाहन नीति (आरईवीपी) - 2022 के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प गलत है?** [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

(1) राजस्थान में पंजीकृत वाहनों की संख्या पिछले दशक में 125% बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 2.02 करोड़ तक पहुँच गई है।

(2) 2022 तक, प्रत्येक 1000 गैर-विद्युत वाहनों पर 25 विद्युत वाहनों (ईवी) बेचे गए थे।

(3) सरकार ने आरईवीपी-2022 के माध्यम से राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने, पर्याप्त ईवी चार्जिंग बुनियादी ढाँचे के विकास को सुगम बनाने और कुशल जनशक्ति निर्माण का निर्णय लिया है।

(4) आरईवीपी-2022, 01.01.2023 से प्रभावी होगी।

Ans. (4) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ **किशनगढ़ हवाई अड्डे का उद्घाटन कब किया गया?** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) परीक्षा- 20.03.2019]
[JEN (Civil) Diploma - 06.12.2020, 18.05.2022]
[III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) अक्टूबर, 2017 (2) अक्टूबर, 2018
(3) दिसम्बर, 2017 (4) दिसम्बर, 2018

Ans. (1)

व्याख्या *- किशनगढ़ एयरपोर्ट शुरू-11 अक्टूबर, 2017 को किशनगढ़ एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। जयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, जैसलमेर, उदयपुर के बाद हवाई सेवा से जुड़ने वाला यह सातवां शहर बन गया।*

❑ **राजस्थान में सबसे लम्बी जल परिवहन सुरंग है?**
[RPSC III Grade Teacher Exam-2006]

(1) मानसी वाकल सुरंग
(2) गढीसर अमर सागर सुरंग
(3) विजयसागर विजारा बाँध सुरंग
(4) कायलाना उम्मेद सागर सुरंग

Ans. (1)

व्याख्या - मानसी वाकल बाँध से टनल के इनलेट तक एम ओ यू के तहत कार्य हिन्दुस्तान जिंक द्वारा ही करवाया गया है। लगभग 4.6 किमी. लम्बी यह सुरंग देश की सबसे बड़ी जल सुरंग है। *यह सुरंग 7 जून, 2006 को आर-पार हुइ। इसमें से उदयपुर को 24 मिलियन लीटर (70%) पेयजल व शेष 30% हिन्दुस्तान जिंक को मिलेगा।* ***अरावली की पहाड़ियों में यह दूसरी सुरंग है जिससे*** *उदयपुर शहर को जलापूर्ति की जाएगी। इससे पहले 1973 में देवास परियोजना में 2.1 किमी. लम्बी सुरंग बनाई गई थी।*

❑ **राजस्थान के प्रथम रेलमार्ग को किस वर्ष खोला गया था?** [क. वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]

(1) 1874 (2) 1853 (3) 1893 (4) 1899

Ans. (1)

व्याख्या*-राजस्थान में प्रथम रेल की शुरुआत जयपुर रियासत में आगरा फोर्ट से बाँदीकुई के बीच अप्रैल, 1874 में हुई।*

❑ **1874 में, आगरा किला (उत्तर प्रदेश) और राजस्थान के निम्नलिखित स्टेशनों में से किस स्टेशन के बीच पहली ट्रेन चलती थी-** [अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]

(1) बांदीकुई (दौसा) (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) कोटा

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **उत्तर - पश्चिम रेलवे जोन का गठन कब हुआ?**
[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -I]

(1) 2002 (2) 2001 (3) 2003 (4) 2004

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान में 14 जून, 2002 को स्थापित (1 अक्टूबर, 2002 को कार्य प्रारम्भ) उत्तर-पश्चिम जोन का मुख्यालय जयपुर में स्थित है।

❑ **उत्तर-पश्चिम रेलवे मण्डल का मुख्यालय स्थित है?**
[वनपाल-06.11.2022(S-I)]
[REET (Level – II, S-II) –24.07.2022]

(1) जयपुर (2) अजमेर (3) कोटा (4) जोधपुर

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान का रेल नेटवर्क किस रेलवे जोन के अन्तर्गत आता है-** [पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.9.2020]
[I Grade Teacher -11.10.2022][पुलिस कॉन्स्टेबल-8.11.2020]

(1) उत्तर रेलवे (2) उत्तर पश्चिम रेलवे
(3) मध्य रेलवे (4) पश्चिम रेलवे

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **डूँगरपुर से शुरू होने वाली रेलवे लाइन राजस्थान के दक्षिण भाग को किस रेलवे स्टेशन से जोड़ देगी?** [RPSC PTI III Grade Exam. 16 May, 2012]

(1) कोटा (2)वडोदरा (बड़ौदा) (3)रतलाम (4) इंदौर

Ans. (3)

व्याख्या - 3 जून 2011 को यूपीए अध्यक्ष सोनिया गाँधी *ने राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र के लिए* ***डूँगरपुर-बाँसवाड़ा-रतलाम*** *रेल लाइन का शिलान्यास किया। वर्तमान में इसका कार्य बन्द है। ध्यातव्य है कि* ***बाँसवाड़ा पहली बार रेल लाइन से जुड़ने जा रहा है।*** *राज्य में* ***प्रतापगढ़ ही एकमात्र ऐसा जिला है जहाँ कोई रेलमार्ग नहीं है।***

❑ **निम्न में से राजस्थान के किस जिले में रेलवे की सुविधा नहीं है-**[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]

(1) सिरोही (2) राजसमंद
(3) बाँसवाड़ा (4) हनुमानगढ़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **पाकिस्तान से आने वाली थार एक्सप्रेस ट्रेन का राजस्थान में प्रथम स्टेशन कहाँ है?** [P. Cons.- 2013]

(1) गडरा रोड (2) मुनाबाव (3) खाजूवाला (4) बालोतरा

Ans. (2)

व्याख्या - भारत (स्टेशन मुनाबाव)-पाक (स्टेशन खोखरापार) के मध्य रेल सेवा को थार एक्सप्रेस का नाम दिया गया। खोखरापार से मीरपुर खास 131 किमी. है जो इस ट्रेन का आखिरी स्टेशन होगा। जोधपुर रियासत के महाराजा ने बाड़मेर से सादी पल्ली तक का रेलमार्ग बनवाया।

❐ **मुनाबाव होकर पाकिस्तान जाने वाली रेलगाड़ी का नाम क्या है?** [Police Constable Exam-2007(I)]

(1) सदा-ए-सरहद (2) मित्रता एक्सप्रेस
(3) थार एक्सप्रेस (4) समझौता एक्सप्रेस

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **थार एक्सप्रेस मुनाबाव से ...के मध्य चलती है।** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]

(1) अट्टारी (2) खोखरापार (3) करतारपुर (4) कराची

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **रेलवे की छोटी लाइन (नेरो गेज) राजस्थान के किस जिले में है?** [Police Constable Exam-2006-07]

(1) अलवर (2) धौलपुर (3) डूँगरपुर (4) उदयपुर

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान में छोटी लाइन (नैरोगेज) केवल धौलपुर जिले में हैं। एक लाइन धौलपुर से आगरा (U.P.) जिले के ताँतपुर तक तथा दूसरी धौलपुर से सरमथुरा तक है। इसे 1908 में धौलपुर के राजा रामसिंह के काल में प्रारंभ किया गया। आमान परिवर्तन के कारण अप्रैल 2023 से इस रेलवे लाइन को बन्द कर दिया गया है।

❐ **राजस्थान का पश्चिमी क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण स्कूल कहाँ स्थित है-** [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022] [II Grade T. (Science) Ex., 2010]

(1) बीकानेर में (2) जयपुर में
(3) जोधपुर में (4) उदयपुर में

Ans. (4)

व्याख्या -रेलवे ट्रेनिंग स्कूल (पश्चिमी रेलवे क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र) : उदयपुर स्थित इस स्कूल का शिलान्यास महाराणा भूपालसिंह ने 25 मार्च, 1955 को किया। यह प्रशिक्षण केन्द्र 9 अक्टूबर, 1965 को स्थापित किया गया। यह पश्चिम रेलवे के कर्मचारियों के अलावा अखिल भारतीय स्तर के कर्मचारियों एवं विदेशी कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण देता है। यहाँ भारत का सबसे बड़ा रेलवे मॉडल कक्ष स्थित है।

❐ **जयपुर में मेट्रो रेल सेवा कब से प्रारम्भ हुई-** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)] [राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)] [पटवार - 2011] [Industry Inspector- 24.06.2018]

(1) 2010 में (2) 2013 में (3) 2015 में (4) 2018 में

Ans. (3)

व्याख्या-राजस्थान की प्रथम और देश की छठी मेट्रो रेल प्रणाली जयपुर मेट्रो रेल परियोजना का पंजीकरण दिनांक 1 जनवरी, 2010 को कम्पनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत किया गया। जयपुर शहर में मेट्रो रेल्वेज एक्ट 14 जनवरी, 2011 से लागू कर दिया गया है। जयपुर मेट्रो प्रथम चरण (A) का संचालन मानसरोवर से चाँदपोल तक (9.25 किमी.) 3 जून, 2015 से प्रारम्भ कर दिया गया है। प्रथम चरण का शिलान्यास 24 फरवरी, 2011 को किया गया। प्रथम चरण (B) के तहत चाँदपोल से बड़ी चौपड़ तक चलाने हेतु विस्तार किया गया है। जयपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट एशियन विकास बैंक (ए.डी.बी.) द्वारा सहायता प्राप्त है। प्रथम चरण (C) के तहत बड़ी चौपड़ से दिल्ली आगरा हाईवे पर ट्रांसपोर्ट नगर तक तथा प्रथम चरण (D) के तहत मानसरोवर से 200 फीट बाईपास पर अजमेर रोड तक विस्तारित।

❐ **मेट्रो नेटवर्क वाला राजस्थान का एकमात्र शहर कौनसा है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]

(1) जोधपुर (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) उदयपुर

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जयपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का वित्त पोषण किया गया है-** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) स्विस विकास प्राधिकरण (2) एशियन विकास बैंक
(3) जापानी सरकार (4) विश्व बैंक

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **जयपुर मेट्रो रेल प्रणाली भारत की ऐसी......... प्रणाली है-** [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]

(1) छठी (2) सातवीं (3) आठवीं (4) पाँचवीं

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मार्च, 2020 तक राजस्थान में रेलमार्गों की कुल लम्बाई थी?** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

(1) 5998 किमी. (2) 5800 किमी.
(3) 5837 किमी. (4) 5737 किमी.

Ans. (1)

व्याख्या - मार्च, 2022 के अंत तक राजस्थान में रेलमार्गों की कुल लम्बाई 6046 किमी. हो गई जो भारत के रेलमार्गों की कुल लम्बाई 68043 किमी. का 8.88% है।

❒ **भारतीय रेलवे, वार्षिक पुस्तक 2019-20 के अनुसार, मार्च, 2020 के अंत तक भारतीय रेलमार्ग की कुल लम्बाई राजस्थान राज्य का हिस्सा था-**
[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
(1) 6.83% (2) 7.83% (3) 8.83% (4) 10.83%
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भारत के कुल रेलमार्गों में राजस्थान की कितनी हिस्सेदारी है?** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) 10% (2) 15% (3) 20% (4) 11%
Ans. (*) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दिल्ली-बडोदरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे....जिले से नहीं गुजरता है।** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) अलवर (2) दौसा (3) जयपुर (4) कोटा
Ans. (3)

❒ **भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की उड़ान प्रशिक्षण संगठन नीति के तहत......में एक नई उड़ान प्रशिक्षण अकादमी खोली जानी है।** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]
(1) कोलाना, झालावाड़ (2) नाल, बीकानेर
(3) किशनगढ़, अजमेर (4) लालगढ़, श्री गंगानगर
Ans. (3)

❒ **निम्न स्थान पर हवाई अड्डा नहीं है?**
[Police Constable Exam-2007(I)]
(1) जयपुर (2) कोटा (3) जैसलमेर (4) जालौर
Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान में स्थित नागरिक हवाई अड्डे-
- *साँगानेर हवाई अड्डा- साँगानेर (जयपुर)*
- *महाराणा प्रताप हवाई अड्डा - डबोक (उदयपुर)*
- *कोटा हवाई अड्डा - कोटा*
- *रातानाड़ा हवाई अड्डा- जोधपुर*
- *किशनगढ़ हवाई अड्डा -अजमेर*

राजस्थान में स्थित सैन्य हवाई अड्डे-
- *नाल हवाई अड्डा - बीकानेर*
- *उत्तर तलाई वायुसेना हवाई अड्डा - बाड़मेर*
- *सूरतगढ़ हवाई अड्डा - सूरतगढ़ (गंगानगर)*
- *जैसलमेर हवाई अड्डा- जैसलमेर*

❒ **'रातानाड़ा हवाईअड्डा' कहाँ स्थित है-**
[CET : 08.01.2023 (S-I)][पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) जोधपुर (4) बीकानेर
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सही सुमेलित नहीं है-**[JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
(1) महाराणा प्रताप हवाई अड्डा - उदयपुर
(2) नाल हवाई अड्डा - बीकानेर
(3) सूरतगढ़ हवाई अड्डा - जोधपुर
(4) कोटा हवाई अड्डा - कोटा
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'नाल' हवाईअड्डा अवस्थित है-**
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) परीक्षा- 14.09.2019]
(1) जैसलमेर (2) बीकानेर (3) जालौर (4) सिरोही
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'डबोक' हवाईअड्डा अवस्थित है-**
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) परीक्षा- 21.09.2019]
[वनपाल-06.11.2022(S-II)] [अन्वेषक - 27.12.2020]
(1) अजमेर (2) चित्तौड़गढ़ (3) उदयपुर (4) जयपुर
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'उत्तर तलाई सिविल एयरपोर्ट' स्थित है?** [Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
(1) जालौर (2) बारां (3) जैसलमेर (4) बाड़मेर
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा हवाई अड्डा, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण द्वारा संचालित नहीं है?**
[III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]
(1) जयपुर (2) डबोक (3) किशनगढ़ (4) जोधपुर
Ans. (4)

❒ **सांगानेर हवाई अड्डे को अंतर्राष्ट्रीय दर्जा कब दिया गया?** [बी.एस.टी.सी. परीक्षा, 2008]
(1) 2006 (2) 2005 (3) 2007 (4) 2004
Ans. (*)

व्याख्या -केन्द्र सरकार द्वारा सांगानेर हवाई अड्डे को 29 दिसम्बर, 2005 को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा दिया गया तथा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा देने संबंधी अधिसूचना फरवरी, 2006 में जारी की गई। यह राज्य का पहला व देश का 14वाँ अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है जो विमान विकास प्राधिकरण के अधीन है। निजी समूह द्वारा संचालित एकमात्र (हाल ही में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नियंत्रण 'अडानी समूह' को लीज पर दिया है) एयरपोर्ट है।

26. पर्यटन

❐ **राजस्थान में पर्यटन विभाग की स्थापना हुई थी-** [VDO-27.12.2021 (Shift-I)]

(1) 1956 में (2) 1951 में (3) 1952 में (4) 1958 में

Ans. (1)

व्याख्या *– राजस्थान में पर्यटन के विकास हेतु 1955 में **पर्यटन निदेशालय** तथा 1956 में **पर्यटन विभाग** को स्थापित किया गया।*

❐ **राजस्थान पर्यटन विकास निगम लि. की स्थापना कब की गयी?** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)-30.05.2019] [II Grade (English) Exam. 2011]

(1) 1 अप्रैल, 1979 (2) 27 सितम्बर, 2001
(3) 1 अगस्त, 2000 (4) 29 अक्टूबर, 1996

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान पर्यटन विकास निगम लि. (RTDC): पर्यटकों को आवास, भोजन एवं यातायात आदि सुविधाएँ देने के लिए इसकी स्थापना 1 अप्रैल, 1979 में की गयी। इसका मुख्यालय जयपुर में है।

❐ **'राजस्थान पर्यटन विकास निगम' (RTDC) का मुख्यालय कहाँ स्थित है-**[राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.18(I)]

(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) अजमेर

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की प्रथम पर्यटन नीति किस वर्ष में घोषित की गई?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]

(1) 2000 (2) 2001 (3) 2002 (4) 2003

Ans. (2)

व्याख्या *– प्रथम पर्यटन नीति 27 सितम्बर, 2001 को जारी की गई। 9 सितम्बर, 2020 को जारी अधिसूचना के द्वारा नवीन पर्यटन नीति 'राजस्थान पर्यटन नीति', 2020 को लागू हुई। ज्ञातव्य है कि नवीन ग्रामीण पर्टन नीति 24 नवम्बर, 2022 को लागू की गई।*

❐ **राजस्थान पर्यटन नीति – 2020 कब लागू की गई-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) 9 सितम्बर, 2020 (2) 9 अक्टूबर, 2020
(3) 9 नवम्बर, 2020 (4) 9 दिसम्बर, 2020

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **किस दिन से राजस्थान की नई ग्रामीण पर्यटन नीति लागू हुई है?** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) 10 नवम्बर, 2022 (2) 4 सितम्बर, 2022
(3) 24 नवम्बर 2022 (4) 12 दिसम्बर, 2022

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान ईको-टूरिज्म नीति जारी की गई-** [वनपाल-06.11.2022(S-I)] [VDO-28.12.2021 (Shift-I)] [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) दिसम्बर, 2020 (2) अगस्त, 2020
(3) जुलाई, 2021 (4) अप्रैल, 2021

Ans. (3)

व्याख्या *– प्रथम ईको-टूरिज्म पॉलिसी 4 फरवरी, 2010 को जारी की गई। राजस्थान में नवीन ईको-टूरिज्म पॉलिसी **15 जुलाई, 2021 से लेकर 2030 तक** के लिए बनाई गई है।*

❐ **राजस्थान को फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए किस नीति को मंजूरी दी गई?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]

(1) राजस्थान फिल्म ट्रेवल प्रोत्साहन नीति -2022
(2) राजस्थान फिल्म अन्वेषण प्रोत्साहन नीति-2022
(3) राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2022
(4) राजस्थान फिल्म स्क्रीनिंग प्रोत्साहन नीति-2022

Ans. (3)

व्याख्या *– **6 अप्रैल, 2022 को राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2022 को मंजूरी दी गई।***

❐ **कौनसा तथ्य 'राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2022' का हिस्सा नहीं है?**[I Grade -17.10.2022]

(1) आवेदन के 15 दिनों के भीतर सभी मंजूरी और अनुमति प्राप्त करने के लिए एक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र।

(2) राजस्थान पर्यटन विकास निगम और राजस्थान राज्य होटल निगम की सम्पत्तियों में आवास पर 30 प्रतिशत की छूट।

(3) नीति के निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाली परियोजनाओं के लिए 2 करोड़ रुपये तक का अनुदान।

(4) फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान की एक शाखा राजस्थान में खोलने के लिए राज्य सरकार, भारत सरकार के साथ समन्वय स्थापित करेगी।

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान पर्यटन विकास निगम और राजस्थान राज्य होटल निगम की सम्पत्तियों में आवास पर 50% प्रतिशत की छूट।

❒ **राजस्थान में पर्यटन को उद्योग का दर्जा किस वर्ष में मिला है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) 1989 (2) 1979 (3) 1999 (4) 1955

Ans. (1)

> ***व्याख्या*** *- राजस्थान में मोहम्मद युनूस समिति (1989) की सिफारिश पर 4 मार्च, 1989 को पर्यटन को निर्धूम उद्योग का दर्जा दिया गया था। **18 मई, 2022 को पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र को उद्योग का पूर्ण दर्जा** दिया दिया।*

❒ **राजस्थान में कितने पर्यटन परिपथ हैं?**[RAS-1998]
[II Grade (Social Study) - 2011]

(1) 10 (2) 8 (3) 12 (4) 7

Ans. (1)

> ***व्याख्या - राजस्थान को 4 पर्यटन संभाग (जोधपुर, उदयपुर, अजेमर, कोटा) तथा 7 पुरातात्विक पर्यटन सर्किट (जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर, अजमेर एवं भरतपुर) तथा 10 पर्यटन सर्किटों में बाँटा गया है। डिपार्टमेंट ऑफ टूयुरिज्म मिनिस्ट्री ऑफ इण्डिया ने राजस्थान को 9 पर्यटन सर्किटों में बांटा है - 1. ब्रज-मेवात सर्किट-अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर, टोंक***
>
> *2. ढूँढाड़ सर्किट-जयपुर,आमेर,सांभर, आभानेरी (दौसा)*
>
> *3. मेरवाड़ा-मारवाड़ सर्किट-नागौर,मेड़ता, पुष्कर, अजमेर*
>
> *4. हाड़ौती सर्किट- कोटा, बूँदी, झालावाड़, बारां*
>
> *5. शेखावाटी सर्किट- सीकर, झुंझुनूँ, चूरू*
>
> *6. डेजर्ट सर्किट-बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर*
>
> *7.मेवाड़ सर्किट-उदयपुर, भीलवाड़ा, नाथद्वारा, कुम्भलगढ़ (राजसमंद), चित्तौड़गढ़*
>
> *8. गौडवाड़ सर्किट - पाली, सिरोही, जालौर, बाड़मेर*
>
> *9. वागड़ सर्किट-डूँगरपुर, बाँसवाड़ा*
>
> *नोट : नवीन जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त पर्यटन सर्किट में नये शामिल जिलों की अधिकृत सूचना जारी नहीं हुई है।*

❒ **सुमेलित कीजिए-**[पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]

A. ब्रज मेवात सर्किट	**1. अलवर-भरतपुर-सवाई माधोपुर**
B. शेखावाटी सर्किट	**2.अजमेर-पुष्कर-मेड़ता-नागौर**
C. मरु सर्किट	**3. चूरू-सीकर-झुन्झुनूँ**
D. मेरवाड़ा सर्किट	**4. जोधपुर-जैसलमेर - बीकानेर-बाड़मेर**

कूट:	A	B	C	D
(1)	3	2	1	4
(2)	4	2	3	1
(3)	1	3	4	2
(4)	2	1	4	3

Ans. (3)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में प्रमुख पर्यटन सर्किट्स की संख्या... है-**
[III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) 6 (2) 7 (3) 8 (4) 9

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के जिले, जो यहाँ पर्यटन के डैजर्ट सर्किट का मुख्य भाग हैं, वे हैं-**[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर

(2) जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर

(3) जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर

(4) जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वागड़ पर्यटन सर्किट में..... सम्मिलित हैं-**
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]

(1) डूँगरपुर - सिरोही (2) डूँगरपुर - बाँसवाड़ा

(3) बाँसवाड़ा-प्रतापगढ़ (4) बाँसवाड़ा- उदयपुर

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **गोडवाड़ पर्यटन सर्किट.....के स्थलों को कवर करेगा।**
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

1. जालौर 2. पाली 3. सिरोही 4. बाड़मेर

(1) 1 व 2 (2)1, 2 व 3(3) 1 और 3(4) उपर्युक्त सभी

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मानचित्र में दर्शाया गया पर्यटन परिपथ है:**
[RPSC III Grade Teacher Exam-2009]

(1) शेखावाटी (2) ढूँढाड़ (3) रणथम्भौर (4) मेरवाड़ा

Ans. (1)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान पर्यटन के विपणन अभियान की वर्तमान टैगलाइन क्या है-** [JEN (Civil) Degree 12.09.2021]

(1) पधारो म्हारे देश-राजस्थान-द इनक्रेडिबल स्टेट ऑफ इंडिया

(2) रंगीला राजस्थान(3) कुछ दिन तो गुजारें राजस्थान में

(4) जाने क्या दिख जाए

Ans. (1)

व्याख्या *-29 जनवरी, 2019 को पर्यटन विभाग ने नया लोगो : 'पधारो म्हारो देस' जारी कर दिया है। विभाग के लोगो में अंग्रेजी में 'राजस्थान -द इनक्रेडिबल स्टेट ऑफ इंडिया' तथा हिन्दी में 'राजस्थान-भारत का अतुल्य राज्य' अंकित है। पधारो म्हारो देस को 1993 में तत्कालीन निदेशक ललित के. पंवार ने लॉन्च किया गया था। यह 2007 तक रहा।*

❐ **.........नगरीय केन्द्र पर्यटन की दृष्टि से 'मरु-त्रिकोण' से बाहर है?** [III Grade (Urdu) -28.02.2023] [R.A.S.-27.10.2021] छात्रावास अधीक्षक, 2008]

(1) बीकानेर (2) जोधपुर (3) जैसलमेर (4) बाड़मेर

Ans. (4)

व्याख्या - मरु त्रिकोण : राज्य के पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों जैसलमेर, जोधपुर एवं बीकानेर के पर्यटन स्थलों के विकास हेतु इन्हें मरु त्रिकोण के रूप में जापान की संस्था JBIC (पूर्वनाम OECF) की वित्तीय सहायता से विकसित किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि स्वर्णिम त्रिकोण : दिल्ली, आगरा, जयपुर का पर्यटन त्रिकोण। नवीन जिलों के पुनर्गठन के उपरान्त नये अनुमानित शामिल जिलों (फलौदी...) की अधिकृत सूचना जारी नहीं हुई है।

❐ **पर्यटन की दृष्टि से 'स्वर्णिम त्रिभुज' (गोल्डन ट्रायंगल) किसे कहा जाता है?**[कॉन्स्टेबल परीक्षा-2014]

(1) जोधपुर-जैसलमेर-उदयपुर(2)जयपुर-जोधपुर-उदयपुर
(3) जयपुर-आगरा-दिल्ली(4) जयपुर-आगरा-स.माधोपुर

Ans. (3) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ **कौनसा युग्म (आर.टी.डी.सी. के होटल का नाम-स्थान) सुमेलित नहीं है?**[Fireman Exam -29.1.2022]

(1) कजरी-उदयपुर (2) मूमल-जैसलमेर
(3) खादिम-अजमेर (4) ढोला-मारू-जोधपुर

Ans. (4) ***RTDC होटल ढोला मारू - बीकानेर***

❐ **निम्नलिखित में से कौनसी, राजस्थान में स्वदेश दर्शन योजना के तहत थीम-आधारित पर्यटन सर्किट नहीं है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]

(1) डेजर्ट सर्किट (Dessert Circuit)
(2) आध्यात्मिक सर्किट (Spiritual Circuit)
(3) हेरिटेज सर्किट (Heritage Circuit)
(4) नाथद्वारा सर्किट (Nathdwara Circuit)

Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान में स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यावरण पर्यटन, बौद्ध, रेगिस्तान, आध्यात्मिक, रामायण, कृष्णा, तटीय, पूर्वोत्तर, ग्रामीण, हिमालय, तीर्थंकर, आदिवासी, विरासत, वन्यजीव और वेसाइड उप योजना (1) सहित विकास के लिए 15 विषयागत सर्किटों की पहचान की गई है। यह योजना 100% केन्द्रीय वित्त पोषित है। योजना के तहत प्रदेश में 4 थीम बेस्ड टूरिस्ट सर्किट- डेजर्ट सर्किट, कृष्णा सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट और हेरिटेज सर्किट विकसित किए जा रहे हैं।

❐ **कौनसे जिले में ढोला-मारू टूरिस्ट कॉम्पलेक्स बनाना प्रस्तावित है-** [Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) बीकानेर (4) पाली

Ans. (1)

व्याख्या - जैसलमेर में 3500 बीघा में ढोला मारू टूरिस्ट कॉम्पलेक्स बनाना प्रस्तावित है। इसमें आकर्षण व मनोरंजन के लिए रिसोर्ट, होटल, फार्म हाउस बनाये जाएंगे। इस कॉम्पलेक्स में राजस्थान फोक आर्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की भी स्थापना होगी।

❐ **राज्य का पहला हेरिटेज होटल है?** [RAS - 1992]

(1) अजीत भवन, जोधपुर (2) सामोद हवेली, जयपुर
(3) सरिस्का पैलेस, सरिस्का
(4) खींवसर पैलेस होटल, खींवसर

Ans. (1)

व्याख्या - हेरिटेज होटल : राजस्थान सरकार ने उस किले या महल को हेरिटेज होटल का दर्जा दिया है जो 75 वर्ष से अधिक समय से अस्तित्व में है और अब होटल के रूप में उपयोग में आ रहे हैं। अजीत भवन, जोधपुर राज्य का पहला हेरिटेज होटल है।

❐ **सुमेलित कीजिए-** [पटवार-24.10.2021 (Shift -II)]

पर्यटन सेवाएँ	प्रारम्भ वर्ष
A. हेरिटेज ऑन व्हील्स	1. 2004
B. रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स	2. 2009
C. रॉयल ओरिएंट एक्सप्रेस	3. 1994-95
D. विलेज ऑन व्हील्स	4. 2006

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	1	4	2	3	(2)	3	2	1	4
(3)	4	2	3	1	(4)	2	1	4	3

Ans. (3)

❒ **भारत में 'प्रसाद' योजना में कौनसा शहर शामिल नहीं है?** [Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
(1) जयपुर (2) अजमेर (3) अमृतसर (4) काँचीपुरम
Ans. (1)

***व्याख्या*–प्रसाद *(PRASAD -Pilgrimage Rajuvenation and Spritual Augmentation Drive)*– देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2014-15 में प्रसाद अभियान की शुरुआत की सभी मतावलम्बियों में तीर्थस्थलों के सौंदर्यकरण और वहाँ बुनियादी सुविधाओं के विकास, तीर्थयात्रा कायाकल्पन और आध्यात्मिक चेतना अभियान (प्रसाद) का मूल उद्देश्य हैं। प्रसाद अभियान के अन्तर्गत प्रारम्भिक तौर पर अजमेर सहित देश के 12 नगरों की पहचान की गई है।**

❒ **पर्यटन मंत्रालय के तहत PRASAD योजना के संदर्भ में, PRASAD में दूसरे 'A' का क्या अर्थ है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1) अप्रोच (Approach) (2) असेस्मेंट (Assessment)
(3) ऑग्मेन्टेशन (Augmentation) (4) अथॉरिटी
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में निम्न में से कौनसे धार्मिक महत्त्व के स्थान को विकास के लिए 'प्रसाद' (PRASHAD) योजना में सम्मिलित किया गया है?** [स्कूल व्याख्याता परीक्षा-09.01.2020]
(1) अजमेर (2) कोलायत (3) नाथद्वारा (4) तनोट
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **प्रसाद (Prasad) योजना किससे सम्बन्धित है?** [Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
(1) कृषि (2) मिड डे मिल (3) पर्यटन (4) स्वास्थ्य
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान पर्यटन नीति 2020 में सरकार निम्नलिखित में से किस क्षेत्र के लिए अनुभवात्मक पर्यटन की योजना नहीं बना रही है?** [Asst. Town Planner- 16.06.2023]
(1) मरुस्थलीय पर्यटन (2) शिल्प और व्यंजन पर्यटन
(3) वन्य जीवन और पारिस्थितिकी पर्यटन (4) वास्तु–पर्यटन
Ans. (4)

❒ **हेरिटेज सिटी डेवलपमेंट एंड ऑग्मेंटेशन योजना (HRIDAY) के लिए प्रारंभिक चरण में कितने शहरों की पहचान की गई?** [EO & RO-14.05.2023 (II)]
(1) 15 (2) 5 (3) 12 (4) इनमें से कोई नहीं
Ans. (3)

व्याख्या *- हृदय योजना (HRIDAY - Heritage City Development and Augmentation) - केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने देश की सांस्कृतिक विरासत को फिर से जीवित करने के प्रयास के मद्देनजर 21 जनवरी, 2015 को राष्ट्रीय विरासत विकास एवं संवर्द्धन योजना (हृदय) का शुभारम्भ किया। इसके अन्तर्गत विरासत स्थलों के एकीकृत, समावेशी और सतत् विकास को बढ़ावा देना स्मारकों के रखरखाव पर ध्यान केन्द्रित करना और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को उन्नत बनाने की योजना है। शहरी विकास मंत्रालय की इस योजना का उद्देश्य भारत की समृद्ध विरासत के प्रतीक* ***12 शहरों*** *(वाराणसी,* ***अजमेर,*** *गया, अमृतसर, मथुरा, कांचीपुरम व वेलाकन्नी, पुरी, द्वारका, बादामी, वारंगल व अमरावती) में विरासत स्थलों को अपनाकर उनका विकास करना तथा सुदृढ़ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।*

❒ **निम्न में से कौनसा एक राष्ट्रीय शहरी विकास योजना HRIDAY का सही पूर्ण रूप है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) हेरिटेज सिटी डेवलपमेंट एंड ऑग्मेंटैशन योजना
(2) हेरिटेज ऑफ इंडिया, डेवलप्ड अंडर आवास योजना
(3) हेरिटेज ऑफ इंडिया, डिजाइन्ड विध ऑग्मेंट रियलिटी योजना
(4) हेरिटेज हार्ट डेवलपमेंट योजना
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **2015 में हृदय योजना के अमल के लिए निम्नलिखित शहरों में से किसका चयन नहीं किया गया है?** [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]
(1) अजमेर (2) बादामी (3) चंडीगढ़ (4) द्वारका
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में कौन-सा विभाग वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना' आयोजित करता है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]
(1) संस्कृति विभाग (2) सामान्य प्रशासन विभाग
(3) देवस्थान विभाग (4) परिवहन विभाग
Ans. (3)

व्याख्या - वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2016 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को हवाई यात्रा के जरिए तीर्थ यात्रा करवाई जाती है। राज्य सरकार ने 19 जून, 2019 को घोषणानुसार राजस्थान के वरिष्ठ नागरिक नेपाल के काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ की हवाई यात्रा भी कर सकेंगे।

27. फ्लैगशिप योजनाएँ

❐ **आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के नवीन चरण के बारे में निम्नकथनों को पढ़कर सही उत्तर दीजिए-**[ACF & FRO-18.2.2021]
1. योजना 1.10 करोड़ परिवारों को सुरक्षा प्रदान करेगी। 2. उपचार के लिए उपलब्ध पैकेजों को बढ़ाकर 1575 किया जा रहा है।
(1) केवल कथन 1 सत्य है(2) केवल कथन 2 सत्य है
(3) ना तो 1 ना ही 2 सत्य है (4) दोनों कथन सत्य हैं
Ans. (1)

व्याख्या *–मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना – योजना का* ***लाभ 1 मई, 2021 से शुरू****। योजनान्तर्गत कृषक (लघु और सीमांत), संविदाकर्मी (समस्त विभागों/बोर्ड/निगम/सरकारी कम्पनी), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), सामाजिक आर्थिक जनगणना (2011) के पात्र परिवार, निराश्रित एवं असहाय परिवार आदि का पंजीयन निःशुल्क श्रेणी तथा अन्य सभी परिवारों का* ***पंजीयन शुल्क 850 रुपये प्रति परिवार प्रतिवर्ष*** *निर्धारित किया गया है। पंजीयन हेतु जनआधार कार्ड होना अनिवार्य है। प्रत्येक परिवार को* ***25 लाख तक (बजट 2023-24 में घोषणा, 24 अप्रैल, 2023 से लागू) का कैशलेश इलाज*** *की सुविधा प्रदान की गई है। पैकेज में मरीज के अस्पताल में भर्ती होने से* ***5 दिन पहले*** *एवं डिस्चार्ज के* ***15 दिन बाद*** *तक उस बीमारी से सम्बन्धित उस अस्पताल में जाँचों, दवाईयों एवं डॉक्टर की फीस का खर्च शामिल है। योजना में* ***1761 पैकेजज*** *तथा* ***37 अंग प्रत्यारोपण*** *के पैकेजेज, इस प्रकार कुल* ***1798 पैकेजेज*** *शामिल किये गये हैं।* ***इस योजना के तहत राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी तथा न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के मध्य एम.ओ. यू. निष्पादित हुआ है। 20 सितम्बर, 2021 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में संचालित आयुष्मान भारत महात्मा गाँधी बीमा योजना का नाम बदलकर कर मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना दिया है।*** *उल्लेखनीय है कि पूर्व में संचालित आयुष्मान भारत-महात्मा गाँधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का विस्तार किया है। नये चरण में प्रीमियम राशि रुपये 1662 के स्थान पर 1965 रुपये प्रति परिवार प्रति वर्ष किया गया है।*

❐ **मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, राजस्थान में प्रारम्भ की गई-**[वनपाल-6.11.2022(II)][PSI - 14.9.2021]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
[III Grade (English) -27.02.2023]
(1) 1 मई, 2021 को (2) 1 मई, 2020 को
(3) 31 दिसम्बर, 2020 को (4) 1 फरवरी, 2021 को
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की कौनसी विशेषता गलत है-** [R.A.S.- 27.10.2021]
(1) योजना के अन्तर्गत विभिन्न बीमारियों के 1576 प्रकार के पैकेजेस एवं प्रोसीजर्स उपलब्ध हैं।
(2) मरीज जिस बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती होता है, उसके 5 दिन पहले एवं डिस्चार्ज के 10 दिन बाद तक अस्पताल में की गई जाँचों, दवाईयों एवं परामर्श शुल्क का व्यय पैकेज की राशि में सम्मिलित है।
(3) इसकी शुरुआत 1 मई, 2021 से की गई।
(4) इस योजना के अन्तर्गत गंभीर बीमारियों हेतु 4.50 लाख रुपये की राशि का बीमा कवर प्रतिवर्ष प्रति परिवार देय है।
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **आयुष्मान भारत महात्मा गाँधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के बारे में निम्नांकित कथनों में से कौनसे सही है- 1. इस योजना का नवीन चरण 30 जनवरी, 2021 से लागू हुआ। 2. योजना से जुड़े सरकारी-निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज किया जायेगा। 3. सामान्य बीमारी के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 50000 की बीमा राशि देय होगी। 4. गंभीर बीमारी के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये की बीमा राशि देय होगी।**[Assistant Professor-22.9.2021]
(1) केवल 1 और 4 (2) केवल 2 और 3
(3) केवल 3 और 4 (4) केवल 1, 2 और 3
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **आयुष्मान भारत महात्मा गाँधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत, एक एम.ओ. यू. (MoU) किनके मध्य निष्पादित हुआ है।** [PSI - 15.09.2021]
(1) राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी तथा न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड
(2) मैक्स लाइफ इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन
(3) एच.डी.एफ.सी. लाइफ इंश्योरेंस और आई.सी.आई. सी.आई. प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेन्स कम्पनी
(4) ओरिएण्टल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड और मैक्स लाइफ इंश्योरेंस
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में उन परिवारों के लिए जो नि:शुल्क श्रेणी में परिगणित नहीं होते, प्रीमियम राशि रखी गई है-**

[Superintendent Garden - 28.07.2021]
[III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) 1050 रु. प्रति परिवार (2) 850 रु. प्रति परिवार
(3) 750 प्रति परिवार (4) 1150 रु. प्रति परिवार

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के संबंध में कौनसा गलत कथन है-**

[II Grade - 30.07.2023 (S- II)]

(1) इस योजना को 1 मई, 2021 से शुरू किया गया था।
(2) प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाता है।
(3) 1 मई, 2022 से पहले स्वास्थ्य बीमा राशि 5 लाख थी।
(4) इस योजना के पात्र परिवारों को 1998 पैकेज उपलब्ध कराये गये हैं।

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **वर्ष 2023-24 के लिए राजस्थान की बजट घोषणा के अनुसार, चिरंजीवी बीमा योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा कवर को रुपये 10 लाख से बढ़ाकर......लाख प्रति परिवार प्रति वर्ष कर दिया गया हैं।**

[III Grade (Punj.) -28.2.2023][Asst. Town Planner- 16.6.2023]

(1) रुपये 15,00,000 (2) रुपये 20,00,000
(3) रुपये 25,00,000 (3) रुपये 50,00,000

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में मुख्यमंत्री नि:शुल्क जाँच योजना.... को आरम्भ की गई।** [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

[CET - 11.2.2023 (S-II)][पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]

(1) 2 अक्टूबर, 2013 (2) 31 अक्टूबर, 2013
(3) 7 अप्रैल, 2013 (4) 1 मई, 2013

Ans. (3)

व्याख्या -मुख्यमंत्री नि:शुल्क जाँच योजना: *इस योजना के अन्तर्गत दिसम्बर, 2021 तक 40 करोड़ जांचें करके 17.37 करोड़ लोगों को लाभान्वित किया गया है। राजस्थान में प्रतिदिन लगभग 1.25 से 1.50 लाख जांचें नि:शुल्क की जा रही हैं।*

❒ **मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना राजस्थान में लागू की गई थी-** [RAS-28.08.2016]

[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) 2 अक्टूबर, 2010 से (2) 2 अक्टूबर, 2011 से
(3) 2 सितम्बर, 2010 से (4) 2 सितम्बर, 2011 से

Ans. (2)

व्याख्या - मुख्यमंत्री ने 2 अक्टूबर 2011 गाँधी जयंती के अवसर पर प्रदेश में 'मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना' का सवाईमाधोपुर से शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने करौली तथा दौसा में भी इस योजना का शुभारंभ किया। *इस योजना का वित्त पोषण केन्द्र सरकार द्वारा 60 प्रतिशत तथा राज्य सरकार का 40 प्रतिशत है।*

❒ **निम्नांकित में से कौनसी योजना राज्य सरकार द्वारा पूर्णत: वित्त पोषित नहीं है?**

[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]

(1) घर-घर औषधि योजना
(2) निरोगी राजस्थान
(3) मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना
(4) मुख्यमंत्री बाल-गोपाल

Ans. (3)***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान सरकार द्वारा चलाया जा रहा एक अभियान 'शुद्ध के लिए युद्ध' .....से चलाया जा रहा है।**

[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) 26 नवम्बर, 2021 (2) 26 अक्टूबर, 2021
(3) 26 जनवरी, 2022 (4) 26 अक्टूबर, 2020

Ans. (4)

व्याख्या-'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान : *राज्य के सभी उपभोक्ताओं को शुद्ध खाद्य वस्तुएं उपलब्ध कराने के लिए, राजस्थान सरकार द्वारा* ***26 अक्टूबर, 2020*** *से 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान चलाया जा रहा है। एक टीम का गठन किया गया है जिसमें प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, प्रर्वतन अधिकारी, कानूनी मेट्रोलॉजी अधिकारी तथा डेयरी प्रतिनिधि शामिल हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण समिति का गठन किया गया है।*

❒ **मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन के लिए कौन योग्य है?** [महिला पर्यवेक्षक परीक्षा-06.01.2019]

[Assistant Professor-22.9.2021]

(1) विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिलाएँ
(2) बेरोजगार एकल नारी (3) अशिक्षित एकल नारी
(4) अविवाहित एकल नारी

Ans. (1)

व्याख्या – मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना- 1997-98 से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अन्तर्गत शुरु इस योजना में विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिलाएँ, जिनकी आयु 18 से 55 वर्ष तक है, उन्हें 500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। 55 से 60 वर्ष तक 750 रुपये तथा 60 से अधिक किन्तु 75 वर्ष तक की आयु की पेंशनर को 1,000 रु. प्रतिमाह एवं 75 वर्ष से अधिक आयु की पेंशनर को 1,500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही हैं।

❐ **राजस्थान की 'मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना' के तहत विधवाओं, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाओं को, जिनकी आयु 55 वर्ष से 60 वर्ष के बीच है रुपये .... प्रतिमाह की पेंशन प्रदान की जा रही है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

(1) 500 (2) 750 (3) 1000 (4) 1500

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना किस मंत्रालय के अन्तर्गत आती है?**

[स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]

(1) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
(2) महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
(3) युवा मामले और खेल मंत्रालय (4) योजना विभाग

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना के तहत हर महीने एक विधवा को कितनी पेंशन दी जाती है?**

[III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) 2500 रुपये प्रति मास (2) 1500 रुपये प्रति मास
(3) 1000 रुपये प्रति मास (4) 1100 रुपये प्रति मास

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **हाल ही में राजस्थान सरकार ने एकल नारी-सम्मान पेंशन की राशि बढ़ाई है। अब इस योजना के तहत 75 वर्ष से अधिक आयु की पात्र महिला को कितनी राशि दी जाती है ?** [Food Safety Officer - 27.06.2023]

[Protection Officer - 28.01.2023]

(1) 750 रुपये (2)1,000 रुपये
(3) 1,200 रुपये (4)1,500 रुपये

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना के सम्बन्ध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**
1. पेंशन का सम्पूर्ण भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है । 2. 75 वर्ष या इससे अधिक उम्र के व्यक्ति के लिए पेंशन की दर 750 रुपये प्रति माह है ।
सही विकल्प का चयन कीजिए-

[Protection Officer - 28.01.2023]

(1) 1 एवं 2 दोनों सही हैं। (2) 1 एवं 2 दोनों गलत हैं।
(3) केवल 1 सही है। (4) केवल 2 सही है।

Ans. (3)

*व्याख्या – 55 वर्ष या इससे अधिक आयु की महिला तथा 58 वर्ष या इससे अधिक आयु का पुरुष जो राजस्थान का मूल निवासी हो तथा राजस्थान में रह रहा हो एवं जिसके जीवन निर्वाह हेतु स्वयं एवं पत्नी/पति की नियमित आय का स्रोत नहीं हो अथवा प्रार्थी एवं पत्नी/पति की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय रुपये 48 हजार से कम हो, को पेंशन देय है। योजना के अन्तर्गत **75 वर्ष से** कम आयु के पेंशनर को **750 रुपये** प्रतिमाह एवं **75 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनर को 1000 रुपये प्रतिमाह** पेंशन देय हैं।*

❐ **निम्न में से किस श्रेणी के बच्चे पालनहार योजना के अन्तर्गत लाभ पाने के पात्र है? नीचे दिये गये कूटों का उपयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए-**
1. अनाथ बच्चे 2. मृत्यु दण्ड अथवा आजीवन कारावास प्राप्त माता-पिता के बच्चे 3. तलाकशुदा या परित्यक्ता या पुनर्विवाहित विधवा माता के बच्चे [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

कूट :(1) केवल 1 सही (2) केवल 2 सही
(3) 1, 2 सही (4) 1, 2, 3

Ans. (4)

*व्याख्या – पालनहार योजना -ऐसे अनाथ, जिनके माता-पिता की मृत्यु हो गई है या उन्हें आजीवन कारावास की सजा हो गई है, के पालन-पोषण एवं ऊपर उठाने के लिए वर्ष 2004-05 में यह योजना लागू की गई। प्रारम्भ में यह योजना अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए थी, किन्तु बाद में इसे बढ़ाकर सभी जाति के अनाथ बच्चों एवं एच.आई.वी./कुष्ठ संक्रमित अथवा पुनर्विवाहित विधवा माता के बच्चे, अथवा विधवा पेंशन पाने वाली माता की संतान के लिए लागू किया गया। ऐसे अनाथ बच्चों का उत्तरदायित्व लेने वाले व्यक्ति को 'पालनहार' कहा गया। **1 जुलाई 2023 से अनाथ श्रेणी के बच्चों को 1500 व 2500 रुपये** की सहायता दी जा रही है तथा अनाथ के अतिरिक्त अन्य श्रेणी में **0 से 6 वर्ष की आयु वर्ग** के बच्चों के लिए 500 से बढ़ाकर **750 रुपये, 6 से 18 वर्ष** की आयु वर्ग के बच्चों को 1000 रुपये से बढ़ाकर **1500 रुपये** की सहायता दी जा रही है।*

❐ **कौनसी योजना महिला सशक्तिकरण से संबद्ध नहीं है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) मिशन ग्राम्य शक्ति (2) धनलक्ष्मी महिला समृद्धि केन्द्र
(3) चिराली योजना (4) पालनहार योजना
Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मुख्यमंत्री पालनहार योजना के अन्तर्गत कितनी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है?** [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]
(1) 2000 रुपये से 3000 रुपये प्रति माह
(2) 500 रुपये से 2500 रुपये प्रति माह
(3) 100 से 200 रुपये प्रति दिन
(4) 50000 रुपये प्रति वर्ष
Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान की पालनहार योजना की पात्रता हेतु कौनसी शर्त सही नहीं है?** [Protection Officer - 28.01.2023]
(1) कुछ शर्तों के अधीन पुनर्विवाहित विधवा के बच्चे पात्र हैं।
(2) पात्र बच्चे की अधिकतम आयु 18 वर्ष से कम होनी चाहिए
(3) पालनहार एवं बच्चे आवेदन की तिथि से कम से कम 2 वर्ष की अवधि से राजस्थान राज्य में रह रहे हो।
(4) पालनहार परिवार की वार्षिक आय 1.20 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।
Ans. (3)

❐ **सहयोग योजना के तहत बी.पी.एल. परिवारों की लड़कियों के विवाह पर दो लड़कियों तक को सहायता प्रदान की जाती है, उसमें सहायता राशि कितनी है-** [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-I)]
(1) 10000 रु. (2) 20000 रु. (3) 12000 रु. (4) 15000 रु.
Ans. (2)*

व्याख्या : मुख्यमंत्री कन्यादान योजना *-12 अक्टूबर 2020 को 'सहयोग व उपहार योजना' का नाम परिवर्तित कर 'मुख्यमंत्री कन्यादान योजना' कर दिया है। इस योजना के अन्तर्गत* ***SC/ST/अल्पसंख्यक महिला के परिवार*** *की 18 वर्ष या इससे अधिक आयु की अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह पर* ***31,000 रुपये हथलेवा राशि*** *उपहार स्वरूप दी जाती हैं। यदि लड़की दसवीं पास है तो अतिरिक्त 10000/- (कुल 41,000) रुपये तथा यदि लड़की स्नातक है तो 20000/-(कुल 51,000) रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।*

इसके अतिरिक्त ***शेष सभी वर्गों के परिवार*** *की 18 वर्ष या इससे अधिक आयु की अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह पर* ***21,000 रुपये*** *(पूर्व में 20000/- रुपये) उपहार स्वरूप दिए जाते हैं। यदि लड़की दसवीं पास है तो अतिरिक्त 10000/- (कुल 31,000) रुपये तथा यदि लड़की स्नातक है तो 20000/-(कुल 41,000) रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।*

❐ **मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत कितनी सहायता प्रदान की जाती है?** [III Grade (Maths-Science) -25.2.2023]
(1) 1,00,000 रुपये (2) 65,000 रुपये
(3) 31,000 रुपये (4) 21,000 रुपये
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में क्रियान्वित उस स्कीम का नाम बताइये, जिसके अन्तर्गत ST/SC/विशेष पिछड़ा वर्ग और सामान्य जाति के बी.पी.एल. अभ्यर्थी को अखिल भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा, राज्य की सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होने तथा IIT, IIM एवं राष्ट्रीय स्तर के मेडिकल कॉलेज में अभ्यर्थी के प्रवेश होने पर नकद प्रोत्साहन दिया जाता है-**
[RAS-28.08.2016] [RAS Pre Ex.-26.10.2013]
(1) उच्च मेरिट छात्रवृत्ति (2) मैरिट कम मीन्स स्कीम
(3) छात्रवृत्ति स्कीम (4) अनुप्रति योजना
Ans. (4)

व्याख्या*- अनुप्रति योजना (* ***अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रतिभा सामर्थ्य योजना*** *) में अनुसूचित जाति/जनजाति/विशेष पिछड़ा वर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य जाति के बी.पी.एल., प्रत्येक अभ्यर्थी को अखिल भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर 1.00 लाख रुपये, राज्य की प्रशासनिक सेवा में उत्तीर्ण होने पर 50,000 रुपये और आई.आई.टी., आई.आई.एम. एवं राष्ट्रीय स्तर के मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पर भी 40,000 रुपये से 50,000 रुपये प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान है। इसके अलावा अनुसूचित जाति/जनजाति के उच्च माध्यमिक परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राजकीय इंजीनियरिंग/मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी के लिए 10,000 रुपये दिए जाने का प्रावधान रखा गया है।*

❐ **राजस्थान सरकार की निम्नलिखित योजनाओं में से कौनसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी से सम्बन्धित है?** [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) नेहरू योजना (2) इन्दिरा योजना
(3) गार्गी योजना (4) अनुप्रति योजना
Ans. (4) ***व्याख्या*** *: उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मुख्यमंत्री अनुप्रति योजना किससे संबंधित है-**
[II Grade GK - 22.12.2022] [संगणक परीक्षा-19.12.2021]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022][CET - 11.2.2023 (S-II)]
(1) कुओं के निर्माण (2) गरीब लोगों के गृह निर्माण से
(3) प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी(4) बालिका शिक्षा से
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य के निम्न में से किस श्रेणी के विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं राष्ट्रीय स्तर की इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेने पर अनुप्रति योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि मिलती है?**
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]
(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा विशेष पिछड़ा वर्ग। (2) अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य श्रेणी के गरीबी रेखा से नीचे के। (3) विशेष योग्य जन। (4) अल्पसंख्यक वर्ग (मुस्लिम, सिक्ख, क्रिश्चयन, बौद्ध, पारसी एवं जैन)
कूट :(1) केवल 1 और 2 (2) केवल 1 सही
(3) 1, 2, 3 और 4 सही (4) 1, 2 और 3 सही
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इंदिरा रसोई का शुभारम्भ किया गया-**
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]
[Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
(1) 20 अगस्त, 2020 (2) 20 जुलाई, 2020
(3) 20 मार्च, 2020 (4) 20 जनवरी, 2020
Ans. (1)

व्याख्या- इंदिरा रसोई योजना *- 'कोई भूखा ना सोये' की संकल्पना को साकार रूप देते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय, राजस्थान सरकार द्वारा* ***20 अगस्त, 2020*** *को प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में* ***358 स्थायी रसोइयों (वर्तमान में 951 रसोईयाँ, बजट 2023-24 में इनकी संख्या 2000 करने की घोषणा)*** *के माध्यम से 'इंदिरा रसोई योजना' का शुभारम्भ किया है। योजनान्तर्गत आमजन को* ***8 रुपये प्रति थाली*** *में दोपहर/रात्रि भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है व राज्य सरकार द्वारा* ***17 रुपये प्रति थाली अनुदान*** *दिया जा रहा है। इसके अन्तर्गत प्रतिदिन* ***2.30 लाख व्यक्ति*** *तथा प्रतिवर्ष 9.25 करोड़ लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य है।*

❒ **इंदिरा रसोई योजना का 'संकल्प वाक्य' क्या है?**
[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)][III Grade (SST) -26.02.2023]
(1) कोई भी भूखा ना सोए (2) हर हाथ को भोजन
(3) हर भूखे को भोजन (4) कोई भूखा ना रह जाए
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2020 में लगभग कितनी रसोईयों के माध्यम से इंदिरा रसोई योजना की शुरुआत की गई थी?**[EO & RO - 14.05.2023 (II)]
(1) 104 (2) 250 (3) 358 (4) 501
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इंदिरा रसोई योजना का उद्देश्य प्रतिदिन लगभग कितने लोगों को लाभान्वित करना है?**
[Assistant Engineer-Civil -21.05.23]
(1) 50000 (2) 1.1 लाख (3) 2.3 लाख (4) 5 लाख
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में 'इंदिरा रसोई योजना' के संदर्भ में सही विकल्प चुनें-**[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
1. इसका शुभारंभ 20 अगस्त, 2020 को हुआ। 2. यह 'कोई भूखा ना सोये' की संकल्पना पर आधारित है। 3. यह सभी ग्राम पंचायतों में संचालित हो रही है। 4. 8 रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जाता है।
(1) 1 और 2 सही (2) 1, 2 और 3 सही
(3) 1, 2 और 4 सही (4) 2, 3 और 4 सही
Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इंदिरा रसोई योजना के अन्तर्गत लाभार्थी.... रुपये में भोजन प्राप्त कर सकता है।** [CET - 5.2.2023 (S-I)]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) 8 (2) 10 (3) 12 (4) 14
Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना 2019 के अंतर्गत बेरोजगारी भत्ता पाने की अधिकतम अवधि है-** [योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]
(1) पाँच वर्ष या रोजगार मिलने तक
(2) चार वर्ष या रोजगार मिलने तक
(3) तीन वर्ष या रोजगार मिलने तक
(4) दो वर्ष या रोजगार मिलने तक
Ans. (4)

व्याख्या *-मुख्यमंत्री युवा संबल योजना (1 फरवरी 2019 में प्रारम्भ अक्षत योजना) के अन्तर्गत अब बेरोजगार युवकों को 4000 रुपये और युवतियों को 4500 रुपये धनराशि दी जाती है। बजट 2021-22 में सभी वर्गों में राशि को 1000 रुपये बढ़ाया गया था। लाभार्थी अधिकतम 2 वर्ष अथवा नौकरी लगने तक इस योजना का लाभ ले सकते है।*

❒ **राजस्थान में 'मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना' कब प्रारम्भ की गयी?**[VDO Mains -09.07.2022]

(1) 10 मार्च, 2019 (2) 1 फरवरी, 2019
(3) 10 मार्च, 2020 (4) 1 फरवरी, 2020

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में, मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत पुरुषों को ... और महिलाओं, विपरीत लिंगियों और दिव्यांग बेरोजगार पात्र युवाओं को अधिकतम दो वर्ष या उनके रोजगारशुदा हो जाने तक की अवधि, जो भी पहले हो, ...का बेरोजगारी भत्ता वितरित किया जा रहा है-** [Head Master -11.10.2021]

[राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

(1) 1000 - 1500 रुपये (2) 2000-2500 रुपये
(3) 3000-3500 रुपये (4) 4000-4500 रुपये

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **1 फरवरी, 2019 को राजस्थान में चालू की गयी 'मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना' निम्न से सम्बन्धित है-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) कौशल विकास (2) युवा के लिए लोन स्कीम
(3) कम्प्यूटर ट्रेनिंग (4) बेरोजगारी भत्ता

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इंदिरा गाँधी मातृत्व पोषण योजना के अन्तर्गत राजस्थान सरकार द्वारा दूसरी बार गर्भधारित महिला को कितनी राशि प्रदान की जाती है-**

[Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 5000 रुपये (2) 6000 रुपये
(3) 4000 रुपये (4) 1000 रुपये

Ans. (2)

व्याख्या *-**इंदिरा गाँधी मातृत्व पोषण योजना (आई.जी. एम.पी.वाई.) : प्रतापगढ़, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा और उदयपुर तथा सहरिया बहुल जिला बारां** में इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना **19 नवम्बर, 2020 से प्रारंभ** की गई। इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करने हेतु इन जिलों में दूसरी संतान के जन्म पर लाभार्थियों को **पाँच चरणों में 6,000 रुपये** सीधे खाते में हस्तान्तरित किये जाते है।*

❒ **नवम्बर, 2020 में निम्न में से किस जिले में 'इंदिरा गाँधी मातृत्व पोषण योजना' (आई.जी.एम.पी. वाई.) आरम्भ नहीं की गई है?**

[Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) प्रतापगढ़ (2) डूँगरपुर (3) उदयपुर (4) अजमेर

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान इन्दिरा गाँधी मातृत्व पोषण योजना के सम्बन्ध में निम्न में कौनसा कथन सही नहीं है?**

[Protection Officer - 28.01.2023]

(1) यह दूसरी बार गर्भवती होने वाली महिलाओं पर लागू होती है।

(2) इसके तहत प्रतापगढ़, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा एवं उदयपुर जिले सम्मिलित हैं।

(3) इस योजना में रुपये 5,000, 5 चरणों में सीधे लाभार्थियों के खाते में स्थानान्तरित किए जाएँगे।

(4) यह योजना महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन आई.सी.डी.एस. के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही है।

Ans. (3) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'राजस्थान जन आधार योजना' की मुख्यमंत्री द्वारा किस बजट भाषण में घोषणा की गई?**

[Superintendent Garden - 28.07.2021]

(1) 2018-19 (2) 2019-20
(3) 2020-21 (4) 2021-22

Ans. (2)

व्याख्या : *1 सितम्बर 2019 से भामाशाह कार्ड का नाम बदलकर **जन आधार कार्ड** किया गया। 18 दिसम्बर, 2019 को "राजस्थान जन-आधार योजना, 2019" का शुभारम्भ किया गया है। 1 अप्रैल, 2020 से राजस्थान में जन आधार कार्ड लागू हुआ। नामांकित परिवारों को एक **10 अंकीय परिवार पहचान संख्या** एवं **11 अंकीय व्यक्तिगत पहचान** संख्या प्रदान की जा रही है।*

❒ **राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति कब प्रारंभ की गयी?**

[Food Safety Officer - 27.06.2023]
[VDO Mains -09.07.2022]

(1) 17 दिसम्बर, 2019 (2) 18 दिसम्बर, 2020
(3) 17 दिसम्बर, 2018 (4) 18 दिसम्बर, 2017

Ans. (1)

व्याख्या : राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति, 2019: *इस नीति के अन्तर्गत कृषि-प्रसंस्करण और आधारभूत इकाइयाँ स्थापित करने हेतु कृषक एवं उनके संगठनों को परियोजना लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 100 लाख रुपये तथा अन्य पात्र उद्यमियों को 25 प्रतिशत या अधिकतम 50 लाख रुपये तक पूंजीगत अनुदान दिये जाने का प्रावधान है।*

❑ **राजस्थान में 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' निम्न में से किस वर्ष में शुरू की गई?**
[Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) 2015 (2) 2016
(3) 2019 (4) 2020

Ans. (3)

व्याख्या : मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना-2019 *: लघु उद्यमों को बैंकों से ब्याज अनुदान लोन दिलाए जाएंगे। दस करोड़ तक का लोन, व्यापार को एक करोड़ तक का लोन दिलवाया जाएगा। लोन का स्वरूप कम्पोजिट, सावधि व कार्यशील पूँजी होगा। 25 लाख के लोन पर 8, 25 लाख से अधिक व पांच करोड़ तक के लोन पर 6 और* ***10 करोड़ तक के लोन*** *पर 5 प्रतिशत का अनुदान दिया जाएगा।*

❑ **'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' का उद्देश्य है-** [CET -4.2.2023 (S-I)]

(1) उपक्रमों की स्थापना करना
(2) नये रोजगार अवसर उपलब्ध करवाना
(3) उपक्रमों की स्थापना करना एवं नये रोजगार अवसर उपलब्ध करवाना दोनों
(4) आर्थिक असमानताओं को कम करना

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत नवीन उद्यमों की स्थापना हेतु कितनी राशि तक का अनुदानित ऋण उपलब्ध करवाया जाता है-**
[III Grade (English) -27.02.2023]

(1) 10 करोड़ रुपये (2) 7 करोड़ रुपये
(3) 5 करोड़ रुपये (4) 2 करोड़ रुपये

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **कौनसा औषधि पौधा राजस्थान घर-घर औषधि योजना में शामिल नहीं है?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) अश्वगंधा (2) मूसली (3) गिलोय (4) कालमेघ

Ans. (2)

व्याख्या- *घर-घर औषधि योजना का संचालन* ***1 अगस्त, 2021*** *को वन विभाग द्वारा किया गया। प्रदेश भर में घर-घर औषधि योजना के तहत* ***तुलसी, कालमेघ, अश्वगंधा और गिलोय*** *के पौधे घरों तक पहुचाएँ गए। 2022-23 में इसके अन्तर्गत एक परिवार को अधिकतम* ***8 पौधे*** *दिए जा रहे हैं। इस योजना को* ***2025-26*** *तक चलाया जायेगा।*

❑ **ग्रामीण पर्यटन इकाईयों को लाभ दिये जाने के प्रस्ताव वाली राजस्थान की रिप्स योजना -2019 के का पूर्ण रूप है-** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]

(1) राजस्थान निरीक्षण प्रस्ताव योजना
(2) राजस्थान बीमा प्रोत्साहन योजना
(3) राजस्थान किस्त विधान योजना
(4) राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना

Ans. (4)

व्याख्या : राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS)-2019 (लागू : 17 दिसम्बर, 2019 से 31 मार्च, 2026 तक) *: नए उद्यमों को सात साल तक बिजली कर, मंडी शुल्क, भूमि कर में सौ फीसदी छूट दी। स्टाम्प ड्यूटी और भूमि रूपान्तरण शुल्क में भी शत-प्रतिशत छूट मिलेगी। थ्रस्ट सेक्टर में बिजली कर में दस साल तक शत-प्रतिशत राहत रहेगी। रिप्स में सात साल तक राज्य जीएसटी में 75 फीसदी निवेश अनुदान कर प्रावधान किया। थ्रस्ट सेक्टर में दस साल तक सौ फीसदी निवेश अनुदान मिलेगा। रोजगार सृजन को उद्यमों के श्रमिकों को ईपीएफ, ईएसआई राशि का पचास फीसदी तक सात साल पुनर्भरण होगा। थ्रस्ट सेक्टर में यह दस साल तक पिचत्तर फीसदी होगा। पिछड़े, अति. पिछड़े, जनजाति, पहाड़ी मरुस्थलीय क्षेत्र में निवेश पर अतिरिक्त परिलाभ दिया जाएगा। एमएसएमई, टैक्सटाइल, अपेरल क्षेत्रों में भी परिलाभ देय होगा।*

राज्य सरकार ने रिप्स-2022 योजना *भी प्रारंभ की है जो* ***7 अक्टूबर, 2022 से 31 मार्च, 2027 तक प्रभावी*** *रहेगी। इस प्रगतिशील योजना से विनिर्माण और सेवाओं का* ***15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से विकास,*** *संतुलित और समावेशी क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा, वर्ष 2027 तक 10 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना, हरित हाइड्रोजन, वैकल्पिक ऊर्जा, चिकित्सा उपकरणों आदि जैसे नवीन क्षेत्रों को प्रोत्साहन और पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहन दिया जाना है। योजना में प्राथमिक 8 श्रेणियों (विनिर्माण, सेवाएँ, सनराईज क्षेत्र, एमएसएमई, स्टार्टअप, लॉजिस्टिक पार्क, भण्डारण एवं तापमान नियंत्रित आपूर्ति श्रृंखला, अनुसंधान एवं विकास और परीक्षण प्रयोगशालाएँ, अक्षय ऊर्जा संयंत्र) के लिए कस्टमाईज्ड परिलाभ का प्रावधान किया गया है।*

❑ **राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स) 2022 की अवधि है -** [Protection Officer - 28.01.2023]

(1) अक्टूबर 2022 से मार्च 2027
(2) अक्टूबर 2022 से अक्टूबर 2027
(3) जनवरी 2022 से दिसंबर 2027
(4) अक्टूबर 2022 से अक्टूबर 2025

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा इंदिरा गाँधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना के लिए पात्र है?** [III Grade (SST) -26.02.2023]

1. हेयर ड्रेयर (आयु 18 से 40 वर्ष)
2. दर्जी (आयु 18 से 40 वर्ष)
3. प्लम्बर (आयु 18 से 40 वर्ष)
4. सर्वे में चिन्हित स्ट्रीट वेण्डर्स

(1) केवल 4 (2) केवल 2, 4
(3) केवल 1, 2, 4 (4) उपर्युक्त सभी

Ans. (4)

व्याख्या- *राजस्थान सरकार द्वारा स्वायत्त शासन विभाग के अधीन व्यापारिक गतिविधियों एवं स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करने हेतु शहरी क्षेत्र के स्ट्रीट वेन्डर्स एवं सर्विस सेक्टर के युवाओं तथा बेरोजगारों को स्वरोजगार एवं रोजमर्रा की जरूरतों के लिए* ***'इंदिरा गाँधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना'*** *का शुभारम्भ 6 अगस्त, 2021 को किया गया, जिसकी समय सीमा 31 मार्च, 2022 तक थी। इसका उद्देश्य* ***50 हजार रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध*** *करवाना था। ऋण के मोरेटोरियम के अवधि 3 माह तथा ऋण पुनर्भुगतान की अवधि 12 माह होगी। इसके अन्तर्गत गलियों में काम कर रहे पहचान पत्र वाले व्यापारी, चिह्नित गली के विक्रेता, 18-40 वर्ष के युवा (हेयर ड्रेसर, रिक्शावाला-साइकिल/ऑटो रिक्शा, कुम्हार, खाती, मोची, मिस्त्री, दर्जी, धोबी, रंग-पेंट वाले, नल-बिजली मिस्त्री, बुनाई वाले, साइकिल/मोटर साइकिल के मिस्त्री) शामिल है, जिनकी मासिक आय 15 हजार से कम या पारिवारिक आय 50 हजार से अधिक ना हो तथा जिन्हें बेरोजगारी भत्ता नहीं मिल रहा हो।*

❒ **इंदिरा गाँधी अर्बन क्रेडिट कार्ड योजना के तहत शहरी क्षेत्रों के सड़क विक्रेता, असंगठित सेवा क्षेत्र के युवाओं और बेरोजगारों को 2021-22 के बजट के अनुसार कितनी राशि का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है?**

[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) 10,000 रुपये (2) 25,000 रुपये
(3) 50,000 रुपये (4) 1,00,000 रुपये

Ans. (3) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **शहरी क्षेत्रों के फुटपाथी दुकानदारों (स्ट्रीट वेंडर्स) और बेरोजगार युवाओं को 50000 रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करने के लिए राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसी योजना शुरू की गई?**

[Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) इंदिरा रसोई योजना
(2) इंदिरा गाँधी क्रेडिट कार्ड योजना
(3) इंदिरा गाँधी रोजगार गारंटी योजना
(4) इंदिरा गाँधी शहरी आजीविका मिशन

Ans. (2) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा इंदिरा गाँधी अर्बन क्रेडिट कार्ड योजना के लाभ प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंड नहीं है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]

(1) व्यक्तिगत आय प्रति माह 1 लाख रुपये से कम
(2) प्रति माह 50000 रुपये से कम पारिवारिक आय
(3) राजस्थान का स्थायी निवासी
(4) जिला रोजगार केन्द्र में पंजीकृत बेरोज़गार जिन्हें बेरोजगारी भत्ता नहीं मिल रहा है।

Ans. (1) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कालीबाई भील मेधावी छात्रा योजना संबंधित है-**

[II Grade GK - 22.12.2022]

(1) एकमुश्त प्रोत्साहन राशि से
(2) लैपटॉप वितरण से
(3) स्कूटी वितरण से
(4) खाते में छात्रवृत्ति भुगतान से

Ans. (3)

व्याख्या- *पूर्व में संचालित देवनारायण छात्रा स्कूटी एवं प्रोत्साहन राशि योजना का नाम* ***1 अप्रैल, 2020 से 'कालीबाई भील मेधावी छात्रा योजना'*** *कर दिया है। राजस्थान राज्य के राजकीय (राज्य सरकार द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों सहित) एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 12वीं तक नियमित छात्रा के रूप में अध्ययन करने एवं कक्षा 12वीं में अधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित एवं छात्राओं में प्रतिस्पर्द्धा की भावना विकसित करने तथा उच्च अध्ययन हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से इस योजनान्तर्गत कक्षा* ***12वीं का घोषित परिणाम के आधार पर*** *छात्राओं को* ***स्कूटी प्रदान*** *की जाएगी।*

❒ **राजस्थान में जन सूचना पोर्टल के पहले चरण का उद्घाटन किया गया-** [प्रवक्ता (तकनीकी) -12.03.2021]

(1) अप्रैल, 2019 में (2) अगस्त, 2019 में
(3) जनवरी, 2020 में (4) अक्टूबर, 2020 में

Ans. (2)*

व्याख्या -जन सूचना पोर्टल - *जन सूचना पोर्टल का उद्घाटन* ***13 सितम्बर, 2019 को 13 विभाग की 23 योजनाओं के साथ किया गया था।*** *सरकार द्वारा क्रियान्वित सभी योजनाओं की जानकारी एक ही जगह उपलब्ध करवाने हेतु विभाग द्वारा जनसूचना पोर्टल विकसित किया गया है। मार्च, 2023 तक में* ***115 विभागों*** *में चल रही 334 योजनाओं की 698 जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है।*

❒ **'मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना' का संबंध है?**

[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

[स्कूल व्याख्याता (Phy. Edu.)-21.10.2022][वनरक्षक-12.12.2022(I)]

(1) कक्षा पहली से 8वीं तक के बच्चों को गाय के महत्त्व के बारे में बताना।

(2) गाय पालकों को प्रोत्साहन देना

(3) कक्षा पहली से 8वीं तक के बच्चों को हफ्ते में दो बार दूध उपलब्ध करवाना

(4) डेयरी उद्योग में युवाओं को प्रोत्साहित करना।

Ans. (3)

व्याख्या - मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना का शुभारम्भ 29 नवम्बर, 2022 को किया गया। सत्र 2022-23 से सप्ताह में मंगलवार व शुक्रवार को पाउडर का दूध कक्षा 1 से 8 तक बच्चों को दिया गया। बजट 2023-24 की घोषणा के आधार पर नवीन सत्र 1 जुलाई, 2023 से विद्यार्थियों को सप्ताह में 6 दिवस दूध उपलब्ध करवाया जा रहा है। प्राथमिक कक्षाओं (1 से 5) के लिए दूध की मात्रा 150 मिली. प्रति बालक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 6 से 8) के बालकों के लिये 200 मिली. प्रति बालक दिया जायेगा।

❒ **राजस्थान मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना 2021 के सम्बन्ध में कौनसे कथन सही है-**[PSI - 15.09.2021]

1. मीटर्ड कृषि उपभोक्ताओं को राज्य सरकार बिजली के बिल पर अधिकतम 12000 रुपये प्रतिवर्ष अनुदान प्रदान करेगी।

2. इस योजना पर सालाना 600 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे।

3. इस योजना का लाभ मई, 2021 से प्रारम्भ हो जाएगा।

4. केन्द्र या राज्य सरकार के कर्मचारी व आयकर देने वाले इस योजना के तहत कृषि उपभोक्ता अनुदान के लिए पात्र नहीं होंगे।

(1) 1 व 2 (2) 1,2 व 3(3) 1, 2 व 4(4) 1, 3 व 4

Ans. (4)

*व्याख्या - **मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना** - 1 मई, 2021 से संचालित। बिलिंग माह जून, 2023 से मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना के तहत सामान्य श्रेणी-ग्रामीण (ब्लॉक ऑवर्स सप्लाई) के 2000 यूनिट प्रतिमाह से अधिक का उपयोग करने वाले मीटर्ड एवं 15 एच.पी. से अधिक भार वाले फ्लैट रेट श्रेणी कृषि उपभोक्ताओं को वर्तमान में दिये जा रहे टैरिफ अनुदान के साथ-साथ अतिरिक्त अनुदान प्रतिमाह 1000 रुपये तक विद्युत विपत्र में समायोजन के माध्यम से दिया जा रहा है।*

अन्य फ्लैगशिप योजनाएँ : एक दृष्टि में

- **महात्मा गाँधी इंग्लिश मीडियम स्कूलः** 19 जून, 2019 से प्रारम्भ। वर्ष 2021-22 में बजट घोषणा अनुसार 5,000 से अधिक आबादी वाले गांवों और कस्बों में आगामी 2 वर्षों में 1,200 राजकीय विद्यालयों को महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालयों (अंग्रेजी माध्यम) में परिवर्तित करने का प्रस्ताव किया गया है।
- **1 रुपये प्रति किलो गेहूँ :** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत ए.ए.वाई. परिवारों के राशन कार्ड धारकों को प्रति राशन कार्ड पर 35 किग्रा. गेहूँ और बी.पी.एल. और स्टेट बी.पी.एल. को प्रति इकाई प्रतिमाह 5 किग्रा. गेहूँ 2 रुपये प्रति किलोग्राम के बजाय **1 रुपये प्रति किलोग्राम** (1 मार्च, 2019 से) से प्रदान किया जा रहा है।
- **राजस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (फैसिलिटेशन ऑफ एस्टेबलिशमेंट एण्ड ऑपरेशन) अधिनियम-स्वप्रमाणीकरण** - सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग द्वारा 17 जुलाई, 2019 से प्रारम्भ। उद्देश्य - उद्यमियों को 3 वर्ष तक विभिन्न विभागों की स्वीकृति एवं निरीक्षण से मुक्त रखना।
- **मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना :** 1 अप्रैल, 2013 से संचालित इस योजना में, राज्य सरकार द्वारा विशेष योग्यजन व्यक्तियों को प्रति माह 55 से कम आयु की महिला एवं 58 वर्ष से कम आयु के पुरुष को 750 रुपये, 55 से अधिक आयु की महिला एवं 58 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष लेकिन 75 से कम को 1000 रुपये, 75 से अधिक आयु के पेंशनर को 1250 रुपये तथा कुष्ठ रोग एवं सिलिकॉसिस बीमारी से पीड़ित किसी भी आयु के व्यक्ति को 1500 रुपये देय है।
- **सिलिकोसिस नीति** - 3 अक्टूबर, 2019 को शुरू इस योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा खदानों, फैक्ट्रियो, पत्थर तोड़ने, पत्थर पीसकर पाउडर बनाने, सेण्ड स्टोन से मूर्ति बनाने इत्यादि कार्य करने वाले सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को पुनर्वास हेतु 3 लाख, मृत्यु होने पर 2 लाख तथा अंतिम संस्कार हेतु 10 हजार रुपये की सहायता दी जाती है।
- **राजीव गाँधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना- 2021** - 5 अक्टूबर 2021 से प्रारम्भ। उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने हेतु छात्रवृति।
- **पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र को उद्योग का पूर्ण दर्जा** - 18 मई, 2022 से प्रारम्भ।
- **मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना** - 29 नवम्बर, 2022 से प्रारम्भ। कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों हेतु।
- **निरोगी राजस्थान** - 17 दिसम्बर, 2019 से प्रारम्भ। उद्देश्य - प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियों के साथ ही बीमारियों की रोकथाम व उपचार की व्यवस्था।

28. जन कल्याणकारी योजनाएँ

❑ **महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी स्कीम के बारे में सही नहीं है?** [II Grade GK -19.02.2019]

(1) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम 2 अक्टूबर, 2006 से लागू हुआ।

(2) इसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार के कम से कम एक सदस्य को वर्ष में कम से कम 100 दिन सुनिश्चित रोजगार दिया जाना है, यदि वह व्यक्ति अकुशल शारीरिक श्रम करने को इच्छुक हो।

(3) 2 अक्टूबर, 2009 को राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी स्कीम का नाम बदल कर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी स्कीम कर दिया गया।

(4) इस स्कीम से लाभान्वित होने वालों में कम से कम 33 प्रतिशत महिलाएँ होनी चाहिए।

Ans. (1)

व्याख्या *– महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना-2005 (मनरेगा-Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Programme-MNREGP) – ग्रामीण परिवार को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में कुल 100 दिवस (राजस्थान न्यूनतम आय गारन्टी विधेयक 21 जुलाई 2023 से मनरेगा में 25 दिन अतिरिक्त) का सुनिश्चित रोजगार प्रदान करने की केन्द्र प्रवर्तित योजना जिसका शुभारम्भ 2 फरवरी, 2006 को आंध्रप्रदेश के अनन्तरपुर जिले के नरपाला मंडल की बंदलापल्ली ग्राम पंचायत में किया गया।* ***1 अप्रैल, 2008 से इसे पूरे देश में लागू किया गया।*** *2 अक्टूबर, 2009 को राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी स्कीम का नाम बदल कर महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी स्कीम कर दिया गया।* ***यह ऐसी पहली रोजगार/विकास योजना है जिसे कानूनी आधार प्रदान किया गया है।*** *ग्रामीण क्षेत्रों में देश की पहली योजना है जिसमें काम के अधिकार को कानूनी बनाया गया है। रोजगार प्राप्ति हेतु प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के आवेदन की दिनांक से 15 दिवस में रोजगार उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। अन्यथा राज्य सरकार द्वारा बेरोजगारी भत्ते का भुगतान किया जाएगा।*

❑ **मनरेगा के अन्तर्गत न्यूनतम .....दिनों का रोजगार प्रदान किया जाता है-** [CET -4.2.2023 (S- II)]

(1) 100 (2) 120 (3) 130 (4) 150

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी स्कीम का नाम बदल कर महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार स्कीम कब किया गया?** [CET - 5.2.2023 (S-I)]

(1) 2 अक्टूबर, 2005 (2) 2 अक्टूबर, 2009
(3) 2 अक्टूबर, 2008 (4) 2 अक्टूबर, 2010

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का तीसरा चरण कब से प्रारम्भ हुआ-**
[Public Relation Officer Exam 22.10.2019]

(1) 1 अप्रैल, 2008 (2) 1 अप्रैल, 2009
(3) 1 अप्रैल, 2010 (4) 1 अप्रैल, 2011

Ans. (1)

व्याख्या *–राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम 2005 के तहत राजस्थान में यह योजना 'राजस्थान ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना, 2006' के नाम से लागू की गई है। राजस्थान में 2 फरवरी, 2006 को माकड़ादेव ग्राम पंचायत (झाड़ोल, उदयपुर) में इस योजना का शुभारम्भ किया गया। प्रथम चरण में यह योजना राज्य के 6 जिलों-बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, झालावाड़, करौली, सिरोही व उदयपुर में लागू की गई। 1 अप्रैल, 2007 (द्वितीय चरण को इसमें 6 अन्य जिले- टोंक, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बाड़मेर, जालौर व जैसलमेर शामिल किए गए। 1 अप्रैल, 2008 से तीसरा चरण समस्त राज्य में लागू हुई।*

❑ **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम कब लागू हुआ ?** [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) सितम्बर 2005 (2) अक्टूबर 2006
(3) फरवरी 2005 (4) जनवरी 2008

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **किस वित्तीय संस्थान ने राजस्थान शहरी अवसंरचना विकास परियोजना (आर.यू.आई.डी.पी.) का समर्थन किया है?** [JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]

(1) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (2) रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड
(3) विश्व बैंक (4) एशियाई विकास बैंक

Ans. (4)

व्याख्या–राजस्थान शहरी क्षेत्र विकास कार्यक्रम (आर.यू. आई.डी.पी. तृतीय चरण), अवधि *– नवम्बर 2015 से सितम्बर 2020,* ***वित्त पोषित संस्था****-एशियन विकास बैंक (ए.डी.बी.)*

❑ राजस्थान सरकार ने शहरी क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को प्रतिवर्ष 100 दिन का रोजगार प्रदान करने के लिए कौनसी योजना आरंभ की है?
[CET : 07.01.2023 (S-1)][I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]
(1) सरदार पटेल शहरी रोजगार योजना
(2) महात्मा गाँधी शहरी रोजगार योजना
(3) हरिदेव जोशी शहरी रोजगार योजना
(4) इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार योजना
Ans. (4)

व्याख्या - ***राजस्थान में इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार योजना की शुरुआत 9 सितम्बर 2022 से की गई।*** *योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्र में निवास कर रहे प्रत्येक परिवार को एक वित्तीय वर्ष में* ***100 दिवस*** *का गारंटीशुदा रोजगार उपलब्ध करवाकर उनकी आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, जिसे मुख्यमंत्री ने वर्ष* ***2023-24 में बढ़ाकर प्रतिवर्ष 125 दिवस*** *कर दिया है। शहरी स्थानीय क्षेत्राधिकार में निवास करने वाले प्रत्येक परिवार के* ***18 से 60 वर्ष तक*** *की उम्र के सदस्य इस योजनान्तर्गत पंजीकृत है। पंजीयन हेतु जनआधार कार्ड अनिवार्य है। योजना के तहत अकुशल श्रमिक हेतु 259 रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिक हेतु 271 रुपये तथा कुशल श्रमिक हेतु 284 रुपये मजदूरी तय की है। इस योजना में मुख्यतः पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सेनिटेशन, सम्पत्ति विरूपण रोकने, सेवा सम्बंधी, हैरिटेज संरक्षण सहित अन्य कार्य करवाए जाते हैं।*

❑ इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार गारंटी योजना..... से प्रारम्भ हुई थी-
[III Grade (English) -27.02.2023][CET -4.2.2023 (S- II)]
(1) 19 सितम्बर, 2022 (2) 29 सितम्बर 2022
(3) 9 सितम्बर, 2022 (4) 7 सितम्बर, 2022
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत लाभार्थी की आयु सीमा रखी गई है?
[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) 18 से 50 वर्ष (2) 16 से 55 वर्ष
(3) 18 से 60 वर्ष (4) 18 से 62 वर्ष
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत शहरी बेरोजगारों को कितने दिन के रोजगार की गारंटी दी जाती है? [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
[CET - 5.2.2023 (S-I)] [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]
(1) 60 (2) 100 (3) 120 (4) 150
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत राजस्थान के शहरी क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को एक वर्ष में कितने दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाती है- [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]
(1) 50 दिन (2) 125 दिन
(3) 150 दिन (4) इनमें से कोई नहीं
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ इंदिरा गाँधी अर्बन एम्प्लॉयमेंट गारंटी योजना शहरी क्षेत्रों के आर्थिक सहारे के लिए निम्नलिखित में से किस योजना के अनुरूप शुरू की गई थी?
[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) MNREGA (2) PMJAY
(3) DAY (4) RGJAY
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) में मुख्य रूप से जोर दिया गया है- [RAS-31.10.2015]
1. जलापूर्ति; 2. सीवरेज सुविधायें, 3. सार्वजनिक यातायात सुविधाएँ, 4. पार्क एवं मनोरंजन केन्द्रों का निर्माण मुख्यतया बच्चों के लिये, 5. जल प्लावन को रोकने हेतु बाढ़ के पानी का निर्गम
कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें-
(1) 2, 3, 4 और 5 (2) 1, 2, 3, 4 और 5
(3) 1, 2 और 5 (4) 1, 2 और 3
Ans. (2)

व्याख्या - ***अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन - अमृत (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation - AMRUT) - 25 जून, 2015*** *से देश भर के* ***500*** *शहरों में शुरू इस योजना में एक लाख से अधिक आबादी के सभी शहरों में लोगों को* ***पानी और सीवरेज (मल व्यवस्था) कनेक्शन*** *देना है।* ***राजस्थान देश का पहला राज्य है,*** *जिसने अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) के अंतर्गत राज्य की वार्षिक कार्य योजना केन्द्र को प्रस्तुत कर दी है।* ***एक लाख से दस लाख तक की आबादी वाले 29 शहरों को अमृत मिशन योजना में शामिल किया गया था।***

❑ अमृत योजना के तहत कितने शहर शामिल हैं?
[EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) 500 (2) 130 (3) 370 (4) इनमें से कोई नहीं
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा अमृत योजना का प्राथमिकता क्षेत्र है-** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) शहरी क्षेत्र में हर घर में नल से पानी का कनेक्शन
(2) राजमार्गों पर प्रदूषण में कमी करना
(3) ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली का विकास करना
(4) इनमें से कोई नहीं
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **नल जल आपूर्ति के बाद अमृत योजना का प्राथमिकता क्षेत्र कौनसा है?**[EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) वर्षा जल संचयन (2) मल-व्यवस्था
(3) हरियाली का विकास करना (4) प्रदूषण कम करना
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा अमृत योजना का ध्यान केन्द्रित क्षेत्र नहीं है?**[Assistant Engineer-Civil -21.05.23]
(1) जल आपूर्ति (2) जल अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता
(3) हरित क्षेत्र/उद्यान (4) किफायती आवास
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) का उद्देश्य है-** [CET : 08.01.2023 (S-II)] [PSI - 15.09.2021]
(1) गरीबों के सतत् सामुदायिक संस्थानों के विकास के माध्यम से ग्रामीण गरीबी उन्मूलन करना
(2) एस.सी. (SC) तथा एस.टी. (ST) वर्गों में गरीबी का उन्मूलन करना।
(3) ग्रामीण महिलाओं को रोजगार प्रदान करना।
(4) ग्रामीण महिलाओं को अनुदानित दर पर खाद्यान्न प्रदान करना।
Ans. (1)

व्याख्या- ***<u>दीनदयाल अन्त्योदय योजना</u>*** *- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना (एस.जे.एस.आर.वाई.) का एकीकरण कर उसका नया नाम दीनदयाल अन्त्योदय योजना कर दिया गया है। इसे दो भागों में बाँटा गया है- शहरी घटक (आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय द्वारा संचालित) एवं ग्रामीण घटक (ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित)। इस योजना के अन्तर्गत शहरी क्षेत्रों में प्रशिक्षण केन्द्र, SHG संवर्धन और* ***बेघर लोगों को स्थायी आश्रय*** *दिया जायेगा। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण गरीबी को समाप्त करना तथा आजीविका के विभिन्न स्रोतों को प्रोत्साहन प्रदान करना। इसका वित्त पोषण* ***केन्द्र एवं राज्य का क्रमशः 60 : 40*** *है।*

❒ **दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में केन्द्र सरकार का अंश है-**
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) खर्च का 40% (2) खर्च का 50%
(3) खर्च का 60% (4) खर्च का 55%
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा दीनदयाल अंत्योदय योजना -एनयूएलएम योजना का उद्देश्य है?**
[EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) ग्रामीणों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करना।
(2) ग्रामीणों को मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना।
(3) शहरी बेघरों को आश्रय प्रदान करना।
(4) ग्रामीण बेघरों को न्यूनतम पोषक भोजन प्रदान करना।
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मुख्यमंत्री राजश्री योजना के अन्तर्गत कुल 6 चरणों में कितनी राशि प्रति बालिका देने का प्रावधान है?**
[जेल प्रहरी- 2017] [II Grade GK -31.10.2018]
[ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
[Lab Assistant (Science) -28.06.2022]
(1) 70,000 (2) 60,000 (3) 50,000 (4) 80,000
Ans. (3)

व्याख्या ***-<u>मुख्यमंत्री राजश्री योजना</u>*** *-माननीया मुख्यमंत्री महोदया द्वारा 2016-17 की बजट घोषणा में राज्य में बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने एवं उनके स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए मुख्यमंत्री राजश्री योजना राज्य में लागू की गई थी। यह एक प्रमुख योजना है जिसमें* ***महिला सशक्तिकरण और राज्य में लिंग समानता*** *लाने की उम्मीद है। इस योजना के अन्तर्गत* ***<u>01 जून, 2016</u>*** *या उसके पश्चात् जन्म लेने वाली बालिकाएं वित्तीय सहायता की पात्र होंगी। योजना के अन्तर्गत पात्र बालिकाओं के माता-पिता/अभिभावक को 6 चरणों में कुल राशि* ***50,000 रुपये*** *का भुगतान किया जा रहा है।*

❒ **.... के तहत राजस्थन सरकार राजस्थान के मूल निवासियों को कन्या के जन्म पर 50000 रुपये की सब्सिडी प्रदान करती है।**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]
(1) मुख्यमंत्री राजकुमारी योजना
(2) मुख्यमंत्री राजश्री योजना
(3) मुख्यमंत्री सुकन्या योजना (4) मुख्यमंत्री लक्ष्मी योजना
Ans. (2)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ मुख्यमंत्री राजश्री योजना के तहत, ... या उसके बाद पैदा होने वाली बालिका लाभार्थी है।

[Public Relation Officer Exam 22.10.2019]
[PSI - 14.09.2021] [PSI -07.10.2018]
[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.2018 (II)]

(1) 1 जून, 2014 (2) 1 जून, 2015
(3) 1 जून, 2016 (4) 1 जून, 2017

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ मुख्यमंत्री राजश्री योजना आरम्भ की गई है-

[PSI - 15.09.2021][Assistant Professor-22.9.2021]

(1) गिरते हुए बाल लिंगानुपात को सुधारना।
(2) ग्रामीण क्षेत्रों में महिला साक्षरता को बढ़ावा देना।
(3) महिलाओं को लैंगिक उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करना।
(4) महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना तथा समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में 'डॉ. सविता अम्बेडकर अंतर्जातीय विवाह योजना' किस वर्ष शुरू हुई थी?

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]

(1) 2003 (2) 2006 (3) 2008 (4) 2009

Ans. (2)

व्याख्या : *20 जून, 2006 को डॉ. सविता बेन अम्बेडकर अन्तरजातीय विवाह योजना लॉन्च की, जिसे अन्तरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के रूप में* ***1 अगस्त, 2017 से राजस्थान में लागू किया गया है।*** *यह योजना युवक-युवती के प्रथम विवाह पर ही लागू होगी। इसकी पात्रता के लिए तय किया गया है कि अनुसूचित जाति वर्ग का युवक अथवा युवती जिसने किसी सवर्ण हिन्दू युवक अथवा युवती से, जो दोनों ही राजस्थान के मूल निवासी है एवं युगल में से किसी की भी आयु 35 साल से अधिक नहीं हो और जो किसी आपराधिक मामले में दोषसिद्ध नहीं हो से विवाह किया हो। योजना के तहत युगल के सुखद दाम्पत्य जीवन को सुनिश्चित करने के प्रयोजन से पति-पत्नी के लिए* ***पाँच लाख रुपए*** *की प्रोत्साहन राशि देय होती है।*

❐ राजस्थान में डॉ. सविता बेन अम्बेडकर अन्तर्जातीय विवाह योजना के अन्तर्गत जोड़ों को कितना इनाम दिया जाता है? [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) 5 लाख रुपये (2) 2.5 लाख रुपये
(3) 10 लाख रुपये (4) 7 लाख रुपये

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ इंदिरा महिला शक्ति उड़ान योजना संबंधित है -

[CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) प्रजनन आयु की लड़कियों और महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी नेपकिन का वितरण
(2) ग्रामीण क्षेत्रों की लड़कियों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करना
(3) कॉलेज की लड़कियों को मुफ्त स्कूटी प्रदान करना
(4) ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को मुफ्त व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना

Ans. (1)

व्याख्या – इंदिरा महिला शक्ति उड़ान योजना : *मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री द्वारा* ***'आई एम शक्ति उड़ान योजना' 19 दिसम्बर, 2021*** *को लॉन्च की गई। 'आई एम शक्ति उड़ान योजना' के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 282 ब्लॉक्स में प्रत्येक ब्लॉक पर 5 चिह्नित आँगन बाड़ी केन्द्रों पर* ***10 से 45 वर्ष*** *तक वायु की प्रत्येक किशोरी व महिला लाभार्थी को प्रतिमाह* ***12 सैनिटरी नैपकिन*** *का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।*

❐ राजस्थान में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित किस योजना का 19 दिसम्बर, 2021 को शुभारम्भ किया गया? [बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक-18.06.2022]

(1) जागृति बाल विकास योजना
(2) आई.एम. शक्ति उड़ान योजना
(3) उड़ान के साथ शक्ति योजना
(4) बालिका विकास योजना

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान उड़ान योजना.... से सम्बन्धित है?

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]

(1) अनुसूचित जाति के लिए निःशुल्क शिक्षा
(2) सैनिटरी नैपकिन के निःशुल्क वितरण
(3) गरीबों के लिए निःशुल्क अनाज
(4) ग्रामीण आबादी के लिए निःशुल्क आवास सुविधा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ उड़ान योजना के तहत प्रति माह कितने सैनिटरी नैपकिन प्रदान किये जाते हैं?

[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]

(1) 8 (2) 10 (3) 12 (4) 14

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस आयु वर्ग की महिलाएँ उड़ान योजना के अंतर्गत लाभ लेने की पात्र हैं?** [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) 10 से 45 वर्ष (2) 13 से 50 वर्ष
(3) 12 से 45 वर्ष (4) 15 से 45 वर्ष

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'जागृति बैक टू वर्क योजना' है-** [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]

(1) किसी रोग के कारण अपना जॉब (काम) छोड़ चुके युवा पुरुषों के लिए।
(2) अपने निजी कारणों से जॉब (काम) छोड़ चुकी महिलाओं के लिए।
(3) कोविड के कारण अपने अभिभावक खो चुके लड़कों के लिए।
(4) सेवानिवृत्त राजकीय कर्मचारियों के लिए।

Ans. (2)

व्याख्या : *शादी के बाद घर-परिवार संभालने एवं अन्य कारणों से नौकरी छोड़ने वाली कामकाजी महिलाओं को निजी क्षेत्र के सहयोग से फिर से जॉब दिलाने या वर्क फ्रॉम होम का अवसर उपलब्ध कराने के लिए* ***महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा 'जागृति बैक टू वर्क' योजना का 04 जनवरी, 2022 को शुभारम्भ*** *किया गया है। इस योजना में आगामी 3 वर्षों में 15 हजार महिलाओं को निजी क्षेत्र के सहयोग से फिर से जॉब दिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें विधवा, परित्यकता, तलाकशुदा एवं हिंसा से पीड़ित महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। रोजगार से जुड़ने की इच्छुक महिलाओं को महिला अधिकारिता निदेशालय एवं सीएसआर संस्था के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलबध कराने के लिए सिंगल विण्डो सिस्टम की सुविधा विकसित की जाएगी। इसके अलावा आरकेसीएल के माध्यम से स्किल ट्रेनिंग भी दी जाएगी।*

❒ **'जागृति : बैक टू वर्क' योजना का नोडल विभाग है-** [III Grade (English) -27.02.2023]

(1) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
(2) उच्च शिक्षा विभाग (3) प्रारंभिक शिक्षा विभाग
(4) महिला अधिकारिता निदेशालय

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान सरकार ने असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत सक्रिय श्रमिकों एवं स्ट्रीट वेंडर्स को किस योजना के तहत आर्थिक राहत पहुँचाने का बड़ा निर्णय लिया है?** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना
(2) मुख्यमंत्री नि:शुल्क निरोगी योजना
(3) चिरंजीवी श्रमिक संबल योजना
(4) चिरंजीवी बीमा योजना

Ans. (3)

व्याख्या *-14 जून, 2023 को मुख्यमंत्री ने राजस्थान के असंगठित क्षेत्र के निर्माण श्रमिक कल्याण कोष के तहत पंजीकृत सक्रिय श्रमिकों एवं चिह्नित स्ट्रीट वैंडर्स को अस्पताल में भर्ती होने के दौरान राहत पहुंचाने हेतु 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी श्रमिक सम्बल योजना 2023' लागू की है।*

❒ **स्थिरता के साथ विकास और आत्मनिर्भरता किस योजना का लक्ष्य था?** [प्रयोगशाला सहायक -03.02.2019]
[Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) तृतीय पंचवर्षीय योजना (2) चतुर्थ पंचवर्षीय योजना
(3) पांचवीं पंचवर्षीय योजना (4) छठी पंचवर्षीय योजना

Ans. (2)

व्याख्या - चतुर्थ पंचवर्षीय योजना *(1 अप्रैल, 1969-31 मार्च, 1974)* ***का मुख्य उद्देश्य स्थिरता के साथ क्षेत्रीय विकास एवं आत्मनिर्भरता था।***

❒ **'राज स्किल 2022' प्रतियोगिता के सम्बन्ध में कौनसे कथन सही हैं?** [I Grade Teacher (GK) -11.10.2022]

1. यह तीन चरणों में आयोजित हुई हैं। 2. यह औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षार्थियों के लिए आयोजित हुई है। 3. तकनीकी रूप से कुशल गैर आई.टी.आई. युवा भी इसमें भाग ले सकते थे। 4. यह राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में आयोजित की गई है।

(1) केवल 1 और 2 (2) केवल 1, 2 और 3
(3) केवल 2 और 4 (4) उपर्युक्त सभी

Ans. (4)

❒ **राजस्थान की एम सेंड नीति-2021 का उद्देश्य है-** [PSI - 13.09.2021]

(1) राज्य में निर्माण कार्यों में नदियों से प्राप्त बजरी के उपयोग को बढ़ाना।
(2) नदी बजरी के निर्यात को बढ़ावा देना।
(3) प्रदेश के माइनिंग क्षेत्रों में खानों से निकलने वाले अपशिष्ट (वेस्ट) की समस्या का समाधान कराना।
(4) अन्य राज्यों की नदी बजरी के प्रयोग को रोकना।

Ans. (3)

व्याख्या- राजस्थान सरकार बजरी के दीर्घकालीन विकल्प के रूप में एम सेण्ड को बढ़ावा देने के लिए 25 जनवरी, 2021 को एम सेण्ड नीति, 2020 को लोकार्पण किया गया। नदियों से निकलने वाली बजरी पर हमारी निर्भरता में कमी आएगी, साथ ही प्रदेश के माइनिंग क्षेत्रों में खानों से निकलने वाले वेस्ट की समस्या का भी समाधान होगा। वर्तमान में एम सेण्ड इकाइयाँ मुख्य रूप से जयपुर, दौसा, जोधपुर व भरतपुर जिलों में कार्यरत है।

❐ **राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना (R.W.S.L.I.P.) का वित्त पोषण किस संस्था/ संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है-** [वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]

(1) स्वयं सहायकता समूहों एवं एशियन डेवलपमेंट बैंक (ए.डी.बी.) द्वारा
(2) एशियन डेवलपमेंट बैंक (ए.डी.बी.) द्वारा
(3) जापान इन्टरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी (जे.आइ.सी.ए.) व एशियन डेवलपमेंट बैंक (ए.डी.बी.)
(4) जापान इन्टरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी (जे.आइ.सी.ए.)

Ans. (4)

❐ **कौनसी एक योजना राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सम्बन्धित नहीं है?** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) शुभशक्ति योजना (2) नवजीवन योजना
(3) स्वाधार ग्रह योजना (4) पालनहार योजना

Ans. (1)

❐ **राजस्थान शुभ शक्ति योजना का लाभान्वित समूह है-** [CET -4.2.2023 (S- II)]

(1) स्टार्टअप संस्थापक (2) फुटपाथ विक्रेता
(3) महिला व्यापारी
(4) श्रमिक परिवार की लड़कियाँ व महिलाएँ

Ans. (4)

❐ **सुमेलित कीजिए-** [III Grade (Urdu) -28.02.2023]

योजना	आरम्भ वर्ष
(A) शुभ शक्ति योजना	(1) 2011
(B) स्व-विवेक जिला विकास योजना	(2) 2016
(C) अनुप्रति योजना	(3) 2005-06
(D) जीरो बजट नेचुरल फॉर्मिंग योजना	(4) 2019-20

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	2	4	1	(2)	2	3	1	4
(3)	1	4	3	2	(4)	1	4	2	3

Ans. (2)

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा एशियाई विकास बैंक द्वारा वित्त पोषित नहीं है?** [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

(1) राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश कार्यक्रम-I
(2) राजस्थान मध्यम नगरीय क्षेत्र विकास परियोजना
(3) राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश कार्यक्रम प्रोजेक्ट-II
(4) राजस्थान राज्य राजमार्ग विकास कार्यक्रम-II

Ans. (4) *व्याख्या -विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित*

❐ **राजस्थान की निम्न बाह्य सहायता-प्राप्त परियोजनाओं को उनकी सम्बन्धित संस्थाओं के साथ सुमेलित कीजिए-** [PSI - 13.09.2021]

A. वानिकी एवं जैवविविधता परियोजना चरण-II	**1. NDB**
B. राज्य राजमार्ग विकास कार्यक्रम-II	**2. ADB**
C. राज्य राजमार्ग निवेश कार्यक्रम -I	**3. WB**
D. रेगिस्तानी क्षेत्रों के लिए जल क्षेत्र पुनर्निर्माण परियोजना	**4. JICA**

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	3	4	1	2
(3)	2	1	4	3	(4)	1	2	3	4

Ans. (1)

❐ **सुमेलित कीजिए-** [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

परियोजना का नाम	वित्त-पोषण एजेंसी
(A) राजस्थान ग्रामीण जल आपूर्ति और फ्लुओरोसिस शमन चरण-II	(1) विश्व बैंक (World Bank)
(B) राजस्थान राज्य राजमार्ग विकास कार्यक्रम-II	(2) जीका (JICA)
(C) राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश कार्यक्रम -I	(3) न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB)
(D) मरुस्थलीय क्षेत्रों के लिए राजस्थान जल क्षेत्र पुनर्निनिर्माण परियोजना	(4) एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB)

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	1	2	3	4	(2)	2	4	1	3
(3)	2	1	4	3	(4)	4	2	3	1

Ans. (3)

राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

(Political and Administrative System of Rajasthan)

29. राज्यपाल

❒ **भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद उपबंध करता है कि 'प्रत्येक राज्य के लिए राज्यपाल होगा'?**

[कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

[जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II]

(1) अनु. 154(2) अनु. 155(3) अनु. 153(4) अनु. 164

Ans. (3)

व्याख्या - अनुच्छेद 153-प्रत्येक राज्य में एक राज्यपाल होगा। दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक राज्यपाल हो सकता है। यह व्यवस्था 7वें संविधान संशोधन, 1956 की धारा 6 द्वारा की गई।

❒ **किस संविधान संशोधन के तहत एक ही व्यक्ति को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल बनाया जा सकता है-** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) 5वाँ संविधान संशोधन (2) 7वाँ संविधान संशोधन

(3) 10वाँ संविधान संशोधन(4) 25वाँ संविधान संशोधन

Ans. (2) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **राजस्थान की कार्यपालिका का संवैधानिक प्रमुख कौन होता है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) मुख्य सचिव (2) राष्ट्रपति(3) मुख्यमंत्री(4) राज्यपाल

Ans. (4)

व्याख्या -राज्यपाल वस्तुत: राज्य की कार्यपालिका का संवैधानिक प्रधान होता है। अनुच्छेद 154 (1) के अनुसार राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी और वह इनका प्रयोग संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थों द्वारा करेगा।

❒ **भारतीय संविधान का निम्न में से कौनसा अनुच्छेद राज्यपाल की कार्यपालक शक्तियों से संबंधित है-**

[III Grade (Hindi) -26.2.2023] [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]

(1) अनुच्छेद 142 (2) अनुच्छेद 154

(3) अनुच्छेद 171 (4) अनुच्छेद 158

Ans. (2) ***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **संविधान के अनुच्छेद 155 के तहत राज्यपाल की नियुक्ति निम्न में से किसके द्वारा की जाती है?**

[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]

[Police Constable Exam-2011]

(1) भारत के राष्ट्रपति (2) भारत के प्रधानमंत्री

(3) राज्य के मुख्यमंत्री (4) केन्द्रीय मंत्रि परिषद

Ans. (1)

व्याख्या - अनुच्छेद 155 -राज्यपाल की नियुक्ति- राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा।

❒ **भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद राज्यपाल के कार्यकाल से संबंधित है-**[पटवार-23.10.2021 (II)]

(1) अनु. 156(2) अनु. 163(3) अनु. 171(4) अनु. 158

Ans. (1)

व्याख्या - अनुच्छेद 156- राज्यपाल की पदावधि-

- ***156(1)-राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पदधारण करेगा।***
- ***156(2)-राज्यपाल, राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकता है।***
- ***156(3)-राज्यपाल, पदग्रहण की तारीख से 5 वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा।***

❒ **राज्यपाल अपना त्यागपत्र सम्बोधित करता है-**

[पटवार -2011, द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

(1) राष्ट्रपति को (2) प्रधानमंत्री को

(3) संघ के गृहमंत्री को

(4) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति को

Ans. (1) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❒ **निम्न में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**

[स्कूल व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा)- 21.10.2022]

(1) अनुच्छेद 155 - राज्यपाल की नियुक्ति

(2) अनुच्छेद 156-राज्यपाल नियुक्त होने के लिए अर्हताएँ

(3) अनुच्छेद 158 - राज्यपाल के पद के लिए शर्तें

(4) अनुच्छेद 159 - राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान

Ans. (2) ***व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।***

❐ राज्यपाल पद पर नियुक्त होने के लिये योग्यताएँ किस अनुच्छेद में दी गई हैं? [PTI Exam - 2015]
(1) अनु. 159(2) अनु. 151(3)अनु. 157(4)अनु. 161
Ans. (3)

व्याख्या - अनुच्छेद 157- राज्यपाल नियुक्त होने के लिए अर्हताएँ - (i) वह भारत का नागरिक हो, तथा (ii) 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।

❐ राज्यपाल पद हेतु न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित है-
[II Grade (Maths) -2011][जेल प्रहरी-21-10-2018, Shift -II]
(1) 35 वर्ष (2) 25 वर्ष (3) 18 वर्ष (4) 50 वर्ष
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राज्यपाल के पद के लिए शर्तें हैं-[PSI - 14.09.2021]
1. वह भारत का नागरिक है।
2. वह संसद के किसी सदन का या किसी राज्य के विधानमण्डल के किसी सदन का सदस्य नहीं होगा।
3. वह अन्य कोई लाभ का पद धारण नहीं करेगा।
4. वह पैंतीस वर्ष की आयु पूरी कर चुका है।
(1) केवल 1 और 4 (2) केवल 2 और 3
(3) केवल 1, 2 और 3 (4) 1, 2, 3 और 4
Ans. (2)

व्याख्या - अनुच्छेद 158- राज्यपाल के पद के लिए शर्तें -• 158 (1)-राज्यपाल संसद अथवा किसी राज्य के विधानमण्डल के किसी सदन का सदस्य नहीं हो सकता। यदि ऐसा व्यक्ति जो संसद अथवा राज्य के विधानमण्डल का सदस्य हो तो उसके राज्यपाल नियुक्त होने की तारीख से संसद अथवा राज्य के विधानमण्डल से उसका पद रिक्त हो जायेगा। • 158(2)-राज्यपाल कोई अन्य लाभ का पद धारण नहीं करेगा। • 158(3)-राज्यपाल को नि:शुल्क निवास स्थान मिलेगा तथा संसद विधि द्वारा निर्धारित वेतन, भत्ते, उपलब्धियाँ तथा विशेषाधिकार प्राप्त होंगे। • 158(4)-राज्यपाल के वेतन, भत्ते आदि पदावधि के दौरान कम नहीं। वर्तमान में राज्यपाल का वेतन 3.50 लाख प्रति माह कर दिया गया है।

❐ राज्यपाल की उपलब्धियाँ और भत्ते भारित होते हैं-
[III Grade (Sindhi) -01.3.2023]
(1) भारत की संचित निधि पर
(2) राज्य की आकस्मिक निधि पर
(3) भारत की आकस्मिक निधि पर
(4) राज्य की संचित निधि पर
Ans. (4) *अनु. 202 (3)(क) में इसका प्रावधान है।*

❐ संविधान के किस अनुच्छेद में राज्यपाल की शपथ का प्रारूप दिया गया है? [CET : 05.02.2023 (S-I)]
(1) अनु. 158(2) अनु. 159(3) अनु. 154(4) अनु. 155
Ans. (2)

व्याख्या - राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान (अनुच्छेद 159) - प्रत्येक राज्यपाल और प्रत्येक व्यक्ति जो राज्यपाल के कृत्यों का निर्वहन कर रहा है, अपना पदग्रहण करने से पहले उस राज्य के संबंध में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति या उसकी अनुपस्थिति में उस न्यायालय के उपलब्ध ज्येष्ठतम न्यायाधीश के समक्ष शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा।

❐ निम्न कथनों पर विचार कर सही कूटों का चयन कीजिए। [RAS Pre Exam-26.10.2013]
(A) राज्यपाल अपना पद ग्रहण करने से पूर्व शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा।
(B) शपथ या प्रतिज्ञान का प्रारूप भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची में है।
(C) राज्यपाल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति या उसकी अनुपस्थिति में ज्येष्ठतम न्यायाधीश के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञान करेगा।
(D) शपथ या प्रतिज्ञान की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 159 में दी गई है।
कूट: (1) (A), (B) और (C) (2) (A), (C) और (D)
(3) (A), (B) और (D) (4) (A), (B), (C) और (D)
Ans. (2)

व्याख्या - संविधान की तीसरी अनुसूची में संघ के मंत्री, संसद एवं राज्यविधान मण्डल के सदस्य, सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, राज्यमंत्री, संसद एवं राज्य विधान मण्डल के लिए निर्वाचन हेतु अभ्यर्थी के शपथ या प्रतिज्ञान के प्ररूप उल्लिखित हैं।

❐ राज्यपाल की अनुपस्थिति में उसके दायित्वों का निर्वाहन कौन करता है?[ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]
[CET : 05.02.2023 (S-II)]
(1) विधान सभा का अध्यक्ष (2) राज्य का मुख्यमंत्री
(3) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं
Ans. (3)

व्याख्या-राज्यपाल की अनुपस्थिति में उसके दायित्वों का निर्वाहन उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति करता है।

❒ **कौनसा अधिकार राज्यपाल को नहीं है?** [II Grade (Sanskart) Exam. 2011]

(1) मुख्यमंत्री की नियुक्ति
(2) मुख्यमंत्री की सलाह से अन्य मंत्रियों की नियुक्तियाँ
(3) राज्य की कार्यपालिका की शक्ति सीमा में किसी भी सिद्धदोष व्यक्ति के दण्ड को क्षमा करना
(4) उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति

Ans. (4)

व्याख्या - अनुच्छेद 161-राज्यपाल को किसी अपराध सिद्ध दोषी व्यक्ति के दण्ड को क्षमा, प्रविलंबन, विराम, परिहार या लघुकरण करने की शक्ति प्राप्त है।

❒ **राज्यपाल अपने स्वविवेकी कृत्यों को छोड़कर अपने कृत्यों का निर्वहन.......की सहायता और सलाह से करेगा।** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -19.02.2019]

(1) मुख्यमंत्री (2) मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्
(3) मंत्रिमण्डल (4) मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमण्डल

Ans. (2)

व्याख्या -अनुच्छेद 162 - राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार।

अनुच्छेद 163 -राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद्-

- *163(1)-राज्यपाल की सहायता और सलाह के लिए मंत्रिपरिषद् होगी जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा।*
- *163(2)-राज्यपाल का अपने विवेकानुसार किया गया विनिश्चय अंतिम होगा।*
- *163(3)- क्या मंत्रियों ने राज्यपाल को कोई मंत्रणा दी और यदि दी तो क्या दी, इस प्रश्न की किसी न्यायालय में जाँच न की जाएगी।*

❒ **राज्य सरकार को कानूनी मामलों में सलाह देने के लिए अधिकृत है-** [CET : 05.02.2023 (S-I)]

(1) महा अधिवक्ता (2) उच्च न्यायालय
(3) मुख्य न्यायाधीश (4) महान्यायवादी

Ans. (1)

व्याख्या -अनुच्छेद 165-राज्य का महाधिवक्ता (Advocate General)- (1) प्रत्येक राज्य का राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अर्हित किसी व्यक्ति को विधि संबंधी सलाह हेतु महाधिवक्ता नियुक्त करेगा। उस व्यक्ति में उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने की योग्यता होनी चाहिए। दूसरे शब्दों में उसे भारत का नागरिक होना चाहिए, उसे दस वर्ष तक न्यायिक अधिकारी का या उच्च न्यायालय में 10 वर्षों तक वकालत करने का अनुभव होना चाहिए।

(2) महाधिवक्ता का यह कर्तव्य होगा कि वह उस राज्य की सरकार को विधि संबंधी ऐसे विषयों पर सलाह दें और विधिक स्वरूप के ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करें जो राज्यपाल उसको समय-समय पर निर्देशित करें या सौंपे और उन कृत्यों का निर्वहन करे जो उसको इस संविधान अथवा तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि द्वारा या उसके अधीन प्रदान किये गये हों।

(3) महाधिवक्ता, राज्यपाल के प्रसादपर्यन्त पद धारण करेगा और ऐसा पारिश्रमिक प्राप्त करेगा जो राज्यपाल अवधारित करे। इसका तात्पर्य है कि उसे राज्यपाल द्वारा कभी भी हटाया जा सकता है।

❒ **राज्यपाल द्वारा राज्य की विधान परिषद् में कितने सदस्य मनोनीत किये जाते हैं?** [CET : 04.02.2023 (II)]

(1) सदस्यों की कुल संख्या का 1/3
(2) सदस्यों की कुल संख्या का 1/2
(3) सदस्यों की कुल संख्या का 1/4
(4) सदस्यों की कुल संख्या का 1/6

Ans. (4)

व्याख्या - अनुच्छेद 171 - राज्यपाल विधान परिषद् के 1/6 सदस्यों को नाम निर्देशित करता है जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला व समाज सेवा का विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव हो।

❒ **निम्नलिखित में से भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद, राज्य की विधायिका के कार्यकाल से संबंधित है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) 172 (2) 151 (3) 124 (4) 113

Ans. (1)

व्याख्या - भारतीय संविधान अनुच्छेद 172 : राज्यों के विधान-मंडलों की अवधि-(1) प्रत्येक राज्य की प्रत्येक विधान सभा, यदि पहले ही विघटित नहीं कर दी जाती है तो, अपने प्रथम अधिवेशन के लिए नियत तारीख से पाँच वर्ष तक बनी रहेगी।

❒ **राजस्थान विधानसभा को विघटित करने का अधिकार किसे है?** [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) राज्यपाल (2) मुख्यमंत्री
(3) विधानसभा अध्यक्ष (4) लोकायुक्त

Ans. (1)

व्याख्या : अनुच्छेद 174 – राज्य के विधानमण्डल के सत्र, सत्रावसान और विघटन–

• 174(1) – राज्यपाल, समय-समय पर राज्य के विधान मण्डल का अधिवेशन आहूत करेगा, किन्तु उसके एक सत्र की अंतिम बैठक और आगामी सत्र की प्रथम बैठक के लिए नियत तारीख के मध्य 6 माह का अंतर नहीं होना चाहिए।

• 174(2)-राज्यपाल, समय-समय पर- (क) सदन का सत्रावसान कर सकेगा। (ख) विधानसभा का विघटन कर सकेगा।

❒ **कौनसा अनुच्छेद राज्यपाल के विशेष अभिभाषण से सम्बन्धित है?**[PTI - 30.9.2018][CET-11.2.2023 (S-II)] [III Grade (Urdu) -28.2.2023]

(1) अनु. 176 (2) अनु.123 (3) अनु. 177 (4) अनु.173

Ans. (1)

व्याख्या *– अनुच्छेद 175 – सदन में अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राज्यपाल का अधिकार।*

अनुच्छेद 176 *– राज्य का विशेष अधिवेशन-राज्यपाल, राज्य विधानमण्डलों में एक साथ समवेत अभिभाषण कर सकता है।*

❒ **संविधान के कौनसे अनुच्छेद के तहत राजस्थान का महाधिवक्ता राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही में भाग ले सकता है?** [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) 178 (2) 175 (3) 176 (4) 177

Ans. (4)

व्याख्या – अनुच्छेद 177 –सदनों का सम्मान करते हुए मंत्रियों और महाधिवक्ता के अधिकार *– किसी राज्य के लिए प्रत्येक मंत्री और महाधिवक्ता को बोलने का अधिकार होगा और अन्यथा किसी राज्य की विधान परिषद, दोनों सदनों के मामले में, राज्य की विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार होगा। और बोलने के लिए और अन्यथा की कार्यवाही में भाग लेने के लिए, विधान मण्डल की किसी भी समिति जिसमें वह एक सदस्य नामित किया जा सकता है, लेकिन इस लेख के आधार पर, वोट के हकदार नहीं होंगे।*

❒ **कौनसा विकल्प सही हैं–** [VDO-27.12.2021 (S-I)]

1. राज्यपाल यह घोषित करेगा कि वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है। (अनुच्छेद 200)

2. राष्ट्रपति, राज्यपाल को यह निर्देश दे सकेगा कि वह विधेयक को सदन को लौटा दे। (अनुच्छेद-201)

(1) कथन 1 सही है। (2) कथन 2 सही है।

(3) 1 एवं 2 दोनों सही है। (4) 1 एवं 2 दोनों गलत है।

Ans. (3)

व्याख्या – • अनुच्छेद 200 –विधेयकों पर अनुमति– *जब कोई विधेयक राज्य की विधान सभा द्वारा या विधान परिषद वाले राज्य में विधान-मंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है तब वह राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और राज्यपाल घोषित करेगा कि वह विधेयक पर अनुमति देता है या अनुमति रोक लेता है अथवा* ***वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है,***

*• **अनुच्छेद 201 – राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित***

❒ **संविधान के किस अनुच्छेद के तहत् राज्यपाल विधान मण्डल द्वारा पारित किसी विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति हेतु सुरक्षित रख सकता है?** [CET : 04.02.2023 (S-II)] [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) अनु. 257 (2) अनु. 213 (3) अनु. 200 (4) अनु. 256

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल द्वारा आरक्षित रखे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति निर्णय लेता है?** [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) अनुच्छेद 200 (2) अनुच्छेद 201

(3) अनुच्छेद 203 (4) अनुच्छेद 202

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **यदि राजस्थान विधानसभा कोई ऐसा विधेयक पारित करती है जो उच्च न्यायालय की संवैधानिक स्थिति को खतरा पहुँचाता है, तो राजस्थान का राज्यपाल–** [II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-I)]

(1) विधेयक पर हस्ताक्षर से पूर्व उच्च न्यायालय की सलाह लेगा तथा उसे सलाह के अनुसार कार्य करेगा।

(2) विधेयक पर अनुमति नहीं देगा, किन्तु उसे राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखेगा।

(3) विधेयक को राजस्थान के मुख्यमंत्री के पास उसके विचारण के लिए भेजेगा।

(4) विधेयक को अनुमति देगा।

Ans. (2)

व्याख्या - विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजने के संबंध में- राज्य विधानमण्डल द्वारा प्रस्तुत किसी विधेयक को अनु. 200 के अंतर्गत राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित रखने की शक्ति राज्यपाल के स्वविवेक के अधीन है। विधेयक निम्न स्थितियों में राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखा जा सकता है- (i) विधेयक असंवैधानिक प्रतीत हो।

(ii) देश में व्यापक हित से संबंधित हो।

(iii) परोक्ष रूप से नीति निर्देशक तत्त्वों के विरुद्ध हो।

(iv) राष्ट्रीय महत्त्व का हो।

(v) उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता हो।

(vi) विधेयक अनु. 31(3) के तहत सम्पत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से संबंधित हो।

विधेयक विचारार्थ रोकना निश्चित रूप से राज्यपाल का विवेकाधिकार है। संविधान इस पर स्पष्ट नहीं है कि विधेयक को कब तक रोका जा सकता है तथा कब तक इसे वापस आ जाना चाहिए?

❐ **विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करते समय राज्यपाल किसके प्रतिनिधि के तौर पर कार्य करता है?** [CET -11.2.2023 (S-I)]

(1) राज्य विधानमंडल (2) संघीय सरकार
(3) राज्य की जनता (4) मंत्रिपरिषद्

Ans. (2)

व्याख्या -विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग राज्यपाल अपने विवेक या व्यक्तिगत निर्णय से करता हैं उसे इस संबंध में मंत्रिपरिषद से परामर्श लेने की आवश्यकता नहीं है। स्वविवेकीय शक्तियों के प्रयोग के अवसर उपस्थित होने पर राज्यपाल वस्तुतः संघ सरकार के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।

❐ **राज्यपाल द्वारा अध्यादेश जारी करने से संबंधित शक्तियों का वर्णन संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है-** [Asst. Jailer -15.03.2016] [PTI - 30.09.2018]

(1) 213 (2) 200 (3) 210 (4) 215

Ans. (1)

व्याख्या -अनुच्छेद 213 - राज्यपाल को अध्यादेश जारी करने का अधिकार- विधानमण्डल के विरामकाल में राज्यपाल अध्यादेश जारी कर सकता है विधानमण्डल के अधिवेशन में आने पर 6 सप्ताह तक ये अध्यादेश जारी रह सकते है। विधानमण्डल इन अध्यादेशों को स्वीकार कर कानून का रूप दे सकती है या उन्हें अस्वीकार कर सकती है। इसे किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

❐ **राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित अध्यादेश की मंजूरी आवश्यक है-** [II Grade - 30.07.2023 (S- II)] [IInd Grade Spc. Edu. 2017]

(1) राष्ट्रपति द्वारा (2) राज्य विधानमण्डल द्वारा
(3) राज्य परिषद के मंत्रियों द्वारा (4) इनमें से कोई नहीं

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **क्या राज्यपाल राज्य के विधानमण्डल के सत्र में रहने के दौरान अध्यादेश जारी कर सकता है?** [CET : 05.02.2023 (S-II)]

(1) नहीं (2) राष्ट्रपति की पूर्वानुमति से
(3) मंत्रिपरिषद् की सलाह से (4) हाँ

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **संविधान के किस अनुच्छेद में राज्यपाल को विधान सभा में ऐंग्लो-इण्डियन समुदाय के सदस्य को नियुक्त करने का अधिकार है?** [PTI - 30.09.2018]

(1) अनु. 223 (2) अनु. 323 (3) अनु.333 (4) अनु. 303

Ans. (3)

व्याख्या - अनुच्छेद 333 - यदि किसी राज्य के राज्यपाल की यह राय है कि उस राज्य की विधानसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व आवश्यक है और उसमें उसका प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है तो वह विधानसभा में उस समुदाय का एक सदस्य नाम निर्देशित कर सकेगा। वर्तमान में यह प्रावधान समाप्त कर दिया गया है।

❐ **कितने न्यूनतम सदस्यों के पक्ष में होने पर ही राजस्थान विधानसभा में मंत्री परिषद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है-** [मूल्यांकन अ.-23.8.2020]

(1) 20 (2) 30 (3) 40 (4) 50

Ans. (3)

व्याख्या -सदस्यों की समग्र संख्या का कम से कम 5वाँ भाग पक्ष में होने पर ही राजस्थान विधानसभा में मंत्री परिषद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है

❐ **राज्य महाधिवक्ता व राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है?** [II Grade (Urdu) Exam. 2011] [PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022] [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) मुख्यमंत्री (2) राज्यपाल
(3) मुख्य न्यायाधीश (4) विधानसभाध्यक्ष

Ans. (2)

> *व्याख्या - राज्यपाल राज्य महाधिवक्ता, राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों, राज्य निर्वाचन आयुक्त एवं राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति करता है तथा इसके अलावा राज्य-पोषित विश्वविद्यालय के कुलपति, अन्य आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति भी राज्यपाल करता है।*

❒ **राजस्थान के निम्नलिखित में से कौनसा संवैधानिक पदाधिकारी राज्यपाल द्वारा नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन उन्हें राज्यपाल द्वारा उनके पद से नहीं हटाया जा सकता है-** [JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
[PTI (Grade-III)-25.9.2022]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

1. महाधिवक्ता 2. राज्य निर्वाचन आयुक्त
3. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य

(1) केवल 1 और 2 (2) केवल 2 और 3
(3) केवल 1 और 3 (4) 1, 2 और 3

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **नवीन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत अब राजस्थान के राज्यपाल को निम्नलिखित अभिवादन से संबोधित किया जाता है-** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-26.04.2017]

(1) "Honourable" अंग्रेजी में तथा ''माननीय राज्यपाल'' अथवा राज्यपाल महोदय, हिन्दी में
(2) 'The "most honourable' अंग्रेजी में तथा 'अति सम्माननीय' हिन्दी में
(3) 'His/her Excellency' अंग्रेजी में तथा 'महामहिम' हिन्दी में
(4) 'His/Her Royal Highness' अंग्रेजी में तथा 'महाराजाधिराज/महारानीधिराज' हिन्दी में

Ans. (1)

> *व्याख्या : राजस्थान और उत्तरप्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने राज्य में प्रोटोकॉल की वर्तमान व्यवस्था में संशोधन किया है। राज्यपाल सचिवालय से 26 अगस्त, 2014 को जारी आदेशों के अनुसार राज्य समारोहों, महानुभावों से होने वाले परस्पर वार्तालाप और शासकीय टिप्पणियों में 'हिज एक्सीलेंसी' यानी 'महामहिम' शब्द का प्रयोग नहीं किया जाएगा। ऐसे अवसरों पर हिन्दी में माननीय राज्यपाल' अथवा 'राज्यपाल महोदय' का प्रयोग होगा। अंग्रेजी में 'ऑनरेबल गवर्नर' (Honourable Governor) संबोधित किया जाएगा। साथ ही राज्यपाल के नाम से पूर्व 'श्री, श्रीमती या सुश्री' का प्रयोग किया जाएगा।*

❒ **आयोग जिसने राज्यपालों के लिए पाँच वर्ष के एक निश्चित कार्यकाल की संस्तुति की-**
[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) राजमन्नार आयोग (2) पुंछी आयोग
(3) शाह आयोग (4) लिब्रहान आयोग

Ans. (2)

❒ **कौन-सा पद राजस्थान के राज्यपाल द्वारा सुशोभित नहीं होता है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]

(1) राजस्थान राज्य के संवैधानिक प्रमुख
(2) राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति
(3) अध्यक्ष, रेडक्रॉस सोसाइटी, राजस्थान
(4) अध्यक्ष, अरावली प्रबंधन बोर्ड

Ans. (4)

> *व्याख्या-राजस्थान के राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विविध प्रावधानों व कृत्यों के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त जिम्मेदारी रखते हैं-• अध्यक्ष, राज्य सैनिक बोर्ड, राजस्थान • राजस्थान के पूर्व सैनिकों के हितलाभों के लिए समेकित निधि की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष।*
> *• अध्यक्ष, पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर*
> *• संरक्षक, स्काउट और गाइड, राजस्थान*
> *• अध्यक्ष, भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान स्टेट ब्रांच, • राजस्थान के विश्वविद्यालयों का कुलपति।*

❒ **पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के सभापति कौन है?** [II Grade GK -31.10.2018]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) राजस्थान के राज्यपाल
(2) राजस्थान के मुख्यमंत्री
(3) राजस्थान पर्यटन मंत्री
(4) उदयपुर के संभागीय आयुक्त

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सही उत्तर चुनें:**[CET : 07.01.2023 (S-1)][RAS-28.8.2016]
राजस्थान के राज्यपाल कुलाधिपति होते हैं-

(1) सभी राज्य विश्वविद्यालयों, राज्य में स्थित केन्द्रीय विश्वविद्यालयों तथा सभी निजी विश्वविद्यालयों के
(2) सभी राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों के
(3) सभी राज्य विश्वविद्यालयों तथा राज्य में कार्यरत सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के
(4) सभी राज्य विश्वविद्यालयों के

Ans. (4)

व्याख्या : राज्यपाल, राज्य के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति होता है, वह राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति करता है।

❒ **राजस्थान का राज्यपाल निम्नांकित में से किस विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नहीं है?**

[II Grade (GK) 29.1.2023]

(1) जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

(2) राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अजमेर

(3) हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर

(4) राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान विधानसभा की निम्नलिखित में से किस समिति में सदस्यों की संख्या पूर्व निर्धारित नहीं है-**

[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) याचिका समिति

(2) विशेषाधिकार समिति

(3) सरकारी आश्वासनों सम्बन्धी समिति

(4) सामान्य प्रयोजनों सम्बन्धी समिति

Ans. (4)

व्याख्या - याचिका समिति, विशेषाधिकार समिति एवं सरकारी आश्वासनों सम्बन्धी समिति में 15 से अधिक सदस्य नहीं होते, जबकि सामान्य प्रयोजनों सम्बन्धी समिति में ऐसा नियत नहीं है।

❒ **भारतीय राज्य के राज्यपाल के बारे में कौनसा कथन सत्य नहीं है?** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

(2) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।

(3) वह पाँच साल की अवधि के लिए पद पर रहता है।

(4) यदि संबंधित राज्य की विधानमंडल उसे हटाने के लिए प्रस्ताव पारित करती है तो उसे पहले भी हटाया जा सकता है।

Ans. (4)

व्याख्या : राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पदधारण करता है। उसकी बरखास्ती के कारण संविधान में उल्लिखित नहीं है।

❒ **राज्यपाल की शक्तियों के संदर्भ में निम्न में से कौन -सा सही नहीं है?**[II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.2.2019]

(1) राज्यपाल धन-विधेयक को पुनर्विचार हेतु राज्य विधानमण्डल को लौटा सकता है।

(2) राज्यपाल किसी विधेयक को भारत के राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित कर सकते हैं।

(3) राज्य विधानमण्डल के विश्रांतिकाल में राज्यपाल द्वारा अध्यादेश प्रख्यापित किया जा सकता है।

(4) राज्यपाल के पास क्षमादान की शक्ति है।

Ans. (1)

व्याख्या - राज्यपाल धन-विधेयक को पुनर्विचार हेतु राज्य विधानमण्डल को लौटा नहीं सकता है।

❒ **राजस्थान के वे राज्यपाल जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ-** [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]

[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

1. एस. के. सिंह **2. श्रीमती प्रभा राव**

3. निर्मल चंद जैन **4. दरबारा सिंह**

(1) केवल 2 (2) 2, 4

(3) 1, 2, 3, 4 (4) केवल 1

Ans. (3)

व्याख्या -प्रभा राव चौथी ऐसी राज्यपाल है जिनका राजस्थान के राज्यपाल पद पर रहते हुए निधन (26 अप्रैल 2010) हुआ है। इससे पूर्व दरबारासिंह का 23 मई, 1998, निर्मलचंद जैन का 22 सितम्बर, 2003 और एस. के. सिंह का 1 दिसम्बर, 2009 को निधन हो गया था।

❒ **राजस्थान के निम्नलिखित में से किस राज्यपाल/ राज्यपालों ने अपना कार्यकाल पूर्ण होने से पूर्व ही राज्यपाल पद से त्यागपत्र दे दिया-**

[Jr. Accountant 4.10.16] [मूल्यांकन अधिकारी-23.8.2020]

[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

1. दरबारा सिंह **2. मदन लाल खुराना**

3. प्रतिभा पाटिल

(1) 1 और 2 (2) 2 और 3

(3) 1 और 3 (4) केवल 2

Ans. (2)

व्याख्या - • मदनलाल खुराना (त्यागपत्र) : 14-01-2004 से 01-11-2004, •प्रतिभा पाटिल (राज्य की पहली महिला राज्यपाल, त्यागपत्र): 8-11-2004 से 23-06-2007

❐ निम्नांकित में से किसे सबसे पहले राजस्थान के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया- [HM-11.10.2021][JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]

(1) टी.वी. राजेश्वर (2) कैलाशपति मिश्र
(3) धनिकलाल मण्डल (4) स्वरूप सिंह

Ans. (4)

व्याख्या –• डी. पी. गुप्ता (कार्यवाहक):4.11.1985 से 19.11.1985, • सुखदेव प्रसाद : 20.2.1989 से 2.2.1990, • मिलापचन्द जैन (कार्यवाहक) : 3.2.1990 से 13.2.1990, • स्वरूप सिंह (अति.प्रभार) : 26.08.1991 से 04.02.1992 • धनिकलाल मंडल (अति.प्रभार):13.5.1993 से 29.06.1993

❐ राजस्थान में जब पहली बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया, राज्य के राज्यपाल थे-[द्वितीय श्रेणीशिक्षक -2014] [CET -11.2.2023 (S-II)]

(1) हुकुमसिंह (2) जोगिंदरसिंह
(3) संपूर्णानंद (4) रघुकुल तिलक

Ans. (3)

व्याख्या- चुनावों में दुविधापूर्ण स्थिति (अस्पष्ट बहुमत) के परिणामस्वरूप सर्वप्रथम राष्ट्रपति शासन (13 मार्च, 1967 से 26 अप्रैल, 1967) लागू। डॉ. सम्पूर्णानन्द के कार्यकाल 16-04-1962 से 15-04-1967 के दौरान 13 मार्च, 1967 राजस्थान में **प्रथम बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया** जो सरदार हुकुमसिंह के कार्यकाल 16-04-1967 से 19-11-1970 में 26 अप्रैल, 1967 तक रहा।

❐ राजस्थान में लागू कौन-सा राष्ट्रपति शासन का कार्यकाल सबसे लंबा रहा-[कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]

(1) दूसरा (2) तीसरा (3) पहला (4) चौथा

Ans. (4)

व्याख्या – चौथे राष्ट्रपति शासन का कार्यकाल सर्वाधिक लम्बा (15 दिसम्बर, 1992- 3 दिसम्बर, 1993)। तत्कालीन राज्यपाल-एम.चेन्नारेड्डी (05.02.1992 से 30.05.1993), बलिराम भगत।

❐ राजस्थान के निम्नांकित राज्यपालों में से कौन हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष रह चुके हैं- [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) ओ.पी. मेहरा (2) रघुकुल तिलक
(3) सुखदेव प्रसाद (4) एम. चेन्नारेड्डी

Ans. (1)

व्याख्या – एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा (6 मार्च, 1982 से 4 जनवरी, 1985 तथा 1 फरवरी, 1985 से 3 नवम्बर, 1985 तक) – ये लगभग ढाई वर्ष तक हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. के अध्यक्ष रहे तथा भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष भी रहे।

❐ श्री कलराज मिश्र, राजस्थान .... वें राज्यपाल हैं- [CET : 04.02.2023 (S-I)]

(1) 41 (2) 44 (3) 39 (4) 40

Ans. (2)

व्याख्या –कलराज मिश्र (9 सितम्बर, 2019 से निरन्तर)- राजस्थान 44वें कलराज मिश्र इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे।

❐ राजस्थान में किस वर्ष राज्यपाल रिलीफ फण्ड की स्थापना की गयी? [II Grade GK - 24.12.2022]

(1) 1974 (2) 1975 (3) 1973 (4) 1972

Ans. (3)

व्याख्या –समस्त वैधानिक/प्रशासनिक प्रयोजनार्थ गवर्नर रिलीफ फण्ड का गठन 14 मार्च, 1973 को किया गया। इस फण्ड के उद्देश्य - अकाल एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों में सहायता, प्राकृतिक आपदाओं यथा अग्निकाण्ड, बाढ़ एवं दुर्घटना में सहायता, प्रदेश में महामारी, अतिवृष्टि, टिड्ढी, ओलावृष्टि तथा अन्य आपदा क्षेत्रों में फसल नुकसान, औषधि एवं उपकरणों हेतु सहायता, माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा अन्य जो भी कारण उचित समझे, जहाँ तात्कालिक आवश्यकता हो।

❐ राजस्थान में प्रथम जेण्डर बजट वर्ष.... में प्रस्तुत किया गया? [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) 2012-13 (2) 2021-22 (3) 2014-15 (4) 2017-18

Ans. (1)

व्याख्या –वर्ष 2012-13 में **राज्य का पहला जेण्डर बजट**, 2021-22 में **पहला पेपरलैस बजट** तथा पहला 'कृषि बजट' भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा ही पेश किया गया।

❐ राजस्थान के मुख्यमंत्री के अपने प्रथम कार्यकाल के दौरान, श्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री का पद निम्न में से किस तारीख को सँभाला था? [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) 1 दिसम्बर, 1998 (2) 2 दिसम्बर, 1998
(3) 3 दिसम्बर, 1998 (4) 12 दिसम्बर, 1998

Ans. (1)

30. मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद

❒ **निम्नलिखित में से राज्य का वास्तविक कार्यपालिका प्रधान कौन है?** (IInd Grade Spc. Edu. 2017)
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]

(1) राज्यपाल (2) मुख्यमंत्री
(3) मंत्रिमंडल (4) मुख्य सचिव

Ans. (2)

व्याख्या *– राज्य के स्तर पर मुख्यमंत्री की स्थिति वैसी ही है जैसी केन्द्र स्तर पर प्रधानमंत्री की है। वस्तुतः शासन संचालन का प्रमुख कर्ताधर्ता वहीं होता है। मंत्रिपरिषद् का मुखिया होने के नाते समस्त सत्ता उसी में अंतर्निहित होती है।*

❒ **मुख्यमंत्री की नियुक्ति भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत होती है?**[पटवार-23.10.2021 (S -I]
[II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -19.02.2019]
[VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) अनुच्छेद 164 (2) अनुच्छेद 154
(3) अनुच्छेद 153 (4) अनुच्छेद 163

Ans. (1)

व्याख्या -अनुच्छेद 164 - मंत्रियों के बारे में अन्य उपबंध- • 164(1)-*मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगा तथा अन्य मंत्रियों की नियुक्ति मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा की जायेगी। मंत्री, राज्यपाल के प्रसादपर्यन्त अपने पद पर बने रहेंगे।*

❒ **संविधान के अनुच्छेद 164 (1) के अनुसार, राजस्थान का मुख्यमंत्री होता है-**
[संरक्षण अधिकारी-29.05.2019]
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

(1) निर्वाचित (2) चयनित (3) मनोनीत (4) नियुक्त

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राज्य मंत्री परिषद् सामूहिक रूप से उत्तरदायी है-**
[II Grade (English) Exam. 2011]

(1) विधानसभा के प्रति (2) लोकसभा के प्रति
(3) मुख्यमंत्री के प्रति (4) राज्यपाल के प्रति

Ans. (1)

व्याख्या *- अनुच्छेद 164(2) मंत्रिपरिषद् राज्य की विधानसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होगी।*

❒ **भारत के संविधान की किस अनुसूची के तहत, राज्य में राज्यपाल द्वारा मंत्री को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाती है-** [II Grade GK -17.02.2019]

(1) पहली अनुसूची (2) दूसरी अनुसूची
(3) तीसरी अनुसूची (4) चौथी अनुसूची

Ans. (3)

व्याख्या -अनुच्छेद 164(3)-*किसी मंत्री द्वारा अपना पद ग्रहण करने से पहले संविधान की तीसरी अनुसूची के तहत राज्यपाल, उसे पद की और गोपनीयता की शपथ दिलाएगा।*

❒ **यदि किसी ऐसे व्यक्ति को राज्य का मंत्री बनाया जाता है, जो राज्य विधायिका का सदस्य नहीं है, तो इस विषय में संवैधानिक प्रावधान क्या है?**
[PTI Exam - 30.09.2018]

(1) उसका छः माह के भीतर निर्वाचन किया जाये।
(2) वह त्यागपत्र दे दे।
(3) वह राज्यपाल द्वारा हटा दिया जाता है।
(4) वह अविश्वास प्रस्ताव द्वारा हटाया जाता है।

Ans. (1)

व्याख्या -अनुच्छेद 164(4)-*किसी मंत्री के लिए 6 माह में राज्य विधानमण्डल का सदस्य होना अनिवार्य।*

❒ **मुख्यमंत्री के वेतन और भत्ते निम्न में से किसके द्वारा निर्धारित किये जाते हैं?**
[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) संसद (2) राज्यपाल
(3) राज्य विधानसभा (4) संविधान की तीसरी अनुसूची

Ans. (3)

व्याख्या - अनुच्छेद 164(5)-*मंत्रियों के वेतन और भत्ते राज्य विधानमण्डल की विधि द्वारा अवधारित किये जाते है, जब तक ऐसा न हो तब तक ऐसे होंगे जो द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं।*

❒ **संविधान में राज्य के मुख्यमंत्री का कर्तव्य निर्धारित है-** [II Grade (Maths) Exam. 2011]
[कर सहायक -14.10.2018][Asst. Jailer-15.03.2016]
[जेल प्रहरी 20-10-2018, S-III] [मूल्यांकन अधिकारी-23.8.2020]

(1) अनुच्छेद 163 में (2) अनुच्छेद 213 में
(3) अनुच्छेद 157 में (4) अनुच्छेद 167 में

Ans. (4)

व्याख्या - अनुच्छेद 167 - <u>मुख्यमंत्री के कर्तव्य</u>- (i) वह राज्यपाल को प्रशासन सम्बन्धी निर्णयों तथा विधि निर्माण से संबंधित मंत्रिपरिषद् के निर्णयों के सम्बन्ध में संसूचित करें। (ii) यदि राज्यपाल प्रशासन सम्बन्धी जानकारी मांगता है तो उसे मुख्यमंत्री को देना होगा। (iii) यदि किसी विषय पर, किसी मंत्री के मंत्रिमण्डल के परामर्श के बिना ही कोई निर्णय ले लिया है तो मंत्रिमण्डल के समक्ष विचार के लिए उस निर्णय को मुख्यमंत्री द्वारा रखा जाना उसका कर्तव्य होगा।

❒ **नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग करते हुये सही कथन का चयन कीजिए।** [RAS Pre Exam-26.10.2013]

(A) मुख्यमंत्री राज्य के कार्यों के प्रशासन सम्बन्धी विनिश्चय राज्यपाल को संसूचित करता है।

(B) मुख्यमंत्री विधान विषयक प्रस्थापनाओं के बारे में राज्यपाल को संसूचित करता है।

(C) मुख्यमंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद् की बैठकों में भाग लेता है।

(D) मुख्यमंत्री किसी विषय को जिस पर किसी मंत्री ने विनिश्चय कर लिया है, किन्तु मंत्री परिषद् ने विचार नहीं किया है, राज्यपाल द्वारा अपेक्षा किये जाने पर परिषद् के समक्ष रखवाता है।

कूट: (1) (A) और (B) (2) (A) और (D)
(3) (A), (B) और (C) (4) (A), (B), (C) और (D)

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के मन्त्रिपरिषद् में मुख्यमंत्री सहित विधान सभा की कुल सदस्य संख्या के अधिक से अधिक कितने प्रतिशत सदस्य हो सकते हैं?** [RAS -19.11.2013] [II Gr. SST (Sp. Edu.) -17.2.2019][PTI II Grade -17.5.2012] [II Grade GK -17.02.2019][CET -11.2.2023 (S-I)]

(1) 10% (2) 15% (3) 20% (4) 25%

Ans. (2)

व्याख्या - 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा संविधान के अनुच्छेद 164(1)(क) में उपबन्धित किया गया कि मंत्रिपरिषद् में मंत्रियों की कुल संख्या, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल है, राज्य विधानसभा के सदस्यों के कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। अर्थात् राजस्थान मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित कुल मंत्रियों की संख्या <u>अधिकतम 30 (29+1)</u> तथा <u>न्यूनतम 12 (11+1)</u> होती है।

❒ **भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से कौनसे अनुच्छेद में यह उल्लेख है कि - 'किसी राज्य की मंत्रि-परिषद में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या उस राज्य की विधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी'?** [PTI (Grade II)-30.4.2023]

(1) 165 (1) (2) 165(1क)
(3) 164 (5) (4) 164 (1क)

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित अधिक से अधिक कितने सदस्यगण हो सकते है-** [Head Master Exam, 2011][PTI, 16 May, 2012] [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017][Police Con.-2006-07] [II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-II)]

(1) 12 (2) 20 (3) 30 (4) 35

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में राष्ट्रपति शासन कितनी बार लगाया गया?** [CET-4.2.2023 (S-I)] [RAS-31.10.2015, 28.08.2016]

(1) 7 (2) 2 (3) 6 (4) 4

Ans. (4)

व्याख्या - राज्य में प्रथम बार राष्ट्रपति शासन श्री मोहनलाल सुखाड़िया (14.03.1967 से 26.04.1967), दूसरी बार श्री हरिदेव जोशी (29.04.1977 से 22.06.1977), तीसरी बार श्री भैरोंसिंह शेखावत (17.02.1980 से 06.06.1980) और चौथी बार श्री भैरोंसिंह शेखावत (15.12.1992 से 04.12.1993) के समय लगा। ज्ञातव्य है कि प्रथम चुनावों में दुविधापूर्ण स्थिति (अस्पष्ट बहुमत) के परिणामस्वरूप राष्ट्रपति शासन लगा था, जबकि अन्य तीनों बार विधानसभा में बहुमत सिद्ध न होने के कारण।

❒ **राजस्थान में किन वर्षों में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था?** [II Grade - 30.07.2023 (S- II)]

(1)1967,1977,1980,1992 (2) 1967,1978,1981,1992
(3) 1967,1977,1980,1993 (4) 1967,1979,1981,1993

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **विधान सभा चुनाव में अस्पष्ट बहुमत के कारण राजस्थान में राष्ट्रपति शासन कब लगाया गया था?** [College Lecturer 24.04.2016][CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) 1977 (2) 1980 (3) 1967 (4) 1992

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री कौन थे?**

[C.I.D. -2002] [छात्रावास अधीक्षक परीक्षा, 2008]
[RPSC III Grade Teacher Exam-2009]
[उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]

(1) हीरालाल शास्त्री (2) नरोत्तमलाल जोशी
(3) टीकाराम पालीवाल (4) कमलकांत वर्मा

Ans. (3)

व्याख्या *- टीकाराम पालीवाल (दौसा) राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री (1952 से 1952 तक) है।*

❑ **कौन राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के पद पर रहे हैं?** [II Grade GK -31.10.2018]

(1) मोहन लाल सुखाड़िया (2) टीकाराम पालीवाल
(3) हरिदेव जोशी (4) अशोक गहलोत

Ans. (2)

व्याख्या *- 17 दिसम्बर, 2018 को **सचिन पायलट ने 5वें उपमुख्यमंत्री** के रूप में शपथ ली। इनसे पहले तीन उपमुख्यमंत्री कांग्रेस की सरकार में और एक भाजपा की सरकार में बन चुके हैं। कांग्रेस में 1952 में **टीकाराम पालीवाल** (जयनारायण व्यास मंत्रीमण्डल में), इसके बाद 1998 से 2003 तक चली अशोक गहलोत सरकार में **बनवारी लाल बैरवा** और **कमला बेनीवाल** उपमुख्यमंत्री बनी। वहीं भाजपा में भैंरोसिंह शेखावत के कार्यकाल में 1993 से 1998 में **हरिशंकर भाभड़ा** उपमुख्यमंत्री बनाए गए।*

❑ **राजस्थान के किस मुख्यमंत्री की 'कामचलाऊ सरकार' (केयरटेकर गवर्नमेन्ट) के विरुद्ध विधान सभा में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था-** [PSI - 14.09.2021]

(1) जयनारायण व्यास (2) टीकाराम पालीवाल
(3) मोहनलाल सुखाड़िया (4) हरिदेव जोशी

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान की प्रथम विधानसभा में मुख्यमंत्री टीकाराम पालीवाल की सरकार के विरुद्ध पहला अविश्वास प्रस्ताव पेश (प्रस्तुतकर्ता - इन्द्रनाथ मोदी, 10 अक्टूबर, 1952) किया गया था, जिसे अस्वीकार कर दिया गया।

❑ **श्रीमती वसुंधरा जी राजे राजस्थान की प्रथम बार मुख्यमंत्री .... मध्य रही।** [Patwar Main 24.12.16]
[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -III]

(1) 2001-07 (2) 1999-03
(3) 2003-08 (4) 2004-09

Ans. (3)

व्याख्या - झालरापाटन (झालावाड़) विधानसभा सीट से चुनी गई श्रीमती वसुंधरा राजे (जन्मदिन-8 मार्च, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस) 8 दिसम्बर, 2003 को राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री (कार्यकाल- 08-12-2003 से 12-12-2008 तक) बनी तथा मुख्यमंत्री के रूप में इनका दूसरा 13.12.2013 से 16.12.2018 तक रहा।

❑ **व्यक्ति-समूह को इंगित कीजिए, जिन्होंने तीन या अधिक अवसरों पर राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है-**[RPSC कनिष्ठ लेखाकार परीक्षा-2 अगस्त,2015]
[Assistant Professor-22.9.2021][पटवार-24.10.2021 (S - II)]

(1) जयनारायण व्यास-मोहनलाल सुखाड़िया-हरिदेव जोशी
(2) मोहनलाल सुखाड़िया-हरिदेव जोशी-भैंरोंसिंह शेखावत
(3) भैंरोंसिंह शेखावत-शिवचरण माथुर-हरिदेव जोशी
(4) मोहनलाल सुखाड़िया-हीरालाल शास्त्री-जयनारायण व्यास

Ans. (2)

व्याख्या *-प्रदेश के **तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने वाले** अशोक गहलोत **तीसरे व्यक्ति** हैं। इससे पहले **हरिदेव जोशी** और **भैंरोंसिंह शेखावत** भी तीन-तीन बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं। जोशी कांग्रेस की तरफ से तीन बार राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे हैं, तो वहीं भैंरोंसिंह शेखावत एक बार जनता पार्टी और दो बार भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान का मुख्यमंत्री पद संभाल चुके हैं। मोहन लाल सुखाड़िया के बाद सर्वाधिक कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बने हैं। सुखाड़िया 17 साल (1954-71) में **4 बार मुख्यमंत्री** चुने गए।*

❑ **राजस्थान में सबसे अधिक 4 बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है-**[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा) -12.03.2021]
[II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-II)]

(1) मोहनलाल सुखाड़िया (2) भैंरोसिंह शेखावत
(3) वसुन्धरा राजे (4) अशोक गहलोत

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान राज्य के किस मुख्यमंत्री का कार्यकाल सबसे कम अवधि का रहा है?**[उद्योग निरीक्षक-24.6.2018]
[II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) श्री जगन्नाथ पहाड़िया (2) श्री हरिदेव जोशी
(3) श्री हीरालाल देवपुरा (4) श्री बरकतुल्ला खाँ

Ans. (3)

व्याख्या - मुख्यमंत्री के रूप में श्री हीरालाल देवपुरा (23-02-1985 से 10-03-1985) का कार्यकाल की सबसे कम अवधि (16 दिन) रहा।

❐ **निम्नांकित में से राजस्थान के कौनसे मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री बनने से पूर्व किसी भी मंत्री परिषद् में मंत्री नहीं रहे हैं?** [II Grade GK -31.10.2018]
(1) जयनारायण व्यास (2) बरकतुल्लाह खान
(3) मोहनलाल सुखाड़िया (4) भैरोंसिंह शेखावत
(1) 1 और 2 (2) 1 और 4(3) 3 और 4 (4) 2 और 4
Ans. (2)

***व्याख्या** - बरकतुल्लाह खान, मोहनलाल सुखाड़िया सरकार में कैबिनेट मंत्री तथा मोहनलाल सुखाड़िया, जयनारायण व्यास तथा टीकाराम पालीवाल के कार्यकाल में मंत्री थे।*

❐ **निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल का सही क्रम है?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
[पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]
(1) हरिदेव जोशी - भैरोंसिंह शेखावत - जगन्नाथ पहाड़िया- शिवचरण माथुर
(2) शिवचरण माथुर - जगन्नाथ पहाड़िया - भैरोंसिंह शेखावत - हरिदेव जोशी
(3) जगन्नाथ पहाड़िया - भैरोंसिंह शेखावत - शिवचरण माथुर - हरिदेव जोशी
(4) शिवचरण माथुर - हरिदेव जोशी - जगन्नाथ पहाड़िया - भैरोंसिंह शेखावत
Ans. (1)

***व्याख्या** -*
- ***मोहन लाल सुखाड़िया (13-11-1954 से 8-7-1971)***
- ***बरकतुल्लाह खान (09-07-1971 से 11-10-1973)***
- ***हरिदेव जोशी (11-10-1973 से 29-04-1977)***
- ***भैरोंसिंह शेखावत (22-06-1977 से 16-02-1980)***
- ***जगन्नाथ पहाड़िया (06-06-1980 से 13-07-1981)***
- ***शिवचरण माथुर (14-07-1981 से 23-02-1985)***

❐ **राजस्थान के निम्नांकित मुख्यमंत्रियों में से कौन मुख्यमंत्री नियुक्त होते समय राजस्थान विधानसभा सदस्य नहीं था/थे-** [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
[Head Master -11.10.2021]
(1) टीकाराम पालीवाल (1952)
(2) जगन्नाथ पहाड़िया (1980)
(3) वसुन्धरा राजे (2003)
(4) बरकतुल्लाह खान (1971)
Ans. (2)

***व्याख्या** - राजस्थान के पहले दलित मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया ने 6 जून, 1980 को मुख्यमंत्री के पद की शपथ ग्रहण की। इस समय पहाड़िया विधानसभा के सदस्य ना होकर भरतपुर के बयाना क्षेत्र से लोकसभा के सदस्य एवं केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में वित्त राज्य मंत्री पद पर कार्यरत थे। बाद में 23 नवम्बर, 1980 को भरतपुर जिले के वैर (सु.) क्षेत्र से उपचुनाव में वे विधायक चुने गये। उल्लेखनीय है कि छायावाद की ख्यातनाम लेखिका महादेवी वर्मा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के चलते मात्र 13 महीने में पहाड़िया को अपनी कुर्सी गवानी पड़ी थी।*

❐ **राजस्थान की प्रथम निर्वाचित लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ?** [II Grade (Urdu) Exam. 2011]
(1) 26 जनवरी, 1952 को (2) 2 फरवरी, 1952 को
(3) 3 मार्च, 1952 को (4) 15 मार्च, 1952 को
Ans. (3)

***व्याख्या** - **प्रथम निर्वाचित लोकतांत्रिक सरकार (3 मार्च, 1952 से 31 अक्टूबर, 1952) :** प्रथम विधानसभा चुनावों में तत्कालीन मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास के चुनाव हार जाने के कारण श्री पालीवाल के नेतृत्व में सरकार बनी। पालीवाल मंत्रिमंडल ने 31 अक्टूबर, 1952 को त्यागपत्र दे दिया।*

❐ **राज्य में 'संसदीय सचिव' किसके समक्ष शपथ लेता है या प्रतिज्ञान करता है?**
[II Grade शिक्षक परीक्षा -2014]
(1) राज्यपाल
(2) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति
(3) मुख्यमंत्री
(4) विधानसभा-अध्यक्ष
Ans. (3)

***व्याख्या :** राज्यपाल मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के अन्य मंत्रियों को शपथ दिलाता है तथा संसदीय सचिव (नियुक्ति-मुख्यमंत्री द्वारा) को मुख्यमंत्री शपथ दिलाता है।*

❐ **निम्नांकित में से कौनसा राजस्थान में मंत्रिपरिषद की बैठक का स्थान और समय निर्दिष्ट करता है-**
[Head Master -11.10.2021]
(1) मुख्य सचेतक (2) मुख्यमंत्री
(3) संसदीय कार्य मंत्री (4) राज्यपाल
Ans. (2)

व्याख्या – मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद् की अध्यक्षता करता है तथा इस बात का निर्णय करता है कि मंत्रिपरिषद् की बैठक कब और कहाँ होगी तथा किसी विषय पर विचार किया जाएगा।

❑ **निम्नांकित में से कौन, राजस्थान से राज्यसभा में सबसे ज्यादा अवधि के लिए प्रतिनिधित्व करने वाली महिला सांसद है-**

[Head Master -11.10.2021]

(1) ऊषी खान (2) शारदा भार्गव
(3) लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत (4) शांति पहाड़िया

Ans. (2)

व्याख्या – राजस्थान से अब तक 8 महिलाएँ राज्यसभा पहुँची हैं जिसमें से पहली महिला राज्यसभा सदस्य शारदा भार्गव महिलाओं में सर्वाधिक तीन बार (1952, 1956, 1963), प्रभा ठाकुर दो बार (2002, 2008) राज्यसभा पहुंची है।

❑ **निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान के मुख्यमंत्री का पद नहीं है?** [CET : 05.02.2023 (S-I)]

(1) मुख्यमंत्री सलाहकार समिति का अध्यक्ष
(2) राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष
(3) अंतर्राज्य परिषद् का सदस्य
(4) राष्ट्रीय विकास परिषद् का सदस्य

Ans. (2)

व्याख्या – राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग (RSHC) के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्त राज्यपाल द्वारा एक समिति की अनुशंसा पर की जाती है, जिसमें मुख्यमंत्री इसके प्रमुख, विधानसभा के अध्यक्ष, राज्य के गृहमंत्री और विधानसभा के विपक्ष के नेता शामिल होते हैं।

❑ **राजस्थान में राज्य पर्यटन सलाहकार समिति के अध्यक्ष कौन हैं?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) मुख्यमंत्री (2) पर्यटन मंत्री
(3) आयुक्त, पर्यटन विभाग (4) राज्यपाल

Ans. (1)

व्याख्या – राजस्थान पर्यटन नीति 2020 के प्रावधानों की पालना में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य पर्यटन सलाहकार समिति का गठन किया गया है, जिसमें पर्यटन मंत्री उपाध्यक्ष तथा आयुक्त एवं निदेशक पर्यटन विभाग सदस्य सचिव होंगे।

❑ **निम्न में से किस मुख्यमंत्री को डीग-गोलीकांड के बाद इस्तीफा देना पड़ा और उन्होंने कब इस्तीफा दिया-** [VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) शिवचरण माथुर : 23 फरवरी, 1985
(2) जगन्नाथ पहाड़िया : 13 जुलाई, 1981
(3) हरिदेव जोशी : 20 जनवरी, 1988
(4) मोहन लाल सुखाड़िया : 16 फरवरी, 1980

Ans. (1)

व्याख्या – 14 जुलाई, 1981 को कांग्रेस (इ) विधायक दल की बैठक में श्री शिवचरण माथुर सर्वसम्मति से नये नेता चुने गये और मुख्यमंत्री की शपथ ली। यह मंत्रिमण्डल 1985 के चुनावों तक कार्य करता रहा, लेकिन 'डीग गोली काण्ड' के कारण 23 फरवरी, 1985 को राज्यपाल ओमप्रकाश मेहरा को त्यागपत्र दे दिया।

❑ **कौनसा कथन असत्य है?** [CET : 8.1.2023 (S-I)]

(1) राजस्थान में मुख्यमंत्री सहित 30 मंत्री हो सकते हैं।
(2) राजस्थान के सभी मंत्री कैबिनेट मंत्री हैं।
(3) कैबिनेट में महत्त्वपूर्ण विभाग होते हैं।
(4) राजस्थान सरकार में वर्तमान में कोई भी उपमंत्री नहीं है।

Ans. (2)

व्याख्या – मंत्रिपरिषद की संरचना सम्बन्धी प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 167 में उल्लिखित हैं। यह एक त्रिस्तरीय संगठन है जिसमें मुख्यमंत्री के अतिरिक्त कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री तथा उपमंत्री हैं। कैबिनेट मंत्री महत्त्वपूर्ण विभागों के प्रभारी मंत्री होते हैं। कैबिनेट स्तर के इन मंत्रियों के समूह को मंत्रिमंडल (Cabinet) के नाम से जाना जाता है। कैबिनेट स्तर के मंत्रियों की सहायता हेतु राज्यमंत्री व उनकी सहायता हेतु उपमंत्री होते हैं। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र रूप से एक अथवा अधिक विभाग के राजनीतिक प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं।

❑ **राजस्थान के निम्नांकित मुख्यमंत्रियों में से कौन अपने सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में किसी राज्य का राज्यपाल नहीं रहा है?**

[II Grade GK (Sp. Education) - 2018]

(1) हरिदेव जोशी (2) भैरोसिंह शेखावत
(3) जगन्नाथ पहाड़िया (4) शिवचरण माथुर

Ans. (2)

व्याख्या - श्री भैंरोंसिंह शेखावत का राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल

☞ *प्रथम : 22.06.1977 से 15.02.1980*

☞ *द्वितीय : 04.03.1990 से 15.12.1992*

☞ *तृतीय : 04.12.1993 से 01.12.1998*

भैंरोंसिंह शेखावत दो बार (प्रथम - 15 जुलाई, 1980 से 30 दिसम्बर, 1989 तथा द्वितीय 8 जनवरी, 1999 से 18 अगस्त, 2002) विपक्ष के नेता रहे।

19 अगस्त, 2002 से 21 जुलाई, 2007 तक भैंरोंसिंह शेखावत भारत के 11वें उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पदेन सभापति रहे।

❒ **राजस्थान के निम्नांकित मुख्यमंत्रियों में कौन राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष पद पर भी आसीन रहे है?**

[स्कूल व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा)- 21.10.2022]

(1) जयनारायण व्यास (2) हीरालाल देवपुरा
(3) टीकाराम पालीवाल (4) शिवचरण माथुर

Ans. (2)

❒ **भारत की स्वतंत्रता के तुरंत बाद राजस्थान के पहले मुख्यमंत्री कौन थे-**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) मोहन लाल सुखाड़िया (2) हीरालाल शास्त्री
(3) जय नारायण व्यास (4) बरकतुल्ला खान

Ans. (2)

व्याख्या - ☞ श्री हीरालाल शास्त्री (07.04.1949 से 05.01.1951)- राज्य के प्रथम मनोनीत मुख्यमंत्री

☞ *श्री सी. एस. वैंकटाचारी (06.01.1951 से 26.04.1951) - केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त*

☞ *श्री जयनारायण व्यास (26.04.1951 से 03.03.1952)*

☞ *श्री टीकाराम पालीवाल (03.03.1952 से 31.10.1952)- प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री*

☞ *श्री जयनारायण व्यास (01.11.1952 से 12.11.1954) - एकमात्र मनोनीत एवं निर्वाचित मुख्यमंत्री*

❒ **राजस्थान विधानसभा में सदस्यों की निरर्हताओं से सम्बन्धित प्रश्नों पर विनिश्चय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**

[II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-II)]

1. यदि यह प्रश्न उठता है कि राज्य विधानसभा का कोई सदस्य भारत के संविधान के अनुच्छेद 191 के खण्ड (1) में वर्णित किसी निरर्हता से ग्रस्त हो गया है या नहीं, तो वह प्रश्न विधान सभाध्यक्ष को विनिश्चय के लिए निर्देशित किया जाएगा और उसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

2. ऐसे किसी प्रश्न पर विनिश्चय करने से पहले अध्यक्ष निर्वाचन आयोग की राय लेगा और ऐसी राय के अनुसार कार्य करेगा।

[II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-II)]

(1) न तो 1 और न ही 2 सही नहीं है।
(2) केवल 1 सही है।
(3) केवल 2 सही है।
(4) 1 और 2 दोनों सही हैं।

Ans. (1)

व्याख्या - यदि यह प्रश्न उठता है कि राज्य विधानसभा का कोई सदस्य भारत के संविधान के अनुच्छेद 191 के खण्ड (1) में वर्णित किसी निरर्हता से ग्रस्त हो गया है या नहीं, तो वह प्रश्न राज्यपाल को विनिश्चय के लिए निर्देशित किया जाएगा और उसका विनिश्चय अन्तिम होगा। ऐसे किसी प्रश्न पर विनिश्चय करने से पहले राज्यपाल निर्वाचन आयोग की राय लेगा और ऐसी राय के अनुसार कार्य करेगा।

❒ **राजस्थान में मंत्रिमण्डल सचिवालय, सचिवालय के निम्नांकित में से किस विभाग/कार्यालय से अधिकारिक रूप से सम्बद्ध है?**

[II Grade Teacher GK - 24.12.2022]

(1) मुख्यमंत्री कार्यालय (2) राजस्व विभाग
(3) गृह विभाग (4) सामान्य प्रशासन विभाग

Ans. (4)

व्याख्या - मुख्यमंत्री का सचिवालय (CMO) : राजस्थान में मुख्यमंत्री सचिवालय की स्थापना 1951 में हुई थी। इस सचिवालय का मुख्य कार्य यह देखना है कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन राज्य, सम्भाग व जिला प्रशासन द्वारा सही तरीके से हो रहा है या नहीं। लोगों की शिकायतों को दूर करना, मुख्यमंत्री कोष का प्रयोग, मुख्यमंत्री के आश्वासनों की अनुपालना आदि महत्त्वपूर्ण कार्यों को देखना इस सचिवालय का दायित्व है। मुख्यमंत्री सचिवालय मुख्यमंत्री को राजनीतिक व प्रशासनिक दोनों प्रकार की सहायता प्रदान करता है। मुख्यमंत्री सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख मुख्यमंत्री का सचिव होता है। सामान्यतया इस पद पर भारतीय प्रशासनिक सेवा का एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त होता है।

31. विधानसभा-विधान परिषद

❐ विधान परिषद् के सदस्यों का चुनाव किया जाता है-

1. प्रत्यक्ष चुनाव से
2. अप्रत्यक्ष चुनाव से
3. नामांकन से

[CET : 04.02.2023 (S-II)]

(1) 1, 2 और 3 (2) 2 और 3
(3) 1 और 3 (4) 1 और 2

Ans. (2)

व्याख्या - विधान मंडल के सदन की संरचना का उपबंध करने की अंतिम शक्ति संसद को दी गई है (अनुच्छेद 171(2))। जब तक संसद इस विषय पर विधान नहीं बनाती तब तक इसकी संरचना उस प्रकार होगी जैसा कि संविधान में उल्लिखित है। संविधान में यह दिया गया है कि यह भागतः नाम निर्दिष्ट और भागतः निर्वाचित निकाय होगी। निर्वाचन अप्रत्यक्ष होगा और आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होगा। सदस्य विभिन्न स्रोतों से लिए जाएंगे। परिषद् की संरचना में अनेक प्रकार के लोग होंगे। मोटे तौर से परिषद् की कुल सदस्य संख्या के 5/6 सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होंगे और शेष (1/6) सदस्य राज्यपाल द्वारा नामनिर्दिष्ट होंगे।

❐ राजस्थान का विधानसभा कहाँ स्थित है-

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)]

(1) अल्बर्ट हॉल रोड, कोटा (2) किशनपोल, बीकानेर
(3) आमेर, जयपुर (4) लालकोठी, जयपुर

Ans. (4)

*व्याख्या - विधानसभा का नया भवन वर्ष 2001 में ज्योतिनगर, जयपुर में बनकर तैयार हुआ जिसका लोकार्पण 6 नवम्बर, 2001 को तत्कालीन राष्ट्रपति श्री के. आर. नारायणन ने किया। लालकोठी क्षेत्र, जयपुर में स्थापित इस भवन में जोधपुर, बंसी पहाड़पुर तथा करौली के इमारती पत्थर का उपयोग किया गया है। **पुराना विधानसभा भवन जयपुर के सवाई मानसिंह टाउन हॉल में था।***

❐ राज्य विधान सभा के बारे में अधोलिखित पर विचार कीजिए- [ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]

1. इसका समय काल पाँच वर्ष होता है।
2. इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री करता है।
3. इसका जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचन होता है।
4. राज्यपाल को इसके विघटन का अधिकार है।

कूट: (1) 1, 2 तथा 4 सही हैं। (2) 1, 3 तथा 4 सही हैं।
(3) 2, 3 तथा 4 सही हैं। (4) 1, 2 तथा 3 सही हैं।

Ans. (2)

व्याख्या - विधानसभा की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष करता है। अनुच्छेद 178 के अनुसार प्रत्येक राज्य की विधानसभा अपने दो सदस्यों को अपना अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष चुनती है।

❐ वर्तमान राजस्थान राज्य विधानसभा में कितने सदस्य मनोनीत है? [PSI -07.10.2018]

(1) एक (2) एक भी नहीं (3) दो (4) तीन

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान में एक सदनीय विधानमंडल (विधानसभा) है। विधानसभा के निर्वाचित सदस्य विधानसभा सदस्य (MLA : Member of Legislative Assembley) कहलाते हैं। वर्तमान राजस्थान विधानसभा में सभी 200 सदस्य निर्वाचित है। हालांकि विधानसभा में 1 एँग्लो इंडियन सदस्य को राज्यपाल मनोनीत (वर्तमान में प्रावधान समाप्त कर दिया गया) कर सकता है।

❐ राजस्थान में पहली विधानसभा का समय है?

[पटवार परीक्षा - 2008, Pre-2016]

(1) 1951-1956 (2) 1952-1957
(3) 1954-1959 (4) 1953-1958

Ans. (2)

व्याख्या - प्रथम विधानसभा (29 फरवरी, 1952 से 1957) : इसके अध्यक्ष श्री नरोत्तमलाल जोशी (काँग्रेस विधायक, झुँझुनूँ) थे। इसकी सदस्य संख्या 160 थी।

❐ राजस्थान विधान सभा के लिए प्रथम आम चुनावों में काँग्रेस के बाद जिस राजनीतिक दल को द्वितीय सर्वाधिक स्थान प्राप्त हुए वह था- [RAS-31.10.2015]
[II Grade - 30.07.2023 (S- II)]

(1) किसान मजदूर प्रजा पार्टी (2) हिन्दू महासभा
(3) भारतीय जनसंघ (4) रामराज्य परिषद

Ans. (4)

व्याख्या- प्रथम राजस्थान विधानसभा चुनाव (1952 में 160 सीट) में काँग्रेस को 82, रामराज्य परिषद को 24, भारतीय जनसंघ को 8, हिन्दू महासभा को 2, कृषक मजदूर पार्टी को 1 सीट तथा निर्दलीयों को 35 सीटें प्राप्त हुई।

❐ **1952 के प्रथम आम चुनाव में लोकसभा की राजस्थान में कितनी सीटें थी?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) 22 (2) 27 (3) 24 (4) 20

Ans. (4)

व्याख्या – *प्रथम आम चुनाव (1952) के समय लोकसभा में 20 सीटें (9 काँग्रेस, 3 अखिल भारतीय रामराज्य परिषद, 1 भारतीय जनसंघ, 1 कृषिकार लोक पार्टी, 6 अन्य) तथा राज्यसभा में 10 सीटें थी।*

❐ **राजस्थान में राज्यमंत्री व संसदीय सचिव पद की व्यवस्था कब प्रारम्भ की गई?** [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) चतुर्थ विधानसभा (2) सप्तम विधानसभा

(3) पंचम विधानसभा (4) तृतीय विधानसभा

Ans. (1)

व्याख्या - ***चतुर्थ विधानसभा*** *(1 मार्च, 1967 से 15 मार्च, 1972)- अध्यक्ष-निरंजननाथ आचार्य। सदस्य संख्या -184 थी। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत (कांग्रेस 89, स्वतंत्र पार्टी 48, भारतीय जनसंघ 22, आईएनडी 16 एवं अन्य 9) न मिलने के कारण राष्ट्रपति शासन 13 मार्च, 1967 से 26 अप्रैल, 1967 तक लागू रहा । राजस्थान में* ***राज्यमंत्री व संसदीय सचिव*** *पद की व्यवस्था प्रारम्भ।*

❐ **किस विधानसभा चुनाव में राजस्थान विधान-सभा की सदस्य संख्या 184 से बढ़ाकर 200 की गई?**

[VDO-28.12.2021 (S-II)] [कॉलेज व्याख्याता-2016]

[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (II)]

(1) चौथा (2) पाँचवाँ (3) छठा (4) सातवाँ

Ans. (3)

व्याख्या –***षष्ठम् विधानसभा*** *(22 जून, 1977 से 16 फरवरी, 1980) में सदस्य संख्या 184 से बढ़ाकर 200 कर दी गई। पहली बार गैर कांँग्रेसी दल जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला। अध्यक्ष-महारावल लक्ष्मणसिंह व श्री गोपाल सिंह आहोर बनें। तृतीय बार राष्ट्रपति शासन लागू। राज्य में पहली बार विधानसभा 5 वर्ष से पहले ही भंग, पहले मध्यावधि चुनाव हुए जिसमें काँग्रेस को बहुमत मिला।*

❐ **किस वर्ष में, राजस्थान विधानसभा की कुल सदस्य संख्या बढ़ाकर 200 की गई?** [संरक्षण अधि.-29.05.2019]

[JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]

(1) 1967 में (2) 1972 में (3) 1977 में (4) 1980 में

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौनसी विधानसभा भंग होने के कारण राजस्थान में प्रथम मध्यावधि चुनाव हुए?** [CET -11.2.2023 (S-I)]

(1) छठी विधान सभा (2) सातवीं विधान सभा

(3) तीसरी विधान सभा (4) चौथी विधान सभा

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में कितनी लोकसभा (सांसद) की सीटें हैं?** [R.A.S.- 2003][जेल प्रहरी - 2017][II Gr. Teacher-2011]

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (II), 2007(I)]

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I), 08.11.2020 (I),]

[EO & RO : 14.05.2023 (S-I)]

(1) 20 (2) 25 (3) 10 (4) 28

Ans. (2)

व्याख्या- *षष्ठम लोकसभा (1977) में राजस्थान की लोकसभा सदस्य संख्या 23 से बढ़ाकर 25 कर दी गई। वर्तमान राजस्थान में 25 लोकसभा (25 सांसद चुने जाते हैं) तथा 10 राज्यसभा सहित कुल 35 सीटें है।*

❐ **भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में राजस्थान के एक विधायक का मत-मूल्य क्या है?** [छात्रावास अधी., 2008]

[II Grade (GK) 29.1.2023]

(1) 25 (2) 200 (3) 129 (4) 169

Ans. (3)

व्याख्या - *विधानसभा के एक सदस्य का मत उस राज्य की जनसंख्या में विधानसभा के कुल सदस्यों की संख्या में एक हजार के गुणनफल द्वारा भाग देकर प्राप्त किया जाता है। भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में राजस्थान के एक विधायक का मत-मूल्य 129 है।*

❐ **एक व्यक्ति बिना राजस्थान विधानसभा का सदस्य होते हुए भी कितने मास तक राजस्थान में मंत्री रह सकता है?** [II Grade (Sans.) 2011][CET : 07.01.2023 (II)]

(1) 3 मास (2) 4 मास (3) 6 मास (4) 12 मास

Ans. (3)

व्याख्या - *यदि कोई व्यक्ति मंत्री पद पर नियुक्ति के समय विधानमण्डल का सदस्य नहीं है तो उसके लिए 6 माह के भीतर विधानमण्डल की सदस्यता प्राप्त करना आवश्यक होता है।*

❐ **निम्न में से कौन राजस्थान की प्रथम महिला राज्यसभा सदस्य थी?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) गायत्री देवी (2) शारदा भार्गव

(3) प्रियंका चतुर्वेदी (4) सोनल मानसिंह

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान की प्रथम महिला सांसद श्रीमती शारदा भार्गव (प्रथम महिला राज्यसभा सदस्य) 1952 में बनी थी।

❑ **राजस्थान की प्रथम महिला कौन है, जिन्हें राजस्थान के मंत्रिमण्डल में स्थान मिला**[EO & RO 14.5.2023 (I)] [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) गिरिजा व्यास (2) सुमित्रा सिंह
(3) विद्या पाठक (4) कमला बेनीवाल

Ans. (4)

व्याख्या - कमला बेनीवाल राजस्थान के मंत्रिमण्डल में 1954 में पहली महिला मंत्री बनी।

❑ **राजस्थान का वह राजनैतिक नेता कौन था जो 1952 से लेकर मृत्युपर्यन्त विधानसभा का सदस्य रहा?** [II Grade Teacher (Science) Ex., 2010]

(1) हरिदेव जोशी (2) मोहन लाल सुखाड़िया
(3) नाथूराम मिर्धा (4) मथुरादास माथुर

Ans. (1)

*व्याख्या-राज्य में **हरिदेव जोशी** ऐसे एकमात्र विधायक रहे, जो प्रथम चुनाव से लेकर दसवीं विधानसभा तक निरन्तर विजयी रहे तथा मृत्युपर्यन्त विधानसभा सदस्य रहे।*

❑ **राजस्थान के कितने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है?** [Head Master - 02.09.2018]

(1) तीन (2) चार
(3) पाँच (4) छः

Ans. (2)

व्याख्या - 25 लोकसभा सीट : 4 सीट अनुसूचित जाति (SC) -1. गंगानगर,2. बीकानेर, 3.भरतपुर, 4. करौली - धौलपुर,

3 सीट अनुसूचित जनजाति (ST)-1. दौसा, 2. उदयपुर, 3. बाँसवाड़ा हेतु आरक्षित है।

❑ **राजस्थान में कितने विधानसभा चुनाव-क्षेत्र क्रमशः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है-**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)] [VDO-27.12.2021 (S-II)] [पटवार-23.10.2021 (Shift -I]

(1)कोई नहीं (2) 34, 25 (3) 25, 34 (4) 36, 23

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान की विधानसभा की 200 सीटों में से 34 सीटें अनुसूचित जाति, 25 अनुसूचित जनजाति एवं 141 सीटें सामान्य वर्ग के लिए है।

❑ **सबसे कम विधानसभा सीटों वाला जिला कौनसा है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) धौलपुर, जैसलमेर (2) धौलपुर, दौसा
(3) प्रतापगढ़, जैसलमेर (4) प्रतापगढ़, दौसा

Ans. (3)

*व्याख्या - **न्यूनतम विधानसभा सीटें** (सदस्य) वाला जिला - प्रतापगढ़ (2), जैसलमेर (2)*

***सर्वाधिक विधानसभा सीटें** (सदस्य) वाला जिला-जयपुर (19), अलवर (11)*

❑ **राजस्थान के किस जिले में सबसे अधिक विधान-सभा सीटें हैं?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]

(1) जयपुर (2) अलवर (3) जोधपुर (4) उदयपुर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौन राजस्थान विधानसभा के प्रोटेम अध्यक्ष, अध्यक्ष व उपाध्यक्ष रहे हैं?** [RAS - 5.8.2018]

(1) पूनम चंद विश्नोई (2) निरंजन नाथ आचार्य
(3) शांति लाल चपलोत (4) परसराम मदेरणा

Ans. (1)

व्याख्या - पूनम चंद विश्नोई राजस्थान विधानसभा में प्रोटेम अध्यक्ष (28-04-1967 से 02-05-1967), उपाध्यक्ष (09-05-1967 से 09-07-1971) तथा अध्यक्ष (06-06-1980 से 09-03-1985) रही।

❑ **'राजस्थान की राजनीति : सामन्तवाद से जातिवाद के भँवर में' पुस्तक के लेखक कौन हैं?** [मूल्यांकन अधिकारी -23.08.2020]

(1) विजय भण्डारी (2) विजय कोठारी
(3) जगदीश चन्द्र (4) मिलाप कोठारी

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान की राजनीति के परिप्रेक्ष्य में डॉ. विजय भण्डारी ने 'राजस्थान की राजनीति : सामन्तवाद से जातिवाद के भँवर में' पुस्तक में वोट का आधार योग्यता, काम, सेवा तथा सिद्धान्त न रहकर केवल मात्र जातिवाद को माना है। राजस्थान में धर्म से ज्यादा जातिगत वोटों के ध्रुवीकरण की राजनीति होती रही है। 'जातियों के राजनीतिकरण' से तात्पर्य है जातियों का राजनीतिक लामबंद।

❑ राजस्थान की प्रथम विधानसभा के अध्यक्ष थे-

[II Grade (Hindi) Exam. 2011]

(1) शांतिलाल चपलोत (2) नरोत्तमलाल जोशी
(3) रामनिवास मिर्धा (4) श्रीमती सुमित्रा सिंह

Ans. (2)

व्याख्या - *राजस्थान की प्रथम विधानसभा के अध्यक्ष-*

विधानसभा	विधानसभा अध्यक्ष
• प्रथम	नरोत्तमलाल जोशी
• दूसरी	रामनिवास मिर्धा
• तीसरी	रामनिवास मिर्धा
• चौथी	निरंजननाथ आचार्य
• पाँचवी	रामकिशोर व्यास
• छठी	महारावल लक्ष्मणसिंह, गोपालसिंह आहोर
• सातवीं	पूनमचंद विश्नोई
• आठवीं	हीरालाल देवपुरा
• नवीं	हरिशंकर भाभड़ा
• दसवीं	हरिशंकर भाभड़ा व व शांतिलाल चपलोत
• ग्यारहवीं	परसराम मदेरणा
• बारहवीं	सुमित्रा सिंह
• तेरहवीं	दीपेन्द्र सिंह शेखावत
• चौदहवीं	कैलाश मेघवाल
• पन्द्रहवीं	सी.पी. जोशी

❑ राजस्थान विधानसभा के द्वितीय अध्यक्ष कौन थे?

[II Grade GK - 22.12.2022]

(1) रामनिवास मिर्धा (2) राम किशोर व्यास
(3) लक्ष्मण सिंह (4) नरोत्तम लाल जोशी

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान की 13वीं विधानसभा के अध्यक्ष हैं–

[III[rd] Grade Teacher-2012]
[II Grade (English) Exam. 2011]

(1) दीपेन्द्र सिंह शेखावत (2) मनमोहन सिंह
(3) घनश्याम तिवाड़ी (4) सोनिया गांधी

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ निम्नलिखित में से कौन कभी भी राजस्थान राज्य विधानसभा के उपाध्यक्ष नहीं रहे?

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]

(1) यदुनाथसिंह (2) करनसिंह
(3) अहमद बख्श सिंधी (4) रामचंद्र

Ans. (2)

व्याख्या -*उपाध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा : एक दृष्टि में*

- *लालसिंह शक्तावत (31.3.1952 - 31.3.1957)*
- *निरंजन नाथ आचार्य (1.05.1957 - 01.03.1962)*
- *नारायण सिंह मसौदा (07.05.1962 - 28.02.1967)*
- *पूनम चंद विश्नोई (09.05.1967 - 19.07.1971)*
- *रामनारायण चौधरी (11.11.1971 - 15.03.1972)*
- *रामसिंह यादव (25.03.1972 - 30.04.1977)*
- *रामचन्द्र (08.09.1977 - 17.02.1980)*
- *अहमद बख्श सिंधी (28.03.1981 - 14.10.1982)*
- *गिर्राज प्रसाद तिवाड़ी (29.03.1985 - 31.01.1986)*
- *किशन मोटवानी (28.10.1986 - 01.03.1990)*
- *यदुनाथ सिंह (05.05.1990 - 21.03.1991)*
- *हीरासिंह चौहान (25.03.1991 - 14.12.1992)*
- *शांति लाल चपलोत (27.09.1994 - 07.04.1995)*
- *सामरथ लाल मीणा (04.05.1995 - 24.07.1998)*
- *तारा भण्डारी (28.07.1998 - 30.11.1998)*
- *देवेन्द्र सिंह (26.03.1999 - 04.12.2003)*
- *रामनारायण विश्नोई (19.07.2004 - 10.12.2008)*
- *रामनारायण मीणा (29.02.2012 - 09.12.2013)*
- *राव राजेन्द्र सिंह (18.09.2015-2018)*

❑ राजस्थान विधानसभा के पहले उपाध्यक्ष कौन थे-

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]

(1) निरंजन नाथ आचार्य (2) लाल सिंह शक्तावत
(3) नारायण सिंह मसूदा (4) पूनम चंद विश्नोई

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान विधानसभा में 'लोक महत्त्व के किसी विषय पर स्थगन प्रस्ताव' की प्रक्रिया के नियम के सम्बन्ध में निम्न में से कौन-से कथन सही हैं?

1. प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु अध्यक्ष की सहमति आवश्यक है।

2. प्रस्ताव द्वारा विशेषाधिकार का प्रश्न उठाया जा सकता है।

3. प्रस्ताव हाल ही घटित किसी विशिष्ट घटना तक सीमित रहेगा।

4. एक ही बैठक में एक से अधिक प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं होंगे।

[RAS Exam - 05.08.2018]

(1) 1, 2 और 3 (2) 1, 2 और 4
(3) 1, 3 और 4 (4) 1 और 4

Ans. (3)

व्याख्या – *राजस्थान विधानसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम संख्या 52(6) के अनुसार 'लोक महत्त्व के किसी विषय पर स्थगन प्रस्ताव' के सम्बन्ध में प्रस्ताव द्वारा विशेषाधिकार का प्रश्न नहीं उठाया जा सकता है।*

❐ **निम्न में से कौन कभी भी राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता नहीं रहे?** [पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.18 (II)]
(1) परसराम मदेरणा (2) राम नारायण चौधरी
(3) प्रो. केदारनाथ शर्मा (4) यदुनाथ सिंह
Ans. (4)

व्याख्या –*राजस्थान विधानसभा के विपक्ष के नेता* –

विधानसभा	नेता विपक्ष
• प्रथम	जसवंत सिंह, तानसिंह
• दूसरी	नरेन्द्र सिंह
• तीसरी	लक्ष्मण सिंह
• चौथी	लक्ष्मण सिंह
• पाँचवी	लक्ष्मण सिंह
• छठी	परसराम मदेरणा, रामनारायण चौधरी, लक्ष्मण सिंह
• सातवीं	भैरोंसिंह शेखावत
• आठवीं	भैरोंसिंह शेखावत, प्रो. केदारनाथ शर्मा
• नवीं	हरिदेव जोशी
• दसवीं	परसराम मदेरणा
• ग्यारहवीं	भैरोंसिंह शेखावत, गुलाब चन्द कटारिया
• बारहवीं	बी.डी. कल्ला, रामनारायण चौधरी, हेमा राम चौधरी
• तेरहवीं	वसुंधरा राजे, गुलाबचन्द कटारिया
• चौदहवीं	रामेश्वर लाल डूडी
• पन्द्रहवीं	गुलाबचन्द कटारिया

❐ **निम्न में से कौन राजस्थान के प्रथम विपक्ष के नेता थे?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]
(1) जसवंत सिंह (2) लक्ष्मण सिंह
(3) परसराम मदेरणा (4) रामनारायण चौधरी
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **अनुसूचित जाति की कितनी महिलायें 14वीं राजस्थान विधान सभा की सदस्य हैं?** [कॉलेज व्याख्याता -2016]
(1) 12 (2) 11 (3) 10 (4) 9
Ans. (1)

व्याख्या : 15वीं राजस्थान विधान सभा में अनुसूचित जाति की महिला सदस्य संख्या 8 है।

❐ **14वीं राजस्थान विधान सभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों में कितनी महिला सदस्य निर्वाचित हुई हैं?** [Jr. Accountant 04.10.16]
(1) 2 (2) 3 (3) 5 (4) 6
Ans. (2)

व्याख्या : 15वीं राजस्थान विधान सभा में अनुसूचित जनजाति की महिला सदस्य संख्या 3 है।

❐ **विधानसभा में अभिभाषण का एवं संदेश भेजने का राज्यपाल का संविधानतः है**–[संरक्षण अधि.-29.05.2019]
(1) अधिकार (2) शक्ति (3) कृत्य (4) कर्तव्य
Ans. (1)

व्याख्या- अनुच्छेद 175 - सदन में अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राज्यपाल का अधिकार।

❐ **पंद्रहवीं लोकसभा में राजस्थान से कितनी महिला सांसद चुनी गई?** [II Grade (English) Exam. 2011]
(1) 3 (2) 5 (3) 7 (4) 9
Ans. (1)

व्याख्या- उल्लेखनीय है कि 17वीं लोकसभा चुनाव में राजस्थान से 3 महिला-भरतपुर से रंजीता कोहली, दौसा से जसकौर मीणा तथा राजसमंद से दीया कुमारी चुनी गई।

❐ **राजस्थान राज्य विधान सभा में वर्तमान में कितनी स्थायी समितियाँ (चार वित्त समितियों के अतिरिक्त) अस्तित्व में है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]
(1) 20 (2) 17 (3) 15 (4)12
Ans. (2)

व्याख्या – *राजस्थान विधानसभा में 17 स्थायी समितियाँ हैं। इनके अतिरिक्त 4 वित्तीय समितियाँ -1. लोकलेखा समिति, 2. प्राक्कलन समिति-क, 3. प्राक्कलन समिति-ख, 4. सरकारी उपक्रमों से सम्बन्धित समिति*

❐ **'राजस्थान विधानसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों' के अनुसार निम्नांकित में से कौनसे विभाग के प्राक्कलन, प्राक्कलन समिति 'क' के नियंत्रणाधीन नहीं है**–
[R.A.S.- 27.10.2021]
(1) सार्वजनिक निर्माण विभाग (2) गृह विभाग
(3) शिक्षा विभाग (4) वित्त विभाग
Ans. (2)

व्याख्या – *प्राक्कलन समिति 'क' और 'ख'- सभापति सहित 15 सदस्य, सदन द्वारा एकल संक्रमणीय मत द्वारा 1 वर्ष के लिए चुनाव। इसका कार्य प्राक्कलनों से संबंधित नीति संगत मितव्ययिताएँ देखना, व्यय ठीक ढंग से किया गया है अथवा नहीं की जाँच करना।*

प्राक्कलन समिति 'क' के अन्तर्गत नियंत्रणाधीन प्रशासनिक विभाग – *उद्योग एवं खान विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, वित्त विभाग, विधि एवं न्याय विभाग तथा विधि परामर्शी का कार्यालय, संसदीय मामलात विभाग, आयोजना विभाग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, आबकारी एवं कराधान विभाग, वन विभाग, स्वायत्त शासन –शहरी विकास एवं आवासन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, विद्युत विभाग, भाषा विभाग, नगर आयोजना विभाग।*

प्राक्कलन समिति 'ख' नियत्रंणाधीन प्रशासनिक विभाग *– राजस्व विभाग, सहकारिता, पशुपालन एवं समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, सिंचाई, उपनिवेशन तथा मण्डी विभाग, इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना विभाग, नागरिक रसद विभाग, खाद्य विभाग, निर्वाचन विभाग, सांख्यिकी विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, श्रम एवं रोजगार विभाग,* ***गृह विभाग****, अकाल सहायता एवं पुनर्वास विभाग, राजकीय उपक्रम विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग।*

❐ **राजस्थान विधानसभा की लोक लेखा समिति के सदस्यों का कार्यकाल है-** [II Grade (GK) 29.1.2023]

(1) दो वर्ष (2) पाँच वर्ष
(3) चार वर्ष (4) एक वर्ष

Ans. (4)

व्याख्या ***-जन/लोक लेखा समिति****-सभापति सहित 15 सदस्य, सदन द्वारा एकल संक्रमणीय मत द्वारा 1 वर्ष के लिए चुनाव। इसका कार्य राज्य के व्यय लेखों की जाँच करना है। इसका प्रथम बार गठन 10 अप्रैल, 1952 को किया गया।*

❐ **राजस्थान विधानसभा का अध्यक्ष होता है-** [Head Master -11.10.2021]

(1) विशेषाधिकार समिति
(2) नियम समिति और नियम उप समिति
(3) अधीनस्थ विधान समिति (4) प्रश्न संदर्भ समिति

Ans. (2)

व्याख्या – ***नियम समिति****- सभापति सहित 15 सदस्य, अध्यक्ष द्वारा मनोनीत। विधानसभा अध्यक्ष इसका पदेन सभापति होता है। इसका कार्य सदन की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के विषयों पर विचार करना एवं सिफारिश देना होता है।*

❐ **किस समिति की सिफारिश पर राजस्थान विधान सभा राज्यपाल के अभिभाषण में निर्दिष्ट विषयों की चर्चा के लिए सामान्यतः समय नियत करेगी?**

[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) नियम समिति (2) विशेषाधिकार समिति
(3) कार्य सलाहकार समिति(4) आचरण समिति

Ans. (3)

व्याख्या – ***कार्य सलाहकार समिति में 15 सदस्य, अध्यक्ष, सभापति होते हैं।*** *इस समिति में* ***विधानसभा अध्यक्ष स्वयं ही इसका अध्यक्ष*** *होता है।* ***विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सदस्य 1 वर्ष के लिए मनोनीत किये जाते हैं। इसका कार्य सदन में चर्चा के क्रम, घंटों, दिन/दिनों के बारे में सिफारिश करना है।***

❐ **स्पीकर की अनुपस्थिति में, विधान मण्डल द्वारा पारित किसी विधेयक को राज्यपाल को भेजे जाने से पूर्व निम्न में से कौन प्रमाणित करता है?**

[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) 30.05.2019][PSI - 13.09.2021]

(1) उपाध्यक्ष (2) विधानसभा सचिवालय का सचिव
(3) संसदीय सचिव (4) मुख्यमंत्री

Ans. (2)

❐ **राजस्थान विधानसभा के इतिहास में 30 जून, 2016 तक कितनी बार विश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ और उस पर चर्चा हुई?** [RAS (Pre) Exam-28.08.2016]

(1) चार बार (2) तीन बार (3) दो बार (4) एक बार

Ans. (1)

व्याख्या-विश्वास प्रस्ताव-तीन बार (1990, 1990, 1993) भैरोंसिंह शेखावत, 1 बार (2009) अशोक गहलोत के समय।

❐ **जनवरी, 2020 तक की स्थिति के अनुसार राजस्थान की कितनी महिला उम्मीदवार राज्यसभा की सदस्य है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]

(1) एक (2) दो (3) शून्य (4) तीन

Ans. (3)

व्याख्या-11 जून 2022 राज्यसभा चुनाव के उपरान्त राजस्थान से कांग्रेस के 6 (के.सी. वेणुगोपाल, नीरज डांगी, मनमोहन सिंह, प्रमोद तिवारी, मुकुल वासनिक एवं रणदीप सुरजेवाला) एवं भाजपा के 4 (श्री भूपेन्द्र यादव, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा , राजेन्द्र गहलोत एवं घनश्याम तिवाड़ी) राज्यसभा सदस्य हैं।

❒ **कौन, राजस्थान से राज्यसभा चुनाव 2022 में निर्वाचित नहीं हुआ था?** [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) घनश्याम तिवाड़ी (2) प्रमोद कुमार
(3) मुकुल बालकृष्ण वासनिक (4) सुभाष चन्द्रा

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा धन विधेयक के सम्बन्ध में सही नहीं है?** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) राज्यपाल की पूर्व संस्तुति के बाद विधानसभा में प्रस्तुत किया जाता है।
(2) यह मंत्री के द्वारा पेश किया जाता है।
(3) 14 दिन पश्चात् स्वत: पारित हो जाता है।
(4) विधानसभा का कोई भी सदस्य इसे पेश कर सकता है।

Ans. (4)

व्याख्या– *जब धन विधेयक अनुच्छेद 198 के अधीन विधान परिषद को प्रेषित किया जाता है और जब वह अनुच्छेद 200 के अधीन अनुमति के लिए राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है तब प्रत्येक धन विधेयक पर विधान सभा के अध्यक्ष के हस्ताक्षर सहित यह प्रमाण पृष्ठांकित किया जाएगा कि वह धन विधेयक है।*

❒ **राजस्थान विधानसभा में प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति कौन करता है?** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

(1) विधानसभा सदस्य (2) मुख्यमंत्री
(3) नेताप्रतिपक्ष (4) राज्यपाल

Ans. (4)

व्याख्या - प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति राज्यपाल करता है। इसकी नियुक्ति तब तक के लिए होती है जब तक स्थायी विधानसभा का अध्यक्ष नहीं चुन लिया जाए। प्रोटेम स्पीकर ही नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाता है।

❒ **स्पीकर प्रोटेम को शपथ कौन दिलाता है?** [CET -11.2.2023 (S-II)]

(1) मुख्यमंत्री (2) राज्यपाल
(3) राज्य विधानसभा का वरिष्ठतम सदस्य
(4) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान विधानसभा के प्रथम प्रोटेम स्पीकर कौन थे?** [CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) यशवंतसिंह नाहर (2) पूनमचंद विश्नोई
(3) नारायणसिंह मसूदा (4) महाराव संग्रामसिंह

Ans. (4)

व्याख्या –प्रोटेम स्पीकर राजस्थान विधानसभा :

प्रोटेम स्पीकर	नियुक्ति	शपथ
1. महाराव संग्राम सिंह	24.03.1952	27.03.1952
2. नारायण सिंह मसूदा	22.04.1957	23.04.1957
3. नारायण सिंह मसूदा	07.03.1962	10.03.1962
4. पूनम चंद विश्नोई	28.04.1967	02.05.1967
5. यशवंत सिंह नाहर	17.03.1972	19.03.1972
6. मेजर फतेह सिंह	13.07.1977	17.07.1977
7. परसराम मदेरणा	03.07.1980	03.07.1980
8. लक्ष्मण सिंह	11.03.1985	16.03.1985
9. पूनम चंद विश्नोई	08.03.1990	12.03.1990
10. पूनम चंद विश्नोई	22.12.1993	22.12.1993
	05.04.1995	-
	18.07.1998	-
11. भैंरूसिंह शेखावत	14.12.1998	03.01.1999
12. गंगाराम चौधरी	06.01.2004	14.01.2004
13. देवी सिंह पाटिल	24.12.2008	25.12.2008
14. प्रद्युम्न सिंह	02.01.2014	20.01.2014
15. गुलाब चंद कटारिया	08.01.2019	14.01.2019

❒ **15वीं राजस्थान विधानसभा के प्रो-टेम अध्यक्ष कौन थे**–[Assist. Professor-22.9.2021][PTI (Grade II)-30.4.2023] [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) प्रद्युम्न सिंह (2) परसराम मोरदिया
(3) भँवर लाल मेघवाल (4) गुलाबचंद कटारिया

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान विधानसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियम के अनुसार, प्रश्नों के वर्गीकण की संख्या है**–[स्कूल व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा)- 21.10.2022]

(1) 2 (2) 3 (3) 4 (4) 5

Ans. (2)

व्याख्या - प्रश्नों का वर्गीकरण *- प्रश्न तीन वर्गों के होंगे, अर्थात् -* ***(1) तारांकित प्रश्न*** *- तारांकित प्रश्न वे प्रश्न हैं जिनका कोई सदस्य मौखिक उत्तर चाहता है और जिसके संबंध में पूरक प्रश्न पूछे जा सकेंगे।*

(2) अतारांकित प्रश्न *- अतारांकित प्रश्न वे प्रश्न हैं जिनके लिखित में सम्बन्धित सदस्य को उत्तर दिये जायेंगे।*

(3) अल्प सूचना प्रश्न *- अल्प सूचना प्रश्न वे हैं जिनका कोई सदस्य पूरे चौदह दिनों से कम अवधि के भीतर मौखिक उत्तर चाहता है।*

❑ **सार्वजनिक महत्त्व के एक मामले के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने के लिए, राजस्थान विधानसभा का सदस्य अन्तः सत्र अवधि के दौरान एक सप्ताह में कितने अतारांकित प्रश्न की सूचना दे सकता है-**

[मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]

(1) एक (2) तीन (3) पाँच (4) सात

Ans. (1)

व्याख्या - प्रत्येक सदस्य लोक महत्त्व के विषय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए अन्तःसत्रकाल में एक सप्ताह में अधिक से अधिक एक अतारांकित प्रश्न की सूचना दे सकेगा। ऐसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सरकार को 30 दिवस की अवधि में सीधा सदस्य को अवश्य भेजना होगा और उत्तर की एक प्रति विधानसभा को भेजनी होगी।

❑ **राज्यों के निर्वाचन आयोग विधानसभा सदस्यों की अयोग्यता के संबंध में अपना परामर्श देते हैं-**

[CET : 05.02.2023 (S-I)]

(1) लोकायुक्त को (2) उच्च न्यायालय को
(3) मुख्यमंत्री को (4) राज्यपाल को

Ans. (*)

व्याख्या - अनुच्छेद 192 -सदस्यों की निरर्हताओं से संबंधित प्रश्नों पर विनिश्चय- *(1) यदि यह प्रश्न उठता है कि किसी राज्य के विधान-मंडल के किसी सदन का कोई सदस्य अनुच्छेद 191 के खंड (1) में वर्णित किसी निरर्हता से ग्रस्त हो गया है या नहीं तो वह प्रश्न राज्यपाल को विनिश्चय के लिए निर्देशित किया जाएगा और उसका विनिश्चय अंतिम होगा। (2) ऐसे किसी प्रश्न पर विनिश्चय करने से पहले राज्यपाल निर्वाचन आयोग की राय लेगा और ऐसी राय के अनुसार कार्य करेगा।*

❑ **राजस्थान विधानसभा के किसी सदस्य के त्यागपत्र के संबंध में निम्नांकित में से कौनसा कथन सही नहीं है-**

[II Grade (GK) 29.1.2023]

(1) यदि कोई सदस्य अध्यक्ष के समक्ष व्यक्तिगत उपस्थित होकर त्यागपत्र सौंपता है और सूचित करता है कि त्यागपत्र स्वैच्छिक और असली है और अध्यक्ष के पास उसके विपरीत कोई सूचना अथवा ज्ञान नहीं है, अध्यक्ष तुरंत त्यागपत्र स्वीकार कर सकता है।

(2) यदि अध्यक्ष को त्यागपत्र पोस्ट अथवा किसी अन्य के माध्यम से प्राप्त होता है, अध्यक्ष स्वयं की संतुष्टि के लिए त्यागपत्र स्वैच्छिक और असली है, जाँच करवा सकता है, जैसा वह उचित समझे।

(3) कोई सदस्य अपना त्यागपत्र अध्यक्ष को सौंपने के 30 दिनों के भीतर अपना त्यागपत्र वापस ले सकता है।

(4) कोई सदस्य जो सदन में अपनी सदस्यता से त्यागपत्र देना चाहता है, अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अध्यक्ष को सूचित करेगा।

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान विधानसभा कार्य संचालन एवं प्रक्रिया : अध्याय 21- सदन के स्थानों का त्याग तथा उनकी रिक्तता : *जो सदस्य सदन के अपने स्थान का त्याग करना चाहे वह सदन के अपने स्थान का त्याग करने के विचार की सूचना अध्यक्ष को सम्बोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा देगा। कोई सदस्य अध्यक्ष द्वारा स्वीकार किये जाने से पूर्व अपना त्याग पत्र वापस ले सकेगा।*

❑ **निम्न में से किन्होंने राजस्थान विधानसभा के हाल में डिजिटल म्यूजियम का उद्घाटन किया था?**

[II Grade (GK) 29.1.2023]

(1) मुख्य न्यायाधीश यू.यू.ललित
(2) मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड
(3) मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल
(4) मुख्य न्यायाधीश एन.बी. रमना

Ans. (4)

❑ **राजस्थान विधान सभा में डिज़िटल म्यूजियम का नाम है -**

[II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1) राजस्थान पॉलिटिक्स म्यूजियम
(2) पॉलिटिकल नैरेटिव म्यूज़ियम
(3) लेजिस्लेटर्स ऑफ राजस्थान म्यूज़ियम
(4) फ्रीडम फाइटर्स ऑफ राजस्थान म्यूज़ियम

Ans. (2)

❑ **राजस्थान से अधिकतम चार बार राज्य सभा के लिए कौन निर्वाचित हुआ?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]

(1) अशोक गहलोत (2) गिरिजा व्यास
(3) ज्ञान प्रकाश पिलानिया (4) राम निवास मिर्धा

Ans. (4)

व्याख्या -राजस्थान में सर्वाधिक बार निर्वाचित राज्यसभा सदस्य श्री रामनिवास मिर्धा (4 बार -1967-1968, 1968, 1974, 1980-1986 में राज्यसभा सदस्य चुने गए) एवं श्री जसवंतसिंह (भाजपा) थे जो चार बार 1980-1999 तथा 1998-2010 तक (सर्वाधिक अवधि) राज्यसभा सदस्य रहे।

32. उच्च न्यायालय

❐ राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य (प्रधान) पीठ कहाँ है? [पटवार-23.10.2021 (Shift -II)][जेल प्रहरी - 2017] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)] [कारापाल परीक्षा, 2012]

(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) अजमेर

Ans. (3)

व्याख्या -8 दिसम्बर, 1976 को राजस्थान के राज्यपाल और राजस्थान के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के साथ परामर्श करने के बाद राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 51 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राष्ट्रपति ने 31 जनवरी, 1977 में एक खण्ड पीठ की जयपुर में स्थापना की।

❐ निम्नांकित में से किस दिनांक को राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ जयपुर में स्थापित की गई- [I Grade (Pol. Science) - 06.01.2020] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.05.2022 (II)]

(1) 1 नवम्बर, 1956 (2) 8 दिसम्बर, 1976
(3) 26 फरवरी, 1958 (4) 8 मई, 1950

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ की स्थापना कब की गई? [जेल प्रहरी परीक्षा 29-10-2018, Shift -I] [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) 31 जनवरी, 1977 (2) 31 जनवरी, 1978
(3) 31 जनवरी, 1978 (4) 31 अक्टूबर, 1977

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान उच्च न्यायालय का उद्घाटन राजप्रमुख सवाई मानसिंह द्वारा.........में किया गया था। [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)30.5.2019][CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) 29 अगस्त, 1949 (2) 28 जनवरी, 1950
(3) 27 मार्च, 1951 (4) 28 जनवरी, 1952

Ans. (1)

व्याख्या- संविधान के अनुच्छेद 214 के तहत राजस्थान के पहले उच्च न्यायालय का उद्घाटन महाराजा सवाई मानसिंह द्वारा 29 अगस्त, 1949 को जयपुर में किया गया। मुख्य न्यायाधीश कमलकान्त वर्मा बनाया गया। नवम्बर 1956 को राज्य पुनर्गठन के बाद गठित सत्यनारायण राव समिति की सिफारिश पर 1958 में उच्च न्यायालय जोधपुर हस्तांतरित कर दिया गया।

❐ किस तारीख को राजस्थान उच्च न्यायालय के नियम, 1952 प्रभावी हुए- [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 16 जनवरी, 1952 (2) 15 अगस्त, 1952
(3) 01 अक्टूबर, 1952 (4) 31 दिसम्बर, 1952

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान उच्च न्यायालय के नियम, 1952 जो 01 अक्टूबर, 1952 से प्रभावी हुए। उसमें 8 भाग, 39 अध्याय एवं 924 नियम है।

❐ राजस्थान उच्च न्यायालय के जिन न्यायाधीशों को 29 अगस्त, 1949 को शपथ दिलाई गई, उनमें से कौन सुमेलित नहीं है- [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) न्यायमूर्ति लाला नवल किशोर- जोधपुर
(2) न्यामूर्ति कँवर लाल बापना - जयपुर
(3) न्यायमूर्ति जवान सिंह राणावत - कोटा
(4) न्यायमूर्ति त्रिलोचन दत्त - बीकानेर

Ans. (3)

व्याख्या -न्यायमूर्ति खेमचंद गुप्ता - कोटा

❐ आजादी के बाद रियासतों के एकीकरण से एक नया राज्य राजस्थान बना। नव निर्मित राज्य में विभिन्न स्थानों पर पाँच उच्च न्यायालय कार्यरत थे। निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान उनमें से एक नहीं है? [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) कोटा (4) बीकानेर

Ans. (*)

व्याख्या - नव निर्मित राज्य में, पाँच उच्च न्यायालय जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर (कोटा में एक बेंच के साथ संयुक्त राजस्थान की राजधानी होने के नाते) और अलवर (मत्स्य राज्य की राजधानी होने के नाते) में 20 न्यायाधीशों की कुल संख्या के साथ कार्य कर रहे थे। राजस्थान उच्च न्यायालय अध्यादेश, 1949 ने इन विभिन्न न्यायालयों को समाप्त कर दिया और पूरे राज्य के लिए एक ही उच्च न्यायालय का प्रावधान किया।

❐ निम्नलिखित में से कौनसा जिला राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ के अधिकार-क्षेत्र में नहीं आता है- [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) भीलवाड़ा (2) अजमेर
(3) बारां (4) अलवर

Ans. (1)

व्याख्या – जयपुर में उच्च न्यायालय की स्थायी बेंच की स्थापना पूर्व आदेश द्वारा अजमेर, अलवर, धौलपुर, भरतपुर, कोटा, बूँदी, झालावाड़, बाराँ, जयपुर, झुन्झुनूँ, सवाईमाधोपुर, करौली, सीकर, टोंक और दौसा के जिलों में होने वाले मामलों के संबंध में न्यायालय का अधिकार क्षेत्र निर्धारित किया है। शेष 18 जिले जोधपुर प्रधानपीठ के क्षेत्राधिकार में रखे गए।

❒ **राज्य के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति, के द्वारा की जाती है** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) भारत के मुख्य न्यायाधीश और राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श कर राष्ट्रपति द्वारा
(2) राष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश और राज्य मंत्रिपरिषद् के साथ परामर्श कर राज्यपाल द्वारा
(3) राष्ट्रपति और राज्यपाल के साथ परामर्श
(4) राज्य के मुख्यमंत्री की सिफारिश पर राज्यपाल द्वारा

Ans. (1)

व्याख्या – उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति -अनुच्छेद 217(1) के अनुसार उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षरों व मुहर से जारी वारण्ट द्वारा की जाती है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं संबंधित राज्य के राज्यपाल से परामर्श के उपरान्त की जाती है तथा उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति हेतु राष्ट्रपति को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, संबंधित राज्य के राज्यपाल एवं संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श लेना होता है। वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति एवं स्थानान्तरण हेतु कॉलेजियम प्रणाली प्रचलन में हैं, जिसमें राष्ट्रपति को सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम द्वारा सिफारिश किये गये व्यक्तियों में से ही उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करनी होती है। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश करने से पूर्व, भारत के मुख्य न्यायमूर्ति को कॉलेजियम के चार ज्येष्ठतम न्यायाधीशों से सलाह-मशविरा करना होता है।

❒ **उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश करने से पूर्व, भारत के मुख्य न्यायमूर्ति को कितने ज्येष्ठतम न्यायाधीशों से सलाह-मशविरा करना होता है-**[School Lecturer (Sans. Edu.)-04.08.2020]

(1) 2 (2) 3 (3) 4 (4) 5

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश अपना त्यागपत्र किसे दे सकता है?** [Asst. Jailer Exam-15.03.2016] [CET -11.2.2023 (S-I)]

(1) राज्यपाल (2) मुख्यमंत्री (3) राष्ट्रपति (4) प्रधानमंत्री

Ans. (3)

व्याख्या-त्यागपत्र [अनुच्छेद 217(1)क]-राष्ट्रपति को लिखित एवं हस्ताक्षरित त्यागपत्र देकर पद से मुक्त हो सकते हैं।

❒ **भारत में उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश की आयु के बारे में कोई प्रश्न उठता है तो उसका विनिश्चय कौन करता है?**[Protection Officer-28.1.2023]

(1) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राज्यपाल द्वारा
(2) भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा
(3) राष्ट्रपति के परामर्श से भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(4) राज्यपाल के परामर्श से भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा

Ans. (2)

व्याख्या – अनुच्छेद 217 (3) के अनुसार 'यदि उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश की आयु के बारे में कोई प्रश्न उठता है तो उस प्रश्न का विनिश्चय भारत के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श करने के पश्चात् राष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा और राष्ट्रपति का विनिश्चय अंतिम होगा।'

❒ **राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के कितने पद स्वीकृत हैं?** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022] [RPSC कनिष्ठ लेखाकार-2 अगस्त,2015] [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020][CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) 27 (2) 35 (3) 50 (4) 45

Ans. (3)

व्याख्या-वर्तमान में राजस्थान उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित 50 न्यायाधीश हैं।

❒ **संविधान के कौनसे अनुच्छेद अधीनस्थ न्यायालयों से संबंधित हैं?** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) अनुच्छेद 214 से 231 (2) अनुच्छेद 227 से 232
(3) अनुच्छेद 233 से 237 (4) अनुच्छेद 234 से 240

Ans. (3)

व्याख्या -अधीनस्थ न्यायालयों से संबंधित प्रावधान (संविधान भाग VI, अनुच्छेद 233-237)

☞ **अनुच्छेद 233 :** जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति।

☞ **अनुच्छेद 233क :** कुछ जिला न्यायाधीशों की नियुक्तियों का और उनके द्वारा किए गए निर्णयों आदि का विधिमान्यकरण।

☞ **अनुच्छेद 234 :** न्यायिक सेवा में जिला न्यायाधीशों से भिन्न व्यक्तियों की भर्ती।

☞ **अनुच्छेद 235 :** अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण।

☞ **अनुच्छेद 236 :** निर्वाचन

☞ **अनुच्छेद 237 :** कुछ वर्ग या वर्गों के मजिस्ट्रेटों पर इस अध्याय के उपबंधों का लागू होना।

❒ **अधीनस्थ न्यायालय की श्रेणी में नहीं आता है-**

[Police Constable Exam-2007(II)]

(1) सत्र न्यायालय (2) मुंसिफ न्यायालय

(3) राजस्व मंडल

(4) अतिरिक्त ज़िला न्यायाधीश की अदालत

Ans. (3) *व्याख्या :* उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **जिला न्यायाधीश नियुक्त किए जाते हैं-**

[CET : 05.02.2023 (S-II)]

(1) मुख्यमंत्री द्वारा

(2) राज्यपाल द्वारा

(3) भारत के राष्ट्रपति द्वारा

(4) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा

Ans. (2)

व्याख्या- जिला न्यायाधीश : संविधान के अनुच्छेद 233 (1) के अनुसार किसी राज्य का राज्यपाल, जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधित उच्च न्यायालय के परामर्श से करता है।

❒ **राजस्थान हाईकोर्ट में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रथम न्यायाधीश कौन है?**

[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) कैलाश नाथ वाँचू (2) सरजू प्रसाद

(3) जे. एम. पांचाल (4) शरत कुमार घोष

Ans. (1)

व्याख्या : राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश :

मुख्य न्यायाधीश	अवधि
1. **कमला कान्त वर्मा (प्रथम)**	1949-1950
2. **कैलाश नाथ वाँचू** (सर्वाधिक)	1951-1958
3. सरजू प्रसाद	1959-1961
4. जे.एस. रानावत	1961-1963
5. डी.एस. दवे	1963-1968
6. दौलत मल भण्डारी	1968-1969
7. जे. नारायण	1969-1973
8. बी.पी. बेरी	1973-1975
9. पी.एन. सिंघल	1975-1975
10. वी.पी. त्यागी	1975-1977
11. सी. होन्निया	1978-1978
12. चान्द मल लोढ़ा	1979-1980
13. के.डी. शर्मा	1981-1983
14. पी.के. बनर्जी	1983-1985
15. डी.पी. गुप्ता	1986-1986
16. जे.एस. वर्मा	1988-1989
17. के.सी. अग्रवाल	1990-1994
18. जी.सी. मित्तल	1994-1995
19. ए.पी. रावानी	1995-1996
20. मुकुल गोपाल मुखर्जी	1996-1997
21. शिवराज वी. पाटिल	1999-2000
22. ए.आर. लक्ष्मणन	2000-2001
23. अरुण कुमार	2001-2002
22. अनिल देव सिंह	2002-2004
25. सच्चिदानन्द झा	2005-2007
26. जे.एम.पांचाल	2007-2007
27. नारायण राव	2008-2009
28. दीपक वर्मा	2009-2009
29. जगदीश भल्ला	2009-2010
30. अरुण कुमार मिश्रा	2010-2012
31. अमिताव रॉय	2013-2014
32. सुनील अम्बवानी	2015-2015
33. सतीश कुमार मित्तल	2016-2016
34. नवीन सिन्हा	2016-2017
35. प्रदीप नन्द्राजोग	2017-2019
36. श्रीपति रवींद्र भट्ट	2019 -2019
37. इंद्रजीत महांती	2019-2021
38. अकील कुरैशी	2021-2022
39. एस.एस. शिन्दे	2022-2022
40. पंकज मिथल	2022-2023
41. आगस्टाइन जॉर्ज मसीह	30 मई, 2023 से ...

❑ **राजस्थान उच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश कौन थे-** [पटवारी प्रारम्भिक-2021]

(1) के. के. वर्मा (2) डी.एस. दवे

(3) सरजू प्रसाद (4) इनमें से कोई नहीं

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राज्य के प्रथम वर्जुअल कोर्ट का ई-उद्घाटन किसने किया?** [वनपाल-06.11.2022(S-I)]

(1) अशोक गहलोत (2) ओम बिरला

(3) एस.एस. शिन्दे (4) कलराज मिश्रा

Ans. (3)

व्याख्या - 20 जुलाई, 2022 को तत्कालीन राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एस.एस. शिन्दे ने पहली वर्चुअल अदालत का ई-उद्घाटन किया।

❑ **संयुक्त राष्ट्र के किस अंग ने भारत के दलवीर भंडारी को 2012 में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का जज चुना ?** [H.M. 15 May, 2012] [कारापाल परीक्षा, 2012]

(1) सुरक्षा परिषद (2) महासभा

(3) आर्थिक व सामाजिक परिषद (4) न्याय परिषद

Ans. (2)

व्याख्या - जोधपुर के दलवीर भंडारी को अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश दूसरी बार चुना (फरवरी, 2018 से 9 वर्ष तक) गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में जज के रूप में सेवाएँ देने वाले वह भारत के चौथे न्यायाधीश (राजस्थान मूल के भण्डारी दूसरे) होंगे। उनसे पूर्व भारत के सर बेनेगल राव 1950 के दशक में, डूँगरपुर के डॉ. नगेन्द्र सिंह 1970 के दशक में तथा रघुनन्दन पाठक 1980 के दशक में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में जज रह चुके हैं।

❑ **जोधपुर में राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी की स्थापना कब हुई?** [III Grade (Punjabi) -28.2.2023]

(1) 24 जनवरी, 2007 (2) 29 दिसम्बर, 2008

(3) 16 नवम्बर, 2005 (4) 27 अक्टूबर, 2009

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी *-यह राजस्थान उच्च न्यायालय की अकादमिक शाला है जो न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रशिक्षण तथा क्षमता संवर्धन हेतु कई तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। इसकी स्थापना 24 जनवरी, 2007 को जोधपुर में हुई।*

33. सचिवालय व मुख्य सचिव

❑ **निम्न में से कौनसा राजस्थान का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है-** [PTI 2015, II Grade Teacher 2014] [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) मुख्य सचिव (2) प्रमुख शासन सचिव

(3) मुख्यमंत्री (4) मंत्रिमण्डल सचिव

Ans. (1)

व्याख्या-शासन सचिवालय का मुखिया मुख्य सचिव होता है जो भारतीय प्रशासनिक सेवा का वरिष्ठतम अधिकारी एवं मुख्यमंत्री का विश्वासपात्र होता है। इसकी नियुक्ति मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है। मुख्य सचिव राज्य प्रशासन की 'किंग पिन' है जो नीति- निर्माण, नियंत्रण तथा प्रशासकीय नेतृत्व में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निर्वाहित करता है।

❑ **राजस्थान में नौकरशाह संगठन का प्रमुख कौन है?** [PTI Exam - 23.02.2015]

(1) मुख्यमंत्री (2) कार्मिक सचिव

(3) गृह सचिव (4) मुख्य सचिव

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त होने वाले अधिकारी का निम्न द्वारा चयन किया जाता है-** [IIgd. T-26.4.17] [जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II]

(1) राज्यपाल (2) मुख्यमंत्री

(3) गृहमंत्री (4) राष्ट्रपति

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में शासन सचिवालय की स्थापना कब हुई-** [VDO-28.12.2021 (S-I)][पटवार परीक्षा - 2011]

(1) अप्रैल, 1949 (2) नवम्बर, 1950

(3) नवम्बर, 1949 (4) अप्रैल, 1950

Ans. (1)

व्याख्या - अप्रैल 1949 में राजस्थान शासन सचिवालय का एकीकृत रूप अस्तित्व में आया।

❑ **राजस्थान राज्य सचिवालय के निम्न पदाधिकारियों पर विचार कीजिए-**[II Gra.GK (संस्कृत शिक्षा)-19.2.2019]

1. मुख्य सचिव **2. उप-सचिव**

3. अतिरिक्त सचिव **4. शासन सचिव**

उपर्युक्त पदाधिकारियों का सही अवरोही क्रम क्या है?

(1) 1, 2, 3, 4 (2) 1, 3, 2, 4
(3) 1, 4, 2, 3 (4) 1, 4, 3, 2

Ans. (4)

व्याख्या *- पदाधिकारियों का सही अवरोही क्रम है-*

राजनीतिक स्तर:

मुख्यमंत्री
↓
कैबिनेट स्तर के मंत्री
↓
राज्य मंत्री
↓
उप मंत्री
↓
संसदीय सचिव (यह मंत्री पद प्रायः नहीं होता)

↓
मुख्य सचिव
↓

प्रशासनिक स्तर:

अतिरिक्त मुख्य सचिव
↓
संबंधित विभाग का प्रमुख शासन सचिव
↓
विशेष/अतिरिक्त सचिव
↓
उप सचिव
↓
सहायक सचिव/अनुभाग अधिकारी
↓
अन्य मंत्रालयिक कर्मचारी
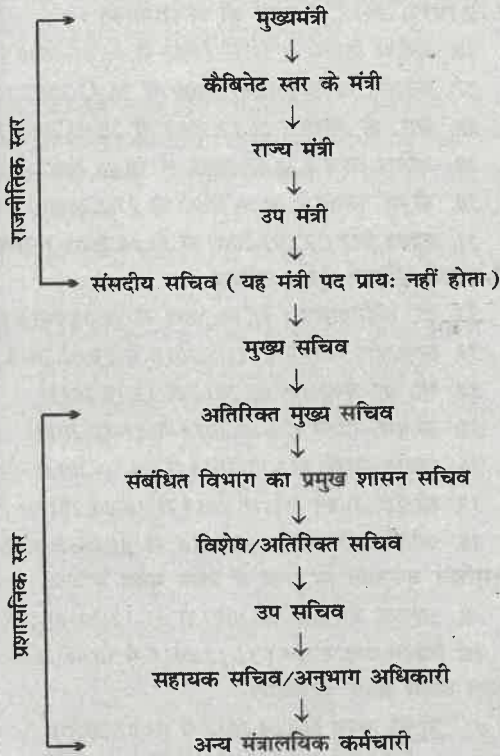
❑ **अधोलिखित राज्य सचिव में स्थित पदों को नीचे दिए गये कूट की सहायता से पद सोपानीय क्रम (उच्चतर से निम्नतर) में नियोजित करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए-** [ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]

1. सचिव **2. उप सचिव**
3. विशिष्ट सचिव **4. सहायक सचिव**

कूट :

(1) 2, 3, 4, 1 (2) 4, 3, 2, 1
(3) 3, 2, 1, 4 (4) 1, 3, 2, 4

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सुमेलित कीजिये:** [PTI (Grade-III)-25.9.2022]

राज्य सचिवालय में रैंक	**कार्य**
A. शासन सचिव	**1. कार्यक्रम क्रियान्वयन**
B. परियोजना अधिकारी	**2. नैत्यक लिपिक कार्य**
C. अनुभाग अधिकारी	**3. सम्पूर्ण कार्यवेक्षक**
D. सहायक	**4. नीति-निर्माण**

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(1)	4	1	2	3	(2)	1	2	3	4
(3)	3	2	1	4	(4)	1	3	2	4

Ans. (1)

❑ **मुख्य सचिव की सेवा अवधि निर्भर करती है-** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) राज्यपाल के साथ संबंधों पर।
(2) मुख्यमंत्री के साथ संबंधों पर।
(3) विधानसभा अध्यक्ष के साथ संबंधों पर।
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. (2)

व्याख्या : *मुख्य सचिव की सेवा अवधि उसके मुख्यमंत्री के साथ संबंधों पर निर्भर करती है।* ***मुख्य सचिव का कार्यकाल निश्चित नहीं है। भारत सरकार और राज्य प्रशासन के बीच शासकीय संवाद का औपचारिक चैनल मुख्य सचिव होता है।***

❑ **मुख्य सचिव के निम्न में कौनसा कार्मिक प्रशासन से सम्बन्धित दायित्व नहीं है?** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) सेवा शर्तों में संशोधन करना।
(2) लोक सेवकों में नियमों के प्रति प्रतिबद्धता पर नजर रखना।
(3) पदोन्नति व वरिष्ठता निर्धारण से सम्बन्धित कार्य।
(4) मंत्रिमण्डलों की बैठकों को बुलाने के विषय में सूचना देना।

Ans. (4)

व्याख्या -मंत्रिमंडल की बैठकों की व्यवस्था : *वांछित सूचना या फाईल उपलब्ध कराना, महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर अपना परामर्श देना तथा मंत्रिमंडल के निर्णयों को लागू कराने में मुख्य सचिव की भूमिका निर्विवाद रूप से महत्त्वपूर्ण है। राज्य प्रशासन की नीतियों, कानूनों, कार्यक्रमों तथा नवीन योजनाओं के निर्माण, मुख्यमंत्री द्वारा किए गए वायदों की क्रियान्विति इत्यादि में मुख्य सचिव बहुत कुशलता से अपना कार्य सम्पादित करता है।*

❒ **राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिवों को उनके कार्यकाल के अनुसार कालानुक्रम में व्यवस्थित करें।**
[III Grade (Hindi) -26.2.2023]

(1) सी.के. मैथ्यू-राजीव महर्षि-निहाल चंद गोयल-डी. बी. गुप्ता
(2) राजीव महर्षि - सी.के. मैथ्यू - निहाल चंद गोयल-डी.बी. गुप्ता
(3) निहाल चंद गोयल-सी.के. मैथ्यू - राजीव महर्षि-डी.बी. गुप्ता
(4) राजीव महर्षि-निहाल चंद गोयल - सी.के. मैथ्यू - डी.बी. गुप्ता

Ans. (1)

व्याख्या - प्रमुख मुख्य सचिव : एक दृष्टि में

1. के. राधाकृष्णन (13.04.1949 से 02.05.1950)-प्रथम मुख्य सचिव
2. वी. नारायणन (02.05.1950 से 01.09.1950)
3. के. राधाकृष्णन (01.09.1950 से 31.01.1951)
4. एस. डब्ल्यू शिवशंकर (08.02.1951 से 16.02.1953)
5. बी. जी. राव (16.02.1953 से 30.12.1954)
6. श्री किशन पुरी (30.12.1954 से 12.01.1957)
7. के. एन. सुब्रह्मण्यम (11.03.1957 से 06.05.1958)
8. भगवतसिंह मेहता (09.05.1958 से 26.09.1964) - इस पद पर पहुँचने वाले पहले राजस्थानी थे जो इस पद पर सर्वाधिक अवधि तक रहे थे।
9. एस. डी. उज्ज्वल (26.09.1964 से 16.01.1965)-राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे।
10. भगवतसिंह मेहता (16.01.1965 से 19.10.1966)
11. के. पी. यू. मेनन (29.10.1966 से 22.10.1968)
12. आर. डी. माथुर (22.10.1968 से 16.05.1969)
13. जेड. एस. झाला (17.05.1969 से 09.08.1971)
14. एस. एल. खुराणा (09.08.1971 से 26.06.1975)
15. मोहन मुखर्जी (07.07.1975 से 01.05.1977)
16. आर.डी. थापर (04.05.1977 से 26.06.1977)
17. मोहन मुखर्जी (26.06.1977 से 31.10.1977)
18. जी. के. भनोत (28.11.1977 से 29.12.1980)
19. एम. एम. के. वली (29.12.1980 से 20.02.1984)
20. आनन्द मोहन लाल सक्सेना-(21.02.1984 से 22.07.1985)
21. नरेश चन्द्र (22.07.1985 से 09.03.1986)-2007 में पद्म विभूषण से सम्मानित
22. विपिन बिहारीलाल माथुर (10.03.1986 से 31.01.1992)-सर्वाधिक मुख्यमंत्रियों (हरिदेवजोशी, शिवचरण माथुर, भैंरोसिंह शेखावत) के काल में मुख्य सचिव
23. टी.वी. रमणन (31.01.1992 से 30.08.1993)
24. गोविन्द जे. मिश्रा (30.08.1993 से 29.01.1994)
25. मीठा लाल मेहता (02.02.1994 से 31.12.1997)-2015 में पद्म श्री से सम्मानित
26. अरूण कुमार (31.12.1997 से 01.01.2000)
27. इन्द्रजीत खन्ना (01.01.2000 से 26.12.2002)
28. आर. के. नायर (26.12.2002 से 28.02.2005)
29. अनिल वैश्य (28.02.2005 से 30.06.2007)
30. डी.सी. सावंत (30.06.2007 से 27.2.2009)
*31. कुशल सिंह (27.02.2009 से 31.10.2009)-**राज्य की पहली महिला मुख्य सचिव***
32. टी. श्रीनिवासन (31.10.2009 से 31.08.2010)
33. सलाउद्दीन अहमद (31.08.2010 से 29.02.2012)
34. सी. के. मैथ्यु (29.02.2012 से 15.10.2013)
35. सी.एस. राजन (20-10-2013 से 22-12-2013)
36. राजीव महर्षि (22-12-2013 से 28-10-2014)
37. सी.एस. राजन (31-10-2014 से 30-06-2016)
38. ओ.पी. मीणा (30.06.2016 से 30.06.2017)-अनुसूचित जनजाति के राज्य में प्रथम मुख्य सचिव
39. अशोक जैन (30-06-2017 से 31-12-2017)
40. निहाल चन्द गोयल (31.12.2017 से 30.04.2018) -दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल
41. डी.बी. गुप्ता (30.04.2018 से 03.07.2020)
*42. राजीव स्वरूप (03.07.2020 से 31.10.2020)-**सबसे छोटा कार्यकाल***
43. निरंजन कुमार आर्य (01.11.2020 से 31.01.2022-अनुसूचित जाति के राज्य में प्रथम मुख्य सचिव
44. उषा शर्मा (31.01.2022 से निरन्तर) - राज्य की दूसरी महिला मुख्य सचिव

❒ **राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिवों का सही कालानुक्रम है?**
[PTI (Grade II)-30.4.2023]

1. श्री किशन पुरी **2.श्री के.एन. सुब्रमणयम**
3. श्री बी.जी. राव **4. श्री भगतसिंह मेहता**

(1) 1, 2, 4, 3 (2) 2, 1, 4, 3
(3) 3, 1, 2, 4 (4) 4, 2, 1, 3

Ans. (3) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❐ **राजस्थान की प्रथम महिला मुख्य सचिव कौन थीं?**
[II Grade (Hindi)-2011]
[जेल प्रहरी27-10-2018, Shift -II]
(1) श्रीमती कृष्णा भटनागर(2) श्रीमती मीनाक्षी हूजा
(3) श्रीमती अल्का काला (4) श्रीमती कुशल सिंह
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **वर्तमान मुख्य सचिव ऊषा शर्मा से पूर्व कितनी महिलाएँ राजस्थान की मुख्य सचिव रही हैं ?**
[II Grade (S-II) -29.1.2023]
(1) एक (2) दो (3) तीन (4) दस
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सबसे छोटे कार्यकाल वाले राजस्थान के मुख्य सचिव हैं-** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]
(1) राजीव स्वरूप (2) एन. सी. गोयल
(3) निरंजन कुमार आर्य (4) सी.के. मैथ्यू
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **ऊषा शर्मा, राजस्थान सरकार की वर्तमान.... है।**
[PTI (Grade-III)-25.9.2022][Lab Assistent (Sci.) -28.6.2022]
(1) खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष
(2) मगरा विकास कार्यक्रम इंचार्ज
(3) मुख्य सचिव
(4) आई.जी., जयपुर रेंज
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राज्य का मुख्य सचिव कार्य करता है-**
[जेल प्रहरी-21-10-2018][द्वितीय श्रेणी अध्यापक-1.5.2017]
1. कैबिनेट के सचिव के रूप में, 2. मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार के रूप में, 3. सचिवों के मुखिया के रूप में, 4. सिविल सेवा के प्रधान के रूप में, 5. राज्य के प्रधान के रूप में
(1) 2, 3, 4, 5 (2) 1, 2, 3, 4
(3) 2, 4, 5 (4) 1, 2, 4, 5
Ans. (2)

***व्याख्या** - मुख्य सचिव होता है- • मुख्यमंत्री का सहयोगी एवं सलाहकार • लोक सेवकों का प्रमुख • मंत्रिमण्डल का सचिव • मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के रूप में : राज्य सचिवालय के विभागों के सभी सचिवों, निदेशालयों के निदेशकों, सम्भागीय आयुक्तों, जिला कलक्टरों तथा अन्य सभी राज्य कर्मचारियों का शीर्षस्थ अधिकारी मुख्य सचिव होता है।*

34. जिला स्तरीय प्रशासन

❐ **जिला स्तर पर कानून-व्यवस्था बनाये रखने का दायित्व है?** [पटवार परीक्षा - 2008]
(1) जिलाधीश का (2) उपखण्ड अधिकारी का
(3) अतिरिक्त जिलाधीश का (4)पुलिस अधीक्षक का
Ans. (1)

***व्याख्या** - <u>जिला कलेक्टर के कार्य एवं भूमिका</u>-*

*• **राज्य सरकार के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में** -सरकार की आँख, कान तथा बाँहों की भाँति जिले में जिलाधीश कार्य करता है तथा वह जिला प्रशासन की धुरी होता है।*

*• **दण्डनायक (मजिस्ट्रेट) के रूप में** -जिले में शांति, सुरक्षा, एकता, सद्भाव तथा व्यवस्था बनाए रखना। <u>विदेशियों के पारपत्र की जाँच</u> करना। जाति, निवास तथा अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्र जारी करना। पुलिस अधीक्षक के माध्यम से जिला पुलिस तंत्र पर नियंत्रण रखना। जिला कारागृह का निरीक्षण तथा विचाराधीन कैदी कल्याण के कार्य करवाना। पुलिस थानों, रोजनामचों तथा डायरियों का निरीक्षण करना। कोषागार एवं उपकोषागार का पर्यवेक्षण। विशेष परिस्थितियों में रात को पोस्टमार्टम कराने की अनुमति देना (पोस्टमार्टम दिन में ही किया जाता है)।*

*• **विकास अधिकारी के रूप में** - सभी विकास कार्यक्रमों एवं कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिलाधीश की होती है।*

*• **भू-राजस्व अधिकारी के रूप में** - भू-राजस्व एकत्रित करना कलक्टर का मुख्य कार्य है। कलक्टर का अन्य दायित्व भूमि-सुधार, भूमि-प्रबन्ध तथा भूमि-अधिग्रहण से सम्बन्धित है।*

*• **अन्य कार्य** - प्राकृतिक आपदाओं का निवारण करने का मूलभूत उत्तरदायित्व कलक्टर अथवा जिलाधीश पर है। जिले की जनगणना करवाना। जिले में संसद, विधानसभा एवं स्थानीय निकायों के निर्वाचनों का सुचारू रूप से संचालन करना जिलाधीश का मुख्य उत्तरदायित्व माना जाता है।*

❐ **किसे जिले में प्रमुख जनगणना अधिकारी माना जाता है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) सम्भागीय आयुक्त (2) जिला कलक्टर
(3) अतिरिक्त जिला कलक्टर (4) उपखण्ड अधिकारी
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौन-से कार्य दण्डनायक के रूप में कलेक्टर में निहित है?**[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

1. पुलिस पर नियंत्रण रखना।
2. जिले के कोषालयों का निरीक्षण करना।
3. विदेशियों के पारपत्रों की जाँच करना।
4. भू-राजस्व एकत्र करना।

(1) 1, 2 व 3 (2) 1 व 2
(3) 1 व 3 (4) 1, 2, 3 व 4

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जिला दण्डनायक के रूप में जिला कलेक्टर की शक्तियाँ हैं-** [RAS-28.08.2016]

(1) कानून व व्यवस्था बनाए रखना।
(2) पुलिस पर नियंत्रण रखना।
(3) विदेशियों के पारपत्रों की जाँच करना।
(4) भू-राजस्व एकत्र करना।

(1) 1, 2, 4 (2) 2, 3, 4
(3) 1, 3, 4 (4) 1, 2, 3

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सरकार की आँख, कान तथा बाँहों की भाँति जिले में कौन कार्य करता है?** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) जिलाधीश (2) संभागीय आयुक्त
(3) जिला पुलिस अधीक्षक (4)इसमें से कोई नहीं

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा एक कार्य जिलाधीश द्वारा मजिस्ट्रेट के रूप में किए गए कार्यों में शामिल नहीं है?** [II Grade SST (Spc. Edu.) -03.07.2019]

(1) कोषागार एवं उपकोषागार का पर्यवेक्षण
(2) कारागारों का निरीक्षण करना
(3) दावा रहित संपति को निस्तारित करने के आदेश देना।
(4) स्थानीय निकायों पर नियंत्रण और पर्यवेक्षण करना।

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा कार्य कलेक्टर का नहीं है?**

[जेल प्रहरी परीक्षा 29-10-2018, Shift -I]
[ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]

(1) भू-राजस्व का एकत्रीकरण
(2) कानून व्यवस्था का रखरखाव
(3) आय कर का एकत्रीकरण
(4) भू-दस्तावेजों का रखरखाव

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौन-सा कार्य राजस्थान में जिला कलेक्टर से सम्बन्धित नहीं है?**

[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) स्थानीय स्वशासन के निकायों के चुनावों की अधिसूचना जारी करना।
(2) जिले में कानून-व्यवस्था बनाये रखना।
(3) जिले की विकास परियोजनाओं की निगरानी करना।
(4) जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार में समन्वय करना।

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जिला महिला सहायता समिति की अध्यक्षता करता है।** [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) जिला कलेक्टर (2) जिला प्रमुख
(3) जिला एवं सत्र न्यायाधीश (4) जिला पुलिस अधीक्षक

Ans. (1)

❒ **जिला कलेक्टर किस सेवा का सदस्य होता है?**

[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]

(1) भारतीय राजस्व सेवा (2) राज्य सिविल सेवा
(3) भारतीय प्रशासनिक सेवा (4) भारतीय पुलिस सेवा

Ans. (3)

व्याख्या *-भारतीय नौकरशाही व्यवस्था में जिला कलक्टर अर्थात् 'डिस्ट्रिक्ट कलक्टर' का पद अत्यन्त महत्त्वपूर्ण तथा गौरवशाली परम्पराओं से युक्त है। ब्रिटिश शासन के दौरान कलक्टर का पद राजस्व एकत्रण के लिए सृजित किया गया था जिसे कालान्तर में शांति एवं न्याय व्यवस्था से सम्बन्धित कार्य भी सौंप दिए गए लेकिन वर्तमान में जिला कलक्टर के कार्य मूलतः विकास प्रशासन से जुड़ चुके है। वर्तमान में जिला कलक्टर के पद पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को नियुक्त किया जाता है जिसे न्यूनतम 5-7 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव प्राप्त हो चुका हो। राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को पहली बार जिला कलेक्टर के रूप में पदस्थापना वर्ष 2009 में की गई थी। वारेन हेस्टिंग्स ने 1772 में बंगाल में कलेक्टर का पद सृजित किया (प्रथम कलेक्टर-राल्फ शैल्डन)।*

❒ **राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को पहली बार जिला कलेक्टर के रूप में पदस्थापना निम्नांकित में से किस वर्ष में की गई थी-** [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) 2021 (2) 2013
(3) 2009 (4) 2018

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सूची-I को सूची -II से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:** [RAS Pre Exam-19.11.2013]

सूची-I
(जिलाधीश के बारे में कथन)
(A) जिलाधीश की तुलना एक कछुए से की है जिस की पीठ पर भारत सरकार का हाथी खड़ा है
(B) जिलाधीश को एक अधिवक्ता, एक लेखाविद्य एक सर्वेक्षणकर्ता तथा राज्य पत्रों का तैयार लेखक होना चाहिए
(C) कहीं दूसरी जगह जिलाधीश के समान न तो कोई अधिकारी हुआ है और न ही होगा
(D) प्रशासन की धुरी

सूची-II (द्वारा)
(i) भारतीय स्टेच्युटरी कमीशन प्रतिवेदन 1930
(ii) 20 मई 2005 को दिया गया प्रधानमंत्री का भाषण
(iii) रैम्जे मैक्डोनल्ड
(iv) के.के. दास

कूट:	A	B	C	D
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

Ans. (1)

व्याख्या : *जिलाधीश के व्यापक और विशद कार्यों को देखते हुए रजनी कोठारी ने उसे 'संस्थागत करिश्मा' की उपमा दी। जिलाधीश के कार्यभार की अधिकता एवं अतिव्यस्तता के कारण रेम्जे मेक्डोनॉल्ड ने 'जिलाधीश की तुलना एक कछुए से की है जिसकी पीठ पर भारत सरकार का हाथी खड़ा है।'' के.के. दास ने कहा कि ''कहीं दूसरी जगह जिलाधीश के समान न तो कोई अधिकारी हुआ है और न ही होगा।'' जब **साइमन कमीशन** (भारतीय स्टेटयूटरी कमीशन) भारत आया तो उसने जून, 1930 के अपने प्रतिवेदन में अन्य बातों के साथ जिलाधीश की भूमिका के लिए कहा कि ''जिलाधीश को एक अधिवक्ता, एक लेखाविद्य, एक सर्वेक्षणकर्ता तथा राजपत्रों का तैयार लेखक होना चाहिए।'' मई, 2005 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि ''जिलाधीश प्रशासन की धुरी है।''*

❐ **निम्न में से किसने जिलाधीश को 'संस्थागत करिश्मा' कहा था?** [RAS Pre Exam-26.10.2013]
(1) रजनी कोठारी (2) पी.आर. दुभाषी
(3) टी. एन. चतुर्वेदी (4) जे. डी. शुक्ला
Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सत्य नहीं है?** [CET : 08.01.2023 (S-I)]
(1) सन् 1772 में, वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा जिला कलेक्टर का पद सृजित किया गया।
(2) जिले में, जिला कलेक्टर मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी का कार्य करता है।
(3) भारत के संविधान के अनुच्छेद 233 में 'जिला न्यायाधीश' शब्द का उल्लेख किया गया है।
(4) रेम्जे मैक्डोनॉल्ड ने कलेक्टर को संस्थागत करिश्मा कहा था।
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **किस अधिनियम द्वारा जिला कलेक्टर को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया?** [Protection Officer -28.01.2023]
(1) आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2004
(2) आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005
(3) आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2007
(4) आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2008
Ans. (2)

व्याख्या *- आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 जनवरी, 2006 में लागू हुआ। इस अधिनियम के तहत राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पदेन अध्यक्ष - मुख्यमंत्री) एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पदेन अध्यक्ष - कलेक्टर) का गठन किया गया।*

❐ **जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का अध्यक्ष कौन होता है।** [VDO-27.12.2021 (S-II)]
(1) आयुक्त नगर निगम (2) सी.ई.ओ. (जिला परिषद)
(3) जिला कलेक्टर (4) पुलिस अधीक्षक
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **किस योजना का उद्देश्य लम्बित राजस्व अदालती मामलों को निपटाना है?** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक-1.5.2017]
(1) सरकार आपके द्वार (2) प्रशासन आपके द्वार
(3) न्याय आपके द्वार (4) पुलिस आपके द्वार
Ans. (3)

35. स्थानीय प्रशासन

❒ **पंचायती राज व्यवस्था है-** [ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016] [पटवारी प्रारम्भिक परीक्षा-2016]

(1) ग्रामीण स्थानीय स्व-शासन (2) स्थानीय स्वशासन
(3) स्थानीय सरकार (4) स्थानीय प्रशासन की

Ans. (1)

व्याख्या *- ग्रामीण स्थानीय स्व-शासन अथवा पंचायती राज - भारत में 'स्थानीय स्वशासन' को राज्य सूची के अन्तर्गत रखा गया है। गवर्नर जनरल व वायसराय लॉर्ड रिपन ने सर्वप्रथम 1882 में जिला बोर्ड, ग्राम पंचायत एवं न्याय पंचायत का प्रस्ताव कर देश में स्थानीय स्वशासन की ठोस बुनियाद रखी।* ***इस कारण रिपन को देश में 'स्थानीय स्वशासन का पिता' कहा जाता है।***

❒ **निम्न संवैधानिक अनुच्छेदों में से कौनसा अनुच्छेद पंचायत के बारे में 73 वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था?** [ग्राम सेवक18.12.16][संरक्षण अधिकारी-29.5.19]

(1) 243 से 243 -O (2) 243 से 243-T
(3) 243 से 243-ZA (4) 244 से 244-P

Ans. (1)

व्याख्या : 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 243 से 243 O तक को 9वें भाग के रूप में जोड़कर 11वीं अनुसूची के अंतर्गत पंचायती राज व्यवस्था को सांविधानिक दर्जा प्रदान किया गया है।

❒ **राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था का शुभारंभ किस पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत किया गया था?** [CET : 04.02.2023 (S-I)][पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) तृतीय (2) चतुर्थ (3) प्रथम (4) द्वितीय

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पंचायती राज व्यवस्था के 73वें संविधान संशोधन के अनुसार कौनसे कथन सही है?** [VDO-09.07.2022]

1. पंचायती राज संस्थाओं में अध्यक्ष के कम से कम 2/3 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

2. 73वें संविधान संशोधन द्वारा 11वीं अनुसूची को संविधान में जोड़ा गया।

3. मध्यप्रदेश 73वां सांविधानिक संशोधन लागू करने वाला पहला राज्य था।

4. 73वां संविधान संशोधन अधिनियम 24 अप्रैल, 1994 से लागू हुआ।

(1) 1, 3 (2) 2, 3 (3) 2, 3 और 1 (4) 2, 3 और 4

Ans. (*)

व्याख्या : विकल्प 3 गलत है अत: बोनस अंक दिया। 16 सितम्बर, 1991 को पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार द्वारा पंचायती राज के संबंध में 73वाँ संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया गया। इस विधेयक की समीक्षा हेतु नाथुराम मिर्धा की अध्यक्षता में लोकसभा की इस समिति की सिफारिशों के आधार पर 22 दिसम्बर, 1992 को लोकसभा द्वारा तथा 23 दिसम्बर, 1992 को राज्यसभा में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 पारित किया गया। 17 राज्यों के अनुमोदन के पश्चात राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने इसे 20 अप्रैल, 1993 को अपनी स्वीकृति प्रदान की तथा एक अधिसूचना द्वारा 24 अप्रैल, 1993 को यह अधिनियम देश में लागू हो गया। इसलिए 24 अप्रैल को 'पंचायती राज दिवस' मनाया जाता है।

❒ **निम्नलिखित में से किस वर्ष राजस्थान पंचायत अधिनियम अधिनियमित हुआ तथा पूरे राज्य में ग्राम पंचायतों की स्थापना हुई?** [CET -11.2.2023 (S-I)] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)] [II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-I)]

(1) 1954 (2) 1952 (3) 1973 (4) 1953

Ans. (1)

व्याख्या *- आधुनिक राजस्थान के गठन से पूर्व भी राजस्थान की विभिन्न देशी रियासतों यथा-जोधपुर, बीकानेर (1928), जयपुर (1938), सिरोही (1943), भरतपुर (1944), उदयपुर और करौली (1949) में पंचायती राज कानून बनाये गये। राजस्थान में बीकानेर पहली देशी रियासत थी जहाँ 1928 में ग्राम पंचायत अधिनियम पारित कर ग्राम पंचायतों को वैधानिक दर्जा दिया गया। राजस्थान पंचायत अधिनियम 1953 भारत के संविधान के अनुच्छेद 40 में उल्लिखित दर्शन को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था। 1953 में विधानसभा द्वारा पंचायतीराज अधिनियम 1953 पारित किया गया जिसे 1 जनवरी, 1954 में अधिनियम का स्वरूप दे दिया गया और पूरे राज्य में ग्राम पंचायतों की स्थापना की गई।*

❒ **राजस्थान में पंचायती राज पद्धति को अपनाने की तिथि है-** [Stenographer-30.5.13] [II Grade (Hindi) 2011] [RPSC II Grade Teacher Exam-2011]

(1) 26 जनवरी, 1957 (2) 24 अप्रैल, 1993
(3) 2 अक्टूबर, 1959 (4) 15 अगस्त, 1958

Ans. (3)

व्याख्या -भारतवर्ष में सर्वप्रथम राजस्थान में पंचायतीराज व्यवस्था का शुभारम्भ जवाहर लाल नेहरू द्वारा 2 अक्टूबर 1959 नागौर के बगदरी गाँव से किया गया।

❐ **राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था का उद्घाटन कब और किसके द्वारा किया गया ?**[पटवार - 2011]
[EO & RO 14.5.2023 (S-II)]
[II Gr.(संस्कृत शिक्षा) -19.2.2019]

(1) 2 अक्टूबर 1959, पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा।
(2) 15 अगस्त 1957, पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा।
(3) 26 जनवरी 1952, महात्मा गांधी द्वारा।
(4) 2 अक्टूबर 1959, सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा।

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **संविधान का कौनसा अनुच्छेद पंचायतों की शक्तियाँ, अधिकार और जिम्मेदारियों से संबंधित है?**
[LDC Exam -09.09.2018]

(1) 243 (A) (2) 356 (B)
(3) 357 (4) 243 (G)

Ans. (4)

व्याख्या - पंचायतें (भाग 9) : संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 243	- परिभाषाएँ
अनुच्छेद 243 A	- ग्राम-सभा
अनुच्छेद 243 B	- पंचायतों का गठन
अनुच्छेद 243 C	- पंचायतों की संरचना
अनुच्छेद 243 D	- स्थानों का आरक्षण
अनुच्छेद 243 E	- पंचायतों की अवधि आदि
अनुच्छेद 243 F	- सदस्यता के लिए निरर्हताएँ
अनुच्छेद 243 G	- पंचायतों की शक्तियाँ, प्राधिकार और उत्तरदायित्व
अनुच्छेद 243 H	- पंचायतों द्वारा कर अधिरोपित करने की शक्तियों और उनकी निधियाँ
अनुच्छेद 243 I	- वित्तीय स्थिति के पुनरावलोकन के लिए वित्त आयोग का गठन
अनुच्छेद 243 J	- पंचायतों के लेखाओं की संपरीक्षा
अनुच्छेद 243 K	- पंचायतों के लिए निर्वाचन
अनुच्छेद 243 L	- संघ राज्य क्षेत्रों को लागू होना
अनुच्छेद 243 M	- इन भाग का कतिपय क्षेत्रों में लागू होना
अनुच्छेद 243 N	- विद्यमान विधियों और पंचायतों का बना रहना
अनुच्छेद 243 O	- निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालय के हस्तक्षेप का वर्णन

❐ **भारतीय संविधान के कौनसे अनुच्छेद में 'ग्राम सभा' की परिभाषा है-** [PTI (Grade II)-30.4.2023]
[VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) अनुच्छेद -243 ग (2) अनुच्छेद -243
(3) अनुच्छेद - 243 क (4) अनुच्छेद - 243 ख

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद ग्रामसभा के बारे में है?** [III Grade (SST) -26.02.2023]

(1) 243 D (2) 243 A (3) 243 F (4) 243 C

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था के कितने स्तर है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) एक (2) तीन (3) दो (4) चार

Ans. (2)

व्याख्या - त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था -निम्नतम स्तर - ग्राम पंचायत, मध्य स्तर - पंचायत समिति, शीर्ष स्तर - जिला परिषद्

❐ **पंचायतों की अवधि है?** [पटवार परीक्षा - 2008]

(1) 5 वर्ष (2) 4 वर्ष (3) 3 वर्ष (4) 2 वर्ष

Ans. (1)

व्याख्या - प्रत्येक पंचायतीराज संस्था का कार्यकाल प्रथम बैठक की तारीख से 5 वर्ष तक का होगा।

❐ **राजस्थान में ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच तथा वार्ड पंच अपना त्यागपत्र किसे सम्बोधित करते हैं?**[II Grade -17.02.2019][वनरक्षक-13.12.2022(I)]
[VDO-28.12.2021 (S-I)] [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) जिला प्रमुख (2) विकास अधिकारी
(3) पंचायत समिति का प्रधान (4) जिला कलेक्टर

Ans. (2)

व्याख्या-पंचायत राज व्यवस्था में सदस्यों का त्यागपत्र-

- *ग्राम स्तर - विकास अधिकारी को*
- *पंचायत समिति स्तर - प्रधान को*
- *जिला स्तर - जिला प्रमुख को*

❐ **राजस्थान में पंचायत समिति का प्रधान अपना इस्तीफा किसे देता है?** [Police Constable Exam- 2013]

(1) जिला प्रमुख (2) उप-प्रधान
(3) जिला कलक्टर (4) संभागीय आयुक्त

Ans. (1)

व्याख्या-पंचायत राज व्यवस्था में अध्यक्षों का त्यागपत्र-
- ***ग्राम स्तर (सरपंच) - विकास अधिकारी को***
- ***पंचायत समिति स्तर (प्रधान) - जिला प्रमुख को***
- ***जिला स्तर (जिला प्रमुख)-संभागीय आयुक्त को***

❒ **राजस्थान में जिला आयोजना समिति में कितने सदस्य होते हैं-**[VDO-27.12.2021 (S-II)][RAS-28.8.2016]

(1) 35 (2) 30 (3) 40 (4) 25

Ans. (4)

व्याख्या : जिला आयोजना समितियाँ : *अनु. 243ZD के अधीन राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 121 में जिला आयोजना समिति के गठन का प्रावधान है। ये जिले की 'विकास योजना' का निर्माण करने हेतु जिला प्रमुख की अध्यक्षता में गठित समितियाँ है। इसका सचिव मुख्य आयोजना अधिकारी होता है। इनमें कुल 25 सदस्य होते हैं जिनमें से 3 पदेन व 2 राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य होते हैं तथा 20 सदस्य जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की जनसंख्या के अनुपात में जिला परिषद/नगर निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों में निर्वाचित होते हैं। पदेन सदस्य - (अ) जिले का कलक्टर, (ब) मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद (स) अति मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद्*

❒ **राजस्थान में जिला आयोजन समिति का अध्यक्ष कौन होता है?** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]

(1) जिला कलेक्टर (2) जिला प्रमुख
(3) वित्त मंत्री (4) मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **संविधान की 11वीं अनुसूची में पंचायत राज संस्थाओं के लिए कितने विषय सूचीबद्ध हैं?**
[II Grade - 30.07.2023 (S- II)][Head Master - 15 May, 2012]
[PTI - 23.02.2015, 30.09.2018][II Grade GK - 22.12.2022]

(1) 29 (2) 30 (3) 35 (4) 37

Ans. (1)

व्याख्या *- संविधान की 11वीं अनुसूची में पंचायत राज संस्थाओं के लिए 29 विषय सूचीबद्ध है। जिनमें 21 (16 + 5 नये) विषय पंचायत राज संस्थाओं को हस्तांतरित कर दिये गये है।*

❒ **1989 में किस समिति ने स्थानीय शासन के निकायों को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने की सिफारिश की?** [REET (L- II) –23.07.2022]

(1) पी.के. थुंगन समिति (2) बी. आर. मेहता समिति
(3) अशोक मेहता समिति (4) सादिक अली समिति

Ans. (1)

व्याख्या - पंचायती राज से सम्बन्धित समितियाँ :

☞ ***बलवन्त राय मेहता समिति***- *सामुदायिक विकास परियोजनाओं एवं राष्ट्रीय विस्तार सेवाओं पर गठित इस समिति ने 24.11.1957 को रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें **त्रिस्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था** की स्थापना की सिफारिश की।*

☞ ***सादिक अली अध्ययन दल-1964*** *में गठित इस दल के अनुसार पंचायत समिति के प्रधान तथा जिला परिषद के प्रमुख का चुनाव इन संस्थाओं के सदस्यों द्वारा किये जाने के स्थान पर वृहत्तर निर्वाचन मण्डल द्वारा किया जाना चाहिए।*

☞ ***गिरधारी लाल व्यास कमेटी-1973*** *में गठित इस समिति ने प्रत्येक पंचायत के लिए ग्राम सेवक तथा सचिव नियुक्त करने तथा पंचायती राज संस्थाओं को पर्याप्त वित्तीय संसाधन बढ़ाये जाने पर बल दिया।*

☞ ***अशोक मेहता समिति***-*दिसम्बर, 1977 में गठित इस समिति ने अगस्त, 1978 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके अनुसार त्रिस्तरीय पंचायती राज पद्धति को केवल जिला एवं पंचायत समिति स्तर पर **'द्विस्तरीय पद्धति'** में बदलना चाहिए।*

☞ ***जी. वी. के. राव समिति***-*'ग्रामीण विकास एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम की प्रशासनिक व्यवस्था के लिए' योजना आयोग द्वारा 1985 में जी.वी.के. राव की अध्यक्षता में समिति गठन किया।*

☞ ***डॉ. लक्ष्मीमल सिंघवी कमेटी-1986*** *में राजीव गाँधी सरकार ने 'लोकतंत्र व विकास के लिए पंचायती राज संस्थाओं का पुनरुद्धार' पर एक समिति का गठन एल.एम. सिंघवी की अध्यक्षता में किया।*

☞ ***पी. के. थुंगन कमेटी-1989*** *में संवैधानिकता पर विचार हेतु गठित समिति।*

☞ ***हरलाल सिंह खर्रा कमेटी-1990*** *में गठित*

☞ ***दिलीप सिंह भूरिया समिति-1994*** *में गठित यह समिति मुख्यतः जनजातीय क्षेत्रों में पंचायती राज से संबंधित है।*

❒ **पंचायती राज संस्थाओं के लिए दलीय निर्वाचन की अनुशंसा की थी?** [CET : 04.02.2023 (S-II)]

(1) अशोक मेहता समिति (2) जी.वी.के.राव समिति
(3) सादिक अली समिति (4) के.संस्थानम समिति

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में पंचायती राज के संदर्भ में सही युग्म पहचानिये-** [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) स्वतंत्रता पश्चात् राजस्थान ग्राम पंचायत अधिनियम का निर्माण- 1949

(2) स्वतंत्रता पश्चात् राजस्थान पंचायती राज विभाग की स्थापना - 1952

(3) सादिक अली समिति का गठन - 1962

(4) गिरधारी लाल व्यास समिति का गठन - 1973

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नांकित में से किस समिति की अनुशंसा पर अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायती राज का विस्तार अधिनियम 1996 (पीईएसए), बनाया गया-**

[I Grade (Pol. Science) - 06.01.2020]
[II Grade SST (Spc. Edu.) -17.02.2019]

(1) दिलीपसिंह भूरिया समिति (2) दया चौबे समिति
(3) पी. के. थुंगन समिति (4) जी.वी.के. राव समिति

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव करवाने का दायित्व है-** [II Grade (Urdu) Exam. 2011]
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -I]

(1) भारत निर्वाचन आयोग का
(2) पंचायती राज विभाग, राजस्थान सरकार का
(3) राज्य निर्वाचन आयोग का
(4) मुख्य चुनाव अधिकारी, राजस्थान का

Ans. (3)

व्याख्या-पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराने हेतु राज्यपाल द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग का गठन किया जाता है।

❒ **ग्राम सभा की 'गणपूर्ति' कितनी है?** [II Grade (Sans. Deptt.) -17.02.2019]

(1) कुल सदस्य संख्या का आधा भाग
(2) कुल सदस्य संख्या का चौथाई भाग
(3) कुल सदस्य संख्या का दसवाँ भाग
(4) कुल सदस्य संख्या का पाँचवाँ भाग

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा (8ए-8एफ) गणपूर्ति : कुल सदस्य संख्या के 10 प्रतिशत के बराबर होगी। कार्य : ग्राम विकास की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन।

❒ **ग्रामसभा का गठन होता है-**[RAS Pre -26.10.2013]
[Police Constable Exam-2006-07]

(1) पंच, उपसरपंच मिलकर
(2) ग्राम-पंचायत क्षेत्र में निवास कर रही समस्त जनता से
(3) ग्राम-पंचायत क्षेत्र की मतदाता सूची में पंजीकृत सदस्यों से
(4)पंचायत समिति क्षेत्र में पंजीकृत सभी मतदाताओं से

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 2 में कहा गया है कि प्रत्येक पंचायत सर्किल के लिए एक ग्रामसभा होगी, जिसके सदस्य उस पंचायत क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में पंजीकृत व्यक्ति होंगे।

❒ **राजस्थान पंचायत राज्य अधिनियम 1994 के अध्याय - 2 क में जिसके गठन का प्रावधान है, वह है-**
[REET L-II, 26.09.2021]

(1) ग्राम पंचायत (2) पंचायत समिति
(3) जिला परिषद् (4) ग्राम सभा

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सरपंच और उप-सरपंच की अनुपस्थिति में ग्राम सभा की बैठक की अध्यक्षता कौन करेगा?**
[II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -19.02.2019]
[उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]

(1) खंड विकास अधिकारी
(2) ग्राम सेवक
(3) ग्राम सभा का सबसे बुजुर्ग व्यक्ति
(4) कोई भी उपस्थित सदस्य जिसे ग्राम सभा के सदस्यों द्वारा इस प्रयोजन हेतु चुना गया हो।

Ans. (4)

व्याख्या *- प्रत्येक वर्ष ग्राम सभा की* ***कम से कम 2 बैठक*** *होगी, पहली वित्तीय वर्ष के त्रैमास में और दूसरी अंतिम त्रैमास में। लेकिन 2003 में इस स्थिति में परिवर्तन किया गया कि ग्राम सभा की चार बैठकें (26 जनवरी, 1 मई, 15 अगस्त व 2 अक्टूबर को) आयोजित होंगी। इन बैठकों की अध्यक्षता सरपंच द्वारा, उसकी अनुपस्थिति में उपसरपंच द्वारा तथा दोनों की अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों के बहुमत से निर्वाचित सदस्य द्वारा की जाएगी।*

❒ **ग्राम सभा की एक वर्ष में कितनी न्यूनतम बैठकें अनिवार्य है?** [CET : 04.02.2023 (S-II)]

(1) 3 (2) 4 (3) 5 (4) 2

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा कथन असत्य है?** [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार (पेसा, PESA) अधिनियम 24 दिसम्बर, 1996 को लागू हुआ।

(2) पेसा (PESA) अधिनियम, दिलीप सिंह भूरिया समिति की अनुशंसा पर बनाया गया।

(3) पेसा (PESA) अधिनियम, अनुसूची-5 के 9 राज्यों में लागू है।

(4) इस अधिनियम का एक उद्देश्य जनजातीय समुदायों की परम्पराओं एवं रीति-रिवाज़ों की सुरक्षा एवं संरक्षण करना है।

Ans. (3)

व्याख्या* - पेसा (Panchayat - Extension to Scheduled Areas) Act, 1996) : पेसा (पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 24 दिसम्बर, 1996 में 10 राज्यों के जनजाति क्षेत्रों में लागू किया गया। ये राज्य हैं- आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, ओडिशा व राजस्थान। यह अधिनियम भूरिया समिति द्वारा वर्ष 1995 में प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर लागू किया। राज्यों में पेसा प्रावधानों के क्रियान्वयन हेतु पंचायतीराज मंत्रालय एक नोडल मंत्रालय है। राजस्थान सरकार ने भी जून, 1998 में एक अध्यादेश जारी किया जिसके माध्यम से राजस्थान के अनुसूचित, जनजाति क्षेत्रों में अधिनियम के प्रावधान प्रभावी बनाये गये हैं। इसके अनुसार इन क्षेत्रों की ग्रामसभाओं को व्यापक अधिकार दिये गये हैं। राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचना पीसारूल्स दिनांक 01.01.2011 के द्वारा "राजस्थान पंचायती राज (उपबन्धों का अनुसूचित क्षेत्रों में उनके लागू होने के संबंध में उपान्तरण) नियम, 2011* लागू कर दिये गये हैंइन नियमों को लागू करने पर पंचायती राज संस्थाओं को निम्नानुसार शक्तियां व अधिकार प्राप्त हो गये हैं -

- ☞ *ग्राम सभा के परामर्श के पश्चात् ही भूमि अधिग्रहण का कार्य सरकार द्वारा किया जावेगा*
- ☞ *नशा नियंत्रण भी ग्राम सभा के पास रहेगा।*
- ☞ *उधार देने पर पंचायत का नियन्त्रण रहेगा।*
- ☞ *अतिचारियों की संक्षिप्त बेदखली की शक्तियाँ पंचायत समिति द्वारा उपयोग में ली जावेगी।*

❒ **राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की किस धारा को संशोधित कर 'ग्राम सेवक' के स्थान पर 'ग्राम विकास अधिकारी' अभिव्यक्ति को प्रतिस्थापित किया गया है-** [PSI (मो.वा.)-12.2.2022][RAS-27.10.2021]

(1) 88 (2) 89 (3) 91 (4) 90

Ans. (2)

***व्याख्या* -राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, (संशोधन) विधेयक 2021 के बाद 'ग्राम सेवक' के पद नाम को बदलकर ग्राम विकास अधिकारी कर दिया है।**

❒ **राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2021 के गजट नोटिफिकेशन के उपरान्त ग्राम सेवक को जाना जाता है।** [II Grade (GK) 29.1.2023]

(1) कृषि पर्यवेक्षक (2) ग्राम सचिव

(3) ग्राम अधिकारी (4) ग्राम विकास अधिकारी

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नांकित में से कौन-सा अधिनियम /नियम राजस्थान में ग्राम सभा की संयुक्त बैठकों का प्रावधान करता है?** [RAS-05.08.2018]

(1) राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994

(2) राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996

(3) राजस्थान पंचायती राज (उपबन्धों का अनुसूचित क्षेत्रों में लागू होने के सम्बन्ध में उपान्तरण) अधिनियम, 1999

(4) राजस्थान पंचायती राज (उपबन्धों का अनुसूचित क्षेत्रों में लागू होने के सम्बन्ध में उपान्तरण) नियम, 2011

Ans. (4)

***व्याख्या* - राजस्थान पंचायती राज (उपबन्धों का अनुसूचित क्षेत्रों में लागू होने के सम्बन्ध में उपान्तरण) नियम, 2011 में राजस्थान में ग्राम सभा की संयुक्त बैठकों का प्रावधान है, जिसकी अध्यक्षता सरपंच द्वारा की जायेगी। संयुक्त बैठक में, प्रत्येक ग्राम सभा से सदस्यों के न्यूनतम 5 प्रतिशत या 10 सदस्यों, इनमें से जो भी कम हो, की उपस्थिति अनिवार्य होगी।**

❒ **2015 तक राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के लिए कितनी बार चुनाव हुए-** [RAS-28.08.2016]

(1) 10 बार (2) 9 बार (3) 8 बार (4) 5 बार

Ans. (1)

***व्याख्या*-राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं का पहला चुनाव आंध्रप्रदेश पंचायत राज पद्धति के आधार पर 1960 में हुआ। नवम्बर 2020 तक राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 11 बार (1960, 1965, 1978, 1981, 1988, 1995, 2000, 2005, 2010, 2015, 2020) हो चुके हैं।**

❐ **वर्ष 2020 तक राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के लिए कितनी बार चुनाव आयोजित किए गए -** [VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) 9 बार (2) 10 बार (3) 5 बार (4) 11 बार

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2015 राजस्थान विधान सभा ने 27 मार्च, 2015 को पारित कर दिया। इसमें स्थानीय उम्मीदवारों की पात्रता के लिए प्रावधान किया गया है-** [RAS - 31.10.2015]

1. उनके घरों में शौचालय होना चाहिए। 2. जिला परिषद् की सदस्यता के लिए बी.ए. की डिग्री आवश्यक है। 3. पंचायत समिति की सदस्यता के लिए 10 वीं कक्षा पास होना आवश्यक है।4. सरपंच के लिए क्रमशः 8वीं कक्षा तथा अनुसूचित क्षेत्रों में उम्मीदवारों का 5वीं कक्षा पास होना आवश्यक है।

(1) 1, 3 और 4 सही हैं। (2) 2 और 4 सही हैं।
(3) 1 और 2 सही हैं। (4) 2, 3 और 4 सही हैं।

Ans. (1)

व्याख्या *-राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2015 राजस्थान विधान सभा ने 27 मार्च, 2015 को न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता एवं शौचालय अनिवार्यता सम्बन्धी विधेयक पारित किया।*

राज्य सरकार ने 20 दिसम्बर, 2014 को अध्यादेश जारी कर पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 19 में संशोधन कर सरपंच के चुनाव हेतु 8वीं पास तथा जिला परिषद व पंचायत समिति के सदस्य के लिए 10वीं पास होना आवश्यक कर दिया है। अनुसूचित क्षेत्र के सरपंच हेतु 5वीं पास होना आवश्यक है। अतः अब जिला प्रमुख, उपप्रमुख, प्रधान, उपप्रधान सभी का 10वीं पास होना जरूरी हो गया है। राज्य सरकार ने 8 दिसम्बर, 2014 को अध्यादेश जारी कर पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 19 में संशोधन कर यह प्रावधान कर दिया है कि चुनाव के प्रत्याशी के घर में शौचालय हो तथा उसके परिवार का कोई भी सदस्य खुले में शौच नहीं जाता हो।

• *11 फरवरी, 2019 को पंचायती राज अधिनियम में संशोधन कर राज्य सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव के लिए तय की गई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की अनिवार्यता को हटा दिया गया है।*

❐ **पंचायती राज संस्थाओं में चुनाव लड़ने के लिये न्यूनतम शैक्षिक योग्यता तय करने वाला पहला राज्य कौनसा है?** [उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]

(1) राजस्थान (2) आंध्रप्रदेश (3) मध्यप्रदेश (4) कर्नाटक

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण भारतीय संविधान में किस संशोधन द्वारा दिया गया ?** [II Grade (Science) Exam. 2011]

(1) 1992 का 70वाँ संशोधन
(2)1992 का 73वाँ संशोधन
(3) 1992 का 74वाँ संशोधन
(4) 1994 का 77वाँ संशोधन

Ans. (2)

व्याख्या *- 1992 के 73वाँ संविधान संशोधन द्वारा पंचायतीराज संस्थाओं में सभी निर्वाचित पदों पर (सदस्य व अध्यक्ष) सभी वर्गों में 1/3 स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित किये गये।*

❐ **राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 राज्य में कब अस्तित्व में आया?** [PTI (Grade-III)-25.9.2022]

(1) 23 अप्रैल, 1994 (2) 23 अप्रैल, 1995
(3) 24 अप्रैल, 1994 (4) 24 अप्रैल, 1995

Ans. (1)

व्याख्या *- राजस्थान पंचायती राज अधिनियम- 1994 राजस्थान में 23 अप्रैल, 1994 से लागू किया गया है। इस अधिनियम के संदर्भ में 'राजस्थान पंचायती राज नियम 1996' बनाया गया है जो 30 दिसम्बर 1996 से लागू कर दिया गया है।*

❐ **निम्न में से किस शहर में पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र स्थित नहीं है?** [II Grade (Sans. Dept.) -12.2.2023(S-II)]

(1) मंडोर (2) अजमेर (3) सिरोही (4) डूँगरपुर

Ans. (3)

व्याख्या- *पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व कर्मचारियों को निम्नलिखित संस्थानों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है:* ☞ *ग्राम सेवक प्रशिक्षण केन्द्र, मंडोर (जोधपुर) - 15.8.1960 से।*

☞ *पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र, डूँगरपुर-3.2.1994 से।*

☞ *पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र, अजमेर-18.5.1996 से।*

☞ *हरिशचंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर व उदयपुर।*

☞ *इंदिरा गाँधी पंचायती राज व ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर*

❒ **पंचायत समिति के सदस्य :** [पटवार परीक्षा - 2008] [CET : 05.02.2023 (S-I)]
(1) मनोनीत होते हैं। (2) प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं।
(3) अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होते हैं।
(4) राज्य सरकार द्वारा नियुक्त होते हैं।
Ans. (2)

व्याख्या- सदस्यों का निर्वाचन-
☞ पंचायत समिति क्षेत्र से प्रत्यक्षतः निर्वाचित
☞ ग्राम पंचायत में प्रत्येक वार्ड में पंजीकृत वयस्क सदस्यों द्वारा प्रत्यक्षतः निर्वाचित

❒ **कौनसी व्यवस्था प्रत्यक्ष चुनाव के आधार पर स्थापित की जाती है?** [PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022]
(1) ब्लॉक समिति (2) ग्राम पंचायत
(3) जिला परिषद् (4) इनमें से कोई नहीं
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के आयोजन और क्रियान्वयन के लिए कौन जवाबदार है-** [पटवार-23.10.2021 (Shift -I] [RAS (Pre) Exam. 14 June, 2012] [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018][LDC-2012]
(1) जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण (DRDA)
(2) राज्य सरकार
(3) ग्राम पंचायत
(4) ग्राम सभा
Ans. (3)

व्याख्या - ग्राम पंचायत के प्रशासनिक कार्य : ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत क्षेत्र में परिसरों का संख्यांकन, जनगणना, कृषि उपज उत्पादन वृद्धि कार्यक्रम, ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विवरण, बेरोजगारी के आंकड़े, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन और पंचायत अभिलेख इत्यादि ।

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा ग्राम सभा का कार्य नहीं है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]
(1) जनजाति कल्याण (2) ग्रामीण स्वास्थ्य
(3) जल योजना (4) जनगणना
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में पंचायती राज का प्रमुख लक्षण होगा?** [S.I. Exam, 1996]
(1) पंचायतों का तीन वर्ष का कार्यकाल
(2) नियमित चुनाव
(3) महिलाओं के लिए एक-चौथाई स्थान आरक्षित
(4) राष्ट्रपति द्वारा राज्य वित्त आयोग की नियुक्ति
Ans. (2)

व्याख्या - पंचायती राज का प्रमुख लक्षण नियमित चुनाव (पाँच वर्ष के अन्तराल पर) है।

❒ **राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की किस धारा में पंचायत समिति की संरचना का उल्लेख किया गया है?** [II Grade GK - 24.12.2022]
(1) 18 (2) 17 (3) 12 (4) 13
Ans. (4)

व्याख्या -राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की अध्याय एवं धाराएँ -
अध्याय - 1 : प्रारम्भिक
• धारा (1) : संक्षिप्त नाम, प्रसार और प्रारम्भ
• धारा (2) : विभिन्न परिभाषाएँ
अध्याय - 2 : वार्ड सभा
• धारा (3): वार्ड सभा एवं उसकी बैठकें
• धारा (4) : वार्ड सभा की बैठक का कोरम कुल सदस्य संख्या का 1/10या 10 प्रतिशत होगा।
• धारा (5) : वार्ड सभा की बैठक की अध्यक्षता संबंधित वार्ड पंच करेगा।
• धारा (6) : संकल्प
• धारा (7) : वार्ड सभा के कृत्य
• धारा (8): सतर्कता समिति
8 (क) ग्राम सभा और उसकी बैठकें
8 (ख) गणपूर्ति
8 (ग) पीठासीन अधिकारी
8 (घ) संकल्प
8 (ङ) ग्राम सभा के कृत्य
अध्याय - 3 : पंचायती राज संस्थाएँ
• धारा (9): ग्राम पंचायत का गठन।
• धारा (10): पंचायत समिति का गठन
• धारा (11): जिला परिषद का गठन
• धारा (12) : पंचायत की संरचना
• धारा (13) : पंचायत समिति की संरचना
• धारा (14) : जिला परिषद की संरचना
• धारा (15) : सीटों पर आरक्षण (अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग एवं महिलाओं हेतु आरक्षण का प्रावधान)

• धारा (16) : सरपंच, प्रधान एवं जिला प्रमुख के पदों पर आरक्षण का प्रावधान।

• धारा (17) : पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकाल एवं चुनाव।

• धारा (18) : निर्वाचक एवं निर्वाचक नामावली

• धारा (19) : पंच या सदस्य के निर्वाचन हेतु योग्यताएँ एवं आयु।

• धारा (19ए) : एक व्यक्ति द्वारा पंचायती राज संस्थाओं की एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध।

• धारा (20) : एक ही समय किसी व्यक्ति के दो या अधिक पंचायती राज संस्थाओं की सदस्यता लेने पर प्रतिबंध

• धारा (45):पंचायत की बैठकें : प्रत्येक 15 दिन में कम से कम एक बैठक

• धारा (46) : पंचायत समिति की बैठकें : प्रत्येक माह में कम से कम 1 बैठक

• धारा (47) : जिला परिषद की बैठकें : प्रत्येक 3 माह में कम से कम 1 बैठक

• धारा (53) : किसी पंचायत को कृत्यों का समनुदेशन

• धारा (81) : विकास अधिकारी की शक्तियाँ और कृत्य

• धारा (82):मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य अधिकारी

• धारा (83) : जिला परिषद का कर्मचारिवृन्द

• धारा (84) : मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य अधिकारियों की शक्तियाँ और कृत्य

• धारा (85) : विकास अधिकारी और मुख्य कार्यपालक अधिकारी की आपात शक्तियाँ

अध्याय - 4 : राज्य सरकार आदि की शक्तियाँ

• धारा (92) : किसी पंचायती राज संस्था के संकल्प को रद्द या निलंबित करने की शक्ति

• धारा (94) : किसी पंचायती राज संस्थान को भंग करने की सरकार की शक्ति

• धारा (106) : नियमों और उप-विधियों का अतिलंघन

• धारा (107) : विवाद

अध्याय - 5 : प्रकीर्ण

• धारा (118) : वित्त आयोग का गठन

• धारा (119) : राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारी और कर्मचारिवृन्द

• धारा (121) : जिला आयोजना समिति

• धारा (122) : वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट

• धारा (123) : कठिनाईयों का निराकरण

• धारा (124) : निरसन और व्यावृत्तियाँ

❒ **राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की किस धारा के तहत सरकार को किसी पंचायती राज संस्था को विघटित करने की शक्ति प्राप्त है?**

[II Grade GK - 21.12.2022]

(1) 95 (2) 92 (3) 93 (4) 94

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की किस धारा में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की शक्तियों का उल्लेख है?**[स्कूल व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा)- 21.10.2022]

(1) 81 (2) 82

(3) 83 (4) 84

Ans. (4)***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 14 के अनुसार 4 लाख की जनसंख्या वाली जिला परिषद में कितने सदस्य निर्वाचित होंगे?**

[II Grade- 30.7.2023 (S- I)]

(1) 22 (2) 13 (3) 25 (4) 17

Ans. (4)

व्याख्या *-पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 14 के अनुसार 4 लाख से अनधिक की जनसंख्या वाले किसी जिला परिषद् क्षेत्र में 17 निर्वाचन क्षेत्र होंगे और किसी ऐसे जिला परिषद् क्षेत्र के मामले में जिसकी जनसंख्या चार लाख से अधिक है, चार लाख से अधिक के प्रत्येक एक लाख या उसके भाग के लिए 17 की उक्त संख्या में 2 की बढ़ोतरी कर दी जायेगी।*

❒ **ग्राम सभा की किसी बैठक में संकल्प पारित करने के लिए आवश्यक संख्या है-**

[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) ग्राम सभा के सदस्यों के मतों का बहुमत।

(2) ग्राम सभा के सदस्यों के मतों का दो-तिहाई बहुमत।

(3) बैठक में उपस्थित और मत देने वाले ग्राम सभा के सदस्यों का बहुमत।

(4) ग्राम सभा के उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत।

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 8 (घ) के अनुसार 'ग्राम सभा को इस अधिनियम के अधीन सौंपे गये विषयों से संबंधित कोई भी संकल्प ग्राम सभा की बैठक में उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के बहुमत से पारित किया जाना होगा।'

❐ **यदि कोई पंचायत राज संस्था अपनी अवधि समाप्त होने से पूर्व भंग कर दी जाती है, तो उसका निर्वाचन .....होना चाहिए।** [वनरक्षक-13.12.2022(S-II)] [IAS (Pre), 2009] [CET -11.2.2023 (S-I)]

(1) विघटन से तीन माह के अन्दर
(2) विघटन के छः माह के अन्दर
(3) विघटन से एक वर्ष के अन्दर
(4) कभी भी

Ans. (2)

व्याख्या *- प्रत्येक पंचायती राज संस्था का कार्यकाल प्रथम बैठक की तारीख से 5 वर्ष तक का होगा। जिला परिषद व पंचायत समिति में अध्यक्ष तथा पंचायत में उपसरपंच के निर्वाचन हेतु की गई बैठक प्रथम बैठक मानी जाएगी। इन संस्थाओं के चुनाव कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व तथा विघटन की स्थिति में विघटन की तिथि से 6 माह के भीतर करवाने होंगे।* ***विघटन के पश्चात पुनर्गठित संस्था मूल संस्था की शेष अवधि के लिए कार्य करेगी।*** *पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित सदस्य, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष अपने कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व त्यागपत्र दे सकते हैं।*

❐ **निम्न में से कौनसा ग्राम पंचायत की आय का स्रोत है-** [CET : 05.02.2023 (S-II)]

(1) बिक्री कर (2) सम्पत्ति कर (3) भूमि कर (4) आय कर

Ans. (3)

❐ **उपखण्ड स्तर के नीचे राजस्व प्रशासन हेतु प्रत्येक उपखण्ड को बाँटा गया है-** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) जिलों में (2) संभागों में (3) तहसीलों में (4) कोई नहीं

Ans. (3)

व्याख्या - अधिकांश राज्यों में जिले के तीन स्तर मिलते हैं - प्रथम जिला, इसका मुख्यालय जिले के प्रमुख नगर में होता है। द्वितीय जिले के किसी अन्य स्थान पर उपखण्ड का मुख्यालय और तृतीय तहसील कार्यालय है।

❐ **राजस्थान में नगरपालिका चुनाव में एक निर्दलीय प्रत्याशी को नामांकन के लिए कितने प्रस्तावक आवश्यक है-**[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) 2 (2) 3 (3) 4 (4) 5

Ans. (4)

व्याख्या - नगरपालिका चुनाव में चुनाव लड़ने के लिए राज्य में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा खड़े किये गए उम्मीदवार के लिए एक एवं निर्दलीय उम्मीदवार के लिए पाँच प्रस्तावक आवश्यक है।

36. नगरीय प्रशासन

❐ **74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम कब अस्तित्व में आया?** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) 1 जून, 1993 को (2) 20 अप्रैल, 1993 को
(3) 2 अक्टूबर, 1993 को (4) 30 जनवरी, 1993 को

Ans. (1)

व्याख्या - 74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 : यह अधिनियम 22 दिसम्बर, 1992 को लोकसभा व 23 दिसम्बर, 1992 को राज्यसभा द्वारा पारित किया गया। राष्ट्रपति ने इसे 20 अप्रैल, 1993 को स्वीकृति प्रदान की तथा यह 1 जून, 1993 को लागू किया गया। इसके द्वारा नगरीय क्षेत्र में स्थानीय स्वायत्त शासन की इकाइयों को संवैधानिक दर्जा दिया गया। इस अधिनियम द्वारा नगरपालिकाओं के लिए संविधान में 12वीं अनुसूची जोड़ी गई एवं नया भाग-IX क - नगरपालिकाएँ (Part IXA - The Munacipalities) अंतः स्थापित किया गया। इसमें कुल 18 अनुच्छेद- अनुच्छेद 243त(243P) से 243य छ (243ZG) तक शामिल किए गये।

❐ **भारतीय संविधान की कौनसी अनुसूची नगर-पालिकाओं के बारे में है?** [CET -11.2.2023 (S-I)]

(1) 11वीं (2) 12वीं (3) 13वीं (4) 10वीं

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **वर्तमान में राजस्थान में नगर निगमों की कुल संख्या है-** [CET : 04.02.2023 (S-I)]

(1) 9 (2) 10 (3) 6 (4) 7

Ans. (2)*

व्याख्या -परीक्षा काल के समय नगरनिगम 10 थे परन्तु वर्तमान में 11 हैं, *यथा - जयपुर हेरिटेज, जयपुर ग्रेटर, जोधपुर उत्तर, जोधपुर दक्षिण, कोटा उत्तर, कोटा दक्षिण, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, भरतपुर,* ***अलवर*** *(1 अगस्त, 2023 को गठित)।*

❐ **अनुच्छेद 243 फ (V) में क्या वर्णित है?** [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) नगरपालिका का गठन
(2) नगरपालिका की शक्तियाँ एवं उत्तरदायित्व
(3) नगरपालिका में सीटों का आरक्षण
(4) नगरपालिका सदस्यता के लिए निरर्हताएँ

Ans. (4)

व्याख्या - नगरपालिकाएँ भाग 9 क (A) : अनुच्छेद

अनु. 243त (P) - परिभाषाएँ
अनु. 243थ (Q) - नगर पालिकाओं का गठन
अनु. 243द (R) - नगर पालिकाओं की संरचना
अनु. 243ध (S) - वार्ड समितियों आदि का गठन और संरचना
अनु. 243न (T) - स्थानों का आरक्षण
अनु. 243प (U) - नगर पालिकाओं की अवधि
अनु. 243फ (V) - सदस्यता के लिए निरर्हताएँ
अनु. 243ब (W) - नगर पालिकाओं आदि की शक्तियाँ, प्राधिकार और उत्तरदायित्व
अनु. 243भ (X) - नगरपालिकाओं द्वारा कर अधिरोपित करने की शक्ति और उनकी निधियाँ
अनु. 243म (Y) - वित्त आयोग
अनु. 243य (Z) - नगर पालिका के लेखाओं की संपरीक्षा
अनु. 243यक (ZA) - नगरपालिकाओं के लिए निर्वाचन
अनु. 243यख (ZB) - संघ राज्य क्षेत्रों को लागू होना
अनु. 243यग (ZC) - इस भाग का कतिपय क्षेत्रों को लागू न होना
अनु. 243यघ (ZD) - जिला योजना के लिए समिति
अनु. 243यङ (ZE) - महानगर योजना के लिए समिति
अनु. 243यच (ZF) - विद्यमान विधियों और नगरपालिकाओं का बना रहना
अनु. 243यछ (ZG) - निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्णन

❐ **निम्नलिखित में से भारत के संविधान का कौनसा अनुच्छेद नगरपालिकाओं को कर, शुल्क, पथ कर और फीसें उद्गृहीत, संगृहीत और विनियोजित करने के लिए प्राधिकृत करता है?**
[Protection Officer -28.01.2023]

(1) अनु.-243 ब (2) अनु.-243 भ
(3) अनु.-243 म (4) अनु.-243 य

Ans. (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है?**
[CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) 243 R – नगर पालिकाओं की संरचना का उल्लेख
(2) 243 S – वार्ड समितियों का गठन व संरचना
(3) 243 ZE – महानगर योजना समिति का गठन
(4) 243 ZC – जिला योजना समिति का गठन

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत महानगर योजना के लिए समिति का गठन किया जाता है?** [संरक्षण अधिकारी परीक्षा-29.05.2019]

(1) अनुच्छेद 243 य ङ (2) अनुच्छेद 243 य च
(3) अनुच्छेद 243 य छ (4) अनुच्छेद 243 य ज

Ans. (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में छावनी बोर्ड की स्थापना कहाँ पर की गई हैं?**
[VDO-28.12.2021 (S-II)]
[कॉलेज व्याख्याता-2016]
[Asstt. Fire Officer -29.1.2022]
[JEN (Elctric) Diploma- 18.5.2022]

(1) नसीराबाद (2) माउण्ट आबू
(3) जोधपुर (4) बाड़मेर

Ans. (1)

***व्याख्या - छावनी मंडल :** छावनी मंडल की स्थापना उन स्थानों पर की जाती है जहाँ छावनी में सेना रहती है। इन्हें 'केन्टोनमेन्ट बोर्ड' भी कहा जाता है। छावनी मण्डल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के सीधे नियंत्रणाधीन व पर्यवेक्षणाधीन होते हैं। राजस्थान में केवल नसीराबाद (अजमेर) में सैनिक छावनी में स्थानीय प्रशासन हेतु छावनी मंडल स्थापित है।*

❐ **आबू में प्रथम नगर पालिका कब स्थापित की गई?**
[जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) 1886 (2) 1868
(3) 1964 (4) 1864

Ans. (4)

***व्याख्या** - ब्रिटिश शासनकाल में 30 दिसम्बर, 1687 को ब्रिटिश सम्राट जॉर्ज-द्वितीय द्वारा जारी रॉयल चार्टर के तहत 29 सितम्बर, 1688 को मद्रास नगर निगम का गठन (उद्घाटन) हुआ। इसके प्रथम मेयर नेथेलियम हिगिन्सन बनाये गये। इसके सदस्यों को प्रारम्भ में एल्डरमैन कहा जाता था। 1919 में इनका पदनाम कॉउन्सीलर्स कर दिया गया। 1864 में माउण्ट आबू में राजस्थान की पहली नगर पालिका स्थापित की गई। उसके बाद 1866 में अजमेर, 1867 में ब्यावर तथा 1869 में जयपुर में स्थापित की गई।*

❐ **निम्न में से कौनसी नगरीय स्वशासन संस्था राजस्थान में अस्तित्व में नहीं है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) महानगर निगम (2) नगर परिषद
(3) नगर निगम (4) नगर पालिका

Ans. (1)

व्याख्या – तीन प्रकार के नगरीय निकाय (243थ or 243Q) : 74वाँ संविधान संशोधन देशभर में निम्न त्रिस्तरीय नगर निकायों की व्यवस्था करता है- • नगर पंचायत – ऐसे क्षेत्रों में जो ग्राम से नगर बनने की संक्रमणकालीन प्रक्रिया में हैं, नगर पंचायत (नाम चाहे कुछ भी हो) का गठन किया जाएगा। • नगर परिषद – नगर परिषद का गठन छोटे नगरों में किया जाएगा। • नगर निगम – इनका गठन बड़े नगरों में किया जाएगा।

❒ **नगर निगम की सभा की अध्यक्षता कौन करता है?**

[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) सभापति(2) नगर आयुक्त(3)जिला मजिस्ट्रेट(4) मेयर

Ans. (4)

***व्याख्या : नगर निगम का अध्यक्ष** 'महापौर (मेयर)', **नगर परिषद्** का अध्यक्ष 'सभापति' तथा नगर पालिका का अध्यक्ष 'अध्यक्ष (चेयरमैन)' होता है।*

❒ **राजस्थान में जिला ग्रामीण विकास अभिकरणों का विलय जिला परिषदों में कब किया गया था-**

[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

[VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) 2003 (2) 2007 (3) 2002 (4) 2005

Ans. (1)

व्याख्या -जिला परिषद एवं जिला ग्रामीण विकास अभिकरण में समन्वय की दृष्टि से वर्ष 2000 में संशोधन अधिनियम द्वारा जिला प्रमुख को जिला कलक्टर के स्थान पर डी.आर.डी.ए. का अध्यक्ष बनाया गया है। जिला ग्रामीण विकास अभिकरणों का विलय जिला परिषदों में 1 सितम्बर, 2003 से प्रभावी हुआ।

❒ **राजस्थान में नगर पालिका, अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए किसी बैठक के गठन के लिए गणपूर्ति उसमें मतदान के हकदार व्यक्तियों की कुल संख्या की .... होगी।**

[CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) तीन-चौथाई(2) एक-तिहाई(3)दो-तिहाई(4) दसवाँ भाग

Ans. (3)

❒ **74वाँ संविधान संशोधन कानून अनिवार्य आरक्षण का प्रावधान करता है**- 1. अनुसूचित जातियों के लिए, 2. अनुसूचित जनजातियों के लिए, 3. महिलाओं के लिए 4. पिछड़े वर्गों के लिए [JEN (Mech.) Degree - 20.5.2022]

(1) 1 एवं 2 (2) 1 एवं 3

(3) 1, 2 एवं 3 (4) 1, 2, 3 और 4

Ans. (3)

*व्याख्या -**स्थानों का आरक्षण [243न (T)] :** प्रत्येक नगर निकाय या नगरपालिका में अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों का आरक्षण किया जाएगा। प्रत्येक क्षेत्र में सीटों का यह आरक्षण उस नगर निकाय के क्षेत्र में इन वर्गों की जनसंख्या के अनुपात में होगा तथा आरक्षित की गई सीटों का बारी-बारी से आवर्तन किया जाएगा। उपर्युक्त रीति से इन वर्गों के लिए आरक्षित की गई कुल सीटों के एक-तिहाई स्थान इन वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाएंगे। इसी प्रकार नगर निकाय के क्षेत्र की प्रत्यक्ष रूप से चुनी जाने वाली कुल सीटों के कम से कम एक-तिहाई स्थान (अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित स्थानों सहित) महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे और इन स्थानों की बारी-बारी से नगर निकाय के क्षेत्र में आवर्तन (Rotation) किया जाता रहेगा।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा कार्य नगरीय निकायों का नहीं है?** [वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]

(1) जनस्वास्थ्य एवं सफाई (2) अग्निशमन

(3) गरीबी निवारण (4) आबकारी नियमन

Ans. (4)

*व्याख्या -**12वीं अनुसूची में सूचीबद्ध कार्य [243ब (W)]** - संविधान के 74वें संशोधन द्वारा 12वीं अनुसूची (अनुच्छेद 243 ब) में 18 विषयों को सम्मिलित किया गया है। राज्य विधानमण्डल इन विषयों पर नगरपालिकाओं को अधिकार दे सकता है- 1. नगर योजना, 2. भूमि प्रयोग व भवन निर्माण, 3. सामाजिक विकास हेतु योजनाएँ, 4. सड़कें और पुल निर्माण, 5. घरेलू, वाणिज्य एवं औद्योगिक प्रयोजनार्थ जलापूर्ति, 6. स्वास्थ्य, सफाई सेवा और कूड़ा-करकट का प्रबंधन।, 7. अग्निशमन सेवाएँ, 8. नगरीय वानिकी, पर्यावरण संरक्षण आदि पहलुओं का प्रबन्धन।, 9. विकलांग व मंदबुद्धि आदि के सामाजिक हितों की सुरक्षा।, 10. बस्तियों का सुधार-उन्नयन, 11. शहरी गरीबी कम करने का प्रयास, 12. बाग-बगीचे, खेल-मैदान की सुविधाएँ, 13. सांस्कृतिक व कला पक्षों का संवर्धन, 14. कब्रों, श्मशानों तथा उनके लिए भूमि व्यवस्था, 15. जन्म-मृत्यु पंजीकरण, 16. पशुओं पर क्रूरता की रोकथाम, 17. सड़कों का विद्युतीकरण, बस स्टॉप, वाहन पार्किंग व्यवस्था का संधारण, 18. बूचड़खानों का विनियमन।*

37. राज्य मानवाधिकार आयोग

❐ **राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग ने कब से कार्य करना आरम्भ किया?** [II Grade (Urdu) 2011]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
[Police Constable-2007(I)] [द्वितीय श्रेणी शिक्षक-2014]
(1) अप्रैल 2011 (2) मार्च 2000 (3) मार्च 2002 (4) जून 1999
Ans. (2)

***व्याख्या*-मानव अधिकारों की रक्षा के लिए पहली बार राज्य में मानवाधिकार आयोग का गठन मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के अध्याय V की धारा 21 (1) के तहत 18 जनवरी, 1999 को किया गया। आयोग ने 23 मार्च, 2000 से विधिवत रूप से कार्य प्रारम्भ किया। मुख्य कार्यालय जयपुर में है।**

❐ **राजस्थान की राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन की अधिसूचना कब जारी की?** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.02.2019]
[द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-01.05.2017],
[जेल प्रहरी-2017][राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]
(1) 16 मार्च, 2001 (2) 17 जनवरी, 1998
(3) 19 फरवरी, 1997 (4) 18 जनवरी, 1999
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान मानवाधिकार आयोग के किसी सदस्य द्वारा अधिकतम किस उम्र तक पद धारित किया जा सकता है?** [कॉलेज व्याख्याता-30.05.2019][जेल प्रहरी - 2017]
(1) 65 वर्ष (2) 62 वर्ष (3) 67 वर्ष (4) 70 वर्ष
Ans. (4)

व्याख्या - सदस्यों की पदावधि (धारा 24) :* *पूर्व में राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष या सदस्य अपने पद ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक थी, परन्तु मानवाधिकार संशोधन विधेयक 2019 द्वारा कार्यकाल घटाकर 3 वर्ष 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक कर दिया गया है। साथ ही अध्यक्ष को पुनर्नियुक्ति हेतु योग्य कर दिया गया है।

❐ **राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष की पदावधि का उल्लेख मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की निम्नलिखित में से किस धारा में किया गया है**-[II Grade (Sans.Dept.) -12.2.2023(S-I)]
(1) 25 (2) 21 (3) 22 (4) 24
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग का विन्यास है**-[पुलिस उपनिरीक्षक-7.10.2018][II Grade GK-22.12.2022]
(1) 1 अध्यक्ष एवं 3 सदस्य
(2) 1 अध्यक्ष, 1 उपाध्यक्ष एवं 1 सचिव
(3) 1 अध्यक्ष एवं 2 सदस्य (4) 1 अध्यक्ष एवं 4 सदस्य
Ans. (3)

व्याख्या :* *27 जुलाई 2019 को अधिसूचित मानवाधिकार संशोधन अधिनियम 2019 द्वारा अब उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश के अलावा उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश भी राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकेगा। अध्यक्ष के अलावा इस आयोग में 2 सदस्य होंगे। एक सदस्य जो उच्च न्यायालय का न्यायाधीश है या रहा है या राज्य में जिला न्यायाधीश है या रहा है तथा उसे जिला न्यायाधीश के रूप में कार्य करने का कम से कम 7 वर्ष का अनुभव हो। एक सदस्य जिसकी नियुक्ति उन व्यक्तियों में से की जायेगी जिन्हें मानवाधिकारों से सम्बन्धित मामलों का विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव हो।

❐ **कौनसा कथन राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के बारे में सही नहीं है**- [CET : 04.02.2023 (S-I)]
(1) अन्य सदस्य उच्च न्यायालय अथवा जिला न्यायालय के न्यायाधीश अथवा मजिस्ट्रेट हों अथवा रहे हों।
(2) अध्यक्ष व अन्य सदस्यों की नियुक्ति गवर्नर द्वारा की जाती है।
(3) यह एक बहु सदस्यीय निकाय है जिसमें अध्यक्ष व दो अन्य सदस्य होते हैं।
(4) अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश होता है।
Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष किसे नियुक्त किया जा सकता है**- [PSI - 15.09.2021]
[R.A.S.- 27.10.2021][राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]
(1) उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश
(2) किसी उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश
(3) उच्चतम न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश
(4) सेवानिवृत्त जिला व सत्र न्यायाधीश
Ans. (*) ***व्याख्या :*** *विकल्प 1 और 2 सही है।*

❒ **राजस्थान मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल एक समिति की अनुशंसा पर करते हैं, जिसका अध्यक्ष होता है-** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-01.05.2017, 28.10.2018] [CET : 05.02.2023 (S-II)] [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)] [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) प्रभारी मंत्री, गृह विभाग (2) मुख्यमंत्री
(3) विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (4) विधानसभा अध्यक्ष

Ans. (2)

*व्याख्या : राज्य मानवाधिकार आयोग (RSHC) के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति (धारा 22) राज्यपाल द्वारा **एक समिति की सिफारिश पर की जाती है।** इस समिति में निम्नांकित शामिल होते हैं-*

(1) मुख्यमंत्री-अध्यक्ष। (2) विधानसभा अध्यक्ष - सदस्य, (3) उस राज्य का गृहमंत्री - सदस्य, (4) विधानसभा में विपक्ष का नेता - सदस्य (राजस्थान में नहीं है) (5) विधान परिषद् (यदि हो) तो उस परिषद् का सभापति व परिषद् में विपक्ष का नेता-सदस्य (राजस्थान में नहीं है)

❒ **राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की चयन समिति में निम्नलिखित में से कौन नहीं होता है?** [Fireman Exam -29.1.2022] [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) मुख्यमंत्री (2) गृह मंत्री (3) नेता विपक्ष (4) राज्यपाल

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है, जिसमें कौन शामिल नहीं होता है-** [Asst. Jailer Exam-15.03.2016][CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) मुख्यमंत्री
(2) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(3) विधानसभा का विपक्ष का नेता
(4) विधानसभा अध्यक्ष

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की निम्नलिखित में से किस धारा में राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति के प्रावधान का उल्लेख है?** [PTI (Grade II)-30.4.2023] [II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-II)]

(1) 24 (2) 21 (3) 22 (4) 23

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौन राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष नहीं था?**[पटवार-24.10.2021 (Shift - II)] [RAS-31.10.2015]

(1) जस्टिस कान्ता भटनागर (2) जस्टिस प्रेमचन्द जैन
(3) जस्टिस एन. के. जैन(4) जस्टिस एस. सगीर अहमद

Ans. (2)

व्याख्या - राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष -

1. जस्टिस कान्ता कुमारी भटनागर (23 मार्च, 2000- 11 अगस्त, 2000) (त्यागपत्र)

2. जस्टिस सैयद सगीर अहमद (16 फरवरी, 2001 - 3 जून, 2004)(त्यागपत्र)

3. जस्टिस अमर सिंह गोदारा (कार्यवाहक) (04 जून, 2004 - 06 जुलाई, 2005)

4. जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन (16 जुलाई, 2005 - 15 जुलाई, 2010) (सेवानिवृत्त)

5. जस्टिस जगत सिंह (कार्यवाहक) (19 जुलाई, 2010- 09 अक्टूबर, 2010)

6. पुखराज सिरवी (कार्यवाहक) (26 अक्टूबर, 2010- 13 अप्रैल, 2011)

7. एच.आर. कुड़ी (कार्यवाहक) (14 जून, 2012- 10 मार्च, 2016)

8. प्रकाश टाँटिया (11 मार्च, 2016 से 26 नवम्बर, 2019 (त्यागपत्र)

9. महेश चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक) (जुलाई, 2020 से 2021)

10.गोपाल कृष्ण व्यास (22 जनवरी, 2021 से.......)

❒ **मार्च, 2022 तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के माननीय अध्यक्ष कौन हैं?** [पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)] [पटवार-23.10.2021 (Shift -I][कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]

(1) श्री अशोक मीणा (2) श्री गोपालकृष्ण व्यास
(3) श्री महेश गोयल (4) श्री सविता राठी

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग 23 मार्च, 2000 से अपने पहले अध्यक्ष ..... की नियुक्ति के साथ कार्यशील हो गया था।** [CET -11.2.2023 (S-II)] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]

(1) जस्टिस आर.के. अकोदिया
(2) जस्टिस सुश्री कांता भटनागर
(3) जस्टिस आलम शाह खान(4) जस्टिस बी.एल. जोशी

Ans. (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से किसने सबसे कम कार्यकाल के लिए राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का पद सँभाला?** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) एस. सगीर अहमद (2) सुश्री कांता भटनागर
(3) प्रकाश टाटिया (4) अमर सिंह गोदारा

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का पद रिक्त होने की स्थिति में अध्यक्ष के रूप में कौन कार्य करता है?** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.02.2019]

(1) राज्यपाल सदस्यों में से किसी एक सदस्य को अध्यक्ष के रूप में प्राधिकृत कर सकते हैं।
(2) मुख्यमंत्री सदस्यों में से किसी एक सदस्य को अध्यक्ष के रूप में प्राधिकृत कर सकते हैं।
(3) राष्ट्रपति एक नए अध्यक्ष की नियुक्ति करेंगे।
(4) गृह विभाग के मंत्री किसी भी सदस्य को अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करेंगे।

Ans. (1)

व्याख्या - मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम की धारा 25 के अनुसार-● अध्यक्ष की मृत्यु होने, त्यागपत्र देने या अन्यथा प्रकार से उसका पद रिक्त होने पर नए अध्यक्ष की नियुक्ति किए जाने तक राज्यपाल किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करेगा।

● अध्यक्ष के अवकाश पर चले जाने पर या अन्यथा प्रकार से अपने कार्यों का निर्वहन करने में असमर्थ हो जाने की दशा में उसके पुनः कार्यभार संभालने तक राज्यपाल किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष के कार्यों का निर्वहन करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा।

❒ **राजस्थान मानवाधिकार आयोग मानवाधिकारों के उल्लंघन की शिकायतों की जाँच कर सकता है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021] [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]

1. स्वप्रेरणा से, 2. किसी पीड़ित द्वारा उसे अर्जी प्रस्तुत किये जाने पर,
3. किसी पीड़ित की ओर से किसी व्यक्ति द्वारा उसे अर्जी प्रस्तुत किये जाने पर।
सही विकल्प का चयन कीजिए-

(1) केवल 1 और 2 सही है।
(2) केवल 1 और 3 सही है।
(3) केवल 2 और 3 सही है।
(4) 1, 2 और 3 सही है।

Ans. (4)

❒ **निम्न में से कौनसा एक राज्य मानव अधिकार आयोग का कार्य नहीं है?** [RAS Pre -26.10.2013]

(1) मानव अधिकार के उल्लंघन की स्वेच्छा से जाँच
(2) किसी जेल को देखना
(3) मानव अधिकारों की सुरक्षा का पुनर्वालोकन करना।
(4) मानव अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को सजा देना

Ans. (4)

*व्याख्या : इस प्रकार आयोग का कार्य मुख्यतः सिफारिशी या सलाहकार का होता है। **आयोग मानवाधिकार उल्लंघन के दोषी को दंड देने का अधिकार नहीं रखता है** और न ही पीड़ित को किसी प्रकार की आर्थिक या अन्य सहायता प्रदान कर सकता है।*

❒ **राज्य मानव अधिकार आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है-** [CET : 04.02.2023 (S-I)]

(1) राज्य सरकार को (2) राज्य के महाधिवक्ता को
(3) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को
(4) उच्च न्यायालय को

Ans. (1)

व्याख्या : राज्य मानव अधिकार आयोग अपनी वार्षिक अथवा विशेष रिपोर्ट केन्द्र सरकार व संबंधित राज्य सरकारों को भेजता है। इन रिपोर्ट्स को संबंधित विधायिका के समक्ष रखा जाता है।

❒ **राजस्थान मानवाधिकार आयोग के कार्यक्षेत्र में सभी प्रकार के वे मानव अधिकार आते हैं जो शामिल (सम्मिलित) हैं-** [Assistant Professor-22.9.2021]

1. नागरिक एवं राजनीतिक अधिकार
2. आर्थिक अधिकार
3. सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार

(1) केवल 1 एवं 2 (2) केवल 1 और 3
(3) केवल 2 ओर 3 (4) 1, 2 एवं 3

Ans. (4)

व्याख्या : राजस्थान मानवाधिकार आयोग मानवाधिकारों के उल्लंघन की दशा में केवल उन्हीं मामलों की जांच करेगा जो संविधान की सप्तम अनुसूची की सूची II एवं III में प्रविष्ट किये गये हैं, अर्थात् नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक -सांस्कृतिक आदि।

38. राजस्थान लोक सेवा आयोग

❑ राजस्थान लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे? [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)] [पटवार-24.10.2021 (Shift - II)] [जेल प्रहरी - 2017] [जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]

(1) एस. के. घोष (2) एस. सी. त्रिपाठी
(3) बी. एस. तिवारी (4) एम. एम. वर्मा

Ans. (1)

व्याख्या-भारत में सन् 1919 ई. के भारत सरकार अधिनियम के अधीन सर्वप्रथम 1926 ई. में लोक सेवा आयोग की स्थापना की गयी थी। लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिए 1924 ई. में ली कमीशन ने सिफारिश की थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक राजस्थान की केवल तीन रियासतों ने अपनी प्रशासनिक सेवाएँ आरम्भ की तथा भर्ती के लिए लोक सेवा आयोग की स्थापना की थी। जोधपुर में 1939, जयपुर में 1940 तथा बीकानेर में 1946 में **राज्य लोक सेवा आयोग ने अपना कार्य करना प्रारम्भ कर दिया।** इन आयोगों का दायित्व भर्ती एवं सेवा संबंधी नियमों का निर्माण तथा कुछ वर्गों के कर्मचारियों की नियुक्ति करना था। राजस्थान के एकीकरण के पश्चात् राजस्थान राज-पत्र में दिनांक 20 अगस्त, 1949 को प्रकाशन के अनुसार राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यादेश 1949 प्रभाव में आया था। अध्यादेश की धारा 1(3) के मुताबिक उक्त अध्यादेश आगामी उस तिथि को प्रभाव में आना बता रखा है जिस तिथि को नियुक्ति बाबत् नोटिफिकेशन का गजट में प्रकाशन होगा एवं 22 दिसम्बर, 1949 को राजपत्र में राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यादेश की धारा 1(3) की पालना में नोटिफिकेशन का गजट में प्रकाशन किया गया। अतः स्पष्ट है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) दिनांक 22 दिसम्बर, 1949 को अस्तित्व में आया एवं जयपुर में राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई। इसका प्रथम अध्यक्ष **सर. एस. के. घोष** को बनाया गया। 1956 में राज्य पुर्नगठन के बाद **सत्यनारायण रावं समिति की सिफारिश पर लोक सेवा आयोग अजमेर स्थानान्तरित** कर दिया गया।

❑ राजस्थान लोक सेवा आयोग .... से प्रभाव में आया। [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]

(1) 22 नवम्बर, 1949 (2) 22 दिसम्बर, 1949
(3) 22 जनवरी, 1950 (4) 22 फरवरी, 1950

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान राज्य के गठन के समय अनुबंध करने वाले कुल 22 प्रांतों में से मात्र....में ही लोक सेवा आयोग कार्यरत थे? [III Grade (SST) -26.02.2023]

(1) 1 (2) 4 (3) 2 (4) 3

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ यह किस अनुच्छेद में कहा गया है, ''इस अनुच्छेद के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संघ के लिए एक लोक सेवा आयोग और प्रत्येक राज्य के लिए एक लोक सेवा आयोग होगा''? [II Grade GK-31.10.2018]

(1) अनु.174 (2) अनु. 248 (3) अनु. 315 (4) अनु. 310

Ans. (3)

व्याख्या –राज्य में योग्य लोक सेवकों की भर्ती करने के लिए संविधान के 14वें भाग में अनुच्छेद 315 से 323 तक राज्य लोक सेवा आयोग के गठन कार्य, शक्तियाँ सदस्यों की नियुक्ति, बर्खास्तगी आदि का प्रावधान किया गया है। **संविधान के अनुच्छेद 315 (1)** में प्रत्येक राज्य में एक लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 315 (2) में दो या अधिक राज्यों के लिए एक संयुक्त लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है। ऐसे आयोग के गठन के लिए विधि निर्माण की शक्ति संसद को प्राप्त है तथा आयोग का गठन राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है तथा संयुक्त आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को संबोधित करते हैं।

❑ दो या अधिक राज्यों के लिए संयुक्त लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है? [CET : 05.02.2023 (S-II)] [RAS-28.08.2016]

(1) राज्यों के राज्यपालों द्वारा (2) राष्ट्रपति द्वारा
(3) संघ लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष (4) प्रधानमंत्री द्वारा

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति की जाती है? [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017] [III Grade (Sanskrit) -27.2.2023]

(1) केन्द्रीय मंत्री परिषद द्वारा
(2) राज्यपाल की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा
(3) मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा
(4) प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा

Ans. (3)

व्याख्या-अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति (अनु. 316) : राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री की सलाह पर की जाती है। [अनु. 316(1)] आयोग के वरिष्ठ सदस्य को अध्यक्ष बनाए जाने की परम्परा है। राज्यपाल द्वारा आयोग का अध्यक्ष किसी को भी नियुक्त किया जा सकता है।

❒ **राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों का कार्यकाल कितना होता है?** [उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018] [EO & RO : 14.05.2023 (S-I)][II Grade (Sanskart) 2011] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]

(1) 6 वर्ष
(2) 62 वर्ष की आयु तक
(3) 6 वर्ष अथवा 62 वर्ष की आयु, दोनों में पहले जो भी समाप्त हो
(4) 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु, दोनों में पहले जो भी समाप्त हो जाये

Ans. (3)

व्याख्या - कार्यकाल (अनु- 316) -

• लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष एवं सदस्य अपने पद ग्रहण की तारीख से 6 वर्ष की अवधि या 62 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक, इनमें से जो भी पहले हो, अपना पद धारण करेंगे। [316(2)] संघ लोक सेवा आयोग में सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है।

• लोक सेवा आयोग के सदस्य अपनी पदावधि की समाप्ति पर उस पद पर पुनर्नियुक्त नहीं किये जा सकेंगे। (अनु. 316(3))। परन्तु सदस्य को कार्यकाल समाप्ति के बाद भी अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जा सकेगा, जो 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु जो भी पहले हो, तक अध्यक्ष पद पर कार्य करेगा।

• राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष या कोई सदस्य राज्य के राज्यपाल को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग कर सकेगा। (अनु. 316)

❒ **राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष को निलम्बित किया जा सकता है-** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक-26.04.2017] [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]

(1) राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा
(2) राजस्थान के मुख्य सचिव द्वारा
(3) राजस्थान के राज्यपाल द्वारा
(4) राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा

Ans. (3)

व्याख्या-हटाया जाना (अनु. 317)-राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व किसी अन्य सदस्य को केवल कदाचार के आधार पर राष्ट्रपति के आदेश द्वारा अनु. 145 में विहित प्रक्रिया के तहत उच्चतम न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध होने पर ही हटाया जा सकता है। जाँच के दौरान राज्यपाल आरोपी अध्यक्ष या सदस्य को निलम्बित कर सकता है।

❒ **राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य को पद से हटाया जा सकता है-** [CET : 04.02.2023 (S-I)]

(1) विधानसभा के महाभियोग प्रस्ताव के तहत राज्यपाल द्वारा
(2) संसद के महाभियोग प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति के द्वारा
(3) राज्यपाल के द्वारा उच्च न्यायालय के जाँच के बाद
(4) राष्ट्रपति के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के जाँच के बाद

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य को कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व किसके द्वारा हटाया जा सकता है?** [CET : 04.02.2023 (S-II)]

(1) राष्ट्रपति द्वारा (2) विधानसभा द्वारा
(3) मुख्यमंत्री द्वारा (4) राज्यपाल द्वारा

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की, अध्यक्ष सहित, कुल अनुमत संख्या है-**[II Gr. (Sanskart)2011] [EO & RO : 14.05.2023 (S-II)] [द्वितीय श्रेणी शिक्षक-2014]

(1) 5 (2) 6 (3) 7 (4) 8

Ans. (4)

व्याख्या-आयोग की स्थापना के समय सदस्यों की स्वीकृत संख्या अध्यक्ष सहित 03 थी। वर्ष 1962 में सदस्य का एक और पद सृजित किया गया एवं वर्ष 1982-83 में सदस्यों की संख्या 05 हो गई। वर्ष 2011 में दो और सदस्यों के पद सृजित किये गये। वर्तमान में आयोग में एक अध्यक्ष एवं 7 सदस्य होते है। अर्थात् अध्यक्ष सहित सदस्यों की संख्या 8 हो गई।

❒ **राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या (अध्यक्ष को छोड़कर) कितनी है?** [PTI - 30.09.2018][लेखाकार -2015] [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) 4 (2) 3 (3) 5 (4) 7

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राज्य लोक सेवा आयोग के कर्मचारियों और सदस्यों की सेवा शर्तों को विनियमित करने की शक्ति संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है?[EO & RO :14.5.2023 (I)]

(1) अनुच्छेद 240 (2) अनुच्छेद 318
(3) अनुच्छेद 400 (4) अनुच्छेद 523 सी

Ans. (2)

व्याख्या - सेवा शर्तें (अनु. 318) -राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या तथा उनकी सेवा की शर्तों का निर्धारण राज्यपाल द्वारा किया जाएगा। परन्तु लोक सेवा आयोग के सदस्य की सेवा की शर्तों में उसकी नियुक्ति के पश्चात् उसके लिए अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

❒ राजस्थान लोक सेवा आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है-[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)- 30.05.2019] [II Grade (S-II) -29.1.2023] [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) राजस्थान के मुख्यमंत्री को
(2) राजस्थान के राज्यपाल को
(3) राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति को
(4) भारत के राष्ट्रपति को

Ans. (2)

व्याख्या - संविधान के अनु. 323 के अनुसार आयोग प्रतिवर्ष अपने विविध कार्यकलापों यथा भर्ती, पदोन्नति, वरिष्ठता निर्धारण, अनुशासनात्मक कार्यवाही, अस्थायी सेवाओं की स्वीकृति तथा अन्य परामर्श संबंधी सभी कार्यों का सम्पूर्ण विवरण राज्यपाल को प्रेषित करता है।

❒ राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में, निम्नांकित में से किसका कार्यकाल सबसे लंबा रहा है? [RAS (Pre) Exam-28.08.2016]

(1) सी. आर. चौधरी (2) डी.एस. तिवाडी
(3) यतींद्र सिंह (4) मोहम्मद याकूब

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में अधिकतम कार्यकाल : श्री डी.एस. तिवाड़ी (तृतीय अध्यक्ष : 8-08-1951 से 20-01-1958 तक)
न्यूनतम कार्यकाल- श्री पी.एस. यादव (19वें अध्यक्ष : 01-10-1997 से 06-11-1997 तक-37 दिन)

❒ निम्नांकित में से कौन राजस्थान लोक सेवा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष के पद पर नहीं रहे हैं? [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) जी.पी.पिलानिया (2) एल.एल. जोशी
(3) एस.एस. टाक (4) एच.एन. मीणा

Ans. (1)

व्याख्या - ज्ञानप्रकाश पिलानिया RPSC के सदस्य (1989-94) थे।

❒ आरपीएससी (RPSC) के अध्यक्षों को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें- [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

1. डॉ. बी. एल. रावत 2. डॉ. दीन दयाल
3. रामसिंह चौहान 4. डॉ. एस.एस. टाक

(1) 2, 4, 3, 1 (2) 1, 3, 2, 4
(3) 3, 1, 4, 2 (4) 4, 2, 1, 3

Ans. (2)

❒ राजस्थान लोक सेवा आयोग की निम्नांकित में से कौनसी पूर्व महिला सदस्य संघ लोक सेवा आयोग की सदस्य भी रही है-[Assistant Professor-22.9.2021]

1. श्रीमती कान्ता कथुरिया
2. श्रीमती कमला भील
3. डॉ. (श्रीमती) प्रकाशवती शर्मा
4. श्रीमती दिव्या सिंह

सही उत्तर का चयन कीजिए-

(1) केवल 1 और 2 (2) केवल 1 और 3
(3) केवल 2 और 3 (4) 1, 2 एवं 3

Ans. (2)

व्याख्या-राजस्थान लोक सेवा आयोग की महिला सदस्य -
☞ *कान्ता कथुरिया (प्रथम) -22.12.1989 से 23.04.1995 (संघ लोक सेवा आयोग में 24.05.1995-22.08.1998)*
☞ *कमला भील - 28.07.1993 से 27.07.1994*
☞ *प्रकाशवती शर्मा - 18.01.1996 से 18.01.2002 (संघ लोक सेवा आयोग में 07.02.2005)*
☞ *दिव्या सिंह - 30.11.2011 से 30.09.2012*
☞ *राजकुमार गुर्जर - 07.12.2016*
☞ *संगीता आर्य - 14.10.2020*
☞ *डॉ. मंजू शर्मा - 15.10.2020*

❒ निम्नांकित में से कौन राजस्थान लोक सेवा आयोग की दूसरी महिला सदस्य के रूप में नियुक्त हुई? [II Grade GK - 24.12.2022]

(1) कान्ता कथूरिया (2) दिव्या सिंह
(3) कमला भील (4) प्रकाशवती शर्मा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

39. आयोग एवं अधिनियम

❐ **भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत राजस्थान राज्य चुनाव आयोग की स्थापना हुई-**

[राजस्थान पु. कॉन्स्टेबल-15.7.2018 (I)][Asst. Jailer-15.3.2016]

(1) अनुच्छेद 243 Z (2) अनुच्छेद 243 K
(3) अनुच्छेद 243 A (4) अनुच्छेद 243 C

Ans. (2)

व्याख्या – *पंचायती राज संस्थाओं (**अनुच्छेद 243 K**) एवं शहरी निकायों (अनुच्छेद 243 ZA) में चुनाव कराने हेतु राजस्थान में राज्यपाल द्वारा निर्वाचन आयोग (एक सदस्यीय) का गठन किया गया है। **73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा स्थापित संविधान का अनुच्छेद 243ट (243K) यह व्यवस्था करता है कि**-पंचायतों के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए **निर्वाचक नामावली तैयार कराने का** और उन सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण एक राज्य निर्वाचन अयोग में निहित होगा, जिसमें एक राज्य निर्वाचन आयुक्त होगा, जो राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया जाएगा। इसका एक सचिव होगा जो राज्य का राज्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है। **अनुच्छेद 243यक** (243ZA)-नगरपालिकाओं के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और उन सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण, अनुच्छेद 243ट (243 K) में निर्दिष्ट राज्य निर्वाचन आयोग में निहित होगा।*

❐ **राज्य निर्वाचन आयोग के बारे में निम्न कथनों पर विचार कीजिए एवं सही निर्णय का चुनाव कीजिए-**

[पटवार-24.10.2021 (Shift - II)]

1. राज्य की पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के चुनावों के लिए निर्वाचन सूची तैयार करना।

2. पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के लिए चुनाव सम्पन्न कराना।

3. भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तुत निर्वाचन सूची चयन और तैयार करने का कार्य।

(1) 2, 3 (2) 1, 2, 3 (3) 1, 2 (4) कोई नहीं

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का गठन हुआ-**

[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]
[उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II), 08.11.2020 (II)]
[EO & RO : 14.05.2023 (S-II)]
[जेल प्रहरी 28-10-2018, Shift -II
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]

(1) जून, 1993 को (2) जुलाई, 1994 को
(3) अगस्त, 1995 को (4) सितम्बर, 1996 को

Ans. (2)

व्याख्या - ***राजस्थान निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष*** -

- *प्रथम - **अमर सिंह राठौड़** (1 जुलाई, 1994 से 1 जुलाई, 2000)*
- *द्वितीय - एन. आर. भसीन (2 जुलाई, 2000 से 2 जुलाई, 2002)*
- *तृतीय- इन्द्रजीत खन्ना (26 दिसम्बर, 2002 से 26 दिसम्बर, 2007)*
- *चतुर्थ - अशोक कुमार पाण्डे (1 अक्टूबर, 2008 से 30 सितम्बर, 2013)*
- *पंचम - राम लुभाया (1 अक्टूबर, 2013 से 31 मार्च, 2017)*
- *षष्ठ - **प्रेम सिंह मेहरा** (3 जुलाई, 2017 से 3 जुलाई, 2022)*
- *सप्तम- मधुकर गुप्ता (14 अगस्त, 2022 से ..)*

❐ **माह अगस्त, 2022 में किसे राजस्थान का मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया?**

[III Grade (Math-Science) -25.2.2023]
[II Grade GK - 21.12.2022]

(1) श्री बी.एल. आर्य (2) श्री डी.बी. गुप्ता
(3) श्री मधुकर गुप्ता (4) श्रीमती ऊषा शर्मा

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का कौनसा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा क्रमांक 1 पर है?**

[RAS Pre Exam-19.11.2013]

(1) अजमेर (2) मनोहरथाना
(3) सादुलशहर (4) बानसूर

Ans. (3)

व्याख्या- *भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा राजस्थान विधानसभा क्षेत्र के स्थान आवंटनों में **गंगानगर के सादुलशहर को क्रमांक 1** पर रखा गया है जबकि **झालावाड़ जिले का मनोहर थाना विधानसभा क्षेत्र को क्रमांक 200** पर रखा गया है। संसदीय क्षेत्र के स्थान आवंटनों में **श्रीगंगानगर को क्रमांक 1** पर रखा गया है जबकि **झालावाड़-बारां संसदीय क्षेत्र को क्रमांक 25** पर रखा गया है।*

❏ **राज्य निर्वाचन आयोग के निम्न कार्यों पर विचार कर सही कथन का चयन कीजिए:** [RAS-26.10.2013]

(A) राज्य के पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के चुनावों के लिए मतदाता सूचियों को तैयार करता है।

(B) राज्य की पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के लिए निर्वाचन करवाता है।

(C) राज्यपाल के निर्देशनों के अनुरूप पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के अतिरिक्त अन्य निकायों के लिए निर्वाचन करवाता है।

(D) भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा सौंपे गये मतदाता सूचियों को तैयार करने एवं निर्वाचन करवाने का कार्य करता है।

कूट: (1) (A) और (B) (2) (C) और (D)
(3) (A), (B) और (D) (4) केवल (D)

Ans. (1)

व्याख्या- *पंचायतों के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और उन सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियन्त्रण एक राज्य निर्वाचन आयोग में निहित होगा, जिसमें एक राज्य निर्वाचन आयुक्त होगा, जो राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त को उसके पद से उसी रीतिं से और उन्हीं आधारों पर ही हटाया जाएगा, जिस रीति से और जिन आधारों पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है।*

❏ **ईवीएम मशीन में नोटा बटन का उपयोग पहली बार कौनसे विधानसभा चुनाव में किया गया था?** [उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]

(1) ग्याहरवाँ विधानसभा चुनाव 1998
(2) बारहवाँ विधानसभा चुनाव 2003
(3) तेरहवाँ विधानसभा चुनाव 2008
(4) चौदहवाँ विधानसभा चुनाव 2013

Ans. (4)

व्याख्या - चुनाव आयोग ने पहली बार वोटरों को *14वीं विधानसभा चुनाव में नोटा का विकल्प दिया, जिसमें राजस्थान में 1.9%* मतदाताओं ने **'इनमें से कोई नहीं/नोटा' (*None of the above – NOTA*)** के विकल्प को चुना। इलैक्ट्रॉनिक वॉटिंग मशीन (*EVM*) में **नोटा अंतिम बटन (गुलाबी रंग)** होता है।

❏ **राजस्थान के प्रथम वित्त आयोग का अध्यक्ष कौन था?** [CET : 07.01.2023 (S-I)] [CET : 05.02.2023 (S-I)]

(1) ज्योति किरण (2) माणिक चंद सुराणा
(3) हीरालाल देवपुरा (4) कृष्ण कुमार गोयल

Ans. (4)

व्याख्या - ***राजस्थान वित्त आयोग अध्यक्ष-***

• प्रथम : गठन-24 अप्रैल, 1994, अध्यक्ष-कृष्ण कुमार गोयल, कार्यकाल-1अप्रैल, 1995 से 31मार्च, 2000

• द्वितीय : गठन - 7 मई, 1999, अध्यक्ष-हीरालाल देवपुरा, कार्यकाल - 1 अप्रैल, 2000 - 31 मार्च, 2005

• तृतीय : गठन - मई, 2004, अध्यक्ष- माणिक चन्द सुराणा, कार्यकाल -1 अप्रैल, 2005 - 31 मार्च, 2010

• चतुर्थ : गठन-13 अप्रैल, 2011, अध्यक्ष- डॉ. बी. डी. कल्ला, कार्यकाल-1 अप्रैल, 2010 - 31 मार्च, 2015

• पंचम : गठन -जुलाई, 2014, अध्यक्ष- डॉ. ज्योति किरण, कार्यकाल -1 अप्रैल, 2015 - 31 मार्च, 2020

• छठा : गठन-12 अप्रैल, 2021, अध्यक्ष- प्रद्युम्न सिंह, कार्यकाल -1 अप्रैल, 2020 - 31 मार्च, 2025

❏ **निम्न में से किसको राजस्थान में 6वें वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है-** [संगणक परीक्षा -19.12.2021] [CET -11.2.2023 (S-II)] [CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) मोहन कृष्ण बोहरा (2) हेम सिंह शेखावत
(3) भँवर लाल शर्मा (4) प्रद्युमन सिंह

Ans. (4)***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❏ **पंचायतों के लिये गठित राजस्थान राज्य वित्त आयोग संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत उल्लिखित है?** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-26.04.2017]

(1) अनुच्छेद-243 झ (2) अनुच्छेद - 243 ड
(3) अनुच्छेद - 243 ख (4) अनुच्छेद - 243 ज

Ans. (1)

व्याख्या-*पंचायती राज संस्थाओं (**अनुच्छेद 243 I/झ**) एवं शहरी निकायों (**अनुच्छेद 243 Y/म**) की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने तथा पर्याप्त मात्रा में वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने हेतु सुझाव देने हेतु राज्यपाल द्वारा प्रत्येक पाँच वर्ष में वित्त आयोग का गठन किया जाता है। राज्य वित्त आयोग राज्यपाल को वित्तीय स्थिति के बारे में अनुशंसा करता है। वित्त आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल कार्यग्रहण की तिथि 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) होता है।*

❒ **राजस्थान सूचना आयोग का गठन कब हुआ था?**
[पटवार-23.10.2021 (Shift -I][RAS-28.08.2016]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) 18 अप्रैल, 2005 (2) 18 अप्रैल, 2007
(3) 18 अप्रैल, 2006 (4) 18 अप्रैल, 2008

Ans. (3)

***व्याख्या** - राजस्थान में राज्य सूचना आयोग का गठन 18 अप्रैल, 2006 को किया गया है। राज्य सूचना आयोग केन्द्रीय सूचना आयोग की तरह एक सांविधिक एवं स्वायत्तशासी निकाय है।*

❒ **राजस्थान राज्य सूचना आयोग के वर्तमान सूचना आयुक्त कौन हैं-** [पटवार-23.10.2021 (Shift -II)]
[PTI (Grade II)-30.4.2023]

(1) एच.सी. मीणा (2) पी.के. तिवारी
(3) देवेन्द्र भूषण गुप्ता (4) इनमें से कोई नहीं

Ans. (3)

***व्याख्या** - राजस्थान सूचना आयोग अध्यक्ष-*
- *प्रथम : एम.डी. कोरानी -18 अप्रैल, 2006*
- *द्वितीय : टी. श्रीनिवासन - 05 सितम्बर, 2011*
- *तृतीय : सुरेश कुमार चौधरी- 06 नवम्बर, 2015*
- *चतुर्थ : देवेन्द्र भूषण गुप्ता-11दिसम्बर 2020 से निरन्तर*

❒ **राजस्थान राज्य के प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त कौन थे-** [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]

(1) श्री एन. के. जैन (2) श्री अमरजीत सिंह
(3) श्री एम.डी. कौरानी (4) श्री इन्द्रजीत खन्ना

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौन-सा एक राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए गठित समिति का सदस्य नहीं होता हैं?** [RAS-19.11.2013]
[JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) राज्य का मुख्यमंत्री जो समिति का मुखिया होता है।
(2) राज्यपाल द्वारा नामनिर्देशित उच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश
(3) राज्य विधान सभा में विरोधीदल का नेता
(4) मुख्यमंत्री द्वारा नामनिर्देशित एक मंत्रिमण्डलीय मंत्री

Ans. (2)

***व्याख्या**- राज्य सूचना आयोग (अधिनियम की धारा 15) गठन - राज्य सूचना आयोग, केन्द्रीय सूचना आयोग की तरह एक सांविधिक एवं स्वायत्तशासी निकाय है। राज्य सूचना आयोग में एक राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं आवश्यकतानुसार (अधिकतम 10) सूचना आयुक्त होंगे, जिनकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा निम्नलिखित समिति की सिफारिश पर की जाएगी- (i) मुख्यमंत्री- समिति के अध्यक्ष। (ii) विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता। (iii) मुख्यमंत्री द्वारा मनोनीत केबिनेट मंत्री। इनकी योग्यताएँ एवं अयोग्यताएँ वही हैं जो केन्द्रीय मुख्य सूचना आयुक्त व अन्य सूचना आयुक्तों के लिए निर्धारित हैं।*

❒ **राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है-** [पटवार-24.10.2021 (Shift - II)]
[PSI - 14.09.2021]

(1) मुख्य सचिव (2) मुख्यमंत्री (3) राष्ट्रपति (4) राज्यपाल

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल होता है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) 6 वर्ष (आयु की कोई सीमा नहीं)
(2) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो
(3) 5 वर्ष (आयु की कोई सीमा नहीं)
(4) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो

Ans. (2)

***व्याख्या** -राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त की पदावधि : सभी के लिए पद ग्रहण की तिथि से 5 वर्ष या 65 वर्ष तक की आयु जो भी पहले हो। केन्द्र सरकार ने सूचना का अधिकार (संशोधन) कानून 2019 द्वारा राज्य मुख्य सूचना आयुक्त के कार्यकाल को घटकार 3 वर्ष या 65 वर्ष तक कर दिया है।*

❒ **क्या सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 के अनुसार लोक प्राधिकारी की बाध्यता में शामिल नहीं है?** [Protection Officer -28.01.2023]

(1) अपने संगठन की विशिष्टयाँ, कृत्यों और कर्तव्यों को 120 दिन के भीतर प्रकाशित करना।
(2) प्रकाशित सूचनाओं को हर माह अद्यतन करना।
(3) सभी अभिलेखों को सम्यक रूप से सूची पवित्र करना जिससे इस अधिकार का उपयोग सुकर बने।
(4) सभी अभिलेखों का सुनिश्चित कम्प्यूटरीकरण।

Ans. (2)

***व्याख्या* -सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 के अन्तर्गत लोक सूचना प्राधिकारी ऐसी अन्य सूचना जो विहित की जाए, प्रकाशित करेगा और तत्पश्चात् इन प्रकाशनों को प्रत्येक वर्ष में अद्यतन करेगा।**

❒ **सही विकल्प है-** [Protection Officer-28.01.2023]

1. राजस्थान सूचना आयोग (प्रबंधन) विनियम, 2007 को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 15(4) के तहत बनाया गया था।

2. राजस्थान सूचना आयोग लोक सूचना अधिकारी पर प्रतिदिन 250 रुपये और अधिकतम 50,000 रुपये की शास्ति अधिरोपित कर सकता है।

(1) कथन 1 सत्य है। (2) कथन 2 सत्य है।
(3) कथन 1 और 2 सत्य है। (4) दोनों कथन असत्य है।

Ans. (1)

व्याख्या - *सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत दायर शिकायत या अपील पर निर्णय देते समय आयोग देरी से सूचना देने, सूचना को खुर्द-बुर्द करने, रुकावट डालने आदि के आरोपों के दोषी लोक सूचना अधिकारी पर 250/- रुपये प्रतिदिन की दर से दण्डारोपण कर सकता है जो राशि अधिकतम 25000/- तक हो सकती है।*

❒ **राजस्थान सूचना आयोग सूचना नहीं देने पर अधिकतम कितनी राशि का जुर्माना आरोपित कर सकता है?** [CET : 07.01.2023 (S-I), 08.01.2023 (S-II)]

(1) 30000 (2) 20000 (3) 15000 (4) 25000

Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **आर.टी.आई. पोर्टल 2.0 किस आयोग द्वारा लॉन्च किया गया है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]

(1) राज्य महिला एवं बाल विकास आयोग
(2) राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग
(3) राजस्थान लोक सेवा आयोग (4) राज्य सूचना आयोग

Ans. (4)

***व्याख्या* -4 अप्रैल, 2022 को राजस्थान में सूचना के अधिकार के तहत मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए राज्य सूचना आयोग द्वारा आरटीआई पोर्टल 2.0 लॉन्च किया गया है। वर्तमान में 275 विभाग पोर्टल से जुड़े हैं।**

❒ **'सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005' की किस धारा के अन्तर्गत राजस्थान के लोक अधिकारी पर राजस्थान राज्य सूचना आयोग का आदेश बाध्यकारी होगा-** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 19(4) (2) 19(5) (3) 19(6) (4) 19(7)

Ans. (4)

❒ **'राजस्थान सम्पर्क' पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) आर.टी.आई. के तहत सूचना एकत्र करने के लिए।
(2) शिकायत निवारण प्रणाली के रूप में।
(3) लोकसेवाओं के प्रदान की गारन्टी के लिए
(4) सामाजिक अंकेक्षण मंच के रूप में

Ans. (2)

***व्याख्या* - राजस्थान सम्पर्क जन सामान्य की शिकायतों को दर्ज करने और समस्याओं का निराकरण हेतु 2014 में शुरू किया गया। इसमें बिना कार्यालय में उपस्थित हुए समस्याओं को ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा है।**

❒ **सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी हेतु दिसम्बर, 2020 को किस पोर्टल की शुरुआत राजस्थान में की गई-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) पब्लिक वेलफेयर पोर्टल (2) राजस्थान वेलफेयर पोर्टल
(3) योजना वेलफेयर पोर्टल (4) इनमें से कोई नहीं

Ans. (1)

***व्याख्या* - सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी हेतु 18 दिसम्बर, 2020 को जनकल्याण पोर्टल (Public Welfare Portal) का शुभारम्भ किया गया।**

❒ **राजस्थान राज्य महिला आयोग है-** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) संवैधानिक निकाय (2) नियामकीय निकाय
(3) अध्यादेश द्वारा बनाया गया है (4) सांविधिक निकाय

Ans. (4)

व्याख्या - *राजस्थान में राज्य महिला आयोग की स्थापना के लिए राज्य सरकार द्वारा **23 अप्रैल, 1999 को एक विधेयक राज्य की विधानसभा** में प्रस्तुत किया गया। इस विधेयक के पारित हो जाने पर **15 मई, 1999** को राज्य सरकार द्वारा एक अधिसूचना जारी करके सांविधिकनिकाय राजस्थान राज्य महिला आयोग का गठन **(एक अध्यक्ष एवं तीन सदस्य)** कर दिया गया।*

❒ **किस वर्ष में राजस्थान राज्य महिला आयोग की स्थापना हुई-** [VDO-28.12.2021 (S-I)]

(1) 1996 (2) 1997 (3) 1998 (4) 1999

Ans. (4) ***व्याख्या*** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर कौन आसीन नहीं रहा-** [VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) लाड कुमारी जैन (2) गिरिजा व्यास
(3) तारा भण्डारी (4) कांता कथूरिया

Ans. (2)

***व्याख्या** - राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष -*
1. कांता खतूरिया : 1999 से 2002
2. पवन सुराणा : 2003 से 2006
3. तारा भण्डारी : 2006 से 2009
4. लाड कुमारी जैन : 2011 से 2014
5. सुमन शर्मा : 2015 से 2018
6. रेहाना रियाज चिश्ती : 11.02.2022 से 10.02.2025

❐ **फरवरी, 2022 में राजस्थान राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया?**[वनपाल-6.11.2022(I)]

(1) सुमन शर्मा (2) अन्जना मेघवाल
(3) सुमित्रा जैन (4) रेहाना रियाज चिश्ती

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान महिला आयोग का कार्य निम्न में से नहीं है-** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें सुनना।
(2) महिलाओं के संवैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन पर निगरानी रखना।
(3) महिला सशक्तीकरण हेतु प्रयास।
(4) महिला उत्पीड़न के दोषियों को दंडित करना।

Ans. (4)

***व्याख्या** -राजस्थान राज्य महिला आयोग के मुख्य कार्य (धारा 11) - (1) महिलाओं के खिलाफ होने वाले किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार की जाँच कर, विनिश्चय करके उस मामले में सरकार को सिफारिश करना। (2) प्रवृत्त विधियों व उनके प्रवर्तक को महिलाओं के हित में प्रभावी बनाने के लिए कदम उठाना। (3) राज्य लोकसेवाओं और राज्य लोक उपक्रमों में महिलाओं के विरुद्ध किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकना।(4) महिलाओं की दशा में सुधार करने की दृष्टि से कदम उठाना। (5) आयोग की दृष्टि में यदि किसी भी लोक सेवक ने महिलाओं के हितों का संरक्षण करने में अत्यधिक उपेक्षा या उदासीनता बरती है तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए सरकार से सिफारिश करना। (6) महिलाओं से सम्बन्धित विद्यमान कानूनों की समीक्षा करना तथा महिलाओं को समुचित न्याय मिले इस दृष्टि से कानून में आवश्यक संशोधन की सरकार से सिफारिश करना।*

❐ **राजस्थान राज्य महिला आयोग के संबंध में कौनसा/कौनसे कथन सत्य है/हैं-** [VDO-27.12.2021 (S-I)]

1. आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है।
2. आयोग का गठन 15 मई, 1999 को हुआ।
3. यह गैर-संवैधानिक व परामर्शकारी निकाय है।
4. इसका कार्य महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें सुनना तथा उनकी जाँच करना है।

(1) 1, 2, 3 (2) 2, 3, 4
(3) 1, 2 (4) 1, 2, 3, 4

Ans. (2) *नियुक्ति : राज्य सरकार द्वारा मनोनीत*

❐ **राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारन्टी अधिनियम, 2011 किस तारीख से प्रवृत्त हुआ-**
[EO & RO : 14.05.2023 (S-I)] [महिला पर्यवेक्षक-06.01.2019]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
[JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]
[JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) 14 नवम्बर, 2011 (2) 31 अक्टूबर, 2011
(3) 21 मई, 2011 (4) 2 अक्टूबर, 2011

Ans. (1)

व्याख्या : राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान करने की गारंटी अधिनियम, 2011 - 14 नवम्बर, 2011 से आरम्भ** एक ऐसा अधिनियम जो जनता से जुड़े **15 विभागों के 53 विषयों की 108 (अब 27 विभाग 287 सेवाएँ) सेवाओं** को समयबद्ध व पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराने की गारंटी देता है। **मध्यप्रदेश (सर्वप्रथम), बिहार में यह कानून लागू है।** लेकिन, **इतने विभाग व काम शामिल करने वाला राजस्थान पहला राज्य है।

❐ **राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 का उद्देश्य है-** [JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) पारदर्शिता लाना
(2) शिकायत निवारण तंत्र उपलब्ध करवाना
(3) सेवा प्राप्ति का अधिकार देना (4) उपर्युक्त सभी

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2011 के अन्तर्गत 15 विभागों की कुल कितनी सेवाएँ शामिल की गई हैं?** [Stenographer Exam : 30.05. 2013]
[RAS-31.10.2015]

(1) 108 (2) 112 (3) 115 (4) 118

Ans. (1) ***व्याख्या :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम-2011 के बारे में अद्योलिखित कथनों को पढ़िए -** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

1. इसकी शुरुआत 15 सरकारी विभागों की 108 सेवाओं से की गई।

2. सेवा प्रदान करने की निर्धारित अवधि की गणना में राजकीय अवकाशों को छोड़ा जाता है।

सही कूट का चयन कीजिए-

(1) केवल 1 सही है। (2) न तो 1 ना ही 2 सही है।
(3) केवल 2 सही है। (4) 1 और 2 दोनों सही है।

Ans. (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **जनसमस्याओं के निराकरण के लिए निम्नांकित में किस अधिनियम को लागू करने में राजस्थान पहला राज्य है?** [RAS-28.08.2016]

(1) सुनवाई का अधिकार अधिनियम
(2) सुशासन अधिनियम
(3) लोक सेवा प्रदान गारंटी अधिनियम
(4) लोक प्रापण में में पारदर्शिता अधिनियम

Ans. (1)

***व्याख्या** - आम आदमी की समस्याओं तथा अभाव अभियोगों पर उनके अपने क्षेत्र में ही एक निश्चित समय सीमा में सुनवाई का अधिकार (Right to Hearing Act – 2012) 1 अगस्त 2012 से राज्य में लागू किया गया है।*

❒ **राजस्थान में सुनवाई का अधिकार अधिनियम किस वर्ष में लागू हुआ?** [VDO Mains -09.07.2022]

(1) 2010 (2) 2014 (3) 2012 (4) 2018

Ans. (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान लोकसेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के अन्तर्गत प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के निर्णय के विरुद्ध कितने दिनों में द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी को अपील की जा सकती है?** [CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) 60 दिन (2) 45 दिन (3) 30 दिन (4) 15 दिन

Ans. (1)

***व्याख्या**-यदि किसी व्यक्ति का आवेदन नामंजूर हो जाये या निर्धारित समय-सीमा में कोई सेवा प्रदान नहीं की जाती है तो 30 दिन के अन्तर्गत प्रथम अपीलीय अधिकारी को अपील की जा सकती है। प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के निर्णय के विरुद्ध 60 दिन के अन्दर द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी को दूसरी अपील की जा सकती है।*

द्वितीय अपीलीय अधिकारी सेवा प्रदान करने का आदेश प्रदान करने के लिए साथ नामित अधिकारी, प्रथम अपीलीय अधिकारी पर दण्ड अधिरोपित कर सकता है। किसी विभाग का कोई अधिकारी/कर्मचारी उसकी परिधि में घोषित सेवाओं को निर्धारित समय सीमा में प्रदान नहीं करता है तो, कम से कम 500 रु. से लेकर अधिकतम 5000 रु. तक के आर्थिक दंड का प्रावधान। यदि वह सेवा प्रदान करने में अनावश्यक विलम्ब करता है तो प्रतिदिन 250 रुपये (अधिकतम 5000 रुपये) का आर्थिक दण्ड।

❒ **राजस्थान जन आधार प्राधिकरण अध्यादेश लागू हुआ-** [CET : 07.01.2023 (S-II)] [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) 11 जनवरी, 2021 को (2) 18 दिसम्बर, 2019 को
(3) 11 जनवरी, 2020 को (4) 18 दिसम्बर, 2020 को

Ans. (2)

***व्याख्या**-राजस्थान सरकार 18 दिसम्बर, 2019 को राजस्थान जन आधार प्राधिकार अध्यादेश 2019 लागू किया तथा राजस्थान जन आधार प्राधिकरण अधिनियम 28 फरवरी, 2020 को पारित किया गया।*

❒ **राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ?** [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

(1) 1950 (2) 1952 (3) 1955 (4) 1956

Ans. (4)

***व्याख्या** – राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956, 1 जुलाई 1956 से लागू किया गया। इस अधिनियम का विस्तार आबू, अजमेर और सुनैल क्षेत्र में भी हुआ, जो राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 (1956 का केन्द्रीय अधिनियम संख्या 37) की धारा 10 के तहत राजस्थान राज्य में मिला दिये गये किन्तु इस अधिनियम का आबू, अजमेर और सुनैल क्षेत्रों में दिनांक 15.6.1958 से अधिसूचना क्रमांक एफ (281) राजस्व- II/56 दिनांक 23.3.1958 द्वारा विस्तार हुआ। यह अधिनियम सभी श्रेणियों के राजस्व न्यायालयों और कार्यालयों की स्थापना, उनकी शक्तियों और प्रक्रियाओं, भूमि और उसके उपयोग, सर्वेक्षण, रिकॉर्ड नियंत्रण तथा भू-प्रबन्धन कार्य, सम्पदाओं का बंटवारा, राजस्व का संग्रहण और अन्य विविध मामलों जैसे लागत की वसूली आदि से संबंधित है।*

❒ **राजस्थान में राजस्व मण्डल की स्थापना कब हुई?** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022] [CET : 08.01.2023 (S-I)] [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]

(1) 1949 (2) 1959 (3) 1969 (4) 1979

Ans. (1)

व्याख्या–राजस्व मण्डल का मुख्यालय, अजमेर में है। राजस्व मण्डल का प्रथम अध्यक्ष बृजचन्द शर्मा थे। राज्य में भू-अभिलेखों, भू-राजस्व एवं भू-प्रबंध की व्यवस्था हेतु 1 नवम्बर, 1949 को राजस्व मंडल की स्थापना की गई। यह एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय (Quasi-judicial) है। वर्तमान में राजस्व मंडल अपने मूल कार्यों के अलावा कृषि संबंधी आँकड़े, पशुगणना एवं सिंचाई संबंधी आँकड़े भी एकत्रित करता है।

❒ **राजस्थान में प्रथम 'राजस्व दिवस' का आयोजन कब हुआ-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) 15 सितम्बर, 2019 (2) 15 अक्टूबर, 2019
(3) 15 सितम्बर, 2020 (4) 15 अक्टूबर, 2020

Ans. (4)

व्याख्या–15 अक्टूबर, 1955 को राजस्थान काश्तकारी कानून प्रदेश में लागू हुआ था और खेत जोतने वाले काश्तकारों को खातेदारी अधिकार मिले थे, इसलिए 15 अक्टूबर, 2020 को राजस्थान में प्रथम राजस्व दिवस मनाया गया।

❒ **राजस्थान सिविल सेवा प्राधिकरण स्थित है?**

[III Grade Teacher-2006][VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) जयपुर (2) अजमेर (3) कोटा (4) जोधपुर

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण (Rajasthan Civil Services Appellete Tribunal) : इसका मुख्यालय जयपुर में है। इसका क्षेत्राधिकार संपूर्ण राजस्थान है। राज्य कर्मचारियों के सेवा संबंधी मामलों तथा आनुषंगिक विवादों के निपटारे के लिए राजस्थान विधानसभा द्वारा पारित राजस्थान सिविल सेवा (सेवा मामलों के लिए अपील अधिकरण) अधिनियम, 1976 के तहत 1 जुलाई, 1976 को राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण का गठन किया गया था। राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण की जयपुर स्थाई पीठ के क्षेत्राधिकार में जयपुर, अजमेर, भरतपुर और कोटा के जिलों को तथा जोधपुर स्थायी पीठ के क्षेत्राधिकार में जोधपुर, उदयपुर और बीकानेर संभाग के जिलों को शामिल किया गया।

❒ **राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण की जयपुर पीठ के क्षेत्राधिकार में आने वाले संभागों के सही समूह को पहचानिए-** [II Grade (GK) 29.1.2023]

(1) अजमेर, जोधपुर, बीकानेर, जयपुर
(2) उदयपुर, अजमेर, जयपुर, कोटा
(3) जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा
(4) भरतपुर, बीकानेर, जोधपुर, जयपुर

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान सरकार ने जयपुर, उदयपुर और जोधपुर के वायु गुणवत्ता सूचकांक के बारे में जानकारी साझा करने के लिए मोबाइल एप्लीकेशन .. लॉन्च किया है-** [Asst. Town Planner- 16.06.2023]

[ARO-28.8.2022] [पशुधन सहायक 04.5.2022]

(1) राजवायु (2) वायुराज
(3) राजहवा (4) हवाराज

Ans. (1)

व्याख्या - मोबाइल ऐप 'राज वायु' : राज्य मण्डल द्वारा 'राज वायु' नामक वायु गुणवत्ता सूचकांक की जानकारी हेतु मोबाइल ऐप 5 जून, 2016 को लॉन्च किया गया। यह मोबाइल 'ऐप' यूनिसेफ, राजस्थान सरकार, भारतीय उष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान एवं भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तकनीकी सहयोग से विकसित किया गया है।

❒ **हाल ही में, राज्य मंत्रिमण्डल ने एक प्राधिकरण (अथॉरिटी) गठन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है जो राजस्थान राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में जवाबदेही के साथ ही पारदर्शिता, जन सहभागिता, जनसंतुष्टि एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा। इस प्राधिकरण का नाम है-**

[स्कूल व्याख्याता (संस्कृत विभाग)- 15.11.2022]

(1) राजस्थान जनकल्याणकारी योजना अंकेक्षण प्राधिकरण
(2) राजस्थान सामाजिक एवं निष्पादन अंकेक्षण प्राधिकरण
(3) राजस्थान सामाजिक एवं निष्पादन जवाबदेही प्राधिकरण
(4) राजस्थान जनकल्याणकारी योजना जवाबदेही प्राधिकरण

Ans. (2)

व्याख्या– राजस्थान सरकार ने योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करने वाले सरकारी विभाग, उपक्रमों और अन्य एजेंसियों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए राजस्थान सामाजिक एवं निष्पादन अंकेक्षण प्राधिकरण के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी (1 सितम्बर, 2022) दी है।

40. लोकायुक्त

❒ **लोकायुक्त संस्था है-** [कर सहायक परीक्षा-14.10.2018]
(1) सांविधिक एवं सलाहकारी संस्था
(2) सांविधिक एवं न्यायिक संस्था
(3) संवैधानेत्तर एवं सलाहकारी संस्था
(4) संवैधानेत्तर एवं न्यायिक संस्था
Ans. (1)

व्याख्या - भारत के प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग की अक्टूबर, 1966 के अंतरिम प्रतिवेदन में लोकपाल एवं लोकायुक्त की अनुशंसा की गई। राजस्थान में लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम, 1973 पारित किया गया, जो 3 फरवरी, 1973 से प्रभावी हुआ।

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त का पद कब सृजित हुआ था?** [CET : 04.02.2023 (S-I)]
(1) 1982 (2) 1973 (3) 1992 (4) 1977
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के पहले लोकायुक्त कौन थे?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]
[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
[CET : 04.02.2023 (S-II)]
(1) वी. एस. दवे (2) डी.पी. गुप्ता
(3) एम. एल. जोशी (4) आई.डी. दुआ
Ans. (4)

व्याख्या-राजस्थान प्रशासनिक सुधार समिति (1963) की सिफारिश पर 28 अगस्त, 1973 को सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायामूर्ति श्री आई. डी. दुआ को प्रथम लोकायुक्त व श्री के. पी. यू. मेनन को 5 जून, 1973 को प्रथम उपलोकायुक्त बनाया गया। वर्तमान (13वें) लोकायुक्त न्यायमूर्ति प्रताप कृष्ण लोहरा है।

❒ **निम्न कथनों पर विचार कीजिए**
[पटवार-24.10.2021 (Shift -I)][कॉलेज व्याख्याता- 2016]
(1) राजस्थान में लोकायुक्त संस्था की स्थापना वर्ष 1973 में की गई थी।
(2) न्यायमूर्ति आई.डी. दुआ राजस्थान राज्य के पहले लोकायुक्त थे।
(1) केवल 1 सही है (2) केवल 2 सही है
(3) 1 व 2 दोनों सही हैं (4) 1 व 2 दोनों गलत हैं
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के 13वें (तेरहवें) वर्तमान लोकायुक्त -**
[CET : 08.01.2023 (S-II)] [PSI - 15.09.2021]
(1) न्यायमूर्ति एस.एस. कोठारी
(2) न्यायमूर्ति प्रताप कृष्ण लोहरा
(3) न्यायमूर्ति जी.एल. गुप्ता
(4) न्यायमूर्ति मिलाप चन्द जैन
Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त का कार्यकाल होता है-**
[पटवार-24.10.2021 (Shift - II)][कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
[राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]
(1) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(2) 5 वर्ष या 66 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(3) 5 वर्ष या 60 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(4) 5 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
Ans. (1)

व्याख्या : *लोकायुक्तों का कार्यकाल पाँच वर्ष अथवा 65 वर्ष की उम्र तक, जो भी पहले हो, निर्धारित है। वह पुनर्नियुक्ति का पात्र नहीं होता है।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त वार्षिक प्रतिवेदन किसको प्रस्तुत करता है-** [VDO-27.12.2021 (S-I)]
(1) राष्ट्रपति (2) मुख्यमंत्री (3) उच्च न्यायालय (4) राज्यपाल
Ans. (4)

व्याख्या *- प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही से राज्यपाल को अवगत कराने के लिए लोकायुक्त प्रतिवर्ष राज्यपाल को एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। राज्यपाल लोकायुक्त से प्राप्त विशेष प्रतिवेदन और वार्षिक प्रतिवेदन राज्य विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत करते हैं।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त के पद से सम्बन्धित कथनों पर विचार कीजिए-**[कॉलेज व्याख्याता(सारंगी)-30.05.2019]
1. राज्यपाल लोकायुक्त की नियुक्ति करेंगे।
2. लोकायुक्त को देय वेतन, भत्ते, पेंशन राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के समकक्ष होंगे।
3. राजस्थान के मुख्यमंत्री के विरुद्ध शिकायतों का अन्वेषण लोकायुक्त द्वारा नहीं किया जा सकेगा।
निम्नांकित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए-
(1) केवल 1 (2) 1 और 2
(3) 2 और 3 (4) 1, 2 और 3
Ans. (4)

व्याख्या - लोकायुक्त व उपलोकायुक्तों की नियुक्ति संबंधित राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है। इनकी नियुक्ति के समय राज्यपाल द्वारा, (अ) राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से, और (ब) राज्य विधानसभा के विपक्ष के नेता से परामर्श अनिवार्य है। हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को लोकायुक्त नियुक्त किया जा सकता है। महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, आंध्र-प्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात में मुख्यमंत्री को लोकायुक्त की परिधि में रखा गया है, जबकि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार व उड़ीसा में यह लोकायुक्त के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

❐ **राजस्थान में लोकायुक्त के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है-** [VDO-28.12.2021 (S-II)]

(1) वह भ्रष्टाचार एवं कुप्रशासन के मामलों पर विचार करता है।

(2) उसका कार्य शिकायतों की जाँच करना है।

(3) वह मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त होता है।

(4) प्रथम लोकायुक्त 1973 में नियुक्त किया गया।

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राज्यपाल लोकायुक्त की नियुक्ति के लिए किसके साथ परामर्श करता है?** [CET : 05.02.2023 (S-I)]

(1) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश और विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता

(2) मुख्यमंत्री, उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश और विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता

(3) मुख्यमंत्री

(4) मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में लोकायुक्त निम्न में से किस कार्य की जाँच नहीं कर सकता है?** [II Grade (SST) - 21.12.2022]

(1) अनुशासनात्मक कार्यवाही (2) भ्रष्टाचार

(3) पद का दुरुपयोग (4) अकर्मण्यता

Ans. (1)

व्याख्या : राजस्थान लोकायुक्त तथा उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 द्वारा राजस्थान के मंत्रियों, सचिवों, राजकीय प्रतिष्ठानों के अध्यक्षों, स्वायत्त शासन संस्थाओं के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, प्रमुखों, प्रधानों एवं अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार, पद के दुरुप्रयोग एवं अकर्मण्यता की जाँच के लिए स्थापित यह एक उच्च स्तरीय वैधानिक एवं स्वतंत्र संस्थान है।

❐ **राजस्थान लोकायुक्त के सम्बन्ध में निम्न में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?** [PSI - 15.09.2021]

1. राजस्थान के मुख्यमंत्री लोकायुक्त के क्षेत्राधिकार से बाहर है।

2. महालेखाकार, राजस्थान, लोकायुक्त के क्षेत्राधिकार से बाहर है।

3. राजस्थान राज्य विधानसभा, सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी लोकायुक्त के क्षेत्राधिकार से बाहर है।

नीचे दिए कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

(1) केवल 1 (2) केवल 1 और 2

(3) केवल 2 और 3 (4) 1, 2 और 3

Ans. (4)

व्याख्या : लोकायुक्त का क्षेत्राधिकार -

1. मंत्री के तहत एक मंत्री, राज्यमंत्री और उपमंत्री हैं। इसमें मुख्यमंत्री को छोड़कर मंत्रीपरिषद के सभी सदस्य शामिल है।

2. सेवक/अधिकारी से अर्थ है किसी सार्वजनिक सेवा या पद पर नियुक्त व्यक्ति।

3. निर्धारित का अर्थ इस अधिनियम के अधीन बनाये गये नियमों के द्वारा अभिप्रेरित है।

4. जिला परिषद के जिला प्रमुख और उप जिला प्रमुख, पंचायत समिति के प्रधान और उप-प्रधान, कोई भी स्थायी समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जो राजस्थान पंचायत समिति और जिला परिषद् अधिनियम, 1959 के तहत गठित की गई है। कोई भी स्थानीय प्राधिकार राजस्थान राज्य में जो कि - सचिव का मतलब है कि राजस्थान सरकार के सचिव से है, इसमें विशेष सचिव, एक अतिरिक्त सचिव व एक संयुक्त सचिव शामिल है।

❐ **निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में लोकायुक्त की जाँच के दायरे में नहीं आते?**

[JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

1. मंत्री

2. विभागीय सचिव

3. राज्य विधानसभा सचिवालय के कर्मी

4. महालेखाकार-राजस्थान

सही कूट का चयन कीजिए-

(1) 1 और 4 (2) 3 और 4

(3) केवल 4 (4) 1, 2 और 4

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?** [संरक्षण अधिकारी परीक्षा-29.05.2019]

(1) भ्रष्टाचार के मामलों की जाँच करता है किन्तु कुप्रशासन की नहीं।

(2) मुख्यमंत्री उसके जाँच क्षेत्र से बाहर है।

(3) वह अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल को प्रस्तुत करता है।

(4) उसकी सिफारिशें सरकार के लिए बाध्यकारी होती है।

Ans. (4)

***व्याख्या** - प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही से राज्यपाल को अवगत कराने के लिए लोकायुक्त प्रतिवर्ष राज्यपाल को एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। किन्तु उसकी सिफारिशें सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं होती।*

❒ **सही उत्तर चुनें-** [RAS-28.08.2016]

राज्य स्तर पर लोकायुक्त की नियुक्ति की सर्वप्रथम अनुशंसा किसने की थी?

(1) सन्थानम समिति

(2) द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग

(3) भारत का प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70)

(4) राजस्थान प्रशासनिक सुधार समिति

Ans. (3)

***व्याख्या** -भारत के प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70) ने केन्द्र व राज्यों के मंत्रियों व सचिव स्तर के लोक सेवकों के विरुद्ध अभियोगों की जाँच के लिए लोकपाल तथा सचिव स्तर से नीचे के अधिकारियों के विरुद्ध अभियोगों की जाँच के लिए राज्य सरकार में लोकायुक्त की नियुक्ति की सिफारिश सर्वप्रथम की।*

❒ **राजस्थान लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम के अन्तर्गत आरोप के अर्थ के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिए :** [RAS Pre Exam-19.11.2013]

(A) इसका अर्थ है कि लोक सेवक ने कुछ प्राप्त करके, कुछ लेकर या स्वयं या दूसरे के द्वारा पक्षपात या दूसरों को अनावश्यक नुकसान करने या परेशान करने के लिए अपने पद का दुरूपयोग किया है।

(B) लोक सेवक द्वारा अपने कर्तव्य निष्पादन में किसी लाभ के लिए कार्यवाही करना या कार्यवाही न करना।

(C) लोक सेवक ने अपना कर्तव्यपालन का व्यक्तिगत हित या अनुचित या भ्रष्टाचार से प्रेरित होकर कार्य किया है।

(D) लोक सेवक भ्रष्टाचार या लोक सेवक के रूप में निष्ठा की कमी का दोषी है।

कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

(1) (A) एवं (B) (2) (B) एवं (C)

(3) (A), (B) एवं (D) (4) (A), (B), (C) एवं (D)

Ans. (4)

***व्याख्या : राजस्थान लोकायुक्त एवं उप लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के अन्तर्गत एक लोक सेवक के संबंध में आरोप का अर्थ होगा-** (i) लोकसेवक के किसी भी प्रतिज्ञान का मतलब किसी भी अन्य व्यक्ति को अनुचित नुकसान या कठिनाई पैदा करने के लिए या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लोकसेवक के रूप में अपने कार्यों के निर्वहन में Actuated निजी हित या अनुचित या भ्रष्ट मंशा से कार्य किया गया। या,*

(ii) इसका अर्थ है कि लोक सेवक ने कुछ प्राप्त करके, कुछ लेकर के या स्वयं या दूसरे के द्वारा पक्षपात या दूसरों को अनावश्यक नुकसान करने या परेशान करने के लिए अपने पद का दुरूपयोग किया है।

(iii) लोक सेवक द्वारा अपने कर्त्तव्य निष्पादन में किसी लाभ के लिए कार्यवाही करना या कार्यवाही न करना।

(iv) लोक सेवक ने अपने कर्तव्यपालन का व्यक्तिगत हित या अनुचित या भ्रष्टाचार से प्रेरित होकर कार्य किया है।

(v) वह भ्रष्टाचार का दोषी है या इस तरह के सार्वजनिक रूप से अपनी क्षमता में ईमानदारी (निष्ठा) की कमी है। या, दोषी है।

उल्लेखनीय है कि लोकायुक्त ऐसे आरोपों से जुड़ी किसी भी शिकायत की जाँच नहीं करेगा जो 5 वर्ष बाद की गई हो।

❒ **लोकायुक्त में एक लोक सेवक के विरुद्ध कितने वर्ष पुराने मामलों की शिकायत नहीं की जा सकती है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) दो साल से अधिक (2) तीन साल से अधिक

(3) चार साल से अधिक (4) पाँच साल से अधिक

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

नोट : राजस्थान राजव्यवस्था से सम्बन्धित सभी प्रश्नों के अध्ययन हेतु सरकार परीक्षा-20[20] का अध्ययन करें।

राजस्थान का सामान्य ज्ञान

41. राजस्थान : प्रतीक चिह्न

❐ **'राजस्थान दिवस' मनाया जाता है?**

[II Grade (Social Study) Exam. 2011]
[P.S.I. Exam, 2007], [C.I.D. Exam, 2002], [पटवार - 2011]
[Police Constable Exam-2007(II), (III)]
[छात्रा. अधी. परीक्षा, 2008][VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1)30 मार्च (2) 26 जनवरी (3)30 जून (4) 14 मई

Ans. (1)

व्याख्या - 30 मार्च 1949 वृहत् राजस्थान नामक संघ के निर्माण के समय से 30 मार्च को प्रतिवर्ष राजस्थान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

❐ **राजस्थान का 'राज्य पक्षी' कौनसा है?**

[Police Constable -2007(I)][II Grade (Social Study) -2011]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (I)]

(1) मोर (2) गोडावण (3) कोयल (4) हंस

Ans. (2)

व्याख्या - 1981 में घोषित राज्यपक्षी गोडावण का वैज्ञानिक नाम कोरियोटिस (आर्डेओटिस) नाइग्रीसेप है। सामान्य भाषा में 'माल मोरड़ी', अंग्रेजी में ग्रेट इण्डियन बस्टर्ड एवं हिन्दी में सोहन चिड़िया या हुकना या गुध नमेर नाम से प्रसिद्ध शर्मीले स्वभाव का गोडावण पक्षी एकान्तप्रिय स्थानों में रहना पसन्द करता है। यह राष्ट्रीय मरुउद्यान (जैसलमेर), सोंकलिया (भिनाय तहसील, केकड़ी जिला) तथा सौरसेन (बारां) में पाये जाते हैं। यह मूलतः अफ्रीकी पक्षी है जो आकार में बहुत बड़ा और भारी होता है। अतः यह वृक्षों पर नहीं बैठता इसलिए जल के निकट घास का घौंसला बनाकर रहता है।

❐ **गोडावण को राजस्थान का राजकीय पक्षी किस वर्ष घोषित किया गया**[पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) 1981 में (2) 1991 में(3) 1983 में (4) 1978 में

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **गोडावण कहाँ पाई जाती है-** [CET - 5.2.2023 (S-I)]

(1) रणथम्भौर (2) केवलादेव
(3) राष्ट्रीय मरु उद्यान (4) सज्जनगढ़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सौरसेन नामक स्थान प्रसिद्ध है?** [जेल प्रहरी - 2017]

(1) गोडावण पक्षी की शरण स्थली (2) सर्प अभयारण्य
(3) पान की खेती (4) पॉवर प्रोजेक्ट

Ans. (1) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **ग्रेट इण्डियन बस्टर्ड किसे कहते हैं?**

[Police Constable-2013]

(1) कुरजां (2)साइबेरियन सारस(3) गोडावण (4) चिंकारा

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सौरसेन घास के मैदान किस जिले में स्थित है?**

[House Keeper -9.7.2022]

(1) बूँदी (2) कोटा (3) बारां (4) झालावाड़

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का राज्य खेल है-** [C.I.D. Exam, 2002]

[III Grade (Urdu) -28.02.2023][II Grade (English) Exam. 2011]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]

(1) बास्केटबॉल (2) फुटबॉल(3) कबड्डी (4) खो-खो

Ans. (1)

व्याख्या-1948 में बास्केटबॉल को राजस्थान का राज्य खेल घोषित किया गया।

❐ **किस वर्ष में बास्केटबॉल को राजस्थान का राज्य खेल घोषित किया गया था**-[कॉन्स्टेबल-7.11.2020 (II)]

(1) 1984 में (2) 1958 में(3) 1948 में (4) 1953 में

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का 'कल्पवृक्ष'.....है**-[Police Constable- 2013]

[II Grade GK - 22.12.2022] [उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018]
[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) ढाक ट्री (2) साल ट्री (3) खेजड़ी (4) पलास

Ans. (3)

व्याख्या-31 अक्टूबर, 1983 में घोषित राज्य वृक्ष खेजड़ी को 'रेगिस्तान का कल्पवृक्ष' व 'राजस्थान का गौरव' कहा जाता है। भारतीय धर्म ग्रन्थों में इसे 'शमी' कहा जाता है। इसको वैज्ञानिक भाषा में प्रोसोपिस सिनेरेरिया, राजस्थानी भाषा में सीमलो, स्थानीय भाषा में 'जांटी' भी कहते है। इसकी पत्तियों के चारे को स्थानीय भाषा में 'लूम' कहते हैं। इसकी छाल से दवा बनाई जाती है। इसकी फली को 'सांगरी' (सब्जी बनाई जाती है) और सूखी फली को 'खोखा' कहते है। खेजड़ी वृक्ष की विजयादशमी/दशहरे पर पूजा की जाती है।

❐ **निम्न में से एक वृक्ष को 'राजस्थान का गौरव' के नाम से जाना जाता है?** [S.I. Exam, 1996]
(1) खेजड़ी (2) रोहिड़ा (3)विलायती बबूल (4)कुमटा
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का राज्य वृक्ष है?** [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
[PSI - 13.09.2021][REET L-I , 26.09.2021]
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) नीम (2) खेजड़ी (3) पीपल (4) अरडू
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के राजकीय वृक्ष का वैज्ञानिक नाम कौनसा है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]
[JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]
(1) टेकोमेला अंडूलेटा (2) प्रोसोपिस सिनेरेरिया
(3) सिहिवग गुआजावा (4) ओरिजा सातिवा,
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का सागवान कौनसा वृक्ष है?**
[Police Constable -2007(II)][जेल प्रहरी 27-10-2018, S -II]
(1) रोहिड़ा (2) खेजड़ी (3) खैर (4) बबूल
Ans. (1)

व्याख्या - 31 अक्टूबर, 1983 में घोषित मरुशोभा के नाम से प्रसिद्ध राज्य पुष्प रोहिड़ा (वैज्ञानिक नाम - टिकोमेला अंडूलेटा) मुख्यतः राज्य के पश्चिमी भाग में पाया जाता है। फर्नीचर व औषधि निर्माण के लिए प्रसिद्ध इस पेड़ का फैलाव राज्य के अधिकतर भागों में होने से इसे 'रेगिस्तान का सागवान' कहा जाता है।

❐ **राजस्थान के राज्य - पुष्प रोहिड़ा का वैज्ञानिक नाम क्या है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) लिलियम (2) टेकोमेला अंडूलेटा
(3) हेलियनथस (4) साइडियम गुआजवा
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का राज्य-पुष्प निम्नलिखित में से कौनसा है-** [पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (I)] [RAS, 27.10.2021]
[पशुधन सहायक 04.6.2022]
(1) पलास(बुटिया मोनोस्पर्मा) (2) कचनार
(3) रोहिड़ा(टेकोमेला अंडूलेटा) (4) कमल
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राज्य पुष्प-रोहिड़ा राजस्थान के किस भाग में सर्वाधिक पाया जाता है ?** [RPSC III Grade Tea Ex-2004]
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -II]
(1) पश्चिमी राजस्थान (2) पूर्वी राजस्थान
(3) उत्तरी राजस्थान (4) दक्षिणी राजस्थान
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान का 'राज्य पशु' कौनसा है?**[H M-15.5.2012]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I), 2007(I)]
(1) चिंकारा (2) चीता (3) शेर (4) भालू
Ans. (1)

*व्याख्या- चिंकारा (भारतीय गजेला) राजस्थान का वन्य जीव श्रेणी (नॉन डॉमेस्टिक स्टेट एनिमल) में राजकीय पशु (1981 में घोषित) है। इसका वैज्ञानिक नाम **गजेला बेनट्टी (Gazella Bennettii)** है। यह **एण्टीलोप प्रजाति** का जीव है। इसे मैमेलिया वर्ग में कॉर्डेटा संघ का सदस्य माना जाता है। **चिंकारा हल्के भूरे अखरोटी रंग का एक सुन्दर जानवर है।***

❐ **मरुस्थल का जहाज कहलाता है-**[पटवार परीक्षा- 2011]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]
(1) भेड़ (2) बैल (3) ऊँट (4) घोड़ा
Ans. (3)

व्याख्या - 19 सितम्बर 2014 को अधिसूचना जारी कर रेगिस्तान/मरुस्थल के जहाज ऊँट (वैज्ञानिक नाम - केमेलस ड्रोमेडेरियस) को पशुधन श्रेणी में राजकीय पशु (डॉमेस्टिक स्टेट एनिमल) का दर्जा दिया है। ऊँट के देवता-पाबूजी, ऊँट पालक - रैबारी जाति है, जिसे 'राइका' भी कहते है। ऊँट का नवजात बच्चा-टोरडी कहलाता है।

❐ **ऊँट का वैज्ञानिक नाम है-**[प्रयोगशाला सहायक-03.02.2019]
(1) केमेलस ड्रोमेडेरियस (2) केमेलस बेक्टिरियस
(3) केमेलस डेजर्टियस (4) केमेलस यूरोपा
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **सुमेलित कीजिए-** [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

राजस्थान प्रतीक चिह्न	वैज्ञानिक नाम
(A) फूल	(1) गजेला बेनेट्टी
(B) पशु	(2) आर्डेओटिस नाइग्रीसेप्स
(C) पेड़	(3) टिकोमेला अण्डुलेटा
(D) पक्षी	(4) प्रोसोपिस सिनेरेरिया

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	4	3	1	2	(2)	3	1	4	2
(3)	2	4	3	1	(4)	1	2	4	3

Ans. (2)

42. अनुसंधान केन्द्र

❒ राजस्थान का 'केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZARI)' स्थित है- [RAS -1987,88,94,96]
[ग्राम सेवक, 2008] [कृषि पर्यवेक्षक - 3.3.2019] [पटवार- 2011]
[JEN (Civil) Der. 12.9.2021][पु. कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (I), 2007(II)]
[वनरक्षक-11.12.2022(S-I)][Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) जोधपुर (2) उदयपुर (3) अजमेर (4) जयपुर

Ans. (1)

व्याख्या - भारत सरकार ने 1952 में मरुस्थल वनीकरण शोध केन्द्र, जोधपुर की स्थापना की जिसे पुनर्गठित कर 1959 में केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का नाम दिया गया।

❒ केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान का गठन कब किया गया है- [LDC Exam -09.09.2018]

(1) 1971 (2) 1966 (3) 1959 (4) 1985

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ काजरी (CAZRI) का पूरा नाम क्या है? [LDC Exam - 16.09.2018]

(1) सेन्ट्रल एग्रीकल्चरल जोन रिसर्च इन्स्टीट्यूट
(2) सेन्ट्रल ओटो जोनल रिसर्ज इन्स्टीट्यूट
(3) सेन्ट्रल एरिड जोन रिसर्च इन्स्टीट्यूट
(4) सेन्ट्रल एरिड जोनल रिसर्च इन्स्टीट्यूट

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के किस शहर में 1952 में मरु वनीकरण शोध स्टेशन की स्थापना की गई थी? [CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) बीकानेर (2) जोधपुर (3) जैसलमेर (4) बाड़मेर

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ केन्द्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र स्थित है-
[II Grade (English) 2011, R.A.S. Pre, 1998]
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
[III Grade (L-I) -25.2.2023]
[कृषि पर्यवेक्षक - 3.3.2019] [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]
[Head Master Exam, 2011] [RPSC LDC, 11 Jan 2014]
[Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]
[H M-15.05.2012][राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
[Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) तबीजी-अजमेर जिला (2) तिजारा-अलवर जिला
(3) सेवर-भरतपुर जिला (4) सीमलिया-बाराँ जिला

Ans. (3)

व्याख्या-राजस्थान में स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र- एक दृष्टि में

1. *सरसों अनुसंधान निदेशालय (DRMR : Directorate of Rapseed - Mustard Research)- सेवर, भरतपुर (20 अक्टूबर, 1993 में) ICAR द्वारा राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र (NRCRM) की स्थापना। फरवरी, 2009 में इसका नाम बदलकर सरसों अनुसंधान निदेशालय कर दिया गया।*
2. *केन्द्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र (CARI) -दुर्गापुरा, जयपुर (स्थापना 1943 में)।*
3. *केन्द्रीय कृषि फार्म, सूरतगढ़ - गंगानगर (रूस की सहायता से 15 अगस्त, 1956 को स्थापित एशिया का सबसे बड़ा फार्म)*
4. *केन्द्रीय कृषि फार्म - जैतसर, गंगानगर (कनाडा की सहायता से कृषि फार्म सूरतगढ़ के अधीन स्थापित)*
5. *केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (CIAH- Central Institute for Arid Horticulture)- बीछ्वाल, बीकानेर (स्थापना 1993 में)*
6. *बेर अनुसंधान केन्द्र एवं खजूर अनुसंधान केन्द्र-बीकानेर (स्थापना 1978 में)*
7. *बाजरा अनुसंधान संस्थान (प्रस्तावित)- गुढ़ामालानी, बाड़मेर में देश का प्रथम बाजरा अनुसंधान केन्द्र निर्माणाधीन*

❒ 'नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर एरिड हॉर्टीकल्चर' राजस्थान के किस जिले में स्थापित किया गया है? [I Grade Geography-16.10.2022]

(1) बीकानेर (2) श्रीगंगानगर (3) अजमेर (4) जोधपुर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान कहाँ स्थित है-
[II Grade GK (संस्कृत शिक्षा)-19.2.2019] [RAS-28.8.2016]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]
[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
[A. A.O.- 31.5.2019] [वनपाल-06.11.2022(S-I)]
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
[I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]

(1) जोधपुर (2) बीकानेर (3) बाड़मेर (4) गंगानगर

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में बेर एवं खजूर अनुसंधान केन्द्र स्थित है- [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) कोटा (4) बीकानेर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ एशिया का सबसे बड़ा कृषि फार्म राजस्थान के निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित है? [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) तबीजी (अजमेर) (2) दुर्गापुरा (जयपुर)
(3) सूरतगढ़ (गंगानगर) (4) जैतसर (गंगानगर)

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केंद्र (NMRC) की 'सेवर' में स्थापना हुई-** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) 1993 (2) 2003 (3) 2004 (4) 2007

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र स्थित है:**
[PSI - 13.09.2021] [II Grade Teacher -2010]
[RAS-05.08.2018] [Jr. Accountant 04.10.16]
[Asst. Jailer Exam-15.03.2016]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]

(1) तबीजी, अजमेर (2) तिजारा, अलवर
(3) केशवरायपाटन, बूँदी (4) झालरापाटन, झालावाड़

Ans. (1)

***व्याख्या** - नवीं पंचवर्षीय योजना में देश का पहला राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र की स्थापना 22 अप्रैल, 2000 में तबीजी (अजमेर) में की गई।*

❒ **सुमेलित नहीं है-** [VDO-28.12.2021 (S-I)]

(1) राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र - तिजारा
(2) केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान-जोधपुर
(3) राष्ट्रीय शुष्क क्षेत्र उद्यानिकी अनुसंधान केन्द्र-बीछवाल
(4) राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र - सेवर

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा राजस्थान में राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान केन्द्र स्थापित किये गये है-** [RAS Pre Exam-26.10.2013]

(1) आमेर (जयपुर) व बीछवाल (बीकानेर)
(2) बस्सी (चित्तौड़गढ़) व माँगरोल (बाराँ)
(3) दुर्गापुरा (जयपुर) व शाहपुरा (भीलवाड़ा)
(4) तबीजी (अजमेर) व सेवर (भरतपुर)

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस क्षेत्र में, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र शोध संस्थान द्वारा आर्थिक रूप से उपयोगी क्षुपों एवं शाकों के मानकीकरण, संरक्षण एवं संवर्धन तकनीकों पर प्रोजेक्ट किया जा रहा है?** [RAS Pre Exam-19.11.2013]

(1) भरतपुर (2) जैसलमेर क्षेत्र (3) कोटा (4) उदयपुर

Ans. (2)

***व्याख्या**- केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र शोध संस्थान (काजरी) के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र-जैसलमेर, बीकानेर, पाली व भुज (गुजरात) में, कृषि विज्ञान केन्द्र पाली व जोधपुर में तथा क्षेत्रीय प्रबंध व मृदा संरक्षण क्षेत्र- चाँदन गाँव (जैसलमेर) व बीछवाल (बीकानेर) में स्थापित है।*

❒ **राजस्थान के उद्यान-कृषि विभाग ने जहाँ कृषि-पारिस्थितिकी पर्यटन एवं अंतर्राष्ट्रीय पुष्प अनुसंधान केन्द्र विकसित करने की योजना बनाई है-** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -19.02.2019]

(1) माउंट आबू (2) जोबनेर (3) पुष्कर (4) जयपुर

Ans. (1) *माउन्ट आबू, सिरोही*

❒ **राजस्थान में केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान कहाँ पर अवस्थित ह**[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]
[PSI - 14.09.2021] [अन्वेषक सीधी - 27.12.2020]
[RAS, 1992.98] [क.वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
[JEN Deg. (Civil) -12.9.2021,
[JEN Deg. (Mech.) - 20.5.2022, 13.12.2020]
[CET - 11.2.2023 (S-I)]

(1) अविकानगर, टोंक (2) सांगानेर, जयपुर
(3) पुष्कर, अजमेर (4) पोखरण, जैसलमेर

Ans. (1)

***व्याख्या** - अविकानगर (मालपुरा) टोंक में केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान स्थित है। इसकी स्थापना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा 1962 ई. में की गई। संस्थान का प्रमुख उद्देश्य उत्तम किस्म की भेड़ों के बारे में अनुसंधान कर अधिक ऊन एवं मांस प्राप्त करना है।*

❒ **राजस्थान के निम्नलिखित में से किस शहर में आईसीएआर- केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान (ICAR-CSWRI) स्थित है-**[पु.कॉन्स्टेबल-6.11.2020]

(1) भीलवाड़ा (2) मालपुरा (3) अलवर (4) भरतपुर

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पशु अनुसंधान केन्द्र, कोड़मदेसर स्थित है-**
[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन) परीक्षा- 24.03.2019]

(1) जयपुर (2) जैसलमेर (3) बीकानेर (4) टोंक

Ans. (3)

***व्याख्या** -पशुधन अनुसंधान केन्द्र कोडमदेसर, बीकानेर - बीकानेर में स्थित इस पशुधन अनुसंधान केन्द्र द्वारा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से नियंत्रित जलवायु में बिना मिट्टी के हरे चारे का उत्पादन किया गया है।*

❒ **राष्ट्रीय ऊँट अनुसंधान केन्द्र कहाँ स्थित है?**
[वनपाल-06.11.2022(S-I)][पशुधन सहायक - 21.10.2018]
[महिला पर्यवेक्षक- 20.12.2015]
[House Keeper -9.7.2022] [II Grade GK - 22.12.2022]
[CET - 5.2.2023 (S-I)][III Grade (SST) -26.02.2023]
(1) जोधपुर (2) कोटा (3) अजमेर (4) बीकानेर
Ans. (4)

***व्याख्या**-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा 'ऊष्ट्र परियोजना निदेशालय' की स्थापना जोहड़बीड़ / जोहड़बीर (बीकानेर) में 5 जुलाई 1984 को ऊँटों के रख-रखाव, प्रजनन एवं उनमें होने वाले रोगों व उपचार के लिए की गई। इसे 20 सितम्बर, 1995 को क्रमोनन्त कर 'राष्ट्रीय ऊष्ट्र अनुसंधान केन्द्र' नाम दिया गया। ज्ञातव्य है कि 1989 में जोड़बीड़ (बीकानेर) में ही राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की गई।*

❒ **राज्य में ऊँट प्रजनन का कार्य निम्न में से किसके द्वारा संचालित किया जा रहा है?**[पटवार परीक्षा-2011]
(1) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्
(2) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
(3) राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान
(4) केन्द्रीय पशुपालन विभाग
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौन-सा कथन सत्य है?**[RAS Pre Exam-26.10.2013]
(1) राष्ट्रीय ऊँट अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में स्थित है।
(2) राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र बाराँ में स्थित है।
(3) केन्द्रीय पशु नस्ल सुधार केन्द्र चित्तौड़गढ़ में है।
(4) केन्द्रीय भेड़ नस्ल सुधार केन्द्र चुरु में स्थित है।
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में भैंस अनुसंधान एवं प्रजनन केन्द्र कहाँ स्थापित किया गया है?** [पटवार परीक्षा - 2011]
(1) वल्लभनगर (उदयपुर) (2) फलौदी
(3) लूणकरणसर (बीकानेर) (4) कोई नहीं
Ans. (1)

***व्याख्या** -भैंस प्रजनन केन्द्र, वल्लभनगर, महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया गया है।*

❒ **राष्ट्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान स्थित है-**
[वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]
(1) तारानगर (2) अविकानगर (3) अजमेर (4) सूरतगढ़
Ans. (3)

***व्याख्या** - बकरी विकास एवं चारा उत्पादन परियोजना के तहत् 1981-82 में बकरी एवं चारा अनुसंधान केन्द्र की स्थापना रामसर (अजमेर) में की गई।*

❒ **सामाजिक कार्य शोध केन्द्र [Social Work Research Center (SWRC)] किस स्थान पर है?** [S.I, 1996]
(1) परबतसर (2) तिलोनिया (3) गोविन्दगढ़ (4) टाडगढ़
Ans. (2)

***व्याख्या** - अजमेर जिले का तिलोनिया गाँव पेचवर्क के लिए चर्चित है। यहाँ समाज कार्य एवं अनुसंधान केन्द्र [S.W.R.C.] बेयर फूट कॉलेज (ग्रामीणों को प्रशिक्षण देकर स्वावलम्बी बनाने हेतु) व बाल संसद स्थित है। सूचना के अधिकार की अग्रणी श्रीमती अरुणा राय व उसके पति बंकर राय की यह कार्यस्थली भी है।*

❒ **कौन-सा कथन सत्य है?**[RAS Pre Exam-19.11.2013]
(1) केन्द्रीय इलेक्ट्रो-केमिकल शोध संस्थान बोरखेडा (कोटा) में स्थित है।
(2) केन्द्रीय साल्ट शोध संस्थान सांभर (जयपुर) स्थित है।
(3) केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिकी अभियांत्रिकी शोध संस्थान पिलानी (झूंझुनूँ) में स्थित है।
(4) केन्द्रीय सड़क शोध संस्थान आबू रोड (सिरोही) में स्थित है।
Ans. (3)

***व्याख्या**- पिलानी : झुन्झुनूँ से 47 किमी. दूर स्थित, यहाँ केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान (Central Electronics Engineering Research Institute) संस्थान स्थित है।*

❒ **सुमेलित कीजिए-** [JEN (Agri.) 10.09.2022]
(A) पहली प्याज मंडी (1) सेवर
(B) केन्द्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र (2) अलवर
(C) कुक्कुट अनुसंधान केन्द्र (3) अजमेर

कूट:	A	B	C	कूट:	A	B	C
(1)	2	1	3	(2)	1	2	3
(3)	1	3	2	(4)	2	3	1

Ans. (1)

❒ **शुष्क वन संस्थान (आफरी) कहाँ स्थित है?**
[Librarian Garde-II - 2.8.2020][Police Constable- 2013]
(1) नागौर (2) बीकानेर (3) जैसलमेर (4) जोधपुर
Ans. (4) *आफरी की स्थापना 1985 में जोधपुर में की गई।*

❒ **शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) की स्थापना कब की गई**[ARO (Plant Pathlogy, Agronomy) 29.8.2022]

(1) 1981 (2) 1987 (3) 1985 (4) 1989

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **शोध केन्द्र को सुमेलित कीजिए-**[RAS-19.11.2013]

(a) धनिया	1. अजमेर
(b) घोड़ा	2. भरतपुर
(c) सरसों	3. बीकानेर
(d) भेड़	4. टोंक

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	3	1	4	(2)	2	1	3	4
(3)	1	3	4	2	(4)	1	3	2	4

Ans. (4)

व्याख्या- केन्द्रीय ऊन विश्लेषण प्रयोगशाला-बीकानेर राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान केन्द्र, अविकानगर (टोंक) तथा राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र, भरतपुर में स्थित है।

❒ **डीएमआरसी (DMRC) जोधपुर का पूर्ण रूप क्या है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) डेजर्ट मैनेजमेंट रिसर्च सेंटर

(2) डेजर्ट मैनेजमेंट रिसर्च कॉरपोरेशन

(3) डेजर्ट मेडिसिन रिसर्च सेंटर

(4) डेजर्ट मेडिसिन रिसर्च कोड

Ans. (3)

व्याख्या *- <u>मरुस्थलीय आयुर्विज्ञान अनुसन्धान केन्द्र</u> (Desert Medicine Research Centre /डीएमआरसी), भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत जैव चिकित्सकीय अनुसंधान के लिए शीर्ष स्वायत्त संगठन, 'भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद' (आईसीएमआर) का एक स्थायी संस्थान है। 27 जून 1984 को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा राजस्थान के जोधपुर शहर में इस केन्द्र की स्थापना की गई।*

❒ **किस जिले में रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला स्थित है?** [III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) अजमेर (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) बीकानेर

Ans. (3)

व्याख्या *- मरूस्थल में पर्यावरणीय स्थिति से सम्बंधित समस्याओं और रेगिस्तानी युद्धों पर उनके प्रभाव से संबंधित समस्याओं से निपटने के लिए रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (डीएलजे) को 16 मई 1959 में स्थापित किया गया।*

❒ **राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र स्थित है-** [III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) कोटा (2) माउंट-आबू (3) जयपुर (4) जोधपुर

Ans. (4)

व्याख्या *- राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र (SRSAC) जोधपुर में राज्य कृषि विभाग के तहत 1979 में 'हवाई फोटो व्याख्या प्रयोगशाला' के रूप में स्थापित किया गया था। 1985 में इसे राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को स्थानान्तरित कर इसका नाम 'स्टेट रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेन्टर' (SRSAC) कर दिया गया।*

❒ **जोधपुर में राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो का प्रादेशिक केन्द्र कब स्थापित किया गया था?** [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) 1965 (2) 1994 (3) 1966 (4) 1976

Ans. (1)

❒ **भारतीय रेल अनुसंधान एवं परीक्षण केन्द्र अवस्थित है-** [JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) पचपदरा

Ans. (4)

व्याख्या - भारतीय रेल अनुसंधान एवं परीक्षण केन्द्र : इस केन्द्र का निर्माण <u>पचपदरा (बालोतरा)</u> में किया जाएगा। यहाँ तेजगति (180 किमी. प्रति घंटा) से चलने वाली ट्रेनों का परीक्षण किया जाएगा। यहाँ से बालोतरा तक 27.5 किमी. का आधुनिक रेलमार्ग बनाया जा रहा है।

❒ **सुमेलित कीजिए-**[III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(A) शुष्क वन अनुसंधान संस्थान	(1) टोंक
(B) केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान	(2) जोधपुर
(C) मक्का अनुसंधान केन्द्र	(3) बाँसवाड़ा
(D) केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान	(4) बीकानेर

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	2	4	1	(2)	1	3	2	4
(3)	2	4	3	1	(4)	4	2	3	1

Ans. (3)

❒ **केन्द्रीय पशुधन प्रजनन फार्म... में स्थित है?** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) जोबनेर (2) भरतपुर (3) सूरतगढ़ (4) बस्सी

Ans. (3)

व्याख्या *- केन्द्रीय पशु प्रजनन केन्द्र की स्थापना 1956 में सूरतगढ़ (गंगानगर) में की गई।*

दिशा भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था राजस्थान परीक्षा 2020

किसी प्रश्न-उत्तर के शंका-समाधान हेतु सम्पर्क कर सकते हैं।

+91 9414248346

प्रामाणिक तथ्य स्रोत सहित

गंगानगर
हनुमानगढ़
अनूपगढ़
चूरू
झुन्झुनूं
बीकानेर
सीकर
अलवर
डीग
फलौदी
डीडवाना-कुचामन
जयपुर ग्रामीण
भरतपुर
जैसलमेर
नागौर
दौसा
धौलपुर
दूदू
जोधपुर ग्रामीण
अजमेर
करौली
टोंक
ब्यावर
सवाई माधोपुर
केकड़ी
बालोतरा
शाहपुरा
बूंदी
बाड़मेर
पाली
भीलवाड़ा
बारां
जालौर
राजसमंद
कोटा
चित्तौड़गढ़
सांचौर
सिरोही
उदयपुर
झालावाड़
सलूम्बर
प्रतापगढ़
डूंगरपुर
बांसवाड़ा

विश्वसनीयता, गुणवत्ता, सम्पूर्णता हर मापदण्ड पर सर्वश्रेष्ठ

Book Code : 26 MRP : 399/-